The Ever Supremely Honourable Qur'an

Translated by Hafiz Zulfiqar Ali, Son of Muhammad Ramzan, Grandson of Muhammad Alim.

Hafiz Zulfiqar Ali, the Son of Muhammad Ι. Ramzan, and the Grandson of Muhammad Alim testify with certitude that True God there is no except The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The The Ever Ever Most Forgiving, Owner of All The Praise, The Ever Owner of All Glory, Ever Seeing of Everything, The Ever All Knowing All of Everything, The Ever Most High, The Ever Mighty, The Ever Owner of the Most Good Most Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and and Sustainer of Everything in The Eternal Lord the Entire Universe, I bear witness with certainty and Noah and Abraham and Ishmael and that Adam and Jacob and Joseph and Lot and Moses Isaac Aaron and Jonah and Job and David and and Solomon and Hûd and Saalih and Elisha and Elias Ezra and Idrees and Zechariah and and John Jesus, the Son of Mary and Muhammad are and surely indeed the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophets of The Ever Almighty God, Peace and Mercy from The Ever Almighty and His Blessings be upon each God and every of the Prophets, and each and every one one every trillionth their followers in of a of second until the end of the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World.

Certainly, there are one hundred and fourteen 114 Sûrah Chapters in the Ever Supremely Honourable and Ever Supremely Glorious and the Ever the Blessed and the Ever Supremely Supremely and the Ever Supremely Wise and Miraculous Ever Supremely Clear Qur'an, the Message the Statement and the Ever Distinctive Criterion and the Whole Truth and the Grace and the Mercy and the Wise Reminder and the Book Explaining Everything Clear Light and the detail, and the in True Insightfulness and the Miraculous Proof and the Miraculous Words and the Miraculous Verses and the Miraculous Speech and the Heavenly Guidance Ever Almighty God, The Ever Most of The Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of on the whole earth. the Human Beings

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come to ye from among yourselves reciting to ye My Miraculous Verses; then any person who fears The Ever Almighty God and acts righteously, surely no fear will come upon them, nor will they grieve. 7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

Contents

| 1: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Fatiha The Opening M.V. 7 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
--
--
--|--|---|--|---|--|--|---|--|--|--|--|---|---|---
--|--|--|--|--
--
--|--|---|--|---|--|--|---|--|--|--|--|---|---|---
--|--|--|--|--|--|--|---|--|
| 1: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Fatiha The Opening M.V. 7 | 124 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 2: | Sûrah Cl

 | - | Al-Baqarah The Heifer M.V. 286 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 3: | Sûrah Cl

 | | Ale-Imran The Family of Imran M.V. 200 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 4: | Sûrah Cl

 | | Al-Nisa The Women M.V. 176 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 5: | Sûrah Cl

 | - | Al-Ma'idah The Table Spread M.V. 120 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 6: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-An'am The Livestock M.V. 165 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 7: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-A'raf The Elevations M.V. 206 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 8: | Sûrah Cl

 | - | Al-Anfal The Bounties of War M.V. 75 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 9: | Sûrah Cl

 | hapter | At-Tauba The Repentance M.V. 129 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 10: | Sûrah Cl

 | | Yunus Jonah P.m.b.u.h. M.V. 109 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| | Sûrah Cl

 | - | Hûd P.m.b.u.h. The Miraculous Verses 123 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| | Sûrah Cl

 | - | Yusuf Joseph P.m.b.u.h. M.V. 111 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 13: | Sûrah Cl

 | hapter | Ar-Ra'd The Thunder M.V. 43 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 14: | Sûrah Cl

 | hapter | Ibrahim Abraham P.m.b.u.h. M.V. 52 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| | Sûrah Cl

 | | Al-Hijr The Rocky Tract M.V. 99 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 16: | Sûrah Cl

 | hapter | An-Nahl The Bee M.V. 128 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 17: | Sûrah Cl

 | hapter | the Children of Israel P.m.b.u.t. M.V. 111 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 18: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Kahf The Cave M.V. 110 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 19: | Sûrah Cl

 | hapter | Maryam Mary P.m.b.u.h. M.V. 98 | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 20: | Sûrah Cl

 | hapter | Ta-Ha The Miraculous Verses 135 | 672 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 21: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Anbiya The Prophets P.m.b.u.h. V.112 | 692 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 22: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Hajj The Pilgrimage M.V. 78 | 711 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 23: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Mu'minun The Believers M.V. 118 | 728 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 24: | Sûrah Cl

 | | An-Nur The Clear Light M.V. 64 | 745 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 25: | Sûrah Cl

 | hapter | Al-Furqan The Ever Distinctive Criterion The Miracul | ous | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| |

 | | | 762 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 26 |

 | | | 776 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 26: | Surah Cl

 | hapter | Ash-Shu'ara The Poets M.V. 227 | //6 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| | Surah Cl
Sûrah Cl

 | - | An-Naml The Ants M.V. 93 | 802 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27: |

 | hapter | | 802 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93 | 802
819 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29: | Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88 | 802
819
839 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69 | 802
819
839
854 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60 | 802
819
839
854
866 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-NamlTheAntsM.V. 93Al-QasasTheNarrativeM.V. 88Al-AnkabutTheSpiderM.V. 69Ar-RumTheRomansM.V. 60LuqmaanP.m.b.u.h.M.V. 34 | 802
819
839
854
866
875 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-NamlTheAntsM.V. 93Al-QasasTheNarrativeM.V. 88Al-AnkabutTheSpiderM.V. 69Ar-RumTheRomansM.V. 60LuqmaanP.m.b.u.h.M.V. 34As-SajdahTheProstrationM.V. 30M.V. 30 | 802
819
839
854
866
875
881 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-NamlTheAntsM.V. 93Al-QasasTheNarrativeM.V. 88Al-AnkabutTheSpiderM.V. 69Ar-RumTheRomansM.V. 60LuqmaanP.m.b.u.h.M.V. 34As-SajdahTheProstrationAl-AhzabTheAliedArmiesM.V. 73 | 802
819
839
854
866
875
881
898 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35: | Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl
Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54 | 802
819
839
854
866
875
881
898
911 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36: | SûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahCl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83 | 802
819
839
854
866
875
881
898
911
921 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37: | SûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahClSûrahCl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45 | 802
819
839
854
866
875
881
898
911
921
933 | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88 | 802
819
839
854
866
875
881
911
921
933
952 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182 | 802
819
839
854
866
875
881
988
911
921
933
952
965 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75 | 802
819
839
854
866
875
881
921
921
923
952
965
982 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54 | 802
819
839
854
866
875
881
988
911
921
933
952
965
982
999 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53 | 802
819
839
854
866
875
881
981
921
921
952
965
982
999
1012 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43: | Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 53 | 802
819
839
854
854
866
875
881
981
921
933
952
965
982
999
1012
1024 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl <tr tbu<="" td=""><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59</td><td>802
819
839
854
854
875
881
988
911
921
933
952
982
982
999
1012
1024
1039</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl </td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37</td><td>802
819
839
839
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35</td><td>802
819
839
839
854
875
881
921
921
923
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47:
48:</td><td>Sûrah CI Sûrah CI Sûrah CI <tr tbu<="" td=""><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29</td><td>802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071</td></tr><tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18</td><td>802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079</td></tr><tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085</td></tr><tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092</td></tr><tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100</td></tr></td></tr> | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59 | 802
819
839
854
854
875
881
988
911
921
933
952
982
982
999
1012
1024
1039 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37 | 802
819
839
839
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35 | 802
819
839
839
854
875
881
921
921
923
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47:
48: | Sûrah CI Sûrah CI Sûrah CI <tr tbu<="" td=""><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29</td><td>802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18</td><td>802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100</td></tr> | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29 | 802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18 | 802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100 |
| hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59

 | 802
819
839
854
854
875
881
988
911
921
933
952
982
982
999
1012
1024
1039 | | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37 | 802
819
839
839
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35 | 802
819
839
839
854
875
881
921
921
923
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
46:
47:
48: | Sûrah CI Sûrah CI Sûrah CI <tr tbu<="" td=""><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29</td><td>802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18</td><td>802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88</td><td>802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092</td></tr> <tr><td>27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52:</td><td>Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr</td><td>hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter</td><td>An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45</td><td>802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100</td></tr> | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29 | 802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18 | 802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092 | 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 29

 | 802
819
839
854
854
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1039
1046
1053
1063
1071 | | | | | | | | | | | | | |
 | | | | |
 | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
48:
49: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18 | 802
819
839
839
854
866
875
881
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1033
1046
1053
1063
1071
1079 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
933
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1071
1079
1085 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88 | 802
819
839
854
854
866
875
881
921
921
952
965
982
999
1012
1024
1053
1063
1063
1071
1079
1085
1092 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |
| 27:
28:
29:
30:
31:
32:
33:
34:
35:
36:
37:
38:
39:
40:
41:
42:
43:
44:
45:
44:
45:
46:
47:
48:
49:
50:
51:
52: | Sûrah Cl Sûrah Cl Sûrah Cl Sûr

 | hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter
hapter | An-Naml The Ants M.V. 93
Al-Qasas The Narrative M.V. 88
Al-Ankabut The Spider M.V. 69
Ar-Rum The Romans M.V. 60
Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34
As-Sajdah The Prostration M.V. 30
Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73
Saba Sheba The Miraculous Verses 54
Fatir The Creator M.V. 45
Yaa-seen The Miraculous Verses 83
As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182
Saad The Miraculous Verses 88
Az-Zumar The Groups M.V. 75
Al-Mo'min The Believer M.V. 85
Fussilat Explained in Detail M.V. 54
Ash-Shura The Consultation M.V. 53
Az-Zukhruf The Gold M.V. 89
Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59
Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37
Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35
Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38
Al-Fath The Victory M.V. 29
Al-Hujurat The Apartments M.V. 18
Qaaf The Miraculous Verses 45 | 802
819
839
854
854
854
881
988
911
921
952
965
982
999
1012
1024
1033
1063
1071
1079
1085
1092
1100 | | | | | | | | | | | | |
 | | | |
 | | | | | | | | | | |
 | | | | | | | | | | | | |

54: Sûrah Chapte	er Al-Qamar The Moon M.V. 55
55: Sûrah Chapte	
Miraculous Verse	5 78
56: Sûrah Chapte	
57: Sûrah Chapte	
58: Sûrah Chapte	
59: Sûrah Chapte 60: Sûrah Chapte	
61: Sûrah Chapte	
62: Sûrah Chapte	
63: Sûrah Chapte	
64: Sûrah Chapte	
65: Sûrah Chapte	er Al-Talaq The Divorse M.V. 121185
66: Sûrah Chapte	
67: Sûrah Chapte	
68: Sûrah Chapte	
69: Sûrah Chapte	
70: Sûrah Chapte 71: Sûrah Chapte	
71. Surah Chapte	
73: Sûrah Chapte	
74: Sûrah Chapte	**
75: Sûrah Chapte	-
Verses 40	
	er Ad-Dahr The Time M.V. 311245
77: Sûrah Chapte	er Al-Mursalat The Sent Ones M.V. 50
78: Sûrah Chapte	er An-Naba' The Mighty True News The Miraculous
	er An-Nazi'ăt Those Who Extract M.V. 46
	er At-Takwir The Folding Up M.V. 29
81: Surah Chapte	
83: Sûrah Chapte	•
1	Verses 36
84: Sûrah Chapte	er Al-Inshiqaq The Splitting Apart M.V.251280
85: Sûrah Chapte	
86: Sûrah Chapte	
87: Sûrah Chapte	er Al-A'la The Ever Most High M.V. 19
	er Al-Ghashiyah The Overwhelming Event The Miraculous
-	$\begin{array}{cccc} \text{AI-Faji} & \text{Ine} & \text{Dawn} & \text{M.V. 501296} \\ \text{er} & \text{AI-Balad} & \text{The} & \text{City} & \text{M.V. 20} \\ \end{array}$
90. Surah Chapte	•
92: Sûrah Chapte	
93: Sûrah Chapte	
94: Sûrah Chapte	
95: Sûrah Chapte	
96: Sûrah Chapte	
97: Sûrah Chapte	
98: Sûrah Chapte	
	er Al-Zilzal The Ultimate Earthquake M.V. 8
100: Sûrah Chapte	er Al-'Adiyat The Charging Steeds M.V. 11
101: Sûrah Chapte	er Al-Qari'ah The Dreadful Calamity M.V.11
102: Sûrah Chapte	er Al-Qari'ah The Dreadful Calamity M.V.11
102: Sûrah Chapte 103: Sûrah Chapte	er Al-Qari'ah The Dreadful Calamity M.V.11
102: Sûrah Chapte	er Al-Qari'ah The Dreadful Calamity M.V.11

106: Sûrah	Chapter	Quraysh The Quraysh M.V. 4	1331
107: Sûrah	Chapter	Al-Ma'un Common Kindnesses M.V. 7	1332
108: Sûrah	Chapter	Al-Kauthar The Abundance M.V. 3	1333
109: Sûrah	Chapter	Al-Kafirûn The Unthankful Disbelievers The Miraculous	Verses
M.V.6			1334
110: Sûrah	Chapter	An-Nasr The Help M.V. 3	1335
111: Sûrah	Chapter	Al-Lahab The Flame M.V. 5	1336
112: Sûrah	Chapter	Al-Ikhlas True Faithfulness M.V. 4	1337
113: Sûrah	Chapter	Al-Falaq The Day Break M.V. 5	1338
114: Sûrah	Chapter	An-Năs All Humankind M.V. 6	1339
The Life	Story o	f the Translator	1422

1: Sûrah Chapter Al-Fatiha The Opening M.V. 7

1:1. Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

1:2. All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds, 1:3. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful,

1:4. The Eternal Sovereign Owner of the Day of Judgment and Requitals.

1:5. Only Thee we worship and only Thee we ask for help.

please guide us to the Straight Path, 1:6. Thou 1:7. The Path of the people upon whom vour Favours Blessings, Thou have awarded and not of those whom have been afflicted with Anger of those who your nor have gone astray.

Almighty God, there The Ever God 2:255. is no Ever Living, Alone, The Him The Eternal except Watchful Sustainer. He is not seized ever by sleep. drowsiness Only Him to belongs nor is in all the Everything that and heavens Everything that is in the whole earth. Who is the one who can ever dare to intercede with Him by His permission? He except always knows very whatever before well is them and whatever is Truly they do behind them. not ever encompass anything from His knowledge except whatever He Throne Encompasses Wills. His all the heavens earth, truly the preservation whole and the of of does not ever tire Him. Truly both them He High, The Ever Most Mighty. Ever Most is The

67:23. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Almighty Prophet of The Ever God. The Ever Owner of All The Ever Praise, Owner of All The Ever Most Beautiful, The Glory. Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire The Eternal Universe. The Creator and Lord and Sustainer of the Entire Universe each every to and one of Humankind P.m.b.u.h must say: "The Ever Almighty God is The God Who has created each of ye Humankind and He and every one has for each and one of ye Humankind, the made hearing and the eyesight and the understanding hearts. Yet ye Humankind give very little thanks!"

67:24. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God, The The Ever of Ever Most Ever Owner of All Praise, Mighty, The The Ever of All Glory, The Ever Most Excellent Owner The Ever Most Beautiful, The Helper. Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire The Eternal Universe. The Creator and Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every "The Ever Humankind P.m.b.u.h) must say: one of Almighty God is The God Who has multiplied each and every one of ye Humankind throughout earth, truly unto Him each and every one the of ye Humankind will be assembled together!"

Truly if ye the Human Beings would count 16:18. Favours and Blessings of The Ever Almighty the will able to ve God. not be count them. Certainly, The Ever Almighty God is indeed. The Most Forgiving, The Ever Most Merciful. Ever

Truly The Ever Almighty God is The 23:78. God each and every one for Who has created of the hearing the ve Humankind and evesight and understanding hearts. Yet ye Humankind give the very little thanks (to The Ever Almighty God).

Ever Almighty God 23:79. Truly The The is God multiplied each and every Who has one of ve throuhgout the earth. and Humankind unto Him every one of ye Humankind will each and be Final together (on the assembled Mighty Day of Reckoning Resurrection and Judgement and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Truly The Ever Almighty God is The God 23:80. Who gives life and He Alone causes death. and Him Alone is the mighty task upon to alternate night day. Despite will the and the that ve not use your intellect to be equitable? Humankind

35:3. ve each and every one of Humankind! 0 always heedfully remember the Ye must Favours Blessings of The Ever Almighty God awarded and upon ye. Is there any Creator other than The Ever who provides Almighty God for sustenance ve earth? Humankind from the heaven and the There God except Him Alone, is no despite that how from The Whole Truth? ve turned away are

Ever The 3:51. Certainly, Almighty God The is Sustainer Lord and of me Eternal and The Sustainer ye; Lord and all of Eternal therefore, ye must always worship only The all of Ever Almighty God. This is the Straight Path.

I. Hafiz Zulfigar Ali, the Son of Muhammad the and Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Most The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Seeing Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient of Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most True Light of all the Heavens The Truthful. and The Ever Earth. All Knowing the Whole of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable. The Mighty, Most Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever The Truth. Ever Owner of the Supreme Supreme The Ever Owner Greatness, of the Most Good The Eternal Lord Sustainer Names. and of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The the Ever Supremely Sustainer of Glorious and The Ever Most Exalted. The Ever Throne. Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful, The Eternal King of the Most Entire Universe. Honour, The Eternal Owner of All The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Powerful, Most Creator The Ever The and The of the Eternal Lord and Sustainer Entire Universe surely created indeed has each and every one of whole earth ever, and Humankind on the He us the hearing and the evesight has made for us understanding hearts. Yet we Humankindthe and

-give very little thanks to The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The God multiplied each and every Who has one of ve Humankind throughout the earth, truly Him unto every one of will ye Humankind be each and together on the Final assembled Mighty Dav of and Reckoning and Judgement Resurrection and and Rewards and Recompense in Requitals the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years. Therefore, each and every Humankind on of us whole earth must one the always believe with certitude in The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Most Merciful, The Creator and The Ever Eternal Lord of the Entire Universe and His Angels and His Messengers His Books and and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and the Eternal Afterlife World, Recompense in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years. must submit ourselves we to follow each and every Commandment of The Almighty Ever and always truly love The God. and we must Ever Almighty God because of His uncountable Favours Blessings and His Gifts and His and Graces Mercies and His Mighty Favours with and His all and mind and soul, and heart our we must always truly love The Ever Almighty God greatly more than ourselves and our mothers and fathers and forefathers and our foremothers and our sons daughters and our brothers sisters and and and our spouses and all our relatives, and all our wealth which we have gained, and our successful commerce dwellings and everything else we and our love. greatly love and And we must always greatly love and greatly honour and greatly fear The Ever Almighty God-

always strive hard to protect -and we must and our families from kind every ourselves of requital punishment of The Ever Almighty God in life this present earthly world and the of the requital punishment of the Hellfire whose fuel is stones, which Humankind and has been prepared unthankful disbelievers hypocrites. for the and the truly believe Certainly, the people who and the people who are the Jews and the Christians and every truly Sabeans. each and the one who Almighty God Ever The the believes in and Final Day and does righteous good actions, surely every one of them will each and have their good reward with The Eternal Lord and Sustainer of them: truly no fear will come upon any of nor will they grieve. Certainly each them. and every person from among Humankind who earns evil sin has surrounded him, surely such people and his residents of the Hellfire; will be they the will reside in Hellfire forever on the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and and Rewards and Recompense Requitals and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years. Surely the people who is truly believe and do righteous good actions, such of people will be the residents the Everlasting Garden; they will reside in the Everlasting Garden on the Final Mighty Day of Resurrection forever Reckoning and Judgement and and Requitals and Eternal Afterlife World, the measured Rewards in the whereof is Fifty Thousand Years. Therefore. extent and every one of us Humankind on each the must always believe earth in The Ever whole the Final Day of Resurrection Almighty God and Requitals in the Eternal Afterlife World, and and righteous good actions as long as we live. do

49:12. O ye the people who truly believe! Ye always avoid making too many speculations! must speculations are sinful. And Certainly, some ve the believers must not ever spy on another! true one true believers And must not ever backbite ve the any one another! Would of one ve the true of his believers like to eat the flesh dead Surely ye would hate it. And ye the true brother? always fear The Ever Almighty believers must God! Ever Almighty God Certainly, The is The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

ye each and every one of 0 49:13. Humankind! The Ever Almighty God, The We Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. All Glory, Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Most Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) have created and each and every one of ye from a single man woman (Adam and Eve P.m.b.u.t), and We and made ye Humankind into nations and tribes have for the purpose that ye may recognise each other. Certainly, the most honourable of ye in the Sight The Ever Almighty God is the most devoutly of pious of ye. Certainly, The Ever Almighty God All Knowing, The Ever All Aware. is The Ever

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

22:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O ye each and every one of Humankind! I am only the Clear Constant Warner to all of ye!"

22:50. Surely the people who truly believe and good righteous actions. they will have do forgiveness and the honourable sustenance.

22:51. Truly the people who strive against Our Miraculous Verses, trying to discredit them, they will be the residents of the Blazing Hell.

2:161. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they die while they are unthankful disbelievers, people upon whom there such are the will be The Ever Almighty God the of and curse the and the Humankind, all of them Angels together.

Such unthankful disbelievers will remain under 2:162. forever. the requital punishment will the curse not lightened for the unthankful disbelievers nor be will not be reprieved (on the Final Mighty Day and Judgement of Resurrection and Requitals and in the Eternal Afterlife World, the Rewards measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

2:163. Truly The God of each and every one of ye Humankind is The Ever One God, there is no God except The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful.

35:3. O ye each and every one of Humankind! always heedfully remember the Favours Ye must Blessings of The Ever Almighty God awarded and upon ye. Is there any Creator other than The Ever Almighty God who provides sustenance for ve Humankind from the heaven and the earth? There Alone, except Him is God despite that how no turned away from The Whole Truth? are ve

each and every 35:5. O ye of Humankind! one Certainly, the Promise of The Ever Almighty God ye Humankind must is the Whole Truth; therefore, not ever let the life of this present Earthly World deceive ve, and ve Humankind must not ever let any deceiver **∲from** among Humankind nor from among the Jinn-kind deceive ye The about Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe). 35:6. Certainly, the devil Satan the is enemy to every one of ye Humankind; surely each and one of ye Humankind each and every must Satan the devil as always treat the enemy. his party only The devil Satan invites for the they always that may be among purpose the residents of the Blazing Hellfire.

35:7. The people who unthankfully disbelieve will severe requital punishment, but the people have a and truly believe do righteous who good actions the forgiveness and the will have great reward *fon* Final Mighty Day of Resurrection the and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards Eternal Afterlife World, the and Recompense in the is Fifty Thousand Years). whereof measured extent

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

Son I. Hafiz Zulfigar Ali, the of Muhammad and the Grandson Alim of Muhammad Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Owner of All Glory, The Seeing Ever Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most the True Light of all Heavens The Truthful. and The Whole Earth, Ever All Knowing the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable, The Mighty. Most Ever Ever Most The Ever Excellent Protecting Friend, Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever The Truth. Ever Owner Supreme of the Supreme Ever Owner The of Greatness, the Most Good Names, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Witness Over Everything, Everything, The Ever Present The Ever Most Forbearing, The Eternal Lord and the Ever Supremely Glorious Throne, Sustainer of The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Most The Eternal King of the Entire Universe, Grateful. The Eternal Owner of All Honour. The Ever The Ever Omnipresent Help. Most Good. to The Most Powerful, The Creator and Ever The Eternal Sustainer of the Universe. Lord and Entire surely Commanded each every one indeed has and of Humankind the whole earth us on saying: "O ve each and every of Humankind! one Ye always heedfully remember the Favours andmust

-Blessings of The Ever Almighty God awarded upon there any Creator other than The Ever Is ve. God who provides for Almighty sustenance ve and Humankind from the heaven the earth? no God except Him Alone, despite There is that turned away from The Whole Truth? how ve are Humankind! 0 each and every one of ye the Promise of The Ever Almighty God Certainly, Truth: therefore, ye Humankind is Whole the ever let the life of this present Earthly must not deceive ye, and ye Humankind World must not any deceiver (from Humankind ever let among Jinn-kind) among the deceive nor from ve about Almighty God!" Therefore, each The Ever and everv us Humankind on whole must of the always one heedfully remember uncountable the Favours and and His Gifts Blessings and His Graces and His The His Mighty Favours Mercies and of Ever Almighty God awarded Certainly, upon us. there is no Creator other than The Ever Almighty God who provides sustenance for us from the heaven earth. There is The and the God except Ever no God. Certainly and every one Almighty each of Humankind on the whole must truly believe us The Ever Almighty God, The Ever Most in Mighty and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Recompense in the Eternal Rewards and Afterlife measured whereof is World, the extent Fifty Thousand Years; and all of righteous us must do long we live. Surely good actions as as the truly believe and do righteous people who good actions, such people will be residents the of the Everlasting Garden; they will reside in the Everlasting Afterlife World. Garden forever in the Eternal

4:82. do the Human Beings Then not ponder Qur'an? If this this deeply over Qur'an had The anyone other than Ever from Almightv been Beings would have God; indeed, the Human found in this Qur'an many contradictions.

O ye 4:170. each and every of Humankind! one the Indeed. there has come to ye Messenger Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of Ever the The each and Almighty God to everv one of Humankind P.m.b.u.h³ with The Whole Truth from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely all must always truly believe; it is supremely of ve good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: surely indeed, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and the whole earth. Truly The Ever Almighty God is always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:174. O ye each and every one of Humankind! Indeed, there has come to ye the Miraculous Proof from The Eternal Lord and Sustainer of ye, and We have Miraculously Revealed to ye the Clear Light.

13:1. Alif, Laam, Meem, Raa. These are the Miraculous Book Qur'an; truly Everything that Verses of the has been Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Most Gracefully Compassionate, The Creator The Ever The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and of each every one to and Humankind Universe The Eternal Lord P.m.b.u.h from and Sustainer of Whole Truth. but still of thee is The most Humankind do not truly believe in the Whole Truth.

Zulfiqar Ali, the Son of Muhammad I. Hafiz and the Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever sincerely Almighty God, Ever Most The Gracefully Compassionate, The Ever Most The Merciful. Ever Most Good. The Ever Most Generous. The Creator Eternal Lord Entire and The of the Universe has and every surely indeed sent to each one of whole earth: Muhammad, Humankind the the on Trustworthy Honourable and the the Truthful and Messenger and Prophet P.m.b.u.h with The Whole Eternal Lord The from The and Eternal Truth every one of us each and Sustainer of Humankind Therefore, surely on the whole earth. each and Humankind the whole everv one us on earth truly believe in The Whole always Truth. the must Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely and the Ever Supremely Blessed and Glorious the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever Ever Supremely Clear Qur'an, Wise and the the and the Ever Distinctive Message Statement Criterion Whole Truth the the Grace and the Mercy and Wise Reminder the Miraculous and the and Proof Clear Light and the True Insightfulness and the and Heavenly Guidance and the Miraculous Words the the Miraculous Verses of The Almighty Ever and every one of Humankind God each and on the to supremely good earth. Truly it will be whole for each and every person such a person. But from Humankind each and every person among and from Jinn-kind who unthankfully disbelieves in The among indeed, only to Whole Truth: surely The Ever belongs Everything that God is in all Almighty heavens and The whole earth. Truly the Ever the always The Almighty Ever All Knowing. God is The Ever All Wise. Therefore, each and every one-

truly believe -of us Humankind on the earth must Ever Almighty God, in The The Ever Most and His Angels and His Books Mighty and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and and Recompense in the Eternal Afterlife Rewards whereof measured extent World, the is Fifty Thousand Years; and we must do righteous good we live on for as long this earth. actions as Certainly, the people who truly believe and the people who are the Jews and the Christians and Sabeans, each and every who truly the one Almighty God The Ever believes in the and and does righteous good Day actions. Final surely and every one of them will each have their reward with The Eternal Lord and good Sustainer of them; truly no fear will come upon any of nor will they grieve. Certainly each them. and among Humankind who from person earns every sin has surrounded him, surely such evil and his people will be the residents of the Hellfire; they Hellfire forever on the Final Mighty will reside in Resurrection and Judgement and Reckoning Dav of and Rewards and Recompense in and Requitals the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years. Surely the people is who truly believe and do righteous good actions, such people will be residents of the Everlasting the Garden; they will reside in the Everlasting Garden Final Mighty Day of Resurrection forever on the Reckoning and Requitals and Judgement and and Eternal Afterlife World, the measured Rewards in the Fifty Thousand Years. whereof is Therefore. extent every one of us Humankind on each and the always believe with certainty earth must whole and do righteous good actions as long as we live.

7:158. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? "O say: ye each and every one of must Humankind! Certainly, I am the Messenger of The Almighty God to each and every of ye. Ever one The Whom belongs God He is to the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. God except Him There is no Alone. He Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly Ever Almighty believe in The God and His Messenger; Prophet who cannot read the nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose the that ve may become people who follow the Heavenly the Guidance.

81:25. Truly this Book Qur'an is not in any way the Word of the accursed Satan.

81:26. Therefore, where are ye Humankind going?

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

81:28. For each and every person who wills from among ye Humankind to follow the Straight Path.

Truly ye Humankind 81:29. cannot even will except Almighty God The Ever Wills. The that Eternal of all Lord and Sustainer the Worlds.

Zulfigar Ali, the Son of Muhammad I. Hafiz Grandson of Muhammad and the Alim Ramzan. testify with certitude that sincerely there is no God except The Ever Almighty God, and Muhammad Honourable and the Trustworthy is the and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God to of Humankind P.m.b.u.h. each every one The and Ever Almighty God is The One to Whom belongs the Eternal Kingdom of all the heavens and the earth. There is no God except Him Alone. whole gives life and He Alone causes death. He Alone Surely each and every one of us Humankind on earth must always truly believe whole in the Ever Almighty God and His Messenger; The the cannot read write. He Prophet who nor is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and Humankind on the every one of us whole earth must always follow the Prophet for the purpose that the people who follow we may become the Surely indeed Heavenly Guidance. each and every Humankind on of us the whole earth one must always truly believe in The Ever Almighty God. The Ever Most Mighty and His Angels and His and His Messengers and the Final Mighty Books Resurrection and Judgement and Reckoning Dav of Requitals and Rewards and Recompense and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years; and each and every is one the us Humankind whole of on earth must do righteous good actions as long as we live. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, such people will be the residents of the Everlasting Garden; they will reside in the Everlasting forever the Eternal Afterlife Garden in World. Truly that is indeed the mighty everlasting victory.

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything. 2:21. ye each and every one of Humankind! 0 Ye always worship The Eternal Lord and must of ye, The God Who Sustainer has created all of ve and all the people who were ever before all of ve. for the purpose ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

made the 2:22. The God Who has the earth vast Humankind and the sky the floor for ve roof. down rainwater from sky, and He sent the and brought forth thereby many He fruits has as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to not ever The Ever must Almighty God while ye have the knowledge.

Truly if any one of ye Humankind 2:23. are in doubt about the Ever Supremely Honourable Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful. The Ever Most Most Kind, High, Ever The The All Praise, Ever Most Mighty, The Ever Owner of The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe} have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must Sûrah Chapter just like of this produce one Book and ye may call upon your helpers Our'an. other than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

2:24. But if ye Humankind cannot do this, truly ve Humankind will not ever be do this, then able to Humankind yourselves must protect against ve the Hellfire whose fuel is Humankind and stones. which prepared for the unthankful has been disbelievers.

2:25. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, All Wise, The Creator and The Ever The Eternal Sustainer of the Lord and Entire Universe to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? each good true news to the people announce the must truly believe and do righteous good actions: who certainly, they will have the Everlasting Gardens with flowing beneath them. Whenever they will rivers provided any fruit from the Everlasting Gardens be say: "This is the sustenance, they will what as were provided with before!" Truly they will we given things in resemblance. And they will be have therein spouses of perfect purity, and thev will remain in the Everlasting Gardens forever.

22:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O ye each and every one of Humankind! I am only the Clear Constant Warner to all of ye!"

22:50. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, they will have forgiveness and the honourable sustenance.

22:51. Truly the people who strive against Our Miraculous Verses, trying to discredit them, they will be the residents of the Blazing Hell.

Then which of Favours Blessings 55:55. the and of Eternal Lord and Sustainer ye, of The will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ye

I. Hafiz Zulfigar Ali, the Son of Muhammad the and Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Seeing All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most the True Light of all Heavens The Truthful. and Whole Earth. The Ever All Knowing the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable. The Mighty, Most Ever Ever Most The Ever Excellent Protecting Friend, Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever The Truth. Ever Owner of the Supreme Supreme The Ever Owner Greatness, of the Most Good The Eternal Lord Names. and Sustainer of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The Supremely the Ever Sustainer of Glorious and Throne, The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Grateful, The Eternal King of Ever Most the All Honour, Entire Universe. The Eternal Owner of Good. The Ever Omnipresent Ever Most The to Most Powerful, The Help, The Ever Creator and Sustainer The Eternal Lord and of the Entire surely indeed Commanded Universe has each and of us Humankind on every whole one the earth through The Ever Supremely Honourable Our'an: saying: "O ye each and every one of Humankind!-

always worship The Eternal Lord and -"Ye must Sustainer of ye, The God Who has created all all the people who were of ve and ever before ye, for the purpose all of ye may become the fear The Ever Almighty God. righteous people who God Who has made The the earth the vast Humankind sky floor for and the the roof. ye sent down rainwater from the and He sky, and brought forth thereby many fruits as He has the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind to not ever make anything equal must The Ever Almighty God while ye have the knowledge. any one of ye Humankind Truly if are in doubt about the Ever Supremely Honourable Our'an which (The Ever Almighty God, The Ever Most We Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have Miraculously servant, then ye must Revealed upon Our produce Sûrah Chapter just like of this Book Qur'an, one ye may call upon your helpers other than The and Ever Almighty God, if ye are truthful. But if ve Humankind cannot do this, truly ye Humankind will this, then ye Humankind able to do not ever be yourselves against the Hellfire protect whose must is Humankind and stones, fuel which has been prepared for the unthankful disbelievers!" Certainly, the people who truly believe and the people who Jews and the Christians are the the and Sabeans, truly believes every one who and each in The Ever Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each and every one will their good reward with of them have The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

51:56. Truly I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, Eternal King of the Entire Universe, The The Lord The Eternal Creator and Sustainer and of the Entire Universe? have not created all the Jinn all the Human Beings except for the Beings and purpose that all of them always worship only Me.

51:57. I do not desire from the Jinn Beings and the Human Beings any sustenance; nor do I desire that they should feed Me.

51:58. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Supreme Sustainer, The Ever Most Powerful, The Ever Most Strong.

3:51. Certainly, The Ever Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer all of ye; therefore, all of ye must always worship only The Ever Almighty God. This is the Straight Path.

36:60. O ye the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Did I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Eternal Sustainer of the Entire Universe and The Command ye that ye must not ever worship not devil Satan. Certainly, the devil the Satan is clear enemy to all of the most ye. all of ye must always worship that 36:61. And only Me (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate). This is the Straight Path.

I. Hafiz Zulfigar Ali, the Son of Muhammad the and Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Most The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Owner of All Glory, The Seeing Ever Ever All Everything. The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most the True Light of all Heavens The Truthful. and Whole Earth, The Ever All Knowing the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable, The Mighty. Most Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever The Truth. Ever Owner of the Supreme Supreme The Ever Owner Greatness, of the Most Good Eternal Names, The Lord Sustainer and of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The All Ever Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, The Ever Most Exalted. Giver of Equitable Judgements, The The Giver of Equitable Commandments, The Ever Most Just in Entire Universe, the The Ever Most Equitable in Entire Universe, The Ever Most High-Ranking, the Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Eternal King of Entire Universe. the The The All Honour, Ever Eternal Owner of The Most Ever Omnipresent The Help, The Good. to Ever Powerful, The Creator and The Eternal Most Lord Universe surely indeed Sustainer of the Entire and of created each and every one us Humankind has whole earth and each and the every one ofon

Beings, for the purpose that Jinn each -the and one of us always worship only The Ever every Surely indeed I sincerely testify Almighty God. with that there is no God except The certitude Ever Almighty God, and certainly, Adam and Noah and and Ishmael Abraham and Isaac and Jacob and Joseph and Moses and Aaron and and Lot Jonah and Job and David and Solomon and Hûd and Saalih and Elisha and Elias and Idrees and Ezra John Jesus. Son and Zechariah and and the of Muhammad are surely indeed and Marv the the and the Trustworthy and Honourable Truthful The Ever Almighty God, Peace Prophets of and Mercy The Ever Almighty God from and His Blessings upon each and every one of the be every and each of Prophets, and one their every trillionth of a followers second until the in Final Mighty Day of Resurrection the end of and Reckoning and Requitals Judgement and in the Eternal Afterlife World. Surely indeed each and every one of us the Human Beings on the whole and each every earth and each and of the one always truly believe with certitude Jinn Beings, must The Ever Almighty God, The Ever in Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty and and His Angels His Books and His Messengers Final Mighty Day of Resurrection and the and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement Afterlife World, and Recompense in the Eternal the extent whereof is Fifty Thousand Years; measured submit ourselves to follow the A11 and we must and every Commandment Blessed Will and each of The Ever Almighty God, and we must always truly, greatly love and worship The Ever Almighty most of because His uncountable Favours and God His Gifts and His Graces Blessings and and His-

and His Mighty Favours with all -Mercies our mind and soul in all circumstances heart and as live, and we must always truly, long as we most greatly love The Ever Almighty God greatly more mothers and than ourselves and our fathers and and foremothers and forefathers our and our sons daughters and our brothers and sisters and our spouses and all our relatives, and all our wealth which we have gained, and our successful commerce dwellings and everything else love. and our we always most greatly love and And we must greatly fear worship and most greatly honour and The Ever Almighty God, and we must always strive protect ourselves and families hard to our from every kind of requital punishment of The Ever Almighty God in the life of this present earthly world and the requital punishment in the Eternal Certainly, the people who unthankfully World. Afterlife and they die while they disbelieve are unthankful are the people upon disbelievers. such whom there of The Ever Almighty God will be the curse the Humankind, all Angels of and and the them Such unthankful disbelievers together. will remain under the forever, the requital curse punishment lightened for the unthankful disbelievers will not be will reprieved on the Final Mighty nor not be Judgement Resurrection and and Requitals Day of and Rewards in the Eternal Afterlife World. Certainly, the people who truly believe and the people who Christians the Jews and the and the are Sabeans, believes who every one truly each and in The Ever Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each and every one will their good of them have reward with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

10:55. Listen attentively! Certainly, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the and the whole earth. Listen heavens attentively! Certainly, the Promise of The Ever Almighty God is Truth, but most of Humankind do not the Whole Heavenly Knowledge (of the the Miraculous have the Miraculous Signs and the Miraculous Verses and Miraculous Books of Words and the The Ever Almighty God, The Creator of the Entire Universe).

10:56. The Ever Almighty God Alone gives life; and He Alone causes death, truly only to The Ever Almighty God each and every one of ye the Human Beings will be returned.

10:57. O ye each and every one of Humankind! There has come to each and every one of Admonishing Instruction from The ve the Eternal Sustainer of ye, and the Healing Lord and for Everything that is in the chests and the Heavenly Guidance and the Mercy for the true believers.

Ο 10:58. Muhammad! {The Thou Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, Mighty, The Ever Most The Ever Most High. All Wise, The Creator and The Eternal The Ever Sustainer of the Entire Universe Lord and to each of Humankind P.m.b.u.h³ must every one and say: "This Book Qur'an has Miraculously Revealed been Grace of The Ever Almighty God by the and Mercy. Surely and every by each His one of Humankind must always rejoice over this Book Qur'an; Book Qur'an is supremely better this than all wealth all Humankind have the ever accumulated.

56:75. Certainly, I (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever The Ever Owner of Merciful. All Praise. Most Ever Owner of All Glory, The Ever The All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, Ever Most Truthful. The The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, Ever The High, The Ever Most Equitable, Most The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Good-Looking, The Ever Ever The Most Ever Supreme Truth, Glorious. The The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most High-Ranking, Ever Most Exalted, The Ever Most Good. The The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) swear by the setting of the Stars.

56:76. For sure this is indeed the mighty oath, if ye people have the Heavenly Knowledge.

56:77. Certainly, this Message Statement is indeed the Ever Supremely Honourable Qur'an,

56:78. In the Book Extremely Well Protected.

56:79. No one can touch the Ever Supremely Honourable Qur'an except those who are purified.

56:80. The Ever Supremely Honourable Qur'an is the Miraculous Revelation from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

56:81. Is it, then, that ye the unthankful disbelievers reject this Message Statement?

56:82. And ye the unthankful disbelievers have made share, that ye are unthankfully denying {the vour Supremely Honourable and the Ever Ever Supremely and the Ever Supremely Blessed Glorious and the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever Supremely Clear Qur'an, Wise and the Ever the Reminder Message Statement and the Wise and Proof Miraculous Clear the and the Light and Insightfulness the Heavenly Guidance the True and Miraculous Words of The Ever Almighty and the of Humankind?? God each and every one to

This Book Qur'an is the Message for each 14:52. of Humankind, for the purpose and every one every of Humankind that each and one may by this Book Qur'an, and be for the warned purpose that each and every one of Humankind know with certitude to that The Ever may come Almighty God is The Ever One God. and for purpose that those Humankind the who have the intelligent hearts may heedfully remember.

say: "The Messenger Or do they 10:38. has produced this Qur'an himself?" Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe every one of Humankind to each and P.m.b.u.h"Then ye the unthankful disbelievers say: must the like produce Sûrah Chapter must one of this and ye the unthankful disbelievers Our'an may help whoever ye can The call for other than Almighty God, if ye are the truthful!" Ever This Book Qur'an not 81:27. is in any way except the Wise Reminder for all Worlds. the

10:39. But fact, they have unthankfully denied in which they did not encompass in that knowledge, interpretation has not yet come whose to them. and this the people who were like Just even before them unthankfully denied. Surely thou must observe; how was the Final End of the iniquitous wrongdoers!

Truly from among 10:40. some Humankind truly Qur'an, in from believes this Book and some do not truly believe Humankind this among in Eternal Our'an. Truly The Lord Book and The Ever Most Knowing Sustainer of thee is people who cause evil disorder. of the

they unthankfully deny 10:41. Truly if thee 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h³, surely thou must say: "For my actions, and for ye people there are there me actions. Ye are not held responsible for are vour whatever actions I ever do, and I am held not responsible for whatever actions ye ever do!"

from among Humankind 10:42. And there are listen thee. But who those to can thou make though they the deaf to hear. even do not use their intellect to be equitable?

from 10:43. And among them there are those thee. But guide who look towards can thou the blind hearted, even though they do not see?

10:44. Certainly, The Almighty God does Ever not iniquity any one of Humankind ever commit to bit, but truly it is the least Humankind even commit iniquity to themselves. who

17:88. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God to each of The and every say: "If of Humankind P.m.b.u.h³ must all one Humankind and all Jinn-kind were to gather together produce the like of this Qur'an, they will to ever be able produce the like of this Our'an. not even if they became helpers to one another!"

17:89. Truly indeed We (The Ever Almighty God fact clearly explained for everv have in each and Humankind in this Our'an from of one every surely most of Humankind have example, refused Everything except persisting in unthankfull disbelief.

17:9. Certainly, this Qur'an guides to the path that is the Most Straight, and it gives the good true news to the true believers, the ones who do righteous good actions, that they will have the great reward.

17:10. And that the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World, We have prepared for such people the painful punishment.

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come among yourselves reciting to to ye from My ye Miraculous Verses; then any person who fears The Ever Almighty God and acts righteously, surely no will come upon them, nor will they grieve. fear

7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

18:29. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Ever Almighty God Prophet of The to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "Now the Whole Truth has come from The Eternal Lord and Sustainer of each and every one of Humankind; truly any person from ve among Humankind wills surely such who a person may believe: and any person truly from among who surely such Humankind wills a person may unthankfully disbelieve!" Certainly, We have prepared for the iniquitous wrongdoers the Hellfire whose walls surround them. Truly if they call for will relief. be given water just like they will molten metal will scald the faces. That that is an extremely evil drink, and an extremely evil dwelling place.

18:30. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions; certainly, We (The Ever Almighty God) do not ever waste the reward of any person who does righteous good actions.

are the people who will 18:31. Such have the Everlasting Gardens; beneath them rivers will flow. They will adorned in them with bracelets be of gold, and they will wear green garments of the silk and gold embroidery, they will fine be That reclining therein on Adorned Thrones. is the supremely delightful reward, and the supremely good place (for the people who truly believe dwelling God and His Angels in The Ever Almighty and and His Messengers His Books and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World, and they do righteous good actions as long as they live).

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything. Then do the Human Beings not ponder 4:82. Our'an? If this Qur'an deeply this over had The Ever anyone other than Almighty been from God: indeed, the Human Beings would have found in this Qur'an many contradictions.

2:38. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe) said: "All of ye must descend from the Garden together, truly whenever there ever comes to all of ye the Guidance from Me, truly any person who follows My Guidance; surely no fear will come upon them, nor will they grieve.

2:39. Truly the people who unthankfully disbelieve and unthankfully deny Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever (in the Eternal Afterlife World).

the muslim Certainly, men 33:35. and the muslim the believing and men and the believing women the devoutly obedient and and the women men devoutly obedient women and the truthful men truthful and steadfastly patient and the women the and the steadfastly patient women and the men fearfully humble men and the fearfully humble women and the men who give charity and the who give charity and the men who fast women and the women who fast and the men who guard and the chastity and the women who guard their heedfully remember The Ever Almighty who men who heedfully often women very and the God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty reward. all

I. Hafiz Zulfigar Ali, the Son of Muhammad the Ramzan, and Grandson of Muhammad Alim testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Most The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Ever Owner of All Glory, The Seeing Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most the True Light of all Heavens The Truthful. and Knowing Whole Earth, The Ever All the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable. The Mighty. Ever Most Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever The Truth. Ever Owner of the Supreme Supreme Ever Owner Greatness, The of the Most Good Names, The Eternal Lord Sustainer and of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The Supremely the Ever Sustainer of Glorious and The Ever Most Exalted. The Ever Throne. Most Appreciative, The Ever High-Ranking, The Ever Most Grateful. The Eternal King of the Most Entire Universe. Honour, The Eternal Owner of All The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Most Powerful, Creator The Ever The and The the of Eternal Lord and Sustainer Entire Universe Miraculously Revealed surely indeed to has each us Humankind one the every of whole and on Qur'an The Ever Supremel Honourable earth. as Admonishing Instruction and Healing the the for-

-Everything that is in the chests. Certainly, The Eve Supremely Honourable Qur'an has indeed been Miraculously Revealed by The Ever Almighty God and every Humankind each one of us to on earth by Grace the whole the of The Ever Almighty God and by His Mercy. Therefore. each of Humankind every one us on the whole and The Ever always rejoice over earth must Supremely Qur'an. The Book Qur'an is extremely Honourable all the wealth all of better than us Humankind have ever accumulated. Surely each and every one Humankind the whole must of us on always Ever Supremely recite study and the Honourable and we always believe with must Our'an. certitude the Supremely Honourable Our'an, in Ever and Supremely always follow The Ever must we Honourable Qur'an, and we must always give The Ever Almighty God thanks for The Ever to Supremely Honourable Qur'an, and we must always greatly love The Ever Supremely Honourable most always heedfully remember Qur'an. and we must and The heart memory and commit to Ever Supremely Honourable Our'an, and we must alwavs and teach The Ever Supremely Honourable learn Qur'an to please our Creator The Ever Almighty Surely indeed each and every God. one of us the whole earth Humankind on must always believe The Ever Almighty God with certitude in and Books His His Angels and His and Messengers Final Mighty Day of Resurrection and the and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards the Eternal Afterlife World, the measured in extent Thousand Years: Fifty whereof is and we must submit ourselves to follow the All Blessed Will of Ever Almighty God and His every Commandment, the must always truly, most greatly love andand we

-most greatly honour and worship The Ever Almighty uncountable of His Favours God because and His Gifts and His His Blessings and Graces and and His Mighty Favours with Mercies all our and soul heart and mind in all circumstances long we live. and we must always as as trulv Almighty God greatly love The Ever more than our mothers and ourselves and fathers and our and forefathers and foremothers our sons and and our brothers sisters and daughters and our our relatives, wealth our spouses and all and all gained, and our successful which we have commerce dwellings and everything else and our we love. people truly believe Surely the who and do actions, they will have forgiveness righteous good Truly the people honourable sustenance. and the against the who strive Miraculous Verses of The Almighty God, trying to discredit Ever them. they residents of the Blazing will be the Hell. believe Certainly, the people who truly and the Jews and Christians people who are the the and Sabeans, each every who the and truly one Almighty God believes in The Ever and the Final and does righteous Day good actions. surely each one of every them will and have reward with The Eternal Lord their good and them; no fear will Sustainer of truly come upon nor will they grieve. Certainly, any of them, the unthankfully disbelieve people who and thev die unthankful disbelievers. while they are such are the people upon whom there will be the curse of The God and the Almighty Angels and Ever the together. them Such unthankful Humankind. all of will remain under disbelievers the forever. curse lightened for requital punishment will not be the the unthankful disbelievers, nor will not be reprieved.

16:104. Certainly, the people who truly do not Miraculous Verses believe in the of The Ever Almighty God; The Ever Almighty God will not guide such people, truly such people willl suffer the painful requital punishment.

16:105. Indeed, only those people unjustly invent untruth; the people who do not truly believe in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God; truly such people are untruthful.

Each and every person who unthankfully 16:106. Ever Almighty disbelieves in The God after even his True Faith. except for having the person who is forced do while to SO his heart remains secure in the True Faith. But any person willingly opens his heart to unthankful who disbelief, surely upon such people there is the Ever Almighty God, truly The Wrath from such people will suffer the mighty punishment;

16:107. This is solely because such people love of this present Earthly World the life more Eternal Afterlife World, truly than the indeed Almighty God (The Ever Most Equitable) The Ever does not guide the unthankful disbelieving people.

Such the people over whose 16:108. are hearts Almighty hearing and eyesight The Ever and God seal, truly such people has set a are the the unthankfully heedless. are ones who

doubt, that 16:109. There is in the no Eternal people will be World, such Afterlife the losers the Final Mighty Day of ∲on Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

16:110. Thereafter certainly The Eternal Lord and Sustainer of thee, to the people who emigrated they had been persecuted, thereafter after even strove hard and they were steadfastly patient. they Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee that, is after indeed The Ever Most even The Ever Most Merciful. Forgiving,

the Day (of Resurrection and Judgement 16:111. On and Reckoning and Requitals and Rewards in the Afterlife World, the measured extent whereof Eternal Fifty Thousand Years) when every person is will appear pleading for himself, truly every person will be equitably requited for whatever actions he ever did. truly they will not be treated with any iniquity.

4:136. O ve the people who truly believe! Ye The must always truly believe in Ever Almighty God and His Messenger Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every of one the Human Beings P.m.b.u.h) and the Heavenly Book He has Miraculously Revealed upon His which Messenger and every Heavenly Book which He has Miraculously Revealed even previously. Truly any who unthankfully disbelieves in The Ever person Almighty God and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Day, surely indeed, such a person has gone astray; straying far far away.

3:51. Certainly, The Ever Almighty God The is Sustainer Lord and of me and Eternal The Sustainer ye; Eternal Lord and all of therefore. ye must always worship only The all of Ever Almighty God. This is the Straight Path.

I. Zulfigar Ali, the Son of Muhammad Hafiz Grandson of Muhammad and the Alim Ramzan, testify that there is True God except no The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous. The Ever Most Kind. The Ever The Creator of Everything, The Most Forgiving, Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The All Seeing of Everything, The Ever Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever All Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The True Light The Ever all the Heavens and the Whole Earth, of Knowing of Everything, The Ever Most High, All Mighty, The Ever Ever Most The Most Equitable. The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Helper, The Ever Most Beautiful, Most Excellent Ever Most Good-Looking, The Ever The Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Supremely Holy, The Most Ever All Encompassing Everything, The Ever Present Over Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, The Eternal Sustainer of the Ever Supremely Lord and Throne, The Ever Most Exalted. The Ever Glorious High-Ranking, The Ever Most Appreciative, Most Most Grateful, The Eternal King of the The Ever Entire Universe, The Eternal Owner of All Honour. Good, The Ever Omnipresent The Ever Most to Help. Most Powerful, The and The Ever Creator Sustainer The Eternal Lord and of the Entire and I testify with certitude surely Universe: that Adam and Noah and Abraham indeed. and Ishmael Isaac Jacob and Joseph and Lot and and and Jonah and Job and David-Moses and Aaron and

Solomon and Hûd and Saalih and Elisha and -and and Ezra and Idrees and Zechariah and John Elias Son of Mary and Muhammad Jesus. the and are surely indeed the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophets of The Ever Almighty and the Mercy from Ever Almightv God. Peace and The Blessings be God and His upon each and of the Prophets and each and every one every their followers in every trillionth of of one end of the Final Mighty Day until the second a and Requitals and Judgement Resurrection and of the Eternal Afterlife World. in Surely Rewards every one of us indeed each and the Human Beings, must Beings Jinn always and the believe with certitude in The Ever Almighty Go and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and the Eternal Afterlife World, Recompense in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years: and we must submit ourselves to follow the All Will each Blessed and every and the one Commandments of The Ever Almighty God. Certainly, the people who truly believe and the people who are the Jews and the Christians and the Sabeans, every one who truly believes each and in The Ever Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each and every one of them will have their good reward with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear come upon any of them, nor they will will Surely the people who truly believe grieve. and righteous good actions, such people do will be residents of the Everlasting Garden; they the will reside in the Everlasting Garden forever on the Final Mighty Day of Resurrection and Requitals.

31:33. O ye each and every one of Humankind! Ye must always fear The Eternal Lord and of ye, and each and Sustainer every of one fear the Humankind must always Day €of ve Resurrection and Judgement and Reckoning and and Recompense in Requitals and Rewards the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years) when no father is will be benefit nor will any his be able to son son to benefit his all. Certainly, able father at the Promise of The Ever Almighty God is the Whole Truth. Therefore, each and every one of ye Humankind must not ever let the life of the present Earthly and ve each and ve. every World deceive one Humankind must not ever let deceiver any of deceive ye concerning The Ever Almighty God.

31:34. Certainly, only The Ever Almighty God His Providence the knowledge of the has in Final Time (the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and the Eternal Afterlife and Recompense in Rewards World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years} and He Alone sends down the rain and always knows very well whosoever the He is in Truly no person knows what actions he wombs. will earn tomorrow and no person knows in what land he will die. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Aware.

2:21. O ye each and every one of Humankind! Ye must always worship The Eternal Lord and of ye, The God Who Sustainer has created all ye and all the people who were ever before of ye, for the purpose all of ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

22: Sûrah Chapter Al-Hajj The Pilgrimage M.V. 78

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

and every one 22:1. O ye each of Humankind! Ye must always fear The Eternal Lord and Sustainer ye. Certainly, the Earthquake of the Final Time of mighty thing (on the Final Mighty Day is of a Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

22:2. On the Day ye Humankind will see it. every nursing mother will get distracted from the child suckled, and every pregnant woman will abort she pregnancy, and thou will her see Humankind as will drunken state, yet they not be in a drunk, but the requital punishment of The Ever Almighty God {The Ever Most Equitable} is SO severe.

22:3. Yet still among Humankind there from is a of person who disputes about The Ever Almighty kind The Ever Most Gracefully Compassionate, The God Ever Most Generous, The Ever Most Equitable, The Witness Over Everything, The Ever Present Eternal of the Entire Universe, The King Ever Most The Ever Most Mighty, The Forgiving, Eternal Lord Sustainer the Entire Universe without of and any true knowledge, and he follows every rebellious devil,

22:4. It has been decreed for every rebellious devil; that each and every person who follows him, surely indeed he will lead him astray and he will guide him to the punishment of the Blazing Hellfire.

22:5. O ye each and every one of Humankind! If ye are in doubt about the Resurrection; surely indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names. The Ever Eternal Most Supremely Holy, King of The the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have created each and every one of ye Humankind from dust; thereafter from a biological cell, thereafter from an embryo, thereafter from a morsel of flesh, formed and unformed, for the purpose that We may make things clear to ye. Truly We cause whosoever We Will to remain in the wombs until an appointed time. Thereafter, We bring ye forth as infants, thereafter for the purpose that ye may reach your age of full maturity. Truly from among ye there is person who dies young and from the among ve there is the person who is brought back to the feeble old age, so that he knows nothing at all. after having knowledge. Truly ye sometimes see the earth lifeless, but when We send down rainwater upon the earth, it is stirred to life and it swells, and it produces every kind of beautiful growth.

22:6. This is because certainly, The Ever Almighty God is The Ever Supreme Truth; and certainly, He Alone is The One Who will bring all the dead back to life again, and certainly, He Alone always has the supremely powerful ability to do Everything.

And certainly Final 22:7. the Time is coming about no doubt it: certainly. up, there is and Ever Almighty God will Resurrect each and The every person who is in the graves.

22:8. Yet still from among Humankind there is a kind of person who disputes about The Ever Almighty God without any true knowledge or any guidance or any Book giving Enlightenment,

22:9. He arrogantly turns away his neck from The Whole Truth to lead people astray from the Straight The Ever Almighty God. Such a person Path of suffer disgrace in the life of this will present Earthly World, and We The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate, Ever Most The The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Creator and The Eternal and Sustainer of Entire Universe } Lord the will of Resurrection him the Day make feel on Judgement the punishment of the Burning Fire, and

This punishment is solely because 22:10. of all actions the evil the hands of thee have sent The Ever Almighty God forth. Truly indeed does iniquity to His not ever commit servants.

22:11. Truly from among Humankind there also is a kind of person who worships The Ever Almighty right on an edge. Then if something God good reaches him, he is content with it; but if any test befalls him, he unthankfully turns trial away suffered his face. Such a person has loss in present Earthly World and the Eternal Afterlife this World. This is indeed the most clear loss.

calls in prayer other than He The 22:12. Ever Almighty God some fake god which does not ever that which does him and not ever benefit harm This is indeed the straying far far away. him.

Son of Muhammad I. Hafiz Zulfigar Ali, the the Grandson and of Muhammad Ramzan. Alim testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Most The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Seeing Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most True Light of all the Heavens The Truthful. and The Earth. Ever All Knowing the Whole of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Most Equitable. The Mighty, Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever The Supreme Truth, Ever Owner of the Supreme The Ever Owner Greatness, of the Most Good Names, The Eternal Lord and Sustainer of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The the Ever Supremely Glorious Sustainer of and Throne, The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful. The Eternal King of the Most Entire Universe. Honour, The Eternal Owner of All The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Most Creator Powerful, The Ever The and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe surely indeed Resurrect will each and every one of every Humankind and each and us one Jinn-kind on the Final Might Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requials and and-

-Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty Thousand Years. measured exten every one of Humankind 0 each and ve on earth! If ye doubt the whole in about are Resurrection on the Final Might Day the of Requials in Judgement and the Eternal Afterlife ye World: surely indeed each and everv one Humankind whole earth of on the must always certitude certainly know with that The Ever King of Almighty God, The Eternal the Entire and The Creator Eternal The Lord Universe. Sustainer of the Entire Universe have and created every one of Humankind the each and on whole dust: thereafter from biological cell. earth from a thereafter from embryo, thereafter from an a morsel of flesh, formed and unformed, for the purpose that The Ever Almighty God may make Humankind. The Truly things clear to us Ever whosoever Wills Almighty causes to remain He appointed time. Thereafter, wombs until an in the God brings each Almighty and every The Ever infants, thereafter forth as for one the purpose Humankind that we may reach our age of full Truly from among us Humankind maturity. there person who dies young and is the from among Humankind there is the person who us is the feeble old brought back to age, SO that all, after he knows nothing at having knowledge. Humankind sometimes Truly we see the earth but when The Ever Almighty God lifeless. sends the lifeless rainwater upon earth, the lifeless down life and it earth is stirred to swells. and it every kind of beautiful growth. This produces is Ever Almighty certainly, The because God is Supreme Truth; and certainly, The Ever He Alone is The One Who will bring all the dead-

again, and certainly, -back to life The Ever Almighty God always has the supremely powerful certainly do Everything. And the ability to Final up, there is coming doubt Time is no about certainly, The Ever Almighty God it: will and each and every person who is in the Resurrect surely indeed Therefore, each graves. and every Humankind on whole one of us the earth must always certitude believe with in The Ever Almighty God and His Angels and His Books and Mighty Messengers and the Final Dav His of and Judgement and Reckoning Resurrection and Rewards Requitals and in the Eternal Afterlife measured whereof World, the extent is Fifty Thousand Years: submit ourselves and we must to follow the All Blessed Will of the Ever Almighty each and every Commandment, God and His and truly most greatly love always and we must and worship The Ever Almighty greatly honour most of uncountable Favours His because God and His Gifts and His Graces Blessings and His and His Mighty Favours with all Mercies and our and mind soul in all circumstances heart and live. Certainly, the people long we who as as truly believe and the people who are Jews the Christians and the Sabeans. and the each and truly believes who in The Ever every one God and the Final Almighty Day does and good actions, surely each righteous and every will have their good one of them reward Sustainer of The and with Eternal Lord them; any of no fear will come upon them. truly nor they grieve. Surely the people who will truly and do righteous good actions, such people believe will the residents of the Everlasting Garden; be will reside in the Everlasting Garden forever. they

75: Sûrah Chapter Al-Qiyamah The Resurrection and Judgment The Miraculous Verses 40 Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

I (The Ever Almighty God, The Ever 75:1. Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All The Praise. Ever Glory, The Ever All Self-Sufficient of All Owner Ever Most Trustworthy, The The Self-Reliant. Ever Truthful. Ever All Knowing The of Most The Ever Most Mighty, The Ever Most Everything, High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Most Supreme Truth. Ever The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, King of the Entire Universe. The Eternal The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord by the Day of Resurrection and Judgement! swear

75:2. And I swear by each and every person who always reproaches himself.

75:3. Does the Human Being think that We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will not assemble his bones?

75:4. Certainly yes! We (The Ever Almighty God) always have the supremely powerful ability even to put together in perfect order his very fingertips.

75:5. But the Human Being desires to continue committing sins in his present earthly life.

75:6. The Human Being asks: "When will be the Day of Resurrection and Judgement?"

75:7. Surely when the vision will be dazzled.

75:8. And the moon will darken.

75:9. And the sun and the moon will be joined together.

75:10. On that Day the Human Being will say: "Where can I flee?"

75:11. Certainly not! There is no refuge.

75:12. Only to The Eternal Lord and Sustainer of thee will be the return of each and every one of the Human Beings that Day.

75:13. On that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals Reckoning and Rewards and and in the Eternal Afterlife World, Recompense the measured extent whereof is Fifty Thousand Years and every one of the Human Beings will each be fully informed of whatever actions he sent ahead and whatever actions he left behind.

75:14. But in fact, each and every one of the witness will the Human Beings be clear against himself (on the Final Mighty Day of Resurrection and Reckoning and Requitals Judgement and and Eternal Afterlife World, Rewards in the the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

75:15. Despite all the excuses the Human Being may put forward.

75:16. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Mighty, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Eternal King of the Entire Universe. Looking, The The Eternal Lord and Sustainer The Creator and of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must not move your tongue concerning this Qur'an to learn it hastily.

75:17. Certainly, upon Us (The Ever Almighty God. Most Equitable, The Creator The Ever and The Eternal and Sustainer of the Entire Universe } Lord the responsibility to collect this Qur'an is and Qur'an. give the the ability to recite this

Therefore, when We (The Ever Almighty 75:18. God, Most Merciful, The Ever Living The Ever have *k*through the recited this Qur'an to thee Holv the Mighty Angel Gabriel P.m.b.u.h), then Spirit, follow the recitation of this Qur'an. thou must

75:19. Thereafter certainly, upon Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) is the responsibility to explain this Qur'an clearly.

75:20. Certainly not! But in fact ye people love the immediate fleeting earthly life,

75:21. And ye people neglect the Eternal Afterlife World (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

75:22. Many faces on that Day will be very radiant (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

75:23. Looking towards The Eternal Lord and Sustainer of them (The Ever Almighty God).

75:24. And many faces on that Day will be very depressed (solely because of the evil actions they committed in their earthly life),

75:25. They will realize that the mighty requital punishment is going to befall them.

75:26. Certainly not! When the soul reaches to the collarbone.75:27. And it is said: "Who can cure him?

75:28. When the dying person comes to realise that it is the time of the final departure,

75:29. And one leg clings to the other leg;75:30. The procession that Day will be to The Eternal Lord and Sustainer of thee.

75:31. Surely each and every unthankful disbeliever who had not sincerely testified to The Whole Truth nor had he prayed (to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe),

instead he unthankfully denied The Whole 75:32. But and turned away (from truly believing Truth in The Ever Almighty God and His Angels and His and His Messengers and the Final Books Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

75:33. Thereafter, the unthankful disbeliever went to his people, arrogantly admiring himself.

to thee! Then There is destruction 75:34. again there is destruction to thee! destruction to thee! 75:35. Thereafter, there is Then again there is destruction thee! to

75:36. Does the Human Being think that he will be left alone without being requited?

75:37. Was the Being not biological Human a sperm emitted? cell of Thereafter, Human Being the became 75:38. an embryo; thereafter, The Ever Almighty God created his physical form and The Ever Almighty God perfected his physical form;

75:39. Then The Ever Almighty God made from him two mates; the male and the female.

Such Creator 75:40. Is not а ever supremely powerful to give life again to each and every Final dead person of the Human Beings *fon* the Mighty Day of Resurrection Judgement and and Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years? measured extent

23: Sûrah Chapter Al-Mu'minun The Believers M.V. 118

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

23:1. Certainly, the true believers are the ones who are the triumphant.

humbly submissive 23:2. The who ones are in The Almighty Ever Prayers their **€to** God. The Gracefully Compassionate, The Most Ever Most Ever The Creator of the Entire Universe? Merciful

23:3. And the ones who keep away from every immoral thing,

23:5. And the ones who guard their chastity,

23:6. Except from their wives or the women they own as slaves, surely indeed, they are not to be blamed.

23:7. who Truly any person seeks anything more this. surely iniquitous such people the than are transgressors;

23:8. And the ones who sincerely honour their trusts and their pledges;

23:9. And the ones who strictly preserve their Prayers (to The Ever Almighty God).

23:10. Such people will be the inheritors.

23:11. The ones who will inherit the Everlating Firdaus Garden. They will reside therein forever.

23:12. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have in fact created the Human Being from an extract of clay.

23:13. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) placed the Human Being as a biological cell in a secure place (in the secure womb).

23:14. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) created the biological cell into embryo then We created the embryo into an a of flesh then We created the morsel morsel of flesh into bones, then We clothed the bones with flesh; thereafter, We created the Human Being into a new creation. Surely Supremely Blessed is The Ever Almighty God, The Ever Best of Creators.

23:15. Then certainly after this each and every one of ye the Human Beings will indeed die.

23:16. Thereafter, certainly on the Day of Resurrection and Judgement each and every one of ye the Human Beings will be Resurrected.

23:17. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever fact created Merciful have in above Most ye Human Beings seven levels of heaven; the trulv not ever unaware of any creation. We are

23:18. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have sent down water from the heaven in due measured amount, then We caused the water to settle in the earth; for sure We are indeed ever supremely powerful to take the water away.

23:19. Surely with the water We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) produce for Human Beings gardens of palm ve the trees Human Beings have ve the and grapes, therein abundant fruits, and from which ye also eat.

23:20. And the tree growing out from the Mount Sinai, that produces oil and it is a relish for those who eat.

23:21. Truly indeed in the livestock there is indeed a Miraculous Lesson for ye the Human Beings. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) give ye to drink milk from that which is in their bellies, and ye have in them many benefits, and some of them ye also eat.

23:22. And upon the livestock and upon the ships ye the Human Beings are carried.

35:3. O ye each and every one of Humankind! always heedfully remember Ye must the Favours of The Ever Almighty God awarded Blessings and upon ye. Is there any Creator other than The Ever God who provides sustenance for Almighty ve the heaven Humankind from and the earth? There God except Him Alone, despite that how is no ye turned away from The Whole Truth? are

I. Hafiz Zulfigar Ali, the Son of Muhammad the and Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Owner of All Glory, The Seeing Ever Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most True Light of all the Heavens The Truthful. and The Knowing Whole Earth, Ever All the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable, The Mighty. Most Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever The Truth. Ever Owner of the Supreme Supreme Ever Owner Greatness, The of the Most Good Names, The Lord Eternal and Sustainer of the Supremely Honourable Throne, The Ever Ever Most Supremely Holy, The All Ever Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The Supremely the Ever Sustainer of Glorious and The Ever Most Exalted. The Ever Throne. Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful. The Eternal King of the Most Entire Universe. The Eternal Owner of All Honour, The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Powerful, Most Creator The Ever The and The the Entire Eternal Lord and Sustainer of Universe certainly created each and every one has of us Human Beings the on the whole earth from clay. Thereafter, The extract of Ever Almightv an God, The Ever Most Gracefully Compassionate placed-

biological cell in Human Being as a -the a in the womb. Thereafter, secure place secure The Gracefullv Almighty God. The Ever Most Ever Compassionate created the biological cell into an embryo then The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate created the embrvo flesh morsel of then The Ever Almighty a into The Most Gracefully Compassionate God. Ever into bones, morsel of flesh then The created the Almighty God, Ever The Most Gracefully Ever Compassionate clothed the bones with flesh; thereafter. Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The created the Human Being Compassionate into a Supremely Blessed is The creation. Surely new Ever Almighty The Ever Best of Creators. God. Then of us certainly after this each and every one the die. Thereafter. Human Beings will indeed certainly Final Mighty Day of the Resurrection and on Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards the Eternal Afterlife World. Recompense in and whereof is Fifty the measured extent Thousand of every Years. and us the Human each one will Resurrected by The Ever Almighty Beings be The Ever Most Gracefully Compassionate. God. Certainly, the people who truly believe and the people who are the Jews and the Christians and and the Sabeans, each every one who truly believes in The Ever Almighty God and the Final righteous good actions, surely Day and does each them will of good and every one have their reward with The Eternal Lord Sustainer and of fear come upon them; truly will of no any they grieve. nor will Truly the people them, who the Miraculous Verses The against of Ever strive Almighy God, trying to discredit them, they will be residents of the Blazing Hell in the Afterlife. the

45: Sûrah Chapter Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

45:1. Haa, Meem.

45:2. The Miraculous Revelation of this Book Qur'an is from The Ever Almighty God, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

45:3. Certainly, in all the heavens and the earth there are indeed Miraculous Signs for the true believers.

45:4. And in the creation of yourselves the Human Beings, and in every kind of moving creatures The Ever Almighty God has scattered; there are Miraculous Signs for the people who believe with certitude.

the alternation of 45:5. And in the night and day and in the provision of rainwater which the Ever Almighty God sends down The from the surely thereby He heaven. gives life to the earth after its death and in the varying directions Miraculous of the winds, there are the Signs for the people who use their intellect to be equitable.

These are the Miraculous Verses of 45:6. The Ever Almighty God which We (The Ever Almighty God. Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever The Eternal King Merciful, of the Entire Most The Eternal The Creator and Lord Universe. and of Universe} recite Sustainer the Entire to thee Whole Truth. Truly with The in what Statement Message after The Ever Almighty God and His Miraculous Verses will the Human Beings believe in?

45:7. There will be destruction to every untruthful sinful person (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

45:8. Every untruthful sinful person who hears the Verses of The Miraculous Ever Almighty God him; thereafter he persists in unthankful recited to as if he never arrogance had heard them. announce to Certainly, thou must such a person news of the painful punishment. the true

45:9. Truly whenever untruthful sinful person comes to know anything of Our Miraculous Verses, he takes them in ridicule. Such people will indeed suffer the humiliating punishment.

45:10. Beyond such people there is Hell. Truly whatever actions they have earned will not benefit them at all, nor all those they have taken as protecting friends other than The Ever Almighty God. Truly they will suffer the mighty punishment.

This Book Qur'an is the 45:11. Heavenly Truly the people who unthankfully Guidance. Miraculous Verses the of disbelieve in The Sustainer of them will Eternal Lord and suffer the painful punishment of foul nature.

45:12. The Ever Almighty God is The God Who of service made be all has to to of ye for Humankind the purpose the sea that the by His through the sea ships may sail Command, the purpose that ye Humankind and for may the Grace The Ever Almighty God seek from and for the purpose that ye may become thankful.

45:13. Also The Ever Almighty God has made of service to of ye Humankind all to be Everything that is in the heavens all and Everything that is in the whole earth; Everything The Ever Almighty God. Certainly, is from in Signs this there are indeed Miraculous for the equitable. people who think deeply to be

45:14. Thou must the people who say to have truly believed to forgive the people who do for the Days of The Ever Almighty not hope God, for the purpose that The Ever Almighty God may equitably requite the people according to whatever actions they earned.

45:15. Any person who does righteous good actions, surely it is for the good of himself; truly any person who does evil actions, surely it is iniquity upon himself. Thereafter, each and every one of ye Humankind will be returned to The Eternal Lord and Sustainer of ye.

45:16. Truly indeed, We did in fact gave the Children of Israel (P.m.b.u.t) the Heavenly Book, and the Great Wisdom of Judgement and Prophethood. Truly We provided them with the good things, and We favoured them above all the Worlds.

45:17. And We (The Ever Almighty God) gave supremely clear proofs of the Command. them the they did not differ except Truly after the knowledge had come to them, because of jealous animosity between themselves. Certainly, The Eternal will judge between Sustainer of thee and Lord the Day of Resurrection and Judgement them on concerning Everything in which they differed.

45:18. Thereafter, We (The Ever Almighty God) have made thee upon the Command of the Shariah; therefore thou must always follow it, and thou must not ever follow the iniquitous desires of the people who do not have the Heavenly Knowledge.

these people 45:19. Certainly, will never benefit The Ever Almighty God thee against at all. Truly of iniquitous wrongdoers are the indeed some the protecting friends each other; truly The to Ever Almighty God is The Ever Protecting Friend of the righteous people who fear The Ever Almighty God.

45:20. This Book Qur'an is the True Insightfulness for each and every one of Humankind and the Heavenly Guidance and the Mercy for the people who believe with certitude (in the Whole Truth).

Or do the people who commit evil actions 45:21. that We (The Ever Almighty God, think The Eternal King of the Entire Universe, The Creator Sustainer of The Eternal Lord and and the Entire Universe will deal with them in the same wav as the people who truly believe and do righteous good actions, that their living and their dying similar? The judgement they make is evil. will be

45:22. Truly The Ever Almighty God has created all the heavens and the whole earth for the and for equitable purpose; purpose the that each and every person may be requited for whatever each and every person has earned, truly actions they will not be treated with any iniquity (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Requitals in the Eternal Afterlife World. the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

45:23. Truly have thou considered the person has taken his own iniquitous desires who his as god, and The Ever Almighty God has left own stray regardless of his knowledge him to and The Ever Almighty God has set a seal upon his hearing and his heart as well as He has put guide his eyesight. Surely who cover a on can a person after The Ever Almighty God? Despite such that will ye Humankind not heedfully remember?

Truly the unthankful disbelievers say: "There 45:24. life except our d, we die other this is life of no present Earthly World, die and we live, and nothing destroys us except time!" Truly they have any knowledge of do not what they say: they follow nothing except speculation.

45:25. Truly whenever Our Supremely Clear Miraculous Verses are recited to the unthankful disbelievers, they do not have any argument except that they always say: "Bring back our forethers, if ye people speak the truth!"

45:26. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and to each and every one of the Human Universe Beings P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God Alone gives each and every one of ye Humankind life; thereafter, He Alone causes each and every ye of to die; thereafter, He Alone will one assemble each and every one of ye Humankind together on the Day of Resurrection and Judgement which there is no doubt. But most about of Humankind do not have the Heavenly knowledge!"

45:27. Truly only to The Ever Almighty God Eternal Kingdom belongs the of all the heavens the whole earth. Truly on the Dav the and Final come to that Time will pass, on Dav followers of will be the losers. untruth the

45:28. Truly thou will see every community kneeling. Every comminity will be called to its Book of actions: "This Day ye Humankind will be requited for whatever actions ye ever did.

Our Book speaks about This 45:29. each and every one of ye Humankind with The Whole Truth. Certainly, We (The Ever Almighty God) always had and every action each and every one each of ye Humankind ever did recorded the in Book.

45:30. Surely as for the people who truly believed and did righteous good actions, surely The Eternal Lord and Sustainer of them will make them to enter into His Mercy. This is indeed the most clear victory.

people who unthankfully 45:31. Truly as for the disbelieved, {The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe will announce): "Were My Miraculous Verses recited ye? Surely ye were unthankfully not to ye were the iniquitous criminal people! arrogant, and

whenever it Truly was said: "Certainly, 45:32. the Ever Almighty God is Promise of The The Final time Truth. and the there is Whole no about it," ye the iniquitous criminal people doubt used to say: "We do not know what is Final the certainly, we do not think it except Time: as a speculation, and we do not believe with certitude.

consequences of the evil Truly the evil 45:33. they did will become apparent actions to them, they will be completely overwhelmed truly bv requital punishment they used to the ridicule.

45:34. Certainly, it will be said: "This Dav We Ever Almighty God, (The The Ever Most Gracefully The Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever Most Mighty, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Equitable, Sustainer and Eternal Lord The Eternal The of Entire Universe) will forget ye the iniquitous the people just like ye people forgot criminal the of this Day of yours; truly the Hellfire Meeting is vour eternal home, truly for ye the iniquitous criminal people there will not be any helpers.

45:35. This is solely because the iniquitous ye took the Miraculous criminal people Verses of Almighty God in Ever ridicule. The and the of the Past short life Earthly World deceived Surely this Day the unthankful all of ye. arrogant be taken out will not from the people Hellfire. will the unthankful arrogant people nor be given any opportunity to make any amends.

Surely The 45:36. only to Ever Almighty God all Praise, The Eternal belongs Lord and the Sustainer of all heavens and The Eternal Sustainer of whole the The Lord and earth. Eternal Lord Sustainer of and all the Worlds.

Truly only to The Ever Almighty 45:37. God the Ever Most Supreme Greatness belongs in heavens and the whole all the earth. trulv The Ever Almighty, The Ever All He is Wise.

80: Sûrah Chapter 'Abasa He Frowned M.V. 42

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad (the Honourable and the Trustworthy 80:1. Truthful Messenger and Prophet of and the The Almighty God, The Ever Owner of All Praise, Ever All Glory, The Ever Owner of The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe, the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h frowned and turned away.

80:2. When the blind man came to him.

80:3. Truly what would make thee to know, that perhaps the blind man might become sanctified.

80:4. Or the blind man may heedfully remember, therefore the Wise Reminder would benefit him?

80:5. As for the person who regards himself self-sufficient,

80:6. To him thou give attention.

80:7. Truly it is not your responsibility if he does not become sanctified.

80:8. Truly as for the blind man who came to the striving (to hear the Book Qur'an);

80:9. And the blind man fears,

Surely thou O Muhammad! {The Honourable 80:10. Trustworthy and the Truthful Messenger and the Almighty Prophet of The Ever God. The and of All Praise, The Ever Ever Owner Owner of The Ever Most Glory, Excellent Helper, All The Most The Ever Ever Beautiful. Most Good-Looking. Eternal King of the Entire The Universe. The Entire Universe Eternal Lord and Sustainer of the of Human each and every the to one Beings unmindful. P.m.b.u.h were from him

80:11. Certainly not! Certainly, This Book Qur'an is the Wise Reminder

Surely each and every person 80:12. from among Humankind who wills may heedfully remember this Wise Reminder (the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Supremely Miraculous and the Blessed and the Ever Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Our'an. the Message Statement and the Ever and the Whole Truth Distinctive Criterion the Grace Mercy and the Wise Reminder and the and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words and the Miraculous Verses of The Almighty God to every one of Humankind). Ever

80:13. (The Ever Supremely Honourable Qur'an is) in the Supremely Honoured Sheets,

80:14. Which are Supremely Exalted and Purified,

80:15. In the hands of the Angel Scribes,

80:16. They are the Honourable and the Dutiful.

80:17. Destroyed be the Human Being! How unthankfully disbelieving the Human Being is?

From what thing The Ever Almighty God 80:18. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise. Owner All Glory, The Ever of The Ever All The Ever Most Self-Sufficient Self-Reliant, Trustworthy, Truthful, The Ever All The Ever Most Wise. Ever Most Mighty, The Ever Most High, The The Equitable, The Ever Most Excellent Ever Most Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, Over Everything, Ever Present Witness The The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) has created the Human Being?

80:19. From a biological cell, The Ever Almighty God has created the Human Being; then He made every part of him in due proportion.

80:20. Thereafter, The Ever Almighty God made the path easy for the Human Being.

80:21. Thereafter, The Ever Almighty God causes the Human Being to die and The Ever Almighty God provides a grave for the Human Being.

80:22. Thereafter, whenever The Ever Almighty God Wills, He will Resurrect the Human Being.

80:23. Certainly not! The Human Being has not wholly obeyed whatever The Ever Almighty God has Commanded the Human Being.

80:24. Surely the Human Being must deeply observe at the food he eats.

80:25. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) pour down rainwater in abundance,

80:26. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) cause the earth to split open,

80:27. Surely We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) cause the grain to grow in the earth,

80:28. And all the grapes and all the vegetables,

80:29. And all the olives and all the palm trees,

80:30. And all the luscious gardens,

80:31. And all the fruits and all the grass,

80:32. As beneficial provisions for all of ye Humankind and for the grazing livestock of ye.

80:33. Surely when there comes the Deafening Blast.

Day (of Resurrection and Judgement 80:34. On that and Reckoning and Requitals and Rewards and Eternal Afterlife Recompense in the World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? the Human Being will flee from his brother.

80:35. And from his mother and his father,

80:36. And from his wife and his sons,

Day (of Resurrection and Judgement 80:37. On that and Requitals and Rewards and Reckoning and Eternal Afterlife Recompense in the World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years and every person of the Human Beings will each of himself. absorbed in concerns be

80:38. Many faces upon that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) will be shining,

80:39. Laughing, rejoicing at the good true news.

80:40. Truly many faces upon that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) will be tainted by extreme regret,

80:41. Blackness will cover them.

80:42. Such people are the unthankful disbelievers, the wicked ones (those who freely choose not to truly believe in The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife World. and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

81: Sûrah Chapter At-Takwir The Folding Up M.V. 29

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

81:1. When the sun will be folded up, 81:2. And when the stars will fall down,

81:3. And when the mountains will be moved,

And when the pregnant she 81:4. camels will be neglected (on the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured whereof is Fifty Thousand Years), extent

81:5. And when the wild beasts will be assembled together,

81:6. And when the seas will rise,

81:7. And when the souls will be united with their bodies in the Eternal Afterlife,

when the infant 81:8. girl who And buried was alive will asked. be sin she 81:9. For what was killed,

81:10. And when the written pages of actions will be laid open,

81:11. And when the heaven will be torn away, 81:12. And when the Hell will be set ablaze.

81:13. And when the Everlasting Garden will be brought up near,

Then (on that Final Mighty Day 81:14. of and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards the Eternal Afterlife in measured extent whereof Fifty World. the is Thousand Years each and every person will come whatever know with certitude {righteous good to actions or whatever evil actions? has brought. he

81:15. Surely I (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty) swear by the receding Stars,

81:16. The Stars which rise and set, 81:17. And by the night when it departs,

81:18. And by the dawn when it brightens,

81:19. Certainly, this Book Qur'an *€*the Ever the Honourable and Supremely Ever Supremely and the Ever Supremely Blessed Glorious and the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever and the Ever Supremely Clear Qur'an, Wise the and the Ever Distinctive Criterion Message Statement the Grace and and the Whole Truth the Mercv Wise Reminder and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the the Heavenly Guidance and the Miraculous and Words and the Miraculous Verses of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings) is indeed the Word of The Ever Almighty by the Honourable Angel Messenger. God delivered

Honourable Gabriel, the Honourable **(**The 81:20. Messenger, the Holy Spirit, the Devoutly Righteous Ever Almighty God P.m.b.u.h The of Servant the of great power and high grade in the owner Eternal Owner of the Throne. The Presence of

81:21. (Gabriel, the Holy Spirit P.m.b.u.h is) always obeyed and Gabriel is Trustworthy.

81:22. Truly the companion of ye the true believers Muhammad, *{*the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the Ever God each and every of the Almighty to one Human Beings P.m.b.u.h) is not in any way mad.

indeed your companion 81:23. Truly has in fact *€*the Honourable and Trustworthv seen him the Truthful Messenger Gabriel, Holy and the the Spirit. of Devoutly Righteous Servant The Ever the Almighty God P.m.b.u.h in the clear horizon.

Truly your companion Muhammad, 81:24. { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful of The Ever Messenger and Prophet Almighty God. Most Mighty to each and every The Ever one of the Human Beings P.m.b.u.h) does not in anv way withhold the knowledge of the Unseen.

81:25. Truly this Book Qur'an is not in any way the Word of the accursed Satan.

81:26. Therefore, where are ye Humankind going?

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

81:28. For each and every person who wills from among ye Humankind to follow the Straight Path.

Humankind 81:29. will Truly ye cannot even Ever Almighty except that The God Wills. The Sustainer of Eternal Lord and all the Worlds.

82: Sûrah Chapter Al-Infitar The Breaking M.V. 19

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

82:1. When the heaven will break apart, 82:2. And when the stars will fall scattered,

82:3. And when the seas will be erupted,

the contents of the 82:4. And when graves will fon the exposed Final Mighty Day of be Reckoning Judgement and Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

Then (on the Final Mighty Day of Resurrection 82:5. Reckoning and Requitals Judgement and and in Afterlife World, the measured Eternal the extent whereof is Fifty Thousand Years? each and every of the Human Beings will person come to know certitude whatever (each and every righteous with each and every evil action he good or action ahead and whatever he had left behind. had sent

82:6. Thou each and every one of the Human Beings! What has deceived thee regarding The Eternal Lord and Sustainer of thee, The Ever Most Generous;

82:7. The God Who has created thee the Human Being and He perfected your physical form, then He perfectly balanced thee?

82:8. Into whatever physical form The Ever Almighty God Willed He has assembled thee?

Certainly not! But in fact 82:9. ye people unthankfully deny the Judgement and Requitals (the Mighty Day of Resurrection Judgement Final and Reckoning and Requitals and Rewards and and the Eternal Afterlife World, the Recompense in measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

82:10. For sure there are Guardians Angels appointed over each and every one of ye Humankind,

82:11. The Honourable Writers (the Angels who write down every righteous good action and every evil action ever done by each and every Human Being);

82:12. The Honourable Angel Writers know each and every action all of ye Humankind ever do.

82:13. Certainly, the righteous people will indeed be in the Eternal Delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

certainly, the wicked people will indeed 82:14. And the Blazing Hell (on the Final be in Mighty Resurrection and Judgement Reckoning Dav of and Eternal Afterlife Requitals in the World. and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

82:15. The wicked people will burn in the Blazing Hell on the Day of Judgement and Requitals.82:16. Truly the wicked people will not ever be absent from the Blazing Hell.

82:17. Truly what will explain to thee what is the Day of Judgement and Requitals?

Thereafter, what will explain to thee 82:18. what Day of Judgement and Requitals? is the Day when 82:19. It is the will no person power at all to help any any other possess upon and the Entire Command that Day person. will belong only to The Ever Almighty God.

2:21. O ye each and every one of Humankind! always worship must The Eternal Lord and Ye of ye, The God Who Sustainer has created all ve and all the people who were ever before of for the purpose all of may ye become the ve. righteous people who fear The Ever Almighty God. The God Who has made the 2:22. earth the vast floor for ye Humankind and the sky the roof. and He sent down rainwater from the sky, and He has brought forth thereby many fruits as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to The must not ever Ever Almighty God while ye have the knowledge.

the muslim and the Certainly, men 33:35. muslim the believing and and men the believing women the devoutly obedient and the and men women devoutly obedient women and the truthful men truthful and the steadfastly patient and the women steadfastly patient the women and the and men men and fearfully fearfully humble the humble who give women and the men charity and the who give charity and the men who women fast and the women who fast and the men who guard chastity and the women who guard and the their heedfully remember The Ever Almighty who men who heedfully often and women very the God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty reward. all

14:31. Thou must say to My servants those who have truly believed that they must always equitably perform the Prayer and they must always spend secretly and publicly from whatever We (The Ever Almighty God) have provided for them, before the coming of the Day (of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and in Afterlife World, the Eternal measured the extent Fifty Thousand Years) in which whereof is there not be any bargaining nor any befriending. will

14:32. The Ever Almighty God is The God Who all the heavens and the whole has created earth sent down rainwater the heaven, and He from and brought forth thereby many fruits as He has a sustenance for all of ye the Human Beings; and ships to be of service to He has made the ve Human Beings for the purpose that the ships the sea by the Command sail through the of may Ever Almighty God, and He has made rivers The also to be of service to ye the Human Beings.

14:33. And The Ever Almighty God (The Ever Most Merciful) has made the sun and the moon, both constantly orbiting, to be of service all to of the Human Beings, and The Ever Almighty ve made the night and God has also the day to ye the Human be of service to all of Beings.

The Ever God Truly Almighty 14:34. gave ve Beings from Everything of the Human ye asked Truly if ye the Human Beings would Him. Blessings Favours and the of The Ever count will be Almighty God, ye not able to count Certainly, the Human Being is indeed them. an iniquitous wrongdoer and an unthankful disbeliever.

10:54. Truly if each and every person who has committed iniquity possessed Everything that is in the earth, indeed he would gladly offer all of whole it in ransom (to save himself from the requital punishment of the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years. Truly they will conceal their remorseful regrets when they see the requital punishment; and they will be judged with equitable justice, truly they will not be treated with any iniquity.

10:55. Listen attentively! Certainly, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the the whole earth. Listen heavens and attentively! Certainly, the Promise of The Ever Almighty God is the Whole Truth, but most of Humankind do not Heavenly Knowledge (of the Miraculous have the Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Knowing, The Eternal King of the Entire Eternal Universe. Creator and The The Lord and of Everything in the Entire Universe. Sustainer

10:56. The Ever Almighty God Alone gives life; and He Alone causes death, truly only to The Ever Almighty God each and every one of ye the Human Beings will be returned.

O ye each and every one of Humankind! 10:57. to each and every one There has come of ye the Admonishing Instruction from The Eternal Sustainer of ye, and the Healing Lord for and Everything that is in the chests and the Heavenly the Mercy for the true Guidance and believers.

10:58. Thou O Muhammad! {The Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, Ever Most The Mighty, The Ever Most High, and The Eternal All Wise, The The Ever Creator Sustainer of the Entire Universe Lord and to each every one of Humankind P.m.b.u.h? must say: and "This Book Qur'an has been Miraculously Revealed The Ever Almighty God by the Grace of and Mercy. Surely each and every one His bv of Humankind must always rejoice over this Book Qur'an; Book Qur'an is supremely better this than all wealth all Humankind have ever accumulated. the

10:59. Thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Messenger and the Trustworthy and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe to each Lord and and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "Have ye people considered The Ever Almighty God sent down to ye of Sustenance of which ye has people have made some prohibited and some lawful?" Thou must say: "Has The Ever Almighty God given ye any permission to do this, or are ye inventing untruth about The Ever Almighty God?"

10:60. Truly what will be the believable thought of the people who invent untruth about The Ever Almighty God on Resurrection the Day of Judgement? Certainly, The Ever Almighty God and indeed The Awarder of upon is Grace each of Humankind, every one but most of and Humankind do not give thanks.

Truly ye Humankind must always worship 4:36. The Ever Almighty God and ye must only not anything whatsoever as associate god ever a Him, and always be kindly good the with to parents and to the relatives and the orphans and all those are needy, and the neighbour who who is and the neighbour who is farther near away. companion at your side and to the and the those ye traveller and own as slaves. Certainly, Almighty God Ever not love does The any is self-deluded and constantly boastful, person who

The people who are miserly 4:37. and they command others to be miserly, and they conceal the Almighty God has given wealth The Ever them from His Grace; truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have prepared for the unthankful disbelievers the humiliating punishment.

4:38. And also the people who spend their wealth only to show off to Humankind, and they do not truly believe in The Ever Almighty God nor in the Final Day. Truly any person to whom the devil Satan is a companion, surely he is an evil companion.

Truly what harm would have come 4:39. upon Humankind if they had truly believed in The Ever Almighty God and the Final Day (of Resurrection and Requitals Judgement and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? spent from whatever The Ever Almighty God and provided for them? Truly The Ever Almighty has The Ever All Knowing of all of them. God is

3:83. Do they seek anything other than the submission to the religious laws of The Ever Almighty God, while each and every one who is in all the heavens and the whole earth have wholly submitted only to The Ever Almighty God, willingly or unwillingly; truly only to Him all of them will be returned?

3:84. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "We truly believe The Ever Almighty God and whatsoever has been in Miraculously Revealed to us and whatsoever has been Miraculously Revealed to Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and whatsoever given to Moses has been and Jesus all and the Prophets from The Eternal Lord and Sustainer of them (P.m.b.u.t). We do not make any distinction between any of them and we are Muslims only to *€*the The Almighty God people Ever who whollv follow the All Blessed Will submit to and all the Commandments of The Ever Almighty God).

any person who Truly seeks 3:85. religion any than Islam (total submission to follow the All other Blessed Will and the Commandments of The True God, accepted from will not be him, truly in it the Eternal Afterlife World he will be one of the losers.

The Ever Almighty be 3:86. How can it that guide such should people who God have their True Faith, unthankfully disbelieved after and witness that Messenger the they had bore is the Supremely Clear Proofs had wholly true, and them? Truly The Ever Almighty God come to does not guide the iniquitous wrongdoing people.

the people whose They are requital 3:87. punishment will be that upon them there is of The Ever Almighty God of the curse and Angels and of the Humankind, together. the

3:88. They will remain therein forever, the requital punishment will not be lightened for them nor will they be reprieved.

3:89. Except the people who repent after that and act righteously. Surely indeed, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

3:90. Certainly, the people who unthankfully disbelieve after their True Faith; thereafter, they increase in their unthankful disbelief, their repentance will not be accepted, truly such are the people who have gone astray.

3:91. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they die while they are unthankful disbelievers, surely the whole earth filled with gold will not any one of them, accepted from if be even he save himself with it. offered it to Such people will suffer the painful punishment, truly they will any helpers (on the Final Mighty Day not have of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Ye people will not 3:92. ever attain devout until ye spend from that which righteousness ve whatever ye ever spend from whatever love. Truly thing, surely indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living. Creator and The Eternal Lord and Sustainer of The the Entire Universe) is The Ever All Knowing of it.

41:51. Truly whenever We (The Ever Almighty God) award Favour and Blessing upon the Human Being, he turns away and distances himself, truly whenever any evil afflicts him, then he prays lengthy prayers.

41:52. Thou 0 Muhammad! (The Honourable and and the Truthful Trustworthy Messenger and the The Prophet of Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of the Human say: "Have Beings P.m.b.u.h must ve each and of Humankind thought. every one ever if this Book Qur'an is truly from the Providence of The Ever Almighty God; thereafter, still ye people are among unthankfully from those who disbelieve in this Qur'an, who more than Book is astray the opposition?" person who is in extreme iniquitous

41:53. Eventually We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Sustainer of the Entire Eternal Lord and Universe } show Humankind Our Miraculous Signs in will the Universe and in themselves, until it becomes clear to Humankind that The Ever Almighty God is The Ever Truth. Is it not sufficient regarding Supreme The Lord and Sustainer of thee that Eternal certainly is The Ever Present Witness Over Everything? He

attentively! Certainly, 41:54. Listen some from among doubt about Meeting Humankind are in the with Lord them. Listen Eternal and Sustainer of The attentively! Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Most Equitable, Merciful, The The Creator and Eternal Lord and Sustainer of the The Entire Universe) is Always Encompassing Everything.

7: Sûrah Chapter Al-A'raf The Elevations M.V. 206

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

7:1. Alif, Laam, Meem, Saad.

7:2. This Book Qur'an has been Miraculously Revealed thee O Muhammad! (The Honourable and to the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the The Ever Almighty God, The Eternal King of of Entire Universe to each and every the of one Humankind P.m.b.u.h); surely thou must not ever let there be any distress in your chest because of this Book Qur'an, it is for the purpose thou that may warn by this Book Qur'an, truly this Book Qur'an is the Wise Reminder for the true believers.

7:3. Each and every one of ye Humankind must always follow whatsoever has been Miraculously Revealed to ye from The Eternal Lord and Sustainer of ye, and ye must not ever follow any protecting friends other than The Ever Almighty God. Yet it is little that which ye heedfully remember.

7:4. Truly how many of the cities We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have destroyed! Surely Our requital punishment came to them during the night or while they were sleeping during the day.

7:5. Surely when Our requital punishment came to the unthankful disbelievers their declaration was nothing in any way except that they said: "Certainly, we have been the iniquitous wrongdoers!"

7:6. Surely indeed We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything) will definitely question the people to whom the Messengers were sent, truly indeed We will definitely question the Messengers.

7:7. Then indeed We will definitely narrate to them with knowledge, truly We were not in any way absent.

Truly the weighing of ever action 7:8. on that for Resurrection and Judgement and Reckoning Day and Recompense Requitals and Rewards and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years) is The Whole Truth. Surely is and every person of Humankind each whose Scales the righteous good actions with will be heavy. indeed such people will be the triumphant. truly

7:9. Truly for each and every person as of Scales with righteous Humankind whose the good will light, surely such people actions be are the ones who will lose themselves solely because they had committing iniquity to Our Miraculous Verses. been

Truly indeed We (The Ever Almighty God 7:10. ye Humankind established of in fact all have We have made for all in the earth and of Humankind in the earth ways of livelihood. ve Yet ye Humankind give very little thanks.

Truly indeed We (The Almighty Ever 7:11. God } created fact of ye Humankind. have in all Thereafter. We made the physical forms of all of ve Humankind. Thereafter, We said Angels: to the of ye must prostrate for Adam {P.m.b.u.h}!" "All Surely all the Angels prostrated except the devil Iblees. He was not among those who prostrated.

God said: "What prevented The Ever Almighty 7:12. prostrate when not thou did Ι thee that Commanded thee?" The devil Iblees ۴I said: am better than Adam (P.m.b.u.h), Thou have created me and Thou have created him from clay!" from fire

The Ever Almighty God said: "Then 7:13. thou descend from this place; surely it is must not lawful for thee in any way to be unthankfully arrogant in this place. So, thou get must out; certainly, thou are among those who are debased!"

7:14. The devil Iblees said: "Thou please grant me a reprieve until the Day when all of them Humankind will be resurrected!"

7:15. The Ever Almighty God said: "Certainly, thou are one of those who are reprieved!"

The devil Iblees said: "Surely because 7:16. astray, Ι indeed have sent me will Thou definitely sit in wait for each every one and of Humankind on Your Straight Path.

7:17. Thereafter, indeed I will defnitely come to each every of Humankind from and one their and their front from rear and from their right truly Thou from their left, will not find and of Humankind thankful most to thee!"

7:18. The Ever Almighty God (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) said: "Thou must get out from here disgraced and banished. Indeed, each and every person from among Humankind who follows thee, indeed I will definitely fill the Hell with all of ye, together!"

7:19. Truly thou O Adam (P.m.b.u.h)! Thou and your wife (P.m.b.u.t) may reside in the Garden and both of ye may eat from wherever ye wish, but both of ye must not approach this tree, or both of ye will become among the iniquitous wrongdoers!"

devil Iblees 7:20. Then the whispered to Adam (P.m.b.u.t) to make apparent and Eve to them was concealed from them of that which their said: "The devil Iblees nakedness. the Eternal not prohibit Sustainer of ye did Lord and ve this except that ye become from tree Angels or among the immortal beings!" ye become from

7:21. And the devil Iblees took an oath to Adam and Eve (P.m.b.u.t): "Certainly, I am indeed to ye from among the sincere advisors!"

7:22. Surely the devil Iblees made Adam and Eve (P.m.b.u.t) fall by means of deceit. Then when they tasted of the tree, their private parts became apparent to them, and they began to fasten together theselves from the leaves of over Garden. Trulv Ever Almighty God, The Eternal King (The of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Sustainer of the Entire Universe). Lord and The called out Eternal Lord and Sustainer of them "Did I them: not prohibit both of ye from to tell both of ye, certainly that tree. and the devil most clear enemy to both of ye?" the Satan is

7:23. Adam and Eve (P.m.b.u.t) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! We have committed iniquity to ourselves; Truly if Thou do not forgive us and Thou do not award Mercy upon us, indeed we will definitely be among the losers!"

7:24. The Ever Almighty God said: "All of ye must descend, some of ye being enemies to others, and ye will have in the earth a place of residence and beneficial provisions for an appointed time!"

7:25. The Ever Almighty God said: "In the earth all of ye (the Human Beings and the Jinn Beings) will live and in the earth all of ye will die and from the earth all of ye will be resurrected.

7:26. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have sent down clothing to ye to cover vour nakedness and as an adornment. Truly the clothing of righteousness, that is best. This is from among the Miraculous Signs of The Ever Almighty God the purpose that each and every one of the for Children of Adam (P.m.b.u.h) may heedfully remember.

7:27. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Ye must not ever let the devil Satan deceitfully tempt ye as he removed your parents from the Garden, stripping them of their clothing of righteousness to expose to them their nakedness. Certainly, the devil Satan and his tribe keep watching ye the Children of Adam (P.m.b.u.h) from such places all of ye do not watch them. Certainly, We have made the devils friends to the people who do not truly believe.

Truly when the unthankful disbelievers 7:28. any immorality, "We they say: found our commit Ever Almighty forefathers doing this. and The Commanded this!" God has us do Thou 0 to (The Honourable the Muhammad! and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The and Almighty Ever God. The Creator The Eternal Entire Sustainer the Lord and of Universe to Children and every of the of Adam each one say: "Certainly, P.m.b.u.hThe must Ever Almighty not ever Command to any immorality. God does do How about The Ever Almighty ye say God can things of which ye any knowledge?" do not have

Thou Muhammad! {The Honourable 7:29. 0 and the Truthful Messenger Trustworthy and the Prophet and of The Ever Almighty God, The Creator and The Sustainer of Eternal Lord and Entire Universe the of Adam and every one of the Children each to "The Eternal Lord and Sustainer P.m.b.u.h must say: always has Commanded to do true justice of me all of ye must set your faces correctly and that at every mosque, and all of ye must always call only Ever Almighty God in Prayer, making religion The Just like The Ever Almighty God. The pure for Almighty God originated all of ye Ever the Human will brought back (to Beings, all of ye be life again on Final Mighty Day of Resurrection the Requitals in the Eternal Afterlife and World !!"

7:30. Ever Almighty God has guided The one other party justly deserved to but the be party, people Certainly, some stray. the left have taken protecting friends instead of The Ever devils as Almighty God. vet they think that thev are the heavenly Guidance. following

7:31. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Ye must always take vour at every mosque, and adornment ye must eat drink, but ye must not ever commit and excess. The Ever Almighty God does Certainly, not love the people who commit excess.

7:32. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to of each and every of the Children of Adam P.m.b.u.h one must say: "Who has prohibited the adornment from The Ever Almighty God which He has produced for His servants, and the good things of sustenance?" Thou say: "The people who truly believe, these must all are for them in the present life good things of this Earthly World, will be exclusively for them Day of Resurrection and Judgement!" Just on the like this We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful³ explain in detail the Miraculous Verses for the people who have the Heavenly Knowledge.

7:33. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of of the Children of Adam P.m.b.u.h) must one say: "Certainly, that which The Eternal Lord and Sustainer of me has prohibited is all kinds of immoralities, are apparent whatever of them and whatever are every kind of concealed; and sin and every kind of iniquitous aggression without equitable justice, and ve Humankind associate anything that as god a The Ever Almighty God that for which with He not Miraculously Revealed any All has Binding Authority, and that ye say about The Ever Almighty God that of which ye do not have true knowledge!"

7:34. Truly for every community there is an appointed term. Surely when their appopinted term comes, they cannot remain behind for a moment, nor can they precede it.

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come to ye from among yourselves reciting to ye My Miraculous Verses; then any person who fears The Ever Almighty God and acts righteously, surely no fear will come upon them, nor will they grieve.

7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

Surely who is more iniquitous than the person 7:37. invents untruth about The Ever Almighty God who **Fhe** Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever The Ever Most Generous, Most Kind. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe unthankfully denies His Miraculous Verses? Such or full portion the people who will attain their are until. written in the Book; when Our as Messengers take in come to them to them death, they will say: "Where are those whom ve used to call in Prayer besides The Ever Almighty God?" They will say: "They have disappeared from us," truly they will bear witness against themselves that they were unthankful disbelievers.

Ever Almighty God will say: "Ye must 7:38. The Hellfire together with communities the the enter which indeed had passed on before ye from among Jinn-kind and Humankind!" Each time a new community it will curse sister will enter. its community preceding it, until when all the communities will the be assembled together in Hellfire, the of last about the them will say preceding communities: Eternal Lord and Sustainer "Thou The of us! led astray, therefore are the people who These us please give them the double punishment Thou in The Ever Almighty God will Hellfire!" the say: "For each and every one there is double punishment, not have the true knowledge!" but ve do

Truly the preceding communities will 7:39. say to succeeding communities: "Surely ye people the did good merits us, therefore not gain any over ve solely because the requital punishment feel of must all of whatever evil actions earned!" ve

who Certainly, the people unthankfully 7:40. denv Miraculous Verses are unthankfully Our and arrogant the gates of heaven will towards them. not be opened for them, nor will they enter the Everlasting Garden until the enters into the eve camel of а Truly just like this We (The Ever Almighty needle. God, The Eternal King of the Entire Universe, The and The Eternal Lord and Sustainer of Creator the Entire Universe) equitably requite the iniquitous criminals.

7:41. They will have from Hell bed a and covering layers over them. Truly also the just We (The Ever Almighty God, The Eternal like this King of Entire Universe, The the Ever Most Equitable) equitably requite the iniquitous wrongdoers.

7:42. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, We (The Ever Almighty God) give any duty to any person do ever except not according his capability. Such are to the people are the residents of the Everlasting who Garden: they will reside in the Everlasting Garden forever.

Truly We (The Ever Almighty God will 7:43. remove whatever resentment they have in their chests, rivers will be flowing beneath them. Truly they will "All Praise belongs only the The say: to Ever The God Who Almighty God, has correctly guided us to this Everlasting Garden; truly we would not been correctly guided, if The Ever Almighty God have correctly guided us. Indeed the had not Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of us in fact came with The Whole Truth!" Truly it will be saying: "This is the Everlasting announced to them, Garden which ye have been made to inherit solely because of whatever righteous good actions ye did!"

Truly the residents of the Everlasting Garden will 7:44. out to the residents of the Hellfire. call saying: "Indeed we have found whatsoever The Eternal Lord and Sustainer of us promised us to be wholly true. ve found whatsoever The Eternal Have Lord and Sustainer of ye promised ye to be wholly true?" They will say: "Yes." Then an announcer will announce "The curse their midst, saying: from of The Ever be upon the iniquitous Almighty God wrongdoers.

7:45. iniquitous wrongdoers who The prevented the Straight Path of The Ever Almighty people from His they Straight and make Path God strove to crooked, while they were concerning the seem unthankful Eternal Afterlife World disbelievers!"

35:3. O ye each and every one of Humankind! always heedfully remember the Favours Ye must Blessings of The Ever Almighty God and awarded upon ye. Is there any Creator other than The Ever Almighty God who provides sustenance for ve Humankind from the heaven and the earth? There except Him Alone, is God despite that how no turned away from The Whole Truth? are ye

each and every one ye 2:168. Ο of Humankind! always eat only from whatever is Ye must lawful good in the earth, and ye and everv and each of Humankind must follow the one not ever commandments footsteps nor of the devil Satan. Certainly, the devil the Satan is most clear enemy to each and every of ye Humankind. one

The devil Satan only commands 2:169. ve each one of Humankind to every every do kind and action and every kind wickedness. of evil of The Ever Almighty God ye say about and that any knowledge. things of which ye do not have

each ye and every of 4:170. 0 Humankind! one the there has to ye Indeed, come Messenger Muhammad (the Honourable and the and Trustworthy Messenger and Prophet of Truthful The Ever the Almighty God to each and every of one Humankind P.m.b.u.h) with The Whole Truth from Eternal Lord and Sustainer of ye. The Surely all of ye must truly believe; it is always supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: only to The Ever Almighty God surely indeed, belongs Everything that is in all the heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

3:185. Each and every person will feel death. the Day of Resurrection only on Truly and Judgement each and every one of ye the Human Beings will be paid your requital rewards in full. Certainly, any person is saved from the Hellfire and is made to enter the Everlasting Garden, surely such a has gained the indeed. person mighty victory. Truly the life of this present Earthly World is nothing except beneficial provisions that deceive.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 17:88. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of say: "If of Humankind P.m.b.u.h) must all one Humankind and all Jinn-kind were to gather together produce the like of this Qur'an, they will to not ever be able produce the like of this Qur'an, even if they became helpers to one another!"

17:89. Truly indeed We (The Ever Almighty God) fact clearly explained for each and everv have in of Humankind in this Qur'an from one every surely most of Humankind example, have refused Everything except persisting in unthankfull disbelief.

4:69. Truly each and every person who wholly obeys The Ever Almighty God and the Messenger, surely such people will be with those upon Ever Almighty God has whom The awarded the Blessings; from among the Favours and Prophets those who bear witness to The Whole Truth and the martyrs and the devoutly righteous people. and supremely good companions. Truly they are 4:70. This is the Grace from The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Ever All Knower.

10:102. Surely they are not waiting in any way except for just like the days of the have passed away before who people them? Thou must say: "Then ye may wait; certainly, I am with ye among those who wait!"

(The Ever Almighty Thereafter, We God} 10:103. save Our Messengers and the people will who Just like this, it is obligation believe. truly an Us that We the save believers. upon true

Thou O Muhammad! (The Honourable 10:104. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Equitable, Ever All Wise, The Ever Most High, The The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of "О Humankind P.m.b.u.h) must say: ye each and every one of Humankind! If ye in any doubt are about my religion, surely I do not worship the gods worship other than The ye Almighty Ever which but I worship only The Ever God: Almighty God; The Who causes the death of God each and of ye. And I have been every one Commanded that I must always be one of the true believers.

10:105. And that: "Always direct yourself entirely towards the religion, as the devoutly true monotheist and thou must not ever be one of the polytheists.

And thou 10:106. must not ever call in Prayer The Ever Almighty of God other instead any benefit thee harm god that cannot nor thee. Surly if thou do this, surely indeed then thou one of the iniquitous wrongdoers!" will be

10:107. Truly if The Ever Almighty God inflicts thee with any harm, surely no one can remove any harm except The Ever Almighty God; Trulv Ever Almighty God if The intends for thee any good. surely no one can turn back His Grace. The Ever Almighty God causes His Grace from person He Wills any among His reach to servants. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

Thou O Muhammad! (The Honourable 10:108. and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable. The Ever All Wise, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O ye each and every one of Humankind! Indeed, The Whole Truth come to ve from The Eternal Lord has and Sustainer of ye. Surely any person who follows the Heavenly Guidance, surely he follows it only for the benefit of himself; but any person who goes astray, surely he goes astray only to the harm of himself; truly I am not the protector over ye!"

10:109. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Sustainer The Eternal Lord Merciful. and of the one Entire Universe to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h must always follow whatsoever is Miraculously Revealed to thee. and always be steadfastly patient until The thou must Ever Almighty God gives the Judgement. Truly The Ever Almighty God is The Ever Best of all Judges.

21:30. Have the people who unthankfully disbelieve not considered that all the heavens earth and the be joined together, surely We (The Ever used to God, The Eternal King of the Entire Almighty The Eternal Lord Universe. The Creator and and Universe } Sustainer of the Entire separated them. made the biological cell water And We have from every living thing? Despite that will they not believe?

21:31. Truly We (The Ever Almighty God) have fixed firm mountains, to prevent into the earth quaking with ye the Human Beings. the earth and made therein broad roads for the purpose We have that the Human Beings may guide themselves.

21:32. And We (The Ever Almighty God) have made the heaven the well secured roof, yet Humankind are still turning away from its Miraculous Signs.

21:33. Truly The Ever Almighty God is The God Who has created the night and the day and the sun and the moon; each one is rotating in its orbit.

21:34. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) did not award to any Human Being before thee everlasting life (in this present Earthly World); so if thou die, then are they going to live forever?

21:35. Every person will feel death. Truly We (The Almighty God, The Eternal King of Ever the Entire Universe test ye Humankind with bad and with good as a trial test; truly only to Us each and every one of ye Humankind will be returned.

21:36. Truly when the people who have unthankfully disbelieved see thee O Muhammad! {The Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h), they do one no take thee except in ridicule: "Is this the Messenger talks about your gods?" Truly they are who the ones who are unthankful disbelievers in the Wise Reminder of The Ever Most Gracefully Compassionate.

21:37. The Human Beings has been created hasty. I (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will eventually show all of ye the Human beings My Miraculous Signs, surely ye must not ever ask Me to hasten.

21:38. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

21:39. If the people who have unthankfully disbelieved only knew, the time when they will be able to keep the Hellfire away from not nor from their backs, and they will their faces helped (on the Final Mighty Day of be not and Judgement and Reckoning Resurrection and Eternal Afterlife Requitals World. in the the Fifty Thousand Years? whereof is measured extent

21:40. But in fact, it will come upon the unthankful disbelievers suddenly; surely it will stun them, truly they will not be able to repel it, nor will they be granted any reprieve.

21:41. Truly indeed the Messengers were in fact Muhammad! before thee O ridiculed even (The Trustworthy and Honourable and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God each and every one of Humankind P.m.b.u.h), to were overwhelmed then the people who mocked them punishment they used to by the ridicule.

say: "Who must 21:42. Thou can protect ve by day night or Humankind from The Ever at Gracefully Compassinate?" But in fact, Most the are away from iniquitous wrongdoers turning the Wise Reminder and Remembrance of The Eternal Lord and Sustainer of them.

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The of Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h) to each "O ye say: each and every of must one Humankind! Certainly, I am the Messenger of The Ever Almighty God to each and every one of ye. God to Whom belongs He is The the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. God except Him Alone. He There is no Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly believe in The Ever Almighty God His and Messenger; the Prophet who cannot read nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God all His Words. and in Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose that ye may become the people who follow the Heavenly Guidance. the

2:136. Ye the people who truly believe must say: "We truly believe in The Ever Almighty God and has been Miraculously Revealed whatsoever to 115 whatsoever has been Miraculously Revealed and to Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and whatsoever has been given to Moses and Jesus and whatsoever has been given to all the and Sustainer Prophets from The Eternal Lord of them {P.m.b.u.t}. We the true believers do not any distinction between any of them, make trulv we are Muslims only to The Ever Almighty God!"

2:137. Surely if the People of the Book also truly believe just like ye the true believers have truly believed in The Ever Almighty God, surely indeed they will be correctly guided; truly if they turn are only in opposition. away, surely they Surely Ever Almighty God is The Ever All Sufficient The Truly The Ever against them. for thee Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:138. (And ye people who truly believe the must religious colour chosen "Ours is the say}: by The Almighty God, truly who is better than The Ever Almighty God in choosing religious colour? Ever Truly we worship only The Ever Almighty God!"

2:139. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger P.m.b.u.h must say: "Do ye the people of the Book argue with The Ever Almighty God, truly The Ever us about Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of The Eternal Lord and all of us and Sustainer of of ye? Truly for all of us are all actions our of ye are your actions. Truly we and for all are faithfully truthful only to The Ever Almighty God!"

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything. 2:21. O ye each and every one Humankind! of Ye must always worship The Eternal Lord and Sustainer of ye, The God Who has all created ve and all the people who were ever before of all of ve. for the purpose ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

O Muhammad! {The Honourable 2:97. Thou and Trustworthy the Truthful Messenger and the Prophet The Ever Almighty God to each of and every of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Whoever one enemy to indeed. Gabriel. surely is an Gabriel Honourable and Trustworthy and the the of The Ever Truthful Messenger Almighty God the Angels P.m.b.u.h) is from among the one brought down this Book Qur'an who has upon heart by the Command of The Ever Almighty your Sincerely confirming those Heavenly God. Books which were before this Book Qur'an. Trulv this Heavenly Guidance Book Our'an is the and the for the true believers. Good True News

2:98. Whoever is the enemy to The Ever Almighty God and His Angels and His Messengers and Gabriel and Michael (P.m.b.u.t), surely indeed, The Ever Almighty God is the enemy to the unthankful disbelievers.

indeed, We (The Ever 2:99. Almighty God, Truly Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Sustainer The Eternal Lord and Most Merciful, of Universe? have in fact Entire Miraculously the Supremely Clear Miraculous Revealed the to thee truly no person unthankfully disbelieves Verses. in them except unthankful rebellious people. the

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

Thou must say: "Bring forward your witnesses 6:150. witness that The Ever Almighty bear who can this!" God has prohibited all So, if they bear surely not witness. thou ever bear witness must them. And along with thou must not ever iniquitous desires of any people follow the who deny Our unthankfully Miraculous Verses and the do not truly believe people who in the Eternal Afterlife World, and they set up equals others as to The Eternal Lord and Sustainer of them.

6:151. Thou Muhammad! {The 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful each and every one of Humankind to say: "All of ye Humankind P.m.b.u.h must must recite whatever come! I will The Eternal Lord and Sustainer of all of ye Humankind has prohibited That (1) all of ye Humankind must to ve: not associate anything whatsoever as God with ever a The Ever Almighty God; and (2) always be kindly good to your parents; and (3) all of ye Humankind kill your children for fear not ever must of poverty. We (The Ever Almighty God) will provide sustenance for ye and for them; And (4) all of ve Humankind must not ever approach any immoralities, apparent whatever of them are and whatever are of ye Humankind and (5)all concealed; must not any person that The Ever kill Almighty ever prohibited, except with equitable God has justice. Commandments The Ever Almighty God These has all ye Humankind for the Commanded of purpose ye may use your intellect to be equitable. that

6:152. And (6) all of ye Humankind must not ever approach the wealth of any orphan in except a is good until he reaches manner that maturity. And (7) Humankind must always ye all of give full full weight with equitable justice. We measure and Almighty God do not (The Ever ever give anv soul except according its capability; duty any to to **(8)** whenever and ve give your judgement, then ve justice even always do equitable must though it may be concerning a near relative, and (9)ve must the Covenant of always fulfil Ever The Almightv Commandments The Ever Almighty These God God. ye all of Humankind for the has Commanded always heedfully remember. that may purpose ve

Truly indeed, this My Straight 6:153. is Path: therefore, (10)all of ye Humankind must always Straight Path; follow this and ye must not ever any other paths, surely ye will follow become the Straight The seperated from Path of Ever Almighty God. These Commandments The Ever God has Commanded all of Humankind Almighty ye the purpose that become for may the ye righteous people who fear The Ever Almighty God!"

Thereafter, We (The Ever Almighty 6:154. God. The Merciful } Most gave Moses (The Honourable Ever Truthful Trustworthy and the Messenger and the Almighty God, The Ever and Prophet of The Ever Gracefully Compassionate P.m.b.u.h the Most Heavenly making complete Our upon Book, Favour the person who did righteous good actions and the as Everything and Explanation of Detailed as the and Mercy for Heavenly Guidance the the purpose they Truly Meeting believe in the that may Eternal Lord Susrainer with The and of them.

6:155. Truly this (the Ever Supremely Honourable the Ever Supremely Glorious and the and Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Clear Supremely Wise and the Ever and the Ever Supremely Mighty Our'an. the Message Statement and the Wise and the Miraculous Proof and Reminder the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind) is the Heavenly Book We have Miraculously Revealed, it is the Ever Supremely surely all of ye Humankind always must Blessed: follow this Book Qur'an, and all of ve Humankind must always fear The Ever Almighty God for the purpose that all of ye may receive Mercy.

6:156. Lest ye Humankind say: "The Heavenly Book was Miraculously Revealed to only two parties before us; truly indeed we were unaware of their study!"

6:157. Or lest Humankind say: "If only ye anv Heavenly Book had been Miraculously Revealed to indeed we would have been us. better in following Heavenly Guidance than them!" Surely indeed. there has now ye Humankind come to Supremely Clear Proof from The Eternal Lord the and Sustainer of ve and the Heavenly Guidance Mercy. Surely who iniquitous and the is more who unthankfully denies the person than the Verses of The Ever Almighty God Miraculous and turns away from them? Eventually, We will equitably requite the people who turn away from Our Miraculous Verses with the of the worst requital punishment solely because of their turning away.

6:158. The unthankful disbelievers are not waiting in any way except that the Angels should come to The Eternal Lord and Sustainer of thee them, or should come, or that some of the Miraculous Signs The Eternal Lord and Sustainer of thee should of some of the Miraculous The Dav that Signs come. Eternal Lord Sustainer of The and of thee will no person will benefit from his True come, Faith if he did not truly believe previously, or he had earned some righteous good actions during his True Thou O Muhammad! {The Honourable and Faith. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful. The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Sustainer of Lord the Entire Universe and to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must each say: "All of ye may wait, we also are waiting!"

6:159. Certainly, the people who have divided their and they have become sects, religion thou have do all Their nothing at to with them. whole case is only left The Ever Almighty God; to thereafter, The Ever Almighty God will fully inform all of them of whatever actions they ever did.

6:160. Each and every person who brings one good the Final Mighty Day of Resurrection (°on action and Reckoning and Requitals and Judgement and Recompense in Eternal Afterlife Rewards and the measured extent whereof World. the is Fifty Thousand Years), surely such a will have person times just like thereof, truly each and ten every action, brings one evil surely such person who a person will not be requited except just like thereof; truly they will not be treated with any iniquity.

6:161. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Ever Almighty God, The Ever Most of The Prophet Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Powerful. The Creator and The Eternal Lord and of the Entire Universe to each Sustainer and every Beings P.m.b.u.h Human one of the must say: "Certainly, The Eternal Lord of me guided has Straight Path, Religion, the Correct to the me the path followed by Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God. and Gracefully Compassionate, The Ever Most The Ever Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Most Most Powerful, The Generous. The Ever Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h³, the devoutly true Monotheist, truly Abraham (P.m.b.u.h) was not ever among the polytheists.

Muhammad! (The 6:162. Thou 0 Honourable and the Truthful Trustworthy Messenger the and and of The Ever Almighty The Ever Prophet God, Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Universe to each and every of Entire one the say: "Certainly, Human Beings P.m.b.u.h must my sacrifice Prayer my and my living and and my only for The Ever Almighty God, dying The are Lord and Sustainer Eternal of all the Worlds.

The Ever Almighty God does not have 6:163. any this I have been Commanded, Truly to and partner. of the Muslims (those I the first who whollv am the All Blessed Will and submit to follow all the Commandments The Ever Almighty God, of The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

6:164. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most each and every one of the Human Merciful to say: "How can I Beings P.m.b.u.h must ever seek any Lord other than The Ever Almighty God Eternal Lord while The Ever Almighty God is The and Sustainer of Everything? Truly each and every not ever earn anything person does but it is resposibility, truly his no bearer of burdens own the burden of any other. Thereafter, bear will to Eternal Lord and Sustainer of The each and every one of ye Humankind is the return of ye, surely The Ever Almighty God will fully inform ye concerning Everything in which ye differed.

Truly The Ever Almighty God is The God 6:165. Humankind Who has made successors in the ye has raised earth and He some of ye above grades for the purpose that others in The Ever all of ye Almighty God may test Humankind through whatsoever He has given ye. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is swift in the penalty punishment; and certainly, He is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come ye from among yourselves reciting to to ve Mv Verses: then any person fears Miraculous who The Almighty God and acts righteously, Ever surely no fear will come upon them, nor will they grieve. 7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside in therein forever.

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

Thou O Muhammad! (The Honourable 34:26. and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to every one of Humankind each and P.m.b.u.h must say: "The Eternal Lord and Sustainer of us will assemble each and every one of 115 together (on the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Requitals and Rewards in and the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years); thereafter He will judge is with equitable justice. Truly between us He is The Ever Best Equitable Judge, The Ever All Knowing!"

34:27. Thou O Muhammad! {The Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God to each and every of one Human Beings P.m.b.u.h must say: "Ye of the people show me the gods whom ye have joined to Almighty God His equals. Certainly The Ever as The Ever Almightv But in fact, He Alone is not! God, The Ever Almighty, The Ever All Wise!"

34:28. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator of The Ever All Wise, The Everything, Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most King Eternal Supremely Holy, The of the Entire and The Creator Universe. The Eternal Lord Universe } Entire Sustainer of have and the not as the Constant Announcer sent thee except of True News and Good as the Constant Warner the each and every one of Humankind. But to most Humankind do not have the Heavenly knowledge. of

49:13. O ye each and every one of Humankind! We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of The Ever All Glory, Self-Sufficient Self-Reliant, All Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, Truth, The The Ever Supreme Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have created each and every one of ye from a single man and woman (Adam and Eve P.m.b.u.tand We have made ye Humankind into nations and tribes for the purpose that ye may recognise each other. Certainly, the most honourable of ye in the Sight The Ever Almighty God is the most of devoutly ye. Certainly, The Ever Almighty God pious of The Ever All Knowing, The Ever All Aware. is

2:38. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe) said: "All of ye must descend from the Garden together, truly whenever there ever all of ye the Guidance from Me, comes to truly person who follows My Guidance; surely no any fear will come upon them, nor will they grieve. 2:39. Truly the people who unthankfully disbelieve and unthankfully deny Our Miraculous Verses, such people be the residents of the Hellfire; they will will reside therein forever (in the Eternal Afterlife World).

4:170. O ye each and every one of Humankind! Indeed. there has ve come to the Messenger Muhammad (the Honourable and Trustworthv the and Messenger and Prophet of Truthful The Ever the to each and every of God Almighty one Humankind P.m.b.u.h³ with The Whole Truth from Eternal Lord and Sustainer of ye. The Surely all of ye must truly believe; it is always supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: only to surely indeed, The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

10:57. O ye each and every one of Humankind! There has come to each and every one of Admonishing Instruction from The ve the Eternal Sustainer of ye, and the Healing Lord and for Everything that is in the chests and the Heavenly the Mercy for the Guidance and true believers.

10:58. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, Mighty, The Ever Most The Ever Most High. The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe Lord and to each of Humankind P.m.b.u.h³ must every one and say: "This Book Qur'an has Miraculously Revealed been Grace of The Ever Almighty God by the and Mercy. Surely and every each bv His one of Humankind must always rejoice over this Book Qur'an; Book Qur'an is supremely better this than all wealth all Humankind have the ever accumulated.

I. Zulfigar Ali, the Son of Muhammad Hafiz Ramzan, and the Grandson of Muhammad Alim testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Most The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Owner of All Glory, The Seeing Ever Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most True Light of all The the Heavens Truthful. and Earth. Whole The Ever All Knowing the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable. The Mighty. Most Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever The Truth. Ever Owner Supreme of the Supreme The Ever Owner Greatness, of the Most Good Names, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne. The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over The Ever Present Witness Over Everything, Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The Supremely the Ever Sustainer of Glorious and The Ever Most Exalted. The Ever Throne. Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful. The Eternal King of the Most Entire Universe. Honour, The Eternal Owner of All The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Powerful, Creator The Ever Most The and The of the Eternal Lord and Sustainer Entire Universe surely indeed sent to each and has every one whole Humankind the earth. Muhammad: us on Honourable and the Trustworthy and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God-

-m.b.u.h. And certainly The Ever Almighty God, The The Eternal Lord and Sustainer Creator and of Universe has indeed Miraculously Revealed the Entire Heaven to each and every one from the of us the Ever Supremely on the whole earth Humankind and the Ever Supremely Glorious Honourable and the Supremely and Blessed the Ever Supremely Ever Miraculous and the Supremely Wise Ever and Qur'an, the Supremely Clear Message Ever the Ever Distinctive and the Criterion Statement and the Grace the Mercy Whole the Truth and and and the Miraculous Wise Reminder Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance the Miraculous Words and and the Miraculous Verses The Ever Almighty God. of the Certainly The Ever Supremely Honourable indeed Qur'an is the Final and the Very Last Message Reminder and Ever and the Wise the Supremely Blessed Book and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God has One Hundred and Fourteen Surah Chapters, Six Thousand and Two Hundred 114 Thirty-Six 6236 Miraculous Verses. Certainly and The Ever Supremely Honourable indeed Our'an has been Miraculously Revealed from the heaven indeed by the Grace of The Ever Almighty God and His Mercy. Therefore, surely indeed each by and of us Humankind on the whole every one earth truly believe in always each and every must one of the Miraculous Verse of The Ever Supremely Qur'an always Honourable and follow them. and give thanks for each and every always one of the Miraculous Verse to The Ever Almighty God. every one of us Humankind on Each and the always rejoice The Ever whole earth must over Supremely Honourable Qur'an. The Book Qur'an is all the wealth of usextremely better than all

-Humankind on whole earth have ever accumulated. each and every one of us the Surely whole on always recite study the earth must and Ever Supremely Honourable Qur'an, and we must always believe with certitude in the Supremely Ever follow Honourable Qur'an, and we must always Supremely Honourable The Ever Qur'an, and we greatly love The Ever Supremely always most must always heedfully Our'an. and we must Honourable and commit remember heart to and The memory Supremely Honourable Qur'an, and Ever we must teach The Ever Supremely learn and always Honourable Qur'an to please our Creator, The Ever Almighty God. Surely indeed each and every one Humankind us on the whole earth of must always believe with certitude in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Messengers the His Books and and Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal World. the measured Afterlife extent whereof is Thousand Years; and we must submit Fifty ourselves All Blessed Will to follow the of the Ever Almighty God and His every Commandment, and we always truly most greatly love and must most and worship The Ever Almighty God greatly honour uncountable Favours Blessings because of His and Gifts and His His Graces and His Mercies and Mighty Favours with all and His our heart and long soul all circumstances mind and in as as and truly live. always we we must love The Almighty God greatly more than Ever ourselves fathers mothers and and our foremothers and our daughters forefathers and and and our sons and sisters and spouses brothers and and all our our all our wealth which we haverelatives, and our

our successful -gained, and and commerce our dwellings and everything else we Surely love. the people who truly believe and righteous do good will actions, they have forgiveness and the honourable sustenance. Truly the people who strive against the Miraculous Verses of The Ever Almightv discredit them, they will God. trying to be the Hell. Certainly, the people residents of the Blazing truly believe and the people who are the who Christians and Jews the and the Sabeans. each who truly believes and everv one in The Ever God Almighty and the Final Day and does actions, righteous good surely each and every them will their good reward one of have with Eternal Lord and Sustainer of them: The truly will come upon any of them, will fear nor no thev grieve. Certainly, the people who unthankfully while they disbelieve and they die are unthankful disbelievers, such the people are upon whom the of The Ever Almighty curse there will be the Angels and the Humankind, all God and of unthankful disbelievers together. them Such will curse forever, under the the requital remain punishment will be lightened for the unthankful not disbelievers nor will they be reprieved. Surely the people who truly believe and do righteous good will The Ever Almighty God actions, eventually enter into the Everlasting Gardens to make them which rivers flow, they will beneath reside in forever. They will therein spouses of them have Almighty purity, The Ever God will and perfect into pleasant deepening shade. them to enter make truly believe Surely people the who and do good such people righteous actions, will be the of the Everlasting Garden; they will reside residents the Everlasting Garden forever in the Afterlife. in

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

17:9. Certainly, this Qur'an guides to the path that is the Most Straight, and it gives the good true news to the true believers, the ones who do righteous good actions, that they will have the great reward. the people who 17:10. And that do not truly the Eternal Afterlife World, We believe in have prepared for such people the painful punishment.

Ever Almighty God is The 45:12. The God Who be of service to all made to of has ve Humankind the sea for the purpose that the through the sea by His ships sail Command, may the purpose that ye Humankind and for may Grace The Ever Almighty God from the and seek ye may become thankful. for the purpose that

Almighty God Also The Ever 45:13. has made of ye Humankind of service all to be to all Everything that is in the heavens and Everything is in the whole earth: Everything that Ever Almighty God. Certainly, is from The in are indeed Miraculous Signs this for there the people who think deeply to be equitable.

16:18. Truly if ye the Human Beings would count and Blessings The Ever Almighty the Favours of will able God. ve not be to count them. Certainly, The Ever Almighty God is indeed, The Merciful. Ever Most Forgiving, The Ever Most

Then 55:55. which of the Favours and Blessings and Sustainer ye, will of The Eternal Lord of Jinn-kind unthankfully Humankind and denv? ye

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

4:163. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Messenger and Prophet Truthful the of The Ever Almighty God to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h) just like We Miraculously Revealed the Prophets who Noah and came after to him: Miraculously Revealed and We Abraham to and Ishmael and Isaac and Jacob the Descendants, and and Job and Jesus Jonah and Aaron and and Solomon. Truly We gave David the Psalms (P.m.b.u.t).

And the Messengers about whom 4:164. We (The Ever Almighty God have indeed narrated to thee and the Messengers about before whom We have not narrated to thee; truly The Ever Almighty God directly to Moses (the Honourable spoke and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h).

the Announcers of the Good 4:165. Messengers as Constant Warners for True News and the the as Humankind will that not have purpose any Almighty against The Ever God after argument Almighty God is Messengers. Truly The Ever the The Ever Almighty, The Ever All Wise.

Almighty God Himself bears The Ever 4:166. But The Ever Almighty God has witness that whatsoever Revealed to thee, He Miraculously has Miraculously Knowledge, Angels Revealed it with His and the also bear witness. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Ever Present Witness.

I. Zulfigar Ali, the Son of Muhammad Hafiz and the Grandson of Muhammad Alim Ramzan. testify with certitude that The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous. The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of of Everything, The Ever Owner All Praise. The Owner of All Glory, The Seeing Ever Ever All Everything, The Ever All Self-Sufficient Selfof Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most True Light of Heavens The all the Truthful. and The Whole Earth, Ever All Knowing the of Everything, The Ever Most High, The Ever Most The Equitable. The Mighty. Most Ever Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, The Ever Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever The Truth. Ever Owner Supreme of the Supreme The Ever Greatness, Owner of the Most Good Names, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne. The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over The Ever Present Witness Over Everything, Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal The Lord the Ever Supremely Sustainer of Honourable and The Ever Most Exalted. The Ever Throne. Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful. The Eternal King of the Most Entire Universe. The Honour, Eternal Owner of All The Good. The Ever Omnipresent Most Help, Ever to Powerful, Most Creator The Ever The and The the Entire Eternal Lord and Sustainer of Universe every indeed created each and has one of us Beings and Beings, the Human the Jinn for the purpose that each and every always one of us worship only The Ever Almighty God. Surely indeed-

bear witness with certitude that -I there is no except The Ever Almighty God, and certainly, God and Noah and Abraham and Ishmael Adam and and and Jacob and Joseph Lot and Moses Isaac and Jonah and Job and David and Aaron and and Hûd Solomon and Saalih and Elisha and Zechariah Elias and Ezra and Idrees and and Son of Mary Jesus, and Muhammad John and the are surely indeed the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophets The of Ever Almighty the and Almightv Mercy from The Ever Peace and God. His Blessings be upon each and God and of the Prophets and each every one and every followers in every one of their trillionth of a until the end of the Final Mighty second Day and Reckoning of Resurrection and Judgement and Requitals and Recompense in the Eternal Afterlife the Ever Ceratainly, Supremely Honourable World. Ever Supremely Glorious and the and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous Ever Supremely Wise and the and the Ever Qur'an, the Message Supremely Clear Statement and Distinctive Criterion and the the Ever Truth Whole Grace and the Mercy and the Wise Reminder the and the Miraculous Proof and the Clear Light the True Insightfulness and the Heavenly and Words Guidance the Miraculous and and the Verses of The Ever Almighty God Miraculous to every one of us Humankind indeed each and is more valuable than all the wealth better and all the Human Beings have accumulated. Certainly, the Ever Supremely Honourabe Qur'an has indeed one hundred Surah Chapters, fourteen 114 6236 Miraculous and Certainly. Ever Supremely Honourabe Verses. the The has indeed 86430 Words. Our'an First Miraculous Verses of The Ever Supremely Honourabe-

Miraculously Revealed by The -Our'an were Ever Almighty to Muhammad, the Honourable God and Trustworthy and the Truthful the Messenger of Almighty God to each Ever every The and one of Humankind P.m.b.u.h in 609 through the Angel Gabriel P.m.b.u.h. More than fourteen hundred 1400 The Ever Supremely ago. Certainly, Honourabe vears Qur'an was Miraculously Revealed by The Ever Almighty God in the Arabic Language. Therefore, and every person who has the capability each to the Arabic Language. Surely indeed such learn a to speak and learn understand must the person Surely indeed each Arabic Language. and everv Humankind of us and the Jinn-kind must one believe The Ever always truly in Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate and His and His Messengers Angels and His Books and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Reckoning and Rewards and in the Eternal Afterlife World, Recompense the whereof is Fifty Thousand Years, measured extent do righteous good deeds for and we must as live on this long we earth. Certainly, the as people who unthankfully disbelieve and they die while they are unthankful disbelievers, such are the whom there will be the people upon of curse Almighty God and the Angels The Ever the and all of them together. Certainly, Humankind, the people who truly believe and the people who are and the Christians and the Sabeans, the Jews each every truly who believes Ever and one in The Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each and every one will have their good reward of them with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

1: Sûrah Chapter Al-Fatiha The Opening M.V. 7

1:1. Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

1:2. All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds, 1:3. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful,

1:4. The Eternal Sovereign Owner of the Day of Judgment and Requitals.

1:5. Only Thee we worship and only Thee we ask for help.

please guide us to the Straight Path, 1:6. Thou 1:7. The Path of the people upon whom Favours vour Blessings. Thou have awarded and not of those whom have been afflicted with of those who vour Anger nor have gone astray.

God, The Ever Almighty there 2:255. is God no Alone, The Ever Living, Him The Eternal except Sustainer. He is not seized Watchful ever bv sleep. Only Him belongs drowsiness to nor is in all the Everything that and heavens Everything that is in the whole earth. Who is the one who can ever dare to intercede with Him except by His permission? He always knows verv whatever before well is them and whatever is Truly they do behind them. not ever encompass anything from His knowledge except whatever He Throne Encompasses Wills. His all the heavens earth, truly the whole preservation and the of of them does tire Him. both not ever Trulv He Most High, The Ever Most Mighty. is The Ever

124

2: Sûrah Chapter Al-Baqarah The Heifer M.V. 286

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

2:1. Alif, Laam, Meem.

2:2. This Book Qur'an about which there is no doubt, this Book Qur'an is the Heavenly Guidance for the righteous people who fear The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe).

The people who truly believe in the 2:3. Unseen Praver equitably perform the and they and spend from whatsoever We have provided for them.

And the people who truly believe in whatsoever 2:4. Miraculously Revealed has been to thee \mathbf{O} Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Messenger and Prophet of Truthful the The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Powerful. The Ever The Creator The Eternal Lord Living. and and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h, and whatsoever Miraculously Revealed before thee. And was thev believe with certitude in the Eternal Afterlife World.

2:5. Such are the people who follow the Heavenly Guidance from The Eternal Lord and Sustainer of them, truly indeed such people are the triumphant.

2:6. Certainly, the people who unthankfully disbelieve, it is all the same to them whether thou warn them or thou do not warn them, they will not believe.

The Ever Almighty God (The Ever 2:7. Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe has and set a their hearts and upon their hearing, seal upon their eyesight upon and there is covering. a Truly they suffer the mighty punishment. will

2:8. Truly from among Humankind there are "We truly people who say: believe in some Ever Almighty God Final Day!" The and the true believers. Surely they are not

2:9. deceive The Ever They seek to Almighty God and the people who believe. truly truly they deceive except themselves no one but they do not perceive the truth.

2:10. In their hearts there is a disease. Surely The Ever Almighty God has increased their disease; truly they will suffer the painful punishment solely because they had been persistently untruthful.

2:11. Truly whenever it is said to them: "Ye must not cause evil disorder in the earth!" They say: "We are only the peacemakers!"

2:12. Listen attentively! Certainly, they themselves are the people who cause evil disorder, but they do not perceive the truth.

whenever it is said to them: "Ye 2:13. And believe just like the Humankind have believed." must believe say: "Should we just like they the fools believed?" Beware! Certainly, they themselves have the fools, but they do not know the truth. are

2:14. Truly whenever they meet the people who truly believe, they say: "We truly believe!" But when they are alone with their devils, they say: "Certainly, we are with ye; indeed, we were only mocking!"

2:15. The Ever Almighty God (The Ever Most Compassionate, The Ever Gracefully Most Merciful. Creator of Everything Everywhere, The The Ever The Ever Most Mighty, The Most High. Ever Owner of All Praise, The Ever Owner A11 of Ever Living, The Ever Most Glory. The Supremelv Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Universe} mocks them and prolongs Entire them in iniquitous transgression, they wander blindly. their

2:16. Such are the people who have purchased straying in exchange for the Correct Heavenly Guidance; surely their transaction has not brought any profit, and they have not become correctly guided.

example is just like 2:17. Their who the person when kindled fire. but the fire illuminated a Everything all The that around him. Ever was Almighty away God took their light He and darknesses, they cannot see. left them in

2:18. They are deaf, dumb and blind, therefore they do not return to the Straight Path.

just like the heavy rainstorm from 2:19. Or the wherein there is darknesses and thunder sky and they put their fingers in lightning; their ears stunning thunderclaps. death from fearing the Truly Ever Almighty God is always encompassing The and every one of the unthankful disbelievers. each

127

2:20. The lightning almost takes away their eyesight. they have light, they walk therein; but Whenever comes them. darkness over they stand still. when Truly if The Ever Almighty God had Willed, He away their hearing their could have taken and evesight. Certainly, The Ever Almighty God always supremely powerful ability to do Everything. has the

and every one 2:21. ye 0 each of Humankind! always worship The Eternal Lord and Ye must The God Who has Sustainer of ve. created all and all the people who were of ve ever before ve, for the purpose all ye may of become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

has 2:22. The God Who made the earth the vast floor for Humankind and the sky the ve roof. from and He sent down rainwater the sky. and thereby brought forth He has many fruits as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to The must not ever Ever Almighty God while ye have the knowledge.

Truly if any one of ye Humankind 2:23.are in Supremely Honourable about the Ever doubt Qur'an which We The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, Most Gracefully The Ever Merciful. Most Kind, The Ever Most The Ever High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise. Owner of All Glory, The Eternal The Ever King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Entire Lord and Sustainer of the Universe } have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must produce one Sûrah Chapter just like of this Book and ye may call upon your helpers other Our'an. than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

2:24. But if ye Humankind cannot do this, truly ye Humankind will not ever be able to do this, then ye Humankind must protect yourselves against the Hellfire whose fuel is Humankind and stones, which has been prepared for the unthankful disbelievers.

2:25. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the Ever Almighty God, The of The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, All Wise, The The The Ever Creator and Eternal and Sustainer of the Entire Lord Universe to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? each to announce the good true news must the people believe and do righteous good actions: who truly certainly, they will have the Everlasting Gardens with rivers flowing beneath them. Whenever they will provided any fruit from the Everlasting Gardens be say: "This the sustenance, they will is what as were provided with before!" Truly they we will given things in resemblance. And they will be have therein spouses of perfect purity, and thev will remain in the Everlasting Gardens forever.

2:26. Certainly, The Ever Almighty God is not ever ashamed to present an example of the mosquito or someting which is smaller than that. Surely as for truly believe, truly the people who they know with certitude that it is The Whole Truth from Sustainer of Lord The Eternal and them. But as people who unthankfully disbelieve, for the surely say: "What does The Ever Almighty God they example?" The Ever Almighty God intend by this many to stray thereby and He guides leaves many thereby. Truly He does not ever leaves strav to thereby, except the unthankful rebellious people;

2:27. The People who break the covenant of The Ever Almighty God after confirming it, and they cut off whatever The Ever Almighty God has Commanded to be joined, and they cause evil disorder in the earth. Truly such people are the losers.

2:28. How can ye Humankind unthankfully disbelieve in The Ever Almighty God? When ye Humankind were lifeless, surely He Alone gave ye Humankind life. Thereafter, He Alone will cause ye Humankind to die; thereafter, He Alone will bring ye Humankind back to life again; thereafter, only to Him each and every one of ye Humankid will be returned.

Ever Almighty God is The 2:29. The God Who created for ye Humankind Everything that is in has entirely. Thereafter, He the whole earth turned heaven and He Alone perfectly made towards the into seven heavens. Truly The Ever Almighty them is The Ever All Knowing of Everything. God

2:30. Remember when The Eternal Lord and Sustainer of thee said to the Angels: "Certainly, I am going to place a successive human authority on the earth!" The Angels said: "Will Thou place on the earth someone who will cause evil disorder therein and shed blood, while we always Glorify Thee with your sanctity?" and we always proclaim for thee Praise Almighty God said: "Certainly, The Ever Ι know many things all of ye the Angels do not know!"

2:31. Truly The Ever Almighty God taught Adam names; thereafter, P.m.b.u.h all the The Ever Almighty God presented them to the Angels and Ever Almighty God said: "Inform Me the The of these, if what ye say is true!" names

2:32. The Angels said: "All Glory with Complete Holiness is only to Thee, we do not have knowledge except whatever Thou have taught us. Certainly, Thou are The Ever All Knowing, The Ever All Wise!"

Ever Almighty God 2:33. The said: "Thou Ο Adam them Inform of their {P.m.b.u.h}! names!" Then { the Honourable when Adam and the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty God the P.m.b.u.h had informed them of their names, The Almighty God said: "Did not Ever Ι tell all of Angels that I know very well of the all ve all the heavens the Unseen of and the whole very well Everything ve I know earth. and ever and Everything ye have been concealing?" reveal

2:34. Remember when We (The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Owner of All Glory, The Ever Ever Most Supremely Holy, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? said to the Angels: "Ye must prostrate for Adam all {P.m.b.u.h}!" Then the Angels prostrated except Iblees. He refused and he was unthankfuly arrogant, truly Iblees was one of the unthankful disbelievers.

Truly We (The Ever Almighty God, The Ever 2:35. Gracefully Compassionate) said: "Thou O Adam Most (P.m.b.u.h)! Thou and your wife may live in the Garden, and ye may eat from the Garden freelv delight from wherever ye wish. But with both ye must not approach this of tree. both or of will become among the iniquitous wrongdoers!" ye

131

2:36. Then the devil Satan caused them to slip from the Commandment, and removed them from the Garden in which they were. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise) said: "All of ye must go down, some of ye being enemies unto others, truly all of ye will have in the earth a place of residence and beneficial provisions for an appointed term!"

2:37. Then Adam (the Honourable and the Trustworthy the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) received some Words from The Eternal Lord and Sustainer of him; truly The Ever Almighty God turned to him with Mercy. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

2:38. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe) said: "All of ye must descend from the Garden together, truly whenever there ever comes to all of ye the Guidance from Me, truly any person who follows My Guidance; surely no fear will come upon them, nor will they grieve.

2:39. Truly the people who unthankfully disbelieve and unthankfully deny Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever (in the Eternal Afterlife World).

2:40. O ye the Children of Israel (P.m.b.u.t)! Ye must heedfully remember My Favours and Blessings which I awarded upon ye and ye must fulfill your covenant with Me, I will fulfill My covenant with ye, and ye must always have fearfulness of only Me. 2:41. Surely all of ye must always truly believe in the Ever Supremely Honourable Qur'an which I have Miraculously Revealed, which confirms those Books which are with ye, and ye must not ever be the first to unthankfully disbelieve in the Ever Supremely Honourable Qur'an. And ye must not ever sell My Miraculous Verses for a paltry price, truly all of ye must always fear only Me.

2:42. Truly ye must not ever mix The Whole Truth with the untruth, nor conceal The Whole Truth while ye have the knowledge.

2:43. Truly ye must always equitably perform the Prayer and ye must always give the Mandatory Alms, and ye must always bow along with those who bow.

2:44. Do ye command people to be devoutly righteous and ye forget yourselves while ye recite the Heavenly Book? Despite that will ye not use your intellect to be equitable?

2:45. Truly all of ye must always seek help through steadfast patience and the Prayer; for sure this is indeed difficult except for the people who are humbly submissive to The Ever Almighty God.

2:46. The people who believably think that they will meet The Eternal Lord and Sustainer of them, and that certainly only to Him they will return.

2:47. O ye the Children of Israel (P.m.b.u.t)! "Ye must heedfully remember My Favours and Blessings which I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) awarded upon ye, and that I favoured ye above all the Worlds.

2:48. Truly ye must protect yourselves against the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when no person will benefit any person at all, nor will any intercession be accepted from him, nor will any compensation be taken from him nor will they be helped.

2:49. Remember when We (The Ever Almighty God, All Wise, King of Eternal Ever The The the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe saved all of ve from the people of Pharaoh. They afflicted with extremely horrible torment, they were ve slaughtering your sons and keeping your daughters alive. Certainly, in that there was the mighty and Sustainer of ye. trial from The Eternal Lord

2:50. And remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) parted the sea for ye. Surly We saved all of ye and We drowned the people of Pharaoh while ye were onlookers.

2:51. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) appointed forty nights for Moses (P.m.b.u.h); thereafter, ye people took to yourselves the calf for worship while he was on the Mountain, truly ye were the iniquitous wrongdoers.

2:52. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) forgave all of ye even after that, for the purpose that all of ye may give thanks. 2:53. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) the Heavenly Book and the Ever Distinctive Criterion for the purpose that all of ye may follow the Heavenly Guidance.

2:54. Remember when Moses (the Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the and the Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h said his people: "O my people! Certainly, have to ve committed iniquity to yourselves by taking calf the of worship; therefore, object ve must as an turn to your Maker and ye kill in repentance must polytheists among yourselves. This is the best the thing for ye people in the Sight of vour Maker!" Truly The Ever Almighty God turned to ye with Mercy. Certainly, He is indeed The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

2:55. Remember when ye people said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! We will not believe in thee until we see The Ever Almighty God face to face!" Then the thunderbolt struck ye while ye were onlookers.

2:56. Then We (The Ever Almighty God) brought all of ye back to life after your death, for the purpose that all of ye may give thanks.

2:57. Remember We (The Ever Almighty God) caused the clouds to overshadow all of ye and We sent down manna and quails to ye: "Ye may eat from whatever good things We have provided for all of ye. Truly We did not commit any iniquity in any way, but they committed iniquity to themselves. 2:58. Remember when We (The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Most Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything Everywhere, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire The Creator and The Universe. Eternal Lord and of Everything in the Entire Universe) said: Sustainer "All ye may enter this city, and ye of may eat delight wherever ye wish, freely with from it and enter the gate prostrating and ye must ve must say: "Thou please forgive us our sins!" We will forgive ve your sins, and We will eventually increase reward do righteous good actions!" for the people who

the people who committed 2:59. Then iniquity words to some other phrase in place changed the of whatever had been Commanded to them: therefore. We sent down upon the people who committed requital punishment from iniquity the the heaven. solely because they were unthankfully rebellious.

2:60. Remember when Moses *€*the Honourable and the Truthful Messenger the Trustworthy and and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h prayed his then We for people, said: "Thou for water your Staff!" strike the rock Then must with there flowed out from twelve fountains. Indeed, the rock place "Ye tribe knew its for water. each own from the people may eat and drink sustenance of Ever Almighty God, and ye people must The not about causing evil disorder in the earth!" ever go

2:61. Remember when ye people said: "Thou O Moses {P.m.b.u.h}! We can never endure patiently with only one kind of food. So thou pray for us to The Eternal Lord and Sustainer of thee to bring forth for us of that which the earth grows of its cucumbers green vegetables and its and its grains and its lentils and its onions!" Moses (P.m.b.u.h)"Would ye people exchange that said: which is better for that which is less? Ye may go down to any town, surely ye will have whatever ye have asked for!" Truly they were covered with humiliation and misery, and they drew upon themselves the Wrath from The Ever Almighty God. This was solely because they used to unthankfully disbelieve in Miraculous Verses of The Ever Almighty God the they killed the Prophets without any and right to do so. This was solely because they used to defiantly disobey and used to iniquitously transgress.

2:62. Certainly, the people who truly believe and the people who are the Jews and the Christians and the Sabeans, each and every one who truly believes in The Ever Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each and every one of them will have their good reward with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

Remember when We (The Ever Almighty God, 2:63. All Wise took your The Ever solemn covenant raised the mount high above We and ve: "All of always hold powerfully ve must whatever and given all of ye, We all have of ve must heedfully remember whatever is therein, for the purpose that all of ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

2:64. Then ye turned away even after that. truly if it had not been the of The Grace Ever Almighty God upon His Mercy. and indeed. ye ye would have been among the losers.

2:65.Truly indeed ye in fact know about the who iniquitously transgressed from ye people among therefore, We Sabbath; concerning the (The Ever Equitable said Almighty God, The Ever Most to of them: "All ye must become despised monkeys!"

Truly We (The Ever Almighty God, The Ever 2:66. the exemplary dreadful Most Equitable made that those people who punishment to were there at time for those people the and coming after Admonishing Instruction the for and the them. righteous people who fear The Ever Almighty God.

Honourable when Moses {the 2:67. Remember and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Most Gracefully Ever Merciful. Wise P.m.b.u.h? All said The Ever to his people: "Certainly, The Ever Almighty God Commands ye that ye sacrifice a heifer!" They said: "Are thou joking with us?" Moses (P.m.b.u.h) said: ۴I pray protection The in Ever Almighty God for the from being among the ignorant people!"

said: "Thou pray for us They 2:68. to the Eternal Sustainer of thee make Lord and to clear to is!" what kind the heifer Moses $\langle P.m.b.u.h \rangle$ us "Certainly, The Almighty God Ever said: says: heifer it is neither too old "Indeed, a nor too young, but in between these conditions; therefore. ve must do whatsoever ye have been Commanded!"

They said: "Thou pray for us to the Eternal 2:69. to make and Sustainer of thee clear Lord to us the heifer?" Moses colour of what is the *€*the the Trustworthy and the Honourable and Truthful and Prophet of The Ever Almighty God, Messenger Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever P.m.b.u.h) said: "Certainly, The Most Merciful Ever says: "Indeed, it is a yellow heifer, Almighty God her colour is bright, pleasing to the onlookers!"

2:70. They said: "Thou pray for us to the Eternal Lord and Sustainer of thee to make clear to us what kind the heifer is, certainly heifers look alike to us. For sure if The Ever Almighty God Wills, we will indeed follow the Heavenly Guidance!"

2:71. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Messenger and Prophet of The Ever the Truthful Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h "Certainly, The Ever Almighty God said: says: "Indeed, it is the heifer which has not been used to till the earth nor for watering the fields. She is perfect without any fault in her!" They said: "Now thou have brought the truth!" So they sacrificed the heifer, though they almost failed to do SO.

2:72. Remember when ye killed and a man disputed amongst yourselves it. Truly ye over Almighty Ever The God was to bring to light whatever ye people were concealing.

2:73. Then We (The Ever Almighty God) said: "Strike the slain man with a part of the heifer!" Just like this The Ever Almighty God brings the dead to life and He shows ye His Miraculous Signs for the purpose that ye may use your intellect to be equitable.

Then, even after that your hearts became 2:74. hardened; surely they were just like stones or still. For sure there indeed harder are even from which rivers burst forth. stones and some certainly, there are indeed some stones that split and water flows out of them, and certainly. open there indeed stones that crash down are some the fear of The Ever because of Almighty God. The Ever Almighty God is not Truly ever unaware of whatever actions all of ve ever do.

2:75. Do ye the true believers expect that such people will believe for ye while in fact a party from among them used to hear the Words of The Ever Almighty God. Thereafter, they used to distort it even after they understood it, while they had the knowledge?

Surely whenever they meet the people 2:76. who truly believe, they say: "We truly believe!" But when they are alone with each other, they say: "Do about that which The ye inform them Ever Almighty God has Miraculously Revealed to ve, that they can argue with ye about it before SO Eternal Lord and Sustainer of ye? the Despite that will ye not use your intellect to understand?"

2:77. But do they not know that The Ever Almighty God (The Ever All Wise, The Creator of Everything) always knows very well whatsoever they ever conceal and whatsoever they ever reveal?

2:78. Truly from among the People of Book there are some people who are uneducated, they do not have the knowledge of the Heavenly Book except wishful thinking, and they do nothing except speculating.

Surely there will be destruction 2:79. to the people who write the Book with their own hands: "This is they say: from The thereafter Ever Almighty God," for the purpose to purchase a paltry price therewith. Surely there will be destruction solely because to them of that which their hands destruction written. and there will be to have of evil them because actions they have earned.

say: "The Hellfire will 2:80. Truly they not touch for number of days!" except us a Thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and and Prophet of Truthful Messenger The Ever the Almighty God, The Ever Most Gracfully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever All Wise to each The every one of Humankind P.m.b.u.h must and say: "Have ye taken a covenant with The Ever Almighty God, therefore, The Ever Almighty God will not break Or are ye people saying about His covenant? The Ever Almighty God that which ye do not know?"

Certainly yes! Each and every person 2:81. who evil and his sin has surrounded him, surely earns people will be the residents of the Hellfire: such will reside in Hellfire forever (on the Final they Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Surely the people who truly believe 2:82. and do good actions, such people will righteous be the of the Everlasting Garden; they will reside residents Everlasting Garden forever *f*on in the the Final Day of Resurrection Judgement Mighty and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

141

2:83. Remember when We (The Ever Almighty God) the firm covenant from the Children of took Israel "Ye ever worship (P.m.b.u.t): must not anything whatsoever except The Ever Almighty God, and ve always be kindly good to your parents and must the relatives and the orphans and the poor, and to Humankind always speak with good ve must equitably perform ye must always words, and the must always give the Prayer ye and Mandatory Alms!" Thereafter, turned away except ye few a of ye, while ye were unthankfully refusing.

Remember when We (The Ever Almighty 2:84. God, Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Merciful, The Ever All Wise Most took your "Ye people firm shed covenant: must not ever each other's blood and ye must expel not ever from your people homes. Thereafter. vour own acknowledged while ye were ve witnesses.

those who are Thereafter ye are killing your 2:85. and ye expelling group people of own are a people from their homes, and ye assist each your aggression against them. other in sin and Truly ye they come to as captives, ye still if pay free, although their expulsion was to them set prohibited to ye. So do ye people then truly parts of the Heavenly believe in some Book unthankfully disbelieve and in some parts? Surely requital punishment what is the of any person disgrace from amongst ye except who do this in life this present Earthly World, and the of on Day of Resurrection and Judgement they the will consigned to the most severe requital punishment. be Truly Ever Almighty The God is not ever unaware of whatever actions all of ever do. ye

2:86. Such are the people who have purchased the of this present Earthly World in exchange life of Afterlife World; truly the the Eternal requital punishment will not be lightened for them nor will they be helped (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

2:87. Truly indeed, We (The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate) in fact The Ever Most gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and and Prophet of The Ever Truthful Messenger the Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h the Heavenly Book, and We sent in succession many Messengers even after him. Truly We gave Jesus, the Son of Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate directed to Mary and the The Ever Almighty God Spirit from P.m.b.u.tthe Supremely Clear Proofs, and We assisted Jesus (P.m.b.u.h) with the Holy Spirit Gabriel (the Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger of and The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate from among the Angels P.m.b.u.t.). Why came to ye whenever there any Messenger then, which yourselves did with that not desire, ve were unthankfully arrogant, unthankfully and ye denied a party and another killed. party ve

Truly say: "Our hearts 2:88. they are wrapped in in fact, The Ever covering!" But Almighty God a of them because their unthankful has cursed disbelief. Truly it is little that they believe!

2:89. Truly when there came to them this Book Qur'an from the Providence of The Ever Almighty the Heavenly which truthfully confirms God. which are with them, although previously Books to pray for victory over the people they used surely who unthankfully disbelieved, when there them Book Qur'an which to this came thev recognised, they unthankfully disbelieved in this had Surely the The Book Qur'an. curse of Ever Almighty God is upon the disbelievers. unthankful

that for which the unthankful evil Most is 2:90.sold themselves, that they have disbelievers have unthankfully disbelieved in Book Our'an which this The Ever Almighty God has Miraculously Revealed through iniquitous rage that The Ever Almighty God Miraculously Reveals from His Grace upon any from among His servants. person He Wills Surely the unthankful disbelievers have earned Wrath upon of Almighty God. Wrath Ever Truly The the disbelievers will suffer the humiliating unthankful requital punishment (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals).

2:91. Truly whenever it is said to them: "Ye must believe in the Heavenly Book Our'an truly which Ever Almighty God has Miraculously Revealed," The say: "We truly believe in the Heavenly Books they which have been Miraculously Revealed to us!" Truly unthankfully disbelieve in this Heavenly thev Book which came their Qur'an after Heavenly Books. Truly this Heavenly Book Qur'an is The Whole which truthfully confirms the Heavenly Books Truth. are with them. Thou must say: "Then why which ye kill the Prophets of The Ever Almighty did previously, if ye are the believers?" God true

2:92. Truly indeed Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Compassionate, The Ever Most Merciful, Gracefully The Ever Living, The Ever All Wise, P.m.b.u.h? ye people with in fact to the Supremely came Clear Proofs; thereafter, ye people took to yourselves for worship while was the calf he on the Mountain, truly ye were the iniquitous wrongdoers.

2:93. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? took your and We mountain firm covenant raised the high above ye: "All of ye must hold powerfully whatsoever We have given ye, and all of ye must always attentively!" They said: "We have heard, but listen we disobey!" Truly the calf was made to sink into hearts because of their unthankful their disbelief. Thou must say: "How wretched is that which vour ve, if ye are commands the true believers!" faith

2:94. Thou O Muhammad! (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefullv Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? must say: "If the Eternal Home of the Afterlife World in the Providence of The Ever Almighty God is indeed for ye people not for others of Humankind, exclusively and surely ye should wish for death, if ye are the truthful!"

Truly they will not wish for 2:95. death. ever. solely the evil because of actions their hands have ahead. Truly The Ever Almighty God is The sent All Knowing of the iniquitous wrongdoers. Ever

2:96. Truly indeed, thou will find them the most greedy of Humankind for life, and from among the people who commit polytheism. Each and every one of them wishes to be given a life of a thousand years, but if he is given such a life, that will not such a person from the requital punishment. save The Ever Almighty God is The Truly Ever A11 Seeing of whatever actions all of them ever do.

O Muhammad! {The Honourable 2:97. Thou and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the Ever Almighty God to each of The and every of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Whoever one enemy to indeed. Gabriel. surely is an Gabriel Trustworthy Honourable and and *€*the the the The Ever Truthful Messenger of Almighty God from among the Angels P.m.b.u.h is the one this Book brought down who has Our'an upon by the Command of your heart The Ever Almighty God. Sincerely confirming those Heavenly Books which were before this Book Our'an. Trulv Qur'an Heavenly Guidance this Book is the and the Good True News for true the believers.

2:98. Whoever is the enemy to The Ever Almighty God and His Angels and His Messengers and Gabriel and Michael (P.m.b.u.t), surely indeed, The Ever Almighty God is the enemy to the unthankful disbelievers.

2:99. indeed, We (The Ever Almighty Truly God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The The Eternal Lord and Sustainer Most Merciful, of Universe} have in fact Entire Miraculously the Supremely Clear Miraculous Revealed the to thee truly no person unthankfully disbelieves in Verses. them except unthankful rebellious people. the

2:100. Truly whenever they made any covenant, a party of them always threw it away. But in fact, most of them do not truly believe.

Truly when the Messenger from 2:101. the Providence of The Ever Almighty God came to sincerely confirming the Heavenly Books them. which are with them, a party the people who were given the Heavenly Book threw the Heavenly Book of The Ever Almighty God behind their backs, as they did not have any Heavenly Knowledge. if

Truly they followed that which 2:102. the devils recited during the kingdom of Solomon had { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Propphet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most P.m.b.u.h. Truly Solomon (P.m.b.u.h) Merciful did not unthankfully disbelieve, but the devils unthankfully disbelieved. They were teaching magic to Humankind and that which was to the sent down two at Babylon, Hărŭt Truly and Mărŭt. Angels both Angels did not teach saying any person unless beforehand: "We are only a trial test, therefore not unthankfully disbelieve!" Yet ve must they Angels that learned from the by which they caused separation between his wife. and man a Truly they could not harm any person by except by the permission of magic The Ever Almighty God. Truly they learned that which only and did not benefit them. Truly harmed them fact had knowledge indeed they in that any the magic will purchased who person not have any share the Eternal Afterlife in World. Truly that is extremely evil for which indeed thev sold themselves, if only they had Knowledge.

2:103. Surely if they had truly believed and feared The Ever Almighty God, then the reward from the Providence of The Ever Almighty God would indeed have been supremely better, if only they had Knowledge (of the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God).

2:104. O ye the people who truly believe! Ye must not ever say to Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h): "Thou listen to us," but ye must always say: "Thou please have patience with us," and ye must always listen attentively. Truly the unthankful disbelievers will suffer the painful requital punishment.

2:105. The people who unthankfully disbelieve from among the People of the Book and the polytheists do not ever like that anything good should be sent down to ye the true believers from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Truly The Ever Almighty God selects for His Mercy any person He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace.

2:106. Whenever We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) abrogate any Miraculous Verse or We cause it to be forgotten, We always replace it with better Miraculous Verse or similar to it. Do thou not know that The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything?

2:107. Do thou not know that only to The Ever Almighty God belongs the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth? Truly ye Humankind do not have any protecting friend nor any helper other than The Ever Almighty God.

Do ye people intend 2:108. to question your Messenger just like Moses (The Honourable and the Truthful Messenger Trustworthy and the Prophet and Ever Almighty God, The Ever of The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous. The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) was questioned previously? any person who exchanges the True Truly Faith for unthankful disbelief; surely indeed such a person has gone astray from the Right Path.

People of the Book Many of the 2:109. dearly that if they could only turn desire ve the to unthankful believers back disbelief true after Faith, because selfish vour True of envy from after The Whole Truth has become themselves. even clear Surely them. ye the supremely to true believers must pardon and ye must overlook, until Ever Almighty God sends His Command. The The Ever Almighty God always has Certainly, the supremely powerful ability to do Everything.

Surely ye the true believers 2:110. must always equitably perform the Prayer and ye must always give the Mandatory Alms, truly whatever of good ve the true believers ever send ahead for yourselves, with The Ever Almighty God. will find it ve Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ye ever do.

2:111. Truly the Jews and the Christians say: "None enter the Everlasting Garden will the person except Christian!" who is Jew or a These merelv a are wishful thinking. Thou O Muhammad! (The their the Trustworthy Honourable and the Truthful and and Prophet of The Ever Almighty Messenger God. The Ever All Wise to each and everv one of Humankind "Ye P.m.b.u.h must say: must produce your Miraculous Proof, if ye are the truthful!"

2:112. Certainly yes! Any person who submits himself The Ever Almighty God and he does righteous to good actions, surely he will have his good reward with The Eternal Lord and Sustainer of him. truly no fear will come upon them, nor will they grieve.

2:113. Truly the Jews say: "The Christians have no on," stand ground whatsoever to and the Christians "The Jews have say: no ground whatsoever to stand on." vet they recite the Heavenly Book. Just like the people who did not have any knowledge this. spoken the their words. Truly have same as God will The Ever Almighty judge between all of the Day of Resurrection and Judgement them on Everything in which they differed. concerning

iniquitous 2:114. Truly who is more than the who prohibits the Name of The Ever person from being Gloriously mentioned Almighty God in Mosques The Ever Almighty the of God. and their destruction. strives towards Truly it is he not Mosques equitable for them to enter the of ever Ever Almighty God except in fear. Such people The in disgrace present the life of this will have Earthly World, and they will suffer mighty the requital punishment in the Eternal Afterlife World.

2:115. Truly only to The Ever Almighty God belongs the east and the west. Therefore, whichever direction ye people ever turn your faces, there is the Presence of The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Encompassing Everything, The Ever All Knowing of Everything.

Truly they say: "The Ever Almighty God 2:116. (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Eternal King of the Entire Living, Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe has taken a son!" All Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God! But in fact, The Ever Almighty God belongs Everything only to in all heavens and the whole that is the earth. All devoutly obedient only to Him. are

2:117. (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The All Wise, The Ever Most High, Ever The Eternal Entire Universe, The Eternal King of the Lord of the Entire is Sustainer Universe The and Originator of all the heavens and the whole earth. Truly whenever He decrees any He matter. then only says to it "Be!" Surely it is always done.

2:118. Truly the people who do not have the Heavenly Knowledge say: "Why The Ever Almighty speak to us, God does not or some Miraculous to us?" Just like this, the people Sign who come before them have spoken the were same as their all alike. Indeed We words, their hearts are (The Ever Almighty God, Ever The Most Gracefullv Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All made the Miraculous Signs Supremely Wise have for the people who believe with certitude. Clear

151

2:119. Certainly, We (The Ever Almighty God) have sent thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most and every one Merciful of the Human to each Beings P.m.b.u.h³ with The Whole the Truth. as Constant Announcer of the Good True News and as Warner, truly thou the Constant will not be questioned about the residents of the Blazing Hell.

Christians will Jews and the 2:120. Trulv the not pleased with thee until thou their be follow Thou O Muhammad! (The Honourable religion. and Truthful Trustworthy and the Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most each and every one Merciful to of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, the Guidance of The Ever Almighty God is the Correct Guidance!" Truly indeed if thou follow their iniquitous desires Heavenly knowledge has come to after the thee. will not have any protecting friend thou then nor any helper against The Ever Almighty God.

2:121. The people to whom We (The Ever Almighty God have given the Heavenly Book, they recite a way it has the Heavenly Book in the true to be recited. Such are the people who right the Heavenly Book. Truly truly believe in any person who unthankfully disbelieves in the Heavenly surely indeed such people are the losers. Book.

2:122. O ye the Children of Israel (P.m.b.u.t)! "Ye must heedfully remember My Favours and Blessings which I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) awarded upon ye, and that I favoured ye above all the Worlds.

152

2:123. Truly ye must protect yourselves against the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals and Rewards and Recompense in the and Eternal Afterlife World) when no person will benefit any person at all, nor will any intercession be accepted from him, nor will any compensation be him nor will they be taken from helped.

2:124. Remember When Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate God. P.m.b.u.h) was tested by The Eternal Lord and Sustainer of him with several Commandments, truly Abraham (P.m.b.u.h) equitably fulfilled all of them, The Ever Almighty God said: "Certainly, I will make the the leader for Humankind!" Abraham (P.m.b.u.h) said: "And from my children as well!" The Ever Almighty God said: "My Covenant does not include the iniquitous wrongdoers!"

2:125. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, Creator and The Eternal Lord and Sustainer The of the Entire Universe) made the House Kaabah central gathering place for Humankind the and place of peace and security. Truly ye the the should take the standing place of believers true Abraham (P.m.b.u.h) as the place of Prayer. Truly covenanted with Abraham {the and We Ishmael Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty P.m.b.u.t³ that they should keep My God House purely clean for those people who perform those who stay Tawaf and therein for worship and those who bow down and prostrate.

2:126. Remember when Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please this city Makkah the place of peace and make its people with and Thou please provide security fruits; each and every one of them who truly believes in The Ever Almighty God and the Final Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)!" The Ever Almighty God said: "Truly as for any person who unthankfully I will also provide him beneficial disbelieves. short while. Thereafter, I provisions for a will of the requital punishment force him to the Hellfire, truly that is an extremely evil destination.

2:127. Remember when Abraham and Ishmael (the the Trustworthy Honourable and and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassinate P.m.b.u.t The raising the foundations of the Sacred House were Kaabah: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please accept this from us, certainly, Thou are The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

Thou The Eternal Lord and Sustainer 2:128. of us! please make Muslims both of Thou us whollv submitting only to thee and from our Descendants a party of Muslims wholly submitting only to Thou please show religious and our Thee. us and with Mercy. Thou please turn rituals. to us Certainly, Thou are The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

2:129. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please send to our descendants a Messenger from among themselves who will recite to them your Miraculous Verses and teach them the Heavenly Book and the Great Wisdom and sanctify them. Certainly, Thou are The Ever Almighty, The Ever All Wise!"

Truly who can ever turn away from the 2:130. Religion of Abraham (P.m.b.u.h) except the person a complete fool of himself? makes Trulv who We (The Ever Almighty God, indeed. The Ever All Wise) had in fact chosen Abraham (P.m.b.u.h) this present Earthly World; truly indeed, in in Afterlife World, the Eternal he will indeed be the company of the devoutly righteous in people.

The 2:131. When Eternal Lord and Sustainer of Abraham (P.m.b.u.h) Commanded "Thou him: must wholly submit!" Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Living P.m.b.u.h said: "I have wholly submitted to The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds!"

2:132. Truly this was commanded by Abraham and Jacob (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassinate, Ever The Ever Most "O P.m.b.u.t to their Sons: my Merciful Sons! Certainly, The Ever Almighty God has chosen for ye this Religion. Therefore, all of ye must not except while are Muslims (those die ye who wholly submit to follow the All Blessed Will and the Commandments of The Ever Almighty all God. The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?!"

ye Humankind witnesses when death 2:133. Or were approached Jacob (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassinate P.m.b.u.h?? The Ever When Jacob (P.m.b.u.h) said to his Sons: "Who all of ye worship after my passing away? will All said: "We will them worship your God of and God of your fathers Abraham and Ishmael The and Isaac (P.m.b.u.t), The Ever One God, truly we are Muslims only to Him (those who wholly submit follow the All Blessed Will to and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Ever Merciful, The Ever Most Compassionate, The Most Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds "!"

community which has That 2:134. already was a passed away. They will be requited of whatsoever earned, and ve Humankind actions they will will requited whatsoever actions all of ve have be Truly ve Humankind will earned. not be held accountable for whatsoever actions they used to do.

The People of Book say: "Ye 2:135. the true believers must become Jews or Christians then ve correctly guided!" Thou Muhammad! be 0 will **Fhe** Honourable and the Trustworthy and the Prophet The Truthful Messenger and of Ever Ever God. The Most Almighty Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful, The Ever All each and every one of the Human Beings Wise to say: "But in fact, we P.m.b.u.h must follow the Honourable and Religion of Abraham (the the the Truthful Messenger and Trustworthy and Prophet Friend of The Ever Almighty God Close and the P.m.b.u.h), the devoutly true monotheist, truly Abraham (P.m.b.u.h) was not ever of the polytheist!"

the people who truly believe must 2:136. Ye say: "We truly believe in The Ever Almighty God and has been Miraculously Revealed whatsoever to 115 whatsoever has been Miraculously Revealed and to Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and whatsoever has been given to Moses and whatsoever has been given to all and Jesus the Prophets from The Eternal Lord and Sustainer of them {P.m.b.u.t}. We the true believers do not any distinction between any of them, make trulv we are Muslims only to The Ever Almighty God!"

2:137. Surely if the People of the Book also truly believe just like ve the true believers have truly believed in The Ever Almighty God, surely indeed they will be correctly guided; truly if they turn are only in opposition. away, surely they Surely Ever Almighty God is The Ever All The Sufficient against them. Truly The Ever for thee Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:138. (And ye people who truly believe the must "Ours is the religious colour chosen say}: by The Almighty God, truly who is better than Ever The Almighty God in choosing religious Ever colour? Truly we worship only The Ever Almighty God!"

2:139. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger P.m.b.u.h must say: "Do ye the people of the Book argue with about The Ever Almighty God, truly The Ever us Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of The Eternal Lord all of us and and Sustainer of Truly for all of us ye? all are actions of our of ye are your actions. Truly we and for all are faithfully truthful only to The Ever Almighty God!"

2:140. Or do ye the People of Book say that and Jacob Abraham and Ishmael and Isaac { the the Trustworthy and the Honourable and Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful the Descendants (P.m.b.u.t) were P.m.b.u.t and Jews Thou Christians? 0 Muhammad! (The Honourable or and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful, The The Ever Living, to All Wise, Ever each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Do ye the People of Book know best or The Ever Almighty God?" Truly who is more any person conceals iniquitous than who the testimony which he has from The Ever Almighty God? Truly The Ever Almighty God is not ever unaware of whatsoever actions all of ye ever do.

community which has 2:141. That was a already passed away. They will be requited of whatsoever earned, and ye Humankind will they actions will whatsoever actions requited all of have be ve Truly ye Humankind will held earned. be not accountable for whatsoever actions they used to do.

2:142. Eventually, the fools from among Humankind will say: "What has made the believers turn away from their Kiblah to which they used to face?" Muhammad! {The Honourable 0 Thou and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? "Only Almighty God say: to The Ever must belongs the east and the west. He guides each and every person He Wills to the Straight Path.

158

2:143. Truly in this way We (The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Merciful, The Ever Most High, The Ever Ever of All Praise, The Mighty, The Ever Owner Most Ever of All Glory, The Ever Owner Most The Ever Living, Supremely Holy, The A11 Ever Wise. Eternal King the Entire The of Universe. The Eternal Lord The and Sustainer Creator and ye Entire Universe have made of the the true fair-minded community for the purpose believers that witnesses over Humankind will ve be and the Messenger will be the witness over Truly We ye. make that Kiblah, which ye did not used to except to make evident face. who would follow Messenger from who would the turn back upon their heels. Truly that was difficult except for the people who were guided by The Ever Almighty Truly The Ever Almighty God will God. not ever cause ye the true believers to lose your True Faith. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind. towards each

2:144. Indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) have seen the turning of your face towards the heaven; surely We will indeed make thee to turn towards the Kiblah with which thou will be pleased. Surely thou must turn your face in the direction of the Sacred Mosque. wherever ye the believers Trulv true are. all of ve must always turn your faces in that direction. Truly indeed the People who have been given the Heavenly Book indeed know that it is The Whole Lord Truth from The Eternal and Sustainer of Truly The Ever Almighty God is not ever them. whatsoever actions all of them ever do. unaware of

2:145. Truly indeed, even if thou O Muhammad! the Trustworthy Honourable and (The and the The Messenger and Prophet Truthful of Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate each and every one of Humankind P.m.b.u.h? to bring every Miraculous Sign to the people who have been given the Heavenly Book, they will not your Kiblah, and thou will not follow their follow Kiblah. Nor some of them would be the followers of the Kiblah of the others. Truly indeed if thou their iniquitous desires after Heavenly follow the thou Knowledge has come to thee. for will sure indeed then be one of the iniquitous wrongdoers.

people to whom We (The Ever Almighty 2:146. The The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Ever Most Merciful. The Ever Most Mighty, The Eternal King Wise. The of Ever All the Entire The Eternal Lord Universe. The Creator and and of the Entire Universe) have given Sustainer the Heavenly Book recognise this Book Our'an just they recognise their Yet like own sons. certainly, a party of them are concealing The Whole Truth while they have the Heavenly Knowledge.

2:147. This Book Qur'an is The Whole Truth from The Eternal Lord and Sustainer of thee; surely thou must not ever be one of those who doubt.

Truly for every one there is 2:148. the direction which he turns. Surely all of ye towards must compete in doing all that is good. Wherever always all of ye the Human Beings may be, The Ever will bring all together. God of Almighty ye Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

2:149. Truly from wherever thou may come forth. thou must always turn your face in the direction of Sacred Mosque. For it the sure is indeed The The Eternal Lord Whole Truth from and Sustainer of thee, truly The Ever Almighty God is not ever unaware of whatsoever actions all of ye ever do.

Truly from wherever thou 2:150. may come forth, must always turn your face in thou the direction Mosque. Sacred Truly wherever of the ve the all of ye true believers are. must always turn vour faces in the direction of the Sacred Mosque; for the purpose that Humankind will not have any the true argument against believers ve except the people from among them who commit iniquity. ye the true believers ever Surely not fear must them. truly ye must always fear only Me! And for the purpose that I may complete My Favours and Blessings upon and for the purpose ye, that ve may follow the Heavenly Guidance.

as We (The Ever Almighty God, 2:151. Just The Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Ever Merciful, The Ever All Wise have sent to ve Humankind the Messenger from among yourselves, the Messenger is reciting to ye Humankind Our Miraculous Verses and he is sanctifying ye and he is teaching ye the Heavenly Book and the Great Wisdom, and he is teaching ve other things ve did not know.

Humankind 2:152. Therefore ye must heedfully remember Me (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassinate, Most The Ever Most I will Merciful}, remember Humankind. ye Truly Humankind must always thankful be Me. ve to ye must not ever be and unthankful Me. to

2:153. O ye the people who truly believe! Ye must always seek help through steadfast patience and the Prayer. Certainly, The Ever Almighty God is always with the people who are steadfastly patient.

2:154. Surely ye the true believers must not ever say about the people who are killed in the Straight Path of The Ever Almighty God: "They are dead!" But in fact, they are alive, but ye do not perceive it.

2:155. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) will definitely test ye the true believers! With someting of fear and hunger and a loss of wealth and lives and fruits, truly thou must announce the good true news to the people who are steadfastly patient.

2:156. The people who, whenever any disaster afflicts them, they say: "Certainly, we belong only to The Ever Almighty God, and certainly, we will return to The Ever Almighty God!"

2:157. Such are the people upon whom there are the Blessings from The Eternal Lord and Sustainer of them and the Mercy, truly they are the people who follow the Heavenly Guidance.

2:158. Certainly, As-Safă and Al-Marwah are from among the Symbolic Signs of The Ever Almighty God, therefore, any person who performs the Hajj of the House or performs the Umrah, then there is no sin upon him in walking back and forth between them. Truly any person who does good actions voluntarily, surely indeed The Ever Almighty God is The Ever All Appreciative, The Ever All Knowing. 2:159. Certainly, the people who conceal whatsoever The Ever Almighty God, The We Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Eternal Lord and The Creator and Sustainer Entire Universe have Miraculously Revealed of the Supremely Clear Proofs of and the Heavenly the We have made supremely Guidance. even after it clear for Humankind in the Heavenly Book, such people are cursed by The Ever Almighty God. and they are cursed by those who equitably curse.

2:160. Except the people who repent and act righteously and make Everything evident; surely such whom I (The Ever the people are to Almighty Gracefully God, Most Compassionate } The Ever with Mercy. Truly I The Ever will am turn Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

2:161. Certainly, the people who unthankfully disbelieve die while they are unthankful disbelievers, and they people upon whom are the there will be such The Ever Almighty God the of and the curse and the Humankind, all of them Angels together.

Such unthankful disbelievers will remain under 2:162. forever. the requital punishment will the curse not lightened for the unthankful disbelievers be nor reprieved (on the Final will not be Mighty Day and Judgement of Resurrection and Requitals and the Eternal Afterlife World. Rewards in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years.

2:163. Truly The God of each and every one of ye Humankind is The Ever One God, there is no God except The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. 2:164. Certainly, in the creation of all the heavens and the alternation earth. and the whole of the the day, and the sailing night and of the ships through the with many things which sea benefits The Humankind, and whatsoever rainwater Ever Almighty God sends down from the sky, then bv rainwater He gives life to the earth after the its and the dispersing in the of death, earth all kinds and the varying directions of living creatures, the the clouds controlled between the heaven winds. and the earth, there are indeed Miraculous and Signs for people who use their intellect to be equitable. the

Truly from among Humankind there are 2:165. some take other than The Ever Almighty God (The who Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Creator and The Eternal Lord and the Entire Universe Sustainer of as His equals. They love them just like they should love The Almighty God. Surely the people Ever who trulv believe always have the most greatest love for The Almighty God. Truly if only the who Ever people committed iniquity could consider have the time will see the requital punishment, they when that certainly all power entirely belongs only The to Almighty God, and that certainly Ever The Ever Almighty God is severe in the requital punishment.

When ∲on the Final 2:166. Mighty Dav of Judgement and Resurrection and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? who were followed will disassociate themselves those followed people who them. from those and they requital punishment, truly will the all the see connections between them will be completely cut off.

2:167. Truly the people who followed them will say: "If only we had one more chance to return, them just we would disassociate ourselves from like they have disassociated themselves from us!" In this way The Ever Almighty God will show them remorseful regrets for them. their actions as Trulv to escape they will not ever be able from the Hellfire (on the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Afterlife Rewards in the Eternal World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

ye each and every one of Humankind! 2:168. O always eat only from whatever is lawful Ye must good in the earth, and ye each and every and of Humankind ever follow one must not the the footsteps nor commandments of devil Satan. Certainly, the devil Satan is the most clear enemy to each and every one of ye Humankind.

2:169. The devil Satan only commands ve each of Humankind to every kind and every one do and every kind of wickedness. of evil action ye say about The Ever Almighty God and that things of which ye do not have any knowledge.

them: "Ye 2:170. Truly whenever it is said to must always follow whatever The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, All Wise. The Ever The Creator Eternal Lord and Sustainer of The and the Entire Universe has Miraculously Revealed!" They "But in fact, we will only follow that say: which we found our forefathers doing!" Even if their forefathers did not understand anything and they did not follow the Heavenly Guidance?

2:171. Truly the example of the people who unthankfully disbelieve is just like the example of the person who calls out to such people who do not hear anything except a call and announcement. They are deaf, dumb and blind, surely they do not use their intellect to be equitable.

2:172. O ye the people who truly believe! Ye must always eat only from whatever good things We have provided for ye. And ye must always be thankful to The Ever Almighty God, if ye are the people who worship only The Ever Almighty God.

2:173. Certainly, that which The Ever Almighty God prohibited to all of ye dead animals are has blood and the flesh of swine, and and whatever has been dedicated to anything other than The Ever Almighty God. Truly whoever is forced by necessity without any iniquitous rebellion nor any transgression, surely there is no sin upon such a person. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

2:174. Certainly, the people who conceal whatever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed the Heavenly Book and they sell it of for paltry price, such people eat nothing into a their bellies except the Hellfire. Truly The Ever Almighty God will not speak to such people the Day of Resurrection and Judgement, on nor He sanctify them, truly such people will will suffer the painful requital punishment (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and in the Eternal Afterlife World. Recompense the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

2:175. Such the who people are have Heavenly Guidance the for exchanged straying punishment. So forgiveness for what has and them patient in pursuit of the Hellfire? made

The Ever Almighty God (The 2:176. This is because Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind. The Ever Most Equitable, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of Praise, of Owner All Glory. The Ever All The Most Supremely Holy, The Ever Living, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Ever The and The Eternal Lord Universe. Creator and Universe) has Sustainer of the Entire Miraculously Revealed the Heavenly Book with The Whole Truth. who differ over For sure the people the Heavenly indeed in extreme iniquitous opposition. Book are

is 2:177. It not righteousness that ye Humankind the your faces towards east the turn or west; righteousness is each in and but every person truly believes in The Ever Almighty God who Final Day and the Angels and the and every and each Heavenly Book every and one the Prophets and gives wealth for the Love of The Ever Almighty God the relatives to and the and the needy and orphans the traveler and the freeing the beggars and in necks and equitably the Prayer and gives Mandatory the performs Alms, whenever they make any promise they always and and they fulfil their promise, are always steadfastly extreme poverty and extreme hardship in patient equitable war. during the Such people the and are truthful in Faith, and they who are are the righteous people who fear The Ever Almighty God.

2:178. O ye the people who truly believe! The equitable retribution is decreed law of for ve those who murdered: concerning are the freeman for the freeman and the slave for the slave for the the female female. But if and any culprit is pardoned by his aggrieved brother to surely it must be followed extent. some with the culprit righteousness, and must pay whatever the aggrieved brother is due to with kindness. alleviation from This is the The Eternal Lord of Sustainer ve and and an act of Mercy. Surely whoever transgresses after this, truly such a person will suffer the painful punishment.

2:179. Truly in law of equitable retribution the life for ye is ye, 0 the there people who the intelligent hearts; for the have purpose ye may protetect yourselves. that

decreed for ye the true believers 2:180. It is whenever death approaches any one of ye, if he wealth, he behind must for leaves make a will close relatives with righteousness. the parents and This is the decreed duty upon the righteous people who fear The Ever Almighty God.

2:181. Truly whoever changes the will after he has heard it, surely the sin will be only upon the person who changes it. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:182. Surely any person who fears from the person made the will any error sin. who or and corrects is which between them, is that surely there no sin upon him. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

168

2:183. O ye the people who truly believe! decreed upon ye, just like it Fasting is was ye. decreed upon the people before for the purpose that ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God (The Eternal and Sustainer of the Entire Universe). Lord

Fasting is for a specific number of days. 2:184. Surely whoever from among ye the true believers on a journey, then an equal number of is ill or other days later. And upon the people who can only with extreme diffuculty, the redemption fast to provide food for any needy person. must be does righteous good actions Truly any person who voluntarily, surely that is supremely good for a person. Truly to fast is supremely good such for ye, if ye have the Heavenly Knowledge.

2:185. The month of Ramadan is that in which the Qur'an was Miraculously Revealed, the Heavenly Guidance for each and every one of Humankind, the Supremely Clear Proofs of the Heavenly and the Ever Distinctive Criterion. Guidance and Trulv among ye the true any person from believers is present this month, surely he must fast during month; truly any person who is ill this on or he must a journey, surely make up for the lost other days later. The Ever days by fasting on Almighty God intends for ye the true believers truly He does not intend ease. for ye the true believers hardship, and for the purpose that ye may complete believers the decreed the true purpose that ve proclaim and for period, the God The Ever Almighty the Greatness of for having guided ye, and for the purpose that ve true believers may become thankful. the

2:186. Truly whenever My servants ask thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate each and every one of the Human to Beings P.m.b.u.h about Me (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Wise, The Merciful. The Ever All Creator and Sustainer of The Eternal Lord and the Entire Universe), surely indeed I The Ever Most am of the Near. I respond to the Prayer supplicant whenever he prays to Me. Surely Humankind must they must always always comply to Me and truly the purpose that they believe in Me. for may become the followers the Heavenly Guidance.

2:187. It is made lawful to ye to lie with vour night of the fast. Your wives during the wives are clothing for ye and ye are clothing for them. The Ever Almighty God knows very well that ve have been betraying yourselves; so, He has turned Mercy and He ye with has Pardoned to ve. Therefore, now lie with ye can them. and ve must seek whatever The Ever Almighty God has may eat and drink until for ye. And ye written white thread of the dawn becomes distinct the to from the black thread; thereafter, ye ve must complete the fast until the nightfall. Truly ye must with your wives while ye not lie are staying for the Mosques. These are decreed worship in the by The Ever Almighty God; limits set surely ve ever go near to them. In this way must not Almighty God The Ever makes His Miraculous supremely clear for every one of Humankind, Verses purpose that they may become for the the righteous people who fear The Ever Almighty God.

ye the true believers must 2:188. Surely not ever another's wealth iniquitously, and one consume ve send it to the rulers for the not purpose must ye may sinfully consume a portion of that the wealth of Humankind, while ye have the Heavenly the Miraculous Verses Knowledge {of and the Signs and the Miraculous Words Miraculous and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, Ever Most Equitable, The Ever Most The High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe.

2:189. They ask thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God The Ever Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful and every one of the Human Beings to each P.m.b.u.h about the new Thou moons. must say: "They are of time for Humankind measurements Hajj!" Truly it is not righteousness for and that enter the houses from the backs, people ye righteousness is in every person who but fears The Ever Almighty God. And ye must always their doors. Truly enter the houses from all of must always fear The Ever Almighty God for ye purpose that ye may become triumphant. the

Surely ye the true believers 2:190. must always Straight Path of The Ever Almighty fight in the against the people who fight against ye, but God ever commit iniquitous transgression. ye must not Certainly, The Ever Almighty God does not love people who commit iniquitous transgression. the

Truly ye must kill them wherever ye find 2:191. ye expel them from and must wherever them, they have expelled ye, truly unthankful disbelief is killing. Truly ye must not ever fight than worse against them in the Sacred Mosque, until they fight against ye therein. But if they fight against ve, them. Just like then ye must kill this is the requital punishment of the unthankful disbelievers.

Surely if they stop iniquitous actions, 2:192. surely The Ever Almighty God is The Ever indeed. Most Forgiving, The Ever Most Merciful. 2:193. Surely ye the true believers must fight them more unthankful until there is no disbelief. and the religion only for The becomes Ever Almighty Surely if they stop, then the aggression is God. not lawful except against the iniquitous wrongdoers.

2:194. The sacred month is for the sacred month, and for the sacred things there is the law of equitable retribution. Surely if any person commits against ye the true believers, transgression then ve believers may transgress against him, true the just like he has transgressed against ye. Truly all of ve must always fear The Ever Almighty God, and all of ve must always know with certitude that certainly Almighty God is with The Ever always the righteous people who fear The Ever Almighty God.

Surely ye believers 2:195. the true must always in the Straight Path of The Ever Almighty spend and ye ever throw God. must not vourselves Surely hands into destruction. with your own ve always good must righteous true believers do the Certainly, The Ever Almighty God loves actions. people who do righteous good actions. the

2:196. Surely ye the true believers must complete the Hajj and the 'Umrah for The Almighty Ever God. But if ye are prevented, then give whatever easily afford of the sacrificial animals. ve can ye must not shave your heads until And the animal reaches the place of sacrificial sacrifice. ye is whoever But from among ill or he suffers from any ailment of the head, then he must compensate by fasting or charity or a ritual sacrifice. Surely whenever ye are peacefully secure, whoever benefits himself with 'Umrah until then the Hajj, then whatever ye can easily afford of the sacrificial animals. But if ye cannot afford then ye must fast three days during the Hajj it. seven when ye have returned home. and making these ten days in all. This is for the person area of the whose family is not in the Sacred Mosque. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, and ye must always know with certitude that The Ever Almighty God is severe in the penalty punishment.

2:197. The months of Hajj are well known; Surely any person who has made the Hajj mandatory upon himself therein, then there must not be intimate ralations with spouses, nor any unthankful rebellion, any unjust dispute during the Hajj. Truly nor whatsoever of good all of ye ever do, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, and Sustainer of The Eternal Lord the Entire Universe always knows it very well. Truly all of ye must take the required provisions, surely the best provisions is the fear of The Ever Almighty God. Truly all of ye must always fear only Me, O ye the people who have the intelligent hearts.

2:198. There is no blame upon ye the true seek Grace from The Eternal believers to Lord Sustainer of ye. Surely when ye depart from and Arafaat, then ye must heedfully remember The Ever Almighty God at the Al-Mash'ar Al-Haraam. Truly ye must heedfully remember The Ever Almighty God, has correctly guided ye, for sure ye iust like He were indeed before this among the straying people.

2:199. Thereafter ye the true believers must depart place from where all the people depart, from the the the true believers must pray for and ve forgiveness from The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Ever Living, The Creator and The Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

2:200. Surely when ye the true believers have completed your sacred rites, then ye must remember Ever Almighty God just like ye remember The forefathers or with greater remembrance. Surely vour from among Humankind there is a kind of person says: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of who Thou please award only in this us! us present Earthly World!" Truly such a person will not have any share in the Eternal Afterlife World.

2:201. And from among Humankind there is a of person who says: "Thou The Eternal Lord kind Sustainer of us! Thou please award us and in present Earthly World this all that is which the Eternal Afterlife good in World all and which is good and Thou please that save us the requital punishment of the Hellfire!" from

2:202. Such are the people who will have a share of whatever actions they have earned. Truly The Ever Almighty God is swift in taking the Reckoning Account.

2:203. Surely ye the true believers must heedfully remember The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe during the specific numbered Days. Surely whoever hastens in two days, then there is no sin upon him, and whoever stays on, then there is no sin upon him, for the person who fears The Ever Almighty God. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, and all of ye must always know with certitude that only to The Ever Almighty God all of ye will be gathered.

2:204. Truly from among Humankind there is a kind of person whose speech amazes thee in the life of this present Earthly World, and he calls The Ever Almighty God to witness over that which is in his heart, yet he is fiercest of opponents.

2:205. Truly whenever he goes away, he strives in the earth to cause evil disorder therein, and to destroy the crops and living things. Truly The Ever Almighty God does not love evil disorder.

2:206. Truly whenever it is said to him: "Thou must always fear The Ever Almighty God," his arrogant pride leads him to sin. Surely Hell is sufficient for him, Truly indeed Hell is an extremely evil place of residence. 2:207. Truly from among Humankind there is also a kind of person who sells himself, seeking to gain the All Blessed Delight of The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Compassionate to His servants.

ye the people who 2:208. O truly believe! enter into Islam completely; Ye must and all the footsteps follow of ve must not ever nor commandments of devil Satan. Certainly, devil Satan is the clear all of most enemy ye. to

2:209. Surely if ye the people who truly believe after the Supremely Clear Proofs deviate even all of ye have ye, truly to must always come know with certitude that certainly The Ever Almighty is The Ever Almighty, The Ever All Wise. God

2:210. They are not waiting in any way except that The Ever Almighty God should come to them in the covers of the clouds and also the Angels, and their whole matter is judged. Truly all matters are always returned only to The Ever Almighty God.

2:211. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h may ask the (P.m.b.u.t) how many of Children of Israel the Supremely Clear Miraculous Signs We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) gave them. any person who alters the Favours and Truly Blesssings of The Ever Almighty God after he received them, for sure The Ever Almightv has the penalty punishment. God is severe in

2:212. The life of this present Earthly World is beautified for the people who unthankfully disbelieve, ridicule the people who truly believe. they and Truly the people who fear The Ever Almighty God be far above the people who unthankfully will disbelieve on the Day of Resurrection and Judgement. always Ever Almighty God Truly The provides sustenance to any person He Wills without any limit.

2:213. All Humankind was religious one party; then Ever Almighty God the Prophets The sent as Constant Announcers of the Good True News the the Constant Warners, surely The and Ever as God sent them the Almighty down with Heavenly with The Whole Truth for the purpose Book to between Humankind concerning whatever they judge differed in. Truly none differed over it except people who were given the Heavenly Book the the Supremely Clear Proofs had after come to animosity among themselves. out of jealous them. Surely The Ever Almighty God correctly guided the people who truly believed to the Whole Truth, in which they had differed, concerning that bv His Command. Truly The Ever Almighty God guides any person He Wills the Straight Path. to

people really think that 2:214. Do will ye ye Everlasting Garden, while enter the there has not come to ye the trial the people vet tests like have passed away before ye? who They were afflicted with extreme poverty and extreme hardship, were strongly shaken until the Messenger and they people truly believed along with the who and said: "When Help of him will the The Ever Almighty God come?" Listen attentively! Certainly, the Help of The Ever Almighty God is near.

2:215. They ask thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger Prophet of The Ever Almighty God to and all Humankind P.m.b.u.h) how they should spend. Thou must say: "Whatever ye spend of good, it must be and the relatives and the orphans for parents needy and traveller, truly every good the the and action all of ye ever do, surely indeed The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of it.

2:216. Fighting is decreed upon ye the true believers while it is hateful to ye. Truly it may be that ye the true believers hate something although it is good for ye; and it may be that ve true believers love something although the is it bad for ye. Truly The Ever Almighty God always knows Everything, but all of ye do not know.

2:217. They ask thee about fighting in the Sacred Month. Thou must say: "Fighting therein is a great sin, but preventing people from the Straight Path of The Ever Almighty God and unthankful disbelief in The Ever Almighty God and the Sacred Mosque. and expelling the people from the Sacred Mosque is a greater sin in the Sight of The Ever Almighty God. Truly unthankful disbelief is a greater sin than killing. Truly they will not stop fighting against ve the true believers until they make ye turn back from your religion if they are able to do SO. Truly any person from among ye the true believers turns back from his religion and he dies while he is an unthankful disbeliever. surely such are the people whose actions will become worthless in this present Earthly Life World and the Eternal in Afterlife World. Truly such people the residents are of the Hellfire; they will remain therein forever.

2:218. Certainly, the people who have truly believed the people who have emigrated and and they striven hard in the Straight Path have of The Almighty God; such are the people Ever who strongly hope for the Mercy of The Ever Almighty God. The Truly Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

2:219. They ask thee O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful, Most Ever All Wise The Eternal King of The the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe and to each every one of Humankind P.m.b.u.h concerning and alcoholic drinks and gambling. Thou must say: "In of them there is and both a great sin some Humankind, but their sin is greater benefits for their benefit. And they ask what they than thee should spend. Thou must say: "Whatever is surplus!" The Ever Almighty God this way In makes supremely clear to all of ye the Miraculous Verses, the purpose that all of ye may think deeply; for

this present Earthly Life World 2:220. In and the Eternal Afterlife World. And they ask thee about orphans. Thou must say: "Making improvements the them is good, and if ye associate with them, for your brothers. Truly The they Ever Almighty are a kind very well God always knows of person evil disorder from a kind of who causes person makes peace. Truly if The Ever Almighty who had Willed, He could have indeed put all God of ye in difficulty. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

Surely ye the true believers must 2:221. not ever polytheistic women until they truly believe. marry Surely indeed believing the true slave woman than any polytheist woman, is better even though may attract ye. And ye the she believers true give your women not in ever marriage must polytheistic until they truly believe. to the men indeed the true believing slave Truly man is polytheist man, any better than even though he attract ye. The polytheists the people may are the Hellfire, truly Ever who invite to The Almighty God invites by His Command to the Everlasting Garden and Forgiveness; Truly The Ever Almighty God makes His Miraculous Verses supremely clear for and every one of Humankind, each for the they may heedfully remember. purpose

2:222. They ask thee O Muhammad! {The Honourable Truthful the Trustworthy and the Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every Beings the Human P.m.b.u.h of one about menstruation. Thou must say: "Menstruation is harmful: must keep away from women surely ye during menstruation. Truly ye must not approach them until purified. Surely when they have purified they are themselves, then ye may approach them only from where The Ever Almighty God has Commanded ye. Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful, Praise, The The Ever Owner of All Ever Owner of All Glory, The Ever All Wise. The Eternal the Universe, The King of Entire Creator and The Eternal Lord Sustainer of and the Entire Universe) loves the people who truly repent and He loves the people who thoroughly purify themselves.

2:223. Your women are a place of sowing of seed for ye, surely ye may go to your place of cultivation whichever way ye like, and ve send ahead the righteous good actions for must yourselves. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, and all of ve must ye will know with certitude that always meet The Ever Almighty God. Truly thou must announce good true news to the true believers. the

2:224. Surely ye the true believers must not ever make The Ever Almighty God in your oaths the pretext to avoid doing righteousness and fearing The Ever Almighty God and making peace among Humankind. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:225. The Ever Almighty God will not hold ye accountable for what is unintentional in your oaths, but The Ever Almighty God will hold ye accountable for what your hearts have earned. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Forbearing.

2:226. For those who swear that they will not have marital relations with their wives, they must wait for four months. Surely if they return to marital relations; surely indeed The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

2:227. Truly if they firmly decide to divorce, surely indeed The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing. 2:228. Truly the divorced women must wait three menstrual periods. Truly it is not lawful for the divorced women to conceal what The Ever Almighty created in their wombs if they truly God has believe in The Ever Almighty God and the Final and Reckoning Day (of Resurrection and Judgement the Eternal Afterlife and Requitals and Rewards in the measured whereof extent World. is Fifty Truly their husbands Thousand Years. have the take them back in this period, only if right to they are willing to do reconciliation. Truly women have rights upon men just like the rights of too upon them in righteousness. Truly men have men them. Truly The Ever Almighty a grade above God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

2:229. Divorce can happen only twice, thereafter the be kept with righteousness or must she woman must be released with kindness. Truly it is not lawful for ye the true believers to take back whatever ye have given them, unless both of them fear that they will not be able to the keep set by The Ever decreed limits Almighty God. Surely if fear that both of them will ye not keep the decreed be able limits by to set The Ever Almighty God, then there sin no on either of them in whatever she may give up to ransom herself. These are the decreed limits set by The Ever Almighty God, ye people must not transgress them. Truly any person ever who transgresses the decreed limits set by The Ever Almighty God (The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe surely such people are the iniquitous wrongdoers.

2:230. But if the husband divorces his wife after divorce, then she is not lawful the second to marries that until she him after a husband other Surely if the latter husband him. divorces her. than sin upon there is no the and her then woman husband former if they return one to another. strongly only if both of them feel that thev to keep able the decreed limits will be set by Ever Almighty God. Truly these are the decreed The set by The Ever Almighty God; He limits makes them supremely clear for the people who have the Miraculous Heavenly Knowledge (of the Verses and Signs and the Miraculous Words the Miraculous and Books of The Ever Almighty God. the Miraculous

when Surely 2:231. ye the true believers have they divorced women and have fulfilled their then decreed term. may keep them with ye may release righteousness ye them with or not Truly ye righteousness. must ever keep them to harm them and commit aggression. with intent this, surely Truly who does he has any person indeed committed iniquity to himself. Trulv each of ye Humankind and must every one not Miraculous Verses take the of The Ever ever God mockery. Truly ye Humankind Almighty in heedfully remember the Favours and Blessings must Ever Almighty God of The awarded upon ye, Ever Almighty and whatever The God has the Heavenly Miraculously Revealed ye to of Book whereby the Great Wisdom, The Ever Almighty and God Admonishingly Instructs ye. Truly each and humankind of ve must always fear every one The Almighty God, and Ever all of ye must always with certitude that The Ever Almighty know The Ever All Knowing of Everything. God is

2:232. Surely when ye the true believers have divorced have fulfilled their and they decreed term. women then ye must not ever prevent them from remarrying their husbands when they have agreed among themselves with righteousness. This is Instructed Admonition for every person from among ye who trulv believes in The Ever Almighty God and the Final Day **€**of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, extent whereof is Fifty Thousand Years). the measured wholesomely purer This is more virtuous and for all of ye. Truly The Ever Almighty God always but all of ye knows Everything, do not know.

Truly mothers should suckle their 2:233. children for whole years, for whoever desires two complete to the suckling period. Surely the responsibility is father of the child the provide to their upon provisions and their clothing with righteousness. No given any duty except person is ever according to his capability. No mother should ever be harmed child, nor any father through his child. through her Truly upon the heir there is the responsibility the like of that. But if both of them desire to wean through mutual agreement child the and consultation, sin upon them. Surely then there is if no ve desire to have your children nursed by a substitute, then there is sin upon ye as long no as ve whatever is due from ye with righteousness. pay always Truly all of ye must fear The Ever and of ye must all Almighty God, always know certitude The Ever Almighty God with that (The Equitable, Eternal King Ever Most The the of Entire Universe, The and The Creator Lord Eternal Sustainer of the Entire Universe) is The Ever and Seeing of whatever actions all of ye ever All do.

Surely those who die 2:234. from among ve believers and they leave behind the wives. true for those widows wait four months must and days before remarrying. Truly when they have ten decreed term, fulfilled their then there is no sin the true believers in whatever thev do ve upon with themselves in righteousness. Truly Ever The Almighty God (The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe is and The Ever All Aware of whatever actions all of ve ever do.

Truly there is sin upon 2:235. no the ye true whatever hint of marriage proposal believers in ve ye conceal it convey to these women. in or Almighty The Ever God vour hearts. knows verv ye will eventually well that mention it to ve must not ever make any them. but promise them secretly except that ye speak words to of righteousness. Truly ye must not ever resolve to marriage the until the undertake contract decreed end. of period reaches its Truly all ve must The always know certitude Ever Almighty with that God always knows very well whatever is in minds; therefore, all of hearts and your ve of The Ever always Almighty beware God. must all of ye must always know with Truly certitude that The Ever Almighty God The is Most Forgiving, The Ever Most Forbearing. Ever

sin upon ye the 2:236. There is no true believers if ye divorce women when ye have not consummated marriage or fixed a bride-gift for the them. But provide provisions for them, the must wealthy ve his capability and the according to poor according capability. This is mandatory his the to dutv do righteous people who good actions. upon the

2:237. Truly if ye the true believers divorce women when ye have not consummated the marriage but ve in fact fixed a bride-gift for them, then give them half of whatever ye had fixed, unless they waive their right, or unless the person in hand there is the marriage contract waives whose forego the Truly if his right. ye right. that nearer to devout piety. Truly ye must not is forget graciousness towards one ever another. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ye ever do.

2:238. Ye the true believers must always strictly preserve all the Prayers, especially the middle Prayer. And ye the true believers must always stand before The Ever Almighty God with devout obedience.

2:239. Truly if ye the true believers are in a of fear, then pray while on foot or while state riding. But whenever ye are peacefully secure, then always heedfully remember The ve must Ever manner He Almighty God in a has taught ye, which ye the true believers did not know.

2:240. Truly those who die from among ye the believers and they leave behind wives, they true must make a will for their wives, to provide them maintenance for one year without causing them to leave their homes. But if they themselves leave, then there is no sin upon ye in whatever they do with themselves in righteousness. Truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

2:241. And the divorced women must also be provided with maintenance with righteousness. This is the mandatory duty upon the righteous people who fear The Ever Almighty God.

In 2:242. this way The Ever Almighty God Miraculous Verses supremely makes His clear for of ye, for the purpose that all all of ve may use your intellect to be equitable (regarding the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and Miraculous Words and the Miraculous Books of the The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful).

the people considered 2:243. Have thou not out from their homes in many went who thousands fearing death? Then The Ever Almighty said to them: "Ye must die!" Thereafter. God The Ever Almighty God brought them back to again. Certainly, The Ever Almighty God life is full of Graciousness to indeed all Humankind: but most of Humankind do not give thanks.

2:244. Surely ye the true believers must always fight in the Straight Path of The Ever always and ye must Almighty God, know The Ever Almighty God is with certitude that The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:245. Who is the person (from among Humankind truly believes the Final Mighty Day who of Resurrection and Judgement and Requitals) that will The Ever Almighty God a good loan, surely give He will multiply it for him multiple times over? Truly The Ever Almighty God limits sustenance and vastly increases sustenance, truly only to He The Ever Almighty God all of ye will be returned.

2:246. Have thou not considered the chiefs of the Children of Israel who came after Moses { the Trustworthy Honourable and the and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise. The Ever Most Eternal Equitable, The Creator and The Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h?, when their Prophet: "Appoint for said to they us а the purpose that we may king, for fight in Path of The Ever Almightv God?" the Straight The Prophet said: "Perhaps ye people would not fight, if the fighting is Decreed for ye?" The said: "Why would we fight in the chiefs not Straight Path The Ever Almighty God, of truly expelled from been indeed we have our homes and our children?" Surely when the fighting was they turned away except for decreed for them, а Truly The them. Ever Almighty God is few of The Ever All Knowing of the iniquitous wrongdoers.

Truly their Prophet said to them: "Certainly, 2:247. Almighty God The Ever has indeed appointed for Soul as the king!" The chiefs people said: ve "How can Soul have the kingdom over us, when greater right to kingdom than Soul. we have and has not even been given wealth abundance? he in the The Honourable and Trustworthy and the of The Ever Almighty God, Truthful Prophet The Merciful P.m.b.u.h) said: "Certainly, Ever Most The Ever Almighty has chosen God him over ve people, and He has increased him abundantly in stature. Truly The Ever Almighty knowledge and kingdom gives whoever His He Wills. God to The Ever Almighty God is The Trulv Ever A11 Encompassing Everything, The Ever All Knowing.

Truly their Prophet said to them; "Certainly! 2:248. Sign of his kingdom The Miraculous is that will ye people Ark there to the in come there is tranquility from The Eternal Lord which ye, and some Sustainer of sacred relics of and what were left behind by the family of Moses family and of Aaron {the Honourable and the Truthful Trustworthy and the the Messengers and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable be Angels. P.m.b.u.t. It will carried by the this Certainly, in is indeed there the Miraculous Sign for people, if are true believers. ye ye

2:249. Then. when Soul with set out the army, said: "Certainly, The Almighty Soul Ever God will test ye people by of the river. means Surely whoever drinks thereof. then he will not belong with any person who me; but refrains tasting it. for from sure he will belong to his hand!" me, excepting whoever with scoops up Surely they drank from the river except for them. Then when few of Soul and the a who truly believed along with people him had crossed the river, they said: "We have no against Goliath strength today and his army!" knew with certitude those who thev But that to meet The Ever Almighty God said: going were "How often a small army has triumphed over the the Command of The Ever Almighty large army by Almighty God (The God? Truly The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Equitable, The Eternal King The Ever of Universe, Creator the Entire The and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe is and always with the people who are steadfastly patient!"

2:250. when they went forth to Truly face "Thou army, they said: Goliath and The his Lord and Sustainer of us! Eternal Thou please steadfast patience and upon Thou award us make our feet firm and Thou please please help us against the unthankful disbelieving people!"

Surely they defeated them by the 2:251. Command Ever Almighty God, truly David (the of The the Trustworthy Honourable and and the Truthful Almighty God, Prophet The Ever The Ever of Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Lord Universe. and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h killed The Ever Almighty God gave David Goliath. and and the Great Wisdom, and The Ever the kingdom David Almighty God taught from whatever He Willed. Truly if it had not been for the repelling by The Ever Almighty God of Humankind, some by the means of others, indeed the whole earth would of evil disorder. But The full Almighty be Ever Full of Graciousness God is to all the Worlds.

2:252. These are the Miraculous Verses of The Ever Almighty God; We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most The Ever Most Equitable, The Merciful. Ever Most Kind. Generous. The Ever Most The Ever Most Ever Most High, The Ever Forgiving, The Most Ever Owner Mighty, The of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal Entire Universe, The King of the Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) recite them to thee with The Whole Truth. indeed one of the Messengers. For thou sure are

Messengers; We (The Ever Almighty these 2:253. All Most Gracefully Compassionate, The God, The Ever Creator and The Eternal Lord and Sustainer The of Entire Universe) have awarded superiority some the others. From among the Messengers of them above there are some to whom The Ever Almighty God some of them He has Spoke directly. and raised in grades. Truly We Jesus, the Son gave of Mary the Honourable and (the Messiah, the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God and His Word which Ever The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from Ever Almighty God P.m.b.u.t), the Supremely The and We assisted him Clear Proofs. with the Holy Spirit Gabriel (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, The God. The Angels Most Merciful from Ever among the P.m.b.u.h[•]). Truly if The Almighty Ever God had Willed, the people who came after them would have fought each other, after the Supremely not Clear had come them. But they Proofs differed: to them there surely from among are some who from believed truly and them there among are who unthankfully disbelieved. Truly some if The Almighty God had Willed, they would Ever not Ever have fought each other, but The Almighty whatever He intends. God always does

O ye the people who truly believe! Ye 2:254. always spend from whatever We (The Ever must Almighty God, The Ever Most Merciful have provided coming of the Day on which for ye before the be any friendship any trading will there not nor Truly it is intercession. the unthankful any nor the iniquitous wrongdoers. disbelievers who are

The Ever Almighty God, there is no God 2:255. Ever Living, The Him Alone, The Eternal except seized Watchful Sustainer. He is bv not ever sleep. Only to drowsiness Him belongs nor is in all Everything that the heavens and Everything that is in the whole earth. Who is the one who can ever dare to intercede with Him always knows except by His permission? He very well whatever is before them and whatever is Truly they do not behind them. encompass ever anything from His knowledge except whatever He His Throne Encompasses all the Wills. heavens truly the preservation whole earth, of and the ever tire Him. of them does not Truly He both is The Ever Most High, The Ever Most Mighty.

2:256. There is no compulsion in the religion. guidance has become clearly Indeed, the correct the evil path. Surely any person who from distinct fake gods and truly believes disbelieves in in The Ever Almighty God, truly such a person has most trustworthy handhold, grasped the indeed one Truly The Ever Almighty break. that will not ever God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

The 2:257. Ever Almighty God is The Ever Protecting Friend of the people who truly believe; He brings them out from the darknesses into the light. Truly the people clear who unthankfullv deceitful friends devils. disbelieve. their are the out from the clear light them they take into people the darknesses. Such the residents of are Hellfire; they will reside in the Hellfire forever the Mighty Day of Final (+on the Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World.

2:258. Have thou not considered the person who argued with Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The True God P.m.b.u.h? about The Eternal Lord and Sustainer of him merely Ever Almighty God had because The given him Abraham (P.m.b.u.h) said: "My kingdom? When Eternal Lord and Sustainer is The One Who gives life and He Alone causes death!" The king said: "I also give life and cause death!" Abraham (P.m.b.u.h) said: "Surely indeed, The Ever Almighty God brings the sun from the east; so thou bring it from the west!" Then the king who unthankfully disbelieved utterly defeated. Truly The Ever Almighty God was does not guide the iniquitous wrongdoing people.

2:259. Or just like the person who passed by the town which truly had fallen into complete ruin? He "How will The Ever Almighty God give said: life this town after its death?" Surely The Ever to Almighty God caused him to die for a hundred years; thereafter, The Ever Almighty God brought him back to life again. The Ever Almighty God "How long have thou remained here?" He said: "I have remained here for a day or part of said: a day!" The Ever Almighty God said: "But in fact, remained here for a hundred have years; thou therefore, look at your food and drink; it has even decomposed. And look at your donkey, not that We may for the purpose this is truly make the Miraculous Sign for all Humankind. And thee at the bones, how We bring them together look We cover them with flesh!" Truly when all and him, he said: "I now became clear know this to with certitude that The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything!"

2:260. Remember when Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h³ said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please show me how Thou again!" The Ever bring the dead to life Almightv believe?" thou not truly God said: "Do then Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and Close the Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most said: "Cetainly yes, I Merciful P.m.b.u.h do truly believe, but it is for the purpose that my heart may have peaceful contentment!" The Ever Almighty said: "Then thou of God must take four the birds familiar to yourself. Thereafter, and make them the slaughtered parts of them; thou must put on Thereafter, thou must call each hill. them. they Truly thou will to thee in haste. come must that The Ever Almighty always know with certitude God is The Ever Almighty, The Ever All Wise!"

The example of the people who spend their 2:261. wealth in the Straight Path of The Ever Almighty God is just like a grain which grows into seven each ear has a hundred grains. Truly The ears; Almighty God multiplies for any person He Ever Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Encompassing Everything, The Ever All Knowing.

2:262. The people who spend their wealth in the Straight Path of The Ever Almighty God; thereafter, they do not follow up whatever wealth they have spent by tauntingly reminding of the favour nor by hurting, such people will have their good reward with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon them, nor will they grieve. 2:263. Kind words and forgiveness are better than any charity followed by hurting, truly The Almighty God (The Ever Most Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Living, The Eternal King of the Universe, The Creator and The Eternal Entire Lord and Sustainer of the Entire Universe is The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Most Forbearing.

people who truly believe! Ye ve the 2:264. 0 ever invalidate your acts of charity bv must not tauntingly reminding of the favour or by hurting, the person who spends his wealth only like to to Humankind, but he does show off not truly believe in The Ever Almighty God and the Final Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning) Requitals and Rewards and Recompense in the and Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years). Surely his example is is just like the smooth stone which there is on dust; then heavy shower of rain falls upon it. it leaves it bare. Such people do not have and anything of whatever actions upon power any they have earned. Truly The Ever Almighty God does not guide the unthankful disbelieving people.

2:265. Truly the example of the people who spend wealth, seeking the All Blessed their Delight of Ever Almighty God and as an The affirmation for own True Faith, is just like the their garden on a high ground; heavy rain falls on it, and it vields its fruits in double. But if the heavy rain does not fall on it, then the drizzle is sufficient. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ye ever do.

2:266. Would any of ye like to have a garden of palm trees and grapevines beneath which rivers flow, has every kind of fruit. he while he is therein old age, while stricken with his children are immaturely weak, then the garden is struck with fierce whirlwind containing fire. the and it is way The Ever Almighty burnt? this God makes In supremely clear to all of ye the Miraculous Verses, for the purpose that all of ye may think deeply.

2:267. O people who ye truly the believe! Ye good spend from things always the which must and from whatever things earned ve have We **Fhe** Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, Most Kind have produced for The Ever ve from Truly not the earth. ye ever intend must to anything bad from it. while ve would spend not except with closing your accept it eyes to it. always know with Truly all of must certitude ye that The Ever Almighty God is The Ever Completely The Ever Owner of All Praise. Self-Sufficient,

deceitfully promises 2:268. The devil Satan the ve poverty and commands true believers the true ye believers to commit immoral actions; truly The Ever God promises ye Almighty the believers true forgiveness from Himself and abundant riches. Trulv God is The Ever Almighty The All Ever Everything, The Encompassing Ever All Knowing.

Almighty God gives 2:269. The Ever the Great to every person He Wisdom each and Wills, truly whoever has given the Great Wisdom. been good given indeed surely he has been in Truly will heedfully remember abundance. none except the people who have intelligent hearts.

2:270. Truly whatever ye the true believers spend of any expenditure or whatever vows ye ever make, for sure The Ever Almighty God always knows them very well. Truly for the iniquitous wrongdoers there will not be any helpers.

believers 2:271. If ye the true disclose your charitable expendituress, surely they are good, truly if ye conceal them and give them to the poor people, surely that is better for ye. Truly The Ever Almighty God will absolve from ye some of your sins. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions all of ye ever do.

2:272. To guide the Human Beings is not the responsibility of thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of Ever Almighty God P.m.b.u.h, but it is The The guides each and every Ever Almighty God who person He Wills. Truly whatever of good ye the ever spend, surely it is for true believers the benefit of yourselves. Truly ye do not ever spend except desiring the Love and Delight of The Ever Almighty God. Truly whatever of good ye the true spend it will be fully repaid to ye, believers ever truly ye will not be treated with any iniquity.

The charity is for the poor people who 2:273. been restricted in the Straight Path of The have Ever Almighty God, they cannot even about move in the earth. The unknowing person thinks that they wealthy because of their persistent self-restraint. are Thou will recognise them by their appearance. They ask Humankind persistently. Truly whatever do not spend from whatever good, surely indeed The ve Ever Almighty God is The Ever All Knowing of it.

2:274. The people who spend their wealth by the night and by the day, secretly and publicly, surely people will have their good reward with such Eternal Lord and of them; The Sustainer truly no fear will come upon them, nor will they grieve Mighty Day (°on Final of Resurrection and the and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards Eternal Afterlife World, the and Recompense in the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

people who 2:275. The usury will consume not rise up (on the Final Mighty Day of able to be Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World) except just like someone tormented by the touch of Satan. say: "Trading is just like This is because they usury!" Truly The Ever Almighty God has made trading lawful and He has prohibited usury. Surely any person who receives the Admonishing Instruction Eternal Lord Sustainer from The of him and taking usury, then he keep his stops may past gains; truly his whole matter is with The Ever truly any Almighty God; person who returns to usury, surely such people are the residents of the Hellfire; they will remain in the Hellfire forever.

2:276. The Ever Almighty God destroys usury and makes charities grow in value. Truly The Ever Almighty God does not love any sinful unthankful disbeliever.

Certainly, the people who truly believe 2:277. and righteous good actions equitably perform do and and give the Mandatory Alms, the Prayer such their good reward with will people have The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

2:278. O ye the people who truly believe! Ever always fear The Almighty Ye God. must must give outstanding up all dues and ve usury, if ye are the true believers. from

the people who 2:279. Surely if ye truly believe do not do so, then ye must take notice of the against declaration of from war ye The Ever His Messenger. Truly if Almighty God and ve repent, then the capital of your riches is yours; ve the true believers will not be committing anv iniquity, nor any iniquity will be committed to ye.

difficult 2:280. if it is for Truly any person to repay the debt, surely there be postponement should until matters become easier for the debtor. Surely if ye the true believers remit the debt in charity, supremely better for ye, if then it is ve are people who have the Heavenly Knowledge the Miraculous fof the Miraculous Verses and the Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Equitable, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

of ye Humankind Truly each and every one 2:281. yourselves the Day protect against must when of ye and every one Humankind will each Ever The Almighty be returned to God. every person will be paid in full Thereafter. earned. for whatever actions he ever and thev treated with any iniquity will be not at all.

2:282. O ye the people who truly believe! Whenever ve contract the debt for a fixed term, then ye must put it down in writing. Truly the scribe should write the debt down between ye with equitable justice. Truly the scribe must not refuse to write the debt down, the scribe must write just like The Ever Almighty God has taught him. Truly the person upon whom is the debt must dictate, and he must fear The Ever Almighty God, and Sustainer of him, and The Eternal Lord he must not reduce anything of the debt. Surely if the person who has the obligation is of poor understanding or weak or does not have the capability to dictate the contents, then his guardian should dictate with equitable justice. Truly ye must call in to witness two witnesses from among your own men. But if two men are not available, then one man and two women from the witnesses ye are satisfied with, so that if one of the two women should forget, then the other can remind her. Truly the witnesses must not refuse whenever they are summoned. Truly ye must not ever be averse from writing the debt down, whether it is small debt or along with the time the debt falls due. This large, is more equitable in the Sight of The Ever Almighty God, and more reliable for testimony, and more likely that ye will not doubt among yourselves, but whenever merchandise there present the is and ve hand it over among yourselves, then there is no sin upon not write it down. ye if ye do But ye must always have witnesses present whenever ve trade among yourselves. Truly any kind of harm must not ever be caused to any scribe nor any witness. Truly if ye do so, surely indeed that would be unthankful rebellion from ye. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God teaches all of ye. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything.

2:283. Truly if ye the true believers are on a journey and ye cannot find a scribe, then a security deposit should be taken. Surely if one of ye trusts the other, then the person who has been trusted must deliver his trust, truly he must fear The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of him. Truly ye must not ever conceal the testimony. Truly any person who conceals the testimony, surely indeed, his heart commits a sin. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of whatever actions all of ye ever do.

2:284. Only to The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe³ belongs Everything all the heavens and Everything that that is in is in the whole earth. Truly whether ye people reveal whatever is in your hearts and minds or conceal it, The Ever Almighty God will hold ve accountable for all that. Then He will forgive any He Wills and He will punish any person person The Ever Almighty God always He Wills. Truly has the supremely powerful ability to do Everything.

2:285. The Messenger truly believes in whatsoever been Miraculously Revealed to him from The has Eternal Lord and Sustainer of him; and so do all true believers. Each and every one of them the truly believes in The Ever Almighty God and His and His Books and His Messengers: "We Angels ever make any distinction between any of do not Messengers of The Ever Almighty God!" Truly the they say: "We have attentively heard, and we wholly obey, Thou please award us supreme Your forgiveness, Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Truly only to Thee is the final destination!"

2:286. No person is ever given any duty by The Ever Almighty God except according his to capability. Every person will have the reward for whatever righteous good actions he has ever earned. every person is the accountability and for upon "Thou whatever evil actions he has earned: ever The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please do not ever hold us accountable if we Thou The Eternal forget or we make a mistake! us! Lord Sustainer of and Thou please do not place any burden ever upon us like the one placed upon the people before Thou Thou The us. Sustainer of us! Thou please Eternal Lord and do any burden ever place upon us we do not not have the strength to bear. And Thou please pardon and Thou please forgive us; and Thou please us; us Mercy. Only Thou are The Ever award Friend of Thou Protecting us: therefore. please help against the unthankful disbelieving people!"

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

of each and every 4:170. 0 Humankind! ye one the there Messenger Indeed. has come to ye Muhammad (the Honourable the and Trustworthy and Messenger and Prophet Truthful of The Ever the to Almighty God each and every of one Humankind P.m.b.u.h³ with The Whole Truth from Eternal Lord and Sustainer of ye. The Surely all truly believe; it is always of ye must supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: only to surely indeed, The Ever Almighty God belongs Everything that is in the all heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

3: Sûrah Chapter Ale-Imran The Family of Imran M.V. 200

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

3:1. Alif, Laam, Meem.

Ever Almighty God, 3:2. The there is no Alone. except Him The God Ever Living. Eternal Watchful The Sustainer.

Almighty God 3:3. The Ever has Miraculously thee O Muhammad! {The upon Honourable Revealed Trustworthy and the Truthful Messenger and the and of The Ever Almighty God, Ever Most Prophet The Equitable, Ever All Wise The to each and every Beings one of the Human P.m.b.u.h this Book The Whole Truth. Sincerely confirming Our'an with this Heavenly Books which the were before Book Our'an. The Ever Almighty And God has Miraculously Revealed the Torah and the Gospel.

3:4. Even previously as the Correct Heavenly Guidance for Humankind. And The Almighty Ever Miraculously Revealed the Ever has God Distinctive Criterion. Certainly. people the who unthankfully disbelieve in the Miraculous Verses Ever Almighty God will of The suffer the punishment, severe requital truly The Ever is The Ever God Almighty, Almighty The Ever take Equitable Vengeance. Supremely Powerful to

Certainly, nothing at 3:5. all hidden is ever from Almighty God (The Ever Creator The The and and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord in the whole earth nor in the whole heaven.

203

The Ever Almighty God is The God Who 3:6. physical form of each shapes the and every of ye Humankind the in wombs however one Wills. There He is God no except Him The Ever Almighty, The Ever All Wise. Alone;

The Ever Almighty God is The God Who has 3:7. Miraculously Revealed to thee this Book Qur'an. Some of the Miraculous Verses of this Book Our'an precise in meaning; they the Essence are are of this Book Qur'an, truly some Miraculous Verses are not entirely clear. Truly as for the people in whose there is deviation, they follow that part of hearts is Our'an not entirely this Book which clear. seeking its interpretation. seeking discord and Truly one knows its correct interpretation except no The Ever Almighty God. Truly the people who are say: "We firmly rooted knowledge in sincerely of this Book Qur'an. believe in all All of this is from The Eternal Book Our'an Lord and Sustainer of us. Truly none will heedfully remember intelligent hearts. except the people who have

"Thou The Eternal Lord and 3:8. Sustainer of us! Thou please do not ever cause our hearts to deviate Thou correctly guided after have us. and Thou Mercy from very close please award us to thee. Certainly, Thou are The Ever Most Generous Provider.

Eternal Lord and Sustainer The 3:9. Thou of us! will assemble Certainly, Thou together each and every one of Humankind the {of on Day and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World about which there is no doubt. Certainly, The Ever Almighty God does not ever break His Promise!"

3:10. Certainly, the people who unthankfully disbelieve, their wealth and their children will not benefit them against The Ever Almighty God in any way at all. Truly such people will be the fuel for the Hellfire (°on Final Mighty Day of Resurrection the and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards Recompense the Eternal Afterlife World. in the and whereof is Fifty Thousand Years). extent measured

Just like the actions of the people of Pharaoh 3:11. before them. the people all of and them unthankfully denied Our Miraculous Signs. Surely The Almighty God The Creator and Ever The Eternal Sustainer of the Universe } Lord and Entire seized solely because of their sins. Truly them The Ever Almighty God is severe in the penalty punishment.

Muhammad! {The Honourable 3:12. Thou Ο and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of Almighty God, The Ever Most The Ever Merciful. All Wise every The Ever to each and of one P.m.b.u.h) must say to people who Humankind the unthankfully disbelieve: "Ye will eventually be overpowered gathered together Hell. and to Truly Hell is extremely evil place of residence!" an

Indeed there is the Miraculous 3:13. Sign for ve believers in the the armies true two that encountered each other in battle; one army was Straight Path of The Ever Almighty fighting in the unthankful disbelievers. and another of God They their with eyes their them own as twice saw Truly The Ever Almighty God assists number. own whoever He Wills. Certainly, help His with in there indeed Miraculous Lesson for this is the the people who have the True Insightfulness.

205

3:14. Beautified for Humankind is the love of that which they desire, of women and sons and hoarded of gold and silver and fine branded heaps horses and well cattle tilled land. These and are the provisions of life of this present beneficial the Earthly World. Truly The Ever Almighty God has with Him supremely good place to return to. an

3:15. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God. The Most of The Ever Ever Merciful. The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Shall all of Humankind things Ι inform ve of that things? For the all these far better than the are people who fear The Ever Almighty God. they will have the Everlasting Gardens with The Eternal Lord and Sustainer of them, beneath which rivers and purified flow, they will remain in them forever, All Blessed Delight and the spouses from The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of all His servants.

people who say: "Thou 3:16. Such those are Lord and Sustainer of us! Certainly, The Eternal believe: therefore, Thou please forgive sincerely we Thou please all sins and from our save us us of the Hellfire!" the requital punishment

3:17. who people are the steadfastly Those patient are alway truthful who and those and those who devoutly obedient and those who alway spend are who pray for forgiveness dawn and those before Almighty God, from The Ever The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe.

3:18. The Ever Almighty God bears witness that there is no God except Him Alone; and so do the Angels and those people who have the Heavenly knowledge, they firmly stand upright with equitable justice. There is no God except The Ever Almighty God, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

3:19. Certainly, the true religion in the Sight of Ever Almighty God is Truly The Islam. the people who were given the Heavenly Book did the knowledge differ except not after had them. out of jealous animosity among to come themselves. Truly any person who unthankfully disbelieves in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God; surely indeed, The Ever Almighty swift in taking the Reckoning Account. God is

3:20. Surely if they argue with thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Most Merciful. Ever Most Generous, The Ever The Creator and The Eternal Lord All Wise. and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h, then thou must say: "I have submitted myself only to The Ever Almighty God, and so have each and every person who follows me!" And thou must say to the people who have been given the Heavenly who have not been given Book and those any Heavenly Book: "Do ye people too submit yourselves?" Truly if they submit themselves, surely indeed they the Correct Heavenly Guidance; follow trulv if they turn away, then your duty is only to convey the Message. Truly The Ever Almighty God The Ever All Seeing of all His servants. is

3:21. Certainly, the people who unthankfully disbelieve Miraculous Verses The the of Ever Almighty in the Prophets without equitable right to God and kill do so, and they kill those from among Humankind who command to do equity, then thou must announce the true news of the painful punishment. to them

the people whose actions 3:22. Such are have in this present Earthly World become worthless truly for Eternal Afterlife World. and the them any helpers. there will not be

Thou O Muhammad! {The Honourable 3:23. Have and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God each Prophet of to and of Humankind P.m.b.u.h every one not considered towards the people who were given a portion of They Heavenly Book? the are invited the to Heavenly Book of The Ever Almighty God for the purpose to judge between them; thereafter a party of them turns away, while they are unthankfully refusing.

3:24. Certainly, this is because they say: "The Hellfire will not touch us except for a limited number of days!" Truly they are deceived in their religion by that which they have been iniquitously inventing.

Surely how will it be when We (The Ever 3:25. Almighty God. The Ever All Wise will assemble and every one of the Human Beings each the on for Resurrection and Judgement and Reckoning Day Requitals and Rewards and Recompense in the and Eternal Afterlife World about which is there no will be in full doubt? Surely every person paid actions he ever earned, truly for whatever thev treated with any iniquity will not be at all.

3:26. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise, The Ever Most High, The Powerful. The Ever Most Mighty, The Ever Most Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Thou The Ever Almighty God! The Ever Sovereign Owner of the Kingdom! Thou give the Kingdom to whoever Alone Thou Will. truly Thou Alone take away the Kingdom from Will. Truly Thou Alone honour Thou whoever truly Thou whoever Will, Thou Alone dishonour Thou Will. All that which good whoever is is in your Mighty Hand. Certainly, Thou always have the supremely powerful ability to do Everything.

night to merge Thou Alone cause the 3:27. day and Thou Alone cause the into the day merge into the night. Truly Thou to Alone living from dead the the bring out and bring out Thou Alone the dead from the living. Truly Thou Alone provide Sustenance to any person Thou will without any limit.

true believers 3:28. The must not ever take the unthankful disbelievers as protecting friends instead of the true believers. Truly any person who does thing, then such a person will such a not be protected by The Ever Almighty God in any way, except that ye the true believers protect vourselves against the unthankful disbelievers in manner of Truly The Ever Almighty God protection. warns ye believers of Himself, truly the true only to The Ever Almighty God is the final destination.

3:29. Thou must say: "Whether ye each and every of Humankind conceal whatsoever is in your one or ye reveal it, The Ever Almighty God hearts always knows Everything very well, truly He always knows very well Everything that is in all the and Everything that is in the whole heavens The Ever Almighty God earth. Truly always has the supremely powerful ability to do Everything.

the Day (of Resurrection 3:30. On and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World when every person will find present before each and whatsoever of good actions him he ever did whatsoever of evil actions he did. and ever He will dearly desire that there were a great distance between him and between the evil actions. Truly The Ever Almighty God warns ye Humankind of Himself, truly The Ever Almighty God is The Ever Most Compassionate to His servants.

3:31. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every of Humankind P.m.b.u.h) must say: "If one ve Humankind truly love The Ever Almighty God, always follow me. then ye must The Ever Almighty God will love ye He will forgive and ye your sins. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

3:32. Thou must say: "Ye each and every one Humankind must always wholly obey The Ever Almighty God and the Messenger!" Truly if they turn away; surely indeed The Ever Almighty God does not love the unthankful disbelievers. 3:33. Certainly, The Ever Almighty God chose Adam and Noah and the Family of Abraham and the Family of Imran (P.m.b.u.t) above all the Worlds.

Descendents, of 3:34. some them from others. The Ever Almighty God is The Ever Truly Ever All Knowing. All Hearing, The

the wife of 'Imran 3:35. When said: "Thou The and Sustainer of me! Certainly, I have Eternal Lord what is growing dedicated to Thee in mv womb be service. devoted to Your therefore Thou to please accept this from me. Certainly, Thou are The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

3:36. Surely when she gave birth to her, she said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! I girl!" given Truly The Ever birth to have a Almighty God knew very well what she had given birth to, truly the male like the is not female. "Truly indeed I have named her Marv (P.m.b.u.t); for sure I entrust her children and her accursed devil Satan. to your protection from the

Surely her Eternal Lord and Sustainer accepted 3:37. her with good acceptance, and He caused her to a good manner, grow and He in gave her Zechariah (the Honourable guardianship to and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h. Every time he entered chamber of Prayer, he found with her her fresh sustenance. He said: "Thou O Mary! From where She said: "All this have this to thee?" come is The Ever Almighty the Providence of God. from Certainly, The Ever Almighty God provides sustenance any person He Wills without any limit. to

3:38. Then and there Zechariah (the Honourable the Trustworthy and the Truthful Prophet and of Ever Almighty God, The Ever Most Merciful The P.m.b.u.h) prayed to The Eternal and Lord Sustainer of him, saying: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please award me from good offspring. Certainly, Thee very close a to All Hearer of the Prayer. The Ever Thou are

Angels called the to 3:39. Then out Zechariah was (P.m.b.u.h) while he still standing upright praying in the chamber, "Certainly, The Ever Almighty God gives thee the good true news of sincerely confirm John (P.m.b.u.t), who will the Word from The Ever Almighty God and he will be the Noble Leader and chaste. and the Prophet from among the devoutly righteous people!"

3:40. Zechariah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! How can I possibly have a Son while old age has come upon me and my wife is barren?" The Angel said: "Just like this The Ever Almighty God always does whatever He Wills.

3:41. Zechariah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God said: "Thou The P.m.b.u.h Eternal Lord and Thou please Sustainer of me! appoint for me some Miraculous Sign!" The Angel said: "Your Sign is that thou will not be able Miraculous to speak to Humankind for three days except thou must heedfully remember with signals. Yet The Ever Almighty God very often and thou must Glorify Him in the evening and in the morning!"

3:42. Remember when the Angels said: "Thou 0 Mary (the Honourable and the Trustworthy and the always devoutly obedient to every Truthful who was Commandment of The Ever Almighty God, trulv always bore witness to all the Words and all she the Books of The Ever Almighty God P.m.b.u.h?! Certainly. The Ever Almighty God has chosen thee thee has purified and He and He has chosen above all the women of all the Worlds. thee

{P.m.b.u.h}! 0 Mary 3:43. Thou Thou must devoutly obedient to The Lord always be Eternal of thee and Sustainer and thou must always prostrate and bow along with those who bow.

is the True News from 3:44. This the Unseen which We The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate) Miraculously Reveal Most Muhammad! (The Honourable thee 0 and the to Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God to each and every of The Human Beings P.m.b.u.h. Truly of one the thou with them when they were were not casting see which of them should be their pens to given guardianship of Mary {P.m.b.u.h}. And the thou with them when they were disputing. not were

3:45. Remember when the Angels said: "Thou Ο (P.m.b.u.h)! Certainly, The Ever Marv Almighty God Good True thee the News of Word gives а Himself: his name will be the Messiah from Jesus, Son of Mary (P.m.b.u.t), the Messiah the Jesus Son of Mary (P.m.b.u.t) will be highly honoured the and Earthly World present this in the in Eternal Afterlife World, truly he will be of one The Ever Almighty God. those who near to are

3:46. Truly the Messiah Jesus (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God and His Word which of The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t? will Humankind in the cradle and in maturity, speak to devoutly righteous. truly will one of the he be

Mary (P.m.b.u.h) said: "Thou The 3:47. Eternal Sustainer of me! Lord and How Ι have can man touched me?" a child when no has said: "Just like this The Angel The Ever Almighty God always Wills. whatever He creates decides to anything. Whenever He do then He to it "Be!" Surely it is always only says done.

3:48. Truly The Ever Almighty God will Messiah teach the Jesus. the Son of Mary (P.m.b.u.t) the Heavenly Book and the Great and the Torah and the Wisdom Gospel:

Truly the Messiah the Jesus, Son 3:49. of Mary (P.m.b.u.t) will be the Messenger to the Children of Israel (P.m.b.u.t) saying: "Certainly, I have indeed to all of ye with a Miraculous Sign from come The Eternal Lord and Sustainer of ye, that I create for ye from clay just like the form of a bird. then I breathe into it; and immediately it becomes a real living bird by the Command of The Ever Almighty God. And I completely cure the blind and lepers, and I bring the dead back to life by the Command of The Ever Almighty God, and I the fully inform all of ye of whatever ye have eaten ye have your stored and whatever in houses. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign for of ye, if ye are the true believers. all

3:50. And I sincerely confirm whatever was before me of the Torah and for the purpose to make some of the things lawful for all of ye which were prohibited to ye. Truly I have come to all of ye with the Miraculous Sign from The Eternal Lord and Sustainer of all of ye. Therefore, all of ye must always fear The Ever Almighty God and all of ye must always wholly obey me.

3:51. Certainly, The Ever Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer all of ye; therefore, all of ye must always worship only The Ever Almighty God. This is the Straight Path.

3:52. But when Jesus (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God P.m.b.u.h? sensed of unthankful disbelief from them, he said: "Who are my helpers for The Ever Almighty God?" The Disciples said: "We are the helpers of The Ever Almighty God. We truly believe in The Ever Almighty God; and thou please bear witness that we are Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Ever All Wise?!"

3:53. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! We believe in whatsoever Thou have Miraculously Revealed and we have followed the Messenger; therefore, Thou please write us down among those who bear witness (to The Whole Truth)!"

3:54. Truly they planned, but The Ever Almighty God also planned; truly The Ever Almighty God is The Ever Best of All Planners. 3:55. Remember when The Ever Almighty God said: "Thou O Jesus (the Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The and Ever Almighty and His Word and His Spirit P.m.b.u.h)! Certainly, I am going to bring your term of life to completion; and I will raise thee Myself, and I will completely purify towards thee from the people who unthankfully disbelieve, and I will make the people who follow thee superior to those who unthankfully disbelieve until the Day of Resurrection and Judgement. Thereafter, only to the all ve Me will be return of of the Human Beings, then I will Judge between all of ye concerning Everything in which ye differed.

Truly as for the people who unthankfully 3:56. disbelieve (in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books and Messengers and the Final Mighty Day His of and Judgement and Requitals in Resurrection the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Thousand Years, surely I will is Fifty punish them with the severe requital punishment in this present Earthly World and the Eternal Afterlife World; truly they will not have any helpers.

for the people who truly believe 3:57. Truly as (in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books and His and the Final Mighty Messengers Day of Resurrection and the Eternal Afterlife Requitals in the measured extent whereof is World. Fifty Thousand Years do righteous good and actions, surely The Ever Almighty God will give them their good rewards in full. Truly The Ever Almighty does not love the iniquitous wrongdoers. God

This Book Qur'an We (The Ever Almighty 3:58. Ever Most Gracefully Compassionate, The God. The Most Merciful, The Ever Living, The Eternal Ever of the Entire Universe, The Creator King and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? recite to thee O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Almighty of God, Prophet to each of the and every one Human Beings P.m.b.u.h Miraculous Verses and the Wise Reminder. of the

3:59. Certainly, the example of Jesus (the Son of Mary, the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet The the of Ever Almighty and His Word which The God Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.t) in the Sight of The Ever Almighty God is just like the example of Adam (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger Almighty God P.m.b.u.h); Prophet of The Ever and created him The Ever Almighty God from dust: then He said to him: "Be!" Surely he came to be.

The Whole 3:60. This is Truth from The Lord and Sustainer of thee: Eternal surely thou must not ever be one of those who doubt.

argues with 3:61. Surely whoever thee about this knowledge has after the come to thee: matter say: "All of ye We then thou must come! our sons your should and and summon sons. and and ourselves your women and our women yourselves; thereafter, we should pray most earnestly, down of The Ever Almighty call the curse and upon the people who are untruthful!" God

217

3:62. Certainly, this is indeed the true narrative. Truly there is no God at all except The Ever Almighty God. For sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Almighty, The Ever All Wise.

3:63. Truly if they turn away, surely indeed The Almighty God The Ever is Ever All the people who Knowing of cause evil disorder.

3:64. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "O of ve of the Book! All of ve must come the People statement that is common between to the and us between ye, that we must not ever worship anything whatsoever except The Ever Almighty God and that we must not ever associate anything whatsoever as a god with The Ever Almighty God and we must not ever take any others as lords instead of The Ever Almighty God. Surely if they turn away, true believers must "Ye then ye say: the the People of the Book bear witness that certainly we Muslims (those who wholly submit to follow are the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

3:65. O ye the People of the Book! Why do ve about Abraham (the Honourable argue and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h The Ever the Gospel were the Torah while and not Miraculously Revealed until after him. Despite that will ye people not use your intellect to be equitable?

are the people who have 3:66. Now ye argued things of which some ve had the about knowledge, but why ye argue do about things ye do not have any knowledge? of which The Ever Almighty God always Truly knows Everything, but all of ye do not know.

3:67. Abraham (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h was neither a Jew nor a Christian: but devoutly true Monotheist. he was the the true Muslim: truly he was not ever of the polytheists.

3:68. Certainly, the most closest from among Humankind unto Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise P.m.b.u.h are indeed the people who followed Abraham (P.m.b.u.h), this Prophet Muhammad {the Honourable and and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise to each and every one P.m.b.u.h. of Humankind and the people who Truly The Ever Almighty truly believe. God is The Ever Protecting Friend of the true believers.

among the 3:69. A faction from People of the desire to lead the true believers Book ye they Surely do not lead astray. astray except themselves, truly they do not perceive it.

3:70. O ye the People of the Book! Why do ye unthankfully disbelieve in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God, while ye are witnesses?

3:71. O ye the People of the Book! Why do ye mix The Whole Truth with the untruth and conceal The Whole Truth while ye have the knowledge?

3:72. Truly a faction from the People among of Book say: "Ye should believe in the Book the Miraculously Revealed Our'an has been that to people who truly believe beginning the at the day, but ye must of disbelieve the at the day, for the purpose that end of the the true may turn back to unthankful believers disbelief:

3:73. Truly ye must not ever truly believe in anyone except for the person who follow vour religion!" Thou must say: "Certainly, the Correct Guidance is the Guidance of The Ever Almighty God!" They say do not believe that anyone else any Book similar to what ye have been can have against ye in given, or that they would argue the Presence of The Eternal Lord and Sustainer of ye!" Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to every one of of Humankind P.m.b.u.h³ must say: "Certainly, the Grace Mighty Hand of The Ever Almighty is in the gives it He God. He to person Wills. any The Ever Almighty God is The Truly Ever A11 Encompassing Everything, The Ever All Knowing!"

3:74. The Ever Almighty God selects for His Mercy any person He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace. 3:75. Truly from among the People of the Book there is a kind of person, if thou entrust him a great amount of wealth, he will return with thee. but from among them there is it to kind of person, if thou entrust him with a dinar, he will not return it to thee one constantly standing over thou him. unless are This is because they say: "There is no obligation concerning the people who over us are unlearned. Truly they speak untruth about The Ever Almighty God, while they have the knowledge.

3:76. Certainly yes! Any person who fulfils his pledge and fears The Ever Almighty God; surely indeed, The Ever Almighty God loves the people who fear The Ever Almighty God.

3:77. Certainly, the people who sell the Covenant of The Ever Almighty God and their oaths for paltry price, they will not have any share a the Eternal Afterlife World and The Ever in Almighty God will not speak to them nor will the Day of Resurrection He look at them on and Judgement nor will He sanctify them, truly they will suffer the painful punishment.

Truly indeed, from among the 3:78. People of the Book there is indeed another party who twist the Heavenly Book with their tongues for the purpose that ye the true believers think may it from the Heavenly Book, but it is not from is the Heavenly Book, and they say: "This is from the Providence of The Ever Almighty God," truly it is not from the Providence of The Ever Almighty God. Truly they speak untruth about The Ever Almighty God, while they have the knowledge.

3:79. It is not in any way fitting for any human being to whom The Ever Almighty God has given the Heavenly Book and the Great Wisdom and Prophethood, thereafter to say to Humankind: "Ye must always be my servants instead of The Ever Almighty God's!" But rather he would say: "Ye must always be devout scholar servants of The Ever Almighty God, because ye have have been teaching the Heavenly Book and because ye have been studying the Heavenly Book yourselves.

3:80. Nor would such a person command ye people to take the Angels and the Prophets as Lords. Would he command ye people unto unthankful disbelief after ye had been Muslims (the people who wholly submit to follow the All Blessed Will and the Commandments of The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe)?

3:81. Remember when The Ever Almighty God took the Prophets: covenant from "Indeed firm the whatever I give ye of the Heavenly Book and the Great Wisdom; thereafter, comes to ye any Messenger sincerely confirming whatever Heavenly ye Book is with ye, indeed must definitely truly believe in such a Messenger and indeed ve must definitely help him. The Ever Almighty God said: "Do ye affirm this, and do ye accept My heavy Commandment on these conditions? Prophets said: "We do affirm!" The Ever The Almighty God said: "Then ye must bear witness. truly I am also with ye one of the witnesses!"

3:82. Truly whoever turns away after this, surely such people will be unthankfully rebellious.

3:83. Do they seek anything other than the submission to the religious laws of The Ever Almighty God, while each and every one who is in all the heavens and the whole earth have wholly submitted only to The Ever Almighty God, willingly or unwillingly; truly only to Him all of them will be returned?

3:84. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "We truly believe The Ever Almighty God and whatsoever has been in Miraculously Revealed to us and whatsoever has been Miraculously Revealed to Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and whatsoever given Moses has been to and Jesus all the and Prophets from The Eternal Lord and Sustainer of them (P.m.b.u.t). We do not make any distinction between any of them and we are Muslims only to Almighty God (the The people Ever who whollv follow the All Blessed Will submit to and all the Commandments of The Ever Almighty God).

any person who Truly seeks 3:85. religion any than Islam (total submission to follow the All other Blessed Will and the Commandments of The True God, accepted from will not be him, truly in it the Eternal Afterlife World he will be one of the losers.

The Ever Almighty be 3:86. How can it that guide such should people who God have their True disbelieved after Faith. unthankfully and witness that Messenger the they had bore is the Supremely Clear Proofs had wholly true, and them? Truly The Ever Almighty God to come does not guide the iniquitous wrongdoing people.

3:87. They are the people whose requital punishment will be that upon them there is the curse of The Ever Almighty God and of the Angels and of the Humankind, together.

3:88. They will remain therein forever, the requital punishment will not be lightened for them nor will they be reprieved.

3:89. Except the people who repent after that and act righteously. Surely indeed, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

3:90. Certainly, the people who unthankfully disbelieve after their True Faith; thereafter, they increase in their unthankful disbelief, their repentance will not be accepted, truly such are the people who have gone astray.

3:91. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they die while they are unthankful disbelievers, surely the whole earth filled with gold will not accepted from any one of them, even if be he save himself with it. Such offered it to people will suffer the painful punishment, truly they will any helpers (on the Final Mighty Day not have of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Ye people will not 3:92. ever attain devout until ye spend from that which righteousness ve whatever ye ever spend from whatever love. Truly thing, surely indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, Creator and The Eternal Lord and Sustainer of The the Entire Universe) is The Ever All Knowing of it.

3:93. All food was lawful to the Children of Israel (P.m.b.u.t) except that which Israel (the Honourable Trustworthy and the Truthful Prophet and the of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) had prohibited to himself before the Torah was Miraculously Revealed. say: "In Thou that case ve must bring must the truthful!" the Torah and recite it, if ye are

3:94. Surely whoever invents untruth about The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Ever Most Merciful. The The Ever Owner of All Glory, The Ever Praise. Most Supremely Holy, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Lord and Universe. of the Entire Universe) even Sustainer after this. truly such people are the iniquitous wrongdoers.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 3:95. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Compassionate, The Ever Gracefully Most Merciful. The Ever All Wise to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God always has spoken The Whole Truth; surely ve Humankind always follow the Religion of must Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close The Ever Almighty God, The Ever Most Friend of The Ever Gracefully Compassionate, Most Merciful. All Wise P.m.b.u.h³; the devoutly true The Ever Monotheist, truly he was not ever of the polytheists.

3:96. Certainly, the first House established for all Humankind is indeed the one in Bakkah, an supremely blessed place and the Guidance for all the Worlds.

3:97. In the supremely blessed House there are Supremely Clear Miraculous Signs, such as the standing place of Abraham (the Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet and and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h). the supremely blessed Truly any person who enters House, he attains peace and security. Truly the Hajj supremely blessed House is the the to prescribed upon Humankind towards The Ever Almighty duty God, for each and every one who is capable to way to the supremely make his blessed House. Truly any person who unthankfully disbelieves, surely Ever Almighty God is indeed, The The Ever Completely Self-Sufficient from all the Worlds.

say: "O ye the People of the 3:98. Thou must Book! Why do ye unthankfully disbelieve in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God; truly is Ever Almighty God The The Ever Present Witness over whatever actions all of ye ever do?"

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 3:99. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O one ve People of the Book! Why do ye prevent the from the Straight Path of The Ever Almighty God person who truly believes, ye the and strive to crooked, while make it seem ye are witnesses? Almighty God Truly The Ever is not ever unaware of whatever actions all of do!" ye ever

people who truly 3:100. 0 the believe! ye obey a party from among ye ever If the People of the Book, they will ve back. turn into unthankful disbelievers. after your True Faith

3:101. Truly how ye the true believers can unthankfully disbelieve while ye are the ones unto the Miraculous Verses of The Ever Almighty whom being recited and Messenger God are His (Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and and the Prophet of The The Ever All Ever Almighty God, Wise to each every one of Humankind P.m.b.u.h is living and among ye? Truly any person who holds powerfully Almighty God, indeed. The Ever surely unto such a person has been guided to the Straight Path.

ye the people who truly believe! 3:102. O Ye The Ever Almighty God as always fear He must the equitable right to be feared, and ye has must ever die except while ye are Muslims (those not wholly submit to follow the All Blessed Will who all the Commandments of The Ever Almighty and Most Gracefully Compassionate, Ever God, The All Wise. The Ever Most Equitable. The Ever The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds).

Surely ye 3:103. the true believers must always hold powerfully to the Rope of The Ever Almighty all together, truly ye must not ever become God divided into sects, and ye must always heedfully remember the Favours and Blessings of The Ever Almighty God upon ye. When ye were enemies. then He created the bond of love between vour surely by His Favours and hearts: Blessings ve brothers. Truly ye were on the edge became of Hellfire, surely The Ever Almighty the pit of the God saved ye from it. In this way The Ever Miraculous Almighty God makes His Verses supremely clear for all of ye, for the purpose that of ye may follow the Heavenly Guidance. all

3:104. Surely from amongst ye the true believers there must always be a party always inviting to all that is good and always commanding to do all that is righteous and always prohibiting from all that is evil; truly indeed such people are the triumphant.

the 3:105. Surely ye true believers must not ever be like the people who became divided into differed. Supremely sects and even after the Clear Proofs Truly indeed had them. come to people will suffer mighty punishment. such the

3:106. the Day (of Resurrection and On Judgement and Requitals and Reckoning and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years? when is some faces will and some faces will turn radiantly white turn black: the people whose faces for will black: as turn ye unthankfully disbelieve after "Did your True Faith? Surely ye must feel the requital punishment solely because ye used to unthankfully disbelieve!"

3:107. Truly as for the people whose faces will turn radiantly white, they will be in the Mercy of The Ever Almighty God. They will remain therein forever.

3:108. These are the Miraculous Verses of The Ever Almighty God, We (The Ever Almighty God, The Ever Living recite them to thee with The Whole The Ever Almighty God Truth. Truly does not ever intend to commit any iniquity to the Worlds.

3:109. Only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth. Truly all matters are always returned only to The Ever Almighty God.

228

3:110. Ye the true believers are the best community for Humankind; ye command brought forth to do righteous ye prohibit all all that is and from evil and ye truly believe that is The Ever in Almighty God. Truly if the People of the Book also believed, it would have been had supremelv People for them. From the of the good among who the true believers, Book there are some are truly most of them are the unthankfully rebellious.

3:111. They will not be able to cause ye the true believers any harm except for some annoyance. Truly if they fight against ye, they will turn their backs upon ye fleeing; thereafter, they will not be helped.

They have stricken by been humiliation 3:112. be, except for the wherever they may Covenant The Ever Almighty God or some treaty from from Humankind. Truly they drew upon themselves wrath Ever Almighty God, and from The misery was was solely because they brought upon them. That to unthankfully disbelieve in the Miraculous used The Ever Almighty God Verses of killed and the Prophets without any equitable right to do SO. solely because they used to defiantly That was disobey and they used to iniquitously transgress.

All of the People of the 3:113. Book are not from among the People of the the same: Book community equitably upright, there is a they recite the Miraculous Verses of The Ever Almighty God during various times of the night and they prostrate (to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe.

3:114. They truly believe in The Ever Almighty God the Final Day (of Resurrection and Requitals), and command to that is righteous do all thev and they prohibit from all that is evil and they hasten to do the righteous good actions. Truly such people are from among the devoutly righteous. 3:115. whatever of righteous good Truly actions surely it will not be do, rejected. they ever Ever Almighty God is The Ever All Truly The Knowing of the righteous people who fear Him.

Certainly, the people who unthankfully 3:116. disbelieve, their wealth and their children will not benefit them against The Ever Almighty God at all. Truly such people will be the residents of the Hellfire; they will reside in the Hellfire forever.

3:117. The likeness of whatever the people who unthankfully disbelieve spend in life the of this present Earthly World is just like the likness wind wherein there is frost which strikes of а of the people, who committed iniquity the harvest themselves, and destroys it. Truly The Ever to Almighty God did not ever commit any iniquity to them, but they committed iniquity to themselves.

the people who truly believe! Ye 3:118. ye 0 as intimate protecting friends ever take must not other than the people who truly believe. The people unthankfully disbelieve will not miss who any chance to ruin ye. They wish ye the true believers severe hardship. Indeed, hatred has become manifest from their mouths, but what their hearts conceal is greater. Certainly, We have made even the Miraculous Verses Supremely Clear to ye the true believers, if ye use your intellect to be equitable.

3:119. Now here ye are believers who the true not love ye, and them, but they do ye love believe every Book. each and Trulv truly in whenever they meet ye, they say: "We truly believe!" But when they are alone, they bite their fingers in ye. Thou O against Muhammad! **The** rage Truthful Honourable the Trustworthy and and the and Prophet of The Ever Almighty God Messenger to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? say: "Ye die in your rage; certainly, The must Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever!"

anything good befalls it 3:120. If ye, always distresses the unthankful disbelievers; but if anything bad afflicts ye, they rejoice at it. Truly if ye remain steadfastly patient and fear The Ever Almighty God, their evil plotting will not harm ve all. Certainly, The Ever Almighty God is always at encompassing whatever actions all of them ever do.

Remember when thou O Muhammad! 3:121. (The and the Trustworthy and the Truthful Honourable and Prophet of The Ever Almighty Messenger God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Equitable to each and every one of the Most Beings P.m.b.u.h left your Family in Human the morning to locate the true believers in their positions for fighting. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

3:122. Remember when two parties from amongst ve lose the true believers were about to heart, truly The Ever Almighty God The Ever Protecting was of them. Surely the true believers Friend must trust in The Ever Almighty God. always put their

231

3:123. Truly indeed The Ever Almighty God has in fact helped ye at Badr when ye were very weak. Surely ye must always fear The Ever Almighty God for the purpose that ye may become thankful.

3:124. When thou said to the true believers: "Is it not sufficient for ye that The Eternal Lord and Sustainer of ye helps ye by sending down three thousand Angels?"

3:125. Certainly yes! If ye the true believers remain steadfastly patient and ye remain the righteous who fear The Ever Almighty God, and these people suddenly come upon ye attacking in rage, The Eternal Lord and Sustainer of ye the true believers will help ye with five thousand Angels distinctly marked.

3:126. Truly The Ever Almighty God has not made it except as the good true news for ye the true believers and for the purpose that your hearts may find contented assurance by it. Truly there is no help except from the Providence of The Ever Almighty God, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

purpose that The Ever Almighty the 3:127. For God (The Ever Most Equitable may cut off а disbelieve the people who unthankfully section of or that they go back defeated. suppress them, SO

Thou O Muhammad! {The Honourable and 3:128. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h have nothing at all do in to this matter, whether Ever Almighty God turns The Mercy punishes them; them in He towards or surely indeed they are the iniquitous wrongdoers.

3:129. Truly only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth. He forgives any person He Wills and He punishes any person He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

3:130. O ye the people who truly believe! Ye must not ever consume usury, double and multiplied. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God for the purpose that ye may become the triumphant.

3:131. believers Truly true the must ye always protect against the Hellfire, vourselves which has been prepared for the unthankful disbelievers.

3:132. Truly all of ye must always wholly obey The Ever Almighty God and the Messenger for the purpose that ye may be awarded Mercy.

Surely ye the true believers 3:133. must always The forgiveness from towards the Eternal hasten Sustainer of and ve and the Everlasting Lord the heavens wide Garden as and the as which has been prepared earth, for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

3:134. The people who spend in prosperity and control their hardship and those who wrath and those who pardon Humankind. Truly The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, God **{**The The Ever All Wise, The Ever The Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal Equitable, Most King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord loves the people who do righteous good actions.

3:135. And those people who, whenever they commit any immorality or commit any iniquity to themselves, they heedfully remember The Ever Almighty God, and they pray for forgiveness for their sins, truly who can forgive sins except The Ever Almighty God? Truly they do not persist in whatever sins they committed, and they have the Heavenly Knowledge.

3:136. Such are the people whose reward is forgiveness from The Eternal Lord Sustainer of them and the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. They will reside in them forever. Truly the reward is supremely delightful for those who do righteous work.

3:137. Many ways of life have indeed passed away before the time of ye people, surely ye may travel in the earth, then ye must observe how was the Final End of the people who unthankfully denied.

This Book Qur'an is the Ever 3:138. Supremely for each and Clear Statement of every one the Heavenly Guidance and Humankind, and the Admonishing Instruction for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

3:139. Truly ye must not ever lose heart and ye must not ever grieve, truly ye will be the victorious if ye are the true believers. 3:140. If ye people have suffered injuries, truly other people too have suffered injuries just indeed like it. These are the days which We rotate among Humankind, and for the purpose that The Ever Almighty God may make evident the people who truly believe and He may take from among ye those who bear witness. Truly The Ever Almighty not love the iniquitous wrongdoers. God does

3:141. And for the purpose that The Ever Almighty God may purify the people who truly believe and He may destroy the unthankful disbelievers. 3:142. Do ye people really think that ye will the Everlasting Garden, while The Ever enter Almighty God has not yet made evident those ye who strive hard in the Straight from among of The Ever Almighty God, nor has He made Path evident those who are always steadfastly patient?

Truly indeed people 3:143. ye wished for death met it; but before now people have ye ye it, seen ye are observing. indeed and

Truly Muhammad (P.m.b.u.h) is not in 3:144. any way except the Messenger; indeed many Messengers have passed away before him. So, if Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) passes away or he martyred, would ye the true believers is turn back your heels (to unthankful disbelief after on your True Faith?? Truly any person who turns back on heels will not ever cause any loss The his to Ever Almighty God at all. Truly The Ever Almighty God will eventually reward the thankful people.

3:145. Truly it is not in any way for any person to die except by the Command of The Ever Almighty God. The time of death is predetermined in writing. Truly any person who desires the reward of this present Earthly World, We will give him thereof. any person who desires in the but reward the Eternal Afterlife World, We will give him thereof. Truly We will eventually reward the thankful people.

3:146. Truly how many the Prophet has there alongside with whom fought many devout been. scholars. did not Surely they religious ever lose due to whatever afflicted them in the heart Straight Path of The Ever Almighty God and they did not ever weaken and they did not The Ever Almighty God loves yield. Truly ever the people who are always steadfastly patient.

3:147. Truly their words were not in any way except that they said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please forgive us our and the excesses committed in our matters sins and Thou please make our feet firm and Thou please help us against the unthankful disbelieving people!"

3:148. Surely The Ever Almighty God gave them the good reward of this present Earthly World, and also the supremely good reward of the Eternal Afterlife World. Truly The Ever Almighty God loves the people who do righteous good actions.

ye the people who truly believe! If 3:149. O ve ever obey the people who unthankfully disbelieve, they will turn ye back on your heels {to unthankful disbelief after your True Faith in in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books and His Messengers the Final Mighty Day of Resurrection and and and Requitals in Eternal Judgement the Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years), and ye will turn back as losers.

3:150. But in fact The Ever Almighty God is The Ever Protecting Friend of ye the people who truly believe, truly He is The Ever Best of Helpers.

3:151. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The The Eternal King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the and Sustainer of the Entire Universe? Lord will eventually cast terror into the hearts of the people who unthankfully disbelieve solely because they have associated others as gods with The Ever Almighty God which He has not Miraculously revealed any for binding authority. Truly their Eternal Home all will the Hellfire; truly the eternal place of residence be is extremely evil for the iniquitous wrongdoers!

3:152. Truly indeed The Ever Almighty God has in fact fulfilled His Promise to ye the true believers when ve were destroying the unthankful disbelievers by the Command of The Ever Almighty God, until ve were disheartened and ve started disputing about Command, and ye disobeyed after The Ever the Almighty God had shown ye that which ve love. From among ye there were some who desired this present Earthly World and from among ye there some who desired the Eternal Afterlife World. were Thereafter, The Ever Almighty God turned ye back from them for the purpose to test ye. Truly The Ever Almighty God has fact indeed. in forgiven all of ye. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Gracious to the true believers.

When ye were fleeing and ye 3:153. did not even look back at anyone and the Messenger was calling out to ye in your rear party. The Ever Almighty God repaid ye with distress upon distress for the purpose that ye would not grieve over whatever escaped ye or over what had befallen ye. Truly The Ever Almighty God is The A11 Ever of whatever actions all ye ever do. Aware of

3:154. Then after distress, The Ever Almighty God sent down upon ye peaceful security in the form of a slumber, overcoming a party of ye, while another party was caring only for themselves, they thought about The Ever Almighty God contrary to thoughts the truth; the of ignorance. Thev said: anything to do in the matter?" Thou "Have we 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and of the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever The The Ever Most Merciful, The Ever Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer Wise. All of each and every one of Entire Universe to the P.m.b.u.h must say: "Certainly, every Humankind matter belongs only to The Ever Almighty God!" and minds, that which They conceal in their hearts they do not reveal to thee. They said: "If we had do in the matter, none of us would anything to have been killed here!" Thou must say: "Even if ve people had been inside your homes, those for whom being killed was decreed would have indeed gone forth to the exact place of their death!" And for the purpose that The Ever Almighty God may test whatever is in your chests, and for the The Ever Almighty God may purify purpose that whatever is in your hearts. Truly The Ever All The Ever Knowing Almighty God is of Everything that is in each and every chest ever.

3:155. Certainly, the people from amongst ye who fled on the day when the two armies met in battle, it was only devil Satan who caused them to slip because of something that which they had earned. But, indeed The Ever Almighty God has already forgiven them. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Forbearing. 3:156. O ye the people who truly believe! Ye must not ever be like the people who unthankfully disbelieved and they said about their brothers when they travel in the earth or they went out to fight: "If only they had stayed with us, they died nor would they have would not have been Ever that killed!" For the purpose The Almighty God may make such thoughts a source of regret Truly only The in their hearts. Almighty Ever gives life and He Alone causes God death. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ye ever do.

3:157. Truly indeed, if ye Humankind are killed in the Straight Path of The Ever Almighty God or ye die; indeed Forgiveness from The Ever Almighty God and the Mercy are supremely better than all the wealth all Humankind ever accumulate.

3:158. Truly indeed, whether ye Humankind die or ye Humankind are killed, indeed, all of ye Humankind will be gathered unto The Ever Almighty God.

3:159. Truly by the Mercy from The Ever Almighty God thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h have dealt with them gently. and harsh But if thou had been rude hearted. they would have dispersed from round about thee. Surely thou must pardon them and thou must pray for forgiveness for them and thou must consult matter. But, whenever thou take them in the any decision, then thou must always put your trust in The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God loves the people who put their trust in Him.

3:160. If The Ever Almighty God helps ve Humankind, surely none can ever overcome ye; but Ever Almighty God if The abandons ye, then is the who can help Humankind one ye who His abandoning? Surely the true believers after always put their trust in The Ever Almighty must (The Ever Most Gracefully Compassionate, The God Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?

3:161. It is any way for any not in Prophet guilty of embezzlement. Truly any person to be embezzles will with come whatever he who Day of Resurrection the embezzled on and Judgement. Thereafter, every person will be paid full for whatever actions he earned in ever they will not be treated with iniquity. and any

follows So the who 3:162. is person the All Blessed Delight of The Ever Almighty God just like the person who brings upon himself the wrath The Ever Almighty God, and his Eternal from Home is Hell? Truly that is an evil destination.

3:163. All of them have different grades in the Sight of The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions each and every one of Humankind ever do.

The Ever Almighty God 3:164. Indeed. has in Favour upon Mighty fact awarded the the true when He sent among them the believers Messenger among themselves, the Messenger recites from to Miraculous Verses of The Ever Almighty them the teaches sanctifies and he them and he them God the Heavenly Book and the Great Wisdom; for sure before this they were indeed in the clear straying.

3:165. Why is it that when a single disaster struck ve the people who truly believe, although ye had indeed struck twice as much, ye said: "How did this happen?" Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "It is from yourselves!" Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

3:166. Truly whatever struck ye the true believers on the day when the two armies met in battle, was then by the Command of The Ever Almighty God, and for the purpose that The Ever Almighty God may make evident the true believers.

3:167. As well for the purpose that The Ever as Almighty God may make evident the people who committed hypocrisy. Truly it was said to them: "Ye must come and fight in the Straight Path of The Ever Almighty God or ye must defend!" They said: "If we had known about the fighting, we would have indeed followed ye!" Upon that day they were closer to unthankful disbelief than True Faith. They were saying with their to the which was mouths that not in their hearts. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything all of them ever conceal.

3:168. The people who said about their brothers while they themselves stayed behind: "If only they had obeyed us they would not have been killed!" Thou must say: "Then ye people should avert death from yourselves, if ye are the truthful!" 3:169. Truly ye must not ever think of the people Straight killed in the who been Path of have dead people. Ever Almighty God as The But in alive with The Eternal Lord fact, they are and Sustainer of them, they are receiving sustenance.

because 3:170. They rejoicing of the are Favours and Blessings The Ever Almighty God has awarded and they His them from Grace. receive the about the people news after good true them yet joined them, that have whom not no fear will come upon them, nor will they grieve.

3:171. They are rejoicing at the Favours and Blessings and the Grace from The Ever Almighty God; for sure The Ever Almighty God does not ever allow the reward of the true believers to be lost.

The people who wholly 3:172. complied to the of The Ever Almighty God Commandments {The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Ever All Glory, The Most Owner of Supremely The Ever All Wise, The Creator Holy, and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe the Messenger even after they had sustained and injuries. For those from among them who did righteous good actions and feared The Ever Almighty God, such people will have the mighty reward.

3:173. The ones to whom the people said: "Certainly, the people have gathered against all of ye, therefore, all of ye should fear them!" But that merely increased them in the True Faith, and they said: "The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient for us, truly He is The Most Excellent Protector!" 3:174. Surely they returned with the Favours and Blessings from The Ever Almighty God and harm having touched them. Grace, no truly they the All Blessed Delight of followed The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace.

only the devil Satan who urges 3:175. It is ye his evil friends. Surely fear ye to must not of ever fear them. but all ye must always fear only Me, if ye true believers. are the

3:176. Thou O Muhammad! (The Honourable and the and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy The Ever Almighty God to each of and every one of Humankind P.m.b.u.h must be not ever grieved by the people who hasten into unthankful disbelief. Certainly, they cannot ever cause any loss Ever Almighty God at all. The The Ever to that He will Almighty God intends not assign for them any share in the Eternal Afterlife World, truly they will suffer the mighty punishment.

3:177. Certainly, the people who purchase unthankful disbelief in exchange for the True Faith cannot ever cause any loss to The Ever Almighty God at all. Truly they will suffer the painful punishment.

the people who unthankfully 3:178. Truly disbelieve think that We should not ever the more time Almighty God, The Ever Most The Ever Gracefully Compassionate, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe give and them something good We give is for them. them more time only so that they may increase in sin. Truly they will suffer the humiliating punishment.

3:179. The Ever Almighty God would not leave condition ye true believers in the the in are presently until He separates the evil from the good. Nor would The Ever Almighty God reveal to ye Humankind the knowledge of the Unseen. But The Ever Almighty God chooses from His Messengers whoever He Wills. Surely ye Humankind must always truly believe in The Ever Almighty and each and every one of His Messengers. God Surely if ve Humankind truly believe and become the righteous who fear The Ever Almighty God, surely ye will have the mighty reward.

3:180. Truly the people who miserly with are whatever The Ever Almighty God has awarded them His Grace must not ever think from that it is good for them. But in fact, it is extremely bad for them. Eventually whatever they are miserly with be hung around their necks the Day on will of Resurrection and Judgement. Truly only to The Ever Almighty God belongs the heritage of all the whole The the earth. Truly heavens and Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions each and every one of ye ever do.

3:181. Indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the in fact heard Entire Universe has the statement of said: "Certainly, The Ever people who have the Almighty God is poor while we are rich!" We will eventually write down whatever they have said killing of the Prophets without equitable their and right to do so, truly We will say: "Ye must feel the requital punishment of the Burning Hellfire!"

3:182. This requital punishment is solely because of whatever evil actions your hands have sent forward; truly indeed The Ever Almighty God does not ever commit any iniquity to His servants.

3:183. The people who say: "Certainly, The Ever has taken our promise God Almighty not to truthfully believe in any Messenger unless he brings us an offering to be consumed by the fire from heaven!" Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h?; must say: "Indeed, there came to ye people, Messengers before with the Supremely Clear Proofs and even with me that of which ye people speak of; then why did ye kill the Messengers, if ye are the truthful?"

3:184. Then if they unthankfully deny thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h); surely indeed, many Messengers were unthankfully denied before thee, those Messengers who brought the Supremely Clear Proofs and the Written Ordinances and the Supreme Enlightening Book.

3:185. Each and every person will feel death. the Day of Resurrection Truly only on and Judgement each and every one of ye Human the Beings will be paid your requital rewards in full. Certainly, any person is saved from Hellfire the and is made to enter the Everlasting Garden, surely indeed, such a person has gained the mighty victory. Truly the life of this present Earthly World is nothing except beneficial provisions that deceive.

3:186. Indeed, ye the true believers will be tested in your wealth and in yourselves. Truly indeed ve the true believers will hear much that is hurtful people who were given the Heavenly from the Book before ye and from the people who commit Surely if ye the true believers remain polytheism. steadfastly patient and ye remain the righteous The Ever Almighty God; surely who fear these of the most important righteous works. are some

3:187. Remember when The Ever Almighty God firm covenant the people who from took the given the Heavenly Book, saying: "All of were ve Heavenly Book supremely clear make the must to Humankind, and ye must ever not conceal the they threw Heavenly Book. But firm the covenant behind their backs and they sold it for a paltry price. Truly that which they gained is evil.

true believers 3:188. Ye the must not ever the people who rejoice with whatever think that have come they with, up works and they for love be praised the works they have to surely ye must not think ever that not done. in safety from the requital they are punishment. Truly they will suffer the painful punishment.

3:189. Truly the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth belongs only to The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

3:190. Certainly, in the creation of all the heavens whole earth alternation the and the of and the night and the day there are indeed Miraculous Signs for the people who have the intelligent hearts.

The people who remember The Ever Almighty 3:191. standing and sitting and lying God while on they think deeply their sides. and about the all the heavens of and the whole creation earth: "Thou The Eternal Lord Sustainer of and have not created all this us! Thou without Glory complete with equitable purpose. All holiness is only to Thee! Therfore, Thou please save us requital punishment of from the the Hellfire Final Mighty Day of Resurrection ∲on the and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World).

Eternal Lord 3:192. Thou The and Sustainer of every person Thou Certainly. each and us! cause the Hellfire, surely indeed him to enter Thou have truly disgraced him. Truly for the iniquitous wrongdoers there will not be any helpers.

The Eternal Lord and 3:193. Thou Sustainer of Certainly, we have attentively heard us! the True Faith. calling Caller the us to saying: Humankind "Ye always must truly believe in Lord Sustainer of ye!" The Eternal and Surely have truly believed. Thou The we Eternal Lord of us! Therefore, Sustainer Thou please and and Thou please forgive sins absolve us our from evil us all our actions and Thou please to die along with the righteous people. help us

The Eternal Lord Thou and Sustainer of 3:194. all that which us! And Thou please award us have promised to us through your Messengers Thou Thou please disgrace and do not us on the Day Resurrection and Judgement. Certainly, of not ever go against your Promise!" Thou do

3:195. Surely The Eternal Lord and Sustainer of them accepted their Prayer, saying: "Certainly, I do any righteous work of any worker not ever allow amongst ye to be lost, whether there from is a male or female; some of ye being part of Surely the people who emigrated the other. and they were expelled from their homes and they suffered persecution in My Straight Path and they fought and they were killed, indeed I will definitely absolve from them all their evil actions them to indeed I will definitely cause and enter the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. reward from the Providence of The the Ever as Almighty God. Truly The Ever Almighty God supremely good reward. has in His Providence the

3:196. Truly thou (each and every person from among the Human Beings who truly believes in The Ever Almighty God and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals) must not ever be deceived by the moving about in the land of the people who unthankfully disbelieve.

3:197. It is very small beneficial provisions. Thereafter, their Eternal Home will be Hell. Truly Hell is an extremely evil place of residence.

people who 3:198. But the righteous feared Sustainer of Lord and Eternal will The them have the Everlasting Gardens which rivers beneath flow, they will remain in them forever. It will Honourable Hospitality from the Providence be the Ever Almighty God. Truly of that which The is Providence of The the Ever Almighty God in is supremely good for the righteous people.

248

3:199. Truly indeed, from among the People of who truly indeed those Book there are the The Ever Almighty God and believe in whatsoever Miraculously Revealed to ye the has been true believers and whatsoever has been Miraculously being fearfully humble Revealed to them, always to Ever Almighty God. They do The not ever sell Miraculous Verses of The Ever Almighty the God a paltry price. Such are the people who for will have their reward with The Eternal Lord Sustainer of them. Certainly, The Ever Almighty and God is swift in taking the Reckoning Account.

who O ve the people truly believe! 3:200. Ye always be steadfastly patient and ye must must always steadfastly persevere and ye must always firmly stand your battleground. Truly all of ve always fear The Ever Almighty God for must the purpose that ye may become the triumphant.

and every 4:170. O ye each one of Humankind! there has come ye the Indeed. Messenger to Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the and every Almighty God to each one of The Whole Humankind P.m.b.u.h) with Truth from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely all of ye must always truly believe; it is supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve; surely indeed, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and the whole earth. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise. always 55:55. Then which the Favours Blessings of and ye, Eternal Lord and Sustainer of of The will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

4: Sûrah Chapter Al-Nisa The Women M.V. 176

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

ye each and every 4:1. one of Humankind! 0 must always fear The Eternal Lord Ye and Sustainer of ye, The God Who has created each every one of ye Humankind from single and a person (Adam P.m.b.u.h) and He created from Adam his wife (Eve P.m.b.u.h) and from Adam and Eve The Ever Almighty God spread great numbers of women. Truly each and of and every one men ye Humankind must always fear The Ever Almighty God, The God in Whose Name ye appeal to Certainly, The Ever another, and the wombs. one Almighty God (The Creator of the Entire Universe, Ever All Wise) is The Ever All Watchful The Over each and every one of ye Humankind!

ye Humankind must always give 4:2. And to orphans their wealth and ye Humankind must the ever exchange bad things for good things. not Humankind must not And ye ever consume the wealth of the orphans with your wealth. own Certainly, that is an enormous sin.

Surely if ye the the true believers fear that 4:3. be able deal equitably with the ve will not to girls, then ye may marry other women orphan who are pleasing to ye, two or three or four. if ye the true believers that people fear ye But deal equitably, will able then not be to marry only ye or those women own slaves. woman as This is nearer to prevent ye from doing inequity.

250

4:4. And ye the true believers must always give the women their bridal gifts upon marriage graciously. But if they are willingly to give ye some of it, then ye may take it in satisfaction and ease.

4:5. Truly ye must not ever give to the feeble-minded your wealth assets, which The Ever Almighty God has made for ye a means of support, but ye must provide sustenance for them from it, and clothe them and speak to them with words of righteousness.

ye people must test the orphans 4:6. And until they reach marriageable age. Then if ye perceive in sound judgement, then them ye must hand over wealth assets to them. And ye their must not ever consume it excessively and quickly, thinking that they will grow up. Truly if the guardian is wealthy, then he should abstain from the wealth assets of the orphans; but if the guardian is poor, then he should use it with righteousness. Then when ye people hand over their wealth essets to orphans, then ye must call witnesses the upon them. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient to take the Reckoning Account.

4:7. Men must have a share in whatever their parents and close relatives leave behind, and women must have a share in whatever their parents and close relatives leave behind, whether the inheritance is small or large, this is a mandatory share.

4:8. Truly whenever other relatives and orphans the needy people are present at the and time distribution, then give ye of must them something from the inheritance And too. must ye always speak to them with words of righteousness.

251

Truly those people should fear as if 4:9. they had weak offspring behind, they would fear for left Therefore, they should always fear The Ever them. Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Universe. The Creator Entire and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe. and and thev should always speak words of appropriate kindness.

4:10. Certainly, the people who consume the wealth orphans iniquitously, they consume nothing of the bellies except Hellfire. Truly they will in their burned eventually be Blazing Hellfire in the Mighty Day of fon the Final Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Ever Almighty God Commands 4:11. The ve the true believers concerning your children: for the son share is equal to the share of two the daughters. than daughters, if more But there are two then thirds them there is two for all of of the inheritance. But if there is only one daughter. then for her is half. And for the parents of deceased, to each one of them there the is a sixth share of his inheritance if he left children. But if he had no children and the parents inherit from him, then for his mother is one third. had brothers, then for And if he his mother is a sixth, after any bequest he made or any debts. Your parents and your children, ye people do not know which of them are nearest to ve in an obligation imposed benefit. It is by The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:12. Surely for ye the true believers there is half of whatever inheritance your wives leave if they no children. But if they have children, have then for ye is one fourth of whatever inheritance they leave, after any bequest they made or any debts. wives there is one And for the fourth of inheritance ye leave whatever if ve have no children. But if ye leave children, then for the wives there is an eighth of whatever inheritance ve leave, after any bequest ye made or any debts. And if a man or woman dies leaving no children or parents but he has a brother or sister. a then for each one of them there is one sixth of if they are more the inheritance. But than one then sister. they third brother and share one them, after any bequest which between made was any debts, making sure that no loss is or caused. This is the Commandment The Ever from Almighty God, truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever Most Forbearing.

4:13. These are the decreed limits set by The Ever Almighty God, truly whollv any person who obeys The Ever Almighty God and His Messenger, will him enter into the Everlasting He make Gardens beneath which rivers flow. They will reside them forever; truly this is the mighty victory. in

4:14. Truly any person who disobeys The Ever Almighty God and His Messenger and transgresses decreed limits, Ever Almighty His The God (The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire The Eternal Lord and Sustainer Universe, of the Entire Universe will make such a person enter into Hellfire, he will reside in the Hellfire the forever: the humiliating punishment. he will have and

4:15. Truly those of your women who commit immoral act; then, take the testimony of four witnesses from amongst ye against them. So, if they bear witness to their guilt, then confine the guilty women to houses until death comes to them or The Ever Almighty God ordains for them another way.

And if any two men from 4:16. among ve immoral who commit act. then ve the true believers must punish both of them. if But them repent and both of act righteously. leave both then must of them alone. ye Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

accepting of repentance by The Ever 4:17. The Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Mighty, The Ever Owner of the Most Ever Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe is only for the people who commit evil act in ignorance, then soon afterwards. Surely such they repent are the people from whom The Ever Almighty God will accept their repentance, truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

accepting of repentance is not Truly the 4:18. for the people who continue to commit evil actions up until, when death comes to one of them sinners. says: "Now I repent," nor of the people he who they are unthankful disbelievers. die while Such the people for whom We (The Ever Almightyt are God) have prepared the painful punishment.

ye the people who truly believe! 4:19. O It lawful for inherit ve is not to women by must not compulsion. And ever make difficulties ye wives in order take for your back to some of bride gift ye gave them, except in case they commit a clear immorality. And ye must live with righteousness. if ye dislike wives with So. vour ve dislike something, them, then perhaps and The Ever Almighty God (The Ever Most Gracerfully The Compassionate, Ever Most High, Ever The The Ever Most Mighty, Ever All Wise. The Most Holy, The Ever Most Trustworthy, The Supremely and Sustainer of the Ever Supremely Eternal Lord The Honourable Throne, Ever Most Truthful. The Most Equitable, The Ever Owner of All Glory, Ever Ever Most Excellent Helper, The The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe makes therein an abundant good.

intend to 4:20. But if ye replace wife with one another wife given ye and have one of your wealth, great of ye amount then wives a must anything of it. take back Would not ever ye take it by means slander and clear sin? of

how could 4:21. Trulv ye take it while ve have each other in lain with marital relationship and also taken from ye the firm promise? they have

Truly ye must those women marry 4:22. not ever married, fathers with the whom your exception already past. Certainly, of whatever has it was immorality and hateful and evil path. an an

4:23. Prohibited to all of ye for marriage are your daughters and your sisters mothers and your of your father and the and sisters sisters of the and the daughters of your mother brothers your daughters your sisters of and and your foster who have suckled and mothers ve your foster suckling and mothers through of your wives sisters stepdaughters under your guardianship born and your of your women with whom ye have had marital ye did not if relationship. But have marital relationship with them. then there is no sin upon wives of the your And who are ve. sons own loins, from that ye your and take two sisters simultaneously with exception of whatever the past. Certainly, already The Ever Almighty God has Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Generous. The Ever Most Kind. The Creator of Everything Everywhere, The Ever Owner of All of All Praise, The Ever Owner Glory, The Ever The All Seeing of Everything, Self-All Ever The Ever Most Trustworthy, Sufficient Self-Reliant. Ever Most Truthful, The Ever All Knowing of The Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Ever Most Beautiful. The Ever Helper. Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Supremely Holy, The The Ever Most Names. Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the The Eternal Owner Entire Universe. of All Honour, Eternal The Ever Most Good. The Creator and The Sustainer of the Entire Universe is Lord and The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:24. And all women who are already married, except for those women ye own as slaves. This is the Decree of The Ever Almighty God upon all of ye. Truly lawful to all of ye are all other women beyond these women, so long as ye seek the women marriage, with bride gifts from your in wealth. for lawful wedlock not fornication. looking for Therefore whatever ye enjoy women through the privilege of marriage, then ye must give them their due bride gift as an obligation. Truly there is no upon ye for whatever ye mutually agree to sin beyond the obligation. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:25. And whoever from among ye do not have marry free believing women, then the means to marry from those believing women ve own them as slaves. Truly The Ever Almighty God is The Ever Knowing about your True Faith. Some of All ve some others. Therefore, ye may marry are from them with the permission of their guardians, and must give them their bride gifts with ve righteousness; making them lawfully married women, committing fornication, and they must not not take boyfriends. But once they are sheltered in marriage, if they commit adultery, then for them punishment is half that for the free women. the This is for any person from among ye who is fearful of indulging in sin, but to be steadfastly better for ye. Truly The Ever Almighty patient is God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of Ever All Wise, The All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

The Ever Almighty God intends to make supremely 4:26. to ye Humankind and guide ve the clear to good who have passed people of the before ways ve. and turn to ye in Mercy. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

Truly The Ever Almighty God (The Ever Most 4:27. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The The Eternal Lord Sustainer of Creator and and the Universe *intends* Entire to turn to ve Humankind Mercy, the people iniquitous in but who follow desires intend that ye deviate; the mighty deviation.

Ever Almighty 4:28. Truly The God intends to the burdens for all of lighten ye Humankind; truly the Human Being weak. has been created

people who truly believe! Ye 4:29. Ο ve the must other's property unjustly, not ever consume each but only if it is a trade by your mutual consent. And ye must not ever kill each other. Certainly, The Ever The Ever Most Merciful Almighty God is to ye.

4:30. Truly each and every person who commits of things transgression these out and iniquity, will eventually burn Hellfire. We him surely in Truly this easy for The Ever Almighty God. is

4:31. If ve Humankind avoid the major sins. prohibited, those sins from which ye are We Almighty God, The Ever Most Gracefully (The Ever The Ever Most Equitable, Compassionate, The Eternal King of the Universe, The Creator Entire and The Lord Sustainer of Entire Universe } Eternal and the your and will absolve from ye minor sins We will the honourable entrance. cause ye to enter

4:32. And ye Humanlind must not ever wish for by which The Ever Almighty God has made that ye superior over the others. For of all some of whatever actions they there is a share men there is earned. and for all women have a earned. Truly share of whatever actions they have ask The Ever Almighty God Humankind must ve Grace. Certainly, The Ever Almighty from His The Ever All Knowing of Everything. God is Truly for each and every one We have made 4:33. to whatever is left behind by the parents heirs and the relatives. And to the people with whom ye have made your pledges, surely ye must give share. Certainly, The Ever them Almighty their God is The Ever Present Witness Over Everything.

4:34. Men are protectors and managers of women because The Ever Almighty God has made some of them superior over the other and because they spend their wealth. Surely the righteous women from are devoutly obedient. They safeguard their husband's interests in their absence whatever The Ever Almighty God orders them to guard. But those wives from whom ye fear defiance, then first ye must admonish them: and forsake them in bed; and finally punish them. But if they obey ye, then ye must not ever look for any way against them. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most High, The Ever Most Great.

4:35. Truly if ye fear dissension between the husband and wife, then ye must appoint a mediator from the man's family and a mediator from the woman's family. If both of them desire reconciliation, The Ever Almighty God will create harmony between both of them. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Aware.

Truly ye Humankind must always worship 4:36. The Ever Almighty God and ye must only not anything whatsoever as associate god ever a Him, and always be kindly good to with the parents and to the relatives and the orphans and all those are needy, and the neighbour who who and the neighbour who is is farther away. near companion at your side and to the and the those ye own as traveller and slaves. Certainly, Almighty God does Ever not love The any is self-deluded and constantly boastful, person who

people who miserly 4:37. The are and they command others to be miserly, and they conceal Ever The Almighty God given the wealth has (The Ever His Grace; truly We them from Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have prepared for the unthankful disbelievers the humiliating punishment.

4:38. And also the people who spend their wealth only to show off to Humankind, and they do not truly believe in The Ever Almighty God nor in the Final Day. Truly any person to whom the devil Satan is a companion, surely he is an evil companion.

would have come 4:39. Truly what harm upon Humankind if they had truly believed in The Ever Almighty God and the Final Day (of Resurrection and Requitals Judgement and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? spent from whatever The Ever Almighty God and provided for them? Truly The Ever Almighty has God is The Ever All Knowing of all of them.

4:40. Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Equitable, The Eternal King of Most the Entire commit iniquity even Universe } does not ever as weight of an atom. if the Trulv much as a good action He always multiplies it, there is gives from Himself the mighty reward. He and

4:41. Surely how will it be when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) will bring from every community the witness, and We will bring thee as the witness over these people?

that Day, the people who 4:42. Upon unthankfully disbelieved and disobeved the Messenger will dearly the earth could be leveled with them. desire that they will not able to Truly be conceal even a single statement from The Ever Almighty God.

ye the people who truly believe! Ye 4:43. 0 ever come anywhere near the Prayer must not are intoxicated until ye know what while ve ve are saying, nor when ye are in a state of major ritual impurity, except ye merely pass through the Mosque, until ye have washed your whole body. But if ye are sick or on a journey, or any one from the place of relieving himself, of ve comes had touched women ve have and ve or cannot find any water, then clean yourselves by using soil, wipe therewith your good SO faces and Certainly, The Ever Almighty God is your hands. The Ever Most Pardoning, The Ever Most Forgiving.

4:44. Have thou not considered towards the people who were given a portion of the Heavenly Book, they purchase error and they dearly desire that ye the true believers go astray from the Straight Path.

261

4:45. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of the enemies of ye; truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Ever Protecting Friend and The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Helper.

4:46. From among the Jews there are people who distort the words from their proper places and they say: "We have heard and we disobey," and "Hear without being heared," and "Raa'ina," with a twist of their tongues and defaming the religion. Truly if only they had said: "We have heard and we wholly obey," and "Hear," and, "have patience with us," it would have been supremely better for them and more proper. But The Ever Almighty God has cursed them solely because of their unthankful disbelief; surely they do not believe, except very little.

4:47. O ye the people who have been given the Book! Ye must truly believe in this Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe) have Miraculously Revealed, this Qur'an sincerely confirms the Heavenly Books which are with ye, before We obliterate faces and turn them toward their backs, or We curse them just like We cursed the people who broke the Sabbath. Truly the Decree of The Ever Almighty God is always accomplished.

4:48. Certainly, The Ever Almighty God does not forgive the association of anything whatsoever as a god with Him, but He forgives anything apart from that for any person He Wills. Truly any person who associates anything whatsoever as a god with The Ever Almighty God, surely indeed such a person has committed the mighty sin.

thou not considered the people 4:49. Have who for themselves sanctity? But in claim fact. The Almighty God sanctifies any Ever He Wills: person iniquity will not be committed truly to them the husk much of even as as a date stone.

O Muhammad! (The 4:50. Thou Honourable and the the Truthful Messenger and Trustworthy and Prophet Almighty God. The of Ever Ever The Most Equitable, The Ever Living, The Eternal Lord and of the Entire Universe to each Sustainer and everv of the Human Beings P.m.b.u.h must observe one how they invent untruth about The Ever Almighty God, truly this is sufficient as the clear sin.

not considered the people 4:51. Have thou who given a portion of the Heavenly Book. Thev were in superstition and fake gods, and believe they say unthankfully disbelieved: people who have about the people rightly guided "These are more than the believed **∲in** people who have truly The Ever The Most Almighty Mighty God. Ever His and Messengers His Books His Angels and and and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals Rewards and and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

are the people whom 4:52. Such The Ever Almighty truly God has cursed: each and every person Ever Almighty God has cursed, The whom surely will not ever find for him any helper. thou

4:53. Or do they have a share of the Kingdom? Surely in that case they would not give to Humankind even as much as the groove of a date stone.

263

4:54. Or do they envy Humankind for whatever The Ever Almighty God has given them His from Truly indeed We gave the Grace? Descendants of Abraham (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet and the Close the Ever Almighty God, The Ever of The A11 Friend Heavenly Book Wise P.m.b.u.t the and the Great Wisdom, and We gave them the mighty kingdom.

4:55. Surely some from among the Descendants of Abraham (P.m.b.u.t) truly believed in the Heavenly Book and the Great Wisdom, and some from among the Descendants of Abraham (P.m.b.u.t) turned away from the Heavenly Book and the Great Wisdom. Truly the Hell is sufficient as the Blazing Hellfire.

4:56. Certainly, the people who unthankfully disbelieve in Our Miraculous Verses, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) will eventually burn them in the Hellfire. Every time their skins are burnt completely, We will replace them with other new skins for the purpose that they may feel the requital punishment. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

4:57. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful. The Equitable, The Ever Most Most Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) will eventually make them to enter into Everlasting Gardens beneath which rivers flow. the they will reside in them forever. They will have spouses of perfect purity, and We will therein enter into pleasant deepening shade. make them to

4:58. Certainly, The Ever Almighty God Commands true believers that ye must always render ve the trusts to whoever they are equitably due, and whenever true believers judge between Humankind, the ve must always judge with equitable that ye justice. The Ever Almighty God Certainly, Admonishingly with which believers Instructs that ve the true Certainly, The Ever Almighty God is most excellent. Ever All Hearing, The Ever All Seeing. is The

4:59. O ye the people who truly believe! Ye must always wholly obey The Ever Almighty God and ve must always wholly obey the Messenger and those who have the authority to command from among ve. if ye ever dispute over any matter, But then ve must always refer it to The Ever Almighty God and the Messenger, if ye truly believe in The Ever Almighty God and the Final Day. This is supremely better and supremely good in the final result.

O Muhammad! {The Honourable 4:60. Have thou and and the Truthful Trustworthy the Messenger and The Ever Almighty God to Prophet of each and one of Humankind P.m.b.u.h? every not considered the people who claim that they truly believe in been Miraculously Revealed to thee whatsoever has and whatsoever was Miraculously Revealed before thee? Yet they still intend to go for judgement to the evil although they have indeed been Commanded tvrants. disbelieve in them; but the devil Satan to intends straying far far to lead them astray; away.

4:61. Truly when it is said to them: "Come to whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed and to the Messenger," thou see the hypocrites turning away from thee in aversion.

265

4:62. Then how is it when the hypocrites are any disaster solely because with stricken of evil actions their hands have whatever sent ahead: thereafter, they come to thee swearing oaths bv God: "We The Ever Almighty did not intend anything except to do good and achieve harmony!"

4:63. Such are the people of whom The Ever Almighty God know very well whatever is in their hearts; surely thou must turn away from them, but thou must admonishingly instruct them, and thou must say to them about themselves far-reaching actual words.

4:64. Truly We (The Ever Almighty God did not any Messenger except that he always must be send wholly obeyed by the Command of The Ever Almighty God. Truly if, when they committed iniquity to themselves, they had come to thee 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h), then prayed for forgiveness The Ever Almighty God, and the Messenger from had prayed for forgiveness for them, indeed, they would have found The Ever Almighty God, The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

Surely never! By The Eternal Lord 4:65. and Sustainer of thee, Humankind will not truly believe they make thee O Muhammad! (The Honourable until Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet P.m.b.u.h) the judge concerning each and of dispute among themselves. every matter and find within their Thereafter, they do not hearts minds any resistance to whatever and thou have judged, and they submit with total submission.

Truly if We (The Ever Almighty God, The Ever 4:66. Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe, had decreed upon saying: "Ye must kill yourselves" "Ye them or leave your homes," they would not must have except for few of them. done a truly if so. had done whatever they were Admonishingly thev Instructed to do, it would have been supremely good them and stronger confirmation of their Faith. for

4:67. Truly then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) would have indeed given them the mighty reward from very close to Us.

4:68. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) would have definitely guided them to the Straight Path.

Truly each and every person who wholly 4:69. obeys The Ever Almighty God and the Messenger, surely such will be people with those upon Ever Almighty God has The awarded whom the and Blessings; from among Favours the Prophets those who bear witness to The Whole Truth and the martyrs and the devoutly righteous people. and Truly they are supremely good companions.

is from 4:70.This the Grace The Ever Almighty Ever Almighty God. truly The God is The The Ever All Knower. Ever All Sufficient as

O ye the people who 4:71. believe! truly always take your precautions; surely Ye must all march out to fight in ye must of separate or all of ye must march out together. groups,

4:72. For sure from among ve there is indeed of person who lingers behind. kind Then a "Indeed, if disaster strikes ye, he says: any Ever Almighty God has awarded a favour The in that I was not present with them!" upon me

Truly indeed if any Grace comes 4:73. to ve the believers from The Ever Almighty God, indeed true would definitely say, as if there had never been he between ye and between him any ties of affection: I wish been present "Oh. Ι had with them: surely I would have attained the mighty gains!"

who Surely the people 4:74. sell the life of Earthly World for the Eternal this present Afterlife World life should fight in the Straight Path of Almighty God. Truly any person who The Ever Straight the Path The fights in of Ever God, then whether he Almighty is killed or Ever Almighty achieves victory, Surely We **(**The Most Gracefully Compassionate, Ever God. The Most The King Generous, Eternal The Ever of Entire Universe, the The Creator and The Eternal of the Entire Universe? Lord will and Sustainer eventually give such the mighty reward. a person

what is the motive 4:75. Truly with ye the believers that ye do not fight in the true of The Ever Almighty God, Straight Path while and helpless oppressed those who are from among children who "Thou men and women and say: Sustainer of us! Thou please Eternal Lord The and of this city of iniquitous take out people us please appoint for us from very and thou close protecting friend and Thee a thou to please appoint for us from very close to Thee a helper!"

4:76. The people who truly believe fight always Straight Path of The Ever Almighty God in the Most Gracefully Compassionate, The (The Ever Ever The Ever All Wise, Most Merciful. The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe. who unthankfully people disbelieve always but the fight in the iniquitous path of devil Satan and his Surely ve the evil friends. believers true must always fight against the friends of devil Satan. Certainly, the plot of devil Satan is always weak.

Have thou O Muhammad! (The Honourable 4:77. and the Trustworthy and Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise, The Ever Most High, The Ever Mighty, The Ever All Wise Most to each and Beings P.m.b.u.h every one of the Human not "Ye considered the people to whom it was said: must restrain your hands from fighting and ye must Prayer equitably perform the and always ye must always give the Mandatory Alms?" But then when fighting was ordained for them, immediately a party from among them started fearing Humankind just like fear The Ever Almighty God the of or a greater fear. Truly they said: "Thou with The Eternal Lord and Sustainer of us! Why have Thou ordained upon us the fighting? Why did thou time?" give us just a little more Thou not must "The provisions beneficial this of say: present Earthly World are very small, truly the Eternal supremely better for every person Afterlife World is The Ever Almighty God. Truly iniquity who fears committed to ye the Human Beings will not be husk of a much as the date stone!" even as

4:78. No matter wherever each and every one of ye the Human Beings may be, death will overtake and every one of ye, even if ye are in each towers built up strong and high! Truly if anything good comes to them, they say: "This has come from the Providence The Ever Almighty God," but if something evil strikes them, they say, "This has from thee!" Thou must say: "All things come come the Providence of The Ever Almighty God!" from Surely what is the matter with these people that they almost do not understand any message statement?

4:79. Whatever good thing comes to thee (O ye and every one of the Human Beings), surely each The Ever Almighty God, it always comes from truly whatever evil thing strikes thee (O ye each and every one of the Human Beings), surely it always comes from yourself. Truly We have sent thee 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Equitable to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h? and Messenger to each and every one the of as Humankind, truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Ever Present Witness.

4:80. Any person who wholly obeys the Messenger, surely indeed such a person has wholly obeyed Ever Almighty God; truly any person who The away, surely We have not sent thee 0 turns Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Living to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) over Humankind as the guardian.

4:81. Truly they say: "We obey thee!" But when they depart from your presence, a party from among them spend the night planning to do contrary what thou commanded. Truly The Ever Almighty God records whatever they plan by night. Surely thou Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy 0 Truthful Messenger and Prophet and the of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Ever Most Forgiving, The Eternal King of the Entire Universe, The and The Eternal Lord Sustainer Creator and of the every Entire Universe to each and one of he Human Beings P.m.b.u.h) must turn away from them, and thou must always put your trust in The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Protector.

4:82. the Human Beings Then do not ponder this Qur'an? If this Qur'an had deeply over anyone other been from than The Ever Almighty God; indeed, the Human Beings would have found in this Qur'an many contradictions.

4:83. Truly when there comes to them any news about peace and security or fear, they spread it around. Truly if they had referred it to the those who have Messenger or to the authority to command from among them, indeed those who draw correct conclusions from it would have known about it. Truly if it had not been the Grace of The Ever Almighty God and His Mercy upon ye the believers, indeed ye the true believers would true have followed the devil Satan, except for a little.

4:84. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, The Creator Prophet of The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one of the Human Universe each and to Beings P.m.b.u.h) must fight in the Straight Path of The Ever God; thou Almighty not are accountable any way except for yourself. in Truly thou must encourage the true believers. Perhaps The Ever Almighty God will restrain the military might of people who unthankfully disbelieve. Trulv the The Ever Almighty God is The Ever Strongest in Fighting Power and The Ever Strongest in punishment.

4:85. Any who intercedes for the good person its benefits: will have the share in cause who intercedes for an evil but any person will have the share of its evil burden. cause Almighty God is Truly The Ever always The and The Controller Over Everything. Keeper

whenever 4:86. true believers Truly ye the are greeting, greeted with surely ye any must always with greeting better than greet back a that. or return it in the same way. Cetainly, The Ever Almighty God is The Account Taker Over Everything.

Ever Almighty God; there is 4:87. The no God except Him Alone; indeed The Ever Almighty God definitely gather each and every will one of ve together Beings the Human on the Day of and Judgement (and Reckoning Resurrection and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) about which doubt. Truly who is is truthful there no more The Ever Almighty in statement than God?

4:88. Surely what is the motive with ye the true believers that ye are split into groups regarding the hypocrites; truly The Ever Almighty God has made hypocrites fall back (into unthankful disbelief the after their True Faith solely because of the evil actions they have earned. Do ye the true believers guide a kind person whom of The Ever wish to Almighty God has left to stray? Truly any person whom The Ever Almighty God has left to stray. surely thou will not find for him the Right Path.

4:89. The hypocrites dearly desire that ye the true also unthankfully disbelieve just like believers they unthankfully disbelieved, that all of ve SO have will alike. Surely ye believers be the true must not protecting friends from take ever among the hypocrites until they emigrate in the straight Path of Ever Almighty God. But if The they turn away. believers must then ve the true seize them and ve the true believers must kill them wherever ve find them, truly ye must not ever take from among the hypocrites any protecting friend nor any helper,

4:90. Except for the those who take refuge with the people between yourselves and whom there is those who treaty: come the a or to ve true believers with their chests strained from fighting fighting believers their ve the true or own people. Truly if The Ever Almighty God had could given Willed. indeed He have them power true believers. surely the they over ye would fought ye the true believers. Surely if have keep away from ye the believers and they true not fight ye believers they do the true and peace, The Ever Almighty God has offer not ye for ye any cause for fighting against them. made

4:91. Ye the true believers will find other people who wish to obtain peace and security ye and to obtain peace and from security from people. But whenever they are called back their disbelief, they fall back to unthankful into it. if they do Surely not keep away from ve or restrain their hands, peace or then offer ye ve them wherever seize them and ye must kill must ve find them. Truly such are the people against whom We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most The Ever All Wise. The Ever Merciful. Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most of the High, The Eternal King Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have made for ye the Clear All Binding Authority.

4:92. Truly it is not in any way appropriate for kill true believer any true believer except to any mistake. Truly whoever kills any true by believer a believing slave must by mistake, then be set and a compensation payment must be given free to family of the deceased person, unless they give the the right charity. But if the deceased a up as your enemies at from the people who are was ve but he was a true believer. with then war a free; believer slave must be set if he and true from the people with whom ye have was a treaty, then a compensation payment must be given family of the deceaced person, to the and a true free. But believer slave any person must be set who lacks the means to do this, then such a kind person must fast for two consecutive months. of way of acceptance of repentance As the from The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

any person who kills a true believer 4:93. Truly deliberately, truly the requital punishment of such Hell. He will is remain in Hell a person forever; truly The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, The Ever Most High has become wrathful with him and He has cursed him and prepared for him the mighty punishment. He has

ye the people who 4:94. O truly believe! Whenever to fight the Straight in ve set out Path of Almighty God, surely ye Ever The must always investigate carefully; and ye must not ever say to any person who gives ye a greeting of peace: "Thou a true believer!" Simply are not out of gain the goods of present desire this Earthly to World. Truly with The Ever Almighty God there good things in abundance. Ye vourselves are were position previously, then The in the same Ever Almighty God awarded the Mighty Favour upon therefore, ye must always investigate carefully. ve: Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions all of ye ever do.

among the true believers from 4:95. Those who except for the at home, ones who stay are disabled: not in any way equal to those are who strive hard in commit themselves to the Straight The Ever Almighty God Path of with their The Ever wealth and their lives. Almighty God superior those has made who strive hard with wealth higher their and their lives with grade a home. Truly to stay each those who at over Ever Almighty The God has and every one promised good reward. But The Ever Almighty God superior those who hard made strive has over mighty those staying at home with the reward.

4:96. Special high grades from The Ever Almighty God, as well as Forgiveness and Mercy. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:97. Certainly, the people whom the Angels take death while they are their souls at committing "What themselves, the Angels iniquity to say: reply: "We circumstances were in?" They ye earth!" The oppressed in the Angels say: were "Was the earth of not Almightv The Ever ye to emigrate therein?" enough for God vast Surely such are the people for whom the Eternal Home is Hell; truly Hell is an evil destination.

4:98. Except the truly oppressed people from among men and women and children, who have no means in their power nor were not guided to the right path.

4:99. Surely for such people it is expected that The Ever Almighty God will pardon them, truly The Ever Almighty God is The Ever Most Pardoning, The Ever Most Forgiving.

4:100. Truly any person who emigrates in the Straight Path of The Ever Almighty God will find in the earth many places of residence and good things in abundance. Truly any person who leaves his home emigrant to as an The Ever Almighty God and His Messenger; thereafter, death overtakes him, reward has indeed become his The Ever Almighty God. upon Truly necessary The Ever Almighty God (The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal and Sustainer of the Entire Universe is Lord The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:101. Truly when the trtue believers ye are the earth, is travelling in there no sin upon ye Prayer, of the fear that shorten if ve ye the people who unthankfully disbelieve may that ye. Certainly, the unthankful disbelievers harm are clear enemies the most to ye the true believers.

4:102. Truly when thou O Muhammad! {The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h and among them, then thou lead them in are Praver. a group of them should stand in Prayer with then and they should keep hold of their weapons. thee when they have prostrated, then they But should up their positions behind ye guarding, take and the other group should come forward which has not yet prayed, then they should pray with thee, and they should take their safety measure and keep hold of The people who unthankfully disbelieve their weapons. dearly desire that ye would be negligent of your weapons and your belongings, so that they could attacking ye in one Truly there come attack. down upon you troubled is no blame if ye are bv are sick, for laying your rain or down ye ye must take your safety measure. weapons, but Ever Almighty God has prepared for Certainly, The the unthankful disbelievers the humiliating punishment.

believers when the 4:103. Surely ve true have the Prayer, heedfully completed then ve must God Ever Almighty standing The remember and sitting and lying on your sides. But when peacefully secure, ve become then ve the always equitably perform believers must true the Prayer. Certainly, the Prayer is decreed upon true believers different fixed times. all the at

4:104. Surely ye the true believers must not ever weaken in pursuing the enemy. If ye the true believers are suffering hardship, truly they are also suffering hardship just like ye are suffering. Truly ye the true believers hope to receive from The Ever Almighty God that which the unthankful disbelievers cannot hope. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:105. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) this Book Qur'an with The Whole Truth; for the purpose that thou may judge between Humankind by whatever The Ever Almighty God has shown thee. Truly thou must not ever be a pleader on behalf of the deceitful people.

4:106. Truly thou (each and every of the Human Beings) must pray for forgiveness from The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:107. Truly thou must not ever argue on behalf of the people who deceive themselves. Certainly, The Ever Almighty God does not love any person who is a sinful deceiver.

They hide their deception from Humankind, 4:108. but they cannot hide their deception from The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God is Present with them whenever they polt at things that night, saying such do not please Truly The Ever Almighty Him. God is always encompassing whatever actions all of them ever do.

4:109. Here ye are the people who argue on their behalf in the life of this present Earthly World, but who will argue with The Ever Almighty God on their behalf on the Day of Resurrection and Judgement, or who will then be their protector?

4:110. Truly any person who commits any evil action or commits any iniquity to himself but thereafter prays for forgiveness from The Ever Almighty God, such a person will find The Ever Almighty God, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:111. Truly any person from among Humankind who commits any sin, surely he commits it only against himself. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:112. Truly any person who commits any offense or a sin, but thereafter blames it on an innocent person, truly indeed such a person has taken upon himself the slander and the clear sin.

4:113. Truly if it had not the Grace been of The Ever Almighty God upon thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h and His Mercy, indeed a group of them would have tried astray. Truly lead thee to lead they do not do astray except themselves, and they not harm thee in any way. Truly The Ever Almighty God Miraculously Revealed to thee this Book Qur'an has and the Great Wisdom, has taught thee and He which thou did not know. Truly the Grace that of The Ever Almighty God upon thee is mighty.

4:114. There is nothing good in much of their secret conversations, except for a kind of person who commands to give charity or to do righteousness or reconciliation between Humankind. Truly any person who does these actions. seeking the All Blessed Delight of The Ever Almighty God, surely We (The Ever Almightv God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe, will eventually give such a person the mighty reward.

4:115. Truly any person who opposes the Messenger, even after the Heavenly Guidance has become clear to him and follows the contrary path than that of the true believers, We (The Ever Almighty God) will leave him to follow that path to which he has turned, truly We will burn such a person in Hell; truly Hell is an extremely evil destination.

4:116. Certainly, The Ever Almighty God does not forgive the association of anything whatsoever as a god with Him, but He forgives anything apart from that for any person He Wills. Truly any person who associates anything as a god with The Ever Almighty God, Surely indeed such a person has gone astray; straying far far away.

4:117. The polytheists call nothing in prayer instead of The Ever Almighty God except females fake goddesses, truly they call nothing in prayer except the rebellious devil Satan,

4:118. The Ever Almighty God has cursed the devil Satan. Truly the devil Satan said: "Indeed, I will definitely take from Your servants a specific portion.

280

4:119. And indeed I will definitely lead them astray, and indeed I will definitely arouse in them sinful and indeed I will definitely command them; desires. therefore, indeed they will definitely cut the ears of cattle, and indeed I will definitely command the therefore, indeed they will definitely them: change the creation of The Ever Almighty God!" Truly any devil Satan takes person who the a friend as instead of The Ever Almighty God, surely indeed such a person has suffered the mighty clear loss.

The devil Satan promises 4:120. them and arouses them. Truly desire the devil sinful in Satan them not promise anything does except deceit.

the people 4:121. Such are for whom their Eternal Home is Hell (on the Final Mightv Resurrection and Day of Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. truly they will not ever find any escape from Hell.

people who truly believe 4:122. Truly the and do righteous good actions, We (The Ever Almighty will eventually make them God to enter the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. they will reside in them forever. It is the true promise from The Ever Almighty God, truly who is more truthful than The Ever Almighty God in Words?

4:123. It will not be according to your wishful thinking nor the wishful thinking of the People of the Book. Any person who commits evil actions will be requited for evil actions, truly such a person will not find for himself, apart from The Ever Almighty God any protecting friend nor any helper.

Truly any person who does of the righteous 4:124. actions, whether a male good or a famale, as believer, surely such people well being a true as Everlasting Garden, truly iniquity will the enter committed to one of will be any not them much the groove of as a date stone. even as

Truly who can better 4:125. be in religion than the person who wholly submits only to The Ever God; and does righteous Almighty he good follows of Religion actions. and the Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of Almighty God P.m.b.u.hThe Ever the devoutly Monotheist? Truly The Ever Almighty God true Abraham (P.m.b.u.h) as the Close Friend. took

4:126. Truly only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth. Truly The Ever Almighty God is is always Encompassing Everything.

4:127. Truly they request from thee your ruling regarding women. Thou O Muhammad! {The Honourable Trustworthy and the Truthful the and Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h Prophet and gives say: "The Ever Almighty God must ve the ruling regarding women. Truly ye already have that recited which has been to ve in the Book girls whom orphan regarding the to ye do not decreed which give that is for them, yet ye regarding desire them. and also the to marry helpless children, and that ye act with true must good orphans!" Truly whatever justice to the of ever do, for certain, all of ye The Ever works Almighty God The Ever All Knowing is of it.

4:128. Truly if a woman fears from her husband cruelty or desertion, surely there is no sin upon equitable of them if they make terms both of equitable settlement settlement between them; truly greed is present in human is good. But beings. Trulv if ve people do righteous good actions The Ever Almighty God, and fear surely indeed God is The Almighty The Ever Ever All Aware of whatever actions all of ve ever do.

Truly ye people will not ever 4:129. be able to do equitable justice between your wives, even if ve dearly But ye desire to do SO. must not ever incline completely, so that ve leave the other wife she were suspended. Truly if ye make terms if as equitable settlement and fear The Ever Almighty of Ever Almighty God. surely indeed The God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:130. But if husband and wife do separate, The Ever Almighty God will enrich each of them from His abundant Grace. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Encompassing Everything, The Ever All Wise.

Truly only to The Ever Almighty God 4:131. belongs Everything that is in all the heavens and the whole Everything that is in earth. Truly indeed fact Commanded We in the people who were ye given the Heavenly Book before and ve saying: "All must always yourselves, of fear ye Almighty God!" But if ye The Ever unthankfully disbelieve; surely indeed only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens Everything that is in the whole earth. and Truly Almighty God is The Ever Completely The Ever Self-Sufficient, The Ever Owner of All Praise.

4:132. Truly only to The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Entire Universe) belongs Everything Sustainer of the the heavens and Everything that that is in all is in the whole earth. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Protector.

4:133. O ye each and every one of Humankind! If The Ever Almighty God Wills, He can eliminate ye, and He can replace ye Humankind with others. Truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do this.

4:134. Whoever from among Humankind desires the reward of this present Earthly World, surely with The Ever Almighty God there is the reward of this present Earthly World and the Eternal Afterlife World. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Seeing.

4:135. O ye the people who truly believe! Ye must always stand firm with equitable justice, as witnesses for The Ever Almighty God, even if the testimony is against yourselves or your parents or close relatives. Whether any person is the rich poor, The Ever Almighty God takes care of or the rich and the poor. Surely ye the true not ever follow iniquitous desires believers must avoiding doing equitable justice. Truly if in ve give the testimony, surely distort or refuse to The Ever Almighty God is The Ever All indeed of whatever actions all of ye ever do. Aware

who truly believe! Ye 4:136. O ye the people always truly believe The in Ever Almighty must and His Messenger Muhammad! (The Honourable God the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and of every one the Human Beings P.m.b.u.h and the Heavenly Book upon Miraculously Revealed which He has His Messenger and every Heavenly Book which He has Miraculously Revealed even previously. Truly any unthankfully disbelieves The person who in Ever Almighty God and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Day, surely indeed, such gone astray; straying far far a person has away.

the 4:137. Certainly, people truly who believe: thereafter unthankfully disbelieve; thereafter truly believe again; thereafter, unthankfully disbelieve again; thereafter, unthankful increase in disbelief; they indeed The Almighty God will not forgive them Ever and He will not guide them to the Straight Path: {Therefore, and every one of us the Human Being each must always truly believe The Ever God. Almighty The Ever Most Mighty and His Angels and His Books His Messengers and the Final Mighty Day of and Judgement Reckoning Resurrection and and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

4:138. Thou must give the true news to the hypocrites that they will suffer the painful punishment,

who The hypocrites take the 4:139. unthankful protecting disbelievers their friend as instead of hypocrites believers. Do the true the seek through them? Surely indeed. the honour honour belongs entirely to The Ever Almighty God.

Truly indeed The Ever Almighty God has 4:140. already Miraculously Revealed to ye the true believers this Book Our'an that whenever ve in hear the of The Ever Almighty Miraculous Verses God are unthankfully disbelieved and being ridiculed: being surely ve not sit with such people must until different conversation. engage a lawful thev in case ye will be just like them. in that Certainly, The Ever Almighty God will gather each Certainly, and every one of the hypocrites and each and every one of the unthankful disbelievers into Hell together.

The people who 4:141. wait to see what will ye. Then if ye gain happen to any victory by The Ever they Almighty God. say: "Were we not your side?" But if there is a portion for the on unthankful disbelievers, they say: "Did we not gain advantage over ye, but we protected ye from the true believers?" Truly The Ever Almighty God will all of judge between Day ye on the of and Judgement, truly The Ever Almighty Resurrection grant of triumph God will any way never to the unthankful disbelievers believers. over the true

4:142. Certainly, the hypocrites think to deceive The Almighty God, but He is The Who Ever One deceived. Truly them to be when the causes hypocrites stand up for Prayer, they stand up lazily, they do Humankind, truly off to showing not remember The Ever Almighty God except a little,

wavering They between belonging 4:143. are them. these the true believers those neither to nor to disbelievers. Truly any the unthankful person whom Almighty God leaves stray, The Ever to surely not find for him the Right Path. thou will

286

4:144. O ye the people who truly believe! Ye must not ever take the unthankful disbelievers as protecting friends instead of the true believers. Do ye the true believers intend to give The Ever Almighty God the Clear Proof against yourselves?

4:145. Certainly, the hypocrites will be in the lowest depths of the Hellfire, truly thou will not find for the hypocrites any helper;

4:146. Except those hypocrites who repent and act righteously and hold powerfully to The Ever Almighty God, and they become truthful in their religion for The Ever Almighty God, surely such people will be joined with the true believers. Truly eventually The Ever Almighty God will give the true believers the mighty reward (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World).

4:147. For what reason should The Ever Almighty God ever make ye Humankind suffer punishment, if ye Humankind give thanks and ye truly believe? Truly The Ever Almighty God is The Ever All Appreciative, The Ever All Knowing.

4:148. The Ever Almighty God does not ever like from among evil speech to be made public except by the person to whom an iniquity has been committed. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

4:149. Whether ye the true believers make any good action known or keep it hidden, or ye pardon any evil action; surely indeed, The Ever Almighty God is The Ever All Pardoning, The Ever All Powerful.

287

4:150. Certainly, the people who unthankfully disbelieve in The Ever Almighty God and His Messengers and they intend to make distinction between The Ever Almighty God and His Messengers and they say: "We truly believe in some and disbelieve in others," and they intend to adopt a path in between,

4:151. Such are the people who are the true unthankful disbelievers. Truly We have prepared for the unthankful disbelievers the humiliating punishment.

4:152. Surely the people who truly believe in Almighty God and His Messengers The Ever and ever make distinction thev do not any between any of are the people them. such whom to Ever Almighty God will eventually give them The their good rewards. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

4:153. The People of the Book ask that thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet and the of The and Almighty God to each and every of Ever one the Human Beings P.m.b.u.h) make a Book actually come down to them from the heaven. Truly indeed asked of Moses (the Honourable they and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) even greater "Show us this. truly they said: than The Ever Almighty God face to face!" Therefore, the thunderbolt struck them solely because the iniquity they of committed. Thereafter they took the calf as an object of even after the Supremely Clear worship, had to them. Yet We pardoned Proofs come this iniquity; and We for Moses them gave (P.m.b.u.h) the Clear Miraculous Sign of Authority.

4:154. Truly We raised the mount high above them for their covenant; and We said to them: "Ye must gate enter the prostrating!" And We said to them: "Ye must not transgress on the Sabbath." them the firm covenant. truly We took from

4:155. Then. solely because of their breaking of and their unthankful the covenant disbelief in The Signs of Ever Almighty God the Miraculous killing of the Prophets without and their any right their saying: equitable to do SO, and are covered!" But hearts in fact. "Our The Ever Almighty God their hearts has sealed solely because of their unthankful disbelief: therefore. they do truly believe, except for a not little.

4:156. And because of their unthankful disbelief and their speaking of the mighty slander against Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and the devoutly obedient to The Ever Almighty God, she always bore witness to all the Words of The Ever Almighty God and His Books P.m.b.u.h);

4:157. And because of their saying: "Certainly, we the Messiah, Jesus, the Son of Mary have killed (P.m.b.u.t). the Messenger of The Almighty Ever God!" Truly they did not kill the Messiah, Jesus, of Mary (P.m.b.u.t), nor did they crucify the Son made him: though it was to appear like that Truly indeed, the people differ to them. who the Messiah, Jesus, the Son of Mary (P.m.b.u.t) about about the Messiah, Jesus, the indeed in doubt are Son of Mary (P.m.b.u.t). They have no knowledge about the Messiah, Jesus, the Son of Mary (P.m.b.u.t) except the following of speculation. Truly they certainly did kill the Messiah, Jesus (P.m.b.u.h). not

4:158. But in fact, The Ever Almighty God raised the Messiah, Jesus, the Son of Mary {the Honourable Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His and Almighty God, directed Ever Word which The to Mary and the Spirit from The Ever Almightv to Himself. Truly The Ever Almighty God P.m.b.u.tGod is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

will 4:159. Truly there not be even one person People of the from but among the Book indeed definitely believe in the Messiah. he will Jesus. of Mary (the Honourable and the Trustworthy Son the Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God and His Word which The Ever Ever Almighty God. directed Mary Spirit to and the from The Ever Almighty God P.m.b.u.t before his the Day of resurrection death. Truly on and Judgement Messiah, Jesus, Son the the of Mary $\{P.m.b.u.t\}$ will be the witness over them.

Truly because of the iniquity from 4:160. among We prohibited who were Jews, for people them good which had been lawful foods to some them. of their preventing of many and because people Straight Path of The Ever Almighty God, from the

because of their taking of usury 4:161. And also prohibited when they had been to do SO. and consuming of of their wealth because the of Humankind iniquitously. Truly We (The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Equitable, The Eternal King of the Entire Ever Lord Sustainer Universe, Eternal The and of the Entire Universe have prepared for the unthankful disbelievers from among them the painful punishment.

4:162. But those from among the Jews who in Heavenly Knowledge and firm the true are they truly believe in whatsoever believers. has been Miraculously Revealed to thee and whatsoever was Miraculously Revealed before thee. And they equitably perform the Prayer and they give the Mandatory they truly believe in The Ever Almighty Alms and the Final Day. Such are the people God and to whom We will eventually give the mighty reward.

4:163. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the Ever Almighty God to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h) just like We Miraculously Revealed and the Prophets who came after him; to Noah We Miraculously Revealed to Abraham and and and Jacob and the Ishmael and Isaac Descendants. and Job and Jesus and Jonah and Aaron and Solomon. Truly We gave David the Psalms (P.m.b.u.t).

4:164. And the Messengers about (The whom We Ever Almighty God have indeed thee narrated to before and the Messengers about whom We have thee; truly The Ever Almighty narrated to not directly to (the Honourable God spoke Moses Trustworthy and the Truthful Messenger the and and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h.

4:165. Messengers as the Announcers of the Good Constant Warners True News and the for the as Humankind that will purpose not have any The Almighty God argument against Ever after Messengers. Truly The Ever Almighty God the The Ever Almighty, The Ever All Wise. is

4:166. But The Ever Almighty God Himself bears witness that whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed to thee, He has Miraculously Revealed it with His Knowledge, and the Angels also bear witness. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as The Ever Present Witness.

4:167. Certainly, the people who unthankfully and prevent people from the Straight disbelieve Ever Almighty of God; The indeed they Path have gone astray, straying far far awav.

4:168. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they commit iniquity, The Ever Almighty God will not forgive such people, nor will The Ever Almighty God guide them to any path;

4:169. Except the path of Hell; such people will reside in Hell forever. Truly this is easy for The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

each 4:170. O ye and every of Humankind! one Indeed, there the Messenger has ye come to Muhammad (the Honourable the Trustworthy and and Messenger and Prophet of Truthful The Ever the Almighty God to each and every of one Humankind P.m.b.u.h) with The Whole Truth from Eternal Lord and Sustainer of ye. The Surely all of ye must always truly believe; it is supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: only to surely indeed, The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:171. O ye the People of the Book! Ye must not ever commit excess in your religion, and ve not ever say about The Ever Almighty God must except The Whole Truth. Certainly, the Messiah, Jesus, the Son of Mary (P.m.b.u.t) is only the Messenger of The Ever Almighty God and His which He directed to Mary and Word the Spirit of ye must always from Himself. Surely all truly The Ever Almighty God and in His believe in Messengers. And all of ye must not ever say: of ye must "Trinity!" All stop this. It will good for all of ye. supremely be Certainly, The Ever Almighty God is The Ever One God. All Glory with Complete Holiness only is to should ever Him that He have son. Only a Almighty God belongs Everything to The Ever that is in all the heavens and Everything that earth. Truly The Ever Almighty the whole is in God is The Ever All Sufficient as The Protector.

4:172. The Messiah (Jesus, the Son of Mary, the the Trustworthy and Honourable and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.tdisdain will of not ever to be the servant would the Angels who Ever Almighty God, nor The near to The Ever Almighty God. Truly any are worshipping disdains from person who The Ever is unthankfully arrogant, surely Almighty God and eventually The Ever Almighty God will gather each and every one of them to Himself together.

4:173. Surely as for the people who truly believed did righteous good actions, The Ever Almighty and God will give them their full due rewards and He extra from His Grace. Truly will award them as people who disdained and unthankfully for the were surely The Ever Almighty God will punish arrogant, people with the painful punishment, truly they such for themselves other than The Ever will not find Almighty God any protecting friend nor any helper.

4:174. O ye each and every one of Humankind! Indeed, there has come to ye the Miraculous Proof from The Eternal Lord and Sustainer of ye, and We have Miraculously Revealed to ye the Clear Light.

Surely as for the people 4:175. who truly believe in The Ever Almighty God and thev hold powerfully to The Ever Almighty God. always Surely The Ever Almighty God will eventually into the Mercy from Himself make them to enter The Ever Almighty God will the Grace, and and Straight Path towards guide them to the Himself.

Truly they request from thee your ruling. 4:176. Thou must say: "The Ever Almighty God gives ye concerning the person having neither the ruling ascendants heirs." If descendants as nor а man dies, leaving no child but only sister, she will he have half of whatever left. And he inherits her if dies child. from she and has no But if are two sisters, they will have two thirds there of he left. If there are both brothers and sisters. what will have the share of two females. The the male God makes supremely clear to all of Almighty Ever go astray. Truly The Ever Almighty ye ve, lest All Knowing of Everything. God is The Ever

5: Sûrah Chapter Al-Ma'idah The Table Spread M.V. 120

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

the people who truly believe! 5:1. O ye Ye must all your pledges. Lawful for ye fulfil always the with believers are the livestock animals true the of those which exception are recited ye, without to against hunting prohibition while violating the ve the pilgrim dress. Certainly, in The Ever are God always Commands whatever He intends. Almighty

5:2. the people who truly believe! Ye 0 ye violate the sanctity of Symbolic the must not ever Almighty God Signs of The Ever nor of the Month of the Sacred nor animals brought for animals with sacrifice or of the ritual garlands people coming to the Sacred House nor of those The simply seeking the Grace from Almighty Ever His All Blessed Delight. But God and when ve of the pilgrim dress, surely ye may hunt. out come not ever let the hatred And of must the ve people for having obstructed ye from the Sacred ye to commit transgression. Mosque induce Surely believers must always help one the true another ve to do Everything that is righteous and devout piety, help but ve must not ever one another towards any sin nor aggression. Truly all of ve any must The Ever Almighty God; certainly, always fear The Almighty God (The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire The Ever Most Equitable, Universe. The Creator and Lord and Sustainer Entire The Eternal of the Universe is in the penalty punishment. severe

5:3. Prohibited to all of ye are dead animals blood and the flesh of swine and whatever and anything other than dedicated has been to The Almighty God. And any animal Ever that has killed by strangling and that which been is beaten to death and that which is toppled death to gored which death and is to and that that which wild beasts have eaten except that from able to slaughter, and that which which ye are altars, and that ye sacrificed on the are use shares. divide seeking to arrows All these works grave disobedience. This people who day the are unthankfully disbelieve have lost all hope that ve up your religion; certainly ye will give must not the people who unthankfully disbelieve, ever fear but always fear only Me. This ye day must perfected for ye your religion, and I I have have completed My Favour and Blessing upon ye, have approvingly chosen for ye Islam and Ι as Surely religion. any person the who is forced severe hunger without any inclination bv to sin. indeed, The Ever Almighty surely God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

5:4. They ask thee O Muhammad (the Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) what been made lawful for them. Thou must has say: "Lawful for ye are all good foods and that which is caught for ye by hunting animals, which ve have trained as The Ever Almighty God has taught ye. Surely ye may eat of whatever they catch for ye, and ve must mention the Name of The Ever Almighty it. Truly all of ye must always God upon fear The Ever Almighty God; certainly, The Ever Almighty is swift in taking the Reckoning Account. God

5:5. Today all good foods have been made lawful for ye the people who truly believe, and the food of the people who have been given the Book is lawful for ye, and your food is lawful for them. And to marry the chaste women from among those truly believe and to marry the chaste women who from the people who were among given the before ye, as Hevenly Book long as ve have their due bride gifts, looking given them for wedlock not for fornication lawful nor taking them girlfriends. Truly any person who unthankfullv as disbelieves in the True Faith, surely indeed all his will become worthless, and in the Eternal actions will be one of the losers. Afterlife World, he

5:6. O ye the people who truly believe! When ye rise to perform the Prayer, then ye must wash your faces and your hands and up to arms the elbows and pass your wet hands over your heads and your feet to the ankles. And if ye are in a state of major ritual impurity, then ye must must purify yourselves. But if ye sick are or on a any one of ye comes from journey, or the place of relieving himself, or ye had touched women and ye cannot find any water, then clean yourselves by wipe therewith soil, so your faces good using and your hands. The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Ever All Wise, The Ever Living, The The Ever The Equitable, Eternal King Most of the Entire The Creator and The Eternal Lord and Universe. Sustainer of the Entire Universe, does not intend make things difficult for ye the people who to truly believe, but He does intend purify to ye, and to complete His Favours and Blessings upon ve, the purpose that ye may become thankful. for

5:7. Surely ye the people who truly believe must heedfully remember the Favour and Blessing Ever Almighty God upon and His of The ve Covenant with which He bound ye when ve "We attentively heard, said: have and we all of ye must wholly obey!" Truly always fear Almighty God. Certainly, The The Ever Ever God is The Ever Knowing All Almighty of Everything that is in each and every chest ever.

ye the people who truly believe! Ye 5:8. O must stand firm as witnesses for The always Ever equitable justice, and ye must Almighty God with ever let the hatred of the people provoke not ve that ye do not carry out equitable justice. of All ye must always do equitable justice; doing equitable iustice is closer to devout piety. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God! Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions all of ye ever do.

5:9. The Ever Almighty God promised has the truly believe and do good who righteous people that for such people there is forgiveness actions and the mighty reward (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

people who unthankfully 5:10. disbelieve But the deny Our Miraculous Verses; and unthankfully such people will be the residents of the Blazing Hell Mighty Day of Resurrection fon the Final and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

5:11. O ye the people who truly believe! Ye must heedfully remember the Favours and Blessings ye Ever Almighty God upon of The when а certain people were about to raise their hands against ye, surely He withheld their hands from ye; truly all of ye must always fear The Ever Almighty God! Surely the true believers must always put their trust in The Ever Almighty God.

5:12. Truly indeed The Ever Almighty God in fact from the Children of Israel the firm covenant took (P.m.b.u.t), and We delegated from among them twelve leaders. Truly The Ever Almighty God said: "Certainly, I am with ye. If ye equitably perform the Prayer and give the Mandatory Alms and truly believe in My Messengers and help them, and lend to The Ever Almighty God a good loan. Indeed, I will definitely absolve from ye all your and indeed I will definitely make evil actions ve the Everlasting Gardens beneath enter into to which rivers flow. Surely any person whom from among ye unthankfully disbelieves after this. truly indeed he has gone astray from the Right Path!"

5:13. Then because of their breaking of their firm covenant We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) cursed them and and We made their hearts hard. They distort the and they Words from proper places, their have forgotten a portion of that of whatever they were reminded. Truly thou will cease to discover not deceit from them, except for a few from some them. Yet thou must pardon them among and thou must overlook. Certainly, The Ever Almighty God loves the people who do righteous good actions.

And from among the people who 5:14. say: "Certainly, we are Christians," We (The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Sustainer of the Entire Universe } Eternal Lord and covenant; but they too forgot a took their firm portion of whatever they were reminded. Therefore. We planted among them animosity and hatred until Resurrection and Judgement. Truly the Dav of eventually The Ever Almighty God will fully inform of whatever works all of them ever did. them

5:15. O ye the People of the Book! Indeed, there come to ye Our Messenger Muhammad (the has Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Merciful, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? making supremely clear to ye many such things which ve been concealing from the Heavenly Book, have Our Messenger pardons many iniquitous actions. truly Indeed. there has the People come to ye of Book from The Ever Almighty God the the Clear Light and the Ever Supremely Clear Book.

5:16. this the Ever Supremely Clear By Book. Almighty God guides each The Ever and every who follows the All Blessed Will person and The Ever Almighty Delight of God paths the to and He brings them out from of true peace; the the Clear Light by His Command, darknesses into and He guides them to the Straight Path.

5:17. Indeed, they have in fact unthankfully disbelieved the people who say: "Certainly, The Ever Almighty God is indeed the Messiah, the Son of Mary (P.m.b.u.t)!" Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God to Prophet of each and of Human Beings P.m.b.u.h every one the must "Truly who has the power in any way against say: Ever Almighty God if He intended to destroy The the Messiah, the Son of Mary (the Honourable and Truthful the Trustworthy and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word The Ever Almighty God directed to which Mary Spirit from The Almighty God and the Ever P.m.b.u.t, and his Mother and every person who earth entirely?" Truly is on the whole only to The Ever Almighty God belongs the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth Everything that is between and them. The Ever Almighty God always creates whatever He Wills. truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

5:18. Truly the Jews and the Christians say: "We children of The Ever Almighty God and the are beloved people!" Thou must say: "Then why His does The Ever Almighty God punish ye the Jews the Christians for your sins?" But in fact, and ve Christians Beings the Jews and the are Human The Ever Almighty from among those God has created. The Ever Almighty God forgives any person and He punishes any person He Wills. He Wills, The Ever Almighty God only to Truly belongs Eternal Kingdom of all the heavens the and whole earth and Everything that is between the them. Truly only to Him is the final destination.

5:19. O ye the People of the Book! Indeed, there come to ye now Our Messenger Muhammad! has (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and every one of the Human Beings each to P.m.b.u.h) making things very clear to ye, after a break succession of the the Messengers, in in case ve as the should say: "No one came to us Announcer of the Good True News and the Constant Warner!" Surely indeed there ye has come to now the Announcer of the Good Constant True News and the The Ever Almighty God always has Warner. Truly supremely powerful ability to do Everything. the

5:20. when Moses {the Remember Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger the and and Almighty God P.m.b.u.h Prophet of The Ever said to his people: "O my people! Ye must heedfully and Blessings of The remember the Favours Ever Almighty God awarded upon ye when He Prophets and appointed amongst ye the He made and He good things gave ye such ye kings, He had not given anyone among all the Worlds.

5:21. O my people! Ye must enter the Holy Land Ever Almighty God (The The Ever which Most Gracefully Compassionate, The Creator The and Lord and Sustainer of Eternal the Entire Universe } has decreed for ye and ye must not turn back fleeing, surely in that case ye will become losers!"

"Thou 5:22. They said: 0 Moses! $\langle P.m.b.u.h \rangle$ Certainly, in the Holy Land there are the people of great strength, truly indeed, we will never enter the Holy Land until they depart from it. Surely if depart from it, surely indeed we will enter!" they

5:23. Yet two men from among those who feared The Ever Almighty God, upon whom The Ever Almighty God had awarded the Favours and Blessings, said: "Ye must enter upon them through the gate. Surely when ye have entered the gate, surely indeed ye will be victorious. Truly put your trust in The Ever Almighty God if ye are the true believers!"

5:24. They said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! Certainly, we will never enter the Holy Land while they are go, surely thou thou there; may still and The Sustainer of thee Eternal Lord and then both of stay sitting right here!" ye fight. Certainly, we will

5:25. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate "Thou said: P.m.b.u.hThe Eternal Lord and me! Certainly, I do Sustainer of not have any controlling power over anyone except for myself and my brother; therefore, Thou please distinguish between between the unthankful rebellious people!" and us

The Ever Almighty God (The Ever Most 5:26. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Equitable, The Ever Ever Most The Generous. Most Kind, The Ever Most Forgiving, The The Ever Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Owner of All Praise. The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Sustainer of the Entire and The Eternal Lord "Surely indeed, Holy Land Universe } said: the is prohibited them for forty years; they will to wander throughout the land. Surely thou must not ever grieve over the unthankful rebellious people!"

5:27. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most High, The Ever Most Mighty to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must recite to Humankind the story of the two Sons of Adam (Abel and Cain P.m.b.u.t), with The Whole of them offered Truth. when each a sacrifice. surely it was accepted from one of them. but it accepted from the Cain not other. said: was "Indeed, I will definitely kill thee!" Abel (P.m.b.u.h) "Certainly, The Ever Almighty God said: only accepts from the righteous people who fear Him.

5:28. Indeed, if thou raise your hand against me to kill me, I will not raise my hand against thee to kill thee. Certainly, I fear The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

5:29. Certainly, I intend that thou become burdened with my sin and your sin, then thou will be one of the residents of the Hellfire. Truly this is the requital punishment for the iniquitous wrongdoers!"

5:30. Yet Cain convinced himself to kill his brother, surely Cain killed his brother, truly Cain became one of the losers.

5:31. Then The Ever Almighty God sent a crow scratched the ground to show Cain who how to body of his brother. Cain the dead conceal said: me! Have I failed to be even like "O shame to this crow so that I may conceal the dead body of brother?" Surely Cain became one of the regretful. my

5:32. Because of this killing, We (The Ever Almighty God) decreed upon the Children of Israel (P.m.b.u.t) that whoever kills any person except requital retribution for murder or for in causing evil disorder in the earth, then surely it is as entirely. While if he had killed all Humankind the life of whoever saves any person, then surely it is as if he had saved all Humankind entirely. indeed Our Messengers in fact Truly came to with the Supremely Clear Proofs. them Thereafter. certainly many of them after even all this. indeed they are iniquitous transgressors in the earth.

Certainly, the requital punishment for the people 5:33. wage war against The Ever Almighty God who His Messenger and strive upon the earth and to disorder is nothing except that evil cause such crucified killed be or that people must or their feet must be off from hands and cut opposite sides or that they must be banished from the land. the disgrace for them in the life of this This is present Earthly World; truly in the Eternal Afterlife World they will suffer the mighty punishment,

Except for the people who repent before 5:34. ve people who truly believe gain power over the In all of ye them. that case must always know with certitude that The Ever Almighty God is Most Forgiving, The Ever Most Merciful. The Ever

people who truly believe! 5:35. ye 0 the Ye always fear The Ever Almighty God and must always bring seek the means must to ve ve Ever Almighty God, The closer to and ye always strive hard in His Straight Path for must the purpose that ye may become the triumphant.

5:36. Certainly, the people who unthankfully disbelieve, if they possessed Everything that is in the even earth entirely and the same again with it whole ransom themselves from the requital punishment to the Day of Resurrection and Judgement, it will of be accepted from the unthankful disbelievers. not truly they will suffer the painful punishment;

disbelievers will The unthankful 5:37. dearly of the Hellfire, get out desire to surely able get of Hellfire. thev will not be to out they will suffer the everlasting punishment. truly

man thief and 5:38. Truly as for the the woman surely ye must cut thief. off their hands as the requital punishment for the major iniquity which earned, this is the dreadful punishment from they Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty The God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

5:39. Surely person who any repents after his acts righteously, surely and indeed. The iniquity Ever Almighty God will turn to a person such in Forgiveness. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

5:40. Do thou not know that only to The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, The Ever Mighty, The Ever Most High, The Eternal Most Entire Universe, The King of the Creator and Sustainer of the Entire Eternal Lord and The Universe) belongs the Eternal Kingdom of all the earth? He punishes and the whole heavens any Wills, and He forgives any person person He He Wills. Truly The Ever Almighty God always has supremely powerful ability to do Everything. the

5:41. Thou the Messenger Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind. The Ever Most High, The Ever Most Mighty to each and every one of Humankind P.m.b.u.h³; must not ever be grieved by the people hasten headlong into unthankful disbelief. who from believe," with "We truly say: among those who mouths, but their hearts not truly believe, their do among those who Jews. and from are They are are avid listeners avid listeners to the untruth, they other people who have for not thee. even met distort the meanings of the words They from their proper meanings. They say: "If ye given this are ruling, then ye must accept it; but if ye are not given this ruling, then ye must beware!" Truly any Ever Almighty God person whom The intends to put to test trial, surely thou will not ever possess any power in any way to help him against The Almighty God. Ever Such are the people whose The Ever Almighty God does not intend hearts to They will have disgrace in life the of purify. this present Earthly World; truly they will suffer in the Eternal Afterlife World the mighty punishment.

5:42. They are avid listeners to the untruth, constant is prohibited. of what Surely if thev consumers judge thee thou can either between come to away from them. may them or thou turn Truly if thou away from them. surely they will turn able harm thee all. Trulv not be to at if Surely thou judge judge, thou do must always with equitable justice. Certainly, them The between Ever Almighty God loves the equitable people.

5:43. Truly how is it that they come to thee for judgement while they have the Torah with them, in which there is the judgement of The Ever Almighty God? Thereafter they turn away even after this. Truly such people are not in any way true believers.

Certainly, We (The Ever Almighty God, The 5:44. Ever Most Gracefully Compassionate Miraculously Torah, in which there is the Heavenly Revealed the Clear Light. The Prophets those and Guidance the who wholly submitted to The Ever Almighty God. judged by the Torah for the Jews, and so did the rabbis and scholars, according to that with whatever entrusted the protection of the they were Heavenly Book of The Ever Almighty God, and they were sincere witnesses to the Heavenly Book of The Ever Almighty God. Surely all of ye must not ever fear Humankind, but ye must alway fear only Me, and of ye must not ever sell My Miraculous Verses all for a paltry price. Truly any person who does not judge and command by whatsoever The Ever Miraculously Revealed, Almighty God has surely are indeed the unthankful disbelievers. such people

Truly We (The Ever Almighty God, The Ever 5:45. Gracefully Compassionate) decreed for all Most of and Torah: A life for a life in the them an eye for eye and nose for a a nose and an and ear for an ear and a tooth for an а all wounds equitable equal retaliation. for tooth and any person who forgoes the right of retaliation But a charity, truly it will serve as atonement for as a person's evil actions. Truly any person who such not judge and command by whatsoever does The Almighty God has Miraculously Revealed, surely Ever such people are indeed the iniquitous wrongdoers.

5:46. Certainly We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Ever Most Generous, The Merciful. The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything Everywhere, The Ever Owner of All The Ever Owner of Praise. All Glory, The Ever Seeing of Everything, The All All Ever Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Trustworthy, Most The Ever Most Truthful. The True Light of all the the Earth, The and Whole Ever A11 Heavens Knowing of Everything, The Ever Most High. The Mighty, The Ever Most Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, Ever The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Most Good-Looking, The Ever Most Ever Glorious. Owner of the The Ever Supreme Truth, The Ever The Ever Owner of the Supreme Greatness, Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Encompassing Over Everything, The Ever All Ever Witness Over Everything, The Eternal Present King of the Entire Universe, The Eternal Owner of All Living, The Ever Most Good, The Ever Honour, Sustainer and The Eternal Lord and The Creator of the Entire Universe) sent, following in their footsteps, Son of Mary (the Honourable and Jesus. the the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Ever Almighty Spirit from The God P.m.b.u.tsincerely confirming whatsoever came before him in Torah: gave him truly We the Gospel, in the the Heavenly Guidance and which there is the Light, truthfully confirming whatsoever Clear and before it the Torah; in and the Heavenly came and the Admonishing Instruction for Guidance the righteous people who fear The Ever Almighty God.

5:47. Truly the Followers of the Gospel should judge and command by whatsoever The Ever Almighty God Miraculously Revealed therein. Truly any person has not judge and command by whatsoever who does Almighty God has Miraculously Revealed, The Ever surely such people are indeed the unthankfully rebellious. 5:48. Certainly We have Miraculously Revealed to thee Book Qur'an with The Whole Truth sincerely this confirming every Heavenly Book that came before it, the Guardian over every Book. Therefore, thou and must always judge between Humankind by whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed, thou must not ever follow their iniquitous and The Whole Truth away from desires. moving that thee. To every one has come each and of to the Law prescribed and the Clear ve We have Path. Truly if The Ever Almighty God had Willed, would have made all of ye one religious party, He it is for the purpose to test ye in whatever but He has given ye; therefore, all of ye must compete other in doing all that is good. Only with each Ever Almighty God is The the return all to of of ye together; truly He will fully inform all of concerning Everything in which ye differed. ye

5:49. Truly indeed thou must always judge between by whatsoever The Ever Almighty God has them Miraculously Revealed and thou must not ever follow their iniquitous desires and thou must always beware of them, lest they tempt thee to deviate from some of whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously thee. Surely if they away, then Revealed to turn know with certitude that The Ever thou must punish Almighty God intends them for to some sins. Truly indeed, many people of their from among Humankind are indeed unthankfully rebellious.

5:50. Do they then desire the judgement according to the time of ignorance? Truly who is better than The Ever Almighty God in giving the Command and Judgement for the people who believe with certitude?

5:51. the people who truly believe! Ye Ο ve the take Jews and the Christians not ever must protecting friends. Some of them are protecting as Truly person friends of some others. any who protecting friends from takes them as amongst ve believers; surely indeed, person such the true a is of them. Certainly, The Ever Almighty God one Ever Most Gracefully Compassionate, (The The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal Entire Universe, The Creator King of the and The and Sustainer of the Entire Universe } Eternal Lord does guide the iniquitous wrongdoing not people.

O Muhammad! (The 5:52. Yet thou Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Most Gracefully Ever Equitable every one each and of the Human Beings to whose the people P.m.b.u.hin hearts see there is disease hastening to them for protection, saying: "We fear a misfortune may us!" that strike But The Ever Almighty God will bring perhaps the His Command from Providence. victory some or truly they will become regretful, over whatever they had been concealing in their hearts and minds.

5:53. people truly believe Surely the who will say: swore "Are these the who by The Ever ones Almighty God their strongest oaths that certainly they along with ye?" Their indeed actions were have become worthless, surely they have become losers.

ye the people who believe! Whoever 5:54. Ο among ye turns away from from his religion, Ever Almighty God will eventually bring then The such people, The Ever Almighty God will forth them, and they will love The Ever Almighty love They will be humbly merciful God. towards the believers, powerfully hard against the true unthankful disbelievers. They will strive powerfully in the Straight Path of The Ever Almighty God, and criticism of they will not fear the those who iniquitously criticise. This is the Grace of The Ever Almighty God, He gives it to whoever He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Encompassing Everything, The Ever All Knowing.

5:55. Certainly, The Protecting Friend of ye the true believers is only The Ever Almighty God and His Messenger and the people who truly believe, the people who equitably perform the Prayer and give the Mandatory Alms, and bow down.

who takes any person The 5:56. Truly Ever Almighty God as The Protecting Friend and His and the people truly Messenger who believe: Party of the The Ever Almighty surely indeed, ones who will be the victorious. God the are

ye the people who truly believe! 5:57. 0 Ye protecting friends take as not ever the must Religion in take your people who ridicule and play from among the people who were given the Heavenly Book before ye and the unthankfull all of ye must disbelievers. Truly always fear The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) if ye are the true believers.

5:58. Truly when ye the people who truly believe make the call to the Prayer, they take it in ridcule and play. This is because they are the people who do not use their intellect to be equitable.

5:59. Thou Muhammad! (The Honourable 0 and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? ye must say: "O the People of the Book! Do grievance from us except that ve have we any truly believe in The Ever Almighty God and in Miraculously Revealed whatsoever has been to us has been Miraculously Revealed whatsoever and even before, truly indeed most of ye the People of the Book are unthankfully rebellious?"

5:60. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h one must say: "Shall I inform ye Humankind far worse than this regarding the requital punishment from The Ever Almighty God? It is each and every person whom The Ever Almighty God has cursed and every person with whom He became wrathful He and made from among them apes and swines, and those worship fake gods. Such people are who the worst in position and furthest astray from the Right Path!"

5:61. Truly when they come to ye they say: "We truly believe!" Truly indeed they came with unthankful disbelief, and indeed they left with unthankful disbelief. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of whatever they have been concealing.

5:62. Truly thou see many of them hastening into sin and transgression and their consumption what is prohibited. Indeed, it is extremely evil, the actions they have been doing.

5:63. Why do the Jewish rabbis and religious scholars not prohibit them from saying what is sinful and their consumption of what is prohibited? Indeed, it is extremely evil, the works they have been doing.

5:64. Truly the Jews have said: "The Hand of The Ever Almighty God is tight-fisted!" Their hands are tight-fisted, and they have been cursed because of what they have said. But in fact, both His Mighty open wide: He spends however Hands are He Wills. Truly indeed whatsoever has been Miraculously Revealed to thee from The Eternal Lord and Sustainer of thee will definitely increase many of in transgression and unthankful disbelief. them Truly We (The Ever Almighty God) have sown among them animosity and hatred until the Dav and Judgement. Every of Resurrection time they of war, The Ever Almighty kindle the fire God extinguishes it. Truly they strive in the earth causing evil disorder, Truly The Ever Almighty God not love the people who cause evil disorder. does

5:65. Truly if only the People of the Book had believed and feared The Ever Almighty God, trulv The Ever We Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, Creator and The Eternal Lord and Sustainer The of the Entire Universe) would have absolved from them evil actions and We would have indeed their made them to enter the Everlasting Gardens of Delight.

314

5:66. Truly if only the People of the Book had obsreved and followed the Torah and the Gospel, been Miraculously Revealed whatsoever has and to them from The Eternal Lord and Sustainer of them, they would have consumed abundant provisions from above them and from beneath their feet. From among them there is the moderate community. trulv many of them, it is evil that which they are doing.

Thou the Messenger Muhammad! (the Honourable 5:67. Truthful Messenger Trustworthy and the and the Prophet P.m.b.u.h?; thou must convey whatsoever and been Miraculously Revealed to thee, from The has Eternal Lord and Sustainer of thee, and if thou do then thou not conveyed His have not. Message. Truly The Ever Almighty God will protect thee Humankind. Certainly, The Ever Almighty God rom the unthankful disbelieving people. does not guide

say: "O ye the People of the 5:68. Thou must Book! Ye are upon nothing at all until ye observe Torah the the and Gospel, follow and and been Miraculously Revealed to whatsoever has ve Eternal Lord and Sustainer of ye!" Truly The from indeed whatsoever has been Miraculously Revealed to The Eternal Lord and Sustainer of thee thee from definitely increase many of them in transgression will and unthankful disbelief. Surely thou must not ever grieve over the unthankful disbelieving people.

5:69. Certainly, the people who truly believe and the people who are the Jews and the Sabians and Christians; and every each the one who trulv Ever Almighty God and believes The the Final in Day and does righteous good actions, surely no fear will come upon any of them, nor will they grieve.

5:70. Indeed, We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Creator and and Sustainer of Eternal Lord the The Entire Universe) in fact took a firm covenant from the Children of Israel (P.m.b.u.t), and We sent to them Messengers. Whenever there came to them anv Messenger with whatever their hearts and souls did party of desire, the Messengers not a they unthankfully denied and another party they killed.

5:71. Truly they thought there would be no resulting punishment, surely they became willfully blind hearted and willfully deaf. Thereafter, The Ever Almighty God turned to them in forgiveness; thereafter, again many of them became willfully blind hearted and willfully deaf. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of them ever do.

5:72. Indeed, they have in fact unthankfully disbelieved the people who say: "Certainly, The Ever Almighty God is indeed the Messiah the Son of Mary (P.m.b.u.t)!" Truly the Messiah (the Son of Mary, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t himself said: "O ye the Children of Israel (P.m.b.u.t)! All of ye must always worship only The Ever Almighty God, and The The Eternal Lord and Sustainer of me Eternal Lord and Sustainer of all of ye!" Truly indeed, associates and every person who anything each whatsoever as a god with The Ever Almighty God, surely indeed The Ever Almighty God has prohibited the Everlasting Garden, a person such and to his Eternal Home will be the Hellfire. Truly for the iniquitous wrongdoers there will not be any helpers.

5:73. Indeed, they have in fact unthankfully disbelieved the people who say: "Certainly, The Ever Almighty God is one of three!" Truly there isn't any God except The Ever One God. Truly if they do not stop from that what they are saying, indeed the people who unthankfully disbelieve from among them will definitely be afflicted with the painful punishment.

5:74. Despite that will the unthankful disbelievers not turn in repentance to The Ever Almighty God and pray for forgiveness from Him? Truly The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe) is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

5:75. The Son Mary (the Honourable Messiah. of and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word The Ever Almighty God directed which Mary to and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t not in any way except the Messenger; indeed was many Messengers had come and gone even before Truly his mother always the him. was witness to Truth. of them the Whole Both ate food. Thou must observe how We make supremely clear to them Miraculous Verses. Thereafter, thou must observe the how they are turned away from The Whole Truth.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 5:76. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Do ye Humankind realy worship something Ever Almighty God that The than other which ye people do any harm has no power to nor benefit ye? Truly The Ever Almighty God is indeed The Ever All Hearing, The Ever All Knowing!"

317

5:77. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to every one of Humankind P.m.b.u.h each and must ve the People of the Book! Ye "O say: must exceed the limits in your religion not beyond ever must The Whole Truth, and not ever follow ye the imiquitous desires of the people who had indeed gone astray before and they led astray many others, they had gone astray from the Right Path!" and

Cursed the people who 5:78. were unthankfully the Children of disbelieved from among Israel ⟨P.m.b.u.t⟩⟩ of David (the Honourable by tongue the the Trustworthy and the Truthful Prophet and of Ever Almighty God, The The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) and Jesus, the Son of Mary (the Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God and His Word The Ever Almighty God directed to which Mary Spirit The Ever from Almighty God the and This was solely because they defiantly P.m.b.u.t. disobeyed and they used to iniquitously transgress.

did prohibit each other 5:79. not They from the wrongdoing they used to do. Indeed. it that was the actions they were doing. evil

5:80. Muhammad! (The Thou Ο Honourable and Trustworthy and Truthful Messenger the the and Prophet P.m.b.u.h see many of them taking the people who unthankfully disbelieve as their protecting friends. Indeed, it is extremely evil they the actions themselves ahead for that The Ever have sent Almighty God has become angry with them, trulv in the requital punishment they will reside forever.

5:81. Surely if they had truly believed in The Ever Almighty God and in the Prophet Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever All Wise. The Ever Most Kind, Generous, The Ever Most The Ever Most High, The Ever Most Mighty to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) and in whatsoever has been Miraculously Revealed to the Prophet, they would not have taken the people unthankfullv who disbelieve as their protecting friends; but many people from among them are unthankfully rebellious.

5:82. Indeed thou will definitely find that the most hostile people towards the people who truly and the people believe to be the Jews who associate other gods with The Ever Almighty God: indeed thou definitely find will and that the most closest people in affection towards the people who truly believe are the people who say: "Certainly, This is because are Christians!" from we among and learned are learned priests them there monks. and because they are not unthankfully arrogant.

5:83. Surely when the true Christians hear that {the Supremely Honourable and the Ever Supremely Ever and the Ever Supremely Blessed and the Glorious Supremely Miraculous and the Ever Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Qur'an³ which has been Miraculously Revealed to the Messenger, thou their eyes overflowing with tears solely because see of whatever they have recognised of The Whole Truth. Christians say: "Thou The The Eternal Lord true Sustainer of us! We have believed; therefore, and Thou please inscribe us as amongst the witnesses.

5:84. Truly what equitable motive do we have that we should not truly believe in The Ever Almighty and that *{*the Ever Supremely Honourable God and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear and Message Statement the the Wise Our'an. Reminder and the Miraculous Proof and the Heavenly The Ever Almighty God Guidance from to each and every one of Humankind which has come to us of The Whole Truth? Truly we strongly hope that The Eternal Lord and Sustainer of us will make us enter in company with the devoutly righteous people!"

Surely because of what they said, 5:85. The Ever Almighty God awarded with the Everlasting them Gardens beneath which rivers flow: thev will Truly this is them forever. the reward reside in of the people who do righteous good actions.

5:86. Truly the people who unthankfully disbelieve and unthankfully deny Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Blazing Hell.

O ye the people who truly believe! Ye 5:87. ever prohibit the good things: those must not which The Ever Almighty God has made lawful ye and ye for must not ever commit iniquitous Certainly, transgression. The Ever Almighty God not love the iniquitous transgressors. does

5:88. And ye the people who truly believe ye must eat of the lawful good things; that which The Ever Almighty God has provided for ye. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, The One in Whom all of ye truly believe. 5:89. The Ever Almighty God will not hold ve the people who truly believe accountable for whatever is unintentional in your oaths, but He will hold ve accountable for breaking your intentional oaths. Truly the atonement of breaking any intentional oath is the feeding of ten needy people from the average of which ye feed your own clothing families, that or or the freeing of a slave. them But any person who cannot find the means to do so, then such a This days. person must fast for three is the the oaths atonement for when ve have sworn. always guard your oaths. of ye must Truly all The Ever Almighty God makes In this way His supremely clear for Verses Miraculous all of ve. purpose that ye may become for the thankful.

5:90. O ye the people who truly believe! Certainly, kinds of alcoholic drinks and all all kinds of gambling and sacrificing on any place to fake gods and divining by arrows are defilements from the work of devil Satan. Therefore, ye must always avoid them for the purpose that ye may become triumphant.

5:91. Certainly, the devil Satan only desires to cause between ye the people who truly believe animosity through alcoholic drinks gambling hatred and and all ye away from Wise and to of the turn Reminder of The Ever Almighty God and from the Prayer. Despite that will ve not even then desist?

5:92. Truly all of ye must always wholly obey The Ever Almighty God and all of ye must always wholly obey the Messenger and all of ye must always be on your guard. Truly if ye turn away, then surely ye must know with certitude that the sole duty upon Our Messenger is to convey the Message clearly.

5:93. There is no blame upon the people who truly believe do righteous good actions and concerning whatever they have eaten in the if they at present fear The past Ever Almighty God and truly believe and do righteous good actions. Thereafter, they fear The Ever Almighty God and truly believe, then they fear Ever Almighty God and do The righteous actions. Truly The Ever Almighty God good loves the people who do righteous good actions.

5:94. O ye the people who truly believe! Indeed, The Ever Almighty God will definitely something of the game animals test ve with that your hands and spears can reach, for the purpose that The Ever Almighty God may make evident whoever fears Him in private unseen. Truly whoever iniquitously transgresses after this. surely he will suffer the painful punishment.

ye the people who truly believe! 5:95. O Ye any game while ye must not ever kill are in pilgrim dress. Truly whoever from among the ye kills any game intentionally, then the requital punishment is the equivalent from sacrificial animals to whatever he killed, as judged by two equitable offering delivered among ye as men from an the Kaabah, or its atonement is the feeding to of needy people or the equivalent of that in fasting, for the purpose that he may suffer the bad result of his bad action. The Almighty God has pardoned whatever is The Ever past; but whoever offends again, then The Ever Almighty God will take vengeance from him. Truly The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever Supremely Powerful to take Vengeance.

322

5:96. It is Lawful for ye to hunt from the sea and its food as provisions for ye and for the travellers, but prohibited to ye is the hunting from the land as long as ye are in the pilgrim dress. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, The One Unto Whom each and every one of ye will be assembled together.

The Ever Almighty God (The Ever Most 5:97. Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) has made the Kaabah; the Sacred House, the Sanctuary for Humankind, and the sacred months the animals brought for sacrifice and and the garlanded animals. This is for the purpose that all of ye may know with certitude that The Ever Almighty God always knows very well Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth, truly indeed The Ever Almighty All Knowing of Everything. God is The Ever

5:98. Each and every one of ye Humankind must always know with certitude that certainly The Ever Almighty God is severe in penalty punishment and that certainly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

5:99. There is no duty upon the Messenger Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to every one of Humankind P.m.b.u.h) except conveying the Message. Truly The Ever Almighty God always knows very well Everything that each and every one of ye Humankind ever reveal and each and every one of ye Humankind ever conceal. 5:100. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "The evil and the good are not equal, even if thou (any person from among the Human Beings) may admire the multiplicity of the evil!" Surely each and every one of ye must always fear The Ever Almighty God, O ye the people who have the intelligent hearts for the purpose that ye may become triumphant.

5:101. O ye the people who truly believe! Ye must not ever ask about such matters which, if they are disclosed to ye, might make things difficult for ye. Truly if ye ask about them while the Qur'an is being Miraculously Revealed, they will be disclosed to ye. The Ever Almighty God has pardoned them; truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Forbearing.

5:102. Indeed some people before ye the true believers asked about such matters; thereafter, they came to unthankfully disbelieve in whatever was disclosed.

5:103. The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) did not institute the dedication of such things as Baheerah or Saaibah or Waseelah or any Haam. But the people who unthankfully disbelieve iniquitously invent untruth about The Ever Almighty God. truly most of the unthankful disbelievers do not use their intellect to be equitable.

5:104. Truly whenever it is said to the unthankful disbelievers: "Ye {the that must come to Ever Ever Supremely Honourable and the Supremely Glorious the Ever Supremely Mighty Qur'an, the and the Wise Reminder and the Heavenly Message Guidance from The Ever Almighty God to each and the Human Beings) which The Ever every one of Almighty God has Miraculously Revealed and to the Messenger!" They say: "Sufficient for us is whatever forefathers!" Even our inherited from if their we have any Heavenly Knowledge, forefathers did not any Heavenly Guidance? they following nor were

the people who truly believe! Upon 5:105. Ο ye ye is the responsibility for yourselves. Any person who has gone astray will not harm ye in any the Heavenly Guidance. way if ye follow Only to The Ever Almighty God is the return of each every one of ye Humankind together. Certainly, and The Ever Almighty God will fully inform each every one of ye Humankind of and whatever actions each and every one of ye ever did.

5:106. O ye the people who truly believe! The testimony among ye when death approaches any of ye, at the time of bequest, must be of one equitable men from among ye or two two men people if ye from another are travelling in the the calamity of earth. when death strikes ve. two witnesses after the Detain the Prayer if ye are in doubt; then both of them must swear by The Ever Almighty God: "We will sell not our testimony for any price, even if any close relative involved, and we will not conceal the testimony is The Ever Almighty God. Certainly, of we would indeed then be from among the sinful people!"

325

5:107. But if it is discovered that those two witnesses have been guilty of false testimony, other witnesses should then two stand in up their place, from among those whose rights have been seized. Then both of them must swear by The Ever Almighty God: "Our testimony is their testimony, truly we truer than have not iniquitously transgressed. Certainly, we would indeed then be from among the iniquitous wrongdoers!"

5:108. This way it is more likely that they will give the testimony true to facts, or they would fear that other oaths might be taken after their oaths. all of ye must always fear Truly The Ever Almighty God, all of ye must always listen and attentively; truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Wise, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? does not guide the unthankful rebellious people.

the Day (of Resurrection and Judgement 5:109. On and Reckoning and Requitals and Rewards and in the Eternal Afterlife World, Recompense the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? Almighty God when The Ever will assemble Messengers together all the and He will say: response ye was "What the Messengers the received?" The Messengers will say: "We do not have any knowledge. Certainly, only Thou are The Ever All Knower of Everything that is unseen!"

5:110. Remember when The Ever Almighty God will "Thou O { the Jesus, the Son of Mary say: and the Trustworthy and Truthful Honourable the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God His Word which The Ever Almighty and God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty P.m.b.u.tGod Thou must remember My and Blessing upon thee Favour and upon your when I assisted thee with the Holy mother Spirit Gabriel (P.m.b.u.h), thou spoke to Humankind in the and in maturity; and when I taught thee cradle the Heavenly Book and the Great Wisdom and the the Gospel; and when Torah and thou created like the of bird clay just from form a by My Command, thou breathed into it: then then immediately it became a real living bird by My Command. and thou completely cured the blind by My Command; and the lepers and when thou brought forth the dead to life by My Command; when I of the Children and restrained Israel {P.m.b.u.t} from thee when thou brought them the Supremely Clear Proofs; surely people the who unthankfully disbelieved from among them said: "Certainly, this is nothing except a clear magic!"

5:111. And Remember when I Miraculously Revealed Disciples, saying: "All of ye must the always to truly believe in Me and in My Messenger (the Jesus, the Son of Mary, the Honourable Messiah Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.t}!" and The Disciples said: "We truly believe, therefore, Thou please bear witness that we are Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed Will and the Commandments of The Ever Almighty all God. The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?!"

5:112. Remember when the Disciples said: "Thou O Son of Mary (P.m.b.u.t)! Can The Eternal Jesus. the and Sustainer of thee send down us Lord to а food from spread with heaven?" the The table Jesus, the Mary (the Honourable Messiah Son of and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God Prophet of and His Word Almighty God directed which The Ever to Mary Spirit from The Ever Almighty God and the P.m.b.u.t said: "Ye must always fear The Ever Almighty God, if ye believers!" are the true

The Disciples said: "We wish to 5:113. eat from the table spread with food and so that our hearts reassured: and know become we come to with that thou have told us The Whole certitude Truth. And we may become upon it among the witnesses!"

of Mary (the Honourable 5:114. Jesus, the Son and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.t said: "Thou The Ever Almighty The Eternal Lord Sustainer God. and of us! Thou send down table to with please us a spread food from the heaven to a day of festival be for us, for the first of us and the last of us, Miraculous Sign from and the Thee. And Thou for please provide sustenance us; truly Thou are The Ever Best of those who Provide Sustenance!"

The Ever Almighty God said: "Certainly, I 5:115. send it down to all of going to am ve. any person who unthankfully disbelieves but after surely indeed, among ye, this will from Ι him with the punishment by punish which Ι have not punished anyone among all the Worlds!"

5:116. And remember when The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and say: "Thou O Universe } will Jesus, the Son of Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Prophet Truthful Messenger and of The Ever and His Word which Almighty God The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t?! "Did thou say Humankind: 'Take me and my mother to as two gods besides The Ever Almighty God?' The Messiah Jesus, the Son of Mary (the Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God and His Word of which The Ever Almighty God directed Mary and to Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t the will say: "All Glory with Complete Holiness is to Alone! It is not appropriate Thee for in me any way to say anything I do not have the equitable right to say. If I had said any such thing, surely indeed Thou would have known it very well. always know very well Thou Everything that is within myself, truly I do not know what within YourSelf. Certainly, only Thou is The are Ever All Knower of Everything that is Unseen!"

did 5:117. I say to Humankind not in any except whatever Thou Commanded way me, always worship only saying: 'All of ye must The Almighty God, The Lord Ever Eternal and and The Sustainer of me Eternal Lord and of ye.' Truly I was Sustainer of all the witness as I was among long them as them: over were Thou took up, Thou but when me The Ever All Watcher all of them, truly over Thou are The Ever Present Witness Over Everything.

5:118. If Thou (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) punish them, surely indeed they are Your servants; truly if Thou forgive them, surely indeed Thou are The Ever Almighty, The Ever All Wise.

The Ever Almighty God will say: "This 5:119. is (of Resurrection and Day Judgement the and Reckoning and Requitals and Reward in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when the truthful people will benefit from their truthfulness!" They will have the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. They in them forever. The Almighty will reside Ever God is well pleased with them, and they are pleased with Him. This is the mighty victory. well

5:120. Only to The Ever Almighty God belongs Eternal Kingdom of the all the heavens and and Everything earth that the whole is in them. Truly The Ever Almighty God always has supremely powerful ability to do Everything. the

4:170. O ye each and every of Humankind! one Indeed. there has come the Messenger to ye Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to each every of and one Humankind P.m.b.u.h) with The Truth Whole from Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely The all of ye must always truly believe; it is supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve; only to surely indeed, The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

6: Sûrah Chapter Al-An'am The Livestock M.V. 165

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Praise belongs The 6:1. All the only to Ever God Who has Almighty God, The created all heavens and the whole earth and made the Thereafter, the light. the darknesses and the people who unthankfully disbelieve set up others as equals to The Eternal Lord and Sustainer of them.

6:2. The Ever Almighty God is The God Who has created each and every one of ye Humankind from clay. Thereafter, decreed the appointed time for death, and with Him there is another appointed time for the Resurrection; thereafter, ye are still in doubt.

6:3. Truly He Alone is The Ever Almighty God in all the heavens and the whole earth. The Ever Almighty God always knows very well every secret of each and every one of ye Humankind, and always knows very well Everything ye make public, truly He always knows very well whatever actions each and every one of ye Humankind ever earn.

6:4. Truly there never comes to them any Miraculous Signs from the Miraculous Sign among of The Sustainer of them Eternal Lord and except that they always turn away from every Miraculous Sign.

indeed Surely they unthankfully denied 6:5. The Truth when it to Whole came them. surely eventually there will come them to the true that which they have been ridiculing. news of

331

6:6. Have they not seen how many generations We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable) have destroyed before them, which We had firmly established in as We have the earth not established ve people? sent the heaven Truly We to them giving rain and We made rivers flow beneath in abundance them; yet We destroyed them because of their sins. and We created even after them other generations.

Truly even if We (The Ever Almighty 6:7. God. Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Merciful) had Miraculously Revealed Most to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) Heavenly Book written parchment, so they even touched it with their on hands, indeed those who unthankfully disbelieve would say: "This is nothing except a clear magic!"

6:8. And the unthankful disbelievers say: "Why has an Angel not been sent down to the Messenger?" Truly if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) had sent down an Angel, the matter would indeed have been judged; thereafter, they would not have been given any respite.

Truly if We (The Ever Almighty God, The 6:9. Compassionate, Ever Most Gracefully The Ever Most Merciful had made the Messenger an Angel, indeed We would have made him in form the of truly indeed We would have man. a put same doubt which they are doubting. them in the

332

6:10. Truly indeed the Messengers were in fact ridiculed even before thee, surely the people who ridiculed from among them were completely overwhelmed by the requital punishment they used to ridicule.

6:11. Thou O Muhammad! (The Honourable and the the Truthful Messenger and Trustworthy and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "All of ye must travel in the earth; thereafter, ye must observe how was the Final End of the unthankful deniers.

6:12. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Most of Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "To whom belongs Everything that is in all the heavens and the whole earth?" Thou must say: "Only to The Ever Almighty God!" He has decreed upon Himself Mercy. Indeed, He will definitely assemble each and every one of ye Humankind together on the Day of Resurrection and Judgement about which there is people who have themselves put no doubt. The in loss, surely they will not truly believe.

The only to Ever Almighty God 6:13. Truly belongs Everything that during the night rests day, truly The Ever Almighty God is the and Ever All Hearing, The Ever All Knowing. The

Thou must say: "Shall I take as the 6:14. protecting friend other than The Ever Almighty God. of all the heavens the The Creator and whole earth, while He Alone always feeds and He Himself is not ever fed?" Thou must say: "Certainly, I to be been Commanded the first of those have The Ever Almighty who submit only to God. thou must not ever be of the polytheists!" and

6:15. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, if I disobey The Eternal Lord and Sustainer of Me, I myself fear the requital punishment of the Mighty Day!"

6:16. From each and every person the requital that Day (of Resurrection punishment is averted on and Reckoning and Requitals Judgement and and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured Fifty Thousand Years), extent whereof is surely indeed The Ever Almighty God has awarded such a person Mercy. Truly that is the clear victory.

Truly if The Ever Almighty God should touch 6:17. of Humankind! thee Ove each and every one any harm, surely there is with remover of no Truly if He it except Him Alone. touches thee ⟨O ye each and every of Humankind! **With** one any good, surely The Ever Almighty God always the supremely powerful ability to do Everything. has

6:18. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Dominant Over His servants. Truly He is The Ever All Wise, The Ever All Aware.

6:19. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of of the Human Beings P.m.b.u.h) must say! one "Who is the ever greatest witness?" Thou must say: "The Ever Almighty God is The Ever Present ye between me and between Humankind. Witness Truly this Qur'an has been Miraculously Revealed to me, for the purpose that I may warn ve with this Qur'an and each Humankind and every person to whom this Qur'an reaches. Do ye the polytheists really bear witness that indeed are other gods along with The Ever A there The Ever Almighty Thou must say: "I do God?" not bear witness to untruth!" Thou must say: "Certainly, The this Ever Almighty God is The Ever One God, truly indeed, I totally reject whatever gods ye the associate with The Ever Almighty God!" polytheists

6:20. The people to whom We (The Ever Almighty God) have given the Heavenly Book, they recognise Qur'an, just like recognise they this Book their The people who sons. have put themselves own surely they will not truly believe. in loss,

6:21. Truly who is more iniquitous than the person who invents untruth about The Ever Almighty God or unthankfully denies His Miraculous Verses? Certainly, the iniquitous wrongdoers will not be triumphant.

Truly on the Day when We (The Ever 6:22. Almighty God, The Ever All Wise) will assemble of and every one the Human each Beings We will together. Thereafter, say to the people had been committing polytheism: "Where who are other gods whom ye used to proclaim?" your

Thereafter, the polytheists 6:23. will not have that they will "By answer except say: any The Ever Almighty God, The Eternal Lord Sustainer us! We were not ever polytheists!" and

6:24. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one Humankind P.m.b.u.h) must observe! How they will of tell untruth about themselves. And whatever they had been iniquitously inventing will disappear from them.

6:25. Truly from among Humankind there are those who listen to thee, but We (The Ever Almighty God. Ever All Wise have put coverings The over their that they may not understand this hearts so Book Our'an, and in their ears the deafness. Trulv even if they see every Miraculous Sign they will not truly believe in them; to the point that when they come to thee disputing with thee, the people who unthankfully disbelieve say: "This Book Qur'an is nothing except the stories of the previous people!"

the unthankfull disbelievers 6:26. Truly prevent other people this Book Our'an from and prevent themselves this they from Book they do not destroy in Qur'an. Truly any way themselves, but they do not perceive except it.

6:27. If only thou could see when the unthankful be will made to disbelievers stand before the "Oh. Hellfire! Then they will say: we dearly could be that sent and wish we back, we unthankfully deny the Miraculous would not Eternal Lord Verses of The and Sustainer of us and we would be among the true believers!"

But in fact that which the 6:28. unthankful been hiding before has had become disbelievers them. visible Truly clearly even if the to disbelievers were sent back, indeed they unthankful would to whatever they were prohibited: return truly indeed they are surely the untruthful.

6:29. Truly the unthankful disbelievers say: "There is nothing in any way except our life of this present Earthly World, and we will not be resurrected!"

6:30. If only thou could see when the unthankful disbelievers will be made to stand before The Sustainer of them! Eternal Lord and The Ever Almighty God will say: "Is this not The Whole Truth?" The unthankful disbelievers will say: "Certainly yes! By The Eternal Lord and Sustainer of us!" The Ever Almighty God will say: "Therefore, ye must feel the requital punishment, solely because ye used to unthankfully disbelieve!"

6:31. Indeed, the people who unthankfully deny in the Meeting with The Ever Almighty God have put themselves in ruining loss, until when the Final Time comes upon them suddenly, they will say: "Oh, are extremely regretful, over whatever we we neglected regarding the Final Time!" Truly they will their burdens of sins on their backs. Beware! bear Extremely evil are the burdens they will bear.

6:32. Truly the life of this present Earthly World play and is in any way except not a an Truly indeed, the Home of the amusement. Eternal World is supremely better for the righteous Afterlife people who fear The Ever Almighty God. Despite that will ye not use your intellect to be equitable?

Certainly, We (The Ever Almighty God, The 6:33. Most Gracefully Compassionate, Ever The Ever very well All know Wise that what the unthankful deniers say indeed grieves thee. Surely indeed, they do not unthankfully deny thee, but in iniquitous wrongdoers unthankfully fact the reject the Miraculous Verses of The Ever Almighty God.

Truly indeed the Messengers 6:34. were in fact unthankfully denied even before thee 0 Muhammad! Honourable and the Trustworthv (The and the Messenger and Prophet of Truthful The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Ever Most All Wise, The Generous. The Ever Most Powerful, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to and each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h, but steadfastly patient over whatever they they were unthankfully denied, and they were inequitably were harmed until Our Help came to them. Truly none ever change the Words of The Ever Almighty can indeed, there in Truly come God. has fact to some informing news about the Messengers. thee

Truly if their turning away is difficult for thee, 6:35. if thou able to seek out then are a tunnel into the earth or a stairway into the heaven, then thou may bring them the Miraculous Sign. Truly if The Ever Almighty God had Willed, indeed He would have united them upon the Heavenly Guidance. Surely thou must not ever be one of the ignorant people.

6:36. Only the people who attentively hear will wholly comply. Truly those who are dead, The Ever Almighty God will resurrect them; thereafter, only to The Ever Almighty God all of them will be returned. 6:37. And they say: "Why is the Miraculous Sign is not sent down to the Messenger The from him?" Lord Sustainer of Eternal and Thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, and The Eternal Lord The Creator and Sustainer of and every one of the the Entire Universe to each Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Certainly, The Ever God always has the supremely powerful Almighty ability to send down the Miraculous Sign. but most of Humankind do not have the Heavenly knowledge.

Truly there is living moving creature 6:38. no on bird flies the whole earth that with its nor any wings except that they communities like are just yourselves. We have not neglected anything in the Thereafter. all of them will Book. be assembled together to The Eternal Lord and Sustainer of them.

unthankfully deny 6:39. Truly the people who Our Miraculous Verses are deaf and dumb in total The Ever Almightv Any person God darknessess. leaves him to stray; any person Wills He and He Wills puts him the Straight on He Path.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 6:40. Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet Ever Almighty God, The of The Ever Most Compassionate, The Gracefully All Wise Ever to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? each say: "Have ye Humankind considered, if there must ye the requital punishment of The came to Ever Almighty God or there came to ye the Final Time. anyone would ye then call Prayer in other than The Ever Almighty God; if ye are the truthful?"

339

6:41. But in fact, only The Ever Almighty God ve Prayer, then if He Wills. would call in He that for whatever ye called in Prayer removes to Him, and ye Humankind would forget whatever other ye associate with The Ever Almighty God. gods

fact Truly indeed We in sent Messengers 6:42. to nations even before thee; surely We seized many extreme poverty and with them extreme hardship for the purpose that they may humbly pray.

6:43. Then why did they not humbly pray when Our requital punishment came to them? But in fact their hearts became hardened, and the devil Satan adorned to them whatever evil actions they were doing.

6:44. Surely when they forgot that by whatever warnings they had been reminded. We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe } opened up for the them the of everything they desired, until doors when thev rejoiced in whatever they had been given. We seized suddenly, then they were them in utter despair.

Surely the people who had committed iniquity 6:45. completely eliminated. Truly all Praise the were Almighty belongs only to The Ever God. The Sustainer of all the Eternal Lord and Worlds.

say: "Have all of ye Humankind Thou must 6:46. considered: if The Ever Almighty God took away hearing your eyesight and set and the seal vour is the god other your hearts, which than The upon Almighty God who could restore them to ve?" Ever how clearly We explain observe the Thou must Miraculous Verses. Thereafter, they still turn away.

6:47. Thou must say: "Have each and every one of ye Humankind considered; if the requital punishment Almighty God of The Ever were to come to unexpectedly or manifestly, will any other be ve destroyed except the iniquitous wrongdoing people?"

6:48. Truly We do not send the Messengers except Good as the Announcers of the True News and as the Constant Warners. Surely every person truly believes righteously, truly no who and acts come upon them, nor will they grieve. fear will

6:49. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses, the punishment will afflict them solely because they had been unthankfully rebellious.

6:50. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of Almighty God, The Ever The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h? to each ۴I do not to ye Humankind that must say: say I possess the treasures of The Ever Almighty God. know that Ι the Unseen; and I do nor not to ye that I am Angel. I do not follow an say except whatsoever is Miraculously any way in to me!" Thou must say: "Is the Revealed blind person equal to the person who can see? Despite will ye not think deeply to be equitable?" that

by this thou must Warn 6:51. Truly Book Our'an people fear they will the who that be assembled before The Eternal Lord and Sustainer of them. them there will not any protecting For be friend intercessor besides Almighty The Ever nor any God. purpose that they may become the for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

6:52. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of the Human Beings P.m.b.u.h must every one not ever send away the people who call in Prayer The Eternal Lord and Sustainer of them, morning afternoon. seeking His All Blessed Love. and late account is Their reckoning not upon thee at all your reckoning account is not upon them and at Surely if thou do send them all. away, then thou would become one of the iniquitous wrongdoers.

6:53. Truly in this way We (The Ever Almighty God. Ever All Wise tested The have some of them through others, that SO the unthankful disbelievers may say: "Is it these people whom The Ever Almighty God has favoured from among us?" Is not The Ever Almighty God The Ever Most Knowing of the thankful people.

6:54. Surely whenever the people who truly believe Our Miraculous Verses come thee, thou 0 in to Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the and every one Almighty God to each of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Peace be upon Eternal Lord and ye!" The Sustainer of ve has decreed upon Himself Mercy; that indeed whoever amongst ye commits any evil from action out of thereafter after repents ignorance; that and acts righteously, surely inded, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

6:55. Truly this is how We explain in detail the Miraculous Verses; and for the purpose that the path of the iniquitous criminals will become clear.

6:56. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of Almighty God, The Ever Most Gracefully The Ever Compassionate, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Certainly, I have been prohibited to worship whatever gods ye people call in Prayer other than Ever Almighty God!" Thou must say: "I will The ever follow your iniquitous desires, indeed not in case I would go astray, and I would not that be of those who follow the Heavenly Guidance!" one

6:57. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully All Compassionate, The Ever Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Certainly, I follow the Supremely Clear Proof and Sustainer of from The Eternal Lord me, vet ye people have unthankfully denied the Supremely Clear Proof. I do not have that for which ve asking impatiently. Certainly, the equitable right are Judge belongs only to The Ever Almighty God. to always narrates The Whole Truth. truly He He is The Ever Best of those who give judgement!"

6:58. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever and every one of the Human All Wise to each Beings P.m.b.u.h) must say: "If I had that for which ye are asking impatiently, indeed the matter been decided between have would me and between ye, truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of the iniquitous wrongdoers!"

Truly with The Ever Almighty God are the 6:59. of all the Unseen; no one knows keys them except The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God always knows very well Everything that is in the land and the sea. Truly not a leaf ever falls but that He always knows it. And there is no grain in the darknesses of the anything moist whole earth or nor anything dry, but it is written in the Ever Supremely Clear Book.

The Ever Almighty God is The God 6:60. Truly souls of each and every one takes the Who of ye the Human Beings by night, truly He always very well whatever actions knows all of ve done by daytime. Thereafter, have He makes ve again therein for the purpopse that rise the completed. Thereafter, appointed life span may be The Ever Almighty God will only to be the return of each and every one of ye the Human Beings: thereafter, He will fully inform each and every one of ye of whatever actions ye ever did.

Truly The Ever Almighty God is 6:61. The Ever All Dominant over all His and The servants Almighty God sends over each Ever and every of ve the Human Beings Guardian Angels. one of when death any one until comes to ve Human Beings; Our Messengers take the his ever neglect their duty. soul and they do not

6:62. Thereafter, each and every one of the Human Beings will be returned to The Ever Almighty God, their True Master. Beware! Only to The Ever Almighty God belongs the equitable right to Judge and Command, truly The Ever Almighty God is The Ever Swiftest in Taking the Reckoning Account. 6:63. Thou must say: "Who rescues ye Humankind from the darknesses of the land and the sea? Ye pray to The Ever Almighty God humbly and secretly: "Indeed, if He saves us from this, indeed we will definitely be among the thankful people!"

"It is 6:64. Thou must say: The Ever ye Humankind Almighty God who saves from it and from every distress; thereafter, ve associate gods with The Ever Almighty God!" others as

6:65. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one "The Ever Humankind P.m.b.u.h must of say: Almighty God is The Ever Supremely Powerful to send upon ye Humankind requital punishment from above ye or from under your very feet, or to confuse ye and make ye feel into sects the another!" Thou violence of one must observe how clearly We explain the Miraculous Verses for the their intellect to understand. purpose that they use

people have Truly your unthankfully denied 6:66. Book Qur'an, while it is The Whole this Truth. say: "I am not a protector over ve!" Thou must For every prophecy is fixed 6:67. there time: eventually all of ye will come to know. truly

Truly whenever thou see people 6:68. the who in evil discussions concerning Our Miraculous engage Verses, surely thou away must turn from them they start have lawful discussion. until to if the devil Satan But causes thee to forget, thou have remembered, thou then once must not sitting with the iniquitous wrongdoing people. stay

6:69. Truly the righteous people who fear The Ever Almighty God are not held accountable in any way for the iniquitous wrongdoers; their only duty is to remind them, for the purpose that they may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

O Muhammad! (The 6:70. Truly thou Honourable and and the Trustworthy Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of the Human Beings P.m.b.u.h every one must leave the people who take their religion a play as and amusement, and the life of this present Earthly World has deceived them. But thou must remind Book Qur'an, lest with this a person be delivered destruction solely because of whatever up to evil actions he earned. He will not have other The than Ever Almighty God any protecting friend nor anv intercessor. Truly if he offered every kind of compensation, it would not accepted be from him. They are the people who given to destruction are of whatever evil solely because actions they had will earning. They have the drink of been and the painful requital scalding water punishment solely because used to unthankfully disbelieve. they

say: "Are we to call 6:71. Thou in Prayer must Ever Almighty God something that instead of The and be turned back cannot benefit us nor harm us, after The Ever Almighty our heels God has on like whom the person guided us? Just the devils have persuaded to wander in the earth confused, he has companions inviting him to the guidance: 'Come to us.' Thou must say: "Certainly, the Guidance of The Ever Almighty God is the Correct Guidance. Truly we have been Commanded to wholly submit only to Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds: The

6:72. And {we have been Commanded} that all of equitably perform the Prayer must always and ve always fear The Ever of ye all must Almightv God!" Truly The Ever Almighty God is The God Whom all of ye Humankind will be gathered. Unto

6:73. Truly The Ever Almighty God is The God created all the heavens Who has and the whole equitable purpose. earth for the Truly the Dav He "Be!" Then it will will The say: come to be. Ever Almighty God is Word of The always The Truly the Kingdom will Whole Truth. belong only the Day when the Trumpet Him on will be to All blown: He is The Ever Knower of all the all the Seen. Truly The Ever Unseen and Almighty The Ever All Wise, The Ever All Aware. God is

when Abraham (the Honourable 6:74. Remember and Trustworthy Truthful Messenger the and the and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty P.m.b.u.h) said to his father Aazar: "Do God thou idols as gods? Certainly, I take statues see thee be in the and your people to clear straying!"

this way We (The Ever Truly in 6:75. Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, God. The Ever Living showed All Wise, The Abraham Ever of the and (P.m.b.u.h) the Kingdoms heavens the trulv for earth. the purpose that he would be one of those who believe with always certitude.

Surely when the night grew dark over Abraham 6:76. *(***P.m.b.u.h***)*, Abraham $\{P.m.b.u.h\}$ he saw a star. "This said: is The Eternal Lord and Sustainer of when set, Abraham (P.m.b.u.h)me!" But the star "I do not like set!" said: all those that

6:77. And when Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty and God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Most Merciful, The Ever All Wise P.m.b.u.h) saw "This rising, he said: is The Eternal the moon Sustainer of me!" But when Lord and the moon set, he said: "Indeed if The Eternal Lord too and of me does not guide me, indeed I will Sustainer definitely be among the people who have gone astray!"

6:78. And when Abraham (P.m.b.u.h) saw the sun said: "This is The rising, he Eternal Lord and of me; is greater!" But this Sustainer when said: "O my set, He people! the sun too ye the gods Certainly, I totally reject whatever polytheists associate with The Ever Almighty God!"

6:79. Certainly, I have turned my face towards God Who has created The all the heavens and the Devoutly True Monotheist, whole earth, as the truly I am not from among of the polytheists!"

Truly the people of Abraham (P.m.b.u.h) argued 6:80. him. Abraham (the Honourable and the with Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, and Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h The Ever "Do argue with said: ye people me about The Almighty God while He Ever has indeed guided me? Truly I do not fear anything whatsoever ve people associate as gods with The Ever Almighty God, except that The Eternal Lord and Sustainer of Wills something. The Eternal Lord and Sustainer me of me Encompasses Everything in His knowledge; despite that will ye not heedfully remember?

6:81. Truly why should I fear whatever ye people associate as gods with The Ever Almighty God, while ye people do not fear that ye have associated others as gods with The Ever Almighty God for which He has not Miraculously Revealed to ye people any All Binding Authority? So, which of the two parties has more right to have peaceful security, if ye have the Heavenly Knowledge?"

6:82. The people who truly believe and they do not mix their True Faith with any iniquity, such are the people who will have peaceful security and they are the ones who follow the Heavenly Guidance.

6:83. Truly this was Our equitable argument which We (The Ever Almighty God) gave Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) against his people. We raise to higher grades whomever We Will. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever All Wise, The Ever All Knowing.

6:84. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Equitable, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) gave to Abraham, Isaac and Jacob; We guided all of them. And We guided Noah previously; and from among the descendants of Noah, David and Solomon and Job and Joseph and Moses and Aaron (P.m.b.u.t). Truly just like this We reward the people who do righteous good actions.

6:85. And Zechariah and John and Jesus and Elias, all of them were of the devoutly righteous.

6:86. And Ishmael and Elisha and Jonah and Lot (P.m.b.u.t), truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever Living) favoured all of them above all the Worlds.

their 6:87. And from among fathers and their truly We and their brothers; descendants chose them to the Straight Path. and We guided them

Correct Guidance This the of 6:88. is The Ever Almighty God by which He guides any person He among His servants. But if they from Wills had associated anything as a god with The Ever Almighty indeed whatever righteous good actions God. thev had been doing would have become worthless for them.

6:89. They are the people to whom We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire The Eternal Universe. The Creator and Lord and of the Entire Universe) gave the Heavenly Sustainer Book and the Great Wisdom of Judgement and the Prophethood. Surely if these people unthankfullv disbelieve in this Message Statement: surely indeed entrusted it to the people who We have are unthankful disbelievers in this Message Statement. not

They are the people whom The Ever Almighty 6:90. has guided; therefore, thou must always follow God Thou 0 Muhammad! (The Honourable path. their Truthful Trustworthy and the and the Messenger Prophet of The Ever Almighty God to each and Human Beings of the P.m.b.u.hand every one "I do not ask ye Humankind for this must say: Qur'an any reward. This Our'an is in not any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

6:91. Truly those people did not adore The Ever God The Ever Most Gracefully Almighty Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Most Most Equitable, The Creator of Everything, The of All Ever Owner Praise. The Ever Owner of King The Eternal of All Glory, the Entire Universe, The Creator The Eternal and Lord and of the Entire Universe) with the adoration Sustainer equitably due to Him when they said: "The Ever Miraculously Almighty God not did Reveal to being anything in any way!" Thou human any must say: "Who Miraculously Revealed the Heavenly Moses (P.m.b.u.h) came with; the Book that Clear the Heavenly Guidance for and Humankind? Light Ye people make it into pages, disclosing some of the Heavenly Book and concealing much. Truly ve taught that which ye did not know. neither were ye nor your forefathers!" Thou must say: "The Ever Almighty God!" Thereafter, thou must leave them their iniquitous discussions, amusing themselves. in

6:92. Truly this Book Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? have Miraculously Revealed, it is the Ever Supremely sincerely confirming the Heavenly Books Blessed and which were before this Book Qur'an, and for the purpose that thou may warn the people of the Mother of Cities and all those around it. The people who truly believe in the Eternal Afterlife they also truly believe in this Book Qur'an, World and they are constant guardians over their Prayers.

6:93. Truly who is more iniquitous than the person invents untruth about The Ever Almighty God who or says: "It has been Miraculously Revealed to me," when nothing in any way has been Miraculously Revealed to him, and the person who says: "I will reveal just like whatever The Ever Almighty soon has Revealed!" Only if thou could God see when iniquitous wrongdoers are in the overwhelming the pangs of death, and the Angels extend their hands: "Ye must deliver your souls! Today ye will be requited by the requital punishment of extreme humiliation solely because ye used speak to about The Ever Almighty God other than the whole truth to be unthankfully arrogant towards and used ve the Miraculous Verses The Ever Almighty God!"

6:94. Truly indeed ye people have in fact come to Us, alone, just like We (The Ever Almighty God) created ye the first time, and ye have left behind ye Everything We provided ye. Truly We do not see with ye your intercessors which ye claimed that were partners in ye. Indeed all relations between all of ye in fact have been severed, and whatever fake gods ye used to claim has disappeared from ye.

6:95. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Splitter of grain seed and the date seed. He Alone brings out the living from the dead, and He Alone brings out the dead from the living. Such The Ever Almighty God; despite a One is that away from The Whole Truth? how are ye turned

6:96. The Ever Almighty God is The Ever Splitter of every dawn and He has made the night for rest and the sun and moon for calculation. This is the Decree of The Ever Almighty, The Ever All Knowing.

352

Truly The Ever Almighty God is The God 6:97. has placed for all of ye Humankind, the Who for the purpose that ye may guide vourselves Stars of by them through the darknesses the land and sea. Indeed, We (The Ever Almighty God, The the Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner The Ever Owner of All Praise. Glory, of All The King of the Entire Universe, Eternal The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have explained in detail the Miraculous people who Verses for Heavenly have the the (of Miraculous Verses knowledge the and the Signs and the Miraculous Miraculous Words and Miraculous Books of The Ever Almighty God. the

Truly The Ever Almighty God is The God 6:98. one of Who has created each and every ve person (Adam P.m.b.u.hHumankind from one of residence there is a place then and the storage. Indeed, We have of explained in place Miraculous Verses for the people detail the who intellect understand their the Whole Truth. to use

The Ever Almighty God is Truly 6:99. The God down rainwater from the heaven, then Who sends The We **Fhe** Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate) bring forth thereby vegetation of every kind. Surely We bring forth from it green which We bring forth grains arranged shoots from And from the palm trees. from in layers. its emerging fruit are clusters hanging low. And gardens of grapevines and olives and pomegranates, both and dissimilar. Ye Humankind must similar observe of its fruit when it yields each and at its at ripening. Certainly, in all this there indeed are the Miraculous Signs for the people who truly believe.

6:100. Yet they have iniquitously ascribed the jinn of The Ever Almighty God, despite the as partners Ever Almighty God has The fact that created all and they have iniquitously fabricated jinn, the for and daughters without any true knowledge. Him sons Glory with All complete Holiness is only to The Ever Almighty God! Truly He is Supremely Exalted from whatever untruth they are narrating. far above

6:101. (Surely indeed The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most The Ever Most Equitable, Merciful. The Ever Most The Kind, Ever Most The Ever Most Generous. The High. Forgiving, Ever Most The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and Lord and Sustainer The Eternal of the Entire is) The Originator of all Universe the heavens whole How earth. and the could He have have wife? children when He does not a Truly Everything Ever Almighty God has created The and He is The Ever All Knowing of Everything.

Such One is The Ever Almighty 6:102. a God, The Eternal Lord and Sustainer of each and Humankind. There is of ye God every one no except Him Alone, The of Creator Everything. Surely of each and every one ve Humankind always worship only Him. Truly The must Ever Almighty God is The Protector Over Everything.

6:103. All vision cannot ever perceive The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God always perceives all vision. Truly The Ever Almighty God is The Ever Intensely Kind, The Ever All Aware.

354

6:104. Indeed, there has come to each and every of ye Humankind the Miraculous Insightfulness one The Eternal Sustainer of ve: trulv from Lord and who chooses to (by truthfullv see any person believing in the Ever Supremely Honourable and the Glorious Ever Supremely and the Ever Supremelv the Ever Supremely Miraculous Mighty and and the Supremely Wise Our'an, surely Ever it will be supremely good for himself, truly any person who remain blind (by unthankfully disbelieving chooses to Supremely Honourable in the Ever and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Miraculous Qur'an, surely it will be extremely bad for himself. Truly I am the guardian over ye Humankind. not

6:105. Truly in this way We (The Ever Almighty God) clearly explain the Miraculous Verses, and for the that the unthankful disbelievers purpose will say: "Thou have been studying," and for the purpose that this Book Our'an supremely clear make We may the heavenly knowledge. the people who have for

Muhammad! {The 6:106. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and of Humankind P.m.b.u.h every one must always Miraculously follow whatsoever has been Revealed The Eternal thee from Lord and Sustainer to of thee, there is no God except Him Alone. the polytheists. truly thou from must turn away

Truly if The Ever Almighty God had Willed, 6:107. would polytheists not have associated the anything whatsoever as a god with The Ever Almighty God. made thee the Guardian Trulv We have not over them. thou the Protector over nor are them.

6:108. Truly ye the true believers must not ever blaspheme any gods whom the polytheists call in prayer other than The Ever Almighty God. in they blaspheme The Ever Almighty God case in unthankful hostility without any knowledge. Thus We every community have adorned to their actions. The Eternal Lord Sustainer Thereafter. and of to the return of them, then will fully them is He of whatever actions they ever did. inform them

6:109. Truly they swear by The Ever Almighty God their strongest oaths that, indeed if the Miraculous Sign came to them, surely they would believe in it. Thou must say: "Certainly, the Miraculous Signs are with The Ever Almighty God!" Truly what will make ye the true believers perceive that even if the Miraculous Sign came, they would not truly believe.

6:110. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? away their hearts and will turn their evesight just like they did not truly believe in this Book Qur'an the first time. Truly We will leave them their iniquitous transgression, wandering blindly. in

6:111. Truly even if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire The Eternal Lord The Creator and Universe. and of the Entire Universe) had Sustainer sent down them the Angels and the dead people spoke to them, and We assembled together every created to thing in front of them, they would still not truly believe except that The Ever Almighty God Wills. Truly most of them behave with ignorance.

Truly in this way We (The Ever Almighty 6:112. God) have made for every Prophet enemies, devils Human Beings and from among the the Jinn of them inspiring to others some with Beings, speech in order to deceive. Truly if adorned thee The Eternal Lord and Sustainer of had Willed. have done this. Therefore, thev would not thou must leave them and whatever they inequitably invent.

6:113. And for the purpose that the hearts of the people who do not truly believe in Eternal the will incline towards it, Afterlife World and that they will pleased with it, be and that they will commit actions that which they are committing.

6:114. (Thou O Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one Humankind must say P.m.b.u.h): "How of can Ι seek a judge other than The Ever Almighty ever God, while He is The One Who has Miraculously ye Humankind Heavenly the Revealed to Book explaining Everything in detail!" Truly the people to whom We have given the Heavenly Book, they have the knowledge that this Book Qur'an has been Miraculously Revealed from The Eternal Lord and Sustainer of thee with The Whole Truth. Therefore. must not ever be one of those who doubt. thou

Word of the The 6:115. Truly Eternal Lord of thee (The Sustainer Ever Almighty and God, Equitable) is The Ever Most always perfectly and in justice. complete in truth There is no one ever change the Words of The Ever who can Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

6:116. Truly if thou the Human Being obey most of the people upon the earth, they will mislead thee from the Straight Path of The Ever Almighty God. They follow nothing except speculation, and they do nothing except iventing untruth.

6:117. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Most Knowing of each and every person who has gone astray from His Straight Path, and He is The Ever Most Knowing of each and every person who follows the Heavenly Guidance.

the true believers Surely ye 6:118. may eat of the animal the meat that upon which the of The Ever Almighty God Name has been pronounced, if ye are the true believers in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God.

what equitable motive 6:119. Truly do ve the ye do true believers have that not eat the animal that upon which meat of the the Name of The Ever Almighty God has been pronounced, Ever Almighty God has explained while The in ye the true believers whatever He detail to has prohibited to ye, except whatever ye are forced by necessity. Truly indeed many people surely lead people astray through their iniquitous desires without any heavenly knowledge. Certainly, The and Sustainer of thee is indeed Eternal Lord The Ever Most Knowing of the iniquitous transgressors.

6:120. Truly ye Humankind must abandon every sin whatever is apparent kind of and every whatever is concealed. Certainly, people kind the sin will eventually be equitably requited who earn for whatever evil actions they had been committing.

358

true believers must 6:121. Surely ye the not ever eat the meat of the animal that upon which the The Ever Almighty God has Name of not been pronounced, for sure it is indeed unthankful rebellion. Truly indeed the devils inspire their friends to argue Surely if ye the true believers obey them, with ve. certainly. will indeed become the polytheists. ye

person who dead the and We 6:122. Can was Ever Almighty God, The Ever Most (The Equtable } We him life made for him gave and the light by which clear walk among Humankind to like the person who is in utter darknesses just cannot from which he ever come out? In this is adorned the unthankful disbelievers it to way whatever evil actions they have been doing.

6:123. Truly thus We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have placed within iniquitous criminals every city the greatest of its they may inequitably plot therein. so that Trulv not inequitably plot in any way except they do against themselves, but they perceive it. do not

6:124. Truly whenever the Miraculous Verse comes to them, they say: "We will not truly believe until are given just like whatsoever was we given to Messengers of The Ever Almighty God!" the The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing whom to place His Message. Eventually the with have committed iniquitous people who crimes will debasement and severe afflicted with be punishment Ever Almighty God solely because from The whatever they have been inequitably of plotting.

6:125. Surely any person whom The Ever Almighty God intends to guide, He expands his chest to Islam; and any person whom He intends to leave to stray, He makes his chest tight and constricted as though he were climbing up into the heaven. Thus The Ever Almighty God places impurity upon the people who do not truly believe.

6:126. Truly this is the Straight Path of The Eternal Lord and Sustainer of thee. Indeed, We have explained in detail the Miraculous Verses for the people who heedfully remember.

They will have the Home 6:127. Eternal of with The Eternal Lord Peace and Sustainer of them. Truly The Ever Almighty God will be Ever Protecting Friend of them The solelv because of the righteous good actions they did.

the Day (of Resurrection and 6:128. Truly on Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? when The Ever Almighty God will assemble all of them together: "O ye the assembly of Jinn-kind! Indeed ye seduced many of Humankind!" Truly their friends from among "Thou The Eternal Lord among Humankind will say: and Sustainer of us! We benefited from each other, and now we have reached our appointed time which Thou appointed for us!" The Ever Almighty God will say: "The Hellfire is the eternal place of residence ye will reside in the Hellfire forever, for ye, except whoever The Ever Almighty God Wills. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever All Wise, The Ever All Knowing!"

6:129. Truly in this way We make some of the iniquitous wrongdoers friends of others solely because of whatever evil actions they had been earning.

6:130. (Certainly, The Ever Almighty God will say}: ve assembly of and Humankind! Did "O Jinn-kind the Messengers not come to ye from among yourselves, narrating to ye My Miraculous Verses and constantly warning ye of the meeting of this Day of yours?" They will say: "We bear witness against ourselves!" Truly the life of the Earthly World had deceived them, truly they will bear witness against themselves that they were unthankful disbelievers.

6:131. This is solely because The Eternal Lord and Sustainer of thee would not destroy the cities for their iniquity while their people were unaware.

6:132. Truly for each and every person there will distinct grades according to whatever actions each be and every person ever did, truly The Lord Eternal Sustainer of thee is and not ever unaware of whatever actions each and every do. person ever

6:133. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Possessor of Mercy. If He Wills, He can remove of ye Humankind and give succession after all ve He Wills, just like He to whoever has created from the descendants of another people. all of ve

6:134. Certainly, whatever each and every one of ye Humankind are promised (by The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable) will indeed come to pass, truly ye cannot in any way escape.

6:135. Thou must say: "O my people! Ye may keep working according to your position; certainly, Truly am working. ye people Ι too are eventually going to know who will have the Eternal Good Home in the Afterlife World. Certainly, iniquitous wrongdoers will not be triumphant!" the

6:136. Truly they assign a share to The Ever Almighty God (The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe from that which The Ever the Almighty God has created of crops and livestock, they say: "This is for The Ever Almighty and and, "This is for our other God," by their claim, gods!" But the for their fake gods does share not reach The Ever Almighty God, while the share for The Ever Almighty God, truly it reaches their fake gods. The judgement they make is extremely evil.

6:137. Truly likewise, to many of the polytheists their fake gods have adorned the killing of their children in order to bring about their destruction and to cover them with confusion in their religion. Truly if The Ever Almighty God had Willed, they would not have done so. Therefore, thou must leave them and whatever untruth they inequitably invent.

say: "These 6:138. And they livestock and are prohibited; no crops may eat from one except whoever we will." them by their claim. animals And there are some whose backs are prohibited to ride, and some animals upon which Name of The Ever Almighty God is the not pronounced, it invention of untruth is the about Almighty God. Almighty The Ever God The Ever eventually punish them solely because will of whatever untruth they had been inequitably inventing.

"That which is in the bellies 6:139. And they say: exclusively for our men these livestock is of and our women. it prohibited But if is to it is of them have shares therein!" born dead, then all The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, and Sustainer The Creator and The Eternal Lord of the Entire Universe will eventually punish them for their untrue description. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Wise, The Ever All Knowing.

who 6:140. Indeed. the people have killed their children in foolishness without any Heavenly own Knowledge have put themselves in loss, and they which The Ever Almighty prohibited that God had provided for them, it is untrue invention an about The Ever Almighty God. Indeed, they have gone astray and they do not follow the Heavenly Guidance.

6:141. Truly The Ever Almighty God is The God gardens trellised Who produces and untrellised. date palms and crops of different kinds and of food. and olives and pomegranates, both dissimilar. Ye Humankind may similar and eat from its fruit when it yields, and ye Humankind give its mandatory dues on the day of its must ye Humankind harvest. And must not ever excess. Certainly, The Ever Almighty God commit the people who does not love commit excess.

livestock there Truly of the 6:142. carriers are of burdens and Ye some are small. Humankind from whatever The must eat Ever Almighty provided God ye has for and ve footsteps follow the must not ever nor the of the devil Satan. Certainly, commandments the devil Satan is the most clear enemy to all of ve.

6:143. They are eight head of livestock in pairs; a pair of the sheep and a pair of the goats. Thou O Muhammad! (The Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God, The Ever of Most Merciful. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Has The Ever Almighty God prohibited the two males or two females or that which the wombs of the the females contain? All of ye must inform two me with the heavenly knowledge, if ye are the truthful!"

6:144. And a pair of the camels and a pair of the oxen. Thou must say: "Has The Ever Almighty God prohibited the two males or the two females or that which the wombs of the two females Or were ye people witnesses when contain? The Ever Almighty God gave ye these Commands?" Surely who is more iniquitous than the person who invents untruth about The Ever Almighty God for to mislead Humankind without the purpose any Heavenly Knowledge? Certainly, The Ever Almighty God does not guide the iniquitous wrongdoing people!"

say: "I do not Thou find within 6:145. must whatever has been Miraculously Revealed to me anything prohibited to any person who would eat it except it be any dead animal or flowing blood of the swine. Surely indeed it flesh or the is impure, or unthankful rebellion, whatever is dedicated to other than The Ever Almighty God. Surely any by necessity without is forced who person any wilful disobedience nor any transgression. Surely The Eternal Lord and Sustainer of thee is indeed. The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

6:146. Truly to those who are Jews, We (The Ever Almighty God) prohibited every animal of uncloven hoof; and of the oxen and the sheep We prohibited their fat, except that which adheres them to to entrails is or the that which their backs or requital punishment bone. This ioined with the was iniquitous rebellion. of We gave them because their Truly We indeed The Ever Most Truthful. are

6:147. Surely if they unthankfully deny thee, surely Muhammad! {The Honourable and thou 0 the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Most Gracefully Ever Almighty God, The The Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever All Wise. The Ever Most Equitable to each one of Humankind P.m.b.u.h) must say: and every "The Ertanl Lord and Sustainer of each and every of ye Humankind is The Ever Possessor of one Supremely Vast Mercy; but His requital punishment cannot be averted from the iniquitous criminal people!"

6:148. Eventually the people who commit polytheism say: "If The Ever Almighty God had Willed, will would not have committed polytheism nor would we forefathers, and we would not have prohibited our anything!" Just like this the people who were them unthankfully denied until before thev felt Our requital punishment. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable to each every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: and ye have any Heavenly Knowledge that ye can "Do produce for us? Ye follow nothing except speculation, ye do nothing except inventing untruth!" and

6:149. Thou must say: "With The Ever Almighty conclusive argument. If God is the He had would have guided all of ye together." Willed. He Thou must say: "Bring forward your witnesses 6:150. bear witness that The Ever Almighty who can God prohibited all this!" So. if they bear has witness. surely thou ever bear witness must not them. And along with thou must not ever iniquitous desires of any follow the people who deny Our Miraculous and Verses unthankfully the do not truly people in who believe the Eternal World, and they Afterlife others set up as equals to The Eternal Lord and Sustainer of them.

6:151. Thou 0 Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful and every one of Humankind to each ye Humankind say: "All of P.m.b.u.h must must come! I will recite whatever The Eternal Lord and Sustainer of all of ye Humankind has prohibited That (1) all of ye Humankind must to ve: not anything whatsoever ever associate as God with a The Ever Almighty God; and (2) always be kindly good to your parents; and (3) all of ye Humankind kill your children for fear not ever must of poverty. We (The Ever Almighty God) will provide sustenance for ye and for them; And (4) all of ye Humankind must not ever approach any immoralities, apparent whatever of them are and whatever are of ye Humankind and (5)all concealed; must not any person that The Ever kill Almighty ever prohibited, except with equitable God has justice. The Ever Almighty Commandments God These has ye Humankind for the all Commanded of purpose your intellect to be equitable. that ye may use

6:152. And (6) all of ye Humankind must not ever approach the wealth of any except in orphan a is good until he reaches manner that maturity. And (7) Humankind must always ye all of give full full weight with equitable justice. measure and We Almighty God do not (The Ever ever give anv soul except according its capability; duty any to to whenever **(8)** and ve give your judgement, then ve equitable justice even always do must though it may be concerning a near relative, and (9)ve must the Covenant of alwavs fulfil The Ever Almightv Commandments The Ever Almighty These God. God ve Commanded all of Humankind for has the always heedfully remember. that may purpose ye

Truly indeed, this My Straight 6:153. is Path: of ye therefore, (10)all Humankind must always this Straight follow Path: and ve must not surely follow any other paths, will ever ye seperated from the Straight become Path of Ever Almighty God. These Commandments The The Commanded Ever Almighty God has all of ye Humankind for the purpose that ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God!"

Thereafter, We (The Ever Almighty 6:154. God. The Merciful } Most gave Moses (The Honourable Ever Truthful Trustworthy and the Messenger and the Almighty God, The Ever and Prophet of The Ever Gracefully Compassionate P.m.b.u.h³ the Most Heavenly making complete Our upon Book, Favour the person who did righteous good actions and the as Everything and Explanation of Detailed the as the Mercy for Heavenly Guidance and the purpose they may Truly believe in the Meeting that The Eternal Lord and Sustainer with of them.

6:155. Truly this (the Ever Supremely Honourable the Ever Supremely Glorious and the and Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Clear Supremely Wise and the Ever and the Ever Supremely Mighty the Our'an. the Message Statement and Wise and the Miraculous Reminder Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord Sustainer of the and Entire Universe each to and every one of Humankind) is the Heavenly Book We have Miraculously Revealed, it is the Ever Supremely Blessed; surely all of ye Humankind must always follow this Book Qur'an, and all of ve Humankind must always fear The Ever Almighty God for the purpose that all of ye may receive Mercy.

6:156. Lest ye Humankind say: "The Heavenly Book was Miraculously Revealed to only two parties before us; truly indeed we were unaware of their study!"

6:157. Or lest ye Humankind say: "If only any Heavenly Book had been Miraculously Revealed us, indeed we would have been better in to following Heavenly Guidance than them!" Surely indeed. there has now come to ye Humankind Supremely Clear Proof from The Eternal Lord the and Sustainer of ye and the Heavenly Guidance Mercy. Surely who is iniquitous and the more the person who unthankfully denies than the Miraculous Verses of The Ever Almighty God and turns away from them? Eventually, We will equitably requite the people who turn away from Our Miraculous Verses with the of the requital worst punishment solely because of their turning away.

6:158. The unthankful disbelievers are not waiting in any way except that the Angels should come to The Eternal Lord and Sustainer of thee them. or some of the Miraculous should come, or that Signs The Eternal Lord and Sustainer of thee should of some of the Miraculous The Day that Signs come. and Sustainer Eternal Lord of The of thee will no person will benefit from his come, True Faith if he did not truly believe previously, or he had earned some righteous good actions during his True Thou O Muhammad! {The Honourable and Faith. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Sustainer of Lord the Entire Universe and to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must each say: "All of ye may wait, we also are waiting!"

6:159. Certainly, the people who have divided their and they have become sects, religion thou have all do nothing Their at with them. whole to only left The Ever Almighty God; case is to thereafter. The Ever Almighty God will fully inform of whatever actions they ever did. all of them

6:160. Each and every person who brings one good the Final Mighty Day of Resurrection (°on action and Reckoning and Requitals Judgement and and Recompense in Eternal Afterlife Rewards and the measured extent whereof World. the is Fifty Thousand Years), surely such a person will have times just like thereof, truly each and ten every brings one action, evil surely such person who a person will not be requited except just like thereof; truly they will not be treated with any iniquity.

6:161. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Prophet of Ever Almighty God. The Ever Gracefully Compassionate, Most The Ever Most All The Ever Wise, The Merciful, Ever Most Powerful. The Creator and The Eternal Lord and Entire Universe Sustainer of the to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h must "Certainly, The Eternal Lord of me say: has guided me to the Straight Path, the Correct path followed by Abraham Religion. the { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet and the Close Friend and of Messenger The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The Ever Most Compassionate, Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h), the devoutly true Monotheist, truly Abraham (P.m.b.u.h) was not ever among the polytheists.

Thou O Muhammad! {The Honourable 6:162. and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe to each and every one of the the Human Beings P.m.b.u.h must say: "Certainly, my sacrifice my living my Prayer and and and dying are only for The Ever Almighty God, my The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

The Ever Almighty God does not have 6:163. any partner. Truly to this I have been Commanded, and of the Muslims (those who wholly I the first am follow the All Blessed Will and submit to all the Commandments The Ever Almighty God, of The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

6:164. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Merciful to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "How can I ever seek any Lord other than The Ever Almighty God Eternal Lord while The Ever Almighty God is The and Sustainer of Everything? Truly each and every not ever earn anything but it person does is no bearer of resposibility, truly his burdens own the burden of any other. Thereafter, will bear to Eternal Lord and Sustainer The of each and every one of ye Humankind is the return of ye, surely The Ever Almighty God will fully inform ve concerning Everything in which ye differed.

Truly The Ever Almighty God is The God 6:165. Humankind successors in Who has made the ye and He has raised earth some of above ye grades for the that others in purpose The Ever all of ye Humankind Almighty God may test through whatsoever He has given ye. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is swift in the penalty punishment; and certainly, He is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come ye from among yourselves reciting to ye to Mv Miraculous Verses; then any person fears who The Ever Almighty God and acts righteously, surely no fear will come upon them, nor will they grieve. 7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

7: Sûrah Chapter Al-A'raf The Elevations M.V. 206

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

7:1. Alif, Laam, Meem, Saad.

This Book Qur'an has been Miraculously Revealed 7:2. thee O Muhammad! {The Honourable and to the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the The Ever Almighty God, The Eternal King of of Entire Universe to each and every the of one Humankind P.m.b.u.h; surely thou must not ever let be any distress in your chest because of this there Qur'an, it is for the purpose thou Book that Qur'an, truly this may warn by this Book Book Qur'an is the Wise Reminder for the true believers.

every one of ye Humankind 7:3. Each and must whatsoever has been follow Miraculously always The Eternal Revealed to ye from Lord and follow Sustainer of ye, and ye must not ever any protecting friends other than The Ever Almighty God. which ye heedfully remember. Yet it is little that

many of the cities We (The Ever 7:4. Truly how Almighty God, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Lord Universe. and Entire Universe have Sustainer the of destroyed! Surely Our requital punishment came to them during the night or while they were sleeping during the day.

Surely when Our requital punishment came 7:5. to unthankful disbelievers declaration their the was any way except nothing in they said: that "Certainly, we have been the iniquitous wrongdoers!"

7:6. Surely indeed We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything) will definitely question the people to whom the Messengers were sent, truly indeed We will definitely question the Messengers.

7:7. Then indeed We will definitely narrate to them with knowledge, truly We were not in any way absent.

7:8. Truly the weighing of every action on that for Resurrection and Judgement and Reckoning Day Requitals and Rewards and Recompense and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years) is The Whole Truth. Surely is and every person of Humankind whose each Scales the righteous good actions will with be heavy. indeed such people will be the triumphant. truly

for 7:9. Truly as each and every person of Scales with righteous Humankind whose the good will light, surely such people are actions be the ones who will lose themselves solely because they had committing iniquity to Our Miraculous Verses. been

Truly indeed We (The Ever Almighty God) 7:10. ye Humankind established all of have fact in We made for in the earth and have all ye Humankind earth of in the ways of livelihood. Yet ye Humankind give very little thanks.

Truly indeed We (The Ever Almighty 7:11. God } in fact created all of ye Humankind. have Thereafter. We made the physical forms of all of ve Humankind. Thereafter, We said to Angels: the of ye must prostrate for Adam {P.m.b.u.h}!" "All Surely all the Angels prostrated except the devil He was not among those who Iblees. prostrated.

The Ever Almighty God said: "What prevented 7:12. prostrate when thou did Ι thee that not Commanded thee?" The devil Iblees said: "I am better than Adam (P.m.b.u.h), Thou have created me and Thou have created him from clay!" from fire

"Then The Ever Almighty God said: 7:13. thou descend from this place; surely it is must not lawful for thee in any way to be unthankfully arrogant in this place. So, thou get must out; certainly, thou are among those who are debased!"

7:14. The devil Iblees said: "Thou please grant me a reprieve until the Day when all of them Humankind will be resurrected!"

7:15. The Ever Almighty God said: "Certainly, thou are one of those who are reprieved!"

The devil Iblees said: "Surely because 7:16. astray, indeed I Thou have sent will me definitely each sit in wait for and every of Humankind on Your Straight Path. one

7:17. Thereafter, indeed I will defnitely come to every one of Humankind from each and their and from from front their rear and their left, their right and from truly Thou will find most of Humankind thankful not to thee!"

7:18. The Ever Almighty God (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) said: "Thou must get out from here disgraced and banished. Indeed, each and every person from among Humankind who follows thee, indeed I will definitely fill the Hell with all of ye, together!"

7:19. Truly thou O Adam (P.m.b.u.h)! Thou and your wife (P.m.b.u.t) may reside in the Garden and both of ye may eat from wherever ye wish, but both of ye must not approach this tree, or both of ye will become among the iniquitous wrongdoers!"

devil Iblees whispered 7:20. Then the to Adam Eve (P.m.b.u.t) to make apparent and to them of their which was concealed from them that said: "The devil Iblees Eternal nakedness. the Sustainer of ye did not prohibit Lord and ve this tree except that ye become Angels from or ye become from among the immortal beings!"

7:21. And the devil Iblees took an oath to Adam and Eve (P.m.b.u.t): "Certainly, I am indeed to ye from among the sincere advisors!"

7:22. Surely the devil Iblees made Adam and Eve (P.m.b.u.t) fall by means of deceit. Then when they tasted of the tree, their private parts became apparent to them, and they began to fasten together theselves from the leaves of the Garden. Truly over The Ever Almighty God, The Eternal King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Sustainer of the Entire Universe. Lord and The Sustainer of Eternal Lord and them called out "Did I them: not prohibit both of ye from to tell both of ye, certainly that tree. and the devil the most clear enemy to both of ve?" Satan is

7:23. Adam and Eve (P.m.b.u.t) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! We have committed iniquity to ourselves; Truly if Thou do not forgive us and Thou do not award Mercy upon us, indeed we will definitely be among the losers!"

7:24. The Ever Almighty God said: "All of ye must descend, some of ye being enemies to others, and ye will have in the earth a place of residence and beneficial provisions for an appointed time!"

7:25. The Ever Almighty God said: "In the earth all of ye (the Human Beings and the Jinn Beings) will live and in the earth all of ye will die and from the earth all of ye will be resurrected.

7:26. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have sent down clothing to ye to cover vour nakedness and as an adornment. Truly the clothing of righteousness, that is best. This is from among the Miraculous Signs of The Ever Almighty God the purpose that each and every one of the for Children of Adam (P.m.b.u.h) may heedfully remember.

7:27. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Ye must not ever let the Satan deceitfully tempt ye as he removed devil parents from the Garden, stripping them of vour their clothing of righteousness to expose to them their nakedness. Certainly, the devil Satan and his keep watching ye the Children of Adam tribe all (P.m.b.u.h) from such places of ye do not them. Certainly, We have made the devils watch friends to the people who do not truly believe.

7:28. Truly when the unthankful disbelievers commit any immorality, they say: "We found our Almighty forefathers doing this, and The Ever Commanded this!" us to do Thou God has 0 The Honourable and Trustworthy Muhammad! the the and Truthful Messenger and Prophet of Almighty God The Ever to each and every Children of Adam P.m.b.u.hof the one must "Certainly, The Ever Almighty God does not say: any immorality. How Command do ever to can Ever Almighty God ve sav about The things which ye do not have any knowledge?" of

Muhammad! {The Honourable 7:29. Thou Ο and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and everv one of the Children of Adam P.m.b.u.h must say: "The Eternal Lord and Sustainer of me always has Commanded to do true justice and that of ye must set your faces correctly at all every all of ye must always call mosque, and only Almighty God in Prayer, making religion The Ever God. The Ever Almighty for Just like pure The Ever Almighty God originated all of ve Human Beings, all of ye will be the brought {to life on the Final Mighty Day back again of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals in the Eternal Afterlife World, the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years)!"

guided Ever Almighty God has 7:30. The one deserved the other party justly but party, to stray. Certainly, some people left be have protecting friends devils as the instead taken The Ever Almighty God, yet they of think they are following the heavenly Guidance. that

7:31. O ye each and every one of the Children Adam (P.m.b.u.h)! Ye of must always take every adornment at and ve vour mosque, must drink, but ye eat and must not ever commit Certainly. The Almighty Ever God excess. not love the people who commit excess. does

7:32. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each of and every of the Children of Adam P.m.b.u.h one must sav: "Who has prohibited the adornment from The Ever Almighty God which He has produced for His servants, and the good things of sustenance?" Thou say: "The people who truly believe, these must all good things are for them in the present life of this Earthly World, will be exclusively for them the Day of Resurrection and Judgement!" Just on like this We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) explain in detail the Miraculous Verses the people who have the Heavenly Knowledge. for

7:33. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of of the Children of Adam P.m.b.u.h? must one say: "Certainly, that which The Eternal Lord and Sustainer of me has prohibited is all kinds of immoralities, are apparent and whatever whatever of them are every kind of concealed; and sin and every kind of iniquitous aggression without equitable justice, and ve Humankind associate anything that as a god The Ever Almighty God that for which He with not Miraculously Revealed any All has Binding Authority, and that ye say about The Ever Almighty that of which ye do not have true knowledge!" God

7:34. Truly for every community there is an Surely when their appopinted appointed term. they remain behind term comes. cannot for they precede it. moment, can a nor

7:35. O ye each and every one of the Children Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers of come ye from among yourselves reciting to to ve My Miraculous Verses; then any person who fears The Ever Almighty God and acts righteously, surely no fear will come upon them, nor will they grieve.

7:36. Truly the people who unthankfully deny Our Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

Surely who is more iniquitous than the person 7:37. about The Ever invents untruth Almighty God who **Fhe** Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever Generous, The Ever Most Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe unthankfully denies His Miraculous Verses? Such or full portion the people who will attain their are written in the Book; until. when Our as Messengers to take them in come to them death, they will say: "Where are those whom ve used to call in Prayer besides The Ever Almighty God?" They will say: "They have disappeared from us," truly they will bear witness against themselves that they were unthankful disbelievers.

Almighty God will Ever "Ye 7:38. The say: Hellfire together the with the must enter which had passed communities indeed before on Jinn-kind and Humankind!" Each from among ve community will enter, it will time a new curse its sister community preceding it. until all when together communities the will be assembled in Hellfire. of say the the last them will about preceding communities: "Thou The Eternal the Lord Sustainer of These and us! are the people astray, therefore who led us Thou please give double punishment them the in the Hellfire!" The Ever Almighty God will say: "For there every is double punishment. each one and have the true knowledge!" but ve not do

7:39. the preceding communities will Truly sav "Surely succeeding communities: the ve people to not gain any good merits over us, did therefore the requital punishment ve must feel solely because of whatever evil actions all of ye earned!"

who 7:40. Certainly, the people unthankfully denv Verses and are unthankfully arrogant Our Miraculous the gates of heaven will towards them, be not opened for them, nor will they enter the Everlasting until the camel enters into the eye Garden of a Truly just like this We (The Ever Almighty needle. God. The Eternal Lord Sustainer and of the Entire requite Universe equitably iniquitous the criminals.

7:41. They will from Hell have a bed and covering layers over them. Truly also the just We (The Ever Almighty God, The Eternal like this of Entire Universe, The the Ever Most King Equitable equitably requite the iniquitous wrongdoers.

7:42. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, We {The Ever Almighty God} give any duty to any person do ever not except according his capability. Such are to the people are the residents the Everlasting who of Garden: thev will reside in the Everlasting Garden forever.

Truly We (The Ever Almighty God} 7:43. will remove whatever resentment they have in their chests, rivers will be flowing beneath them. Truly they will "All Praise belongs The sav: the only to Ever Almighty God, The One Who has correctly guided us to this Everlasting Garden; would truly we not been correctly guided, if The Ever Almighty God have correctly guided us. Indeed the had not Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of us in fact came with The Whole Truth!" Truly it will be saying: "This is the announced to them, Everlasting Garden which ye have been made inherit to solely because of whatever righteous good actions ye did!"

Truly the residents of the Everlasting Garden will 7:44. out to the residents of the Hellfire. saving: call "Indeed we have found whatsoever The Eternal Lord and Sustainer of us promised us to be wholly true. ve found whatsoever The Eternal Have Lord and Sustainer of ye promised ye to be wholly true?" They will say: "Yes." Then an announcer will announce "The curse their midst, saying: from of The Ever be upon the iniquitous wrongdoers. Almighty God

7:45. iniquitous wrongdoers The who prevented Straight Path the of The people from Ever Almighty God and they strove to make His Straight crooked, while they Path seem were concerning unthankful disbelievers!" Afterlife World the Eternal

7:46. Truly between them there will be the dividing barrier, and on its elevations there will be men recognise all of them by their mark. will who And they will call out to the residents of the Garden: "Peace be upon Everlasting all of ye!" They will not yet have entered the Everlasting Garden, but they will be strongly hoping to.

7:47. Truly when their eyesight will be turned of the Hellfire, the people the residents towards elevations say: "Thou will Eternal of the The us! Thou please do and Sustainer of Lord not with the iniquitous wrongdoing people!" place us

7:48. And the people of the elevations will call out to the men whom they will recognise by their mark, saying: "Your gathering has not benefited ye in any way, nor the fact that ye were unthankfully arrogant;

7:49. Are these the people all of ye swore that Ever Almighty God (The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever Most The Generous. Eternal King of the Entire Universe. The The Creator and The Lord and Sustainer of the Entire Universe) would never award them any Mercy?" **€It** will be announced to the people of the elevations): "Ye may enter the Everlasting Garden, no fear will come upon ye, nor will ye grieve!"

of the Hellfire will 7:50. Truly the residents call to the residents of the Everlasting Garden, saying: some "Please pour down water us on or of that which The Ever Almighty some God sustenance!" They will say: given ye a as has "Certainly, The Ever Almighty God has prohibited to the unthankful disbelievers. both of them

7:51. The people who took their religion as amusement and play and the life of the Earthly World deceived them!" Surely today We will forget such people just like they forgot the meeting of this Day of theirs and for having rejected Our Miraculous Verses.

indeed We (The God} 7:52. Truly True have in fact brought to each and one of Humankind every Book Our'an which this We have explained in detail by true knowledge. It is the Heavenly Guidance the Mercy for the people who truly believe. and

7:53. They are not waiting in any way except for the fulfillment of the promises in this Book Our'an. The Day the fulfillment of the promises in this Book Our'an will come to pass, the people who had Qur'an before ignored this Book will say: "Indeed, of The Eternal and the Messengers Lord Sustainer The Whole Truth; of us had come with SO are there any intercessors to intercede for us now? Or can we be sent back, so that we will do actions do?" Indeed they other than the actions we used to and whatever untruth they will have lost themselves, used to inequitably invent will disappear from them.

7:54. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of each and every one of ye Humankind is The Ever Almighty God, The God Who has created all the heavens and the whole earth in Six Days. Thereafter, He Established the Throne. He makes night Himself on the cover day, each chasing other rapidly; the the and the and the moon and the stars are always wholly sun His Command. obedient attentively! Only Listen to the Command; belongs all the creation and to Him Supremely blessed is The Ever Almighty God, The Eternal Lord Sustainer of all the Worlds. and

7:55. Ye each and every one of Humankind must always call in Prayer The Eternal Lord and Sustainer of ye humbly and secretly; certainly, The Ever Almighty God does not love the iniquitous transgressors.

7:56. And ye Humankind must not ever cause evil earth after disorder in the it has been set in ye of each and every one order. And Humankind must always call only The Ever Almighty God in Prayer with fear and strong hope. Certainly, the Mercy of The Ever Almighty God is always near the people who do righteous good actions. to

Truly The Ever Almighty God is 7:57. The God Who sends the winds bringing the good news Mercy. Until, when before His they have carried heavy rainclouds. We drive them to a dead land. down rainwater therein: Then We send SO thereby all kinds of fruits. bring forth We Just like this resurrect all the dead people; for the We will of ye may heedfully remember. purpose that all

7:58. Truly the good land yields up its vegetation by the Command of The Eternal Lord and Sustainer of it; but the land which is bad yields nothing except meagrely. In this way We clearly explain the Miraculous Verses for the people who give thanks.

7:59. Indeed We in fact sent Noah (the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the The Ever Almighty God P.m.b.u.h and Prophet of said: "O my people! people; surely he to his ve must always worship only The All Ever of Almighty God; all of ye do not have any true other than Him Alone. Certainly, I fear for god the requital punishment of the Mighty Day!" ye

7:60. The chiefs from among his people said: "Certainly, we see thee in the clear straying!"

7:61. Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "O my people! There is no straying in me, but I am the Messenger from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

7:62. I convey to all of ye the Messages of The Eternal Lord and Sustainer of me, and I give all of ye good advice; and I know from The Ever Almighty God that which all of ye do not know.

all of ye wonder 7:63. Then do that there the Wise Reminder has to ye from come Eternal Lord and Sustainer of ye through a The from among yourselves, for the purpose that man ye and for he may warn the purpose that of ye may fear The Ever Almighty all God and for the purpose that ye may receive Mercy?"

7:64. Yet they unthankfully denied Noah (P.m.b.u.h); Surely We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) saved Noah (P.m.b.u.h) and the people who were with him in the Ark. And We drowned the people who unthankfully denied Our Miraculous Verses. Certainly, they were blind hearted people.

7:65. And to Aad their brother Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h). He said: "O my people! All of ye must always worship The Ever Almighty God; all of ye only do not any true god other than Him Alone. Despite have ye not fear The Ever Almighty God?" that will

7:66. The chiefs; those who unthankfully disbelieved from among his people said: "Certainly, we indeed consider thee to be in foolishness, and certainly, we indeed think thou are one of the untruthful!"

7:67. He said: "O my people! There is no foolishness in me, but I am the Messenger from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

ye the 7:68. I convey to all of Messages of Eternal Lord The and Sustainer of me. ye the Trustworthy Advisor. and I am to

ye wonder 7:69. Then do all of that there has to ye the Wise Reminder from The Eternal come Lord and Sustainer of ye through from a man the purpose among yourselves, for that he mav all of ye? Truly ye must heedfully remember warn when The Ever Almighty God made ye successors people of Noah (The Honourable after the and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? and and He increased ye in stature extensively. Surely all must heedfully remember the Favours of ve and The Ever Almighty God Blessings of for the all of ye may become triumphant!" purpose that

7:70. They said: "Have thou come us for the to purpose that we should worship only One God. Almighty God gods and we leave the The Ever been worshipping? forefathers have Then thou our should bring us that requital punishment which thou promise us, if thou are from among the truthful!"

7:71. Hûd (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the God, The Eternal King the Entire Almighty of Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h said: "Indeed, the punishment and the Wrath from The Eternal Lord and Sustainer of ye have down upon ye. Do ye come argue with me concerning mere names ye have named them, ye and your forefathers, for which The Ever not Miraculously Revealed Almighty God has any Binding Authority? Then ye wait; certainly, All with all of ye among those who wait!" I am

7:72. Then We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved Hûd (P.m.b.u.h) and those who were along with him, by the Mercy from Us; truly We completely eliminated the people who unthankfully denied Our Miraculous Verses, surely they were not true believers.

Thamûd their brother 7:73. And to Sălih { the the Trustworthy Truthful Honourable and and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h?. He said: "O my people! All of ye must always worship only The Ever Almighty God; all of ye do not have any true god other than Him Alone. Indeed, the Supremely Clear Proof has come to all of ye from Eternal Lord and Sustainer of ye. This is the The camel of The Ever Almighty God, it is a She Miraculous Sign to ye. Therefore, ye must leave her to eat within the earth of The Ever Almighty God, and ye must not touch her with any harm, or ye will be seized by the painful requital punishment.

Surely all of ye must heedfully 7:74. remember Almighty when The Ever God made ve successors after Aad and The Ever Almighty God the even ye the earth, ye take for vourselves in settled palaces from its plains and ye carve out from homes. Surely all of ye heedfullv mountains. must remember the Favours and Blessings of The Ever Almighty God, and ye must not ever wander in people who cause evil disorder. the earth. as the

chiefs. those who 7:75. The were unthankfullv among his people said to those who arrogant from considered weak, to those who truly believed were "Do ye actually know that among them: from Sălih Honourable and the Trustworthy and the ∳the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of P.m.b.u.h has the Entire Universe been from sent The Eternal Lord and Sustainer of him?" The people who truly believed said: "Certainly we are believers whatsoever Messages he has been sent with!" in

who unthankfully 7:76. Those were said: arrogant unthankful disbelievers "Certainly, we in are whatever Messages all of ye have believed!"

they hamstrung the She camel 7:77. So and they iniquitously defied the Command of The Eternal of Lord and Sustainer them. and the unthankful "Thou said: 0 Sălih (P.m.b.u.h)!people arrogant that requital punishment which thou Thou bring us promise us, if thou are one of the Messengers!"

Therefore, overwhelming earthquake 7:78. seized an arrogant people, surely the unthankful thev destroyed lying dead within their homes. became

Surely Sălih (the Honourable and 7:79. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, of Creator and The Eternal Lord and Sustainer of The Entire Universe P.m.b.u.h turned the away from and said: "O my people! Indeed I have in them conveyed to ye the Message of The Eternal fact Lord and Sustainer of me and I gave ve sincere advise, but ye do not love the sincere advisors!"

And Lot (the Honourable and the Trustworthy 7:80. Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h). Lord he said his people: "Do ye when to people commit such evil immorality as no one has preceded ye with it from among all the Worlds?

7:81. Certainly, ye people indeed approach men with desire, instead of women. But in fact, ye are the iniquitous transgressing people!"

7:82. But the answer of his people was way except that they in any said: not "Banish them from your city! Certainly, they are the people who keep themselves thoroughly pure!"

Surely We (The Ever Almighty God, The Ever 7:83. The Eternal Most Merciful. The Creator and Lord Entire Universe of the and Sustainer P.m.b.u.hsaved Lot and his family (P.m.b.h.t), except for his wife; she was of those who remained behind.

7:84. And We (The Ever Almighty God) rained upon them the evil rain. Surely thou must observe; how was the Final End of the iniquitous criminals.

7:85. And to Madyan their brother Shuaib (P.m.b.u.h). said: "O my people! All of ye must always He The Ever Almighty God; worship only all of not have any true god other than Him do ve Indeed there has of Alone. all come to ve Supremely Clear Proof from The Eternal the Lord Sustainer of ye. Surely all of ye must always and full measure and full weight with give equitable all of ye must ever diminish justice, and not Humankind, and all the things of of ve must evil disorder in the not ever cause earth after it set in order. This is supremely has been good of ye, if ye true believers. for all are the

ye must not sit 7:86. And on every path, threatening and preventing from the Straight Path of The Ever Almighty God whoever believes in The Ever Almighty God, and seeking to make His Straight Path seem crooked. And ye must heedfully remember when ye people were few, then He multiplied ye. Truly ye must observe how was the Final End of the people who caused evil disorder.

And if there is party from 7:87. a among ye truly believed in whatever Messages I who has party been sent and that have a has not ye people must be believed, then steadfastly patient until The Ever Almighty God judges between Truly He is The Ever Best of all Judges!" us.

7:88. The chiefs, those who were unthankfully arrogant from among his people said: "Indeed we will definitely banish thee, O Shuaib (P.m.b.u.h)! And the people who have truly believed along with thee from our city, or all of ye must return to our religion!" Shuaib (P.m.b.u.h) said: "Even if we hate it?

7:89. Indeed, we would have invented untruth against Ever Almighty God if we ever returned The your religion after The Ever Almighty God to saved us from it. Truly it is not for had us in any way to return to your religion except that The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Wills. The Eternal Sustainer of us Lord and of us always encompasses Everything with Sustainer His knowledge. We have put our trust in The Ever Almighty God. Thou Eternal Lord The and Sustainer us! judge between Thou please and us between our people with equitable justice, Thou are The Ever Best Judge of all Judg truly all Judges!"

7:90. And the chiefs, those who unthankfully disbelieved from among his people said: "Indeed if ye people follow Shuaib (P.m.b.u.h), certainly, then ye will indeed be the losers!"

7:91. Therefore, an overwhelming earthquake seized those who unthankfully disbelieved, surely in the morning they were lying dead within their homes.

7:92. Those who unthankfully denied Shuaib (P.m.b.u.h) it was as if they had never resided there. Those who unthankfully denied Shuaib (P.m.b.u.h), all of them were the losers.

Shuaib {the Honourable 7:93. And and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) turned away from them and said: "O my people! Indeed I fact conveyed to all of ye the Messages have in Eternal Lord and Sustainer me. of The of and ye sincere gave advice; surely why should Ι Ι grieve for the unthankful disbelieving people?"

7:94. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) did not send to any town any Prophet except that We seized its people with extreme poverty and extreme hardship for the purpose that they may pray humbly.

(The Ever Almighty God, 7:95. Thereafter, We The All Wise, The Ever Most Equitable, The Ever Lord The Eternal and Sustainer Creator and of Universe P.m.b.u.h³ changed in place the Entire of condition, with good condition, bad the until "Indeed said: extreme hardship they prospered and and prosperity also befell Our forefathers!" So We seized them suddenly while they did not perceive.

7:96. Surely if the people of the cities had truly believed and feared The Ever Almighty God, indeed The Ever Almighty God, The We Ever Most Merciful) would have opened up to them the Blessings from the heaven and the earth; but thev denied. Surely We seized unthankfully them solely because of whatever evil actions they were earning.

7:97. Truly do the people of the cities feel secure from Our requital punishment coming to them at night while they are sound asleep?

people of 7:98. Or do the the citiess feel requital punishment coming from Our to secure morning while they are them in the at play?

Truly do they feel 7:99. from Plan secure the Ever Almighty God? of The But no one from the Plan of The Ever Almighty feels secure God except the people who are the losers.

7:100. Has it not become clear guidance to those earth after its previous people, inherited the who if We (The Ever Almighty God. Ever that The Most Equitable) Willed, We could afflict them for sins of the previous people. And the We could a seal upon their hearts so they do not hear? set

Those are the cities, We (The Ever Almighty 7:101. Ever Most Merciful narrate The God. to thee of their news. Truly indeed their Messengers some with the Supremely Clear them in fact came to Proofs, but they would not believe in whatsoever Messages they had unthankfully denied previously. The Ever Almighty Just like this God sets a the hearts of the unthankful seal upon disbelievers.

7:102. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) did not find any fulfillment of covenant in most of Humankind; for sure We indeed found most of Humankind unthankfully rebellious.

(The Ever Thereafter We Almighty 7:103. God. Merciful sent Most The Ever even after them Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) with Our Miraculous Signs to Pharaoh his chiefs, but they committed iniquity towards and Surely thou them. must observe how was the Final End of the people who caused evil disorder.

Truly Moses (the Honourable 7:104. and the and Truthful Messenger Trustworthy the and of Almighty Prophet God, The Ever The Ever Compassionate P.m.b.u.h Gracefully said: Most "Thou 0 Pharaoh! I am Messenger the from and Sustainer of The Eternal Lord all the Worlds.

7:105. It is mandatory upon me that I must not ever say about The Ever Almighty God except The Whole Truth. Indeed I have come to all of ye with the Supremely Clear Proof from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely ye must send with me the Children of Israel (P.m.b.u.t)!"

7:106. Pharaoh said: "If thou have come with the Miraculous Sign, then bring it forth, if thou are from among the truthful!"

7:107. So Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) threw his Staff. Then immediately his staff became a real clear serpent.

7:108. And Moses (P.m.b.u.h) drew out his hand, then immediately it was radiantly white to the observers.

7:109. The chiefs from among the people of Pharaoh said: "Certainly, this is indeed the learned magician.

7:110. He intends to banish all of ye from your land. So what do all of ye command!"

7:111. They said: "Give him and his brother postponement and send callers to the cities,7:112. Who will bring ye every learned magician!"

7:113. Truly the magicians came to Pharaoh. They said: "Certainly, there will indeed be a reward for us if we are the victors?"

7:114. Pharaoh said: "Yes, and certainly ye will indeed be among those who are near to me!"

7:115. The magicians said! "Thou O Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Ever Wise P.m.b.u.h?! All Either The thou or we throw first. will be the ones to throw!"

7:116. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) said: "All of ye throw!" So when they threw, they bewitched the eyes of Humankind and they struck terror into them, and they presented a mighty magic.

Truly We (The Ever Almighty 7:117. God. The Most Merciful, The Ever Most Equitable Ever Miraculously Revealed to Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) saying: "Thou Staff!" Then must throw your immediately Staff swallowed whatever they were falsifying. the

7:118. So the truth was confirmed, and whatever the magicians were doing was proved fake.

7:119. So the magicians were defeated there and then, and they became debased.

7:120. Truly the magicians fell down in prostration.

7:121. They said: "We truly believe in The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

7:122. The Eternal Lord and Sustainer of Moses (the Honourable Trustworthy and the and Aaron Truthful Messengers and Prophets of and the The Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.t?!" Ever

7:123. Pharaoh said: "Ye have truly believed in him to do before I gave ye permission SO. Certainly, is indeed the plot which all this of ve plotted in the city to expel from the citv have its people. But ye will eventually come to know.

7:124. Indeed, I will definitely cut off your hands and your feet on opposite sides; thereafter, indeed I will definitely crucify all of ye together!"

7:125. The true believers said: "Certainly, to The Eternal Lord and Sustainer of us we will return.

Truly what grievance ye have 7:126. from us that we have truly believed in except the Miraculous Signs of The Eternal Lord and Sustainer of us when they came to us. "Thou The Eternal Sustainer of us! Thou please Lord and award upon us steadfast patience and Thou please help die Muslims (those who wholly us to as follow the All Blessed submit Will to and the Commandments of The Ever Almighty God, all The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe)!"

7:127. Truly the chiefs from among the people Pharaoh said: "Will thou of leave Moses { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God, Messenger Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h and his people to cause disorder in the land, and abandon thee and your gods?" Pharaoh said: "We will eventually and keep their women alive; truly kill their sons indeed, we have the dominant power over them!"

7:128. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h said to his people: "Ye must always ask for help from The Ever Almighty God and ye must always be steadfastly patient. Certainly, the whole earth belongs only to The Ever Almighty God. He awards the inheritance of the earth to whoever He Wills from among His servants. Truly the good Final End is for the righteous people who fear The Ever Almighty God!"

people of Moses (P.m.b.u.h) said: "We 7:129. The have been harmed before thou came to us and thou come us!" Moses after have to even said: "Most likely The P.m.b.u.h Eternal Lord and Sustainer of ye will destroy your enemy and award ve succession in the land: SO He mav all of ye will do actions!" observe how the

7:130. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) in fact seized the people of Pharaoh with years of famine and loss of fruits, for the purpose that they may heedfully remember.

7:131. But whenever anything good came to them, they said: "This is ours by right!" And if anything bad afflicted them, they would blame their misfortune Moses (the Honourable and the Trustworthy and on Truthful Messenger and Prophet P.m.b.u.h the and Listen with him. attentively! Their those along Ever Almighty God, but misfortunes are from The most of them do not have the Heavenly Knowledge.

7:132. And they said: "No matter whatever Miraculous Sign thou bring us with which to work your magic on us, yet we will not be true believers in thee!"

7:133. So We (The Ever Almighty God) sent upon and the locusts and the flood lice them the and frogs and the blood the Distinctly Clear the as Signs, despite that they were unthankfully arrogant, truly they were the iniquitous criminal people.

Truly whenever the 7:134. requital punishment descended upon them, they said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! Thou pray for us to The Eternal Lord by whatever Sustainer of thee and covenant he thee. Indeed with if has made thou remove punishment from us, indeed we will definitely the truly believe in thee and indeed will definitely we send the Children of Israel (P.m.b.u.t) with thee!"

7:135. Surely whenever We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) removed the requital punishment from them until a fixed time which they were to reach, suddenly they always broke their promise.

Therefore, We (The Ever Almighty God, The 7:136. The Eternal Lord and Sustainer of the Creator and Entire Universe⁾ took equitable vengeance from surely We drowned them in the solely them. sea. because they unthankfully denied Our Miraculous Signs and they were unthankfully heedless of them.

7:137. And We (The Ever Almighty God) caused the people who were considered weak to inherit the eastern parts of the earth and the western parts of it, which We had blessed. Truly the Good Decreed Word of The Eternal Lord and Sustainer of thee was perfectly fulfilled for the Children of Israel (P.m.b.u.t), because they remained steadfastly patient. And We destroyed all that Pharaoh and his people were making, and whatever they had been building. 7:138. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) took the Children of Israel (P.m.b.u.t) across the sea; but when they came upon the people who were deeply devoted in worshipping their statue gods. They said: "Thou 0 Moses (P.m.b.u.h)! Thou please make for us a statue god just like these people have statue gods!" Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h said: "Certainly, ye are the people behaving ignorantly.

7:139. Certainly, these people will be destroyed for whatever sins they have committed, and whatever actions they have been doing is worthless.

7:140. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Shall I inequitably seek for ye a god other than The Ever Almighty God, while He has favoured all of ye over all the Worlds?"

7:141. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved all of ye from the people of Pharaoh. They afflicted ye with extremely horrible torment, they were slaughtering your sons and keeping your daughters alive. Certainly, in that there was the mighty trial from The Eternal Lord and Sustainer of ye.

7:142. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Lord and Sustainer of the The Eternal Entire Universe) appointed for Moses (P.m.b.u.h) thirty nights We perfected them by ten extra nights; and SO by The the time appointed Eternal Lord and him completed forty Sustainer of was as nights. Truly Moses the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise P.m.b.u.h³ said to his brother Aaron (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God. "Thou All Wise P.m.b.u.h?: The Ever must take among my people, place and thou must my thou must righteously, and follow act not ever the path of the people who cause evil disorder!"

Moses {the 7:143. Remember when Honourable and Truthful Trustworthy and the Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever A11 Wise P.m.b.u.h) arrived at Our appointed time, and Eternal Lord and Sustainer of him The spoke to "Thou Moses {P.m.b.u.h} said: The Eternal him. and Sustainer of me! Thou please show Lord me Yourself that may look at Thee!" The Ι Ever Almighty God said: "Thou will not Me. see but thou look at the mountain; if the mountain remains then thou will firm in its place, eventually see Surely The Eternal Me!" Sustainer when Lord and revealed Himself the mountain. of him to He mountain crumble into pieces, and Moses made the unconscious. (P.m.b.u.h) fell down when Then he recovered, he said: "All Glory with Complete Holiness only Thee! I turn in repentance to to Thee. is first of the true believers!" and I the am

7:144. The Ever Almighty God said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! I have chosen thee over Humankind for My Messages and for My Words. Therefore, thou must hold fast to whatever I have given thee, and thou must always be one of those who give thanks!"

Surely We (The Ever Almighty God) wrote 7:145. Everything for him on the about Tablets as the Admonishing instruction and the Explanation as for Everything. "Thou must hold fast to them with all your power, and thou must command your people to best therein. I will eventually show hold fast the of the unthankful rebellious people!" ve the home

7:146. I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Most Equitable, The Ever Most Mighty, Ever The Most High, The Ever All Wise, The Eternal Ever King of the Entire Universe, The Creator and The Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and eventually turn away from My Miraculous Signs will people who are unthankfully arrogant the the in any equitable right to do without so: earth trulv see every Miraculous Sign, even if they they will truly believe in them. And if they see the not path of correct Guidance, they will not adopt it as path; but if they see the path of error, they the as the path. This is solely because will adopt it they have unthankfully denied Our Miraculous Verses, have been unthankfully heedless of them. and they

people who unthankfully Truly the 7:147. denv Our Miraculous Verses and Meeting of the the Afterlife Eternal World. all their actions will The unthankful will become worthless. deniers not requited except for whatever actions they did. be

7:148. Truly in the absence of Moses (the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the and Prophet P.m.b.u.h, the people of Moses (P.m.b.u.h) made from their ornaments a calf. an image having a lowing sound. Did they not see calf could not speak to them nor guide that the the straight path? They took the calf for them to truly they were the iniquitous wrongdoers. worship,

7:149. And when they regretted what they had done, and they saw that indeed they had gone astray, they said: "Indeed, if The Eternal Lord and Sustainer of us does not have Mercy upon us and forgive us, indeed we will definitely be among the losers!"

7:150. Truly when Moses (P.m.b.u.h) returned to his people, angry and grieved, he said: "It is extremely which ye people have evil that done during mv absence. Were ye impatient over the Command of The Eternal Lord and Sustainer of ye?" And he the Tablets and seized his brother threw down bv the hair of his head, pulling him towards himself. Aaron (P.m.b.u.h) said: "Thou O Son of my mother! Certainly, the people considered me weak and they were about to kill me, so please do not make my enemies rejoice over me, and please do not include me among the iniquitous wrongdoing people!"

the Honourable and 7:151. Moses the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Ever Most Equitable P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please forgive me and my brother and Thou please make us to enter into Your Mercy; truly Thou The Ever us are Most Merciful of all those who are merciful!"

7:152. Certainly, the people who took the calf for worship, eventually the wrath from The Eternal Lord and Sustainer of them and humiliation will come upon them in the life of this present Earthly World, Truly just like this We requite the people who invent untruth.

7:153. Truly the people who committed evil actions, then they repented after the evil actions and truly believed; certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee after that, is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

7:154. Truly when the anger subsided in Moses (P.m.b.u.h), he picked up the Tablets; truly on the Tablets their was the Heavenly Guidance and the Mercy for the people who are fearful of The Eternal Lord and Sustainer of them.

7:155. Truly Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) chose from his people seventy for Our appointed time. And when men the earthquake seized them, Moses (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! If Thou had Willed, Thou could have destroyed them and me even before. Would Thou destroy us because of whatever evil actions the fools from among us This is not in any way except Your committed? test by which Thou leave to astray trial any and Thou correctly guide Thou Will person any person Thou Will. Thou The Ever Protecting are us; therefore, Thou please forgive of Friend us Thou please award Mercy upon us; truly and Thou are The Ever Best of all those who forgive.

write down for us 7:156. And Thou please in this prsent Earthly World life of all that the good and also in Eternal Afterlife which is the certainly, we have turned back to World: Thee!" The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Wise, The Ever Most Equitable, The Ever Most All The Eternal King of the Entire Universe, Mighty, Eternal Lord and Sustainer of the The Entire Universe) said: "My requital punishment, I afflict with it any person I Will, truly My Mercy Encompasses Everything!" Surely I will eventually write it down for the people who fear The Ever Almighty they give the Mandatory God and Alms and the who truly believe in Our Miraculous Verses. people

people who The follow the Messenger 7:157. Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and Messenger of Truthful and Prophet the The Ever God. The Almighty Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator Eternal Lord and Sustainer of The the Entire and Universe to each and every one of Humankind the Prophet who neither read P.m.b.u.hcan nor write, the Prophet they find written down in what of the Torah Gospel, thev have and the the Prophet who commands them to do righteousness and doing evil, and prohibits them from the Prophet for them all good things makes lawful the and things, for them all evil prohibits the and the heavy burdens and prophet relieves them of their the shackles which were upon them. Surely the people believed truly Prophet have in the and who helped him followed and and the honoured him Clear Light which was Miraculously Revealed with him, the people who will be the triumphant. such are

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? "O ye and every say: each one of must Humankind! Certainly, I am the Messenger of The one of ye. Almighty God to each and every Ever The God to Whom belongs He is the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. He God except Him Alone. There is no Alone and He Alone causes death!" Surely each gives life and every one of ye Humankind must always truly believe in The Ever Almighty God and His Prophet who cannot read nor Messenger; the write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose that ye may become the people who follow the Heavenly Guidance. the

7:159. Truly from among the people of Moses (P.m.b.u.h) there is a community which guides by The Whole Truth, and by The Whole Truth they do justice. 7:160. Truly We (The True God) divided them into twelve descendant tribes as distinct communities. And We Miraculously Revealed to Moses (P.m.b.u.h) when people implored him for water, saying: "Thou his must strike the rock with your Staff!" Then there from the rock twelve fountains. flowed out Indeed, each tribe knew its own place for water. And We We caused the clouds to overshadow them and sent down manna and quails: "All of ve may eat things We have from whatever good provided for Truly We did not commit any iniquity in ve. any way, but they committed iniquity to themselves.

7:161. Remember when it was said to them: "Ye this city and may reside in ye eat may from "Thou wherever ye wish, and ye say: it must please forgive us our sins!" And ye must enter the gate prostrating; We (The Ever Almighty God) will forgive ye your sins, We will eventually increase for the people who do righteous good actions!"

people who the committed iniquitous 7:162. Then among them changed actions from the words to phrase in some other place of what had been them: therefore. We Commanded to (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) sent down upon them the requital punishment from the heaven, solely they were committing iniquitous because actions.

Muhammad! (The Honourable 7:163. Truly thou O and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Ever Most Equitable Merciful, The to each and of Humankind P.m.b.u.h⁾ must ask every one them by the that about the town was sea, when they transgressed regarding the Sabbath, when their fish openly on their came them Sabbath to day, and had Sabbath the days they fish did the no not them. Jist like this We up to way tested come solely because they were unthankfully rebellious. them

Remember when 7:164. a group from among them admonish the people "Why do ye said: whom The destroy Almighty God is to Ever about or to punish them with the severe requital punishment?" the said: "For purpose free They to be from Eternal Lord before The and Sustainer blame of and for the purpose they may become the ve, righteous people who fear The Ever Almighty God!"

7:165. Truly when they forgot that by which they been reminded, We (The Ever Almighty had God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal The King of the Entire Universe, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe saved the people who had prohibited from committing We seized the people who committed evil and dreadful penalty inequities, with the punishment, solely because they were unthankfully rebellious.

when they inequitably transgressed 7:166. Surely against whatever they had been prohibited, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire The Ever Living, The Universe, Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } them: "Ye must become despised said to monkeys!"

The 7:167. Remember when Eternal Lord and Sustainer of thee declared that indeed He will definitely send forth upon them until the Day of Resurrection and Judgement those who would afflict them with the evil torment. Certainly, The Eternal Lord Sustainer of thee is indeed Swift in inflicting and penalty punishment; and certainly, He is indeed the The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

7:168. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, King of the Entire Universe, The The Eternal The Eternal Lord and Sustainer of the and Creator Entire Universe divided them throughout the earth into many communities. Some of them were devoutly righteous and some of them were other than Truly We tested them with good things that. and bad things for the purpose that they may return.

7:169. Then there succeeded after them, successors those who inherited the Heavenly Book. They were the fleeting gains of this Lower Earthly taking they said: "Soon it will be forgiven World and And if an offer like for us!" it comes to it. Was again, they will again take the them not taken from them, Covenant written in the Heavenly Book, that they would not say anything The Ever Almighty God except about at all they studied and The Whole whatever Truth, was Truly the Home of the Eternal therein? Afterlife World is supremely good for the people who Ever Almighty God, despite fear The that will your intellect to be ye people not use equitable?

7:170. Truly the people who always powerfully hold fast to the Heavenly Book and they equitably perform the Prayer; certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Ever The Eternal King of High, Most the Entire The Eternal Creator The and Lord Universe. and Entire Universe} Sustainer of the do not ever the reward the people who act righteously. waste

7:171. Remember when We (The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. and The Eternal Lord and Sustainer of the Creator Universe? raised the Entire mountain high above the dark though it was them as cloud and they thought that the mountain was about fall to upon them: "All of ye must always hold fast whatever We have given all of ye with power, and all must heedfully remember whatever is of ye therein. for purpose that all of ye may become the the righteous people who fear The Ever Almighty God.

7:172. Remember when The Eternal Lord and Sustainer of thee took from the Children of Adam $\langle P.m.b.u.h \rangle$. from their very all loins. their and He made them bear witness descendants upon themselves: "Am I not The Eternal Lord and Sustainer all of ye?" All "Yes, of them said: All of us do bear witness!" For Thou are! the ye the Children of Adam purpose that (P.m.b.u.h)the Day Resurrection of may not say on and Judgement: "Certainly, we were unaware of this!"

that the children of Adam 7:173. Or ye say: "It was {P.m.b.u.h} may not only that forefathers who committed polytheism our before merely time. and we were descendants our coming after them. Then will Thou destroy us for whatever the followers of the untruth did?"

7:174. Truly just like this We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer the Entire Universe) explain in detail the Miraculous Verses; and for the purpose that they may return.

7:175. And thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate to each and every one of Human Beings P.m.b.u.h must recite the to them of the person to whom We (The news the Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, Sustainer the Entire Universe The Eternal Lord and gave Our Miraculous Verses, but he detached himself the devil Satan pursued him, from them: then of those who go astray. he became one SO

7:176. Truly if We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Merciful) had Willed, indeed We would have elevated by them, but instead he clung to the earth him and followed his own iniquitous desires. Therefore, his example is just like of a dog; if thou place а dog, it pants with burden upon the lolling a and if thou leave it alone, still tongue, the dog pants with a lolling tongue. Such is the example of the people who unthankfully deny Our Miraculous Surely thou must narrate for the Verses. the story. purpose that they may think deeply to understand.

7:177. Extremely evil is the example of the people who unthankfully denied Our Miraculous Verses, truly the unthankful deniers committed inequity to themselves.

The Ever Almighty God 7:178. Any person guides. is correctly surely such a guided; person The Ever Almighty God leaves truly any person surely such people are the to stray, losers.

Truly indeed We (The Ever 7:179. Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have in Jinn-kind for Hell of the many fact created and Humankind. They have hearts with which they do understand they have and eyes with which not and they they do have with not see ears they do not hear. They are just which like the livestock; but in fact, they are astray. Such more people who are the unthankfully heedless. are the

7:180. Truly to The Ever Almighty God belong the Most Good Names. Therefore, ye Humankind must always call Him in prayer by them. And ye must leave the people who distort the meanings of His Names. Eventually, such people will be equitably requited for whatever actions they have been doing.

7:181. Truly from among those We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have created there is a community which guides by The Whole Truth, and by The Whole Truth they do justice.

the people who unthankfully deny Our 7:182. But We (The Ever Verses. Almighty God Miraculous equitably to will eventually lead them destruction by step from where they do step not know.

7:183. Truly I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living) will grant them time. Certainly, My plan is very firm.

7:184. Then do they not think deeply? There is not in any way in their companion Muhammad, (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) any madness. He is not in any way except the Clear Constant Warner.

7:185. Do the Human Beings not closely observe in the Kingdom of the heavens and the earth and of Everything that The Ever Almighty God has and that perhaps their appointed time created of death may have come near? Then in what Message this Book Qur'an will they (the after Statement Human Beings and the Jinn Beings truly believe?

7:186. Whosoever The Ever Almighty God leaves to stray, surely there is no guide for such a person. Truly The Ever Almighty God leaves them in their transgression, wandering blindly.

7:187. They ask thee O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) about the Final Time; when will it come to pass? Thou must say: "The knowledge of the Final Time is only with The Eternal Lord and Sustainer of me. None will reveal its time except The Ever Almighty God. It lays heavily upon all the heavens and the whole earth. It will not come each upon every one of ye Humankind except suddenly!" and They ask thee as if thou are familiar with the Time. Thou must say: "The knowledge thereof Final The Ever Almighty God, but most is only with of the Humankind do not have the Heavenly Knowledge (of the Final Mighty Day of Resurrection and Requitals in the Eternal Afterlife Worlds, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

7:188. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "I do not possess any power over benefit nor harm even to myself, except whatever The Ever Almighty God Wills. Truly if I had the knowledge of indeed I would have acquired abundance the Unseen. good things, and no harm would have touched of me. I am any way except the Constant not in the Constant Announcer of the and Warner Good True News to the people who truly believe!"

7:189. The Ever Almighty God is The God Who has created all of ye Humankind from a single person (Adam P.m.b.u.h) and He created from him his wife (Eve P.m.b.u.h), for the purpose that Adam (P.m.b.u.h) may find comfort in her. After when the had been united with his wife, she becomes man pregnant carrying a light burden, and she keeps moving about with it. Then when it becomes heavy, both of them call in Prayer The Ever Almighty The Eternal Lord and Sustainer of them: "If God. Thou give us a good healthy child, indeed we will definitely be among those who give thanks!"

when The Ever Almighty God 7:190. But gives child, they associate good healthy them a gods with The Ever Almighty God others as that which He has given them. Surely concerning Ever Almighty God is Supremely Exalted far The whatever gods all the polytheists above from ever associate with The Ever Almighty God.

7:191. Do they associate others as gods with The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) those fake gods who create nothing at all, but they themselves have been created?

7:192. Truly those fake gods do not have any power to give the polytheists any help, nor can those fake gods help themselves.

7:193. Surely if ye the true believers invite the polytheists to follow the Heavenly Guidance, they will not follow ye. It is all the same for ye whether ye invite them, or whether ye keep silent.

7:194. Certainly, those gods ye the polytheists call in prayer other than The Ever Almighty God are servants just like yourselves. So ye may call them in prayer, then they should answer ye, if ye are the truthful.

7:195. the fake gods have feet by which Do thev the fake gods walk? Or do have hands by which grasp? Or do the they can fake gods have eyes see? Or do the by which they can fake gods which by they can have ears hear? Thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of the The Ever Almighty God to all Humankind P.m.b.u.h) must say: "Ye polytheists may call the vour fake gods: ye the polytheists may plot thereafter. all vour evil against me, and do not give me any respite. plots

Certainly, The Ever Protecting 7:196. Friend of Almighty God, The Ever The God Who me is Miraculously Revealed this Book Our'an; has truly Almighty God is always Ever The The Ever Protecting Friend of the devoutly righteous people.

7:197. Truly those gods ye the polytheists call in prayer other than The Ever Almighty God, they do not have any power to help ye, nor can they help themselves.

7:198. Truly if thou invite the polytheists to follow the Heavenly Guidance, they do not hear; and thou see them looking at thee, while they do not see.

7:199. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The True God P.m.b.u.h) must adopt forgiveness, and thou must command people to do good works, and thou must turn away from the ignorant people.

7:200. Truly if any evil suggestion from devil Satan comes to thee (O the Human Being!), then thou must always seek refuge in The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

7:201. Certainly, the people who fear The Ever Almighty God, whenever any evil temptation touches them from devil Satan, they heedfully remember, then immediately they see clearly.

7:202. But as for the followers of the devils, the devils plunge them deep into evil; thereafter, they do not stop short.

7:203. Truly when thou O Muhammad! (The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The and Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and every one of the Human each Beings to Miraculous P.m.b.u.h) do not bring to them the Verse, they say: "Why have thou not made it vourself?" Thou must say: "I only follow whatsoever is Miraculously Revealed to me from The Eternal Lord and Sustainer of me. This Qur'an is the True Insightfulness from The Eternal Lord and Sustainer of all of ye Humankind and the Heavenly Guidance and the Mercy for the people who truly believe.

7:204. Truly whenever the Qur'an is recited, then each and every one of ye Humankind must always listen attentively to the Qur'an, and each and every one of ye Humankind must always be silent, for the purpose that all of ye may receive Mercy. 7:205. Truly thou must heedfully remember The Lord and Sustainer thee Eternal of within in all humility and fear: vourself and without being in speech, in apparent the mornings evenings. And thou the must not and ever be of the unthankful heedless people. one

7:206. Certainly, all those who are near The Eternal Lord and Sustainer of thee are not ever unthankfully arrogant from worshipping only The Ever Almighty God, and they always Glorify only The Ever Almighty God, and only to Him Alone they prostrate.

muslim Certainly, the 33:35. men and the muslim the believing and and men the believing women the devoutly obedient and men and the women devoutly obedient women and the truthful men truthful steadfastly patient and the women and the steadfastly patient and the women and the men fearfully humble and the fearfully men humble who give charity the and the women and men give charity and the who who fast women men the women who fast and the men who guard and chastity and the women who and the guard their heedfully remember The Ever Almighty who men very often and the women who heedfully God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty all reward. 7:8. Truly the weighing of action every on that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals and Rewards and Recompense and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) is The Whole Truth. Surely and every person of Humankind whose Scales each the righteous good actions will with be heavy, indeed such people will truly be the triumphant.

8: Sûrah Chapter Al-Anfal The Bounties of War M.V. 75

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

They ask thee O Muhammad! (The 8:1. Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and and of The Ever Almighty God. The Eternal Prophet Sustainer of the Entire Universe to Lord and each every one of Humankind P.m.b.u.h about and the War. Thou say: "The of bounties bounties must belong to The Ever of War Almighty God the Messenger!" So ye and the true believers must The Ever Almighty God always fear and ve must yourselves always righteously among and act ye must always wholly obey The Ever Almighty God His Messenger, if ye are the true believers. and

who, only those 8:2. The believers are whenever Almighty Ever God is mentioned. The their and whenever fearful. Miraculous the hearts become Almighty Verses of The Ever recited God are them them. it increase in the True Faith: to their The always put and trust in Eternal they Lord Sustainer of them; and

people who equitably perform 8:3. The the Prayer spend from whatever We **The** and they Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Merciful have provided Ever Most for The them.

who 8:4. Such people the the are are true believers. Such true believers will high have grades The Eternal Lord and with Sustainer of and forgiveness and the honourable sustenance. them

8:5. as when The Eternal Lord and Just Sustainer of thee brought thee out of your with The Whole Truth: truly home indeed. а party from among the true believers disliked it,

arguing 8:6. They were with thee concerning Whole after it The Truth had become supremely if they were being clear, as driven towards while they were observing. death

Remember when The Ever Almighty God 8:7. **The** Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) promised and ve; of the two that one enemy groups would be ye wished yours, that the unarmed truly group be yours. But The Ever Almighty God would intended to establish The Whole Truth by His Words and to completely eliminate the unthankful disbelievers.

8:8. For the purpose that The Ever Almighty God may establish The Whole Truth and abolish untruth, even though the iniquitous criminals hate it.

8:9. Remember when ye the true believers asked for help from The Eternal Lord and Sustainer of ye; surely He responded to ye, saying: "Certainly, I am going to help ye with a thousand from among the Angels, following one another in succession!"

Truly The Ever Almighty God 8:10. has not this in except the good any way made true for the purpose that your hearts would and news Truly content thereby. there is in be no help from the any Providence of The way except Almighty God. Certainly, The Ever Almighty Ever The Ever Almighty, The Ever All Wise. God is

8:11. Remember when The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, Eternal Lord and Sustainer of the The Entire Universe) brought upon ye the true believers slumber giving ye the true believers peaceful security from sent down rainwater upon ye from Himself, and He for the purpose the heaven, to purify ye thereby, remove from ye the evil suggestions of the and devil Satan; and for the purpose to make steadfast your hearts. make firm thereby your feet. and to

The Eternal 8:12. Remember when Lord and of thee Miraculously Revealed Sustainer to the Angels: "Certainly, I am with ye; surely ye must keep firm the people have truly believed. who Eventually I will cast terror into the hearts of people who unthankfully disbelieve, the surely ve Angels must strike upon the their necks and at all their fingers. the Angels must strike ve

8:13. solely because they This is opposed Almighty God and The Ever His Messenger. person opposes The Ever Almighty God Truly any His Messenger; surely indeed, The Ever and Almighty God is severe in the penalty punishment.

it is, therefore 8:14. Thus ye the unthankful feel the disbelievers must requital punishment. unthankful disbelievers for And indeed the there is the requital punishment of the Hellfire.

the people who truly 8:15. believe! 0 ye ye meet the people who unthankfully Whenever into battle, advancing ve disbelieve then must turn your backs them fleeing. on not ever

person who turns Truly any 8:16. his back them on such day, except as a strategy on a of to join one of his war. or own troops. indeed, such himself the surely indeed, has brought а person upon wrath from The Ever Almighty God, and his Eternal Afterlife Home is Hell. truly Hell is an extremely evil destination.

Surely ye the true believers did not 8:17. kill but it was The Ever Almighty God who them. O Muhammad! Truly thou killed them. **The** Honourable and the Trustworthy and Truthful the Prophet of The Ever Almighty God, Messenger and The Ever All Wise to each and every one of the thou Human Beings P.m.b.u.h) did not throw. when threw, but it was The Ever Almighty God who the purpose that The Ever Almighty God threw. for with true believers the good test may test the Certainly, The Ever from Himself. Almighty God All Hearing, The Ever All Knowing. is The Ever

8:18. Thus it is, truly indeed The Ever Almighty God (The Ctreator of Everything) will weaken the iniquitous plots of the unthankful disbelievers.

seek 8:19. If the unthankful disbelievers the ve judgement, then indeed the judgement has come to ye. Truly if ye stop unthankful disbelief, surely it will be supremely good for ye; but if ye return to unthankful disbelief, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will return to punish, ye will not benefit by your forces at truly all. if they were many; Surely indeed The Ever even is always with the true believers. Almighty God

8:20. O ye the people who truly believe! Ye must always wholly obey The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) and His Messenger, and ye must not ever turn away from him, while ye are the people who hear attentively.

8:21. And ye the true believers must not ever be like the people who say: "We have heard," while they do not hear.

8:22. Certainly, the worst of living creatures in the Sight of The Ever Almighty God are the unthankfully deaf and unthankfully dumb, the people who do not use their intellect to be equitable.

8:23. Truly if The Ever Almighty God had known any good in them, indeed He would have made them hear. Truly if The Ever Almighty God had made them hear, indeed they would have turned away, while they were unthankfully refusing.

8:24. O ye the people who truly believe! Ye must always wholly comply to The Ever Almighty God and to the Messenger whenever he calls ye to that which gives ye true life. And ye must always know with certitude that The Ever Almighty God intervenes between the man and his heart and that surely only to Him all of ye will be gathered.

8:25. And ye the true believers must always protect which will against a trial test vourselves not afflict the people who committed have iniquity ye exclusively, and of from among all ye always know with certitude that The Ever must Almighty God is severe in the penalty punishment.

8:26. Surely ye the true believers must heedfully remember when ye were only few and considered weak in the land. Ye were fearful that Humankind might abduct ye, surely The Ever Almighty God sheltered ye, and He strengthened ye with His help, and He provided ye with good things, for the purpose that all of ye may give thanks.

8:27. O ye the people who truly believe! Ye must not ever betray The Ever Almighty God and the Messenger nor betray your trusts while ye have the Heavenly Knowledge.

8:28. Surely ye the true believers must always know with certitude that the wealth of ye and the children of ye are only a trial test, truly indeed The Ever Almighty God has with Him the mighty reward.

8:29. O ye the people who true believe! If ye fear The Ever Almighty God, He will award all of ye the All Distinctive Criterion and He will absolve from ye your evil actions and He will forgive ye. Truly The Ever Almighty God is The Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace.

8:30. Remember when the people who unthankfully disbelieved iniquitously plotted against Muhammad! {The Honourable and the thee O the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Most Almighty God, The Ever Ever Powerful. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h³ to imprison thee or kill or expel thee. Truly they iniquitously plotted thee The Ever Almighty God planned, truly The and Ever Almighty God is The Ever Best of Planners.

8:31. Truly whenever Our Miraculous Verses are recited say: "Indeed to the unthankful disbelievers, they we willed, heard. If could indeed have we we sav just like this Book Qur'an. This Book Qur'an is the stories of the previous people!" nothing except

8:32. Remember when the unthankful disbelievers said: "Thou The Ever Almighty God! If this Book Qur'an is indeed The Whole Truth from Your Providence, then Thou rain down stones upon us from the heaven, or thou send down upon us a painful punishment!"

8:33. Truly The Ever Almighty God would not punish Muhammad! {The them while thou 0 Honourable Trustworthy Truthful and the and the Messenger The Ever Prophet of The Ever Almighty God, and Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Most Powerful, The Creator and The Eternal Ever Sustainer of the Entire Universe to each Lord and every one of the Human Beings P.m.b.u.h and are among them, truly The Ever Almighty God would punish them while they pray for forgiveness. not

Truly why should The Ever Almighty 8:34. God punish the unthankful disbelievers while they not prevent people Sacred Mosque from the and they not its rightful guardians? Its rightful guardians were way except the righteous in are not any people who fear The Ever Almighty God, but most have the Heavenly Knowledge. of them do not

8:35. Truly the prayer of the unthankful disbelievers Sacred House the not at was in any way except whistling and handclapping. Therefore, ve unthankful disbelievers must feel the requital punishment solely because ye unthankfully disbelieved.

Certainly, the people who unthankfully disbelieve 8:36. their wealth to prevent people from the spend Straight The Ever Almighty Path of God. So eventually they will spend their wealth; thereafter, it of regret for will be a them: source thereafter. they will be overpowered. Truly the people who disbelieve will gathered unto Hell. unthankfully be

the purpose 8:37. For that The Ever Almighty God evil may seperate the person from the Ever Almighty God good person and The mav evil the person upon place the other: and person together. every evil heap each and then put them into Hell. Such people the losers. are

Muhammad! (The Honourable 8:38. Thou 0 and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Universe to each Sustainer of the Entire and every Beings P.m.b.u.h must of the Human one sav to have unthankfully disbelieved. people if the who they stop unthankful disbelief, whatever evil actions previously occurred will be forgiven for has them. persist, if they surely indeed, But the examples people has already of the previous taken place.

Surely ye the true believers must 8:39. keep fighting disbelievers is no unthankful until there the more whole unthankful disbelief and the totality of the devoted only for The religion is Ever Almighty Truly if they stop unthankful disbelief; God. surely Almighty The Ever God is The Ever A11 indeed. Seeing actions all of whatever of them do. ever

And if they turn then away, 8:40. ve the always with believers must know certitude true Almighty God is The that The Ever Ever Protecting Friend of ye; He is The Ever Excellent Protecting Friend, and The Ever Excellent Helper.

8:41. Surely ye the true believers must always know with certitude anything that whatsoever ve gain of War booty, surely indeed, for The Ever Almighty fifth of it God is one and for the Messenger, and for near relatives the and the orphans the needy and the traveller, if and ve The Ever Almighty God and truly believe in in whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? Miraculously Revealed the day of the distinctive Our servant on to criterion. day when the two armies the met in battle. Truly The Ever Almighty God always has supremely powerful ability to do Everything. the

8:42. Remember when ye the true believers were on side of the valley, and the unthankful the near disbelievers were on the farther side, and the caravan was below ye. Truly if ye the true believers had appointment, indeed promised any ye would have differed regarding the promised appointment. But it that The Ever Almighty God for the purpose was accomplish the matter already ordained, for the may purpose that every person who perished would perish upon supremely clear proof, and every person who live upon supremely clear lived on would proof: truly The Ever Almighty God is indeed indeed Ever All Hearing, The Ever All Knowing. The

8:43. Remember when The Ever Almighty God made the unthankful disbelievers in your thee dream see few: truly if He had shown the unthankful as indeed disbelievers thee many, ye to as would have been disheartened, and indeed ye would have disputed regarding the Command, but The Ever Almighty God saved ye. Certainly, The Ever God is Knowing Almighty The Ever All of Everything that in each and every chest ever. is

8:44. And remember when The Ever Almighty God unthankful disbelievers showed the ye to the true as few in ye believers your eyes when met ye the in battle. and He made true believers in their eyes, for few purpose appear as the Almighty God may accomplish that The Ever the matter already ordained. Truly all matters are The Ever Almighty God. always returned only to

ye the people who truly believe! Whenever 8:45. O army in battle, then ye ve meet any the true always stand firm believers must and ye must heedfully remember The Ever Almighty God very often, for the purpose that ye may become triumphant.

8:46. Surely ye the true believers must always wholly Almighty God (The Ever obey The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the and The The Creator Eternal Lord Entire Universe. Sustainer of the Entire Universe His and and Messenger and ye must not ever dispute, lest ve become disheartened and your strength would would of ye must always be all steadfastly depart: and patient. Certainly, The Ever Almighty God is always with the people who are steadfastly patient.

8:47. And ye the true believers must not ever be like the people who marched forth from their of conceit and homes full to show off to Humankind and they prevented people from the Straight Path of The Ever Almighty God. Truly always God is The Ever Almighty encompassing actions all of of whatever them ever do.

8:48. Remember when the devil Satan adorned to the unthankful disbelievers their evil actions and said: can overpower ye today "No one from among Humankind; truly indeed I am protector of ye!" But when the two armies came within sight of one another, the devil Satan turned on his heels fleeing and he said: "Certainly, I am disassociated from ve. certainly, I see that which ye do not see; certainly, I fear The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is severe in the penalty punishment.

the hypocrites and When the people 8:49. who said: "These true have disease in their hearts who deceived by their religion!" Truly any believers are person who puts his trust in The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Wise, Eternal King of the Entire Universe, The The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) surely indeed, The Ever Almighty is The Ever Almighty, The Ever All Wise. God

see, when the Truly if only thou could 8:50. take away the souls Angels the people of unthankfully disbelieved, how they strike who and their backs; faces saying: "Ye must their punishment of the Burning the requital Fire. feel

8:51. This is solely because of whatever evil actions your hands have sent ahead, truly indeed, The Ever Almighty God is not ever iniquitous to His servants.

Just like the behaviour of the people of 8:52. and those before them, they unthankfullv Pharaoh the Miraculous Signs disbelieved in of The Ever Almighty God. Therefore, The Eve seized them solely because Therefore, The Ever Almighty God of their sins. The Ever Almighty God The Ever Certainly, is Most Strong, The Severe in the penalty punishment.

because The Ever 8:53. is Almighty God This any Favour change would not and Blessings had awarded upon any people until which He change whatever is in their hearts and they minds. Truly indeed The Ever Almighty God The Ever All Hearing, The Ever All Knowing. is

8:54. Just like the behaviour of the people of and those before them, they unthankfullv Pharaoh the Miraculous Signs of The Eternal denied Lord and Sustainer of them. Therefore, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe destroyed them solely because of their sins, and We drowned the people of Pharaoh. Truly each and every one of them were the iniquitous wrongdoers.

Certainly, the worst of living creatures in 8:55. the Sight of The Ever Almighty God (The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Creator and The Sustainer of the Entire Universe³ are the people who have unthankfully disbelieved, and they will not believe.

8:56. The people with whom thou made a treaty; they break their pledge every thereafter time, do fear The Ever Almighty they not God. and

8:57. Surely if thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Gracefully Ever Most Merciful. The Ever All Wise, The Ever Most High, The The Ever Mighty, Most Powerful, Ever Most The Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and each and every one of Humankind P.m.b.u.h? meet to them in battle, thou must make a fearsome example people who come of them to the after them. for purpose that they may heedfully the remember.

And if 8:58. thou ever fear betrayal from any thou throw then must their back people, treaty terms. Certainly, them equal The Ever at on Almighty God does not love the treacherous people.

who Truly the people unthankfully 8:59. disbelieve think that not ever they will must escape. Certainly, they will able failure. not be to cause

8:60. the believers Surely ve true must prepare unthankful disbelievers the whatever ye against are of power of muster able to and warhorses by frighten off which ve may the enemies of Ever Almighty the The God and enemies of ve believers, others apart from the true and them ye do know, The Ever Almighty whom not God well. Surely whatever very knows them ve the spend of believers in the Straight Path true The Ever Almighty God will be fully repaid to ye, ye will be treated with any iniquity. and not

8:61. Truly if they incline towards peace, then thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Prophet Truthful Messenger and of and the The The Ever Most Gracefully Almighty God, Ever Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Ever Most Mighty, High. The The Ever Most Powerful. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must also incline towards peace, and must put your trust in The Ever Almighty thou God. Certainly, The Ever Almighty God is indeed, The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

intend they 8:62. But if to deceive thee. indeed. The Ever Almighty surely God is The Ever All Sufficient for thee, The Ever Almighty God is The God Who strengthened help with His and with the true believers. thee

The Ever Almighty God has created 8:63. And of love between the the bond hearts of the If thou had spent whatsoever believers. is true entirely, thou could earth not have in the created the bond of love between their hearts: The Ever Almighty God created the bond but of them. Certainly, The Ever Almighty love between Ever Almighty, The Ever All Wise. God is The

O Prophet Muhammad! {The Honourable 8:64. Thou Trustworthy and the Truthful Prophet and the and Messenger of The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one of Humankind each to Universe P.m.b.u.h)! The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient for thee and for each and every one thee from among the true believers. who follows

8:65. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable Truthful Prophet Trustworthy and the and the and Messenger of The Ever Almighty God. The Ever Most Equitable The Ever All Wise. each to one of the Human Beings and P.m.b.u.hevery Thou must urge the true believers to fight. If twenty of ye the true there are believers who are steadfastly patient, they will overpower two hundred. And if there are one hundred of ye who are steadfastly patient, they will overpower one thousand who have unthankfully disbelieved. because of those they the people who do not comprehend. are

The Ever Almighty God 8:66. Now. has lightened believers, and He knows for ye the true verv well there that there is weakness in ye. Therefore, if are of ye hundred the true believers who one are steadfastly patient, they will overpower two hundred. if there thousand of ye, are one they will And overpower two thousand by the Command of The God. Truly The Ever Almighty God Ever Almighty is always with the people who are steadfastly patient.

8:67. It is not in any way for any Prophet to have captives of war until he inflicts a massacre earth. Ye people desire the commodities in the of this present Earthly World, but The Ever Almighty **(**The Ever Most Gracefully Compassionate, The God Ever Most Merciful. The Ever Most Generous. The Mighty, The Ever Most High, Ever Most The Ever All Praise, The Owner Owner of Ever of A11 The Ever Most Kind, The Eternal King of Glory. the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe desires Lord and the Eternal Afterlife World. Truly The Ever Almighty The Ever Almighty, The Ever All Wise. God is

8:68. Had it not been for the Decree that has already gone forth from The Ever Almighty God indeed ye would have been afflicted by the mighty punishment on account of what ye have taken.

8:69. Surely ye the true believers may consume taken of the War booty of what ye have as being lawful and good, and all of ye must always fear The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and and Sustainer of Lord the Entire The Eternal Universe). Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

8:70. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet and Messenger of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h³! Thou must say to each and every one who is in your hands of the captives: "If The Ever Almighty God knows any good in your hearts, He will give ye better than taken from ve, and He whatever was will forgive ye; Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!"

But if they intend to betray thee O 8:71. Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Prophet and Messenger of The Ever the Almighty God, The Ever Most Mighty, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and each and every one of Humankind Universe to P.m.b.u.h), surely indeed they have betrayed The Ever Almighty God previously; therefore, He has given thee power over them. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

people who have truly believed 8:72. Certainly, the and strove hard with emigrated their wealth and Straight Path of lives the The Ever and in Almighty God, and those who shelter gave and are the protecting helped; they friends of one But another. those who have truly believed but ye the true believers do they did not emigrate, not have any duty of protection to them until they emigrate. But if they ask ye for help concerning the religion, then it is a mandotory duty upon ve the true believers to help, except against the people and between ye there is between them a treaty. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ve ever do.

Truly the people who have unthankfully 8:73. of one disbelieved are protecting friends another. believers do If the true not do ve as commanded, there will be unthankful disbelief in and great evil disorder. the earth

people who have truly believed 8:74. the But and strove emigrated hard in the Straight and of The Ever Almighty God. Path and those gave and helped, they the who shelter are the true believers. They ones who will are forgiveness and the honourable sustenance. have

the people who truly believed thereafter 8:75. And emigrated and fought alongside ye and the true believers, surely they too are from among ye. those of blood relationship But are nearer to one Book of The Ever Almighty the another in God The Eternal Lord and and (The Creator Sustainer of the Entire Universe). Certainly, The Ever Almighty The Ever All Knowing of Everything. God is

9: Sûrah Chapter At-Tauba The Repentance M.V. 129

declaration 9:1. is the of disassociation, This from Ever Almighty God (The Ever The All Wise. The King of the Eternal Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) and His Messenger, to the people with the true believers had made the treaty whom ye among the people who are the polytheists. from

unthankful Surely may 9:2. ve the disbelievers the earth for four travel freely in months and with certitude ye must always know that ve any The ever cause failure to Ever cannot God. indeed The Almighty truly Ever Almighty God will disgrace the unthankful disbelievers.

the proclamation The 9:3. And there is from Ever Messenger to Almighty God and His Humankind day of the greater pilgrimage on the that Ever Almighty is disassociated from The God the also His Messenger. Therefore, and polytheists if ye polytheists repent, then it is supremely good the for but if ye turn ye must away, then ye; always certitude that ye with know cannot cause ever failure to The Ever Almighty God. And thou any give the true news to the people who must unthankfully disbelieve of the painful requital punishment.

the people with whom Except 9:4. ye the true made the treaty from among the polytheists; believers thereafter, they have not subsequently failed ye in they helped anyone against have anything, ye; nor must complete for them their ye therefore, treaty until their appointed term. Certainly, The Ever Almighty God loves the righteous people who fear Him.

Surely when the sacred months have passed, 9:5. ve the true believers must kill the polytheists then wherever ye must capture them find them and ve besiege them and ye must must sit in and ye for them at every place of ambush. if But wait and equitably perform the Prayer they repent and Mandatory Alms, then ye must let them go give the on their way. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

9:6. Truly if any person from among the polytheists protection of thee O Muhammad! {The seeks the and the Trustworthy and the Truthful Honourable Prophet and Messenger of The Ever Almighty God, The Eternal Lord The Creator and and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h, surely thou must grant such a person protection, until he hears the Words of The Ever Almighty God. Thereafter, thou must escort him his place of safety. This is because they are the to not have the Heavenly Knowledge. people who do

there be for the 9:7. How polytheists can anv with The Ever Almighty God treaty with and Messenger, except for the people with His whom the treaty at the Sacred made Mosque? ve Surely as long as they are equitably upright to ve the true believers, then ye must be equitably upright to them. Certainly, The Ever Almighty God loves the righteous people who fear Him.

9:8. How can it be? While, if they gain dominance over ye, they do not have any respect for any tie of kinship with ye nor for any treaty. They please ye with their mouths, but their hearts are against ye, truly most of them are unthankfully rebellious.

9:9. The polytheists have sold the Miraculous Verses of The Ever Almighty God for a paltry price, and they have prevented people from the Straight Path of The Ever Almighty God. Certainly, whatever they have been doing is extremely evil.

9:10. With regard to the true believer. the polytheists do not respect for have any any tie of kinship nor for treaty. Truly any they are the people who are the iniquitous transgressors.

9:11. Surely if the polytheists repent and equitably perform the Prayer and give the Mandatory Alms, surely they are the brothers of ye the true believers in religion; truly We (The Ever Almighty God) explain in detail the Miraculous Verses for the people who have the Heavenly Knowledge.

9:12. Truly if they break their oaths after their treaty and blaspheme your religion, then ye the true believers must fight the leaders of unthankful disbelief, certainly, there are no oaths to them; in order that they may stop unthankful disbelief.

ye not fight the people 9:13. Will who broke and were determined to banish the their oaths and they attacked ye first? Are Messenger, ve fearful of them? But The Ever Almighty God equitable right that must always alwavs has ve fear only Him, if ye the are true believers.

9:14. Ye true believers fight the must the polytheists; Ever Almighty will punish The God hands and He by your will disgrace them and He help ye against them, will them, and He will heal the chests of the believing people.

9:15. And The Ever Almighty God will remove the rage from their hearts. Truly The Ever Almighty forgivenes and in Mercy God turns to anv person He Wills. Truly The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Kind, The Eternal of the Entire Universe. The Creator and The King and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord The Ever All Knowing, The Ever All Wise is

ye people think that 9:16. ye Do will be untested, while The Ever Almighty left God has yet made evident the people from among not ye, who strive hard and they do the ones not ever take other than The Ever Almighty God and His Messenger and the true believers as close friends? Truly The Ever Almighty God is The Ever A11 Aware of whatever actions all of ve ever do.

any way for is not in the polytheists 9:17. It maintain the Mosques of The Ever to Almighty God, while they bear witness against themselves of unthankful disbelief. Such are the people whose actions have become worthless, and the Hellfire the polytheists will reside forever. in

The Mosques of The Ever 9:18. Almighty God maintained only by the to be person who are The Ever Almighty God believes in truly and Final Day and equitably performs the Prayer the the Mandatory Alms and does gives and not fear anything whatsoever except The Ever ever Almighty God, surely it is expected that such are the people who will follow the Heavenly Guidance.

9:19. Do ye people consider the providing of water for the pilgrims and the maintenance of the Sacred Mosque equal to the actions of the person truly believes in The Ever Almighty God who the Final Day and strives hard in the and Path of The Straight Ever Almighty God? Thev in the Sight of equal The Ever are not The Ever God. Truly Almighty Almighty God does not guide the iniquitous wrongdoing people.

The people who have truly believed 9:20. and emigrated and they have striven hard in the Straight Path of The Ever Almighty God with their lives are extremey greater their wealth and in grade in the Sight of The Ever Almighty God. Truly such are people who are the true victors.

9:21. The Eternal Lord and Sustainer of them gives them the good true news of the Mercy from Himself and the All Blessed Delight and of the Everlasting Gardens for them wherein there will be the Everlasting Delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

9:22. They will reside in the Everlasting Gardens forever. Certainly, The Ever Almighty God has with Him the mighty reward.

ye the people who truly believe! Ye 9:23. 0 ever take your fathers or your brothers must not as protecting friends if they love unthankful disbelief Truly any person who True Faith. more than the among ye turns to them for friendship. from surely such people are the iniquitous wrongdoers.

9:24. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Equitable to each and The Ever every of Humankind P.m.b.u.h must "If one say: your your and your brothers fathers and sons and vour spouses and your relatives, and your wealth which ve have gained, and commerce that ye fear may and dwellings with which ye are pleased decline, beloved to ye than Ever Almightv are more The and His Messenger and striving hard God in Straight Path The Ever Almighty of the God. ye wait until The Ever Almighty God executes then Command. Truly The Ever Almighty His God not guide the unthankful rebellious does people!"

Indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most 9:25. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Most Equitable, The Ever Most Mighty, Ever The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Lord Sustainer of The Eternal and the Entire Universe) has in fact helped ye the true believers in many battlefields, and even on the day of the Battle of Hunayn, when ye rejoiced at your large but large numbers did not numbers. the avail ve the earth was confining for ye and all. despite at vastness. Thereafter ye turned back fleeing. of its

9:26. Thereafter, The Ever Almighty God sent down His serenity upon His Messenger and upon the true believers and The Ever Almighty God sent down armies of Angels whom ye the true believers did Ever Almighty God punished The and not see the people who unthankfully disbelieved. Truly such is the requital punishment of the unthankful disbelievers.

9:27. Then even after this The Ever Almighty God will turn in Forgiveness and Mercy to any person He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

9:28. O ye the people who truly believe! Certainly, the polytheists are impure, surely they ever be not allowed come must to near the Mosque after this, their final Sacred vear. Truly if ye fear privation, then eventually The Ever His Grace Almighty God will enrich ye from He Wills. Certainly, The Ever Almighty God if The Ever All Knowing, The Ever All Wise. is

9:29. Ye the true believers must fight the people The Ever Almighty do not truly believe in who God and the Final Day and they do not prohibit whatever that The Ever Almighty God and Messenger have prohibited and they do not His adopt the true religion from among those who have been given the Heavenly Book, until they give the required tax willingly while they are humbled.

9:30. The Jews have said: "Ezra (P.m.b.u.h) is the son of The Ever Almighty God!" And the Christians said: "The Messiah (the Son of Mary, the have Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God Ever and His Word which The Almighty God to Mary and the Spirit from The directed Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.t) is the Ever Almighty God!" This is their son of The statement from their mouths; they repeat the saying unthankfully disbelieved previously. of the people who The Ever May Almighty God destroy them; how are ye turned away from The Whole Truth?

9:31. They have taken their scholars and their besides The Ever Almighty lords monks as God, of the Messiah. the Son Marv (the and also Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God Almighty and His Word which The Ever God Mary and the Spirit directed to from The Ever Almighty God, The Most Ever Gracefully Merciful P.m.b.u.t. Compassionate, The Ever Most truly they were not Commanded except to worship is no God God: there The Ever One except The Ever Almighty God. All Glory with Complete is The Ever Almighty God only to Holiness whatsoever gods the from polytheists far above all associate with The Ever Almighty God. ever

9:32. The unthankful disbelievers intend to extinguish the Clear Light of The Ever Almighty God with their mouths. Truly The Ever Almighty God refuses anything except to bring His Clear Light to perfection even though the unthankful disbelievers hate it.

The Ever Almighty God is The 9:33. God Who sent His Messenger Muhammad, (the Honourable has Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind. The Ever Most High, The Ever Powerful, The Most Mighty, The Ever Most Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and the Human Universe each and every one of to P.m.b.u.h with the Correct Heavenly Beings True Religion purpose Guidance and the for the Religion victorious this over make true all to even though the polytheists hate it. other Religions,

9:34. O ye the ones who truly believe! Certainly, many of the religious scholars and the monks the wealth of Humankind indeed consume unjustly prevent people from the Straight Path they and Almighty God. Truly the people of The Ever gold and silver, who and they do not hoard up in the Straight Path of The Ever Almighty spend it O Muhammad! (The God. Surely thou Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of Humankind P.m.b.u.h) must give them everv one of the painful requital punishment. the true news

fof Resurrection Day Judgement 9:35. The and and Reckoning and Requitals Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years when it will be heated in the Fire of Hell. then their foreheads and their sides and their backs seared therewith: "This is will be what ve hoarded yourselves; therefore, the requital for ye must feel punishment for whatever ye used hoard!" to

Certainly, the number of 9:36. months in the of The Ever Almighty God is Providence twelve the Book of The Ever Almighty months God in day He created all the the from heavens and earth; from among all the whole of these, four This religion; months are sacred. is the correct of ye the believers therefore. true must not ever iniquity yourselves during commit any to them. ye the true believers must always fight And against the polytheists collectively just like they fight ye collectively. Truly ye against always know must certitude that The Ever Almighty God is with always with the righteous people who fear Him.

9:37. Certainly, the postponing of the sacred months is only an increase in unthankful disbelief bv which the people who have unthankfully disbelieved are led further astray. They make it lawful one year and they make it prohibited another year to correspond to the number of the months that The Ever Almighty God has prohibited. So they make lawful that which The Ever Almighty God has prohibited. Their evil actions have been beautified to them. Truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe does not guide the unthankful disbelieving people.

9:38. O ye the people who truly believe! What equitable motive do ye have, that when it is said to ye; ye must go out to fight in the Straight Path of The Ever Almighty God, ye adhere heavily to the earth? Are ye more pleased with the life of this present Earthly World rather than the Eternal Afterlife World? Surely the beneficial provisions of this present Earthly World compared to the Eternal Afterlife World is not in any way, except very little.

9:39. If ye the people who truly believe do not go out to fight, The Ever Almighty God will equitably punish ye with the painful punishment and The Ever Almighty God will replace ye with another people, truly ye will not ever be able to cause any loss to The Ever Almighty God in any way at all. Truly The Ever Almighty God always has the Supremely Powerful ability to do Everything.

ye do not help the Messenger, 9:40. If vet indeed The Ever Almighty God helped the Messenger the people who unthankfully disbelieved had when expelled him as one of two, when both of them were in the cave and the Messenger said to his companion: "Thou must not grieve; certainly, The Almighty God is with us!" And Ever The Ever Almighty God sent down His serenity upon him and He assisted him with armies of Angels whom did not see, truly He made the word of ve the people who unthankfully disbelieved very low, while the Word of The Ever Almighty God is always Ever Most High. Truly The Ever Almighty the God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

9:41. Ye the people who truly believe must go out fight, whether light or heavy, and ye to must always strive hard with your wealth and your lives Straight Path of The Ever Almighty God. the in This is supremely better for ye, if ye have the Heavenly Knowledge (of the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Creator of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe).

9:42. Had it been a prospect of easy gain and journey, indeed, they would the moderate have but the journey seemed too followed thee, far for them. Truly they will eventually swear by Ever Almighty God: "If we were able to The g0, indeed, we would have gone out with ye!" They are destroying themselves, truly The Ever Almighty God knows very well that they are indeed untruthful.

9:43. May The Ever Almighty God pardon thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe did give P.m.b.u.h why thou them permission. who were until it was evident to thee, the people truthful and thou had known the untruthful. the

The people who truly believe 9:44. in The Ever Almighty God and the Final Day (of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Recompense in the Eternal Afterlife Rewards and World, the measured extent whereof is Fifty Thousand permission of thee Years do not ask to be excused from striving hard with their wealth and their lives. The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of the righteous people who fear Him.

9:45. Only the people who do not truly believe in Almighty God and The Ever the Final Day and hearts have doubted, they ask their permission of O Muhammad! (The Honourable the thee and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God, The Ever Ever of The Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever All The Ever Living, The Creator Wise. The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h). Surely in their doubts, they are wavering.

9:46. And if they had really intended to go out, they would have prepared for it some preparation. But The Ever Almighty God disliked their setting out; therefore, He kept them back, and they were told: "Ye stay behind with those who stay behind!" 9:47. If such people had gone with out ve true believers, they would not the have increased ve except in confusion, truly indeed they would ye, seeking to active among have been cause ve unthankful disbelief. Truly among ye there are avid listeners for them. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of the iniquitous wrongdoers.

Indeed, they have already sought 9:48. unthankful disbelief previously, and they had upset matters for The Honourable Muhammad! 0 thee and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, of The Ever Most Gracerfully Compassionate to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h until The Whole of of The Truth came evident, and the Decree Ever Almighty God became manifest, while they hated it.

9:49. Truly from among them there is the kind of says: "Grant person who me leave and do not trial!" Listen put me into attentively! Into trial fallen. Truly indeed, have already the such people will encompass all the unthankful disbelievers. Hell

anything good befalls thee O Muhammad! 9:50. If (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever The The Ever All Wise. The Ever Most Merciful. Most The Ever Most Mighty, The High. Ever Most The Ever Living, The Creator Powerful. and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and every one of Humankind each P.m.b.u.h to it them; but if any disaster inflicts distresses thee. they say: "We took our precautions beforehand," and they turn away while they rejoicing. are

9:51. Thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Ever Almighty God to each Prophet of The and every one of Humankind P.m.b.u.h³ must say: "Nothing will ever happen to us except whatever The Ever Almighty God has written down for us: Ever Almighty God Protecting The is The Ever of us!" Surely the true believers Friend must always put their trust in The Ever Almighty God.

9:52. Thou O Muhammad! (The Honourable and the and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy The Ever Almighty God to each and every of "Ye of Humankind P.m.b.u.h must one say: the unthankful disbelievers do not await for us anything good things (martyrdom), except one of the two await for ye that The Ever Almighty while we will inflict ye with requital punishment God the at our hands. So ye may wait; from Himself or certainly, we too are waiting along with ve!"

9:53. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever All Wise of and every one of Humankind P.m.b.u.h) each to say: "Ye people may spend willingly must or resentfully; it will not be accepted from ye people. unthankful rebellious people!" Certainly, ye the are

nothing prevents the expenditures 9:54. Truly of hypocrites from being accepted from the them except the that they have unthankfully fact The Ever Almighty God and in His disbelieved in Messenger, and that they do to not ever come Prayer except while they are lazy, and that the they do not spend except while they are resentful.

9:55. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God, Prophet The Ever Gracerfully Compassionate, The Ever Most Most The Ever All Wise, The Ever Merciful. Most The High, The Ever Most Mighty, Eternal Lord the Entire and Sustainer of Universe each to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must not ever be amazed at their wealth nor their children. Ever Almighty God only intends to The punish them through wealth and children in life the of this present Earthly World, and that their souls should depart while they are unthankful disbelievers.

And they swear by The Ever Almighty God 9:56. certainly they are indeed from that among ye the true believers. truly they are not from among they are the people who afraid. ye; but are

9:57. If they could find any place of refuge or any cave or any hiding place to enter, they would turn towards it and they would run heedlessly.

Truly there some from 9:58. are among them concerning the criticize thee distribution who of So if they given charities. from are them. are pleased; but if they given they are not them, immediately they from become angry.

If only they had been content with whatever 9:59. Ever Almighty God His Messenger had The and given them "The Ever and they had said: The Ever All Sufficient for Almighty God is us: The Ever Almighty God eventually will give us Grace. and His Messenger; His from certainly, are desirous towards The Ever Almighty God!" we

9:60. The Mandatory Alms are only for the poor and for the needy and for those employed to the Mandatory Alms, administer and to reconcile hearts of the new Muslims, and for the ransoming those in captivity, and for those who of in debt, and in the Straight Path are The and for the stranded traveller. Ever Almighty God the Mandatory Duty Commanded by This is The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

9:61. And from among them there are those who despise the Prophet and they say: "He is only ear!" Thou O Muhammad! {The Honourable and an Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator the Entire Universe to each and every one of of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "It is an ear of good for ye; the Prophet truly believes in The Ever Almighty God and believes the true believers, and he is the Mercy for the people truly believe from among ye!" Truly the people who who despise the Messenger of The Ever Almighty God, they will suffer the painful requital punishment.

9:62. They swear by The Ever Almighty God to ye the true believers for the purpose to please ye. Truly The Ever Almighty God and His Messenger always have the greater equitable right that they should please Him, if they are true believers.

9:63. Do they not have the knowledge that any person who opposes The Ever Almighty God and Messenger, surely indeed for such His a person of Hell, such a person is the Fire will there forever? This is the mighty disgrace. reside therein

hypocrites are fearful that 9:64. The Surah a Chapter will be Miraculously Revealed about them. informing them of whatever is in their hearts. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each Beings P.m.b.u.h of the Human and every one must "Ye may go on mocking; certainly, The say: Ever Almighty God will expose whatever all of ye fear!"

if thou Truly indeed O Muhammad! (The 9:65. the Trustworthy and Truthful Honourable and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? ask indeed they then will definitely "We them. say: and playing!" Thou only jesting were must say: "Is it The Ever Almighty God and His Miraculous Messenger that ye were mocking?" His Verses and

9:66. Ye the hypocrites must not make fake excuses; indeed ye have unthankfully disbelieved after vour Faith. If We The Ever Almighty God, The True Most Equitable, The Creator and The Ever Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe pardon faction of ye, then We will punish another one faction solely because they are the iniquitous criminals.

and the hypocrite 9:67. The hypocrite men women another; they command people are one from to and they prohibit people from righteousness, evil do they withhold their hands from spending and the Straight Path of The Ever (in Almighty God. hypocrites have forgotten The Almighty The Ever Ever Almighty God Therefore, God. The has forgotten the hypocrites. Certainly, the hypocrites are the unthankfully rebellious. those who are

The Ever Almighty God has promised 9:68. the hypocrite men and the hypocrite women and the they will disbelievers the Fire of Hell. unthankful therein forever. That is equitably sufficient for reside Truly The Ever Almighty God has cursed them. truly they will suffer everlasting punishment. them.

like the people before 9:69. Just ye; they were stronger than ye in power and abundant more and children. So they wealth in benefited bv apportioning, and ye have benefited your their bv apportioning just like the people before ye apportioning, by their benefited and have ye evil discussions iust indulged in like they indulged in evil discussions. Such the people are whose have become worthless in this actions present Earthly World and in the Eternal Afterlife World, truly such people are the losers.

9:70. Has not the news reached them of the people them, the people of who were before Noah and and the people of Abraham Aad and Thamûd and residents of Madyan and the overturned cities? the Their Messengers (the Honourable and the Trustworthy the Truthful Messengers of The Ever Almighty and The Ever Most Gracerfully Compassionate, The God. Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, Ever The Ever Mighty, The Ever Owner of the Most Most Good Supremely Holy, The Eternal Names, The Ever Most of the Entire Universe, The Eternal Lord King and Sustainer of Everything the Entire Universe in P.m.b.u.t) came to them with the Supremely Clear any way for Surely it was not in The Proofs. Almighty God to commit any iniquity to Ever but they committed iniquity themselves. to them.

9:71. Surely the truly believing men and the truly believing women, some of them are protecting friends of some others. They command people to do righteousness and they prohibit people from evil and they equitably perform the Prayer and they give Mandatory Alms they wholly obey The the and Ever Almighty God and His Messenger. Such are the people to whom The Ever Almighty God will eventually award Mercy. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

9:72. The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe has promised all the truly believing men and all the truly believing women, the Gardens beneath which rivers flow, they will reside therein forever. And the good pleasant dwellings in the Everlasting Gardens, truly the All Blessed Delight of The Ever Almighty God is the Ever Most Great. This is indeed the mighty victory.

9:73. Thou O Prophet Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h)! Thou must always strive powerfully against the unthankful disbelievers and the hypocrites, and thou must be harsh upon them. Their Eternal Home is Hell, truly Hell is an extremely evil destination. 9:74. They swear by The Ever Almighty God that did not say the word of unthankful disbelief, they indeed they have in fact said while the word of unthankful disbelief, and they unthankfully disbelieved their True Islam, and they unthankfully planned after which they could not achieve. Truly they that resentful except that The Ever Almighty were not Messenger had enriched God and His them out of the Grace of The Ever Almighty God. Surely if they repent, it will be supremely good for them; if they turn away, The Ever Almighty God but punish them with the painful punishment will in this present Earthly World and the Eternal Afterlife will World. Truly for them there not be in the whole earth any protecting friend nor any helper.

among them 9:75. Truly from there are those made a covenant with The who Ever Almighty "Indeed, if The Ever Almighty God God: awards definitely His Grace, indeed will us from we charity, and indeed will spend in definitely we become among the devoutly righteous people!"

9:76. But when The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise. and The Eternal Lord Sustainer The Creator and of the Entire Universe? awarded them from His miserly with Grace, they were it and they turned away while they were unthankfully refusing.

9:77. Therefore, The Ever Almighty God equitably penalized them with hypocrisy in their hearts until the Day they will meet The Ever Almighty God. opposition solely because they went in to the promise they had made with The Almightv Ever they used to God and because be untruthful.

they not have the knowledge that 9:78. Did Ever Almighty God knows always The very all their secrets well and all their private conversations and that The Ever Almighty God is The Ever All Knower all the Unseen Ever? of

who criticize the contributors 9:79. The people among true believers who give charity freely, the and the who find nothing to spend except ones their hard work, earnings of their SO they ridicule such people; The Ever Almighty God will redicule them. and they will suffer the painful requital punishment.

thou Muhammad! (The 9:80. Whether 0 Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and and the God, Prophet of The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) ask for forgiveness for ask for forgiveness them or thou do not for Even if for forgiveness thou for them. ask them The Ever Almighty God will times, yet seventy forgive This solely because them. is thev not unthankfully disbelieved in The Almighty God Ever Messenger, truly The Ever Almighty His and God guide the unthankful rebellious does not people.

Those who remained behind rejoiced 9:81. in their departure staying the at home after of the Messenger of Ever Almighty God. The they and hard strive disliked with their wealth to and in lives the Straight Path Ever their of The they said: "All God and of Almighty ve must heat!" go the Thou say: "The not out in must Hell is extremely more in heat." Fire of intense if only they used their intellect comprehend. to

Humankind should laugh Surely 9:82. little and requital cry they should much as punishment evil actions they have for whatever been earning.

9:83. If The Ever Almighty God returns thee to ask your permission faction of them, then they anv 0 then thou Muhammad! to go out to fight, (The Honourable the Trustworthy and and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God. The Ever Most Equitable to each and every one Beings P.m.b.u.h must "Ye say: will of the Human go out alongside me; ever, and ye will not never fight alongside me any enemy. Certainly, ve were behind the first time; therefore, pleased to stay ve stay behind with those who behind!" stay may

9:84. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Almighty God, Ever The Creator Prophet of The and Sustainer Eternal Lord of the Entire and The of Humankind P.m.b.u.h) must every one Universe to the funeral pray of not ever prayer, over any must not them who dies, and thou stand ever bv Certainly, they unthankfully disbelieved his in grave. The Almighty God and His Messenger, Ever and died while they were unthankfully rebellious. they

Truly thou O Muhammad! {The 9:85. Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and of The Ever Almighty Prophet God to each and of Humankind P.m.b.u.h) must one every not ever and their their wealth children. The be amazed at Almighty God only intends Ever to punish them through wealth life and children in the of this present Earthly World. that their and souls should depart while they the disbelievers. are unthankful

9:86. Truly whenever a Sûrah Chapter is Miraculously Revealed, saying: "Ye must truly believe in The Ever Almighty God ye must strive hard and alongside Messenger, those who are wealthy from His among asked your permission to be excused, and they them said: "Leave us to be with those who stay behind!"

9:87. They were pleased to be with those who stay behind, truly their hearts have been sealed; surely they do comprehend The Whole Truth.

9:88. But the Messenger Muhammad; (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind the people who truly and believed P.m.b.u.h strove hard alongside him, they with their wealth and their lives. Truly such people will have all that is good, truly indeed such people are the triumphant.

9:89. The Almighty God prepared Ever has for Everlasting Gardens the beneath which them they will reside in flow. the Everlasting rivers forever. This is the Gardens mighty victory.

Truly those with excuses from 9:90. among the bedouins came to be granted permission, those and The Ever Almighty God untruthful who to were Messenger stayed behind. Eventually those and His have unthankfully disbelieved from among who them be inflicted with the painful requital punishment. will

blame 9:91. There is those who no upon are upon those who sick, upon weak are nor nor who find anything to spend, those do not when are faithfully true to The Ever Almighty God they Messenger. There is not His in and any way upon the people blame who do righteous any The Almighty good actions. Truly Ever God is Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful. The

9:92. Nor is there any blame upon those who, when thee O Muhammad! {the Honourable they came to the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. Creator and The Eternal Lord and Sustainer The of Entire Universe to and every the each one of Humankind P.m.b.u.h) for the purpose that thou may ۴I them riding animals, thou said: provide cannot anything to mount ye people!" They turned find away while their eyes overflowed with tears of grief because they could not find something to spend.

The blame is only upon the people 9:93. who ask permission while they are rich. They vour are pleased to be with those who behind, stay truly Almighty God has sealed their The Ever hearts: therefore, they do not have the Heavenly Knowledge fof the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Most The Ever Compassionate, Merciful, The Ever Kind, The Ever Most Most Generous, The Ever Most High, Forgiving, The Ever Most The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

The hypocrites will make excuses to ye the 9:94. believers when ye return Thou to them. Ο true Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of the The and Almighty God, The Ever Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Ever Most High, All Wise. The The Eternal King The Eternal Universe, of the Entire Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every Humankind P.m.b.u.h) must say: "Ye one of must ye. we will not believe excuses, not make The Ever Almighty God has already informed us of ye. Truly eventually The Ever about the true news Almighty God actions will observe your and SO His Messenger; thererafter, all will of ve will returned to The Ever All Knower of all the be Unseen and all the Seen. then He will fullv inform all of ye of whatever actions ye ever did!"

Eventually the hypocrites will 9:95. swear by The Almighty God to ye the true Ever believers them for the to when ye return purpose to alone. ve leave them Surely ye must leave make alone; certainly, are impure; truly their they them requital punishment is Hell the Eternal Home as for whatever evil actions they have earned.

The hypocrites swear to ye the 9:96. true believers pleased the purpose that for ve may be with if ye believers Surely them. even the true are surely indeed The Ever Almighty pleased with them, **{**The Ever Most Gracerfully Compassionate, God The Ever Most All Wise, High, The The Ever Entire Universe, Eternal King of the The Eternal and Sustainer of the Entire Universe, is Lord not ever pleased with the unthankful rebellious people.

9:97. The desert Arabs are extreme in unthankful disbelief and hypocrisy and more likely not to have the knowledge of the decreed limits of whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed to His Messenger. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

among the desert Arabs Truly from 9:98. there are some who consider what they spend as a loss awaiting for your fortune they are and to turn against them against ye. But will be the evil Truly The Ever fortune. Almighty God of turn The Ever All Hearing, The Ever All Knowing. is

9:99. But among desert Arabs from the there are who truly believe in The Ever Almighty God some and the Final Day and they consider whatever bring them near to as means to The they spend and the means Almighty God of receiving Ever of the Messenger. Listen attentively! prayers It indeed bring them near. The Almighty does Ever eventually make God will them into His enter God Mercy. Certainly, The Almighty Ever is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

foremost 9:100. Truly the first from the among Helpers, and the Emigrants and the people who in righteous good actions, followed them The Ever is well pleased with Almighty God them and they are well pleased with Him, truly The Ever Almighty God (The Ever Most Merciful, The Ever All Wise. The Ever Most High, The Eternal the Lord and Sustainer Entire of Universe? has the Everlasting Gardens beneath prepared for them flow. They will reside in which rivers the Ever Lasting Gardens forever. This is the mighty victory.

9:101. Truly some from among those around thee of the desert Arabs are hypocrites, and also from the people of Madinah. They have become accustomed We (The hypocrisy. Thou do not know them, to Most Gracefully Almighty God, The Ever Ever of Everything, Compassionate, The Ever All Seeing Ever All Knowing of Everything, The The Ever The Ever Most Mighty, The Creator Most High, The Eternal Lord and Sustainer of Everything and Entire Universe know them. Eventually in the will punish them twice: they will thereafter. We returned to the mighty requital punishment. be

9:102. And there others are who confess their sins. They have mixed righteous good actions evil actions. Perhaps another which is with The Ever Almighty God will turn to them in Forgiveness Mercy. Certainly, The Ever Almighty God is and Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful. The

9:103. Thou O Muhammad! (The Honourable and the and the Truthful Messenger and Trustworthy Prophet The Ever Almighty God, The Ever of All Wise each and every one of the Human Beings to P.m.b.u.h) must accept from their wealth the charity offerings by the means of which thou purify them and thou sanctify them, and thou Pray for must them. Certainly, your Prayers are the source of great for them. Truly The Ever Almighty God comfort is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

9:104. Do they not have the knowledge that The Ever Almighty God is One Who accepts The repentance He charities, His servants accepts and Truly from The Ever Almighty God is Ever indeed The Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful?

9:105. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, The Eternal Prophet of Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? must say: "Ye may do the actions; surely eventually Ever Almighty God will observe The your actions so will His Messenger and the true believers; and thererafter, all of ye will be returned to The Ever Knower of all the Unseen and all the All Seen, The Ever Almighty God will fully inform then of ye of whatever actions ye all ever did!"

9:106. And there are others who are deferred, until the Command of The Ever Almighty God, whether He will punish them or whether He will turn to them in forgiveness and Mercy. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

are those hypocrites who took 9:107. Truly there for themselves the mosque for causing harm and unthankful disbelief and causing division among true believers and as the station for whoever the had fought against The Ever Almighty God and His Messenger previously. Truly indeed they will swear: "We did not intend anything definitely except good!" Truly The Ever Almighty God bears witness that certainly they are indeed untruthful.

Thou must not ever stand in the mosque of 9:108. the hypocrites for Prayer. Indeed, the Mosque whose foundation was laid on devout piety from the first day is more worthy for thee to stand therein. are men who love thoroughly Therein there to purify themselves. Truly The Ever Almighty God loves the people who thoroughly purify themselves.

9:109. Surely is who laid the the person building upon from of his fear foundation The and His All Almighty God Blessed Delight Ever the person who laid the foundation better or building on the edge of a cliff of his about collapse, SO that it collapsed with him into to Truly The Ever of Hell? Almighty God the Fire iniquitous wrongdoing people. does not guide the

building which they built 9:110. Their will not source of doubt within their hearts cease to be a excepting that their hearts are torn to pieces. Truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } The Ever All Knowing, The Ever All Wise. is

9:111. Certainly, The Ever Almighty God has purchased from the true believers their lives and their wealth in exchange that have they will the Everlasting Garden (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World). The true believers fight in the Straight Path of The Ever Almighty God; surely and they themselves are killed. they kill This is Promise binding upon The Ever Almighty the True God in the Torah and the Gospel and the Qur'an. Truly who is more truer in fulfilling His promise The Ever Almighty God? Surely ye the true than believers must always rejoice in your supremely good which ye have made with The Ever Almighty deal God. Truly this is indeed the mighty victory.

repent, those who worship, those 9:112. Those who who travel (in who praise, those the earth to The Ever Almighty God³, those who bow. please who prostrate, those who command those people to do righteousness, and those who prohibit people from evil. and those who preserve the decreed Almighty God. Surely thou limits of The Ever must the good true news to the true believers. give

9:113. It for the Prophet and the people not is ask for forgiveness to the who truly believe for even if they are close relatives, polytheists. after has become supremely clear to them it the that are the residents of the Blazing polytheists Hell.

9:114. Truly the asking for forgiveness of Abraham the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h for his Father was not in any way except the promise he had made when it became clear But him. to to Abraham father (P.m.b.u.h) that his is the enemy to The Ever Almighty God, disconnected he completely himself from his father. Cerainly, Abraham (P.m.b.u.h) was constantly tender-hearted, constantly forbearing.

9:115. Truly The Ever Almighty God (The Ever Gracefully Compassionate, The All Wise, Ever Most Most High, The Ever The Ever Owner of A11 Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal Sustainer of the Entire Universe does Lord and any way lead any people astray after He in not them, until The Ever Almighty guided God has supremely clear to them from whatever they makes protect themselves. Certainly, The Ever Almighty must The Ever All Knowing of Everything. God is

9:116. Certainly, only to The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living. The Ever Most Mighty, The Ever Most of All The Ever Owner Praise, The Ever High, Glory, The Eternal King of the Owner of All The Eternal Lord Universe. and Sustainer of Entire Universe) belongs the Eternal Kingdom Entire of the and the whole the heavens earth. all He Alone gives life and He Alone causes Truly death. ve any protecting friend not have Humankind do any helper other than The Ever Almighty God. nor

The Ever Almighty God 9:117. Indeed. has in and Mercy to forgiveness fact turned in the the Emigants Helpers Prophet and and the who followed the Prophet in the time of difficulty, party of them had the hearts of after a even almost deviated. Thereafter, The Ever Almighty God turned in Forgiveness and Mercy to them. Certainly, The Ever Almighty God is unto them The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful.

9:118. And also towards the three men who staved behind. until, when the earth closed in around them in spite of its vastness, and their very selves closed in around them, and they were certain that refuge from The Ever Almighty God there is no except with Him Alone. Thereafter. The Ever Almighty God turned to them in Forgiveness and for the purpose they could repent. Certainly, Mercy Ever Almighty God is indeed, The The Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

9:119. O ye the people who truly believe! Ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always be connected with the truthful people.

9:120. It was not right for the people of Madinah and those surrounding them of the desert they remain behind after the departure that Arabs of the Messenger of The Ever Almighty God or to care more for themselves than for the Messenger of The Ever Almighty God. This is because thev not ever afflicted by thirst nor fatigue are nor hunger in the Straight Path of The Ever Almighty nor do they take a God. single step that enrages the unthankful disbelievers, nor do they afflict upon the enemy any injury, except that their credit always written down to it is as righteous good action. Certainly, The Ever a Almighty God does not ever waste the reward of the people who do righteous good actions.

9:121. Nor do they spend an expenditure, small or great, nor do they cross any valley, except that it is always written down for them, for the purpose that The Ever Almighty God may reward them for the best of whatever actions they did.

9:122. Truly it is not necessary for the true go out to all of believers to battle them So, why a party from every group did together. for the purpose to gain deeper out not go understanding of the religion, and for the purpose warn their people when they return to them, to they may protect themselves from evil? that SO

9:123. O ye the people who truly believe! Ye adjacent to ye must fight the people who are of unthankful disbelievers and they must find the in ye harshness. And all of ye must always know that The Ever Almighty God with certitude is always with the righteous people who fear Him.

Truly whenever a Sûrah Chapter is 9:124. Miraculously Revealed, surely there are some them who say: "Which of among from ve this Sûrah Chapter increased in has the True Faith?" Surely as for the people who truly believe, surely the Sûrah Chapter has increased them in the True Faith, while they are rejoicing.

9:125. But the people in whose for as hearts the Sûrah Chapter disease, surely there is has evil. evil upon increased them in their And unthankful disbelievers. they die while they are

the hyporcites not 9:126. Do see that they are put trial test every year being into once or Thereafter, still the hypocrites twice? do not do they heedfully remember. repent nor

9:127. Truly whenever any Sûrah Chapter is Miraculously Revealed, they look at each other: there any one watching ye?" Thereafter they "Is The Ever Almighty God has turned turn away. their hearts, solely because they are the awav do not comprehend the Whole Truth. people who

9:128. Indeed there has in fact come to ye Humankind Messenger from among yourselves. The ye Humankind difficulties that afflict felt very are heavily by him; Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one Universe to each of the Human Beings P.m.b.u.h) dearly desires all that is good for ye Humankind. The Messenger is kind and merciful ever one of the each and true believers. to

9:129. But if they turn away, then thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient for me; there is no God except Almighty God. have put The Ever Ι trust my Him. Truly The Ever Almighty God in is The Eternal Lord and Sustainer of the Mighty Throne!"

81:27. This Book Qur'an is not in any wav the Wise Reminder for all the Worlds. except 33:35. Certainly, the muslim men and the muslim believing the and the men and believing women and the devoutly obedient the men and women truthful devoutly obedient women and the men and the truthful women and the steadfastly patient steadfastly patient the women and and the men fearfully humble and the fearfully men humble give and the who charity women men and the give charity and the men women who who fast and the women who fast and the men who guard chastity and the women who their guard and the who heedfully remember The Ever Almighty men very often and the women who heedfully God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty reward. all

Truly the weighing of 7:8. every action on that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals and Rewards and Recompense and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years) is The Whole Truth. Surely is and every person of Humankind whose Scales each the righteous good actions with will be heavy, truly indeed such people will be the triumphant.

10: Sûrah Chapter Yunus Jonah P.m.b.u.h. M.V. 109

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Raa. These the Miraculous 10:1. Alif, Laam, are Verses of the Ever Supremely Wise Book the Ever Honourable Qur'an, Supremely the Message and the and the Clear Light Wise Reminder and the The Ever Heavenly Guidance from Almighty God to every one of Humankind on the whole earth ever.

wondrous thing to Humankind 10:2. Is it a that (The Ever Almighty God, The Ever Wise} We All have Miraculously Revealed to a man from among themselves, saying: "Thou must warn each and of Humankind everv one and thou must announce the good true news to the people who truly they will certainly have that believe the true high grade with The Eternal honourable Lord and Sustainer of them?" The unthankful disbelievers say: "Certainly, this is indeed a clear magician!" man

Certainly, The Eternal Lord and Sustainer 10:3. of and every one of ye Humankind is The Ever each Almighty The God Who God, has created all the the whole in Six Days. heavens and earth Thereafter, He Established Himself above the Throne. Ever Almighty God is The Ever Governor of The There is intercessor after every matter. no except This is His permission. The Ever Almighty God. Sustainer of all The Eternal Lord and of ve. Surely and every one each of ye Humankind must always worship only The Ever Almighty God. ye not heedfully remember? despite that will

Only to The Ever Almighty God is 10:4. the of ye Humankind of each every and one return together. the True Promise of The It is Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God Who originates God the creation is The first time; thereafter. He will create the creation again purpose that The Ever for Almighty God the reward with equitable justice the people who may believed and did righteous good truly actions. unthankfully disbelieved who people will But the scalding drink of water and the painful have a punishment solely because they unthankfully disbelieved.

The Almighty God is 10:5. Ever The God Who Glorious Shining Lamp made the sun the the and light; and He appointed for the moon the moon the purpose that each and every one stages, for of may come to know the ve Humankind number of reckoning of time. The Ever Almighty years and the created this except with God has not The Whole explains in detail the Miraculous Truth. He Signs the people who have the Heavenly knowledge. for

in the alternation of Certainly, 10:6. the night day and in Everything The Ever and the Almighty God has created in all the heavens and earth, there are Miraculous Signs for the whole the righteous people who fear The Ever Almighty God Most Gracefully Compassionate, The (The Ever Ever Ever Most Generous, The Most Merciful, The Ever Kind, Ever Most Forgiving, The The Ever Most The Ever Owner of of All Praise. All Owner Glory, Owner The Ever Most Mighty, The Ever of Supremely Names, The Ever Most the Most Good Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?

10:7. Certainly, the people who do not hope in the Meeting with Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) and are pleased with the life of this present Earthly World and are contented therein and the people who are unthankfully heedless of Our Miraculous Signs;

10:8. Such are the people whose Eternal Home will be the Hellfire solely because of the extremely evil actions they earned.

10:9. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions, The Eternal Lord and Sustainer of them will guide them because of their True Faith. Beneath them rivers will flow in the Everlasting Gardens of Delight.

10:10. Their Prayer therein will be: "All Glory with Complete Holiness is only to Thee, Thou The Ever Almighty God!" Truly their greeting therein will be: "Peace!" And at the last part of their Prayer will be the saying: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds!"

10:11. Truly if The Ever Almighty God was to hasten for the Humankind the evil as He hasten for the good for them, their term would indeed have been ended for them. But We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) leave the people who do not hope in the Meeting with Us, in their iniquitous transgression to wander blindly.

10:12. Truly whenever any harm befalls the being, he prays to Us (The Ever Almighty human God, The Ever Most Merciful, while lying on his sitting down or standing up; but when We side or remove the harm from him, carries as if he on had never prayed to Us to anv harm he remove this way it is befell him. In adorned to that the iniquitous transgressors whatever they have been doing.

We 10:13. Truly indeed (The Ever Almighty God, Ever All Wise, Equitable} in The Ever Most The destroyed many generations before ye Humankind fact when they committed iniquity, truly their Messengers the Supremely Clear with to them Proofs. came they were people refused to believe. who Just but like this We requite the iniquitous criminal people.

(The Ever Thereafter, We 10:14. Almighty God} ye Humankind successors in made the earth even them. the after for purpose that We may observe how Humankind will do the actions. ve

Truly when Our Supremely Clear Miraculous 10:15. are recited to them, the people who do not Verses hope in the Meeting with Us say: "Thou bring us Qur'an other than this Qur'an the or thou change Qur'an!" Thou O Muhammad! (The Honourable this Trustworthy and the Truthful Messenger the and Ever Almighty God to and Prophet of The each Human P.m.b.u.hof Beings and every one the "It is not for say: any way must me in to change this Qur'an of my accord. Ι do own way any follow except whatsoever is not in Miraculously Revealed to me. Certainly, if I disobey me, Eternal Lord and Sustainer I myself The of the requital punishment of the Mighty Day!" fear

10:16. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God. The Ever of Most The Creator and The Eternal Lord Merciful. and Sustainer of the Entire Universe to each and every of Humankind P.m.b.u.h must say: "If The one Ever Almighty God had Willed, I would not have recited this Book Qur'an to ye Humankind, nor would He have made this Book Qur'an known to ve Humankind. Surely indeed I have lived the whole my lifetime amongst ye before it. Despite of that will ye not use your intellect to be equitable?"

10:17. Surely who is more iniquitous than the person who invents untruth about The Ever Almighty God or unthankfully denies His Miraculous Verses? Certainly, the iniquitous criminals will never be triumphant.

Truly they worship alongside 10:18. The Ever Almighty God fake gods which neither harm them and they say: "These benefit them, nor are our the Presence of The Ever Almighty in intercessors The Ever God!" Thou must say: "Do ye inform Almighty God of something He does not know to all the heavens nor in exist in the whole earth?" Glory with Complete Holiness is only to All The Ever Almighty God! And He is Supremely Exalted from whatever gods all far above the polytheists The Ever Almighty ever associate with God.

10:19. Truly all Humankind was any way not in they differed. except one religious community, then Truly if it had not been for the Decreed Word that preceded from The Eternal Lord and Sustainer of thee, indeed it would have been Judged between them concerning Everything in which they differ.

10:20. Truly the unthankful disbelievers say: "Why the Miraculous Sign Miraculously has not been Messenger from The Eternal Revealed to the Lord Sustainer of him?" Surely thou O Muhammad! and The Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of Ever Almighty Messenger The God. Ever Most Merciful, The Eternal The Lord and Entire Sustainer of the Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The only The Ever knowledge of all the Unseen belongs Almighty God; therefore, of ye wait, all certainly. those who wait!" with ye among I too am

Truly when We (The Ever Almighty 10:21. God. Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Seeing of Everything, The Ever All Knowing of Everything, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire The Eternal Universe } give a taste of Mercy after adversity has Humankind afflicted them, immediately they begin to inequitably plot against Our Miraculous Verses. Thou must say: "The Ever Almighty God is The Ever Most Swift in Planning!" Certainly, Our Angel Messengers always write down whatever all of ye inequitably plot.

The Ever Almighty God The Who 10:22. is God Humankind to travel enables ye the land on ye the sea, until when in ships, and are and the thev sail with them by good wind, and rejoice stormy thev therein. Then comes the wind the waves them side, upon and come from every think that they surrounded. Then and they are they pray to The Ever Almighty God, making only The Ever Almighty religion for pure God: "Indeed if Thou save us from this, indeed we will definitely be among the people who give thanks!"

10:23. Yet when The Ever Almighty God saves them, they immediately commit transgression upon the without any equitable right. O ye each earth and every one of Humankind! Your transgression only works against yourselves. There are beneficial provisions of the life of this present Earthly World. Thereafter, only to Us will be the return of each and every one of ye Humankind. Then We will inform all of ye of whatever actions all of ye ever did.

10:24. Certainly, the example of the life of this present Earthly World is just like rainwater which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe send the heaven; SO the growth from down from the earth mixes up with it, from which Humankind and livestock eat. Until, when the earth has taken on its adornment and is beautified, and its people begin to think that they have it under their control, there comes to it Our Command by night or by day. and We cut it down as if it had not flourished yesterday. In this way We explain in detail the Miraculous Signs for the people who think deeply.

The Ever Almighty God invites 10:25. Truly to He guides the Home of Peace and each He Wills to the Straight every person and Path.

people who have done righteous the 10:26. For actions there is the good reward and extra. good darkness will cover Truly neither their faces nor Such people are the residents humiliation. of the Everlasting Garden; they will reside therein forever.

10:27. Truly the people who have earned evil actions, the requital punishment of the evil action is its equivalent, truly humiliation will cover them. They will not have anyone to protect them from The Ever Almighty God. It will be if their as covered with pieces from faces are the darkness night. Such people residents of are the of the the Hellfire; they will reside in the Hellfire forever.

10:28. Truly on the Day We (The Ever Almighty The Ever Most Gracerfully Compassionate, God. The All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal Ever Entire Universe, The Creator King of the and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in Entire Universe) will gather each and every the of Humankind together. Thereafter, We will say one people who committed polytheism: "Remain to the at your place, ye and your other gods!" Then We will separate them, and their fake gods will say: "It was not us that ve used to worship,

Surely The Ever Almighty God 10:29. is The Ever All Ever Sufficient The as Present and between ye; Witness between us certainly. we were indeed unaware worship!" of your

10:30. Then and there, (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and and Rewards and Recompense in Requitals the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Thousand Years) every person Fifty is will be put to test for whatever actions did he ever previously, truly they will be returned to The Ever Almighty God, The of each and True Master every one of Humankind; and all fake gods they used to inequitably invent will disappear from them.

10:31. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one Beings P.m.b.u.h) must say: "Who Human of the of ye Humankind Sustenance from all provides the heaven and the earth? Or who owns the hearing who brings eyesight and the out the living and from the dead and brings out the dead from the living and who is The Ever Governor of every Then they will eventually say: "The Ever matter?" Almighty God," surely thou must say: "Despite that will ye people not fear The Ever Almighty God?"

this Surely is The Ever Almighty 10:32. God. Eternal Lord and Sustainer of each The and one of ye Humankind, The Supreme Ever everv Truth. Surely what is there after The Whole straying? Despite Truth except that how are ve Humankind turned away from The Whole Truth?

10:33. Thus the Decreed Word of The Eternal Lord and Sustainer of thee has equitably come into effect upon the people who have unthankfully rebelled, that such people will not believe.

10:34. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to all Humankind P.m.b.u.h) must say: "Are there any of your other gods who originate the creation the first time: thereafter, they will create the creation the second time?" Thou must say: "The Ever Almighty God the creation the first time; thereafter, He originates will create the creation the second time; despite that ye turned away from The Whole Truth?" how are

10:35. Thou must say: "Are there any of your other gods who guide to The Whole Truth?" say: "The Ever Almighty God guides Thou must Truth. So is The Whole The One Who to The Whole Truth equitably worthy guides to to be followed, or the person who cannot unless he is guided? Then what is guide the matter with ye people; how do ye people judge?"

10:36. Truly most of Humankind do not follow in any way except speculation. Certainly, speculation has no value at all against The Whole Truth. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of whatever actions each and every one of Humankind ever do.

10:37. Truly it is not ever possible for this Qur'an to be produced by any other than The Ever Almighty God. But in fact, it is the Truthful Confirmation of the Heavenly Books which were before this Qur'an, and it is the Detailed Explanation of the Heavenly Book. There is no doubt in this Qur'an, it is from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

10:38. Or do they say: "The Messenger has produced this Qur'an himself?" Thou O Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) say: "Then ye the unthankful disbelievers P.m.b.u.h) must must produce one Sûrah Chapter the of this like Qur'an and ye the unthankful disbelievers may call for help whoever ye can other than The Ever Almighty God, if ye are the truthful!"

10:39. But in fact, they have unthankfully denied encompass in knowledge, which they did not that whose interpretation has not yet come to them. and this the people who were like Just even before them unthankfully denied. Surely thou must observe; how was the Final End of the iniquitous wrongdoers!

Truly some from among 10:40. Humankind truly in Qur'an, this Book and believes some from do not truly Humankind believe this among in The Qur'an. Truly Eternal Book Lord and The Ever Most Knowing Sustainer of thee is people who cause evil disorder. of the

Truly if they unthankfully deny 10:41. thee 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h, surely thou must say: "For are my actions, and for there ye people me your actions. Ye are not held responsible there are whatever actions I ever and I do, for am not responsible for whatever ever do!" actions ye held

from among Humankind 10:42. And there are listen thee. But who those to can thou make hear, though they do deaf to even the not use equitable? intellect to be their

from 10:43. And among them there those are But who look towards thee. can thou guide the blind hearted, even though they do not see?

Certainly, The Ever Almighty 10:44. God does iniquity ever one not commit to any of least truly Humankind even the bit. but it is who commit iniquity Humankind to themselves.

10:45. Truly on the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years), when The Ever Almighty God will gather each and every one of Humankind together, it will as if they had not stayed except a part be of single day. They will recognize each a other. Indeed, those will be the losers who unthankfully denied in the Meeting with The Ever Almighty God and they did not follow the Heavenly Guidance.

10:46. Truly whether We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever All Knowing, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe show thee something of the requital punishment We have promised them, or We cause thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) to die, surely to Us will be the return of each and every one of Humankind. Thereafter, The Ever Almighty God is The Ever Present Witness Over whatever actions each and every one of Humankind ever do.

10:47. Truly for every nation there is the Messenger. Surely when their Messenger comes, it will be judged between them with equitable justice, truly they will not be treated with any iniquity.

10:48. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

10:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet each The Ever Almighty God to of and every say: "I do not one of Humankind P.m.b.u.h must possess any power to harm nor to benefit myself except that The Ever Almighty what God Wills. For every community there is the appointed time. their appointed time then they will When comes, able remain behind even for a moment, nor not be to precede the appointed time!" will they be able

say: "Have Thou ye 10:50. must Humankind considered: if requital punishment of the The Almighty God came upon Ever ve people by day, or by part the night the what it of would the iniquitous criminals seek to hasten?"

Then that when 10:51. is it the requital punishment will actually come to pass, that ve will truly believe it? Now in people ve believe? Truly indeed ye used to it!" hasten for

Thereafter, it will said to people 10:52. be the committed iniquity: "Ye feel who must the requital punishment; ye people everlasting are not any way being requited except for the in ye used to earn!" actions extremely evil

they ask thee to inform them: "Is it 10:53. And Truth?" Thou O Muhammad! The Whole (The Honourable and Trustworthy and Truthful the the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and every one of the Human to each Beings must say: "Yes indeed, by The P.m.b.u.h Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, it is indeed The Whole Truth; truly ye cannot escape it!"

10:54. Truly if each and every person who has committed iniquity possessed Everything that is in whole earth, indeed he would gladly offer the all ransom (to save himself from of it in the requital punishment of the Final Mighty Dav of Resurrection and Requitals in the Eternal Afterlife the measured extent whereof is Fifty Thousand World. Years). Truly they will conceal their remorseful regrets when they see the requital punishment; and they will be judged with equitable justice, truly they will not be treated with any iniquity.

10:55. Listen attentively! Certainly, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and the whole earth. Listen attentively! Certainly, the Promise of The Ever Almighty God is the Whole Truth, but most of Humankind do not have the Heavenly Knowledge (of the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Knowing, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe).

10:56. The Ever Almighty God Alone gives life; and He Alone causes death, truly only to The Ever Almighty God each and every one of ye the Human Beings will be returned.

10:57. O ye each and every one of Humankind! There has to each and every come one of Admonishing Instruction from ye the The Eternal Sustainer of ye, and the Healing for Lord and Everything that is in the chests and the Heavenly Guidance and the Mercy for the true believers.

10:58. Thou O Muhammad! {The Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful, Gracerfully The Ever Most The Ever Most Mighty, High, and The The All Wise. The Creator Eternal Ever Sustainer of the Entire Universe Lord and to each every one of Humankind P.m.b.u.h) must and say: "This Book Qur'an has been Miraculously Revealed The Ever Almighty God by the Grace of and Mercy. Surely each and every one His bv of Humankind must always rejoice over this Book Qur'an; Book Qur'an is supremely better than all this wealth all Humankind have ever the accumulated.

10:59. Thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Messenger the Trustworthy and the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, and The Eternal The Ever All Wise, The Creator Sustainer of the Entire Universe to each Lord and every one of Humankind P.m.b.u.h? must say: and "Have ye people considered The Ever Almighty God sent down to ye of Sustenance of which has ye people have made some prohibited and some lawful?" Thou say: "Has The Ever Almighty must God given ye any permission to do this, or are ye inventing untruth about The Ever Almighty God?"

what will 10:60. Truly be the believable the people who thought of invent untruth about Almighty God Day The Ever the of on Judgement? and Certainly, Resurrection The Ever indeed The Almighty God is Awarder of Grace of Humankind, but and every one each upon of Humankind do not give thanks to Him. most

10:61. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God each Prophet to one of the Human Beings P.m.b.u.hand every not ever busy in any matter do thou are nor part of the Qur'an, and each and recite anv the one of ye Human Beings do not everv except action that **{**The commit any We Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Creator and The All Wise. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe are always Witness Over each and every one of ye the Human Beings whenever ye are committing any action. Truly there nothing whatsoever hidden from The Eternal Lord is Sustainer of thee, not even the weight and of an atom within the whole earth nor within the heaven. greater. nothing smaller than that nor anything and Supremely Clear Book. it is in Ever but the

10:62. Listen attentively! Certainly, the friends of Almighty God! No fear will The Ever come nor will they grieve. upon them,

10:63. The people who truly believe and they always keep fearing The Ever Almighty God.

is the 10:64. For them there good true news of this present Earthly World in the life and Afterlife World. in the Eternal There is no Words of The Ever change in the Almighty God. This is indeed the Mighty Victory.

Truly thou let their 10:65. must not speech thee. all grieve Certainly, honour belongs The to Ever Almighty God entirely. The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

10:66. Listen attentively! Certainly, only to The Ever Almighty God belongs whoever in all the heavens in whole whoever the earth: Truly the and people who call in Prayer other than The Ever Almighty God do not follow in any way their other gods. They do not follow in any way except speculation, they do nothing except inventing untruth.

The Ever Almighty God is The God Who 10:67. each every one of ye made for and has the Beings the night for the Human purpose that all rest therein, and the day giving ye may of indeed Miraculous light. Certainly, in this there are Signs for the people who listen attentively.

10:68. They have said: "The Ever Almighty God a son!" All Glory with Complete has taken The Ever Almighty only to Holiness is God! He Ever Completely Self-Sufficient, is The only to The Ever Almighty God belongs Everything that is and Everything that in all the heavens is in earth. Ye people the whole do not have any Sign of Authority for this Miraculous iniquitous claim. Do ye say about The Ever Almighty God that which ye do not have any true knowledge?

10:69. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the Ever Almighty God, The of The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The The Ever Most Powerful, Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each Humankind P.m.b.u.h) must say: of and every one "Certainly, the people who invent untruth about The Ever Almighty God will not be triumphant!"

10:70. It is a small benefit in this present Earthly Life World; thereafter, to Us **{**The Ever Almighty of them; God} will be the return thereafter. We them feel the severe requital punishment will make solely because they used to unthankfully disbelieve.

Truly thou Muhammad! (The 10:71. 0 Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, The Eternal of Prophet Sustainer of the Entire Universe to each Lord and Beings of the Human and every one P.m.b.u.hmust recite to Humankind the of Noah true news (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God Messenger P.m.b.u.h. when he said his people: "O to my people! If my residence and my reminding the of Miraculous Verses of The Ever Almighty God has much for ye to become too bear, then I have put my trust in The Ever Almighty God. Therefore, of ye may devise your plot and also all vour Thereafter, do not let other gods. your plan be Thereafter, ye may carry it obscure to ye. out and do not give me any respite. upon me

10:72. Surely if ye turn away, then I have not asked of ye any reward. My reward is only from The Ever Almighty God, and I have been Commanded that I must always be one of the Muslims!"

they unthankfully denied 10:73. Yet him; therefore, We (The Ever Almighty God) saved Noah (P.m.b.u.h) who were with him all those in the Ark. and successors, We made them and We drowned and people who unthankfully denied Our Miraculous the Surely thou must observe how was Verses. the Final End of the people who were warned.

10:74. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) sent even after Noah (the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and and the Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h Messengers to their people, surely the Messengers to their people with the Supremely Clear came Proofs. But they would not truly believe in had Heavenly Message they unthankfully denied previously. Just like this We set a seal upon of the iniquitous transgressors. the hearts

Then We (The Ever Almighty God, The Ever 10:75. Merciful sent even after them Most Moses and Aaron (the Trustworthy Honourable and the and Truthful Messengers and Prophets of The Ever the Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.t Our to Pharaoh and his chiefs with Miraculous they were Signs. but unthankfully arrogant and the iniquitous criminal people. they were

Surely when there 10:76. The came to them Providence, Whole Truth from Our said: they "Certainly, indeed the this is clear magic!"

(the Honourable and the 10:77. Moses Trustworthy Truthful Messenger Prophet of the and The and Almighty God, The Ever Most Equitable Ever P.m.b.u.h said: "Is this what say about ye The to ye? Whole Truth when it has come Is this magic? Truly the magicians will not triumphant!" be

They said: "Have thou 10:78. come to us for the away from the way of purpose to turn us forefathers which we found our life and SO that may gain greatness of ye in the land? both truly believe in both of Truly will not ve!" we

10:79. Truly Pharaoh said: "All of ye must bring to me every learned magician!"

10:80. Surely when the magicians came, Moses (P.m.b.u.h) said to them: "Throw down whatever ye are going to throw!"

10:81. Truly when they had thrown, Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "What ye have brought is magic. Certainly, The Ever Almighty God will immediately prove it to be fake. Certainly, The Ever Almighty God does not set right the work of the people who cause evil disorder.

10:82. And The Ever Almighty God will establish The Whole Truth by His Words, even though the iniquitous criminals hate it!"

Surely no one truly believed in Moses 10:83. Honourable and the Trustworthy and the {the Prophet of Truthful Messenger The and Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h), except some youths from among his people, with fear of Pharaoh and their chiefs that they would persecute them. For sure Pharaoh was indeed mighty tyrant in the land, and certainly Pharaoh persecute them. For was indeed one of the iniquitous transgressors.

10:84. Truly Moses (P.m.b.u.h) said: "O my people! ye have truly believed in The Ever If Almighty then ye must put your trust God, in ye are Muslims (those Him, if who wholly follow the All Blessed Will and submit to all God }!" the Commandments of The Ever Almighty

Then the youths who truly believed 10:85. said: "We Almighty The Ever put our trust in God. The Eternal Lord and of Thou Sustainer us! please not make for do trial test Thou us a iniquitous wrongdoing people: the

10:86. And Thou please save us by the Mercy of thee from the unthankful disbelieving people!"

Truly We (The Ever Almighty God, The 10:87. Most Gracefully Compassionate, Ever The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, The Ever Most Owner of All Praise, The Ever The Ever High. Owner Glory, The Eternal King the of All of Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) Miraculously Revealed to Moses and his brother (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.t, saying: "Settle your people in houses in Egypt, and make your houses places of worship, and all of ve equitably perform the Prayer, and must thou must announce the good true news to the true believers!"

Moses {the Honourable and 10:88. Truly the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God P.m.b.u.h said: "Thou of The Ever The Eternal Lord and Sustainer of us! Certainly, Thou have awarded Pharaoh and his chiefs splendor life of this Earthly present and wealth in the The Eternal Lord and Sustainer World. Thou of us! That they may lead people astray from vour Straight Path. Thou The Eternal Lord and Sustainer destroy Thou please their wealth of us! and harden that they do not trulv their hearts. SO believe until they see the painful requital punishment!"

10:89. The Ever Almighty God said! "Indeed the Prayer of both of ye has been accepted. Therefore, both of ye keep following the Straight Path and of ye must not ever follow the path of the both people who do not have the Heavenly Knowledge fof the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and Miraculous Words Miraculous and the the Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Eternal King of the Entire Universe. The The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

(The Ever Truly We Almighty God, The 10:90. Living, The Creator The Eternal Ever and Lord Entire Sustainer of the Universe } led and the of Israel (P.m.b.u.t) across the Children sea. and and his soldiers pursued them in tyranny Pharaoh and enmity. Until, when the drowning overtook him, Pharaoh said: "I truly believe that there is no God except The God in Whom the Children of Israel believe (P.m.b.u.t), and I am one of the Muslims!"

10:91. Now? Truly indeed thou (O Pharaoh!) had unthankfully disobeyed before and thou were one of the people who cause evil disorder?

10:92. Surely today We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Seeing of Everything, The Ever All Knowing of The Eternal King of the Entire Universe, Everything, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe will save only your dead body for the purpose that thou may become a Miraculous all Humankind who Sign to will after come ye. many from among the Humankind For sure are indeed unthankfully heedless of Our Miraculous Signs.

10:93. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) in fact settled the Children of Israel (P.m.b.u.t) in a good settlement and We provided good things as sustenance for they did not differ until Truly the Heavenly them. Knowledge had come to them. Certainly, The Eternal and Sustainer of thee judge Lord will between the Day of Resurrection and Judgement them on Everything in which they differed. concerning

Surely if thou are in doubt about 10:94. that *{*the Supremely Honourable and Ever the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Mighty and the Supremely Blessed and the Ever Supremely Ever Miraculous and the Ever Supremely Wise Qur'an, the Message Statement and the Wise Reminder and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God to each and every one of Humankind) which We have Miraclously Revealed to ask the people thee. then thou must who have been reading the Heavenly Book before thee. Indeed Whole Truth has in fact come to thee The from Eternal Lord and Sustainer of thee. Surely thou The not ever be one of the people who doubt. must

10:95. And thou (each and every one of Humankind!) must not ever be one of the people who unthankfully deny the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, or then thou would become one of the losers.

10:96. Certainly, the people upon whom the Decreed Word of The Eternal Lord and Sustainer of thee has equitably come into effect will not believe, 10:97. Truly even if every Miraculous Sign comes to them, until they see the painful punishment.

10:98. Then why has there not been any people of the city that truly believed True so that its benefited them except the people of Faith Jonah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h. When they truly believed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) removed from them the requital punishment of disgrace in the life of this present Earthly World and We provided them beneficial provisions for an appointed time.

Truly if The Eternal Lord and 10:99. Sustainer of thee had Willed, indeed, each and every whole earth would person on the have truly believed collectively. Would thou then compel Humankind until they become true believers?

10:100. Surely it is not in any way for any person to truly believe, except by the permission of The Ever Almighty God, truly The Ever Almighty God will place the punishment of impurity upon the people who do not use their intellect to be equitable.

O Muhammad! (The Honourable 10:101. Thou and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Ever All Wise, Merciful. The The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe to each and and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "All ye Humankind must observe Everything that is of the whole earth!" in all the heavens and Truly Miraculous Signs and the Constant Warners will the not benefit the people who do not truly believe.

10:102. Surely they are not waiting in any except for just like days the of the way away before have passed people who them? say: "Then may wait; certainly, Thou ye must I am with ye among those who wait!"

Thereafter, We (The 10:103. Ever Almighty God} save Our Messengers and the will people who Just like this, it is obligation believe. truly an that We save the believers. upon Us true

O Muhammad! (The Thou 10:104. Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and of The Ever Almighty God, Prophet The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Equitable, Ever All Wise, The Ever Most High, The The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: **"**O ye each and of Humankind! If ye in any doubt every one are about my religion, surely I do not worship the gods worship other than The Almighty Ever which ye but I worship only The Ever God: Almighty God: The Who causes the death of God each and of ye. And I have been every one Commanded that I must always be one of the true believers.

10:105. And that: "Always direct yourself entirely towards the religion, as the devoutly true monotheist and thou must not ever be one of the polytheists.

thou 10:106. And must not ever call in Prayer The Almighty of Ever God other instead any benefit thee god that cannot nor harm thee. Surly if do this, surely indeed thou then thou one of the iniquitous wrongdoers!" will be

10:107. Truly if The Ever Almighty God inflicts thee with any harm, surely no one can remove except The Ever Almighty God; any harm Trulv Ever Almighty God if The intends for thee surely no one can any good. turn back His Grace. The Ever Almighty God causes His Grace He Wills any person from among His reach to servants. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

Honourable Thou O Muhammad! {The 10:108. and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable. The Ever All Wise, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O ye each and every one of Humankind! Indeed, The Whole Truth come to ve from The Eternal Lord has and Sustainer of ye. Surely any person who follows the surely he follows it Heavenly Guidance, only for the benefit of himself; but any person who goes astray, surely he goes astray only to the harm of himself; truly I am not the protector over ye!"

10:109. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God, The Ever Prophet Most Merciful. Eternal Lord and The Sustainer of Universe to each and every one of Entire the Human Beings P.m.b.u.h) must always follow the whatsoever is Miraculously Revealed to thee. and always be steadfastly patient until The thou must Ever Almighty God gives the Judgement. Truly The Ever Almighty God is The Ever Best of all Judges.

11: Sûrah Chapter Hûd P.m.b.u.h. The Miraculous Verses 123

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Laam, This is the 11:1. Alif. Raa. Book Our'an Supremely Honourable Ever and the Ever Glorious and the Ever Supremely Supremely Mighty Ever Supremely Blessed the and the and Ever Supremely Wise Supremely Miraculous and the Ever Ever Supremely Clear Qur'an, the Message and the the Wise Reminder Statement and and the Miraculous Clear Light Proof and the and the True Heavenly Guidance Insightfulness and the from The Almighty God, The Ever Most Merciful, Ever The Ever Living to each and every one of Humankind Miraculous Verses Clearly are Perfected. whose Thereafter, they have been explained in detail solely The Ever All Wise, The Ever All Aware. from

Saying: "Each and every one of ye Humankind 11:2. ever worship anything whatsoever must not except Almighty God. Certainly, I Ever The am to ve The Ever Almighty God the Constant Warner from of the Good True News!" the and Announcer

saying: "Each and every one And of 11:3. ye must pray for forgiveness Humankind from The and Sustainer of ye. Thereafter, Eternal Lord each Humankind every and one of ye must turn in to Him. He will help ve enjoy the repentance appointed good provisions until beneficial an time and He will award grace to every person who has merit. Truly if ye turn away, then certainly, I fear for ye the requital punishment of the Great Day.

11:4. Only to The Ever Almighty God is the return of each and every one of ye Humankind, truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything!"

11:5. Listen attentively! They wrap up their chests themselves from Ever Almighty hide The to God. Listen attentively! Even when they cover themselves in their clothing, The Ever Almighty God always knows very well Everything they conceal and they reveal. Certainly, Everything The Ever God is Almighty The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

there living moving creature 11:6. Truly is no on earth except that its is the whole sustenance due from The Ever Almighty God, He and always knows very well its place of residence its place of storage. Everything is in and the Supremely Clear Book. Ever

The Ever Almighty God is 11:7. Truly The God has all the heavens Who created and the Six Days, truly His Throne whole earth in was upon the water, for the purpose that The Ever Almighty God may test each and every one of the Human Beings as to which of ye ve is best in actions. Truly indeed if thou O Muhammad! (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Eternal Lord the Entire and Sustainer of The of Universe to each and every Humankind one P.m.b.u.h say: "Certainly, each and every one of ye Humankind will be resurrected after death," the people who unthankfully disbelieve will indeed say: "This is not in any way except the clear magic!"

11:8. Truly indeed if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) hold back from them the requital punishment until an appointed time. indeed they will definitely say: "What is holding it back?" attentively! On the Day the requital punishment Listen to them, it will not be turned away from comes completely overwhelmed truly they will be them. requital punishment they used to ridicule. by the

11:9. And if We (The Ever Almighty God) give the human being the taste of Mercy from Us, thereafter We take it away from him. Certainly, he indeed becomes despairing and unthankfully disbelieving.

11:10. But if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) give him a taste of favour after hardship had afflicted him, indeed he will definitely say: "Bad times have gone away from me!" Certainly, he indeed becomes exultant and boastful;

11:11. Except for the people who are steadfastly patient and do righteous good actions; such people will have the forgiveness and the great reward.

would thou O Muhammad! (The 11:12. Then the Trustworthy Honourable and and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) possibly leave out of some which is Miraculously Revealed to that thee. or is your chest constrained by this because they say: "Why has down a treasure not been to sent an Angel has him?" him, or why not come with only the Constant Warner. Truly The are But thou Ever Almighty God is The Protector Over Everything.

11:13. Or do they say: "The Messenger has produced this Qur'an himself?" Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God each and every one of the Human Beings to "Then P.m.b.u.h must ye say: the unthankful bring Ten disbelievers must Sûrah Chapters the like of this Book Qur'an that have been produced, and may call for help whomever ye can other than ve The Ever Almighty God, if ye are the truthful!"

11:14. Surely if they do not comply to ye then ye Humankind must always know with certitude that Our'an has been Miraculously Revealed this Book Knowledge with the The Ever Almighty only of that there is no God except Him God. and Alone. Surely will ye Humankind become Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed the Commandments Will and all of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever The All The Ever Most Equitable, Wise. Ever King of the Entire Living, The Eternal Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe??"

every person person who desires 11:15. Each and present Earthly World life of this the and its adornments, We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate will Ever give payment therein for their them full actions. and deprived therein of their they will not be due.

Such people will have nothing 11:16. in the World Afterlife except the Hellfire. Eternal they did in Truly whatever works this present World Earthly will be worthless. and whatever they ever did will actions be futile.

Surely what is the grade of 11:17. the prson Supremely Clear Proof from who follows the The Sustainer of him. Eternal Lord and and a witness The Ever Almighty God recites this Book from Qur'an; truly this Book Qur'an before there was Heavenly Book of Moses (The Honourable and the the Truthful the Trustworthy and Messenger and of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) as the Prophet Correct Guide and the Mercy. Such people truly Book Qur'an. Truly each and believe this in every unthankfully disbelieves in this person who Book from all the factions, surely among Our'an the promised destination Hellfire for such is a person. Surely thou must not ever be in doubt about this Book Qur'an. Certainly, this Book Our'an is The The Whole Truth Eternal Lord from and of Sustainer of thee, but most Humankind do not (in the Ever Supremely Honourable truly believe and Supremely Glorious and the Ever Supremelv the Ever Supremely Ever Miraculous Blessed and the and Supremely Wise and the Supremely Ever Ever the and the Ever Supremely Mighty Clear Our'an}.

Truly who iniquitous is more 11:18. than the who invents untruth about The Ever Almighty person Such people will presented before God? be The Sustainer of Lord and them. Eternal and the say: "These witnesses will are the people who told The Eternal Lord Sustainer untruth about and of them!" Listen attentively! The Ever curse of The upon Almighty God iniquitous the is wrongdoers.

11:19. The iniquitous wrongdoers who prevent people from the Strtaight Path of The Ever Almighty God and they seek to make it seem crooked, while they are unthankful disbelievers in the Eternal Afterlife World. 11:20. Such are the people who will not be able to escape in the earth, truly they do not have any protecting friends other than The Ever Almighty God. The requital punishment will be doubled for them. They were not able to listen attentively and they did not see.

11:21. Such are the people who will have put themselves in loss, and whatever they inequitably used to invent will disappear from them.

11:22. Without any doubt, such people will be the worst losers in the Eternal Afterlife World.

11:23. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions and they humble themselves to The Eternal Lord and Sustainer of them, such people will be the residents of the Everlasting Garden; they will reside in the Everlasting Garden forever.

11:24. The example of the two parties (the people who truly believe in The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World and do righteous good actions, and the people who unthankfully disbelieve in The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, and His The and His Books and His Messengers Angels and the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World is blind and deaf and the seeing just like the hearing. Are they equal in comparison? Despite and will ye people not heedfully remember? that

11:25. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, Ever The Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator Eternal Lord and Sustainer of The the Entire and Noah Universe) in fact sent (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h³ to his people: "Certainly, all of ye the Clear Constant Warner; I am to

"All of Saying: 11:26. ye must not ever anything whatsoever except The worship Ever Almighty God. Certainly, I fear for ye the requital punishment of the Painful Day!"

Surely the chiefs from among 11:27. the ones who unthankfully disbelieved from his people said: "We do not see thee except as a human being just ourselves, and we do not see anyone following like except the people who thee are the lowest class from among us, who do so without thinking. And see in all of ye over we do not us any superiority; but in fact, we think ye are untruthful!"

11:28. Noah (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) said: "O my people! Have ye considered, follow the Supremely Clear Proof from if I Eternal Lord and Sustainer of me The while He given me the Mercy from Himself, but it has been made unapparent to ye. Should has we all of ye to accept it while ye hate force it?

11:29. Truly O my people! I do not ask ye for this any wealth. My reward is the responsibility of The Ever Almighty God. Truly I am not going to drive away the people who have truly believed. Certainly, they will meet The Eternal Lord and Sustainer of them, but I see that ye are ignorant people.

11:30. Truly O my people! Who would help me against The Ever Almighty God if I drove away the people who have truly believed? Despit that will ye not heedfully remember?

11:31. Truly I do not say to ye that I possess the treasures of The Ever Almighty God that nor I know the knowledge of the Unseen, nor do I say that I am an Angel, nor do I say concerning the people who are low-grade in your The Ever Almighty God will not eyes that grant them good things. The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of Everything that is and minds. Certainly, I would in their hearts then indeed be one of the iniquitous wrongdoers!"

11:32. They said: Thou O Noah (P.m.b.u.h)! Indeed, thou have argued with us, and thou have greatly argued with us. So thou bring down upon us the requital punishment thou promise us, if thou are one of the truthful!"

11:33. Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Certainly, only The Ever Almighty God will bring the punishment down if He Wills, truly then ye will not be able to escape. 11:34. Truly my good advice will not benefit ye people, although I desire to give ye people good advice, if The Ever Almighty God intends leaves ye people to stray. The Ever Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of all of ye, truly only to Him all of ye will be returned!"

11:35. Or do they say: "The Messenger has produced this Our'an himself?" Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever The Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "If I have produced this Qur'an, then upon is my crime; but I am completely innocent me from whatever crimes all of ye ever commit!"

11:36. Truly it was Miraculously Revealed to Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) that: "No person will truly believe from your people except those who have already truly believed; Surely thou must not ever be distressed by whatever actions they have been doing.

11:37. And thou O Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) must construct the Ark under Our Watchful Eyes and with Our Miraculous Revelation, truly thou must not plead with Me concerning the people who have committed iniquity; certainly, all of them will be drowned!"

11:38. So Noah (the Honourable and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Truthful and the Almighty God P.m.b.u.h began to construct Ever the and every time the chiefs from his Ark. among people passed him by, they ridiculed him. He said: "If ye people ridicule us now, surely indeed ridicule ye just we will like ye ridiculing. are

11:39. Then ye people will eventually know who will receive the punishment that will disgrace him and upon whom will descend the everlasting punishment!"

when Our 11:40. Until command came. and water gushed up out of the earth. We {The Ever Almighty The Ever Most Gracerfully Compassionate, God. The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) said: "Thou must load upon the Ark a pair of each and every creature and him against whom family, except the Word your has already been passed. of Judgement and every has truly believed!" Truly who one none had truly believed along with him except for a few.

{the Honourable and 11:41. Truly Noah the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God P.m.b.u.h) said: of The Ever "Embark the Ark: in the Name of The Ever into Almighty God will be its sailing and its anchoring. Certainly. and Sustainer The Eternal Lord of me is indeed Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!" The

the Ark sailed with 11:42. Truly them through like mountains, Noah (P.m.b.u.h)and called waves his out to his son, truly son was standing "Thou my son! Embark with apart: us and be with the unthankful disbelievers!" thou must not

11:43. His Son said: "I will take refuge on the mountain, which will protect me from the water!" Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise P.m.b.u.h) said: "There is none who can protect today from the Decree of The Ever Almighty God, except the person upon whom He awards Mercy!" Truly the waves surged in between them, surely he became one of those who drowned.

11:44. Truly it was Commanded (by The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, Ever The All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe): "Thou the Thou must swallow up your water, and earth! the heaven! Thou must withhold your thou rainwater!" Truly the water subsided, and Decree was fulfilled, and the Ark came and the to settle on the Mountain Judi. And it was said: "Far away with the iniquitous wrongdoing people!"

11:45. And Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God P.m.b.u.h of called out Prayer to The Eternal Lord and Sustainer in of him; then he said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, my son is of my family; truly indeed every Promise one Thee is always The Whole Truth: of and Thou are The Ever Best Just Judge of all Judges!"

11:46. The Ever Almighty God said: "Thou O Noah the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h? Certainly, he is not of your family; certainly, he not of righteous conduct; surely thou is must not for ask anything whereof thou do not have Me the knowledge. Certainly, I admonishingly instruct thee, ignorant people!" thou must not be among the

11:47. Noah (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger of The Ever Almighty God, the Most Merciful P.m.b.u.h said: "Thou The Ever The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, for refuge in Thee from I ask asking for Thee anything whereof I do have the not knowledge. Truly if Thou and do not forgive me award Mercy upon me, I will be among the losers!"

Commanded: "Thou 11:48. 0 Noah It was (P.m.b.u.h)! Disembark with peace and blessings upon upon the nations from among the ones thee and with there But thee. are nations who are to whom We will provide beneficial provisions; thereafter, the painful punishment from Us will afflict them!"

11:49. These of the of some news the are We Miraculously Reveal to thee O Unseen which Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Messenger Truthful and and the Prophet of The Almighty God, The Creator The Eternal Ever and Lord and Sustainer of the Entire Universe to one of Humankind P.m.b.u.h). Thou did not every know nor your people, it; neither thou before always be steadfastly Surely thou must this time. patient. Certainly, the good Final End is for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

11:50. And to Aad their brother Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Equitable P.m.b.u.h). He said: "O my people! Ye must always worship only The Ever Almighty God; ye do not have any True God other than The Ever Almighty God. Ye are not any way except the inventors in of untruth.

11:51. O my people! I do not ask ye for any reward for this. My reward is the responsibility of The God Who has created me. Despite that will ye not use your intellect to be equitable?

11:52. Surely O my people! Ye must pray for forgiveness from The Eternal Lord and Sustainer of ye; thereafter, ye must turn to Him in repentance. He will send upon ye the heaven giving abundant rain He will increase and ve with strength upon your existing strength. Truly ve people must not turn away as iniquitous criminals!"

11:53. The unthankful disbelievers said: "Thou O Hûd (P.m.b.u.h)! Thou have not brought us any supremely clear proof, truly we are not going to leave our gods merely because of your saying. And we are not believers in thee.

say nothing except that some of our 11:54. We afflicted thee with evil!" Hûd gods have { the the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The True God P.m.b.u.h said: "Certainly, I call The Ever Almighty God be my witness, and ye people to too bear that I totally reject whatever witness, gods all of ye ever associate with The Ever Almighty God.

11:55. Other than The Ever Almighty God. Therefore, all of ye may plot against me together; thereafter, do not give me any respite.

11:56. Certainly, I have put my trust in The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer of ye. There is not in any way any living creature except that The Ever Almighty God holds it under control by its forelock. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of me is always upon the Straight Path.

11:57. Surely if ye people turn away, then indeed I have conveyed the Statement messages with which I was sent to ye. The Eternal Lord and Sustainer of me will give succession to the people other than ye, truly ye people will not ever cause any loss to Him at all. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Protecting Guardian Over Everything!"

11:58. Truly when Our Command came, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) and the people who truly believed along with him, by the Mercy from Us; and We saved them from the harsh requital punishment.

11:59. Truly such were Aad, they rejected the Miraculous Signs of The Eternal Lord and Sustainer of them and disobeyed His Messengers, and followed the command of every obstinate tyrant.

Truly Aad were followed in this present 11:60. Earthly World with they will and a curse be the Day of Resurrection and Judgement. Listen on attentively! Certainly, Aad unthankfully disbelieved in Sustainer of them. Listen Eternal Lord and The attentively! Far away with Aad. the people of Honourable and the Hûd {the Trustworthy and Truthful Messenger and of Prophet the The Ever God, The Ever Most Gracefully Almighty Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Praise. The Ever Owner Owner of All of A11 The Ever Most High, The Eternal Glory. King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h).

Thamûd their brother Sălih 1:61. And to *€*the Trustworthy and Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Most Merciful P.m.b.u.h). He said: "O my people! always worship only The Ever Almighty Ye must not have any True God God; ye do other than The Ever Almighty God. He has created all of ve from the earth and He has made ye the residents earth; surely all of ye must pray the in for forgiveness from The Ever Almighty God. Thereafter, ye all of must in repentance to turn Him. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Most Near, The Ever Most Responsive!"

They said: "Thou O Sălih (P.m.b.u.h)! Thou 11:62. among of good hopes have been as a man us prohibit to Do thou worship before this. the us forefathers worshipped? For sure gods our we are grave alarming doubt indeed in about The Ever Almighty God to whom thou are inviting us!"

Sălih (P.m.b.u.h) said! "O my people! 11:63. Have ve considered, if I follow the Supremely Clear Proof The Eternal Lord and Sustainer from of given the Mercy from while He has to me me Himself, surely who would protect me from The Ever Almighty God if I disobeyed Him? Surely ve would increase me in anything except not in loss.

Truly O people! This my 11:64. is the she Almighty God, it Ever camel of The is the ye people Sign ye. Surely Miraculous to must freely leave her eat in the earth of to Ever ye Almighty God The and must not with evil, in touch her any that ever case seized by the imminent punishment!" ve will be

11:65. But they hamstrung the she camel. so Sălih (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) said: "Ye may enjoy beneficial provisions in your homes for three days. This is the promise which will not be untrue!"

11:66. Surely when Our Command came, We (The Ever Almighty God saved Sălih (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h?) and the along with him, by truly believed people who the Mercy from Us; and from the disgrace of that day. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Most Strong, The Ever Almighty. indeed

11:67. Certainly the mighty roaring blast seized the people who committed iniquity; surely they became destroyed lying dead within their homes. 11:68. As if they had never lived therein. Listen attentively! Certainly, Thamûd unthankfully disbelieved in The Eternal Lord and Sustainer of them. Listen attentively! Far away with Thamûd.

11:69. Truly indeed Our Angel Messengers (P.m.b.u.t) Honourable came to Abraham (the in fact and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h? with the good true news; they said: "Peace!" Abraham (P.m.b.u.h) too said: "Peace!" Surely he delay in bringing a roasted calf. did not

11:70. But when Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) saw their hands were not reaching for the food, Abraham (P.m.b.u.h) distrusted them and felt afraid of them. The Angel Messengers (P.m.b.u.t) said: "Thou must not fear. Certainly we have been sent to the people of Lot (P.m.b.u.h)!"

11:71. Truly his wife was standing by, so she laughed. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) gave her the good true news of Isaac, and after Isaac, Jacob (P.m.b.u.t).

11:72. The wife of Abraham (P.m.b.u.t) said: "Oh how amazing! Will I give birth while I am an old woman and this my husband is an old man? Certainly, this is indeed a Miraculous thing!"

11:73. The Angel Messengers (P.m.b.u.t) said: "Are thou amazed at the Decree of The Ever Almighty God? Mercy of The Ever Almighty The God and His all of ye, O people of Blessings are upon the house. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Owner of All Praise, The Ever Most Glorious!"

when the feeling of fear 11:74. Then had gone Abraham (the Honourable and away from the Truthful Messenger and the Trustworthy and Prophet and Close Friend the of The Ever Almightv Most Gracefully Compassionate, God. The Ever Most Merciful P.m.b.u.h The the Ever and good him. began true news had reached he to plead Us concerning people of Lot (P.m.b.u.h). with the

11:75. Certainly, Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) was constantly forbearing, tender-hearted and constantly turning to Us.

Abraham (P.m.b.u.h)! 11:76. "Thou Ο Thou must of off this plea. Certainly, the Decree The leave and Sustainer of thee Eternal Lord has indeed certainly, the punishment is and coming come. to which cannot be turned back!" them

Truly when Our Angel Messengers (P.m.b.u.t), 11:77. Lot (the Honourable and to the Trustworthy came Truthful Messenger and Prophet of The Ever and the The Eternal King of the Entire Almighty God. Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h), Lot (P.m.b.u.h) was anguished felt for them great for them and discomfort. said: "This is a truly very hard day!" and

11:78. Truly his people came hastening towards him, and previously they had been committing evil actions. Lot (P.m.b.u.h) said! "O my people! These are my daughters; they are purer for ye (to marry). So, ye must always fear The Ever Almighty God, and ye must not disgrace me concerning my guests. Is there not among ye even a single rightly guided man?"

said: "Indeed, thou 11:79. They in fact know have any claim to not we do your daughters. thou indeed know what want!" we For sure

11:80. Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) said: "If only I had power to combat all of ye or that I could take refuge in a strong support!"

11:81. The Angel Messengers (P.m.b.u.t) said: "Thou O Lot (P.m.b.u.h)! Certainly, we are the Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of thee! They able to reach thee. Surely thou will not be must depart with your family during a part of the night, and let not any among ye look back except your wife; certainly, she will be struck by the punishment that will strike the people who have been committing actions. Certainly, their promised appointed evil time is the morning. Is the morning not near?"

11:82. Surely when Our Command came, We (The Almighty God, The Ever Most Equitable, Ever The of All Praise, Most High, The Ever Owner Ever Eternal King of the Entire Universe, The Eternal The Sustainer of the Entire Universe turned Lord and their cities upside down and We rained down them stones of hard clay, layer upon layer, upon

512

11:83. Which were marked by The Eternal Lord and Sustainer of thee. Truly it is not far away from the iniquitous wrongdoers.

And to Madyan their brother Shuaib (the 11:84. the Trustworthy Honourable and and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h. always worship He said: "O my people! Ye must only The Ever Almighty God; ye do not have any True God other than The Ever Almighty God. And all of ye must not ever give short measure short weight. Certainly, I see all of ye in nor prosperity, truly indeed I fear for all of ve the requital punishment of the All-Encompassing Day.

And O my people! Ye must 11:85. always give full measure and full weight with equitable diminish justice, and ye must ever the not Humankind, of ye must things and not ever wander in the earth, causing evil disorder.

permitted from The 11:86. That which is Ever Almighty God is best for ye people, if ve Truly I believers. are the true am the not Protectiong Guardian over ve!"

They said: "Thou O Shuaib (P.m.b.u.h), does 11:87. Prayer command thee that should we vour the gods our forefathers abandon have been worshipping or refrain from doing whatever we please with our wealth? Certainly, thou are the forbearing, the rightly guided person!"

11:88. Shuaib (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h said: Have all of ye considered, if I follow the Supremely Clear Proof from The Eternal Lord and Sustainer of me while He has provided me with a good sustenance from Himself? Truly I intend to differ from ye in do not anything whatsoever I prohibit ye to do; I intend nothing whatsoever except to act righteously as much as Truly my capability the capability. Ι is have anyone whatsoever except from not from The Ever Almighty God. I have put my trust in The Ever Almighty God, and only The Ever to Almighty God I return in repentance and obedience.

11:89. Truly O my people! Ye must not let your opposition against me to commit iniquitous crimes; therefore, the punishment may strike ye just like the people of Noah or the the punishment struck of Hûd or the people of people Sălih { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophets of The Ever Almighty God, Messengers The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h?. Truly the people of Lot {the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty P.m.b.u.h) are not far away from God ve.

Truly all of ye must pray for forgiveness 11:90. Eternal Lord Sustainer from The and of ve. Thereafter, all of ye must turn to Him in repentance. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Most Merciful, The Ever Most Loving!"

11:91. They said: "Thou O Shuaib (P.m.b.u.h)! We understand much of what do not thou say; for indeed consider thee we be sure to verv Truly if it had not for weak among us. been your tribe. indeed we would have stoned thee: not predominant over us!" and thou are

Shuaib (the Honourable and the 11:92. Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "O my people! my tribe more powerful to ye The Is than Ever Almighty God? Truly ye have put The Ever Almighty away from ye, turning away. Certainly, God The Lord and Sustainer of always Eternal me is encompassing whatever actions all of ye ever do.

11:93. Truly O my people! Ye may work according your position; certainly, I too working. to am eventually ve will All of come to know who requital punishment will receive the that will and who is untruthful. disgrace him, Surely ve out; certainly, I too am watching with ye!" watch

Truly when Our Command 11:94. We (The came, Almighty God, The Ever Gracefully Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever Most The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All The Ever Most Mighty, The Ever Owner of Wise. the Most Good Names, The Ever Most Supremelv The Eternal King of the Entire Universe, Holy, The and Sustainer of Everything Eternal Lord in the Shuaib and the people who Entire Universe saved truly believed along with him (P.m.b.u.t), by the from Us; mighty roaring Mercy truly the blast seized the people who committed iniquity; surely they became destroyed lying dead within their homes.

11:95. As if they had never lived there at all. Listen attentively! Far away with Madyan, just like there was far away with Thamûd.

11:96. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) in fact sent Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) with Our Miraculous Signs and the Supremely Clear All Binding Authority;

11:97. To Pharaoh and his chiefs, but they followed the command of Pharaoh, truly the command of Pharaoh was not correctly guided.

11:98. Pharaoh will go ahead of his people on the Day of Resurrection and Judgement and he will lead them into the Hellfire; truly extremely evil is the place to which they will be led.

11:99. Truly Pharaoh and his people were pursued by the curse in this present Earthly World and on the Day of Resurrection and Judgement. Truly extremely evil is the contribution to be contributed.

11:100. These are some of the news of the cities which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe) narrate to thee; from among them, some are still standing and some have been cut down.

11:101. Truly We (The Ever Almighty God) did any iniquity to them, but they commit not committed iniquity to themselves. Surely their gods which they called out in prayer other than The Ever Almighty God did not help them at all when of there came the Command The Eternal Lord Truly their other Sustainer of thee. and gods did increase them in anything other than ruin. not

11:102. Truly just like this is the seizure of The Eternal Lord and Sustainer of thee when He seizes the cities while they are committing iniquity. Certainly, His seizure is painful and severe.

11:103. Certainly, in this there is the Miraculous Sign for every person who fears the requital punishment of the Eternal Afterlife World. That is the Day whereupon each and every one of Humankind will be gathered together, and that is the Day which will be witnessed by all.

11:104. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) do not delay that Day except for a limited decreed time.

the Day when it 11:105. On comes, no person be able speak except will to by the permission of The Ever Almighty God. Surely some of them will be wretched and others blessed.

11:106. Surely as for the people who are wretched, truly they will be in the Hellfire. For them there will be in the Hellfire wailing and sobbing.

517

11:107. They will reside in the Hellfire as long as and earth all the heavens the endure, except Eternal Lord and Sustainer whatever The of thee Wills. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Accomplisher of whatever He intends.

people 11:108. Truly as for the who are blessed. they will the Everlasting surely be in Garden, the Everlasting Garden will reside in they as heavens all the and the earth long as endure. The Eternal Lord except whatever and Sustainer of thee Wills; it is the mighty gift uninterrupted.

thou Muhammad! (The Honourable Surely Ο 11:109. the Trustworthy Truthful Messenger and and the of Almighty God The Ever to each and every of Humankind P.m.b.u.h must not ever be in one what these doubt. as to people worship. They nothing except just like their worship forefathers previously. For Sure We will worshipped indeed give them their share without any reduction.

Truly indeed We (The Ever Almighty God. 11:110. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Equitable, The Eternal King of the Most Entire The Creator and The Eternal Universe. Lord and of the Universe? in Entire fact Sustainer gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Prophet Truthful Messenger and of The Ever God P.m.b.u.hthe Heavenly Almighty Book. but people differed concerning the Heavenly Book. some Truly if it had not been for the prior Decreed of The Judgement from Eternal Lord Word and thee, indeed of it would have been Sustainer they are indeed in judged between them. For sure alarming doubt about the Heavenly Book. grave

11:111. For sure The Eternal Lord and Sustainer of will indeed fully requite each and thee every Humankind for all their of actions. Certainly. one All Aware He is The Ever of whatever actions and every one of Humankind ever do. each

Surely thou Muhammad! {The 11:112. 0 Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High. The All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Ever The Ever Most Supremely Holy, Trustworthy, Most The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Universe. Creator and The Eternal Entire The Lord Sustainer of the Entire Universe and each to every one of the Human Beings P.m.b.u.hand Straight Path always remain the on as thou must been Commanded, and also those people have who turned in repentance along with have thee. all of ye must not ever unjustly and transgress. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Seeing of whatever actions all of ye ever All do.

ye the true believers Surely must 11:113. not ever {for friendship and the lean towards protection } commit iniquity, then who ye will people be do the Hellfire, truly afflicted by ye not have any protecting friends other than The Ever Almighty God; thereafter, ye will not be helped.

thou always equitably 11:114. Truly must perform day Prayer at both ends of the and during the of good night. Certainly, the the actions parts the evil actions. This is the Wise remove always Reminder for all those who heedfully remember.

11:115. Truly thou must always be steadfastly surely indeed The Ever Almighty God patient, the of the does not ever waste reward people do righteous good actions. who

11:116. So why were there not among the people your time, generations before having good would prohibit from causing evil disorder sense who in the earth, except for a few of those We (The God, The Almighty Ever Most Gracerfully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Ever The Ever Most Trustworthy, Most Supremely Holy, King of the Entire Universe. The Eternal The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } among them? But the people saved from who committed niquity unthankfully pursued the luxuries they were given, truly they were the iniquitous criminals.

The Eternal Lord Truly and Sustainer 11:117. of ever destroy any city would not thee with while their people were those iniquity, who do good righteous actions.

11:118. Truly if The Eternal Lord and Sustainer of had Willed. He could have thee made each of Humankind every religious and one one but Humankind will not cease differ. to party;

Except each and every 11:119. person upon The Eternal Lord Sustainer and thee whom of awarded Mercy, and for this He has has Truly Word them. the Decreed of The created has and Sustainer of Eternal Lord thee been equitably fulfilled: "Indeed I will definitely fill the Hell with Jinn-kind and Humankind together!"

every story We (The Ever 11:120. Truly each and Ο Almighty God narrate thee Muhammad! to Honourable and the Trustworthy (The and the Messenger and Prophet of The Truthful Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal of the The Eternal King Entire Universe, Lord Sustainer of the Entire Universe and to every Humankind P.m.b.u.h) from the news one of of Messengers is for the purpose which the by understanding heart. We make your firm Truly to thee. in this Book there has come Our'an. Admonishing Instruction The and the Whole Truth the Wise Reminder for the true believers. and

11:121. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Sustainer and of the each and every Entire Universe to of one Humankind P.m.b.u.h) must say to the people who believe: "All of ye may do not work according position; certainly, we too working. to vour are

11:122. And all of ye (the people who do not believe) may wait; certainly, we too are waiting!"

Truly only to The 11:123. Ever Almighty God all the Unseen of all belongs the heavens and the only to Him earth; truly each whole and every will be returned. Surely thou must always matter Ever Almighty God, only The and worship thou always put your trust in Truly Him. must The Eternal Lord and Sustainer thee is of not ever unaware of whatever actions of ye all do. ever

521

12: Sûrah Chapter Yusuf Joseph P.m.b.u.h. M.V. 111

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

12:1. Alif, Laam, Raa. These are the Miraculous Verses of the Ever Supremely Clear Book.

Certainly, We (The Ever Almighty God, 12:2. The Wise) have Miraculously Revealed All Ever this Arabic Qur'an for the purpose Book as the that all of ye may use youe intellect to be equitable.

The Ever Almighty God 12:3. We narrate to best of stories through that We thee the which have Miraculously Revealed to thee 0 Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almightgy God and every of the Human Beings to each one this P.m.b.u.h of Qur'an, before this. thou were indeed from among the unaware obout them.

12:4. When Joseph (the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty the and P.m.b.u.h) said to his father: "Thou my father! God eleven Certainly, I have stars and the seen sun and the moon; I saw them prostrating for me!"

Jacob (the Honourable and the Trustworthy and 12:5. the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The "Thou Wise P.m.b.u.h? Son! Ever All said: my ever narrate Thou must not dream your to your iniquitous or they will plan against thee brothers. plan. Certainly, the devil Satan is the clear most enemy to each and every one of the Human Beings.

522

Truly in this way The Eternal Lord 12:6. and Sustainer of thee will choose thee and will He interpretation of events He teach thee the and will complete His Favours and Blessings upon thee upon the Family of Jacob, just like He and completed the Favours and Blessings previously upon forefathers, Abraham vour and Isaac $\{P.m.b.u.t\}$ Sustainer Certainly, The Eternal Lord and of thee is The Ever All Knowing, The Ever All Wise!"

in Joseph (the Honourable 12:7. Indeed and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Most Merciful, The Ever Living P.m.b.u.h The Ever his brothers (P.m.b.u.t), there are in and fact Miraculous Signs for the people who inquire.

brothers of Joseph $\langle P.m.b.u.t \rangle$ 12:8. When the "Indeed, Joseph and his brother (P.m.b.u.t)said: beloved are more to our father than us. though we strong group. Certainly, even are a our father is indeed in the clear straying.

Kill Joseph (P.m.b.u.h) 12:9. or banish him to distant land; so that the of love some your will be given only to ye, after father and that ye must become devoutly righteous people!"

12:10. A speaker from among them said: "Ye must not kill Joseph (P.m.b.u.t), but throw him down to the bottom of a well; he will be picked up by some passing travellers, if ye want to take any action!"

said: "Thou They 12:11. father! Why do our with Joseph {P.m.b.u.t}, thou for not trust us well-wishers? his sincere indeed sure we are

12:12. Thou please send Joseph (P.m.b.u.h) with us tomorrow so that he may enjoy himself and play about, for sure we will indeed be his guardians!"

Jacob (the Honourable and the Trustworthy and 12:13. the Truthful Prophet of The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Living P.m.b.u.h) said: "Certainly, it grieves me indeed that ye should take him, and I fear that the wolf him while ye would eat are unaware of him!"

12:14. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "Indeed if a wolf eats him, while we are a strong group; certainly, we would indeed then be losers!"

12:15. Surely when they took Joseph (P.m.b.u.h) and they agreed to throw him down to the away, of a well, and We (The Ever Almighty bottom The Ever All Wise, The Creator and God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe Miraculously Revealed to Joseph (P.m.b.u.t): "Indeed will definitely inform about this action thou them of theirs, while they will not have perception!"

12:16. Then the brothers of Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of Ever Almighty God, The Ever Most The Gracefullv Compassionate, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t) came to their father at night, weeping.

They said: "Thou our 12:17. father! Certainly. went out racing with one and we another we Joseph (P.m.b.u.t) with our possessions, and left Joseph (P.m.b.u.h), wolf ate truly thou the will believe us, even though we are truthful!" not

And the brothers of Joseph (P.m.b.u.t) came 12:18. fake blood upon his shirt. Jacob with {the the Trustworthy and the Honourable and Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "But in fact yourselves have tempted some iniquity. Surely it is good to ve to do be steadfastly pateint, and I seek help only from The Ever Almighty God against what ye are narrating!"

Truly there came group of travellers: 12:19. a then they sent their water drawer, and he lowered drawer said: "Good news! his bucket. The water boy here!" Truly the travellers There is a secretly Joseph (P.m.b.u.h) as a valuable item. kept trade Truly The Ever Almighty God was The Ever All Knowing of whatever all of them were doing.

Truly the travellers sold 12:20. Joseph (the the Trustworthy and the Honourable and Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) for a small price, a few dirhams. Truly the travellers esteemed Joseph (P.m.b.u.h) lightly.

12:21. Truly from Egypt the person who bought Josheph (P.m.b.u.h) said to his wife: "Make him honourably, perhaps he will stav benefit us, or we may adopt him as a son!" Truly in this way, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful established Joseph (P.m.b.u.h) in the earth. and for the purpose that We may teach him the interpretation Truly The Ever Almighty God is of events. The Ever All Dominant over His Works, but most of Humankind have the Heavenly Knowledge. do not

12:22. Truly when Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) reached his maturity, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) gave him great wisdom of judgement and Heavenly Knowledge, truly just like this We reward the people who do righteous good actions.

in 12:23. Truly the woman whose house Joseph (P.m.b.u.h) was living tried intensely to seduce him against his will, truly she closed all the said: "Come! Everything is ready doors and for "I seek refuge in Joseph (P.m.b.u.h) said: thee!" The Ever Almighty God! Certainly, He (The Ever Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of me, He has made my residence good. Certainly, the iniquitous wrongdoers will not be triumphant.

12:24. Truly indeed she in fact desired Joseph (P.m.b.u.h), truly Joseph (P.m.b.u.h) also would have Miraculous inclined to her, had he not seen the Proof of The Eternal Lord and Sustainer of him. For the purpose that We (The Ever Almighty God, Merciful, The Ever Most The Eternal Lord the Entire Universe may turn and Sustainer of away from him evil immorality. Certainly, and he was from among our faithfully truthful servants!

12:25. Truly both of them raced towards the door, and she tore his shirt from the back, and both of them found her husband at the door. She said: "What is the requital punishment for the person who intended evil towards your wife, except that he should be imprisoned or a painful punishment?"

526

12:26. Joseph (the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty and the The Eternal Lord and Sustainer of the God. Entire Universe P.m.b.u.h) said: "It was she who sought me!" Truly a witness seduce from her to "If the household bore witness: shirt of Joseph P.m.b.u.h is torn from the front. then she has spoken the truth, and he is one of the untruthful;

Truly if the shirt of Joseph (P.m.b.u.h) 12:27. back, surely she has the is torn from spoken untruth, and of the he is truthful!" one

when 12:28. Then her husband saw the shirt of (P.m.b.u.h) torn from the back. her Joseph hausband said: "Certainly, this is plotting the of ye women! Certainly, your plot is mighty;

12:29. Thou Joseph (P.m.b.u.h)! Turn away from this! And thou woman must ask for forgiveness for your sin. Certainly, thou were one of the sinful!"

12:30. Truly women in the city said: "The wife of Azeez is seeking to seduce her young slave against his will; he has indeed impassioned her with love. Certainly, we indeed see her in the clear straying!"

she heard of their 12:31. So when accusation. and prepared a banquet she sent for them for she gave each one of them: and them a knife said: "Thou come out she before them!" and when they saw Joseph (P.m.b.u.h), they greatly And him and they cut their own hands admired "Most Perfect said: is The Ever and they Almighty God! This is not a human being; this is any way except the Honourable Angel!" not in

12:32. She said: "This is the person about whom ye blamed me. Truly indeed I sought to seduce him against his will, but he firmly refused; truly indeed if he does not do what I command him, indeed he will definitely be imprisoned and indeed he will be one of those who are debased!"

12:33. Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Prison is more to my liking than that sin to which they invite me. Truly if Thou do not turn away their plot from me, I might feel inclined toward them and be one of the ignorant!"

12:34. Surely The Eternal Lord and Sustainer of Joseph (the Honourable and the Trustworthv and Truthful Prophet of The Ever Almighty God. the The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) responded to his Prayer, and He turned away from him their plot. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

12:35. Thereafter it seemed good to them even after they had seen the Signs, that they should definitely imprison Joseph (P.m.b.u.h.) for some time.

12:36. Truly two young men also entered the prison Joseph (the Honourable and with the Trustworthv Truthful Prophet P.m.b.u.h? and the One of "Certainly, I saw myself pressing wine!" said: them other one said: "Certainly, I saw myself The my head, from carrying bread on which the eating. Thou please inform of its birds were us interpretation. Certainly, we consider thee to be one of the people who do righteous good actions!"

said: "Both of 12:37. Joseph (P.m.b.u.h)ve will receive the food that provided is to not ve that I will fully inform both of ve its except interpretation before it comes ye. is This to part The Eternal Lord and Sustainer of that which of has taught me. Certainly, I have abandoned me people religion of the who the do not trulv they The Ever Almighty God, and believe in are unthankful disbelievers in the Eternal Afterlife World.

have followed the religion And I 12:38. of mv and {the Abraham and Isaac Jacob fathers. and the Trustworthy and the Honourable Truthful of The Ever Almighty The God. Prophets Creator of the Entire Universe P.m.b.u.h. It is not ever permitted for us to anything associate whatsoever as a god with The Ever Almighty God. This is The Ever Almighty God upon of from the Grace upon each and every one of Humankind, and us do not give thanks. of Humankind but most

12:39. O companions of the prison! my two Are many different Lords better Ever The Almighty or God, The Ever Only One, The Ever All Dominant?

12:40. Ye people are worshipping nothing besides Almighty God except The Ever mere names and your forefathers have which ye named them, which The Ever Almighty for God has not Revealed Miraculous any Miraculously Sign of Authority. The equitable right to Command belongs He has except The Ever Almighty God. to none Commanded that all of ye must not ever worship anything whatsoever except The Ever Almighty This is the correct religion, but God. most of Humankind do not have the Heavenly Knowledge.

12:41. O my two companions of the prison! As give one of will for ve, he drink of but master lord; wine his as for the other to will be crucified, of he then birds the ye, eat from his head. The matter has will been decreed about which both of ve inquire.

Truly Joseph (the Honourable and the 12:42. Trustworthy and the Truthful Prophet P.m.b.u.h said the person whom he thought to be released: to "Thou must mention me before your master lord!" devil Satan made him forget mentioning the But his master lord. Truly Joseph (P.m.b.u.h) him to in the prison for several years. remained

12:43. Truly the king said: "Certainly, I saw seven fat cows being eaten by seven thin ones, and seven green ears of wheat and others that were dry. O ye chiefs! Explain to me my dream, if ye are able to interpret the dreams!""

12:44. They said: "These are confused dreams; truly we do not know the interpretation of confused dreams!"

12:45. But the man who had been released of the two and remembered after a long time, he said: "I will tell ye its interpretation, so send me out!"

12:46. "Thou Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h?! Thou the Truthful! Thou please explain to us about seven cows being eaten by seven thin ones, fat and seven green ears of wheat and others that were dry, for the purpose that I may return to the so that they may come to know!" Humankind

12:47. Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Ye will plant as usual for seven consecutive years; so whatever ye harvest, then leave it in its spikes except a little from which ye may eat.

12:48. Then after that there will come seven years of hardship, in which all of ye will eat from what ye had set aside for them, except a little of that which ye will store.

12:49. Then after that there will come a year in which the Humankind will have abundant rain, and in which they will press juices!"

12:50. Truly the king said: "Bring Joseph (P.m.b.u.h) me!" Then when the messenger came to him, to Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Thou must go back to your master lord and ask him, what the case of those women who had cut their is hands? Certainly, The Eternal Lord and Sustainer me is The Ever All Knowing of their plan!" of

The king said: "What is your story when 12:51. women tried to seduce Joseph (P.m.b.u.h)ve against his will?" They said: "Most Perfect is The Ever Almighty God! We did not find in him!" The said: evil wife of Azeez any "Now the truth has come to light; it was I tried to seduce him against his will. who sure, he is indeed one of the truthful!" For

12:52. This is for the purpose that Azeez may know that I did not betray him in private unseen. Truly indeed The Ever Almighty God does not guide any plan of the betrayers.

12:53. Truly I do not ascribe holiness to myself. every human self indeed constantly Certainly. acts, except to evil commands do for those whom The Eternal Lord people upon and The Mercy. Certainly, Sustainer of me awards and Sustainer Eternal Lord of me is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

12:54. Truly the king said: "Bring Joseph (P.m.b.u.h) to me!" I will employ him as second in command to myself!" Then when he spoke to Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h), the king said: "Certainly, from today onward thou are a man of high authority and trustworthy with us!"

12:55. Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) said: "Appoint me over the treasure storehouses of the land; certainly, I am the knowledgeable guardian!"

this way We (The Ever Almighty 12:56. Truly in God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The The Eternal Lord and Sustainer Creator and of the Entire Universe) firmly settled Joseph (P.m.b.u.h) the land, he could live any place in in he with Our honour Mercy any person willed. We We Will, truly We do not ever waste the reward of the people who do righteous good actions.

532

12:57. Truly indeed the reward of the Eternal Afterlife World is supremely greater for the people who truly believe and they always keep fearing The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe).

12:58. Truly the brothers of Joseph (the Honourable Trustworthy and the Truthful Prophet and the of Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t) came, and they entered into his presence, then Joseph (P.m.b.u.h) recognised them, but they remained unaware of him.

12:59. Truly when Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) had provided them with their supplies, he said: "Bring to me a brother of yours from your father. Do ye not see that I give full measure and I am the most hospitable of hosts.

Truly if ye do not 12:60. bring him here to me, then there will be no measure of of ye from all will supplies for me, and ve able to come near me!" not be

12:61. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "We will eventually try to get permission from his father, for sure we will indeed do it!"

12:62. Truly Joseph (P.m.b.u.h) said to his servants: "Place their merchandise in their saddlebags, for the purpose that they may recognise it when they go back to their families; for the purpose that they may come back!"

12:63. Surely when the brothers of Joseph (P.m.b.u.t) returned to their father, they said: "Thou our father! has denied us, therefore Our been to measure brother with us, will get send our we our measure. For sure we will indeed be his guardians!"

{the Honourable 12:64. Jacob and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty Most Gracefully Compassionate, God. The Ever The Eternal Lord The and and Sustainer Creator P.m.b.u.h Universe said: "Shall of the Entire Ι him just like before ye with this I trusted trust brother? Surely The Ever Almighty with his ve The Best Guardian. truly God is Ever He is The Ever Most Merciful of all the merciful ones!"

12:65. Then when they opened their saddlebags they found their merchandise had been returned to They said: "Thou father! them. our What more desire? Here is our merchandise returned can we us; truly we will bring supplies for our family, to brother will guard our and we will and we get extra camel's load. This is an easy measure!" an

Jacob (the Honourable and 12:66. the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty and the The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Merciful, The Creator and The Eternal Ever Sustainer of the Entire Lord and Universe P.m.b.u.h ۴I will not send him out said: with ye until ve a firm promise by swearing a solemn oath give me by The Ever Almighty God, that ye will definitely bring to excepting if him back me ve are surrounded!" Then when they gave him their solemn Almighty pledge, he said: "The Ever God is The Ever Protecting Guardian over what we have said!"

Truly Jacob (the Honourable 12:67. and the of The Truthful Trustworthy and the Prophet Ever God. The Ever Most Merciful. The Almighty The Eternal Lord and Sustainer Creator and of Entire Universe P.m.b.u.h? said: "Ye my Sons! the single gate but Ye enter through a must not ve through different gates, truly I must enter cannot against The Ever Almighty God at save ve all. Equitable Right to Command belongs The to none except The Ever Almighty God, I have put my Him. and all those who trust trust in must always put their trust in The Ever Almighty God!"

they entered from when 12:68. Then where their father commanded them, it did not had save them against The Ever Almighty God at all, but it was the desire within the heart of Jacob (P.m.b.u.h) was fulfilled. For sure Jacob (P.m.b.u.h) was which possessor of Heavenly Knowledge because indeed the of that which We (The Ever Almighty God) had taught him, but most of Humankind do not know.

when they entered into 12:69. Then the presence of Joseph (the Honourable the Trustworthy and and Truthful Prophet of The True God P.m.b.u.h, the drew his brother close to himself: he he said: I am your brother, "Certainly, SO thou must not despair regarding whatever they have been doing!"

Then when Joseph (the Honourable 12:70. and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever The Ever Most Merciful P.m.b.u.h Almighty God, had prepared them with their supplies, he saddlebag of his brother. placed the goblet in the Thereafter, the herald called "O ve out: men of the caravan! Certainly, ye thieves!" are indeed

12:71. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said while turning towards them: "What is it that ye are missing?"

12:72. They said: "We are missing the cup of the king, truly whoever brings it will get a camel's load; and I am responsible for it!"

12:73. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "By The Ever Almighty God! Indeed, ye already know that we did not come to cause evil disorder in the land, and we are not in any way thieves!"

12:74. They said: "Then what would be its requital, if it transpires that ye are liars!"

12:75. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "Its requital would be that the one in whose saddlebag it is found, then he himself will be its requital. Just like this we requite the iniquitous wrongdoers!"

*€*the Joseph Honourable 12:76. So and the and the Truthful Prophet of The Ever Trustworthy Merciful Almighty God. The Ever Most P.m.b.u.hsearch their bags before the bag began to of his brother; thereafter he extracted the cup from the bag of his brother. In this way We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever All The Wise, King of the Entire Universe, The Eternal The The Eternal Lord Creator and and Sustainer of Entire Universe P.m.b.u.h) planned for the Joseph (P.m.b.u.h). He could not have held his brother king except that the law of within the The Ever Almighty God Willed. We raise in grades any person We Will, truly above every possessor of knowledge there is one more Knowing.

12:77. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "If now, so indeed his brother Joseph he steals (P.m.b.u.t) stole before!" Then Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) kept and it to himself and he did not disclose it to them. Joseph (P.m.b.u.h) said: "All of ye are in a worse position; truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of whatever ye are narrating!"

They said: "Thou O Azeez! Certainly, he 12:78. very old father; therefore, has а thou may any one of us in his detain place. Certainly, consider thee to be of the one people we do righteous good actions!" who

12:79. Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "May The Ever Almighty God protect us from detaining any person except the person with whom we found our property. Certainly, then we would indeed be the iniquitous wrongdoers!"

12:80. Surely when they despaired of him, they held a discussion in private. The eldest of them said: "Do ye not know that your father has firm promise by swearing a solemn oath taken a by The Ever Almighty God, and how before ye have failed in respect of Joseph (P.m.b.u.t)? Surely I will not leave this land until my father gives me permission The Ever or Almighty God makes any Judgement for me, truly He is The Ever Best of all the judges!"

12:81. Ye must return to your father and say: "Thou our father! Certainly, your Son has stolen; and we did not bear witness except to whatever we knew, truly we are not the guardians of the Unseen!

may inquire Truly thou from the 12:82. town in and the caravan which we have been. with which we have travelled, for sure we are indeed the truthful!"

(the Honourable and 12:83. Jacob the Trustworthy Truthful Prophet of The and the Ever Almighty. Ever Most Equitable P.m.b.u.h said: "But in The yourselves have tempted ye fact to do some Surely it is good to iniquity. be steadfastly pateint, perhaps The Ever Almighty God will bring all of them to me together. Certainly, He is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

12:84. Jacob {the Honourable Truly and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h? "Oh, sorrowful for Joseph (P.m.b.u.h)!" said: Ι am had white because of Truly his eyes gone his grief, for he suppressing sorrow. was

They said: "By The Ever Almighty 12:85. God! remembering will keep on Joseph { the Thou and the Trustworthy and the Honourable Truthful Prophet of The Ever Almighty, The Ever Most P.m.b.u.h until thou become fatally Equitable sick become one of those who pass thou or away!"

Jacob (P.m.b.u.h) said: "I only 12:86. lament for suffering and grief to The Almighty my Ever trulv I know The Almightv God. from Ever which of ye God that all do know. not

12:87. Ye my Sons! Ye must go and inquire Joseph and his brother (P.m.b.u.t), and about ve in despair of the Mercy of not ever be must Ever Almighty God. Certainly, no The person despairs of the Mercy of The Ever Almighty ever unthankful disbelieving people!" God except the

when his brothers (P.m.b.u.t) entered into 12:88. Then Joseph (the Honourable presence of the and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Sustainer of Eternal Lord and the Entire P.m.b.u.t, they said: "Thou Universe 0 Azeez! Adversity has afflicted us and our family, and we have come with goods, poor in quality, but thou please give us full measure of supplies and thou please be charitable to Certainly, The us. Ever Almighty God rewards the people who give charity!"

Joseph (the Honourable and the 12:89. Trustworthy the Truthful Prophet The Ever of Almighty and Most Gracefully Compassionate, God. The Ever Most Equitable P.m.b.u.h said: The Ever "Do of ye know what ye did with Joseph all and his brother (P.m.b.u.t), when ye were ignorant?"

12:90. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "Is it are really Joseph (P.m.b.u.h)?" certain that thou and this is said: "I am Joseph my He brother (P.m.b.u.t). The Ever Almighty God indeed has awarded the Mighty Favour upon us. Certainly, each and every person who fears The Ever Almighty for sure, and is steadfastly patient; The Ever God Almighty God does not ever waste the reward of the people who do righteous good actions!"

12:91. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "By The Ever Almighty God! Indeed, The Ever Almighty God has in fact favoured thee above us; for sure we have indeed been sinners!"

12:92. Joseph (the Honourable the Trustworthy and Truthful Prophet of The Ever and the Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "There will not be anv blame upon ye today. May The Ever Almighty ye, truly The Ever Almighty God is God forgive The Ever Most Merciful of all the merciful ones.

All of ye must go with this 12:93. shirt of mine and place it over the face of my again. Truly will be able father. he to see ve must bring to me every person of your family!"

12:94. Truly when the caravan departed, their father Jacob (P.m.b.u.h) said: "Certainly, I am indeed smelling the scent of Joseph (P.m.b.u.h), if ye do not consider me weakened in mind!"

12:95. They said: "By The Ever Almighty God! Certainly, thou are indeed in your old error!"

12:96. Surely when the bearer of good news arrived, placed the shirt over face he the of Jacob (P.m.b.u.h), then he instantly returned again having eyesight. Jacob (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty The Ever Most Merciful P.m.b.u.h said: "Did God. I not tell ye that certainly, I know from The Ever Almighty God that which ye do not know!"

12:97. The brothers of Joseph (P.m.b.u.t) said: "Thou our father! Thou please ask for forgiveness for us for our sins, certainly we have been sinners!"

12:98. Jacob (the Honourable and the Trustworthy the Truthful Prophet of The Ever Almighty and Ever Most Merciful, The God. The Creator and and Sustainer The Eternal Lord of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "I will eventually ask The Eternal Lord and Sustainer of me for forgiveness all of ye; certainly, He is indeed for The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!"

12:99. Then, when they entered into the presence of Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h), He gave a place to his parents near himself and said: "All of ye may enter Egypt if The Ever Almighty God Wills in peace and security!"

Joseph (the Honourable 12:100. Truly and the and the Truthful Prophet of The Ever Trustworthy Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h seated his parents on the Throne and all of them down prostrate for him. And he said: "Thou fell my father! This is the interpretation of my dream which I had seen before! Indeed, The Eternal Lord Sustainer of me has made it all and come true! Truly indeed He did award a great favour to took me when He me, out from the prison, and He has brought all of ye from Bedouin life, after the devil Satan caused dissent between even me and my brothers. Certainly, The Eternal Lord and The Ever Intensely Kind of me is Sustainer to any person He Wills. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

The Eternal Lord and 12:101. Thou Sustainer of me! Indeed, Thou have awarded me of the kingdom have taught of the interpretation Thou me and of all Thou The Creator of the heavens events. Thou The Ever Protecting and the whole earth! are this present Friend of me in Earthly World Eternal Afterlife Thou and World, please the in die Muslim Thou please help me to as a and join with the devoutly righteous people!" me

This from the News of the 12:102. is Unseen **{**The Ever Almighty God We which have O Muhammad! Miraculously Revealed to thee (The Truthful Honourable and the and the Trustworthy Prophet of The Ever Almighty Messenger and God. The Eternal Lord Sustainer of the Entire and Universe to each and every one of Humankind Thou with them P.m.b.u.h. were not when they arranged their plan together, while they were plotting.

12:103. Truly most of Humankind will not become believers, although thou dearly desire it.

Truly thou O Muhammad! (The Honourable 12:104. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God. The of Eternal Sustainer Entire Lord and of the Universe to and every one of Humankind P.m.b.u.h each are asking Humankind for not this Book Our'an any This Book Qur'an is payment. not in any way Reminder for Wise except the all the Worlds.

Truly how many of the Miraculous Sign there 12:105. whole earth and by the heavens the which are in over, yet still some Humankind from pass among away from the Miraculous Humankind turn Signs.

12:106. Truly most of Humankind do not believe in The Ever Almighty God, except while they inequitably associate other gods with Him.

Humankind feel 12:107. Do secure that will there them overwhelming portion come to an of not the punishment from The Ever Almighty requital Time will Final God, or that the not come suddenly while they do not upon them perceive?

Ο Muhammad! (The 12:108. Thou Honourable and Trustworthy and the Truthful and the Messenger Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most and The Creator Merciful. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "This is my path; I invite only towards The Ever Almighty God with True Insightfulness, I and also and every person who follows each me. Truly all Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God! Truly I am not of the polytheists.

Truly We (The Ever Almighty 12:109. God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have not except Men before thee whom We sent unto Miraculously Revealed from among the people of they the cities. So have not travelled in the observed how was and the Final End of earth people were before them? Truly indeed the who Eternal World the Home of Afterlife the is for the righteous good fear supremely people who Despite Almighty God. The Ever that will ve your intellect to be equitable? Humankind not use

12:110. Until when the Messengers despaired and believably thought that they had indeed they unthankfully denied, Our Help came them; been to surely each and every person whom We (The Almighty God, The Ever Gracefully Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Generous. The Ever The Most Most Kind. Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Equitable, Ever Most The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Helper, Ever Most Beautiful, The Ever Most The Ever Most Glorious, The Ever Good-Looking, Truth. The Supreme Ever Owner of the Supreme Ever Greatness. The Owner of the Most Good Names, The Ever All Encompassing Over Everything, Ever Present Witness Over Everything, The The King the Entire Universe, The Eternal Eternal of Sustainer of the Entire Universe) Willed Lord and saved. Truly Our requital punishment cannot be was turned away from the iniquitous criminal people.

the stories Indeed in such people, 12:111. of there fact an exemplary lesson for the is in people have intelligent hearts. This Book Qur'an who is Statement fabricated. but this Book Our'an the not Truthful Confirmation of Heavenly is the the which were before this Qur'an, Books and the Detailed Explanation of Everything, and the Heavenly the Mercy for the and people Guidance who truly believe {in The Ever Almighty God and His and His Messengers His Books Angels and and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals Reckoning and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

13: Sûrah Chapter Ar-Ra'd The Thunder M.V. 43

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Laam, Meem, Raa. These 13:1. Alif, are the of the Book Miraculous Verses Qur'an; truly Everything that has been Miraculously Revealed thee O Muhammad! (The Honourable and the to Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe every one of Humankind P.m.b.u.hto each and The Eternal Lord and Sustainer of thee is from Whole still most Humankind The Truth, but of do not truly believe in the Whole Truth.

Almighty God is The God Who 13:2. The Ever all the heavens without any pillars has erected ye Humankind observe them. Thereafter, He as Established Himself above the Throne; and He has of service the sun and the moon, made to be each one is running its fixed path for an appointed arranges every matter; term. He He explains in detail the Miraculous Verses, for the purpose that ye Humankind may believe with certitude in the Meeting with The Eternal Lord and Sustainer of ye.

13:3. The Ever Almighty God is The Truly God spread out the earth and He has placed Who has earth firmly in the set mountains and rivers. made therein two He has kinds of every and cover causes the night to the day. fruit. He Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs the people who think deeply to be equitable. for

13:4. Truly in the earth there are different plots of side by side, and the gardens of grapes land and palm trees, clustered and non-clustered, crops and irrigated with the are all same water; vet We make some of the fruits taste better than others. Certainly. in this there are indeed Miraculous Signs for the people who use their intellect to be equitable.

Truly if anything can astonish 13:5. thee. surely astonishing is the saying of the unthankful disbelieves: will we then "What? When we are turned to dust, created all anew again?" Such really be are the people who have unthankfully disbelieved in The Eternal Sustainer of them. Truly Lord and such are the people who will have iron collars round their necks. the people who truly such are are the residents of the Hellfire; they will reside therein forever. Truly they ask thee 13:6. to hasten the requital punishment rather than the good rewards, though many exemplary punishments have already passed Eternal Lord before them. For sure The and Sustainer of is indeed supremely thee rich in Forgiveness towards Humankind despite their iniquity, certainly The Eternal Lord and Sustainer of and indeed severe in the penalty punishment. thee is

Truly the people who have 13:7. unthankfully disbelieved say: "Why has the Miraculous Sign not been Miraculously Revealed to him from The Eternal Sustainer of him?" Thou Lord and are only the Constant Warner and the Guide for all the people.

13:8. The Ever Almighty God always knows very well what every female carries, and what the wombs lose and what they exceed. Truly Everything with The Ever Almighty God is determined with due measure.

13:9. The Ever Almighty God is The Ever All the Unseen Knower of all and all the Seen heavens and the **€of** all the whole earth. The Ever Most Great, The Ever Most Exalted.

13:10. It is all the same to The Ever Almighty God concerning each and every one of ye Humankind whether any person who speeks secretly or any person who speeks loudly, and whether any person who is hidden by night or walks about freely by day.

13:11. For each and every person of Humankind there are Angels who come in succession before him. The and behind Angels guard him each person of Humankind by the and Command every of The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God does not ever change the condition any people until they change whatever of is hearts Truly whenever The minds. and in their God intends requital punishment Ever Almighty any people, surely there is none to for turn away. Truly Humankind do it not have any protector other than The Ever Almighty God

13:12. The Ever Almighty God is The God Who shows each and every one of ye Humankind the lightning, inspiring fear and hope. Truly The Ever Almighty God originates the heavy clouds.

Truly the thunder Glorifies The Ever Almighty 13:13. with His Praise and the Angels out of the God of The Ever Almighty God. Truly The Ever fear Almighty God sends thunderbolts, and He strikes them whoever He Wills, yet still they dispute with The Ever Almighty God; truly The Ever about Almighty God is severe in assaulting punishment.

13:14. Only to The Ever Almighty God belongs equitable right to be called in Prayer. Truly the gods whom the polytheists call the in prayer other than The Ever Almighty God, those fake gods do not respond to them at all, except just like the person who stretches forth his cupped for the purpose hands towards water to reach his water will not truly the mouth, ever reach mouth; truly the prayer of his the unthankful disbelievers is nothing except in the straying.

13:15. Truly only to The Ever Almighty God prostrates every one who is in all the heavens and the whole earth willingly or unwillingly, and also their shadows in the mornings and in the later afternoons.

13:16. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? must say: "Who is The Eternal Lord and Sustainer whole of all the heavens and the earth?" Thou must say: "The Ever Almighty God!" Thou must say: "Have ye people then taken protecting friends other than The Ever Almighty God, those who do not possess any power to benefit or harm even say: "Is the blind person themselves?" Thou must equal to the person who can see? Or are the light? Or darknesses equal to the have the other gods the polytheists associate with The Ever Almighty God created anything just like His creation; so that the creation looks similar to them?" Thou must say: "The Ever Almighty God is The Creator of Everything; truly The Ever Almighty God The Ever Only One, The Ever All Dominant!" is

13:17. The Ever Almighty God sends down rainwater the heaven, and the valleys flow according to from capacity. Then the stream carries with their it the foam that mounts to the surface. And from that which they heat in the fire in order to make or belongings, out of that there is ornaments а just like it. Just like this The Ever Almighty foam God describes the example of The Whole Truth and as for the foam, surely it disappears untruth. Truly a worthless thing. But as for that which benefits as Humankind, surely it remains in the earth. Just like this The Ever Almighty God describes examples.

13:18. For the people who wholly comply to the of The Eternal Lord and Sustainer summoning call of them will have the good reward. Truly the people who do not comply to the summoning call of The Eternal Lord and Sustainer of them, even if they owned Everything that is in the whole earth entirely and just like of it with it, they would indeed offer it to ransom themselves. people will have the Evil Such Reckoning Account. Surely their Eternal Home will be Hell. Truly Hell is an extremely evil place of residence.

person who knows with certitude 13:19. So is the that (the Ever Supremely Honourable Qur'an) which Miraculously Revealed been to thee 0 has Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of the The Ever The Eternal Lord and Sustainer Almighty God of every one of Entire Universe to Humankind the P.m.b.u.h) from The Eternal Lord Sustainer and of Truth just like thee is The Whole person the has a blind heart? Certainly, only people the who have intelligent hearts will heedfully remember. who

13:20. The Ones who fulfil the Covenant of The Ever Almighty God and they do not break any pledge.

And the who join that 13:21. which ones The Ever Almighty God has Commanded to be joined and they always fear The Eternal Lord of them and and Sustainer they always dread Evil Reckoning Account. the

ones who are steadfastly patiently, the 13:22. And Blessed Delight seeking the All Love and of Eternal Lord Sustainer of The and them. and they equitably perform the Prayer and spend secretly and publicly from whatever We The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe) have provided for them. and the they respond to evil with good. Such people will have the Delightful Eternal Afterlife Home.

13:23. The Everlasting Gardens; they will enter and each and every one who them had been among their fathers from and righteous their spouses and their children. Truly the Angels will come to them from every gate.

13:24. (The Angels will say): "Peace be upon all of ye because ye were steadfastly patient! Surely Delightful is the Eternal Afterlife Home!"

13:25. Truly the people who break the Covenant Ever Almighty God they cut off that Ever The of after making it firm which The and Ever has Almighty God commanded to be joined in evil disorder the earth. and they cause peopl there for such is the and they curse, the Evil Eternal Afterlife will have Home.

13:26. The Ever Almighty God vastly increases any person He Wills and He limits sustenance for truly they proudly rejoice in the life it. of this present Earthly World, truly the life of this prsent Earthly World, compared to the Eternal Afterlife any way except a small benefit. World is not in

Truly the people who have 13:27. unthankfully disbelieved say: "Why has the Miraculous Sign not down to the Messenger from The Eternal sent been of him?" Thou and Sustainer Muhammad! Lord 0 The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, God. The The Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Universe to each and every the Entire of one Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, The Ever Almighty God leaves to stray any person He Wills He guides to Himself each and every person and to Him in repentance and obedience. who turns

people who truly believe 13:28. The and their find peaceful contentment by heedfully hearts The Ever Almighty God. Listen remembering attentively! By heedfully remembering The Ever Almighty God the hearts find peaceful contentment.

The people who truly believe 13:29. and do good actions, for them righteous there is the good supremely delight and the final return Mighty Day of Resurrection Final fon the and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards Eternal and Recompense in the Afterlife World. the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

13:30. Thus We (The Ever Almighty God) have sent thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h³ to the community before which in fact many other communities have for the purpose that thou may away, recite passed Supremely Honourable Qur'an them the Ever to Miraculously Revealed have which We to thee. truly they unthankfully disbelieve in The Ever Most Gracefully Compassionate. Thou must say: "The Ever Most Gracefully Compassionate is The Eternal Lord Sustainer of me! God and There is no except Alone! Ι put Him, Him have my trust in and only to Him is my return all matters!" in

Truly if there 13:31. had been any Qur'an bv mountains could moved which the be or by could be broken which the earth apart or bv dead could be which the made to speak. surely indeed it would be this; the Ever Supremely the Ever Honourable Supremely Glorious and and and the Ever Supremely the Ever Supremely Blessed Miraculous and the Ever Supremely Wise Qur'an). But in fact, the Command for all things belongs only to The Ever Almighty God. Surely have the have truly believed not yet people who realized that if The Ever Almighty God had Willed, He indeed guided each would have and everv one Humankind? Truly some disaster of will continue afflicting the people who have unthankfully disbelieved solely because of the extremely evil actions they committed, or it will descend near their have to Promise Almighty until the of The Ever homes fulfilled. Certainly, The Ever Almighty God God is not ever fail in keeping His Promise. does

13:32. Truly indeed the Messengers were in fact Surely ridiculed even before thee; I (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and Sustainer of Universe? gave the people the Entire who unthankfully disbelieved extra time; thereafter, I seized them. So how severe was My penalty punishment!

13:33. Surely Supremely Great is The Ever Almighty standing over each God, The God Who is always every person of Humankind, always knowing and actions each and every person has whatever ever earned? Yet still they have unjustly associated gods with The Ever Almighty God. Thou fake must say: "Ye must name them! Or do ye inform Almighty God of something He does The Ever know to exist in the whole earth, or are not they untrue words on your part?" But in fact. people who have unthankfully disbelieved, their the iniquitous plotting has been made attractive to them. they have been prevented from the Straight and Path; truly any person The Ever Almighty God leaves to stray, surely there is no guide for him.

(the people who unthankfully Ever Almighty God and His 13:34. For them disbelieve in The Angels and His Books and His Messengers and the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife the requital punishment in World there will the life of this present Earthly World, truly indeed the requital punishment of the Eternal Afterlife World severe. Truly they will not have anyone is more defend them from The Ever Almighty God. to

13:35. The description of the Everlasting Garden been promised to the righteous people which has who fear The Ever Almighty God; the Everlasting rivers flowing beneath it, the food Garden has and of Everlasting Garden are the shade the eternal. This is the Final End of the righteous people God, truly who fear The Ever Almighty the Final the unthankful disbelievers End of is the Hellfire.

13:36. Truly the people to whom We The Ever God, The Gracefullv Almightv Ever Most Compassionate, The Ever Most High, The Ever Most The Ever Living, The Ever Most Mighty, Supremely The Eternal King of Entire Holy. the Universe. and The Eternal Lord and Sustainer The Creator of Everything in the Entire Universe have given the Heavenly Book, they rejoice at this Qur'an which Miraculously Revealed to thee. has been but still among the sects, from there are some who unthankfully deny parts of this Our'an. Thou must say: "I have only been Commanded to always The Ever Almighty God, worship only and I associate anything not ever as must a god invite only towards The Him. Ι with Ever Almighty God, and only to Him is my return!"

way We (The Ever Almighty 13:37. Truly in this Most Gracefully Compassionate, The Ever The God. Most Equitable, The Creator and Ever The Eternal Sustainer of the Entire Universe } Lord and have Miraculously Revealed this Book Qur'an, as the Commandment and the Judgement in the Arabic indeed language. Truly if thou follow their desires after the knowledge that iniquitous has come will not have any protecting friend thou to thee. any defender against The Ever Almighty God. nor

13:38. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Generous, Most Merciful. The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Ever Owner of All Praise, Glory, The The Ever Owner of All Ever A11 of Everything, The Ever All Self-Sufficient Seeing Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The True Light of all the Heavens The Ever Whole Earth. All Knowing the of and Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth. The Ever Owner of the Supreme Greatness. The Ever Owner of Most Good the The Ever Most Supremely Holy, The Ever Names. Encompassing Over Everything, The Ever Present All Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, Lord and The Eternal Sustainer The Eternal of Supremely Honourable Throne, The Ever the Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner of All Honour, The Ever Most Good, The Ever The Ever Most Powerful, Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have in fact sent many Messengers before thee, and We gave them wives and even children; truly it was any way for not in anv Miraculous Sign Messenger bring any to except of The Command Almighty Ever with the God. For every term there is the Written Decree.

13:39. The Ever Almighty God eliminates whatever He Wills and He confirms. Truly in His Providence there is the Mother of the Book.

13:40. Truly whether We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Wise. The Ever Most Equitable. The All Ever Living) show thee a portion of what We have promised them, or We cause thee to die; surely vour responsibility is only to deliver the Message, truly upon Us is to take the Reckoning Account.

13:41. Have they not seen how We (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever the earth diminishing it Wise set upon All in extremities? Truly only The Ever Almighty its God Commands and Judges, there is no who one reverse His Command or Judgement. ever Truly can He is swift in taking the Reckoning Account.

Truly indeed 13:42. the people who were even iniquitous plans, surely them also planned before all planning belongs only to The Ever Almighty God entirely. He always knows very well whatever actions every person ever earns, truly and the each disbelievers will eventually come to unthankful know for whom is the Delightful Eternal Afterlife Home.

the people who Truly have 13:43. unthankfully disbelieved say: "Thou are not the Messenger!" Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe to and each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient as me ye the Witness between and between the unthankful disbelievers, each and every person and the knowledge of the Heavenly Book!" who has

14: Sûrah Chapter Ibrahim Abraham P.m.b.u.h. M.V. 52

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Raa. This is the Book 14:1. Alif, Laam, Our'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Seeing of Everything, The Ever All The Knowing of Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord The Creator and Sustainer of Universe³ and the Entire have Miraculously Revealed thee O Muhammad! to **The** Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God of Humankind P.m.b.u.h? each and every one to that thou may bring each for the purpose and of Humankind out from the every one darknesses Clear Light by the Command the into of The Sustainer of and Eternal Lord and each every of Humankind, to the Straight Path The one of Ever Almighty, The Ever Owner of All Praise.

The Ever Almighty God is 14:2. The God to belongs Everything that is in all Whom the Everything that and is in the whole heavens Truly there will be destruction to the earth! unthankful disbelievers from the severe punishment.

people who prefer loving The the life 14:3. of present Earthly World more than the Eternal this World they prevent people and Afterlife from the of The Ever Almighty Straight Path God. And they seek to make the Straight Path seem crooked. Such people are in the straying far far away.

14:4. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Living, The Eternal King Entire Universe, The Ever Wise. of the All The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) did not send any Messenger except speaking the language of his people, for the purpose Messenger may clearly explain that the to his people. Truly still The Ever Almighty God leaves He Wills and He stray any person to guides person He Wills. Truly The any Ever Almighty Ever Almighty, The Ever All Wise. God is The

14:5. Truly indeed We (The Ever Almighty God) in sent Moses (the Honourable and the Trustworthy fact Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God, The Eternal King of the Entire Ever Universe. The Ever All Wise. The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) with and Our Miraculous Verses, saying: "That thou must bring your people out from the darknesses into the Clear Light and must remind them of thou the Almighty God!" Ever Certainly, of The Days in indeed Miraculous this there are Signs for every person who is steadfastly patient and gives thanks.

14:6. when Moses *€*the Honourable Remember and Truthful Messenger the Trustworthy and the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All "Ye people: Wise P.m.b.u.h said to his must and Blessings of always remember the Favours The Ever Almighty God ye, when awarded upon He saved ye from the people of Pharaoh. They afflicted ve with extremely horrible torment, and they were daughters slaughtering your sons and keeping your alive. Truly that there was mighty trial in a The Eternal Lord test from and Sustainer of ve.

14:7. Remember when The Eternal Lord and Sustainer (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. Eternal King of the Entire Universe, The Ever The Wise, The Ever Most Mighty, The Creator All and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) of ye Humankind proclaimed: "Indeed, if ve Humankind are thankful, indeed I will definitely award ye Humankind more (Favours and Blessings); truly indeed if ye Humankind are unthankful: certainly, My requital punishment is indeed severe!"

{the Honourable Truly Moses 14:8. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said to his people: "If ye unthankfully disbelieve and each and every person who is collectively; for whole earth sure in the The Ever Almighty God is indeed, The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Owner of All Praise!"

14:9. Has the news not reached ye Humankind of the people who were before ye, the of people Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h? and Aad and Thamŭd and the people who came after them? No one knows them except The Ever God. Their Messengers came Almighty to them the Supremely Clear Proofs. But they did put with hands over their mouths and said: "Certainly, their we unthankfully disbelieve in whatever ye the Messenger with, for sure we indeed have been sent are in grave alarming doubt about The Ever Almighty God to whom ye the Messengers are inviting us!"

14:10. Their Messengers (P.m.b.u.t) said: "How can doubtful about The Ever Almighty ve be God. of all the heavens and The Creator the whole earth? The Ever Almighty God invites ye people for purpose that He may forgive ye some of the sins, and He may award ye respite until vour appointed time!" They said: "Ye an are not in any way except human beings just like us! Ye intend to prevent us from the gods our forefathers used to worship. Therefore, ye the Messengers bring the Clear Miraculous Sign of Authority!" us

14:11. Their Messengers said to them: "We are not in any way except human beings just like ye, but The Ever Almighty God awards the Mighty Favour upon any person He Wills from His servants. Truly it is not for us to bring ye any Miraculous Sign of Authority except by the Command of The Ever Almighty God. surely the true believers must always put their trust in The Ever Almighty God.

Truly why should we 14:12. not put our in The Ever Almighty God while He trust indeed guided our straight paths? has us to will definitely steadfastly Truly indeed we be patient against whatever harm all of ye may us, truly those who trust, they must always cause put their trust in The Ever Almighty God!"

14:13. Truly the people who unthankfully disbelieved said to their Messengers: "Indeed, we will definitely banish ye from our land or ye must return to our religion!" Surely The Eternal Lord and Sustainer of the Messengers Miraculously Revealed to them: "Indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Living) will definitely destroy the iniquitous wrongdoers.

14:14. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Mighty will definitely make ye people Most to in the land even after them. This is for settle and every person who fears My Mighty each Supreme Position and fears My Warning!"

14:15. Truly the Messengers sought Judgement and help, surely every obstinate tyrant was brought to a complete destruction (by The Ever Almighty God).

14:16. Ahead of every obstinate tyrant there is Hell. And he will be given a drink of foul water.

14:17. Which every obstinate tyrant will take sip by sip with great difficulty, and he will not be able to swallow it. Truly death will come to him from every side, but he will not die; and ahead of such a person there is the harsh punishment.

The example of the people 14:18. who have disbelieved in The Eternal unthankfully Lord and that their Sustainer of them is actions are just which the wind blows like ashes furiously on stormy day; they do not have any power a good over whatever actions all they have at straying far far earned. This is indeed away.

considered 14:19. Have thou not that The Ever Almighty God has created all the heavens and the whole earth for an equitable purpose? If The Ever Almighty God Wills, He can remove ye Humankind, and He can about any new creation! bring

14:20. Truly this is not in any way difficult for The Ever Almighty God (The Creator of Everything).

14:21. Truly every person of the Human Beings will appear together before The Ever Almighty God. Then the weak people will say to those who had been unthankfully arrogant: "Certainly, we were your followers; therefore, can ye help us at all against the requital punishment of The Ever Almighty God?" They will say: "If The Ever Almighty God had guided us, indeed we would have guided ye. It is all the same for us whether we show anxiety or suffer patienly; there is no place of escape for us!"

Truly the devil Satan will 14:22. say when Everything has been equitably judged: "Certainly, The Ever Almighty God promised ye Humankind the truthful promise, and I too made promises to ye Humankind, surely I broke my promises to ye Humankind. Truly I did not have any power over ye except that I invited ye; so ye the iniquitous wrongdoers complied to my invitation. Therefore, ve must not blame me; but ye must blame yourselves. I cannot help ye and ye cannot help me. Certainly, your association of me with I reject in The Ever Almighty God before!" Certainly, the iniquitous wrongdoers will suffer the painful punishment.

Surely the people who truly believe and 14:23. do righteous good actions, they will be made to enter the Everlasting Gardens beneath which the they will rivers flow: reside in them forever. by the Command of The Eternal Lord and Sustainer of them. Their greeting word therein will be: "Peace!"

14:24. Have thou not considered how The Ever Almighty God describes the example of the good word, it is just like a good tree whose roots are firm and its branches are high in the heaven. 14:25. The good tree brings its fruit at all times by the Command of The Eternal Lord and Sustainer of it. Truly The Ever Almighty God describes examples for each and every one of Humankind for the purpose that they may heedfully remember.

14:26. And the example of an evil word is just like a bad tree, uprooted from the surface of the earth, not having any power to endure.

14:27. Ever Almighty keeps The God firm the people who truly believe, with the firmly rooted life of this present Earthly World word in the and in the Eternal Afterlife World. Truly The Ever (The Ever Most Equitable leaves Almighty God to stray the iniquitous wrongdoers, truly The Ever Almighty God always does whatever He Wills.

considered 14:28. Have thou not the people exchange of the Favours and Blessings who, in The Ever Almighty God they only of offer disbelief they unthankful and lead their own the eternal home of people to ruin?

14:29. It is Hell; the unthankful disbelievers will burn therein, truly Hell is an extremely evil place to stay.

14:30. Truly the unthankful disbelievers have inequitably up equals to The Ever Almighty God, made for people astray from His the purpose to lead Straight Path! Thou O Muhammad! (The Honourable and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the Ever Almighty God to all Humankind of The say: "Ye P.m.b.u.h must the unthankful disbelievers may make use of the beneficial provisions; surely indeed the final destination of ye is the Hellfire!"

14:31. Thou must say to My servants those who have truly believed that they must always equitably perform the Prayer and they must always spend secretly and publicly from whatever We (The Ever Almighty God have provided for them, before the coming of the Day (of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and in Afterlife World, the measured the Eternal extent whereof is Fifty Thousand Years) in which there not be any bargaining nor any befriending. will

14:32. The Ever Almighty God is The God Who all the heavens and the whole has created earth sent down rainwater the heaven, and He from and brought forth thereby many He has fruits as a sustenance for all of ye the Human Beings; and ships to be of service to He has made the ve that Human Beings for the purpose the the ships sail through the by the Command may sea of Ever Almighty God, and He has made rivers The also to be of service to ye the Human Beings.

14:33. And The Ever Almighty God (The Ever Most Merciful) has made the sun and the moon, both constantly orbiting, to be of service all to of the Human Beings, and The Ever Almighty ve made the night and God has also the day to ye the Human be of service to all Beings. of

The Ever Truly Almighty God 14:34. gave ve Beings from Everything the Human ye of asked Truly if ye the Human Him. Beings would Blessings Favours the and of The Ever count be Almighty God, ye will not able to count Certainly, the Human Being is them. indeed an iniquitous wrongdoer and an unthankful disbeliever.

14:35. Remember thou O Muhammad! {The Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) when Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Close Friend of The Ever Almighty God and the P.m.b.u.h "Thou Lord said: The Eternal and Sustainer of me! Thou please make this city Thou please keep me peacefully secure and and away from worshipping fake idol gods. mv Sons

14:36. Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, the fake idol gods have caused many among Humankind go astray. Truly from each to me, surely indeed every person who follows and Truly each he is along with me. and everv me, surely indeed Thou disobeys person who are The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

14:37. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! my offspring in Certainly, I have settled some of valley close to Your Sacred House, barren a The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou For the purpose that they may equitably perform the Prayer. Therefore, Thou please cause the hearts from among Humankind to towards them and turn please provide for Thou them from the fruits for the purpose that they may become thankful.

14:38. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! always know Certainly. Thou very well Everything one of us Humankind ever each and every conceal nothing Everything we ever reveal. Truly and at hidden from The Ever Almightv all is ever God whole earth in the nor in the heaven.

14:39. All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The God Who has awarded me in old age Ishmael and Isaac (the Honourable and the the Truthful Prophets of The Ever Trustworthy and Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.t. Certainly, Eternal Lord The and Sustainer of me indeed The Ever All Hearer of every Prayer. is

14:40. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of Thou please help me to the me! be one who equitably performs the Prayer, also and from among my Children, Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! And Thou please accept my Prayer.

14:41. Thou The Eternal Lord Sustainer and of Thou please forgive us! me and my parents all the true believers on the Dav when and Reckoning Account will pass!" the come to

14:42. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must not ever think that The Ever Almighty God is unaware of the evil actions the iniquitous wrongdoers are committing; The Ever Almighty God only gives the iniquitous wrongdoers respite until the Day when the eyesight will stare in terror.

The iniquitous wrongdoers will be 14:43. hastening forward with their heads raised up, their gaze not returning towards them, and their hearts will be void (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

14:44. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every one of Human Beings P.m.b.u.h) must each the warn and of Humankind of the Dav when the everv one punishment will requital come them: then the to "Thou people who committed iniquity will say: The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please give just a little more time; we will wholly comply us and we will Your summoning call to follow the Messengers!" (It will be announced }: "Were the ve iniquitous wrongdoers not the who used ones to swear in the past that your power will not end?

14:45. Truly ye the iniquitous wrongdoers lived in the dwellings of the people who committed iniquity themselves, and it had become supremely clear to to ye how We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate, Most The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe³ with dealt them, truly We described many examples for ve!"

Truly indeed the iniquitous wrongdoers 14:46. plan, truly their plan fully was planned a The Ever Almighty God. if known to even their plan had been able to move mountains.

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 14:47. Trustworthy and the Truthful Messenger and the and The Ever Almighty God to Prophet of each and of the Human Beings P.m.b.u.h must every one that The Ever Almighty God think will not ever fail to keep His Promise to His Messengers. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Almightv. The Ever Supremely Powerful to take Vengeance.

14:48. On the Day (Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Afterlife World, the measured extent whereof Eternal is Fifty Thousand Years) when the wh will be replaced by another earth the whole earth and the likewise, and every one of the heavens Human appear before The Ever Almighty Beings will God. The Ever Only One, The Ever All Dominant.

14:49. Truly on that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) thou will see the iniquitous criminals bound together in chains,

14:50. Their garments will be of pitch; and their faces will be covered by the Hellfire.

14:51. For the purpose The Ever Almighty that The Ever Most Gracerfully Compassionate, God The Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord and and Sustainer of Creator Entire Universe, may requite each and the everv person of the Human Beings according to whatever earned. Certainly, The Ever Almighty God actions he swift in taking the Reckoning Account. is

14:52. This Book Qur'an is the Message for each of Humankind, for the purpose every and one of Humankind every that each and one may this Book Qur'an, by and for be warned the purpose that each and every one of Humankind may come know with certitude to that The Ever Almighty God is The Ever One God. the purpose that those Humankind who for and the intelligent hearts may heedfully remember. have

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything. 2:21. ye each and every one of Humankind! 0 Ye always worship The Eternal Lord and must of ye, The God Who Sustainer has all created of ve and all the people who were ever before all of ve. for the purpose ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

made 2:22. The God Who has the earth the vast Humankind and the sky the floor ve for roof. down rainwater from sky, He and sent the and brought forth thereby many He fruits has as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to not ever The Ever must Almighty God while ye have the knowledge.

Truly if any one of ye Humankind 2:23. are in doubt about the Ever Supremely Honourable Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful. The Ever Most Most Kind, High, Ever The The All Praise, Ever Most Mighty, The Ever Owner of The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe} have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must Sûrah Chapter just like of this produce one Book and ye may call upon your helpers Our'an. other than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

2:24. But if ye Humankind cannot do this, truly ye Humankind will not ever be do this, then able to Humankind must protect yourselves against ve the Hellfire whose fuel is Humankind and stones. which prepared for the unthankful has been disbelievers.

2:25. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? announce the good true news to the people must believe and do righteous good actions: who truly certainly, they will have the Everlasting Gardens with rivers flowing beneath them. Whenever they will provided any fruit from the Everlasting Gardens be the sustenance, they will say: "This is as what were provided with before!" Truly they will we given things in resemblance. And they will be have therein spouses of perfect purity, and they will remain in the Everlasting Gardens forever.

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h) to each "O ye each and every one of must say: Humankind! Certainly, I am the Messenger of The Ever Almighty God to each and every one of ye. God to Whom belongs the He is The Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. There is no God except Him Alone. He Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly believe in The Ever Almighty God His and Messenger; the Prophet who cannot read nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose that ye may become the people who follow the Heavenly Guidance. the

15: Sûrah Chapter Al-Hijr The Rocky Tract M.V. 99

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

the Miraculous 15:1. Alif. Laam, Raa. These are of the Book and the Ever Supremely Clear Verses The Ever Supremely Honourable and Our'an the and Supremely Glorious the Supremely Ever Ever the Ever Supremely Blessed and and the Mighty Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremelv the Ever Supremely Clear Qur'an, and Wise the and the Wise Reminder Message Statement and Proof and the Miraculous the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful of the Human Beings). and every one each to

15:2. The people who unthankfully disbelieve will dearly desire that they had been Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God).

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 15:3. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to of each and every the Human Beings P.m.b.u.h) of must leave one disbelievers to the unthankful eat and enjoy the beneficial provisions and let their deceitful hopes keep them diverted; they will eventually come to know!

15:4. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Ever Living) did not destroy any city except that truly for it there was a well-known Decree in the Book.

15:5. No community can ever precede its appointed time, nor can they ever remain thereafter.

15:6. Truly the unthankful disbelievers say: "Thou the person upon whom the Wise Reminder has been Miraculously Revealed! Certainly, thou are indeed mad!

15:7. Why do thou not bring the Angels to us if thou are one of the truthful?"

15:8. We (The Ever Almighty God) do not ever send the Angels except with the equitable purpose, truly then they would not be granted any reprieve!

15:9. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything) have Miraculously Revealed this Wise Reminder; for sure We will indeed be The Ever Protecting Guardian of this Wise Reminder.

15:10. For sure We (The Ever Almighty God indeed Messengers even before thee O Muhammad! sent Trustworthy (The Honourable and the the and Prophet Truthful and of The Messenger Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) among the sects of the previous people.

15:11. Truly there did not ever come to them any Messenger but they ridiculed every Messenger.

15:12. Thus We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) let unthankful disbelief creep into the hearts of the iniquitous criminals.

The iniquitous criminals will 15:13. believe not this Book Qur'an, truly indeed the example in previous people has already gone of forth. the

15:14. Truly if We (The Ever Almighty God, Gracefully Compassionate opened Ever Most The iniquitous criminals a gateway the into the to and they continued therein heaven to ascend.

15:15. The iniquitous criminals would indeed say: "It only our sight that has been is dazzled. But fact, we are the people affected by magic!" in

15:16. For sure We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have in fact placed in the heaven great stars, and We have beautified it for the observers.

15:17. And We (The Ever Almighty God) have protected the heaven from every accursed devil.

15:18. Except the accursed devil who hears stealthily, then he is pursued by the clear burning flame.

15:19. Truly the earth, We (The Ever Almighty God) have spread it out, and We have placed therein firmly set mountains and We have caused to grow therein Everything according to a well-balanced measure.

15:20. Truly We (The Ever Almighty God) have provided for each and every one of ye the Human Beings in the earth means of living, and also for all those for whom ye are not providers.

15:21. Truly there is not a single thing, but We Ever Almighty God have its treasure (The stores in Providence. and We Our do not ever send anv down except according to a well-defined measure.

15:22. Truly We (The Ever Almighty God) send the winds that fill the clouds with water, then We send down rainwater from the heaven and We give it to all of ye the Human Beings to drink. Truly ye do not have the ability to store it.

15:23. For sure it is indeed We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) who give life and We cause death, truly We are The Inheritor.

15:24. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Living) in fact know very well all the previous generations from among all of ye the Human Beings, and indeed, We in fact know very well all the generations who will come to pass.

15:25. Truly The Eternal Lord and Sustainer of The Who will gather each thee is God and of the Human Beings together (on the every one Day of Resurrection Final Mighty and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife extent whereof World, the measured is Fifty Thousand Years). Certainly, The Ever Almighty God The Ever All Wise, The Ever All Knowing. is

15:26. Truly indeeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have in fact created the Human Being out of the clay from an altered dark mud.

the Jinn-kind We (The Ever Almighty 15:27. And The Merciful, The Ever Most Ever All God. Wise. Eternal King The of the Entire Universe, Lord and Sustainer of The Eternal the Entire Universe) created before, from the smokeless fire.

15:28. Remember when The Eternal Lord and Sustainer of thee said to the Angels: "Certainly, I am going to create the human being out of the clay from an altered dark mud.

15:29. Surely when I have formed the Human Being completely and I have breathed into him from My Spirit, then ye the Angels must fall down prostrating for him!"

15:30. Surely each and every one of the Angels prostrated, all of them together,

15:31. But not Iblees; Iblees refused to prostrate along with those Angels who prostrated.

15:32. The Ever Almighty God said: "Thou O Iblees! What is your motive for not being with those Angels who have prostrated?"

15:33. Iblees said: "I am not going to prostrate for the human being whom Thou have created out of the clay from an altered dark mud!"

15:34. The Ever Almighty God said: "Then thou get out from here; surely indeed thou are cursed,

15:35. Truly indeed the curse will be upon thee until the Day of Judgement and Requitals!"

15:36. Iblees said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Then Thou please give me respite until the Day all of them will be resurrected!"

15:37. The Ever Almighty God said: "Surely indeed thou are one of those given respite,

15:38. Until the Day the time of which is well known: (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

said: "Thou The 15:39. Iblees Eternal Lord and have of me! Because Sustainer Thou made me I will indeed make evil actions go astray. all the Human Beings in the earth, attractive to indeed lead and I will of them all astrav.

15:40. Except the servants of Thee from among them, those who are the faithfully truthful!"

15:41. The Ever Almighty God said: "This is the Straight Path that will lead to Me.

15:42. Certainly, thou will not have any power over any of My servants, except those who follow thee from among the deviant straying people.

15:43. For sure the Hell is indeed the promised place for all the deviant straying people.

15:44. The Hell has seven gates, for each and every gate of Hell there a fixed portion of the deviant straying people!"

15:45. Certainly, the righteous people who fear The Ever Almighty God, they will be in the Everlasting Gardens and water springs.

15:46. (It will be announced to them): "Ye the righteous people who feared The Ever Almighty God may enter them in peace and security!"

15:47. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) will remove from their hearts whatever resentment they had, they will be true brothers, on thrones facing each other.

15:48. They will not be touched by any tiredness in the Everlasting Gardens, nor will they ever be expelled from the Everlasting Gardens.

15:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must inform My servants that certainly, I am The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful,

5:50. And that certainly My requital punishment is indeed the painful punishment.

15:51. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe each to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must inform each and every one of the Human Beings about the Honoured Angel Guests of Abraham (P.m.b.u.t).

15:52. When the Honoured Angel Guests came to him and said: "Peace!" Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and the Close The Ever Prophet and Friend of Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h? said: "Certainly, we are feeling somewhat afraid of ye!"

15:53. The Honoured Angel Guests said: "Thou must not be afraid! Certainly, we give thee the good true news of a Son having great knowledge!"

Abraham (the Honourable and the Trustworthy 15:54. Truthful Messenger and Prophet and and the the Friend of The Ever Almighty God, Close The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "Ye are giving me the good true old time when age news at a has overtaken giving?" So what good true me? news are ve

said: "We Honoured Angel Guests 15:55. The have given thee the good news in Truth: therefore thou not ever one of those must be who despair of the Mercy of The Ever Almighty God!"

Abraham (the Honourable and the Trustworthy 15:56. Truthful Messenger and Prophet and the and the of The Ever Close Almighty God, Friend The Ever All Wise P.m.b.u.h) said: "Truly who despairs Mercy of The Eternal Lord and Sustainer of the astrav?" of him except those who have gone

15:57. Abraham (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet and the and and the Close Friend of The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassionate, The The Ever Ever Most Merciful P.m.b.u.h said: "Then what is vour ye the Messengers (P.m.b.u.t)?" assignment, 0

15:58. The Honoured Angel Guests said: "We have been sent to the iniquitous criminal people,

15:59. Except the family of Lot (P.m.b.u.h). Certainly, we will indeed save all of them together,

15:60. Except his wife, of whom We have decreed that certainly, she will indeed be one of those who remain behind!"

15:61. Surely when the Honoured Angel Messengers came to the Family of Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h);

15:62. Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) said: "Certainly, ye are people unknown!"

Honourable Angel Messengers 15:63. The said: "But to thee with the have come requital we punishment about which they have been doubting:

15:64. And we have come to thee with the Whole Truth; for sure we are indeed the truthful.

Therefore thou 15:65. must off with set your Family during a portion of the night, and thou behind them, walk and anyone of must ye back, of ye not look and all must keep on where all of ye are commanded!" going

And We (The Ever Almighty God, The Ever 15:66. Most Gracefully Compassionate, The Ever Most The Ever Most Equitable conveyed Merciful. to Trustworthy (the Honourable and the and the Lot The Truthful Messenger and Prophet of Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The Ever Equitable P.m.b.u.h³ this Command, that the Most of these iniquitous criminal last remnant people eliminated in the early morning. will be

15:67. Truly the iniquitous criminal people of the city came rejoicing.

15:68. Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Certainly, these are my Guests; therefore ye people must not put me to shame.

15:69. Truly ye people must always fear The Ever Almighty God, and ye must not disgrace me!"

15:70. The iniquitous criminal people said: "Have we not prohibited thee from all the worlds?"

15:71. Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator of Everything in the Universe P.m.b.u.h) said: "These are my daughters, if ye would be the doers (of lawful marriage)!"

15:72. Indeed by the Oath of your life thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God, The Creator of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h), certainly, they were indeed wandering blindly in their intoxication.

15:73. Surely the mighty roaring blast seized the iniquitous criminal people at sunrise,

15:74. Surely We (The Ever Almighty God, The Equitable, The Ever Most Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? turned the cities €of Sodom and Gomorrah) completely upside down and We rained upon them stones of hard clay.

15:75. Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs for those people who discern.

15:76. Truly indeed those cities (of Sodom and Gomorrah) are indeed on an established road.

15:77. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign for the true believers.

15:78. For sure the residents of the forest were indeed the iniquitous wrongdoers,15:79. Surely We (The Ever Almighty God) took vengeance from them; for sure both of them cities are indeed on the clear highway.

15:80. For sure the residents of the Rocky Tract indeed unthankfully denied the Messengers.

15:81. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) gave them Our Miraculous Verses, but they turned away from them.

15:82. And they used to carve out houses from the mountains, feeling secure.

15:83. Surely the mighty roaring blast seized them in the early morning,

15:84. Surely whatever the residents of the Rocky tract gained did not benefit them at all.

15:85. Truly We have not created all the heavens and the earth and Everything that is between them except for the equitable purpose. Truly indeed the Final Time is indeed coming, therefore thou must overlook their faults with gracious overlooking.

15:86. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is indeed The Ever Supreme Creator, The Ever All Knowing (of Everything Everywhere).

Truly indeed, We (The Ever Almighty 15:87. God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The King The Eternal Merciful, Most of the Entire The Eternal Lord Sustainer of Universe, and the Entire Universe have in fact given thee 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet the of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) seven of the often recited Miraculous Verses and the Ever Supremely Mighty Our'an.

15:88. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God, The of The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must not ever extend your eyes toward whatever beneficial provisions We have given to some classes of the unthankful disbelievers. and thou must not ever Truly thou must grieve over them. always lower your wings of mercy over the true believers!

15:89. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, I am indeed the Clear Constant Warner!"

15:90. Just like We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable) have Miraculously Revealed upon the people who divide;

15:91. The ones who have made the Qur'an into parts (following some parts of the Qur'an and rejecting other parts of the Qur'an).

Surely by the Oath of 15:92. The Eternal Lord Sustainer of thee, indeed We will definitely and question each and every them,

15:93. About whatever actions they ever did.

15:94. Surely thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of Humankind P.m.b.u.h must every one proclaim openly Everything thou have been Commanded, and thou must turn away from the polytheists.

15:95. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) are The Ever All Sufficient for the against the people who ridicule the Message.

15:96. The people who make along with The Ever Almighty God any other god. Surely they will eventually come to know the truth.

For sure We (The Ever Almighty 15:97. God. The All Wise) in fact know Ever very well that weighed down by what your heart is they say.

Surely thou must Glorify with the Praise 15:98. Eternal Lord Sustainer and of The of thee. and always of those thou must be who prostrate.

worship only The 15:99. thou And must Eternal Sustainer of thee. until Lord and there comes thee the certainty (the inevitable death). to

16: Sûrah Chapter An-Nahl The Bee M.V. 128

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

16:1. The Command of The Ever Almighty God is Humankind not coming, surely ye must seek to hasten it. All Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God! Truly He is Supremely far above from all whatever gods Exalted the polytheists ever associate with The Ever Almighty God.

God Ever Almighty sends 16:2. The down the Angels, with the Spiritual Revelation of His Command, upon any person He Wills from among His servants, saying: "All of ye must warn that there is no Me; surely each and every one God except of ye the Human Beings must always fear only Me!"

16:3. The Ever Almighty God has created all the the whole earth for equitable and the heavens purpose. The Ever Almighty God is Supremely Exalted above from whatever gods all the polytheists far associate with The Ever Almighty God. ever

Ever Almighty God 16:4. The has created the Human Being from the biological cell; despite that become the challenger Human Being has clear the The Ever Almighty God, The **€to** Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

And The Ever Almighty God 16:5. has created is the livestock there the livestock. In warmth for all of ye the Human Beings and numerous them ye eat. benefits. and some of

16:6. Truly for ye the Human Beings there is beauty in the livestock when ye bring them home to rest and when ye lead them out to pasture.

16:7. And the livestock carry your loads to lands ye the Human beings could not have reached except with great hardship. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of ye the Human Beings is indeed, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful.

16:8. And the horses and the mules and the donkeys for the purpose that ye the Human Beings may ride upon them, and as an adornment. Truly The Ever Almighty God creates other things of which ye the Human Beings do not have any knowledge.

16:9. Truly upon The Ever Almighty God is the responsibility to direct to the Straight Path, truly other paths lead astray. Truly if The Ever Almighty God had Willed, He could guided have each every one of ye the Human Beings together. and

16:10. The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) is The God Who sends down rainwater from the heaven; for ye the Human Beings there is drink from the rainwater, and from it there is foliage in which ye pasture livestock.

Ever Almighty God causes 16:11. The to grow for ye the human beings by the the rainwater olives and palm crops and trees and grape every kind of fruit. Certainly, and vines in there indeed the Miraculous is for these Sign the people who think deeply to be equitable.

Truly The Ever Almighty God (The 16:12. Ever Gracerfully Compassionate, The Ever Most Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King The Eternal of the Entire Universe, The Creator and Sustainer of Entire Universe Lord and the has made to be of service to all of ye the Human Beings the night and the day and the sun all the moon, and the stars and are always wholly obedient to His Command. Certainly, in are indeed the Miraculous Signs these there for the people who use their intellect to be equitable.

16:13. And also the things of varying colours The Ever Almighty God has created for all of ve the Human Beings on the earth. Certainly. indeed the these there is Miraculous Sign for in the people who heedfully remember.

Truly The Ever Almighty God is The God 16:14. of service has made to be the for Who sea that ye the Human Beings the purpose mav eat from it fresh meat and to extract from it jewellery which ye the Human Beings wear. Truly the ships cutting through the thou see waves of sea, truly for the purpose that ye the the from the Human Beings may seek Grace of Ever Almighty God; and for The the purpose that ye the Human Beings may give thanks.

16:15. Truly The Ever Almighty God has fixed into the earth firm mountains, to prevent the earth quaking with ye the Human Beings, and made therein rivers and broad paths, for the purpose that ye the Human Beings may guide yourselves;

16:16. And there are landmarks. Truly by the stars the Human Beings guide themselves.

So is The Ever Almighty God (The Ever 16:17. Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most The Ever Most Forgiving, The Ever Merciful. Most The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, High. and Sustainer of The Eternal Lord the Entire Universe³ Who has created Everything just like fake god who cannot create anything at all? Despite that Beings not heedfully remember? will ve the Human

16:18. Truly if ye the Human Beings would count Favours and Blessings of The Ever Almighty the God, will not be able count them. ve to Certainly, The Ever Almighty God is indeed, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

16:19. Truly The Ever Almighty God always knows very well Everything each and every one of ye the Human Beings ever conceal and Everything each and every one of ye the Human Beings ever reveal.

gods the polytheists 16:20. Truly the call in other than The Ever Almighty God, prayer gods cannot anything those fake create at all. truly they themselves have been created.

16:21. The fake gods are dead, not alive, truly they do not perceive when they will be resurrected.

16:22. The True God of each and every one of ye the Human Beings is The Ever One God, Surely the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World, their hearts are unthankfully denying, and they are unthankfully arrogant.

There is no doubt that The Ever Almighty 16:23. The Ever All Wise, The Eternal King of God the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe always and Lord knows very well Everything and each every one of the Human Beings ever conceal and and every Everything each of the Human one Beings ever reveal. Certainly, The Ever Almighty God does not love the unthankful arrogant people.

Truly when it is said 16:24. to the unthankful "What has The people: Eternal Lord arrogant ye has Miraculously Sustainer of Revealed?" and They say: "The stories of the previous people!"

Surely the unthankful arrogant people 16:25. will carry their own burdens of iniquity in full on the and Judgement Day of Resurrection and some of of iniquity of the people whom they burdens the astray without any knowledge. Listen attentively! lead is an extremely evil burdens they will carry. That

people who were before 16:26. Indeed. the them plotted evil, but The Ever Almighty God also very foundations whatever the of struck they built, therefore the roof fell upon down them. truly the requital punishment came to the unthankful disbelievers from directions they did not perceive.

the Day of Resurrection 16:27. Then on and Almighty God Judgement The Ever will disgrace the say: "Where and He will unthankful disbelievers are My so-called partners on whose account ye used to given the Heavenly oppose?" The people who were knowledge will say: "Certainly on this Day, disgrace upon the unthankful disbelievers!" and evil are

16:28. The people whom the Angels take in death while they are committing iniquity to themselves, surely they offer total submission: "We were not committing any evil actions!" Yes ye were! Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of each and every action all of ye ever did.

16:29. Therefore, ye iniquitous wrongdoers must enter the gates of Hell to reside therein forever, surely indeed the eternal place of residence is extremely evil for the unthankful arrogant people!

Truly when it is said to 16:30. the righteous people The Ever Almighty God: "What who fear has The Eternal Lord and Sustainer of has ye Miraculously Revealed?" They say: "All that is good!" There is good reward in this present Earthly World for the people who do righteous good actions; truly the Eternal Home of the Eternal Afterlife World is supremely better. Truly indeed, the Eternal Home of the righteous people who fear The Ever Almighty God is supremely delightful.

16:31. The Everlasting Gardens which they will They will beneath which rivers flow. enter, have therein Everything they desire. Just like this The Ever Almighty God rewards the righteous people The Ever Almighty God (The Eternal fear who King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

16:32. The people whom the Angels take in death while they are good and pure. The Angels will say: "Peace be upon ye! All of ye must enter the Everlasting Garden solely because of the righteous good actions ye have done!"

The unthankful disbelievers 16:33. are not waiting any way except that the Angels in should come there them comes the Command of The to or Sustainer of thee? Eternal Lord and Just like this people before them Truly The behaved. the Ever Almighty God did not commit any iniquity to themselves. they committed iniquity them. but to

Surely they with 16:34. were afflicted the evil consequences of the evil actions they committed, completely overwhelmed bv thev were trulv the they used to requital punishment ridicule.

associate the people who 16:35. Truly others as The Ever Almighty God sav: "If gods with The Almighty God had Willed, Ever we would not The worshipped anything other than have Ever Almighty God, neither we our forefathers. and nor not have prohibited anything without would His we this Command!" Just like the polytheists before them behaved. Surely there is responsibility upon the no the Message Messengers except to convey clearly.

Truly indeed We The Ever Almighty 16:36. God. King of the Entire Universe, The Eternal The The Eternal Lord and Sustainer of and the Creator Universe? in fact sent each Entire into and every saying: "All of ye community the Messenger, must worship only The Ever Almighty alwavs God and always keep away from all of ye must every fake from among them there people god. Then were Almighty God from Ever guided. whom The and were people upon whom among them there going equitably proved. Surely ye Humankind astray was travel in the earth. then must ve must observe unthankful was the Final End of the deniers. how

16:37. If thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and of The Ever Almighty God Prophet to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) dearly desire for guidance. surely indeed The their Ever Almighty God does not guide any person He leaves to people will not have any such truly helpers. stray,

16:38. Truly the unthankful disbelievers swear by The Ever Almighty God their strongest oaths that The Ever Almighty God will not raise to life any person who dies. Certainly He will! It is the true Promise binding upon The Ever Almighty God, but most of Humankind not have the Heavenly Knowledge. do

the purpose that The 16:39. For Ever Almighty God make clear to them concerning that may differing, they were and for the wherein purpose unthankfully disbelieved who people that the may know that they were untruthful. come to

Certainly, Our Command for anything whenever 16:40. Ever Almighty The Ever We (The God, Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Equitable, The Eternal King of the The Eternal Lord Entire Universe. and Sustainer of Universe) intend to Entire do it. is the only that We say to it: "Be!" Surely it is always done.

16:41. who Truly the people emigrated in the Path of The Ever Almighty Straight God even iniquity had committed after been to them. We them settle will indeed in this present Earthly good Truly indeed position. World in a the good in the Eternal Afterlife World supremely is reward if only they had Heavenly Knowledge. greater,

16:42. They are the ones who always remain steadfastly patient and they put their trust in The Eternal Lord and Sustainer of them.

16:43. Truly We (The Ever Almighty God) did not Muhammad! (The Honourable before thee 0 send and the Trustworthy the Truthful and Messenger The Ever Almighty God to each Prophet of and of and every one the Human Beings P.m.b.u.hMessengers to whom except the We Men as Miraculousley Revealed. Surely ve people mav ask who read and follow The Wise Reminder, those if ye people do not have the knowledge.

16:44. We the Messengers with sent the Clear and the Scriptures. Truly We (The Miraculous Proofs The Ever Almighty God, Ever Most Gracerfullv Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal Lord and the Entire Universe) have Miraculously Sustainer of thee Wise Reminder the for Revealed the to explain clearly to purpose that thou may each and of Humankind whatsoever has been every one Miraculously Revealed to them, and for the purpose Humankind may think deeply to be equitable. that

16:45. Surely do the people who have planned secure that The Ever evil actions feel Almighty will earth God not cause the to swallow them. requital punishment will the or that not come them from directions they do not perceive? upon

16:46. Or that The Ever Almighty God would seize them during their usual activity, then they will not be able to protect themselves?

that The Ever Almighty God may 16:47. Or gradually. For sure The Eternal seize them Lord Sustainer of each and every one of and ve Human Beings is indeed The the Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful.

16:48. Have the Human Beings not considered the things that The Ever Almighty other God has Their shadows the created? move to right and the left, prostrating to The Ever Almighty to God while they are humble.

16:49. Truly to The Ever Almighty God prostrates Everything that is in all the heavens and Everything in the from that is whole earth among the creatures, and Angels; all the truly they are not ever unthankfully arrogant.

16:50. All of them always fear The Eternal Lord and Sustainer of them, above them, and they always do whatever they are Commanded (by The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable).

16:51. Truly The Ever Almighty God has said: "Each one of ye the Human Beings and every take for worship gods. not ever two must Certainly, The Ever Almighty God is The Ever God. Surely each One and every one of ve the Human Beings must always fear only Me!"

16:52. Truly only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and the whole earth. Truly only to The Ever Almighty God belongs the equitable right to be obeyed and worshipped. Despite that will ye the Human Beings fear anyone other than The Ever Almighty God?

16:53. Truly whatever of the Favours and Blessings each and every one of ye the Human Beings ever have, surely are from The Ever Almighty God. Thereafter, whenever adversity afflicts ye, surely only to The Ever Almighty God ye cry for help.

Thereafter when 16:54. The Ever Almighty God from removes the adversity ve the Human Beings, immediately a party from among ye the associating fake gods Beings starts Human with and Sustainer of them. Eternal Lord The

16:55. So that they may unthankfully disbelieve in whatever Favours and Blessings We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The The Ever Owner of Ever Owner of All Praise, All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The All Knowing of Everything, The Ever Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal King Entire Universe, The of the Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have given them. may beneficial enjoy the Surely ye provisions, surely ye will eventually come to know the Truth.

Truly the polytheists assign 16:56. their fake to which they do about not have gods any true knowledge, a portion out of whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Merciful} Most have By The Ever Almighty provided for them. God! polytheists will definitely ye Indeed the be questioned about whatever ye have unjustly invented.

polytheists unjustly the attribute 16:57. And to Almighty God daughters, Ever all The Glory Complete Holiness is only to with The Ever Almighty God, and to themselves they desire sons.

16:58. Truly when one of the polytheist is given the news of a baby girl, his face becomes dark and he suppresses grief.

16:59. He hides himself from the people because of the bad news announced to him. Should he keep the female child in humiliation or bury her in the ground? Listen attentively! The judgement they make is evil.

16:60. For the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World, there is an evil description; truly for The Ever Almighty God, there is the ever most high and good description. Truly The Ever Almighty is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

16:61. Truly if The Ever Almighty God were to equitably punish each and every one of Humankind their iniquity, The Ever Almighty for God would have left upon any living the earth not person, He defers Humankind until appointed time. but an Surely when their appointed time comes, they cannot bring it forward. delay a moment nor can they

Truly the unthankful disbelievers 16:62. unjustly attribute to The Ever Almighty God that which tongues their they dislike. and assert untruth all that is good. There they will have that is any way that doubt they will have in no and they will be abandoned. the Hellfire.

16:63. By The Ever Almighty God! Indeed We (The Ever Almighty God in fact sent Messengers to communities even before thee, surely the devil other beautified their extremely evil actions Satan to them. Surely the devil Satan is their deceitful friend truly they will suffer the painful punishment. today,

Truly We (The Ever Almighty God, 16:64. The Merciful, The Ever High, Most Ever Most The Most Mighty, The Eternal King of Ever the Entire The Creator and The Eternal Lord Universe. and Sustainer of the Entire Universe) have not Miraculously Revealed to thee this Book Qur'an except for thou may explain clearly purpopse that to the that wherein Humankind, they have differed, truly Our'an is the Heavenly Guidance this Book and Mercy for the people who truly believe. the

16:65. Truly The Ever Almighty God has sent down the heaven, then by the from rainwater rainwater given life the earth He has to after its death. in this there is indeed the Miraculous Certainly. the people who listen attentively. Sign for

livestock there 16:66. For sure in the is indeed for Lesson and the Miraculous each every one Human Beings. We (The Ever Almighty of the God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Merciful, The Ever Most Ever Most Generous} ye the beings give Human to drink from the contents of their bellies, between waste and matter blood, totally pure milk, delicious to the drinkers.

the fruits the palm 16:67. Truly from of trees the ye Beings Human grapes take and sweet good Certainly, iuice and sustenance. in this Miraculous Sign indeed there is the for the their intellect be equitable. people who use to

16:68. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee inspired to the Bee, saying: "Make for yourselves houses from among the mountains and from among the trees and of that which Humankind construct.

16:69. Thereafter feed from all the fruits and follow the paths of The Eternal Lord and Sustainer of thee which has been made easy thee!" There emerges from the bellies for of bees a sweet drink of varying colours, in the which there is healing for Humankind. Certainly. indeed the Miraculous Sign in this there is for the people who think deeply to be equitable.

16:70. Truly The Ever Almighty God has created and every one of ye the Human Beings; each thereafter He will cause all of ye to die. Truly among ye there is the person who from will to the most decrepit old age, be turned so that know anything he will not after having had knowledge. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever Supremely Powerful.

16:71. Truly The Ever Almighty God has favoured of ye the Human Beings over others in some sustenance. Surely the ones who have been favoured hand over their sustenance would to their not that they would become equal slaves SO to therein. Despite that do they reject them the Favours and Blessings of The Ever Almighty God?

16:72. Truly The Ever Almighty God (The Ever Merciful, The Eternal King of the Entire Most The Eternal Lord and Sustainer Universe. of the Entire Universe) has created for ye the Human Beings from yourselves spouses and He has created for ye the Human Beings from your spouses sons and grandsons, and He has provided ye sustenance from the good things. Despite that do they believe untruth and they unthankfully disbelieve in the in Favours and Blessings of The Ever Almighty God?

16:73. Truly the polytheists worship besides The Almighty God, other fake gods who Ever do possess any power to provide them not from the heavens and the earth sustenance all, nor do the fake gods have the ability. at

16:74. Surely each and every one of ye Humankind must not ever describe any examples for The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God always knows Everything, truly ye Humankind do not know.

16:75. The Ever Almighty God describes an example: "There is a slave who is controlled by his master, he does not have any power over anything, and the person to whom We have provided there is from Us good sustenance, so he spends from the good sustenance secretly and publicly. Can they be equal? All the Praise belongs considered only to Ever Almighty God! But most of Humankind The have the Heavenly knowledge (of do not the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of Almighty God, The Ever Most Gracefully The Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

16:76. And The Ever Almighty God (The Ever All The Eternal King of the Entire Universe, Wise. Creator and The Eternal Lord and Sustainer of The the Entire Universe describes of two an example men, one of them is dumb, he does not have power over anything, and he is a burden to any his guardian. Whatever task his guardian directs him to, he achieves nothing good. Can he be considered equal to the person who commands people to be equitable, while he is on the Straight Path?

16:77. Truly only to The Ever Almighty God belongs all the Unseen of all the heavens and Truly the Command for the whole earth. the Final Time (the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife the whereof World. measured extent is Fifty Years) is not in any way except just Thousand blink of the eye, or even quicker. like the Certainly, Ever Almighty God always has The the supremely powerful ability to do Everything.

Truly The Ever Almighty God (The Ever All 16:78. King of the Entire Universe, Eternal Wise. The The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) has brought each and every one of ye Humankind out from the wombs of vour mothers while ve Humankind did not have knowledge of anything. Truly The Ever Almighty any for ye Humankind, the hearing God has made the eyesight and the understanding hearts, for and the purpose that ye Humankind may give thanks.

16:79. Do Humankind not see the birds controlled the atmosphere of the heaven? None holds in except The Ever Almighty them God. up this indeed Miraculous Certainly, in there are Signs for the people who truly believe.

Truly The Ever Almighty God 16:80. has made ye Humankind from your homes for a place of and He has made for ye from the skins of rest which ye find so light animals tents the on your and your day of encampment; of travel and day from their wool and their fur and their hair there furnishings and beneficial goods for a time. are

16:81. Truly The Ever Almighty God has made for ve Humankind from the things He has created, shades, and He has made for ye Humankind places of shelter in the mountains, and He has made for ye Humankind garments which protect ye from the and garments which protect ye during your heat. Ever Almighty God Just like this battles. The His Favours and Blessings completes upon ve Humankind for the purpose that each and every ye Humankind may submit of one yourselves follow the All Blessed Will all ∳to and the Commandments of The Ever Almighty God).

16:82. Truly if they turn away, surely there is no responsibility upon thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) except to convey the Message Clearly.

16:83. They recognise the Favours and Blessings of The Ever Almighty God; thereafter they unthankfully deny the Favours and Blessings. Truly most of them are the unthankful disbelievers.

16:84. Truly the Day when We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will raise up from every community a witness. Thereafter the people who unthankfully disbelieved will not be allowed to make excuses, nor will they be allowed to make any amends.

16:85. Truly when the people who committed iniquity will face the punishment, surely it will not be lightened for them, nor will they be granted any respite.

16:86. Truly when the people who associated others as gods with The Ever Almighty God will see fake gods, they will say: "Thou The Eternal their Lord and Sustainer of us! These are our other we used to call in prayer besides gods whom Surely their fake gods will Thee!" throw at them statement: "Certainly, ye are indeed untruthful!" the

16:87. Truly on that Day the polytheists will humbly offer total submission to The Ever Almighty God and whatever they gods used to unjustly invent will disappear from them.

16:88. The People who unthankfully disbelieved and prevented other people from the Straight Path of The Ever Almighty God; We will increase them in requital punishment over the requital punishment solely because of the evil disorder they had been causing.

16:89. Truly the Day when We (The Ever Almighty God} raise up among every community will а over them from themselves. Truly We will witness bring thee O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) as the witness over these people. Truly We have Miraculously Revealed to thee this Book Qur'an explaining Everything in detail, and the Heavenly Guidance and the Mercy and the as the Muslims {those News for Good True who wholly submit to follow the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Knowing of Everything, The Eternal King All of Entire Universe. The Creator and the The Eternal Sustainer of the Entire Universe?!" Lord and

Certainly, The Ever Almighty God (The Ever 16:90. Gracefully Compassionate, The Ever Most Most The Ever Most Forgiving, The Ever Owner Merciful, of All Praise, The Ever Owner Glory, of All The Seeing of Everything, All The Ever Ever All Knowing of Everything, The Ever High. The Most The Eternal Mighty, Ever Most King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe Commands and to and doing good actions and do justice giving prohibits to the relatives, truly He help from everv kind of immorality and every kind of wickedness every kind of iniquitous rebellion. The Ever and admonishingly instructs Almighty God each and ye Human Beings for every one of the the purpose that all of ye may heedfully remember.

16:91. Surely ye the true believers must always the Covenant of The Ever Almighty God fulfil whenever ye have made any Covenant, and ye must ever break oaths after ye have sworn not them. truly indeed ye have made The Ever Almighty God, yourselves The Surety Witness. Certainly, The over Almighty God always knows very well whatever Ever every one of ye ever actions each and do.

16:92. Surely ye the true believers must not ever be like the who after spinning her woman yarn it into pieces. By taking firm strong breaks and oaths to be means of deceit among yourselves, vour community may gain more SO that one benefit community. The Ever Almighty God than the other only tests ye by this. Truly indeed The Ever Almighty God will definitely clearly explain all to ve on the Day of Resurrection and Judgement of concerning the things about which ye differed.

16:93. Truly if The Ever Almighty God had Willed, He would have made all of ye the Human Beings Almighty community, but The Ever religious one God leaves to stray any person He Wills and He any person He Wills. Truly indeed each and guides every one of ve the Human Beings will definitely be questioned about whatever actions ye ever did.

Human Beings must not ever Surely ye the 16:94. of your oaths deceit take as a means among vourselves. foot should any slip after lest being firmly placed, and ye would suffer evil solely because ye prevented other people from the Straight of The Ever Almighty God, ye Path and the Beings would suffer the mighty punishment. Human

16:95. Surely ve the Human Beings must not ever sell the Covenant of The Ever Almighty God a paltry price. Certainly, the mighty reward for with The Ever Almighty God is supernely better if ve have the Heavenly Knowledge for ve, Miraculous Verses fof the and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Merciful, Compassionate, The Ever Most The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

ye the Beings 16:96. Whatever Human have will but the mighty reward The eventually end, Ever Almighty God has with Him is Everlasting. Truly indeed We (The Ever Almighty God, Ever The Most Merciful will definitely give the people who steadfastly patient their had been reward according best of whatever actions they did. the to

16:97. Whoever does righteous good actions, whether any male or any female, whilst being a true believer, surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will definitely help such а person a good pure life, and indeed We to live definitely give such people their reward will according to the best of whatever actions they did.

16:98. Truly whenever thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) recite the Qur'an, surely thou must always ask for the protection of The Ever Almighty God against the accursed Satan.

16:99. Truly indeed there is no power for the accursed Satan over the people who truly believe and they put their trust in The Eternal Lord and Sustainer of them (The Ever Almighty God).

16:100. The power for the accursed Satan is only over the people who take him as a friend and those whom through him associate others as gods with The Ever Almighty God.

16:101. Truly whenever We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) substitute any Miraculous Verse in place of another Miraculous Verse, truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of whatever Miraculous Verses He Miraculously Reveals, the unthankful disbelievers say: "Thou are only an inventor!" But in fact most of them do not have the Heavenly Knowledge.

16:102. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? must say: "The Holy Spirit Gabriel (P.m.b.u.h) has brought this Book Qur'an down from The Eternal Lord and Sustainer of thee with The Whole Truth for the purpose to keep powerfully firm the people have truly believed and as Heavenly the who Good Guidance and the News for True the (those who wholly submit to follow Muslims the all the Commandments Blessed Will and All of The Ever Almighty God, The Creator and The Universe }!" Eternal Lord and Sustainer of the Entire

16:103. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) in fact know very well that the unthankful say: "It is only a human disbelievers being who teaches Messenger. the person the The language of they unjustly refer to is a foreign language while this Book Qur'an is in the clear Arabic language.

Certainly, the people who 16:104. do truly not in the Miraculous Verses Ever believe of The God; Almighty The Ever Almighty God will not guide such people, truly such people willl suffer the painful requital punishment.

16:105. Indeed, only those people unjustly invent people do truly the untruth: who not believe Miraculous of The in the Verses Ever Almighty God; truly such people are untruthful.

Each person who unthankfully 16:106. and every The Almighty God disbelieves in Ever after even True Faith. except for having his the person while is forced to do his who SO heart in Faith. secure the True But remains any person willingly opens his heart unthankful who to disbelief. surely upon such people there is the Almighty God, from Ever Wrath The truly such will suffer the mighty punishment; people

solely because such is people 16:107. This love life this Earthly World of present the more Afterlife World, truly Eternal than the indeed Almighty God (The Ever Most The Ever Equitable guide the unthankful disbelieving people. does not

16:108. Such the people whose are over hearts eyesight The hearing and Ever Almighty God and Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most (The set a seal, truly such Most Equitable has people the unthankfully heedless. the who ones are are

doubt. 16:109. There is no that in the Eternal Afterlife World, such people will the be losers Mighty Day of Resurrection ∲on the Final and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards Eternal Afterlife World. and Recompense in the the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

Thereafter certainly The Eternal Lord 16:110. and thee, the people Sustainer of who to emigrated persecuted, they had been thereafter after even they steadfastly they hard and strove were The Eternal Lord Sustainer patient. Certainly, and that. indeed of thee even after is The Ever Forgiving, The Ever Most Merciful. Most

16:111. On the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when every person will appear pleading for himself, truly every person will be equitably requited for whatever actions he ever did, truly they will not be treated with any iniquity.

16:112. Truly The Ever Almighty God describes the the city that was of example secure and at sustenance coming to in ease. its it abundance every place, but its people unthankfully from disbelieved in the Favours and Blessings of The Almighty God. Therefore, The Ever Almighty Ever made suffer the envelopment hunger God them of of the evil actions they did. and fear because

16:113. Truly indeed there had in fact come to Messenger (of The Ever Almighty God them the among themselves, but they unthankfully from denied him; therefore the requital punishment seized while they were the iniquitous wrongdoers. them

Surely ye people must always 16:114. eat only from whatever The Ever Almighty God has provided for ve which is lawful and good. And ye people always be equitably thankful for the Favours must and Blessings of The Ever Almighty God, if ye the ones who worship only The Ever Almighty are Most Gracefully Compassionate, God (The Ever The Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Ever Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King Entire Universe, The The of the Creator and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

16:115. Certainly, that which The Ever Almighty God prohibited to all of ye is the dead animals has blood and the flesh of the swine. and and whatever has been dedicated to other than The Ever Almighty God. Surely any person who is forced by any wilful disobedience necessity without nor anv surely indeed The Ever Almighty transgression, God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

of all ye 16:116. Truly must not ever speak which your tongues untruth: about that assert of and this is prohibited," "This is lawful SO as to Ever invent untruth about The Almighty God. people who invent Certainly. the untruth about The Ever Almighty God will not be triumphant.

very 16:117. It is small benefit, truly such a punishment (on people will suffer the painful the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final Reckoning and Requitals and and Rewards and the Recompense in Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

16:118. Truly to those who are the Jews, We (The Equitable } Almighty God, The Ever Ever Most them whatever We prohibited for have narrated to thee before. Truly We did not commit any iniquity them, but they committed iniquity to themselves. to

Thereafter certainly The 16:119. Eternal Lord and thee (The Ever Almighty God), to Sustainer of the people who have committed evil actions of out Thereafter they repent ignorance. after and that righteously. Certainly, The Eternal Lord act and thee. is Sustainer of even after that. indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

16:120. Certainly, Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.hThe Ever community, the Devoutly Obedient was one man Almighty God, The Ever the Devoutly to True truly he was not ever of the Monotheist, polytheists.

16:121. Abraham (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the and the The Ever Almighty Close Friend of God. The Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h always Ever the Favours Blessings for and of thanks gave Almighty God. The Almighty The Ever Ever God chose Him and guided him the Straight Path. to

16:122. Truly We (The Ever Almighty God) awarded (P.m.b.u.h) good things in life the Abraham of present Earthly World, truly indeed, in the this Eternal Afterlife World, he will indeed be in the company of the devoutly righteous people.

Thereafter We Ever (The 16:123. Almighty God Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The and the Trustworthy and Honourable Truthful the Prophet of The Ever Almighty God Messenger and each and every one of Humankind P.m.b.u.hto always follow saying: "Thou the religion of must {P.m.b.u.h}, Devoutly Abraham the True Monotheist. of the polytheists!" truly he was ever not

Sabbath was only appointed The 16:124. for those people who differed over it. Truly indeed The Eternal Sustainer judge and of thee will Lord between Day of Resurrection and Judgement them the on concerning the things about which they differed.

16:125. Thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must always invite to the Straight Path of The Eternal Lord and Sustainer of thee with the Great Wisdom Good Admonishing Instructions, and the and argue way that is best. with them in a Certainly, Eternal Lord and Sustainer of thee is The The Ever Most Knowing of each and every person Straight Path, has gone astray from His who and The Ever Most Knowing of each He is and every person who follows the Heavenly Guidance.

16:126. Truly if ye the true believers retaliate. retaliate ye must just of that like then ye were unjustly harmed. For sure if with which steadfastly patient, indeed it is supemely are ve are steadfasly better for the people who patient.

16:127. And thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h must always be steadfastly patient, truly your steadfast patience is only by the Help of The Ever Almighty God. Truly thou grieve must not ever and thou them ever become over must not distressed because of whatever evil they plot.

16:128. Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Most Merciful, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) is always with the people who fear Him and the people who do righteous good actions.

17: Sûrah Chapter the Children of Israel P.m.b.u.t. M.V. 111

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Glory with Complete 17:1. All Holiness is The to His Servant God Who made Muhammad { the Trustworthy and the the Honourable and Truthful Prophet of The Ever Almighty God Messenger and each and every one the to of Human Beings P.m.b.u.h³ travel by night from the Sacred Mosque Al-Aqsă Mosque, whose surroundings We the to (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful have blessed. for the purpose to show Our Sevant of Our some Miraculous Signs. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever All Hearing, The Ever All Seeing.

17:2. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever) Merciful) gave Moses (P.m.b.u.h) the Heavenly Most the Heavenly Guidance We it Book and made (P.m.b.u.t): "Ye Israel for the Children of people not ever take other than Me any Protector. must

ve the descendants of those We (The Ever 17:3. O with Almighty God carried in the Ark Noah! the Honourable and the Trustworthy Certainly, Noah Truthful Messenger and Prophet of The Ever and the Almighty God P.m.b.u.h³ was the thankful servant.

Truly We (The Ever Almighty God, The Ever 17:4. Wise conveyed Children to All the of Israel the Heavenly Book: ye (P.m.b.u.t) in "Indeed will definitely cause mighty disorder the in earth twice. and indeed ye will definitely become great tyrants!"

17:5. So when the time of the first promise of the two came, We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything) sent against ye Our servants, those of great military might, so they probed into the homes, and it was a promise fulfilled.

17:6. Thereafter, We (The Ever Almighty God) gave back to ye people the return victory over them. Truly We helped ye with wealth and sons and We made ye more numerous in manpower.

17:7. If ye people ever do righteous good actions, ye people do righteous good actions for yourselves; truly if ye people do any evil actions, surely the evil actions are evil for yourselves. Then when the time of the final promise came, to sadden your faces and to enter the Mosque, as they entered it the first time, and to destroy what they had taken over with total destruction.

17:8. It may well be that The Eternal Lord and Sustainer of ye people will have Mercy upon ye. But if ye people return to sin, We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will return to requital punishment. Truly We have made the Hell the prison for the unthankful disbelievers.

17:9. Certainly, this Qur'an guides to the path that is the Most Straight, and it gives the good true news to the true believers, the ones who do righteous good actions, that they will have the great reward.

17:10. And that the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World, We have prepared for such people the painful punishment. 17:11. Surely the Human being prays for evil just like he prays for good, truly the Human being is always very hasty.

Ever Almighty God have Truly We (The 17:12. day two Miraculous the night and the made Surely We have Signs. made the Miraculous Sign of the night dark and We made the Miraculous Sign of the day brightly visible for the purpose that ye Humankind may seek the Grace from The and Sustainer of ye, and for the Eternal Lord purpose that ye Humankind may know the number of years and the account of time. Truly Everything We have explained in detail with clear explanation.

17:13. Truly for each and every one of the Human Beings We (The Ever Almighty God, The Ever All Knowing of Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have fastened his Book of actions upon his neck, and We will produce for him on the Day of Resurrection and Judgement the Book of actions which he will find spread wide open in front of him.

17:14. "Thou the Human Being must read the Book of your actions. This Day thou are sufficient to take Reckoning Account against yourself!"

17:15. Any person who follows the Heavenly Guidance, surely he follows the Heavenly Guidance the good to himself. Truly any person for only goes astray, surely he goes astray to who his bearer own mighty loss. Truly no of burdens bear the burden of Truly We will another. do ever punish until We have sent the Messenger. not

17:16. Truly whenever We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Lord and Sustainer of the Entire Universe Eternal intend to destroy a city (because of their inequitous actions), We Command its affluent people, but they defiantly disobey therein; SO the Decreed Word of Judgement equitably comes into effect it. upon and We destroy it with complete destruction.

17:17. Truly how many of the generations We (The Almighty God, The Ever Most Equitable have Ever destroyed even after Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h). Sustainer Truly The Eternal Lord and of thee is The Ever All Sufficient The Ever All as Aware, The Ever All Seeing of the sins of His servants.

17:18. Each and person who desires the quick passing this present earthly life, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) hasten in it for such a person whatever We Will for whoever We intend. Thereafter, We have appointed for such a person Hell; he will burn in Hell disgraced and rejected.

17:19. Truly each and person who the desires Afterlife World, Eternal and such a person it with the for striving it equitably strives believer, surely such deserves while being a true are the people whose striving will be appreciated.

17:20. We (The Ever Almighty God) do extend Our help to all of these the latter as well as all of those former, out of the gift of The Eternal Lord and Sustainer of thee. Truly the gift of The Eternal Lord and Sustainer of thee is not restricted. 17:21. Thou must observe how We (The Ever Almighty God, The Ever Living) have made superior some of the Human Beings above the others, truly indeed the Eternal Afterlife World will be greater in grades and greater in terms of superiority.

and every one 17:22. Thou each of Humankind with along must not ever set up any god Almighty God. then thou will The Ever end disgraced and forsaken. sitting up

17:23. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe has decreed that and every one of ye Humankind must not ever each worship anything whatsoever except The Ever Almighty God, and all of ye must always be kindly good towards your parents. If one of them or both of them reach old age with thee, surely thou must any word of disrespect, say to them not ever must not ever be harsh with them, thou and and thou must always speak to them with noble words.

17:24. And thou must always lower to your parents the wing of humbleness out of mercy, and Thou must say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please have Mercy upon my parents just like both of them sustained me when I was little!"

Lord Eternal and Sustainer 17:25. The of each of ye Humankind one and every is The Ever Knowing of Everything that is Most in vour minds. If ye Humankind and are devoutly hearts surely indeed, The Almighty God righteous; Ever Ever Most Forgiving the people is The to always returning to Him in repentance. who are

And thou each and 17:26. of every one Humankind must always give to the relative his due right, and to the needy equitable and the and thou must not ever spend wastefully. traveller.

17:27. Certainly, the people who spend wastefully are the brothers of the devils, truly the devil Satan has always been unthankful disbeliever to The Eternal Lord and Sustainer of him.

17:28. Truly if thou have to turn them down awaiting some Mercy from The Eternal Lord and Sustainer of thee for which thou expect, then thou must speak to them with gentle words.

17:29. And thou each and every one of Humankind must not ever make your hand tied to your neck and thou must not ever extend it completely, then thou will sit there blamed and in severe poverty.

17:30. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee vastly increases sustenance for any person He Wills and He Alone limits it. Certainly, He is The Ever All Aware, The Ever All Seeing of His servants.

17:31. And thou each and every one of Humankind ever kill your children for fear not of must poverty. We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Sustainer of Universe } Lord and Entire Eternal the provide sustenance for them for all will and ye. Certainly, their killing is an enormous sin. of

17:32. And thou each and every one of Humankind must not ever go near adultery nor fornication. Certainly, it is an immorality and an evil path.

17:33. And thou each and every one of Humankind kill any person whose killing not ever The must Almighty God has prohibited, Ever except with equitable justice. In spite of that any person who unjustly, We (The Ever Almighty is killed God. and The Creator The Eternal Lord and Sustainer Universe have given of the Entire his heir the but he must not ever exceed the equitable authority, limits in killing. Certainly, helped. he has been

and every one of Humankind And thou each 17:34. go near the wealth of any orphan, must not ever good way, until he reaches full except in a And thou maturity. each and every one of Humankind always fulfil the must covenant. Certainly. questioning will take place regarding the covenant.

17:35. And thou each and every one of Humankind must always give full measure whenever ye give in measure, and all of ye must always weigh with the balance that is equitably even. This is the best way and supremely good in the final outcome.

17:36. And thou each and of every one follow Humankind must of not ever anything knowledge. Certainly, which thou have the no eyesight hearing and the and the heart: each and every one of these will be questioned.

each and every one of 17:37. And thou Humankind walk arrogantly; must not ever on the earth Thou will split earth certainly. not the apart. ever nor will thou ever match the mountains height. in

17:38. The evil of all these actions is extremely hateful to The Eternal Lord and Sustainer of thee.

17:39. This is some of that which The Eternal Lord and Sustainer of thee has Miraculously Revealed to thee of the Great Wisdom. Truly thou each and every one of Humankind must not ever make another god along with The Ever Almighty God, then thou will be thrown into Hell, blamed and rejected.

17:40. What? Has The Eternal Lord and Sustainer sons. ye people chosen ye to have of and Himself from for among He taken has the Angels; daughters? Certainly, ye the polytheists indeed uttering a mighty evil statement. are

17:41. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Knowing of Everything, The Eternal King All of Entire Universe. The Creator and The Eternal the Sustainer of the Entire Universe have Lord and in fact clearly explained in this Qur'an for the that each and every one of Humankind purpose may heedfully remember. But it does not increase the unthankful disbelievers in anything except aversion.

17:42. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "If there had been any other gods along with The Ever Almighty God, as the polytheists say, then indeed the other gods would have constantly sought out a way to The Eternal Owner of the Throne.

17:43. All Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God! Truly He is Supremely Exalted far above from whatever untruth the polytheists say, by The Supremely Great Exaltation!

17:44. The seven heavens and the whole earth Everything that is in them Glorify and only The Ever Almighty God. Truly there is not a it Glorifies with single thing except that the of The Ever Almighty God, though Praise ve understand Humankind do not their Glorification. Certainly, The Ever Almighty God is always The Ever Most Forbearing, The Ever Most Forgiving.

17:45. Truly whenever thou recite the Qur'an, We (The Ever Almighty God) place an invisible barrier between thee and between the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World.

17:46. And We (The Ever Almighty God) have placed covers over their hearts so that they may not understand this Qur'an, and in their ears an obstruction. Truly when thou mention The Eternal Lord and Sustainer of thee, The Ever One God in the Qur'an; they turn their backs fleeing in aversion.

17:47. We (The Ever Almighty God) are The Ever Most Knowing of the intention with which the unthankful disbelievers listen, when they listen to thee, truly when they are in private conversation, when the iniquitous wrongdoers say: "Ye people follow none except a man affected by magic!"

Thou O Muhammad! {The Honourable 17:48. and Truthful Messenger Trustworthy and the the and The Ever Almighty God, The Creator Prophet of and Sustainer of the Entire and The Eternal Lord each and of Humankind every one Universe to observe how they narrate wrong P.m.b.u.h must examples for thee; therefore, they have gone astray, truly they are unable to find the Right Path.

And unthankful disbelievers said: "What! the 17:49. and crumbled When we bones particles. are realy be will we then resurrected a as new creation (in the Eternal Afterife World??"

17:50. Thou must say: "Even if ye the unthankful disbelievers may become stones or iron,

17:51. Or any other created thing which is greater still in your hearts!" Then the unthankful disbelievers "Who eventually will will say: back bring us again?" Thou must say: "The life to One Who created each and every one of ye the first time!" will eventually shake Then they their heads at it happen?" Thou and say: "When will thee must "It may well be that it is drawing near!" say:

On the Day when The Ever Almighty God 17:52. call each and every one of ye Humankind, will each ye will and of then every one whollv His Praise all of ye comply with and will had stayed {in this present think that ve not Earthly World except for a very little time!

must tell My to 17:53. Truly thou servants say which good. Certainly, only that is the devil Satan stirs up discord among them. Certainly, is the devil Satan the most clear enemy to each every one of the Human Beings.

Eternal Lord and Sustainer 17:54. The of each of ve the Human Beings is The and every Most Knowing of ye. If Ever He Wills He Mercy upon ye; or if He Wills will have He ye. Truly We equitably punish will have not thee over the Human Beings sent as the protector.

17:55. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Most Knowing of each and every one who is in all the heavens and the earth. Truly We favoured some of the Prophets over others, and to David (P.m.b.u.h) We gave the Book of Psalms.

Thou O Muhammad! (The Honourable 17:56. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to every one of Humankind P.m.b.u.h) must each and say: "Ye may pray to ve have claimed those as gods alongside The Ever Almighty God, surely they do not possess any power by any means to remove adversity from ye nor can they transfer it. any

17:57. The whom they ones to pray, they get nearer to The Eternal themselves seek means to Sustainer of them, as to which of Lord and them The Ever Almighty God, would be the nearest to always strongly hope for the Mercy and they of Almighty God and they always fear His The Ever punishment. Certainly, the punishment of The Eternal Lord and Sustainer of thee is always feared.

17:58. Truly there is no community except that We (The Ever Almighty God, The Ever Living) will destroy it before the Day of Resurrection and Judgement or We will equitably punish it with the severe punishment. This is written in the Book.

Truly nothing has prevented Us from 17:59. sending the Miraculous Signs except the fact that the previous people unthankfully Truly We denied them. gave Thamûd Most the she camel as the Clear Sign. but they committed inequity to her. Truly We do not send the Miraculous Signs except to warn people.

17:60. Remember when We said to thee: "Certainly, and Sustainer of The Eternal Lord thee always Humankind!" every one of each and encompasses Truly We did not make the vision which We as a trial test for Humankind, showed thee except and likewise the accursed tree in the Our'an. Trulv We warning them, but the warning does keep not increase them except in enormous transgression.

17:61. Remember when We (The Ever Almighty God, and Lord The Creator The Eternal and Universe } the Entire said Sustainer of to the Angels: "All of ye must prostrate for Adam them (P.m.b.u.h)." Then all of prostrated except Iblees. said: "Shall prostrate Iblees Ι for the whom thou have created from clay?" person

The devil Iblees said: "Have Thou 17:62. considered person, Thou the one whom have honoured this above me? If Thou give me time until the Dav Judgement, and of indeed Ι will Resurrection definitely destroy his descendants except for a few!"

Almighty God said: "Thou Ever 17:63. The get Surely and every person from out! each among follows thee, surely Humankind who indeed the requital punishment Hell will be the for all sufficient of ye together, the requital punishment.

17:64. Truly thou may try to fool any thou person your voice among Humankind with can from and rally against them with your cavalry thou and may infantry, and thou may try become to your a wealth and their children. partner in their and make promises to them. Truly the devil thou may promise Humankind except deceit. does not Satan

17:65. Certainly, over My servants, thou the devil any power. Truly The Eternal Satan will not have Sutainer of thee O Muhammad! Lord and (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Equitable, The Ever Most The Creator and The Sustainer of the Eternal Lord and Entire Universe every of Humankind P.m.b.u.h to each and one The Ever All Sufficient as The Protector. is

Eternal 17:66. The Lord It is and Sustainer of and every of ye the Human Beings each one the ships for ye through drives the who sea the purpose that may seek for ye from His Certainly, The Ever Almighty God Grace. is The ye the Human Beings. Ever Most Merciful to

adversity afflicts Truly when 17:67. ye the Human Beings all those gods ye call at sea, in prayer disappear except for only The Ever Almighty God. The Ever Almighty Surely when God safelv delivers ye to the land, ye turn away. Truly the Human Being is ever an unthankful disbeliever.

17:68. Then do ye the Human Beings feel secure Ever Almighty God will not that The cause a of the land to swallow ye, or that He will part storm of stones? Thereafter, send against ye a not ve would not find for yourselves any protector.

17:69. Or do ye the Human Beings feel secure will not bring that The Ever Almighty God ve another occasion, the sea on and send back into ye solely upon ye a hurricane of wind and drown ye unthankfully disbelieved? Thereafter, because ve not find any one to avenge ye against Us. will

17:70. Truly indeed We (The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Equitable Most Merciful, The have in the honoured Children of Adam (P.m.b.u.h), fact and provided them means of transport We on and We provided the and the land sea, them of the things, out good We sustenance and made them superior over many of those whom We have created, with the most clear superiority.

17:71. On the Day We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } summon each and every person of Humankind will Book of actions. Surely every person with their who will be given his Book of actions in hand, surely such his right are the people their Book of actions, and they who will read will not be treated with any iniquity in the least.

who is blind 17:72. Truly any person hearted this in the life of present Earthly World hearted in the Eternal Afterlife will be blind World and more astray from the Right Path.

the unthankful disbelievers tried 17:73. For sure away from that which thee We to tempt {The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable} have Miraculously Revealed to thee. SO that thou might invent against Us something else; truly then thee they would have indeed taken a friend. as

17:74. Truly if We (The Ever Almighty God) had not made thee stand firm, indeed thou would have in fact inclined to them a little.

17:75. In that case, We (The Ever Almighty God) would have made thee suffer double punishment in the life of the present Earthly World and double after death. Thereafter, thou would not have found for yourself any helper against Us.

the unthankful 17:76. For sure disbelievers were thee to intimidate from indeed about the land, so that they may expel thee the from land. Truly then, the unthankful disbelievers would not have remained after thee, except for a little.

17:77. Such has been the equitable established way for those We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) had sent before thee of Our Messengers; and thou will not find in Our equitable established way any alteration.

17:78. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must always equitably perform the Prayer from the decline of the sun until the darkness of the night, as well as recite the Qur'an at dawn. Certainly, the recitation of the Qur'an at dawn is always witnessed.

17:79. And during a part of the night, offer the Prayer. This is added especially Tahajjad for thee and the Trustworthy Muhammad! (The Honourable 0 and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h. each to may be that The Eternal Lord and Sustainer It will raise thee to admirable of thee an status.

17:80. And thou must The Eternal say: "Thou of me! Sustainer Lord and Thou please help go in with The always Whole Truth me to Thou please help me to always exit with and Whole Truth, and Thou please The award me your Presence the Powerful Help!" from

17:81. And thou must say: "The Whole Truth has come, and the untruth has perished. Certainly, the untruth is always bound to perish!"

17:82. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) Miraculously Reveal of the Qur'an that which is the Healing and the Mercy for the true believers, truly it does not increase the iniquitous wrongdoers except in loss.

17:83. Truly when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) award favour upon the Human Being, he turns away and distances himself; and when evil afflicts him, he is always in despair.

say: "Every person 17:84. Thou does must actions The according to but his own way, Eternal and Sustainer of ye the Human Beings is Lord The Most Knowing of Ever each and every person who is best guided to the Right Path!"

Truly they ask thee O Muhammad! 17:85. (The and the Trustworthy and Honourable the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God Messenger to each and every one of Humankind P.m.b.u.h say: "The Spirit Spirit. Thou must about the is the Command of The Eternal Lord and from of me. Truly ye Sustainer the Human Beings have not been given of knowledge except a little!"

17:86. For sure if We (The Ever Almighty God. Ever Living) had Willed, indeed We The could away whatever We definitely take have Miraculously to thee. Thereafter, thou Revealed would find not for yourself concerning it any protector against Us.

But whatever We (The Ever Almighty 17:87. God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Entire Universe, The of Eternal King the Lord Universe? Sustainer of the Entire and have Miraculously Revealed to thee is the Mercy from Eternal Lord Sustainer of The and thee. Certainly, thee always has been great. His Grace upon

17:88. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every "If Humankind P.m.b.u.h must of say: all one Humankind and all Jinn-kind were to gather together produce the like of this Our'an, they to will produce ever be able the like of this not Qur'an, even if they became helpers to one another!"

Truly indeed We (The Ever Almighty 17:89. God } fact clearly explained for each have in and every Humankind this Our'an of in from one every Humankind example. surely most of refused have Everything except persisting in unthankfull disbelief.

Truly the unthankful disbelievers "We 17:90. say: truly believe in thee will not until thou make out from the a spring gush earth for us.

garden 17:91. until thou have Or a of date grapes, then thou make palms and rivers gush amid them abundantly. forth

17:92. Or thou the make heaven fall upon fragments claimed. in as thou have us or bring The Ever Almighty God thou and the Angels before face to face; us

17:93. Or thou have a house made of gold: ascend into the heaven. Truly then or thou even will not truly believe in your ascension unless we bring down to us the Heavenly thou Book that O Muhammad! {The Honourable may read!" Thou we Trustworthy and the Truthful the and Messenger Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and and every one of All Wise to each the Human Beings "All P.m.b.u.hmust say: Glory with Complete Holiness is only to Eternal Lord The Sustainer of me! Ι and not in am any way except a human being, sent as the Messenger!"

17:94. Surely nothing has prevented Humankind from truly believing when the Heavenly Guidance came to them except that they said: "Has The Ever Almighty God sent a human being as the Messenger?"

17:95. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God. The Ever of Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Mighty, The Ever The Ever Most High. and The Eternal Lord The Creator and Sustainer of Universe to each and every of the Entire one the Beings P.m.b.u.h) must say: "If there were Human earth Angels walking about securely, We upon the Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully (The Compassionate, Eternal King the Entire The of Universe } would down Humankind have sent to the heaven an Angel the Messenger!" from as

17:96. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful each and every one of Humankind P.m.b.u.h? to say: "The Ever Almighty God is The Ever must The Ever All Sufficient as Present Witness between each and every one of between me and ye Humankind. Certainly, He is The Ever All Aware, The Ever All Seeing of all His servants!"

Truly any person The Ever Almighty God 17:97. surely such a person is the correctly guides. guided; truly any person He leaves to stray, for such people find surely thou will not any protecting friends other than The Ever Almighty truly We will gather them together on the God. Dav of Resurrection and Judgement on their and dumb and deaf. Their faces, blind eternal the Hellfire subsides will be Hell; whenever home We will increase for them in the Blazing Hellfire.

This the requital punishment is 17:98. for the disbelievers, solely because unthankful thev unthankfully disbelieved in Our Miraculous Verses. "What? When we are bones said: and and crumbled particles, will we then really be resurrected a new creation (in the Eternal Afterife World)?" as

17:99. Have the unthankful disbelievers not considered Ever Almighty God, that The The God Who all the heavens and the has created whole The Ever Supremely Powerful is to earth create Truly He has just like them? decreed for them appointed time, about which is there an no Surely the iniquitous wrongdoers refuse doubt. Everything except persisting in unthankfull disbelief.

17:100. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Almighty God, of The Ever The Prophet Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most each and every one of the Merciful to Human ye the say: "If Beings P.m.b.u.h} must Human stores of Beings possessed the treasure the Mercy The Eternal Lord and Sustainer of me, then of of expending!" would withhold them out of fear ve Truly the Human Being is ever so stingy.

Truly indeed We (The Ever Almighty God, 17:101. The Ever All Wise in fact gave Moses (the the Trustworthy and and Honourable the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God Messenger P.m.b.u.h Nine Suprememly Clear Miraculous Signs, surely ask the Children of Israel (P.m.b.u.t) when Moses (P.m.b.u.h) came to them, then Pharaoh said him: "Certainly, indeed I think, thou to O Moses (P.m.b.u.h)! That thou are affected by magic!"

the Honourable the 17:102. Moses and Trustworthy Messenger and Prophet of The Truthful and the Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h? "Indeed, thou in fact know very well that said: down these Supremely Miraculous none has sent Signs except The Eternal Lord and Sustainer of all the heavens and the whole earth as the True Miraculous Insightfulness, for sure, indeed Ι think. O Pharaoh! That thou will be destroyed!" thou

7:103. Surely Pharaoh intended to drive them out from the land, but We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) drowned Pharaoh and every one who was with him together. 17:104. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable) said to the Children of Israel (P.m.b.u.t) after him: "Ye may dwell in the land; surely when the promise of the Eternal Afterlife World comes to pass, We will bring all of ye forth in one gathering!"

17:105. Truly with The Whole Truth We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have Miraculously Revealed this Book Our'an, and with The Whole Truth this Book Qur'an has descended. Truly We have not sent thee O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) except as the Announcer of the Good True News and as the Constant Warner.

17:106. Truly this Book Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have sent down in many parts, for the purpose that thou may recite this Book Qur'an to Humankind over a prolonged period. Truly We have Miraculously Revealed this Book Qur'an by Successive Revelation.

17:107. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God to Prophet of The Ever each every one of Humankind P.m.b.u.h must and say: "Ye Humankind may truly believe Qur'an or ye Humankind do not in this Book do not truly believe, certainly, the people who have been given the Heavenly Knowledge before this Qur'an, Book whenever this Book Qur'an is recited them. to they fall down upon their faces in prostration,

People of the Book who 17:108. And they (the Heavenly Knowledge before been given the have Book Qur'an say: "All Glory with Complete this only to The Eternal Lord and Holiness is Sustainer of us! Certainly, the Promise of The Eternal Lord and Sustainer of us has been fulfilled!"

17:109. And they fall upon their faces weeping, and it increases them in humble submission.

O Muhammad! {The Honourable 17:110. Thou and Truthful Messenger Trustworthy and the and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "All of Humankind may call in Prayer The Ever ve Almighty God or ye may call in Prayer The Ever Most Gracefully Compassionate. Whichever Name ve Prayer, truly to The Ever Almighty God call in belong the Ever Most Good Names!" Truly thou must not recite your prayers too loud, nor be too auiet therein, but seek an middle way between the two.

Thou O Muhammad! {The Honourable 17:111. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and to each every one of the Human Beings say: "All the belongs P.m.b.u.h must Praise only Almighty God, The Ever The One Who has to son, and He does ever taken any not have not in the Kingdom, and He does partner not any of any weakness!" any helper because ever have always Exalt the Truly thou must Greatness of The Ever Almighty God with the Great Exaltation!"

18: Sûrah Chapter Al-Kahf The Cave M.V. 110

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

All the Praise belongs only to The Ever Almighty 18:1. Who has Miraculously God God, The Revealed Qur'an, truly this Book His servant He has upon allowed in this Book Qur'an any crookedness. not

This Book Qur'an is equitably upright for the 18:2. purpose to warn of the severe requital punishment from The Ever Almighty God and to announce good news the true believers. the true to the who good do righteous actions, that they ones the good reward (on the Final Mighty will have Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals in Eternal Afterlife the and World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years); 18:3. They will remain therein for ever.

18:4. the And warn people to who say: "The Ever Almighty God has taken a son!" They have no Heavenly Knowledge 18:5. about had their forefathers. Extremely evil this. nor is their mouths; word that out of thev the comes do not speak in any way except untruth.

Now perhaps thou Ο Muhammad! 18:6. (The Honourable the Trustworthy Truthful and and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Most Merciful to each Ever and The every Beings P.m.b.u.h Human going of the one are yourself to death worry over them if thev to not truly believe in this Message Statement. do

18:7. Certainly, We (The Ever Almighty God, The The Most Merciful. Ever All Ever Wise. The Sustainer of the Entire Eternal Lord and Universe } made Everything that is the have on earth adornment for it, for the purpose that We may Humankind, which of them is best in actions. test

18:8. For sure We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) will indeed make Everything that is on the earth into a barren ground.

think that the People Do thou 18:9. of the Al-Ragim from and Cave were among Our Wonderful Miraculous Signs?

18:10. When the young men retreated to the "Thou Cave and said: The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please award Mercy us directly from Yourself, and Thou please prepare from our plight the correct guidance!" for us

18:11. Therefore, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Living) covered up their ears with sleep in the Cave for a number of years.

Thereafter, We The Ever Almighty God, The 18:12. Merciful, The Ever All Wise) raised Ever Most purpose that We up, for the them may see precise factions which of the two was most in they had remained. calculating the time period that

(The Ever Almighty God 18:13. We narrate to story with The Whole Truth. thee, their Certainly. believed young men truly who they were in Eternal Lord and The Sustainer of them. and We increased them in Correct Guidance.

18:14. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of All Praise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe? Lord and made strongly firm when they stood up and their hearts said: "The Eternal Lord and Sustainer of us is Eternal Lord and Sustainer of all the The heavens earth. We will not ever call and the in Praver god other than Him. Indeed in that case, We any would have in fact spoken, an extreme transgression.

18:15. These our people, have taken gods other than The Ever Almighty God. Why do they not bring for other gods any Clear Miraculous Sign of Authority? Truly who is more iniquitous than the person who invents untruth about The Ever Almighty God?

18:16. Truly when all of ye have separated from such people and all the gods they worship other than The Ever Almighty God, then all of ye may take abode in the Cave. The Eternal Lord and Sustainer of ye will award for ye from His Mercy, and He will make easy for ye from your plight.

18:17. Truly thou would have the sun seen when it rose, inclining away from their Cave on the when it set, passing right, away and from them while they were within on the left, an open space thereof. This is from among the Miraculous Signs of The Ever Almighty God. Any person The Ever Almighty God guides, surely he is correctly guided, truly any person He leaves to stray, truly thou will never find for him any guiding friend.

635

Truly thou would think them awake, while 18:18. they were asleep. Truly We (The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, God. The The Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever The Ever Most Forgiving, Most Kind, Ever The Ever Most Truthful. The True Light of all the Whole Earth, Heavens and the The Ever All of Everything, The Ever Most Knowing High, The Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever The Most Excellent Protecting Friend, The Ever Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Greatness, The Ever Supreme Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy. The of the Entire Universe, The Eternal Eternal King of All Honour. The Ever Most Good, Owner The The Eternal Lord and Sustainer of the and Creator Universe) turned them the right and Entire to to their dog stretched out its forelegs the left. while at the entrance. If thou had looked at them, indeed turned from them in flight, thou would have and have been filled by them with terror. thou would

18:19. And likewise, We (The Ever Almighty God. The Ever Most Merciful raised them up so that another. they may question one А speaker from said: "How long have ye been here?" among them "We have been here day They said: a or part "The day!" They said: Eternal of a Lord and of ye is Sustainer The Ever Most Knowing how Therefore, ye must ye have been here. send long ye with this coin of yours of to the city one him and look to which is the best of food. let bring ye provision from it, he should be and and very cautious. Truly no one should be aware of ye.

18:20. Certainly, if they come to know of ye, they will stone ye or return ye to their religion. Truly then definitely ye will not be triumphant!"

18:21. And likewise, We (The Ever Almighty God, and The Eternal Lord and The Creator Sustainer of Universe caused them to the Entire be found SO the people would come to know with certitude that the Promise of The Ever Almighty God that is Truth. and The Whole that the Final Time Mighty Day of the ∲on Final Resurrection and and Reckoning and Requitals in Judgement the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years, there is no is doubt about it. When they disputed among themselves about matter and they said: "Construct over their them structure!" The Eternal Lord and Sustainer of them a Ever Most Knowing about is The them. The people who prevailed in the matter said: "Indeed we will definitely build a Mosque over them!"

will 18:22. Eventually some say there were three. of their dog; the fourth them was and some say there were five, the sixth of them will was dog, guessing at the and their unseen; some say there seven will were and the eighth was dog. Thou O Muhammad! {The Honourable their and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most of Humankind and every one Equitable to each P.m.b.u.h) must say: "The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Most Knowiong of their true knows them except a few. None number. Surely argue them thou must not ever about except obvious argument, and with an thou must not inquire about them from anyone of them!" ever

18:23. And definitely thou must not ever say of anything: "Certainly, I will do that tomorrow;

Without adding: "If The Ever Almighty God 18:24. Wills!" Truly thou must always remember The Lord and Sustainer of thee Eternal whenever thou and thou must "Perhaps say: The Eternal forget. Lord and Sustainer of me will guide me to what is even more equitably right than this direction!"

18:25. Truly the people of the cave stayed in their cave for three hundred years and adding nine.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 18:26. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "The one Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of how long the People of the Cave stayed. He has of complete knowledge of all the Unseen the all heavens and the whole earth. He is The Ever the All Seeing and The Ever All Hearing! Humankind any protecting friend other do not have than The Ever Almighty God, truly He does not ever allow anyone to have a share in His Command!"

18:27. Truly Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most and every one the Human Merciful to each of Beings P.m.b.u.h) must recite whatsoever has been Miraculously Revealed to thee of Heavenly the Book of The Eternal Lord and Sustainer of thee. change the Words of The ever None can Ever Almighty God, truly thou will not ever find anv any other than The Ever Almighty God. refuge in

18:28. Truly thou O Muhammad! (The Honourable Trustworthy and Truthful the the Messenger and of The True God to Humankind and Prophet all P.m.b.u.h must always keep yourself steadfastly patient with the people who call in Prayer The and Eternal Lord Sustainer of them in the morning the evening, seeking His All Blessed Love and and Truly thou must His Face. not turn your eyes away from them, desiring adornments of life the Earthly World, present of this and thou must ever obey any person whose not heart We have Our of Wise heedless Reminder made and Remembrance, and he follows his own iniquitous desires, actions transgressed all limits. evil has and his

18:29. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God Prophet to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "Now the Whole Truth has come from The Eternal and Sustainer of each and every Lord of one Humankind; truly any person from ve among Humankind wills surely who such person may a believe: and any person truly from among Humankind who wills surely such a person may unthankfully disbelieve!" Certainly, We have prepared for the iniquitous wrongdoers the Hellfire whose walls them. Truly if they call for relief, will surround be given water just like thev will molten metal faces. will That that scald the is an extremely evil drink, and extremely evil dwelling an place.

18:30. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions; certainly, We (The Ever Almighty God) do not ever waste the reward of any person who does righteous good actions.

18:31. Such are the people who will have the Everlasting Gardens; beneath them rivers will flow. They will be adorned in them with bracelets of gold, and they will wear green garments of the silk and gold embroidery, they will fine be reclining therein on Adorned Thrones. That is the supremely delightful reward, and the supremely good dwelling place (for the people who truly believe Almighty God and His Angels The Ever in and His Messengers and and His Books the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World, and they do righteous good actions as long as they live).

18:32. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must describe to Humankind the example of two men: We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful one of them two gardens of grapevines, made for and We had surrounded them with date palms; and We placed between them fields of crops.

18:33. Each of the two gardens yielded its fruits, and did not fall short thereof in anything. And We caused a river to flow in the midst of them.

the unthankful disbeliever 18:34. And also had fruits. so he said to his companion while other talking with him: "I have more wealth he was thee and I am mightier in manpower!" than

18:35. Truly he entered his garden while he was committing iniquity to himself. He said: "I do not think that this will ever perish.

18:36. And I do not think the Final Time *{*the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final and Reckoning and Requitals and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) will ever come to pass. Trulv even if I am turned back to The Eternal Sustainer of me, indeed I Lord and will definitely when I return Him!" find better than this to

18:37. His companion said to him while he was talking with him: "Do thou really unthankfully disbelieve in The God Who has created thee from dust; thereafter, from a biological cell; thereafter, He has perfected your physical form into a flawless man?

18:38. But as for me, He is The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of me, and I do not ever associate anyone as a god with The Eternal Lord and Sustainer of me.

Truly when thou 18:39. entered your garden, not say: "All this is whatever why did thou The Ever Almighty God Wills; there is no power with The Ever Almighty God?" If thou except less than thee in wealth and children, consider me

18:40. Then it may be that The Eternal Lord Sustainer of me (The Ever Almighty God, and Merciful. The The Ever Most Eternal Lord and the Entire Universe? give me Sustainer of will something better than your garden, and send upon calamity from the heaven, so that vour garden a your garden will become a barren dusty ground,

18:41. Or its water will begin to sink away, then thou will not ever be able to seek it!"

18:42. Truly his fruits were encompassed with wring his hands over began to destruction. so he had invested in the garden, while he it what had collapsed upon its trellises; and he said: "Oh, not associated any one I dearly wish I had as a god with The Eternal Lord and Sustainer of me!"

18:43. Truly the iniquitous wrongdoer did not have any party to help him other than The Ever Almighty God, nor was he able to defend himself.

18:44. This situation proves that all protection power belongs only to The Ever Almighty God. Ever True God. The Almightv The Ever God The Ever give reward. is Best to and The Ever Best to award the Good Final End.

18:45. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe to each and every of Humankind P.m.b.u.h³ must describe to each one every one of Humankind the example of the and life of this present Earthly World; it is just like rainwater which We send down from the the heaven, and the vegetation of the earth mingles with Thereafter it becomes dry remnants, scattered by it. the winds. Truly The Ever Almighty God always has The Ever All Powerful Control Over Everything.

18:46. Wealth and children are adornment the of the life of this present Earthly World. the Truly everlasting good actions supremely are better in the Providence of The Eternal Lord and Sustainer (The Ever Almighty God) in respect of of thee reward and supremely better in respect of hope.

18:47. Truly on the Day when We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything) will remove the mountains and thou will see the earth as an open plain, truly We will gather each and every one of Humankind together, truly We will not leave behind even a single person of Humankind.

18:48. And they will be presented before The Lord and Sustainer of thee in rows: "Indeed all of come to Us just like We (The ve have in fact Ever Almighty God, The Ever Most Mighty created ve the first time. But ye claimed all of that We had not made for ye any time for meeting!"

Truly the Book of actions will placed 18:49. be and thou will see the iniquitous criminals open, fearful of that which is in the Book of actions. iniquitous criminals will say: "There the is and a book is to us! What sort of destruction this does not leave any small action that nor any great action, except that it has recorded it with numbers?" of them Truly every one will find actions they ever did, present before whatever Truly The Eternal Lord and Sustainer of them. thee does not ever commit any inquity to anyone.

18:50. Remember when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable said to the Angels: "Ye must prostrate for Adam (P.m.b.u.h)!" Then all prostrated except Iblees. He of them was from among the jinn, surely Iblees unjustly disobeyed the Command of The Eternal Lord and Sustainer of are ye people going to take him. Then Iblees descendants as protecting friends other than and his truly they are your enemies? It is a supremely Me, exchange for the iniquitous wrongdoers. evil

18:51. I (The Ever Almighty God, The Creator of Everything, The Eternal King of the Entire Universe way make not did in Iblees and his any descendants helping witnesses the creation of to all heavens and the whole the earth. nor to the creation of themselves. and I do not ever who lead people take those astray helpers. as

18:52. Remember on the Day when The Ever Almighty say: "Call out those will the polytheists ye God My partners!" Then to be thev claimed will call to them, but they will not respond to them. out And We will set a deadly abyss between them.

Truly the iniquitous criminals 18:53. will the see Hellfire, and they will believably think that they are going to fall into the Hellfire. Truly they will way of from find escape it (°on the not any Mighty Day of Resurrection Final and Judgement and Reckoning and Requitals Rewards and and the Recompense in Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

18:54. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise have in fact clearly explained for each every one of Humankind and in this Qur'an every kind of example; but the Human more disputing than every other creation. Being is

nothing prevented Truly 18:55. Humankind from Guidance believing when the Heavenly truly has them, and from asking for forgiveness to come Sustainer of and from The Eternal Lord them treatment previous the of except that the people requital should them. that the come to or punishment should appear in front of them.

18:56. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer Universe³ do Entire of the not ever send the Messengers except as the Announcers of the Good True News and as the Constant Warners. Truly the by using who unthankfully disbelieve dispute people untruth purpose to invalidate for the thereby The and they have taken My Miraculous Whole Truth, and whatever they are warned, in ridicule. Verses

18:57. Truly who is iniquitous more than the who is reminded by the Miraculous Verses person of The Eternal Lord and Sustainer of him; thereafter forgets from them he turns away and he the actions his hands has sent aheead? Certainly, evil We (The Ever Almighty God, The Ever Most put coverings over Equitable have their hearts. understand this Book they cannot Our'an, SO if thou their a deafness. Truly and in ears invite them to follow the Heavenly Guidance; surely they will not ever follow the Heavenly Guidance.

Truly The Eternal Lord and 18:58. Sustainer of thee is The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of Mercy. If He were to seize Humankind solely because of the iniquitous actions they have earned. would have hastened for indeed He them the punishment. But in fact they have a fixed appointed they will not find any escape. time from which

those are the Truly former communities. We 18:59. Almighty God, The Ever (The Ever All Wise. Most Equitable, The Eternal Lord The Ever and Entire Universe destroyed Sustainer of the them they committed iniquitous actions; when trulv fixed for their destruction appointed We time. an

18:60. Remember when Moses (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and of The Ever Almighty God P.m.b.u.hProphet "I boy servant: will not to his said stop I reach travelling until the junction of the two seas or I will continue travelling for a long time!"

18:61. Surely when they reached the junction between the two seas, they forgot their fish, surely it took its course into the sea, slipping away.

18:62. So when they had passed beyond it. *€*the Honourable and the Trustworthy Moses and Truthful Messenger Prophet of The Ever and the Almighty God P.m.b.u.h said to his boy servant: "Bring us our morning meal. Indeed, we have in fact suffered in this journey of ours tiredness!"

18:63. The servant of Moses (P.m.b.u.h) said: "Do thou remember when we reposed by the rock? Surely indeed I forgot the fish. Truly none made me forget it except the devil Satan, that I should mention it. Truly it took its way into the sea amazingly!"

18:64. Moses {the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The the and Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h Ever "That is the place we have been seeking!" said: Therefore, they returned following their footprints.

they found a servant Truly from 18:65. among servants (Al-Khidr P.m.b.u.h) to whom We Our Ever Almighty God, The Eternal Lord (The and the Entire Univers) had Sustainer of awarded Mercy from Our Providence and We had taught him Extraordinary Knowledge from very close to Us.

18:66. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h said to Al-Khidr (P.m.b.u.h): "May I follow thee SO that thou can teach me some of the Extraordinary Knowledge of sound judgement which thou have been taught?"

18:67. Al-Khidr (P.m.b.u.h) said: "Certainly, thou will not be able to have steadfast patience with me.

18:68. Truly how can thou have steadfast patience in matters thou do not encompass in knowledge?"

18:69. Moses (P.m.b.u.h) said: "Thou will find me steadfastly patient, if The Ever Almighty God Wills, and I will not disobey thee in any matter!"

18:70. Al-Khidr (P.m.b.u.h) said: "Surely if thou follow me, then thou must not question me about anything until I mention of it to thee!"

18:71. So they travelled on, until when they had embarked on the ship, Al-Khidr (P.m.b.u.h) caused a defect in the ship. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) said: "Have thou caused a defect in the ship to drown its people? Indeed, thou have in fact done a grave thing!"

18:72. Al-Khidr (P.m.b.u.h) said: "Did I not say, certainly thou will not be able to have steadfast patience with me?"

18:73. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of God, Ever The Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h³ said: "Do not me to task for what Ι forgot, take and do not put me in any more difficulty in my matter!"

18:74. So they travelled on, until when they met a young boy, surely Al-Khidr (P.m.b.u.h) killed the young boy. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Most of Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Have thou killed an innocent person? Who has not killed any person? Indeed, thou have in fact done a deplorable thing!"

18:75. Al-Khidr (P.m.b.u.h) said: "Did I not say to thee, certainly thou will not be able to have steadfast patience with me?"

{the Honourable 18:76. Moses and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God, The Ever Most Equitable Ever said: "If I ask thee P.m.b.u.h about anything companion. do not keep me this, then a after as Indeed, thou have received from me an excuse!"

they travelled until when 18:77. So on, thev they people of to the а town, asked came food, they refused to its people for but offer them hospitality. And they saw a wall therein the point of falling was down. that on SO Al-Khidr (P.m.b.u.h) set the wall up straight. (P.m.b.u.h) said: "If thou had Moses wished. thou could have taken for it a payment!"

Al-Khidr (P.m.b.u.h) said: "This 18:78. is the me and between thee. between Ι will parting explanation inform thee of the of the things able to have steadfast patience. thou was not

ship, it 18:79. As for the belonged to some So I intended working the sea. people at poor cause a the defect ship, because to in there king in the surrouning area a of them was seized every good ship by force. who

for the young boy; 18:80. And as surely his believers, surely were true we parents were he would apprehensive that oppress them by transgression and unthankful disbelief. unjust

18:81. Surely we intended that The Eternal Lord parents would of Sutainer the substitute for and righteousness and nearer to in them better one mercy in his place.

for the wall, it belonged 18:82. And as to two in the city, and there boys was orphan beneath the wall a treasure belonging to the two orphan boys, truly their father devoutly righteous was a man. So The Eternal Lord and Sustainer of thee The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Eternal King of the Entire Universe, Mighty, The The Eternal Lord The Creator and and Sustainer Entire Universe intended that they of the should their age of maturity and reach extract their the Mercy from The Eternal Lord as and treasure. thee. Truly I did Sustainer of not do them of This is the explanation of the accord. my own things thou was not able to have steadfast patience.

18:83. And they ask thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Ever All Wise to each and every one The of the Humank Beings P.m.b.u.h) about Zul-Qarnayn í "I say: (P.m.b.u.h). Thou must will eventually recite to ye the honourable mention of him.

18:84. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever Seeing of Everything, The Ever All Knowing of Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) established his power upon the earth, and We gave him the means to all things.

18:85. Surely Zul-Qarnayn followed a path, 18:86. Until, when he reached the setting of the sun, he sensed the sun setting in a muddy spring, nearby he found some people. We (The Ever and Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal of the Entire Universe, The King Creator and Eternal Lord and Sustainer The of the Entire Universe) said: "Thou Zul-Qarnayn! Thou may decide to punish or thou may treat them with kindness!"

18:87. Zul-Qarnayn said: "As for the person who commits iniquitous actions, we will eventually punish Thereafter, he will him. be turned back to and Sustainer of Surely The Eternal Lord him. will punish him with the terrible punishment. He

18:88. Surely as for the person who truly believes and does righteous good actions, surely for him there will the supremely good reward, and we will speak to him from our command with ease!" 18:89. Then Dhul-Qarnayn followed another path, 18:90. Until, when he reached the rising of the sun, he sensed the sun rising on the people for whom We (The Ever Almighty God) had not provided any shelter against it.

it was. Truly indeed We (The 18:91. Thus Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Forgiving, Eternal King of the Entire Universe, The The The Eternal Lord and Sustainer Creator and of Everything in the Entire Universe) had encompassed Everything that Zul-Qurnayn had, in knowledge.

18:92. Then Zul-Qarnayn followed another path, 18:93. Until, when he reached between two mountains, Zul-Qarnayn found beside them some people who could hardly understand any word.

18:94. They said: "Thou Zul-Qarnayn (P.m.b.u.h)! Certainly, Gog and Magog cause evil disorder earth. Therefore, can in the we fix for thee expenditure for the purpose that thou an mav make between us and between them a barrier?"

18:95. Zul-Qarnayn said: "The power in which and Eternal Lord Sustainer of me has The established me is better, but of all ye must me with manpower; I will make between assist ye and between them a strong barrier.

18:96. Ye bring me sheets of iron!" Until, when Zul-Qarnayn had leveled between the two mountain walls, Zul-Qarnayn said: "Now blow;" until when he had made it glow like fire, he said: "Bring me, that I may pour over it molten copper!" 18:97. So Gog and Magog were unable to pass over it, nor were they able to dig through it.

18:98. Zul-Qarnayn said: "This is the Mercy from me; Eternal Lord Sustainer of The and surely the Promise of The Eternal Lord and when Sustainer of me to pass, He will level comes this barrier to the ground, truly the Promise of The and Eternal Lord Sustainer of me is always true!"

18:99. Truly on that Day We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Forgiving, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will leave some of them surging over each other; and the Trumpet will be blown; surely We will gather all of them together.

Day (of Truly on that Resurrection 18:100. and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife the measured extent World. whereof is Fifty Thousand Years) We (The Ever Almighty God, The King of the Entire Universe will display Eternal Hell to the unthankful disbelievers, plain to view,

The people whose eyes had been within 18:101. My Wise Reminder to and cover a my Remembrance, and they were not able to hear Miraculous Verses Miraculous Signs *€*the and the Miraculous Words the the Miraculous and and Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, Most High, The Creator The Ever and The Sustainer of the Entire Universe). Eternal Lord and

Then do the people who 18:102. unthankfully they can take My that disbelieve think servants as protecting friends instead of Me? Certainly, We (The Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever The Ever Compassionate, The Ever Most Equitable, Most Most High, The Ever Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and of the Entire Universe) have prepared Hell Sustainer unthankful disbelievers as the accommodation. for the

Thou Ο Muhammad! **(The** Honourable 18:103. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h of must "Shall we inform all of ye Humankind say: of those as to their actions? who will the greatest losers

the They whose 18:104. people striving are astray in efforts have gone the life of this present Earthly World; while they think that they their work!" are doing well in

Such the people who unthankfully 18:105. are disbelieve in the Miraculous Verses of The Eternal Sustainer of them and the Lord and in Meeting Him; therefore, their actions have with become Surely We (The Ever Almighty God, worthless. Most Equitable, The Ever Most High, The Ever The Ever Most Mighty, The Eternal King of the The Eternal Lord Sustainer Entire Universe. and of assign to Entire Universe) will not them the on Day of Resurrection and Judgement any weight. the

18:106. This is their requital punishment: Hell; solely because they unthankfully disbelieved and they took My Miraculous Verses and My Messengers in ridicule.

18:107. Certainly, the people who truly believe and righteous good actions, they will do have the Firdaus Everlasting Gardens of the as residence Final Mighty Day of Resurrection the (+on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the extent whereof is measured Fifty Thousand Years?;

18:108. They will reside in them for ever. They will not ever desire from them any transfer.

O Muhammad! (The Honourable 18:109. Thou and Trustworthy and the Truthful Messenger the and of The Ever Almighty God to each Prophet and every one of the Human Beings P.m.b.u.h must were ink for writing "If the whole ocean say: Words of The Eternal Lord and Sustainer of the the whole ocean of ink would indeed come to me. the Words of The Eternal Lord and end before an Sustainer of me would come to end. even if an We were to bring the like of it as a supplement!"

Muhammad! **(**The 18:110. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Wise to Merciful, The Ever All each and every of the Human Beings P.m.b.u.h must one say: "I a human being just like only all of am ye it been the Human Beings, has Miraculously that The God of all Revealed to me True of Beings is The Human Ever One God. ve the Therefore. any person who hopes in the Meeting Eternal Lord and Sustainer him. The of with must do righteous good actions, and Surely he he ever associate anything whatsoever in must not the worship of The Eternal Lord and Sustainer of him!"

19: Sûrah Chapter Maryam Mary P.m.b.u.h. M.V. 98

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Kaaf, Haa, Yaa, Ayn, 19:1. saad. This is the honourable mention 19:2. of the Mercy Sustainer (The of The Eternal Lord and of thee Almighty God, The Most Gracefully Ever Ever Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Generous. Kind. The Ever Most The Most Ever All Wise y upon His Servant Zechariah (P.m.b.u.h).

19:3. Zechariah *€*the Honourable When and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, Most Merciful, The Eternal King of the The Ever Eternal Lord and Sustainer Entire Universe, The of the Entire Universe P.m.b.u.h) called in Prayer The Eternal Lord and Sustainer of him, a Prayer in secret.

19:4. Zechariah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, my bones have weakened and white hair has spread on my head, truly I have never been unblessed in my Prayer to Thee, Thou The Eternal Lord and Sustainer of me!

fear 19:5. Truly indeed Ι the successors after me So and my wife has been barren. Thou please heir from very close to Thee. give me an

inherit Who can inherit from and 19:6. me. also (P.m.b.u.t). And from Children of Jacob the Thou please make him, Thou The Eternal Lord and Sustainer The one with whom Thou are pleased!" of me!

19:7. "Thou O Zechariah (P.m.b.u.h)! We give thee good true news of a Son whose name will the John (the Honourable and the Trustworthy and be Truthful Prophet of The Ever Almighty God, the Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h. The not given this name to anyone before!" We have

Zechariah (the Honourable 19:8. and the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty and the Ever Most Gracefully Compassionate, The God. The Most Merciful, The Ever All Wise, The Eternal Ever King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: The Eternal Lord and Sustainer of me! How "Thou Son, when my wife has been barren I have a can and indeed I have reached an extreme old age!"

The Angel said: "It will so. The Eternal be 19:9. "It is easy Sustainer of thee says: Lord and Truly indeed, I have created do. for Me to before, when thou were nothing all!" thee at

19:10. Zechariah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord of me! Thou please appoint for me a Miraculous Sign!" He said: "Your Miraculous Sign is that despite having sound body and health, thou will not be able to speak to Humankind for three nights!"

Zechariah *∲*the Honourable 19:11. Then and the and Truthful of Prophet Trustworthy the The Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate P.m.b.u.h) came out to his people Prayer chamber and he signalled the from to of ye always that all them must Glorify (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate before sunrise and nightfall. at

19:12. "Thou O John (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h)! Thou must hold the Heavenly Book firmly with all your power!" Truly We gave him abundant wisdom while he was a boy,

19:13. And Kind-heartedness from Our Presence and complete purity from sins, truly he was the righteous who feared The Ever Almighty God.

19:14. And he was always kind to his parents, and he was not ever a disobedient tyrant.

19:15. Truly peace be upon John $\langle P.m.b.u.h \rangle$. the born and the Day he dies and Day he was up alive. will be raised the Day he

19:16. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Mary in the Heavenly Book, seperated from her family when she to a place towards the east (Mary was the Honourable and the Trustworthy and the Truthful, who was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, truly she always bore witness Books of The Ever all the Words and all the to Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h).

19:17. Surely she secluded herself from them. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful **}** Spirit (the Mighty Holy Angel to her Our sent Gabriel P.m.b.u.h), truly Gabriel appeared before Mary (P.m.b.u.h) in the accurate form of a human being.

19:18. Mary (the Honourable and the Trustworthy and Truthful who was always devoutly obedient the to Almighty Commandment of The Ever God. every truly she always bore witness to all the Words and all the Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) said: Ι seek refuge "Certainly, in The Ever Most if Gracefully Compassionate from thee, thou are the righteous who fears The Ever Almighty God!"

19:19. Gabriel (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger of The Ever Almighty and the Most Gracefully Compassionate, Ever God. The Most Merciful from among the Angels The Ever P.m.b.u.h said: "I am only the Messenger of The Eternal Lord and Sustainer of thee, for the purpose to award thee the righteous pure Son!"

19:20. She said: "How can I have a Son, when no man has touched me and I am not ever unchaste?"

19:21. Gabriel (P.m.b.u.h) said: "It will be so. The Eternal Lord and Sustainer of thee says: "It is easy for Me. And for the purpose that We (The Ever Almighty God) may make him (the Messiah Jesus, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.t), the Miraculous Sign for Humankind and the Mercy from Us, truly it is a matter already decreed.

Surely Mary (the Honourable and 19:22. the and the Truthful who was always Trustworthy devoutly obedient to every Commandment of Ever Almighty God P.m.b.u.t) conceived him, The she withdrew with him to a distant place. and

658

19:23. Then the pains of childbirth drove Mary the Honourable and the Trustworthy and the Truthful who was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, trulv always bore witness to all the Words and she all the Books of The Ever Almighty God, The Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Most Merciful P.m.b.u.h to the trunk of a palm said: "Oh, I wish She that I had died tree. were something totally and forgotten!" before this

19:24. Then he called her from below her: "Thou must not grieve; The Eternal Lord and Sustainer of thee has indeed provided a water stream beneath thee.

19:25. And shake the trunk of the date palm towards thee, fresh ripe dates will drop down upon thee.

19:26. So thou may eat and drink and delight your eyes. Truly if thou see any human being, then thou must say: "Certainly, I have vowed a fast to The Ever Most Gracefully Compassionate; therefore, I will not speak to any human being this day!"

Then Mary (the Honourable and 19:27. the and the Truthful who Trustworthy was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, truly she always bore witness and all all the Words to the Books of The Almighty God, The Ever Most Ever Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) brought him to her people, carrying him. They said: "Thou O Mary! Indeed thou have in fact committed a terrible thing.

19:28. O Sister of Aaron! Your father was not a bad man and your mother was not unchaste!"

19:29. Then Mary (the Truthful who was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) pointed towards him. They said: "How can we speak to the one who is still a child in the cradle?"

Jesus (the Honourable 19:30. The Messiah and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) said: "Certainly, the Servant of The Ever Almighty I am God. The Ever Almighty God has given me the Heavenly Book and He has made me the Prophet.

19:31. And The Ever Almighty God has made me blessed wherever I may be, and The Ever Almighty God has Commanded me to Pray and give the Mandatory Alms as long as I live.

19:32. And The Ever Almighty God has made me kind to my mother, and The Ever Almighty God has not made me a wretched tyrant.

19:33. Truly peace is upon me on the Day I was born, and the Day I die and the Day I will be raised up alive.

19:34. Such a one is Jesus; the Son of Mary (P.m.b.u.t). The statement of The Whole Truth about which they are in doubt.

19:35. It is not in any way befitting for The Ever Almighty God to take any Son; all Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God, whenever He decides anything, He only says to it: "Be!" Surely it is always done.

660

19:36. Truly indeed Ever Almighty God The is Lord The Eternal Sustainer of and and me Lord and Sustainer all The Eternal of ve: all of ye must always worship therefore. only The Ever Almighty God. This is the Straight Path.

sects differed from 19:37. Then the among them: surely there will destruction the be to people who unthankfully disbelieved from Meeting the of Mighty Day (the Final Mighty Day of the Resurrection and Judgement and Requitals and the Eternal Afterlife World. Rewards in

clearly they will 19:38. How hear and see on Day when they will come to Us, the but today iniquitous wrongdoers are in the clear straying. the

19:39. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to every one Humankind P.m.b.u.h³ must of each warn and of Humankind of the Day of Regret, every one every matter will be judged, but they when are unthankful heedlessness and they do not believe. in

19:40. Certainly, We (The Ever Almighty God) are The Inheritor of the whole earth and each and every one who is upon the whole earth, truly each and every one of Humankind will be returned to Us.

19:41. And thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful the Trustworthy and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Abraham $\{P.m.b.u.h\}$ in the Heavenly Book. Certainly, He was the Truthful Prophet.

19:42. When Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Best Friend of The Ever Almighty and God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal The Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? said to his father: "Thou my father! Why do thou cannot gods who hear and worship statue they and they cannot benefit thee cannot see at all?

father! Certainly, Thou there 19:43. my has knowledge of the come to me that which thee. Therefore. has come to thou not must follow me; I will guide thee to the Right Path.

19:44. my father! Thou Thou must not ever worship the devil Satan. Certainly, the devil Satan has been unjustly disobedient to The Ever Gracefully Compassionate. Most

19:45. my father! Certainly, I fear Thou that punishment from The Ever Most Gracefullv the afflict Compassionate thee, that thou may and the friend of the devil may become Satan!"

19:46. said: "Have thou turned He away from Abraham (P.m.b.u.h)? If thou gods. thou do my will definitely stone stop this, indeed I not thee. must leave me for a long time!" therefore. thou

19:47. Abraham (the Honourable and the Truthful and the Trustworthy Messenger and Prophet and the Best Friend of The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h said: "Peace be eventually Pray for forgiveness upon thee! I will for The Eternal Lord and Sustainer of thee from Certainly, He is The Ever Most Kind to me. me.

19:48. Truly I will leave all of ye and all those in Prayer other than The Ever other gods ye call Prayer only Almighty God. And I will call in Sustainer Eternal Lord and of The me. and I strongly hope that I will not be unblessed in my Prayer to The Eternal Lord and Sustainer of me!"

So when he had left all of them 19:49. and all those other gods they worshipped other than The Almighty God, We (The Ever Almighty Ever God. Ever Gracefully Compassionate, The Ever The Most gave Araham, Merciful} Most Isaac and Jacob (P.m.b.u.t), and We made each of them the Prophet.

19:50. And We (The Ever Almighty God) awarded them from Our Mercy, and We made for them the honourable mention on the tongues of the nations.

19:51. And thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Moses (P.m.b.u.h) in the Heavenly Book. Certainly, he was devoutly sincere, and he was the Messenger and the Prophet.

Truly We (The Ever Almighty God, 19:52. The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and Sustainer The Eternal Lord of and the Entire Moses Universe) called out to (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living P.m.b.u.h from the right side of At-Tûr, and We made him Us for a direct talk with him. draw near to

19:53. And We gave Moses (P.m.b.u.h) out of Our Mercy his brother Aaron (P.m.b.u.h) as the Prophet.

19:54. And thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Trustworthy and the Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must each honourable mention of Ishmael (P.m.b.u.h) the make the Heavenly Book. Certainly, Ishmael (P.m.b.u.h)in always truthful to whatever he promised, was and the Messenger and the Prophet. he was

*€*the Honourable 19:55. And Ishmael and the Trustworthy the Truthful Messenger and and Prophet Ever Almighty God, The of The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) used to command family equitably perform the Prayer his to and Mandatory Alms; truly give the The Eternal Lord and Sustainer of him was well pleased with him.

O Muhammad! (The Honourable 19:56. And thou and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to every one of the Human Beings P.m.b.u.h³ must make the honourable Idrees {the Honourable mention of and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Merciful P.m.b.u.h in the Heavenly The Ever Most Book. Certainly, he the Truthful Prophet. was

Truly We The Ever Almighty 19:57. God. The Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, Ever Lord Creator and The Eternal the The of Entire Universe raised him to the supremely high station.

are the people upon whom They 19:58. The Almighty God (The Ever Most Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Living) awarded His Favours and Blessings from among the Prophets, from the descendants of Adam those whom We and from carried with Noah. and of Abraham Israel from the descendants and and guided whom We from among those and chose (P.m.b.u.t). Whenever the Miraculous Verses of The Most Gracefully Compassionate were recited Ever they fell down prostrating and to them. weeping.

19:59. Then there came after them other generations who unthankfully neglected the Prayer and followed iniquitous desires. Therefore, eventually they are going to meet evil (because of their evil actions);

19:60. Except each and every person who repents and truly believes and does righteous good actions. Surely such people will enter the Everlasting Garden, truly they will not be treated with any iniquity at all.

19:61. The Everlasting Gardens which The Ever Most Gracefully Compassionate has promised to His servants in the Unseen. Certainly, the Promise of The Ever Almighty God will indeed come to pass.

will hear in 19:62. They not the Everlasting any evil speech, they Gardens will hear only they Peace, will greetings of and have their sustenance therein morning and evening.

Everlasting Garden which 19:63. Such is the We Ever Almighty God, The Ever Most Merciful **}** (The the inheritance righteous will award as to Our servants who feared The Ever Almighty God.

(The Angel Gabriel, the Honourable 19:64. and Trustworthy and the Truthful Messenger of The the The Almighty God, Ever Most Gracefullv Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire The The Eternal Lord Universe. Creator and and Sustainer of the Entire Universe from among the P.m.b.u.h): "Truly we Angels said do not ever of The except by the Command descend Eternal Sustainer of thee. Only Lord and Him to Everything that is front in belongs of us Everything that is behind us and Everything and between them: truly that in The Eternal is and Sustainer of thee does not ever forget. Lord

19:65. The Eternal Lord and Sustainer of all and the whole earth and Everything the heavens surely thou that is between them: must always worship only The Ever Almighty God, and thou steadfastly always remain patient in must worshipping only Him. know Do thou of any one who is equal to Him in the Good Names?

Truly Human Being {who 19:66. the unthankfully disbelieves in The Ever Almighty God and His Books and His and His Angels Messengers and the Final Mighty Day of Ressurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) says: "What? Once I am dead, will I be eventually brought back to life again?"

19:67. But does the Human Being not remember (The Ever Almighty God, The that We Ever Most Compassionate, The Eternal Gracefully Lord and Universe) have the Entire Sustainer of created first time, while he was nothing at all? him the

19:68. by the oath of The Surely Eternal Lord Sustainer of thee, indeed (The We and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, King of the Entire Universe, Eternal The The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } will all of the Human Beings and gather the We indeed devils together; thereafter, will definitely all of them around the Hell on their knees. bring

indeed We (The Thereafter, Ever 19:69. Almighty Gracefully Compassionate, Most God. Ever The Ever All Wise will definitely take out The from all those who had been most defiant every sect against The Ever Most Gracefully Compassionate.

19:70. Thereafter, indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise) are The Ever Most Knowing of those who are most deserving to burn in the Hell.

none Truly there is of 19:71. ye each and one of Humankind will he every but come to The Eternal Lord This upon and Sustainer it. is thee. the Decree which fulfilled. of must be

Thereafter We (The Ever Almighty 19:72. God. The Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever All the Wise will all righteous people who save and The Ever Almighty God, feared We will wrongdoers there their knees. leave the iniquitous on

Truly when Our Supremely Clear Miraculous 19:73. are recited to the Human Beings, the people Verses unthankfully disbelieve say to the people who who us truly believe: "Which of two parties is better position and best in imposing in an army?" as

19:74. Truly how many of generations We (The Almighty God. Gracefullv The Ever Most Ever Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever Powerful} have destroyed before All them who were better in earthly assets and outward glitter?

Muhammad! **The** 19:75. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of Ever Almighty The God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: who follows straying "Any person path, the then Ever Most Gracefully Compassionate The indeed extension; until, for him when extends an they whatever they have been promised, either the see punishment Final or the Time. then they requital eventually come is will to know who worst position, and weaker in respect of soldiers!" in

Truly The Ever Almighty God 19:76. increases in Heavenly Guidance the people who follow the Heavenly Guidance. Truly the good actions of lasting Sight of The value best in the are Eternal Lord in respect of reward Sustainer of thee and and best in terms of turning back (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals in the Eternal Afterlife World. the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

have 19:77. So. thou seen the person who disbelieved in Miraculous unthankfully Our Verses said: "Indeed will definitely he and Ι be children!" given wealth and

looked into the knowledge 19:78. Has he of taken promise has he any the Unseen. or from Ever Most Gracefully Compassionate? The

19:79. Certainly not! We (The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate, The The Ever Most Ever The Creator The Ever Most Equitable, All Powerful, Eternal Lord and The The Eternal Sustainer and Entire Universe will eventually write of the down make whatever he says, and We will the extension the requital punishment for him extensively: of

We (The Ever Almighty God, 19:80. Truly The Gracefully Compassionate, Most The Ever Creator of Everything) will inherit from him whatever he of. and he will come to Us all speaks alone.

Truly they have taken 19:81. gods other than Almighty God for purpose The Ever the that they may be source of honour for them. a

Certainly not! Eventually their fake 19:82. gods will their worship of them, they will reject and turn the *fon* Final Mighty against them Day of and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Have thou We (The 19:83. not seen that Ever God, The Most Gracefully Almighty Ever Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Living? devils the upon the unthankful have sent inciting them disbelievers, with constant incitement?

Surely thou hasten 19:84. must not against the disbelievers; We (The Ever unthankful Almighty Gracefully The Compassionate, Most God. Ever Equitable, The Ever Most The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe are only counting down against them the counting.

19:85. On the Day We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, and The Eternal Lord of the The Creator Entire Universe will gather all the righteous people who Ever Almighty God unto feared The The Ever Most Gracefully Compassionate as the honoured guests.

And We (The Ever Almighty God, The Ever 19:86. Gracefully Compassionate, The Most Ever Most The Creator and The Eternal Lord Equitable, and of the Entire Universe will Sustainer drive the criminals to Hell like the thirsty herd. iniquitous

19:87. No one will have the power to intercede except the person who has received a Promise from The Ever Most Gracefully Compassionate.

19:88. And they say: "The Ever Most Gracefully Compassionate has taken a Son!"

19:89. Indeed, ye people have in fact brought forth the terrible evil utterance.

19:90. All the heavens be are almost about to solely because of this terrible evil apart torn and the earth is almost split utterance. and open Mountains almost crumble to pieces, the

19:91. For that they have ascribed a Son to The Ever Most Gracefully Compassionate.

it is Truly 19:92. not by any means befitting for The Ever Most Gracefullv Compassionate that He should Son. ever take a

19:93. There is no one in all the heavens and earth except that and the each every of them will come Ever to The Most one Gracefully Compassionate as a servant.

Indeed, Ever 19:94. The Most Gracefullv fact Compassionate has in enumerated them and He has with counted them the full counting.

19:95.TrulyeachandeveryoneoftheHumanBeingswillcomeallalonetoTheEverMostGracefullyCompassionateontheDayofResurrectionandJudgement.

19:96. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions, The Ever Most Gracefully Compassionate will eventually create love for them.

19:97. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate have made Qur'an easy in your own this tongue. Book that thou 0 only for the purpose Muhammad! Honourable and the Trustworthy (The and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate and every one of Humankind P.m.b.u.h each to may announce the good true news by this Book Our'an all the righteous people who fear to thou may warn by The Ever Almighty God, and Book Qur'an the people iniquitous. who are this

19:98. Truly how many of the generations We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise) have destroyed before them! Do thou see any trace of anyone of them, or do thou hear even a whisper of them?

20: Sûrah Chapter Ta-Ha The Miraculous Verses 135

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

20:1. Taa, Haa.

We (The Ever Almighty God, The Creator and 20:2. Eternal Lord and Sustainer of The the Entire not Miraculously Revealed Universe have the Our'an Muhammad! (The Honourable thee 0 to and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the The Ever Almighty God to each and every of one of Humankind P.m.b.u.h?) to cause thee distress.

Truly the Qur'an the 20:3. is Wise as Reminder for each and every person of The Ever Almighty God. who fears Humankind

The Miraculous Qur'an is the 20:4. Revelation True God Who from The has created the all the high whole earth and heavens,

20:5. The Ever Most Gracefully Compassionate, The True God Who has established Himself upon the Ever Supremely Mighty Throne.

20:6. Only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth and Everything that is between them and Everything that is beneath the soil.

20:7. Truly if thou speak aloud, surely indeed The Ever Most Gracefully Compassionate always knows very well every secret and whatsoever is even more concealed.

672

20:8. The Ever Almighty God, there is no God except Him Alone, only to The Ever Almighty God belong the Ever Most Good Names.

Truly has the story of Moses (the Honourable 20:9. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.hand reached thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The Compassionate. The Ever All Wise. The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Eternal King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Sustainer of the Entire Universe to each Lord and every one of the Human Beings P.m.b.u.h?? and

20:10. When Moses (P.m.b.u.h) saw a fire, then he said to his family: "Wait here; certainly I have seen a fire. Perhaps I will bring ye from there a burning wood or I may find some guidance at the fire!"

20:11. But when Moses (P.m.b.u.h) came to the fire, he was called: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)!

20:12. Certainly, I am The Eternal Lord and Sustainer of thee, therefore, take off your sandals. Certainly, thou are in the Sacred Valley of Tuwâ,

20:13. Truly I have chosen thee, therefore, listen attentively to whatever is Miraculously Revealed.

20:14. Certainly, I The Ever am Almighty God except God. There is Me Alone. no Therefore, always worship thou only must Me always equitably perform thou and must the prayer for the purpose to remember Me.

20:15. Certainly, the Final Time (the Final Day and Judgement and Reckoning and of Resurrection Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, extent whereof is Fifty Thousand the measured Years) is coming, I have chosen to conceal it for the purpose that every person mav be requited according to that for whatever he strives.

20:16. Surely thou must not ever let any person who does not truly believe in the Final Time and follows his iniquitous desires prevent thee from truly believing in the Final Time, then thou will perish.

20:17. "And what is that in your right hand, thou O Moses (P.m.b.u.h)?"

20:18. Moses (the Honourable and the Trustworthv Truthful Messenger Prophet of The and the and Almighty God, The Most Gracefully Ever Ever Compassionate P.m.b.u.h said: "This is my Staff: I lean on it and with it I beat down leaves for my sheep and I other uses therein!" also have

20:19. The Ever Almighty God said: "Thou must throw it down, thou O Moses (P.m.b.u.h)!"

20:20. Therefore, he threw the Staff down, and suddenly it became fast-moving large snake.

The Ever Almighty God (The Ever Most 20:21. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal Entire Universe, The Creator and King of the The Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and said: "Thou must pick it up and thou must not fear: We will return it to its former state.

And thou 0 Moses! (The 20:22. Honourable and the Truthful and the Trustworthy Messenger and The Ever Almighty God. Prophet of The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise P.m.b.u.hplace vour hand must under your armpit: it will come out shining white without Miraculous any harm, Another Sign. as an

purpose that We (The Ever Almighty the 20:23. For Most Gracefully Compassionate, The God. Ever The The Ever Most Mighty} Merciful, Ever Most mav Great Miraculous thee of show some Our Signs.

20:24. Thou O Moses (P.m.b.u.h) must go to Pharaoh; certainly, he has unjustly transgressed!"

{the 20:25. Moses Honourable and the Trustworthv Truthful the Messenger and Prophet of The and Almighty God, The Ever Wise Ever All P.m.b.u.h"Thou The Lord and said: Eternal Sustainer of me! Thou please expand my chest for me.

20:26. And Thou (The Ever Almighty God) please make my task easy for me,

20:27. And Thou (The Ever Almighty God) please untie the knot from my tongue,

20:28. So that they may understand my words.

20:29. And Thou (The Ever Almighty God) please appoint for me a minister from my family,

20:30. Aaron (P.m.b.u.h) my brother.

20:31. Thou please increase through him my strength,

675

20:32. And Thou (The Ever Almighty God) please make Aaron (P.m.b.u.h) to share in my task,

20:33. So that we may Glorify Thee very often,

20:34. And we may remember Thee very often.

20:35. Certainly, Thou (The Ever Almighty God) are always of us The Ever All Seeing!"

The Ever Almighty God (The Ever 20:36. Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever All Wise, The The Ever Living, Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe said: "Indeed thou have been awarded your request, thou O Moses (P.m.b.u.h)!

20:37. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) in fact awarded the Mighty Favour upon thee at another time,

20:38. When We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) Miraculously Revealed to your mother, that which We Miraculously Revealed.

Saying: "Thou 20:39. must put Moses $\{P.m.b.u.h\}$ chest. him into the then thou must place into the river will cast him on river, then the to shore; there Moses (P.m.b.u.h) will be taken the by the enemy of Mine and the enemy in of his!" Truly I bestowed upon thee the love from Me, and for the purpose that thou would be brought up under My Ever Watchful Eye.

20:40. When your sister went and said: "Shall I direct ye to someone who will look after him?" Then We (The Ever Almighty God) returned thee to your mother, so that she may comfort and not grieve. Truly thou killed a her eves but We saved thee from the distress. and man. thee with We have tried many other tests. Truly thou remained some years among the people of Madyan. Therefter, thou have arrived at the decreed time, thou O Moses! (P.m.b.u.h).

20:41. Truly I (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have chosen the particularly for Myself.

20:42. Thou must go, thou and your brother, with My Miraculous Signs, and both of ye must not ever falter in remembering Me.

20:43. Both of ye must go to Pharaoh; certainly, Pharaoh has unjustly transgressed.

20:44. Surely both of ye must speak to Pharaoh with gentle words; for the purpose that Pharaoh may follow the Wise Reminder or he may fear The Ever Almighty God (The Ever Most Mighty)!"

20:45. Moses and Aron (P.m.b.u.t) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Certainly, we fear that Pharaoh may do us great harm or that he may unjustly transgress!"

20:46. The Ever Almighty God said: "Both of ye must not ever fear. Certainly, I am with both of ye; I am The Ever All Hearing and I am The Ever All Seeing!"

20:47. Surely both of ye must go to Pharaoh, ve must say: "Certainly, we then the are Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of must send with Therefore. thou thee. the us of Israel (P.m.b.u.t), and thou Children must not them. Indeed, we have come torment thee to Miraculous Sign from the The Eternal Lord with Sustainer of thee. Truly peace will and be upon every person who follows the Heavenly Guidance.

20:48. Certainly, it has indeed been Miraculously both requital of Revealed to us that the punishment will befall each and upon every person who unthankfully denies away!" and turns

20:49. Pharaoh (the unjust transgressor) said: "Surely who is The Eternal Lord and Sustainer of both of ye, thou O Moses (P.m.b.u.t)?"

20:50. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Ever Most Gracefully Sustainer Compassionate, The Eternal Lord and of the Entire Universe P.m.b.u.h? said: "The Eternal and Sustainer of us is The God Who has Lord given each and every thing its physical distinctive form. Thereafter, He guided each and every thing!"

20:51. Pharaoh said: "Then what is the status of the previous generations?"

(P.m.b.u.h) said: "The knowledge 20:52. Moses is in the Providence of thereof The Eternal Lord Sustainer of me in the Book. The and Eternal Lord Sustainer and of me does not ever go astray nor does He ever forget anything!"

20:53. He is The God Who has made the earth a bed spread out for all of ye Humankind, and He has made in the earth pathways for all of ye, and He has sent down from the heaven rainwater, thereafter We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have brought forth thereby every kind of plant.

20:54. All of ye Humankind may eat, and all of ye may pasture your livestock. Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs for the people who possess intelligence.

20:55. From the earth We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have created each and every one of ye Humankind, truly into the earth We will return each and every one of ye Humankind, and from the earth We will resurrect each and every one of ye Humankind the second time.

20:56. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) in fact showed Pharaoh Our Miraculous Signs, all of them, but Pharaoh unthankfully denied and refused.

20:57. Pharaoh said: "Have thou come to us to drive us out from our land with your magic, thou O Moses (P.m.b.u.h)?

20:58. Then, indeed we will bring against thee magic just like it. So thou make an appointment between us and between thee, which we will not fail to keep nor thou, at a convenient place!"

20:59. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the The Ever All Wise. The Eternal Almighty God. and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? Lord appointment is on the day of the "Your said: midmorning!" festival when the people assemble at

20:60. So Pharaoh went away, then he devised his plan; thereafter he returned.

20:61. Moses (P.m.b.u.h) said to the magicians: "There is destruction to ye! Ye must not ever invent untruth against The Ever Almighty God, or He will destroy ye with the requital punishment; truly indeed, every person who invents untruth has always failed!"

20:62. So they dicussed their plan among themselves, and they concealed their private conversation.

The magicians said: "Certainly, these 20:63. are indeed two magicians who drive want to ve your land with out from their magic, and end to your exemplary way of life. an put

20:64. So ye must devise your plot, thereafter, ye must come forward in line. Truly whoever overcomes this day will indeed be triumphant!"

magicians said: "Thou 20:65. The 0 Moses {P.m.b.u.h}! Either thou throw down. or we down!" first to be the throw will

Moses (P.m.b.u.h) said: "Rather, 20:66. ve throw suddenly their ropes down!" Then and their appeared to Moses $\langle P.m.b.u.h \rangle$ staffs. from their as though they were moving. magic,

20:67. Then Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) felt within himself the feeling of apprehension.

20:68. We (The Ever Almighty God) said: "Thou must not fear. Certainly, thou yourself will overcome.

20:69. Truly thou O Moses! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) must throw down what is in your right hand; it will swallow up what they have crafted. What they have crafted is but the trick of a magician, truly the magician will not triumph wherever he may be!"

20:70. Then the magicians fell down prostrating. They said: "We truly believe in The Eternal Lord and Sustainer of Aaron and Moses (P.m.b.u.t)!"

said: "Have all 20:71. Pharaoh of ve trulv believed in him, even before I gave ye permission? Certainly, he is indeed your great master who has taught ye magic. Therefore, indeed I will definitely cut off your hands and your feet on opposite and indeed I will definitely crucify sides. all of ye on the trunks of palm trees, and indeed ve will definitely come to know which of us has the more severe and more lasting punishment!"

They said: "We definitely will 20:72. never prefer over whatever has of thee come to us the Supremely Clear Proofs and nor God The to Who Therefore, thou Pharaoh may decree created us. has desire whatever thou to decree. Thou can only decree for the life of this present Earthly World.

20:73. Certainly we have truly believed in and Sustainer of The Eternal Lord us for the that He may forgive us our sins purpose and whatever thou forced us to do of magic. Truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Creator and The Lord and Sustainer of the Entire Eternal Universe } is The Ever Most Good and The Ever Lasting!"

20:74. Certainly inded each and every person to The Eternal up Lord and who comes Sustainer of him as an iniquitous criminal, surely be equitably requited with Hell; indeed he will such a person will neither die therein nor live.

20:75. Truly any person who comes to The Eternal Lord and Sustainer of him as the true believer having done righteous good actions, surely such people will have the good high grades:

Everlasting Gardens The beneath 20:76. which will reside flow, they for rivers in them ever. such is the reward Truly of each every person who sanctified himself. and

20:77. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Even Most Equitable) in fact Miraculously Revealed Ever to Moses (P.m.b.u.h), saying: "Thou must depart with servants, surely thou must strike for My them a dry path through have fear of being ove the sea; thou will not being overtaken nor being afraid!"

20:78. Then Pharaoh pursued them with his soldiers, surely there covered Pharaoh and his soldiers from the sea that which covered them.

20:79. Truly Pharaoh led his people astray surely he did not correctly guide them.

O Children of Israel (P.m.b.u.t)! We (The 20:80. Ever Almighty God, The Ever Most Merciful? saved all of ye from your enemy, and We made а Pledge with ye on the right side of the Mountain. and quails and We sent down manna to ve,

20:81. All of ye may eat from the good things whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate? have provided Most for all of ye must not exceed ve, and ever the limits therein. My Wrath or will descend on ve. any person on whom My Wrath descends. Truly surely indeed such a person is surely ruined.

For sure I (The Ever Almighty God, The 20:82. Gracefully Compassionate, Ever Most The Ever Most Equitable, The Ever Living, The Eternal King Entire Universe, The The of the Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) indeed and am Ever Most Forgiving to each and every The person who repents and truly believes and does righteous good actions; thereafter, follows the Heavenly Guidance.

Almighty God said}: 20:83. (The Ever "And of has made thee come ahead what vour such haste, thou O Moses (P.m.b.u.h)?" people in

20:84. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God P.m.b.u.h said: "They close are following in my footsteps, and I hastened ahead on Thee. Thou The Eternal Lord Sustainer and to me, for the purpose that Thou of be pleased!"

20:85. The Ever Almighty God said: "Surely indeed We have tested your people in your absence, truly Saamiri has led them astray!"

So Moses (P.m.b.u.h) returned to his people 20:86. angry and aggrieved. He said: "O my people! verv The Eternal Lord and Sustainer of ye Did not good promise? Then make ve a did the time appointed to fulfil the promise seem too long to did ye wish that the Wrath from ve, or The of ye should Eternal Lord and Sustainer descend upon ye, surely ye broke your promise to me?"

said: "We did 20:87. They not break our promise to thee by our free will, but made we were to carry burdens from the jewellery of the people, SO we threw them in, and thus did Saamiri throw in!"

20:88. Then Saamiri extracted for them the image of a calf which made a lowing sound; surely they said: "This is the god of all of ye and the god of Moses (P.m.b.u.h), but he has forgotten!"

they not consider 20:89. Did that the image calf could any of a not answer word to calf image and the of did them. a not power to harm nor benefit them? possess any

Truly indeed Aaron (the Honourable and 20:90. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet P.m.b.u.h) had in fact said to them beforehand: **"(**) people! Ye are only being tested the my bv calf, truly indeed The Eternal Lord and Sustainer of ye is The Ever Most Gracefully of all and Compassionate. Therefore, all of ye must follow me ye must wholly obey my command!" all and of

20:91. The people of Moses (P.m.b.u.h) said: "We will never stop being devoted to the calf until Moses (P.m.b.u.h) returns to us!"

20:92. Moses (P.m.b.u.h) said: "Thou O Aaron (P.m.b.u.h)! What prevented thee, when thou saw them going astray,

20:93. From coming after me? Did thou, too (O Aaron! P.m.b.u.h) disobey my command?"

20:94. Aaron (P.m.b.u.h) said: "Thou the Son of my mother! Please do not seize me by my beard nor by my hair. Certainly, I feared that thou would say: 'Thou have caused division among the Children of Israel (P.m.b.u.t), and thou did not take heed to my word!'

20:95. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet P.m.b.u.h) said: "Surely what is your answer, O Saamiri?"

20:96. Saamiri said: "I saw something they did not see, so I took a handful of dust from the track of the Angel Messenger; then I threw it in, and thus myself enticed me to do!"

20:97. Moses (P.m.b.u.h) said: "Surely thou must go away from here! Truly indeed it will be your allotted share in this present earthly life to say: "Do not touch me!" And certainly, thou have the fixed appointment from which there is no escape. Truly just look at your fake god to which thou remained devoted. Indeed, we will definitely burn your fake god; thereafter, indeed we will definitely scatter its particles into the sea. 20:98. The True God of each and every one of ye Humankind is only The Ever Almighty God, The God Whom there is no God except Him Alone. He has Encompassed Everything in His Knowledge!"

Almighty 20:99. In this way We (The Ever God} thee O Muhammad! (The Honourable and narrate to Trustworthy and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of Humankind P.m.b.u.h³ from True every one the happened before. We what News of Trulv have indeed given thee from very close to Us the Wise Reminder (the Ever Supremely Honourable Qur'an).

person who away 20:100. Any turns from this Reminder {this Qur'an}; surely Wise indeed will carry a heavy burden of such person a on the Day of Resurrection and sins Judgement,

20:101. Such people will remain therein forever, truly that burden will be extremely evil for them on the Day of Resurrection and Judgement.

20:102. The Day when the Trumpet will be blown. We The Ever Almighty God, The Truly Eternal of the Entire Universe, The King Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) will assemble and the iniquitous criminals, on that Day, blind.

20:103. They will murmur among themselves: "All of ye did not stay except ten days!"

20:104. We (The Ever Almighty God, The Ever All Most Knowing Wise} are The Ever of what they of while best the them in will say, correctness say: "All of ye did not stay except one day!" will

20:105. And they ask thee about the mountains. "The Surely thou must say: Eternal Lord and me will blast of them Sustainer away and as particles of dust; scatter them

20:106. Surely The Ever Almighty God will leave the earth a flat plain;

20:107. Thou will not see in the earth any slope nor any elevation!"

20:108. Upon that Day, each and every one of the Human Beings will follow the Summoner from whom there is no escape; truly all voices will be hushed before The Ever Most Gracefully Compassionate, surely thou will hear nothing except whispers.

20:109. Upon that Day, intercession will not benefit except for the person to whom The Ever Most Gracefully Compassionate has given permission and with whose speech He is pleased.

20:110. The Ever Almighty God always knows very well whatever is before them and whatever is behind them. Truly they cannot encompass it in knowledge.

20:111. Truly all faces will be humbled before The Ever Living, The Eternal Watchful Sustainer. Truly indeed any person who carries iniquity will fail.

20:112. Truly any person who does of righteous good actions while he is a true believer, surely he will not fear any iniquity nor any deprivation (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World). 20:113. Truly thus We (The Ever Almighty God, Wise have Miraculously Revealed Ever All The Book the Arabic this Heavenly as Our'an. We have clearly explained in this Arabic and Qur'an the warnings for the purpose that every Humankind may become of the one righteous The Ever Almighty God, who fear or this Arabic Qur'an, may cause them to heedfully remember.

Surely Supremely Exalted is The 20:114. Ever Almighty God, The Eternal True King. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the Almighty God to each Ever every The and one of Humankind P.m.b.u.h must not hasten ahead of the Qur'an before its Miraculous with recitation Revelation is completed to thee. And thou must say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please increase me in knowledge!"

20:115. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) had in fact taken the promise from Adam (P.m.b.u.h) in the past, but he forgot; and We did not find in him determination.

(The 20:116. Remember when We Ever Almighty Angels: "All of God} said to the ye must prostrate for Adam (P.m.b.u.h)!" Surely all the Angels prostrated except Iblees; he refused.

20:117. Then We (The Ever Almighty God, The said: "Thou Equitable} Ever Most O Adam! Certainly, this Iblees is enemy to the thee and wife (P.m.b.u.t). Therefore, thou to your must get both of ye removed devil Iblees let the not from the Garden, then thou will suffer hardship.

688

20:118. Certainly, it is awarded for thee O Adam (P.m.b.u.h)! that thou will not ever go hungry in the Garden nor go unclothed.

20:119. And that thou will not ever go thirsty in the Garden nor suffer the extreme heat from the sun!"

20:120. Then the devil Satan whispered to him; said: "Thou O Adam (P.m.b.u.h)!Shall I he to the of everlasting Tree life. direct thee and the kingdom that will never fade awav?" to

20:121. Then Adam and Eve (P.m.b.u.t) ate of the tree, and their nakedness became manifest to them, and they began to cover themselves with the leaves of the Garden. Thus Adam (P.m.b.u.h) disobeyed The Eternal Lord and Sustainer of him, so he was led astray.

20:122. Thereafter, The Eternal Lord and Sustainer of Adam selected him, surely He turned to him in Forgiveness and Mercy and He guided him.

20:123. The Ever Almighty God said: "All of ye must go down from the Garden together, some of ye being enemies to others. Surely whenever there comes to all of ye the Guidance from Me, then any person who follows My Guidance, surely he will not ever go astray and he will not fall into misery.

any person who turns away 20:124. Truly from My Reminder, surely indeed for such a person a life of great misery, there will be and We The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer the Entire Universe) will raise him up blind of the Day of Resurrection and Judgement!" on

20:125. He will say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Why have thou raised me blind, whereas before I indeed had the ability to see?"

20:126. The Ever Almighty God will say: "Just like Our Miraculous Verses came to thee but forgot them; and exactly thou the same way Day thou too will be forgotten!" this

20:127. Truly just like this We (The Ever Almighty God) requite every person who transgresses the limits and does not truly believe in the Miraculous Verses of The Eternal Lord and Sustainer of him. Truly indeed the punishment of the Eternal Afterlife World is more severe and more lasting.

20:128. Truly has it not been the guidance for them how many generations We have destroyed before them as they walk among their dwellings? Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs for the people who possess intelligence.

20:129. Truly if it had not been for the preordained Word from The Eternal Lord and Sustainer of thee, indeed the inevitable would have happened. And the appointed time decreed.

20:130. So thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet steadfastly patient always be P.m.b.u.h must over and thou must whatever they say Glorify with the Praise of The Eternal Lord and Sustainer of thee before the rising of the sun and before its setting; and surely thou must Glorify Him during the various times of the night, and at both ends of the day, so that thou may be well pleased.

20:131. Truly thou must not ever gaze longingly to whatever We have given beneficial provisions to disbelievers. unthankful is of the pairs it some the adornment of the life of this merelv present Earthly World for the purpose to test them thereby. Trulv sustenance of The Eternal Lord and the Sustainer of thee is supremely better and everlasting.

Truly thou must command your family 20:132. to Prayer, and thou must the perform always be steadfastly patient therein. We do not ask thee for any sustenance; We provide sustenance for thee, truly the Good Final End is for the devoutly pious people.

20:133. Truly the unthankful disbelievers say: "Why the Messenger not bring Miraculous does us the Sustainer Sign from The Eternal Lord and of him?" Has there not come up to them the Supremely Clear Proof of what is Ever written in the former scriptures (of The Ever Almighty God)?

Truly if We (The Ever Almighty God) had 20:134. destroyed them with the punishment before the coming of this Messenger, indeed they would have said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Why Thou send any Messenger. did not to us could have followed we your Miraculous that SO disgrace?" we suffered humiliation and Verses before

20:135. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of all Humankind P.m.b.u.h The Ever Almighty God to say: "Every one waiting; is all SO of must ve Surely eventually all of ye will wait too. come the companions of the Right who are know to who is following the Heavenly Guidance!" Path and

21: Sûrah Chapter Al-Anbiya The Prophets P.m.b.u.h. V.112

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

21:1. The Reckoning Account has drawn for near Humankind, each and every one of while they heedlessness are in unthankful turning away.

21:2. There never comes to them any new Wise Reminder The Eternal Lord and from Sustainer of except that they always listen to it them jokingly.

their totally distracted. 21:3. With hearts Truly the iniquitous wrongdoers conceal their private conversation: "This Messenger is not in any way except a human So just like yourselves. would ye being people magic while ye have insightfulness?" submit to

Muhammad (the Honourable and the Trustworthy 21:4. Messenger and Prophet Truthful of The and the The Ever Ever Almighty God, All Wise to each every one of Humankind P.m.b.u.h said: "The and Eternal Lord and Sustainer of me always knows very that is spoken well word throughout every ever the whole heaven and whole earth, truly He is The Ever All Knowing!" The Ever All Hearing,

unthankful fact the 21:5. But in disbelievers say Supremely Honourable this and Wise Qur'an}: Our'an is "This Book of confused a mixture the Messenger has invented this dreams: rather. Book the Messenger poet. Qur'an; rather, is a Then the Messenger should bring the Miraculous us Sign just like the previous Messengers were sent with!"

21:6. Not a single community ever truly believed, which We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) destroyed before them, so will they believe?

Truly We {The True God} 21:7. did not ever before thee except Men the send as Messengers Miraculousley Revealed. whom We Surely to ve people who read may ask the and follow the Wise Reminder, if ye do not have the knowledge.

21:8. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) did not give the Messengers bodies that did not eat food, nor were they immortal.

21:9. Thereafter, We (The Ever Almighty God) equitably fulfilled for the Messengers the Promise, surely We saved them and each and every person whom We Willed, and We destroyed the unjust transgressers.

21:10. Indeed, We (The Ever Almighty God) have in fact Miraculously Revealed to each and every one Heavenly Humankind the Book in which of ye Reminder for there is the Wise ye. Despite that your intellect to be will equitable? ye not use

21:11. Truly how many of the communities We (The Ever Almighty God) have completely destroyed solely because they were iniquitous wrongdoers, truly We created after them other people.

21:12. Truly when its residents perceived Our punishment coming, immediately they fled from it.

21:13. "Ye flee! But must not return to that lived a luxurious wherein life and ve to your ye may questioned!" in order that be homes.

693

21:14. The unthankful disbelievers said: "There is destruction to us! Certainly, we have been the iniquitous wrongdoers!"

Surely this declaration of 21:15. theirs did not until We (The Ever Almighty God made cease totally them the harvest, cut down. as

21:16. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have not created the heaven and the earth and Everything that is between them in play.

(The Ever Almighty 21:17. Had We God. The Universe } King Eternal of the Entire intended to amusing sport, indeed We could take an have taken it from very close to Us, if We were to do so.

The fact. We 21:18. But in hurl Whole Truth the untruth, surely against The Whole Truth suddenly untruth. then the destroys untruth departs. is destruction for Trulv there the unthankful ve solely because of the untruth ye narrate. disbelievers

21:19. Truly only to The Ever Almighty God and every one each who is in belongs all and the whole earth. the heavens Truly those who unthankfully Him are not ever arrogant are near to worship Him do they become tired. ever nor

21:20. keep Glorifying (The Ever Thev Almighty Gracefully Compassionate The Ever Most God, day, they do night and not ever waver.

among from 21:21. Or have some Humankind for themselves gods from the taken earth who bring the dead people back life can to again?

21:22. If there had been in the heavens and other than The Ever Almighty gods God. earth, and the would indeed the heavens earth have ruined. Surely all Glory with Complete been Ever Almighty is only to The Holiness God. Lord of the The Eternal and Sustainer Throne. from whatever fake gods the polytheists claim.

21:23. The Ever Almighty God is not ever questioned about whatever He ever does, truly each and every one of Humankind will be questioned.

21:24. Or have they taken gods besides The Ever Almighty God? Thou O Muhammad! {The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "Produce your Miraculous Proof. This Our'an is the Wise Reminder for those with me and the Wise Reminder of those before me. But in fact most Humankind do not have the knowledge of of The Whole Truth, therefore they are turning away!"

21:25. Truly We (The Ever Almighty God, The Gracefully Compassionate, The Eternal Most Ever Entire Universe, The of the King Creator and Sustainer of The Eternal Lord and the Entire Universe) did not send before thee any Messenger except that We Miraculously Revealed to everv Messenger, saying: "There is no God except Me Alone; therefore, ye must always worship only Me!"

21:26. And they say: "The Ever Most Gracefully Compassionate has taken a son!" All Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God! But in fact, they are the honoured servants. 21:27. The honoured servants do not ever precede The Ever Almighty God in any word, and they do all actions by wholly obeying His Command.

21:28. The Ever Almighty God always knows very is before well whatever them and whatever is Truly they cannot behind them. intercede except behalf of the person with whom on The Ever Almighty God is pleased. Truly they are always fearful in awe of The Ever Almighty God.

21:29. Truly if any person from among the honoured servants were to say: "Certainly, I am a god besides The Ever Almighty God!" Surely such a person We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) would requite with Hell. Just like this We requite the iniquitous wrongdoers.

21:30. Have the people who unthankfully disbelieve not considered that all the heavens and the earth used to be joined together, surely We The Ever The Eternal King of Almighty God, the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and of the Entire Universe Sustainer separated them. And We have made from the biological cell water every living thing? Despite that will they not believe?

21:31. Truly We (The Ever Almighty God) have the earth firm mountains, to prevent fixed into quaking with ye the Human Beings, the earth and broad roads for made therein the purpose We have that the Human Beings may guide themselves.

21:32. And We (The Ever Almighty God) have made the heaven the well secured roof, yet Humankind are still turning away from its Miraculous Signs. 21:33. Truly The Ever Almighty God is The God Who has created the night and the day and the sun and the moon; each one is rotating in its orbit.

21:34. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) did not award to any Human Being before thee everlasting life (in this present Earthly World); so if thou die, then are they going to live forever?

21:35. Every person will feel death. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) test ye Humankind with bad and with good as a trial test; truly only to Us each and every one of ye Humankind will be returned.

21:36. Truly when the people who have unthankfully thee O Muhammad! (The Honourable disbelieved see and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h), they do no one take thee except in ridicule: "Is this the Messenger who talks about your gods?" Truly they are the ones who are unthankful disbelievers in the Wise Reminder of The Ever Most Gracefully Compassionate.

21:37. The Human Beings has been created hasty. I (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will eventually show all of ye the Human beings My Miraculous Signs, surely ye must not ever ask Me to hasten. 21:38. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

21:39. If the people who have unthankfully disbelieved only knew, the time when they will able to keep the Hellfire be away from not from their backs, and their faces nor they will helped (on the Final Mighty Day of not be Resurrection and Judgement and Reckoning and the Eternal Afterlife World, Requitals in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

21:40. But in fact, it will come upon the unthankful disbelievers suddenly; surely it will stun them, truly they will not be able to repel it, nor will they be granted any reprieve.

21:41. Truly indeed the Messengers were in fact ridiculed even before thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to every one of Humankind P.m.b.u.h), then the people who mocked them were overwhelmed by the punishment they used to ridicule.

21:42. Thou must say: "Who can protect ye every one of the iniquitous wrongdoers at night or by day from The Ever Most Gracefully Compassinate?" But in fact, the iniquitous wrongdoers are turning away from the Wise Reminder and Remembrance of The Eternal Lord and Sustainer of them.

21:43. Or do they have gods to defend them other than Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable)? They are unable even to help themselves, nor will they be protected from Us.

21:44. But in fact, We (The Ever Almighty God) have provided beneficial provisions for these people their forefathers until the life prolonged was and them. Then do they not consider for that We upon the earth, reducing it from its borders? set So. are they the ones who will overcome?

21:45. Thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must to sav: Ϋ́ each and every one of ye Humankind warn only by the Miraculous Revelation!" But the deaf the call whenever they are warned. do not hear

21:46. Truly indeed if tiny bit of punishment of The Eternal Lord and Sustainer of thee unthankful disbelievers. afflicted the indeed they would definitely say: "There is destruction to us! Certainly, we have been iniquitous wrongdoers!"

Truly We (The Ever Almighty God 21:47. will scales of justice on the Dav the of place and Judgement, surely no person will Resurrection treated with any iniquity at all. be Truly if is any action even the weight of a there mustard seed, We will bring it forth. Truly We are The Sufficient to take the Reckoning Account. Ever All

21:48. Truly indeed We in fact gave Moses and Trustworthy (the Honourable and the and Aaron Truthful Messengers and Prophets of The Ever the Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.tthe Ever Distinctive Ever Criterion and the Supremely Glorious Light and the Wise Reminder for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

21:49. The people who fear The Eternal Lord and Sustainer of them in private unseen, and they are always fearful of the Final Time (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

21:50. Truly this Book Qur'an is the Ever Supremely Blessed Reminder We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have Miraculously Revealed. Still are ye people unthankfully denying this Book Qur'an?

21:51. Truly indeed We (The Ever Almighty God) in fact gave Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) his sound judgement even before, truly We always had full knowledge of Abraham (P.m.b.u.h).

21:52. Remember when Abraham (P.m.b.u.h) said to his father and his people: "What are these statue gods to which ye are so devoted?"

21:53. They said: "We found our fathers worshipping these statue gods!" 21:54. Abraham (P.m.b.u.h) said: "Indeed all of ye in fact, all of ye and your fathers have been in the most clear straying!"

21:55. They said: "Have thou come to us with The Whole Truth or are thou one of those who jest?"

21:56. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate P.m.b.u.h) said: "But in The Eternal Lord and Sustainer of each and fact. everv one of ye is The Eternal Lord and Sustainer and the whole of all the heavens earth. He The One Who has created them, and I Alone is of those who bear witness to this truth. am one

21:57. Truly I swear by The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassinate); indeed I will definitely implement a plan against your statue gods after ye have turned and gone away!"

21:58. Surely Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) broke the statues gods into pieces, except the biggest one among them, so that they may return to it.

21:59. The people of Abraham (P.m.b.u.h) said: "Who has done this to our gods? Certainly, he is indeed from among the iniquitous wrongdoers.!"

21:60. Some of the polytheists said: "We heard a young man speaking about our statues gods, he is called Abraham (P.m.b.u.h)!"

21:61. They said: "Then bring him before the eyes of the people, so that they may bear witness!"

21:62. They said: "Did thou do this to our gods, thou O Abraham (P.m.b.u.h)?"

701

21:63. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Rather this, the biggest of them, did it, so ask them if they are able to speak!"

21:64. Then the people of Abraham (P.m.b.u.h) returned one to another, then they said: "Certainly, ye yourselves are the iniquitous wrongdoers!"

21:65. Thereafter, they reversed themselves: "Indeed thou in fact know that these do not speak!"

21:66. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Despite that, do ye people worship other than The Ever Almighty God, statue gods who do not benefit ye people at all, nor harm ye?

21:67. Fie on ye and to all the gods ye worship other than The Ever Almighty God. Despite that do ye people not use your intellect to be equitable?"

21:68. They said: "Burn Abraham (P.m.b.u.h) and help your gods, if ye are determined to act!"

21:69. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) said: "O fire! Thou must become cool and safety for Abraham (P.m.b.u.h)!"

21:70. Truly they intended for Abraham (P.m.b.u.h) an evil plan, but We (The Ever Almighty God, The Ever Living) made them the greatest losers.

702

21:71. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) safely delivered Abraham and Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty God P.m.b.u.t) to the land in which We had placed the Blessings for the Worlds.

21:72. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) gave Abraham (P.m.b.u.h) Isaac and Jacob as an additional gift (P.m.b.u.t), and We made each and every one of them the devoutly righteous.

21:73. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) made them leaders guiding by Our Command. And We Miraculously Revealed to them to do righteous good actions and equitably perform the Prayer and give the Mandatory Alms; truly they worshipped only Us.

Truly to Lot (the Honourable 21:74. and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) We gave great wisdom of judgement knowledge, and We saved him and from the whose people were committing community extremely wicked actions. Certainly, they were the people who were extremely evil and unthankfully rebellious.

21:75. Truly We (The Ever Almighty God) made Lot (P.m.b.u.h) to enter into Our Mercy. Certainly, he was one of the devoutly righteous people. 21:76. Remember Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h), when he called out previously; therefore, We responded to his Prayer and We saved him and his family from the mighty distress.

21:77. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator and The Sustainer of the Eternal Lord and Entire Universe } helped Noah (P.m.b.u.h) against those people who unthankfully denied Our Miraculous Verses. Certainly. they were the people who were extremely evil; therefore, We drowned all of them together.

21:78. Remember David and Solomon (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.t), when they gave judgement regarding the field, when the sheep of the people overran it, and We were witness to their judgement.

21:79. Surely We (The Ever Almighty God) gave understanding of it to Solomon (P.m.b.u.h); truly to each of them We gave great wisdom of judgement knowledge. And We made subservient the and mountains to Glorify Us, along with David { the the Trustworthy and Honourable and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h and Truly it was We **The** also the birds. Ever all those things. Almighty God Who were doing

21:80. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) taught David (P.m.b.u.h) the art of making garments of armour to protect ye people in your wars. So are ye giving thanks?

21:81. Truly to Solomon (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) We made subservient the raging winds, to run by his command towards the land which We had blessed. Truly We always have full knowledge of Everything.

21:82. And from among the devils jinns there were those who dived for Solomon (P.m.b.u.h), and the devil jinns did other work besides that. Truly We were The Guardian over them.

Job (the Honourable 21:83. Remember the and Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Living P.m.b.u.h, when he Lord and Sustainer called out to The Eternal of him: "Certainly, adversity has afflicted me, truly Thou The Ever Most Merciful of all the merciful!" are

21:84. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) responded to his Prayer and the adversity which was We removed afflicting And We gave him his family, him. and the like them. As the Mercy from thereof with Our Providence and the Reminder for the worshippers.

21:85. Remember Ishmael and Idrees and Dhul-Kifl (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.t); each and every one of them was from among the steadfastly patient.

21:86. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise) made them to enter into Our Mercy. Certainly, each and every one of them was from among the devoutly righteous. 21:87. Remember the Man with the whale, {Jonah, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Equitable P.m.b.u.h, when he went off in anger, and he thought that We (The Ever Almighty God would not restrain him. Then he called out praying to Us in the darknesses, saying: "There is no God except Thee Alone! All Glorv with Complete Holliness is only to Thee. Certainly, one of the iniquitous wrongdoers!" I have been

21:88. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, Eternal King of the Entire Universe, The The and The Eternal Lord and Creator Sustainer of Universe³ responded to his prayer the Entire and Jonah (P.m.b.u.h) from We saved the distress. like this We save Surely just the true believers.

21:89. Remember Zechariah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h), when he called out praying to The Eternal Lord and Sustainer of him: me! Eternal Lord and "Thou The Sustainer of Thou please do not leave all alone, me trulv Thou are The Ever Best of all those who inherit!"

21:90. So We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) responded to his prayer, truly We gave to him John, and We completely cured for him his wife (P.m.b.u.t). Certainly, all the Prophets (P.m.b.u.t) used to advance hastely to do righteous good actions and they used to pray to Us with strong hope and fear, and they totally humbled themselves before Us.

21:91. Remember (Mary, the Honourable and the Trustworthv the Truthful who always and was to every Commandment of devoutly obedient The Ever Almighty God, truly she always bore witness the Words and all the Books to all of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) the one who guarded her chastity, therefore, We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper. Most Beautiful, Ever The Ever Most The Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and her of Our Universe blew into Spirit (through among the Angels, the Holy Our Mesenger from Spirit Gabriel P.m.b.u.h) and We made Mary and the Messiah Jesus (the Honourable her Son and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God and His Word The Ever Almighty God directed to which Marv the Spirit from The Ever Almighty God and P.m.b.u.t) the Miraculous Sign for all the Worlds.

21:92. Certainly, this religious party all of ye is one religious party, truly I am The Eternal Lord and Sustainer of all of ye. Therefore, all of ye must always worship only Me. 21:93. Yet the people have divided themselves into sects, every one of them will return only to Us.

21:94. Surely any person who does righteous good deeds while he is a true believer, then there will not be any rejection for his efforts, truly indeed We write down for such a person.

21:95. Truly it is prohibited upon any community which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) have destroyed, that they will not return,

21:96. Until when Gog and Magog are let loose, and they descend from every elevation.

21:97. Surely the true promise (of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe has drawn near; then suddenly the eyesight of the people who unthankfully disbelieved will stare in terror: saving: "There is destruction to us: we have indeed been unthankfully heedless of this truth; but in fact, we have been the iniquitous wrongdoers!"

21:98. Certainly, ye the polytheists and all gods ye worship other than The Ever Almighty God are the fuel of Hell. Ye are going to enter Hell.

21:99. If these other gods had been true gods, they would not have entered Hell, and all of them will reside in Hell forever.

21:100. For them in Hell will be heavy wailing, and therein they will not be able to hear.

21:101. Certainly, the people for whom all that is good has preceded from Us, they are the ones who will be kept far away from Hell.

21:102. They will not hear even the slightest sound of Hell, and they will reside forever in whatever Blessing and Favours their selves desire.

21:103. They will not be grieved by the greatest terror, and the Angels will greet them; saying: "This is your Day, the one which ye were promised!"

21:104. The Day when We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) will fold the heaven just like the folding of a scroll of writings. Just like We originated the first creation, We will create it again. This is the Promise binding upon Us. Certainly, We will do all these things.

21:105. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have in fact written in the Book of Psalms, after the Wise Reminder, that the earth will be inherited by My devoutly righteous servants.

21:106. Certainly, in this Book Qur'an there is indeed the clear Message for the people who worship only The Ever Almighty God.

21:107. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have not sent thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h), except as the Mercy for all the Worlds.

709

21:108. Thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Trustworthy and the Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Only this has been Miraculously Revealed to God of each that The and every one of me Human Beings is The Ever the One God: ve then become therefore. will ye Muslims {those submit to follow the All Blessed Will who and all the Commandments of The Ever Almighty God?!"

21:109. Truly if they turn away, thou O then Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "I have announced the message to each and everv one of ye Humankind equally. And I do not know are promised is near or far. whether whatever ve

21:110. Certainly, The Ever Almighty God always knows very well every word ever spoken aloud, and He always knows very well whatever each and every one of ye Humankind ever conceal.

21:111. Truly I do not know; perhaps it is a trial test for ye Humankind and beneficial provisions until an appointed time!"

21:112. The Messenger has said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please judge with equitable justice. Truly The Eternal Lord and Sustainer of us is The Ever Most Gracefully Compassionate, The One Whose help we seek against whatever untruth ye the unthankful disbelievers narrate!"

22: Sûrah Chapter Al-Hajj The Pilgrimage M.V. 78

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

and every 22:1. O ye each one of Humankind! Ye must always fear The Eternal Lord and Sustainer ye. Certainly, the Earthquake of the Final Time of mighty thing (on the Final Mighty Day is of a and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

22:2. On the Day ye Humankind will see it. every nursing mother will get distracted from child the suckled, and every pregnant woman will abort she pregnancy, and thou will her see Humankind as state, yet they will a drunken not be in drunk, the requital punishment of The Ever Almighty but God {The Ever Most Equitable} is SO severe.

among Humankind there 22:3. still from Yet is a of person who disputes about The Ever Almighty kind The Ever Most Gracefully Compassionate, The God Ever Most Generous, The Ever Most Equitable, The Present Witness Over Everything, The Ever Eternal of the Entire Universe, King The Ever Most The Ever Most Mighty, The Forgiving, Eternal Lord Universe without Entire Sustainer of and the any follows every rebellious devil, true knowledge, and he

22:4. It has been decreed for every rebellious devil; that each and every person who follows him, surely indeed he will lead him astray and he will guide him to the punishment of the Blazing Hellfire.

711

22:5. O ye each and every one of Humankind! If ye are in doubt about the Resurrection; surely indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names. The Ever Most Supremely Holy, Eternal King The the of Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t have created each and every one of ye Humankind from dust; thereafter from a biological cell, thereafter from embryo, thereafter from morsel of flesh. a an formed and unformed, for the purpose that We may make things clear to ye. Truly We cause whosoever We Will to remain in the wombs until an appointed time. Thereafter, We bring ye forth as infants. thereafter for the purpose that ye may reach your age of full maturity. Truly from among ye there is person who dies young and from the among ve there is the person who is brought back to the feeble old age, so that he knows nothing at all. after having knowledge. Truly ye sometimes see the earth lifeless, but when We send down rainwater upon the earth, it is stirred to life and it swells, and it produces every kind of beautiful growth.

22:6. This is because certainly, The Ever Almighty God is The Ever Supreme Truth; and certainly, He Alone is The One Who will bring all the dead back to life again, and certainly, He Alone always has the supremely powerful ability to do Everything.

the Final certainly 22:7. Time is And coming it; doubt about and up, there is no certainly, Ever Almighty God will Resurrect each The every person who is in the and graves.

22:8. Yet still from among Humankind there is a kind of person who disputes about The Ever Almighty God without any true knowledge or any guidance or any Book giving Enlightenment,

arrogantly turns away his neck from The 22:9. He Whole Truth to lead people astray from the Straight The Ever Almighty God. Such a person Path of suffer disgrace in the life of this present will Earthly World, and We (The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Forgiving, Mighty, The Creator Most The Ever and The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } will make him feel on the Day of Resurrection Judgement the punishment of the Burning Fire, and

22:10. This punishment is solely because of all the evil actions the hands of thee have sent forth. Truly indeed The Ever Almighty God does not ever commit iniquity to His servants.

22:11. Truly from among Humankind there is also a kind of person who worships The Ever Almighty right on an edge. Then if something God good reaches him, he is content with it; but if any trial test befalls him, he unthankfully turns away suffered his face. Such a person has loss in this present Earthly World and the Eternal Afterlife indeed the most clear World. This is loss.

22:12. He calls in prayer other than The Ever Almighty God some fake god which does not ever harm him and that which does not ever benefit him. This is indeed the straying far far away.

He calls in prayer one who is indeed 22:13. far likely to harm than benefit him. Indeed more the evil protector such one is most and a is the most evil companion. indeed such one

22:14. Certainly, The Ever Almighty God will the people who truly believe and make do righteous actions to enter into the Everlasting Gardens good rivers Certainly, beneath which flow. The Ever does whatever He Almighty God always intends.

person from Humankind who 22:15. Any among Almighty God will The Ever that thinks not in the life of this present Earthly World help him World, in the Eternal Afterlife and then he rope to the ceiling, thereafter should extend a he should hang himself. Then he should observe whether effort will remove that whereat rages? his he

22:16. Truly in this way We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) have Miraculously Reveal this Book Qur'an as the Supremely Clear Miraculous Verses, truly indeed The Ever Almighty God guides any person He intends.

22:17. Certainly, the who truly believe ones and and the who are the Jews the Sabeans ones and the Magians and the Christians and those have committed polytheism; certainly, The Ever who (The Ever All Wise, God The Almighty Eternal Entire Universe, of the The Ever King Most and Eternal Lord The Creator The and Mighty, of Entire Universe Sustainer the will judge on the Day of Resurrection all of them between and Judgement. Certainly, The Ever Almighty God The Ever Present Witness Over Everything. is

22:18. Have thou not considered that to The Ever Almighty God prostrates each and every one who is in all the heavens and each and every one who is in the whole earth, and the and sun the moon and the stars and the mountains and and the moving creatures the trees and many of the Humankind? But upon many the punishment equitably due. Truly any person whom is The Ever Almighty God humiliates, surely he will not have anyone to honour him. Certainly, The Ever Almighty God always does whatever He Wills.

22:19. These are two opposing parties who have disputed concerning The Eternal Lord and Sustainer of them. Surely the people who have unthankfully disbelieved will have cut out for them garments of fire; scalding water will be poured down upon their heads.

22:20. By which will melt the contents of their bellies and also the skins.

22:21. And for them there are maces of iron.

22:22. Every time they will try to escape from the Hellfire, from anguish, they will be returned to it, (and it will be announced): "Ye must suffer the requital punishment of the Burning Fire!"

22:23. Certainly, The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will make the people who truly believe and do righteous good actions to enter into the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. They will be adorned therein with bracelets of gold and pearls, and their clothing in the Everlasting Gardens will be of silk.

715

Truly they had been guided 22:24. the good to speech (the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous The Ever Almighty God, The Books of Ever All Wise, and they had been guided to the Straight Path of The Ever Owner of All Praise.

22:25. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they prevent people from the Straight Path of Almighty God The Ever and from the Sacred Mosque, which We have made equal for Humankind, visitor from resident therein and the the outside: truly any person who intends evil actions in the Sacred Mosque, or any wrongdoing, We will make a person suffer of the painful punishment. such

22:26. Remember when We (The Ever Almighty God, Merciful, The Ever Most Mighty, The Ever Most The Eternal Lord and Sustainer of The Creator and Entire Universe) designated for Abraham (the the the Trustworthy and Honourable and the Truthful and Prophet and the Close Messenger Friend of Almighty God P.m.b.u.h) the The Ever site of the saying: "Thou must not ever associate Sacred House, anything whatsoever as a god with Me, and thou keep My Sacred House purely clean for must who circle House the and those who those stand who bow down and prostrate. in Prayer and those

Truly thou O Abraham! (The 22:27. Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and the Close Friend of The Ever Almighty Prophet and Most Merciful P.m.b.u.h God. The Ever must they will come announce to Humankind the Hajj; to foot and mounted on every lean animal; thee on will come from every deep and distant path, they

22:28. For the purpose that they may attend for their benefits, and they may mention the Name of The Ever Almighty God during the appointed days over that which He has provided for them of the sacrificial animals. So all of ye may eat of them and all of ye must feed the desperate poor person.

22:29. Thereafter, they must perform their acts of cleansing and they must fulfil their vows and they must perform Tawaaf around the Ancient Sacred House.

22:30. This is so, truly each and every person who honours the sacred ordinances of The Ever Almighty God, surely it is supremely good for him in the Sight of The Eternal Lord and Sustainer of him. Truly the cattle are made lawful to ye except those whose prohibition has already been recited to ye. Therefore, all of ye must always avoid all impurity of all fake gods, and all of ye must always avoid untrue statement.

22:31. Being devoutly true monotheists only to The Ever Almighty God, (The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Mighty, and Sustainer of the Entire Eternal Lord The Universe) not associating anything whatsoever as a god with Him. Truly any person who associates anything as a god with The Ever Almighty God, surely it is just like he had fallen from the the birds had snatched him sky and away or the wind had blown him away to a distant place.

22:32. Thus it is so, truly each and every person who honours the Symbolic Signs of The Ever Almighty God, surely indeed such action is from the devout piety of the hearts. 22:33. There are many benefits for ye Humankind in the sacrificial animals for a specified term; thereafter their place of sacrifice is by the Ancient House.

22:34. Tryly for every religious party We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever All The Wise have sacrifice appointed a rite of SO that they may mention the Name of The Ever Almighty God over has provided for them. the livestock He Surely God of each and every one of ye Humankind The God. Therefore. is The Ever all of One ve wholly submit only Truly to Him. thou must give the good true news people to the who must are submissively humble to The Ever Almighty God.

people whose hearts are filled with 22:35. The fear Ever Almighty God when The is mentioned and steadfastly patient over who are whatever has those and they equitably afflicted them perform the out of whatever Prayer and they spend We (The Ever Most Merciful) have provided for them.

Truly We The Ever Almighty 22:36. God. The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Living people the big made for ye sacrificial have of among the Symbolic from Signs The animals Almighty God; there is good in Ever them for Surely people. all of ye must mention the ve Almighty God Name upon of The Ever them they are lifeless on lined And when their up. then ye people may eat from them sides, and ve must feed the contented poor person and the beggar. this way We have made them to be of service In the purpose that ye may give thanks. for to ve

22:37. Their meat will not ever reach The Ever Almighty God nor will their blood, but what reaches The Ever Almighty God is devout pietv from ye the true believers. Thus We (The Ever Almighty God. The Ever Most Merciful have made them to be of service to ve for the ye may proclaim the that greatness of purpose The Ever Almighty God for having correctly guided ye and thou must announce the good true news the people who do righteous good actions. to

22:38. Certainly, The Ever Almighty God (The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) always defends the people who truly believe. Certainly, The Ever Almighty God does not love any deceitful unthankful disbeliever.

22:39. Permission to fight has been given to the people who are being fought, because iniquity has been committed to them. For sure The Ever Almighty God is indeed ever supremely powerful to help them.

people who have been expelled from 22:40. The their homes without equitable justice, only because they said: "The Eternal Lord and Sustainer of us The Ever Almighty God!" Truly if The Ever is Almighty God had not repelled Humankind some of them by means of others, indeed there would have been completely demolished monasteries and synagogues, and mosques in and churches which the Name of The Ever Almighty God is mentioned Truly The Ever Almighty God will very often. definitely help each and every person who helps Him. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Strong, The Ever Almighty.

22:41. They are people, if We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, and The Eternal Lord and Sustainer of The Creator the Entire Universe) give them authoritative power in the earth, they will equitably perform the Prayer and pay the Mandatory Alms and command people do is righteousness and that prohibit all from to evil. Truly only to The Ever Almighty all that is God belongs the final outcome of all matters.

22:42. Truly if these people unthankfully deny thee, surely in fact before them, the people of Noah and Aad and Thamûd also unthankfully denied (the Messengers of The Ever Almighty God),

22:43. And the people of Abraham and the people of Lot (also unthankfully denied the Messengers),

22:44. And the residents of Madyan. And Moses was unthankfully denied (P.m.b.u.h); surely I (The Ever Almighty God) gave time to the unthankful disbelievers; thereafter I seized them, so how severe was My reproaching requital punishment?

22:45. Surely how many cities were there which We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have destroyed solely because they were iniquitous wrongdoers? So now they are fallen into ruin and how many their wells abandoned and their lofty palaces deserted.

22:46. So have they not travelled in the earth. hearts may become to understand their and SO become to hear? Surely indeed ears their it the eyesight that becomes blind. is but not hearts which are in the chests become blind. the

22:47. Truly the unthankful disbelievers ask thee to hasten the punishment. Truly The Ever Almighty God will not ever go against His Promise. Truly indeed, one Day with The Eternal Lord and Sustainer of thee is just like a thousand years of those which all of ye Humankind count.

22:48. Truly how many cities were there to whose people I (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) allowed some time while they were committing iniquitous actions? Thereafter I seized them, truly only to Me is the final destination.

22:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "O ye each and every one of Humankind! I am only the Clear Constant Warner to all of ye!"

22:50. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, they will have forgiveness and the honourable sustenance.

22:51. Truly the people who strive against Our Miraculous Verses, trying to discredit them, they will be the residents of the Blazing Hell.

22:52. Truly We did not send before thee any Messenger nor any Prophet except that when he recited, the devil Satan threw deceiving suggestions into it. Surely The Ever Almighty God completely abolishes that which the devil Satan throws in; thereafter, The Ever Almighty God makes precisely clear His Miraculous Verses. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

721

22:53. For the purpose that The Ever Almighty God King of the Entire Universe } (The Eternal may which the devil Satan make that throws trial in. a the people in whose hearts there is test for a disease and those whose hearts are hard. Truly indeed the iniquitous wrongdoers are in extreme opposition.

for the purpose that 22:54. And the people who the Heavenly Knowledge given have been may Book certitude that this know with Our'an is Truth from The Eternal Lord The Whole and thee: therefore. truly they Sustainer of may Book Qur'an, in this their believe and hearts Book submit humbly to this Our'an. For may Almighty indeed guides sure The Ever God people who truly believe to the Straight Path. the

people who unthankfully disbelieve 22:55. Truly the will cease to be in doubt about this not Our'an Final Book until the Time comes upon suddenly or them there comes to them the requital punishment of the disastrous Day.

22:56. The Eternal Kingdom on that Day will belong Ever Almighty God; He will The judge only to each every one of them. and Surely between the people who truly believed and did righteous good will be in the Everlasting Gardens of Delight. actions

people who unthankfully Truly the 22:57. disbelieved and unthankfully denied Our Miraculous Verses, surely people will suffer the humiliating such punishment Day of Resurrection Final Mighty (°on the and and Reckoning and Requitals and Judgement Rewards and Recompense the Afterlife in Eternal World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

22:58. Truly the people who emigrated in the Straight Path of The Ever Almighty God, thereafter they were killed or died, indeed The Ever Almighty God will definitely provide for them the good sustenance. For sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Best of those who Provide Sustenance.

22:59. Indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer the Entire Universe) will definitely make of them entrance which will be pleasing enter by an to The Ever Almighty God is indeed them. for sure The Ever All Knowing, The Ever Most Forbearing.

22:60. This is so. Truly any person who retaliates with equitable equivalence to the harm he was made to suffer, thereafter he has again been tyrannized, indeed The Ever Almighty God will definitely help him. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Pardoning, The Ever Most Forgiving.

is because 22:61. This The Ever Almighty God the night into merge the day to causes into the He day causes to merge and And because The Ever Almighty the night. God The Ever All Hearing, The Ever All Seeing. is

This is because The 22:62. Ever Almighty God The Ever Living, The Eternal King of the Entire The Creator The Eternal Lord Universe, and and Entire Universe is of the The Ever Sustainer Truth, and because whatever they Supreme call in Prayer other than The Ever Almighty God, that is sheer untruth. For sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Most High, The Ever Most Greatest.

22:63. Have thou not considered that The Ever God sends down from the Almighty heaven earth green? rainwater. then the becomes Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Kind, The Ever All Aware. Intensely

22:64. Only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth. For sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Owner of All Praise.

considered 22:65. thou not The Have that Ever Almighty God has made to be of service to of ye the Human Beings Everything that all is in whole earth, and the ships which the sail through the sea by His Command? Truly The Ever God holds back Almighty the heaven from falling upon the earth, except by His permission. The Ever Almighty God Certainly. is indeed Most Compassionate, The The Ever Ever Most Merciful towards each and every one of Humankind.

22:66. Truly The Ever Almighty God is The One Who gave each and every one of ye the Human Beings life; thereafter He will cause ye to die; thereafter He will give ye life again. Certainly, the Human Being is indeed unthankful disbeliever.

every religious party We (The 22:67. For Ever God, The Ever Most Equitable? Almighty have religious sacred rites which they are appointed to Therefore, thou must dispute perform. not let them matter, with thee the but thou invite over must The Eternal Lord and Sustainer them to of thee. Certainly, are upon the Straight Guidance. thou

22:68. Truly if they dispute with thee, then thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy of The the Truthful Messenger and Prophet and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe. Lord and Sustainer of The Eternal the Entire of the Human Universe to each and every one Beings P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of whatever actions each and every one of ye ever do.

The Ever Almighty God (The Ever 22:69. Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Knowing of Mighty, Everything, The Ever Most The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will judge between all of ye the Human Beings on the Day of Resurrection and Judgement, concerning Everything all of ye the Human Beings differ!" in which

22:70. Do thou not have the true knowledge that The Ever Almighty God always knows very well Everything that is in the whole heaven and the whole earth? Certainly, all this is in the Book. Certainly, all this is easy for The Ever Almighty God.

22:71. Truly the iniquitous wrongdoers worship other than The Ever Almighty God that for which The Ever Almighty God has not Miraculously Revealed any Miraculous Sign of Authority, and that of which they do not have any true Knowledge. Truly for the iniquitous wrongdoers there will not be any helper.

725

Truly when Our Supremely Clear Miraculous 22:72. Verses are recited to the iniquitous wrongdoers, recognise the outrageous denial thou will the on the people who unthankfully disbelieve. of faces They on the verge of assaulting the almost are people who recite to them Our Miraculous Verses. must say: "Then shall Thou I inform ye people what ye people feel something far worse than now? It is the Hellfire which The Ever Almighty has promised to those who unthankfully God disbelieve, truly that is an extremely evil destination!"

22:73. O ye each and every one of Humankind! example is described, therefore, An all of ve must listen attentively to it. Certainly, all the gods ve call in Prayer other than The Ever Almighty even if God cannot ever create even fly, a they gather together to create it. Truly if the fly took something away from them, they cannot even from the fly. So weak get it back are both. one who seeks and the one who is sought. the

22:74. They did not adore The Ever Almighty God (The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) with true adoration due to Him. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Strong, The Ever Almighty.

22:75. The Ever Almighty God chooses Messengers from among the Angels and from among Humankind. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Seeing. 22:76. The Ever Almighty God always knows very well Everything that is before them and Everything that is behind them. Truly all matters are always returned only to The Ever Almighty God.

22:77. 0 ye the people who truly believe! All of ye bow down and must ye must and worship prostrate ve must always The Eternal Lord and Sustainer of ye, and ve always do righteous good actions for must the purpose that ye may become the triumphant.

Truly ye the true believers 22:78. must always strive for The Ever Almighty God (The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Mighty, The Eternal King of the Entire Most Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) with the equitable striving due to Him. The Ever Almighty God has chosen ve the believers and He has not placed upon true ve in any difficulty. It is the Religion religion the of your father Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h. The Ever Almighty God has named ve the true believers even before "Muslims" and in this Qur'an, for the purpose that the Messenger may be the witness over ye, and ye may be the witnesses over Humankind. Therefore, ye the true believers must always equitably perform the Prayer and ve must always give the Mandatory Alms and ve must always hold powerfully to The Ever Almighty God. Ever Protecting Friend of He is The ye the true believers; certainly, He is The Ever Most Excellent Protecting Friend, and The Ever Excellent Helper.

23: Sûrah Chapter Al-Mu'minun The Believers M.V. 118

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

23:1. Certainly, the true believers are the ones who are the triumphant.

humbly submissive 23:2. The who ones are in The Almighty Ever Prayers their **€to** God. The Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Most of the Entire Universe, Creator Merciful. The

23:3. And the ones who keep away from every immoral thing,

23:5. And the ones who guard their chastity,

23:6. Except from their wives or the women they own as slaves, surely indeed, they are not to be blamed.

who 23:7. Truly any person seeks anything more this. surely iniquitous such people than the are transgressors;

23:8. And the ones who sincerely honour their trusts and their pledges;

23:9. And the ones who strictly preserve their Prayers (to The Ever Almighty God).

23:10. Such people will be the inheritors.

23:11. The ones who will inherit the Everlating Firdaus Garden. They will reside therein forever.

728

23:12. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have in fact created the Human Being from an extract of clay.

23:13. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) placed the Human Being as a biological cell in a secure place (in the secure womb).

23:14. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) created the biological cell into embryo then We created the embryo into an a of flesh then We created the morsel morsel of flesh into bones, then We clothed the bones with flesh; thereafter, We created the Human Being a new creation. Surely Supremely Blessed is into The Ever Almighty God, The Ever Best of Creators.

23:15. Then certainly after this each and every one of ye the Human Beings will indeed die.

23:16. Thereafter, certainly on the Day of Resurrection and Judgement each and every one of ye the Human Beings will be Resurrected.

23:17. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have in fact created above ye the Human Beings seven layered heavens; truly We are not ever unaware of any creation. 23:18. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have sent down water from the heaven in due measured amount, then We caused the water to settle in the earth; for sure We are indeed ever supremely powerful to take the water away.

Surely with the We **The** 23:19. water Ever Almighty God, The Ever Most Merciful *produce* the Human Beings gardens of palm trees for ye ye the Human Beings have therein grapes, and and from which ye abundant fruits, also eat.

23:20. And the tree growing out from the Mount Sinai, that produces oil and it is a relish for those who eat.

in the livestock there is indeed 23:21. Truly indeed a Miraculous Lesson for ye the Human Beings. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully ye to drink milk from that Compassionate give is in their bellies, and ye which have them in many benefits, of them and some ve also eat.

23:22. And upon the livestock and upon the ships ye the Human Beings are carried.

23:23. Truly indeed We (The Ever Almighty God) {the Honourable Noah in fact sent and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to his people, surely Noah (P.m.b.u.h) P.m.b.u.h"O my people! Ye must always worship said: The Ever Almighty God; Ye do only have not True God other than Him Alone; despite any ye not fear The Ever Almighty God?" that will

23:24. But the chiefs from among the people unthankfullv (P.m.b.u.h), the ones who of Noah "This disbelieved said: Messenger is in not being just except like human any way a yourselves, he intends gain superiority to over The Ever people; truly if Almighty ve God had Willed He would have down the sent Besides, of Angels. We never ever heard anything like this from our previous forefathers.

This Messenger is 23:25. not in any way possessed with madness: therefore, except a man wait concerning him for time!" some

Noah (the Honourable and 23:26. the Trustworthy and and the Truthful Messenger Prophet of The Almighty God, The Ever Ever Most Gracefullv Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Equitable P.m.b.u.h said: "Thou Most The Eternal of me! Thou Lord and Sustainer please help because they have unthankfully denied me!" me

Therefore, We (The Ever Almighty God, 23:27. The Most Merciful, The Eternal King Ever of the Universe, The Eternal Lord and Sustainer Entire of Entire Universe Miraculously Revealed to the him. "Thou must saying: construct Ark before an Our Watchful Eyes and with Our Miraculous Revelation, then, when Our Command comes and the water from the earth, gushes up out then thou must load a pair of every species into the Ark and your family except for those from among them against Jugement has whom the Decreed Word of already passed. thou must speak And Me been not to concerning the people who have committed iniquity; certainly, the iniquitous wrongdoers will be drowned.

Then when thou have 23:28. boarded the Ark. those thee, with then thou and thou must belongs "All Praise only to The Ever the say: The Almighty God, One Who has saved us the iniquitous wrongdoing people!" from

thou say: "Thou 23:29. And must The Eternal Sustainer of me! Thou please Lord ans help landing place, truly Thou a blessed me land at who bring to land!" Ever Best of all The are

23:30. Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs, truly indeed We (The Ever Almighty God) are indeed always putting people to the test.

23:31. Then even after them, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) created another generation.

Surely We (The Ever Almighty God, The 23:32. among them the Messenger from Ever Living sent saying: "All of ye must always among themselves, worship only The Ever Almighty God; ye do not True God other than Him Alone; have any despite will not fear The Ever Almighty ye God?" that

Truly the chiefs 23:33. from among his people, the unthankfully disbelieved and unthankfully who ones Meeting in the Eternal Afterlife, denied the while Ever Almighty God, **€**The The We Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe³ had given them in the luxury of this present Earthly life, said: "This the life Messenger is not in any way except a human he eats being just like yourselves, that of from ye eat and he drinks of what which ve drink.

23:34. Truly indeed if ye people obey a human being just like yourselves, then certainly, ye people will indeed be the losers.

23:35. Does this Messenger promise ye people that when ye have died and become dust and bones, that each and every one of ye will be resurrected?

23:36. Surely impossible! Surely impossible, is that which each and every one of ye are promised.

23:37. Certainly, there is nothing except this our life of this Earthly World, we die and we live! And we are not going to be resurrected (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World).

23:38. This Messenger is not in any way except a man who has invented untruth about The Ever Almighty God, surely we will not ever truly believe in this Messenger {of The Ever Almighty God}!"

23:39. He (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please help me because they have unthankfully denied me!"

23:40. The Ever Almighty God said: "In a short while, indeed they will definitely become regretful!"

23:41. Then the mighty roaring blast seized them with equitable justice, truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable) reduced them to rubble. Surely far away with the iniquitous wrongdoing people.

733

23:42. Then even after them, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) created other generations.

23:43. No community can ever precede its appointed time nor can they ever remain behind.

23:44. Thereafter, We (The Ever Almighty God) sent Our Messengers in succession. Every time there came to any community its messenger, they unthankfully him, We denied then also made them follow to destruction, made one another and We them far cautionary lessons. Surely with the away people who do not truly believe (in The Ever Almighty God and His Angels and His Books and Messengers the Final Mighty and Dav of His Resurrection Judgement and Reckoning and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

23:45. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) sent Moses and his brother Aaron (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty God P.m.b.u.t) with Our Miraculous Signs and the Supremely Clear All Binding Authority;

23:46. To Pharaoh and his chiefs, but they responded with unthankful arrogance and were tyrannical people.

23:47. They said: "What? Should we believe in these two human beings who are just like ourselves and their people are working for us as slaves?"

23:48. Surely they unthankfully denied Moses and his brother Aaron (P.m.b.u.h); therefore, they bacame among the destroyed people. 23:49. Truly indeed We in fact gave Moses (P.m.b.u.h) the Heavenly Book for the purpose that they may follow the Heavenly Guidance.

23:50. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe made Lord and the Mary (the Messiah Jesus, the Honourable Son of the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, and His and Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God and his Mother the Miraculous Sign, P.m.b.u.t truly We gave both of them shelter a hillside. on a place of rest, security and flowing water.

23:51. "O ye each and every one of the Messengers! Ye must always eat from the good things and ye must do righteous good actions. Certainly, I am The Ever All Knowing of whatever actions each and every one of ye ever do.

23:52. Truly indeed this religious party of each and every of ye the Messengers is one religious party, truly I am The Eternal Lord and Sustainer of ye. Therefore, all of ye must always fear only Me!"

23:53. But the people divided their religion among them into sects, each group rejoicing in whatever knowledge it has with them.

23:54. Therefore, thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must leave them in their confusion for a short time. 23:55. Do the Human Beings think that whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) give them of wealth and sons;

23:56. Is because We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) hasten to give them good things? But in fact, they do not perceive.

23:57. Certainly, the ones who are always fearful of the requital punishment of The Eternal Lord and Sustainer of them,

23:58. And the ones who always truly believe in the Miraculous Verses of The Eternal Lord and Sustainer of them,

23:59. And the ones who do not ever associate anything whatsoever as a god with The Eternal Lord and Sustainer of them (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

23:60. And the ones who give whatever they have been given while their hearts are full of fear solely because they will return to The Eternal Lord and Sustainer of them.

23:61. Such are the people who race to do the good actions, truly they overtake others therein.

23:62. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) do not ever give burden of duty to any person except according to his capability; truly close to Us there is the Book which speaks with The Whole Truth; truly the Human Beings will not be treated with any iniquity.

23:63. But in fact, the hearts of the unthankful disbelievers are covered with confusion over this Book Qur'an, and they have other evil actions besides unthankful disbelief, which they are doing,

23:64. Until when We (The Ever Almighty God) seize their affluent people with requital punishment, then immediately they start crying for help.

23:65. Do not cry out for help today. Certainly, ye will not get any help from Us (The Ever Almighty God, The Ever All Merciful).

23:66. Indeed, My Miraculous Verses were recited to ye, but ye used to turn away on your heels.

23:67. Ye were unthankfully arrogant regarding My Miraculous Verses, conversing by night, speaking evil about My Miraculous Verses.

23:68. Surely have they not pondered deeply over the Word of The Ever Almight God? Has someting Supremely Miraculous come to them that which had not come to their forefathers?

23:69. Or did the unthankful disbelievers not recognise their Messenger Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h); therefore, they unthankfully deny their Messenger?

23:70. Or do they say: "There is madness in the Messenger?" But in fact, the Messenger has brought each and every one of Humankind The Whole Truth, truly most of Humankind hate The Whole Truth.

737

23:71. Truly if The Ever Supreme Truth had followed their iniquitous desires, indeed all the and the whole earth and every one in heavens heavens and the whole the earth would all have been in total ruin. But in fact, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise have brought Humankind their Wise Reminder, surely they are turning away from their Wise Reminder.

23:72. Or do thou ask Humankind for any reward? Surely the reward of The Eternal Lord and Sustainer of thee is supremely better, truly The Eternal Lord and Sustainer is The Ever Best of those who Provide Sustenance.

23:73. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) are indeed inviting each and every one of Humankind to the Straight Path.

23:74. Surely indeed the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World are indeed turning away from the Straight Path.

23:75. Truly even if We (The Ever Almight God, The Eternal King of the Entire Universe) awarded Mercy upon them and removed every adversity afflicting them, they would indeed persist in their iniquitous transgression, wandering blindly.

23:76. Truly indeed We (The Ever Almighty God) in fact seized them with the requital punishment, but they did not yield to The Eternal Lord and Sustainer of them, nor did they pray humbly;

738

23:77. Until, when We (The Ever Almighty God. the Entire Universe King of The Eternal open any gate of severe punishment. them upon immediately they are in deep despair. then

23:78. Trulv The Ever Almighty God is The God for each and every Who has created one of ye Humankind the hearing and the eyesight and understanding hearts. Yet ye Humankind the give (to The Ever Almighty God). very little thanks

23:79. Truly The Ever Almighty God is The God has multiplied each and every one of Who ve throuhgout the earth. Humankind and unto Him every one of ye Humankind and will each be together (on the Final Mighty Day assembled of and Judgement Resurrection and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Truly The Ever Almighty God is The God 23:80. Alone gives life Who He and causes death. and upon Him Alone the mighty task is to alternate and the day. Despite that will night the ve Humankind use your intellect to be equitable? not

23:81. But in fact, the unthankful disbelievers say just like whatever the predecessors said.

23:82. The unthankful disbelievers said: "What? died and have become When we dust and then really be resurrected? bones. will we

23:83. Indeed we in fact have been promised this, we and our forefathers even before; this is not in any way except the stories of the previous people!"

23:84. Thou must say: "To whom belongs the whole earth and every one who in the whole earth, if ye have the true knowledge.

23:85. They will promptly say: "Only to The Ever Almighty God!" Thou must say: "Despite that will ye people not heedfully remember?"

23:86. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the The Ever Almighty God Prophet of to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? must say: "Who is The Eternal Lord and Sustainer heavens and The of the seven Lord Eternal Sustainer of the Supremely Mighty Throne?" and

23:87. They will promptly say: "Only The Ever Almighty God!" Thou must say: "Despite that will ye people not fear The Ever Almighty God?"

23:88. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "In whose hand is the Eternal Kingdom of Everything, and He is The One Who Protects while none can protect against Him, if ye have the true knowledge?"

23:89. They will promptly say: "Only The Ever Almighty God!" Thou must say: "Then how are ye people bewitched?"

23:90. But in fact, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Unoverse) have brought them The Whole Truth, for sure they are indeed the untruthful.

Ever Almighty God has 23:91. The taken not any God along with nor is there any son. would Him Otherwise indeed each God ever. have whatever he had created, aside and indeed taken some of the gods would have tried to overcome gods. All Glory with Complete Holiness is other God, far Almighty only The Ever above from to all the polytheists whatever other gods ever claim!

The Almighty Ever God is 23:92. The Ever Knower of all the Unseen all All and Seen! Surely He is supremely exalted far the whatever gods all the polytheists above from The Ever Almighty ever associate with God.

23:93. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet God. The Ever Almighty The of Ever Most Equitable to and every one of Humankind each say: "Thou The P.m.b.u.h must Eternal Lord and Sustainer of me! In case Thou show ever me the punishment which they have promised, been

Thou The Eternal Lord 23:94. and Sustainer of do Then Thou please include me! not me among iniquitous wrongdoing people!" the

23:95. For sure We (The Ever Almighty God) are indeed The Ever Supremely Powerful to show thee the requital punishment which We have promised them.

Thou must always respond to evil with 23:96. that good; We (The Ever Almighty God, is The which The Creator and All Wise. The Eternal Lord Ever of the Entire Universe) are Sustainer The Ever and Most Knowing of whatever untruth they ever narrate.

23:97. And thou must say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! I ask for refuge in thee from all the temptations of the devils,

23:98. And I ask for refuge in thee, Thou The Etenal Lord and Sustainer of me! So that the devils are not able to come near me!"

23:99. Until, when death comes to any one of them, he says: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please send me back;

23:100. For the purpose that I may do righteous good actions in that which I have left behind!" Certainly not! Certainly, this appeal will not go beyond his words; truly behind them there is the barrier until the Day each and every one of Humankind will be resurrected.

23:101. Surely that Day when the Trumpet will be blown; surely upon that Day there will not be any relationship among Humankind, nor will they care to ask about one another.

23:102. Surely any person whose Scales with the righteous good actions will be heavy, surely indeed such people will be the triumphant.

23:103. Truly any person whose Scales will be light, surely such people will lose themselves, they will reside in Hell for ever.

23:104. The Hellfire will burn the faces of the unthankful deniers and they will be miserably glum in Hell (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife).

742

23:105. (The Ever Almighty God will say): "Were My Miraculous Verses not recited to ye, but still ye used to unthankfully deny them?"

23:106. They will say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Our wretchedness overcame us, truly we were the people who went astray.

23:107. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please take us out from Hell, surely if we ever return to evil actions, surely indeed we would be the iniquitous wrongdoers.

23:108. The Ever Almighty God will say: "Ye the unthankful deniers must remain despised in Hell, and ye must not speak to Me.

23:109. Certainly, there was a party of My servants who used to say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! We truly believe, therefore, Thou please forgive us and thou please award Mercy upon us, truly Thou are The Ever Best of all those who are the merciful!"

23:110. But ye the unthankful deniers took them in mockery until they made ye forget My Reminder and Remembrance, truly ye used to laugh at them.

23:111. Certainly, I (The Ever Almighty God have Day solely believers this the true awarded be because they used to steadfastly patient, indeed they are the ones who are the victorious.

23:112. The Ever Almighty God (The Ever All Knowing of Everything) will say: "How long did ye people remain on the earth in number of years?"

23:113. They will say: "We remained a day or part of a day; surely thou may ask those who keep count!"

Ever Almighty God will 23:114. The "Ye say: did remain except for little. people not a if only ye had the Heavenly knowledge.

23:115. Then did ye people think that We (The Ever Almighty God) created ye without equitable purpose, and that ye would not be returned to Us?"

23:116. Surely supremely exalted is The Ever Almighty King, God. The Eternal The Ever God Supreme Truth, there is no except The Ever Almighty God. The Eternal Lord and Supremely of the Sustainer Honourable Throne.

who calls 23:117. Truly any person in Prayer The Ever Almighty God other along with any Miraculous god. for which he has no Proof. only Reckoning Account his is with surely and Sustainer of him. The Eternal Lord Certainly, the unthankful disbelievers will never be triumphant.

23:118. thou 0 Muhammad! (The Honourable Truly and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire The Eternal Lord Sustainer Universe, and of the to each and every one Universe of Entire the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Thou The Eternal Sustainer of Thou me! please Lord and forgive please award Mercy, trulv and Thou Thou are The Ever Best of all those who are the merciful!"

24: Sûrah Chapter An-Nur The Clear Light M.V. 64

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

the Sûrah Chapter 24:1. This is which We (The The God, Almighty Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Merciful. Most The Ever Generous, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Praise. The Ever Owner of All Owner of All High, Ever Most The The Ever Most Glory. The Eternal King of the Entire Universe, Mighty, Lord and Sustainer of Everything The Eternal in Universe) have Miraculously Revealed, Entire the and We made this Sûrah Chapter Mandatory, have and We have Miraculously Revealed therein the Supremely Clear Miraculous Verses for the purpose that each may heedfully remember. every one and of ye

the unmarried woman 24:2. As for who commits or unmarried man who commits fornication, fornication believers surely ye the true must flog each one with hundred lashes. of them and a ye must by pity for both of them taken ever be in not the Religious Law of The Ever Almighty God. if ye truly believe in The Ever Almighty God the Final Day. Truly a group of and the true their believers should witness requital punishment.

24:3. The who commits fornication does man not except who commits fornication а woman marry polytheist, truly no or a one marries the woman fornication except commits who a man who commits fornication polytheist. Truly all or a these always prohibited the believers. to true are

24:4. As for those who accuse chaste women of fornication, thereafter, they do not produce four witnesses, surely ye the true believers must flog them with eighty lashes, and ye must not ever accept from them the testimony. Truly such are indeed the unthankfully rebellious people,

24:5. Except for those who repent after this and act righteously, surely indeed The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

24:6. Truly for the people who accuse their own wives of adultery but they do not have any witnesses except themselves, then the testimony of each one of them must be to testify four times with an oath by The Ever Almighty God that certainly, he is indeed from among those who speak the truth.

24:7. And the fifth testimony must be that the curse of The Ever Almighty God be upon him if he is from among those who speak untruth.

24:8. Truly the punishment can be averted from his wife if she gives a testimony, testifying four times with an oath by The Ever Almighty God that certainly, her husband is from among those who speak untruth.

24:9. And the fifth testimony must be that the Wrath of The Ever Almighty God be upon her if her husband is from among those who speak the truth.

24:10. Truly if it had not been the Grace of The Ever Almighty God upon ye the true believers and His Mercy, truly indeed, The Ever Almighty God is The Ever Accepting of Repentance, The Ever All Wise.

24:11. Certainly, those who came up with untrue accusation are a group from among ye. Ye must not ever consider it a bad thing for ye; but in fact, it was a good thing for ye. For every person from among them there will be the accountability for the sin he has earned, truly the one who took upon himself the greatest portion of the sin, for him there is the mighty punishment.

24:12. When ye the true believers heard the false accusation, why did the believing men and the believing women not think good of their own people, and say: "This accusation is the most clear untruth!"

24:13. Why the accusers did not produce four witnesses for the accusation? Surely when the accusers did not produce the witnesses required, then they are the ones who are untruthful in the Sight of The Ever Almighty God.

24:14. Truly if it had not been the Grace of The Ever Almighty God upon ye the true believers and His Mercy in the life of this present Earthly World and the Eternal Afterlife World; indeed, ye would have been afflicted with the mighty punishment for that clear untruth in which ye the true believers were involved.

24:15. When ye the true believers took that clear untruth up with your tongues and ye true believers said with your mouths things of which ye had no knowledge, and ye deemed it to be a minor thing, while it was mighty, in the Sight of The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

24:16. Truly when ye the true believers heard clear untruth, then why did that not ve of say: "It is for us to speak not this All Glory with Complete Holiness Thee! This is a mighty slander!" clear untruth. All is only to

24:17. The Ever Almighty God admonishingly instructs ye the people who truly believe against returning to the likes of this conduct ever again if ye are indeed the true believers.

24:18. Truly The Ever Almighty God makes supremely clear to ye Humankind the Miraculous Verses, Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

24:19. Certainly, the people who love to see that immorality should be spread among the people who have truly believed, they will suffer the painful punishment in the life of this present Earthly World and in the Eternal Afterlife World. Truly The Ever Almighty God always knows Everything but all of ye the Human beings do not know Everything.

24:20. Truly if it had not been the Grace of ye the true The Ever Almighty God upon believers and His Mercy, truly indeed, The Ever Almighty God is is The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most High, Ever Most Mighty, The Ever All Wise, The The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Everything in the Entire Universe).

24:21. O ye the people who truly believe! Ye must not ever follow the footsteps nor commandments of the devil Truly any person who Satan. follows the footsteps and commandments of the devil Satan; surely indeed, the devil Satan only commands to do every kind of immoral action and every kind of Truly if it had been the evil action. not Grace upon Ever Almighty God of The ve the true and His Mercy, not even one of believers ve the true believers would have become sanctified ever, The Ever Almighty God sanctifies but indeed anv He Wills, truly The Ever Almighty God person Ever All Hearing, The Ever All Knowing. is The

24:22. Truly those who possess Grace from among ye the true believers and abundant wealth must not ever swear that they will not give to the relatives the emigrants in the poor and the Straight and of The Ever Almighty God, truly they should Path pardon, and they should overlook. Do ye the true be forgiven by The Ever believers not love to Almighty God? Truly The Ever Almighty is God The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

24:23. Certainly, who people the falsely accuse in wedlock of fornication. hoourable women those women who unaware and truly believing are women, cursed in the life of this such people are present the Earthly World Eternal and Afterlife World: truly such people will suffer the mighty punishment.

Day (of Resurrection and Judgement 24:24. On the and Requitals and Rewards in Reckoning the and World when tongues their Afterlife and Eternal and their feet will bear witness against their hands them concerning whatever actions they ever did.

24:25. Upon that Day, The Ever Almighty God King Entire (The Eternal of the Universe, The The Lord Creator Eternal and Sustainer of and Entire Universe will pay them their the in full equitably due requital punishment, truly they will come know that The Ever Almighty God is to indeed Supremely Clear The Ever in The True Justice

24:26. Bad women bad are for men and bad men And for bad good for are women. women are good for good good men and men are women. declared innocent of whatever people are The good bad people say against them. The good people the will have forgiveness and the honourable sustenance.

the people who truly 24:27. 0 believe! ye Ye enter any house other must not ever than houses until ye have asked for vour own greeted their permission do SO and inhabitants. to supremely good for ye the This is true believers. purpose that ye may heedfully remember. for the

believers 24:28. Surely if ye the true do not find anyone in the houses, then ye must never enter until them permission has been given to ye. said ye: "Go Truly if it is away" to then ve this is purer for ye. Truly The leave; Ever must Almighty God is The Ever All Knowing of whatever actions each and every one of ve do. ever

There is 24:29. no blame upon ye the true for entering inhabited believers houses not in there is benefit for ye. The which Truly Ever always very well Almighty God knows whatever every one of ye each and ever reveal and whatever each and every one of ye ever conceal.

24:30. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever All of Wise. The Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord and and Sustainer of the Creator Entire Universe to each and every of one the Human Beings P.m.b.u.h must say to the believing that they must always reduce some men of their eyesight, and they must always guard their private parts. This is purer for them. Certainly, The Ever always well Almighty God is aware of whatever one works each and every ye of do. ever

24:31. And thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the The Ever Almighty God to of and every each Human Beings P.m.b.u.h³ must say of the one to that they must the believing women always lower of their eyesight and they must always some private parts, and they must guard their not ever adornment except that expose their which apparent thereof, and always keep their they must headcovers their chests, and they drawn over must not ever adornment except to their husbands expose their or fathers the fathers of their their husbands. or the of their husbands. their sons or sons or or their brothers or the sons of their brothers, or the of their sisters or their women, or those they sons them as slaves, or those male attendants having own children physical desire or who are not yet no of the private aspects of women. And aware they not ever stamp their feet to make known must conceal of their adornment. Truly they whatever all repentance The in Ever of ye must turn to Almighty God, together, 0 ye the true believers! purpose that ye may become triumphant. For the

24:32. Surely ye the true believers must always as well marry off those who are single among ye, devoutly righteous from among the male as your and female slaves. If they are The slaves poor, Ever Almighty God will enrich them from His Grace. Truly The Ever Almighty God is The Ever The Ever All Knowing. All Encompassing Everything,

Truly the people who do 24:33. not have the to get married, they must keep themselves means The Ever Almighty God enriches chaste until them Grace. Truly the people who His from seek a among your slaves contract from to pay for their surely ye must make freedom. а contract with if ye know there is good them, them and ve in give them from wealth of The Ever the must Almighty God which He has given ve. Surely ve the true believers must ever force your not slave into prostitution if they desire women to keep themselves chaste, in order to seek the temporary interests of the life of this present Earthly World. them, for sure Truly if anyone forces after they forced. The Ever Almighty have been God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

24:34. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Wise, The Ever Most Equitable, Ever All The Most Forgiving, The Eternal King Ever of the Entire Universe, The Creator The Eternal and Lord Sustainer of the Entire Universe, have fact and in and every Miraculously Revealed to each of one Humankind the Supremely Clear Miraculous Verses, and the examples of the people who have passed away before ye, the Admonishing Instruction for and the righteous people who fear The Ever Almighty God.

24:35. The Ever Almighty God is The Clear Light of all the heavens and the whole earth. The example of His Clear Light is just like niche. a there is a lamp; the lamp is inside the niche in glass is as if it were a glittering a glass, the star, lit from a blessed olive tree, that is neither the of whose of the east nor west. oil would almost give light even if no fire touches it. Giving light upon light. The Ever Almighty God guides to Clear Light any person He Wills. Truly The His Ever Almighty God describes examples for each and every one of Humankind. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything.

24:36. Such Clear Light is in the houses which The Ever Almighty God has Commanded that they honourably raised and that His Name to be be them; Glorifying The mentioned in Ever Almighty in them in the mornings and the God evenings,

Such Men whom 24:37. neither trade nor sale the Wise Reminder them from the distracts and of The Ever Almighty Remembrance God and equitably performing the Prayer and giving the Mandatory Alms. They fear the Day in which and eyesight will be in the hearts turmoil.

So that The Ever Almighty God (The Ever 24:38. All Wise, The Ever Most Equitable, The Ever Most The Eternal King of the Entire Universe, Forgiving, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) may give them the best reward all the righteous good actions they ever for did may increase for them He from His Grace. and Truly The Ever Almighty God provides sustenance any person He Wills without any limit. to

people who unthankfully disbelieve, 24:39. Truly the are just like a mirage in their actions a desert the thirsty person perceives as water; which until when he comes to it, he finds it to be nothing all, at that place he finds at but The Ever Almighty God, then The Ever Almighty God pays full; truly The Ever Almighty him his account in taking the Reckoning Account. God is swift in

24:40. Or just like darknesses within an extremely which is covered by waves deep sea topped bv waves, over which there are clouds, layers of one upon the other. darknesses Whenever the disbeliever puts hand, he unthankful out his is Truly scarcely able to see it. to The any person Ever Almighty God has not given any clear light, surely for such a person there is no clear light.

thou not considered that whosoever is 24:41. Have all the heavens in and the whole earth Glorifies Almighty God, and the The Ever birds with wings outstretched? Each and every one his knows way to pray and his own way to Glorify. own truly The Ever Almighty God is The Ever All knowing of whatever actions all of them ever do.

The 24:42. Truly only to Ever Almighty God belongs the Eternal Kingdom of all the heavens only to and and the whole earth The Ever Almighty God is final destination fof each the of the Human Beings and every one and and every one of the Jinn Beings on the each Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

24:43. Have thou not considered that The Ever Almighty God drives the clouds? He Thereafter gathers them together; thereafter He piles them up into mass, and thou see the rain emerge from its Truly The Ever Almighty God sends down midst. of clouds from such mountains within which is strikes with it whoever hail, truly He He Wills. The averts it from whoever He Wills. and flash lightning almost takes away the eyesight. of its

The Ever Almighty God The Ever 24:44. Most The Eternal Lord and Sustainer Mighty. of the Entire Universe) alternates the night and the dav. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Lesson for the people who have True Insightfulness.

24:45. Truly The Ever Almighty God has created every moving living creature from a biological water. Surely from among them there are some that their bellies and from crawl on among them there are some that walk on two legs and from that among there walk them are some on four. Almighty God creates whatever The Ever He Wills. Certainly, The Ever Almighty God always has supremely powerful ability to do Everything. the

24:46. Indeed, We (The Ever Almighty God) have in fact Miraculously Revealed the Supremely Clear Miraculous Verses. Truly The Ever Almighty God guides any person He Wills to the Straight Path.

Surely they say: "We truly believe 24:47. in God Ever Almighty and in the Messenger The wholly obey!" Thereafter party we a of and away after saying this. Surely such them turns people are not from among the true believers.

24:48. Truly when they are summoned to {the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Wise the Ever Supremely Blessed and the Ever and Supremely Miraculous Qur'an of) The Ever Almighty and His Messenger in order to judge between God immediately a party of them turns them. awav.

24:49. But if they have any equitable right, they come to the Messenger in prompt obedience.

their disease hearts? 24:50. Is there a in Or they doubted? Or do they have fear that Ever Almighty God Messenger The His or injustice them? will do any to But in fact. people are indeed the iniquitous wrongdoers. such

only statement of 24:51. The the true believers they summoned to The Ever whenever are Almighty God His and Messenger in order to they them, is that judge between always say: "We obev!" attentively hear, and we wholly Truly such people indeed the triumphant. are

24:52. who Truly wholly person obeys any Ever Almighty God and His The Messenger and The Almighty he fears Ever God and he his The Ever Almighty God, duty to surely keeps such the people who the victorious. are are

And they swear by The Ever Almighty God 24:53. that indeed if strongest oaths their thou command indeed they would definitely march them. out for fighting. Thou must say: "Ye people must not swear. obedience to the commandments is It is required. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All of whatever actions all of ye Aware do!" ever

24:54. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal King of of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Sustainer of the Entire Universe to each Lord and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: and "Ye always the true believers must wholly obev always Almighty God ye The Ever must wholly obey the Messenger; surely if ve turn away, surely the Messenger is responsible then only for dutv commanded to him. and ye the the true are responsible only for the believers duty commanded to ye. Truly if ye the true believers wholly obey the Messenger ye will become correctly guided. Truly there is no responsibility upon the Messenger except to convey the Message clearly.

Ever Almighty God promised 24:55. The has the truly believe from People who among and ye righteous good actions that do indeed He will definitely make them successors in the earth just He like made the people successors who came that indeed He will them. and definitely before their which religion He establish for them has that indeed chosen for He will them. And definitely grant them security to replace their fear, they will worship only Me, they will not associate anything whatsoever god with Me. as a Truly any person who unthankfully disbelieves after this. the unthankfullly rebellious. surely such people are

24:56. Surely ye true believers the must always Prayer equitably perform the and all of ve the Mandatory Alms pay and of must always all always wholly obey Messenger the for must ve of ye purpose that all may receive the Mercy.

24:57. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each of and everv of Humankind P.m.b.u.h³ must not even think one that the people who unthankfully disbelieve can anywhere in the earth. Truly their escape eternal Hellfire. home will Truly afterlife be the indeed an extremely evil destination (on the Final that is Mighty Day of Resurrection and Judgement and Eternal Afterlife World. Requitals in the the measured extent whereof is Fifty Thousand Years);

24:58. O ye the people who truly believe! Those whom ve own as slaves and those who have yet mature age among reached from not ve ye before must ask your permission from coming to your presence three times: before the dawn ye put aside your garments Prayer, and when the midday heat, and after the in late evening Prayer. These are your three times of privacy. Other than these times there is no blame upon for they continually keep upon them, ve nor others. coming and going, some of ye among This is how The Ever Almighty God makes supremely clear to ye the true believers the Miaculous Verses, Truly The Ever Almighty God The Ever All Knowing, The Ever All Wise. is

Surely when the children from 24:59. among ve believers the true reach the mature age, surely ask for permission just like they must the people who asked for permission before them. The Ever Almighty This how God is makes supremely clear to ye the true believers His Miraculous Verses, Truly The Ever Almighty God The Ever All Knowing, The Ever All Wise. is

24:60. Truly as for women who have past childbearing age, women who do expect not wedlock, surely there is no blame upon them. if they take off their outer garments in such a display their adornment. Truly way as not to to modestly refrain from it is better for them. Ever Truly The Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most High, The Ever All The Ever Most Equitable, The Wise. Eternal King Entire Universe, The Creator of the and The Sustainer of the Entire Universe? Eternal Lord and The Ever All Hearing, The Ever All Knowing. is

24:61. There is no restriction upon the blind and there is no restriction upon the lame and restriction upon the there is sick no nor upon your yourselves, if ye the true believers eat from own houses or the houses of your fathers or the houses of your mothers or the houses of your brothers or the houses of your sisters or the houses or the of your paternal uncles houses of your paternal aunts or the houses of your maternal uncles houses of your maternal aunts or the from or which ye have the keys or that of of your There is no friend. blame upon ye the true believers whether ye eat together or separately. Surely whenever ye the true believers enter any house, another with surely ye must greet one the greeting of peace, greeting of peace is a good and blessed greeting from the Providence of The Ever Almighty The Ever Almighty God makes God. This is how all supremely clear of ye the believers to true Miraculous Verses, for the that the purpose all equitable. your intellect of ye may use to be

24:62. The true believers are only those who truly believe in The Ever Almighty God and His Messenger Muhammad (the Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and Ever Almighty God, The Ever of The Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe to and and each every one of Humankind P.m.b.u.h, and whenever with the Messenger for of they are any matter responsibility, they never go away until collective they have asked for permission from the Messenger. Certainly, the people who ask for your permission, they are the people who truly believe in The Ever Almighty God and His Messenger. Surely whenever they ask for your permission for something of their matters, then thou must give permission only to the person thou will from among them, and thou must for forgiveness for them from ask The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

24:63. Ye the true believers must not ever make the calling of the Messenger among yourselves just like the call of one of ye to another. Certainly, The Ever Almighty God knows well verv the among ye who slip away, hiding people from behind others. Surely the people who go against Messenger Muhammad (the any Command of the Trustworthy and Truthful Honourable and the the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer every of the Entire Universe to each and one Beings P.m.b.u.h), of should fear. the Human may afflict such test people, lest trial some or they may be afflicted with the painful punishment.

24:64. Listen attentively! Certainly, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the whole earth. the heavens and Certainly. The Almighty God always knows well Ever very whatever state ye each and every one of the are Truly on Beings in. the Dav {of Human Judgement and Resurrection and Reckoning and Rewards and Recompense in Requitals and the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years when is each and every Human Beings will one of the be returned to surely He will The Ever Almighty God, fullv each and every one of them of whatever inform they ever did. Truly The Ever actions Almighty The Ever All Knowing of Everything. God is

33:35. Certainly, the muslim men and the muslim the the believing believing and men and women the devoutly obedient women and men and the devoutly obedient women and the truthful men women and steadfastly patient the truthful the and the steadfastly patient and women and men the humble and the fearfully humble fearfully men who give and the charity women and the men who give charity and who the men fast women the women who fast and the and men who guard their chastity and the women who and the guard heedfully remember The Ever who Almighty men heedfully very who God often and the women remember, The Ever Almighty God has prepared for forgiveness and the of them mighty reward. all

Favours of Blessings 55:55. Then which the and Lord and Sustainer of ye, of The Eternal will and Jinn-kind unthankfully denv? Humankind ye

25: Sûrah Chapter Al-Furqan The Ever Distinctive Criterion The Miraculous Verses 77 Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The Supremely Blessed is God Who 25:1. has Miraculously Revealed the Ever Distinctive Criterion servant Muhammad (the Honourable upon His and Trustworthy and the Truthful Messenger the and each every the Human Prophet to and one of Beings P.m.b.u.h for the purpose that he may become the Constant Warner to all the Worlds.

25:2. The Ever Almighty God is The God Whom belongs the Eternal Kingdom of to all the heavens and the whole earth and He has taken son and He not ever any any partner in the Kingdom does not ever have created Everything and and He has He has Everything with percise determination. determined

polytheists have 25:3. Truly the taken gods other Almighty Ever God, those fake gods than The anything whatsoever, but they who cannot create created, truly the gods themselves have been fake not possess any power to harm or to benefit do nor do they possess themselves, any power even nor life nor to death resurrect the dead. over

Truly the people who unthankfully disbelieve 25:4. Book Qur'an is not in any way say: "This which the Messenger has invented untruth except have helped people the Messenger and other therein!" Surely in fact they themselves have committed iniquitous actions and told untruth.

25:5. And they say: "These are stories of the previous people which he has got written down and they are rehearsed to him morning and evening!"

25:6. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of the Human Beings P.m.b.u.h one of must say: "This Book Qur'an has been Miraculously Revealed by The God Who always knows very well all all the heavens and the the secrets of whole earth. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!"

25:7. And the people who unthankfully disbelieve say: "What sort of Messenger is this, who eats food and goes about in the markets? Why has an Angel not been sent down to him, so he would be a constant warner along with him?

25:8. Or a treasure should have been given to the Messenger or he should have owned a garden from which he may eat?" And the iniquitous wrongdoers say: "Ye people are not in any way following except a man affected by magic!"

25:9. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful. All Wise, The Creator and The Eternal The Ever Sustainer of the Entire Universe to each Lord and every one of the Human Beings P.m.b.u.h and must observe how they describe for thee iniquitous examples; surely they have gone astray and they do not have the ability to find the Right Path.

Supremely Blessed is The Ever Almighty 25:10. if He Willed. He could have God Who. made for things, thee better than all these gardens flow which rivers well beneath as as He magnificent made for thee could have palaces.

unthankful disbelievers 25:11. But the unthankfully Time, truly We have deny the Final prepared Blazing Hellfire for each the and everv who unthankfully denies the Final person Time.

Blazing Hellfire When the will see 25:12. the from disbelievers unthankful a distant place, will hear its raging and they roaring.

25:13. Truly when the unthankful disbelievers will be hurled into a narrow part of Hell, bound in chains, they will cry out thereupon for destruction.

25:14. "Ye should not cry this Day for one destruction, but ye should cry for many destructions!"

Muhammad! {The 25:15. Thou 0 Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most each and every one of the Human Equitable to Beings P.m.b.u.h) must say: "Is this Blazing Hellfire better or the Garden of Eternity which has been promised to the righteous people who fear The Ever Almighty God?" The Garden of Eternity will be for them the reward and the final destination.

They will have therein whatever 25:16. they they will reside for This is the desire, ever. binding upon Promise The Eternal Lord and of thee, worthy to be requested. Sustainer

25:17. Truly on the Day when The Ever Almighty God will assemble each and ever one of Humankind the polytheists together and all those worship Ever Almighty God. Then other than The The Almighty God will say: "Were ye the Ever ones astray these servants of mine. did who led or astray from Right Path?" thev themselves go the

Those who had been worshipped other than 25:18. say: "All Almighty God will The Ever Glory Complete Holiness Thee! with is to It was not equitable for us to take any protecting friends other but Thou provided comforts for than Thee: them forefathers until they forgot and their the Wise Reminder, and they became the utterly ruined people.

25:19. Surely indeed your other gods will deny the straying people, regarding what ve ye say, not to will have any power and ve avert the requital punishment or to get help. Truly person who commits iniquity from among any ve, will make him feel the enormous We punishment.

25:20. Truly We (The Ever Almighty God, The The Wise, Eternal King All of Ever the The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe, Entire Universe did not send before thee 0 the Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and the and Prophet of The Almighty God to each and Ever every one of Humankind P.m.b.u.h) any of the Messengers except that certainly they did indeed eat food and also walked about in the markets. Truly We have made of testing others; some of ye as means will be steadfastly patient? Truly The Eternal Lord ve Sustainer of thee is The Ever All Seeing. and

25:21. Truly the people who do not have any hope for the Meeting with Us (The Ever Almighty God) say: "Why are the Angels not sent down to us, or why can The Eternal we not see Lord and Sustainer of us?" Indeed, they have in fact become unthankfully arrogant within themselves they have rebelled with enormous and rebellion.

the Day when they 25:22. On will see the Angels, that Day there will not be and good iniquitous criminals. Truly for news the thev will say: "All good things are prohibited to ve!"

25:23. Truly We (The Ever Almighty God) will approach to whatever they did of the actions, and We will make them as scattered particles of dust.

25:24. The residents of the Everlasting Garden on that Day (of Resurrection and Requitals) will have the good residence and the best place to rest.

25:25. Truly on that Day the heaven will be split open with the clouds, and the Angels will be sent down ranks upon ranks.

25:26. The True Eternal Kingdom Day on that belong only to The Ever Most Gracefullv will Compassionate. Truly that will be very hard a Day upon the unthankful disbelievers.

25:27. Truly on that Day the iniquitous wrongdoer will bite his own hands, he will say: "Oh I wish I had taken the Right Path with the Messenger;

25:28. There is desruction to me! I wish I had not taken so-and-so as a close friend!

25:29. Indeed. the close friend I had taken in astray from the Wise fact led me Reminder me!" Truly it had devil after come to the has always deceived the Human Being. Satan

25:30. Trulv the Messenger Muhammad { the Trustworthy and Truthful Honourable and the the Mesenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Living to each and every one of the Beings P.m.b.u.h will "Thou say: The Human Sustainer of Lord and me! Certainly, my Eternal took this Qur'an as something abandoned. people

way We (The Ever Almighty in this 25:31. Truly God, The Ever All Wise, The Eternal King of the The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe, the Entire Universe have made for every Prophet enemy from among the iniquitous criminals. Truly an Eternal Lord and Sustainer of thee The is The Sufficient as The Guide and The Helper. Ever All

25:32. Truly the people who unthankfully disbelieve this Book Qur'an not Miraculously "Why was sav: Revealed upon Muhammad (P.m.b.u.h) all at once?" Book Qur'an is Miraculously Revealed This in way for the purpose that We may equitably this strengthen your heart thereby. Truly We have this Book Qur'an with recited gradual recitation.

Truly they do not come 25:33. to thee Ο Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to every one of the Human Beings P.m.b.u.h) with any example, but We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, provide thee with The Whole Truth and the best explanation.

25:34. Each and every person who will be Hell, their faces towards they gathered on are ones who in position, the are worst and they furthest astray from the Right Path. are

25:35. Truly indeed, We (The Ever Almighty God. Wise) in fact Ever All Moses {the The gave and the Trustworthy and the Honourable Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) the Heavenly Book, and We appointed with Honourable brother Aaron (the his him and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h? as an Assistant.

25:36. Then We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable) said: "Both of ye must go to the people who have unthankfully denied Our Miraculous Signs!" Then We destroyed them with complete destruction.

25:37. Truly the people of Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h), when they unthankfully denied the Messengers, We drowned them, and We made them the Miraculous Sign for all Humankind. Truly We have prepared for the iniquitous wrongdoers the painful punishment.

25:38. And 'Aad and Thamûd and the residents of Ar-Rass and between them many generations.

25:39. Truly for each and every one of them We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) described examples, truly We destroyed each and every one of them with complete destruction. 25:40. Truly indeed, the unthankful disbelievers have by city in fact passed the which on was with the evil So showered rain. have thev fact they it? But in not seen are not (on Resurrection Final Day the of expecting Resurrection and Judgement and Reckoning and Rewards in the Eternal Afterlife World. Requitals and

Truly when they see thee 0 25:41. Muhammad! Trustworthy Honourable and the (The and the Prophet Messenger The Truthful and of Ever Almighty God to each and every of the one Human Beings P.m.b.u.h), they do not take thee ridicule: "Is this the except in person whom The Ever Almighty God has sent Messenger? as the

25:42. Indeed he had almost led us astray from steadfastly gods had not been patient in we our worship!" Truly they will eventually their come they see the requital punishment, to know when furthest astray from the Right Path. who is

thou 0 Muhammad! {The 25:43. Have Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The Creator The Eternal and Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) seen the person his own iniquitous desires who has taken as his god? Will protector thou then the be over him?

25:44. Or do thou think of that most the attentively hear or intellect polytheists use their equitable? Such people to be are not in any except just like the cattle. but in fact way they from the Right astray Path. are more

25:45. thou not considered regarding Have The Sustainer of thee, Lord and Eternal how He the shadow. truly if He had Willed. extends He indeed made could have it stand still. Thereafter, We made the sun its indicator.

25:46. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Living) draw it to Us, drawing it gradually.

Truly The Ever Almighty God 25:47. is The night the covering has God Who made the for ye Humankind and of the each everv one and of sleep the rest, The Ever means and Almighty the day the time for God has made rising.

25:48. Truly The Ever Almighty God is The God Who sends the winds as good news before His Mercy; truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Most Merciful, The Ever Wise. The King of the Entire Universe, Eternal The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) send down pure water from the heaven,

25:49. For the purpose that We (The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, The God, The The Ever Most Merciful, Ever Most Equitable } life thereby the dead land bring and to may it drink We give those as a to numerous Humankind that We livestock and have created.

Almighty God, 25:50. Truly indeed, We (The Ever The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) have in fact repeated it amongst all that they may heedfully for the purpose Humankind surely most of Humankind have refused remember. Everything except persisting in unthankful disbelief.

25:51. Truly if We (The Ever Almighty God, The Merciful, The Eternal King Ever Most of the The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe. of Universe) had Willed, indeed We could Entire the have the Constant Warner into every city. sent

Surely thou O Muhammad! {The 25:52. Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the of The Ever Almighty Prophet God. The and Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever All Wise, The Eternal The Merciful. King the Entire Universe, The Creator and The of Lord and Sustainer of Eternal the Entire Universe Human to each and every one of the Beings P.m.b.u.h obey unthankful must not the ever disbelievers and thou must always strive hard against them with this Book Qur'an the great striving.

25:53. Truly The Ever Almighty God is The God Who has made the two seas to flow together, this one is sweet and freshening and the other one is salty and bitter; Truly The Ever Almighty God has set a barrier and a strong partition between them.

25:54. Truly The Ever Almighty God is The God Who has created the Human Beings from biological water and He has made him a relative by blood and a relative by marriage. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever All Powerful.

Truly the unthankful disbelievers worship other 25:55. The Ever Almighty God such gods cannot than nor harm them: truly the unthankful benefit them disbeliever has always been a helper (of the devils from among Humankind and the devils of Jinn-kind against The Eternal Lord and Sustainer him. of

25:56. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer the Entire Universe) have not sent of thee 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the every one of Humankind Almighty God to each and P.m.b.u.h except the Constant as Announcer of the Good True News and as the Constant Warner.

25:57. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "I do not of ask Humankind any reward for my actions, except ve any person who wills may follow that the Right Path to The Eternal Lord and Sustainer of him!"

25:58. Truly thou must always put your trust in The Ever Living God, The God Who will not ever die, and thou must Glorify Him with His Praise. Truly He is The Ever All Sufficient as The Ever All Aware of all the sins of all His servants.

25:59. The God Who has created all the heavens whole earth and Everything between and the in Six Days. Thereafter, He established Himself them the Throne. The Ever Most Gracefully firmly on Compassionate! Therefore, thou should ask about The Ever Almighty God; the who is well aware. one

25:60. Truly when it is said to them: "Ye must prostrate to The Ever Most Gracefully Compassionate!" They say: "And who is The Ever Most Gracefully Compassionate? Are we to prostrate to whatever thou Command us?" Truly it increases them in aversion. 25:61. Supremely Blessed is The Ever Almighty has placed in God Who the heaven the supremely great stars and He placed therein has mighty blazing lamp and the shining moon. the

25:62. Truly The Ever Almighty God is The God Who has made the night and the day to follow each other, for each and every person who intends to heedfully remember or intends to be thankful.

of The Ever the Most 25:63. Trulv servants Gracefully Compassionate (The Ever Almighty God. The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe are the walk ones who humbly on the earth. and whenever the ignorant people speak them they always respond saying: "Peace." to

25:64. And the ones who spend the night in worship of their Eternal Lord and Sustainer prostrating and standing in Prayer.

25:65. And the ones who say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please turn away from us the requital punishment of Hell. Certainly, the requital punishment of Hell is ever continuous;

evil residence 25:66. Certainly, Hell is and an station (on the Final evil Mighty Day of an and Judgement and Reckoning Resurrection and Eternal Afterlife Requitals in the World. the whereof is Fifty Thousand Years)!" measured extent

25:67. And the ones, whenever they spend, they do not ever spend wastefully nor miserly; truly there is always the right balance between the two extremes. 25:68. And the people who do not ever call in Prayer any other god along with The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe), and they do not ever kill any person whose killing The Ever Almighty God has prohibited except with the equitable right to do and they do not ever commit adultery SO, nor fornication; truly any person who commits any of these mighty sins, will face the penalty punishment,

25:69. The penalty punishment will be multiplied each and every such person Day for on the and Judgement, Resurrection and of he will therein forever with extreme humiliation. reside

25:70. Except each and every person who repents and truly believes and does righteous good actions; surely for such people The Ever Almighty God will change their evil actions into good actions, truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

25:71. Truly each and every person who repents and does righteous good actions; surely indeed, such a person repents towards The Ever Almighty God with true repentance.

who 25:72. And the ones do not ever bear the untruth and whenever they witness to pass by anything evil, they pass by with dignity.

the ones whenever they 25:73. And reminded are Miraculous Verses of with the The Eternal Lord and Sustainer of them, they do fall not upon them deaf and blind.

774

25:74. And the "Thou The say: ones who and Sustainer of us! Eternal Lord Thou please from our spouses and children award us our comfort of our eyes and Thou please the the Religious Leaders of the people make us fear who The Ever Almighty God.

people will be 25:75. Such awarded with the Everlasting highest place (in the Garden. on the Day of Resurrection Mighty Judgement Final and Reckoning Requitals in and the Eternal and Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? solely because they had patient. Truly therein they steadfastly will been be welcomed with greetings and the words of peace.

25:76. They will reside therein forever. that good residence the and the is good station the Final Mighty Day of Resurrection ∲on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty Thousand Years). extent measured

25:77. Thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Messenger the Trustworthy and the and of The Ever Almighty God, The Prophet Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Lord Sustainer The Eternal of Universe. and the Entire Universe to each of and every the one Human Beings P.m.b.u.h must say: "The Eternal Sustainer of will Lord and me not concern Himself with ye; if ye do not Pray, surely ye unthankfully denied. Therefore, eventually have indeed punishment the requital is bound to come!"

26: Sûrah Chapter Ash-Shu'ara The Poets M.V. 227

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

26:1. Taa, Seen, Meem.26:2. These are the Miraculous Verses of the Ever Supremely Clear Book.

26:3. Perhaps thou are going to kill yourself with grief solely because most of Humankind will not become believers (in The Whole Truth).

26:4. If We (The Ever Almighty God, The Ever Living) had Willed, We could send down upon Humankind the Miraculous Sign from the heaven for which their necks would always remain humbled.

26:5. Truly there never comes to Humankind any new Wise Reminder from The Ever Most Gracefully Compassionate (The Ever Almighty God) except that they turn away from the Wise Reminder.

26:6. Surely they have indeed unthankfully denied, therefore the consequential news of that which they ridiculed will eventually come to them.

26:7. Have Humankind not observed the earth, how many of every noble pair We (The Ever Most Gracefully Compassionate) have caused to grow therein?

26:8. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

776

26:9. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

26:10. Remember when The Eternal Lord and Sustainer of thee called out to Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h): "Thou must go to the iniquitous wrongdoing people,

26:11. The people of Pharaoh. Will they not fear The Ever Almighty God?"

26:12. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I fear that they will unthankfully deny me.

26:13. And my chest tightens and my tongue does not express fluently. Therefore, Thou please send for Aaron (P.m.b.u.t).
26:14. And they have a charge of crime against me, therefore, I fear that they may kill me!"

26:15. The Ever Almighty God said: "Certainly not! Both of ye must go with Our Miraculous Signs. Certainly, We (The Ever Almighty God) will be with all of ye, always hearing.

26:16. Surely both of ye must go to Pharaoh and both of ye must say: "We are the Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds,

26:17. That thou Pharaoh must send with us the Children of Israel (P.m.b.u.t)!"

the unjust transgressor 26:18. Pharaoh said: "Did sustain thee among us child and we not as a among stayed us many years of your life? thou

26:19. And thou committed that action which thou committed, and thou were one of the unthankful!"

26:20. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of God, The Ever Most Ever Almighty Gracefullv The P.m.b.u.h) "I Compassionate said: did it. then. one those while I of who was go astray.

26:21. Surely I fled from ye people when I feared ye. Thereafter The Eternal Lord and Sustainer of me awarded me the great wisdom of judgement, and He made me one of the Messengers.

this favour of which thou 26:22. And Phraoh reminding me, but are thou have uniustly Children of Israel (P.m.b.u.t)." enslaved the

26:23. Pharaoh the unjust transgressor said: "And who is The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?"

26:24. Moses the Honourable and the Trustworthv Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The King of the Entire Universe, The Eternal Eternal and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h Lord "The Eternal Lord and Sustainer of all the said: heavens and the whole earth and Everything that is if ye people believe with certitude!" between them,

26:25. Pharaoh the unjust transgressor said to those people around him: "Are all of ye not listening?"

26:26. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Merciful, Ever The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord Sustainer of and the and "The Entire Universe P.m.b.u.h said: Eternal Lord Sustainer of all of ye, and The Eternal Lord and and Sustainer of all your previous forefathers!"

26:27. Pharaoh said: "Certainly, your Messenger, the one who has been sent to ye is indeed mad!"

26:28. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet the of The Ever Almighty God, The Creator of Everything P.m.b.u.h said: "The Lord and Sustainer of the East and the West and Everything that is between them if all of ye use your intellect to be equitable!"

26:29. Pharaoh said: "Indeed, if thou take any god other than me, indeed I will definitely place thee among those who are imprisoned!"

26:30. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Even if I bring thee something supremely clear?"

26:31. Pharaoh the unjust transgressor said: "Then thou bring it forth, if thou are speaking the truth!"

26:32. So Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) threw his Staff, and instantly it became a real large snake.

26:33. Then Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) drew out his hand, and it was pure white to the observers.

26:34. Pharaoh the unjust transgressor said to the chiefs around him: "Certainly, this Moses (P.m.b.u.h) is indeed an supremely knowledgeable magician.

26:35. He intends to drive all of ye out from your land by his magic, what is it then ye command?"

26:36. The chiefs around Pharaoh the unjust transgressor said: "Give Moses and his brother (P.m.b.h.t) postponement and send callers to the cities,

26:37. The callers will bring thee Pharaoh every knowledgeable magician!"

26:38. So the magicians were assembled for the appointment of the well-known day.

26:39. And it was said to the people: "Will all of ye assemble together?

26:40. For the purpose that we may follow the magicians if they become the winners!"

26:41. Then, when the magicians came, they said to Pharaoh: "Will we certainly have a reward indeed; if we are the winners?"

unjust transgressor 26:42. Pharaoh the said: ye "Yes. certainly, all and then of will indeed be among those who me!" are to near

(the Honourable and the 26:43. Moses Trustworthy Truthful Messenger and the and Prophet of The God. The Ever Most Ever Almighty Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Equitable P.m.b.u.h said to Magicians: the Most "Throw down whatever ye going to throw!" are

the magicians threw 26:44. So their ropes and they said: "By and honour sticks the their of will indeed be the winners!" Pharaoh; certainly, we

{the Honourable Then Moses 26:45. and the the Truthful Messenger Trustworthy and and Prophet Almighty God. of The Ever The Ever All P.m.b.u.h threw his Staff. Wise and instantly the swallowed up whatever they falsely staff showed!

26:46. Surely all the magicians fell down in prostration (to The Ever Almighty God).

26:47. The magicians said: "We truly believe in The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

The Eternal Lord and Sustainer of Moses 26:48. and {the Honourable and the Trustworthy and Aaron Truthful Messengers Prophets of The the and Ever Almighty God, The Creator of Everything P.m.b.u.t)!"

26:49. Pharaoh the unjust transgressor said: "Ye the believed in truly magicians have Moses (P.m.b.u.h)permission. gave ye Certainly, before Ι He is your great chief who indeed has taught ve surely indeed ye will eventually magic, come to cut off definitely Indeed, I will know. your hands your opposite sides, indeed feet on and and I will definitely crucify all together!" of ye

26:50. The magicians who truly believed said: "That will not do us any harm! Certainly, we are returning to The Eternal Lord and Sustainer of us.

26:51. Certainly, we strongly hope that The Eternal Lord and Sustainer of us will forgive us our sins of the true the first because we are believers The Ever Almighty God, The Ever All Wise, ∲in Ever Most High, The Ever The Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names. Ever Most Trustworthy, The Ever Most The Truthful. Eternal King of the Entire Universe. The The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

26:52. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Living) Miraculously Revealed to Moses (P.m.b.u.h) saying: "Thou must depart by night with My servants. Certainly, all of ye will be pursued!"

26:53. Then Pharaoh sent callers into the cities. 26:54. "Certainly, these are indeed a small group,

26:55. For sure they have indeed enraged us, 26:56. For sure we are indeed a large army, on the alert!"

26:57. Surely We (The Ever Almighty God) expelled them from the gardens and the water springs, 26:58. And treasures and honourable station,

26:59. In this way! And We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) caused the Children of Israel (P.m.b.u.t) to inherit all of those things.

26:60. Surely Pharaoh and his people pursued the Children of Israel (P.m.b.u.t) at sunrise.

782

26:61. Surly when the two parties saw each other, the companions of Moses (P.m.b.u.h) said: "Certainly, we are indeed going to be caught!"

26:62. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Certainly not! Certainly, The Eternal Lord and Sustainer is with me, He will eventually guide me!"

26:63. Then We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) Miraculously Revealed to Moses (P.m.b.u.h): "Thou must strike the sea with your Staff!" So the sea parted, and each separate part was just like the mighty mountain.

26:64. Then We (The Ever Almighty God) brought the iniquitous pursuers to that place.

26:65. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Living) saved Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) and each and every one who was with him, together.

26:66. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) drowned the persuers.

26:67. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:68. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

783

26:69. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) must recite to them the story of Abraham (P.m.b.u.h),

26:70. When Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) said to his father and his people: "What do ye worship?"

26:71. They said: "We worship statues gods and we are always devoted to them!"

26:72. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, P.m.b.u.h) said: "Do the statues gods hear ye when ye call them in prayer?

26:73. Or do the statues gods benefit ye or do they do any harm?"

26:74. They said: "But in fact we found our fathers doing just like this!"

26:75. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and Prophet Truthful Messenger and and the the Close Friend of The Ever Almighty God all of P.m.b.u.h said: "Have considered ve what been worshipping, ye have ye and your ancient forefathers? 26:76. All of

26:77. Surely indeed all of them are enemies to me, except The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds,
26:78. The God Who has created me, surely He is The God Who guides me.

26:79. Truly He is The God Who always feeds me and He always gives me to drink as well.

26:80. Truly whenever I am ill, He is The God Who always cures me.

26:81. Truly He is The God Who will cause me to die; thereafter He will give me life again (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

26:82. Truly He is The God Who I strongly hope will forgive me my faults on the Day of Judgement and Requitals (in the Eternal Afterlife World)!"

26:83. (Truly Abraham, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe prayed P.m.b.u.h): "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please award me the great wisdom of judgement, and Thou please join me with the devoutly righteous people.

26:84. And Thou please make for me the honourable mention among the later generations.

785

26:85. And Thou please help me to be among the inheritors of the Garden of Delight;

26:86. And Thou please forgive my father; certainly, he is one of those who have gone astray.

26:87. And Thou please do not disgrace me on the Day when each and every one of the Human Beings will be resurrected.

26:88. The Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when wealth will not benefit nor sons.

26:89. Except the person who comes to The Ever Almighty God with the devoted submissive heart!"

26:90. Truly the Everlasting Garden will be brought near to the righteous people who fear The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:91. And the Blazing Hell will be placed in full view of the unthankful deviators;

26:92. Truly it will be said to the unthankful deviators: "Where are those gods ye used to worship,

26:93. Other than The Ever Almighty God? Can those other gods help ye the unthankful deviators now, or can they help themselves?" 26:94. Then they will be hurled into the Blazing Hell, they and all the unthankful deviators;

26:95. And all the soldiers of the Iblees, together,

26:96. They will say while they will be disputing among themselves in the Blazing Hell:

26:97. "We swear by The Ever Almighty God! Certainly, we were indeed in the most clear straying,

made all of ye equal with 26:98. When we The Sustainer of all the Lord and Eternal Worlds The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:99. Truly no one led us astray except the iniquitous criminals.

26:100. Surely now we do not have any intercessors,

26:101. Nor any true friend.

26:102. If we only could have another chance to return, then we would be among the true believers!"

26:103. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:104. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

26:105. The people of Noah (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Prophet of Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h³ unthankfully denied the Messengers.

26:106. When their brother Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said to them: "Will ye not fear The Ever Almighty God?

26:107. Certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye (from The Ever Almighty God).

26:108. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:109. Truly I do not ask ye for this work any reward. My reward is only from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

26:110. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:111. The people of Noah (P.m.b.u.h) said: "Should we truly believe in thee while thou are followed by the people who are the lowest class?"

26:112. Noah (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable. Eternal King of the Entire Universe, The The Lord and Sustainer of the Entire Eternal Universe P.m.b.u.h) said: "Truly what knowledge do I have of what actions they have been doing?

26:113. Their reckoning account is only upon The Eternal Lord and Sustainer of me, if ye people could only perceive.

26:114. Truly I am not going to drive away the true believers.26:115. I am not in any way except the Most Clear Constant Warner!"

26:116. The people of Noah (P.m.b.u.h) said: "If thou do not stop this action, thou O Noah (P.m.b.u.h)! Indeed thou will definitely be one of those who are stoned to death!"

26:117. Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, my people have unthankfully denied me.

26:118. Therefore, Thou please judge between me and between them with decisive judgement and Thou please save me and every person who is with me of the true believers!"

26:119. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Living, The Ever Most Equitable) saved Noah (P.m.b.u.h) and each and every person who was with him in the fully loaded Ark.

26:120. Then, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) drowned thereafter all the others.

26:121. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:122. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

26:123. Aad unthankfully denied the Messengers (of The Ever Almighty God, The Ever All Wise).

26:124. When their brother Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said to them: "Will ye not fear The Ever Almighty God?

26:125. Certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye (from The Ever Almighty God).

26:126. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:127. Truly I do not ask ye for this work any reward. My reward is only from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

26:128. Do ye construct on every prominent place a monumental sign, just to amuse yourselves.

ye take 26:129. And for yourselves great fortresses, hoping that ye may live forever. whenever And ye 26:130. strike someone, iniquitous tyrants. ye strike as

26:131. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:132. Truly ye must always fear The God Who has helped ye with that which ye know.

26:133. He has helped ye with livestock and sons; 26:134. And gardens and water springs.

26:135. Certainly, I fear for ye people the requital punishment of the Mighty Day!"

26:136. The people of Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal King of of the Entire Universe P.m.b.u.h "It said: is all the same to us whether thou admonishingly instruct or thou are not one of those who admonishingly instruct;

26:137. This is not in any way except the custom of the previous people;26:138. Truly we are not going to be punished!"

26:139. Surely they unthankfully denied Hûd (the the Trustworthy Honourable and and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. P.m.b.u.h); therefore We (The Ever Almighty God The Ever Most Equitable) destroyed them. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign: vet Humankind not believers ∲in of the most are Signs of The Ever Miraculous Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:140. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

791

26:141. Thamûd unthankfully denied the Messengers (of The Ever Almighty God, The Ever All Wise).

their brother Sâlih (the Honourable 26:142. When Trustworthy and the Truthful Messenger and the of The Ever Almighty Prophet God. The and Most Equitable P.m.b.u.h Ever said to them: "Will ye not fear The Ever Almighty God?

26:143. Certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye (from The Ever Almighty God).

26:144. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:145. Truly I do not ask ye for this work any reward. My reward is only from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

26:146. Are ye going to be left amid Everything that is here secure (forever from death and Reckoning Account on the Final Mighty Day the of Resurrection and Judgement and Reckoning Eternal Afterlife World, the Requitals in the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years};

26:147. Amid the gardens and water springs,

26:148. And fields of crops and palm trees with softened good fruit?

26:149. And ye carve out houses from the mountains with skill;

26:150. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:151. Truly ye people must obev not ever of the iniquitous transgressors. any command who 26:152. The evil disorder in ones cause the earth and they do not make peace!"

26:153. The unthankful deniers said: "Thou are only one of those affected by magic,

Thou Sâlih (P.m.b.u.h) are not 26:154. in any a human being just way except like us. Therefore, thou bring us the Miraculous Sign if of those who speak the truth!" thou are one

*k*the Honourable Sâlih the 26:155. and Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h said: "This is the she camel. She has a time for drink and ye have a time for drink on a known day.

26:156. Truly ye must not ever touch the she camel with any evil, or ye will be seized by the requital punishment of the Mighty Day!"

26:157. But the unthankful deniers hamstrung the she camel, thereafter they became regretful.

26:158. Surely the requital punishment seized them. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:159. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

793

26:160. The people of Lot (P.m.b.u.h) unthankfully denied the Messengers (of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:161. When their brother Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God, of The Ever The Ever Prophet Gracefully Compassionate, The Most Eternal King Entire Universe P.m.b.u.h said of the to them: "Will ye not fear The Ever Almighty God?

26:162. Certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye (from The Ever Almighty God).

26:163. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

Truly I do not ask ve for 26:164. this work any reward. My only reward is from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

26:165. Why do ye people lustfully approach males unlike other people of all the Worlds;

26:166. Truly ye abandon what The Eternal Lord and Sustainer of ye (The Ever Almighty God) has created for ye to be your wives? But in fact ye are the unjust transgressing people!"

The unjust transgressors said: "Indeed if 26:167. stop this do not action. thou 0 Lot thou {P.m.b.u.h}! Indeed Thou will definitely be one expelled!" of those who are

794

26:168. Lot (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet The and the of Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Certainly, I one of am those who strongly detest the evil ve commit!" action

Lord 26:169. "Thou The Eternal and Sustainer of Thou please save and me! me my family evil actions committing!" the they from all are

26:170. Surely We (The Ever Almighty God) saved Lot (P.m.b.u.h) and his family together,

26:171. Except an old woman (Lot's wife P.m.b.u.h) who was among those who remained behind.

26:172. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) destroyed the others.

Almighty God? rained (The 26:173. Truly We Ever evil rain, them the and was upon the rain who had of those people been warned.

26:174. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:175. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

26:176. The residents of the Thicket unthankfully denied the Messengers (of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate);

26:177. When Shu'aib (the Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? said to them: "Will ye not fear The Ever Almighty God?

26:178. Certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye (from The Ever Almighty God).

26:179. Surely ye must always fear The Ever Almighty God and ye must always obey me.

26:180. Truly I do not ask ye for this work any reward. My reward is only from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

26:181. Ye must always give full measure and ye must not ever be of those who give less.

26:182. And ye must always weigh with the straight balance (whenever ye people weigh things).

26:183. And ye must not ever diminish the things of Humankind and ye must not ever wander in the earth, causing evil disorder.

26:184. And ye must always fear (The Ever Almighty God, The Ever Living) The God Who has created all of ye and all the previous generations!"

26:185. The unthankful deniers said: "Thou are only one of those affected by magic, 26:186. Thou are not in any way except a human being just like us. For sure we think that thou are indeed one of those who speak untruth!" 26:187. So thou Shu'aib (P.m.b.u.h) should cause the to fall of upon if heaven fragments us, of who speak the truth!" thou those are one

Shu'aib (the Honourable and the Trustworthy 26:188. Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God The Ever Most Ever Gracefully The Compassionate, Living P.m.b.u.h Ever said: "The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Most Knowing of whatever actions doing!" ve are

they unthankfully denied 26:189. But Shu'aib the requital (P.m.b.u.h), therefore, punishment of the Day of the Black Cloud seized them. Certainly, it Mighty Day. was the equitable punishment of The

26:190. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:191. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

26:192. For this Book Our'an is indeed sure Revelation from The Eternal Lord the Miracuous and the Worlds (The Ever Almighty of all Sustainer Most Gracefully Compassionate, The God, The Ever Sustainer of the Entire Universe). Eternal Lord and

Mighty Angel Trustworthy Spirit 26:193. The {the Holy Spirit, the Honourable the and the Gabriel. Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God, The Ever Living from among the Angels P.m.b.u.h) has brought this Book Qur'an down.

797

26:194. Upon your heart thou O Muhammad! {The Trustworthy Honourable and the and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Most Equitable to each and Ever The everv of Humankind P.m.b.u.h³ for the one purpose that of become one the Constant Warners. thou may

26:195. (Certainly, the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Supremely Ever Blessed and the and the Mighty Supremely Miraculous and the Ever Ever Supremelv Qur'an, the Miraculous Message and the Wise Wise the Miraculous Proof and and the Clear Reminder Insightfulness Light and the True and the Heavenly Guidance The Ever Almighty Ever from God. The Merciful and Most to each one of every Humankind is indeed) in the Clear Arabic Language.

26:196. For sure this Book Qur'an is indeed mentioned in the Scriptures of the previous people.

26:197. Truly has it not been the Miraculous Sign for Humankind, that this Book Qur'an is recognised by the scholars of the Children of Israel (P.m.b.u.t).

Truly if We (The Ever Almighty God, 26:198. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Glory, The the Owner of All Eternal King of The Eternal Lord Entire Universe, and Sustainer of Universe) had Miraculously Revealed this the Entire Qur'an to someone who was not an Arab, Book

Truly foreign Messenger 26:199. the had recited Our'an them, they this Book to would not truly believed this Book in Our'an. have

this way We (The Ever Almighty 26:200. In God. Most Gracefully Compassionate, The The Ever Ever The Ever Most Generous, The Creator Most Merciful, of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe} have inserted and it into hearts of the iniquitous the criminals.

believe 26:201. They will truly in this not Book Qur'an they see painful the punishment. until

26:202. Surely the painful punishment will come to them suddenly while they will not perceive it.

26:203. Then the iniquitous criminals will say: "Can we be granted more time?"

26:204. So are the iniquitous criminals hastening for Our requital punishment?

thou considered if We Surely 26:205. have (The Almighty The Eternal King Ever God, the of Universe. The Eternal Lord and Entire Sustainer Entire Universe awarded the of the iniquitous criminals beneficial provisions for many vears.

26:206. Thereafter, there came upon them the requital punishment which they had been promised,

26:207. They would not be helped in any way by whatever beneficial provisions they were awarded.

Truly (The Ever Almighty God, 26:208. We The Most Equitable} did Ever not ever destrov any city except that it had its Constant Warners,

26:209. As the Reminder, truly We (The Ever Almighty God) have never ever been iniquitous,

26:210. Truly this Book Qur'an, has not been brought down by the devils.

Truly the devils {from 26:211. among Jinn-kind worthy Humankind) are not and to do so, they do not have the capability to and do SO.

26:212. Certainly, the devils have indeed been debarred from hearing (this Book Qur'an).

Surely thou (O ye 26:213. each and every one of Humankind and every of one Jinn-kind! call in Prayer any god not other must ever along with The Ever Almighty God, thou or of those who will be punished. will be one

26:214. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must Warn your close relatives.

26:215. And thou must always lower your wing of mercy to each and every one who follow thee from among the true believers.

26:216. Sure if they disobey thee, then thou must say: "I am not responsible for whatever actions all of ye ever do!"

26:217. Truly thou must always put your trust in The Ever Almighty, The Ever Most Merciful,

800

sees thee O 26:218. The God Who Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Messenger and Prophet The Truthful of Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) whenever thou stand up.

26:219. And your movements among those who prostrate (to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Living).

26:220. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

26:221. Shall I (The Ever Almighty God) inform ye Humankind, upon whom the devils descend?

26:222. They descend upon every lying sinner.

26:223. Those people who pass on whatever is heard, truly most of them are liars.

26:224. Truly only the people who are the unthankful deviators follow the poets,

26:225. Have thou not considered that the poets wander aimlessly in every valley, 26:226. And that they say what they do not do.

truly believe 26:227. Except those poets who and they righteous good actions and do remember and The Ever Almighty God very often they themselves being defend after afflicted with iniquity. Truly the people who who commit iniquitous actions will eventually come to know to kind of return they will what be returned to.

27: Sûrah Chapter An-Naml The Ants M.V. 93

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

27:1. Taa, Seen. These are the Miraculous Verses of the Qur'an and the Ever Supremely Clear Book.

27:2. This Book Qur'an is the Heavenly Guidance and the Good True News for the true believers,

27:3. The people who equitably perform the Prayer and they always give the Mandatory Alms, and they always believe with certitude in the Eternal Afterlife World.

Certainly, the people who do trulv 27:4. not the Eternal Afterlife World. We believe in Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully (The Compassionate) have made pleasing to them their iniquitous actions, surely they wander blindly.

the Such people for whom there 27:5. are will evil requital punishment and they will an be be greatest losers in the Eternal Afterlife World the (°on the Final Mighty Day of Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

27:6. For sure thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) indeed receive the Qur'an directly from The Ever All Wise, The Ever All Knowing. 27:7. Remember when Moses (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said to his family: "Certainly, I have seen a fire. I will eventually bring ye from there some will bring ye information, or I burning flame a yourselves!" for the purpose that ye may warm

27:8. Surely when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Most of The Ever Most Equitable, The Eternal King Merciful. of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.hcalled out: "Supremely to it, he was came Blessed is whoever is in the Fire and whoever around it. Truly All Glory with Complete is is only to The Ever Almighty God, Holiness The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

27:9. Thou O Moses (P.m.b.u.h)! Certainly, I am indeed The Ever Almighty God, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

27:10. Truly thou must throw down your Staff!" Staff moving if it when he saw the But as a large snake, he turned in flight and did were look back. (The Ever Almighty God said }: not "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! Thou must not fear. Certainly, the Messengers do not fear in My Presence.

any Messenger who commits 27:11. Except any iniquity, thereafter, he good substitutes after evil: surely indeed I The Ever Most am Forgiving. The Ever Most Merciful.

27:12. Truly Thou O Moses (P.m.b.u.h)! must put your hand into the opening of your garment at the chest; it will come out pure white without any disease. These are among the Nine Miraculous Signs to Pharaoh and his people. Certainly, they are the unthankful rebellious people!"

27:13. Suerely when there came to Pharaoh and his people Our Enlightening Miraculous Signs, they said: "This is clear magic!"

27:14. Truly they rejected them of iniquity out and arrogant pride, in of that spite their of and minds were convinced hearts their truth. Surely thou how must observe was the Final End of the people who cause evil disorder.

27:15. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) in fact gave to David and Solomon (the Honourable the Trustworthy and and Truthful Prophets of The Ever Almighty God, the The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t) the Heavenly Knowledge, and both of them said: "All the Praise belongs only to Ever Almighty God, The One Who The has favoured us over many of His believing servants!"

27:16. Truly Solomon was the heir of David (P.m.b.h.t). Truly Solomon said: "O ye Humankind We have been taught the language of birds and we have been given from every good thing. Certainly, this is indeed the most clear Grace!"

27:17. Truly there were gathered for Solomon (P.m.b.u.h) his armies of Jinn-kind and Humankind and Birds, and they were marching in rows. 27:18. Until, when they came upon the valley of "O ye ants! said: the ant Ye must ants, an *€*the your dwellings, so Solomon Honourable enter and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe. Eternal The Creator and The Lord and of the Entire Universe P.m.b.u.h and his Sustainer armies do not crush ye while they do not perceive!"

Surely Solomon (the Honourable 27:19. and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Living P.m.b.u.h) smiled, amused at the speech truly he said: "Thou The of an ant. Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please assist me to be always thankful for your Favours and Blessings which Thou have awarded upon and me that I may do righteous upon my parents; and good actions such as Thou are pleased with, and Thou please make me to enter by your Mercy in the company of your devoutly righteous servants!"

27:20. Truly Solomon (P.m.b.u.h) inspected the birds; then he said: "How is it that I do not see the hoopoe? Or is he among the absent?

27:21. Indeed I will definitely punish hoopoe with indeed Ι will а severe punishment or slaughter indeed he him or should come up to me authorisation!" the clear with

did not stay long, and 27:22. But he hoopoe encompassed in knowledge that "Ι have said: not encompassed, and which thou have I have Sheba with firm true thee from to news. come

27:23. Certainly, I found a woman who is ruling over them, and she has been given of everything, and she has a mighty throne.

her and her people 27:24. I found prostrating of Ever sun instead The Almightv to the devil Satan God, truly the has made their pleasing evil actions to them and he has away from the Right Path, turned them surely they do not follow the correct guidance,

27:25. So they do not prostrate to The Ever Almighty God, The God Who brings forth that within all which is hidden the heavens and the Truly The Ever Almighty God always whole earth. knows very well Everything each and every one of ve Humankind ever conceal and Everything each and every one of ye Humankind ever reveal.

Almighty God. 27:26. The Ever there is no Him Alone, The Eternal God except Lord of the Supremely Mighty Throne!" Sustainer and

27:27. Solomon (the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty and the Ever Most Equitable, The Eternal Lord God. The the Entire Universe Sustainer of P.m.b.u.hand said: "We will eventually whether thou have see or thou spoken the truth are one of the liars.

27:28. Thou must take this letter of mine and deliver it to them. Thereafter, withdraw from them and thou must observe what answer they will return with!"

27:29. The Queen said: "O chiefs! Certainly, there has been delivered to me a noble letter.

27:30. Certainly, it is from Solomon (P.m.b.u.h), truly indeed it is commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful.

27:31. Saying: "Ye must not exult yourselves against me; but ye must come to me as Muslims!"

27:32. The Queen said: "O chiefs! Ye must advise me in my command. I would not affirm any command until ye are present with me!"

said: "We 27:33. The chiefs are men of strength and great mlitary power. truly it great thee command, therefore, thou is for to must decide what will command!" thou

The Queen said: "Certainly, kings, whenever 27:34. city, they ruin they enter any it thev and of its honoured humiliated. make the people they will do. Truly thus

27:35. Truly indeed I am going to send them some gift and observe with what reply the messengers will return!"

Surely when to Solomon 27:36. they came { the the Trustworthy and and the Truthful Honourable Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Equitable, Gracefuuly The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h), Solomon (P.m.b.u.h) said: "Do ye people want to help me with wealth? Surely what The Almighty God has given me is supremely Ever better than what He has given all of ye. But in ye who rejoice in this gift of yours. fact, it is

27:37. Go back to your people, surely indeed we will definitely come up against them with armies which they will be powerless to encounter, truly indeed we will definitely expel them from there in humiliation, and they will be debased!"

(P.m.b.u.h) "О chiefs! Which 27:38. Solomon said: bring me the throne will of ye of the before they come Muslims?" Oueen to me as

powerful person from among the jinn 27:39. A "I will bring the throne to thee before said: from your place, for Ι thou rise sure am and trustworthy indeed strong for this work!"

The person who had knowledge from the 27:40. said: "I will bring it to thee before your Book thee!" Surely when Solomon glance to returns (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h saw her throne placed before him, he said: "This Grace of The the is from Eternal Lord and of me. whether Sustainer test me I will be to thankful or be unthankful. Truly any person who is thankful, surely he only gives thanks for the good of Truly any person who is unthankful, surely himself. indeed The Eternal Lord and Sustainer of me is The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Most Generous.

Solomon (the Honourable and the 27:41. Trustworthy Truthful Prophet of The Ever Almighty and the The Eternal Lord and Sustainer of the Entire God. Universe P.m.b.u.h) said: "Disguise the throne of the Queen for her; we will observe whether she will guide herself to the truth, or she will be from among the people who are not correctly guided!"

Surely when the Queen arrived, 27:42. she was just like this?" The "Is asked: your throne said: "It is though it were Oueen as the verv Truly given knowledge same. we were even this, truly we have before as Muslims!" come

which the Queen was 27:43. Truly that worshipping other than The Ever Almighty God had prevented her (from worshipping The Ever Almighty God, The Merciful, The Most Eternal King of the Ever Creator and Entire Universe. The The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe. Certainly, and she among the unthankful disbelieving people. was from

The Queen was told: "Enter the palace!" But 27:44. she saw the hall, she thought it was deep when pool of water. so she tucked up her clothes her shins. Solomon (the Honourable uncovering and Trustworthy and the Truthful Prophet of the The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Certainly, the hall of the palace made this is with smooth Queen said: "Thou The crvstal!" The Eternal Lord Sustainer of me! Certainly, I have and been committing iniquity to myself, truly I wholly submit along with Solomon The Ever Almighty to God. The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds!"

27:45. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe their to Thamûd in fact sent brother Salih (P.m.b.u.h), saying: "All of ye worship only must Ever Almighty God!" Then The at once they became two parties conflicting with each other.

27:46. Salih (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever God, The Eternal King of Almighty the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h said: my people! Why are ye **''O** hastening for the rather than the good? Why do ye people not evil for forgiveness from The Ever Almighty God ask the purpose that ye may receive Mercy?" for

27:47. The people of Salih (P.m.b.u.h) said: "We consider thee Salih (P.m.b.u.h) an evil omen, thee and all those who are with thee!" Salih (P.m.b.u.h) said: "Your omen is with The Ever Almighty God. But in fact, ye are the people being tested!"

27:48. Truly there were in the city nine men who were causing evil disorder in the earth, truly they did not act righteously.

27:49. They said: "All of ye should swear an by The Ever Almighty God that will oath we secretly kill Salih (P.m.b.u.h) and his family at night. Thereafter, we will say to his near relatives: did not witness the destruction 'We of his family, for sure we are indeed telling the truth!"

27:50. Truly they planned an iniquitous plan, and We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable The Ever All Wise) planned an equitable plan, while they did not perceive.

27:51. So thou must observe how was the Final End of their iniquitous plan, that We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever Living) destroyed them and their people together.

Surely these are their houses lying 27:52. desolated, solely because of iniquitous actions the Certainly, they had committed. in this there is indeed the Miraculous Sign f who have the Heavenly Knowledge. for the people

27:53. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved the people who truly believed and feared The Ever Almighty God.

27:54. Remember Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living P.m.b.u.h), when he said to his people: "Do ye people commit immoral evil actions while ye are observing?

27:55. Do ye indeed lustfully approach men instead of women? But in fact, ye are the ignorant people!"

27:56. Surely there was no other answer given by his people except that they said: "Expel the family of Lot (P.m.b.u.h) from your city. Certainly, they are the people who keep themselves thoroughly pure!"

27:57. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever All Wise) saved Lot (P.m.b.u.h) and his family, except for his wife; We destined her to be of those who remained behind.

27:58. And We (The Ever Almighty God) rained upon the people of Lot (P.m.b.u.h) a rain, truly evil was the rain of the people who were warned. 27:59. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and every one of Human Beings P.m.b.u.h the to must say: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, and peace be upon His servants whom He has chosen. Is The Ever Almighty God The all the gods all the polytheists Ever Most Best or The Ever Almighty God?" associate with ever

The God Who 27:60. Who is has created all the heavens and the whole earth and He has down for all of ye the Human Beings sent water heaven? Thereby We from the cause to grow wonderful gardens full of beauty and delight. It ability to not in your cause the growth of is their trees. Is there any god along with The Ever Almighty God? But in fact, they the people are to The Ever who ascribe equals Almighty God.

The God Who 27:61. Who is has made the stable residing place, and He has placed earth a rivers in its midst and He has made for it firmly set mountains and He has placed between the two barrier? Is there any god along with The seas a Ever Almighty God? But in fact most of the the Heavenly Knowledge. Human Beings do not have

God Who responds The 27:62. Who is to the distressed person when he prays to Him, and He removes the evil, truly He makes ye the Human earth? god Beings inheritors of the Is there any along with The Ever Almighty God? Yet it is very little what ye Humankind heedfully remember!

27:63. Who is The God Who guides ye the Human Beings through the darknesses of the land the sea? And Who is The God Who and sends bearing good the winds news before His Mercv? Is there any god along with The Ever Almighty The Ever Almighty God is Supremely Exalted God? whatever gods all the polytheists far above from with The Ever Almighty God. associate ever

is God Who originates the 27:64. Who The thereafter, He the creation will creation: create time? Truly Who is The God Who the second provides all of ye the Human Beings sustenance and from the heaven the earth? Is there any along with The Ever Almighty God? god Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "All of ye must bring forth your Miraculous proof, if ye are the truthful!"

27:65. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must "None say: in all and the whole earth the heavens has knowledge the Unseen except The Ever Almighty God, and of they do not perceive when they will be resurrected!"

27:66. But in fact their knowledge is arrested Eternal Afterlife World. concerning the But in in doubt about the Eternal fact they are World. But fact, they Afterlife in blind are concerning the Eternal Afterlife World.

27:67. Truly the people who unthankfully disbelieve say: "When we and our forefathers have become dust; will we really be brought back to life again Mighty Day of Resurrection the Final ∲on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

27:68. Indeed we have in fact been promised this before, we and our forefathers. These are not in any way except stories of the previous people!"

O Muhammad! (The 27:69. Thou Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Most Prophet of The Ever Almighty God, Equitable to each and every one of the Human say: "Ye Beings P.m.b.u.h must Humankind must travel in the earth, then ye Humankind must observe how was the Final End of the iniquitous criminals!"

27:70. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must not ever grieve over them and thou must not ever be in distress from whatever they unjustly plot.

27:71. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

27:72. Thou must say: "Perhaps it is close behind ye, some of that for which ye are hastening.

27:73. Truly indeed The Eternal Lord and Sustainer of thee is surely full of Grace towards Humankind, but most of Humankind do not give thanks.

814

27:74. Truly indeed The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) surely always knows very Everything the chests of each well and every Humankind ever conceal and Everything of one and every one of the chests ever reveal. each

27:75. Truly there is nothing at all unseen in the heaven and the earth except that it is in the Supremely Clear Book.

27:76. Certainly, this Qur'an narrates to the Children of Israel (P.m.b.u.t) most of that over which they differ.

27:77. For sure this Qur'an is indeed the Heavenly Guidance and the Mercy for the true believers.

27:78. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee will judge between every one of Humankind by His Command. Truly The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Knowing.

27:79. Surely thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Mighty, The Ever Most Powerful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Entire Universe to Sustainer of the each and Beings P.m.b.u.h must every one of the Human The Ever Almighty God; always put your trust in upon the Supremely Clear Truth. certainly, thou are

27:80. Certainly, thou cannot any one make of people the hear and thou dead to cannot make deaf people to of the your one hear any call they turn their backs walk when and away.

27:81. Truly thou cannot guide the blind hearted away from their straying. Thou cannot in any way truly believes make to hear except the person who in Our Miraculous Verses, surely they become Muslims (those who submit to follow the All Blessed Will all the Commandments of The Ever Almighty God, and Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal The King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

27:82. Truly when the Decreed Word is fulfilled against them, We (The Ever Almighty God, The Mighty, The Ever Most Gracefully Ever Most The Creator The Eternal Compassionate, and Lord Sustainer of the Entire Universe will bring and for the Humankind a creature from the earth out that will speak to them. because Humankind had believed with certitude in Our Miraculous Verses. not

27:83. Truly the Day when We (The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) will gather together from every community party of those people who unthankfully denv a Our Miraculous Verses, truly they will be in rows.

27:84. Until, when they arrive, The Ever Almighty God will say: "Did ye people unthankfully deny My Miraculous Verses while ye did not encompass them in knowledge, so what were ye doing?"

27:85. Truly the decreed Word will be equitably fulfilled against them solely because they committed iniquity, surley they will not be able to speak.

27:86. Do the Human Beings not consider that We (The Ever Almighty God) have made the night for the purpose they may rest therein, and the day giving light? Certainly, in this there are indeed the Miraculous Signs for the people who truly believe.

27:87. Truly on the Day the Trumpet will be each and every person in blown, then all the each every person in heavens and and the whole will be terrified except whosoever The earth Ever Almighty God Wills. Truly each and every person come to The Ever Almighty God humbled. will

the Truly see mountains. 27:88. thou thinking they firmly fixed, while pass them will the as passing of clouds. It is the Miraculous Handiwork of The Ever Almighty God, The God Who perfected Everything. Certainly, He is has The Ever Aware of whatever actions All each and every ve the Human Beings ever one of do.

27:89. Any person who comes (on the Final Mighty of Resurrection and Judgement and Dav Reckoning Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife and World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) with good actions, surely he will be awarded supremely better than that, truly they will be in the terror of that Day. and security from peace

any person who *fon* the Truly comes 27:90. Final Judgement Day of and Reckoning Mighty and Requitals the Eternal Afterlife World, the in extent whereof is Fifty Thousand Years? measured with evil actions, their faces will be overturned into Hellfire: "Ye not being equitably requited the are ye used to do!" except for whatever actions

27:91. (Thou O Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God to each of The and everv the Human Beings P.m.b.u.h must of sav}: one "Certainly, what I have been Commanded is that I worship only The Eternal Lord and Sustainer this city (Makkah), The God Who of made this city Sacred, truly only to Him belongs Everything. been Commanded that I must always And I have Muslims (those one of the who submit be to the All Blessed Will and all follow the Commandments of The Ever Almighty God, The Gracefully Compassionate, Most The Eternal Ever King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

27:92. And that I must recite the Qur'an!" Certainly Heavenly who follows the Guidance, any person the Heavenly Guidance surely he follows only for the good of himself. Truly any person who goes O Muhammad! {The Honourable astray, then thou Truthful Messenger Trustworthy and the and the and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "I am only one of the Constant Warners!"

27:93. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God to each Prophet of one of Humankind P.m.b.u.h must say: and every the Praise belongs only "All to The Ever Almighty God, He will eventually show ye Humankind Signs, then ye will recognise Miraculous His Truly The Eternal Lord and Sustainer of them!" unaware of whatever thee is not ever actions and every one of ye Humankind ever do. each

28: Sûrah Chapter Al-Qasas The Narrative M.V. 88

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

28:1. Taa, Seen, Meem.28:2. These are the Miraculous Verses of the Ever Supremely Clear Book.

28:3. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. Ever Seeing of Everything, The The Ever All of Everything, The Eternal King Knowing of the The Eternal Lord and Entire Universe, Sustainer of the Entire Universe) narrate to thee part of the story of Moses (P.m.b.u.h) and Pharaoh with The for the people Truth who truly believe. Whole

28:4. Certainly, Pharaoh unjustly elevated himself in the earth and made its people into factions, oppressing a sector from among them, slaughtering their newborn sons and keeping their females alive. Certainly, he was one of those who caused evil disorder.

Truly We (The Ever Almighty God, The Ever 28:5. Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Ever Most Equitable, Merciful. The The Eternal Entire Universe wanted of the Lord and Sustainer Mighty Favour upon people to award the the been unjustly weakened in earth had the who and make them leaders and make them inheritors,

give them governing authority 28:6. And to in earth and show Pharaoh and Haamaan the and that which they had been fearing. their armies

819

28:7. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal King The Eternal Lord and of the Entire Universe, Sustainer of the Entire Universe) inspired to the mother of Moses (P.m.b.u.t) saying: "Thou must suckle Moses (P.m.b.u.h); surely when thou fear for him, then thou must cast him into the river and must not fear and thou must not grieve. thou Certainly, We will return Moses (P.m.b.u.h) to thee. and We will make him one of the Messengers!"

28:8. Truly the family of Pharaoh picked Moses (P.m.b.u.h) up so that Moses (P.m.b.u.h) would become to them an enemy and a cause of grief. Certainly, Pharaoh and Haamaan and their soldiers were the iniquitous sinners.

28:9. Truly the wife of Pharaoh said: "A comfort of the eyes for me and for thee. Thou must not kill him; perhaps he may benefit us or we may adopt him as a son!" Truly they did not perceive.

28:10. Truly the heart of the mother of Moses (P.m.b.u.t) became empty. Certainly, she in was about to declare the matter, if We (The fact Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) had not strengthened her heart, for the purpose that she one of the true believers. would remain as

28:11. And the mother of Moses (P.m.b.u.t) said to his sister: "Thou must follow him!" Surely the sister of Moses (P.m.b.u.t) watched him from a distance while they did not perceive. 28:12. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Living) had already prohibited Moses (P.m.b.u.h) all wet nurses, surely the sister of Moses (P.m.b.u.t) direct ye "Shall I family house said: to a will responsibly look after him for who ve they while well-wishers will be sincere of him?"

So We (The Ever Almighty God? returned 28:13. Moses (P.m.b.u.h) to his mother that SO she may comfort her eyes and she may not grieve, that the purpose she may and for know with the Promise of that The Ever Almighty certitude always The Whole Truth. But God is most of Humankind do not the Heavenly knowledge. have

28:14. Truly when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h strength and full maturity, We full attained his Great Wisdom him the of Judgement awarded and the Heavenly knowledge. Truly just like this We reward the people who do righteous good actions.

28:15. Truly Moses (P.m.b.u.h) entered the city at a time of inattention by its people, and he found therein two men fighting; one from his party and among his enemies. Surely the other from the Moses (P.m.b.u.h) party asked him man from for person who was the from against among help enemies, then Moses (P.m.b.u.h) struck him his with his fist and killed him. Moses (P.m.b.u.h) said: of "This is from the action the devil Satan. Certainly, the devil Satan is the most clear enemy, he is always working to lead Humankind astray!"

28:16. Moses (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I have committed iniquity to myself, so Thou please forgive me!" Surely He forgave Moses (P.m.b.u.h). Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

28:17. He said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Because of the Favours and Blessings Thou have awarded upon me; surely I will not ever be a helper to the iniquitous criminals!"

the Honourable Surely Moses 28:18. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Most of Mighty P.m.b.u.h³ became fearful, looking about in the city, then suddenly the person who sought previous day cried out help the his him to for help. Moses (P.m.b.u.h) said to him: "Certainly, thou are indeed the most clear persistent deviator!"

28:19. Then when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) was about to man who was an enemy to both attack the of the said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! them. man "Do thou intend to kill me just like thou killed that person yesterday? Thou only intend to be a tyrant in the land, and thou have no intention to be from among the people who make peace!"

28:20. Surely a man came running from the furthest end of the city. He said: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! "Certainly, the chiefs are counselling about thee to kill thee, therefore thou must leave; certainly, I am one of the sincere well-wishers to thee!"

So Moses (the Honourable 28:21. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most P.m.b.u.h) left the city, looking Merciful about in state of fear. Moses (P.m.b.u.h) said: "Thou a The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please from the iniquitous wrongdoing people!" me save

28:22. Truly when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) directed himself towards Madyan, he said: "I strongly hope that The Eternal Lord and Sustainer of me will guide me to the Right Path!"

Truly when Moses (P.m.b.u.h) 28:23. arrived at the water well of Madyan, he found there a of people watering (their livestock), and crowd he women keeping aside from them two found away. (P.m.b.u.h) said: "What is your circumstance?" Moses said: "We cannot They water until shepherds the dispatch; truly our father is old man!" an

28:24. So Moses (P.m.b.u.h) watered {their livestock} for the two women; thereafter, he went back to the shade said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly. I and am in need whatever good Thou may send down for for me!"

one of the two women 28:25. Then came to (P.m.b.u.h) walking with shyness. Moses She said: "Certainly, my father invites thee that he may reward thee for having watered for us!" So when (P.m.bu.h) came to him and narrated to Moses him story, he said: "Thou must not fear. Thou the have escaped from the iniquitous wrongdoing people!"

28:26. One of the women said: "O my father! Thou should employ Moses (P.m.b.u.h). Certainly, the best person thou can employ is the person who is strong and trustworthy!"

women 28:27. The Father of the said: "Certainly. Ι intend to marry to thee one of these. the condition daughters, my on that thou Moses (P.m.b.u.h) work for me for eight years; but complete ten years, then it if thou will be thee. Truly I do intend to a help from not in any difficulty. Thou will eventually thee put find me, if The Ever Almighty God Wills. devoutly righteous of the people!" one

28:28. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Almighty God, of the The King Ever Eternal Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "This is between me and between thee. Whichever of the two terms I complete. There should be no unjust demand against me, truly The Ever Almighty The Protector over whatever we God is sav!"

28:29. Then when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever Most of The Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) had completed the appointed term and he travelling with his family, he fire was saw a direction of the Mountain At-Tûr. Moses the in (P.m.b.uh) said to his family: "Wait here; certainly, I have seen a fire. Perhaps I will ye from bring information, or a burning wood there some from fire for the purpose ye may warm yourselves!" the

28:30. Surely when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) came to it, he was from the right side called out of the valley in the blessed place, from the tree: "Thou O Moses (P.m.b.u.h)! Certainly, I am The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

28:31. Truly now thou must throw down your Staff!" But {the when Moses Honourable and Messenger and Truthful the Trustworthy the and of The Ever Almighty God P.m.b.u.h Prophet saw the Staff moving as if it were a large snake, in flight and did Moses {P.m.b.u.h} turned not The back. (The Ever Almighty God, look Ever "Thou O said): Moses {P.m.b.u.h}! Living Thou draw near, and thou must not fear. Certainly, must one of those who are peacefully secure. thou are

28:32. Insert your hand into the opening of your garment at the chest; it will come out pure white without any disease. And draw in your arm close from fear, these thee to prevent to two are Miraculous Proofs The the from Eternal Lord and of and his Sustainer thee to Pharaoh chiefs. the unthankful rebellious people!" Certainly, they are

(the Honourable and the 28:33. Moses Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Almighty God, The Living P.m.b.u.h Ever Ever "Thou The of said: Lord and Sustainer me! Certainly, I have killed person from a among therefore, I fear that they will kill them: me.

28:34. Truly my brother Aaron (the Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h is fluent than more me in speech, therefore. Thou please send him with me as helper sincerely bearing witness to my words. Certainly. I fear that they will unthankfully deny me!"

Ever Almighty God The said: "We will 28:35. through your brother strengthen your arm and We award both of ye the All Binding Authority will they will not be able to harm both of ye. SO With Our Miraculous Signs: both of ye and every person who follow both of ye will be the winners!"

28:36. But when Moses (the Honourable and the Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet The Almighty God, The Ever of Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h The with Our Supremely Clear Miraculous them came to Signs, "This is they said: not in any wav except invented magic, and we have not heard of these things among our previous forefathers!"

(the Honourable 28:37. Truly Moses the and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Almighty God, The of The Ever Ever Most Living, King Ever The Eternal Merciful. The of Universe P.m.b.u.h said: "The Entire Eternal the Sustainer of knows me always Lord and best every person who has with come the Correct Providence Guidance His and who will from the Delightful Afterlife Home. Certainly, the have iniquitous wrongdoers will not be triumphant!"

28:38. Truly Pharaoh the unjust transgressor said: know for ye any god do not "O chiefs! I other Therefore, O Haamaan! Kindle than me. for me the clay fire upon and make for me a a for the purpose that may Ι look tower at of Moses (P.m.b.u.h). The God For sure Ι indeed Moses (P.m.b.u.h) is one of the think that liars.

Truly Pharaoh and his soldiers 28:39. were unthankfully arrogant in without the earth any and they thought that thev equitable right, would returned to Us (The Ever Almighty God). not be

Therefore, We (The Ever Almighty 28:40. God. The King of the Entire Universe, Eternal The Ever Living) seized Pharaoh and his soldiers. then We threw them into the sea. Surely thou must observe how was the Final End of the iniquitous wrongdoers.

28:41. Truly We (The Ever Almighty God) made them leaders inviting to the Hellfire, and on the Day of Resurrection and Judgement they will not be helped.

28:42. And We (The Ever Almighty God caused follow them in life the of this the curse to Earthly World, and Day of Resurrection on the Judgement they will be among the despised. and

indeed We in 28:43. Truly fact gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God Messenger and Heavenly Book, P.m.b.u.h the after We had even former generations, destroyed the the True as Humankind Heavenly Insightfulness for and the the Mercy for the purpose Guidance and that each and every one of Humankind may heedfully remember.

28:44. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God each to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) were not present on the western side (of the Mountain At-Tûr when We decreed to Moses (the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and and the The Ever Almighty God P.m.b.u.h? the Prophet of Command, and thou were not among the witnesses.

28:45. But We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable created many generations and ages Truly thou were a resident passed over them. not people of Madyan, reciting to the among them Our Miraculous Verses, but We sent the Messengers.

28:46. Truly thou O Muhammad! (The Honourable Trustworthy Messenger the and Prophet and of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) were not at the side of the Mountain At-Tûr when We (The Ever The Ever All The Almighty God, Wise. Eternal of the Entire Universe } called. King But thou of Mercy sent as act too have been an from The Eternal Lord and Sustainer of thee for the may warn the that thou people purpose to Constant Warner had before whom no come thee. for the purpose that they may heedfully remember.

that disaster 28:47. Truly if not a should strike solely of the actions them because evil their say: "Thou would hands have done, surely they Lord and Sustainer of us! Why The Eternal did send to any Messenger? Then Thou not us we followed your Miraculous would have Verses an been among the true believers!" would have we

28:48. Surely when The Whole Truth came to and every one of Humankind directly from each (The Ever Almighty God), the Us unthankful disbelievers say: "Why has the Messenger not been given Miraculous Signs just like of what was given (P.m.b.u.h)?" Did they Moses not unthankfullv to disbelieve in that which was given earlier to Moses the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God say: "Both P.m.b.u.h? The unthankful disbelievers Supremely Honourable Our'an The Ever and the Supremely Honourable Torah? are works Ever of magic helping each other!" And they say: "Certainly, unthankful disbelievers in all of them!" we are

28:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet all The True God to Humankind P.m.b.u.h of say: "Then ye the unthankful disbelievers must should bring some Book directly from The Ever Almighty God that gives better guidance than these Books (the Ever Supremely Honourable Torah two Ever Supremely Honourable Qur'an), that I and the may follow such Book, if ye speak the truth!"

28:50. Surely if the unthankful disbelievers do not comply to thee O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Ever Almighty God to Prophet of The each and Beings P.m.b.u.h), every one of the Human then certitude that such people with must know thou who is follow their iniquitous desires. Truly only the person who follows more astray than his own iniquitous desire without any guidance from The Ever Almighty God? Certainly, The Ever Almighty God does not guide the iniquitous wrongdoing people.

Truly indeed, We (The Ever Almighty God, 28:51. All Wise have The Ever in fact caused to Humankind The Word to come time after time for the purpose that they may heedfully remember.

28:52. The people to whom We (The Ever gave Almighty God. The Ever All Wise } the before this Qur'an, Heavenly Book Book such are the people who truly believe in this Book Qur'an.

this Truly when Our'an 28:53. Book is recited such people, they say: "We truly believe in to Book Qur'an; certainly, this Book is this Qur'an from The The Whole Truth Eternal Lord and Certainly, even before the comimg Sustainer of us. Qur'an this we were Muslims {those of who Blessed Will submit to follow the All and all of The Ever Almighty God, the Commandments The and Sustainer the Entire Universe? of Eternal Lord

28:54. Such people will be given their reward twice over because they have been steadfastly patient and they respond to evil with good and they spend from whatever We have provided for them.

28:55. Truly whenever they hear any immoral they turn away from it. speech and they say: "For us actions and for all of are our ye actions. Peace be your upon all of ye; are we not desire the company of the ignorant do people!"

Certainly, thou cannot guide whosoever 28:56. thou guide, but Ever Almighty The God love to He Truly Ever guides whosoever Wills. The Almighty God is The Ever Most Knowing of the people who follow the Heavenly Guidance.

28:57. And they say: "If we follow the Heavenly along with thee, we would Guidance be removed our land!" Have We (The Ever Almighty from God. Most Merciful not given them the The Ever sanctuary to which the fruits of kind safe every sustenance is brought as direct from Us? But Humankind of do not have the Heavenly most {of Miraculous knowledge the Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and Miraculous Books of The Ever Almighty the God. Most Gracefully Compassionate, The Ever The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

28:58. Truly how a city We (The many Ever Almighty God, The Ever Most Equitable destroyed were boastful of their prosperity. that Surely their dwellings which have not been these are inhabited after them except a little. Truly only We (The Ever Almighty God) are The Eternal Inheritors.

Truly The Eternal Lord 28:59. and Sustainer of ever destroy the cities He thee would never until capital city the Messenger sent to their had reciting to them Our Miraculous Verses. And We Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever The Ever Living) would never destroy any city except while their people were iniquitous wrongdoers.

28:60. Truly whatever things each and every one of Human Beings have given, ve the been it is goods of the beneficial only the life of this present Earthly World and its adornment. Truly the Favours and Blessings which are with The Ever Almighty God are supremely better and Everlasting. Despite that will ye each and every one of the Human Beings not use your intellect to be equitable?

Truly is the person to 28:61. whom We (The Gracefully Almighty God, The Ever Most Ever Compassionate. The Ever Most Merciful. Ever The Praise, The Ever of Owner of All Owner A11 The Eternal King of the Entire Universe. Glory, The Ever A11 Wise. The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe } and have Lord promised the good promise which such person will whom We gain just like the person to have provided the beneficial goods of life this the of present Earthly World; thereafter the on Dav of Judgement and Resurrection person will such а those people who will among be be presented requital Everlasting punishment {for the in the Hellfire the Final Mighty Day of Resurrection on and Judgement and Reckoning and Requitals Rewards in the Eternal Afterlife World. the and whereof is Fifty Thousand Years?? measured extent

28:62. Remember the Day when on The Ever will Almighty God them summon and say: My partners whom ye used to claim?" "Where are

whom 28:63. The the against Decreed ones effect Word will into will have come say: "Thou The Lord Sustainer of Eternal and us! people we We These are the led to error. led just them to error in as we were We declare to Thee our disassociation error. They were not worshipping from them. only us!"

Truly it will be said: "Invoke your 28:64. other they gods," will them; invoke but SO the will gods not respond them. truly others to they will the requital punishment. If see only they had followed the Heavenly Guidance!

28:65. Remember that Day for Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Eternal Afterlife and Recompense in the Rewards Almighty God World } The Ever when will and will say: "How Humankind He summon did ve Humankind respond to My Messengers?"

Surely that all 28:66. on Day information will Humankind, as unapparent be to well as they able will not to ask be one another.

28:67. Surely as for any person who repents and truly believes and does righteous good actions, then it is strongly expected that such a person will be among the triumphant people.

Truly The 28:68. Eternal Lord and Sustainer of Wills thee creates whatever He and He chooses: authority to choose. not have the they do Glory with Complete Holiness is only to All The Ever Almighty God! Truly He is Supremely Exalted from whatever gods all polytheists far above the with The Ever Almighty associate God. ever

28:69. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee always knows very well whatever the chests of each and every one of Humankind ever conceal and whatever each and every one of them ever reveal.

28:70. Truly He Alone is The Ever Almighty God; there is no God except Him Alone, all the Praise belongs only to The Ever Almighty God in this present Earthly World and the Eternal Afterlife World. Truly the equitable right to Command and Judge belongs only to Him, truly only to Him each and every one of ye the Human Beings will be returned. 28:71. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God, The Prophet Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Merciful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and of the Human Beings P.m.b.u.h every one all of ye the Human Beings must say: "Have considered! If The Ever Almighty God made the night perpetual over all of ye until the Day of Resurrection and Judgement, which god is there other than The Ever Almighty God who could bring all of ye the Human Beings the light? Despite that will ye the Human Beings not listen attentively?"

28:72. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Have all of ve the Human Beings considered! If The Ever Almighty God made the day perpetual over all of ve until the Day of Resurrection and Judgement, which god is there other than The Ever Almighty God who could bring all of ye the Human Beings the night wherein all of ye may rest? Despite that Beings not equitably observe?" will ye the Human

28:73. Truly out of His Mercy The Ever Almighty God has made for all of ve the Human Beings the night and the day for purpose that all of ye may rest therein the for the purpose that all may seek of and ye His Grace, and for the purpose that from all of ye the Human Beings may give thanks.

28:74. Remember on the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when The Ever Almighty God will summon the polytheists and say: "Where are My partners whom ye used to claim?"

28:75. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most The Ever Most The Merciful. Kind. Ever Most of Everything, The Forgiving. The Creator Ever High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Owner of the Most Good Names, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Living, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will take out from every community a witness, then We will say: "Bring your Miraculous Proof!" Then they will come to know with certitude that only The Whole Truth belongs to Almighty God, The Ever and whatever they unjustly invent will used to disappear from them.

28:76. Certainly, Korah was of one the people Moses (the Honourable and the Trustworthy and of Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h), tyrannised them. Truly We **The** but Korah Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) gave Korah such treasures that certainly, even their keys a group of strong men; thereupon would burden said to Korah: "Thou people his must not ever unthankfully exult. Certainly, The Ever Almighty God does not love the unthankful exultant people.

28:77. But seek, through that which The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God Most Merciful, The Ever Most Mighty, Ever The Most High, The Eternal King of the Entire Ever Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) has given thee the Home of the Afterlife World; and Eternal thou must not forget the life equitable of this present share of your earthly World. Truly thou must do good just like The Ever Almighty God has done good to thee. And thou must not ever seek to cause evil disorder in the earth. Certainly, The Ever Almighty God does not love the people who cause evil disorder!"

28:78. said: "This wealth Korah has given been solely because of knowledge I possess!" to me Did Korah not know that The Ever Almighty God communities destroyed before him many had in fact those who were stronger than Korah in power and greater in amassing wealth? Truly the iniquitous criminals will not be questioned about their sins.

28:79. Then Korah went out his among people his adornment. The people desired all in who Earthly of this present World life the said: "Oh, if only we had given been the same Korah has been given. as Certainly, treasures Korah is indeed the owner of a mighty fortune!"

people who had been given the 28:80. But the Heavenly Knowledge said: "There is destruction to ve people! The reward of The Ever Almighty God supremely better for each is and every person actions. who truly believes and does righteous good Truly such will be reward attained not except by the people who are the steadfastly patient!"

28:81. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) caused the earth to swallow Korah and his home. Surely there was no party that could help him other than The Ever Almighty God, nor was he one of those who could defend himself.

28:82. Truly the people who had desired for the previous day position Korah's began to "Well actually, The Ever Almighty say: God any He vastly increases sustenance for person Alone limits it! If Wills and He The Ever Almighty had not awarded mighty God the favour upon us, indeed He caused would have actually. the earth to swallow us too. Well the unthankful disbelievers will not be triumphant!"

28:83. That Home of the Eternal Afterlife World Almighty God, The **The** Ever We Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Mighty, The Ever Most High, The Ever The King of the Entire Universe, The Creator Eternal The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and it for Universe have made the people who do desire arrogant pride the upon earth not nor disorder. Truly the Good Final End evil is for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

Every person who 28:84. comes *fon* the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years? good action, surely such with a will a person the good action he have better than came with: truly every person who comes with an evil action. surely the people who did evil actions will not be requited except for whatever actions they did.

837

Certainly, The God Who has 28:85. ordained the upon thee, He will indeed bring thee Qur'an again. Thou O Muhammad! (The Honourable home and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of the Human "The Eternal P.m.b.u.h must say: Lord and Beings me is The Ever Most Knowing Sustainer of of brings the True Guidance every person who and every person who is the most clear straying!" in

Truly thou O Muhammad! (The Honourable 28:86. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Merciful. Ever Wise The All to each and every Humankind P.m.b.u.h did of not one expect that this Book Qur'an would be Miraculously Revealed but it is the Mercy from The thee. Eternal to and Sustainer of thee. Surely thou must not Lord the unthankful disbelievers. ever be a helper to

Truly thou let 28:87. the must not ever Human Miraculous Beings turn thee away from the Verses of The Ever Almighty God after they have been Miraculously Revealed to thee. And thou must always The Eternal Lord and Sustainer of invite to thee. And thou must not ever be one of the polytheists.

28:88. Trulv thou must not ever call in Prayer Almighty God along with The Ever any other God is except Him Alone. god. There no Everything will be destroyed except The Ever Almighty God Himself. Only to The Ever Almighty belongs the equitable right God to Command Judgement, truly only to Him each and every and of ye the Human Beings will be returned. one

29: Sûrah Chapter Al-Ankabut The Spider M.V. 69

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

29:1. Alif, Laam, Meem.

Humankind think they 29:2. Do the that will "We alone solely because they left say: be believe" without being put to the test?

29:3. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and of the Sustainer Entire Universe in fact tested the people who passed before them: surely indeed The Ever Almighty God will definitely make evident who the truthful, truly indeed the people are will definitely make evident the untruthful. He

do the people who 29:4. Or do evil actions Us? they can escape think that from It is which they think and evil that judge.

29:5. who hopes for his Any person meeting with The Ever Almighty God, surely indeed. the appointed time of The Almighty Ever God is certainly coming. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

Truly who strives **€to** any person 29:6. hard the Heavenly Guidance from The Ever follow Almighty God, The Ever Most Merciful), surely such a person only strives hard for the good of himself. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Completely Self-Sufficient from all the Worlds.

839

29:7. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Forgiving) will definitely absolve from them their evil actions, and indeed We will definitely award them for the best of whatever actions they ever did.

29:8. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, Lord and Sustainer of The Eternal the Entire Universe) have Commanded each and every one of Human Beings to be kindly good to the his parents. But if they strive hard with thee to make associate anything whatsoever thee a god to as with Me that of which thou have no knowledge, then thou must not obey them. Only to Me will be the return of all of ye, surely I will fully inform all of ye of whatever actions ye ever did.

29:9. Surely the people who truly believe and do righteous good actions, indeed We (The Ever Almighty God) will definitely make them enter into the company of the devoutly righteous people.

29:10. Truly from among Humankind there are some who says: "We believe in The Ever Almighty God!" But when they are persecuted in the Straight of The Ever Almighty God, they consider Path the persecution of the Humankind as the punishment of Ever Almighty God. Truly indeed if there The comes help from The Eternal Lord and Sustainer thee, indeed they will definitely say: "Certainly, of we were with ye!" Is The Ever Almighty God not The Ever Most knowing of Everything that is each and every chest of the Human Beings? in

29:11. Truly indeed The Ever Almighty God (The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) will definitely make evident the people who truly believe and indeed He will definitely make evident the hypocrites.

29:12. Truly the people who unthankfully disbelieve say to the people who truly believe: "Follow our path, truly indeed we will carry your sins!" Truly they will not carry anything whatsoever of their sins. Certainly, they are indeed untruthful.

29:13. Truly indeed, the people who unthankfully will definitely carry their own burdens disbelieve of and other burdens of sins sins along sins, truly indeed with their own burdens of they will definitely be questioned on the Day and Judgement concerning whatever of Resurrection untruth they unjustly invented.

Truly indeed We (The Ever Almighty 29:14. God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most The Eternal King of the Entire Universe, High. and The Eternal Lord The Creator and Sustainer of the Entire Universe) in fact sent Noah (P.m.b.u.h) his people, surely he lived among them fifty to vears less than a thousand years, then the flood overtook them while they were iniquitous wrongdoers.

29:15. Surely We (The Ever Almighty God, The Most Merciful saved {P.m.b.u.h} Noah Ever and with him the Ark. trulv all those We on made it the Miraculous Sign for all the Worlds.

29:16. Remember when Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Eternal Lord Sustainer of the Entire and Universe P.m.b.u.h said to his people: "Ye must only worship The Ever Almighty and alwavs God always This fear Him. is supremely good ve must have the Heavenly Knowledge. for ve, if ve

whatever ye people worship 29:17. Certainly, other Ever Almighty God are fake than The idol unjustly invent untruth. ve gods. and Certainly. idol gods whom fake people those worship ye The God Ever Almighty other than do not possess provide ye people power any to any sustenance. Surely people must always seek ye sustenance only from The Ever Almighty God and ve always worship only must Him, and people ye thankful to always Him. Only must be to The returned!" Almighty God ye people will be Ever

if Humankind 29:18. Truly unthankfully ye denv to truly believe in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books Messengers and the Final Mighty Day and His of Resurrection Judgement and Reckoning and and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured whereof is Fifty Thousand Years}, extent surely indeed many communities have unthankfully denied ye Humankind. Truly there is before no duty upon the Messenger except to convey the Message Clearly.

29:19. Have the Humankind not considered how The Ever Almighty God originates the creation the first time; thereafter, He will create the creation second time? Certainly, this is easy for The Ever Almighty God.

29:20. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and of The Ever Almighty God to each Prophet and every one of Humankind P.m.b.u.h) must "Ye say: Humankind must travel in the earth and ye must observe how The Ever Almighty God began the creation. Thereafter, He will bring forth the final Ever Almighty God creation. Certainly, The always supremely powerful ability to do Everything!" has the

29:21. The Almighty God equitably punishes Ever He Wills, and He Mercy person awards any Wills, truly only person He to upon any Ever Almighty God and The each every one Human Beings of ye the will be returned.

29:22. Truly ye the Human Beings cannot escape in the earth nor in the heaven. Truly ye the Human Beings do not have any protecting friend nor any helper other than The Ever Almighty God.

29:23. Truly the people who unthankfully disbelieve in the Miraculous Verses of The Ever Almighty God and their Meeting with Him, such are the people who have despaired of My Mercy, truly they are the ones who will suffer the painful punishment.

29:24. Surely the answer of the people of Abraham the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) was not in anv way except that they said: "Kill him or burn him!" The Ever Almighty God Surely saved him fire. Certainly, in this there are indeed from the Miraculous Signs for the people who truly believe.

29:25. Truly Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Ye people have only taken other than The Ever Almighty God, fake idol gods for the purpose of friendship between ye people in the life of this present Earthly World. Thereafter, on the Day of Resurrection and Judgement ye people will deny one another and ye people will curse one another, truly your eternal home will be the Hellfire, and ye people will not have any helpers!"

29:26. Surely Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) truly believed in him. Abraham (P.m.b.u.h) said: "Certainly, I am migrating to The Eternal Lord and Sustainer of me. Certainly, He is indeed The Ever Almighty, The Ever All Wise!"

Truly We (The Ever Almighty God, 29:27. The Ever Most Merciful gave to Abraham, Isaac and Jacob (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Prophets of The Ever Almighty the God P.m.b.u.t, and We ordained Prophethood and the Heavenly Book in his Descendents. Truly gave Abraham (P.m.b.u.h) his reward in We this present life of the Earthly World, truly indeed the Eternal Afterlife World he will indeed in be the company of the devoutly righteous in people.

29:28. Remember Lot (P.m.b.u.h) when he said to his people: "Certainly, ye people indeed commit such immorality, as no one from among all the Worlds has ever committed this immorality before ye. 29:29. Certainly, ye people indeed immorally lust other men, and ye people obstruct the travellers, and ye people commit evil in your public assemblies!" Surely the answer of his people was not in any way except that they said: "Thou bring us the requital punishment of The Ever Almighty God, if thou are one of those who speak the truth!"

29:30. Lot (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please help me against the people who cause evil disorder!"

29:31. Remember when Our Angel Messengers came to Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) with the good true news, they said: "Certainly, we are going to destroy the people of this city. Certainly, its residents have been the iniquitous wrongdoers!"

29:32. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Certainly, Lot is in the city!" They said: "We know very well of who is in the city. Indeed we will definitely save Lot (P.m.b.u.h) and his family, except his wife. She will be one of those who stay behind!"

29:33. Truly when Our Angel Messengers came to Lot (P.m.b.u.h), he was distressed for them and felt for them great discomfort. The Angel Messengers said: "Thou must not fear, nor grieve. Certainly, we will save thee and your family, except your wife; she will one of those who stay behind.

845

Certainly, we are going to bring 29:34. down people of this city the the requital upon from punishment the heaven solely because thev been unthankfully rebellious!" have

29:35. Truly indeed We (The Ever Almightv Wise} have God. The Ever All in fact left Supremely Clear Miraculous Sign for of it the the who use their intellect be equitable. people to

Crtainly to Madyan We (The Ever Almightv 29:36. God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Shu'aib (the Honourable their brother Universe } sent and the Trustworthy and the Trurhful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h. Surely he said: "O my people! Ye must always worship only The Ever Almighty God, and ye must always strongly hope for the Final Day and ye must not earth, causing evil disorder!" ever wander in the

29:37. But they unthankfully denied Shu'aib (P.m.b.u.h). Therefore, an overwhelming earthquake seized them, surely they became destroyed lying dead within their homes.

29:38. Remember Thamûd, truly indeed Aad and it supremely clear to ye Humankind become from has devil Satan dwellings. Truly the had their made evil actions pleasing to them, and he prevented their from the Right Path, while they had perception. them

29:39. Remember Korah and Pharaoh and Haamaan. Moses {the Honourable and Truly indeed the Trurhful Trustworthy and the Messenger and Prophet P.m.b.u.h in fact came them with the supremely to proofs. despite that they unthankfully were clear arrogant in the earth, truly they could not escape.

29:40. Surely We (The Ever Almighty God, The Most Equitable, The Eternal King of Ever the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) seized each and every party solely because of their sins, surely among them were those upon whom We sent from and storm of stones, from among were a them seized by the mighty roaring those who were blast, them those whom We from among and were caused the earth to swallow, and from among them We drowned. Truly whom Ever were those The Almighty God did not commit any iniquity ever to them, but they committed iniquity to themselves.

29:41. The example of the people who take protecting friends other than The Ever Almighty just like the God is example of the spider house. Truly that takes to itself a indeed the is frailest of all houses the house of the spider, if they only had the Heavenly Knowledge.

29:42. Certainly, The Ever Almighty God always whatsoever knows very well thing and each one Humankind call every in prayer other than Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty The is The Ever Almighty, The Ever All Wise. God

29:43. Truly these are the examples We (The Ever Almighty God) describe them for each and every one of Humankind, truly none will understand them except those who have the Heavenly Knowledge.

Almighty God Ever 29:44. The has all created whole the and the earth for heavens an equitable purpose. Certainly, in this is there indeed the Miraculous Sign for the true believers.

29:45. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to each and every one of Human Beings P.m.b.u.h must recite whatsoever the Miraculously Revealed to has been thee of the and thou Heavenly Book, always equitably must perform the Prayer. Certainly, the Prayer prohibits from every kind of immorality and every kind of action, certainly indeed Remembring The Ever evil Almighty God is the ever greatest. Truly The Ever Almighty God always knows very well whatever work each and every one of ye ever do.

Surely ye the true believers must 29:46. not ever with the People of the Book except in argue a way that is best, with the exception of the commit iniquity from people who among them. the "We and ye true believers must say: truly whatsoever has been Miraculously believe in us and Miraculously Revealed to Revealed to ve people of the Book. Certainly, and the our God your God is The Ever Only One; trulv we are Muslims only to The Ever Almighty God wholly submit (those who follow the All to Blessed Will all the Commandments of and The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate)!"

29:47. Truly in this way We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have Miraculously Revealed to thee this Book Qur'an. Truly the people to whom We have already given the Heavenly Book truly believe in this Book Qur'an. And from among these people there are some who truly believe in this Book Qur'an. Truly no person ever rejects Our Miraculous Verses except the unthankful disbelievers. 29:48. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God to each Prophet and of the Human Beings P.m.b.u.h) every one did not Book before this Book Qur'an, did recite any nor thou write any Book with your hand. In that case follow untruth would have indeed those who doubted.

in fact, this Book 29:49. Qur'an But is the Supremely Clear Miraculous Verses in the chests of people who given been the have the Heavenly Knowledge. Truly no person rejects ever Our Miraculous Verses except the iniquitous wrongdoers.

Truly the unthankful disbelievers say: "Whv 29:50. the Miraculous Signs not has been sent down Messenger from The to the Eternal Lord and him?" of Thou O Muhammad! Sustainer (The Honourable and Trustworthy and the Truthful the and Prophet of The Ever Almighty God Messenger of and every one Human Beings each the to "The Miraculous Signs P.m.b.u.h say: must are Providence of The in the Ever Almighty only God. Ι only the Clear Constant Warner!" truly am

29:51. Truly is not sufficient enough for it them the Beings (each and every one of Human and of the Jinn Beings} and every that each one Ever (The Almighty God, The We Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. Eternal King of Entire Universe, the The The Sustainer of the Eternal Lord and Entire Universe Miraculously Revealed to thee this have Book Qur'an which is recited to them? Certainly, this in Qur'an there is indeed the Mercy Book and the Reminder for the people who truly Wise believe.

29:52. Thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Almighty God, of The Ever The Prophet Ever Gracerfully Compassionate, The Eternal Most Lord Sustainer of the Entire Universe and to each and Beings P.m.b.u.h of the Human everv one must Almighty God is The "The Ever Ever All say: The Ever Present Witness between Sufficient as me He always ye. and between knows verv well in Everything that is all the and the heavens earth. people who Truly the believe whole in and they unthankfully disbelieve in The Ever untruth Almighty God, such people are indeed the losers!"

29:53. Truly unthankful disbelievers the challenge hasten the requital punishment. Truly if thee to for a time already it had not been appointed, requital punishment would have indeed the come Truly indeed it will definitely them. come to them suddenly while they will not perceive. to

29:54. The unthankfully disbelievers challenge thee to hasten the requital punishment. For sure Hell will indeed be encompassing the unthankful disbelievers.

29:55. On the Day the requital punishment will unthankfully disbelievers from the above them cover below their from feet and The Ever and say: "Ye must feel the requital Almighty God will for the evil actions ye used to punishment do!"

servants My people who 29:56. 0 the truly believe! Certainly, spacious: My earth is vastly and every one therefore, always of ye each must Almighty worship only Me The Ever God. The Sustainer of Eternal Lord and the Entire Universe?

29:57. Each and every person will feel death. Thereafter, only to Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) each and every one of ye Humankind will be returned.

Surely truly believe 29:58. the people who and actions, indeed We (The Ever do righteous good Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe, will definitely accommodate them in the lofty dwellings in the which rivers flow, they Everlasting Garden, beneath will reside therein forever. Supremely delightful is the reward for the people who do righteous works.

29:59. Those who are steadfastly patient and they put their trust in The Eternal Lord and Sustainer of them.

29:60. Certainly how many of a moving creature does not carry its sustenance. The Ever Almighty God provides sustenance for them and for ye the Human Beings. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

Truly indeed if thou ask 29:61. "Who them: created all the heavens and the whole earth has who has made the sun and the and moon be of service?" Indeed, they will definitely to Almighty God!" Despite "The Ever say: that how are they turned away from The Whole Truth?

Almighty God vastly increases The Ever 29:62. sustenance for any person He Wills from among Alone limits His and He it servants for any He Wills. Certainly, The Ever Almighty person All Knowing of Everything. God is The Ever

Truly indeed if thou ask them: "Who 29:63. sends heaven rainwater from the and gives life down earth its death?" Indeed they the after thereby to will definitely say: "The Ever Almighty God!" Thou must say: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God!" But fact. most of Humankind in do not use their intellect to equitable. be

29:64. Truly the life of this present Earthly World is not in any way except an amusement and play. Truly indeed the Home of the Eternal Afterlife World, that is indeed the real topmost life, if only Humankind had the Heavenly Knowledge.

29:65. Truly whenever they go on board a ship, they call in Prayer only The Ever Almighty God, making religion pure for Him. But when The Ever Almighty God safely delivers them to the land, immediately they associate others as gods with Him.

29:66. So that they may unthankfully disbelieve in whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living) have awarded them, and that they enjoy the beneficial provisions. Surely they will eventually come to know.

29:67. Have they not seen that We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, All Wise, The Eternal King The Ever of the The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe, of the Entire Universe) have made Makkah the safe sanctuary, while people are being taken away them? Despite that they believe all do around and unthankfully disbelieve in the untruth in the and Blessings of The Ever Almighty God? Favours

Truly who is more iniquitous than the person 29:68. who unjustly invents untruth about The Ever Almighty God unthankfully denies The Whole or Truth when him? the it has come Is Hell to not eternal the unthankful disbelievers? place of residence for

who strive hard 29:69. Truly the people for Us Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully (The Compassionate. The Ever Most Merciful, The Ever Generous, The Ever Most Kind. The Most Ever The Creator Everything, Forgiving, of Most The All Praise. of The Ever Owner Ever Owner of All Seeing Ever All Everything, The of Glory, Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The The Ever Trustworthy, The Ever Most Truthful. Most The Light of all the Heavens Whole True and the All Knowing of Everything, Earth. The Ever The High, The Ever Most Mighty, Ever Most The Ever Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Most The Ever Most Excellent Helper, The Friend. Ever Good-Looking, Most Beautiful. The Ever Most The The Ever Supreme Glorious, Truth, Ever Most The Owner of the Supreme Greatness, Ever The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over The Ever Present Witness Over Everything, Everything. Forbearing, Most The The Eternal Lord and Ever Sustainer of Ever The Eternal the Supremely Throne, The Eternal King Honourable of the Entire Eternal Owner of All Honour, The Universe, The Good, The Ever Living, The Ever Most Ever Most Powerful. The Creator and The Eternal Lord of Entire Universe}, Sustainer the indeed We and definitely guide them Right to Paths. will Our For Almighty God sure The Ever is indeed people who do righteous good with the actions.

30: Sûrah Chapter Ar-Rum The Romans M.V. 60

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

30:1. Alif, Laam, Meem.30:2. The Romans have been defeated,

30:3. In the nearest land. But after their defeat, they will eventually be victorious.

30:4. Within three to nine years. Only to The Ever God (The Eternal King of Almighty the Entire The Universe. The Creator and Eternal Lord and Eternal Universe } The Sustainer of the Entire belongs the Command ever before and ever after. that day the true believers will rejoice. Surely on

30:5. With the help of The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Entire Universe, The Creator King of the and The Eternal Lord The Eternal and Sustainer of the Entire Universe. He helps whosoever He Wills, truly He is The Ever Almighty, The Ever All Merciful.

30:6. It is the Promise of The Ever Almighty God. The Ever Almighty God does not ever go against His promise, but most of Humankind do not have the Heavenly Knowledge (of the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God).

30:7. They have knowledge only of what is apparent of the life of this prsent Earthly World, truly they are heedlessly unaware of the Eternal Afterlife World.

854

they not think deeply within themselves? 30:8. Do Almighty God (The Ever Most Gracefully The Ever Compassionate) has not created all the heavens and earth and Everything that is is between whole the them except for the equitable purpose and for an appointed time. Truly indeed many of Humankind unthankful disbelievers surely in the Meeting are The Eternal Lord and Sustainer with of them.

they not travelled in the earth 30:9. Have and Final End of was the observed how the people before them? They were greater than them in power they tilled the earth and populated it and more they have done, truly their Messengers came than to them with the Supremely Clear Proofs. Truly The Ever Almighty God did not ever commit any iniquity to them, but they committed iniquity to themselves.

30:10. Thereafter, the Final End of the people who did evil actions was extremely evil, solely because they unthankfully denied the Miraculous Verses of The Ever Almighty God and they used to ridicule them.

30:11. The Ever Almighty God (The Eternal Lord Sustainer of the Entire The Eternal Universe } and the creation first time. Thereafter originates He the creation second time; thereafter Alone will create The Ever Almighty God each and every only to of ve the Human Beings will be one returned.

30:12. Truly the Day when the Final Time (the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final Reckoning and Requitals and and Rewards in World, the Eternal the Afterlife measured extent Fifty Thousand Years? comes whereof is to pass, the iniquitous criminals will be in extreme despair.

30:13. Truly none of their fake gods will be intercessors for the iniquitous criminals, truly they will become disbelievers in all their fake gods.

30:14. Truly the Day when the Final Time will come to pass, that Day they will become separated.

30:15. Truly as for the people who truly believed and did righteous good actions, surely they will be in the Everlasting Garden, delighted.

for the people who unthankfully Truly as 30:16. disbelieved and unthankfully denied Our Miraculous and the Meeting of the Eternal Verses Afterlife surely such people will be World. brought into the requital punishment (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

30:17. Surely all Glory with Complete Holiness is The Ever Almighty God when only to all of every evening Humankind reach and ye when all of ye Humankind reach every morning.

30:18. Truly only The Ever Almighty to God Praise in all the belongs all heavens and the whole and in the late earth. afternoon, and when all of ye Humankind reach the middle of the dav.

The Ever Almighty God is 30:19. The God the living from brings out dead Who the the He brings out dead from the and living He gives life after the earth its death. and to Truly just like this each and every one of ve Humankind will be brought out from the earth.

30:20. Truly from among the Miraculous Signs of The Ever Almighty God is this, that He Has created ye the Human Being from dust; thereafter ye the Human Beings are spreading far and wide.

Truly from among the 30:21. Miraculous Signs of Ever Almighty God is The this, that He has of ye the Human Beings created for all from vourselves mates for the purpose that ye may them, and He in created find tranguility has between ye and your mates the feelings of love mercy. Certainly, in this there and are indeed Miraculous Signs for the people who think deeply.

30:22. Truly from among Miraculous Signs the of Ever Almighty God is the creation The of all whole the heavens and the earth and the of your languages and your colours. difference this there are indeed Miraculous Signs Certainly, in for the people who have the Heavenly Knowledge.

Truly from among the Miraculous Signs 30:23. of The Ever Almighty God is the sleeping of ye the Human Beings by the night and by the day and seeking from the Grace of The Ever your Almighty God. Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs for the people who listen attentively.

Truly from among the Miraculous 30:24. Signs of Ever Almighty God is this, The that The Ever Almighty God shows ye the Human Beings the for hope, lightning for fear and He sends and down rainwater from and the heaven, thereby He Certainly, life the earth after its death. gives to this indeed Miraculous Signs there or in are people who use their intellect to be equitable. the

30:25. Truly from among the Miraculous Signs of Ever Almighty God is this, that the heaven The earth stand firm by the Command and the of Ever Almighty God. Thereafter when The He will all of ye the Human Beings by a single call call. then immediately each and every one of ve Humankind will come forth (from the earth on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World).

The only to Almighty Ever 30:26. Trulv God whosoever is in all the belongs heavens and devoutly obedient to Him. whole earth. All are

Truly The Ever Almighty God is The 30:27. God originates the creation first time: Who thereafter creation He will create the second time: trulv is very easy for The this Ever Almighty God. Him belongs the Ever Most Only to Exalted Glory in all the heavens and whole earth. Truly He is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

Ever Almighty God describes 30:28. The an example relating to yourselves. Do ye have any of the own, as partners in that slaves ye which We Almighty God have provided for **The** Ever ye, ye are equal in respect of it, would SO that ye fear them another? In one this ye fear as way We explain in detail the Miraculous Verses for the people who use their intellect to be equitable.

30:29. But in fact, the people who commit iniquity follow their iniquitous desires without any knowledge. Surely who will guide the person whom The Ever Almighty God leaves to stray? Truly the iniquitous wrongdoers will not have any helpers.

30:30. Surely thou each and every one of the true believers must direct your face firmly towards the religion, being devoutly true monotheist. The fitrah Ever Almighty God upon of The which has He created each and every one of Humankind. There is change in the creation of The Ever Almightv no This is the Religion, but God. Correct most of do not have the Heavenly Knowledge. Humankind

and 30:31. Ye each every of the one true should always repentance believers turn in and obedience only to The Ever Almighty God, and always fear The Ever Almighty God ve must always equitably the Prayer perform and must ve not ever be of the polytheists. and ve must

30:32. From the people who have among divided and they have become their religion sects. sect proudly rejoicing each and every in whatever knowledge they have with them.

30:33. Truly when adversity afflicts Humankind, they in Prayer only The Eternal Lord call and Sustainer them. turning in and of repentance obedience Him. Thereafter when The Eternal Lord only to of gives them Sustainer them. a of and taste Mercy from Him, a party from immediately then gods associating other fake among them start as gods with The Eternal Lord and Sustainer of them;

So that they unthankfully disbelieve in 30:34. the Favours and Blessings which We (The Ever Almighty Eternal The Ever Living, The King of the God. Universe have awarded them. So Entire ye the unthankful disbelievers may enjoy beneficial the surely eventually ye will come to know. provisions.

859

30:35. Or have We (The Ever Almighty God. Wise, The Eternal King of The Ever All the The Eternal Lord and Entire Universe, The Eternal Entire Universe) Miraculously of the Sustainer Revealed to the polythists any Miraculous Sign of that Miraculous Sign Authority, of Authority SO speaks of whatever other gods the polytheists have associating with The Ever Almighty God? been

30:36. Truly when We (The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate, The The Ever Most Ever Most Merciful³ cause Humankind to taste Mercy, they proudly rejoice therein, but if evil afflicts them of whatever evil solely because actions their hands sent forth, then immediately they have despair.

30:37. Have Humankind not observed that The Ever Almighty God vastly increases sustenance for each every person He Wills and and He Alone it? Certainly, this in limits there are indeed Miraculous Signs for the people who truly believe.

30:38. Surely thou each and every of one the true believers must always give to the relative his equitable due right and to the needy and the This is supremely good for the people who traveller. seek the Love and Delight of The Ever Almighty God, truly such people are indeed the triumphant.

Surely whatever ye the true believers 30:39. give usury to increase within the wealth for of people, surely it will not increase in the Providence Almighty God. The Ever But of whatever ve in Mandatory Alms, desiring Love give the and Delight of The Ever Almighty God, surely such people will indeed be awarded multiple rewards.

The Ever Almighty God is The God 30:40. each and every one created Who has of ve Humankind; thereafter He has provided sustenance for every one of ye Humankind; thereafter each and cause each and every one of He will ve thereafter Humankind to die: He will each bring Humankind of ye back life and every one to any one gods of your again. Is there other any one of these things? All whom can do Glory Complete Holiness is only The Ever with to Almighty God! Truly He is Supremely Exalted far above from whatsoever gods all the polytheists The Ever Almighty ever associate with God.

appeared in 30:41. Evil disorder has the land the evil actions solely because of and the sea of Humankind have the hands earned. for the The Ever Almighty God may make purpose that Humankind feel of the dire part consequences actions they have committed. for the evil for purpose that they may return in repentance. the

Muhammad! (The 30:42. Thou O Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and every one of Humankind P.m.b.u.h each to must say: "Ye Humankind must travel in the earth. ye must observe how was the Final then End of the people before ye. Most of them were polytheists.

30:43. Certainly, thou must direct your face straight to the Correct Religion before there comes from The Ever Almighty God the Day which cannot be averted. On that Day people will become divided.

Each and every person who 30:44. unthankfully disbelieves, surely upon him is the dire consequences and unthankful disbelief. Truly each of his everv who does righteous good actions, surely person they are preparing good things for themselves.

The 30:45. For the purpose that Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer Ever Entire Universe} may of the reward the people righteous who truly do good believe and actions Grace. Certainly, His The Ever Almighty of out the unthankful God does love not disbelievers.

Truly from among the Miraculous 30:46. Signs of Almighty God is this, The Ever that He sends the winds as good news and for the purpose that give Humankind He ye taste from His may a Mercy, and for the purpose that the ships sail may and for by His Command, the purpose that ve Humankind may seek from His Grace; and for the ye Humankind may purpose that thankful. become

Truly indeed, We The Ever Almighty God. 30:47. The Eternal King of the Entire Universe, The Ever The Creator The Eternal Most Equitable. and Lord Sustainer of the Entire Universe) in fact and sent the Messengers even before thee O Muhammad! (The Trustworthy Honourable and the and the Truthful Ever and Prophet Almighty God Messenger of The and every of the to each one Human Beings P.m.b.u.h) to their people; truly they came them to Supremely Clear Proofs, thereafter We took with the equitable vengeance from the people who committed iniquitous crimes. Surely it is always the equitable right binding upon Us to help the true believers.

The Ever Almighty God is The God Who 30:48. winds, so that they carry the clouds, sends the outspreads them the heaven then He in however He makes them into fragments, He Wills and coming out from rain the then thou see midst of Truly when The Ever Almighty God them. fall upon whosoever it He Wills from causes to among His servants, then immediately they rejoice.

30:49. Truly indeed before it was sent down upon them, just before that, they were indeed in despair.

Certainly, observe 30:50. thou must the good at the Mercy of The Ever Almighty effects of God. gives He life the earth after how to its Certainly, this God is death. The One same Who will indeed give life to all the dead people; truly The Ever Almighty God always has supremely powerful ability to do the Everything.

30:51. Truly indeed if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) send some wind by which they saw the crops turn yellow, indeed after this they would still continue to unthankfully disbelieve.

O Muhammad! thou 30:52. Surely indeed (The Trustworthy and the Honourable and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer Universe to and every of Entire each the one Humankind P.m.b.u.h) cannot make the of dead to thou the deaf make to hear the hear. nor can call, when they turn their backs and walk away.

30:53. Truly thou cannot guide the blind hearted away from their straying. Thou cannot in any way hear except those who truly believe make to in Our Miraculous Verses, surely they become Muslims (those who submit to follow the All Blessed Will all the Commandments of The Ever Almighty God, and Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal The King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

30:54. The Ever Almighty God is The God Who has created all of ye the Human Beings in a state of weakness. Thereafter, He made after weakness strength. Thereafter, He made after strength weakness and old age. The Ever Almighty God always creates whatever He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Powerful.

Day (of Resurrection the Truly on 30:55. and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years) when the Final Time is will pass, the iniquitous criminals will swear come to that they did not stay (in the Earthly World) except a very short time. Thus they were deluded.

30:56. But the people who were given the Heavenly and the True Faith will say: "Indeed Knowledge all of ye in fact have stayed according to the Book of The Ever Almighty God until the Day of Resurrection, truly this is the Day of Resurrection, but ye did not have the Heavenly Knowledge Miraculous Verses Miraculous Signs fof the and the and and the Miraculous Words the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

30:57. Then, upon that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) the excuses of the people who committed iniquitous crimes will not benefit them, nor will they be allowed to make amends.

30:58. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have in fact described for each and every one of Humankind every kind of example in this Qur'an. For sure if thou bring to them any Miraculous Sign, indeed the people who unthankfully disbelieve will definitely say: "Ye are not in any way except those who preach untruth!"

this way The Ever Almighty God 30:59. In seals the hearts of the people who do not have the Heavenly Knowledge (solely because out of their free will, they choose not truly believe in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense and Eternal Afterlife World. Rewards the in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

30:60. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe and each and every one of Humankind P.m.b.u.h? to always be steadfastly patient, certainly, the must Promise of The Ever Almighty God is The Whole Truth. Certainly, thou must not ever let the people who do not believe with certitude discourage thee.

31: Sûrah Chapter Luqmaan P.m.b.u.h. M.V. 34

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

31:1. Alif, Laam, Meem.31:2. These are the Miraculous Verses of the Ever Supremely Wise Book.

31:3. As the Heavenly Guidance and the Mercy for the people who do righteous good actions,

31:4. The people who equitably perform the Prayer and they always give the Mandatory Alms, and they always believe with certitude in the Eternal Afterlife World.

31:5. Such are the people who follow the Heavenly Guidance from The Eternal Lord and Sustainer of them, truly indeed such people are the triumphant.

from there among Humankind 31:6. is Truly a purchases vain person kind of who speech for purpose lead people astray from the to the Straight Path of The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer the Entire Universe) without of any Heavenly ridicule. Knowledge. he takes and it in Such people will indeed suffer the humiliating punishment.

when Our Miraculous Verses 31:7. Truly are recited such a person, he turns away in unthankful to as if he had not heard them, as if there arrogance in his ears. Surely thou must announce deafness was news of the painful punishment. him true the to

31:8. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions, they will have the Everlasting Gardens of Delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

31:9. They will reside in the Everlasting Gardens of Delight forever; the Promise of The Ever Almighty God is Wholly True. Truly The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

31:10. The Ever Almighty God has created all the heavens without any pillars ve Humankind as see them, and He has placed into the earth firmly set mountains for the purpose that may the earth not quake with ye Humankind, and He has scattered earth all kinds of living creatures. in the Truly We send down rainwater from the heaven, thereafter make every noble pair to grow in the earth. We

31:11. This is the The creation Ever Almighty of ye and every one of Humankind each God. So, show Me what all the other gods other than The Ever Almighty God have created. But in fact. the iniquitous wrongdoers are in the most clear straying.

31:12. Truly indeed We (The Ever Almighty God, Eternal King of the Entire Universe in fact The gave Luqmaan (P.m.b.u.h) the Great Wisdom, saying: always be thankful to must "Thou The Ever Almighty God!" Truly any person is thankful, surely he is thankful only for the good of himself. Truly any person who unthankfully disbelieves, surely indeed The Ever Almighty God is The Ever Completely Self-Sufficient, The Ever Owner of All Praise.

31:13. Remember when Luqmaan (who was given the Great Wisdom P.m.b.u.h? said to his Son while he was admonishingly instructing him: "Thou my Son! "Thou not ever associate anything whatsoever must god with The Ever Almighty God, certainly as a of anything as a god with The the association Ever Almighty God is indeed the mighty iniquity!"

31:14. We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe? have Commanded each the Human Beings regarding and every one of parents: his mother carried him in his weakness weakness, and his weaning is in two years, upon "Thou must always be thankful to that: Me and to only to Me is the Final destination. parents; your

parents 31:15. Truly if your strive hard with associate anything whatsoever thee to make thee as Me, of god with that which thou have a Heavenly knowledge, then thou must no not obev your parents, yet thou must accompany them in this Earthly World the life of present with righteousness, and thou must always follow the path of the person who to Me in turns repentance and obedience. Thereafter, only Me will to be of every one the each and of the return ve then I will fully inform all Human Beings; of actions about whatever all of ye ever did!" ye

31:16. {Luqmaan P.m.b.u.h said}: "Thou my son! Certainly, if there is any action the very weight seed and even though it be hidden the mustard of anywhere in in the the rock or heavens or the earth, The Ever Almighty God anywhere in will bring it forth. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Intensely Kind, The Ever All Aware.

31:17. Thou my son! Thou must always equitably the Prayer always perform and thou must people do righteousness command to thou and always prohibit people from every kind of must must always wickedness. and thou be steadfastly whatever may happen to thee. Certainly, patient over among the these from good actions. are great

And 31:18. thou must not ever turn vour away in from Humankind cheek scorn and ever walk thou must not in the earth Certainly, The Ever Almighty arrogantly. God does love any self-deluded arrogant boaster. not

always 31:19. And thou must be moderate in walking, and thou must always lower of your your voice: certainly, the most repugnant of voices is indeed the braying donkey!" of the

31:20. Have ye each and every one of the Human Beings not The Ever that Almighty God observed Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever Merciful, The Ever Most Forgiving, Most The Ever The Ever Owner Most Most Mighty, of the Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The of the Entire Universe, The Creator Eternal King The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe has made to be of service to ve that is Humankind Everything in all the heavens Everything that is in and the whole earth. and abundantly awarded upon ye Humankind His He has and Blessings, some apparent Favours and some unapparent? Yet from among the Human Beings there kind of person who disputes is the about The Ever Almighty God without any Heavenly knowledge nor nor any Enlightening Book. any Heavenly Guidance

31:21. Truly whenever it is said to the unthankful disbelievers: "All of ye must always follow whatever Ever Almighty God has Miraculously Revealed!" The unthankful disbelievers say: "But in fact The we will only follow whatever we found our forefathers doing!" Even if the devil Satan calls them to requital punishment of the Blazing Hellfire? the

Truly each and every person who wholly 31:22. submits himself only to The Ever Almighty God Eternal King of the Entire Universe, (The The The Eternal Lord and and Sustainer Creator of the Entire Universe) while he does righteous good truly he has indeed actions. grasped the most strong trustworthy hand-hold. Truly only to The Ever Almighty God is the Final End of all matters.

31:23. Certainly any person who unthankfully then thou must not ever be grieved disbelieves. by his unthankful disbelief. Only to Us is final return of each and every one the of Humankind, surely We will fully inform them of whatever actions they ever did. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

31:24. We (The Ever Almighty God) will award them beneficial provisions for a little while; thereafter, We will compel them to the harsh punishment.

31:25. Truly indeed if thou ask them: "Who has created all the heavens and the whole earth?" Indeed they will definitely say: "The Ever Almighty God!" Thou must say: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, but in fact, most of Humankind do not have the Heavenly knowledge.

Only to The Ever Almighty God (The 31:26. and The Eternal Lord and Sustainer Creator of the Universe} belongs Everything that Entire is in all and in the whole earth. Certainly, the heavens The Ever Almighty God is indeed The Ever Completely Self-Sufficient. The Ever Owner of All Praise.

31:27. Truly if all the trees upon the whole and whole ocean were pens the earth was ink: supplemented by seven more oceans, even then the Words The Ever Almighty God of would not end. Certainly, The Ever Almighty to come an The Ever Almighty, The Ever All Wise. God is

31:28. The Creation of each and every of one Human Beings the and the Resurrection of ye ye the Human Beings each and every one of is like (the Creation and the Resurrection } just of single person. Certainly, The Ever Almighty God a is The Ever All Hearing, The Ever All Seeing.

Have thou each 31:29. and every one of Humankid not observed that The Ever Almighty God the night to merge into the day and He causes day to merge into the night and He the causes give and the moon made the sun to service. has running its orbit until the is decreed each one The Ever Almighty appointed time, and that God is The Ever All Aware of whatever actions of ye Humankind ever do. every one each and

31:30. This is because The Ever Almighty God is and certainly whatsoever Supreme Truth, The Ever polytheists call in prayer other gods than the Him are fake gods. And because The Ever Almighty God Ever Most High, The Ever Most Great. is The

31:31. Have thou each and every of one Humankind not observed that ships sail through by the Favours and Blessings The the of sea Ever Almighty God for the purpose that The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) may show ye Humankind some of His Miraculous Signs? Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs for each and every person who is steadfastly patient and always thankful.

31:32. Certainly when waves come over them high mountains, they call in Prayer like only The Ever Almighty God, being sincere to Ever Almighty God in Religion. The But whenever He safely delivers them to the land, then some of them remain on the moderate path. Truly no person rejects Our Miraculous Signs except each and every deceitful unthankful disbeliever.

31:33. O ye each and every one of Humankind! must always fear The Eternal Lord Ye and Sustainer of ye, and each and every one of ve Humankind must always fear the **€**of Dav Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when no father will be able to benefit his son nor will any son be benefit his all. father Certainly, able to at the Promise of The Ever Almighty God is the Whole Truth. Therefore, each and every one of ye Humankind the life of the present Earthly must not ever let and ye each and every deceive ye, World one of Humankind must not ever let any deceiver deceive ye concerning The Ever Almighty God.

Certainly, only The Ever Almighty 31:34. God His Providence the knowledge of has in the Time *(the Final)* Mighty Day of Resurrection Final Judgement and Reckoning and Requitals and and and Recompense in the Eternal Afterlife Rewards World, the measured extent whereof is Fifty Thousand He Alone Years. and sends down the rain and always knows very well whosoever He is in the wombs. Truly no person knows what actions he will and no person knows in what earn tomorrow land Certainly, The Ever will Almighty he die. God The Ever All Knowing, The Ever All Aware. is

Truly I (The Ever Almighty God, The Ever 51:56. Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, Eternal The King of the Entire Universe, The Lord The Creator and Eternal and Sustainer of Entire Universe) have not created the all the Jinn Beings and all the Human Beings except for the purpose that all of them always worship only Me.

ye each and every one 2:21. 0 Humankind! of must always worship The Eternal Lord Ye and Sustainer of ye, The God Who has created all and all the people who were of ever before ve ye, for the purpose all of ye may become the people who fear The Ever Almighty God. righteous

The God Who has made 2:22. the earth the vast Humankind sky floor for ye and the the roof. He down rainwater from the sky, and sent and brought forth thereby He fruits has many as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to The must not ever Ever ye have the Almighty while knowledge. God

873

Truly if any one of ye Humankind 2:23. are in doubt about the Ever Supremely Honourable Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise. The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe} Lord and have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must produce one Sûrah Chapter just like of this Book may call upon your helpers Qur'an, and ve other than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

2:24. But if ye Humankind cannot do this, truly ye this, then Humankind will not ever be do able to ve Humankind must protect yourselves against the Hellfire whose fuel is Humankind and stones, which been prepared for the unthankful disbelievers. has

2:25. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, All Wise, The Creator and The Ever The Eternal Sustainer of the Entire Lord and Universe to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h. each announce the good true news to the people must and do righteous good actions; who truly believe certainly, they will have the Everlasting Gardens with flowing beneath them. Whenever rivers they will provided any fruit from the Everlasting Gardens be say: "This is the sustenance, they will what as were provided with before!" Truly they will we given things in resemblance. And they will be spouses of perfect purity, have therein and thev in the Everlasting Gardens forever. will remain

32: Sûrah Chapter As-Sajdah The Prostration M.V. 30

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

32:1. Alif, Laam, Meem.

32:2. The Miraculous Revelation of this Book Qur'an, about which there is no doubt, it is from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

32:3. Or do they say: "The Messenger has produced this Our'an himself?" But in fact this Qur'an is Truth from The Eternal Lord The Whole and thee. for the purpose Sustainer of that thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever of the Human Almighty God to each and every one Beings P.m.b.u.h) may warn the people to whom Constant Warner has come before thee, for the no they may follow the Heavenly Guidance. purpose that

32:4. Almighty God is The Ever The God all the heavens Who has created and the Everything that is whole earth and between Days. Thereafter, Six He established them in the Throne. Ye Humankind do Himself above not protecting friend nor any intercessor have any Ever Almighty God. Despite The other than that do ye Humankind not heedfully remember? why

32:5. Ever Almighty God manages The and runs every matter the from heaven the whole to again ascend thereafter, it will earth: to Him in Day, whereof the extent is a thousand the years which ye the Human Beings count. of those

32:6. Such a One is The Ever All Knower of all that is Unseen and all that is Seen, The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

32:7. The Ever Almighty God is The One Who has perfected Everything He has created, and He began the creation of the Human Being from clay.

32:8. Thereafter, The Ever Almighty God made the descendants of the Human Being from the extract of the lowly biological water.

Thereafter, The Ever Almighty God perfected 32:9. the Human Being the physical form of and He breathed into the Human Being from His ye the Spirit; and He made for Human the hearing and Beings the eyesight and the understanding hearts. Yet ye give very little thanks.

Truly the unthankful disbelievers say: "What? 32:10. we will become disappeared into the earth, When really be created will then we anew as а fact, the unthankful creation?" But in disbelievers unthankful disbelievers in the Meeting with are Sustainer of them. Eternal Lord and The

Thou O Muhammad! (The Honourable 32:11. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Sustainer Eternal Merciful. The Lord and of the Entire Universe to each of and every one the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "The Angel of Death, the one who has been put in charge of all of ye Humankind will take your souls. Thereafter. and every one of ye Humankind will each be returned to The Eternal Lord and Sustainer of ve!"

32:12. Truly if thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God, The Prophet Ever Merciful to each and every one Most of the Human Beings P.m.b.u.h) only could observe when iniquitous criminals will bow their heads before the Eternal Lord them: The and sustainer of "Thou Eternal Lord and Sustainer The of us! We have now seen and we have now heard; therefore. Thou will send us back, we do righteous please good Certainly, we now believe with certitude!" actions.

32:13. Truly if We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Universe had Willed. indeed could have given every person his We Correct Guidance, but the Word of Judgement from Me have become equitably true: "Indeed I will definitely fill Jinn-kind Hell with and Humankind together.

32:14. So ye the unthankful criminals must now feel requital punishment solely because ve forgot the Meeting of this Day of yours; certainly, We the The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most High, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? forgotten ye. And ye the iniquitous criminals have must feel the everlasting punishment solely because of whatever evil actions all of ye have done!"

32:15. The only people who truly believe in Our Miraculous Verses are those who. whenever they the Miraculous Verses, by reminded thev fall are prostration, and they Glorify with down in the of The Eternal Lord and Sustainer Praise of them and they are not ever unthankfully arrogant.

877

Their sides often 32:16. stay away from beds; they call in Prayer only The Eternal Lord and Sustainer of them in fear and strong hope, and spend from whatever We (The Ever Almighty they The Ever Most Gracefully Compassionate, God. Ever Mighty, The Ever Most Merciful. The Most Most High, The Ever Most Equitable. The Ever the King of The Eternal Entire Universe, The The Creator and Eternal Lord and Sustainer Universe) have provided for them. Entire of the

32:17. Surely knows what no person comfort is kept hidden of eyes for it will them, good solely because of the reward be whatever righteous good actions they had been doing.

32:18. So. is the person who is the true like believer just the person who is unthankfully rebellious? They are not equal.

32:19. As for the people who truly believe and righteous good actions, surely they will have do Everlasting Gardens Eternal as their the Home the Final Mighty Day of Resurrection *fon* and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World as honourable hospitality solely because of whatever the actions they had been righteous good doing.

for the people who are unthankfully 32:20. Truly as surely their Eternal Home will rebellious, be the get out from Hellfire. Whenever they will wish to Hellfire, they will be returned to it. and the it them: "Ye announced to will be the unthankful rebellious people must feel the requital punishment of the Hellfire which ye used to unthankfully deny!"

32:21. Truly indeed, We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) will definitely and feel the nearer punishment prior make them the purpose greater punishment, for that to the they may return (to follow the Straight Path.

32:22. Truly who is more iniquitous than the person reminded by the Miraculous Verses who is of Eternal Lord and Sustainer of him; thereafter The away from them? Certainly, We (The Ever he turns Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Living, Ever Most Equitable, The King The Eternal of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? will take equitable vengeance from the iniquitous criminals.

32:23. Truly indeed We (The Ever Almighty God) in fact gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) the Heavenly Book. Therefore, thou must not ever be in doubt about his meeting. Truly We made it the Heavenly Guidance for the Children of Israel (P.m.b.u.t).

32:24. Surely We (The Ever Almighty God) made from among them leaders, they kept guiding by Our Command when they were steadfastly patient. Truly they believed in Our Miraculous Verses with certitude.

32:25. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee will judge between each and every of Humankind on the Day of Resurrection and Judgement, concerning Everything in which they differed. 32:26. Truly has it not become the guidance for Humankind, how many generations We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have destroyed before them, they walk about in their dwellings? Certainly. in this there are indeed Miraculous Signs; despite will they not listen attentively? that

32:27. Truly have Humankind not seen that We Almighty God drive the rainwater (The Ever to by land. then We bring forth the barren the rainwater crops from which their livestock and eat? So why they do not observe? they themselves

32:28. Truly they say: "When will this Judgement be fulfilled, if ye people speak the truth!"

32:29. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The of Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Most Mighty, The Ever Most Ever Powerful. The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of and the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h must say: "On the Day the of Judgement True Faith of the people unthankfully disbelieved will who had benefit not will they be given them. nor any reprieve!"

32:30. So thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must turn away from them and thou must wait. Certainly, they too are waiting.

33: Sûrah Chapter Al-Ahzab The Allied Armies M.V. 73

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Prophet Muhammad! (The 33:1. Thou Ο Honourable Trustworthy and Truthful Messenger the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Gracefully Compassionate to and each Most every Human Beings P.m.b.u.h ?! Thou one of the must Almighty God always fear The Ever and thou not ever obey the unthankful disbelievers and must hypocrites. Certainly, The Almighty God the Ever The Ever All Knowing, The Ever All Wise. is

always follow whatever is 33:2. Certainly, thou must Miraculously Revealed thee to from The Eternal Sustainer of thee. Certainly, Lord and The Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions each and every one ye Humankind ever do.

33:3. Truly thou must always put your trust in The Ever Almighty God; truly The Ever Almighty The Ever All Sufficient as God The Protector. is

The Almighty 33:4. Ever God The Eternal King Entire Universe, The of the Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } for has not made man two hearts in his any Nor made wives whom has He your with body. "Zihaar," ye declare your actual mothers. And He your made adopted has not sons your actual your is merely your saying by sons. This mouths. The Ever Almighty God always truly says The and He guides to the Right Path. Whole Truth.

881

33:5. Ye the true believers always must call them by of their fathers: the this is names more Sight of The Ever equitable the Almighty God. in not know their fathers, then if do But ve they brothers in religion and close are your associates. there is blame Certainly. no upon the true ve which believers concerning that in ye made a whatever your hearts for mistake, except deliberately The Almighty intended. Ever God Truly, is Most Forgiving, The Ever Most The Merciful. Ever

Prophet Muhammad! **{**The Honourable 33:6. The and Trustworthy and Truthful Messenger the the and of The Ever Almighty God. Prophet The Ever Most Compassionate and Gracefully to each everv one Human Beings P.m.b.u.h is extremely of the more beloved and precious to the true believers than his wives their themselves. and are mothers. Truly blood relationship are those of more entitled to inheritance of The Almighty in the Book Ever believers emigrants, God the true and the than seek good do except that ye people to any to This has been inscribed in the Book. friends. your

Remember when We (The 33:7. Ever Almighty God} the Covenant from all the Prophets took and Noah thee and and Abraham from from and Jesus, Son of Mary Moses the {the Honourable and the Truthful and the Trustworthy and Messengers The Ever Almighty Prophets and of God P.m.b.u.t?: them the Solemn took from We truly Covenant.

The Almighty 33:8. purpose For the that Ever God truthful their question people about the truth. may Truly Almighty God has prepared The Ever for disbelievers the painful punishment. the unthankful

ye the people who truly believe! 33:9. Ye Ο heedfully remember the Favour and Blessing must of Ever Almighty God upon ye The when armies against ye; then We sent upon them a wind came and armies whom ye did not see. Truly The Ever Almighty God is indeed The Ever All Seeing of whatever actions each and of ye ever do. every one

they ye the 33:10. When came at true believers from below ye and ye, from above and when eyes the rolled and the hearts reached the various thought thoughts truly ye about throats. The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, King the of The Eternal Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe.

33:11. At that occasion the believers were tested and they were shaken with the severe shaking.

the 33:12. Remember when hypocrites and the in their hearts disease with said: people a "The Almighty God and His Ever Messenger promise us except deceit!" did not

33:13. And when a party of them said: "O people of Yathrib! There is no stand possible for ye. Therefore, ye must return home!" Truly a party of them began to ask permission from the Prophet, saying: "Certainly, our houses are exposed!" While they were not exposed. Certainly, they only intended to flee.

Truly if the armies had 33:14. entered upon from all its surrounding regions, thereafter them the invited them unthankfully enemy had to disbelieve. they would have committed it and indeed thev hesitated over it except briefly. would not have

33:15. Truly indeed they in fact made a promise with The Ever Almighty God previously, that they would not ever turn their backs and flee. Truly about any promise made with The Ever Almighty God will be answered for.

Thou O Muhammad! (The Honourable and the 33:16. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise, Ever Most Mighty, The Ever Most The Powerful. The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe each and every one of the Human Beings to P.m.b.u.h) must say: "Fleeing will not benefit ye if should flee from death or killing; truly then ve ye will not be able to benefit except for a little.

O Muhammad! (The Honourable 33:17. Thou and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to each and the Human Beings P.m.b.u.h) must every one of say: "Who is one who can protect ye the the Human Beings from The Ever Almighty God if He intends for ye the Human Beings any harm He intends for ye any mercy?" Truly they will or find for themselves any protecting friend nor not any helper other than The Ever Almighty God.

Indeed The Ever Almighty God (The 33:18. Ever Gracefully Compassionate, The Most Ever Living, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) knows very and the hinderers from among ye and the ones well say to their brothers: "Come along us!" And who to they do not go to the battle, except for a little,

884

33:19. They are being miserly towards ye. Then when fear comes, thou see them looking at thee. revolving just like their eves someone being overcome by death. But when fear departs they offend thee with sharp tongues, being miserly which is good. They towards that are the people truly believed; therefore. have The Ever who not Almighty God has made their actions worthless. truly this is easy for The Ever Almighty God.

They think that the allied armies have 33:20. not retreated. Truly if the allied armies come up, they they would wish were in the desert Bedouins. inquiring among the for news about Truly if they believers. ve the were true among ye, they would not fight except for a little.

33:21. Certainly, ye Humankind indeed have in Almighty God Messenger of The Ever the an example to follow, for each and excellent every strong hope The person who has in Ever and the Final Day and Almighty God he heedfully remembers The Ever Almighty God very often.

Surely when the believers 33:22. true saw the armies, they said: "This is what The Ever allied Almighty God and His Messenger had promised us. truly The Ever Almighty God and His Messenger Whole Truth!" Truly this spoke The increased True Faith only in them the and submission to Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully The Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Mighty, Ever Most All Wise. The The Ever The Ever Most Powerful, The Eternal Most High, King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

33:23. From among the true believers there are have proved true to whatever promise who men made with The Ever Almighty they had God. among are Surely from them there some fulfilled their obligatory who have vows, from among them some are still waiting. and have not changed Truly they in the least.

So that The Ever Almighty 33:24. God may reward the truthful people for their truthfulness, may punish the hypocrites if and He He them forgiveness. Wills turn in to or Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

33:25. Truly The Ever Almighty God drove back unthankfully disbelieved; the people who in their did they gain any good. not Certainly, rage, Ever Almighty God was Sufficient for The the believers in battle, truly The Ever Almighty true God is The Ever Most Strong, The Ever Almighty.

33:26. Truly The Ever Almighty God brought the people who helped them from down among People of the Book from their fortresses the The Ever Almighty God hurled terror and into their hearts; a party ye the true believers killed, a party ye the true believers took prisoners. and

The Ever Almighty God (The 33:27. Truly Creator Sustainer of and The Eternal Lord and the Entire Universe caused ye the true believers to inherit and their houses their land their and wealth. had not land where stepped the ye and even Truly The Ever Almighty God always in. has supremely powerful ability to do Everything. the

33:28. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. and The Most Powerful, The Eternal King Ever of the and Entire Universe, The Eternal Lord Sustainer of Entire Universe to each and every one the of P.m.b.u.h must the Human Beings say to your "If ye desire the life of this present Earthly wives: World and its adornment, then come, I will provide for ye and I will release ye in a good manner.

33:29. But if ye desire The Ever Almighty God and His Messenger and the Etrenal Home of the Eternal Afterlife World, surely indeed The Almighty Ever prepared for righteous God those who do has good actions from among ye the mighty reward!"

33:30. O ye the wives of the Prophet! Whosoever from among ye commits any clear immorality, for her the requital punishment will be increased two fold, truly this is easy for The Ever Almighty God.

33:31. And whosoever from wives among ve the devoutly Prophet The of the obevs Ever God and His Messenger Almighty and does righteous good actions, We (The Ever Almighty God. Sustainer of The Eternal Lord and the Entire Universe) will give her a double reward; truly We have prepared for her the honourable sustenance.

the wives 33:32. O the Prophet! ye of Ye like If not other women. ve fear are any God, then ye Almighty The Ever must not be soft speech, lest ever in someone in disease heart there is should whose covet. always speak righteous words. and ye must

33:33. And ye the wives of the Prophet should stay in your houses and ye must not ever display adornment like the display of the former times of ignorance. And ye must always equitably perform the Prayer and ye must always give the Mandatory wholly obey Alms and ye must always The Ever God His Messenger. Almighty and The Ever Almighty God only intends to remove every kind of impurity from ye, O ye the members of the household, and to purify ye with perfect purification.

And ye the wives of the Prophet 33:34. must is heedfully remember whatever recited in your the Miraculous Verses of of The houses Ever Great Wisdom. Almighty God and the Certainly. Ever Almighty God (The Ever Most Mighty, The The Ever All Wise, The Eternal King of the The Creator Universe, The Entire and Eternal Sustainer Entire Universe) is of the Lord and The Ever Intenseley Kind, The Ever All Aware.

the muslim the Certainly, men 33:35. and muslim the believing and men and the believing women the devoutly obedient and men and the women devoutly obedient women the and truthful men truthful and the steadfastly patient and the women and the steadfastly patient women the and men men and the fearfully humble fearfully humble give women and the men who charity and the who give charity and women the men who fast and the women who fast and the men who guard and the chastity and the women who guard their The Ever Almighty heedfully remember who men heedfully often and women who very the God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty reward. all

is 33:36. Certainly, it not appropriate for any believing woman, believing any man nor when The Ever Almighty God and His Messenger have given any command or judgement on any matter, that they should have any option in their decision. any person Ceratainly, who disobeys The Ever and His Messenger, truly indeed such Almighty God astray the most clear gone a person has straying.

Remember when thou Ο Muhammad! 33:37. (The and Trustworthy Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Powerful, Eternal King The Ever Most The of Entire Universe, the The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe Lord and to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h each said to the person upon whom The Ever Almighty thou awarded a favour and God had have done favour: "Thou must retain him your a wife to The Ever vourself, and thou always fear must Almighty God!" And thou did conceal within yourself which The Ever Almighty God would make that Trulv thou feared Humankind, manifest. while The Ever Almighty God always has more equitable right should fear Him. So when Zaid fulfilled that thou his divorce her, We (The Ever Almighty desire to The Ever Most Gracefully Compassionate, God. The Most Mighty, The Ever Alll Wise, The Eternal Ever Entire Universe, King of the The Creator and Lord The Eternal The Eternal and Sustainer of Entire Universe gave her thee in the to marriage, purpose that there for may not the be any true believers marrying discomfort on the in the wives of their adopted sons, when they have fulfilled desire to divorce them. Truly the Command their of The Ever Almighty God is always accomplished.

33:38. There is no discomfort in any way upon Prophet in doing whatever The Ever Almighty the This God Mandatory upon him. has made is the established way of The equitable Ever Almighty people who have passed God with the away before. Truly the Command of The Ever Almighty God is always the decree perfectly determined.

33:39. The ones who constantly convey the Messages of The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe), and they always fear Him and they do not ever fear any one except The Ever Almighty God. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient to take the Reckoning Account.

33:40. Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) is not the father of any one of your men, but he is the Messenger of The Ever Almighty God and the very last of the Prophets (P.m.b.u.t). Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything.

33:41. O ye the people who truly believe! Ye must always heedfully remember The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, God The Generous, All Wise. The Ever Ever Most and The Eternal Lord and Sustainer of The Creator the Entire Universe), remembrance that is very often.

33:42. And ye must persistently Glorify The Ever Almighty God morning and late afternnon.

33:43. The Ever Almighty God is The God Who sends Blessings upon ye the true believers, and His purpose that He Angels for the bring may ve the true believers out from the darknesses into the Clear Light. Truly The Ever Almighty God is always The Ever Most Merciful to the true believers.

Day when they 33:44. On the true believers will Ever Almighty God their The meet greeting gift will be "Peace!" Truly The Ever Almighty God has supremely generous reward. prepared for them the

33:45. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Ever All The Wise, The Eternal King of the Entire Universe. and Sustainer The Creator and The Eternal Lord of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? certainly, We have sent thee as the Witness and the Constant Announcer of Good True News and as the Constant Warner. the

33:46. And as the one who invites to The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe) by His Command and the Great Illuminating Lamp.

Surely thou give the good 33:47. must true the believers that they will news to true gain the Great Grace from The Ever Almighty God.

33:48. Truly thou must not ever obey the unthankful hypocrites; and thou and disbelievers the must disregard their harassment. And thou must always put in The Ever Almighty God (The Creator your trust Entire Universe). Truly The Ever Almighty of the The Ever All Sufficient God is The Protector. as

ye the people who truly 33:49. O believe! ye marry believing women, thereafter divorce When before even ye have touched them. them then do not have any waiting period to count ve concerning them. Therefore, ye the true believers provide for them some provisions, must and ve release them always in a good must manner.

33:50. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All the Entire Wise, The Eternal King of Universe, The Eternal Lord and and The Creator Sustainer Entire Universe of the to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h). Certainly, We have made lawful to thee your wives to whom thou girls given their dowries, and those slave of have The vours from whom Ever Almighty God has has the spoils of war, given to thee and the daughters of your paternal uncles and the daughters of your paternal aunts and the daughters of your and the daughters of your maternal uncles maternal emigrated with thee and the believing aunts who woman if she gives herself to the Prophet if the to marry her; this is exclusively Prophet wishes for excluding the true believers. Indeed. We (The thee Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Mighty, The Ever Equitable, The Creator and The Eternal Most Lord Sustainer of the Universe } Eternal and The Entire always know well what We very have made upon the Mandatory true believers concerning their their right and hands possess, wives those for be that there may not any the purpose discomfort Truly The Ever Almighty thee. God is upon The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

33:51. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Creator and The and Sustainer of the Entire Universe to each and everv one Beings P.m.b.u.h may put of the Human off whom thou wish from among your wives and thou may give abode to whom thou wish. And whosoever thou seek again of those wives from kept apart, surely there is whom thou have no upon thee. This is more suitable for them blame comfort their eyes and not to grieve, and to for your wives to be satisfied with what thou given them. Truly The Ever Almighty God have always knows very well Everything that is in Truly The Ever Almighty God vour hearts. is Ever All Knowing, The Ever Most Forbearing. The

not lawful for thee O Muhammad! 33:52. It is Honourable and the Trustworthy and **€**The the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, God. The All Wise, The Eternal King of Ever the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h to any other women after this and it is marry not allowed for thee change them to for other their beauty though wives. even atracts thee. except the slave girls thou have been given. Ever Almighty God (The Ever Most Trulv The Gracefully Compassionate, The Ever Living, The King of the Entire Universe, Eternal The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) is The Ever Watchful Over Everything.

ye the people who truly believe! Ye 33:53. O of the Prophet ever enter the houses must not ye permitted for when meal. except are a without waiting for its readiness. But when ve believers are invited, then the true ye may when ye the true believers have enter: and disperse meal, then must without eaten the ye for conversation. Certainly, to remain seeking this discomforts Prophet, truly he is shy the of ve telling true believers. Truly The the Ever of Almighty God is ever shy not telling the Truly when ye the true believers truth. ask the wives ye Prophet's for any article, then must behind a curtain. This is ask them from purer and their hearts. it for hearts Certainly. is your ever allowed for ye that ye ever offend not Messenger of The Ever Almighty the God. and allowed that ye marry his it is not ever wives after him, ever. Certainly, this is an enormous Sight of The Ever Almighty sin the in God.

each and every of 33:54. Whether ye reveal conceal surely indeed something or it, The Ever Almighty God (The Creator of Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) is The Ever All Knowing of Everything.

There is sin 33:55. no upon the women concerning their fathers or their sons their or the of their brothers brothers or sons or the or their sisters or their women the sons or right hands possess. all slaves their Truly of always fear The Ever ye women must Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God Ever Present Witness Over Everything. is The

33:56. Certainly, The Ever Almighty God sends blessings upon the Prophet and His Angels. O ye the people who truly believe! Ye must send blessings and the worthy peace upon him.

33:57. Certainly, the people who despise The Ever God or His Messenger, Almighty The Ever Almighty God has cursed them in the life of this present Earthly World and the Eternal Afterlife World, and The Ever Almighty God has prepared for such people the humiliating punishment.

33:58. Truly the people who despise the believing men and the believing women for something other than any iniquity the believers earned, surely indeed such people have burdened themselves with the burden of a slander and the clear sin.

O Prophet! Thou 33:59. Thou must say your to and your daughters and the believing wives bring down over themselves part of women to garments. It is more likely their outer that way they will be recognised this and not abused. Truly The Ever Almighty be God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

33:60. Indeed if the hypocrites do not stop evil actions, and the people in whose hearts there is who spread untrue rumours disease. and those in We (The Ever Al-Madinah, indeed Almighty God, The Creator of Everything, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will definitely against them; thereafter, they will not incite thee remain your neighbours therein except for a little,

33:61. Such people will be cursed, wherever they are found; they will be seized and massacred with the complete massacre.

33:62. This is the equitable established way of The Ever Almighty God with those who passed away before; truly thou will not find in the equitable established way of The Ever Almighty God any change.

thee concerning the 33:63. Humankind ask Final Time (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards the Eternal Afterlife World, the measured extent in whereof is Fifty Thousand Years. Thou must say: "The knowledge of the Final Time is only with The Ever Almighty God. Truly what will make thee to know? That perhaps the Final Time is near?"

33:64. Certainly, The Ever Almighty God has cursed the unthankful disbelievers and He has prepared for them the Blazing Hellfire.

33:65. They will reside therein forever, they will not find any protecting friend nor any helper.

33:66. The Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World. when their faces will be turned about in they will say: "We desire the Hellfire, dearly had wholly obeyed The Ever Almighty that we wholly obeyed the Messenger!" and we God had

33:67. Truly they will say: "Thou The Eternal of us! Certainly, we obeyed Lord and Sustainer masters leaders and our great public figures, our they led us astray from the Right Path. and

33:68. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please give them double the punishment, and Thou please curse them with a great curse!"

33:69. O ye the people who truly believe! Ye must not ever be like the people who who despised Moses (P.m.b.u.h); ceratainly, The Ever Almighty God cleared him of whatever untruth they said about him. Truly Moses (P.m.b.u.h) was supremely honourable in the Sight of The Ever Almighty God.

33:70. O ye the people who truly believe! Ye must always fear The Ever Almighty God, and ye must always speak words of appropriate justice.

33:71. The Ever Almighty God will set right for ye your actions and He will forgive ye your sins. Truly any person who wholly obeys The Ever Almighty God and His Messenger, surely such a person has indeed gained the mighty victory.

33:72. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) offered the Trust to all the heavens and the whole earth and the mountains, but they declined to carry the trust and they were fearful of it; but Man carried the trust. Certainly, Man has been iniquitous and ignorant.

33:73. So that The Ever Almighty God will equitably punish the hypocrite men and the hypocrite women and the polytheist men and the polytheist women and that The Ever Almighty God may turn with forgiveness and Mercy to the believing men and the believing Truly The Ever Almighty God women. is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

34: Sûrah Chapter Saba Sheba The Miraculous Verses 54

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

34:1. All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The God to Whom belongs Everything that is in the heavens and Everything that all earth; truly only to The is the whole in Ever belongs Almighty God Praise all the in the World. Truly The Ever Almighty Eternal Afterlife The Ever All Wise, The Ever All Aware. God is

34:2. The Ever Almighty God always knows very well goes into the whole earth whatever whatever and comes out from the whole earth and whatever and descends from the heaven whatever ascends Truly The Ever Almighty the heaven. God is into Merciful, The Ever Most Forgiving. The Ever Most

Truly the people who unthankfully 34:3. disbelieve Final Time (the Final Mighty "The Dav of say: and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured whereof extent Fifty Thousand Years) will never come upon us!" is say: "Certainly yes! By Thou must The Eternal Sustainer of me, The Lord and God Who is The All Unseen. of all Ever Knower the indeed the definitely Final Time will come upon each and of ye. Nothing is hidden ever from every one Almighty God, atom's The Ever not even an weight in all the heavens the nor in whole earth: nothing smaller than that nor anything and greater, it the Ever Supremely Clear but is in Book.

the purpose that The Ever Almighty 34:4. For reward the people who truly believe God may righteous good actions. Such and do are the will have the forgiveness who and people the sustenance (in the Eternal Afterlife World). honourable

people who 34:5. Truly the strive against Our seeking to discredit Miraculous Verses them, such suffer indeed the painful punishment people will The Ever Almighty God). of a foul nature (from

Truly the people who have been given 34:6. Heavenly Knowledge can see clearly that (the the Supremely Honourable and the Ever Supremely Ever the Ever Supremely Blessed and and Glorious the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever Qur'an, the Wise Reminder and the Miraculous Wise Proof and the True Insightfulness and the Heavenly The Ever Almighty God Guidance from to each of Humankind which has every one and been Miraculously Revealed to thee from The Eternal Lord Sustainer of thee is indeed The Whole Truth, and Qur'an guides to the Straight Path and the of Ever Almighty, The Ever Owner of All Praise. The

people who 34:7. the unthankfully disbelieve But ye people to "Shall show we say: a man who when will inform ye that ye have disintegrated complete disintegration; certainly, each in and every resurrected ye will new be in a creation? one

Either 34:8. he has invented untruth about Ever Almighty God there is in him The or madness?" But fact, the people in who do not truly believe in the Eternal Afterlife World are the punishment and in straying far far away. in

34:9. Then, do Humankind not see whatever is of them and whatever is behind them in front earth? of the heaven and If We **The** Ever Almighty God Willed, We could cause the up or We them earth to swallow could cause fragments from the heaven to fall some upon Certainly, in this there is indeed the them. for Sign every Miraculous servant who turns in repentance and obedience to The Ever Almighty God.

Truly indeed, We (The Ever Almighty God, 34:10. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe) in fact gave David the Honourable and the Trustworthy and the Truthful of The Ever Almighty God Prophet P.m.b.u.hsaying: "O ye mountains! Ye Grace from Us, Glorify The Ever Almighty God along with must *(***P.m.b.u.h***)*, well!" and the birds David as And We made the iron pliable for David (P.m.b.u.h),

34:11. Saying: "Thou must make perfect coats of armour, and thou must carefully determine the links, must do righteous good and all of ye actions. Seeing of whatever am The Ever All Certainly, Ι actions each and every one of ye ever do!"

Solomon (P.m.b.u.h) We (The Ever 34:12. Truly to Almighty God) made subservient the wind. its journey was that morning of a month. and its afternoon journey was that of a month. and We a fountain of molten copper to flow for caused among the jinn were those him. And from who by the Command The Eternal for him of worked Sustainer of him. Truly whoever deviated Lord and among them from Our Command, We will make suffer of the punishment of the Blazing Fire. him

34:13. They made for Solomon (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Prophet of the The Almighty God P.m.b.u.h whatever he willed: Ever strong lofty fortresses and statues and basins of just like reservoirs and firmly fixed cauldrons. Family of David (P.m.b.u.t)! "Each **''O** and everv always do of ye must thankful actions!" one thankful. Truly only few of My servants are

34:14. Then, when We (The Ever Almighty God, All Wise decreed death Ever for Solomon The (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful of The Ever Almighty God P.m.b.u.h), Prophet his death to the jinn except nothing indicated a of earth eating his staff. creature the But when clear to the jinn that if they fell, it became he had known the knowledge of the unseen, they would remained in the humiliating punishment. have not

34:15. Indeed, there was in fact for the people their dwelling place Sign; there Saba in of а two gardens, right the and were one on one left: "All of Ye eat from the on the may of The Eternal Lord provided sustenance and Sustainer of ye (The Ever Almighty God}. and of ye must always be thankful to The all Ever Almighty God. A good land and The Eternal and Sustainer, The Ever Most Forgiving!" Lord

(The they turned away, therefore We 34:16. But The Eternal King of the Almighty God, Ever Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe sent and against devastating flood, and We replaced them a their gardens with other two gardens that vielded two bitter fruit, tamarisks and few lote a trees.

34:17. This is how We (The Ever Almighty God) requited them solely because they unthankfully disbelieved. Truly We do not ever requite in such a way except the unthankful disbelievers.

34:18. Also We (The Ever Almighty God) placed which and cities between them the We had cities. And We determined travelling visible Blessed, between them. Saying: "All of ye may travel night or by day in safety!" them by between

34:19. But they said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please make longer our journeys!" Truly between the distance they committed iniquity to themselves, surely We them narrations, and dispersed them dispersion. Certainly, in this there them narrations, made into total are indeed Miraculous Signs for every who person steadfastly patient and always thankful. is

34:20. Truly indeed the devil Iblees in fact confirmed through such iniquitous wrongdoers his speculation, surely they followed the devil Iblees, except for the party of the true believers.

34:21. Truly the devil Iblees did not have any authority over them, it was only for the purpose that We (The Ever Almighty God) may make truly believes each and person who evident in Eternal Afterlife World (the Final Mighty Day the and Judgement and Requitals of Resurrection and the Eternal Afterlife World, Rewards in the extent whereof is Fifty Thousand Years) measured each and every person who was in doubt from about it. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever All Preserver Over Everything.

34:22. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the The Ever Almighty God to each Prophet of and every one of Humankind P.m.b.u.h) must "Ye the polytheists may call in prayer say: those as gods other than The ye Ever claim Almighty God!" They do not possess even an atom's weight in all the heavens nor in the whole earth; and they do not have any partnership in either of them, and there is none from among them any helper to The Ever Almighty God.

34:23. Certainly, intercession does not benefit in the presence of The Ever Almighty God except for the person to whom He gives permission. Until, when the fright is removed from their hearts, they say: "What is it that The Eternal Lord and Sustainer of ye has said?" They say: "The Whole Truth. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most High, The Ever Most Great!"

34:24. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to all Humankind P.m.b.u.h) must say: "Who provides ye people sustenance from the heavens and the earth?" Thou must say: "It is The Ever Almighty God! Truly indeed either we or ye indeed follow the Correct Guidance or are in the most clear straying!"

34:25. Thou (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) must say: "All of ye will not be questioned about whatever crimes we have committed and we will not be questioned about the actions all of ye ever do!" 34:26. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The Eternal Lord and Sustainer assemble each and every one of of us will us together (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years; thereafter He will judge between us with equitable justice. Truly He is The Ever Best Equitable Judge, The Ever All Knowing!"

34:27. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Ye people show me the gods whom ye have joined to The Ever Almighty God as His equals. Certainly not! But in fact, He Alone is The Ever Almighty God, The Ever Almighty, The Ever All Wise!"

34:28. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator of Everything, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Universe. Lord of the Entire Universe have and Sustainer not as the Constant sent thee except Announcer of and the Good True News the Constant Warner as each and every one of Humankind. But to most Humankind do not have the Heavenly knowledge. of

34:29. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!" 34:30. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to every one Humankind P.m.b.u.h) must say: "For all of of there is the promised appointment of the Day ye will not be able to remain thereafter for ve it!" be able nor will ye to precede a moment

Truly the people who unthankfully disbelieve 34:31. say: "We will never truly believe in this Our'an Heavenly Books that came nor in the before this Qur'an!" But only if thou could see when the iniquitous wrongdoers will be made to stand before Eternal Lord and Sustainer them. The of They will hurling the blame another. be at one The people who were deemed weak will say to people the who were unthankfully arrogant: "If it had not been for ye, indeed we would have been true believers!"

unthankfully arrogant will 34:32. Those who were those who were deemed weak: say to "Did ye people from prevent the Heavenly we ye? Guidance after it But had come to in iniquitous criminals!" yourselves the fact. ye were

34:33. Then those who were deemed weak will those who were unthankfully arrogant: to say in fact, it was iniquitous plotting "But your of day when night and ve commanded us to unthankfully disbelieve The Ever in Almighty God set up others as equals to Him!" Truly they and confide regret when they see the requital will and We Ever God} punishment; (The Almighty the collars round will put necks of the iron people who unthankfully disbelieved. They will not be requited except for whatever actions they did.

Truly We (The Ever Almighty God) did 34:34. send into community any any Constant not except that its iniquitous wealthy people Warner said: "Certainly, we unthankful always are disbelievers in whatever ye have sent with!" been

34:35. Truly unthankful disbelievers said: "We have greater wealth and more children, truly we are not going to be punished!"

Muhammad! {The 34:36. 0 Honourable Thou and and the Truthful Messenger Trustworthy the and Prophet of Ever Almighty God The to each of Humankind P.m.b.u.h and every one must say: "Certainly, Eternal Lord and Sustainer of The vastly increases sustenance any He for me person Wills and He Alone limits it, but most of knowledge. Humankind do the Heavenly not have

wealth 34:37. Certainly, it is the not of ve nor the children of ye that can bring Humankind ye honourably nearer to Us (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) in any person who truly believes grades, but and does righteous good actions. Surely such people will indeed have the multiple rewards for the righteous good actions they had been doing, and they will live in the lofty eternal dwellings in peaceful security.

the people who strive against Truly 34:38. Our Verses seeking to discredit them, Miraculous such people will be brought to the requital punishment Mighty Day of Resurrection fon the Final and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

34:39. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God to every one "Certainly, of Humankind P.m.b.u.h) must say: The Eternal Lord and Sustainer of me vastly increases and He for any person He Wills Alone sustenance for him. Truly whatever spend limits it ye of Ever God anything. then The Almighty will truly The Ever Almighty always compensate it; God is The Ever Best of those who Provide Sustenance!"

34:40. Remember the Day (the Final Mighty Day Judgement and Requitals of Resurrection and and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured whereof is Fifty Thousand Years when extent The God will gather all of them together; Ever Almighty say to the Angels: "Was it thereafter He will used to worship?" Angels that these people ve the

"All The will 34:41. Angels say: Glory with Complete Holiness is to Thee! Only Thou are Ever Protecting Friend of us, these people. not The fact, these people used worship But in to the of them were believers in the jinn!" jinn; most

Surely today ye people do not 34:42. have any either to benefit or to harm power one another. We (The Ever Almighty God, truly The Ever Gracefully Compassionate, The Most Ever Most The Ever Most Forgiving, Merciful, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Entire Universe, The Eternal Eternal King of the Lord and Sustainer of the Entire Universe) will sav committed iniquitous actions: people who the to suffer the requital punishment of "All ye must of which ye used to unthankfully denv!" the Hellfire,

Truly when Our Supremely Clear Miraculous 34:43. recited to the polytheists, they say: Verses are "This way except who is not in any a man wishes to prevent all of ye from whatever gods forefathers were worshipping!" And vour they say: "This Book Our'an is not in any way except untruth!" the invented Truly people who an unthankfully disbelieve say about The Whole Truth (the Ever Supremely Honourable and the Ever Glorious and the Ever Supremely Supremely Mighty Ever Supremely Blessed Ever and the and the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise Qur'an, the Message and the Wise Reminder and Proof and Clear Light the Miraculous the and the Insightfulness the Heavenly Guidance True and from The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings) when it has come to them: "This any way except clear is not in magic!"

Truly We (The Ever Almighty God, The 34:44. Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King Universe, The Creator the Entire and The of Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } any Books which they did not give them could study nor did We ever send to them before thee O Muhammad! The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger the Prophet of and and The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h any Constant Warner.

Truly the people who passed 34:45. away before also unthankfully denied, them truly these people gained even a tenth of what We have not vet (The Ever Almighty God, The Ever Living) had given them. But they unthankfully denied My Messengers, My reproaching punishment? was how severe SO

34:46. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, I admonishingly instruct each and every one of ye Humankind to do one thing only, that ye stand Ever Almighty God pairs for The in up and individually; thereafter ye should think deeply!" There no madness at all in your companion. Certainly, is not in any way except the Constant Warner he is ve before the coming of the severe punishment. to

say: "Whatever of 34:47. the reward Thou must of ye Humankind, surely it I have asked is vourselves. Certainly my reward is not for in any way except from The Ever Almighty God, truly is The Ever Present Witness Over Everything!" He

34:48. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever All Wise of and every one of Humankind P.m.b.u.h to each say: "Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of me (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, Creator and The Eternal Lord and Sustainer of The Entire Universe) always launches The Whole the Truth, The Ever All Knower of all the Unseen!"

34:49. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "The Whole Truth has come, truly untruth cannot originate any creation the first time, nor can it bring back any creation the second time!"

Thou O Muhammad! (The 34:50. Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever The Ever Most Trustworthy, Most Supremely Holy, The Ever Most Truthful, The Ever Most Equitable, Entire Eternal King of the Universe. The The Lord The Eternal and Sustainer Creator and of Universe to each and every one the Entire of Human Beings P.m.b.u.h) must say: "If I the go astray, then I would go astray only against myself. am correctly guided, surely it is But if I solely of whatever The Eternal Lord because and Sustainer me has Miraculously Reveals to me. Certainly, of He is The Ever All Hearing, The Ever Most Near!"

34:51. Truly if only thou could when see disbelievers will unthankful terrified. the be surely no escape for them, truly they will be there be seized from nearby place. will a

Truly the unthankful disbelievers 34:52. will say: "We now truly believe therein!" But will how unthankful disbelievers the succeed in achieving a place far the Faith from awav? True SO

34:53. Truly indeed they unthankfully disbelieved therein before. And they indulged in evil discussions regarding to the Unseen from a place far away.

Truly prevention will be placed 34:54. between they them and that which desire. as was the people of their kind done with in the Certainly, they were in doubt. past. grave

35: Sûrah Chapter Fatir The Creator M.V. 45

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

the Praise only to The 35:1. All belongs Ever The Creator of all the heavens Almighty God, whole earth. The God Who the has and made messengers having two Angels the three or or wings. He increases creation in whatever He four Certainly, The Almighty Wills. Ever God always has the supremely powerful ability to do Everything.

35:2. Whatever of the Mercy The Ever Almighty King (The Universe. Eternal of the Entire God and The Eternal Lord The Creator and Sustainer of Universe} Entire opens for Humankind: the up ever hold back His Mercy: surely none can and whatever Mercy He holds back, then none can ever Truly The thereafter. it forth Ever Almighty send Ever Almighty, The Ever The All Wise. God is

Ο each and every one of Humankind! ye 35:3. always heedfully remember the Favours Ye must of The Ever Almighty Blessings God awarded and ye. Is there any Creator other than The Ever upon God who provides sustenance for Almighty ve heaven the earth? Humankind from and the God except Him despite There Alone, is no that away from ye turned The Whole Truth? how are

if they unthankfully deny Surely thee, surely 35:4. Messengers have been unthankfully indeed the before thee. Truly all denied even matters are always returned only to The Ever Almighty God.

911

each and every 35:5. O ye one of Humankind! Promise of The Ever Almighty God Certainly, the ye Humankind Truth: therefore. is the Whole must not ever let the life of this present Earthly World deceive ye, and ye Humankind must not ever let (from among Humankind anv deceiver nor from Jinn-kind deceive the ye about The Ever among Almighty God (The Creator of the Entire Universe).

Certainly, the devil Satan is 35:6. the enemy ye Humankind: each and every one to of ye Humankind every one of surely each and always treat the devil as the enemy. Satan must devil his party The Satan invites followers only for the purpose that may they always be among the residents of the Blazing Hellfire.

people who unthankfully disbelieve will 35:7. The punishment, but severe requital have a the people and do righteous truly believe who good actions the forgiveness and great reward will have the Mighty Day of Final (°on the Resurrection and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured whereof is Fifty Thousand Years). extent

is the 35:8. How bad grade of the person to action have been his evil made whom attractive considers it good to him. so that he action? Ever Almighty God Surely indeed The leaves to Wills, and stray He person He any correctly Therefore. any person He Wills. thou guides must yourself perish let over in not ever them Ever Almighty God Certainly, The is regret. All Knowing of whatever works The Ever each every one of the Human Beings ever do. and

35:9. Truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Lord and Sustainer of the Entire Universe) is The God Who sends the winds, surely they stir up the clouds, then We drive them to a dead land; then give life thereby to the earth after its We death. Just like this the resurrection will surely happen.

35:10. Whoever is desiring to gain honour, surely The Ever Almighty God belongs all only to honour. Only to The Ever Almighty God ascend the good words, and the righteous good all actions, elevates them. But the people who He will suffer the severe punishment, plot evil actions plotting of such people will indeed perish. the

35:11. Truly The Ever Almighty God has created and every one of ye Humankind from each dust. a biological cell; thereafter He from thereafter made ye Humankind pairs. Truly no female ever she gives birth except with His conceives nor knowledge. And no person with long life can given a long life, nor is his lifespan be decreased, but it is recorded in the Book. Certainly, this easy for The Ever Almighty God. all is

two bodies of 35:12. Truly the water are not fresh sweet, palatable alike. This one is and for drinking, but this salty one is and bitter. ye Humankind Truly from each eat tender meat ornaments which ye wear. and thou and extract ships cleaving through it, for the purpose see the Humankind may from seek the Grace that ye of The Ever Almighty God; and purpose that ye Humankind may become for the thankful.

The Ever Almighty God is The God 35:13. Who the the night to enter day and He causes day to enter night, and He the the has causes to be of service the sun and the made moon, of them is rotating for appointed each an time. Such a One is The Ever Almighty God. Eternal Lord and Sustainer The and of each every one of ye Beings; the Human and only Ever Almighty God belongs the Eternal to The those Kingdom. Truly gods whom ye the in prayer other than polytheists call Ever The Almighty God, all such gods do not possess much as the skin of a date even as stone.

ye the polytheists call in prayer 35:14. If other God. gods than The Ever Almighty all such gods do not hear your prayer; and if thev would not respond to ye. Cerainly, heard, they Day of Resurrection and Judgement on the they will reject in your association. Truly none inform thee like The Ever All can Aware.

ye each and every one 35:15. 0 of Humankind! Ye the ones who are in need of are Almighty God, truly Ever The The Ever God is indeed The Ever Completely Almighty Self-Sufficient, The Ever Owner of All Praise.

If The Ever Almighty God Wills, 35:16. He can and do every away with each one of ve and He can Humankind bring in a new creation.

this Truly all is 35:17. at all difficult not Almighty God (The for The Ever Eternal King Entire Universe, The Creator of the and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

35:18. Truly no bearer of burdens will bear the of another. Truly if a heavily laden person burden for his burden to be carried, nothing of it calls even carried, though he be will be a close relative. Thou can only warn the people who fear The Eternal Lord and Sustainer of them in private they equitably perform the Prayer. unseen and Truly sanctifies himself, any person who surely he only sanctifies for the good of himself. Truly only to Ever Almighty God is the final destination. The

35:19. Certainly, the person who is blind and the person who can see are not equal,

35:20. Nor the darknesses and the light,

35:21. Nor the shade and the heat of the sun.

the living 35:22. And and the dead are not Certainly, ar any The Ever Almighty God makes equal. Wills, truly to hear He person thou make hear those who are in the graves. cannot

Thou O Muhammad! {The Honourable 35:23. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Almighty God, The Eternal Prophet of Sustainer of the Entire Universe to Lord and each of the Human Beings P.m.b.u.h) every one and not in any way except the Constant Warner. are

Certainly, We (The Ever Almighty God, The 35:24. All Wise have sent thee with The Whole Ever the Constant Announcer of the Good Truth as Warner. Constant Truly True News and as the indeed there has not been any community, except Constant Warner has passed among them. that the

if they unthankfully deny thee, Truly 35:25. surely people before indeed the even them also denied. unthankfully Their Messengers came to supremely clear proofs with and with them Scriptures and with the Supreme Enlightening Book.

Thereafter, I (The Ever Almighty God, 35:26. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most King of The Eternal the Entire Mighty, Universe, and The Eternal Lord The Creator and Sustainer Entire Universe, The Ever of the Most Equitable } the people who unthankfully disbelieved, seized My reproaching punishment? so how severe was

35:27. Have thou seen that The Ever Almighty not God sends down rainwater from the heaven, and We (The Ever Almighty God) have brought forth fruits of varying colours? thereby many And in tracts, white there the mountains and red are variety of shades and some extremely black. with

just this Truly like 35:28. there are various Humankind from among and the moving colours and the grazing livestock. Only those creatures The Ever Almighty God among people fear from the people who have His servants. the Heavenly Almighty God is Knowledge. Certainly, The Ever Almighty, The Ever The Ever Most Forgiving.

35:29. Certainly, the people who recite the Book The Ever Almighty God and equitably perform of Prayer and they spend out of whatever the Almighty God, The Ever We The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) have provided and for secretly and publicly, they strongly hope them the beneficial trade that will not ever perish. for

purpose that The Ever Almighty the 35:30. For give such people in full their rewards God may He increase for and may them from His Grace. Certainly, The Ever Almighty God The is The Ever Most Appreciative. Most Forgiving, Ever

Truly whatever We (The Ever Almighty 35:31. God. The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Eternal Universe, The Creator and The Entire Lord Universe, Sustainer of the Entire and The Ever have Miraculously Equitable³ Most Revealed to Book Qur'an is The Whole this thee of Truth. Qur'an truthfully confirms this Book the Heavenly that were before this Book Our'an. Certainly, Books Ever Almighty God indeed The Ever A11 The is Aware, The Ever All Seeing of His Servants.

Thereafter, We (The Ever Almighty God, The 35:32. King of the Entire Universe, The Eternal Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) made the people We from chose Our among servants to inherit the Heavenly Book; surely from among them there is the person who commits iniquity to himself, from them there is the and among person who follow middle course, and from among the them the person who is there is foremost in doing righteous good actions by the Command of The Ever Almighty God. This is indeed the Great Grace.

35:33. Everlasting Gardens which The they will adorned therein will be They with enter. bracelets and they of gold and pearls, will wear therein silk. (on the Final garments Mighty Day of of Judgement Requitals Resurrection and and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

35:34. Truly such people will say: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The God Who has removed from us all grief. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of us is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Appreciative,

Almighty God Who 35:35. The Ever has settled reside in the Everlasting us to Home out of No fatigue will touch us His Grace. therein any weariness will therein!" touch nor us

Truly the people who unthankfully disbelieve, 35:36. them there will be the Fire of Hell. Death for decreed for them will not be SO that they may requital punishment die. and its will not be lightened for them. Just like this We The Ever Almighty God. The Eternal King of the Entire and Sustainer The Eternal Lord Universe. of the Entire Universe) requite every unthankful disbeliever.

unthankful disbelievers 35:37. the will Truly cry therein: "Thou The Eternal Lord out and Sustainer please take of us! Thou us out: we will do good actions, not the actions righteous we had been doing!" Truly did We (The Ever Almighty award ye life enough for whoever would God not heedfully remember therein to heedfully remember, and the Constant Warner came to ye? Therefore, ve the requital punishment, surely for must feel the iniquitous wrongdoers there will not be any helper.

35:38. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knower of all the Unseen of all the whole earth. Certainly, and the The heavens Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

35:39. The Ever Almighty God is The God Who has made ye successors in the earth. Surely any person who unthankfully disbelieves, truly upon him evil consequences of his be the unthankful will Truly the unthankful disbelief of disbelief. the disbelievers does unthankful not increase them in the Sight of The Eternal way in Lord and any of them except in truly Sustainer hatred; the unthankful disbelief of the unthankful disbelievers does not increase them in any way except in loss.

35:40. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Have ye the polytheists considered your other gods whom ye call in The Ever Almighty God? prayer other than Show they have created of the me what thing earth. they any partnership in the heavens?" or have We (The Ever Almighty God, The Ever Or have All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) given them some Book so that they are upon the supremely clear proof from the Book? in fact, some of the iniquitous wrongdoers But do any way promise one another except deceit. not in

The Ever Almighty God 35:41. Certainly, is holding all and always the heavens the earth for the purpose that they do not move from their places, truly indeed if away thev move away from their places, certainly, to were hold after The could them no one Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forbearing, The Ever Most Forgiving.

35:42. Truly they swore by The Ever Almighty God their strongest oaths that if the Constant Warner came to them, indeed they would definitely be more correctly guided than any other community. Surely when the Constant Warner came to them, it did not increase them in any way except in aversion,

35:43. Being unthankfully arrogant in the earth and plotting evil; truly the evil plotting does not encompass except those who plot it. Surely they established not await in any way except the do the previous people. Surely thou will way of equitable established way in the of ever find not any change, Ever Almighty God truly thou The not ever find the equitable will in established of The Ever Almighty God any alteration. way

they not travelled in the earth 35:44. Have and Final End of those people observed how was the before them? Truly they were greater than them power. Truly The Ever Almighty God cannot in frustrated by any way be anything in in all the whole earth. Certainly, the heavens or in He The Ever All Knowing, The Ever All Powerful. is

35:45. Truly if The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, The Ever All Wise, The Ever Most Merciful. The Eternal King of the Entire Universe, Eternal Lord and Sustainer the The of Entire Universe) were to seize Humankind for the iniquitous actions they have earned, The Ever Almighty God would not leave any moving creature on the surface earth. But He of the whole defers Humankind appointed time. Surely when appointed until the their comes, Surely indeed The Ever Almighty God time is The Ever All Seeing of all His servants.

Sûrah Chapter Yaa-seen The Miraculous Verses 83

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

36:1. Yaa-Seen.

God, €I The Ever Almighty The 36:2. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The The Equitable, Most Eternal King of the Ever Universe. The Creator and The Eternal Entire Lord Sustainer of the Eternal Entire The Universe and Supremely Wise swear) by the Ever Qur'an,

36:3. Certainly, thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever All Prophet of The Ever Almighty God, every one of each and Wise to the Human Beings P.m.b.u.h) are indeed one of the Messengers. followoing the Straight Path. 36:4. Thou are

{the Ever Supremely Honourable This and 36:5. the Supremely and the Glorious Ever Supremely Ever Blessed and the Ever Supremely Wise Qur'an, the Guidance Wise Reminder and the Heavenly the The Ever Almighty God to each from and every Beings) is the Miraculous Revelation of Human one The Ever Almighty, The Ever Most Merciful; from

36:6. For that the purpose thou may warn forefathers people whose the were not warned; surely they of the Whole Truth. unaware are

Certainly, the Word of Judgement 36:7. has equitably come into effect upon of most the Human Beings, surely they will not believe.

921

36:8. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) have placed shackles around their necks, surely they are reaching up to the chins, therefore they have their heads forced up.

36:9. And We have placed barrier before а them and behind barrier them and We a have so they covered them, do not see.

Truly it is all the whether 36:10. same to them Muhammad! **The** Honourable thou 0 and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God to each and of The everv Humankind P.m.b.u.h warn one of them or thou warn them, they will never truly believe. do not

36:11. Thou only warn the can person who Reminder follows the Wise and he fears The Ever Gracefully Compassionate Most in private unseen. such Surely thou announce to must a person the good true news of forgiveness and generous reward.

Certainly, only We (The Ever Almighty 36:12. God. Eternal Lord and The Eternal Sustainer The of Entire Universe will bring all the the dead back and We write down whatever life. actions each to and every one of Humankind ever send ahead and whatever they leave behind. Truly We have counted Everything in the Ever Supremely Clear Book. up

Truly thou O Muhammad! (The 36:13. Honourable Trustworthy the and the Truthful and Messenger Ever Almighty God Prophet of The and to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must and describe to all Humankind the example of the people the city, when the Messengers came to them. of

922

36:14. When We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate sent to the the city two Messengers. of surely they people unthankfully denied both of them. Then We strengthened them with the third, surely they said: "Certainly, we have been sent all ve!" to of

The unthankful deniers said: 36:15. "Ye are not any way except human beings just in like us. The Ever Most Gracefully Compassionate and has Miraculously Revealed anything at all. not Ye Messengers do nothing except telling untruth!" the

The Messengers (of The Ever Almighty 36:16. God. Ever Most Gracefully Compassionate, Ever The The Most Equitable) said (P.m.b.u.t): "The Eternal Lord Sustainer of us knows and very well that certainly, we have indeed been all of ye, sent to

36:17. Truly there is no Mandatory Duty upon us except to convey the Message Clearly!"

36:18. The unthankful deniers said: "Certainly, we sense an evil omen from ye. If ye do not stop this, indeed we will definitely stone ye, truly there will indeed afflict ye from us a painful torment!"

36:19. The Messengers (of The Ever Almighty God, Gracefully Compassionate P.m.b.u.t. The Ever Most Said: "Your omen is within yourselves. evil Is it are being reminded? But because ye in fact. ye are the iniquitous transgressing people!"

36:20. Then a man came running from the farthest part the city. He said: **"**O of my people! Ye must follow the Messengers.

36:21. All of ye must follow the Messengers who do not ask from ye any reward, and they follow the Heavenly Guidance.

36:22. Truly what equitable motive do I have that I should not worship The God Who Who has created me, truly only to The Ever Almighty God each and every one of ye will be returned?

36:23. How could I take to myself gods other than The Ever Most Gracefully Compassionate? If The Ever Most Gracefully Compassionate ever intends to do me any harm, the intercession of other gods will not ever benefit me at all, nor will the other gods be able to save me.

36:24. Certainly, in that case I would indeed be in the most clear straying.

36:25. Certainly, I have truly believed in The Eternal Lord and Sustainer of all of ye; therefore, ye please listen to me!"

36:26. It was announced (to the true believer): "Thou may enter the Everlasting Garden!" The true believer said: "I wish my people could know,

36:27. That The Eternal Lord and Sustainer of me has forgiven me, and He has made me one of those who are the Honoured!"

36:28. Truly after him, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) did not send down against his people any army from the heaven, nor would We send one down.

36:29. It was not in any way except one immediately blast, and roaring the mighty unthankful extinguished. deniers were

How regretful for the servants! 36:30. There never them any Messenger {from The to Ever came Almighty God except they used to ridicule him.

the Humankind 36:31. Have considered not how many generations We (The Ever Almighty God, The Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Most destroyed before Equitable have them? Certainly, of them will ever come back none to them.

36:32. Truly indeed all of them together will be brought before Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe).

36:33. Cerainly, the dead earth is the Miraculous every of Humankind. We Sign for each and one (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful give life to the dead earth and We produce from the earth grain; truly Humankind eat from what We produce.

Truly We (The Ever Almighty The 36:34. God, Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful have made in the earth gardens of palms We date and grapes, and have made to gush forth in springs of water the earth.

the that all For purpose 36:35. Humankind may thereof, truly the fruit the hands of eat of Humankind made all gardens of have these not fruits. Despite that will Humankind not give thanks?

36:36. All Glory with Complete Holiness is to Almighty God Who Ever The has created all of Everything the earth the pairs grows and Humankind themselves, of the things of and not have knowledge. Humankind do any

is the 36:37. Certainly, the night Miraculous Sign and every one of Humankind. We for each (The Almighty God? remove the light of Ever day suddenly Humankind are in Then darkness. from it!

Truly the towards rotates 36:38. sun its appointed This is the decreed determination of destination. The Ever Almighty, The Ever All Knowing.

36:39. Truly We (The Ever Almighty God have appointed stages for the moon. until finally like old the moon becomes just date stalk. an

permitted for the 36:40. It is not sun to overtake the moon, the night outrun nor can Truly each the Day. is rotating in its orbit. one

Cerainly, there is the Miraculous Sign 36:41. for and every one of Humankind, We each that **The** Ever Almighty God, The Ever All Wise} their offspring in the fully loaded carried Ark.

36:42. And We have created for Humankind similar things, that which they ride on.

Truly if We (The Ever Almighty God, The 36:43. Gracefully Compassionate, The Most Ever Eternal of the Entire Universe) Will, We King can drown Humankind. then there will not be any one to respond to their cries, nor would they be saved.

36:44. Except because of the Mercy from Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) and beneficial provisions for an appointed time.

36:45. Truly when it is said to them: "All of ye must protect yourselves from whatever is before ye and whatever is behind ye for the purpose that ye may be receive Mercy!"

36:46. Truly there never comes to them any Miraculous Sign from among the Miraculous Signs of The Eternal Lord and Sustainer of them except that they always turn away from every Miraculous Sign.

36:47. And when it is said to Humankind: "Ye must spend from whatever The Ever Almighty God has provided for ye," the people who unthankfully disbelieve say to the people who truly believe: "Why should we feed such a person whom, if The Ever Almighty God had Willed, He Himself would have fed him? Ye people are not in any way except in the most clear straying!"

36:48. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

36:49. They do not await except for one mighty roaring blast which will seize them, while they will be arguing among themselves.

36:50. Then they will not be able to give any instructions, as well as they will not be able to return to their families.

36:51. Truly the Trumpet will be blown (on the Judgement Mighty Day of Resurrection and Final Eternal Requitals and Rewards in the Afterlife and the measured extent whereof World. is Fiftv Thousand Years; surely at once each and every Humankind will be hastening of from their one graves to The Eternal Lord and Sustainer of them.

will say: "There is destruction 36:52. They to us! Who has resurrected from us our place of sleep? "This is what Ever Most Gracefuulv The Compassionate **The** Eternal Lord and The Eternal Entire Universe? the had promised Sustainer of us, truly the Messengers told The Whole Truth!"

will only one mighty 36:53. There be roaring then at each and every one of blast. once Humankind will brought Us. be before

Certainly, this Day t and Reckoning fof Resurrection 36:54. and Reckoning and Requitals Judgement and in the Eternal Afterlife World, Rewards the whereof is Fifty Thousand Years measured extent treated with any person will iniquity be at no every one of ye Humankind and all, truly each be requited except for whatever will not actions each and every one of ye Humankind ever did.

36:55. Certainly, this Day the residents of the Garden will be occupied with joyful things.

36:56. All of them and their spouses will be in pleasant shade, reclining on thrones.

36:57. They will have in the Garden, fruits and they will have whatever they ask for.

36:58. "Peace!" Such will be the saying from The Eternal Lord and Sustainer, The Ever Most Merciful.

36:59. Truly (it will be announced); O ye the iniquitous criminals! Today ye must stand apart.

36:60. O ye the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Did I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal and The Eternal Sustainer of the Lord Entire Universe) not Command ye that ye must not worship the devil Satan. Certainly, the devil ever Satan is the most clear enemy to all of ye.

36:61. And that ye (each and every one of ye the Children of Adam P.m.b.u.h) must always worship only Me (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe). This is the Straight Path.

36:62. Truly indeed the devil Satan in fact led astray a great multitude from among ye the Children of Adam (P.m.b.u.h). Despite that did ye not use your intellect to be equitable?

36:63. This is the Hell which all of ye the unthankful disbelievers were promised.

36:64. Today ye must burn therein, solely because ye used to unthankfully disbelieve.

This Day We (The Ever Almighty 36:65. God} up their mouths, Truly their hands will seal Us. and feet will will speak to their bear whatever actions they used to witness to earn.

Truly if 36:66. We (The Ever Almighty God. Living had Willed. have The Ever We would then obliterated their they indeed eyes, if would struggle for the path, then how could they see?

36:67. Truly if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe) had Willed, We could have paralysed them wherever they stand. Then they would not be go forward nor could they go able to backward.

36:68. Certainly, any person whom We **(**The to Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of Universe³ long life. the Entire grant We cause in creation. Despite him will to reverse that Humankind not use their intellect to be equitable?

36:69. Certainly, We (The Ever Almighty God} did teach Muhammad (the Honourable and the not Trustworthy and Truthful Messenger and the Prophet The Ever Almighty God to each and every of of Humankind P.m.b.u.h³ poetry, truly poetry is one befitting for him. Certainly, not in any way this Heavenly Book is in way except not any the Wise Reminder and the Ever Supremely Clear Qur'an;

the 36:70. For purpose to each and warn every from among Humankind who is alive person and Word of Judgement may come equitably the that effect the unthankful into upon disbelievers.

the Humankind 36:71. Do not consider that We Almighty God for (The Ever have created them Our Hands have the things made. the grazing livestock, surely Humankind their are owners.

36:72. And We (The Ever Almighty God. The Everything } subdued of have the grazing Creator Humankind, surely they livestock for have some and some of them they of them for riding, eat.

36:73. Trulv for Humankind in the grazing benefits livestock there many other and drinks. are Despite will Humankind give that not thanks?

36:74. Truly the people who commit polytheism have taken other gods besides The Ever Almighty God, for the purpose that they may be helped.

All The 36:75. gods other than Ever Almighty the capability God do not have to help polytheists polytheists, but the will be the army of the fake brought forward the as gods.

36:76. Surely thou 0 Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God Prophet to each and of Humankind P.m.b.u.h let every one must not speech grieve thee. Certainly, We The Ever their Almighty God always know very well Everything they ever conceal and Everything they ever reveal.

36:77. Does the Human Being not observe that The Ever Almighty God, The Eternal We Lord the Entire Universe } Sustainer of and have created biological cell? Despite him from that the a Being has the clear become Human opponent.

931

36:78. Truly the Human Being describes for Us an example and he has forgotten his own creation. The Human Being says: "Who will give life to the bones after they have become disintegrated?"

36:79. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and Sustainer of every one the Entire Universe to each and of Humankind P.m.b.u.h) must say: "He will give life bones, The God Who created them to the first time! Truly The Ever Almighty God the is The Ever All Knowing of every kind of creation!"

36:80. The Ever Almighty God Who has made for ye Humankind fire out of the green tree; surely now from the green tree ye kindle fires.

36:81. Is not The Ever Almighty God Who has created all the heavens and the whole earth, ever supremely powerful to create just like them? Certainly He is! Truly The Ever Almighty God is The Ever Supreme Creator, The Ever All Knowing.

36:82. Certainly, whenever The Ever Almighty God intends to do anything, His Command is only that He says to it, "Be!" Surely it is always done.

36:83. Certainly, all Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God in Whose Hand there is the Eternal Kingdom of Everything, truly only to The Ever Almighty God each and every one of ye Humankind will be returned.

932

37: Sûrah Chapter As-Saaffat Those Ranged in Rows M.V.182

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

37:1. €Ι The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise. The Most Mighty, The Eternal King of Ever the Universe. The Creator The Eternal Entire and Lord Sustainer of Everything is in and that the Entire Universe swear) by those who stand in rows.

37:2. Then by those who rebuke sternly,37:3. Then by those who recite the Wise Reminder,

37:4. Certainly, The God of each and every one of ye Humankind is indeed The Ever Only One,

Eternal and Sustainer 37:5. The Lord of all the earth Everything and the whole and heavens Eternal and The Lord that is between them Sustainer point of and of every sunrise.

37:6. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) have adorned the lowest heaven with the adornment of the stars,

37:7. As well as the protection against every rebellious devil (from among the Jinn-kind).

37:8. They cannot eavesdrop on the higher assembly of Angels, truly they are pelted from every side.

37:9. The rebellious devils are driven away, and they will suffer the constant punishment,

37:10. Except for any rebellious devil who snatches some words by theft; then a flaming fire of piercing brightness pursues him.

37:11. Surely thou O Muhammad! (The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God and Prophet to each of Humankind P.m.b.u.h) must every one and ask Humankind: "Are they a stronger creation, or those other things We (The Ever Almighty God, The of Everything) have created?" Certainly, Creator We have created Humankind from a sticky clay.

37:12. But in fact thou are amazed, while the unthankful disbelievers mock,

37:13. Truly whenever the unthankful disbelievers are reminded, they do not heedfully remember.

37:14. And whenever the unthankful disbelievers see any Miraculous Sign, they ridicule it,

37:15. And the unthankful disbelievers say: "This is not in any way except clear magic!

37:16. What? After we have died and become dust and bones, will we really be raised up again?

37:17. As well as our earlier forefathers?"

37:18. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Yes, and ye will be extremely humiliated. 37:19. Surely it will be only one dreadful shout, then suddenly each and every one of Humankind will be observing (on the Final Mighty Day of Resurrection and Requitals in the Afterlife World).

37:20. Truly the unthankful disbelievers will say: "There is destruction to us! This is the Day of Judgement and Requitals!"

37:21. (It will be announced to the unthankful disbelievers on the Mighty day of Resurrection and Requitals and Rewards): "This is the Day of Judgement which ye used to unthankfully deny.

37:22. Ye the Angels must gather together the people who committed iniquity, and others like them as well as whatever they worshipped,

37:23. Other than The Ever Almighty God, and ye must lead them to the path of the Blazing Hell;

37:24. And stop them; certainly, the unthankful disbelievers are to be questioned.

37:25. "What is the matter with ye the unthankful disbelievers? Why do ye not help each other now?"

37:26. But in fact, on that Day the unthankful disbelievers will be in complete submission.

37:27. Truly the unthankful disbelievers will turn to one another asking questions accusingly.

disbelievers The 37:28. unthankful will say: "Certainly, all ve it was of who used to from the right!" come up us to

37:29. Those who led them astray will say:
"But ye yourselves were not true believers,
37:30. Truly we did not have any power over any of ye, but in fact ye yourselves were the unjust transgressing people.

37:31. Surely the Word of Judgement of The Eternal Lord and Sustainer of us has equitably come into effect upon us; certainly, we will indeed suffer the requital punishment.

37:32. Surely we led ye astray; certainly, we ourselves were also astray!"

37:33. Surely indeed on that Day they will be sharing in the requital punishment.

37:34. Certainly, just like this We (The Ever Almighty God) deal with the iniquitous criminals.

37:35. Certainly, whenever it was said to them: "There is no God except The Ever Almighty God," they were unthankfully arrogant.

37:36. And the unthankful disbelievers used to say: "Should we really abandon our gods for a mad poet?"

37:37. But in fact! Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) has come with The Whole Truth and he truthfully confirms the earlier Messengers.

37:38. Certainly, ye the unthankful disbelievers are going to feel the painful punishment.

37:39. Truly ye the unthankful disbelievers will not be requited except for whatever actions ye did.

37:40. Except the servants of The Ever Almighty God, those who were the faithfully truthful!

37:41. Such the people who will have are a the Final (°on Mighty known sustenance Day of Judgement and Reckoning and Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

37:42. (They will Eternally have) many delicious fruits; and they will be honoured.

37:43. In the Everlasting Gardens of Delight,

37:44. Seated on thrones facing one another.

37:45. There will be circulated among them a cup of pure wine from a flowing spring,

37:46. The wine will be sparkling white and superbly delicious for those who drink it.

37:47. There will not be any bad effect therein, nor will they suffer from it any intoxication.

37:48. And they will have with them women limiting their glances, with large beautiful eyes,37:49. As if they were pristine pearls.

Then they will 37:50. turn to one another asking questions (on the Final Mighty Day of Resurrection Reckoning and Requitals and Judgement and and the Eternal Afterlife World. Rewards in the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

37:51. A speaker from among them will say: "Certainly, I had a close companion;

37:52. Who used to say: "Are thou certainly one of those who sincerely bears witness;

37:53. That when we have died and become dust and bones, will we then really be requited?"

37:54. He will say: "Shall we look for him?"

37:55. Then he will look down and he will see him in the midst of the Blazing Hell.

37:56. The person who bore witness to the Truth will say: "I swear by The Ever Almighty God! Certainly, thou almost utterly ruined me.

37:57. Truly had it not been for the Favour and Blessing of The Eternal Lord and Sustainer of me; indeed, I would have been one of those who have been taken to the Blazing Hell.

37:58. The one who bore witness to the Truth will say; truly we are going to die again;

37:59. Except for our earlier death, and we will not ever be punished?"

37:60. Certainly, this is indeed the mighty victory.

37:61. To gain this mighty victory those who do righteous works should work.

37:62. Is this mighty victory better as the requital hospitality or the tree of Zaqqûm?

37:63. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have made the tree of Zaqqûm the requital torment for the iniquitous wrongdoers.

Certainly, it is that 37:64. a tree emerges from the depths of Blazing Hell, the fruit tree of Zaqqûm of the 37:65. The will just be like the devils: heads of the

37:66. Surely indeed the iniquitous wrongdoers will indeed eat from the tree of Zaqqûm surely they will fill their bellies with it.

37:67. Thereafter, on top of it certainly, they will indeed have the mixture of scalding water.

37:68. Thereafter, certainly, their return will indeed be to the Blazing Hell.

37:69. Certainly, the iniquitous wrongdoers found their forefathers astray.

37:70. Surely the iniquitous wrongdoers hastened on in following their straying footsteps!

37:71. Truly indeed most of the earlier people in fact went astray before them,

37:72. Truly indeed, We (The Ever Almighty God) had in fact sent among them Constant Warners;

37:73. Surely thou must observe how was the Final End of those who were warned,

37:74. Except the servants of The Ever Almighty God, those who were the faithfully truthful!

37:75. Truly indeed Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God P.m.b.u.hof The in fact prayed to Us (The Ever Almighty God?; surely We extremely good in responding to the Prayer. are

37:76. Truly We (The Ever Almighty God) saved him and his family from the mighty distress.

Ever We (The Almighty 37:77. And God. The Compassionate, The Gracefully Ever Most Ever Most Merciful } made his descendents the survivors:

And We (The Ever Almighty God. 37:78. The Ever Gracefully Compassionate? left for him Most the mention among the later generations: honourable

37:79. "Peace be upon Noah in all the Worlds!"

37:80. Certainly, just like this We reward the people who do righteous good actions.

37:81. Certainly, Noah (P.m.b.u.h) is one of Our believing servants.

37:82. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate) drowned the others.

37:83. Truly indeed Abraham was of the same True Faith as Noah (P.m.b.u.t).

Abraham (the 37:84. When Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Friend Ever Almighty God Close of The and the P.m.b.u.h came The Eternal Lord and Sustainer to of him with immaculate submissive an heart:

37:85. When Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and and The Eternal Lord and The Creator Sustainer the Entire Universe P.m.b.u.h of said to his father and his people: "What are ye worshipping?

37:86. How can ye desire to worship fake gods intead of The Ever Almighty God?

37:87. Surely what is your believing thought about The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?"

37:88. Surely Abraham (P.m.b.u.h) looked at the stars,

37:89. Then he said: "Certainly, I am sick!"

37:90. So they turned away from him, departing.

37:91. Surely Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and Most Equitable P.m.b.u.h The Ever went up to gods and said: "Will ye not their fake eat?

37:92. What is wrong with ye the fake gods that ye do not even speak?"

37:93. Then Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) turned upon their fake gods, striking them with the right hand.

37:94. Thereafter, the people who worshipped fake gods came towards Abraham (P.m.b.u.h), hastening.

37:95. Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "How can ye worship the fake gods ye people carve with your own hands,

37:96. While The Ever Almighty God has created ye, and whatever actions ye ever do?"

37:97. They said: "Build for Abraham (P.m.b.u.h) a furnace, then throw him into the blazing fire!"

37:98. Surely they intended to devise an evil plot against Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h), but We (The Ever Almighty God) made them humiliated.

37:99. Truly Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God, and The Eternal Lord The Creator and and Sustainer Universe, The Eternal of the Entire King of Entire Universe P.m.b.u.h said: "Certainly, I the am leaving in obediance to The Eternal Lord and Sustainer of me, He will eventually guide me.

37:100. Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please award me a devoutly righteous Son!

37:101. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) gave him the Good True News of a Forbearing Son. 37:102. Thereafter when his son reached the age to his father, Abraham (the Honourable work with Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet and the Close Friend of The Ever and Almighty God P.m.b.u.h) said: "Thou my Son! I dream that I must sacrifice have seen in а therefore thou must observe thee. what is vour opinion?" He said: "Thou my father! Thou must perform whatever thou have been Commanded; if Ever Almighty God Wills, thou will soon find The the those who are steadfastly patient!" one of me

both of them wholly 37:103. So when submitted Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and and Close Friend of The Ever Almighty God the P.m.b.u.t) laid his Son down upon his forehead.

37:104. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) called out to him: "Thou O Abraham (P.m.b.u.h)!

37:105. Thou have fulfilled the dream!" Certainly, just like this We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) reward the people who do righteous good actions.

37:106. Certainly, this was indeed the clear test.

37:107. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) ransomed his Forbearing Son with the mighty sacrifice;

37:108. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) left for Abraham (P.m.b.u.h) the honourable mention among the later generations:

37:109. "Peace be upon Abraham (P.m.b.u.h)!"

37:110. Just like this We reward the people who do righteous good actions.

37:111. Certainly, Abraham (P.m.b.u.h) is one of Our believing servants.

37:112. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Living) gave Abraham, the Good True News of Isaac (P.m.b.u.t), the Prophet from among the devoutly righteous people.

37:113. Truly We (The Ever Almighty God) awarded Blessings upon Abraham and upon Isaac (the the Trustworthy and Honourable and Truthful the Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.t.). Truly from among their descendants those who do righteous good actions some are and are clearly committing iniquity to themselves. some

37:114. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) have in fact awarded the mighty Favour upon Moses and Aaron (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets The Ever Almighty God P.m.b.u.t).

37:115. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved both of them and their people from the mighty distress,

37:116. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) helped them; therefore, they became the true victors;

37:117. Truly We (The True God) gave Moses and Aaron (P.m.b.u.t) the Clear Enlightening Book.

37:118. Certainly, We (The Ever Almighty God) guided both of them to the Straight Path.

37:119. And We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainerr of the Entire Universe) left for Moses and Aaron (P.m.b.u.t) the honourable mention among the later generations:

37:120. "Peace be upon Moses and Aaron!"

37:121. Certainly, just like this We reward the people who do righteous good actions.

37:122. Certainly, Moses and Aaron (the Honourable Truthful Trustworthy and the Messengers and the of Prophets The Ever Almighty God and P.m.b.u.t are from among Our believing servants.

37:123. Truly Elias (P.m.b.u.h) is indeed one of the Messengers (of The Ever Almighty God).

Elias {the Honourable 37:124. When and the the Truthful Messenger and Trustworthy and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal King of of Entire Universe P.m.b.u.h) said to his people: the "Will ye The Ever Almighty God? not fear

37:125. How can ye call in prayer fake god Baal, and forsake The Ever Best of Creators;

37:126. The Ever Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of all of ye and The Eternal Lord and Sustainer of all your earlier forefathers?"

37:127. But they unthankfully denied him, surely indeed they will indeed be brought to the punishment.

37:128. Except the servants of The Ever Almighty God, those who were the faithfully truthful!

37:129. And We left for Elias (P.m.b.u.h) the honourable mention among the later generations:

37:130. "Peace be upon Elias!"

37:131. Certainly, just like this We reward the people who do righteous good actions.

37:132. Certainly, Elias (P.m.b.u.h) is one of Our believing servants.

37:133. Truly indeed Lot (P.m.b.u.h) is indeed one of the Messengers (of The Ever Almighty God).

37:134. When We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved him and his family together,

37:135. Except an old woman (the wife of Lot P.m.b.u.h) who was among those who remained behind.

37:136. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Powerful) destroyed the others.

37:137. For sure ye people indeed pass by their ruins in the morning,

37:138. And at night as well, despite that will ye people not use your intellect to be equitable?

37:139. For sure Jonah (P.m.b.u.h) is indeed one of the Messengers (of The Ever Almighty God).

37:14o. When Jonah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) ran away towards the overloaded ship.

37:141. Then he took part in casting of lots and he came to be one of those defeated.

37:142. Then the whale swallowed Jonah, while he (Jonah, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) was blameworthy.

37:143. Surely if Jonah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h) had not been one of those who Glorify The Ever Almighty God;

37:144. Indeed, Jonah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) would have remained inside the belly of the whale until the Day when all of them (the Humankind and Jinn-kind) are resurrected.

37:145. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Universe) threw Jonah (P.m.b.u.h) onto the open shore while he was sick.

37:146. And We (The Ever Almighty God) caused to grow over Jonah (P.m.b.u.h) the tree of gourd.

37:147. Truly We (The Ever Almighty God) sent Jonah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) to the population of one hundred thousand or even more.

37:148. Surely all of them truly believed; so We gave them beneficial provisions for a while.

37:149. Now thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must question them: "Does The Eternal Lord and Sustainer of thee have daughters while they have sons?

37:150. Or did We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Universe) create the Angels as females while they were witnesses?"

37:151. Listen attentively! Certainly, indeed it is one of their fabricated untruth they say:

37:152. "The Ever Almighty God has begotten?" For sure they are indeed untruthful!

37:153. Has He chosen daughters over sons?

37:154. What is the matter with ye people? How do ye people make your judgements?

37:155. Despite that will ye not heedfully remember?

37:156. Or do ye people have any Supremely Clear Miraculous Sign of Authority?

37:157. Then ye people must bring your Heavenly Book, if ye people are truthful!

37:158. Truly the polytheists have unjustly claimed between The Ever Almighty a kinship God truly the jinn. the jinn indeed and already know that they will certainly be brought forth.

37:159. All Glory with Complete Holiness is to The Ever Almighty God far above from whatever all of them ever narrate!

37:160. Except the servants of The Ever Almighty God, those who are the faithfully truthful!

37:161. Surely indeed all of ye the polytheists and the fake gods ye worship,

37:162. All of ye cannot tempt any person to rebel against The Ever Almighty God;

Except the person who will burn in 37:163. the Hell *fon* the Final Mighty Day Blazing of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World.

37:164. (The Angels say): "Truly there is none among us except that he has his known place.

37:165. For sure we indeed stand in rows;

37:166. For sure we are indeed the ones who Glorify The Ever Almighty God!"

37:167. For sure, the people who have unthankfully disbelieved indeed used to say:

37:168. "If we had the Wise Reminder (from The Ever Almighty God) like the earlier people,

37:169. Indeed we would have been the of Almighty God, servants The Ever those the faithfully truthful!" who are

37:170. But now they have unthankfully disbelieved this Reminder {the Ever Supremely Wise in the Ever Supremely Glorious and Honourable and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and the Wise Reminder and the Miraculous Proof True Insightfulness the Clear Light and the and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty and and every God to each one of the Human Beings), so eventually they will come to know!

37:171. Truly indeed, Our Word of Judgement has already been given to Our Servants, the Messengers,

37:172. Certainly, they will indeed be helped,

37:173. For sure Our Army (the Army of The Ever Almighty God, The Ever Most Powerful) will indeed be the ones who will be the true victors.

37:174. Surely thou O Muhammad! (The Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet The Almighty of Ever God and to and every one of the Human each Beings P.m.b.u.h³ must turn away from them for time. a

37:175. And thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must watch them, for they will eventually see.

37:176. Do the unthankful disbelievers really wish to hasten for Our requital punishment?

37:177. Surely whenever Our requital Punishment descends in their territory, then that morning for those who had been warned will be evil!

thou O Muhammad! {The 37:178. Truly Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the Ever Almighty Prophet of The God and to and every each one of the Human Beings P.m.b.u.h³ must turn away from them for a time.

O Muhammad! (The Honourable 37:179. And thou Truthful Messenger and the Trustworthy and the of The Ever Almighty Prophet God. The and of Everything, The Creator Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Universe and to each Human Beings P.m.b.u.h and the one of every they will eventually see. for watch them. must

37:180. All Glory with Complete Holiness is to The Eternal Lord and Sustainer of thee, The Eternal Lord and Sustainer of the Mighty Honour, far above from whatever the unthankful disbelievers narrate.

Truly peace be upon all the 37:181. Messengers. All the belongs only to The 37:182. Praise Ever Eternal Lord Almighty God. The and Sustainer (The Creator of Everything). of the Worlds all

38: Sûrah Chapter Saad The Miraculous Verses 88

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

38:1. Saad! (I, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe swear) by this Book Qur'an containing the Wise Reminder,

38:2. But in fact, the people who unthankfully disbelieve are in pride and opposition.

38:3. How many generations We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) have destroyed before them, surely all of them cried out for help, when it was too late to escape.

38:4. Truly they wonder that there has come to the Constant Warner Muhammad, (the Honourable them Trustworthy and Truthful Messenger the the and Prophet of The Ever Almighty God to each and and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? among themselves. Truly the unthankful from disbelievers say: "This is a magician and untruthful.

the Messenger claimed 38:5. Has there is only gods? God, True two One not or more Certainly, this is indeed thing!" wondrous a

38:6. Truly the chiefs from among the unthankful disbelievers departed, saying: "Ye walk away and be patient over the worship of your gods. Certainly, this is indeed a thing intended.

38:7. We have not heard of this (there is only One True God) in the latest religion. This is not in any way except a fabrication.

the Wise Reminder (the Ever Supremely 38:8. Has and the Honourable Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise and the Message Statement and the Miraculous Proof and the True Insightfulness Clear Light and the and The Heavenly Guidance from the Ever Almighty God to each and every one of Humankind³) been Miraculously Revealed only to Muhammad (P.m.b.u.h) from among us?" But in fact, they are in doubt about My Wise Reminder. But in fact, yet felt My requital punishment. they have not

38:9. Or do they have the treasures of the Mercy of The Eternal Lord and Sustainer of thee, The Ever Almighty, The Ever Most Generous Provider?

38:10. Or do they possess the kingdom of all the heavens and the whole earth and Everything that is between them? Then they should ascend by means.

38:11. They are just another insignificant army of the armies which will be defeated.

38:12. The people of Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator of the Entire Universe P.m.b.u.h) unthankfully denied before them, and Aad and Pharaoh the owner of stakes,

38:13. And Thamûd and the people of Lot and the residents of the forest. Those were the armies.

38:14. Certainly each and every one of them unthankfully denied the Messengers; therefore, My penalty punishment was equitably justified.

Truly these unthankful disbelievers 38:15. are not waiting for anything except mighty roaring one there blast. will not be any delay for it.

38:16. Truly the unthankful disbelievers say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer us! of Thou before for us share please hasten our the Dav of the Reckoning Account!" (Before the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning the Eternal Afterlife World, and Requitals in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

38:17. Thou O Muhammad! {The Honourable and Truthful Trustworthy and the the Messenger and Ever Almighty God to each Prophet of The and of Humankind P.m.b.u.h must everv one always be steadfastly patient over what they say; and thou remember Our servant, David {P.m.b.u.h}, must the possessor of great strength; certainly, he always returned in true repentance to The Ever Almighty God.

Certainly, We (The Ever Almighty God} 38:18. subservient Glorify made the mountains The to Almighty God along with David Ever $\langle P.m.b.u.h \rangle$ in the late afternoon and after sunrise.

38:19. And the birds also gathered together, all of them obedient to David (P.m.b.u.h).

38:20. Truly We (The Ever Almighty God) strengthened his kingdom and We gave him the great wisdom and decisive way of speeking.

38:21. And has there come to thee the news of the adversaries, when they climbed over the wall of the prayer chamber of David (P.m.b.u.h);

38:22. When they entered in the presence of David (the Honourable and the Trustworthv and Truthful Prophet of The Ever Almighty God, the Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h), The alarmed of them, they said: "Fear then he was are two adversaries, one of us not! We has inequitable to the other; therefore, been iudge between us with true justice, and do not treat us with injustice, and guide us to the Right Path.

38:23. Certainly this my brother, he has ninety-nine ewes, while I have only one ewe; surely he says: "Hand the ewe over to me, and he suppresses me in speech!"

38:24. David (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Indeed he has in fact committed an iniquity to thee in demanding your ewe to add to his ewes. For sure many associates are indeed inequitable one against the other, except for the people who truly believe and do righteous good actions, truly such people are few!" Truly David (P.m.b.u.h) became certain that We (The The Ever Most Ever Almighty God, Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) had tested him; surely he prayed for forgiveness from The Eternal Lord and Sustainer of him, and fell down bowing and turned true repentance to The Ever Almighty God. in

38:25. Surely We (The Ever Almighty God) forgave David (P.m.b.u.h) that; for sure for him there is indeed nearness to Us and a good place of return.

Thou O David (the Honourable 38:26. and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h }! Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, King of the Entire Eternal Universe, The The The Eternal Lord Creator and and Sustainer of Entire Universe have made thee caliph the the ruler upon the earth; surely thou must always judge between Humankind with true justice, and thou must follow iniquitous desire, as it ever will lead not astray from the Straight Path thee of The Ever Almighty God!" Certainly, the people who go astray Straight Path of The Ever Almighty God from the severe punishment solely because the will have they forgot the Day of the Reckoning Account.

Truly We (The Ever Almighty 38:27. God, The Ever Most Gracefully Compassionate) did not create and the whole earth and Everything that the heaven is between them without equitable purpose. This is speculation of the people who unthankfully the wrong surely there will be disbelieve; destruction to the people who unthankfully disbelieve, from the Hellfire.

Are We (The Ever Almighty God, The Ever 38:28. Gracefully Compassionate) going Most to treat the people who truly believe and do righteous good just like the people who evil actions cause earth? Or We disorder in the going are to treat righteous people who fear The Ever Almighty the God just like the people who are unjustly wicked?

38:29. This is the Ever Supremely Blessed Book which We (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Creator and The Sustainer of Entire Universe) have Miraculously Revealed the to thee O Muhammad! (The Honourable and the Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet True God to and every of The each one of Humankind P.m.b.u.h) for the purpose that each and every one of Humankind may come to ponder deeply over the Miraculous Verses of this Supremely Blessed Book and for the purpose that all those who have the intelligent hearts may heedfully remember.

David (the Honourable Truly to 38:30. and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever and The Eternal Almighty God, The Creator Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) We The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate gave Solomon (P.m.b.u.h). he was excellent servant; certainly, he always returned an Almighty God. to The Ever true repentance in

38:31. When there were paraded before Solomon (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) in the late afternoon, well trained horses of the highest breed.

Solomon (the Honourable 38:32. Surely and the and the Truthful Prophet of The Trustworthy Ever Almighty God P.m.b.u.hsaid: "Certainly, Ι gave preference the love things of good to over remembring The Eternal Lord and Sustainer of disappeared behind the curtain. me until the sun

38:33. "Bring the horses back to me!" Then he began to stroke their legs and necks.

38:34. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) in fact tested Solomon (P.m.b.u.h) and We placed on his throne a malformed body; thereafter, he turned in true repentance to The Ever Almighty God.

38:35. Solomon (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h): said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please forgive me and Thou please award me the kingdom, the like of which will not belong to anyone after me. Certainly, Thou are The Ever Most Generous Provider.

Therefore, We (The Ever Almighty God, The 38:36. Most Mighty, The Eternal King Ever of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord of the Entire Universe, caused Sustainer the and service to him blowing gently of wind to be by his command, wherever he willed to go,

38:37. And also the devils (of Jinn-kind worked for Solomon P.m.b.u.h), every builder and diver,

38:38. And there were others (devils from among Jinn-kind) who were bound in chains.

38:39. This is Our gift, so thou O Solomon (P.m.b.u.h) may spend the gift favourably or withhold it, this gift is without any Reckoning Account.

38:40. For sure, for Solomon (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) there is indeed nearness to Us and a good place of return.

And remember Our 38:41. Job { the servant Truthful the Trustworthy and Honourable and the The Ever Almighty God, Prophet of The Ever Living P.m.b.u.h, when he called out to The Eternal of him: "Certainly, Sustainer Lord and the devil Satan has afflicted me with hardship and torment!"

38:42. (Job, the Honourable and the Trustworthy and Prophet of The Ever Almighty God, Truthful the Ever Most Merciful P.m.b.u.h was commanded}: The "Thou strike the ground with your foot; here must cool stream of water for a bath and drink!" is a

We The Ever Truly Almighty 38:43. God. The the Entire Universe, The Creator Eternal King of and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) gave him his family, and along with thereof, as the Mercy from Us them the like and have intelligent hearts. the reminder for those who

Job, the (Surely Honourable 38:44. and the Prophet of Truthful Trustworthy the and The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, P.m.b.u.h was commanded): "Truly thou must your hand small bunch of grass, take in a and strike her with that so thou must not break vour oath!" Certainly, We found him steadfastly patient, an excellent servant. Certainly, was he always he returned in true repentance to The Ever Almighty God.

Our servants, 38:45. And remember Abraham and and Jacob (the Honourable and the Trustworthy Isaac The Truthful Prophets the of Ever and Almighty God, Creator The and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t. and owners of strength and religious insightfulness. the

We (The Ever Almighty 38:46. Certainly, God} special of reminding for purpose chose them the Home (in the Eternal Afterlife the Eternal World.

they are indeed to Us (The 38:47. For sure Ever Almighty God. The Eternal King of the Entire Universe), among the chosen, the outstandingly best.

Ishmael 38:48. And remember and Elisha and {the Honourable the Trustworthy and Dhul-Kifl and Prophets Almighty of God. the Truthful The Ever King of the Entire Universe P.m.b.u.t), The Eternal truly all of them are among the outstandingly best.

This (the Supremely Honourable 38:49. Ever and the Supremely Glorious and the Ever Supremely Ever Qur'an is the Wise Reminder. For Wise sure for righteous people who fear The Ever the Almighty indeed a good place of return. God, there is

Everlasting Gardens 38:50. The the (°on Final of Resurrection Judgement Day Mighty and and and Requitals Eternal Reckoning in the Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years). doors will be opened them. to

38:51. They will be reclining therein, they will call therein abundant fruit and drinks.

38:52. And they will have with them women restraining their glances, women companions of equal age.

This is each and 38:53. what every of one ve Almighty righteous people who fear The Ever {the The Eternal King Entire Universe are of the God. Day promised for of Reckoning the the Account.

38:54. Certainly, this is indeed Our sustenance (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World), for which there is no depletion.

38:55. This is so! For sure for the unjust there is indeed extremely evil transgressors an place fon the Final of Mighty Day return of and Judgement and Requitals Resurrection and the Eternal Afterlife World), Rewards in

38:56. It is Hell, therein they will burn; surely Hell is an extremely evil place of residence.

38:57. This is so! Surely indeed they will have to undergo it, the scalding water and foul fluid.

38:58. And other requital punishments of its type in various kinds.

This crowd which is rushing 38:59. is along a is no There for them. with ve. welcome Certainly, they will burn in the Hellfire.

38:60. They will say: "But in fact, there is no welcome for ye. Ye brought this upon us, surely that is an extremely evil place to stay.

say: "Thou They will The 38:61. Eternal Lord us! Whoever of and Sustainer has brought this please increase Thou upon us, for him requital punishment in the double Hellfire!"

And they will say: "What is 38:62. the with us that do matter we not see men we used whom among the to count worst?

38:63. Did we unjustly took them in ridicule, or has our eyesight turned away from them?"

38:64. Certainly, all this is indeed The Whole Truth, the mutual quarreling of the residents of the Hellfire.

38:65. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "I am only the Constant Warner; truly there isn't any God except The Ever Almighty God, The Ever Only One, The Ever All Dominant.

Eternal Lord and Sustainer of 38:66. The all the heavens and the whole earth and is between Everything that them. The Ever Superb Forgiver!" Almighty, The Ever Most

38:67. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the The Ever Almighty God, The Eternal King of of Universe, The Ever Most Gracefully the Entire Compassionate, Creator The The Eternal and Lord of the Entire Universe and Sustainer to each every one of Humankind P.m.b.u.h must say: and "This Book Qur'an is the Supremely Mighty News,

38:68. From which ye people are turning away!

38:69. I had no knowledge of the Highest Assembly of Angel chiefs when they were debating,

38:70. Certainly it is only Miraculously Revealed to me that I am the Clear Constant Warner!"

38:71. Remember when The Eternal Lord and Sustainer of thee said to the Angels: "Certainly, I am going to create a Human Being from clay.

Surely when I have perfectly 38:72. formed the I have Being and breathed into him Human from My Spirit, surely the Angels ye must fall down for him in prostration!"

38:73. Surely the Angels prostrated, all of them together (for the Human Being Adam P.m.b.u.h),

38:74. Except Iblees. he was unthankfully arrogant and he became one of the unthankful disbelievers.

The Ever Almighty God (The Eternal 38:75. Lord Sustainer of the Entire Universe said: and "Thou What Iblees! 0 has prevented thee from prostrating for the person whom Ι have created Own My Hands? Were thou with unthankfully arrogant, or were thou of the high in grades?"

38:76. The devil Iblees said: "I am better than Adam (P.m.b.u.h). Thou have created me from fire and Thou have created Adam (P.m.b.u.h) from clay!"

38:77. The Ever Almighty God said: "Then thou get out from here; surely indeed thou are accursed.

38:78. Truly indeed My curse is upon thee until the Day of Judgement and Requitals!"

The devil Iblees said: "Thou The Eternal Lord 38:79. please Sustainer of me! Thou then reprieve and Day all of them (each and until the everv me of Humankind Jinn-kind are resurrected!" and one

38:80. The Ever Almighty God said: "Surely indeed thou are one of those who are reprieved,

38:81. Until the Day of the time well-known!"

38:82. The devil Iblees said: "Then. Ι swear indeed, Honour of thee: The Ι will by of the Human Beings definitely lead all astray,

38:83. Except the servants of Thee, from among them, those who are the faithfully truthful!

38:84. The Ever Almighty God said: "So this is the whole truth, truly the whole truth I speak;

38:85. Indeed, I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King Entire Universe, The of the Creator and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord definitely fill Hell with thee {the will devil and each and every one of the Human Iblees } follows thee, all of ye together!" Beings who

38:86. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h? must say: "I do not ask ye Humankind for any reward, this and what I am not. I do not ever claim to be

38:87. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

38:88. Truly indeed each and every one of ye Humankind will definitely come to know about the Mighty True News of this Book Qur'an in time!"

39: Sûrah Chapter Az-Zumar The Groups M.V. 75

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Miraculous Revelation 39:1. The of this Book Qur'an from The Almighty is Ever God. The Ever Almighty, The All Wise. Ever

Certainly, We (The Ever Almighty God have 39:2. Miraculously Revealed this Book Qur'an thee O to Muhammad! {The Honourable and Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God to each and every Ever one of Humankind P.m.b.u.h) with The Whole Truth: surely thou must always worship only The Ever Almighty being sincere to Him in religion. God, always

39:3. Listen attentively! For The Ever Almighty God is the pure religion. Truly the people who have other taken protecting friends than The Ever Almighty "We God say: only worship them purpose that they bring us near for the to The Ever Almighty God!" Certainly, The Ever Almighty God will judge between them concerning which they differed. things about Certainly, the Almighty God does The Ever guide not any person who is untruthful and unthankful disbeliever.

The Ever Almighty God had intended 39:4. If to The Ever Almighty God would have take a son. whatever He has created chosen from whatever He All Glory with Complete Holiness is only Willed. Alone is The Ever Almighty Him! He God. to Ever Only One, The Ever All Dominant. The

39:5. The Ever Almighty God has created all and the whole earth with The the heavens He wraps the night over Whole Truth. the day and He wraps the day over the night. Truly The Ever Almighty God has made to be service the of sun and the moon. Each one moving for the Decreed is specfied time. Listen attentively! The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever Most Superb Forgiver.

The Ever Almighty God (The Ever 39:6. Most Gracefully Compassionate, The Ever Living) has created each and every one of ye Humankind from single Human Being; thereafter, He a created from him his wife. Truly The Ever Almighty God has down for ye Humankind of the livestock sent eight mates. He creates ye in the wombs of after creation, within three your mothers, creation darknesses. Such a One is The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of ye Humankind. the Eternal Kingdom. There Only to Him belongs is no God except The Ever Almighty God. Despite that how can ye turn away from the truth?

39:7. If ye people unthankfully disbelieve, surely indeed The Ever Almighty God is completely free from any need of ye, truly The Ever Almighty does not like unthankful disbelief God for His But if ye people are thankful, servants. then He likes it for ye. Certainly, no bearer of burdens will the burden of any other. Thereafter, only to bear The Eternal Lord and Sustainer of ye is the return of ye, then He will inform ye Humankind about ye ever did. Certainly, The Ever whatever actions Almighty God is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

Truly whenever adversity touches 39:8. the Human Being, he to The prays Eternal Lord and turning to Sustainer of him sincerely Him, then him any Favour from Himself, awards when He Beings forgets that for what the Human he Him before, and he unjustly ascribes prayed to to equals The Ever Almighty God mislead people to Straight Path of The from the Ever Almighty say: "Thou may take benefit God. Thou must your unthankful disbelief little; from a certainly, of the residents of the Hellfire!" thou are one

39:9. How good is the grade of the person who devoutly obedient, prostrating and standing is in of the night, fearing during the hours Praver the Eternal Afterlife World strongly hoping and for the Mercy of The Eternal Lord and Sustainer of him? Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe one of Humankind every each P.m.b.u.hto and "Are they equal, the say: people must who have Heavenly knowledge and the people who do have Heavenly Knowledge?" Only the people not who have intelligent hearts will heedfully remember.

say: "O 39:10. Thou My must the servants people who truly believe! Ye must always Eternal Lord Sustainer fear The and of ve! people who do righteous good For the actions the present Earthly World life of the in there good, truly the is all is that earth of Ever Almighty God is spacious. Indeed those The steadfastly patient will be given their who are reward in full without any Reckoning Account!"

39:11. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever of The Most Equitable to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "Certainly, I have been worship only Commanded to The Ever Almightv being sincere to Him in religion. God. always

been Commanded 39:12. And I have to be the {those Muslims who wholly first of the submit the All Blessed Will and to follow all the Commandments of The Ever Almighty God }!"

Muhammad! {The Honourable 39:13. Thou 0 and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of the Human say: "Certainly, if I Beings P.m.b.u.h must disobey The Eternal Lord and Sustainer of Me, I myself the requital punishment of the Mighty Day!" fear

39:14. Thou must say: "I worship only The Ever Almighty God, always being sincere to Him in religion!"

Surely ye Humankind may worship 39:15. anything whatsoever ye other than The Ever Almighty want God. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the Ever Almighty God, The Eternal of The King Entire Universe, The of the Creator and The Lord and Sustainer of Eternal the Entire Universe and every one of the each Human Beings to say: "The P.m.b.u.h must losers true are the people who will lose themselves families and their the Day of Resurrection and Judgement. Listen on attentively! That is indeed the clear loss!" most

layers of Hellfire people will have 39:16. Such and layers beneath them. By above them such requital punishment The Ever Almighty God threatens servants: "Therefore, O ye My servants! All His always fear only Me (The of ye must Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever Ever Supreme Truth, Most Glorious, The The Ever of the Supreme Greatness, Owner The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of The Universe. Creator and the Entire The Eternal Universe }!" and Sustainer of the Entire Lord

avoid Truly the people who fake 39:17. gods by worshipping them, and they turn in true not repentance and obedience to The Ever Almighty God. for them there is the good true news! Surely thou My must give the good true news to servants:

The people who listen attentively 39:18. to the and they always follow the best of Words the the people whom Such are The Words. Ever Almighty God correctly guided, has and such are the have the intelligent hearts. people who

39:19. So what is the grade of the person equitably deserved the Decree of who has the requital punishment? Then, thou can save any the Hellfire? person who is in

the righteous people who 39:20. But fear The Sustainer Lord and of them will Eternal have elevated mansions. built one above the the other. which rivers flow. This is the Promise beneath The Ever Almighty God. The Ever Almighty of ever against His God does go Promise. not

39:21. Have thou not observed that The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, Merciful, The The Ever Most Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe } Lord and sends down water from the heaven, then He makes springs in the earth; it flow water thereafter. as of different produces thereby crops He colours: thereafter, they wither and thou see them turn vellow; thereafter, He makes them into broken pieces. Certainly, in this there is indeed the wise reminder people who have the intelligent hearts. for the

what is the grade of the person whose 39:22. So The Ever Almighty God has expanded chest for the All Blessed Will **€to** follow and Islam all of The Ever Almighty God, The the Commandments Lord Eternal and Sustainer Creator and The of Entire Universe); therefore, he follows the the Clear The Eternal Lord and Sustainer Light from of will be destruction Surely there him? to those people whose hardened from hearts are the Wise Remembrance and of The Ever Reminder Almightv Such people are in the most clear straying. God.

Almighty God has 39:23. The Ever Miraculously Revealed the Ever Best Statement, this Book Our'an. similar Miraculous Verses repeated frequently. of the people who fear The The skins of Erternal Sustainer shiver its recital; of them Lord and at thereafter, their skins and their hearts soften towards Rememberance of The Ever Almighty God. This is of The Ever Almighty God, whereby the Guidance The Ever Almighty God guides any person He Wills. Truly any person The Ever Almighty God leaves to surely for such a person there is no guide. stray,

39:24. So what is the grade of the person who will confront with his face the evil requital punishment on the Day of Resurrection and Judgement? Truly it will be announced to the iniquitous wrongdoers: "Ye must feel whatever evil actions ye earned!"

them 39:25. The people before also unthankfully therefore, the requital punishment denied. came direction they did not upon them from expect.

Surely The Ever Almighty God 39:26. made the unthankful deniers feel the punishment disgrace in of life of this present Earthly World. Truly indeed the of the Eternal punishment Afterlife World is far greater, if only they had the Heavenly Knowledge.

Truly indeed, We (The Ever Almighty God. 39:27. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Eternal King Merciful, The Most of the Entire of The Eternal Lord and Sustainer Universe. the Universe) have in fact described Entire for each of Humankind in this Our'an and every one from every kind of example for the purpose that each and every one of Humankind may heedfully remember.

This is the Our'an in the 39:28. Arabic language distortion for the purpose that without any and every one of Humankind may become each the The righteous who fear Ever Almighty God.

39:29. The Ever Almighty God describes an example: man owned by many disputing there is a partners another belonging exclusively to one man. and Are equal in comparison? All the Praise the two belongs only to The Ever Almighty God! In fact most of not have the Heavenly Knowledge. Humankind do

39:30. Certainly, thou will die, and certainly, each and every one of Humankind will die.

Thereafter, certainly the 39:31. on Day of Judgement, and ye Humankind will Resurrection in the Presence of The Eternal Lord dispute and Sustainer of Humankind. ye

39:32. Surely who is more iniquitous than the person who invents untruth about The Ever Almighty God and unthankfully denies The Whole Truth when it has come to him? Is there not in Hell the place of residence for the unthankful disbelievers?

Truly and every 39:33. each person who has The Whole Truth and truly brought bears witness to The Whole Truth. such are the people who fear The Ever Almighty righteous God.

people will have whatever 39:34. Such thev in the Providence of The Eternal Lord desire This is the them. good reward Sustainer of and of the people who do righteous good actions.

that The 39:35. purpose the Ever Almighty For **(**The Creator and The Eternal God Lord and Entire Universe) may absolve from Sustainer of the they did, and give their worst actions them them the best actions they did. reward according to their

not The Ever Almighty God 39:36. Is The Ever servant? Yet the Sufficient for His All unthankful their gods disbelievers threaten thee with other Ever Almighty God. Truly than The each and person The Ever Almighty God leaves to every surely for such a person there is no guide. stray,

39:37. Truly each and every person The Ever Almighty God guides, surely for such a person there is none who ever mislead him. Is The Ever can Almighty God not The Ever Almighty, The Ever Supremely Powerful to take the Equitable Vengeance?

Truly indeed, if thou 39:38. O Muhammad! (The and Trustworthy Honourable and the the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God. Messenger All Wise, The Ever Most Ever The Mighty P.m.b.u.hof every to each and one Humankind "Who has them: created all the asked heavens whole earth?" Indeed, they will and the definitely "The Ever Almighty God!" Thou must say: say: "Then have ye polytheists considered whatever the prayer other than ye call in The Ever Almighty God? If The Ever Almighty God intends some for me, will your other gods be able harm to His harm; or if The Ever Almighty God remove Mercy for will intends some me. vour other Mercy?" Thou to withhold gods be able His must "The Almighty God is All Ever The Ever say: truly all those who Sufficient for me; trust must always put their trust in The Ever Almighty God!"

39:39. Thou 0 Muhammad! {The Honourable and the Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet of The Ever Almighty God to each and of Humankind P.m.b.u.h) must **"**O everv one say: people! Ye persist working my may according to position, certainly, I too will persist working; your eventually all of ye will come then to know.

39:40. To whom will come the requital punishment (from The Ever Almighty God) disgracing him, and upon whom will descend the everlasting punishment!"

973

39:41. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Creator of Everything have Miraculously Revealed thee this Book Qur'an for each and every one to of Humankind with The Whole Truth. Certainly, each and every person who follows the Heavenly Guidance, surely it is for the good of himself; each and every person who goes astray, truly surely only to to his own mighty loss. he goes astray Truly thou are not the protector over Humankind.

39:42. The Ever Almighty God takes away the the time of their death, the souls at and whom have not died during their ones sleep. Then Ever Almighty God keeps those The souls and He releases for whom He has decreed death others until the decreed appointed the time. Certainly, in this there are indeed Miraculous Signs the people who think deeply to be equitable. for

39:43. Or have they taken other than The Ever Almighty God as intercessors? Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Even if they do not possess any power over anything nor do they understand anything?"

39:44. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God to Prophet of The Ever each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Only to The Ever Almighty God belongs all intercession. Only to The Ever Almighty God belongs Eternal Kingdom of all the heavens and the the whole earth. Thereafter, only to Him each and every one of ye Humankind will be returned!"

39:45. Truly whenever only The Ever Almighty God is mentioned on His own, the hearts of the people Afterlife not truly believe in the Eternal do who shrink with World iniquitous aversion, but whenever are worshipped other those who than The Ever Almighty God are mentioned, immediately they rejoice.

Muhammad! {The 39:46. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Almighty Ever God, of The Ever Prophet The The Most High, The Most Forgiving, Ever Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful. The Equitable, The King Eternal Ever Most of the Universe. The Creator Lord Entire and The Eternal Sustainer of the Entire Universe and to each and Beings P.m.b.u.h must every one of the Human "Thou The Ever Almighty God! The say: Creator whole earth! of all the heavens and the The Ever all Knower All of the Unseen and all the will Seen! Only Thou judge between your servants concerning the things about they differed. which

Certainly, if the people who commit iniquity 39:47. owned Everything on the whole earth entirely and like of it with it, indeed they would indeed the themselves offer all of it to ransom thereby requital punishment on the from the evil Dav and Judgement. Truly of Resurrection there will The them from Almighty become apparent to Ever which they had expected. not God that even

Certainly, there will become 39:48. apparent to the wrongdoer whatever evil iniquitous actions they had truly they will completely overwhelmed earned. be by the requital punishment they used to ridicule.

Cerainly, when adversity afflicts the Human 39:49. he calls Us (The Ever Almighty God, The Being, Most Gracefully Compassionate) in Prayer; Ever We award the Human Being thereafter. when any Favour from Us, he says: "I have only been given solely because of my knowledge!" all But in this test, but most fact. it is trial of the Human a Beings do not have the Heavenly Knowledge.

Indeed, the people who lived before 39:50. surely they did them said the same: not gain benefit by whatever actions they earned. any

Surely the evil consequences 39:51. of the evil they had earned afflicted actions them. Truly who have committed iniquity those from among these people will be afflicted by the evil consequences of the evil actions they have earned: they will not be able to protect themselves truly from evil consequences of their evil the actions.

Humankind not have 39:52. Do the knowledge Almighty God The Ever vastly increases that sustenance for each and every person He Wills He Alone limits it? Certainly, in and this there indeed Miraculous Signs for the who people are truly believe (in The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most The Ever Most Mighty, The Merciful. Ever Most The Eternal King of the Entire High. Universe. The Eternal Lord The Creator and and Sustainer of the Entire Universe and His Angels and His and the Final Books and His Messengers Mighty Resurrection and Judgement and Reckoning Day of Requitals in the Eternal Afterlife World. the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

39:53. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe to Lord and each every one of the Human Beings P.m.b.u.h? and must say: "O ye My servants who have transgressed against themselves by sinning! Ye must not ever despair of the Mercy of The Ever Almightv God. Certainly, The Ever Almighty God forgives The Ever Almighty God sins. Certainly, all is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!"

39:54. Truly all of ye My servants must turn in true repentance to The Eternal Lord and Sustainer of ye, and all of ye must wholly submit only to Him before the requital punishment comes upon ye people; thereafter, ye people will not be helped.

39:55. And all of ye must always follow the best of this Book Qur'an which has been Miraculously Revealed to all of ye from The Eternal Lord and Sustainer of ye before the requital punishment comes upon ye suddenly while ye do not perceive,

39:56. In case any person should say: "Oh, I am extremely regretful over whatever I neglected my duty towards The Ever Almighty God; for sure was indeed one of the people who mocked the truth!"

he should say: "If only 39:57. Or The Ever Almighty God had guided me, indeed Ι would the righteous people been one of who have The Ever Almighty God!" fear

39:58. Or he should say when he sees the requital punishment: "If only I had another chance of returning to the Earthly World, surely I would be one of the people who do righteous good actions!"

39:59. (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Most Equitable, The The Ever Truthful. Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe say): "Certainly yes! Indeed, will there came to Miraculous Verses, but thou thee My unthankfully and unthankfully denied them thou were arrogant. truly thou were one of the unthankful disbelievers.

39:60. Truly on the Day of Resurrection and Judgement thou will see the people who told untruth about The Ever Almighty God, their faces blackened. Is there not in Hell the eternal place of residence for the people who are unthankfully arrogant?

39:61. Truly The Ever Almighty God will save the righteous people who feared The Ever Almighty God to their place of mighty victory; they will not ever be afflicted by any evil, nor will they ever grieve.

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything.

Only to The Ever Almighty God 39:63. belong keys of the heavens and the all all the whole Truly the people who unthankfully disbelieve earth. Miraculous Verses The Ever Almighty the of in God, such are the people who are the true losers.

39:64. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal of King of Entire Universe, The Creator and The Eternal the Lord and Sustainer of the Entire Universe to each every one of Humankind P.m.b.u.h? must and say: worship other than "Do ye command me to The Almighty God, O ye the ignorant people?" Ever

39:65. Truly indeed it has in fact been Miraculously thee and to all before thee: Revealed to those "Indeed if thou associate anything whatsoever as a The Ever Almighty God, indeed all the god with of thee will definitely become worthless, and actions thou will definitely be one of the indeed losers.

39:66. But in fact. thou O Muhammad! {The Trustworthy and Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Creator The Sustainer of and and Universe to each the Entire every one of Humankind P.m.b.u.h) must always worship only The Ever Almighty God, and thou must always be one of the people who are always thankful.

39:67. Truly Humankind did not adore The Ever Almighty God with true adoration justly due to Him. Truly the whole earth will be grasped bv Mighty Hand of The Ever Almighty The God on Day of Resurrection and Judgement the and all heavens will be rolled up in His Right Hand. the Glory with Complete Holiness is only to The All Ever Almighty God! Truly He is Supremely Exalted whatever from gods all the polytheists far above associate with The Ever Almighty God. ever

will be blown, Truly the Trumpet 39:68. and is in all the who heavens and every one who is in the whole earth will fall everv one except whosoever The Ever Almighty God unconscious Thereafter, it will blown again; Wills. be then. suddenly all Humankind will stand up, observing.

39:69. Certainly, the whole earth will shine with the light of The Eternal Lord and Sustainer of Book actions will of and the be it. laid open, Prophets the Witnesses be and the and will brought, truly it will be judged between each and of Humankind with the equitable justice, every one truly they will not be treated with any iniquity.

Certainly, each and every person 39:70. will be full for whatever actions he paid in ever did: truly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, Ever Most Supremely Holy, The Ever The Most Truthful, The Ever The Trustworthy, Most Creator Eternal Lord Sustainer of the and The and Entire Universe} is The Ever Most Knowing of whatever actions each and every one of Humankind ever do.

the people who 39:71. Truly have unthankfully disbelieved will be driven Hell in groups until, to the they reach Hell, gates of Hell will when of Hell be open, truly the keepers will say: "Did there not come to ye Messengers from among reciting to ye the Miraculous Verses vourselves, of and Sustainer of ye and The Eternal Lord warning yours?" meeting of this Day of the of ve "Certainly yes! say: They will But the Decreed requital punishment has of the equitably Word effect against the unthankful disbelievers!" into come

39:72. It will be announced: "Ye the unthankful gates of the Hell disbelievers must enter to therein forever: surely reside the eternal place of residence is extremely evil for the people are unthankfully arrogant!" who

righteous people 39:73. Truly the who feared The Eternal Lord and Sustainer of them will be the Everlasting Garden in groups until, driven to they reach the Everlasting Garden, when while its will be open, truly the keepers of gates the Everlassting Garden will say: "Peace be upon ye; been good; therefore ye must enter have ve Everlasting Garden to reside therein the forever!"

39:74. Truly the righteous people who feared The Eternal Lord and Sustainer of them will say: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The One Who has fulfilled His Promise to us, and He has made us the inheritors of this earth, we may reside in this Everlasting Garden wherever we desire. Surely the reward is supremely delightful for the people who do righteous works!"

39:75. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and each and every one Universe to of Humankind the Angels encircling P.m.b.u.h will see round about the Throne, always Glorifying with the Praise of The Eternal Lord and Sustainer of them. Truly will be judged between all Humankind it with the equitable justice, and it will be announced: "All the Praise belongs only to The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Suatiner of all the Worlds!"

40: Sûrah Chapter Al-Mo'min The Believer M.V. 85

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

40:1. Haa, Meem.

40:2. The Miraculous Revelation of this Book Qur'an is from The Ever Almighty, The Ever All Knowing.

40:3. Ever Forgiver of The all sins, The Acceptor Repentance, The Most Severe requital of in The Abundant punishment, Ever Owner Vastly of There God except Him Alone, only Bounty. no is The Ever Almighty God is the final destination. to

40:4. No ever disputes concerning person the The of Ever Almighty Miraculous Verses God unthankfully disbelieve, people who except the SO be thou deceived must not ever by their and forth throughout back movements the land.

The people of Noah (the Honourable and the 40:5. Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the of The True God P.m.b.u.h? unthankfully denied before many other factions after them and them. truly every nation intended evil plots for their Messenger seize him, and they disputed by uttering untruth to to invalidate thereby The Whole for the purpose Almighty God seized Therefore, I (The Ever Truth. how My penalty punishment. severe was them, SO

Truly thus the Decreed Word of The Eternal 40:6. and Sustainer of thee has equitably came Lord into upon the people who unthankfully disbelieved effect residents be the they will of the Hellfire. that

982

40:7. The who carry the Angels Throne and Angels around the Throne, they always Glorify those the Praise of The Eternal Lord and Sustainer with and all of them truly believe in The of them Almighty God, and the Angels pray Ever for forgiveness for the people who have truly believed; "Thou saying: The Eternal Lord and Sustainer of Thou have truly encompassed Everything us! in Mercy and Knowledge; therefore, Thou please vour forgive the people who have repented and followed Straight Path, and Thou please save Your them from the requital punishment of the Blazing Hell.

Eternal Lord 40:8. Thou The and Sustainer of The Ever Almighty God}! And Thou us please enter the Everlasting Gardens make them to which have promised them Thou and each and every the righteous person from among their fathers one spouses and their children. and their Certainly, Thou are The Ever Almighty, The Ever All Wise.

40:9. And Thou please save them from Everything that is evil. Certainly, each and every person Thou will save from Everything that is evil on that Day, to such a person Thou have indeed awarded great Mercy. Truly this is indeed the mighty victory!"

Certainly, it will 40:10. be announced to the unthankfully disbelieve people who fon the Final Day of Resurrection and Judgement Mighty and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years): "The hatred of Ever Almighty God was greater than The the hatred of yourselves now, when ye were invited the True Faith, but ye unthankfully disbelieved!" to

983

people who unthankfully disbelieve 40:11. The will "Thou The Eternal Lord and Sustainer of say: have caused and us! Thou to us to die twice life twice; also given us Thou have surely now sins. So is there any way out?" confess we our

40:12. "This is when because, only The Ever Almighty God was called in upon prayer, ye unthankfully disbelieved: but if other gods were Almighty associated with The Ever God, ve Judgement believed. Certainly, the and the only to The Ever Almighty belongs Command God. Ever Most High, The Ever Most Great!" The

The Ever Almighty God is The 40:13. God Who of ye Humankind His Miraculous all Signs shows to ye from the and He sends down heaven. will heedfully sustenance. Truly none remember every except each and person who turns in repentance and obedience to The Ever Almighty God.

every one Therefore, each and 40:14. of ye must The only alwavs call in Prayer Ever Almighty being sincere Him in God. always to religion. the unthankful disbelievers though hate it. even

Almighty God is The Ever Most The Ever 40:15. Grades, The Eternal Owner of the all Exalted above Throne; The Ever Almighty God sends the Spiritual Revelation by His Command Miraculous upon anv Wills from His He among person servants, for to warn of the Day of the the Meeting purpose of Final Mighty Day Resurrection ∲on the and and Reckoning and Requitals and Judgement Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

40:16. The Day each and every one of Humankind will come forth; nothing of their actions will be hidden from The Ever Almighty God. To whom belongs the Kingdom this Day? Only to The Ever Almighty God, The Ever Only One, The Ever All Dominant.

Day (of Resurrection 40:17. This and Judgement and Requitals Reckoning and and Rewards in Eternal Afterlife World, the the measured extent Fifty Thousand Years? whereof is each and every equitably requited person will be for whatever earned. There will not any iniquity actions he be today! Certainly, The Ever Almighty committed swift in taking the Reckoning God is Account.

Truly Thou O Muhammad! {The 40:18. Honourable Truthful Messenger the Trustworthy and the and of The Ever Almighty God, The Ever Prophet and Most Gracefully Compassionate each to and every the Human Beings P.m.b.u.h one of must warn and every one Humankind, of the each Fast Approaching Day, when will the hearts be at the filled with distress. throats. For the iniquitous will not devoted friend nor any wrongdoers there any intercessor whose intercession could be accepted.

Almighty God The Ever always knows 40:19. very of all well the treacherous look the eyes and and every Everything that each chest ever conceals.

Ever Almighty God 40:20. The always judges justice, while all the those other with true gods polytheists call in prayer other The the than God anything Almighty cannot judge at all. Ever Certainly, The Ever Almighty God indeed is All Hearing, The Ever All The Ever Seeing.

40:21. Have they not travelled in the earth and observed how was the Final End of the people who were before them? They were greater than them in strength and in impression on the land, surely The Ever Almighty God seized them solely because of their sins. Truly they did not have any one to protect them from The Ever Almighty God.

40:22. That was solely because there came to them with supremely clear proofs, their Messengers the yet they unthankfully disbelieved; therefore, The Ever Almighty God seized the unthankful disbelievers. Certainly, The Ever Almighty God (The Eternal King the Entire Universe) is The Ever Most Strong, of The Ever Most Severe in the penalty punishment.

40:23. Truly indeed We (The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Most Merciful in fact sent Moses (the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Our Equitable P.m.b.u.h with Miraculous Most and the Clear All Binding Authority. Signs

40:24. To Pharaoh and Haamaan and Korah, but they said: "He is magician and untruthful!"

40:25. Surely when Moses (the Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and Ever God. Ever Almighty The The Most of Equitable P.m.b.u.h) came to them with The Whole Truth from our Providence, the unthankful disbelievers sons of the people who have said: "Kill the truly believed with Moses (P.m.b.u.h) and keep their alive!" Truly every plot of the unthankful women not in any way except in straying. disbelievers is

40:26. And Pharaoh said: "Leave me to kill Moses (P.m.b.u.h), and let him call in Prayer The Eternal Lord and Sustainer of him. Certainly, I fear that Moses (P.m.b.u.h) will change your religion, or that he will cause disorder in the land!"

Moses {the 40:27. But Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most P.m.b.u.h) said: "Certainly, I have Equitable taken refuge in The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer of ye people from every unthankful arrogant person who does not truly believe in the Day of Reckoning Account!"

40:28. Truly the believing man from the people who had kept his True of Pharaoh Faith "Would ye people kill said: secret a man says: 'The Eternal solely because he Lord and Sustainer of me is The Ever Almighty God' has brought ye the supremely while he clear from The Eternal Lord and Sustainer of proofs ve? he is untruthful, then Trulv if upon him is the consequence of his untruthfulness; but if he is the truthful, some of that which he promises ve upon ye. Certainly, The Ever Almighty will befall does not guide each God and every person who is an unjust transgressor and untruthful.

my people! Indeed, yours 40:29. O is the ye being dominant in the land. kingdom today, requital who will help us against the But Almighty The Ever if it of God punishment us?" Pharaoh said: "I do came show to not ye people except what I see, and Ι do not guide ye except to the path of righteousness!"

40:30. Then the man who truly believed said: "O my people! Certainly, I fear for all of ye the requital punishment just like of the day of the previous parties,

40:31. Just like the custom of the people of Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) and Aad and Thamûd and the people after them. Truly The Ever Almighty God does not ever intend to commit any iniquity to His servants.

40:32. Truly O my people! Certainly, I fear for all of ye the Day ye will cry out to one another (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

40:33. The Day ye people will turn your backs fleeing; there will be no one to protect ye from The Ever Almighty God. Truly each and every person The Ever Almighty God leaves to stray; surely for such person there is no one to guide.

40:34. Truly indeed, Joseph (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) in fact came to ye people before with the supremely clear proofs, but ve doubt about whatever he brought to remained in ye, until when Joseph (P.m.b.u.h) died, ye said: "The Ever Almighty God will not send any Messenger after Joseph (P.m.b.u.h)!" In this way The Ever Almighty God leaves to stray every person who is unjust transgressor and unthankful doubter!"

40:35. The people who dispute concerning the Miraculous Verse of without any Miracluous Sign of Authority that has come up to them, it is extremely hateful in the Sight of The Ever Almighty God and in the sight of the people who truly believe. This is how The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) seals the heart of every unthankful arrogant tyrant.

40:36. Certainly, Pharaoh (the unjust transgressor) said: "O Haamaan! Construct for me a tall tower for the purpose that I may reach the pathways,

40:37. The pathways leading to the heavens, so that I may look at the God of Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h); for sure I indeed think Moses (P.m.b.u.h) is untruthful!" Truly this is how the evil actions of Pharaoh were made attractive to him, and he was prevented from the Right Path. Truly the plot of Pharaoh led to nothing except into complete destruction.

40:38. Then the man who truly believed said: "O my people! All of ye follow me; I will guide ye to the path of righteousness.

40:39. O my people! Certainly, the life of this present Earthly World is only beneficial provisions. For sure the Eternal Afterlife World, that is the Everlasting Home. 40:40. Any person who commits evil will not be requited except by the just like thereof; but any person who does righteous good actions, whether man or woman, while such a person is a true believer, surely such people will enter the Everlasting Garden, they will be given sustenance therein without any limit (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

40:41. Truly O my people! How is it that I invite each and every one of ye to the true salvation while ye invite me to the Hellfire?

40:42. Ye invite me to unthankfully disbelieve in The Ever Almighty God and associate other gods with Him that of which I have no knowledge, and I invite ye to The Ever Almighty, The Ever Most Superb Forgiver.

40:43. Assuredly, that to whatever gods ye invite me has no equitable right to be called upon in prayer in the life of this present Earthly World nor in the Eternal Afterlife World; truly indeed our return is only to The Ever Almighty God, and certainly, the iniquitous transgressors will be the residents of the Hellfire.

40:44. Truly each and every one of ye will eventually remember what I am saying to ye, and I entrust my matters to The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) is The Ever All Seeing of all His servants!" 40:45. Surely The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) saved the man who truly believed from the evils they plotted, truly the people of Pharaoh were completely engulfed by an evil punishment,

40:46. The Hellfire; they are brought before it morning and evening. Truly the Day the Final Time will take place: "Make the followers of Pharaoh enter the most severe punishment!"

40:47. And remember when the unthankful will argue in disbelievers the Hellfire. surely the weak people will say to the people who had been unthankfully arrogant: "Certainly, we were your followers, so will ye then relieve Hellfire?" us against any portion of the

40:48. The people who had been unthankfully arrogant will say: "Certainly, each and every one of us are in the Hellfire. Certainly, The Ever Almighty God has indeed judged between His servants!"

40:49. Truly the people in the Hellfire will say to the Guards of Hell: "Please pray to The Eternal Lord and Sustainer of ye to lighten for us the requital punishment for one day!"

40:50. The Guards of Hell will say: "Did your Messengers not come to ye with the Supremely Clear Proofs?" The people in the Hellfire will say: "Yes they did!" The Guards of Hell will say: "Then all of ye pray!" Truly the prayer of the unthankful disbelievers is nothing except in straying!"

40:51. Certainly, We (The Ever Almighty God. Eternal King of the Entire Universe, The The and The Eternal Lord and Sustainer of Creator the Entire Universe) will indeed help Our Messengers the life and the people who truly believe during present Eartly World and of this on the Dav and Judgement €of Resurrection and Reckoning and when Rewards and Requitals in the Eternal Afterlife World the witnesses will stand.

The when the excuses of the iniquitous Day 40:52. will wrongdoers not benefit them. truly for iniquitous wrongdoers there the will the curse, and for them there will be the evil home.

40:53. Truly indeed, We (The Ever Almighty God) in fact gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) the Heavenly Guidance, and We made the Children of Israel (P.m.b.u.h) to inherit the Heavenly Book.

40:54. (The Ever Supremely Honourable Torah) as the Heavenly Guidance and the Wise Reminder for the people who have the intelligent hearts.

40:55. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Merciful to and every each of the Most one always be steadfastly Human Beings P.m.b.u.h) must patient. Certainly, the Promise of The Ever Almighty God is always The Whole Truth, and thou must for forgiveness for your ask sin and thou must Glorify with the Praise of The Eternal Lord and of thee in the evening and the morning. Sustainer

40:56. Certainly, the people who dispute concerning the Miraculous Verses of The Ever Almighty God without any Miracluous Sign of Authority that has them, there is not in come up to any way chests except arrogant pride, in the their which to gain. Therefore, they will not be able thou must always ask for the protection in The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Seeing.

40:57. Indeed. creation the of all the heavens whole earth is supremely and the greater than of Humankind; but the creation of most not have the Heavenly Knowledge. Humankind do

40:58. Truly the blind and the seeing are truly believe equal; nor the people who not righteous good actions do and and the people who do evil actions. Yet it is little which ye Humankind heedfully remember! that

the Final Time is indeed Certainly, coming, 40:59. no about there is doubt it. but of most Humankind do not truly believe €in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe and His and His Books and His Messengers and Angels the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World).

40:60. Truly The Eternal Lord and Sustainer of and every one of ye Humankind has said: each always pray only ve must "All of to Me. I your Prayers!" Certainly, the people will answer are unthankfully arrogant to worship only Me, who they will eventually enter Hell extremely humiliated.

The Ever Almighty God is 40:61. The God and the night each made Who has for every of ye Humankind for the purpose of that ve therein and the day giving rest clear may light. Certainly, The Ever Almighty God in indeed The Ever Most Gracious towards all Humankind. Humankind still do not give but most of thanks.

Such a One is The Ever Almighty 40:62. God. Lord and of The Eternal Sustainer each and Humankind, of ve The Creator everv one of Everything. There is no God except The Ever how Almighty God. Despite that are ye The Whole turned away from Humankind Truth?

like this, those people 40:63. Just were turned Whole from The Truth. those who away unthankfully rejected the Miraculous Verses of The Almighty God (those who Ever chose not to The believe in Ever Almighty God, truly The of the Entire Eternal King Universe and His and His Books and His Messengers Angels and the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final Requitals in the Eternal Afterlife World}. and

40:64. The Ever Almighty God is The God made for each and every one of Who has ve the Humankind earth a place to settle and as roof, and He the heaven as the has flawlessly Humankind He formed ve and has beautified your provided ye forms. He Humankind with and has good things. Such One is а The Ever pure Eternal Lord and Sustainer Almighty God, The of every of ye Humankind. Certainly, and each one Supremely Blessed is The Ever Almighty God. Sustainer of The Eternal Lord all the Worlds. and

40:65. The Ever Almighty God is The Ever Living, Surely each there is no God except Him Alone, one of ye Humankind must always call and every Prayer only The Ever Almighty God, in always sincere to in the religion. Him true All being Ever Almighty God, Praise belongs only to The the Sustainer of all the Worlds. The Eternal Lord and

Thou O Muhammad! {The 40:66. Honourable and and the Truthful Messenger the Trustworthy and Almighty Prophet of The Ever God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise. Most Mighty, The Eternal King The Ever of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe to every of of the one Humankind P.m.b.u.h must say: "I have prohibited been to worship all those gods whom ye people call in The Ever Almighty God, Prayer other than since there have come to me the Supremely Clear Proofs Sustainer Eternal Lord and from The of me: and I have been Commanded to wholly submit only to The Eternal Lord and Sustaner of all the Worlds!"

Almighty God is 40:67. Ever The The God each and every Who has created one ve dust: thereafter. from a Humankind from biological cell; thereafter, from an embryo; thereafter, He brings and every one of ye Humankind each forth ye the purpose thereafter, for as a child: that ve full of your may reach the age strength; that ye thereafter, for the purpose may become elders; and some of ye Humankind do die earlier. each the purpose that and and for every one of ye Humankind may reach the specified decreed for the purpose that of time, and all ve Humankind may use your intellect to be equitable.

40:68. The Ever Almighty God is The God Who gives life and He Alone causes death. Certainly, whenever The Ever Almighty God decides upon anything, then He only says to it: "Be!" Surely it is always done.

40:69. Have thou not considered the people who dispute concerning the Miraculous Verses of The Ever Almighty God, how are they are turned away from The Whole Truth?

40:70. The people who unthankfully deny the Heavenly Book and the Miraculous Messages We (The Ever Almighty God) have sent through Our Messengers, surely they will eventually come to know.

40:71. When the iron collars and chains will be around their necks, they will be dragged along,

40:72. Into the scalding water; thereafter, they will be burned in the Hellfire.

40:73. Thereafter, it will be said to the unthankful deniers: "Where are those whom ye people used to associate as gods,

40:74. Other than The Ever Almighty God?" They will say: "They have disappeared from us, but in fact we did not call in prayer anything whatsoever before!" This is how The Ever Almighty God leaves to stray the unthankful disbelievers.

40:75. This is because ye the unthankful disbelievers used to unthankfully exult in the earth without any equitable right to do so, as well as because ye used to be unthankfully arrogant.

996

disbelievers must unthankful 40:76. Ye the enter of reside therein gates Hell the to forever. eternal place of residence Surely for the the people unthankfully arrogant is extremely who are evil!

40:77. Surely thou must always be steadfastly patient, certainly, the Promise of The Ever Almighty God always The Whole Truth. Truly is whether We show thee some part of whatever We have promised We cause thee to die, surely each and them. or of Humankind will be returned to Us. everv one

Truly indeed, We (The Ever Almighty 40:78. God. The Ever Most Equitable, The Eternal Lord and of the Entire Universe? Sustainer have in fact sent Messengers even before thee, from among them there are those whose details We have narrated among them there thee. and from those to are whose details We have not narrated to thee. Trulv was not in any way for any Messenger it to bring any Miraculous Sign except by the Command of The Ever Almighty God. Surely when the Command The Ever Almighty God comes, every of matter judged with the justice, truly will be true and then the followers of untruth will lose. there

The Almighty God 40:79. Ever is The God for all of Who has made ye Humankind livestock for the purpose that ye may ride the of them, and some of some them ye eat. on

40:80. Truly the livestock there in are many ye Humankind, benefits for and for other the ye may reach by their purpose that means the which in your chests, need and is upon them on the ships ye Humankind and carried. are

Truly The Ever Almighty God (The 40:81. Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Merciful. The Ever All Wise. The Ever Most Kind, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord Creator and and Sustainer of Universe } shows each the Entire and one everv ye Humankind His Miraculous of Signs, then which of the Miraculous Signs of The Ever Almighty God will ye Humankind unthankfully deny?

40:82. Have they then not travelled in the earth and observed how was the Final End of the people away before them? They were who passed greater and greater in in number than these people strength and in impression on the land; surely whatever actions they used to earn did not avail them.

40:83. Surely when their Messengers came to them with the Supremely Clear Proofs, they were unthankfully exultant in whatever of knowledge they had, truly they were completely overwhelmed by the requital punishment they used to ridicule.

Surely when they saw Our 40:84. requital "We truly punishment, they said: believe in Almighty God, He is The Ever The Ever Only disbelieve in all we other gods One. and we have been associating with The Ever Almighty God!"

True Faith Surely their did 40:85. not profit the unthankful disbelievers when they saw Our requital punishment. This is the equitable established Ever Almighty God way of The which has proceeded among His servants. Truly there and unthankful disbelievers were then the in total loss.

41: Sûrah Chapter Fussilat Explained in Detail M.V. 54

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

41:1. Haa, Meem.

41:2. This Book Qur'an is the Miraculous Revelation from The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Ever Almighty God).

Book Qur'an whose Miraculous 41:3. This Signs explained in detail. this have been Book Arabic language Our'an in the for the people have Heavenly knowledge. who the

41:4. The Constant Announcer of the Good True Constat Warner: News and the most yet of turned away (from Humankind have the Whole Truth. surely they do listen not attentively.

41:5. Truly the unthankful disbelievers say: "Our hearts are in coverings from that to which thou invite us: our ears there is deafness. and between and in a there is a barrier, so thee and thou us may do your actions; certainly, we are doing our actions!"

say: "I am only a Human Being 41:6. Thou must and every one of ye the iust like each Human been Miraculously Revealed Beings, it has to me God of each and every one that The True of ve Human Beings is The Ever One God; therefore, the every one of ye the Human Beings each must The Straight Path to Ever take the One God. must ask for forgiveness all of ye from and Him!" Truly there will destruction to the polytheists;

41:7. The people who do not pay the Mandatory Alms and they are the unthankful disbelievers in the Eternal Afterlife World.

41:8. Certainly, the people who truly believe and righteous good actions, they do will have the good reward that will not ever come to End an fon the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

O Muhammad! {The Honourable Thou 41:9. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe to each of the and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Is it true that indeed ye people unthankfully disbelieve in The God Who has created the whole earth in two Days? And ye set up equals with Him? Such a One is The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

41:10. Truly The Ever Almighty God has placed the earth firmly set mountains over its surface. in has placed in the earth Blessings, and He and decreed therein its He has means of sustenance Days. Equal for all those four in who ask.

41:11. Thereafter The Ever Almighty God directed Himself to the heaven while it was smoke, truly Ever Almighty God said to the heaven and The of ye must come willingly earth: "Both the to unwillingly!" They said: "We come willingly!" or

Then The Ever Almighty God 41:12. them made two Days, in The heavens and Ever seven Almighty God Miraculously Revealed in each heaven truly We (The Ever Almighty Command, its God. The Ever Living adorned the lower heaven with lamps and as the protection. This is the Decree Ever Almighty, The of The Ever All Knowing.

Surely if they turn away, 41:13. then thou 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and Truthful Prophet Messenger and of the The Ever Almighty God, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Entire the Universe every one of each and Humankind P.m.b.u.h to must say: "I warn all of ve of the roaring blast the roaring blast of Aad and Thamûd. like just

41:14. When the Messengers came to them from saying: them and from behind them before "All ye not worship anything of must ever Almighty whatsoever except The Ever God!" unthankful disbelievers said: The "If The Eternal us had Willed. Lord Sustainer of and indeed He would down Angels. have sent Surely are unthankful disbelievers indeed in we whatever messages ye the Messengers have been with!" sent

for Aad, they were 41:15. unthankfully As arrogant without right the any upon earth to do SO, "Who they said: is greater than and us in power?" Did they not consider that The Ever Almighty God, The God Who has created them supremely greater than them in is power. Trulv they used to reject Our Miraculous Verses.

41:16. Therefore, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe } Lord and sent upon them the furious screaming wind during the days of misfortune for the purpose to make them feel the punishment of disgrace in the life of this Earthly World. Truly indeed, the requital present punishment of the Eternal Afterlife World will be far more disgraceful, and they will not be helped.

41:17. And as for Thamûd, surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and and Sustainer of The Eternal Lord the Entire Universe) guided them, but they preferred loving blindness over the Heavenly Guidance. So the roaring blast of humiliating punishment seized them solely because of whatever evil actions they earned.

41:18. Truly We (The Ever Almighty God, The of the Mighty, The Eternal King Ever Most The Eternal Lord and Universe. Sustainer Entire Entire Universe) saved the of the people who truly believed and feared The Ever Almighty God.

41:19. Truly the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when the enemies of The Ever Almighty God will be gathered to the Hellfire, surely they will be driven on.

41:20. Until, when the enemies of The Ever Almighty God reach the Hellfire, their hearing and their eyesight and their skins will bear witness against them for whatever actions they had been doing. 41:21. Then the enemies of The Ever Almighty God will say to their skins: "Why did ye the skins bear witness against us?" The skins will say: "The Ever Almighty God has given us the ability to speak!" The God Who has given Everything the ability to speak; truly He is Who has created all of ye The God the first time, truly only to Him all of ye are returned.

41:22. Truly ye people did not hide yourselves from this that your hearing and your eyesight and your skins will bear witness against ye people; but ye people thought that The Ever Almighty God does not know many of the actions ye did.

41:23. Truly this iniquitous thought of yours which ye speculated about The Eternal Lord and Sustainer of ye has brought ye to destruction; surely now ye have become among the losers.

41:24. Surely if they resign themselves to patience, still the Hellfire will be the eternal place of residence for them, and if they pray to be allowed to make amends, still they will not be given permission to make amends.

41:25. Truly We (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) appointed evil companions for the unthankful disbelievers, surely their evil companions adorned to them the evil actions before them and the evil actions behind them. Truly the Word of Judement has equitably come into effect upon them just like those who were among the generations of the Jinn-kind and Humankind who had passed away before them. Certainly, they were losers.

Truly the people who unthankfully disbelieve 41:26. "Ye people must listen not attentively say: to and ye people this Our'an. must always make noises during the recitation of this Our'an for the purpose that ye may prevail!"

indeed We The Ever Almighty God, 41:27. Surely Eternal Lord and Sustainer of The the Entire Universe will definitely make the people who unthankfully disbelieve to feel the severe requital punishment, truly indeed We will definitely requite them for the worst actions they had been doing.

requital punishment 41:28. This is the for the enemies of The Ever Almighty God The Eternal of the Entire Universe, The King Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Hellfire. They will Universe }: the have the in Eternal Home Hellfire the as the requital punishment solely because the enemies of The Ever Almighty God used to reject Our Miraculous Verses.

41:29. Truly the people who unthankfully disbelieve will say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please show us the people from among Jinn-kind and Humankind who led us astray, so that we may put them under our feet for the purpose that they may become among the lowest of low!"

the people who say: "The Certainly, Eternal 41:30. Sustainer of us The Ever Almighty and Lord is God" thereafter, they remain steasdfast, the Angels descend upon them; saying: "Ye people will must grieve any fear and ye must not not have and the Good True News of the Everlasting receive which ye people have been promised. Garden

41:31. We the Angels were the friends of ye people in the life of the Earthly World and in the Eternal Afterlife World. Truly ye people will have in the Everlasting Garden whatever yourselves desire; and ye people will have therein whatever all of ye ask for.

41:32. As the honourable hospitality from The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful!" (On the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

41:33. Truly who is better in speech than the person who invites Humankind to The Ever Almighty God, and does righteous good actions and says: "Certainly, I am one of the Muslims: follow who {those submit to the All Blessed and all the Commandments of The Ever Will Almighty God, The Ever All Wise, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

41:34. Truly the good actions and the evil actions are not equal. Thou must always repel evil by that action which is good. Surely only then, the person between whom and thee there was enmity, he may become as though he is a devoted friend.

41:35. Truly in no way anyone is awarded great virtue except the people who this are steadfastly patient, truly in no way anyone is this great virtue except the awarded people with the mighty fortune. blessed who are

41:36. Truly if any evil suggestion from the thee O Muhammad! (The devil Satan comes to Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King Entire Universe, of the The Creator and The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe and every one of Humankind P.m.b.u.h), to each surely thou must always seek refuge in The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

41:37. Truly from among the Miraculous Signs of The Ever Almighty God are the night and the day, the sun and the moon. Ye each and every and of Humankind must ever prostrate to not the one nor to the moon, truly ye Humankind must sun The always prostrate only to Ever Almighty God. The God Who has created them, if ye are the people who worship only The Ever Almighty God.

if they are unthankfully arrogant, 41:38. But surely the are ones who in the Presence of The Eternal Lord and Sustainer of thee. always Glorify The Ever Almighty God by night and by day, truly they never become weary.

41:39. Truly from among the Miraculous Signs of this, that Ever Almighty God is The thou see earth barren, but when We the send down rainwater upon it, the earth stirs to life and grows. Certainly, The God Who has brought the dead again, certainly, He will earth to life bring each and every one of the dead Human Beings to life again. Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

41:40. Certainly, the people who distort the meaning of Our Miraculous Verses are not hidden from Us. person who is thrown in the Truly is the to Hellfire better, person who comes or through the the Day safely of Resurrection and secure on Judgement (and Reckoning and Requitals and Recompense Rewards and in the Eternal Afterlife measured extent World. the whereof is Fifty Thousand Years? Each and every one of ve ye Beings may do whatever the Human want do. Certainly, The Ever Almighty God is to The All Seeing of whatever actions Ever each and every one of ye the Human Beings ever do.

Certainly, the people who 41:41. unthankfully disbelieved the Wise Reminder when in it them. For sure this Book Our'an came to Supremely Mighty Book. the Ever is indeed

approach this 41:42. Untruth cannot Book Our'an it behind it. This from before nor from Book the Miraculous Revelation Qur'an is from The Ever All Wise, Ever The Owner of all Praise.

41:43. Nothing is said to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty God, Messenger The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, Most Equitable, The Eternal The Ever King of Entire Universe, The Eternal Lord Sustainer the and Entire Universe each of the to and every one of Humankind P.m.b.u.h³ except whatever was already Messengers before thee. Certainly, the said to The Sustaner Ertanal Lord and of thee is indeed Ever Possessor of the Forgiveness, The The and the painful penalty punishment. Ever Possessor of

Truly if We (The Ever Almighty God, The 41:44. Most Gracefully Compassionate, The Eternal Ever King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe had made this Book Qur'an in a foreign language, they would have said: "Why the Miraculous indeed of this Book Qur'an are not Verses explained in foreign language Our'an detail?" What? A to an Arab audience? Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Forgiving, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe. Lord and Sustainer The Eternal of the Entire each and every one of Humankind Universe to say: "This Book Qur'an is P.m.b.u.h must the Heavenly Guidance and the Healing for the people who truly believe. Surely as for the people who do not truly believe there is the deafness in their ears and it is the blindness upon them. Such are the people who are being called from a distant place.

Truly indeed We (The Ever Almighty God, 41:45. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Equitable, The Eternal King of the Most Entire The Creator and The Eternal Universe. Lord and of the Entire Universe in fact Sustainer gave Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Messenger and Prophet Truthful of The Ever the Heavenly God P.m.b.u.h Almighty Book. but people differed concerning the Heavenly Book. some Truly if it had not been for the prior Decreed Word of Judgement from The Eternal Lord and thee, indeed Sustainer of it would have been judged between them. For they are indeed sure in grave alarming doubt about the Heavenly Book.

41:46. Each and every person who does righteous good actions, surely it is for good the of himself: truly each and every person who does actions, surely it is iniquity against evil The Eternal himself. Truly Lord and Sustainer of thee is not ever iniquitous to His Servants.

41:47. Only to The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, Ever Most Mighty, The Ever Owner of The the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, Eternal King of the Entire Universe, The The Sustainer The Eternal Lord of Creator and and Universe is the the Entire referred knowledge of Final the Final Mighty Day the Time of and Judgement and Reckoning Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World. whereof Fifty Thousand measured extent is the Years). Truly no fruit comes out of their sheaths any female conceives nor nor does gives birth except with the knowledge of The Ever Almighty the Day when The Ever God. Truly Almighty on "Where the polytheists: God will call out to so-called partners?" The polytheists will My are "We declare before Thee that there is say: none from among us who can bears witness to that!"

41:48. Truly whatever fake gods the polytheists previously used to call in prayer will disappear from them, truly they will become certain that they do not have any place of escape.

Human Being 41:49. The gets never tired of good; for that if praying all is but any afflicts the evil him. then Human Being all hope and becomes despairing. looses

41:50. For sure if We (The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate, The The Ever Most Ever Most Merciful, The Ever Most Generous. The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The True Light of all the Heavens and the Whole The The Ever All Knowing of Everything, Earth. The Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Ever Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Most Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever The Good-Looking. Most Beautiful. Ever Most The Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Holy, The Ever All Encompassing Supremely Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal Lord Ever Most Forbearing, The and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne. King of the Entire Universe, The Eternal The All The Owner of Honour. Eternal Ever Most Good. Ever Living, The Ever Most The Powerful, and The Eternal Lord and The Creator Sustainer of the Entire Universe give the Human Being the taste Mercy from Us, after being afflicted by adversity. of indeed say: "This Being will the Human is due and I do not that the Final to me. think Time take place, truly indeed if I brought will ever am The Eternal Lord and of me: Sustainer back to there will indeed be in His Providence all certainly. good for Surely indeed me. We will that is the people who unthankfully disbelieve fully inform actions they did; truly indeed, We will of whatever definitely make them suffer the harsh punishment.

41:51. Truly whenever We (The Ever Almighty God) award Favour and Blessing upon the Human Being, he turns away and distances himself, truly whenever any evil afflicts him, then he prays lengthy prayers.

41:52. Thou 0 Muhammad! **(**The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever each and every one All Wise to of the Human say: "Have Beings P.m.b.u.h must ve each and of Humankind every one thought. this ever if Book Qur'an is truly from the Providence of The Ever Almighty God; thereafter, still ye people are among unthankfully from those who disbelieve in this who more Book Our'an. is astray than the iniquitous opposition?" who is in extreme person

41:53. Eventually We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Merciful, The Ever All Wise, The Creator and The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } show Humankind Our Miraculous Signs in will the Universe and in themselves, until it becomes clear to Humankind that The Ever Almighty God is The Ever Supreme Truth. Is it not sufficient regarding The Eternal Lord and Sustainer of thee that certainly is The Ever Present Witness Over Everything? He

41:54. Listen attentively! Certainly, some from among doubt about Humankind are in the Meeting The Eternal Lord Sustainer of with and them. Listen attentively! Certainly, The Ever Almighty God Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever The Ever Most Equitable, The Creator Merciful, Most Eternal Lord and Sustainer of The the Entire and Universe) is Always Encompassing Everything.

42: Sûrah Chapter Ash-Shura The Consultation M.V. 53

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

42:1. Haa, Meem.

42:2. Ayn, Seen, Qaaf.

this The way Almighty God 42:3. In Ever has Miraculously Revealed Muhammad! thee to 0 **{**The Trustworthy the Truthful Honourable and and the and Prophet of The Ever Almighty Messenger God, Gracefully Compassionate, Ever Most The The Ever Merciful. The Ever All Wise Most to each of every one the Beings and Human P.m.b.u.hto the people before thee. The Ever Almighty and Almighty, The Ever All Wise. The Ever God is

Only to The Ever Almighty God 42:4. belongs all Everything the that is in and heavens Everything that is in the whole earth. Truly The (The Creator Ever Almighty God of Everything } is The Ever Most High, The Ever Most Mighty.

42:5. The almost break from above heavens them. Angels Glorify with the truly the Praise of The Eternal Lord and Sustainer of them. they and ask for forgiveness for the people on the earth. Listen attentively! Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

people who 42:6. for Truly as the take protecting than Ever Almighty God. other friends The The Almighty God is The Guardian Ever over all of them; truly thou are not the protector over them.

42:7. Truly in this way We (The Ever Almighty Entire Universe have Creator of the The God, Miraculously Revealed thee O Muhammad! **(**The to the Trustworthy and Honourable and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) the Qur'an in the Arabic for the purpose that thou language, may warn the residents the Mother of Cities and of each and around the City, and thou every person may warn of Assembly, about which there is of the Day no doubt. When people (from among Humankind some Jinn-kind will be in the Everlasting Garden, and some people will be in the Blazing Hellfire. and

Certainly, if The Ever Almighty God 42:8. had Willed, indeed He could have made each and Humankind of one religious but every one party; makes to person He Wills He enter any into Mercy. Truly the iniquitous wrongdoers His will have any protecting friend nor any helper. not

42:9. Or they taken protecting have friends other The Almighty God? Certainly, The Ever than Ever Almighty God is The True Protecting Friend, truly He Alone gives life all the to dead. Ever Almighty God Truly The always has the supremely powerful ability to do Everything.

things Certainly, in whatever ye 42:10. the Human Beings differ about, truly the judgement thereof The Ever Almighty God: "Such belongs only to Ever Almighty God, The a One is The Eternal Sustainer of me; I put Lord and have my Ever Almighty God, trulv in The trust only Ι turn in repentance obedience!" Him and to

42:11. The Ever Almighty God is The Creator of and the whole earth. The Ever all the heavens Almighty God has made for ve the Human from yourselves, pairs, Beings and of the pairs; He keeps multiplying livestock. also ye therein. There is nothing at all like The Ever The Ever Almighty God Almighty God, truly is The Ever All Hearing, The Ever All Seeing.

42:12. Only to The Ever Almighty God belong kevs of heavens all whole the the and the The Ever Almighty God vastly increases earth. any person He Wills sustenance for He and Certainly, The Ever it. Almighty Alone limits God is The Ever All Knowing of Everything.

42:13. The Ever Almighty God has decreed for one of ye Humankind each and every of the religion whatever He Commanded upon Noah and whatever We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most The Mighty, The Ever Most High, Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe) have Miraculously Revealed of the and that which We Commanded to thee upon and Moses and Jesus (the Honourable Abraham and Trustworthy and the Truthful Messengers the and Ever Almighty God of The Prophets P.m.b.u.tof ye must always hold powerfully saying: "All to and all of ye must not ever the religion become divided into sects therein!" It is difficult for the polytheists to which ye invite them. The Ever Almighty God chooses to Himself any He person Wills, truly He guides to Himself each and every person who turns to Him in repentance and obedience.

Ceratainly, they did not become 42:14. divided into after the knowledge had until sects come to of jealous animosity among themselves. out them. Truly had not been for the it Word of Judgement that preceded from The Eternal Lord and Sustainer of thee until the decreed appointed time: would have been judged between indeed. it them. For sure the people who were awarded inheritance of the Heavenly Book after them, they are indeed alarming doubt about the Heavenly Book. in grave

Surely thou always invite 42:15. must to this Straight Path, and always hold thou must powerfully as thou have been Commanded, and follow the iniquitous desires thou must ever not must say: "I truly believe in of them. And thou whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed of the Heavenly Book, and I have been do true justice among all of Commanded to ve. Almighty God is The Eternal The Ever Lord Sustainer of all of us and The Eternal Lord and Sustainer of ye the People of the Book. For and actions and are for ye actions. us our are your There is no argument between us and between ve. Ever Almighty God will assemble all of The truly only to Him is the final destination!" us.

Truly the people who argue 42:16. concerning The God (The Almighty Ever Equitable, Ever Most Entire King of the The Eternal Universe. The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe, Humankind after that many from among have even already wholly complied to His invitation. their invalid Sight of The Eternal argument is the in Lord and Sustainer of them, truly wrath is upon and they will suuffer the severe punishment. them

42:17. The Ever Almighty God is The God Who has Miraculously Revealed the Heavenly Book with The Whole Truth and the balance. Truly what will make thee to know? Perhaps the Final Time is near.

42:18. The people who do not truly believe in the seek to hasten the Final Final Time Time, surely who truly believe are the people fearful of the Final Time, and they know with certitude that the The Whole Truth. Listen attentively! Final Time is concerning Certainly, the people who dispute the Final Time are indeed in the straying far far away.

Ever Almighty God is The Intensely 42:19. The His servants; He provides sustenance Kind to to Truly The Ever Almighty God He Wills. whoever Ever Most Strong, The Ever Almighty. is The

42:20. Any person who desires the harvest of the Afterlife World, We (The Ever Almighty Eternal God, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, Most Equitable, The Eternal King The Ever of Sustainer the Entire Universe, The Eternal Lord and of the Entire Universe increase for him in his harvest. Truly any person who desires the harvest life of this present Earthly World, We of the share for such give him a of it, but a person there is the Eternal Afterlife World. share in no

unthankful disbelievers Or do the 42:21. have other gods who have ordained for them such things in religion which The Ever Almighty God has not permitted? Truly if it were not for the Decreed Judgement; indeed, it would Word of have been judged between them. Truly indeed iniquitous the wrongdoers will suffer the painful punishment.

Thou will the iniquitous wrongdoers 42:22. see of the evil actions they earned, truly fearful the them. punishment will befall Surely requital the people truly believe and do righteous who good will be lush regions actions in the of the They will have whatever thev desire Gardens. Presence of The Eternal Lord and in the This is Sustainer of them. indeed the Great Grace.

42:23. This is the good true news which The Ever Almighty God gives to His servants, the people who truly believe and do righteous good actions. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "I do not ask from ye Humankind for this work any reward, except the the relatives!" Truly any person who love due to commits any good action, We will increase for him good therein. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Appreciative.

they say: "He has invented untruth 42:24. Or do about The Ever Almighty God?" Surely if The Ever Almighty God had Willed, He could have set a seal Truly The Ever Almighty heart of thee. the over and He equitably establishes God eliminates untruth His The Whole Truth by Words. Certainly, The Knowing Ever Almighty God is The Ever All of Everything that is each every chest ever. in and

Truly The Ever Almighty God is 42:25. The God accepts repentance from His and He Who servants actions. Truly The Ever Almighty pardons evil God always knows very well whatever actions each and every one of ye the Human Beings ever do.

Truly The Ever Almighty God (The 42:26. Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Eternal King The Eternal Lord of the Entire Universe, and Sustainer of the Entire Universe) answers the Prayers the people who truly believe and do righteous of The Ever Almighty God actions. and increases from Grace. Truly for them His the unthankful suffer disbelievers will the severe punishment.

42:27. Trulv if The Ever Almighty God had sustenance for His vastly increased the servants. would have indeed committed they tyranny in The Ever Almighty the earth. But God sends according fixed measure as He Wills. down to a Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Aware, The Ever All Seeing of His Servants.

42:28. Truly The Ever Almighty God is The God Who sends down the rain after Humankind had spreads His Mercy far despaired and He and wide. The Almighty God is The Truly Ever Ever The Ever Owner of All Praise. Protecting Friend,

Truly from among the Miraculous 42:29. Signs of Ever Almighty God is the creation of all The whole the heavens and the earth and of of living creatures kinds He whatever has dispersed throughout them. Truly The Ever Almighty Supremely Powerful the ability God alway has to together whenever He Wills. all of them gather

42:30. Truly whatever disaster afflicts each and every one of ye Humankind, surely it is solely because of whatever evil actions your hands have earned; truly The Ever Almighty God pardons much.

42:31. Truly each and every one of ye Humankind cannot escape upon the earth. And ye Humankind do not have any protecting friend nor any helper other than of The Ever Almighty God.

Signs 42:32. Truly from among the Miraculous of Ever Almighty God (The Ever Most Mighty. The Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe the ships in the sea, just like mountains. are

42:33. If The Ever Almighty God Willed, He a standstill, and they cause the wind to could remain motionless on the sea. Certainly, would in indeed Miraculous Signs for every this there are person who is steadfastly patient and always thankful.

42:34. Or The Ever Almighty God could destroy them solely because of whatever evil actions they earned; truly The Ever Almighty God pardons much.

42:35. Truly the people who dispute concerning Our Miraculous Verses will come know that for them there is no place of escape.

42:36. Certainly, whatever things all of ve Humankind have been given surely are the beneficial provisions of the life of this present Earthly World. Truly that which is with The Ever Almighty God is supremely better and more lasting for the people have truly believed and they put their who in The Eternal Lord and Sustainer of them. trust

42:37. And the ones who avoid all the major sins and all the immoralities, and whenever they are angry, they forgive (Humankind their iniquity).

have wholly complied 42:38. the ones who And Eternal Lord and Sustainer of them The and to equitably perform the Prayer, and they the conduct affairs by consultation among themselves, their and from whatever We (The Ever Almighty spend they God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Ever Most Equitable, Most Mighty, The Protecting Most Excellent Friend, Ever The Ever Helper. The Ever Excellent Most Most Beautiful. Most Good-Looking, The The Ever Eternal King of Universe. The Eternal Sustainer the Entire Lord and Entire Universe have provided of the for them.

42:39. And the ones, when tyranny is inflicted upon them, they take equitable revenge,

42:40. requital punishment for Truly the the evil just like is the evil the evil act act. surely who pardons and makes reconciliation, any person have his good reward then he will from The Almighty God. Certainly, The Ever Ever Almighty the iniquitous God does love not wrongdoers.

Truly indeed any person who 42:41. takes equitable revenge iniquity, after he suffered has some upon such people there is no all. surely blame at

42:42. The blame is only against the people who Humankind and commit iniquity to they tvrannies in without equitable right any the earth to do SO. Such people will indeed suffer the painful punishment.

indeed any person who 42:43. Truly is steadfastly *fafter* suffering forgives iniquity and patient from iniquitous Beings}; certainly, these Human the are the great good indeed from actions. among

42:44. Truly each and every person The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire The Ever All Wise, The Ever Universe. Most The Creator and The Eternal Lord High, and Sustainer of the Entire Universe leaves to stray, surely for such a person there is no protecting after Truly thou will the friend that. see iniquitous the requital punishment, wrongdoers, when they see they will say: "Is there any way of going back?"

thou will Certainly, see iniquitous 42:45. the submissivelv wrongdoers being exposed to the Hellfire, humbled with humiliation, looking with stealthy a Surely the people who truly glance. believe will "Certainly, the true losers say: are the people have lost themselves their families who and the Day of Resurrection and Judgement!" Listen on attentively! Certainly, the iniquitous wrongdoers everlasting punishment *fon* will be in the the Day of Resurrection Mighty and Judgement Final Reckoning and Requitals and Rewards and in the Eternal Afterlife Recompense World. and

for them there 42:46. Certainly, will not be protecting friends to help them other than any Ever The Almighty God. Truly any person Almighty God leaves to The Ever stray, surely for such a person there is Right Path. no

and every one of 42:47. the Ye each Human Beings wholly comply The Eternal must to and Lord Sustainer of ye before the coming Day The Almighty the from Ever God of will which be averted. There cannot be no place refuge for that of ye will Day, nor any possibility of denial of your sins. there be

Surely if they turn truly 42:48. We (The away; Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever of All Praise. The Ever Owner Owner of A11 Glory, Ever All Self-Sufficient The Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful. Most Beautiful, The Ever The Ever Most Good-The Ever Most Supremely Holy, Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner of All Honour, The Ever Most Good. The Ever Living, The Ever Most Powerful. The Eternal Sustainer of the Entire Universe have Lord and thee O Muhammad! (The Honourable not sent and and Truthful Messenger the Trustworthy the and The Ever Almighty God to each Prophet of and every one of Humankind P.m.b.u.h) as the guardian over them; certainly, your duty is only to convey when We Truly indeed the Message. cause the Being to taste the Mercy Human from Us. truly Being rejoices therein; the Human if evil Human Beings solely because afflicts the of the actions their hands have sent evil ahead. surely Being becomes an unthankful disbeliever. the Human

42:49. Only Almighty God belongs to The Ever Kingdom of all the heavens and the Eternal the earth. He always creates whatever He Wills. whole gives only daughters He whoever He Wills. to and He gives only sons to whoever He Wills.

Or The Ever Almighty God (The Creator of 42:50. Entire Universe and Everything that is in the Entire Universe } gives daughters, and the sons Ever Almighty God makes barren whoever and The Certainly, The Ever Almighty God He Wills. is All Knowing, The Ever All Powerful. The Ever

42:51. Truly it is not awarded to any human that The Ever Almighty God should being speak except by Miraculous Revelation him or from to behind a partition or that The Ever Almighty God sends the Messenger; then The Ever Almighty God Miraculously Reveals by His Command, whatever He The Ever Almighty God (The Certainly, Wills. Ever Gracefully Compassionate, The Ever Owner of Most All Praise. The Ever Owner of Glory, All The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe } Lord and is The Ever Most High, The Ever Most Wise.

way We (The Ever Almighty Truly in this 42:52. The Ever Most Gracefully Compassionate, God. The Owner of All Praise, The Ever Owner of All Ever The Glory. The Ever Most High, Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Lord Universe, and of the Entire Universe have Miraculously Sustainer thee O Muhammad! (The Honourable Revealed to Trustworthy and the Truthful Messenger and the and of The Ever Almighty God Prophet to each one of the Human Beings P.m.b.u.h and every Spirit of Our Command. Thou did not know the is the Heavenly Book nor what is the True what Heavenly Book Faith. We have made this but Clear Light by which We guide Qur'an the any We Will from among person Our servants. For are indeed guiding to the Straight Path, sure thou

The Straight Path of The Ever Almighty 42:53. Everything that One belongs God. The whom to and Everything that is is in all the heavens in earth. Listen attentively! Only the whole to The Ever Almighty God is the return of all matters.

43: Sûrah Chapter Az-Zukhruf The Gold M.V. 89

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

43:1. Haa, Meem.

(I The Ever Almighty God, The Ever Most 43:2. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Ever All Wise, The Ever Owner of All The The Ever Owner of All Glory, The Ever Praise. Living, The Ever Most High, The Ever Mighty, The Eternal King of the Entire Univ Most The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe swear by the Ever Supremely Clear Book,

43:3. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have made this Book, the Qur'an in the Arabic language for the purpose that ye Humankind may use your intellect to be equitable.

43:4. For sure this Book Qur'an is in the Mother Source of the Book, which is kept close to Us (The Ever Almighty God), indeed it is the Ever Supremely Exalted, the Ever Supremely Wise.

43:5. Then should We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Living) turn the Wise Reminder away, disregarding ye people, because ye are the iniquitous transgressing people?

43:6. Truly how many Prophets We (The Ever Almighty God) sent among the previous people,

43:7. But there never came up to them any Prophet except that they used to ridicule him.

Surely We (The Ever Almighty God, The 43:8. Gracefully Compassionate, The Creator Most Ever of Everything. The Ever Most High. The Ever Mighty, The Ever Owner of the Most Good Most Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and Sustainer of Everything The Eternal Lord and in Universe) destroyed the the Entire people who were greater in power than these people, truly the example of the previous people has passed before.

43:9. Truly indeed if thou O Muhammad! (The the Trustworthy and Honourable and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God and Messenger to every one of Humankind P.m.b.u.h ask them: "Who has created all the heavens and the whole earth?" Indeed they will definitely say: "The Ever Almighty, The Ever All Knowing has created them!"

43:10. The Ever Almighty God is The God Who has made the whole earth a cradle bed for ye Humankind, and He has made for ye pathways in the earth for the purpose that ye may guide yourselves.

The Ever Almighty God is The God 43:11. Truly rainwater from Who sends the down heaven in perfect measured amounts, surely thereby We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living give life to the dead land, just like this each and every one of ye the Human Beings will be brought forth from the earth.

Ever Almighty God is 43:12. The Truly The created the pairs, of Who has all God them. made for ye the Human He has and Beings, ships and animals on which of the ve ride.

43:13. For the purpose that ye the Human Beings may sit firmly upon their backs; thereafter, ve may heedfully remember the Favour and Blessing The Eternal Lord and Sustainer of ye when of firmly on it, and say: "All Glory with sit ve The God Who is to Complete Holiness has made be of truly we this to service to us, would have been able to bring it under control, not

43:14. For sure only to The Eternal Lord and Sustainer of us we will indeed return!"

43:15. Truly the iniquitous wrongdoers have unjustly attributed to The Ever Almighty God from His servants as offspring. Certainly, the Human Being is indeed the most clear unthankful disbeliever.

43:16. Or has The Ever Almighty God taken to Himself, daughters from what He has created, and chosen ye the unthankful disbelievers to have sons?

of Truly whenever one 43:17. the unthankful disbelievers is given the news of the birth of daughter which he unjustly attributes the to The Ever Most Gracefully Compassionate, his face dark, and he is filled with grief. becomes

43:18. So what is the grade of the person who is brought up amongst trinkets and such a one cannot speak clearly in disputes?

43:19. Truly they have made the Angels, who are the servants of The Ever Most Gracefully Compassionate to be females. Did they witness their creation? We will eventually write down their testimony, truly they will be questioned about it. 43:20. Truly the unthankful "If disbelievers say: The Ever Most Gracefully Compassionate had Willed it. worshipped other gods!" would not have Thev we true knowledge of this. do any not have Thev doing nothing except unjustly inventing untruth. are

(The Ever Almighty 43:21. Or have We God. The Most Gracefully Compassionate, Ever The Ever All Eternal King of the The Entire Wise. Universe. The Eternal Lord and The Creator and Sustainer of Universe) given them any book the Entire before so that they hold the Book powerfully? this Qur'an,

fact. the unthankful disbelievers 43:22. But in say: found fathers upon "Certainly, we our a religion, indeed we are following their footsteps!" truly

43:23. Truly just like this, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe did city any not send before thee into the Constant iniquitous except that its wealthy people Warner. always said: "Certainly, we found our fathers upon a religion, truly indeed we are following their footsteps!"

The Constant Warner said: "Even 43:24. if I bring supremely better guidance that which than ve ve found your fathers following?" The iniquitous wealthy people said: "Certainly, we disbelievers are unthankful in whatever messages ye have been sent with!"

Therefore, We (The Ever Almighty God, The 43:25. Most Gracefully Compassionate, The Eternal Ever Universe, of the Entire The Eternal King Lord Entire Universe} equitable Sustainer of the and took vengeance them; thou from must observe how SO of the Final End the unthankful deniers. was

43:26. Remember when Abraham (the Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h? people: "Certainly. said his father and his to all of ye I totally reject whatever gods worship.

43:27. Except for The God Who has created me; surely indeed He will eventually guide me!"

Truly Abraham (the Honourable 43:28. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend The Ever Almighty God, and of King of the Entire Universe P.m.b.u.h The Eternal made that the lasting word among his descendants, for purpose that they may return to it. the

43:29. But in fact, I (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever All The Eternal King of the Wise. Entire Universe. The Eternal Lord The and and Sustainer of Creator Entire Universe) provided beneficial provisions the to these people and their fathers until there came to them The Whole Truth and the Clear Messenger.

The Whole 43:30. Truly when Truth *€*the Ever Supremely Honourable and The Ever Supremely Mighty Supremely Wise the Ever and and the Ever Qur'an} Glorious came them, Supremely to the iniquitous wrongdoers said: "This is magic; truly indeed we are unthankful disbelievers in this Our'an!"

said: unthankful disbelievers 43:31. the "Why And Qur'an has not been Miraculously Revealed this to of the cities?" from one two great man some

43:32. Are the unthankful disbelievers who distribute Mercy of The Eternal Lord and Sustainer the of thee? It is We (The Ever Almighty God) who have given Humankind their share of livelihood in the life of this present Earthly World and We have raised some of them above others in grades for the of them may take that some others into purpose service. Truly the Mercy of The Eternal Lord of thee is supremely and Sustainer better than Humankind have ever accumulated. all the wealth all

43:33. Truly had it not been all Humankind that would become one community {of the unthankful disbelievers), indeed We would have made for the who unthankfully disbelieve people in The Ever Most Gracefully Compassionate, for their homes roofs of silver and stairways by which they ascend, 43:34. And for their houses massive doors and couches upon which to recline,

ornaments of gold. 43:35. all And Yet this been nothing except beneficial provisions would have of the life of this present Earthly Life. Truly Eternal Afterlife World the with The Eternal Lord and Sustainer of thee is for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

who willingly 43:36. Truly any person blinds himself from the Wise Reminder of The Ever Most Gracefully Compassionate, We (The Ever Almighty God appoint for him a devil; surely the devil becomes to person a constant companion. such a

devils indeed 43:37. For the sure prevent such people from the Right Path while they think Guidance. that they following the Correct are

43:38. Until, when such a person will come to will say: "Oh, I wish Us. he there was between and thee the distance of the two easts!" me an extremely evil companion. Surely the devil is

Truly this 43:39. Day (the Final Mighty Dav of and Judgement and Reckoning Resurrection and Recompense and Rewards Requitals and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) it will not profit ye the unthankful disbelievers, as ye have committed iniquity, sharing in the requital punishment. that ve are

thou 0 Muhammad! 43:40. Then can (The and the Trustworthy Truthful Honourable and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Entire Universe each Sustainer of the and and to every one of the Human Beings P.m.b.u.h) make the deaf to hear or can thou guide the blind-hearted or the person who is in the most clear straying?

if We (The 43:41. Surely even Ever Almighty Ever Most Equitable take God. The thee away World: surely indeed We from this will take equitable vengeance from the unthankful disbelievers.

43:42. Or whether We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever God show thee The True Equitable. the requital punishment We have promised them; surely indeed always have full control We over Humankind.

43:43. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must always hold powerfully to that (the Ever Supremely Supremely Glorious Honourable and the Ever and the Ever Supremely Mighty and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise Qur'an, the Message and the Wise Reminder and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the The Ever Almighty God, Heavenly Guidance from Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever each every one and Most Merciful to of the Human Beings which is Miraculously Revealed to Certainly, thou are on the Straight Path. thee.

43:44. For sure this Book Qur'an is indeed the Wise Reminder for thee and for your people, truly all of ye will eventually be questioned.

may Truly thou 43:45. ask them about the Messengers We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate sent even before thee; did We ever appoint any gods to be worshipped other than The Ever Most Gracefully Compassionate?

43:46. Truly indeed, We (The Eve Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Living, King of the Entire Universe in The Eternal fact Moses (the Honourable and the Trustworthy and sent Truthful Messenger and Prophet of The Ever the God P.m.b.u.h with Our Almighty Miraculous Signs to Pharaoh and his chiefs; surely Moses (P.m.b.u.h) said: "Certainly, I am the Messenger of The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds!"

43:47. Surely when Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h) came to them with Our Miraculous Signs, immediately they laughed at them.

Truly We The Ever 43:48. Almighty God. The All Wise, The Eternal King Ever of the Entire Universe did not show them Miraculous Sign any except that it was greater than its previous Sister Sign, truly We seized them with punishment for the purpose that they may return to the Straight Path.

Truly they said (to Moses. 43:49. the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise. The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h): "Thou the magician! Thou pray for us to Eternal Lord and Sustainer of The thee according has promised thee. to whatever He Certainly. the Heavenly Guidance!" indeed follow will we

Surely when We (The Ever 43:50. Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Wise, The Eternal King of the Entire Universe, All The Creator The Eternal Lord and and Sustainer Entire Universe removed from of the them the punishment, immediately they broke the promise.

proclaimed among Truly Pharaoh people; 43:51. his said: **"**O my people! "Does Pharaoh not the kingdom of Egypt belong to me. and these rivers flowing beneath me? do ve people not see? So

43:52. Am I not better than this person who is insignificant, and he cannot express himself clearly?

why the bracelets of gold have Surely 43:53. not been placed why have upon him, or not the down with him to accompany him?" Angels come

43:54. Surely Pharaoh (the unjust transgressor) fooled his people, surely they obeyed Pharaoh. Certainly, they were the unthankful rebellious people.

43:55. Surely when they angered Us (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe), We took equitable vengeance from them; surely We drowned all of them together.

43:56. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) made them a bygone lesson and an example for the later people.

43:57. Truly when the example of the Son of Mary (P.m.b.u.t) was narrated, immediately your people laughed and jeered at his example.

people said: "Are And your 43:58. our gods {P.m.b.u.h}?" did Jesus They not better, or this comparison except for present argument. are argumentative people. But in fact, they

43:59. Certainly, Jesus the Messiah *(the Honourable)* and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God Prophet and His The Ever Almighty God Word which directed to Spirit from The Ever Almighty God, Mary and the King of the Entire Universe P.m.b.u.t The Eternal any way except the is not in servant upon (The Ever Almighty God We awarded whom and Blessings, truly We made Favours him the example for the Children of Israel (P.m.b.u.t).

43:60. Truly if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) had Willed, indeed We would have made from ye Humankind Angels to be successors in the earth.

43:61. For sure the Messiah Jesus (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary Spirit from Him P.m.b.u.h is indeed and the the Knowledge of the Final Time. Surely ye Humankind must not ever have any doubt about it, and ve always follow me. This is the Straight Path. must

43:62. Truly each and every one of ye Humankind not ever let the devil Satan prevent must ye from truly believing in The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Mighty and His Angels and His Books Most His Messengers and the Final Mighty Day and Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World). Certainly, the devil Satan is the most clear enemy to each and every one of ye Humankind.

43:63. Truly when Jesus (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t) came with the supremely clear proofs, he said: "Indeed I have come to ye people with the great wisdom and for the purpose I may make clear to all of ye some of that over which ye differ. Therefore, all of ye must always fear The Ever Almighty God, and all of ye must always wholly obey me.

43:64. Certainly, The God is indeed Ever Almighty Eternal Lord Sustainer of The and and me Lord and Sustainer The Eternal all of ye; of must all ye therefore. always worship only The Ever Almighty God. This is the Straight Path.

43:65. Yet still the parties from them among destruction therefore, there differed, will be to people who committed iniquity the from the requital punishment of the Painful Day.

waiting 43:66. They not are in any way for the Final Time to come them except upon suddenly while they do not perceive.

All close friends, that Day 43:67. on **€**of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years enemies to each other. except for the will become righteous people who fear The Ever Almighty God.

43:68. (The Ever Almighty God will say): "O My servants! There will not be any fear upon ye this Day, nor will ye not grieve,

who truly believed 43:69. The people in Our Verses Miraculous and they became Muslims to follow the those who submit All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Sustainer of the Entire Eternal Lord and Universe.

43:70. Ye must enter the Everlasting Garden, ye and your spouses, honourably and joyfully!"

43:71. Circulated among the residents of the Everlasting Garden will be trays of gold and cups. Truly therein is whatever their selves desire, and the eyes find delightful, truly all of ye will reside therein forever.

43:72. Truly this is the Everlasting Garden which all of ye have been made to inherit solely because of whatever righteous good actions ye did.

43:73. In the Everlasting Garden there are abundant fruits for ye from which ye will eat.

43:74. Certainly, the iniquitous criminals will be in the requital punishment of Hell forever,

43:75. The punishment will not be subsided for them; and therein, they will be in despair.

43:76. Truly We (The Ever Almighty God) did not ever commit any iniquity to them, but they themselves were the iniquitous wrongdoers.

43:77. Truly they will cry Angel out: "O Master! Lord and Eternal Sustainer of The thee end to us!" The Angel will may put an say: "Certainly, all forever!" of ye will remain

43:78. Indeed, We had in fact brought all of ye Humankind The Whole Truth, but most of ye hated The Whole Truth.

43:79. Or have the unthankful disbelievers devised some plan? Surely indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe) too have been planning.

do the iniquitous wrongdoers 43:80. Or think that (The Ever Almighty God do We not hear talk their private their secret and conversations? Certainly, We do! Truly Our Angel Messengers are always with them writing down all their actions.

Muhammad! (The 43:81. Thou 0 Honourable and Trustworthy the Truthful and Messenger the and Prophet of The Ever Most Gracefully Compassionate, Lord Most Equitable, The Eternal The Ever and Universe Sustainer of the Entire each to and of Humankind P.m.b.u.h) must "If every one say: Most Gracefully Compassionate had The Ever any surely I would be the first of worshippers!" son.

43:82. All Glory with Complete Holiness is only to The Eternal Lord and Sustainer of all the heavens and the earth, The Eternal Lord and Sustainer of the Throne, from whatever untruth they narrate.

Surely thou may leave 43:83. them to converse they and themselves until vainly amuse meet their Day which they are promised.

Ever Almighty God is The God 43:84. Truly The is the heaven The True God Who in in and The True God. Truly The Ever Almighty the earth God is The Ever All Wise, The Ever All Knowing.

Supremely Blessed The Truly 43:85. is God to Eternal of belongs Kingdom the all Whom the the whole earth heavens and and Everything with Truly only them. that is between The Ever knowledge of Almighty God the is the Final Time; truly only to The Ever Almighty God each ye Humankind will be returned. and every one of

43:86. Truly all those gods the polytheists call than The Ever Almighty in prayer other God. do not have any power of intercession: they except the person who bears witness to The Whole Truth while they possess the Heavenly knowledge for the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Ever Living, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

43:87. Truly indeed if thou 0 Muhammad! The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and everv of the Human Beings P.m.b.u.h) asked them one has created them, indeed they will definitely who "The Ever Almighty God!" Despite that how say: they turned away from The Whole Truth? are

43:88. Remember the saying of the Messenger Muhammad, {the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet the of The and Almighty God, The Creator Ever and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to every one of Humankind P.m.b.u.h): each and "Thou The Lord and Sustainer of me! Certainly, are the people who do not truly believe!" these

43:89. Therefore, thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord and every one of Humankind P.m.b.u.h to each must turn away from them and thou must sav: "Peace." Surely they will eventually come to know.

44: Sûrah Chapter Ad-Dukhan The Smoke M.V. 59

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

44:1. Haa, Meem.

(I The Ever Almighty God, The Ever Most 44:2. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. All Wise, The Ever Most Equitable, The Ever The King of the Entire Universe. Eternal The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe swear) by the Ever Supremely Clear Book,

44:3. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) have Miraculously Revealed this Book Qur'an in the Supremely Blessed Night. Certainly, We are always Warning.

44:4. Therein (in the Supremely Blessed Night) every wise matter is distinctly judged,

from Our 44:5. Command As the providence. Certainly, it is We (The Ever Almighty God} who sending (the Honourable have been and the Trustworthy and the Truthful Messengers with the Heavenly Books guide the Human Beings}. to

the Mercy from The 44:6. As Eternal Lord thee. Certainly, Sustainer of He is indeed and All Hearing, The Ever Knowing. Ever All The

Lord Sustainer 44:7. The Eternal and of all whole earth the heavens and the and Everything is in between them. that if ve the people who believe with certitude. are

There is no God except The Ever Almighty 44:8. Alone gives life He God, and He Alone death, He is The Eternal Lord and causes of each and every Sustainer one of ve The Eternal Lord and Sustainer Humankind and of each and every one of your earlier forefathers.

44:9. But in fact, the unthankful disbelievers are in doubt, amusing themselves.

44:10. Therefore, thou must watch for the Day when the sky will bring forth a visible smoke,

44:11. (The visible smoke will be) covering the Humankind; this is the painful punishment.

44:12. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please remove the requital punishment from us, certainly we are believers!"

their following of can 44:13. How the Wise of any Reminder at that time be use? indeed there had Whereas come them the to Clear Messenger (explaining everything in detail}.

44:14. Thereafter they turned away from the Messenger of The Ever Almighty God and said: "He is a madman who has been taught!"

44:15. Certainly, We (The Ever Almighty God) will remove the punishment for a short time. Certainly, ye people will return (to unthankful disbelief).

44:16. The Day when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) will seize with the great seizure; certainly, We will take equitable Vengeance. 44:17. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) did in fact tested the people of Pharaoh before them, truly there came to them the Honourable Messenger.

44:18. (Moses, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h said): "All of ye must hand over to me the servants of The Ever Almighty God, certainly, I am the Trustworthy Messenger to all of ye;

44:19. Truly ye people must not ever be unthankfully arrogant against The Ever Almighty God. Certainly, I have come to ye people with the Clear Miraculous Sign of Authority.

44:20. Truly indeed I have taken refuge in The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer of each and every one of ye against ye harming me.

44:21. Truly if ye people do not believe in me, then ye must leave me alone.

44:22. Surely Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe P.m.b.u.h) prayed to The Eternal Lord and Sustainer of him, saying: "Certainly, these are the iniquitous criminal people!"

44:23. (The Ever Almighty God, The Ever Living said): "Then thou must depart with My servants by night, certainly, all of ye will be pursued.

44:24. Truly thou must leave the sea parted. Certainly, they are the army to be drowned!"

44:25. How many gardens and water springs the people of Pharaoh left behind,

44:26. And green crops and splendid houses.

44:27. And comforts wherein they used to take delight!

44:28. Thus it was! Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) gave these things to another people to inherit.

44:29. Surely the heaven and the earth did not wept for them, nor were they given any extra time.

44:30. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe. Eternal The Creator and The Lord and Sustainer of the Entire Universe) in fact saved the Children Israel (P.m.b.u.t) from the humiliating of torment;

44:31. From Pharaoh. Certainly, Pharaoh was a big tyrant from among the iniquitous transgressors.

indeed We (The Ever Almighty 44:32. Truly God. of Lord Eternal and Sustainer the Entire The Universe) did in fact chose the Children Israel of (P.m.b.u.t) by knowledge above all Worlds. the

44:33. Truly We gave them some Miraculous Signs, those in which there was a clear trial test.

44:34. Certainly, these people are indeed saying:

44:35. "There is nothing except our first death, and we will not be brought back to life again.

44:36. Then bring back our forefathers (back to life after their death), if ye speak the truth!"

44:37. Are they better or the people of Tubba, and who before people passed away them? We the The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Most Powerful, Compassionate, The Ever Ever The Wise, The Ever Most Equitable destroyed All the iniquitous they were them; certainly, criminals.

Truly We (The Ever Almighty 44:38. God. The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever All The Eternal Creator and Wise. The Lord and Sustainer of the Entire Universe) have not created the earth all the heavens and whole and Everything that is between them for mere games.

44:39. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) did not create them except equitable purpose, but most of for the Humankind do have the Heavenly knowledge {of not the the Miraculous Miraculous Verses and Signs and and the Miraculous the Miraculous Words Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful).

44:40. Certainly, the Day of Judgement is the for appointed time each and of everv one Beings together. the Human

44:41. The Day when no friend will benefit any friend at all, and they will not be helped.

44:42. Except the person upon whom The Ever Almighty God awards Mercy. Certainly, The Ever Almighty God (The Creator of Everything) is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

44:43. Certainly, the tree of Zaqqoom, 44:44. Will be the food of every sinner.

44:45. Just like the molten metal, the food from the tree of Zaqqoom will boil in the bellies, 44:46. Just like the boiling of scalding water:

44:47. (The Ever Almighty God will say): "Ye the Angels must seize every sinner, then ye must drag him into the midst of the Blazing Hell,

44:48. Thereafter, ye the Angels must pour over his head from the torment of scalding water,

44:49. Thou the sinner must suffer it! Certainly, thou are the mighty, the honourable,

44:50. Certainly, this (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) is what ye the sinners used to doubt!"

44:51. Certainly, the righteous people who fear The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe) will be in a place of peace and security.

44:52. In the Gardens and the water springs,

44:53. They will be facing each other dressed in fine silk and gold embroidery,

44:54. Thus it will be! And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) will get them married to houris with beautiful large eyes.

44:55. Therein they will call for every kind of fruit in peace and security;

Therein they will not 44:56. ever feel death first death, truly the The Ever except Almighty God will save them requital from the punishment of the Blazing Hell.

the Grace from The Lord 44:57. As Eternal and Sustainer of thee. This is indeed the mighty victory (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Eternal Afterlife the Rewards in World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

44:58. Surely indeed We (The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Merciful, The Eternal the King of Entire Most Universe. The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe have and made this Supremely Honourable Qur'an easy in your the purpose that each tongue for and every of Humankind may heedfully remember. one

44:59. Surely thou O Muhammad! {The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Gracefully Compassionate, The Creator Most and Eternal Lord and The Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must wait; certainly, they too are waiting.

45: Sûrah Chapter Al-Jathiya The Kneeling M.V. 37

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

45:1. Haa, Meem. Miraculous Revelation 45:2. The of this Book The Almighty is from Ever Our'an God. Almighty, The Ever All Wise. The Ever

45:3. Certainly, in all the heavens and the earth there are indeed Miraculous Signs for the true believers.

45:4. And in the creation of yourselves the Human Beings, and in every kind of moving creatures The Ever Almighty God has scattered; there are Miraculous Signs for the people who believe with certitude.

the alternation of 45:5. And in the night and day and in the provision of rainwater which the Ever Almighty God sends down The from the surely thereby He heaven. gives life to the earth after its death and in the varying directions of the winds, there are the Miraculous Signs for the people who use their intellect to be equitable.

These are the Miraculous Verses of 45:6. The Ever Almighty God which We (The Ever Almighty God. Most Gracefully Compassionate, Ever The The Ever The Eternal King Merciful, of the Entire Most The Eternal The Creator and Lord Universe. and Universe} of Sustainer the Entire recite to thee Whole Truth. in The Truly with what Statement Message after The Ever Almighty God and His Miraculous Verses will the Human Beings believe in?

45:7. There will be destruction to every untruthful sinful person (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

45:8. Every untruthful sinful person who hears the Verses The Miraculous of Ever Almighty God him; thereafter he persists in unthankful recited to as if never he had heard arrogance them. to Certainly, thou must announce such a person painful punishment. news of the the true

Truly whenever untruthful 45:9. sinful person know anything of Our Miraculous Verses. comes to in ridicule. Such takes them will he people suffer the humiliating punishment. indeed

45:10. Beyond such people there is Hell. Truly whatever actions they have earned will not benefit them at all, nor all those they have taken as protecting friends other than The Ever Almighty God. Truly they will suffer the mighty punishment.

This Book Qur'an is the 45:11. Heavenly Truly the people who unthankfully Guidance. the Miraculous Verses of disbelieve in The Sustainer of Lord and them will suffer Eternal the painful punishment of foul nature.

Ever Almighty God is The God Who 45:12. The of to all made be service has to of ye Humankind the for the purpose sea that the through the sea by His ships may sail Command. the purpose that Humankind ye and for may The Ever Almighty from the Grace God seek and for the purpose that ye may become thankful.

45:13. Also The Ever Almighty God has made of service to of ye Humankind all to be Everything that is in all the heavens and Everything that is in the whole earth; Everything The Ever Almighty God. Certainly, is from in this there are indeed Miraculous Signs for the think deeply be equitable. people who to

Thou say to the people who 45:14. must have forgive the people who truly believed to do Days of The hope for not the Ever Almighty God, for the The Ever purpose that Almighty God may equitably requite the people according to whatever actions they earned.

45:15. Any person who does righteous good actions, surely it is for the good of himself; truly any person who does evil actions, surely it is iniquity upon himself. Thereafter, each and every one of ye Humankind will be returned to The Eternal Lord and Sustainer of ye.

45:16. Truly indeed, We did in fact gave the Children of Israel (P.m.b.u.t) the Heavenly Book, and the Great Wisdom of Judgement and Prophethood. Truly We provided them with the good things, and We favoured them above all the Worlds.

45:17. And We (The Ever Almighty God) gave supremely clear proofs of the Command. them the differ they did not except Truly after the knowledge had come to them, because of jealous animosity between themselves. Certainly, The Eternal Sustainer of will judge and thee between Lord the Day of Resurrection and Judgement them on concerning Everything in which they differed.

Thereafter, We (The Ever Almighty God) have 45:18. thee upon the Command of the Shariah: made it. always follow therefore thou must and thou ever follow the iniquitous desires of must not the people who do not have the Heavenly Knowledge.

these people will 45:19. Certainly, never benefit The Ever Almighty God thee against at all. Truly indeed some of iniquitous wrongdoers are the the protecting friends each other; truly The to Ever Almighty God is The Ever Protecting Friend of the righteous people who fear The Ever Almighty God.

45:20. This Book Qur'an is the True Insightfulness for each and every one of Humankind and the Heavenly Guidance and the Mercy for the people who believe with certitude (in the Whole Truth).

the people who commit evil actions 45:21. Or do that We (The Ever Almighty God, think The Eternal King of the Entire Universe, The Creator Sustainer of The Eternal Lord and and the Entire Universe will deal with them in the same wav as the people who truly believe and do righteous good actions, that their living and their dying similar? The judgement they make is evil. will be

45:22. Truly The Ever Almighty God has created all the heavens and the whole earth for the and for the equitable purpose; purpose that each and every person may be requited for whatever actions each and every person has earned, truly they will not be treated with any iniquity (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Requitals in the Eternal Afterlife World. and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

45:23. Truly have thou considered the person has taken his own iniquitous desires who his as god, The Ever Almighty God has and left own stray regardless of his knowledge him and to Ever Almighty God has set The seal a upon his hearing and his heart and He has put his eyesight. Surely who on guide a cover can a person after The Ever Almighty God? Despite such will ye Humankind not heedfully remember? that

45:24. Truly the unthankful disbelievers say: "There other life except life this is no our of die present Earthly World, we and we live. nothing destroys time!" and us except Truly do not have any knowledge they what of nothing except speculation. they say; they follow

Truly whenever Our Supremely Clear 45:25. recited to Miraculous Verses are the unthankful do not have disbelievers, they any argument except that they always say: "Bring back our forethers, if ye people speak the truth!"

45:26. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and to each and every one of the Human Universe Beings P.m.b.u.h) must say: "The Ever Almighty God Alone gives each and every one of ye Humankind thereafter, He Alone causes life: each and every of to die; thereafter, He Alone will ve one and every one of ye Humankind assemble each together on the Day of Resurrection and Judgement which there is no doubt. But most about of Humankind do not have the Heavenly knowledge!"

45:27. Truly only to The Ever Almighty God belongs the Eternal Kingdom of all the heavens the whole earth. Truly the on Day the and will come to pass, that Day Final Time on untruth will be losers. followers of the the

Truly thou will 45:28. every community see kneeling. Every comminity will be called to its Book of actions: "This Day ye Humankind will requited for whatever actions ye did. be ever

45:29. This Our Book speaks about each and every one of ye Humankind with The Whole Truth. Certainly, We (The Ever Almighty God) always had each and every action each and every one of ye Humankind ever did recorded in the Book.

45:30. Surely as for the people who truly believed and did righteous good actions, surely The Eternal Lord of them will make them to enter into His Mercy. This is indeed the most clear victory.

45:31. Truly as for the people who unthankfully disbelieved, (The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe will announce): "Were My Miraculous Verses not recited to ye? Surely ye were unthankfully arrogant, and ye were the iniquitous criminal people!

whenever it was said: "Certainly, Truly 45:32. the God is Ever Almighty Promise of The The and the Final time there is Truth. Whole no about it," ye the iniquitous criminal people doubt used to say: "We do not know what is the Final Time; certainly, we do not think it except as а speculation, and we do not believe with certitude.

consequences of the evil Truly the evil 45:33. they did become apparent will actions to them. they will be completely overwhelmed truly bv requital punishment they used to ridicule. the

will 45:34. Certainly, it be said: "This Dav We Ever Almighty God, (The The Ever Most Gracefully The Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever The Ever Living, The Eternal Most Mighty, King of the Entire Universe, The Ever Most Equitable, Sustainer and Eternal Lord The Eternal The of Entire Universe³ will forget ye the iniquitous the people just like ye people forgot the criminal of this Day of yours; truly the Meeting Hellfire ye is your eternal home, truly for the iniquitous criminal people will not there be any helpers.

45:35. This is solely because the iniquitous ye people took the Miraculous criminal Verses of Almighty God in The Ever ridicule. and the short life of the Past Earthly World deceived Day the ye. Surely this all of unthankful people will not be taken out from the arrogant Hellfire, nor will the unthankful arrogant people given any opportunity to make any amends. be

Surely only to The Almighty God 45:36. Ever all Praise, The belongs Eternal Lord and all the Sustainer of heavens and The Eternal Sustainer of the whole Lord and earth, The Sustainer of and Eternal Lord all the Worlds.

only Truly to The Ever Almighty God 45:37. the Ever Most Supreme Greatness belongs in heavens and the whole all the earth. trulv The Ever Almighty, The Ever All Wise. He is

46: Sûrah Chapter Al-Ahqaf The Sand Dunes M.V. 35

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

46:1. Haa. Meem. Miraculous Revelation 46:2. The of this Book The Almighty Our'an is from Ever God. Almighty, The Ever The All Wise. Ever

(The Ever Almighty God} 46:3. We have not all heavens and the whole the earth and created is them except Everything that between for the equitable purpose for decreed appointed and the the people who unthankfully time: truly disbelieve away from that of which they are warned. turn

Muhammad! (The 46:4. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator Entire Everything in the Universe of to each every one of Humankind P.m.b.u.h must and say: "Have ye the polytheists considered whatever gods ve call in prayer other than The Ever Almighty God? what they have created Ye show in the me whole earth; or do they have any partnership in heavens? Ye the polytheists bring the me any Heavenly Book before this Qur'an, or any trace of Heavenly Knowledge, if ye people speak the truth!"

Truly who is astray than the person 46:5. more calls in prayer other than The Ever who Almighty fake gods who those will God. not answer him the Day of Resurrection and to Judgement, up truly those fake gods are unaware of their prayer.

Truly when each and every 46:6. of one Humankind will be together assembled (°on the Mighty Day of Resurrection Judgement Final and Reckoning and Requitals and Rewards in the and Afterlife World, the measured Eternal extent whereof is Fifty Thousand Years}; all their fake gods become enemies them. their will to and fake gods deniers will the of their be worship.

46:7. Truly whenever Our Supremely Clear Miraculous Signs are recited to them, the people who unthankfully disbelieve say about The Whole Truth when it has come to them: "This is clear magic!"

Or do they say: "The Messenger has produced 46:8. Qur'an himself?" Thou O Muhammad! {The this Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator of Everything that is in the Entire Universe and every one of the Human Beings each to must say: "If I have produced P.m.b.u.h this Qur'an, surely ye do not have any power all at to help me against The Ever Almighty God. He is The Ever All Knowing of whatever ye are saying among yourselves. The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient The Ever Present as Witness between me and between all of ye! Truly He is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

46:9. Thou must say: "I am not the first of the Messengers. Truly I do not know what will done with me nor with all of ye Humankind. be in any way except whatever Ι not follow do me, is Miraculously Revealed to and Ι am not any way except the Clear Contant in Warner!"

46:10. Thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator of Everything that is in the Entire Universe to each of Humankind P.m.b.u.h must and every one sav: and every one of Humankind "Have ye each ever thought, if this Book Qur'an is truly from the Providence of The Ever Almighty God; thereafter, among ve people are from those still who Book Qur'an, while unthankfully disbelieve in this the Children of Israel (P.m.b.u.t) witness from the already borne witness to its similarity and he has truly believed but ye have been unthankfully has arrogant!" Certainly, The Ever Almighty God does guide the iniquitous wrongdoing people. not

46:11. Truly the people who unthankfully disbelieve say about the people who truly believe: "If this Qur'an had truly been good, they would Book have truly believed in this Book Our'an not did!" Truly because they have before we refused guided by this Book Qur'an; surely they to be will eventually say: "This is an ancient untruth!"

Heavenly Book (the Ever 46:12. Truly before this Ever Supremely Honourable and the Supremely Supremely Wise and the Ever Glorious and the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever Mighty Qur'an) there was the Book of Moses (the Supremely Honourable Torah P.m.b.u.h) as the Ever Heavenly Book to Correctly Guide and the Mercy. Truly this Book Qur'an is the Confirming Book in Arabic language for the purpose to warn the the people who commit iniquity and as the Good True News for the people who do righteous good actions.

46:13. Certainly, the people who say: "The Eternal Lord and Sustainer of us is The Ever Almighty God," thereafter, remain steadfast, surely no fear will come upon them, nor will they grieve.

46:14. Such people will be the residents of Everlasting Garden (on the Final Mighty Day the of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years); they will forever, as the good reward solely reside therein of the righteous good actions they did. because

46:15. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Equitable, Lord and Sustainer of the Entire The Eternal Universe) have Commanded each and every one the Human Beings to be kindly good towards of parents. His mother bears him with hardship his she gives birth to him in hardship, truly and and his weaning period is his thirty bearing months. Until when the Human Being attains his growth and he reaches forty years, he full says: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please assist me to be always thankful for your Favours and Blessings which Thou have awarded upon me and upon my parents; and that do righteous good actions such Ι may as Thou Thou please make pleased with. and righteous are my children. Certainly, I have in repentance; and certainly, I an for me turned Thee am to one Muslims (those people who wholly of the submit All Blessed follow the Will and all to the Commandments of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

Such are the people from whom We (The 46:16. Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. King of the Entire Universe, The Eternal The Equitable, The Most Eternal Lord Ever and Sustainer of the Entire Universe will accept all good actions they ever did and We will the overlook their evil actions, they will be among residents of the Everlasting Garden. The wholly the true promise which they have been promised.

46:17. Truly the person who says to his parents: "Fie to ye! Are ye promising me that I will be resurrected when many generations have in fact passed away before me?" Truly his parents prayed The Ever Almighty God for help: "There is to thee! Thou must truly believe! destruction to Certainly, the promise of The Ever Almighty God is the Whole Truth!" But he says: "This is not in any way except the stories of the previous people!"

the people against whom 46:18. Such are the of has equitably Judgement Word come into the generations of Jinn-kind effect among and Humankind which have in fact passed away before them. Certainly, they are the losers.

46:19. Truly for each and every person there will grades according to whatever be distinct actions and every person ever did, and for each the The Ever Almighty God purpose that may requite and every person in full for their each actions, they will not be treated with any iniquity truly Final Mighty Day of Resurrection fon the and and Reckoning and Requitals Judgement and in the Eternal Afterlife World, the extent whereof is Fifty Thousand Years? Rewards the measured

46:20. Truly on the Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when the people who unthankfully disbelieve will be exposed to the Hellfire: "Ye have used all up good things people your in Earthly World, your life of the and ye have enjoyed them; therefore, this Day will ye be requited with the punishment of extreme humiliation to be unthankfully arrogant ve used because upon earth without any equitable right to do the so. and because ye used to be unthankfully rebellious!"

46:21. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King Entire Universe to of the each and every one Beings P.m.b.u.h must of the Human make honourable mention of the brother of the Aad. Hûd (the Honourable and Trustworthy the when Truthful Messenger and Prophet of and the The Almighty God, The Ever Most Ever Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) warned his people in the region of the Sand Dunes. truly in fact the even before Constant Warners passed on him him saying: "All of ye after and even must anything whatsoever worship except not ever Almighty God; certainly, I fear The Ever for all the requital punishment of the Mighty Day!" of ye

The polytheists said: "have 46:22. thou come to away from our gods? to us turn us Then bring us whatever requital punishment thou upon of the promise us, if thou are truthful!" thou

46:23. Hûd (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) said: "The knowledge of the requital punishment is only with The Ever Almighty God, truly I am conveying to ye whatever messages I have been sent with, but I am seeing that ye people are behaving ignorantly.

46:24. Then when the polytheists huge saw a approaching towards their valley, they said: cloud rain!" "This cloud give us is a that will act it is the punishment for wh asking to be hastened; it is fact which But in were the ve windstorm in which there is the painful punishment.

will destroy everything 46:25. Which by the Command of The Eternal Lord and Sustainer Surely they became such of it. that nothing be seen except their dwellings. Just like could this We requite the iniquitous criminal people.

Truly indeed We (The Ever Almighty 46:26. God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever of All Praise, The Ever Owner of All Owner Glory, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) did in fact firmly established them in a way We have not established ye people! Truly We made for them and eyesight and understanding hearts; hearing hearing and their surely their eyesight and understanding hearts did not benefit their them all, solely because they used to unthankfully at reject the Miraculous Verses of The Ever Almighty God; truly they were completely overwhelmed by the requital punishment they used to ridicule.

46:27. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Entire Universe. The Eternal King of the Lord the Entire Universe did in Sustainer of and fact destroyed many cities around ye people; truly We clearly explained the Miraculous Verses for the Straight Path. purpose that they may return to the

46:28. Then why didn't those gods help them whom unjustly taken besides The Ever Almighty they had stationed gods? in God as near But fact thev disappeared from them. Truly that was their untruth whatever they had been unjustly inventing. and

when We 46:29. (The Remember Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate, Most The Ever Most Merciful. The Ever All Wise. The of Everything, The Ever Owner of All Creator Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } thee a small group directed towards of the Jinn attentively to the Our'an. Cerainly, listening when said: presence "Listen they were in its they quietly!" when the Our'an concluded, Then was they went back their people Warners. to as

said: "O ye our people! Certainly, we 46:30. They Heavenly Book have heard the that has been Miraculously *€*the Revealed after Moses Honourable the Trustworthy and Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Merciful, Eternal King of The the Most Entire confirming Universe P.m.b.u.h, the Heavenly Books before it, this Heavenly Book guides came that The Whole Straight Truth and to the Path. to

46:31. O ye our people! Ye must comply to the Caller of The Ever Almighty God, Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) and ye must always truly believe in him. The Ever Almighty God will forgive ye some of your sins, and He will save ye from the painful punishment.

46:32. Truly any person who does not comply Caller of Ever Almighty God; to the The surely such a person cannot in any way escape earth; and not have in he will the any protecting friends other than The Ever Almighty God. Such people are the most clear straying. in

46:33. Do the Human Beings not understand that certainly The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Owner of All The Ever All Wise, The Ever Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Owner of the Most Ever All Encompassing Good Names, The Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Eternal King of the Entire Universe, The The The Eternal Lord and Sustainer of the Creator and Entire Universe}; The One Who created all the the whole He did heavens and earth and not tire in their creation, way is in any ever supremely powerful to bring all the dead people again (on the Day of Resurrection life to and the Eternal Afterlife World?? Certainly Requitals in yes! Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

46:34. Truly the Day (of Resurrection on and the Eternal Afterlife World. Requitals in the whereof is Fifty Thousand Years? measured extent people who unthankfully disbelieve will when the "Is exposed to the Hellfire: this the be not Whole True?" The unthankful disbelievers will say: by The Eternal Lord "Certainly and Sustainer of us. the Whole Truth!" The Ever Almighty it is God say: "Surely ye must suffer the punishment will unthankfully disbelieve!" used to solely because ye

46:35. Therefore, thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty Prophet of God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most The Merciful, The Ever Most Generous, Ever Most Kind. The Ever Most Forgiving, The Ever Most Equitable. The The Ever Most Beautiful, The Ever The Ever Good-Looking, Most Most Glorious. The Supreme Truth. Ever Owner Ever The of the of Supreme Greatness, The Ever Owner the Most King Names, Good The Eternal of the Entire Eternal Owner of All Universe. The Honour. The Ever Most Good, The Ever Living, The Ever Most The Creator and The Eternal Lord Powerful. and of the Entire Universe Sustainer to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must always be steadfastly patient just like the other Messengers with powerful determination steadfastly were patient: and the requital thou must not ever seek to hasten for punishment unthankful disbelievers. the On the Day when they will see whatever they are promised, they had to them that not it will seem stayed part of a single day. small This except for а Qur'an is the Message. Therefore, Book will any destroyed except the unthankful rebellious people? be

47: Sûrah Chapter Muhammad P.m.b.u.h. M.V. 38

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

47:1. The people who unthankfully disbelieve and the Straight Path of prevent people from they The Almighty God; He The Ever Almighty God, Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Wise, The Ever Most Generous. The Ever All Most Kind, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, King of the Entire Universe. The Eternal The The Eternal Lord and Sustainer of Creator and the Entire Universe) will make their actions go astray.

Surely the people who truly believe and do 47:2. actions righteous good and they truly believe in Supremely Honourable Qur'an³ which the Ever that Miraculously Revealed upon Muhammad has been Honourable and the Trustworthy and the Truthful { the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, Creator and The Eternal Lord and The Sustainer of Entire Universe to each and every one of the the Human Beings P.m.b.u.h, truly the Ever Supremely Honourable Our'an is The Whole Truth from The and Sustainer of them. The Eternal Lord Ever Almighty God will absolve from them their evil and He will elevate their good status. actions

This is because the people who unthankfully 47:3. disbelieve follow untruth, and beacause people the believe follow Whole truly the from who Truth Eternal Lord Sustainer them. The and of In way The Ever Almighty God describes for this of Humankind their examples. every one and each

47:4. Certainly, when ye the true believers encounter people who unthankfully disbelieve, in battle, the ve must strike at their necks until. then once ve defeated them, then bind the captives firmly. have Then later set them free as a favour or for ransom until the war comes to an end. Thus it truly if The Ever Almighty God had Willed. is. Himself would have taken equitable vengeance He but it is for the purpose upon them, that He of ye by means of others. Truly may test some people who are killed in the Straight Path of the The Ever Almighty God, Surely The Ever Almighty not ever make their actions go astray. God will

47:5. The Ever Almighty God will eventually guide them and He will elevate their good status.

47:6. Truly The Ever Almighty God will make them to enter into the Everlasting Garden which He has made well known to them.

47:7. O ye the people who truly believe! If ye help The Ever Almighty God, He will help ye and He will make your feet firm.

47:8. Truly the people who unthankfully disbelieve, surely for them there is misery, and The Ever Almighty God will make their actions go astray.

is solely because they 47:9. This hated that Supremely Honourable and Ever the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Blessed the Ever Supremely Miraculous and the Ever and Supremely Wise Qur'an which Ever The Almighty has Miraculously Revealed; therefore, The Ever God Almighty God has made their actions worthless.

47:10. Have they not travelled in the earth and Final End of the observed how was the people have passed away before them? The Ever who Almighty God destroyed them completely, truly for the unthankful disbelievers there will be something similar.

47:11. This is because The Ever Almighty God is The Ever Protecting Friend of the people who truly believe, and because the unthankful disbelievers do not have any true protecting friend.

47:12. Certainly, The Ever Almighty God will make the people who truly believe and do righteous good the Everlasting Gardens actions to enter beneath flow, but the people who unthankfully which rivers utilize the beneficial provisions disbelieve and eat livestock eat, truly the just like the Hellfire be the eternal place of residence for them. will

47:13. Truly how many of the cities We have destroyed which were greater in power than the of thee O Muhammad! (The Honourable city and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness. The Ever Owner of the Most Good The Eternal King of the Entire Names. Universe, The Eternal Owner of All Honour, The Ever Most Good. Ever Living, The Ever Most The Powerful. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe to and every of the each one Humankind P.m.b.u.h) whose people has expelled of Truly there was no helper for thee? them.

So is who the 47:14. follows the person Supremely Clear The Proof from Eternal Lord Sustainer of him, just like the person and have made attractive evil actions been whose to and they follow their iniquitous desires. him

description of the Everlasting 47:15. The Garden promised to the righteous people is which who fear The Ever Almighty God; therein there are which will water of not rivers ever become rivers of milk whose good taste impure and will change and rivers of wine which ever will not delicious to those who drink it. always be and purified honey, therein rivers of and they will have every kind of fruit and forgiveness the from Eternal Lord and Sustainer The of them. Are they reside in just like the people who will the Hellfire forever, and they will be given drink to scalding water which will tear their internal organs?

Truly from among Humankind 47:16. there are thee, until when they depart who listen to those they say to your presence, the people who from given knowledge: "What been has the have Messenger said just know?" Such are the people The Ever Almighty God sealed whose hearts has they follow their own iniquitous desires. and

for the people who 47:17. Truly as follow the The Ever Almighty Heavenly Guidance, God (The Most Beautiful, Most Good-Looking, The Ever Ever The Ever Most Good. The Eternal King of Universe, The Ever Most Entire Powerful. The the and The Eternal Lord and Sustainer Creator of Entire Universe? increases them in the Heavenly Guidance and He awards them their devout piety.

Surely the unthankful disbelievers 47:18. are not waiting in any way except that the Final Time upon them suddenly? Surely its signs to come already come. the when Final Time have SO them, then upon how can the unthankful comes disbelievers benefit by their heedful remembrance?

Surely thou O Muhammad! (The 47:19. Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger and the Almighty God, Prophet of The Ever The Ever and Most Good-Looking, Beautiful. Ever The Most The Eternal King of the Entire Universe to each and one of the Human Beings P.m.b.u.h every must that there always know with certitude is no God Ever Almighty God, except The and thou must pray for forgiveness for your for sin and also all the believing men and all the believing women. Truly The Ever Almighty God always knows well every place where every one of very ve Humankind ever move about and your place of rest.

Certainly, the people who truly believe 47:20. say: "Whv Sûrah Chapter (obout fighting in has the Straight of The Ever Almighty God? Path not Miraculously Revealed?" But when the clearly been Sûrah Chapter is Miraculously Revealed, precise and fighting is mentioned therein, thou see the people disease in their hearts who have looking at thee the overcome by with а look of person death. been better for Surely it would have them:

Obedience 47:21. and righteous So words. when determined. if the surely the matter was disease in their hearts people who have had The Ever Almighty God. indeed been true to extremely better it would have been for them.

47:22. So it is possible, that if ye the people who have disease in the hearts turn away now, ye people would cause evil disorder in the earth and ye people would break your ties of kinship!

47:23. Such are the people whom The Ever Almighty God has cursed, so He has made them deaf and blinded their insightfulness.

47:24. Do they not then ponder deeply over the Qur'an, or are there locks upon the hearts?

47:25. Certainly, the people who have turned unthankful disbelief after back to the Heavenly Guidance had become supremely clear them. to has deceitfully enticed them the devil Satan and prolonged fake hopes for them.

47:26. This because they said to is the people who hated that (the Ever Supremely Honourable and the Ever the Ever Supremely Glorious and and the Ever Supremely Blessed Supremely Mighty and the Ever and the Ever Supremely Miraculous Supremely Wise Qur'an which The Ever Almighty God has Miraculously Revealed: "We will obey some matters!" Truly The Ever Almighty ye in God always knows very well all their secrets.

47:27. Surely how grief-stricken will it be when the Angels will take their souls at death, they will be beating their faces and their backs?

47:28. This is solely because they followed that which displeases The Ever Almighty God and they hated to follow His All Blessed Will. Therefore, He made their actions worthless. 47:29. Or do the people in whose hearts there is the disease think that The Ever Almighty God will not expose their hidden hatred?

Truly if We (The Ever Almighty God) had 47:30. Willed, We could have shown them to thee. thou would have recognised surely indeed them by their marks; truly indeed thou will definitely recognise them by their manner of speech! Truly The Ever Almighty God always knows very well each and every action of all of ye.

47:31. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) will definitely test ye people until We make evident those from among ye who strive hard and those who are steadfastly patient, truly We will test the sincerity of your actions.

47:32. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and prevent Humankind from the Straight Path of The Ever Almighty God, and they oppose the Messenger after the Heavenly Guidance has been made supremely clear to them, they cannot ever cause any loss to The Ever Almighty God in any way, truly The Ever Almighty God will eventually make their actions worthless.

47:33. O ye the people who truly believe! All of ve must always wholly obey The Ever Almighty all of ye must always wholly God and obev the Messenger and ye must not ever let your actions become worthless (by not truly believing The Ever Almighty God and His Angels in His Books and His Messengers and the Final and Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

47:34. Certainly, the people who unthankfully disbelieve and they prevent Humankind from the Straight Path of The Ever Almighty God; thereafter, they die while they are unthankful disbelievers, surely The Ever Almighty God will never forgive them.

Surely ye the people who 47:35. truly believe, not ever lose heart nor call ye must for peace, truly ye the superior, The Ever are truly Eternal King of Almighty God (The the Entire Universe, The Ever Most Powerful, The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe, is always and with ye, truly The Ever Almighty God will never deprive ye people the reward of your actions.

of this present Earthly World is 47:36. The life a play and an amusement. Certainly. if only ve Humankind truly believe and become the righteous who fear The Ever Almighty God, He your good rewards and He will give ve will not demand of ye to give up all your wealth.

47:37. If The Ever Almighty God were to demand all your wealth from ye, ye would be miserly, truly He would expose your malice.

ye the people who truly believe to spend in the Straight Path of 47:38. Now are invited The Ever Almighty God, surely from among ve miserly. Truly any person who is people some are miserly, then he is miserly only to himself. Truly The Ever Almighty God is The Ever Completely Self-Sufficient, and ye Humankind are the needy. Truly if ye people turn away, The Ever Almighty ye with will replace some other people; God thereafter, they will not be like ye people.

48: Sûrah Chapter Al-Fath The Victory M.V. 29

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

48:1. Certainly, We (The Ever Almighty God) have given to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) the most clear victory.

For the purpose that The Ever Almighty 48:2. God thee of whatever your forgive sin in the may and whatever the future and past in He may complete His and Blessings Favours thee upon and He may guide thee to the Straight Path, The And that Ever Almighty God 48:3. may help thee with the mighty help.

The Ever Almighty God is The 48:4. God Who serenity into the hearts of the sent down believers for the that purpose thev true may the True Faith along with in their increase Certainly, only to Faith. The Ever Almighty True belong the Armies of all the heavens God and earth, truly The Ever Almighty God the whole is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

For that The Ever the purpose Almighty 48:5. and may make the believing the God men believing women enter into the Everlasting to which Gardens beneath rivers flow reside to and may absolve He from therein forever, them truly this their evil actions; is mighty the victory in the Sight of The Ever Almighty God.

The Ever Almighty 48:6. And that God may equitably punish the hypocrite men and the hypocrite women and the polytheist and the men polytheist women; those who believably think about The Ever Almighty God evil thoughts, upon them there will be the evil punishment; truly The Ever Almighty God has become Wrathful with them and He has cursed them and He has prepared for them Hell; truly Hell is an extremely evil destination.

48:7. Truly only to The Ever Almighty God belong the Armies of all the heavens and the whole earth. Truly The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

48:8. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have sent thee as the Witness and as the Announcer of the Good True News and as the Constant Warner.

For the purpose that all 48:9. of ye may The Ever Almighty God believe in His and Messenger, and ye may assist the Messenger and ye may honour him, and ye may Glorify The Ever Almighty God before sunrise and before sunset.

48:10. Certainly, the people who pledge allegiance thee, they in fact pledge allegiance to to The Ever Almighty God. Hand of The The God Ever Almighty is over their hands. Surely whoever breaks his pledge, truly he breaks it the of himself; truly loss whoever only to has promised The fulfils whatever he to Ever Almighty God, surely eventually The Ever Almighty God will give such a person the mighty reward.

Those who remained behind of the nomadic 48:11. eventually say to thee: "Our wealth will Arabs families occupied us; our therefore. thou and for forgiveness for us!" They please pray say their tongues that which is with in their not Thou 0 Muhammad! {The Honourable hearts. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Prophet of Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: then "Who has any power in any way to your behalf against The intervene on Ever Almighty God, if He intends to harm or if ye He intends to benefit ye? But in fact The Ever is The Ever All Aware Almighty God of whatever actions each and every one of ve ever do.

48:12. But in fact ye believably thought that the Messenger and the true believers will not ever return to their families, and this thought was pleasing to your hearts. Truly ye did a think an evil thought and ye became the ruined people.

person who does 48:13. Truly any not trulv The Ever Almighty God and His believe in indeed, We (The Ever Almighty surely Messenger; The Eternal King of the Entire Universe. God. The Eternal The Creator and Lord and of the Entire Universe) have prepared Sustainer for the unthankful disbelievers the Blazing Hellfire.

Truly only to The Ever Almighty 48:14. God Kingdom of the Eternal all the belongs whole earth. He forgives and the heavens any and He punishes any person Wills person He Wills. Truly The Ever Almighty God He is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

Those who remained behind will eventually 48:15. towards ve set out when the war say, take it: "Permit follow booty to us also to They ye!" wish change the Words to of Ever Almighty Thou The God. must say: may not "Ye follow Thus The Ever us. Almighty God before!" has said Then they will eventually say: "But ye envy in fact us!" But in fact they do not understand except very little.

Muhammad! {The Thou 0 48:16. Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Gracerfully Compassionate, The Most Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Equitable, The King Eternal of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe and every of the to each one Human Beings P.m.b.u.h of the must say to those who remained behind of the nomadic Arabs: "Ye invited against will be the soon people warfare may fight having immense power, ye So. against them, or they will surrender. if obey, The Ever Almighty God will give ve ye the good reward. But if ye turn away just like away before, The Ever Almighty ve turned God will punish ye with the painful punishment!"

48:17. There is no guilt upon the blind and is guilt upon the lame there no and there is no the sick. Truly any upon guilt person who wholly obeys The Ever Almighty God and His Messenger, He will make such a person to enter Everlasting Gardens beneath the which into rivers flow, truly any person who turns He will away, punish such a person with the painful punishment.

48:18. Indeed, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, Ever Living, The Eternal King The of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe was in well pleased with the true fact believers when they pledged allegiance to thee under the tree. Truly The Ever Almighty God knew very well whatever was in their hearts; therefore, The Ever Almighty God sent down serenity upon them, He awarded them with the near victory. and

48:19. And abundant spoils of War which the true believers will take. Truly The Ever Almighty God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

48:20. The Ever Almighty God has promised ye believers abundant spoils of war the that true will take, and He has hastened this victory ve and He has restrained the hands for ye, of Humankind from ye, and for the purpose that a Miraculous Sign will the it be for true Ever Almighty God may believers, and The the true believers to the Straight Path. guide ye

48:21. Truly there are many other gains over which ye the true believers do not have any power; indeed, The Ever Almighty God has encompassed them. Truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

48:22. Truly if the people who unthankfully disbelieve were to fight against ye the true believers; indeed, they would have turned their backs in flight; thereafter, they would not have found any protecting friend nor any helper.

48:23. This has been the equitable established Way Ever Almighty God which of The has in fact place earlier. Truly will already taken thou not equitable find any change in the established Wav Ever Almighty God (The Ever of The Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of A11 Ever Owner of All Praise. The Glory, The Ever Protecting Excellent Friend, Most The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Eternal King of the Entire Universe. The The and Sustainer of the Entire Universe). Eternal Lord

48:24. Truly The Ever Almighty The God is God has withheld their hands back from the Who ye believers and your hands back from true them of Makkah, in the midst even after The Ever Almighty God had made ye victors over them. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever actions all of ve ever do.

Such who 48:25. the people unthankfully are and obstructed the disbelieved ye true believers Sacred Mosque, while offering the from the was reaching its prevented from place of sacrifice. had not Truly if there believing been and men ye believing women whom did not have any knowledge, that ye may have killed them: therefore. account a sin would have committed on whose been any knowledge, for the purpose ye without by that may make The Ever Almighty God to enter into Mercy any person if His He Wills. they had separated; indeed, clearly We would been have punished the people who unthankfully disbelieved them with the painful punishment. from among

48:26. When the people who unthankfully disbelieved put into their hearts arrogant pride, had the arrogant pride of time of ignorance, then the Ever Almighty God sent down serenity The upon and upon the true believers, Messenger His and them to He made stand firmly the word of justly devout and they were deserving of piety, and worthy of it. Truly The Ever Almighty it The Ever All Knowing of Everything. God is

48:27. The Ever Almighty God **(**The Indeed, Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Merciful. The Ever Most Kind. The Ever Most The Creator of Everything Everywhere, Forgiving, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, Self-Reliant, The Ever The Ever All Self-Sufficient Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Most Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Good-Looking, The The Ever Ever Most of the Glorious, The Owner Ever Most Good The Ever Most Supremely Holy, The Ever Names. All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Ever Most Good. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe has in fact showed the dream Messenger precisely true to His to the reality. will enter the Sacred ye Mosque if Indeed. The Ever Almighty God Wills, peace in and with your heads shaved and with security your hair shortened, ye will have not any fear. The Ever Almighty God had full knowledge surely which ye did not have any knowledge, of that surely He awarded apart from that the near victory.

48:28. The Ever Almighty God is The God Who sent His Messenger Muhammad, (the Honourable has Trustworthy and the Truthful the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Truthful. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Equitable, The Eternal King Ever Most of the The Creator and The Eternal Lord Entire Universe, Universe and Sustainer of the Entire every one to of Humankind P.m.b.u.h³ with the Correct Heavenly the True Religion for Guidance the purpose and True Religion victorious make this over to all Truly The Ever Almighty God is other Religions. The Ever All Sufficient as The Ever Present Witness.

Honourable and Muhammad (the 48:29. the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever The Ever Living P.m.b.u.h) is Almighty God, the Messenger of The Ever Almighty God. Surely the believers who are with the Messenger true are firmly mighty against the unthankful disbelievers. tenderly merciful always among themselves. but see them bowing and prostrating Thou will in Prayer, simply seeking the Grace from The Ever Almighty God and His All Blessed Delight. Their their apparent on faces from the mark is traces of prostration. This is their description in the Torah. And their description in the Gospel; just which produces its offshoots. like the seed then then they strong, grow makes them firm and stem, delighting the sowers, rises on its for the purpose that The Ever Almighty God may infuriate the unthankful disbelievers. bv The them Ever God Almighty has promised the people from among them who truly believe and do righteous good actions, forgiveness and the mighty reward.

49: Sûrah Chapter Al-Hujurat The Apartments M.V. 18

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

who people 49:1. 0 the truly believe! ye proceed before Ye must not ever The Ever His Messenger Almighty God and in words. always fear The And ve must Ever Almighty The Ever God! Certainly, Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

people the who truly 49:2. 0 believe! ye raise your voices Ye ever above must not voice of Prophet and ye the the must not Prophet speak the aloud ever to SO as ve another, lest all your speak aloud righteous to one may become worthless actions while ve good the people who truly believe do not even perceive.

Certainly, the people who lower their voices in 49:3. the presence of the Messenger of The Ever Almighty they the ones whose hearts The God. Ever are Almighty God has tested for devout piety. They forgiveness and the mighty reward. will have the

49:4. Certainly, the people who call out thee to Muhammad! {The Honourable and 0 the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of and the and The The Almighty God, Ever Owner of Ever A11 Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The and Creator The Sustainer of Lord and the Entire Eternal Universe P.m.b.u.houtside the Apartments, from most of their intellect to equitable. do not use them be

Truly if they had been 49:5. steadfastly patient Muhammad! (The Honourable until thou 0 and and the Truthful Messenger the Trustworthy and The Prophet of The Ever Almighty God, Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, Most Excellent The Ever Helper, The Ever Most Beautiful, The Good-Looking, Ever Most The King of the Entire Universe, The Eternal Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe, had come out to them, indeed it would have been supremely Truly The Ever Almighty God is better for them. Most Forgiving, The Ever Most Merciful. The Ever

the people who truly believe! 49:6. 0 ve If ye there comes any unthankful rebellious ever to with then ye person any news, must always investigate thoroughly in case ye the true believers people of ignorance, out then may harm later regretful over what ve become ye have done.

true believers must know with Surely ye the 49:7. among ye there is that the Messenger certitude Almighty God. If Messenger of The Ever the of Almighty God ye obey The Ever were the to of the matters, believers indeed in most true would suffer. but The Ever Almighty God ve ye love True the Faith, He has made and made it pleasing to your hearts He has and hateful has made to ve unthankful disbelief rebellion disobedience. unthankful and and Such who follow the Heavenly Guidance. the people are

Through the Grace from The 49:8. Ever Almighty and His Favour and Blessing. Truly The Ever God Almighty God The Creator of the Entire Universe All Knowing, The Ever is The Ever All Wise.

Surely if two parties from 49:9. among ye the fight each other. believers then the true ve peace between both believers must make of true of them unjustly transgresses But if one them. other, then the true against the ye believers fight against the party that must unjustly until that party complies the transgresses to Ever Almighty God. The Command of Then if party complies, surely ye must make that peace of them with between both true justice, trulv Certainly. always true justice. ve must do The Ever Almighty God loves the equitable people.

believers true 49:10. All the are nothing else therefore, ye true than brothers: the believers always make peace between must your brothers. Truly ve the true believers must always fear The Almighty God for the purpose Ever that ve may receive Mercy (from The Ever Almighty God, The Owner of All Praise, Ever The Ever Owner of Glory, The Ever Most Excellent Helper, The All Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever King of the Entire Universe. The Eternal The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

49:11. the people who Ο truly believe! ye ever let any people ridicule Ye must not any people; it may be that they than are better ridicule them. nor let any women at any women, they it may be that are better than them. defame of ye must not And all ever one another, ye and all of not insult must ever one another offensive It is unthankful rebellion bv names. an offensive after the to use name True Faith. Truly any person who does not truly repent, surely indeed the iniquitous wrongdoers. such people are

people who truly believe! Ye 49:12. O ye the always avoid making too many speculations! must are speculations sinful. And Certainly, some ve the must believers not ever spy another! true one on And believers must not ever backbite ve the true another! Would any one of ve the true one believers like to the flesh of his dead eat Surely ye would hate it. And ye brother? the true always fear The Ever Almighty God! believers must Ever Almighty God The is The Ever Certainly, Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful.

ye each every one of Humankind! 0 and 49:13. The Ever Almighty God, The We Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. All Glory, Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Most Ever Most Glorious. The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) have created and each and every one of ye from a single man woman (Adam and Eve P.m.b.u.t), and We and made ye Humankind into nations and tribes have for the purpose that ye may recognise each other. Certainly, the most honourable of ye in the Sight is The Ever Almighty God the most of devoutly pious of ye. Certainly, The Ever Almighty God The Ever All Knowing, The Ever All Aware. is

The nomadic Arabs say: "We have believed." 49:14. O Muhammad! (The Honourable Thou and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Owner of All Praise. The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Helper, The Ever Most Beautiful, The Excellent Good-Looking, King Ever Most The Eternal of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Ye have not yet truly believed, must say, 'We have wholly submitted!' ve but True Faith Truly the vet entered has not vour hearts. Truly if ye wholly obey The Ever Almighty His Messenger, The Ever Almighty God and God decrease anything in reward will not for vour Certainly, The Ever Almighty Actions. God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

believers 49:15. The true are only the ones who truly The Ever Almighty believe in God and Messenger; thereafter, they His do not ever doubt strive hard with always and their and they wealth Straight the Path their lives in of The Ever Almighty God. Such people are indeed the truthful.

49:16. Thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The Eternal Lord and Sustainer of the every one of Humankind P.m.b.u.h? Entire Universe to ye people informing say: "Are The must Ever about your religion while The Ever Almighty God Almighty always knows very well Everything God Everything heavens and is in all the that that is in the whole earth. Truly The Ever Almighty All Knowing of Everything?" God is The Ever

49:17. The Muslims regard it the favour to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Ever Most Beautiful, Helper. The Ever Most The Eternal of Good-Looking, King the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the each Entire Universe to and of every one Humankind P.m.b.u.h, that they have wholly submitted the All Blessed Will and €to follow all the Commandments of The Ever Almighty God³, Thou say: "Ye people must not ever count must vour Islam (total submission to follow the All Blessed Will and the Commandments of The all Ever Almighty God as a favour to me. But in fact. The Ever Almighty God has awarded the Mighty all of ye guided Favour upon that He has the True faith, if ye are the truthful!" ve to

Certainly, The Ever Almighty God (The Ever 49:18. Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Merciful, The Ever All Wise, The Ever Owner of Praise, Owner of Glory, All The Ever All The Most Excellent Protecting Friend, Ever The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful. Ever Most Good-Looking, The The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal of the Entire Universe always Lord and Sustainer knows very well all the Unseen of all the heavens whole Truly The Ever Almighty the earth. and All Seeing of whatever actions is The Ever God and every one of ye Humankind ever do. each

50: Sûrah Chapter Qaaf The Miraculous Verses 45

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

€I The Ever Almighty 50:1. Oaaf. God. The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most All Praise, The Ever Owner Merciful. of The All The of Glory, Owner Ever All Ever Self-Sufficient Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, Ever Most Truthful, The Ever All Knowing The of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever High, The Ever Most Equitable, The Most Ever Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Most Good-Looking, The Ever The Ever Most Truth, The Glorious. Ever Supreme The Ever Supreme Greatness, The of the Owner Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Everything, The Eternal King Over Witness of Creator Universe. The and The the Entire Eternal Entire Sustainer of the Universe Lord and swear} by the Ever Supremely Glorious Our'an.

fact, they wonder 50:2. in that But there has them the Constant Warner from to come themselves; surely the unthankful disbelievers among "This is a miraculous say: thing!

again back life 50:3. То come to after we have died and we have become have dust? This extremely far-fetched return!" is an

50:4. We (The Ever Almighty God) in fact always know what the earth consumes of their bodies; and in Our Providence there is the Well Preserving Book.

in fact the unthankful disbelievers 50:5. But have unthankfully denied The Whole Truth {the Ever Ever Supremely Honourable and the Supremely Glorious and the Ever Supremely Wise Qur'an from The Ever Almighty God to each and every one Beings) of the Human as soon as it came to them: therefore, of confusion. they are in a state

then observed at the heaven they 50:6. Have not how We (The Ever Almighty God, them: above The All Wise have made heaven Ever the and We adorned it there rifts and therein? have are no

And the earth: We (The Ever Almighty God 50:7. spread We placed have it out and have the in firmly mountains and We have set produced earth of beautiful things in pairs. therein all kinds

50:8. Giving insightfulness and the Reminder as servant who for everv turns in repentance The Ever Almighty obedience and to God.

We The Ever 50:9. Truly Almighty God. The Eternal King of the Entire Universe } have sent blessed rainwater from the heaven, down and We have grown thereby gardens and the harvest grain.

50:10. And tall palm trees laden with clusters of dates,

for all the 50:11. As the sustenance servants. and We (The Ever Almighty God} with the water life the dead land. Just like have given to dead will this all the be resurrected (°on the Judgement Mighty Day of Resurrection and Final Requitals in the Eternal Afterlife World. the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

50:12. The people of Noah (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Eternal Lord and Sustainer of the Entire The Universe P.m.b.u.h unthankfully denied before them, the residents of Ar-Rass, and Thamud, and

50:13. And 'Aad and Pharaoh and the brothers of Lot (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h.

50:14. And the residents of the forest and the people of Tubba. Each and every one of them unthankfully denied the Messengers; therefore, My Warning was equitably fulfilled.

We (The Ever Almighty God, The 50:15. Were Mighty, The Eternal King Ever Most of the Universe. The Creator The Entire and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } tired by the first creation? But in fact. the unthankful deniers doubt about the new are in creation.

50:16. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) have in fact created each and every Human Being and We always know very well whatever his soul whispers to him. Truly We are always nearer to each and every Human Being than his jugular vein.

50:17. When the two recording Angels record, one on his right side and one on his left,

50:18. The Human does Being not utter any observing word there is always an but Angel ready (to write him down with every word.

50:19. Truly the trance of death will come in truth. This is what thou have been avoiding.

Trumpet will be blown, Truly the 50:20. this is Day of the Warning (the Final Mighty Day the Judgement and and Reckoning of Resurrection the Eternal Afterlife Requitals in World. and the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

each and 50:21. Truly every person will come drive forth. attended be Angel to him an another Angel bear and witness. to

50:22. "Indeed thou the Human Being were in heedlessly neglectful about this fact Day; now removed from We have thee your cover. Day your this sight is very sharp!" surely

50:23. And his Angel companion will say: "Here is this Record with me prepared!"

50:24. "Ye the Angels must throw into Hell every rebellious unthankful disbeliever,

50:25. Every person who was the constant preventer from good and unjust transgressor and doubter,

Each every person who 50:26. and along made Ever Almighty God **{**The with The Creator and Sustainer The Eternal Lord and Entire of the Universe) any other god; surely ye the Angels must throw such a person into the severe punishment!"

50:27. The devil companion of the Human Being will say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer him of us! I did not make transgress, but was himself straying far far away!" he

50:28. The Ever Almighty God will say: "Ye must not argue in My Presence while I had in fact gave ye the Warning beforehand,

50:29. The Word of Judgement will not be changed in My Presence, truly I (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) am not ever iniquitous to the servants!"

the Day when We (The Ever Almighty 50:30. On God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Most Merciful. The Ever Owner Ever of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever The Ever Self-Sufficient Self-Reliant, All Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, Ever Most High, The Ever The Most Equitable, Ever Most Excellent Helper, The Ever The Most The Ever Most Good-Looking, The Ever Beautiful. Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Over Everything, The Eternal King Witness of Entire Universe, The Creator the and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord say to the Hell: "Are thou full?" will Truly Hell will say: "Are there more?" the any

50:31. Truly the Everlasting Garden will be brought close to the righteous people who feared The Ever Almighty God, it will not longer be distant.

50:32. (It will be announced to the righteous people The Ever Almighty God): "This is who feared promised, this is what for ye were every turned in true who repentance The to person Ever Almighty God and kept His Commandments.

who 50:33. Every person feared The Ever Gracefully Compassionate in private Most unseen, came with a heart returning in repentance and The Almighty Ever obedience to God. and

50:34 Ye must enter the Everlasting Garden in peace. This is the Day of Eternity!"

people will 50:35. Such have in the Everlasting whatever they desire, and We Garden (The Ever Almighty God even have more *(Favours)* and for Final Blessings them on the Day of Reckoning Judgement Resurrection and and and Afterlife the Eternal World. Requitals in the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

50:36. How many of the generations We have destroyed before them who were mightier than them in power, surely they wandered throughout the cities. Is there any place of refuge?

Certainly, in this Book 50:37. Qur'an there is Reminder indeed the Wise for each and everv understanding who has a heart and he person attentively while he is constant witness. listens a

Truly indeed, We (The True God have 50:38. in created all the heavens and the whole earth fact Everything that is between them in Six Days, and truly We were not touched with any tiredness.

50:39. Surely thou O Muhammad! (The Honourable Trustworthy the Truthful Messenger and the and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h? and always be steadfastly patient over whatever must and thou must Glorify with they say, the Praise The Eternal Lord and Sustainer of thee of before the and before the rising of sun its setting.

50:40. And thou must Glorify The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe) during some part of the night and after the prostrations.

50:41. Truly listen attentively! On the Day when the caller will call from a place close by,

The Day when each and every 50:42. one of Humankind will hear the mighty roaring blast in will the Day of coming forth. that be truth.

(The 50:43. Certainly, it is We Ever Almighty who give and We life death: God} cause only to Us truly is the final destination.

50:44. On the Day when the earth will break away from them, they will emerge rapidly; that gathering (of each and every person of the Human Beings and the Jinn Beings) is easy for Us.

50:45. We are The Ever Most Knowing of whatever disbelievers truly the unthankful ever say, thou 0 **{**The Honourable and the Trustworthy Muhammad! Truthful Messenger Prophet of and the and The Almighty God to each and Ever every one of Humankind P.m.b.u.h are not a tyrant over them. Surely must remind by this Book thou Our'an and every person who fears My Warning. each

51: Sûrah Chapter Az-Zariyat The Scattering Winds M.V. 60

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The 51:1. €Ι The Ever Almighty God, Ever Most Compassionate, The Gracefully Ever Most Merciful. Owner of All Praise. The Ever Owner The Ever of Self-Sufficient All The Ever All Self-Reliant. Glory, The Trustworthy, The Ever Most Ever Most Truthful. All Knowing of Everything, The Ever The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever The Ever Good-Looking, Most Beautiful. Most The Glorious, The Ever Supreme Ever Most Truth. The Supreme Greatness. Ever Owner of the The Ever The Everything, All Encompassing Over Ever Witness Everything, Present Over The Eternal King Universe. The of the Entire The Creator and of Lord Sustainer the Entire Eternal and Universe swear} by the winds scattering that scatter,

by the clouds that carry heavy burdens. 51:2. And by those that float with ease, 51:3. And 51:4. Angels who distribute And by those bv Command (of The Ever Almighty God). the

51:5. Certainly, whatever each and every one of ye Humankind are promised is indeed wholly true.

Requitals Judgement 51:6. For the and will sure pass fon the Final Mighty Day indeed come of to Judgement Reckoning and Resurrection and and Requitals Eternal Afterlife World. the in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

51:7. Truly by the heaven containing pathways,

Certainly, ye Humankind are indeed differing in 51:8. say (about The Ever Almighty God and ye what Angels and His Books and His Messengers His Mighty Day of and the Final Resurrection and Reckoning and Requitals and and Rewards Judgement Recompense in the Eternal Afterlife World, and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

51:9. Any Human Being who turns away from this Book Qur'an, such a one is truly deceived.

51:10. Destroyed are those who follow untruth, 51:11. Those who are in ignorance and heedlessness.

51:12. The unthankful disbelievers are asking: "When is the Day of Judgement and Requitals coming?"

51:13. That is the Day when the unthankful disbelievers will be tormented over the Hellfire:

51:14. "Ye the unthankful disbelievers must feel your torment! This is that for which ye used to hasten!"

51:15. Certainly, the righteous people who fear The Almighty God will be in the Everlasting Ever water springs (on the Final and Gardens Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Afterlife Requitals in the Eternal World. and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

51:16. They will be gratefully accepting whatever (Favours and Blessings) The Eternal Lord and Sustainer of them will award them. Certainly, they used to do righteous good actions before.

51:17. The righteous people who feared The Ever Almighty God (The Creator of Everything) used to sleep only for a short time of the night.

And at the time before dawn they used 51:18. to pray for forgiveness (from The Ever Almighty The Ever Owner of All Praise, God. The Ever The Ever All Self-Sufficient All Glory, Owner of Self-Reliant, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Equitable, The Ever Excellent Ever Most Most Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most The Ever All Encompassing Good-Looking, Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

51:19. And in their wealth there was always the equitable due right for the beggars and the deprived.

51:20. Truly there are many Miraculous Signs in the earth for those who believe with certitude,

51:21. And (there are many Miraculous Signs) in yourselves O ye each and every one of Humankind! Despite that will ye Humankind not observe?

51:22. Truly in the heaven there is sustenance for each and every one of ye Humakind and whatever each and every one of ye Humankind are promised.

51:23. Certainly, by the oath of The Eternal Lord Sustainer of the heaven and the whole earth! and Supremely Honourable Qur'an Certainly, the Ever is indeed The Whole Truth, just like whatever each every one of ye Humankind speaking. and are

51:24. Has the story of the Honoured Angel Guests of Abraham (the Honourable the and Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h? thee O Muhammad! (The Honourable reached and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Most The Ever Merciful Almighty God, to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h??

51:25. When they came to Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) and said: "Peace!" Abraham (P.m.b.u.h) also said: "Peace; ye are an unknown people!"

51:26. Then Abraham (P.m.b.u.h) went to his household and came with a roasted calf,

51:27. Then Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The True God P.m.b.u.h) placed it near them; and he said: "Will ye not eat?"

51:28. Then Abraham (P.m.b.u.h) felt afraid of them. The Honoured Angel Guests said: "Thou must not be afraid!" Truly they gave Abraham (P.m.b.u.h) the good true news of a Son having great Knowledge.

wife 51:29. Then his (Sarah P.m.b.u.hcame loud forward with the cry, and struck her face and said: "Ι barren old woman!" am a

Honoured Angel Guests 51:30. The "This said: The Eternal what is exactly Lord and Certainly, He is Sustainer of thee has said! The Ever All Wise, All Knowing. The Ever

51:31. Abraham (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the and the Friend of The Ever Almighty God, The Close Ever Mighty "Then P.m.b.u.h said: what Most is your assignment, O ye the Messengers (P.m.b.u.t)?"

51:32. The Honoured Angel Guests said: "We have been sent to the iniquitous criminal people,

51:33. For the purpose to rain upon the iniquitous criminal people stones of clay,

51:34. Marked in the presense of The Eternal Lord and Sustainer of thee for the unjust transgressors!"

Surely We (The Ever Almighty God. 51:35. The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Eternal Lord of Universe } Universe. The the Entire brought out every one who was of the true the cities fof Sodom and believers in Gomorrah.

We (The God} Ever Almighty 51:36. But did the cities Sodom and Gomorrah} find in {of not the Muslims {those of one house who except wholly follow the All Blessed Will submit to and all the Commandments of The Ever Almighty God.

Almighty Truly We (The Ever 51:37. God, The King of the Entire Universe. Eternal The Eternal Entire Universe left Lord of the have in the and Gomorrah) the Miraculous Sign fof Sodom cities for the people who fear the painful punishment.

Truly there another Miraculous Sign 51:38. is in (P.m.b.u.h) when We sent him Pharaoh Moses to the Clear Miraculous Sign Authority. with of

51:39. Surely Pharaoh (the unjust transgressor) turned away along with his supporters and Pharaoh said: "This is a magician or a madman!"

Therefore, We (The Ever Almighty God, The 51:40. of the Entire Universe, The Eternal Eternal King Sustainer of the Lord and Entire Universe } and his soldiers and seized Pharaoh We threw sea, truly Pharaoh was blameworthy. them into the

51:41. Truly there is another Miraculous Sign in Aad when We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) sent upon them the destructive windstorm.

51:42. The destructive windstorm left nothing of whatever it came upon except that it made it just like disintegrated ruins.

51:43. Truly there is another Miraculous Sign in Thamŭd when they were told: "Ye may enjoy beneficil provisions for a time!"

51:44. Surely they unjustly transgressed against the Command of The Eternal Lord and Sustainer of them; therefore, the roaring blast seized them while they were observing.

51:45. Then they were unable to get up, nor could they defend themselves.

51:46. And the people of Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) before them. Certainly, they were the unthankful rebellious people. 51:47. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King Entire Universe, The Eternal of the Lord and of the Entire Universe have constructed Sustainer Heavenly Universe with Our Hands. For the sure We indeed expanding it to the vast extent. are

51:48. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Living) have spread out the whole earth; surely We are The Ever Supremely Excellent Spreader.

51:49. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have created pairs of Everything, for the purpose that each and every one ye the Human Beings may heedfully remember.

51:50. Therefore, ye each and every one of ve the Human Beings must flee to The Ever Almighty Certainly, I Muhammad, (the Honourable God. and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Almighty Prophet of The Ever God P.m.b.u.hThe Ever Almighty God the Clear from am to each and every one of ye. Constant Warner

51:51. And ye each and every one of ye the Human Beings must not ever set up any other god along with The Ever Almighty God. Certainly, I am from The Ever Almighty God the Clear Constant Warner to each and every one of ye.

51:52. Similarly, no Messenger came to the people even before them except that they also said: "The Messenger is a magician or a madman!"

51:53. Did they instruct one another to do this? But in fact they are unjust transgressing people. 51:54. Surely thou must turn away from the unjust transgressing people; indeed, thou are not in any way blameworthy.

51:55. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must always remind; surely indeed the Wise Reminder always benefits the true believers.

51:56. Truly I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have not created all the Jinn Beings and all the Human Beings except for the purpose that all of them always worship only Me.

51:57. I do not desire from the Jinn Beings and the Human Beings any sustenance; nor do I desire that they should feed Me.

51:58. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Supreme Sustainer, The Ever Most Powerful, The Ever Most Strong.

51:59. Surely indeed for the people who have committed inequity, for them there is the portion of punishment just like the portion of punishment of their alike predecessors, so the iniquitous wrongdoers should not ask Me to hasten it!

51:60. Surely there will be destruction to the people who unthankfully disbelieve from their Eternal Afterlife Day, which they are promised.

52: Sûrah Chapter At-Tûr The At-Tûr Mountain M.V. 49

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ever Almighty God, The Ever 52:1. **∳I** The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. Glory, All The Ever Most Trustworthy, The Ever Most The Truthful. The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Everything, The Ever Witness Over Living, The of the Entire Universe, The Creator King Eternal Eternal Lord and Sustainer of and The the swear) by the At-Tûr Mountain; Universe Entire

- 52:2. And by the Book Inscribed,
- 52:3. In Parchment spread open,
- 52:4. And by the Al-Ma'mûr House,
- 52:5. And by the heavenly roof raised high,
- 52:6. And by the surging sea,

Certainly, the requital punishment 52:7. The of Sustainer Eternal Lord and of thee (The Ever Almighty God will indeed come to pass, 52:8. that There is none can prevent it.

52:9. On the Day (of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards in and Eternal Afterlife World, the measured the extent Fifty Thousand Years) is whereof when the shake with the dreadful shaking, heaven will

52:10. And the mountains will move away swiftly,

52:11. Surely there will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers,

52:12. Those unthankful deniers who amuse themselves with iniquitous chatter.

52:13. The Day when the unthankful deniers will be pushed violently towards the Fire of Hell.

52:14. "This is the Fire of Hell which ye the unthankful deniers used to unthankfully deny.

52:15. Surely is this the Fire of Hell magic, or do ye the unthankful deniers still not see?

52:16. Ye the unthankful deniers must burn in the Fire of Hell, it is all the same for ye whether ye are steadfastly patient or ye are not steadfastly patient. Ye are only being equitably requited for the extremely evil actions ye used to do!"

52:17. Certainly, the righteous people who fear The Ever Almighty God (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will be in the Everlasting Gardens and Delight,

52:18. They will be enjoying whatever Favours and Blessings The Eternal Lord and Sustainer of them will award them, truly The Eternal Lord and Sustainer of them saved them from the requital punishment of the Blazing Hell.

52:19. "Ye the righteous people who feared The Ever Almighty God may eat and drink pleasantly solely because of the righteous good actions ye used to do!"

52:20. They will be reclining on thrones lined up, and We (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will marry them to houris having beautiful large eyes.

Surely the people who truly believe and 52:21. followed them from those who among their True We (The Faith, descendants in the Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will also unite their descendants with and We will not reduce anything all them. at from their righteous good actions. Every person is held responsible for whatever actions he ever earned.

52:22. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will provide them with fruits and meat of whatever kind they desire.

Therein (on the Final Mighty Day 52:23. of and Judgement and Requitals Resurrection in Eternal Afterlife World, the measured extent the whereof is Fifty Thousand Years) they will pass cup of drink, hand which from hand to a will not lead to any evil speech nor any sin.

And there will go around 52:24. them devoted if they were preserved pearls. as youths, the residents 52:25. of the Garden will Truly another, inquiring of each other. approach one

52:26. They will say: "Certainly, before this we used to be fearful among our families,

52:27. Surely The Ever Almighty God has awarded mighty Favour upon us and He has saved us from the punishment of the Scorching Hellfire.

this we 52:28. Certainly, before used to pray Almighty only to The Ever God. Certainly. The Almighty God is indeed The Ever Ever Most Beneficent, The Ever Most Merciful!"

52:29. Surely thou O Muhammad! (The Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and of The Prophet Ever Almighty God and to and every one of Humankind P.m.b.u.heach always Remind, truly by the Favours must and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of thou are not a soothsayer nor thee. a madman.

52:30. Or do they say: "The Messenger is a Poet! We await for him some calamity by time!"

52:31. Thou must say: "Ye may keep on waiting! For sure I am with ye among those who are waiting!"

52:32. Or do their intellect command them to do this, or are they unjust transgressing people?

52:33. Or do they say: "The Messenger has made up this Qur'an?" But in fact they do not believe!

52:34. Surely they must produce some Statement just like this Qur'an; if they are truthful.

52:35. Or have they been created without any creator? Or are they the creators of themselves?

52:36. Or have they created all the heavens fact they whole and the earth? But in do believe with certitude {in the Whole Truth. not

52:37. Or do they have in their possession the treasures of The Eternal Lord and Sustainer of thee? Or are they the controllers of them?

52:38. Or have they any stairway into the heaven by means of which they listen? Then their listener should produce the Clear Miraculous Sign of Authority.

52:39. Or has The Ever Almighty God daughters while ye the unthankful disbelievers have sons?

is it that thou 52:40. Or ask from them payment; therefore, that they are burdened any a load of debt? with 52:41. Or do they have in their presence the knowledge of the Unseen, so they write it down?

52:42. Or do they intend any iniquitous plan? Surely the people who unthankfully disbelieve, they are the ones who are the target of the plan!

do they have any 52:43. Or other true god Ever Almighty God? Glory with The All than Complete Holiness is only to The Ever Almighty God whatever gods the polytheist above from all far ever associate with The Ever Almighty God.

52:44. Truly if they were to see a fragment falling down from the heaven, they would say: "It is merely clouds heaped up!"

52:45. Surely thou O Muhammad! {The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, Ever and Prophet of The The Ever Owner of of All Praise, Owner All The Ever Most Beautiful, The Ever Glory. Most The Eternal King of Good-Looking, the Entire and Universe. The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h must leave the unthankful disbelievers until they meet their Eternal Afterlife they will Day in which be struck insensible.

52:46. The Day (of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when the plan of the unthankful disbelievers will not benefit them at all, nor will they be helped.

indeed for the Truly people 52:47. who there iniquity, is a requital punishment commit that. but of the iniquitous most before wrongdoers do not have any Heavenly Knowledge.

52:48. Truly thou must always be steadfastly patient for the Command and the Judgement of The Eternal Lord and Sustainer of thee; surely indeed thou are always before Our Watchful Eyes, truly thou must always Glorify with the Praise of The Eternal Lord and Sustainer of thee whenever thou rise up.

must Glorify 52:49. As well thou The as Ever Almighty God during some part night of the the setting of the and also after stars.

53: Sûrah Chapter An-Najm The Star M.V. 62

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The Ever Almighty God, The Ever Most 53:1. **€I** Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All The Praise. Ever The of All Glory, Ever All Self-Sufficient Owner Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Most Equitable, The Ever Most Ever Excellent Helper, The Ever Most Kind, The True God. The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever Most Glorious. The Ever Supreme Truth, The The Ever Owner of the Supreme Greatness. The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Everything, The Eternal Over Present Witness of the Entire Universe, The Creator King and Eternal Lord Sustainer of The and the Entire Universe swear, by the Star when it descends.

The Companion of ye the true believers 53:2. Muhammad (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and the Prophet of The and Almighty God, The Ever Most Merciful. Ever The Most Forgiving, The Ever All Wise. Ever The Ever The Ever Mighty, Most Supremely Holy, The Most Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever Most Equitable, The Eternal The Ever King of Entire Universe. The Creator The the and Eternal Sustainer of Universe Lord the Entire and to and every one of the Human Beings P.m.b.u.h? each strayed in any way nor has he erred. has not

53:3. Truly the Honourable Messenger does not ever speak from his own desire.

53:4 It is not in any way except the Miraculous Revelation that is Miraculously Revealed,

53:5. The Honourable Messenger has been taught by the one mighty in power.

53:6. The owner of resolute splendor; surely he (the Mighty Angel Gabriel, the Holy Spirit Gabriel P.m.b.u.h) appeared in his original form,

53:7. Truly he (the Mighty Angel Gabriel, the Holy Spirit Gabriel, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God from among the Angels P.m.b.u.h) was on the highest part of the horizon.

53:8. Thereafter, he approached and came closer,

53:9. Surely he (the Mighty Angel Gabriel, the Holy Spirit Gabriel, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God from among the Angels P.m.b.u.h) was at the distance of two bows or even closer,

53:10. Surely The Ever Almighty God Miraculously Revealed to His Servant Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise. The Ever Most Mighty, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator Eternal Lord and Sustainer of the Entire The and Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h), whatever He Miraculously Revealed.

53:11. The heart of Muhammad (the Honourable and Trustworthy and the Truthful the Messenger and God, of The Ever Almighty The Ever Prophet Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Beautiful, The Ever Good-Looking, The Ever Most Equitable, The Most King of the Entire Universe, The Creator Eternal and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one of Universe each the to Human Beings P.m.b.u.h did not lie about what it saw.

53:12. So, will ye people dispute with the Honourable Messenger over whatever he saw?

Truly indeed, the Honourable 53:13. Messenger in fact saw him (the Mighty Angel Gabriel, the Trustworthy and the Honourable and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God, The Eternal Sustainer of the Entire Universe Lord and from among the Angels P.m.b.u.h) during another descent.

53:14. Near the Lote Tree of the utmost boundary,

53:15. Near the Lote Tree of the utmost boundary there is the Everlasting Garden of the Eternal Abode.

53:16. When there covered the Lote Tree whatever covered it!

53:17. The eyesight of the Honourable Messenger did not falter in any way, nor did it transgress any limit.

Honourable Messenger 53:18. Indeed. the has in of the Greatest fact some Miraculous seen Signs The Eternal Lord Sustainer of of and him.

53:19. So, have ye considered Laat and Uzza, 53:20. And the other one, Manaat the third.

53:21. Are the males for ye people and the females for The Ever Almigty God?

53:22. Then, this is indeed an unjust division.

They are any 53:23. not in way except mere polytheists have which ye the names named, ve your forefathers. Almigty The Ever God and has Miraculously Revealed any Miraculous Sign of not Authority for them. The polytheists do not follow any way except speculation and in whatever their desire. Truly indeed, there has selves in fact and every one Humankind of the each come to Heavenly Guidance from The Eternal Lord and Sustainer of them the Ever Supremely Honourable Supremely Glorious the Ever and the and Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous the Ever Supremely Wise and and the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and Reminder and the Miraculous Proof the Wise and Clear Light and the True Insightfulness the and Heavenly Guidance from The Ever Almighty the God each and every one of Humankind. to

53:24. Or is there for the Human Being whatever for *{without* the he wishes All Blessed Will of Almighty God, The Ever Equitable, The Ever Most the Eternal King of Entire Universe, The The and Sustainer of the Entire Universe? Eternal Lord

53:25. Surely only to The Ever Almighty God (The Creator of Everything) belongs the Eternal Afterlife World and the First present Earthly World.

53:26. Truly how many Angels are there in whose intercession will not the heavens benefit except The Ever Almighty all after God at given permission for whoever The Ever has Almighty God Wills and He is pleased with.

53:27. Certainly, the people who do not truly believe in the Eternal Afterlife World; indeed, they give the Angels female names.

53:28. Truly they do have any Heavenly not thereof. They follow nothing knowledge except speculation, truly indeed speculation has value no against The Whole Truth. at all

53:29. Therefore, thou O Muhammad! (The Honourable Truthful Messenger the Trustworthy and the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Wise, The Ever Most Mighty, The Ever All Most The Ever Most Supremely Holy, The Ever High. Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Most The King Equitable, Eternal Ever Most of the The Creator and Entire Universe. The Eternal Lord Sustainer Entire Universe of and the each to Human Beings P.m.b.u.h every one of the and from every person who must turn away turns our Wise Reminder and desires nothing away from this present Earthly World. except the life of

This the grade they could 53:30. is reach of The Eternal Certainly, Lord knowledge. and Sustainer of thee is The Ever Most Knowing every person who has and of each gone Straight Path, His and He astray from is The Ever Most Knowing of each and everv person who follows the Heavenly Guidance.

53:31. Truly only to The Ever Almighty God belongs Everything is all the that in heavens Everything that the whole is in earth for and that He may justly requite the purpose the actions people who for whatever commit evil they have done. and He may award the people who do righteous actions with good reward. good the

The who avoid all the people major 53:32. sins immoralities except all kinds of the minor and Certainly, The Eternal and Sustainer Lord sins. of Ever Supremely Vast in Forgiveness. is thee The Ever Almighty God has been The Ever Most The each of and every Knowing one of ve the Human Beings since the time created He has ve from the when were fetuses earth and in the ye your mothers. ye wombs of Surely all of the claim human Beings must not ever for vourselves sanctity. The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of each every person from among the beings who fears The Ever Almighty God. Human

O Muhammad! {The 53:33. Have thou Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Supremely Holy, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Equitable, King of the Entire Universe, The Eternal The and Sustainer Eternal Lord of the Entire Universe of Humankind P.m.b.u.h every to each and one observed the person who turned then away,

little 53:34. Truly only gave he wealth. a stopped? then he and he have his 53:35. Does in presence the knowledge of Unseen, the that he see? SO can

not been informed of what Has he 53:36. is Scriptures of Moses (the Honourable in the written Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Beautiful. The Ever Most Good-Looking, Most The Ever Most Equitable, The Eternal King of Universe. The Creator and the Entire The Eternal and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h. Lord

*€*the 53:37. And Abraham Honourable the and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God. and Supremely Holy, The Most The Ever Ever Most Ever Most Beautiful, The Mighty, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Equitable, The Eternal of the Entire Universe, The Eternal Lord King P.m.b.u.hand Sustainer of the Entire Universe fulfilled his obligations with perfection the one who Will following the of **∲**by All Blessed The all His Ever Almighty God and Commandments??

(Certainly, it is written 53:38. in the Scriptures and Abraham; the Honourable of Moses and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets Almighty God, The of Ever The Ever Most Ever Living P.m.b.u.t that no person Merciful. The with sin will carry the burden of another. burdened

53:39. And truly there is nothing for each and every Human Being except that for what he worked towards.

53:40. And truly the work of each and every Human Being will eventually be seen.

53:41. Thereafter, each and every Human Being will be requited for it with the fullest requital,

53:42. And truly only to The Eternal Lord and Sustainer of thee is the Final End.

53:43. And truly The Ever Almighty God is The God Who makes people laugh and He makes people weep.

53:44. And truly The Ever Almighty God is The God Who causes death and He gives life,

53:45. And truly that The Ever Almighty God is The God Who creates the two genders, male and female,

53:46. From a biological cell when it is emitted.

53:47. And truly upon The Ever Almighty God is the responsibility of creating the final creation (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

53:48. And truly The Ever Almighty God is The God Who gives prosperity and He suffices.

53:49. And truly The Ever Almighty God is The God Who is The Eternal Lord and Sustainer of the Mighty Star Sirius.

53:50. And truly The Ever Almighty God destroyed the first 'Aad; 53:51. And Thamŭd; surely The Ever Almighty God did not spare any of them.

53:52. And the people of Noah (P.m.b.u.h), even before. Certainly, they were more iniquitous and unjustly transgressing.

53:53. The Ever Almighty God Truly destroyed ∲of Sodom cities the overturned and Gomorrah, their extremely evil actions). solely because of

53:54. Surely The Ever Almighty God covered them completely by that which He covered.

Favours 53:55. Then which of the and Blessings of of The Eternal Lord and Sustainer thee Human Being unthankfully will thou the doubt?

{the This Muhammad Honourable 53:56. and the Trustworthy Messenger and Truthful and the Prophet Ever God. Almighty of The The Ever Most Ever Living to Merciful. The each and every one Human Beings P.m.b.u.h is the of the Constant Warner just like the former Constant Warners.

53:57. The Approaching Day is approaching,

53:58. There is none instead of The Ever Almighty God who can avert the Approaching Day.

people then wonder 53:59. Do this Message ye at Ever Supremely (the Statement Honourable and Supremely Glorious the Ever and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely and the Ever Supremely Our'an?? Miraculous Blessed

Truly Why ye do people laugh 53:60. and ve weep? people do not 53:61. Truly ye people vourselves? amuse

people always 53:62. ye Surely must prostrate only Ever Almighty God and The to ve people always worship (only The Ever Almighty God}. must

54: Sûrah Chapter Al-Qamar The Moon M.V. 55

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Final Time (the Final 54:1. The Mighty Day Resurrection and Judgement and Reckoning of Requitals Rewards Recompense and and and Eternal Afterlife World. measured in the the whereof is Fifty Thousand Years} extent has drawn near, truly the moon has split into two.

the Truly whenever unthankful 54:2. deniers see Miraculous Sign, they away, turn and any say: "This continuous is same old magic!"

54:3. Truly they have unthankfully denied and followed their iniquitous desires. Truly every matter will be equitably settled (by The Ever Almighty God).

indeed there Truly 54:4. has in fact come to Human and every one of the each Beings such News wherein there is warning True to deter.

54:5. (The Ever Supremely Honourable and the Ever Ever Supremely Blessed and the Supremely Glorious Ever Supremely Miraculous and the Ever and the the and Supremely Wise Ever Supremely Clear Message Our'an, the Statement and the Wise and the Miraculous Proof Reminder and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance The Ever Almighty God from to each of the Human Beings is every truly and one Extensive Great Wisdom, indeed} the surely the warning not benefit the unthankful deniers. do

Therefore, thou O Muhammad! (The Honourable 54:6. Trustworthy Messenger and Prophet and the of Ever Almighty God, The Eternal King of the The Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord Sustainer of Universe and the Entire P.m.b.u.haway from the unthankful deniers. The must turn the Caller will call them to the terrible thing. Dav

Their gazes will 54:7. be cast down, they will from the graves if emerge as they were spreading (on the locusts Final Mighty Dav Resurrection and Judgement and of Judgement Reckoning and Requitals and and and Rewards Eternal Afterlife Recompense in the World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

54:8. Racing ahead toward the Caller. The unthankful disbelievers will say: "This is a very hard Day!"

people of Noah (the Honourable 54:9. The and Truthful Messenger Trustworthy and the the and The Ever Almighty God, The Eternal Prophet of King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) unthankfully denied before them; surely unthankfully denied Our they servant; and said: "A madman!" And Noah (P.m.b.u.h) was intimidated.

Noah *€*the Honourable 54:10. Then and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire The Universe. The Creator The Eternal Lord and Sustainer and of Entire Universe P.m.b.u.h³ prayed to The Eternal the Lord and Sustainer of him; saying: "Indeed, I have been overpowered; therefore, thou please help me!"

54:11. Then We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) opened the gates of the heaven with torrential rain pouring down.

54:12. Truly We (The Ever Almighty God) caused the earth to burst with water springs. Surely the waters met for a matter already predestined.

54:13. Truly We (The Ever Almighty God) carried Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.h) on the Ark made of wooden planks and nails.

54:14. It was floating under Our Watchful Eyes. It was the reward for Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) who had been unthankfully denied.

54:15. Truly indeed, We (The True God) have in fact left this incident as the Miraculous Sign. So, is there any person who will heedfully remember?

54:16. Surely how severe was My requital punishment and My warning!

Truly indeed, We (The Ever Almighty 54:17. God. The Ever All Wise have in fact made the Our'an (the Message Statement and the Wise the Miraculous Reminder and Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words of The Ever Almighty God every to each and one of Humankind) easy to heedfully remember. So, is there any person who will heedfully remember?

54:18. Aad also unthankfully denied. Surely how severe was My requital punishment and My warning!

54:19. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty) sent against them the screaming wind on a day of continuous calamity.

54:20. It extracted the people (destroying them by the Command of The Ever Almighty God) as if they were trunks of uprooted palm trees.

54:21. Surely how severe was My requital punishment and My warning!

Truly indeed, We (The Ever Almighty 54:22. God. The Ever All Wise have fact made the in Message Our'an (the Statement and the Wise Reminder and the Miraculous Proof and the and the True Insightfulness and Clear Light the Heavenly Guidance and the Miraculous Words of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind easy to heedfully remember. So. any person who will heedfully remember? is there

54:23. Thamûd also unthankfully denied the warning.

54:24. Surely they said: "If we were to follow one human being from among ourselves; certainly, then we would indeed be in straying and madness.

54:25. Has the Wise Reminder been sent down merely upon Saleh (P.m.b.u.h) from among us? But in fact, he is boastful liar!"

54:26. Tomorrow the unthankful deniers will come to know who is boastful liar.

Certainly, We (The Ever Almighty God, The 54:27. Most Gracefully Compassionate, The Eternal Ever of the Entire Universe, The King Creator and Eternal Lord Sustainer of The and the Entire Universe} sending the She camel are as the them. trial test for Therefore. thou 0 Saleh! Trustworthy (The Honourable and the and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty The Ever All Wise P.m.b.u.h must watch God. always be steadfastly patient. and thou must them

And thou must inform them 54:28. that the be shared between is to them. each water himself on his drinking should present turn.

54:29. Then the unthankful deniers called their companion; surely he took a sword, and he hamstrung the She camel.

54:30. Surely how severe was My requital punishment and My warning!

54:31. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) sent against them one mighty roaring blast; surely they became just like the dry twig fragments of an animal pen.

Truly indeed, We (The Ever Almighty 54:32. God. Ever All Wise) have The in fact made the Message Statement Our'an {the and the Wise Miraculous Reminder and the Proof and the True Clear Light and the Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind easy to heedfully remember. So, there any person who will heedfully remember? is

54:33. The people of Lot (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t also unthankfully denied the warning.

54:34. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) sent against them the storm of stones, except the family of Lot (P.m.b.u.t), We saved them a short time before dawn;

Favour and Blessing 54:35. As the from Us (The Ever Almighty God). this Just like We each and every person who gives award thanks.

54:36. Truly indeed, Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Eternal of The King Entire Universe, The Creator and The of the Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe of P.m.b.u.h had in fact warned them Our assaulting punishment, but they doubted the warning!

54:37. Truly indeed, the unthankful deniers had in fact demanded from Lot (P.m.b.u.h) his guests. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty) obliterated their eyes, saying: "Surely ye people must feel My requital punishment and My warning!"

54:38. Truly indeed, there in fact came upon them in the morning, the unrelenting punishment.

54:39. "Surely ye the unthankful deniers must feel My requital punishment and My warning!"

Truly indeed, We (The Ever Almighty 54:40. God. Wise have All in fact the The Ever made Message Our'an { the Statement and the Wise the Proof Reminder and Miraculous and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words of Ever Almighty God each The and one to every of Humankind easy to heedfully remember. So, is there any person who will heedfully remember?

54:41. Truly indeed, the warning did in fact came to the people of Pharaoh,

They unthankfully denied 54:42. every one of Our The Ever Miraculous Signs; therefore, We Almighty God. Eternal King the Entire The of Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? seized with them the seizure of The Almighty, The Ever All Powerful Controller. Ever

unthankful 54:43. present disbelievers Are your previous the unthankful any better than do the unthankful disbelievers? Or ye disbelievers any immunity Scriptures? in the have

54:44. Or do the unthankful disbelievers say: "We are an assembly supporting each other!"

54:45. Eventually their assembly will be defeated, and they will flee away turning their backs.

But in 54:46. fact the Final Time {the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and Reckoning and Requitals the in Eternal Afterlfe World } the appointed time for them, is truly the Final Time is more disastrous and bitter. more

54:47. Certainly, each and every of the iniquitous criminals are in straying and madness!

54:48. On the Day the iniquitous criminals will dragged into the Hellfire their faces. on be "Ye **∲it** will be announced to them}: must now feel rerquital punishment the of Sagar Hell!"

54:49. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) have created Everything according to a determined measure.

54:50. Truly Our Command is not in any way except one, just like the blink of an eye.

54:51. Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Knowing of Everything, The Creator and The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe) have in fact destroyed those who were just like ye (the unthankful disbelievers). So, is there any person who will heedfully remember?

54:52. Truly Everything every one of Humankind have ever done is written down in the Books.

54:53. Truly each and every small action and each and every great action is written down.

54:54. Certainly, the righteous people who fear The Ever Almighty God will be in the Everlasting Gardens and rivers (the Eternal Afterlife World).

54:55. Truly they Honourably seated will be in King of The Eternal Presence and The the All Powerful Controller Over Everything. Ever

55: Sûrah Chapter Ar-Rahmăn The Ever Most Gracefully Compassionate The Miraculous Verses 78

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

55:1. The Ever Most Gracefully Compassionate. 55:2. The Ever Most Gracefully Compassionate has taught the Qur'an.

55:3. The Ever Most Gracefully Compassionate has created each and every of Humankind.

55:4. The Ever Most Gracefully Compassionate has taught each and every on of Humankind to speek.

the 55:5. The and sun moon by move calculation {decreed precise by The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful).

55:6. Truly the stars and the trees prostrate (to The Ever Most Gracefully Compassionate).

the The 55:7. Truly heaven Ever Most Gracefully raised it high, The Compassionate has and Ever Most Gracefully Compassionate has set up the balance.

that each 55:8. For the purpose and every one of Humankind transgress may not in the balance ye (set up by The Ever Most Gracefully Compassionate).

ve Humankind 55:9. each every one Truly and of always equitably establish weight equitable with must each every one ve Humankind and of justice, and deficient. make the balance must not ever

Truly The Ever Most Gracefully Compassionate 55:10. earth for the creatures. spread out the has 55:11. In the earth there fruits are and having sheathes. palm trees grains having husks and 55:12. And pleasant plants. scented

Blessings 55:13. Then which of the Favours and and Sustainer of ye, will Eternal Lord of The unthankfully deny? ve Humankind and Jinn-kind

55:14. The Ever Most Gracefully Compassionate has created the first Human Being Adam (P.m.b.u.h) from the clay just like of pottery.

55:15. And The Ever Most Gracefully Compassionate has created the Jinn from the smokeless flame of fire.

55:16. Then which of the Favours and Blessings Sustainer ye, of The Eternal Lord and of will Jinn-kind unthankfully deny? Humankind ve and

55:17. The Ever Most Gracefully Compassionate is The Eternal Lord and Sustainer of the two easts and The Eternal Lord and Sustainer of the two wests.

55:18. Then which of the Favours and Blessings ve. of The Eternal Lord and Sustainer of will unthankfully Humankind and Jinn-kind denv? ve

55:19. The Ever Most Gracefully Compassionate has released the two seas meeting together.

55:20. Between both the two there is seas а barrier which neither of them transgresses. ever

which of the Favours 55:21. Then and Blessings and ye, will Eternal Lord Sustainer of The of Humankind Jinn-kind unthankfully and deny? ve

55:22. From both of the seas emerge the pearl and the coral.

which of the Favours 55:23. Then and Blessings Sustainer ve, will of The Eternal Lord and of deny? and Jinn-kind unthankfully ve Humankind

only to The Ever Most Truly 55:24. Gracefully belong the moving Compassionate ships float that just like in the sea the mountains.

which of the Favours 55:25. Then and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ve, will Jinn-kind unthankfully deny? Humankind and ve

is upon Everything 55:26. that the earth will of The **€**by Ever Almighty the Command perish Ever Most Gracefully Compassionate). God. The

Truly The Eternal Lord 55:27. and Sustainer of thee Himself Eternal Owner of The The Supremely Glorious Splendour and The Supremely Honourable Generosity will remain forever.

the 55:28. Then which of Favours and Blessings and ye. of The Eternal Lord Sustainer of will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

in 55:29. Whoever is all the heavens and help only from earth asks for the whole The Ever Most Gracefully Compassionate, He is Gloriously engaged in some Glorious task every day.

Then which of the Favours 55:30. Blessings and and ye, will Eternal Lord Sustainer of of The Jinn-kind Humankind and unthankfully deny? ve

ye two mighty groups {of 55:31. Ο Jinn-kind We Humankind }! The Ever Most Gracefully and Compassionate will eventually of ve. attend all to

which of Favours 55:32. Then the and Blessings Eternal Lord and Sustainer of of The ye, will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

ye assembly of 55:33. 0 the Jinn-kind and the If ve have Humankind! any power to pass boundaries heavens beyond the of the and the Ye will earth. then pass. not ye may ever all binding pass them except by the authority.

Then Favours 55:34. which of the and Blessings Sustainer The Eternal Lord and of of ve. will denv? Humankind and Jinn-kind unthankfully ve

will 55:35. There be against sent both of ye flames of and smoke. fire will surely ve able to defend yourselves. not be

55:36. Then which of the Favours Blessings and of The Eternal Lord and Sustainer of ye. will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

Surely when the split 55:37. heaven is open it will become like leather (on the and red Day of Resurrection Judgement Mighty and Final Reckoning and Requitals Rewards and and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

Then which of the Favours 55:38. Blessings and and ye, will Eternal Lord Sustainer of of The deny? Humankind and Jinn-kind unthankfully ve

that Day (of Resurrection 55:39. Then on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards Eternal Afterlife Recompense in the World. and whereof is the measured extent Fifty Thousand Years? one of Humankind neither any nor any one of Jinn-kind will be questioned about his sin.

the 55:40. Then which of Favours Blessings and and of ve, of The Eternal Lord Sustainer will unthankfully deny? and Jinn-kind Humankind ve

55:41. iniquitous criminals recognised The will be bv their marks **∲on** the Final Mighty Day Judgement Reckoning Resurrection and and and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years), surely they will be seized by the forelocks and the feet.

which of the 55:42. Then Favours and Blessings of Eternal Lord and Sustainer of ye, will The deny? Humankind and Jinn-kind unthankfully ve

{It will be 55:43. announced the on Day of Requitals}: "This Hell, is Judgement and which the iniquitous criminals used to unthankfully denv.

The iniquitous criminals will going 55:44. keep between Hell and between scalding round water Mighty Day of Resurrection fon the Final and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World. the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

55:45. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

Truly for each and every 55:46. person who fears The Mighty Supreme Position of The Eternal Sustainer of him, Lord and there will be Everlasting Gardens fon the Final Mighty Day two Resurrection and Judgement and Reckoning of Eternal Afterlife World. Requitals in the and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Then Favours 55:47. which of the and Blessings and of The Eternal Lord Sustainer of ve. will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

55:48. Both Everlasting Gardens will have spreading branches (in the Eternal Afterlife World).

which of the Favours Blessings 55:49. Then and Eternal Lord and Sustainer ve, of of will The unthankfully ye Humankind and Jinn-kind deny?

55:50. In both Everlasting Gardens there will be two water springs flowing (in the Afterlife World).

55:51. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:52. In both Everlasting Gardens there will be every fruit of two kinds (in the Afterlife World).

55:53. Then which of the Favours and Blessings Lord and Sustainer of ye, will of The Eternal Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ye

55:54. They will be reclining on couches whose linings are of heavy silk, and the fruits of the two Everlasting Gardens will be hanging low.

55:55. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:56. In both Everlasting Gardens there will be women of purity restraining their glances, those women of purity have not been touched before them by any Human Being nor by any Jinn.

55:57. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:58. Those women of purity will be as if they were the rubies and the corals.

55:59. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:60. For good actions there is no requital reward in any way except good reward.
55:61. Then which of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:62. Truly besides these two Everlasting Gardens there will be two other Everlasting Gardens (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

which of the Favours Then 55:63. Blessings and and ye, will Eternal Lord Sustainer of of The and Humankind Jinn-kind unthankfully deny? ve

Everlasting Gardens 55:64. will be Both dark colour fon the Final Mighty Dav in of green Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

which Then the Favours 55:65. of and Blessings and Sustainer ye, Eternal Lord of will of The Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

Everlasting Gardens 55:66. In both there will springs gushing two water forth fon the be Mighty Day of Resurrection Judgement Final and and Requitals and Reckoning and Rewards in the Eternal Afterlife World). Recompense and

Then of the Favours 55:67. which and Blessings Lord and Sustainer of ye, of The Eternal will unthankfully Jinn-kind Humankind and denv? ye

55.68. In both Everlasting Gardens there will be fruits and dates and pomegranates.

which of 55:69. Then the Favours Blessings and of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

both Everlasting Gardens 55:70. In there will supremely beautiful women supremely good and of of Mighty Day purity (on the Final Resurrection Reckoning Judgement and and and Requitals Rewards the Eternal Afterlife World. in the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

which of the Favours Then 55:71. Blessings and and ye, will Eternal Lord Sustainer of of The Humankind Jinn-kind unthankfully and deny? ve

will houris 55:72. There be of women purity sheltered in the pavilion fon the Final Mighty Dav and Judgement Reckoning Resurrection and and of and in the Eternal Afterlife Requitals World. the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

which Favours 55:73. Then of the and Blessings Lord and ye, of The Eternal Sustainer of will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

55:74. houris Those women of purity have touched been before them not by any Human Being nor by any Jinn.

Then 55:75. which of the Favours Blessings and Eternal Lord Sustainer ve. of The and of will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

They will 55:76. be reclining on green cushions and supremely beautiful fine fon the carpets Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and Afterlife Requitals the Eternal World. in the Fifty Thousand Years). whereof is measured extent

55:77. Then which of the Favours and Blessings and Sustainer Eternal Lord of ye, will of The Jinn-kind Humankind and unthankfully ve deny?

Supremely Blessed 55:78. is the Name Most of Lord Sustainer The Eternal and of thee. The Supremely Eternal Owner of The Glorious Splendour and The Supremely Honourable Generosity.

56: Sûrah Chapter Al-Waqia'h The Inevitable M.V. 96

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Inevitable befalls 56:1. When the Event (°on the Day of Resurrection Mighty and Judgement Final Reckoning and Requitals Rewards and and and Afterlife Recompense the Eternal World. in the whereof Fifty Thousand Years?, measured extent is

56:2. No one will be able to deny when the Inevitable Event befalls,

56:3. The Inevitable Event will bring down some people in grades and it will elevate others,

56:4. When the earth will be shaken with the severe shaking.

the crushed 56:5. And mountains will be to pieces Mighty of Resurrection (°on the Final Day and and Reckoning and Requitals and Judgement Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof Fifty Thousand Years? measured extent is

Surely the mountains will turn to scattered dust, 56:6. all of the 56:7. Truly ve Human Beings will divided in three be to groups.

56:8. Surely the people Right the Hand, what on the people will the Right Hand? be group on

the people 56:9. And the Left Hand. what on will the people the Left Hand? be on group

And the Foremost will be 56:10. the Foremost. They the who will 56:11. ones be the are The Almighty Nearest to Ever God: ones

56:12. In the Everlasting Gardens of Delight,

of those {the Nearest 56:13. Α multitude ones to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful. Most The Ever of All The Ever Owner Owner Praise. of A11 All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Glory. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The All Knowing of Everything, The Ever Most Ever The Ever Most High, Mighty. The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper. The Good-Looking, Ever Most Beautiful, The Ever Most The Ever Most Glorious. The Ever Supreme Truth. of the Greatness. The Ever Owner Supreme The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Witness Over Everything, The Eternal Present King Universe. Creator of the Entire The and The Eternal Lord Sustainer of the Universe } and Entire from earlier will be the generations.

number of those 56:14. And a small *∲*the Nearest The Ever Almighty God, The Ever to ones Most Merciful³ will be from the later generations.

56:15. (The Nearest ones to The Ever Almighty God will be) on thrones ornamented with gold,

They will reclining on thrones, facing 56:16. the other (on the Final Mighty Day of Resurrection each Reckoning Judgement and and Requitals and Rewards the Eternal Afterlife World. in the and measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

56:17. Everlasting youths will go round among them, 56:18. With vessels and jugs and glasses of flowing wine,

56:19. Wherefrom they will not get any aching of the head, nor any intoxication.

56:20. And fruits of whatever they will freely choose.

56:21. And the meat of birds, from whatever they desire.

56:22. And for them there will be houris, women of purity having beautiful large eyes,

56:23. Just like the pearls well protected.

56:24. It will be the good reward for the righteous good actions they had been doing.

56:25. They will the not ever hear in Everlasting of Delight evil Gardens any speech, nor any ever be committed (on the Final sin will Mightv Resurrection Judgement and Reckoning and of Day Requitals in the Eternal Afterlife World, and the whereof is Fifty Thousand Years?! measured extent

56:26. (They will hear in the Everlasting Gardens of Delight) Only the saying of: "Peace! Peace!"

56:27. people Right Hand, Truly the on the what will the people be the Right Hand group on Mighty Day of Final Resurrection fon the and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense Afterlife in the Eternal World. the whereof is Fifty Thousand Years? measured extent

- 56:28. They will dwell amid thornless lote trees,
- 56:29. And other trees layered with fruit,
- 56:30. And in vastly extended shade,
- 56:31. And water flowing constantly,
- 56:32. And fruits in abundance,
- 56:33. Neither limited, nor prohibited.
- 56:34. And elevated furnishings.

56:35. Certainly, We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful. The Ever Most Most Mighty, The Ever The Ever Living} have created Most High, the women of purity as the wonderful creation. houris,

56:36. We (The Ever Almighty God, And The Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Mighty, The Ever Most The Most High, Ever Living) made the houris of purity, virgins. women

56:37. The houris women of purity will be totally devoted (only to their husbands) and they will be of equal age.

56:38. For the people on the Right Hand.

56:39. A multitude of the people on the Right Hand will be from the earlier generations;

56:40. And a multitude of the people on the Right Hand will be from the later generations.

Truly the people on the Left Hand, what 56:41. will be the people the Left Hand! on group The people on the Left Hand 56:42. will scalding water, be in scorching Hellfire and

56:43. And the shadow of black smoke,

56:44. It will not be cool nor beneficial.

56:45. Certainly, before this, the people on the Left Hand were living in ease and luxury,

56:46. And they used to persist in the mighty sin.

56:47. Truly they used to say: "What? When we die and become dust and bones, will we then really be raised up alive again?

56:48. And also our earlier forefathers?

Thou O Muhammad! (The Honourable 56:49. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal King of of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe to each of the and every one say: "Certainly, all the of Humankind P.m.b.u.h must earlier generations and later generations, all the

56:50. and Indeed every one each of them together for the assembled be decreed will appointment of the well known Dav fon the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife World. and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years?!"

56:51. Thereafter certainly, O ye the people who have gone astray, the unthankful deniers,

56:52. Indeed, ye will eat from the tree of Zaqqoom,

56:53. And ye will fill your bellies therewith,

56:54. And on top of it ye people will drink the scalding water,

56:55. And ye will drink just like the drinking of the thirsty camels!

will be their 56:56. This accommodation the on (on the Day of Judgement and Requitals Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense and the Eternal Afterlife World, Rewards in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

56:57. We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful, Most Generous, The Ever Most Mighty. The Ever The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Protecting Friend, Most Excellent Helper, The Ever Most The Ever The Ever Most Good-Looking, The Ever Beautiful. Owner of the Most Good Names. The Ever A11 Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe have created each of the and of ye the Human Beings; despite every one that why ye each and every one the Human Beings not sincerely testify to the Whole Truth? do

56:58. Have every one ye the Human Beings considered that biological cell which ye emit?

56:59. Is it ye the Human Beings who create (the biological cell and each and every it one and every of vour children and each one vour grandchildren and each and every one of the or are We The Ever descendants}, Almighty God, Gracefully Compassionate, The The Ever Most Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Self-Sufficient Everything, The Ever All Self-Reliant, Ever Most Trustworthy, The The Ever Most Truthful, True Light of all the Heavens and the Whole The Earth, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever The Ever Most Good-Looking, Most Beautiful. Glorious, The Ever Supreme The Truth, Ever Most Ever Owner of the Supreme Greatness. The The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Everything, The Ever Present Witness Over Over Everything, The Ever Most Forbearing, The Eternal Sustainer of the Ever Supremely Lord and Honourable Throne, The Ever Most Exalted, The Ever High-Ranking, The Ever Most Appreciative, Most Ever Most Grateful, The The Ever Most Thankful. Entire Universe, The Eternal King of the The All The Honour, Eternal Owner of Ever Most Good, Ever Omnipresent to Help. The The Ever Most Powerful. The Creator and The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe) The Creator? and

56:60. We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassinate, The Ever Most Most The Ever Most Equitable, The Eternal Merciful. King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have decreed among death each and every one of ve the Human Beings, truly nothing can ever prevent Us;

56:61. In that if We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate) intended to change your likenesses, and recreate ye the Human Beings in a form ye do not know.

56:62. Truly indeed, ye the Human Beings already have the knowledge the first creation, then why ye do not heedfully remember?

56:63. Have each and every one of ye the Human Beings considered the seed that ye sow?

56:64. Is it ye the Human Beings who make the seed grow, or are We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Living) The Grower?

56:65. If We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) had Willed, We could indeed make it dry debris, and ye people would remain in wonder:

56:66. "Certainly, we are indeed ruined;

56:67. But in fact we have been deprived!"

56:68. Have each and every one of ye the Human Beings considered the water ye drink?

56:69. Is it ye the Human Beings who brought the water down from the rain clouds, or is it We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable) who bring it down?

56:70. If We (The Ever Almighty God) had Willed, We would have made the water bitter; why then, ye the Human Beings are not thankful?

56:71. Have each and every one of ye the Human Beings considered the fire which ye ignite?

56:72. ye the Human Beings made Is it who tree thereof, or are We (The Ever Almighty the The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Merciful, The Ever Living, The Eternal Ever King of the Entire Universe, The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe? The Maker? and

We (The Ever Almighty God, The 56:73. Ever Gracefully Compassionate, The Eternal King Most Entire Universe have made of the it a reminder article of use for the and an travellers.

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 56:74. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, The Ever Prophet of Praise, The Ever Owner of All Owner of All The Ever Most Excellent Helper, Glory, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one Universe to each and of Humankind P.m.b.u.h) must Glorify the Name of The Eternal Lord Sustainer of thee The Ever Supremely Mighty. and

56:75. Certainly, I (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever The Ever Owner of Merciful. All Praise. Most Ever Owner of All Glory, The Ever The All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, Ever Most Truthful. The The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Good-Looking, The The Ever Ever Most Ever Supreme Truth, Glorious. The The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most High-Ranking, Ever Most Exalted, The Ever Most Good. The Eternal King The of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) swear by the setting of the Stars.

56:76. For sure this is indeed the mighty oath, if ye people have the Heavenly Knowledge.

56:77. Certainly, this Message Statement is indeed the Ever Supremely Honourable Qur'an,

56:78. In the Book Extremely Well Protected.

56:79. No one can touch the Ever Supremely Honourable Qur'an except those who are purified.

56:80. The Ever Supremely Honourable Qur'an is the Miraculous Revelation from The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

56:81. Is it, then, that ye the unthankful disbelievers reject this Message Statement?

56:82. And ye the unthankful disbelievers have made your share, that ye are unthankfully denying (the Supremely Honourable and the Ever Ever Supremely and the Ever Supremely Blessed Glorious and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Supremely Clear Wise and the Ever the Our'an. Reminder Message Statement and the Wise and Miraculous Proof the and the Clear Light and Heavenly Guidance the True Insightfulness and the Miraculous Words of The Ever Almighty and the each Humankind?? and every one of God to

56:83. Surely why do ye the Human Beings not Remember when the soul reaches the throat?

56:84. Truly ye are at that time onlookers, 56:85. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful and the Angels) are nearer to the dying person than ye, but ye do not see Us,

56:86. the Human Beings If ve are exempt from Requital fon the Final Mighty Day and Judement Reckoning Resurrection and Judgement of and and Rewards Requiting the Eternal in and Afterlife World, the measured whereof extent is Thousand Years), then why Fifty do ve not.

56:87. Bring the soul back, if ye the Human Beings speak the truth?

56:88. Surely if the departed person is from among the Nearest ones to The Ever Almighty God,

56:89. Then for such a person there will pleasant scented plants, and the be rest and Everlasting Garden of Delight.

56:90. And if the departed person is from among the people on the Right Hand,

56:91. (Then it will be announced): "Peace is for the from the people on the Right Hand.

56:92. But if the departed person is of the unthankful deniers, those who were astray,

56:93. Then for such a person there will the accommodation of scalding water.

56:94. And burning in the Blazing Hell.

56:95. Certainly, this Book Our'an is indeed The Whole Truth The with certitude {from Ever Almighty God, The Ever Most Beautiful. The Ever Good-Looking, The Glorious, The Most Most Ever Truth, The Ever Owner Supreme Ever of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Most High-Ranking, The Ever Exalted. The Ever Most Good. The Most Eternal of the Entire Universe, The Creator King and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

Muhammad! (The 56:96. Surely thou O Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Owner Praise. of All The Ever Owner of A11 The Ever Most Excellent Helper, The Ever Glory. Good-Looking, The Beautiful, The Ever Most Most Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and every one Universe to each and of Humankind P.m.b.u.h) must Glorify the Name of The Eternal Lord thee The Ever Supremely Mighty. Sustainer of and

57: Sûrah Chapter Al-Hadeed The Iron M.V. 29

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

that all 57:1. Everything is in the heavens The whole earth Glorifies and the Ever Almighty God; Almighty Truly The Ever God The Ever Almighty, The Ever All Wise. is

57:2. Only to The Ever Almighty God belongs the Kingdom of all the heavens Eternal and the earth. He Alone gives life and He Alone whole death. Truly The Ever Almighty God always causes has the supremely powerful ability to do Everything.

Almighty God (The The Ever 57:3. Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator of the Entire Universe) is The First and The Last and The and The Hidden. Truly The Ever Almighty Manifest is The Ever All Knowing of Everything. God

The Ever Almighty God is The 57:4. God all the heavens and whole Who has created the is Six Days; thereafter, He established earth the Throne. He always knows Himself on very enters into the whole Everything that well earth Everything that comes out from and the whole Everything and descends from the earth. that and Everything that ascends into the heaven. heaven Truly The Ever Almighty God is always with every one of ye Humankind wherever and each Truly The Ever Almighty God are. ye ever Seeing of The Ever All whatever actions is each and every one of ye Humankind ever do.

57:5. Only to The Ever Almighty God (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) belongs the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. Truly all matters are always returned to The Ever Almighty God.

57:6. The Ever Almighty God causes night the merge into the day and He to causes the to merge into night. day the Truly The Ever Almighty God is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

and of 57:7. every one ye Humankind Each truly believe in The Ever Almighty always must God and His Messenger, and all of ve spend out of that in which must always Almighty God has made ye successors. The Ever the people who truly believe from Surely among ye and spent, they will have the great reward.

Truly what the motive for 57:8. is ve that ve not truly believe in The Ever Almighty do God! is While the Messenger calling each and every ye Humankind to believe truly of in one Eternal Lord and Sustainer of all of The ye, The Ever Almighty God has truly fact taken in covenant, if ye people are the true believers. your

57:9. The Ever Almighty God is The God Who Miraculously Revealed the Supremely has Clear Verses upon His Servant for the purpose Miraculous Messenger may bring that the each and every of ye Humankind out from the darknesses into one Clear Light. For sure The Ever Almighty God the The Ever Most Compassionate, The indeed is Ever Merciful to every one of ye Humankind. Most

57:10. Truly what is the motive for ve the true believers that ye do not spend in the Straight Path of The Ever Almighty God? While only to The Ever Almighty God belongs the heritage of all the heavens and the whole earth. Whoever from among ye the true believers spent fought before the Victory is not equal. Those and believers are extremely higher in grades than the spent afterwards and fought. believers Truly who The Ever Almighty God has promised to each and every one the good reward. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions each and every one of ye ever do.

57:11. Who is the person (from among the true believers) that will loan The Ever Almighty God The the goodly loan; surely Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Exalted, The Ever Most Good, The Eternal King of the Entire The Creator and The Eternal Lord Universe. and Entire Universe) will Sustainer of the multiply it for him, and he will have the generous reward.

57:12. On the Day thou will see the believing the believing women, and their light men proceeding before them and their right. on (it will announced on the Final Mighty Day of Judgement and Reckoning Resurrection and and and Rewards and Recompense Requitals in the Afterlife World, the measured Eternal extent is Fifty Thousand Years): "All whereof of ve believing men believing women and the have the this Day! good true The Everlasting the news Gardens beneath which rivers flow reside to in them forever! This is indeed the mighty victory.

57:13. On that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years? measured extent hypocrite men and the hypocrite women will the say to the people who truly believed: "Wait for us so that we may gain some of your light!" It will announced: "Go back behind ye! Then seek be light!" Then the wall with the door will be placed them. Inside it there will the Mercy be between but outside it there will be the requital punishment.

The hypocrite men and the 57:14. hypocrite call out to the people will who truly women "Were ye people?" not with The believed: we true believers will say: "Certainly ye were! But ve led yourselves into temptations and ye awaited for our destruction and ye doubted and ye were deceived by wishful desires until there came the Command of The Ever Almighty God. Truly the deceiver (the accursed devil Satan and other deceitful devils from among Humankind and Jinn-kind ye concerning The Ever Almighty deceived all of God (The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

57:15. So this Day (of Resurrection and Judgement and Requitals Reckoning and Rewards and and the Eternal Afterlife Recompense World. in the whereof is Fifty Thousand Years? measured extent will be taken from ye the hypocrites ransom no unthankfully disbelieved. the ones who from nor of each Eternal every The Home and one of is the Hellfire, ye equitably deserve it. ve truly that is an extremely evil destination.

57:16. Has the time not yet come for the truly believe that their hearts people who should become humbly submissive Remembrance at the of Almighty God, and to that (the Ever The Ever Supremely Honourable and the Supremely Ever Glorious Our'an which has been Miraculously Whole Revealed with The Truth. they must and not ever be like the people who were given the Heavenly Book previously, and a long period of time passed over them, surely their hearts hardened. Trulv of them are unthankfully rebellious. most

each and every 57:17. Ye of one Humankind always certitude know with that The Ever must Almighty God gives life to the earth after its death! Indeed, We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? made supremely clear for each and have every the Miraculous Signs, for the purpose of ye one ye may use your intellect to be equitable. that

Certainly, the men who give in 57:18. charity charity give and the women who in and The Ever Almighty God the they have loaned goodly loan, it will be multiplied for them they will have the generous reward. and

Surely the people who truly 57:19. believe in Almighty God The Ever and all His such are the Messengers, who ones are the and the Martyrs, Whole witnesses to The Truth The Eternal Lord and Sustainer of with them. will receive their reward their They and light. the people who unthankfully disbelieve Truly and unthankfully deny Our Miraculous Verses. such people will be the residents of Blazing Hell.

and every one of ye Humankind 57:20. Each always know with certitude must that the life Earthly World is only play of this and a mutual and adornment and boasting amusement and among ye Humankind competition in respect of of wealth and children. The example this is the plant growth after rain. just like its rich growth is pleasing to the tillers; thereafter. it begins to wither, surely thou see it turning yellow; it becomes stubble. Truly thereafter. broken in Eternal Afterlife World there is the the severe requital punishment and also forgiveness from The and His All Ever Almighty God Delight. Blessed life of Truly this present Earthly the World is nothing except beneficial provisions that deceive.

and every one of 57:21. Each ve Humankind always race towards the forgiveness from must Eternal Lord Sustainer and of all of The ve the Everlasting Garden the width thereof is and just like the width of the heaven and the been prepared for the people earth. Which has truly believe in The Ever Almighty God and who Messengers. This is the Grace of The Ever His Almighty God which He awards to any person He Wills. Truly The Ever Almighty God is The Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace.

disaster ever strikes the 57:22. No upon whole yourselves, but it is within earth nor written in before (The Book of decrees We Ever the Almighty God The Ever Most High-Ranking, Most Exalted, Eternal The King The Ever of The Eternal Lord Universe, and Sustainer the Entire of Entire Universe bring it into the existence. Certainly, this is easy for The Ever Almighty God.

the purpose that ye 57:23. For Humankind must whatever has eluded despair over and not ve, arrogantly Humankind must not exult ve over The Ever Almighty God has awarded whatever ye. Truly The Ever Almighty God does not love any self-deluded who is and unjustly boastful. person

miserly The people who 57:24. are and they also command other people miserly. Truly to be any turns who away, for sure The person Ever indeed The is Ever Completely Almighty God Self-Sufficient. Ever Owner The of All Praise.

Indeed, We (The God, Ever Almighty 57:25. The Most Gracefully Compassinate, The Ever Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Wise. of All Praise, The Ever Owner The Ever Owner Ever Glory, The Most Excellent Protecting of All Friend. The Ever Most Excellent Helper, The Ever The Ever Good-Looking, Most Most Beautiful. The Ever All Over Everything, Encompassing The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of Entire Universe, The Eternal Lord the and of the Entire Universe have in fact Sustainer sent Clear Messengers with the Supremely Our Proofs Miraculously Revealed with and We have them the and the Balance for Heavenly Book the purpose Humankind may stand firm with that true justice. down iron We wherein And have sent there is severe warfare and many benefits for Humankind. and for the purpose that The Ever Almighty God evident each every person make and who may Almighty God The Ever and His Messengers helps Certainly, The Ever Almighty God in Unssen. the is The Ever All Powerful, The Ever Almighty.

57:26. Truly indeed We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Most The Ever Owner of All Praise, The Ever Wise. Ever Owner of A11 Glory, The Most Excellent Ever Most Beautiful, Helper. The The Eternal King Entire Universe, of the The Eternal Lord of the Entire Universe} Sustainer in and fact Honourable Abraham {the and sent Noah and the and Prophets the Truthful Messengers Trustworthy and Ever Almighty God P.m.b.u.t), of The and We their descendants Prophethood placed in and the Heavenly from among Surely Book. them there follow the Heavenly Guidance. some who are of them unthankfully rebellious. but many are

Thereafter, We (The Ever Almighty God, The 57:27. Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Ever Merciful, The Ever Most Forgiving sent after them and We Our Messengers sent Jesus, the Son of Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet Messenger of The Ever Almighty God and His Word which The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit The Ever Almighty God P.m.b.u.t), and We from Jesus (P.m.b.u.h) the Gospel. Truly We placed gave people of the who followed the hearts in Jesus (P.m.b.u.h), compassion and mercy. Truly they themselves invented monasticism, We did not prescribe them, they were seeking only the Monasticism for Blessed Delight of The Ever Almighty God. All they did observe it with the equitable But not due Therefore, We gave people who observance. the truly believed from among them their reward. but many of them are unthankfully rebellious.

57:28. O ye the peple who truly believe! Ye always fear The Ever Almighty God and must in always truly believe His Messenger: must ve Almighty God will The Ever award ye the people who truly believe a double portion of Mercy and He will make for ye His the clear and by which ye will light walk He will forgive ye. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

purpose that the People 57:29. For the of the Book may know that they have no power all at the Grace of The Ever Almighty God, and over in The Mighty Hand is that the Grace of The Almighty God, He (The Ever Almighty God. Ever The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Forgiving, Most Merciful. The Ever The Creator of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All The Glory, Ever Ever All Seeing of Everything, The All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most High, The Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever Ever Most Glorious, The Ever Supreme The Truth, Ever Owner of the Most Good Names, The The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, Sustainer of The Eternal Lord and the Ever Supremely Honourable Throne. The King Eternal of Entire Universe, The Eternal Owner of All the Ever Most Good, The Ever Most The Honour. The Eternal Lord Sustainer and Powerful. of the Entire Universe) awards His Grace any to person Truly The Ever Almighty God is He Wills. Ever Possessor of the Supremely Mighty Grace. The

58: Sûrah Chapter Al-Mujadilah The Pleading M.V. 22

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Almighty God (The 58:1. Indeed, The Ever Ever Gracefully Compassionate, The Most Ever Most The Ever Most Equitable, The Merciful. All Ever Over Everything, Encompassing The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Beautiful, Good-Looking, Ever Most The Eternal The King the Entire Universe, of The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Universe } the Entire heard pleading of the has the woman who was arguing with thee about her husband and she Ever Almighty God. was pleading with The Trulv The Ever Almighty God was hearing the conversation of ye. Certainly, The Ever Almighty God of both Ever All Hearing, The Ever All Seeing. is The

Zihaar Those who pronounce from 58:2. among ye separate the true believers to from their wives. wives are not their mothers. Their their mothers are except those who have given birth to them. none they indeed utter detestable For words sure and untruth. For sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Most Pardoning, The Ever Most Forgiving.

those who pronouce Zihaar; Truly 58:3. thereafter. they wish to free themselves from what they uttered, slave must be freed before surely the couple a another again. This is what may touch one ve the believers are commanded to do. Truly The Ever true Almighty God is The Ever All Aware of whatever and every one actions each of ye ever do.

any person who does not find 58:4. Surely must fast for two slave then he successive a months before couple may touch one the another again. Surely any person who is unable to feed sixty poor persons. than he must fast. This is for the purpose that ye people mav Almighty truly believe Ever in The God and Messenger. Truly the these are His limits set The Ever Almighty God. Truly the unthankful by suffer the painful punishment. disbelievers will

58:5. Certainly, the people who oppose The Ever Almighty God and His Messenger, they will be humiliated just like the people before them were humiliated. Truly indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The The Creator Eternal King of the Entire Universe, and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have Miraculously Revealed the Supremely Signs. Truly the Miraculous unthankful Clear disbelievers will suffer the humiliating punishment.

58:6. On the Day (of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years when The Ever Almighty God will resurrect each and every one of Humankind together, surely He will fully inform each and every one of Humankind of actions they ever did. The Ever Almighty whatever account of every action, kept while God has Humankind forgotten it. Truly The Ever Almighty is The Ever Present Witness Over Everything. God

58:7. Have thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger Prophet of The Ever Almighty God, The Ever and Most Generous, The Creator of the Entire Universe and every one of the Human Beings each to P.m.b.u.h not considered that The Ever Almightv very well always knows Everything God that is the heavens and Everything that in all is in There is no secret the whole earth? conversation Ever of three persons except that The Almighty always the Fourth God of is them. nor of except that The Ever Almighty God five persons Sixth of them, nor lesser than is always the except that The that nor more Ever Almighty God always with them wherever they ever is are. Thereafter, The Ever Almighty God will fully inform and every one of Humankind of whatever each did. Certainly, The Ever Almighty actions they ever All Knowing of Everything. is The Ever God

58:8. Have thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) not considered the people who were prohibited to hold secret conversations, then whatever they were prohibited they return to from. truly they converse with one another in what is sinful and disobedience and aggression to the Truly when Messenger. they come to thee, they greet thee with the greeting by which The Ever Almighty God does not greet thee, and they say among themselves: "Why The Ever Almighty God say?" Hell not punish us for what we does is sufficient punshment for them; they will burn in an extremely evil destination. Hell, truly that is

the people who truly believe! Whenever 58:9. O ye secretly, ye must not ever converse ve converse sinful and aggression and in what is disobedience Messenger, surely ye the people who truly the to always converse about righteousness believe must and devout piety. Truly each and every one of ve fear The Ever Almighty always God. unto must whom each and every one of ye will be assembled together (on the Final Mighty Day of Resurrection Judgement Requitals and Rewards and and and the Recompense Eternal Afterlife in World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

sinful conversation is only from 58:10. Secret the that devil devil Satan. SO the Satan may grief to the people who truly believe. Truly cause the devil Satan cannot harm the people who truly believe all except by the permission at of Ever Almighty God. Truly the true believers The always put their trust in The Ever Almighty must Most Equitable, The The Ever God Ever Most The Ever Most Good-Looking, Beautiful. The Eternal of the Entire Universe, The King Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

the people who truly believe! ye 58:11. O ye told make space Whenever are to in gatherings, then make space. The Ever must ye make Almighty God will ample space for ve. Truly whenever ye are told to rise then up Ever Almighty up. God will ve must rise The grades the people who truly believe raise in the people who and among ye have from been Heavenly knowledge. Truly The given the Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever each and every one actions of ever do. ye

ye the people who truly believe! 58:12. O Whenever ye consult the Messenger privately, then before your consultation ye must give something in charity. This is better for ye and purer. But if ve people who truly believe do not find the the Ever Almighty God surely indeed The is means: The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

58:13. Have ye the people who truly believe feared charities before your give consultation? to Surely when ye were unable to SO, truly The do Ever Almighty God has turned ye with Forgiveness to people who Mercy: therefore, now ye the and always equitably perform truly believe must the and ye always give the Praver Mandatory must always wholly obey Alms and ye must The Ever Almighty God and His Messenger. Trulv The Ever Almighty God The Ever All Aware of whatever is actions each and every one of ye ever do.

thou O Muhammad! (The Honourable 58:14. Have and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God, Prophet of The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise. The All Glory, of The Ever Most Ever Owner Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most The Eternal King of Good-Looking, the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Universe P.m.b.u.h not considered Entire the people turned to take friends of people who have the whom The Ever Almighty God has become upon They are neither from among ye Wrathful? the truly believe nor from people who among them the unthankful disbelievers, and the hypocrites swear untruth, while they have Heavenly Knowledge. to

58:15. The Ever Almighty God has prepared for the hypocrites the severe punishment; certainly, whatever the hypocrites are doing is evil.

58:16. They have made their oaths as a shield. Surely they prevent people from the Straight The Ever Almighty God. Path of Surely the will the humiliating punishment. suffer hypocrites

58:17. The wealth the and children of the hypocrites will not benefit them against at all Ever Almighty God. The hypocrites The will be of Hellfire; they will reside residents in the the Final forever (on Mighty Day the Hellfire of Judgement Resurrection and and Requitals Eternal Afterlife the World, and Rewards in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

58:18. On the Day (of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years will Ever Almighty God The when resurrect and every one of Humankind together, each the hypocrites will swear oaths to The Ever Almighty God just like they swear oaths to ye the true believers, and they will think that they have something beneficial. Listen attentively! Certainly, the who hypocrites the ones are the untruthful. are

devil Satan has gained control 58:19. The over Surely the devil Satan hypocrites. the has made Reminder hypocrites forget the Wise the and Remembrance of Ever Almighty The God. party of the the devil Such people are Satan. attentively! Certainly, the party of Listen the devil Satan are the ones who will be the losers.

Certainly, the people who 58:20. The oppose Almighty God and His Messenger, Ever such people will among humiliated. be the most

The Ever Almighty God The Ever 58:21. Most The Ever Most High, Eternal King of Mighty, Entire Universe, The Creator and The Eternal the of the Sustainer Lord and Entire Universe has "Indeed, I will definitely prevail, I and Decreed: all My Messengers!" Certainly, The Ever Almighty God Ever All Powerful, The Almighty. is The Ever

Thou O Muhammad! (The Honourable 58:22. and Truthful Trustworthy Messenger the and the and of The Ever Almighty The Prophet God. Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise. The of All Glory, The Eternal Ever Owner King of The Universe. Creator and the Entire The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h find the people who truly believe will not ever Almighty God and Ever in The the Final Dav people who oppose loving those The Ever Almighty God and His Messenger, though even they may be their fathers or their or their sons or their relatives. Such brothers the are people Almighty God has written the True Faith The Ever He their hearts, and has strengthened in them from Himself. Truly with the Spirit The Ever Almighty God will make them to enter the Everlasting which Gardens beneath rivers flow. they will reside in the Everlasting Gardens forever. Almighty God is well pleased with The Ever them well pleased with they Him. Such and are Party of The Ever Almighty God. the people are attentively! The Party of The Ever Almighty Listen God are indeed the ones who the triumphant. are

59: Sûrah Chapter Al-Hashr The Gathering M.V. 24

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

all Everything that is in the heavens 59:1. and whole in Everything that is Glorifies the earth Almighty God (The Ever Most Gracefully The Ever of All Compassionate, The Owner Ever Praise, Glory, All The Ever Most The Ever Owner of Mighty, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord The Creator and and Sustainer Entire Universe. Truly The Ever Almighty of the God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

Ever Almighty God is The 59:2. The God Who expelled the people who unthankfully disbelieved from among the people of the Book from their homes of the first gathering of forces. at the time Ye truly believe had never people who thought the they would leave, truly they thought that that would protect them from their fortresses The Ever Almighty God; but The Ever Almighty God came with requital punishment upon them from place a where they did not expect, truly The Ever Almighty hurled terror hearts, they into their destroyed God with their own hands and the their own homes of the true believers. So, learn hands a lesson. who have true Insightfulness. O ye the people

Truly if The Ever Almighty God had not 59:3. exile them; indeed, He would for decreed have punished them the life of this present Earthly in World. truly the Eternal Afterlife World in thev suffer the requital punishment of the Hellfire. will

This is because they opposed The Ever 59:4. Almighty God and His Messenger. Truly any person who opposes The Ever Almighty God; surely indeed The Ever Almighty God (The Creator Eternal Lord and Sustainer of The the and Entire Universe) is severe in the penalty punishment.

59:5. Whatever palm trees ye have cut down standing upon their roots, it was or left them Command of The Ever Almighty the by God for the that The Ever purpose and Almightv God may disgrace the unthankful rebellious people.

whatever The Ever Almighty God Truly 59:6. has Messenger the war given to His as spoils from unthankful rebellious the the people, ye believers did not ran your horses true nor your camels for it, but The Ever Almighty God gives authority to His Messengers over whomever He Truly The Ever Almighty God always has Wills. supremely powerful ability to do Everything. the

59:7. Truly whatever The Ever Almighty God has restored to His Messenger from the residents of the towns, it is for The Ever Almighty God and Messenger and for the for the near relatives and the orphans and the poor and the traveller, for the purpose that it may not become a fortune from the rich used by among ve the true the Messenger Truly whatever believers. has given believers true surely ye must ve the always Messenger accept it; and from whatever the prohibits ye surely all of ye must always refrain Truly all of ye must always it. from fear Ever Almighty God. Certainly, The Ever The Almighty God is severe in the penalty punishment.

It is also for the poor emigrants 59:8. who expelled from their were homes and their they were seeking Grace properties. from The Almighty God and His All Blessed Delight Ever helping The Ever Almighty God and His and Messenger. Such people indeed the truthful. are

for the people who were 59:9. Truly settled in adopted the homes and True Faith the before those believers who love them. Thev emigrated and they any resentment to them. do not find for whatever they were given, they their hearts in prefer the true believers over themselves, even they any person be in privation. Truly thou may of himself: is saved the stinginess who from surely such people indeed the triumphant. are

who came after 59:10. And the people them, they say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please forgive us and our brothers those who in the True Faith and Thou please do preceded us any resentment allow in our hearts not towards Thou who truly believed. have The Eternal those and Sustainer of us! Certainly, Lord Thou are The Compassionate, The Ever Most Ever Most Merciful.

O Muhammad! (The Honourable 59:11. Have thou and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet P.m.b.u.h) not considered those who commit their brothers hypocrisy, they say to who have unthankfully disbelieved from among the People of the Book: "If ye are expelled; indeed, we will definitely and we will not obey leave with ye, any one against ye, and if ye are fought; indeed, we will definitely help ye!" Truly The Ever Almighty God bears witness that certainly they are indeed untruthful.

59:12. Indeed, if they are expelled, they will not leave with them, and indeed if they are fought, they will not help them. Truly indeed, if they help them, indeed they will definitely turn their backs fleeing; thereafter, they will not be helped.

59:13. Indeed, they have greater fear of ye the true believers in their chests than of The Ever Almighty God. This is solely because they are the people who do not use their intellect to comprehend.

They will not fight against 59:14. ve the true believers, even together, except in fortified behind walls. fighting There cities or from themselves is severe. Thou think they among together, truly their hearts conflicting. are are This is solely because they are the people who their intellect to be do use equitable. not

59:15. Just like the example of those people shortly before they suffered them, the bad of their evil consequence actions, and they suffer the painful punishment. will

like the example of the devil Satan, 59:16. Just the devil says to the Human when satan Being: must unthankfully disbelieve!" Then when "Thou the unthankfully disbelieves, Human Being The devil says: "Certainly, I am completely disassociated Satan from thee. Certainly, I fear The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

Surely the Final 59:17. End of both of be they will that will be in them the residing therein forever. truly such is Hellfire. the requital punishment for the iniquitous wrongdoers.

O ye the people truly believe! who 59:18. always fear The Ever Almighty God! Ye must should each every person Trulv and observe actions to whatever he has forward deeply sent Truly of for all ye tomorrow. must always fear The Ever Almighty God! Certainly, The Ever God (The Ever All Self-Sufficient Almighty Self-Ever Most Trustworthy, The Reliant. The Ever Truthful. The Ever Most Equitable, The Most Ever Excellent Mighty, The Ever Most Most Helper, Beautiful, Most The Ever Good-The Ever Most Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord and The Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne. The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Most Ever Most Thankful, Grateful. The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner of The Ever Most The All Honour. Good. Ever The Help. Ever Most Powerful, Omnipresent to Sustainer The Eternal Lord and of the Entire of Universe) is The Ever All whatever Aware each of and every one ye actions ever do.

the believers 59:19. And ye truer must not like the people who forgot be The Ever ever therefore God: The Ever Almighty Almighty forget themselves. God made them Such people unthankfully rebellious. indeed the are

residents 59:20. The of the Hellfire and the Everlasting residents of the Garden are not equal. of the Everlasting Garden The residents are the victorious (in the Eternal Afterlife World). indeed

59:21. If We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe } Miraculously Revealed this Qur'an upon had the mountain: indeed. thou would have seen the breaking mountain humbled and down from the Almighty God. Ever Fear of The Truly We examples for each and describe these every one of Humankind for the purpose that they may think deeply to understand (the Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and Miraculous Books of The Ever Almighty God). the

The Ever Almighty God, 59:22. He is The One God except Him Whom there is no Alone, The All of all the Unseen Ever Knower and all the Seen. The Ever Almighty God is The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful.

The Ever Almighty God, The is 59:23. He One there is no God except Him Alone, The Whom King, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal Source of All Peace, The Ever Awarder Ever of Faithful Belief, The Ever Supreme Protector, The Ever Almighty, The Ever Supreme Compeller, The Ever Owner of the Supreme Greatness. All Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God from whatever gods all far above the polytheists with The Ever Almighty God. associate ever

The Ever Almighty God, The Creator, 59:24. He is Inventor of Forms, The Maker. The only to belong The Almighty The God Ever Ever Most Names. Everything that is in all Good the the whole earth Glorifies heavens and Him. trulv The Ever Almighty, The Ever All Wise. He is

60: Sûrah Chapter Al-Mumtahina The Woman Tested M.V. 13

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

ye the people who truly believe! Ye must 60:1. 0 take My enemies and not ever your enemies as friends, ye offer them friendship protecting while fact unthankfully disbelieved they have in in that Supremely Honourable Qur'an which {the Ever has of The Whole Truth, they come to ye expel and ye believers solely the Messenger the true believe ve truly in The Ever Almighty because The Lord Sustainer God. Eternal and of ve! If ye have forth to strive powerfully in My come Straight Path and to seek My All Blessed Delight. Ye show friendship to them in secret, truly Ι am All knowing of Everything The Ever all ve of whatever ever conceal and all of ve ever reveal. from among ye does Truly whoever this then surely he astray from Righ Path. gone has the

If they gain dominance over 60:2. ye the people truly believe, they would who behave to ye as would stretch and they forth their hands enemies and their tongues against ye with evilness, truly they ye would unthankfully disbelieve. dearly desire that

relatives of ye the people 60:3. The who truly benefit believe will not ye nor your children; and of Resurrection the Day Judgement, on judge between each Almighty God will The Ever one of ye Humankind. Truly and every The Ever Almighty God is The Ever All Seeing of whatever every one actions each and of do. ye ever

60:4. Indeed there is excellent pattern an for people who truly believe the in Abraham ve *€*the Honourable and the Trustworthy and the Truthful the Close Messenger and Prophet and Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Owner of All Praise. The All Owner Glory, Ever of The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire The Eternal Universe. The Creator and Lord and of the Entire Universe P.m.b.u.h Sustainer and his with him (P.m.b.u.t), when they pronounced followers people: "Certainly, we completely disassociate to their people and from from ye ourselves whatever gods other than The Ever Almighty God. worship ve We totally reject your ideology, truly animosity and hatred has arisen between us and ye, it will The until ye people truly believe endure in Ever Almighty God, He is The Ever Only One!" Except saving of Abraham (the Honourable and for the the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Close Friend The Ever Almighty the of and God "Indeed I will P.m.b.u.h to his father: definitely pray for forgiveness for thee, truly I do not have anything for thee any authority to do from Ever Almighty God!" "Thou The Eternal The Lord Sustainer of us! Upon Thee we and put our return trust, and Thee we in repentance unto and Thee is the final destination. obedience. and unto

Eternal Lord 60:5. The and Sustainer Thou of please do us! Thou not make trial us a people for the who have unthankfullv test Thou please forgive us, disbelieved. and Thou Eternal Lord and Sustainer of The us! Certainly. The Ever Almighty, The Ever All Wise!" Thou are

Indeed, there is in fact an excellent 60:6. pattern for ye in Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Close Friend of The Ever Almighty God and P.m.b.u.h) and his followers, for each and everv strong hope person who has a in the meeting Ever Almighty God with The and the Final Day. person who turns for Truly any away; sure The Ever Almighty God is indeed The Ever Completely Self-Sufficient. The Ever Owner of All Praise.

The Ever Almighty God will 60:7. Perhaps bring about friendship between ye the people who trulv those whom believe and ve hold as enemies among them. Truly The from Ever always has the Almighty God supremely powerful Almighty God ability. Truly The Ever is The Most Forgiving, The Ever Most Merciful. Ever

60:8. The Ever Almighty God (The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? not prohibit ye the does true believers from the people who have not fought ye on account of Religion and they did not expel ye the true from your homes, from being believers righteouss being equitable towards them. Certainly, and The Ever Almighty God loves the equitable people.

The Ever Almighty God has prohibited 60:9. ve only from the people who fought the true believers on account of the Religion and they driven ye out from your homes and they helped to drive ve ye make them protecting ye out. that friends. Truly any person makes them protecting friends: surely such people are the iniquitous wrongdoers.

60:10. O ye the people who truly believe! When believing ye as women come to the emigrants, The Ever Almighty God ye them. then must test is The Ever Most Knowing of their True Faith. Then the believers if true come ye to know to be true believers, then them ve must not to the unthankful disbelievers; those ever return them are not lawful for believing women the unthankful are the unthankful disbelievers nor disbelievers believing women. for the Truly ye lawful the believers must give them whatever gifts true bride paid. Truly there will be no they have blame if the true believers ye marry them upon ye given them their when ve have due bride gifts. true believers And the must hold on ve not marriage ties with the unthankful disbelieving to Truly ye should ask for repayment of women. gifts ye have paid, and the the bride unthankful disbelievers should ask for repayment of the bride gifts they have paid. This is the Judgement The Ever Almighty God; He judges between of Truly The Ever Almighty ye. all of God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

60:11. Truly if any of your wives have deserted believers for the unthankful ve the true disbelievers. the true believers subsequently acquire if ye than gains unthankful disbelievers. Then from the ve those whose wives must give to have deserted the equivalent of whatever bride gifts them they Truly ye true believers paid. the must always The Ever Almighty God (The Ever fear Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, Eternal King of the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire The and The One in whom ye truly believe. Universe.

60:12. Thou O Prophet Muhammad! {The Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Almighty God to each of Prophet and and every one of the Human Beings P.m.b.u.h }! believing women come to thee pledging When the thee that they will not ever associate anything to a god with whatsoever The Ever Almighty God as will not steal and they and they ever will not commit adultery and they will not ever ever kill children and they will not ever bring their forth slander, intentionally forging falsehood anv between feet, and they will their and their hands not righteousness, disobey thee in doing then ever their pledge thou must accept and thou must forgiveness for them from for The Ever pray Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

the people who truly believe! 60:13. Ο ye take not protecting Ye must ever friends any The Ever Almighty people upon whom God Wrathful. Certainly, they has become have Afterlife World. despaired of the Eternal just the unthankful disbelievers have like despaired of people who are in graves. the those

7:35. O ye each and every one of the Children of Adam (P.m.b.u.h)! Whenever the Messengers come ye from among yourselves reciting to ye to Mv Verses: then any person who fears Miraculous The Almighty God and acts righteously, surely no Ever fear will come upon them, nor will they grieve. unthankfully deny Our Truly the people who 7:36. Miraculous Verses and are unthankfully arrogant towards Our Miraculous Verses, such people will be the residents of the Hellfire; they will reside therein forever.

61: Sûrah Chapter As-Saff The Ranks M.V. 13

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

that is in all the Everything heavens 61:1. and Everything that is the whole Glorifies in earth The Ever Almighty God (The Ever Most Equitable, King of the Entire Universe, The Eternal The Lord and Eternal and The Sustainer Creator Entire Universe). Truly The Ever Almighty of the God is The Ever Almighty, The Ever All Wise.

61:2. O ye the people who truly believe! Why do ye say things which ye do not do?

hateful greatly the 61:3. It is in Sight of Almighty God Ever that The ye the true say things which ye do believers not do.

The Ever Almighty Certainly, loves 61:4. God people who fight in the Straight Path the The Ever Almighty of God in organized rows they were solid if а structure. as

Remember when Moses (the 61:5. Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Ever Almighty God P.m.b.u.h his people: "O my people! Why do said to ve me while ye despise people in fact have the knowledge that I am Messenger of Ever the The Almighty God all of ve?" Surely when to they deviated, The Almighty God caused Ever their deviate. Truly The Ever Almighty God hearts to not guide the unthankful rebellious people. does

1171

61:6. Remember when Jesus, the Son of Mary *€*the Messiah Jesus. Honourable the and the Truthful the Messenger and Trustworthy and Prophet The Ever Almighty God and His Word which of Almighty God directed to The Mary Ever and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.tsaid: "O of Israel (P.m.b.u.t)! Children Certainly. Ι the Messenger of The Ever Almighty God am to ye truthfully confirming and every one of each before and giving the Good True Torah me the Messenger who will News of the come after me. Ahmad (P.m.b.u.t)!" Surely when the his name is came to them with the Supremely Clear Messenger said: "This is Proofs, they clear magic!" a

Truly who is more iniquitous the 61:7. than invents who untruth about The Ever person God, while he Almighty is being invited to Ever Almighty God Truly The Islam? does not guide the iniquitous wrongdoing people.

61:8. unthankful disbelievers intend extinguish The to Ever Almighty the Light of The God with mouths. But The Ever Almighty their God bring His Light to perfection will even though the unthankful disbelievers hate it.

61:9. The Ever Almighty God is The God Who Messenger Muhammad, (the Honourable has sent His Trustworthy and the Truthful Messenger and the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe to each and every Beings P.m.b.u.h Human of the with the one Heavenly Guidance and the True Religion for the purpose to make this Religion victorious over all other Religions, even though the polytheists hate it.

61:10. O ye the people who truly believe! Shall I guide ye to a great bargain that will save ye from the painful punishment?

61:11. All of ye must always truly believe in The Ever Almighty God and His Messenger and all of ye must strive powerfully in the Straight Path of The Ever Almighty God with your wealth and your selves. This is supremely good for ye, if ye have the Heavenly knowledge.

61:12. The Ever Almighty God will forgive ve the people who truly believe your sins and He will make ve to enter into the Everlasting Gardens beneath which rivers flow and the goodly pleasant dwellings in Gardens. This is the mighty the Everlasting victory.

61:13. And others (Favours and Blessings) which ye love; it is the Help from The Ever Almighty God and the imminent victory. Truly thou must give the Good True News to the true believers.

61:14. O ye the people who truly believe! Ye must always be the helpers of The Ever Almighty God, just like Jesus, the Son of Mary (P.m.b.u.t) said to the Disciples: "Who are my helpers for The Ever Almighty God?" The Disciples the helpers of The Ever Almighty said: "We are God!" Then a party of the Children of Israel (P.m.b.u.t) truly believed and a party unthankfully disbelieved. Surely We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord assisted the people who truly believed against their enemies, therefore, they became victorious.

62: Sûrah Chapter Al-Jumu'ah The Friday Prayer M.V. 11

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

62:1. Everything that is in all the heavens Everything and that is in the whole earth Almighty God: Glorifies The Ever The Eternal King, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

Ever Almighty God (The 62:2. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High. The King of the Entire Universe. The Eternal Eternal Entire Lord Sustainer of the Universe³ and is The God Who has sent among the people who no Heavenly Book, the Messenger from had among themselves. Muhammad, (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each and every of one Humankind P.m.b.u.h who recites of them the to Miraculous Verses of The Ever Almighty God and and teaches them the Heavenly sanctifies them he Great Wisdom; for the sure before Book and this indeed they were in the clear straying. most

62:3. And others from among Humankind whom joined have not vet the true believers. Almighty The Truly The Ever God is Ever Almighty, The Ever All Wise.

of The 62:4. the Grace Ever Almighty This is gives God. He person He Wills. it to any Ever Almighty God The The is Ever Trulv Supremely Mighty Grace. Possessor of the

1174

62:5. The example of the people who were burdened with the commandment to follow the Torah: thereafter, they did not follow it, their example is donkey carrying a huge load like the of just books. Extremely evil is the example of the people unthankfully deny the Miraculous Verses of The who Almighty God. Truly The Ever Almighty God Ever not guide the iniquitous wrongdoing people. does

O Muhammad! (The Honourable 62:6. Thou and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Entire and Sustainer of the Universe to each Humankind P.m.b.u.h) must say: and every one of are Jews! If ye proclaim "O ye the people who ye are the friends of that The Ever Almightv exclusion of all other Humankind, then God. to the should wish for death if ye speak the truth. ve

Truly they will not ever 62:7. wish for death. solely because of their the evil actions hands Truly The Ever Almighty have ahead! God sent All Knowing of each is The Ever and of the iniquitous wrongdoers. every one

62:8. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal of King of Universe to each the Entire and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly, the death from which ye flee, it will certainly come to meet ye; thereafter, all of ye will be turned back to and The All Knower of all the Ever Unseen then He will inform each all the Seen. and every of ye about whatever actions ever did. one ye

ye the people who truly believe! When 62:9. O call is made for the congregation Prayer the on of Friday, surely all ye the dav of must hasten towards Remembering The Ever Almighty God trade. This is must leave and ye supremely better for ye, if ye have the Heavenly knowledge Miraculous Verses **€of** the Miraculous Signs and the and the Miraculous Words and the Miraculous Books The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous, High, Most The Ever Most Ever Mighty, The All Wise, The Eternal King of The Ever the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe.

the Prayer is concluded, then 62:10. Then when people who the truly believe may disperse ve land and may seek from the in the ye Grace Almighty God, Surely of The Ever ye the truly believe people heedfully who must Almighty The God Ever very often remember ye may become triumphant. that for the purpose

Truly when they saw 62:11. some transaction or amusement, they rushed and they to it left some Muhammad! (The Honourable thee 0 and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe. and Sustainer Eternal Lord of The the Entire each and every Universe to Humankind one of say: "The P.m.b.u.h) standing. Thou must mighty which is The Ever Almighty reward with God supremely better than amusement any any is or God transaction! Truly The Ever Almighty is Best of those who Provide The Ever Sustenance.

63: Sûrah Chapter Al-Munafiqun The Hypocrites M.V. 11

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

When the hypocrites thee 63:1. come to 0 (The Honourable Muhammad! and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of and the and The Ever Almighty God to each and every on of Human Beings P.m.b.u.h); they say: "We the bear witness that certainly thou are indeed the Messenger Almighty God!" Truly of Ever The Ever The God knows very well Almighty that certainly thou Messenger of The Ever are indeed the Almighty God, The Ever Almighty God bears truly witness that certainly the hypocrites are indeed the untruthful.

made their 63:2. The hypocites have oaths as Surely they prevent shield. people from the a of Straight Path Almighty The Ever God. Certainly, what they are is evil. doing

This is because they hypocrites 63:3. truly thereafter, they unthankfully disbelieved: believed: have sealed therefore. their hearts been over: surely now they do not comprehend.

hypocrites, 63:4. Truly when thou see the their appearance pleases thee. but when thev outward their listen speech. They speak, thou to are as They think of propped up. blocks wood that shout is against them. All the hypocrites every are the enemies; therefore, thou always beware must of May The Ever Almighty God destroy them, them. are they turned away from the Whole Truth? how

1177

63:5. Truly when it is said to the hypocrites: "Ye must come, so that the Messenger of The Ever Almighty God may pray ve!" for forgiveness for their heads aside, and thou them They turn see turning away while they unthankfully are arrogant.

the for 63:6. It is all same the hypocrites Muhammad! (The Honourable whether thou Ο and and the Truthful Messenger the Trustworthy and Almighty God, Ever Prophet of The The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of P.m.b.u.h pray for forgiveness Humankind for the do not pray hypocrites or thou for forgiveness The Ever Almighty will for them. God never forgive them. Certainly, The Ever Almighty God guide unthankful rebellious people. does the not

hypocrites 63:7. The are the ones who say: "Do not spend on those believers true who are with Messenger of The Almighty the Ever along disband!" Truly God until they only to The Almighty God (The Ever Most Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } of all the heavens the treasures and the belong earth, but the hypocrites do not comprehend. whole

The hypocrites say: "Indeed if 63:8. we return honourable the Medina: indeed. the will to dishonourable!" therefrom the Truly all expel Honour Ever Almighty The and belongs to God to Messenger His and the believers. to true but hypocrites not have the true knowledge. do the

ye the people who truly believe! Ye 63:9. O not ever let your wealth nor must your away from Wise children the Reminder ye turn and the Remembrance of The Ever Almighty God. Truly each and every person who does this action; surely such people are indeed the losers.

And ye the people who truly believe must 63:10. always spend from whatever We have provided for ye before death comes to any of one ve "Thou Eternal he says: The and and Lord Sustainer of me! Why did Thou not give me a more time so that I would give in charity, little and I would be one of the devoutly righteous!"

63:11. Truly The Ever Almighty God will not give any person extra time when his appointed of Truly The time death has come. Ever Almighty God is The Ever All Aware of whatever actions each and every one of ye ever do.

4:145. Certainly, the hypocrites will be in the lowest depths of the Hellfire, truly thou will not find for the hypocrites any helper;

4:146. Except those hypocrites who repent and righteously and hold powerfully to The Ever act Almighty God, and they become truthful in their religion for The Ever Almighty God, surely people will be joined with such the true eventually The Ever Almighty God believers. Truly true believers the mighty reward will give the Mighty Day of the Final (°on Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

64: Sûrah Chapter Al-Taghabun Loss and Gain M.V. 18

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Everything that is in all the 64:1. heavens and Everything that is in the whole earth Glorifies The Ever Almighty God. Only to Him belongs Eternal Kingdom and only to Him the belongs all Ever Almighty God The Praise. Truly always has supremely powerful ability to the do Everything.

Almighty God 64:2. The Ever is The God and every Who has created each one of ve surely Humankind: from among ye there is the unthankful disbeliever and from among ve there Truly The Ever is the believer. Almighty true Ever All Seeing of whatever God is The actions every one of ye Humankind ever do. each and

Ever Almighty God has The 64:3. created all the whole and the earth for the heavens equitable The Ever Almighty God has made truly purpose, physical forms of each and every one the of He has beautified your physical Humankind and ve forms; truly only to Him is the Final Destination.

64:4. The Ever Almighty God always knows very Everything well that is in all the heavens and truly whole He always the earth, knows very Everything every one well each and of ye Humankind ever conceal and Everything each and of ye Humankind ever reveal. Truly every one The Almighty God is The Ever All Knowing Ever of Everything that is in each and every chest ever.

64:5. Has there not come to ye Humankind the True News of those who unthankfully disbelieved previously? Surely they suffered the evil consequence their unthankful disbelief, and they will suffer of painful punishment (on the Final Mighty Day the and Judgement of Resurrection and Reckoning the Eternal Afterlife and Requitals in World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

64:6. This is solely because there came to them Messengers with the Supremely Clear Proofs, their they said: "Are human beings going but to guide us?" Surely they unthankfully disbelieved turned away. Truly and the Messengers The Ever independent of them. God was Truly Almighty The Ever Almighty God is The Ever Completely Self-Sufficient. The Ever Owner of All Praise!"

people who unthankfully disbelieve claim The 64:7. will never be Resurrected they ∲on that the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the and Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years. Thou O Muhammad! is (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire The Eternal Lord Universe, and Sustainer of the and every Entire Universe to each one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "Certainly ves! Truly I swear by The Eternal Lord and Sustainer of me! Indeed, each and every one of ve will definitely be Resurrected; thereafter, indeed each every one of ye will definitely be fully and informed of whatever actions ye ever did. Trulv this is easy for The Ever Almighty all God.

each and Surely every 64:8. of one ye Humankind must always truly believe in The Ever Almighty God and His Messenger and the Clear Light (the Ever Supremely Honourable and the Supremely Glorious and the Supremely Ever Ever Blessed and the Ever Supremely Miraculous and Supremely Wise and the Ever the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and the Ever Distinctive Criterion and the Whole Truth and the Wise the Mercy and the Reminder Grace and Miraculous Proof the Clear Light and and the and Insightfulness and the Heavenly Guidance True the Miraculous Words and the the Miraculous and of The Ever Almighty God to Verses each and of Humankind) which We **(**The every one Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal Creator King of the Entire Universe, The and Sustainer of the Entire The Eternal Lord Universe } Miraculously Revealed. Truly The Ever Almighty have The Ever All Aware of whatever God is actions and every one of ye Humankind ever do. each

Day (of Resurrection 64:9. The and Judgement and Reckoning and Requitals Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years? measured extent Almighty God will assemble together when The Ever every one of ye Humankind for and the each of Assembly, that will be the Day Dav of mighty mighty loss. Truly gain and any person who truly Ever Almighty God believes The and does in righteous good actions. The Ever Almighty God from will absolve him his evil actions and He Everlasting will make him into the to enter beneath which rivers flow, they will reside Gardens This is the mighty victory. in them forever.

Truly the people who have unthankfully 64:10. disbelieved and unthankfully denied Our Miraculous residents people will be the such of the Verses. Hellfire, they will reside in the Hellfire forever. Truly the Hellfire is an extremely evil destination.

disaster befalls 64:11. No ever except by the Command of The Ever Almighty God. Truly each and every person who truly believes in The Ever Almighty God; He will always guide the heart Truly The Ever such person. of a Almightv The Ever All Knowing of Everything. God is

each and every one of ye Humankind 64:12. Truly always wholly obey The Ever Almighty God must of and every one ye Humankind and each always wholly obey the Messenger; but if must away, surely the ordained duty of Our ve turn Messenger is only to convey the Message clearly.

The Almighty God, Ever 64:13. there is no Him Alone. Surely the God except true believers put their trust in The always Ever Almightv must The Ever Most Gracefully Compassionate, God Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Mighty, The Ever The Ever Most Most High. Wise. The All The Ever Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Protecting Friend, The Ever Most Excellent Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Exalted, The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The All Encompassing Over Everything, The Ever Ever Over Everything, Witness King Present The Eternal Entire Universe, The The of the Creator and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe.

64:14. O ye the people who truly believe! Certainly, ye have enemies from among your spouses and your children. So ye must always beware of them! Truly if ye pardon and overlook and forgive; surely indeed The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

64:15. The wealth of each and every one of ye the people who truly believe and the children of ye are only a trial test. Truly The Ever Almighty God has with Him the mighty reward.

Surely each and every one 64:16. of ve the people who truly believe must always fear the The Ever Almighty God as much as have the ye capability, and each and every of one ye must always listen attentively and each and every one of ye must always wholly obey and each and every of ye must always spend (in the Straight one Path of The Ever Almighty God), this is supremely good for yourselves. Truly each and every person the greediness of himself, who is saved from surely such people will indeed be the triumphant.

64:17. If ye the people who truly believe lend The Ever Almighty God (The Eternal King to the Entire Universe, The of Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe goodly loan, The Ever Almighty God will a He will forgive multiply it for ye, and ye. Truly The Ever Almighty God is Most Appreciative, The Ever Most Fo The Ever Most Forbearing.

64:18. The Ever Almighty God is The Ever All Knower of all the Unseen and all the Seen, The Ever Almighty, The Ever All Wise.

65: Sûrah Chapter Al-Talaq The Divorse M.V. 12

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Thou O Prophet Muhammad! (The Honourable 65:1. Trustworthy and the Truthful Messenger and the and Prophet to each and every one of Humankind When P.m.b.u.h }! believers ye the divorce true then ye must divorce them their women. at prescribed periods and ye must their count prescribed periods. Truly all of ye must always fear The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of ye. Ye must not expel them ever from their homes, and they should not leave except they are committing a in case clear immorality. the Decreed Limits by The These are set Ever Almighty God. Truly any person who transgresses the Decreed Limits set by The Ever Almighty God, indeed committed iniquity to himself. surely he has The Thou do not know; perhaps Ever Almighty bring after this something new God will to pass.

Surely when they reach their 65:2. prescribed time, then ye the true believers keep them must righteousness or ye must separate them with with righteousness. Truly ye the true believers must call two equitable persons from witness to among ve always keep the testimony truthful and ye must sake of The Ever Almighty God. for the This is an Admonishing Instruction to each and every person truly believes in The Ever Almighty God who Final Day. Truly each and every person the and The Ever Almighty God, The Ever who fears Almighty God will make a way out for him,

65:3. And The Ever Almighty God will provide sustenance for such a person from where expectation. Truly each he has and no every The Ever who puts his trust in person Almighty God, surely The Ever Almighty God Sufficient is always for such a person. The Ever Almighty God Certainly, will always achieve His purpose. Indeed, The Ever Almighty God has appointed a precise measure for Everything.

Truly those of your women 65:4. who no longer expect menstruation, if ye the true believers have doubt, surely their prescribed period is three those who months. and for have not menstruated. the pregnant Truly for women their prescribed period is until they give birth. Truly each fears and every person who The Ever Almightv God, He will make things for easy him.

65:5. This (the Ever Supremely Honourable and the Supremely Glorious and the Ever Ever Supremelv and the Ever Supremely Miraculous Blessed and the Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Ever Qur'an, the Message Statement and the Ever Criterion and the Whole Distinctive Truth and the and the Mercy and the Wise Reminder Grace and Miraculous Proof and the Clear Light and the the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and Miraculous Words and the Miraculous Verses the of Ever Almighty God to each every one of The and Command of The Ever Almighty Humankind) is the He has which Miraculously Revealed God to and every one of ye Humankind. Truly each each person who Ever Almighty fears The and every He will absolve from him all his evil God. actions and He will magnify his reward for him.

65:6. Ye the true believers must accommodate them ve reside according to wherever your means, ever harm them truly must not in order ye to oppress them. Truly if they are pregnant, then spend on them until they give ve must birth. if they breastfeed for Then ye, then ye must give due payment, and consult their with each them righteousness; but if ye with other are in discord. another woman may breastfeed the child. then

For purpose the wealthy 65:7. the that man should spend according his to means. and sustenance limited, whose is the man then which spend from he should that The Ever Almighty God has given him. Ever Almighty The God does not ever burden any person except according to that whatever The Ever Almightv him. The given Ever Almighty God has God eventually bring about after hardship. will ease

Truly there were many communities 65:8. that arrogantly rebelled the Command against The of and Sustainer of Eternal Lord them and His Messengers; surely We {The Ever Almighty God. The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Owner of All Praise, Ever Owner of All Glory, The Ever The Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent The Ever Most Exalted, Helper. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Sustainer of the Lord Universe took and Entire the Severe Reckoning such communities to Account punished them with the dire punishment. and

65:9. Surely the arrogant rebellious people suffered the evil consequence of their evil actions, truly the final outcome of their arrogant rebellion was loss.

Almighty God The Ever has prepared 65:10. for rebellious people the such arrogant severe Surely each and every punishment. one of ve The always Almighty must fear Ever God, people who intelligent hearts, 0 ve the have who have truly believed! Indeed, the ones The has Miraculously Revealed Ever Almighty God to each and every one of ye the Wise Reminder.

Messenger who 65:11. The recites to ve Supremely Clear Miraculous Verses the of people The Ever Almighty God for the purpose that the Messenger may bring out the people who truly believe and do righteous good actions form the into the Clear Light. Surely any person darknesses who truly believes in The Ever Almighty God and does righteous good actions, The Ever Almighty make him to God will into the Everlasting enter which rivers Gardens beneath flow to reside in them forever. Indeed, The Ever Almighty God has prepared for such a person an excellent sustenance.

Almighty God is The God Who 65:12. The Ever created the seven heavens, and also of the has earth the simlar number thereof. His Command all of descends between them {the seven heavens earths and Everything and the seven that is between them) for the purpose that ve Humankind certitude that Ever Almighty may know with The ability always has the supremely powerful God to do Everything, and that Ever Almighty God The always has encompassed Everything in knowledge.

66: Sûrah Chapter Al-Tahrim The Prohibition M.V. 12

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

O Prophet Muhammad! (The 66:1. Thou Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger et of The Ever Almighty God to the and Prophet of and of Humankind and P.m.b.u.hone each every The Ever Almighty God do thou prohibit what why lawful for thee. seeking to please has made The Ever Almighty God Truly wives. is your Forgiving, The Ever Most Merciful. Ever Most The

Indeed. The Ever Almighty God 66:2. has ordained for ye the true believers the dissolution oaths. Truly The Ever Almighty of God your Protecting Friend Ever of is The ve the believers; truly The Ever Almighty God is true Knowing, The Ever All Ever All The Wise.

when the Prophet Muhammad; {the 66:3. Remember Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, King of the Entire Eternal Universe. The The The Eternal Lord Creator and and Sustainer of Entire Universe to each the and every one of Humankind P.m.b.u.h) secretly disclosed a statement to his wives. then when of she disclosed the one Truly The Ever Almighty God another. secret to made it known to the Prophet; the Prophet informed and overlooked part of it. when of it Then part the Prophet told her about it, she asked: "Who has thee about this?" The Prophet said: "The Ever told Knowing, The Ever All Aware has told me!" All

66:4. If both of ye wives of the Prophet Muhammad; *(the Honourable and)* the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of the The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Sustainer The Eternal Lord and of the Entire and Universe to each every one of Humankind The Ever Almighty God, P.m.b.u.h) repent to for of ye the hearts of both have deviated. sure another of ye help one Trulv if both against Prophet; for sure The Ever Almighty God is the The of Protecting Friend Prophet indeed the devoutly righteous believers. and Gabriel and the more the Angels are his and further helpers.

66:5. It may happen that if the Prophet divorces The Eternal Lord and Sustainer that of him ye, give the Prophet in your place wives better will ve, women who are muslims, women than who are women who are devoutly obedient, believers. true who repent, women who worship The women Ever Almighty God, women who travel, women who were previously married, and women who are untouched.

ye the people who truly believe! Each 66:6. 0 of ye must protect yourselves every one and and families from the Hellfire whose fuel is vour severely harsh Humankind and stones, Angels are the Hellfre. They do charge in over not ever disobey The Ever Almighty God in whatever He and they Commands them always do exactly Commanded (by The whatever they are Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

ye the people who unthankfully 66:7. O disbelieved! Ye people must not any excuses make Day (of Resurrection and Judgement this and Reckoning and Requitals and Rewards, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years). Ye are being equitably requited for the evil only actions and every one of ye each used do. to

66:8. O ye the people who truly believe! Each every one of ye must repent to The and Ever Almighty God with sincere repentance! It mav be The Eternal Lord and Sustainer ve of that will all your evil actions and absolve from ve make into the Everlasting enter Gardens beneath ve to flow. the Day €of Resurrection which rivers and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife whereof is World. the measured extent Fifty Thousand Years) when The Ever Almighty God will disgrace any Prophet and the people not who believed along with the Prophet. Their light will proceed before them on their right. They and will say: Eternal Lord Sustainer of "Thou The and please perfect for us us! Thou light. and our Thou please forgive us. Certainly, Thou always have supremely powerful ability to do Everything. the

Thou O Prophet Muhammad! (The Honourable 66:9. Trustworthy and the Truthful Messenger and the of The Ever Almighty Prophet The and God. Eternal King of the Universe Entire to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h?! and strive powerfully against Thou must always the hypocrites, unthankful disbelievers and the and thou be harsh upon them. Their Eternal Home is must truly Hell is an extremely evil destination. Hell.

Ever Almighty God has described 66:10. The an example for the people who unthankfully disbelieve: wife of Noah and the wife of the Lot (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The and Sustainer of the Eternal Lord Entire Universe them P.m.b.u.tBoth of were under two of Our devoutly righteous servants, of but both them betrayed them. Surely their husbands could help them against The Ever Almighty God not announced: "Both of ve all, truly it will be at must enter Hellfire along with those who enter!"

Almighty 66:11. Truly The Ever has described God example for the people who have truly an believed: the wife of Pharaoh, when she said: The "Thou Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please build a house in the Everlasting Garden for me near Thee, and Thou please save me from and his evil actions and please Pharaoh Thou wrongdoing people!" me from the iniquitous save

66:12. And the example of Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful, Mary was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal the Entire Universe, The Eternal Lord King of Universe Sustainer of Entire the and P.m.b.u.hwho guarded her chastity; the Daughter of Imraan, surely We blew into her of Our Spirit Spirit Gabriel P.m.b.u.t³, truly (through Our Holy she always bore witness the Words to all of Lord and Sustainer of her The Eternal and His Books, truly she was one of the devoutly obedient.

67: Sûrah Chapter Al-Mulk The Kingdom M.V. 30

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Blessed is The 67:1. Supremely Ever Almighty Whose Hand the Eternal Kingdom; God in is Ever Almighty Ever The God **The** Most truly The Ever Most The Equitable, Mighty, Ever Most Ever High. All Wise, The Eternal King of The Entire Universe, The Creator and the The Eternal Sustainer of the Entire Universe) always and Lord the supremely powerful ability to do Everything. has

The Ever Almighty God Who 67:2. has created and life for the purpose that He may test ye death Human Beings, which of ye is best the in doing righteous good actions. Truly The Ever Almighty God Ever Almighty, The Ever Most Forgiving. The is

The Almighty God Who Ever 67:3. has created above another: the heavens one Thou will seven flaw in any the creation of not see ever Gracefully Compassionate. Surely The Ever Most thou your vision; can thou any flaw? return see must

Thereafter, 67:4. thou must return your vision again. Your vision twice will return to thee humbled fatigued. while it is

Truly indeed We (The Almighty God} 67:5. Ever beautified the with have fact heaven in nearest We have made them missiles drive lamps and to devils We have prepared for away the and the the requital punishment of the Blazing Hellfire. devils

67:6. Truly for the people who unthankfully The Eternal Lord disbelieve in Sustainer and of Ever Almighty God, The Ever Most **Fhe** them Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, The Sustainer Creator and The Eternal Lord and of Entire Universe? there will be punishment the the of Hell, truly Hell is an extremely evil destination.

67:7. When the unthankful disbelievers will be thrown into Hell, they will hear from the Hell a dreadful inhaling, while the Hell boils up.

The bursts 67:8. Hell almost up with fury. Whenever any group is thrown into Hell. the keepers of Hell will ask them: "Did there not come to ye people any Constant Warner?"

67:9. They will say: "Certainly yes, the Constant Warner did come to us, but we unthankfully denied and we said: "The Ever Almighty God has not Miraculously Revealed anything at all; Ye are not in any way except in the great straying!"

67:10. Truly the unthankful deniers will say: "If only we had listened attentively or used our intellect to be equitable, we would not have been among the residents of the Blazing Hellfire!"

67:11. Surely the unthankful deniers will confess their sins. Surely it is alienation for the residents of the Blazing Hellfire (in the Afterlife World).

67:12. Certainly, the people who fear The Eternal Lord and Sustainer of them in private unseen, they will have forgiveness and the great reward.

67:13. Truly whether each and every of one ve Humankind keep your words secret or publicize them; certainly, The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, The The Eternal Lord and Creator and Sustainer of the Entire Universe is The Ever All Knowing of Everything that is in each and every chest ever.

The Ever Almighty God 67:14. Does not know. God Who has Everything? The True created The Ever Almighty God is The Ever Trulv Intensely Kind, The Ever All Aware.

Ever Almighty God 67:15. The is The God the earth subservient Who has made to ve Humankind; surely ye Humankind may walk the on paths of the earth and ye may eat from the The Ever Almighty God. of Truly only sustenance The Ever Almighty God will be the unto Resurrection of each and every one of Humankind.

ye each and every one of Humankind 67:16. Do The Ever Almightgy feel secure that God Who would not cause is the the heaven in earth swallow ye Humankind when it suddenly shakes? to

every 67:17. Or do ye each and one of The Ever Humankind feel secure that Almighty God Who is in the heaven would not Humankind against of send ye a storm stones? Humankind would eventually come ye Then to how severe was My Warning! know

67:18. Truly indeed, the people who passed away before them in fact unthankfully denied, so how severe was My reproaching punishment?

67:19. Have the Human Beings not seen the them with wings outspread birds above and folded in? No holds sometimes one them aloft except The Ever Most Grac Compassionate. Certainly, The Ever Almighty Gracefully God is The Ever All Seeing of Everything.

67:20. Or who is there other than The Ever Most Gracefully Compassionate that could be an army to ye the Human Beings to help ye? Certainly, the unthankful disbelievers are in nothing except deceit.

is there any one 67:21. Or who can ye the Human Beings provide sustenance. if Ever Most Gracefully Compassionate withheld The sustenance? But the unthankful disbelievers have His persisted in unjust rebellion and unjust enmity.

67:22. Surely is the person who walks prone on his face more correctly guided or the person who walks upright on the Straight Path?

Thou O Muhammad! (The 67:23. Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Ever Almighty God, Prophet of The The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All The Ever Most Beautiful, The Glory. Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire and The Eternal Lord Universe. The Creator and Sustainer of the Entire Universe each to and every of Humankind P.m.b.u.h³ must say: "The Ever one Almighty God is The God Who has created each of ye Humankind and and every one He has and one of ye Humankind, the for each made hearing and the eyesight and the understanding hearts. Yet ye Humankind give very little thanks!"

67:24. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God. The Ever of Most Praise. Mighty, Ever Owner of All The The Ever of All Glory, The Ever Owner Most Excellent The Ever Most Beautiful. The Ever Most Helper. Good-Looking, The Eternal King of the Entire The Eternal and Universe, The Creator Lord and of the Entire Universe and every Sustainer each to "The Ever Humankind P.m.b.u.h) must say: one of Almighty God Who has is The God multiplied ye Humankind and every one throughout each of truly unto Him each and the earth. every one of ye Humankind will be assembled together!"

67:25. Truly they say: "When will this Promise be fulfilled, if ye people speak the truth!"

Muhammad! (The Honourable 67:26. Thou 0 and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most The Ever Owner of All Praise, The Mighty, Ever of All Glory, The Ever Excellent Owner Most The Ever Most Beautiful, The Ever Helper. Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire The Eternal Universe. The Creator and Lord and of the Entire Universe to each Sustainer and every Humankind P.m.b.u.h) must "The of say: one knowledge thereof is only with The Ever Almighty truly I am only the Clear Constant Warner!" God.

67:27. Surely when the unthankful disbelievers approaching, will it the faces of the see people unthankfully disbelieve will who be extremely distressed. and it will be announced: "This that for which ye used is ask for!" to

67:28. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Truthful Messenger and the Trustworthy and The Almighty God of Ever each Prophet to and of Humankind P.m.b.u.h everv one must say: "Have ye each and every of considered! one If The Ever Almighty God were to destroys me are all those who with He has and me or surely Mercy upon us, who will save the unthankful disbelievers from the painful punishment?"

{The 67:29. Muhammad! Honourable 0 Thou and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Ever Almighty God, The Prophet of The Ever Mighty, The Ever Most Excellent Helper. The Most Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, Ever King of the Entire Universe, The Eternal The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe each the to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "He is The Ever Gracefully Compassionate, we truly Most believe in in Him we put trust. Truly each and Him. our will every one of ye eventually come and to know who is the one that is in the clear straying!"

Muhammad! (The Honourable 67:30. Thou 0 and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Ever All Glory, The Owner of Most Excellent Ever Most Beautiful. The The Ever Helper. Most Eternal of Good-Looking, The King the Entire of the Universe, The Eternal Lord and Sustainer every one of Humankind P.m.b.u.h? Entire Universe to "Have ye each and every one of must say: ye Humankind considered! If your water sinks away, could bring all of ye flowing water?" then who

68: Sûrah Chapter Al-Qalam The Pen M.V. 52

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Nûn. €I The Ever Almighty 68:1. God. The Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Most All Praise, Merciful, The Ever Owner of The All of Glory, The Ever Owner Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, Ever Most Truthful, The Ever All Knowing The of Everything, The Ever Most Mighty, The Ever High, The Ever Most Equitable, The Most Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Good-Looking, The The Ever Ever Most Supreme The Ever Truth, The Glorious. Ever of the Supreme Greatness, The Ever Owner All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal of the King Universe. The Creator The Entire and Eternal Sustainer of the Entire Universe swear} and Lord by the Pen and which they write down. that

By the Favour and Blessing of The 68:2. Eternal of Lord and Sustainer thee. thou 0 Muhammad! Honourable and the Trustworthy and (The the of The Truthful Messenger and Prophet Ever The Ever Almighty Most God, Mighty, The Ever Owner Praise. The Owner of All Ever of All Ever Most Excellent The Glory, Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The King of Entire Universe, The Eternal the Creator Eternal Lord and Sustainer of The the Entire and of Universe to each and every one Humankind P.m.b.u.h) are in any way not madman. а

sure for thee O Muhammad! 68:3. For (The the Trustworthy Honourable and Truthful and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. Most Mighty, The Ever Owner of All Ever The The Ever Owner of All Glory, Praise. The Ever Ever Most Excellent Helper, The Most Beautiful. Good-Looking, The The Ever Most Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and every each to one P.m.b.u.h there will of Humankind indeed be the that will reward not ever come to an end.

thou O Muhammad! (The 68:4. For sure Honourable the Truthful Trustworthy Messenger and the and Prophet of The Ever Almighty The Ever and God. Mighty, The Ever Owner of All Most Praise. Ever Owner of The All Glory. The Ever Most Ever Most Good-Looking, The Eternal Beautiful. The Entire Universe, The Creator King of the and The and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord of Humankind P.m.b.u.h and every each to one of mighty good character. indeed a man are

Surely thou O Muhammad! (The 68:5. Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The and Mighty to each and every Most Ever one of Humankind P.m.b.u.h), will eventually see, and the will eventually see, unthankful disbelievers Which of ye afflicted with madness. 68:6. is

68:7. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Most Knowing of each and every person who has gone astray from His Straight Path, and He is The Ever Most Knowing of each and every person who follows the Heavenly Guidance.

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 68:8. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Prophet of The Ever Almighty God, Eternal King of the Entire Universe, The Creator The and and Sustainer of the Entire Universe Eternal Lord each and every one of Humankind P.m.b.u.hto unthankful obey the deniers. not ever must

68:9. The unthankful deniers wish that thou would compromise, so they would compromise.

68:10. And thou must not ever obey any disgraceful habitual swearer of oaths,

68:11. The slanderer, going about with calumnies,

68:12. The strong prohibitor from all that is good, the unjust transgressor and sinful,

68:13. Extremely cruel, moreover illegitimate pretender,

68:14. Just because he has wealth and sons.

68:15. Whenever Our Miraculous Verses {from the Supremely Honourable and the Ever Supremely Ever and the Ever Supremely Blessed and Glorious the Supremely Miraculous Supremelv and the Ever Ever Ever Supremely Clear Qur'an, Wise and the the and the Message Statement Ever Distinctive Criterion Grace and the Truth and Whole and the the Mercy Reminder Wise and the Miraculous Proof and the the Clear Light and the True Insightfulness and and Heavenly Guidance and the Miraculous Words and the Miraculous Verses of The Ever Almighty God the to each and every one of Humankind) are recited to him says: "These are stories of the previous people!" he

68:16. We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will eventually brand him on the snout!

Certainly, We (The Ever Almighty God have 68:17. people just like We tested the them of tested garden when they swore they will the that indeed harvest its fruit in the morning, the exception they did not 68:18. make But (the saying: 'If The Ever Almighty God Wills.')

68:19. Therefore there visited the garden the encircling catastrophe from The Eternal Lord and Sustainer of thee while they were sleeping.

68:20. So it became just like reaped field.

68:21. Then the iniquitous wrondoers called out to one another at morning,

68:22. Saying: "Go early to your crop field if ye are going to reap the fruits!"

68:23. Surely the iniquitous wrongdoers went off, while they were whispering,

68:24. Saying: "Do not let any needy person come to ye in the garden today!"

68:25. So they went early with strong intention, thinking that they have power to execute their plan.

Surely when they the 68:26. saw garden, they "Certainly, have indeed gone astray. said: we fact! We have been deprived!" 68:27. But in

68:28. The moderate from among them said: "Did I not tell all of ye, why do ye are not Glorifying The Ever Almighty God!"

68:29. They said: "All Glory with Complete Holiness is to The Eternal Lord and Sustainer of us! Certainly, we were the iniquitous wrongdoers!"

68:30. Then the iniquitous wrongdoers turned to each other, blaming each other,

68:31. They said: "O there is destruction to us! Certainly, we were the unjust transgressors,

68:32. Perhaps The Eternal Lord and Sustainer of us will give us in exchange a better than this garden. Certainly, we turn to The Eternal Lord and Sustainer of us with hope!"

68:33. Just like this is the Requital Punishment. Truly indeed, the Requital punishment of the Eternal Afterlife World is supremely greater. If they had the Heavenly knowledge (of the only Miraculous Verses and the Miraculous Signs and the Miraculous Words and the Miraculous Books of The Ever Almighty God, The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

68:34. Certainly, for the righteous people who fear Almighty God there will be Ever The the Everlasting Gardens of Delight with The Eternal and Suistainer of them (on the Final Lord Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

68:35. Surely will We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) treat the true Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds) just like the iniquitous criminals?

68:36. What is the matter with ye Humankind? On what criteria do ye people judge?

68:37. Or do ye people have any Heavenly Book (from The Ever Almighty God, The Ever All Wise) in which ye Humankind study,

68:38. That certainly ye people will indeed have therein whatever ye would like to have?

68:39. Or do ye Humankind have oaths binding upon Us (The Ever Almighty God) extending to the Day of Resurrection and Judgement; that certainly, for ye there will be whatever ye decide to have?

68:40. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Living, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Creator and Entire Universe. The The Eternal Lord Sustainer of Entire Universe the and to each every one of Humankind P.m.b.u.h) must and ask them, which of them will give guarantee for this!

68:41. Or do they have other gods (besides of The Ever Almighty God)? Surely they should bring their other gods if they are the truthful.

the Day when the Shin 68:42. On of Almighty God will be uncovered The Ever and will be invited to prostrate, thev surely the iniquitous criminals will not be able to prostrate,

68:43. The eyesight of the iniquitous criminals down. humiliation will be cast will cover the criminals; truly indeed they used iniquitous to be invited to prostration while they were truly capable.

Surely thou leave Me 68:44. must to each Humankind who unthankfully of and every one Message Statement (the Ever Miraculous this denies and the Honourable Supremely Supremely Ever Glorious and the Ever Supremely Blessed and the Supremely Miraculous and the Ever Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Qur'an, the and the Ever Distinctive Criterion Message Statement Truth and the Grace and the Mercy and the Whole and the Wise Reminder and the Miraculous Proof Clear Light and the True Insightfulness and the and the Miraculous Heavenly Guidance and the Words Miraculous Verses of The and the Ever Almightv each every one of Humankind, We God and to will eventually lead them equitably to destruction by step from where they do not know. step

68:45. Truly I (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) will grant them time. Certainly, My plan is very firm.

68:46. Or do thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God all Prophet of The Ever the to Human Beings P.m.b.u.h) ask of Human Beings any reward; so that they are overburdened by debt?

68:47. Or do they have in their presence the true knowledge of the Unseen, so they write it down?

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 68:48. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God, Prophet of The Ever The Ever King of Entire Living. The Eternal the Universe, The Eternal Lord The Creator and and Sustainer of Entire Universe to each and every the one Humankind P.m.b.u.h) must always be of steadfastly the Command for and Judgement of patient The Sustainer thee, of trulv Eternal Lord and thou must not ever be like the man in the whale when while in Praver he called out he was distressed.

and Blessing 68:49. If the Favour of The Eternal Jonah Lord and Sustainer of {the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Almighty God P.m.b.u.h of The Ever Prophet had not reached him, he would have been left abandoned barren seashore while he was blameworthy. the on

Thereafter. The Eternal 68:50. Lord and Sustainer him {the Honourable of Jonah and chose the and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy The Ever Living, The Ever Almighty God of P.m.b.u.h), surely The Ever Almighty God made Jonah (P.m.b.u.h) one of the devoutly righteous people.

Truly indeed the people 68:51. who unthankfully slip disbelieve would almost make with thee gazes when they hear the Wise Reminder, their evil they say: "Certainly, he is indeed a madman!" and

68:52. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

69: Sûrah Chapter Al-Haqqah The Inevitable Reality M.V. 52

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

69:1. The Inevitable Reality! Inevitable 69:2. What is the Reality? Truly what 69:3. will make thee to know what Inevitable Reality (promised Ever is the by The Almighty God, The Ever Most Truthful??

69:4. Thamûd and 'Aad unthankfully denied the Dreadful Calamity (promised by The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate);

Surely for Thamûd, truly 69:5. as they were by the overpowering blast destroyed {commanded The Almighty God, The by Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable;

'Aad, truly they 69:6. And for as were furious violent wind the *(commanded)* destroved bv by The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable);

Which The Ever Almighty God unleashed upon 69:7. 'Aad for seven nights and eight days in succession, could have so that thou seen its people therein if they were hollow palm fallen as trunks.

69:8. Surely do thou see any of them surviving?

Truly there Pharaoh those who 69:9. came and him. cities before and the which were were overturned solely because they committed sins.

69:10. Surely the arrogant sinners unthankfully disobeyed the Messenger of The Eternal Lord and Sustainer of them; surely The Ever Almighty God seized them with the severe seizing punishment.

69:11. Certainly, when the water overflowed. We Almighty God, The Ever Most (The Ever Merciful. Most Mighty, The Ever Living, The Ever The King of the Entire Universe, Eternal The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) carried ye Humankind in the sailing Ark.

For the purpose that We (The Ever Almighty 69:12. Ever Most Gracefully Compassionate The God. the Reminder for ye Humankind. make it may for the heeding ears to take and heed.

69:13. Surely when (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) the Trumpet will be blown with one blowing;

69:14. Truly the whole earth and the mountains will be lifted, and crushed with a single blow.

69:15. Surely on that Day the Great Inevitable Event will come to pass;

69:16. Truly the heaven will be torn apart, surely on that Day the heaven will be infirm;

Truly the Angels will be 69:17. on the edges of the heaven, surely on that Day Angels Eight bearing above them Throne will be the of Eternal Lord and Sustainer The of thee.

69:18. On that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Thousand Years) each and every Fifty is one of ye the Human Beings will be presented before The Ever Almighty God for Judgement, not secret of yours will remain even one hidden.

69:19. Surely as for each and every person who will be given his Book of actions in his right hand (on the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years), surely such a person will say: "Here, read my Book of actions!

69:20. Certainly, I believably thought that I will be meeting my Reckoning Account (on this Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Recompense)!"

69:21. Surely, such a person will be in luxury and delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

69:22. In the Elevated Everlasting Garden,

69:23. The clustered fruit of the Elevated Everlasting Garden will be in easy reach,

69:24. (It will be announced on the Day of Eternity): "All of ye may eat and drink pleasantly solely because of the righteous good actions all of ye sent ahead during the previous days!"

69:25. Truly as for each and every person who will be given his Book of actions in his left hand (on the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Requitals and Reckoning and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the extent whereof is Fifty measured Thousand Years. "Oh I a person will surely such say: wish that I had not been given my Book of actions!

what 69:26. And that I had known not is my Reckoning Account (on this Mighty Day of Judgement and Requitals Resurrection and and the Eternal Afterlife World. Rewards in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)!"

69:27. I wish that the death had been theFinal End of me!69:28. My wealth has not benefited me!

69:29. My power has gone away from me!"

69:30. (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable will Command the Angels): "Ye must take every unthankful sinner and shackle him;

69:31. Thereafter, burn every unthankful sinner in the Blazing Hell.

69:32. Thereafter, fasten every unthankful sinner with a chain whereof the length is seventy cubits!"

69:33. Certainly, the unthankful sinner did not used to truly believe in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty (The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

69:34. Nor did the unthankful sinner urged the feeding of the needy person,

Surely here this Day ∲of Resurrection 69:35. Judgement and Requitals and Reckoning and and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife measured whereof extent World. the is Fifty Thousand Years? each and every unthankful sinner have any real friend. does not any food except from filth; 69:36. Nor

69:37. None will such filthy food eat fon the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and and Reckoning and Rewards in the Eternal Requitals Afterlife World. the measured whereof extent is Fifty Thousand Years) except the unthankful sinners.

Surely I (The Ever Almighty God, The Ever 69:38. Merciful. Ever Owner of All The Most Praise. Glory, of All The Ever The Ever Owner All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Truthful. Trustworthy, The Ever The Ever Most Most Beautiful, Ever Most Good-Looking, The The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever High-Ranking, The The Ever Most Most Exalted. Most Appreciative, The Ever Most Thankful. Ever The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner of All Honour, The Ever Most Good, The Ever Omnipresent to Help. The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and The Creator and Sustainer the Entire Universe) swear by Everything that of and one of ye the Human Beings can see, each

And (I The Ever Almighty God, The Ever 69:39. Merciful, The Ever Owner of All Praise, Most of All Glory, The Ever The Ever Owner All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Truthful. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Good-Looking, Beautiful. The Ever Most The Ever Glorious, The Ever Supreme Truth, Most The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Exalted, Ever Most High-Ranking, The The Ever Most Appreciative, The Ever Most Thankful, Eternal King of the Entire Universe, The Eternal The Owner of All Honour, The Ever Most Good, The Ever Omnipresent to Help. The Ever Most Powerful, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe swear by Everything that each the of ye the Human Beings cannot and one see,

this Book Qur'an Certainly, 69:40. is indeed the Word of the Honourable Messenger Muhammad; Honourable and Trustworthv and **Fhe** the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h). and

69:41. Truly this Book Qur'an is not the Word of any poet, yet it is little that which ye the Human Beings truly believe.

this Nor Qur'an 69:42. is Book the Word of soothsayer, yet it little is that which any ve Human Beings heedfully remember. the

This Book Qur'an is the Miraculous 69:43. The Eternal Lord Revelation from Sustainer and Worlds (The Ever all the Almighty God, of The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

Truly if Muhammad (the Honourable and 69:44. the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Owner of Praise. The Ever Owner of Glory, All All The Ever Excellent Helper, The Ever Most Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Lord and Sustainer The Eternal of the Entire Universe each and every one of Humankind to P.m.b.u.h) had said about Us any untrue saying,

69:45. Indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever Owner Ever Owner of All Praise, The of Glory, The Ever Most Excellent Helper, The All Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever Most King of the Entire Universe. The Eternal The Entire Universe Eternal Lord and Sustainer of the seized him by the right hand; would have

69:46. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The of All Praise, Ever Owner Ever Owner The of All The Ever Most Excellent Helper, Glory, The Most Beautiful, The Ever Good-Looking. Ever Most King of the Entire Universe, The Eternal The and Sustainer of the Entire Universe } Eternal Lord would have indeed cut from him his aorta:

69:47. Then none of ye Humankind could have prevented Us (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) from it.

69:48. For sure this Book Qur'an is indeed the Wise Reminder for the righteous people who fear The Ever Almighty God.

sure We (The Ever Almighty 69:49. For God} know very well that indeed from among ve deniers there are unthankful { those Humankind who unthankfully deny the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous Supremely Wise and Ever and the the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and the Ever Distinctive Criterion and the Whole the Grace the Mercy Truth and and and the Miraculous Proof Wise Reminder and the and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words and of The Ever Almighty God the Miraculous Verses and every one of the Human Beings). to each

69:50. For sure this Book Qur'an is indeed a source of anguish for the unthankful disbelievers.

69:51. For sure this Book Qur'an is indeed The Whole Truth of the Absolute Certitude.

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 69:52. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Almighty God, The Ever The Prophet of Ever Praise. Ever Owner of All The Owner of All The Ever Most Beautiful, The Ever Most Glory, Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to every one of Humankind P.m.b.u.h Name of must Glorify the The Eternal Lord and The Ever Supremely Mighty. Sustainer of thee

70: Sûrah Chapter Al-Ma'arij The Ascending Steps M.V. 44

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

70:1. A questioner has asked concerning the requital punishment which is indeed sure to befall,

requital punishment will befall 70:2. The on the disbelievers. which unthankful none can prevent Mighty of Final (°on the Day Resurrection and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof Fifty Thousand Years? measured extent is

70:3. From The Ever Almighty God, The Ever Owner of the Ascending Steps to the heaven,

will 70:4. The Angels and the Spirit ascend to God Day Almighty during The Ever the the whereof Fifty Thousand Years. is measured extent

Muhammad! {The Surely thou O Honourable 70:5. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Ever Almighty God. The Prophet of The Eternal King the Entire Universe, The Eternal of Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and Humankind every one of P.m.b.u.h must always steadfastly patient, with good steadfast patience. be

Beings 70:6. Certainly, the Human see that Day Judgement Reckoning Resurrection and {of and and Rewards Requitals and and Recompense in Afterlife the the Eternal World. measured extent Fifty Thousand Years whereof is far as away,

Truly We (The Ever Almighty 70:7. God. The All Wise, The Eternal King of Ever the Entire The Eternal Lord and Sustainer Universe. of the see that Day as nearby. Entire Universe

70:8. On that Day (of Resurrection and Judgement Requitals and Rewards Reckoning and and and Eternal Afterlife Recompense in the World. the Thousand Years? measured extent Fifty whereof is molten heaven will be like when the brass,

70:9. And the mountains will be like wool, 70:10. Truly no friend will ask about any friend,

70:11. They will observe each other, every iniquitous criminal will dearly desire that he could save himself from the Requital Punishment of that Day fof Resurrection and Judgement and Reckoning and Rewards Requitals and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) at the price of his sons;

70:12. And his wife and his brother;70:13. And all his relatives who gave him shelter;

70:14. And each every person and who is on entirely; thereafter, if the whole earth all this (from the Requital Punishment could him of save that Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals Rewards and and and Eternal Afterlife Recompense the World. the in whereof is Fifty Thousand Years); measured extent

70:15. Certainly not! Indeed, it is the Raging Flame of Hell;70:16. The Raging Flame of Hell strips away the skin.

The Raging Flame of Hell will 70:17. be claiming each every person from and among Humankind who turned his back from all that good and he went away **€**by not truly is believing in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and His Angels and His Books and the Final Messengers and Mighty Day His of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

70:18. And he hoarded wealth; and withheld it.

70:19. Certainly, the Human Being has been created very anxious;

70:20. Whenever any evil afflicts the Human Being, he becomes very fretful;

70:21. Truly whenever any good reaches the Human Being, he becomes miserly;

70:22. Except the ones who Pray;

70:23. Those who are constant in their Prayer;

70:24. And the ones in whose wealth there is a known equitable share;

70:25. For the beggar and the deprived;

70:26. And the ones who sincerely testify to the reality of Day of Judgement and Requitals (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

70:27. And the ones who are always fearful of the Requital Punishment of The Eternal Lord and Sustainer of them;

70:28. Certainly, the Requital Punishment of The and Eternal Lord Sustainer of them is something that none should feel secure from it. guard their chastity, 70:29. And the ones who

70:30. Except from their wives or the women they own as slaves, surely indeed, they are not to be blamed.

70:31. Truly any person who seeks anything more than this, surely such people are the iniquitous transgressors;

70:32. And the ones who sincerely honour their trusts and their pledges;

70:33. And the ones who stand firm in their truthful testimonies;

the ones who strictly preserve 70:34. And their Prayers (Commanded by The Ever Almighty God). people will be Such honoured 70:35. in the Everlasting Gardens (on the Final Mighty Day of Judgement and Reckoning Resurrection and and the Eternal Afterlife World, Requitals in the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

Surely what is the matter with 70:36. the people unthankfully disbelieve, they come who hastening thee O Muhammad! (The Honourable towards and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of Entire Universe, The Eternal the Lord of the Entire Universe Sustainer to each and the Human Beings P.m.b.u.h?; every one of and

70:37. From the right side and from the left side in seperate groups?

70:38. Does every person from among them hope to enter the Everlasting Garden of Delight?

70:39. Certainly not! Surely We (The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate, The God, The Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Kind, The Ever Most Forgiving, Ever Most The Everything, The Ever Owner All of Creator of The Ever Owner of All Glory, The Ever Praise. Seeing of Everything, All The All Self-Ever Self-Reliant, Sufficient The Ever Most Trustworthy, True Light The Ever Most Truthful, The of all the the Whole Earth, The Ever and All Heavens Knowing of Everything, The Ever Most High, The Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, Ever The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Ever Supreme Truth, Owner The of the The Ever Supreme Greatness, Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The All Encompassing Over Everything, The Ever Ever Witness Present Over Everything, The Ever Most Eternal Lord and Forbearing, The Sustainer of the Throne, The Ever Supremely Honourable Ever Most High-Ranking, The Exalted. The Ever Most Ever Appreciative, The Ever Most Grateful, The Ever Most The Eternal Thankful, King of the Entire Most The Eternal Owner of All Honour, Universe. The Most Good, The Ever Omnipresent Help. Ever to Most Powerful. The Creator Ever The The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe from that which they know! have created them

Surely I (The Ever Almighty God, The Ever 70:40. Gracefully Compassionate, The Ever Most Most The Ever Most Exalted, The Ever Merciful. Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Ever Most Thankful, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, Sustainer The Eternal Lord and of the Entire Universe) swear by The Eternal Lord and Sustainer of every sunrise and every sunset; certainly, We supremely powerful indeed always have the ability,

70:41. To replace Humankind with better creation than them; truly nothing can prevent Us.

Surely thou 70:42. O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and of the Human Beings P.m.b.u.h) may every one disbelievers to indulge in evil unthankful leave the amuse themselves until they discussions and meet their Eternal Afterlife Day which they are promised.

(of Resurrection and Judgement Day 70:43. The and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years measured extent they will rush out from the when graves in as if they were hastening towards target; haste.

Their eyesight will be cast down. 70:44. humiliation Day which each them. This is the will cover of the Human Beings and every are promised Final Mighty Day of Resurrection and Judgement { the Reckoning and Requitals and and Rewards and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

71: Sûrah Chapter Nûh Noah P.m.b.u.h. M.V. 28

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

71:1. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner All Praise, The Ever Owner of All Glory. of Ever All Seeing of Everything, The Ever All The Knowing of Everything, The Ever Most High, The Most Mighty, The Ever Owner of the Most Ever The Good Names, The Ever Most Equitable, Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe Noah sent (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h? to his people, saying: "Thou must warn your people before the painful punishment!" there comes to them

71:2. Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "O my people! Certainly, I am the Clear Constant Warner to all of ye,

71:3. Saying all of ye must always worship only The Ever Almighty God, and all of ye must always fear The Ever Almighty God, and all of ye must always wholly obey me,

71:4. The Ever Almighty God will forgive ye some will grant He sins and of the your ve postponement to the decreed appointed time. Certainly. whenever the decreed appointed time of The Ever Almighty God comes, it will not be postponed, if only all of ye have the Heavenly Knowledge!"

71:5. Noah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I have invited my people by night and by day,

71:6. But my invitation did not increased them in any way except in taking flight.

71:7. Truly indeed every time I invited them the purpose that Thou for may forgive them, they placed their fingers into their ears. covered themselves with they and their garments they persisted in evil, truly they and were unthankfully arrogant with extreme arrogance.

71:8. Thereafter, certainly I invited them openly,71:9. Thereafter, certainly I announced to them in public, and I also spoke to them in private,

71:10. Surely I said: "Each and every one of ye must pray for forgiveness from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Superb Forgiver,

71:11. The Ever Almighty God will send the heaven to all of ye giving rain in abundance.

71:12. And The Ever Almighty God will help ye with wealth and sons and He will provide for ye gardens and He will provide for ye rivers.

71:13. What is the matter with ye people? Why ye people do not attribute to The Ever Almighty God the true mighty grandness.

71:14. While The Ever Almighty God has indeed created each and every one of ye stage by stage?

71:15. Have each and every one of ye not considered how The Ever Almighty God has created the seven heavens, one above the other?

71:16. Truly The Ever Almighty God has made the moon the light in in the heavens and He has made the sun the supreme burning lamp?

71:17. Truly The Ever Almighty God has originated every one of ye as an origination from the earth,

71:18. Thereafter, The Ever Almighty God will return each and every one of ye into the earth and He will bring all of ye out again, resurrected.

71:19. Truly The Ever Almighty God has made for all of ye the earth spread out.

71:20. For the purpose that all of ye may travel along the spacious paths of the earth!"

71:21. Noah {the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever All Wise, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! said: Certainly, they have disobeyed me and they have those whose wealth and children will followed not increase them in any way except in loss.

they have plotted the mighty plot, 71:22. And "All And they have said: 71:23. of ve leave the gods of not of all must ve not Wadd all of ye leave and must and and Yaghooth and Ya'ooq and Nasr!" Suwâ

Truly indeed have 71:24. they led many people Therefore, Thou do astray. please not increase the iniquitous wrongdoers except in straying!"

71:25. Solely because of their incorrect actions the people of Noah (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God. The Ever All Wise P.m.b.u.h? drowned, then they made enter to were were the Hellfire. Truly they did not find for themselves any helpers other than The Ever Almighty God.

{the Noah Honourable 71:26. Truly the and Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal of Lord Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h said: and Eternal Lord and Sustainer "Thou The of me! upon the earth Thou please do not leave from among the unthankful disbelievers any resident!

71:27. Certainly, if Thou leave them, they will lead your servants astray and they will not beget except the wicked unthankful disbelievers.

The Eternal Lord 71:28. Thou and Sustainer of Thou please forgive me and my parents me! and one who enters my home as every а true believer, the believing men all and all and the believing women; and Thou please do not increase iniquitous wrongdoers except in destruction!" the

72: Sûrah Chapter Al-Jinn The Jinn M.V. 28

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad! (The 72:1. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise. The Ever Owner of All Glory, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Equitable, The Most Ever Most Excellent Ever The Ever Most Beautiful, The Helper. Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "It has been Miraculously Revealed to me that group of Jinn a listened attentively, surely they said: "Certainly, we have heard the Ever Supremely Miraculous Qur'an.

Supremely Miraculous Qur'an The Ever 72:2. righteousness; therefore, we truly believe guides to The Ever Supremely Miraculous Qur'an. Truly in associate ever will not anyone we as god a The Eternal Lord and Sustainer with of us.

72:3. Truly indeed supremely exalted is the Glory of The Eternal Lord and Sustainer of us, He has not ever taken a wife nor a son.

72:4. Truly indeed the foolish among us has been saying excessive senseless untruth about The Ever Almighty God (The Creator of the Entire Universe).

72:5. Truly indeed we believably thought that Humankind and Jinn-kind would never speak untruth about The Ever Almighty God (The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

72:6. Trulv indeed there were men from Humankind seek refuge in from who used to Jinn-kind. men they only increased them surely in injustice.

72:7. Truly indeed they had believably thought just like ye believably think, that The Ever Almighty God would not ever resurrect anyone after death,

72:8. For sure we have indeed touched the found filled heaven: surely we the heaven with powerful guards and burning flames,

Truly indeed 72:9. we used to sit on certain heaven listening, positions in the for surely will listen whoever seeks to now. he find fire waiting of а flame for him in ambush.

72:10. Truly indeed we do not know whether some evil has been intended for the people in the earth or whether The Eternal Lord and Sustainer of them intends for them the Path of righteousness,

72:11. Truly indeed there some from are among the devoutly righteous us who are and there different. among from us who are are some following different we are sects paths.

we believably think Truly indeed 72:12. that we are incapable to cause failure to The Ever Almighty (The Creator of Everything upon the whole God can we ever escape Him by fleeing. earth. nor

72:13. Truly indeed when we heard the Heavenly Guidance, we truly believed in it. Surely each person who truly believes in The Eternal and every Sustainer of him, then he will Lord and not any fear of any loss any have nor injustice,

Truly indeed there 72:14. are some from among us Muslims, but there some from who are are among are unjust wrongdoers. Surely us who any person a Muslim, surely such who has become are the found the Path of righteousness, who have people

72:15. But as for the unjust wrongdoers, surely they will be the fuel for Hell!"

Truly if they had remained firm 72:16. on the Path of righteousness, indeed, We (The Ever Almighty Most The Gracefully Compassionate, God. Ever Ever Owner of All Praise, The Ever Owner The The Ever Most Glory. Equitable. of All The Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, Ever of the King Universe, The Eternal Entire The and Sustainer of the Eternal Lord Entire Universe provided abundant them would have rainwater.

the purpose that We (The Ever Almighty 72:17. For Most Equitable may test The Ever God. them any person who turns thereby. Truly away from the Wise Reminder and Remembrance of The Eternal Sustainer of him, The Ever Almighty God Lord and arduous punishment. such a person into will put

72:18. Truly indeed all the Mosques belong only to The Ever Almighty God; therefore, each and every one of ye Humankind must not ever call in prayer anyone along with The Ever Almighty God.

72:19. Truly indeed when the Servant of The Ever Almighty God Muhammad, {the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) stood up to pray to The Ever Almighty almost densely swarmed over God. they him.

72:20. Thou O Muhammad! {The Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner Glory, The All Knowing Ever of All of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the The Eternal Entire Universe, The Creator and Lord Sustainer of the Entire Universe and to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h? and only The say: "I in Prayer call Eternal must Sustainer of me, and Lord and Ι do not anything god with Him. associate ever as a

72:21. Thou must say: "Certainly, I do not possess the power to cause ye Humankind any harm nor to bring ye to the Path of righteousness!"

72:22. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever Living of to every one of Humankind P.m.b.u.hand each say: "Certainly, none can must ever protect me can I The Ever Almighty God, nor find from refuge except in The Ever Almighty God. any

72:23. I only deliver the Command from The Ever Almighty God and His Messages!" Truly any The person who disobevs Ever Almighty God Messenger; for sure and for His such a there is the Fire of Hell, such person people will reside in the Fire of Hell forever.

72:24. Until, when they see whatever they are promised, then they will eventually come to know who is weaker in helpers and less in number.

72:25. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Eternal of King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must say: "I do not know that which ye Humankind are promised is whether Eternal The whether Lord and Sustainer near or of me will appoint for it a long period!"

The Ever All Knower of all 72:26. the Unseen. Almighty God Ever does truly The not ever reveal His Knowledge of the Unseen to anyone,

72:27. Except to the Messenger whom The Ever Almighty God has approved, for sure The Ever Almighty God sends observers to march before each and every such Messenger and behind him,

the purpose that The Ever Almighty 72:28. For God may make known that the Messengers have Messages of The Eternal Lord conveyed the and of them. Truly The Ever Almighty God Sustainer encompassed Everything that is with them has He has kept count of Everything in number. and

73: Sûrah Chapter Al-Muzzammil The Wrapped One M.V. 20

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad! (The 73:1. Thou 0 Honourable and the Truthful Messenger and the Prophet Trustworthy and Almighty God, Ever The Ever of The Most The Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Ever Praise. The Owner of All Glory, The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Equitable, The Ever Most Ever Most Excellent Ever Most Beautiful, The The Ever Most Helper. Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Universe and Entire to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h) wrapped in your the cloak!

73:2. stand during Thou must the night in for small of the part night, Prayer, except a

73:3. Half of the night, or subtract from it little,

73:4. Or add to it, and thou must always recite the Qur'an with the equitable measured recitation.

Certainly, We (The Ever Almighty 73:5. God. The Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Most Most Good-Looking, The Ever The Beautiful. Ever Exalted. The Ever Most High-Ranking, Most The Most Appreciative, The Eternal King of Ever the Entire Eternal The Creator and The Universe, Entire Universe } Lord and Sustainer of the will upon thee the Heavy Message Word. send soon

73:6. Certainly, the night Prayer is more impactful and more suitable for reciting words.

73:7. Certainly, there are many commitments for thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and the and Prophet of The Almighty God. The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, All Knowing of Everything, Ever The Ever The Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Sustainer of the Entire Universe to and and each the every one of Humankind P.m.b.u.h during day.

73:8. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every the Human Beings P.m.b.u.h) must heedfully one of of The Eternal Lord remember the Name and of thee and thou devote yourself Sustainer must The Ever Almighty God with complete devotion. to

Eternal Lord Sustainer 73:9. The and of the East there is God except and the West. no Him Surely thou always take Alone. must only The Ever Almighty God The Protector. as

73:10. Truly thou must always be steadfastly patient over whatever the unthankful disbelievers say and thou must always avoid them with good avoidance.

73:11. Truly thou must leave to Me (The Ever Almighty God) to deal with the unthankful deniers who are blessed with the Favours and Blessings. Truly thou must bear with them for a little while.

73:12. Certainly, with Us (The Ever Almighty God) there are shackles and the Blazing Hell.

73:13. And food that chokes and the painful punishment (for the unthankful disbelievers).

73:14. On the Day when the earth and the mountains will quake violently and the mountains will become as heaps of scattered sand.

73:15. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) have sent to ye Humankind the Messenger to be the witness over all of ye, just like We sent to Pharaoh the Messenger.

73:16. Surely Pharaoh disobeyed the Messenger; therefore, We (The Ever Almighty God) seized Pharaoh with the severe Requital Punishment.

73:17. If ye people unthankfully disbelieve, then how will ye protect yourselves on the Day which will make the children grow old?

73:18. On that Day the heaven will be torn apart? The promise of The Ever Almighty God will certainly be fulfilled.

73:19. Certainly, this Book Qur'an is the Wise Reminder; surely each and every person who wills may take the Right Path to The Eternal Lord and Sustainer of him.

73:20. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer thee O Muhammad! (The Honourable of and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God, The Ever of Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most High. The Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h and knows very well that thou stand in prayer a little thirds of the night or sometimes less than two half of the night or sometimes one third of the night, and the party of those whom are with thee. Truly The Ever Almighty God measures the night and the day. He knows very well that ye will not do these prayers; therefore, be able to He has turned to ye with forgiveness and Mercy; therefore, all of ye must recite as much from the Qur'an as much as is easy. He knows very well that there will be sick among ye and others travelling in the earth seeking from the Grace of The Ever Almighty Straight Path God, and others fighting in the of The Ever Almighty God. Therefore, ye must recite much from the Qur'an as much as is easy, as ye must always equitably perform the Prayer and ye must always give the Mandatory Alms and and ve must loan The Ever Almighty God the goodly ye send truly whatever good ahead loan. for yourselves, each and every one of ye will find it with The Ever Almighty God, that is supremely good and supremely mighty in reward. Truly all of ye must always ask for forgiveness from The Ever Almighty God. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Merciful.

74: Sûrah Chapter Al-Muddaththir The Enveloped One M.V.56

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

74:1. Thou 0 Muhammad! (The Honourable and Trustworthy the Truthful the and Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. of All Ever Owner Praise. The Ever The Owner of All Glory, The Ever All Knowing of Everything, Ever High, The Most The Most Ever Mighty, Most Equitable, The Excellent The Ever Ever Most Ever Most Beautiful. The Ever Helper. The Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the each and Entire Universe to one of every Humankind P.m.b.u.h) enveloped in your the cloak!

74:2. Thou must arise and thou must warn!

74:3. And thou must always proclaim the Greatness of The Eternal Lord and Sustainer of thee!

74:4. And thou must always keep purified your clothing!

74:5. And thou must alway keep away from every kind of uncleanliness.

74:6. And thou must not ever confer any favour seeking increase in return.

74:7. And thou must always be steadfastly patient for The Eternal Lord and Sustainer of thee.

74:8. Surely when the Trumpet will be blown,

74:9. Surely that will be a very hard Day,

the unthankful disbelievers, 74:10. For that Day will not be easy (the Final Mighty Day of Judgement and Reckoning and Resurrection and the Eternal Afterlife World. Requitals in the measured extent whereof is Fifty Thousan Years.

74:11. Leave Me (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Owner All Praise, The Ever Owner of All of Glory. The Ever All Knowing of Everything, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable. The Ever Most Excellent Helper. The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe? deal with the person I created lonely, to

74:12. And I gave him wealth in abundance,

74:13. And sons to be by his side,

74:14. And I made everything easy for him,

74:15. Thereafter he hopes that I award even more,

74:16. Certainly not! Indeed he has been stubbornly hostile to Our Miraculous Verses,

74:17. Eventually I (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will inflict him with arduous torment.

74:18. Certainly, he reflected and determined.

74:19. Surely may he be destroyed! How evil was what he determined!

74:20. Then again, he may he be destroyed! How evil was what he determined!

74:21. Thereafter, he considered again,

74:22. Thereafter, he frowned and scowled,

74:23. Thereafter, he turned away and he was unthankfully arrogant,

74:24. Then he said: "This Book Qur'an is not in any way except magic which is being imitated,

74:25. This Book Qur'an is not in any way except the word of the Human Being!"

74:26. Eventually I (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will burn him in the Saqar Hellfire.

74:27. Truly what will explain to thee what is the Saqar Hellfire?

74:28. The Saqar Hellfire spares nothing and it leaves nothing unburned,

74:29. It scorches the skin of the Human Being,

74:30. Over the Saqar Hellfire there are Nineteen (Mighty Angels as the Wardens of the Saqar Hell).

74:31. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King the Entire Universe, The Creator of The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe) have not made the Wardens of the Angels. And We have not fixed Hellfire except a trial test for number except as the people their unthankfully disbelieve, who for the that purpose the people who have been given the Heavenly Book will be convinced and that the people who truly believe may increase in the True Faith and people who have been that the given the Heavenly Book and the true believers may not and for the purpose that the people in doubt, whose is of hypocrisy disease hearts there a and the unthankful disbelievers may say: "What does The Ever Almighty God intend by this example?" this way The Ever Almighty God leaves to In stray any person He Wills and He guides any person He Wills. Truly no one knows the Armies of The Eternal Lord and Sustainer of thee except The Ever Almighty God. Truly this Book Our'an except the Wise any way is Reminder not in for each and every one of the Human Beings.

74:32. Certainly not! (I The Ever Almighty God, The Ever All Wise swear) by the moon,

74:33. And by the night when it departs,

74:34. And by the morning when it brightens,

74:35. Certainly, the Fire of Hell is indeed one of the greatest affliction,

74:36. The Fire of Hell is the warning to each and every one of the Human Beings,

74:37. To every person who wills from among ye the Human Beings to go forward or stay behind,

74:38. Each and every person will be detained for whatever actions he earned,

74:39. Except the companions of the right hand,

74:40. The ones who will be in the Everlasting Gardens, they will be inquiring,

74:41. From the iniquitous criminals,

74:42. "What caused ye to enter the Saqar Hellfire?"

74:43. They will answer: "We were not of those who prayed (to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe),

74:44. And we did not feed the needy,

74:45. And we used to indulge in evil discussions along with those who indulged,

74:46. And we used to unthankfully deny the Day of Judgement and Requitals (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years);

74:47. Until there came to us the Certain End!"

74:48. Surely the intercession of the intercessors will not benefit them (on the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Requitals).

Surely what is the 74:49. matter with those people who are turning away from the Wise Supremely Honourable Reminder (the Ever and the Supremely Glorious and the Ever Ever Supremely Supremely Miraculous Blessed and the Ever and Supremely Wise and the Ever the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and the Ever and the Distinctive Criterion Whole Truth and the Grace and the Mercy and the Wise Reminder Proof and the Clear Light Miraculous and the the True Insightfulness Heavenly and and the and the Miraculous Words and Guidance the Miraculous Verses of The Ever Almighty God to every one of the Human Beings? each and 74:50. As they were frightened donkeys, if 74:51. Fleeing from a lion?

74:52. But in fact, every person among them desires that he should be given Scriptures spread out.

74:53. Certainly not! But in fact the unthankful disbelievers do not fear the Eternal Afterlife World.

74:54. Certainly not! Indeed, this Book Qur'an is the Wise Reminder (to all the Human Beings),

74:55. Therefore, each and every person who wills may heedfully remember this Book Qur'an.

74:56. Truly they will not heedfully remember except that The Ever Almighty God Wills. He is worthy of devout piety and worthy to forgive. 75: Sûrah Chapter Al-Qiyamah The Resurrection and Judgment The Miraculous Verses 40

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

I (The Ever Almighty God, 75:1. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, of All Ever Owner Praise. The The Ever All Self-Sufficient of All Glory, The Owner Ever The Ever Most Trustworthy, Self-Reliant. The Ever Mighty, Truthful, The Ever Most The Ever Most High, The Ever Equitable. Most Most The Ever Excellent Helper, The Ever Most Most Beautiful. Most Good-Looking, Ever The Ever The Most Glorious, The Ever Owner of the Supreme Greatness, Encompassing Over Everything, The Ever All Over Ever Present Witness Everything, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe } swear and Lord by the Day of Resurrection and Judgement!

75:2. And I swear by each and every person who always reproaches himself.

75:3. Does the Human Being think that We (The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will not assemble his bones?

75:4. Certainly yes! We (The Ever Almighty God) always have the supremely powerful ability even to put together in perfect order his very fingertips.

75:5. But the Human Being desires to continue committing sins in his present earthly life.

75:6. The Human Being asks: "When will be the Day of Resurrection and Judgement?"

75:7. Surely when the vision will be dazzled.

75:8. And the moon will darken.

75:9. And the sun and the moon will be joined together.

75:10. On that Day the Human Being will say: "Where can I flee?"

75:11. Certainly not! There is no refuge.

75:12. Only to The Eternal Lord and Sustainer of thee will be the return of each and every one of the Human Beings that Day.

75:13. On that Day (of Resurrection and Judgement and Rewards Reckoning and Requitals and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the Thousand measured extent whereof is Fifty Years? every one of the Human each and Beings fully informed of actions whatever he will be ahead and whatever actions he left behind. sent

75:14. But in fact, each and every one of the Human Beings will be the clear witness against himself (on the Final Mighty Day of Resurrection and Reckoning and Requitals Judgement and and Eternal Afterlife World, the Rewards in the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

75:15. Despite all the excuses the Human Being may put forward.

75:16. Thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Owner The Ever Almighty God, The of of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Mighty, The Ever Most Excellent The Ever Most Beautiful, The Helper, Ever Most the Good-Looking, The Eternal King of Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each every one of and the Human Beings P.m.b.u.h) must not move your tongue concerning this Qur'an to learn it hastily.

75:17. Certainly, upon Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) is the responsibility to collect this Qur'an and give the the ability to recite this Qur'an.

75:18. Therefore, when We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Living) have recited this Qur'an to thee (through the Holy Spirit, the Mighty Angel Gabriel P.m.b.u.h), then thou must follow the recitation of this Qur'an.

75:19. Thereafter certainly, upon Us (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful) is the responsibility to explain this Qur'an clearly.

75:20. Certainly not! But in fact ye people love the immediate fleeting earthly life,

ye people neglect the Eternal Afterlife 75:21. And the Final Mighty Day of Resurrection World and Requitals Judgement and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

75:22. Many faces on that Day will be very radiant (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

75:23. Looking towards The Eternal Lord and Sustainer of them (The Ever Almighty God).

75:24. And many faces on that Day will be very depressed (solely because of the evil actions they committed in their earthly life),

75:25. They will realize that the mighty requital punishment is going to befall them.

75:26. Certainly not! When the soul reaches to the collarbone (of the Human Being).75:27. And it is said: "Who can cure him?

75:28. When the dying person comes to realise that it is the time of the final departure,

75:29. And one leg clings to the other leg;75:30. The procession that Day will be toThe Eternal Lord and Sustainer of thee.

75:31. Surely each and every unthankful disbeliever sincerely testified to The Whole Truth who had not he prayed (to The Ever Almighty God, had nor Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Most Generous, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of A11 Glory, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe),

instead he unthankfully denied The Whole 75:32. But and turned away (from truly believing Truth in The Ever Almighty God and His Angels and His and His Messengers and the Final Mighty Books Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand measured Years. extent

75:33. Thereafter, the unthankful disbeliever went to his people, arrogantly admiring himself.

75:34. destruction There is to thee! Then is destruction thee! again there to is 75:35. Thereafter. there destruction to thee! Then again there is destruction to thee!

75:36. Does the Human Being think that he will be left alone without being requited?

75:37. Was the Human Being not a biological of sperm emitted? cell Thereafter, the Human Being became 75:38. an Ever thereafter. The Almighty embryo; God created his physical form and The Ever Almighty God perfected his physical form;

75:39. Then The Ever Almighty God made from him two mates; the male and the female.

Such Creator 75:40. Is not a ever supremely give life powerful to again to each and every of the Human Beings dead person *fon* the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years? measured extent

76: Sûrah Chapter Ad-Dahr The Time M.V. 31

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Was Human Being 76:1. there not upon the a time when the period Human Being of was something be honourably mentioned? not to

Certainly, We (The Ever Almighty God, 76:2. The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Ever Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever of All Glory, The Ever Seeing Owner All of Ever All Everything, The Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The The Ever Most High, Ever Most Mighty, Equitable, The Ever Ever Most Most Excellent The Excellent Protecting Friend, The Ever Most Helper, Most Good-Ever Most Beautiful, The Ever The Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme The Most Supremely Holy, Ever The Truth. Ever Over Everything, The Ever Present Encompassing All Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, Eternal Lord and Sustainer of the The Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, Ever Most The Ever The Most The Ever Most Appreciative, Grateful. The Ever Eternal King of Thankful. The the Most Entire Eternal Owner Universe, Honour. The of All The Good, Ever Omnipresent The Ever Most Help, to Powerful. The Creator The Ever Most and The and Sustainer of the Entire Universe } Eternal Lord mingling have Human Being from the created the biological cell to test him, truly We have made and constantly constantly hearing him seeing.

76:3. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have guided the Human Being to the Right Path, whether he becomes thankful believer or he becomes unthankful disbeliever.

76:4. Certainly, We (The Ever Almighty God) have prepared for the unthankful disbelievers chains and iron collars and the Blazing Hellfire.

76:5. Certainly, the righteous servants will drink from the cup of wine which will be mixed with Kaafoor.

76:6. It is a spring from which the righteous servants of The Ever Almighty God will drink; they will make it gush forth abundantly.

76:7. The righteous servants are the ones who fulfil their vows and they fear the Day whose evil will be widespread (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

76:8. Truly the righteous servants feed the needy and the orphan and the captive for the All Blessed Love of The Ever Almighty God.

76:9. Saying: "We feed ye only for the All Blessed Love of The Ever Almighty God, we do not desire from ye any reward nor any thanks;

76:10. Certainly, we fear from The Eternal Lord and Sustainer of us; the Day extremely harsh and extremely distressful (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)!"

76:11. Surely The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal Owner of All Honour, The Ever Most Good, The Eternal King of the Entire Universe} will save them from the evil of that Day, and He them radiance award and extreme will happiness.

76:12. And The Ever Almighty God will award them solely because of their steadfast patience with the Everlasting Garden and silk garments.

76:13. They will be reclining therein on Adorned Thrones. They will not ever see therein any scorching heat of the sun nor bitter cold.

76:14. Truly the shades of the Everlasting Garden will be close upon them, and the fruit thereof will be hanging close at hand.

76:15. And there will be circulated among them vessels of silver and glasses of crystal,

76:16. Such crystal glasses made from silver of which they will determine the measure thereof.

76:17. And they will be given to drink therein the cup of wine which will be mixed with ginger.

76:18. It is the spring in the Everlasting Garden which is named Salsabeel.

76:19. Truly everlasting youths will go round among them. When thou will look at them thou will think of them to be scattered pearls.

Truly whenever thou will look around, thou 76:20. Bliss the Great Kingdom (on and will see the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the and extent whereof is Fifty Thousand Years. measured

fine Their garments will of 76:21. be green silk and gold embroidery. And they will be with bracelets of silver, truly The adorned Sustainer Eternal Lord and of them will give drink the good pure them to drink.

76:22. (Surely it will be announced on the Final Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World }: and Rewards good reward. "Certainly, this is for ye people the truly the efforts of ye people has been appreciated!"

76:23. Certainly, it is We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Merciful? who have Miraculously Most Revealed thee O Muhammad! (The Honourable and the to Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the of The Ever Almighty God, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever King of the Entire Equitable, The Eternal Most Eternal Lord and Sustainer of the Universe. The Entire Universe to every one of the Human Beings P.m.b.u.h this Book Qur'an stage by stage.

76:24. Surely always thou must be steadfastly patient for the Command and the Judgement of and The Eternal Lord and Sustainer thee. of ever obey thou must not any sinner or unthankful disbeliever from among Humankind. any

76:25. And thou must always heedfully remember the Name of The Eternal Lord and Sustainer of thee before sunrise and before sunset.

76:26. And during the night, thou must prostrate only to The Ever Almighty God and thou must Glorify Him for long time of the night.

76:27. Certainly, these people (the unthankful disbelievers and the hypocrites) love this present fleeting earthly life and they leave neglected behind them the very heavy Day (of Resurrection and Judgement and and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

76:28. It is We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) who have created the Human Beings, and We made strong their physical form. Truly if We Will, We can change their likenesses with complete alteration.

76:29. Certainly, this Book Qur'an is the Wise Reminder; surely each and every person who wills may take the Right Path to The Eternal Lord and Sustainer of him.

76:30. Truly ye Humankind will not ever will to do so except that The Ever Almighty God Wills. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

76:31. The Almighty God makes Ever to enter person He into Mercy. any Wills His Truly iniquitous wrongdoers The Ever Almighty for the has prepared the painful punishment. God

77: Sûrah Chapter Al-Mursalat The Sent Ones M.V. 50

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Almighty God, The 77:1. **∲I** The Ever Ever Most Compassionate, The Gracefully Most Ever Merciful. Ever Owner of All The Praise. The Ever Glory, The Self-Sufficient of All Ever All Owner Ever Self-Reliant. The Most Trustworthy, The Ever Truthful, All Knowing The Ever Most of The Ever Most Mighty, The Ever Everything, Most High, The Equitable, The Ever Most Ever Most Helper, The Ever Most Beautiful. Excellent The Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, Ever The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, King of The the Entire Eternal Universe. The of Sustainer Eternal Lord and the Entire Universe swear by those winds sent forth in gusts.

77:2. Then by the winds violently storming.77:3. And by those who scatter far and wide,

77:4. And by those that clearly separate with the clear separation,

77:5. And by those who deliver the Wise Reminder, 77:6. As the true proof or warning,

Certainly, Final Mighty Day of Judgement 77:7. that Eternal Afterlife World, the Requitals the and in Fifty Years? whereof is Thousand measured extent every ye which each and of the one Human promised will indeed Beings are come to pass.

77:8. Surely when the stars will be obliterated;

77:9. And when the heaven will be opened;

77:10. And when the mountains will be blown away;

77:11. And when the Messengers (P.m.b.u.t) will be assembled together at the appointed time;

77:12. For what Day has all this been postponed?

77:13. For the Day of Judgement.

77:14. Truly what will explain to thee what is the Day of Judgement?

77:15. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

Did We (The Ever Almighty God, The 77:16. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Generous, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal The Eternal Sustainer of the Entire Lord and Universe) not destroy the previous generations?

77:17. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The The Eternal King of the Entire Universe) will make the later generations to follow them?

77:18. Just like this We (The Ever Almighty God) deal with the iniquitous criminals.

77:19. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

77:20. Did We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) not create ye the Human Beings from a lowly biological water?

77:21. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) placed the lowly biological water in a secure place;

77:22. For a known period of time;

77:23. Surely We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful) determined everything; surely We are The Ever Supremely Excellent Determiner.

77:24. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

77:25. We **(**The Ever Almighty God Have not the made the earth container. the living and 77:26. For the dead?

The Ever Almighty God, The Ever And We 77:27. Merciful have placed therein high firm Most We have given each every mountains and and one of ye the Human Being sweet water to drink.

77:28. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World) to the unthankful deniers.

77:29. Ye the unthankful deniers must proceed to that which ye used to unthankfully deny!

unthankful deniers 77:30. Ye the must proceed shadow evil that has three to the columns. having 77:31. Not any cool shade nor of any use against the flame of Hell;

77:32. Certainly, the Hell throws sparks as huge as a fortress;77:33. As if they were yellowish camels.

77:34. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World) to the unthankful deniers.

the Day (of Resurrection 77:35. This is and and Requitals and Recompense Judgement and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured whereof is Fifty Thousand Years) on which extent the unthankful deniers will not be able to speak.

77:36. Nor will it be permitted for the unthankful deniers to offer any excuses.

77:37. There will be destruction upon that Day for Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals Rewards Recompense and and in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof Fifty Thousand Years? to the unthankful is deniers.

77:38. This is the Day of Judgement; We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) have assembled ye the unthankful deniers and all the previous unthankful deniers.

77:39. Surely if ye the unthankful deniers have any plot, then ye may plot against Me!

77:40. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

77:41. Certainly, the righteous people who fear The Ever Almighty God will be amidst pleasant shades and water springs (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

77:42. And fruits of whatever they desire. 77:43. "All of ye (the righteous people who feared The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty) may eat and drink joyfully solely because of whatever righteous good actions ye used to do!"

77:44. Certainly, Just like this We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) award the people who do righteous good actions.

77:45. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World) to the unthankful deniers.

77:46. Ye may eat and enjoy yourselves a little. Certainly, ye are the iniquitous criminals!"

77:47. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

77:48. Truly whenever they are told: "Bow down in prayer!" They do not bow down.

77:49. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

77:50. Then in what Message Statement after this Qur'an (the Ever Supremely Honourable Book and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Ever Supremely Miraculous Blessed and the and the Ever Supremely Wise and the Ever Supremely the Message Statement Clear Qur'an, and the Ever Distinctive Criterion and the Whole Truth the and Grace and the Mercy and the Wise Reminder and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and Miraculous Words and the Miraculous Verses the of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind) will they truly believe?

78: Sûrah Chapter An-Naba' The Mighty True News The Miraculous Verses 40

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

78:1. About what are they asking one another?78:2. About the Mighty True News,78:3. About which they are in disagreement.

78:4. Certainly not! They will eventually come to know (about the Mighty True News);

78:5. Thereafter, certainly not! They will eventually come to know (about the Mighty True News).

The Ever Almighty We 78:6. Have God. The The Most Gracefully Compassionate, Ever Ever Most Generous, The Ever Most Kind. The Ever Most The Most Mighty, The Ever All High, Ever The King of the Eternal Universe, Wise. Entire Eternal The Lord The Creator and of the Entire Universe) not made the earth a place of residence?

78:7. And the mountains as the stakes?

And We (The Ever Almighty God, The Ever 78:8. Merciful. Most The Eternal Lord of the Entire created Humankind Universe have ye in pairs.

78:9. And We (The Ever Almighty God) have made your sleep a means for rest,

78:10. And We (The Ever Almighty God) have made the night as the covering,

78:11. And We (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe) have made the day for livelihood efforts.

(The Ever Almighty 78:12. And We God. The Universe} Eternal King of the Entire have built all of ye Humankind above seven strong heavens,

78:13. And We (The Ever Almighty God) have made the mighty blazing lamp (the mighty sun).

78:14. And We (The Ever Almighty God) have sent down from the rain clouds, abundant rainwater;

78:15. For the purpose that We (The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe) may bring forth thereby grain and vegetation;

78:16. And gardens of luxurious growth.

78:17. Certainly, the Day of Judgement is an appointed time (for every one of Humankind),

when The Day 78:18. the Trumpet will be each every then and of blown one ve Humankind will come forward in multitudes.

Truly the heaven will 78:19. be opened *fon* the Day of Resurrection Final Mighty and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years and it will become gateways,

78:20. And the mountains will be blown away, surely they will be reduced to dust.

Certainly, the Hell is lurking in ambush; 78:21. For the iniquitous transgressors, 78:22. the Hell the place of residence *fon* is the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals in the Eternal Afterlife World, and the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

78:23. The iniquitous transgressors will reside in Hell for an extremely long period of time.

They will not 78:24. taste in Hell any drink: any coolness nor 78:25. scalding water and Ghassaaq; Except The equitable requital 78:26. punishment.

78:27. Certainly, the iniquitous transgressors did not even expect the Reckoning Account (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

78:28. And they unthankfully denied Our Miraculous Verses with constant total unthankful denial.

Truly We The Ever Almighty God, 78:29. The of the Entire Universe, The Eternal King Creator the The Eternal Lord of Entire Universe and everything they did have enumerated in writing.

iniquitous 78:30. So now ye the transgressors feel this requital punishment; We must The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable will not increase anything except in punishment. ye in

78:31. Certainly, for the righteous people who fear The Ever Almighty God, there will be the mighty victory,

78:32. Private Gardens and the Vineyards,78:33. And full-bosomed women of purity of equal age,

78:34. And full cups (of delicious drinks).
78:35. They will not ever hear therein any vain talk nor any untruth;

78:36. The good reward from The Eternal Lord and Sustainer of thee, a generous calculated gift,

78:37. Eternal Lord Sustainer The and of all and the earth and Everything the heavens that Gracefully is The Ever Most between them, Compassionate. They will authority not have any speak to The Ever Almighty God; even to

when the Spirit 78:38. The Day and the Angels they will stand in rows. will speak not for The Ever for the person whom except Most Gracefully Compassionate gives permission, truly a person will only speak what is correct. such

78:39. That is the true Day; therefore. each every among from Humankind who and person of wills take the path return towards may The Lord Sustainer Eternal and of him.

78:40. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Most Equitable, The Eternal King Ever of the The Creator Eternal and Entire Universe. The Lord Universe) have of the Entire warned each and ye Humankind every one of the of requital punishment which is nearby. The Day when every will all the actions his hands person see have ahead, truly the unthankful disbeliever will sent "Oh I dearly wish that I were mere dust!" say:

79: Sûrah Chapter An-Nazi'ăt Those Who Extract M.V. 46

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The 79:1. €Ι The Ever Almighty God, Ever Most Compassionate, The Gracefully Most Ever Merciful. Owner of The Ever All Praise. The Ever The Self-Sufficient Glory, of All Ever All Owner The Ever Most Trustworthy, The Self-Reliant. Ever Truthful, The Ever All Wise. The Ever Most Most Most High, The Ever Ever Mighty, The Most Excellent Helper, The Equitable. The Ever Most The Ever Most Good-Looking, Ever Most Beautiful, The Ever Most Glorious, Supreme The Ever Truth. Supreme Greatness, The The Ever Owner of the Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Witness Over Everything, Present The Eternal King Universe, Lord of the Entire The Eternal and the Universe swear by Sustainer of Entire those who with violence; Angels souls extract the

79:2. And by those Angels who take out the souls of the true believers gently;

79:3. And by those Angels who glide swiftly;

79:4. And by those Angels who speed ahead with foremost speed;

79:5. Then by those who administer the Commands.

79:6. On the Day when there will be extremely violent shaking,

79:7. It will be followed by extremely violent shaking.

79:8. Hearts, on that Day will be trembling.

79:9. Their eyesight will be humbled.

79:10. The unthankful disbelievers say: "What? Will we really be restored to our former state of life?

79:11. After we have turned into decayed bones?"

79:12. The unthankful disbelievers say: "Then in that case, such a return would be a tremendous loss!"

79:13. Surely it will be only one mighty blast,

79:14. And suddenly each and every one of Humankind will be on the surface of the earth (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

79:15. Has the story of Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h? reached thee O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Almighty God Prophet of to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h??

79:16. When The Eternal Lord and Sustainer of Moses (P.m.b.u.h) called out to him in the Sacred Valley of Tuwâ:

79:17. Saying: "Thou must go to Pharaoh; certainly, he has unjustly transgressed!"79:18. And thou must say: "Would thou purify yourself?

79:19. And that I guide thee Pharaoh to The Eternal Lord and Sustainer of thee, so that thou would fear Him?"

79:20. Then Moses (the Honourable and the Truthful and the Trustworthy Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) showed Pharaoh the Greatest Miraculous Sign.

79:21. But Pharaoh unthankfully denied and disobeyed. 79:22. Thereafter, Pharaoh turned his back, plotting,

79:23. So he gathered his people and proclaimed;79:24. Then Pharaoh (the unjust transgressor) said:"I am the Lord of ye the most high!"

79:25. Therefore, The Ever Almighty God seized Pharaoh with the dreadful punishment of the Afterlife World and the first Earthly World.

79:26. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Lesson for every person who fears (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable).

all the 79:27. Are ye Beings of Human more difficult the heaven? The Ever to create or Almighty God has created the heaven.

79:28. The Ever Almighty God raised the height of the heaven and He flawlessly perfected it.

79:29. Truly The Ever Almighty God (The Creator Universe) gave darkeness of the Entire to its brought out its morning night brightness. and He 79:30. Trulv after that The Ever Almightv God spread out the earth.

79:31. The Ever Almighty God brought forth from the earth its water and its pasture.

79:32. And He set firmly the mountains.

79:33. As beneficial provisions for all of ye the Human Beings and for the grazing livestock of ye.

So when there the 79:34. comes Greatest Overwhelming Calamity (on the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Reckoning of and Afterlife Requitals in the Eternal World. the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

79:35. The Day when every Human Being will heedfully remember all that for whatever he strove.

79:36. And the Blazing Hell will be placed in full view for every one who sees.

Surely as for each and every person 79:37. who All unjustly transgressed (by not following The and the Commandments Ever Blessed Will of The Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

79:38. And preferred this present life of the Earthly World,

79:39. Surely indeed the Blazing Hell will be Eternal Home (on the Final Mighty his Day of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals Eternal Afterlife World. in the the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

for each and 79:40. But as every person The Mighty Supreme who Position fears of Sustainer The Eternal Lord and of him and prevented himself from following iniquitous desires;

79:41. Surely indeed the Everlasting Garden will Eternal Home (on the Final be his Mighty Day and Judgement and Reckoning of Resurrection and World. Eternal Afterlife Requitals in the the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

79:42. They ask thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) about the Final Time, when will it come to pass?

79:43. What is your concern with the declaration of the Final Time?

79:44. Only to The Eternal Lord and Sustainer of thee belongs the knowledge of the Final Time.

79:45. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God to each of and every Human Beings P.m.b.u.h one of the are only Warner each and every person the Constant to from among Humankind who fears the Final Time.

79:46. On the Day when each and every one of Humankind will see the Final Time, it will be as if they had not remained in the present Earthly World except for an afternoon or a morning thereof.

80: Sûrah Chapter 'Abasa He Frowned M.V. 42

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad {the Honourable and the Trustworthy 80:1. Truthful Messenger and Prophet of and the The Almighty God, The Ever Owner of All Praise, Ever All Glory, The Ever Owner of Ever The Most Helper, The Ever Most Beautiful. Excellent The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe, the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) frowned and turned away.

80:2. When the blind man came to him.

80:3. Truly what would make thee to know, that perhaps the blind man might become sanctified.

80:4. Or the blind man may heedfully remember, therefore the Wise Reminder would benefit him?

80:5. As for the person who regards himself self-sufficient,

80:6. To him thou give attention.

80:7. Truly it is not your responsibility if he does not become sanctified.

80:8. Truly for the blind who as man thee striving (to hear this Book Our'an. came to blind man fears, 80:9. And the

Surely thou O Muhammad! (The Honourable 80:10. Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet Almighty God. of The Ever and The All Praise, of The Ever Owner Ever Owner All Glory, The Ever Most Excellent Helper, of The Ever Most Beautiful. The Ever Most Eternal Good-Looking, The King of the Entire Eternal Universe, The Lord and Sustainer of the each every one Universe to and of Entire the Human Beings P.m.b.u.h) were from him unmindful.

80:11. Certainly not! Certainly, This Book Qur'an is the Wise Reminder,

Surely each and every person 80:12. from among Humankind who wills may heedfully remember this Wise Reminder (the Ever Supremely Honourable and Glorious Supremely and the Ever the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous the Ever Supremely Wise and and the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message Statement and Ever Distinctive Criterion the Whole the and Truth and the Mercy the Grace and the Wise and and the Miraculous Proof and the Reminder Clear Light and the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and the Miraculous Words of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind).

80:13. (The Ever Supremely Honourable Qur'an is) in the Supremely Honoured Sheets,

80:14. Which are Supremely Exalted and Purified, 80:15. In the hands of the Angel Scribes,

80:16. Those Angel Scribes are the Honourable and the Dutiful (to The Ever Almighty God).

80:17. Destroyed be the Human Being! How unthankfully disbelieving the Human Being is?

80:18. From what thing The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise. of All Glory, Owner The Ever The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, Most Truthful, The Ever All The Ever Wise. The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Owner of the Supreme The Ever All Encompassing Greatness. Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, The The Eternal Lord and Sustainer Creator and of the Entire Universe) has created the Human Being?

80:19. From a biological cell, The Ever Almighty God has created the Human Being; then He made every part of him in due proportion.

80:20. Thereafter, The Ever Almighty God made the path easy for the Human Being.

80:21. Thereafter, The Ever Almighty God causes the Human Being to die and The Ever Almighty God provides a grave for the Human Being.

80:22. Thereafter, whenever The Ever Almighty God Wills, He will Resurrect the Human Being.

80:23. Certainly not! The Human Being has not wholly obeyed whatever The Ever Almighty God has Commanded the Human Being.

80:24. Surely the Human Being must deeply observe at the food he eats.

80:25. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) pour down rainwater in abundance,

80:26. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) cause the earth to split open,

80:27. Surely We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) cause the grain to grow in the earth,

80:28. And all the grapes and all the vegetables,

80:29. And all the olives and all the palm trees,

80:30. And all the luscious gardens,

80:31. And all the fruits and all the grass,

80:32. As beneficial provisions for all of ye the Human Beings and for the grazing livestock of ye.

80:33. Surely when there comes the Deafening Blast.

80:34. On that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) the Human Being will flee from his brother,

80:35. And from his mother and his father,

80:36. And from his wife and his sons,

80:37. On that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards and Reckoning and the Eternal Afterlife in Recompense World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years every person of the Human Beings each and absorbed in concerns of himself. will be

80:38. Many faces upon that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) will be shining,

80:39. Laughing, rejoicing at the good true news.

many and Judgement and in the Truly many faces upon that Day (of 80:40. and Requitals Resurrection and Rewards and Recompense in Eternal Afterlife measured extent whereof World, the Fifty is Thousand Years) will be tainted by extreme regret,

80:41. Blackness will cover them.

Such people are the unthankful disbelievers, 80:42. the wicked people (those who freely choose not truly believe in The Ever Almighty God, The to Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and His Angels and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Recompense and Rewards in the Eternal Afterlife and World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

81: Sûrah Chapter At-Takwir The Folding Up M.V. 29

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

81:1. When the sun will be folded up, 81:2. And when the stars will fall down,

81:3. And when the mountains will be moved,

when the pregnant she 81:4. And camels will neglected (on the Final Mighty Day of be Judgement and Reckoning and Resurrection and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

81:5. And when the wild beasts will be assembled together,

81:6. And when the seas will rise,

81:7. And when the souls will be united with their bodies in the Eternal Afterlife,

And when the infant girl who 81:8. was buried alive will be asked. 81:9. For what sin she was killed,

81:10. And when the written pages of actions will be laid open,

81:11. And when the heaven will be torn away, 81:12. And when the Hell will be set ablaze.

81:13. And when the Everlasting Garden will be brought up near,

81:14. Then (on that Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World. the measured extent whereof is Fiftv Thousand Years each and every person will come with certitude whatever {righteous know good to actions) he has actions or whatever evil brought.

81:15. Surely I (The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty) swear by the receding Stars,

- 81:16. The Stars which rise and set, 81:17. And by the night when it departs,
- or men in departs,

81:18. And by the dawn when it brightens,

81:19. Certainly, this Book Qur'an {the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Glorious Supremely Blessed the Ever and and the Ever Supremely Miraculous and the Ever Supremely Wise and the Ever Supremely Clear Qur'an, the Message the Ever Distinctive Criterion Statement and and the the Grace the Mercy Whole Truth and and and Wise Reminder and the Miraculous Proof the and Clear Light and the True Insightfulness the and the Words Heavenly Guidance and the Miraculous and Miraculous Verses of The Ever Almighty God the and every one of the Human Beings? each to of The Ever Almighty is indeed the Word God delivered the Honourable Angel Messenger. by

81:20. **{**The Honourable Gabriel, the Honourable Messenger, the Holy Spirit, the Devoutly Righteous Ever Almighty God P.m.b.u.h? The Servant of and high of great power grade the in owner the Presence of The Eternal Owner of the Throne.

81:21. (Gabriel, the Honourable Messenger P.m.b.u.h is) always obeyed and Gabriel is Trustworthy.

Truly the companion of ye the true believers 81:22. Muhammad, *{*the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the Ever God each and of the Almighty to everv one Human Beings P.m.b.u.h is not in any way mad.

Truly indeed your companion 81:23. has in fact Honourable { the seen him and the Trustworthv Truthful Messenger Gabriel, the and the Holv Spirit, the Devoutly Righteous Servant of The Ever P.m.b.u.h) Almighty God in the clear horizon.

your companion Muhammad, Truly 81:24. { the Honourable and the Trustworthy and the Truthful of The Ever Messenger and Prophet Almighty God. Mighty to The Ever Most each and every of the Human Beings P.m.b.u.h one does not in any way withhold the knowledge of the Unseen.

81:25. Truly this Book Qur'an is not in any way the Word of the accursed Satan.

81:26. Therefore, where are ye Humankind going?

81:27. This Book Qur'an is not in any way except the Wise Reminder for all the Worlds.

81:28. For each and every person who wills from among ye Humankind to follow the Straight Path.

81:29. Humankind will Truly ye cannot even Ever Almighty that The God Wills. The except Sustainer all Eternal Lord and of the Worlds.

82: Sûrah Chapter Al-Infitar The Breaking M.V. 19

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

82:1. When the heaven will break apart, 82:2. And when the stars will fall scattered,

82:3. And when the seas will be erupted,

82:4. And when the contents of the graves will be exposed (on the Final Mighty Day of Resurrection Reckoning and **Requitals** Judgement and and and Rewards in the Eternal Afterlife World. the whereof is Fifty Thousand Years?, extent measured

Then (on the Final Mighty Day of Resurrection 82:5. Reckoning and Requitals Judgement and and in Afterlife World. the the Eternal measured extent Fifty Thousand Years each whereof is and every Human Beings will of the person come to know certitude whatever (each and every righteous with or each and every evil action he good action had left behind. ahead and whatever he had sent

82:6. Thou each and every one of the Human Beings! What has deceived thee regarding The Eternal Lord and Sustainer of thee, The Ever Most Generous;

Ever Almighty God 82:7. The Who has created Being and He perfected the Human thee vour He perfectly balanced thee? physical form, then

82:8. Into whatever physical form The Ever Almighty God Willed He has assembled thee?

82:9. Certainly not! But in fact ye people unthankfully deny the Judgement and Requitals (the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

82:10. For sure there are Guardians Angels appointed over each and every one of ye Humankind,

82:11. The Honourable Writers (the Angels who write down every righteous good action and every evil action ever done by each and every Human Being);

82:12. The Honourable Angel Writers know each and every action all of ye Humankind ever do.

82:13. Certainly, the righteous people will indeed be in the Eternal Delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

82:14. And certainly, the wicked people will indeed be in the Blazing Hell (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

82:15. The wicked people will burn in the Blazing Hell on the Day of Judgement and Requitals.82:16. Truly the wicked people will not ever be absent from the Blazing Hell.

82:17. Truly what will explain to thee what is the Day of Judgement and Requitals?

Thereafter, what will explain 82:18. thee to is the Day of Judgement and Requitals? what It is the Day when 82:19. person will no at help any power all other to possess any upon the Entire Command that Day and person. will belong only to The Ever Almighty God.

ye each Humankind! and every one 2:21. 0 of always worship The Eternal Lord and Ye must ye, God Who The Sustainer has created all of ve and the people who were all ever before of all of for the purpose may ye become the ve. righteous people who fear The Ever Almighty God. The God Who has 2:22. made the earth the vast floor for ye Humankind and the sky the roof. sent rainwater from sky, and He down the and He has brought forth thereby many fruits as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind anything equal make not ever to The Ever must while ve have the Almighty God knowledge.

muslim and the Certainly, the men 33:35. muslim the believing and and men the believing women the devoutly obedient the and and women men devoutly obedient women and the truthful men truthful and the steadfastly patient and the women steadfastly patient and the women and the men fearfully fearfully humble men and the humble give women and the men who charity and the who give charity and who women the men fast the women who fast and the men who guard and and the chastity and the women who guard their heedfully remember The Ever Almighty who men who heedfully often women very and the God remember, The Ever Almighty God has prepared for of them forgiveness and the mighty reward. all

83: Sûrah Chapter Al-Mutaffifeen Those Who Give Short Measure And Weight, The Miraculous Verses 36

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

83:1. There will be destruction (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to those who give less in measure or weight.

83:2. The people who, whenever they take any measure from Humankind, they take in full.

83:3. But when they give to the people by measure or by weight, they give them less.

83:4. Do such people not believably think that they will be resurrected,

83:5. On the Mighty Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

83:6. The Day when each and every person of Humankind will stand before The Eternal Lord and the Worlds (The Ever Almighty God, Sustainer of all The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

83:7. Certainly not! Surely the book of actions of the wicked people is indeed in Sijjeen.
83:8. And what will explain to thee what is Sijjeen?
83:9. Sijjeen is the Book inscribed.

83:10. There will be destruction upon that Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) to the unthankful deniers.

people who unthankfully deny The 83:11. the Day of Judgement and Requitals {the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in Eternal Afterlife World, the the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

83:12. Truly no person from among Humankind unthankfully denies the Day of Judgement and Requitals in any way except each and every sinful iniquitous transgressor.

83:13. Whenever Our Miraculous Verses are recited to any sinful iniquitous transgressor, he says: "These are stories of the previous people!"

83:14. Certainly not! But in fact the stains of sins which the sinful iniquitous transgressors have earned have completely covered their hearts.

83:15. Certainly not! But in fact on that Day (of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World) all the sinful iniquitous transgressors will indeed be completely veiled from seeing The Eternal Lord and Sustainer of them.

83:16. Thereafter, certainly the sinful iniquitous transgressors will indeed burn in the Blazing Hell.

83:17. Thereafter, it will be announced: "This is that which all of ye used to unthankfully deny!"

83:18. Certainly not! Indeed, the book of actions of the righteous people is in fact in Illiyyeen.

83:19. And what will explain to thee what is Illiyyoon?83:20. Illiyyoon is the Book inscribed.

83:21. The Angels very close to The Ever Almighty God always remain present there.

83:22. Certainly, the righteous people will indeed be in the Eternal Delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

83:23. On adorned Thrones, the righteous people will be observing.
83:24. Thou will recognise upon their faces the radiance of the Eternal Delight.

83:25. The righteous people will be given to drink from the pure sealed wine.

83:26. It's seal will be of Musk. Surely for this Eternal Delight the competitors should compete.

83:27. And its mixture is of Tasneem,83:28. It is the spring from which those Nearest to The Ever Almighty God will drink.

83:29. Certainly, the people who committed crimes used to laugh at the people who truly believed.

83:30. And whenever the iniquitous criminals passed by the people who truly believed, they used to wink at each other in mockery.

83:31. And when the iniquitous criminals returned to their people, they would return jesting.

83:32. And whenever they saw the people who truly believed, they said: "Certainly, these are the people who have indeed gone astray!"

83:33. Yet the iniquitous criminals had not been sent as guardians over the people who truly believed.

Day (of Resurrection and Judgement 83:34. But this Reckoning and Requitals in the Eternal and Afterlife World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years the people who truly will laugh at the unthankful believed disbelievers.

83:35. On adorned Thrones, they will be observing.

83:36. Have the unthankful disbelievers been appropriately requited for the evil actions they used do? (Such people who unthankfully disbelieved to in The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, King of the Entire The The Eternal Universe, and The Eternal Lord and Sustainer of the Creator and His Angels Entire Universe and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

84: Sûrah Chapter Al-Inshiqaq The Splitting Apart M.V.25

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

84:1. When the heaven will be split apart,

will 84:2. Truly the heaven listen attentively to of Lord Command The Eternal obey the and it, truly it rightly must Sustainer of do SO.

earth will be widely extended And when 84:3. the Mighty Day of (°on the Final Resurrection and and Reckoning and Requitals Judgement and Rewards and Recompense Eternal Afterlife World, the in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

will 84:4. Truly the earth cast out everything inside will that is it and it become empty.

heaven will listen the 84:5. Truly attentively to of the Command The Eternal Lord obev and truly it it, rightly Sustainer of do must SO.

ye each every one 84:6. Ο of the Human Beings! thou the who working Certainly, one is hard The Eternal Lord and Sustainer of towards thee with great effort, surely thou will be meeting Him.

and every person who will 84:7. Truly as for each his Book of actions in his right given hand be Mighty Day of (°on the Final Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense the Afterlife in Eternal World. the is Fifty Thousand Years), measured extent whereof

84:8. Surely such a person will eventually be an easy Reckoning Acccount (on judged with the Mighty Day of Resurrection and Judgement Final Reckoning and Requitals and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World, the in whereof is Fifty Thousand Years), measured extent

person will 84:9. And such a return to his supreme happiness (on the Final people in Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals in the Eternal Afterlife World. and the whereof is Fifty Thousand Years), measured extent

for each and every person 84:10. Truly as who be given his Book of actions, behind his will back the Final Mighty Day of Resurrection (°on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the and Recompense measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

84:11. Surely such a person will eventually cry out for instant destruction,

84:12. Truly he will burn in the Blazing Hellfire.

84:13. Certainly, such a person used to live among his people in happiness.

84:14. Certainly, he had believably thought that he The Ever Almighty **€to** God. would never return Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever Most The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most The Ever Most Good-Looking, The Eternal Beautiful. King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Universe). Eternal Lord

84:15. Certainly yes! Indeed, The Eternal Lord and Sustainer of him was always observing him.

Surely I (The Ever Almighty God, The 84:16. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Generous. The Ever Most Ever Most Forgiving, Creator Kind. The The of Everything, The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, True Light of all the Heavens and the Whole The The Ever All Knowing of Everything, Earth. The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Beautiful, The Ever Most Good-Looking. Most Glorious, The Ever Supreme Truth, Ever Most The Supreme Greatness, Ever Owner of the The The Ever Owner of the Most Good Names, The Ever Most Supremely Holy, The Ever All Encompassing Everything, The Ever Present Witness Over Over Everything, The Ever Most Forbearing, The Eternal and Sustainer of the Ever Supremely Lord Honourable Throne, The Ever Most Exalted, The Ever High-Ranking, The Ever Most Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Ever Most Thankful. The Eternal King of the Entire Universe, The A11 Honour. Eternal Owner of The Ever Most Ever Omnipresent to Help, Good. The The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) swear by the glow of sunset,

84:17. And by the night and Everything the night envelopes,

84:18. And by the moon when it becomes full.

84:19. Indeed, each and every one of ye the Human Beings will definitely experience state after state.

Surely what equitable motive the unthankful 84:20. disbelievers have, that they do not truly believe **€in** The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty and Angels His and His Books and His Messengers and the Final Mighty Day of Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

84:21. And when the Qur'an is recited to them, they do not prostrate (to The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe)?

84:22. But in fact the people who unthankfully disbelieve are unthankfully denying.

84:23. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Knowing of whatever evil the unthankful disbelievers keep in their hearts.

84:24. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must give them the true news of the painful punishment,

84:25. Except the people who truly believe and do good actions, they will have the good righteous reward which will not ever come an End to Mighty Day fon the Final of Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

85: Sûrah Chapter Al-Buruj The Great Stars M.V. 22

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The Ever Ever Almighty God, 85:1. €Ι The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Kind, The Ever Most Generous, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Owner of All Praise, Ever Ever The Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Light True all the Heavens and the Whole Earth. The Ever of The Ever Most All Knowing of Everything, High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The The Ever Most Excellent Helper, Most Beautiful, Most Good-Looking, The Ever Most The Ever Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner Greatness, The Ever the Supreme of Owner of Names. The Eternal the Most Good Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, Ever Most Supremely Holy, The Ever The All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, Lord Sustainer of and The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever Most The Ever Most Ever Most Grateful, Appreciative, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner Most Good. Honour, of All The Ever The Ever Omnipresent to Help, The Ever Most Powerful, The the Entire Universe Eternal Lord and Sustainer of swear} by the heaven filled with the great stars,

85:2. And by the Promised Day,

85:3. And by the witness and whatever is witnessed,

85:4. Destroyed were the people of the trench,

85:5. Of the fierce fire which was full of fuel,

85:6. When they were sitting near there,

85:7. And the people of the trench were witnesses to whatever iniquity the unthankful disbelievers were committing to the true believers,

85:8. they did have grievance Truly not any from the believers except for that true they The Ever Almighty trulv believed in God. The Almighty, The Ever Owner of All Praise, Ever

Ever Almighty God to whom 85:9. The belongs Kingdom of all Eternal the heavens and the The Ever Almighty earth! Truly the whole God The Ever Present Witness Over Everything. is

85:10. Certainly, the people who unjustly persecute the believing men and the believing women; thereafter they have not repented, surely they will have the requital punishment of the Hell and they will have the requital punishment of the Burning Fire.

85:11. Certainly, the people who believe and do righteous good actions will have (on the Final Mighty Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards the in Eternal Afterlife World the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. This is the Great Victory.

85:12. Certainly, the Seizing punishment of The Eternal Lord and Sustainer of thee is indeed severe.

85:13. Certainly, The Ever Almighty God is The One Who originates the creation the first time and He will create the creation again the second time (on the Final Mighty Day of Resurrection Requitals in the Eternal Afterlife World).

85:14. Truly The Ever Almighty God is The Ever Most Forgiving, The Ever Most Loving.

85:15. (The Ever Almighty God is) The Eternal Owner of The Ever Most Glorious Throne,

85:16. The Ever Almighty God always accomplishes whatever He intends to do.

85:17. Has the story of the soldiers reached thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h);

85:18. Those of Pharaoh and Thamûd?

85:19. But in fact the people who unthankfully disbelieve are in persistent unthankful denial.

85:20. Truly The Ever Almighty God always encompasses all of them from all sides.

85:21. But in fact, this Mighty Heavenly Book is the Ever Supremely Glorious Qur'an;

85:22. In The Ever Preserved Tablet.

86: Sûrah Chapter At-Tariq The Night Comer M.V. 17

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Almighty The 86:1. €Ι The Ever God, Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Praise. of All The Ever Owner Ever Owner of Glory, The Ever All Seeing of Everything, All The Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever All Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Light True all the Heavens and the Whole of Earth. The Ever Knowing of Everything, All The Ever Most High, Ever Most Mighty, The Ever Most The Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Most Good-Looking, The The Ever Ever Most The Ever Supreme Truth, The Ever Owner Glorious. Greatness, Ever Supreme The of the Owner of Names. the Most Good The Eternal Lord and the Ever Supremely Honourable Throne, Sustainer of Ever Most Supremely Holy, The Ever The A11 Over Everything, The Ever Encompassing Present Everything, The Ever Most Witness Over Forbearing. and Sustainer Lord The Eternal of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever Most The Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Eternal The King of the Entire Universe, Eternal Owner All Honour. The Ever Most Good. The of Ever Help, Omnipresent The Ever Most Powerful, to and Sustainer of Eternal Lord the Entire The Universe swear by the heaven and the At-Tăriq;

86:2. Truly what will explain to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Prophet Truthful Messenger and of the The and Ever Almighty God, The Ever Owner of All Praise, Ever Owner of All Glory, The Ever The Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Good-Looking, The Eternal King Most of the Entire Creator and The Eternal Lord and Universe, The Sustainer of the Entire Universe to each and every Humankind P.m.b.u.h³ what is At-Tăriq? of one

86:3. It is the Star of the piercing brightness!

86:4. There is no Human Being but there is always a Guardian Angel appointed over him.

86:5. Surely every Human Beings must observe what thing he has deeply from been created (by The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The Ever All Encompassing Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

86:6. The Human Beings has been created from an ejected biological water,

86:7. The ejected biological water emerges from between the loins and the ribs.

86:8. Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to bring each and every one of the Human Beings back to life again.

Day (of Resurrection 86:9. The and Judgement and Requitals Reckoning and and Rewards and Recompense the Eternal Afterlife World, in the whereof is Fifty Thousand Years? measured extent hidden thoughts will be disclosed. all the when

86:10. Surely on that Day the Human Being will not have any power nor any helper.

The Ever Almighty God, 86:11. €Ι The Ever Gracefully Compassionate, Most The Ever Most The Ever Most Equitable, The Ever Merciful, All Over Everything, Encompassing The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Beautiful. Good-Looking, Most The The Ever Eternal King Entire Universe, The Eternal Lord of the and Sustainer of the Entire Universe swear bv the which pours rain, again again. and heaven

86:12. And by the earth which cracks open.

86:13. Certainly, this Book Qur'an is indeed the Word that always gives the correct judgement,

86:14. Truly this Book Qur'an is not for amusement.

86:15. Certainly, the unthankful disbelievers are planning an iniquitous plan.

Truly I (The Ever Almighty God, 86:16. The King of Universe, the Entire Eternal Eternal The and Sustainer of Universe, the Entire The Lord Ever Most Wise am planning equitable plan. an

86:17. Therefore, thou must allow time to the unthankful disbelievers; leave them a little while.

87: Sûrah Chapter Al-A'la The Ever Most High M.V. 19

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad! {The 87:1. Thou 0 Honourable and the Messenger the Truthful Trustworthy and and Prophet The Ever Owner of The Ever Almighty God, of Owner All Praise. The Ever of All The Glory, Helper, Most The Most Ever Excellent Ever Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal of the Entire Universe, King The Creator and Lord Eternal The and Sustainer of the Entire Universe to each and of Humankind every one Glorify the Name of The P.m.b.u.hmust Eternal Lord and Sustainer of thee, The Ever Most High.

87:2. The Ever Almighty God Who has created (the Entire Universe and Everything that is therein) and He perfected the distinctive form of Everything,

87:3. Truly The Ever Almighty God Who has appointed the precise measure (for Everything He created in the Universe) and He guided Everything.

87:4. Truly The Almighty is Ever God The Who brings the One out green pasture, He 87:5. Then makes it dark stubble.

(The Ever Almighty God) will 87:6. We eventually O Muhammad! (The Honourable and the thee teach Truthful Messenger and Trustworthy and the Prophet Ever Almighty God, The Ever All of The Wise every one each and of the Human Beings to recite; surely thou will P.m.b.u.h not forget. to

87:7. Except whatever The Ever Almighty God Certainly, The Ever Almighty God always Wills. very well Everything that is knows ever declared and Everything that ever hidden. is

87:8. Truly We (The Ever Almighty God) will make easy for thee towards the easy way.

Surely Thou O Muhammad! (The 87:9. Honourable Trustworthy the Truthful Messenger the and and The Ever Almighty God, The Ever Prophet of and Ever All Most Merciful. The Owner of Praise. Ever Owner of All Glory, The The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the The Eternal Lord Entire Universe, The Creator and and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) must keep on reminding; certainly, the Wise Reminder benefits.

87:10. Eventually each and every person who fears The Ever Almighty God will heedfully remember.

87:11. But the unthankful wicked person will avoid this Wise Reminder (the Ever Supremely Honourable the Ever Supremely Glorious and the Ever and Blessed and the Ever Supremely Miraculous Supremely Supremely Wise the Ever and and the Ever Qur'an, the Clear Message Statement Supremely and Distinctive Criterion and Ever the Whole Truth the Grace the Mercy Wise and the and the and Miraculous Proof Reminder and the and the Clear Light and Insightfulness True the and the Heavenly Guidance Miraculous and the Words and Miraculous Verses of The Ever Almighty God the and every one of the Human Beings). each to

87:12. The unthankful wicked person will burn in the great Hellfire (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

87:13. Thereafter, the unthankful wicked person will neither die in the Great Hellfire nor live.

87:14. Indeed, each and every person from among Humankind who sanctifies himself is triumphant,

87:15. Truly the triumphant person kept mentioning the Name of The Eternal Lord and Sustainer of him and kept praying (to The Ever Almighty God).

87:16. But in fact, ye people prefer the life of this present Earthly World.

87:17. Truly the Eternal Afterlife World is supremely better and everlasting.

87:18. Certainly, this is indeed in the former Scriptures (revealed by The Ever Almighty God),

87:19. The Scriptures of Abraham and Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messengers and Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Owner of All Praise, The Ever All Glory, The Ever Most Exalted, The Owner of Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, Witness Over Ever Present Everything, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

88: Sûrah Chapter Al-Ghashiyah The Overwhelming Event The Miraculous Verses 26

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

88:1. Has there come to thee 0 Muhammad! Trustworthy Honourable and the and (The the Prophet Truthful of The Messenger and Ever Almighty God. Owner of All The Ever Praise. All Glory. Ever Owner of The Ever The Most The Ever Most Beautiful. Excellent Helper, The Most Good-Looking, The Eternal King of Ever the Entire Universe, The Creator The Eternal Lord and and Sustainer of the Entire Universe to each and every of the Human Beings P.m.b.u.hthe one overwhelming report of the event (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals Afterlife in the Eternal World. the extent whereof is Fifty Thousand Years? measured

that Day 88:2. Many faces will be humbled on Final Mighty Day of Resurrection (*on the and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement Recompense the Eternal Afterlife and in World.

88:3. Working hard and exhausted,88:4. They will burn in an intensively hot Hellfire.

88:5. They will be drinking from a scalding spring,

88:6. They will have no food except from a bitter, thorny plant,

88:7. Which will neither nourish nor satisfy hunger.

that Day will be glowing Many 88:8. faces on (°on the Final Mighty joy with Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years). Supremely pleased with their hard working, 88:9. They will in the Elevated Everlasting 88:10. be Afterlife {{in} the Eternal World}, Garden the Elevated Everlasting Garden 88:11. In they any unsuitable speech. will not hear 88:12. the Elevated Everlasting In Garden there will be a flowing spring. the Elevated Everlasting Garden 88:13. In there Thrones raised high. will be drinking 88:14. And cups neatly set in place! 88:15. And cushions in set rows. 88:16. And splended carpets spread out. 88:17. Do the Human Beings not observe closely the camels, how miraculously they have been at Almighty God, created (by The Ever The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?

heaven, how miraculously 88:18. And the at it raised high (by The Ever Almighty God, has been Most Gracefully Compassionate, The Eternal The Ever and Sustainer of the Entire Universe}? Lord

88:19. And at the mountains, how miraculously they have been set up (by The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe)?

88:20. And at the earth, how miraculously it has been spread out (by The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe)?

88:21. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of the Human Being P.m.b.u.h) must always remind; thou are only the one who reminds.

88:22. Thou are not in any way the controller over the Human Beings,

any person who 88:23. But turns away and unthankfully disbelieves (in The Ever Almighty God, Most Mighty and His Angels The Ever and His Messengers and the Final Day Books and His of Judgement and Reckoning and Resurrection and the Eternal Afterlife Requitals and in World. the whereof is Fifty Thousand Years), measured extent

88:24. Surely The Ever Almighty God will punish such a person with the great punishment.

88:25. Certainly, only to Us (The Ever God} there will the Almighty be coming back of each and of the Human Beings. every one

(The Thereafter; certainly 88:26. upon Us Ever The Ever Most Equitable is Almighty God, the responsibility to take the Reckoning Account of each and every one of the Human Beings.

89: Sûrah Chapter Al-Fajr The Dawn M.V. 30

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ever Almighty God, The Ever 89:1. **∳I** The Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful, The Ever Owner of All Praise, Ever The Owner The All Ever All Self-Sufficient Glory, Selfof Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most The Ever All Knowing of Everything, Truthful. Mighty, The Ever High, The Ever Most Most Equitable, The Most Excellent Most The Ever Ever The Ever Most Beautiful, The Helper. Ever Good-Looking, The Ever Most Most Glorious. The Supreme Truth, The Ever Owner Ever of the The All Greatness. Ever Supreme Encompassing Everything, The Ever Present Witness Over Over Everything, The Eternal King of the Entire Universe, Creator and The Eternal and Sustainer The Lord Universe of the Entire swear} by the dawn.

89:2. And by the ten nights,89:3. And by the even and the odd,

night when 89:4. And by the it departs, 89:5. Is there not in all these oath for an who has intelligence? each and every person

O Muhammad! (The Honourable Have thou 89:6. and the Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable each and every one of the to Human Beings P.m.b.u.h not considered how The Eternal 'Aad. Sustainer Lord and of thee dealt with

89:7. With Iram, people who had lofty pillars, 89:8. The likes of which had never been created in any land?

89:9. And Thamûd, the people who carved out the rocks in the valley?89:10. And Pharaoh, the owner of the stakes?

89:11. All of them unjustly transgressed in the lands, 89:12. Surely they increased therein evil disorder.

89:13. Therefore, The Eternal Lord and Sustainer of thee poured upon them a scourge of punishment.

89:14. Certainly, The Eternal Lord and Sustainer of thee is indeed always observing Everyting.

89:15. Surely as for the Human Being, whenever The Eternal Lord and Sustainer of him tests him; so He gives him honour and awards him the Favours and Blessings, then he says: "The Eternal Lord and Sustainer of me has honoured me!"

The 89:16. But Eternal Lord whenever and Sustainer of He him tests him; SO limits upon he says: "The Eternal his sustenance, then him has humiliated me!" and Sustainer of me Lord

89:17. Certainly not! But in fact ye people do not honour the orphan,

89:18. And ye people do not urge one another to feed the needy!

89:19. And ye people devour the inheritance, with devouring greed,

89:20. And ye people love wealth with immense love.

89:21. Certainly not! When the earth is levelled, pounded and crushed,

89:22. And The Eternal Lord and Sustainer of thee arrives and also the Angels, rank upon rank,

89:23. Truly on that Day the Hell will be brought near. On that Day the Human Being will heedfully remember, but what good will be the heedful remembring be to him then?

will say: "O I dearly Human Being 89:24. The had sent ahead provisions for my wish Ι true eternal life (on the Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Eternal Afterlife World, Rewards in the the measured extent whereof is Fifty Thousand Years),

89:25. Surely no one ever punishes as The Ever Almighty God Will punish on that Day;

89:26. And no one ever binds as the binding of The Ever Almighty God (The Ever Most Mighty).

89:27. (It will be announced by The Ever Almighty God): "Thou the righteous contented soul!

89:28. Thou must return to The Eternal Lord and Sustainer of thee well pleased with Him, and well pleasing to Him,

89:29. Surely thou must join My servants,

89:30. And thou must enter My Everlasting Garden!"

90: Sûrah Chapter Al-Balad The City M.V. 20

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

I (The Ever Almighty God, The Ever Most 90:1. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Forgiving, The Creator Most of Everything, Ever The Ever Owner of All Praise. The Ever Owner of Glory, The Ever All Seeing of Everything, The All Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Light True all the Heavens and the Whole Earth. The Ever of Knowing of Everything, The Ever Most High, All The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, Most Good-Looking, The Ever The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner Greatness, The Ever Supreme of the Owner of Good Names. The Eternal the Most Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, Ever Most Supremely Holy, The Ever All The Encompassing Over Everything, The Ever Present Over Everything, The Ever Most Forbearing, Witness of and Lord Sustainer The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most The Ever Exalted. Most High-Ranking, The Ever Most Grateful. The Appreciative, The Ever Most Universe, Eternal King of the Entire The Eternal of All Honour, The Ever Most Good. The Owner Omnipresent Help, Ever to The Most Ever Powerful. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) swear by this City Makkah.

90:2. Truly thou O Muhammad! (The Honourable the Trustworthy and the Truthful Messenger and of Prophet The Ever Almighty God to and and every one of the Human Beings each P.m.b.u.h are resident of this City Makkah. an

And by the father and by whoever he begot. 90:3. Indeed, We (The Ever Almighty God, The 90:4. Mighty, The Eternal King of the Ever Most Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe³ and Lord have in fact created the Human Being into hardship.

the Human Being think that The 90:5. Does Ever (The Ever Almighty God, Only One The Ever Mighty, The Eternal King of Most the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) has no power to overcome him?

90:6. The Human Being says: "I have wasted wealth in abundance!"

90:7. Does the Human Being think that The Ever One (The Ever Almighty God, The Ever Only Mighty, The Eternal King of Most the Entire The Eternal Lord Universe, The Creator and and Sustainer of the Entire Universe) has not seen him?

90:8. Have We (The Ever Almighty God) not made for the Human Being two eyes?

the tongue and 90:9. the two lips? And We (The Ever Almighty God) 90:10. And have Human Being the two distinct paths? shown the But the Human Being has 90:11. not attempted steep good path; to follow the

90:12. Truly what will explain to thee what is the steep good path?

90:13. It is the freeing of a slave, 90:14. Or feeding on a day of severe hunger,

90:15. An orphan who is a close relative, 90:16. Or any needy person in misery.

90:17. Thereafter such person a became from the people who truly believed and among each other to be steadfastly patient, instructed and instructed each other to do merciful actions.

people will right-hand 90:18. Such be the on who will reside {those in the Everlasting side Garden on the Mighty Day of Resurrection and the Eternal Afterlife Requitals in World.

90:19. Truly the people who unthankfully disbelieve in Our Miraculous Verses, such people will be on the left-hand side (in the Eternal Afterlife World).

90:20. The Hellfire will be close in upon the unthankful disbelievers (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years. unthankful disbelievers Solely because the freelv The truly believe in Ever Almighty chose not to His Angels and His Books and His God and Messengers and the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and Reckoning and Requitals and and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years, and died while they were unthankful disbelievers. and they

91: Sûrah Chapter Ash-Shams The Sun M.V. 15

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ever Almighty God, The Ever 91:1. €Ι The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Owner of All Praise. Ever Owner of Ever The All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Truthful, The Trustworthy, The Ever Most True Light all the Heavens and the Whole Earth. The Ever of Knowing of Everything, The Ever Most High, All The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The The Ever Most Excellent Helper, Most Beautiful, Most Good-Looking, The Ever Most Ever The Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner Greatness, The Supreme Ever of the Owner of Good Names, The Eternal the Most Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, Ever Most Supremely Holy, The Ever The All Encompassing Over Everything, The Ever Present Everything, The Ever Most Forbearing, Witness Over and Lord Sustainer of the The Eternal Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Most Ever Most Ever The Appreciative, The Ever Most Grateful, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner All Honour. The Ever Most Good. The of Ever Omnipresent to Help, The Most Powerful, Ever Sustainer Eternal Lord and of the Entire The Universe swear) by the sun and its brightness.

91:2. And by the moon as it follows the sun.91:3. And by the day as it displays the brilliance of the sun.91:4. And by the night as it conceals the sun.

91:5. And by the heaven and by (The Ever Almighty God. The Ever All Wise, The Creator Sustainer The Eternal Lord and and of the Entire One Who has Universe The built the heaven.

91:6. And by the earth and by (The Ever Almighty God) The One Who has spread the earth.

the Human Being 91:7. And by and by (The Almighty God The Who Ever One has perfected bodily form of the Human the Being.

91:8. Surely The Ever Almighty God inspired the Human Being whatever is sinful for the Human Being and whatever is devout piety for him,

91:9. Indeed. each and every person from sanctifies the Human Beings who himself among from all evil actions is triumphant.

91:10. Truly indeed each and every person from among the Human Beings who made himself sinful has utterly failed.

Thamûd unthankfully denied through 91:11. their iniquitos transgression. most wicked 91:12. When the from man them stood among up. 91:13. Surely the Messenger of The Ever Almighty God said to his people: "Beware of the she camel of The Ever Almighty God and her drinking turn!"

But they unthankfully denied the Messenger, 91:14. hamstrung the she camel. Surely The and Eternal Sustainer of brought Lord and them down them destruction solely because of their upon The Ever Almighty God levelled sin and them.

91:15. Truly The Ever Almighty God does not fear any consequence thereof.

Humankind! each and 2:21. O ye every one of always worship The Eternal Lord Ye must and The Sustainer ye, God Who has all of created ve and all the people who of were ever before the purpose all of ve may ve. for become the righteous people who fear The Ever Almighty God. 2:22. The God Who has made the earth the vast ve Humankind floor for and the sky the roof. from and He sent down rainwater the and sky. brought forth thereby many He has fruits as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make not ever anything equal to The Ever must Almighty God while ye have the knowledge.

Truly if any one of ye Humankind 2:23. are in Supremely Honourable doubt about the Ever Qur'an The Ever Almighty God, The Ever Most which We Compassionate, The Most Gracefully Ever Merciful. Most Kind, The Ever Most The Ever High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of All Praise. Owner of All Glory, The Eternal The Ever King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Sustainer of the Lord and Entire Universe } have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must produce one Sûrah Chapter just like of this Book ye may call upon your helpers Our'an. and other than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

92: Sûrah Chapter Al-Lail The Night M.V. 21

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ever Almighty God, The Ever 92:1. €I The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Kind, The Ever Most Generous, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Owner of All Praise. Ever Ever The Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Light True all the Heavens and the Whole Earth. The Ever of Knowing of Everything, The Ever Most All High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The The Ever Excellent Helper, Most Beautiful, Most Most Good-Looking, The Ever The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner The Greatness, Ever Supreme of the Owner of The Names. Eternal the Most Good Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, Supremely Holy, The Ever Ever Most The All Encompassing Over Everything, The Ever Present Everything, The Ever Most Forbearing, Witness Over Lord Sustainer of and The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever Most The Ever Most Ever Most Grateful, Appreciative, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner All The Ever Most Good. of Honour. The Ever Help, The Most Powerful, Omnipresent to Ever Eternal Lord and Sustainer of the Entire The Universe swear) by the night when it covers.

92:2. And by the day as it follows the night, by The Ever Almighty God, The One 92:3. And created every male and every female, Who has 92:4. Certainly, the efforts of ye the Human indeed of different kinds. Beings are for any person who gives 92:5. Surely as The Ever Almighty God, wealth and he fears 92:6. And he sincerely testifies to all that is good, Surely We (The Ever Almighty 92:7. God. The Most Equitable will eventually Ever make easy to such a person the way towards ease. 92:8. Truly as for any person who is greedy self-sufficient, considers himself miser and he 92:9. And he unthankfully denies all that is good, Surely We (The Ever Almighty God, 92:10. The Most Equitable will eventually Ever make easy to him the way towards hardship. 92:11. Truly the wealth of such a person will not any way when he will perish. benefit him in Ever 92:12. Certainly, upon Us (The Almighty Ever Most Equitable) is indeed The God, the responsibility to provide the Correct Guidance. to Us (The Ever Almighty God, 92:13. For sure All Wise) indeed belongs the Eternal The Ever and the present earthly life. Afterlife World

92:14. Surely I (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) have warned each and every one of ye the Human Beings of the Blazing Hellfire.

92:15. None will burn therein except the iniquitous person (from among Humankind and Jinn-kind).

92:16. Each and every person who unthankfully and turned *feach* and denied away every person truly chose believe in who freely not to Almighty God His The Ever and Angels and His Messengers His Books and the Final and Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years. and he died while unthankful he disbeliever. was an

92:17. Truly eventually each and every devoutly pious person will be kept away (from the Blazing Hellfire on the Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World)?

92:18. Each and person who gives his every sanctify himself, wealth to Truly he 92:19. does not owe any person any favour that he seeking is to award,

All 92:20. But only to seek the Blessed Love and Sustainer of The Eternal Lord of him. The Ever Most High (The Ever Almighty God}.

92:21. Truly indeed, such a person will eventually pleased (on the Final Mighty well Dav be of Judgement Reckoning Resurrection and and and Requitals Eternal Afterlife the World. the in whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

93: Sûrah Chapter Ad-Duha The Morning Brightnes M.V. 11

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The 93:1. **∲I** The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, Ever The Most Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Most Forgiving, The Creator of Everything, The Ever Praise, Ever All Ever Owner of The Owner of Glory, The Ever All Seeing of Everything, All The Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever All Ever Most Trustworthy, The Ever Most The Truthful, Light True the Heavens and the Whole of all Earth. The Ever Knowing of Everything, All The Ever Most High, Mighty, The Ever Most The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The The Ever Excellent The Ever Most Helper, Most Beautiful, Good-Looking, The Ever Most The Ever Most The Ever Supreme Truth, The Glorious. Ever Owner The Greatness, of the Ever of Supreme Owner Names. the Most Good The Eternal Lord and Ever Supremely Honourable Throne, Sustainer of the Most Supremely Holy, The Ever The Ever A11 Over Everything, The Ever Encompassing Present Everything, The Ever Most Over Forbearing. Witness Sustainer Lord and The Eternal of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever The Most Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Eternal The King of the Entire Universe. Eternal Owner All The Ever Most Good. The of Honour. Ever Help, The Ever Most Powerful, Omnipresent to and Sustainer of Eternal Lord the Entire The swear} by the morning brightness, Universe

night when it covers everything And by the 93:2. darkness (by the decreed with determination of Almighty God, The of The Ever Ever Owner Praise, The Ever Owner of All Glory, All The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King Universe, The of the Entire Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

93:3. The Eternal Lord and Sustainer of thee has thee O Muhammad! (The Honourable not abandoned the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of Almighty God, The The Ever Ever The Ever of Owner Owner All Praise. of All Ever Glory. The Most Excellent Helper. The Ever Most Good-Looking, The Most Beautiful. Ever The Eternal King of the Entire Universe. The The Eternal Lord and Sustainer of the Creator and Entire Universe to each and every one of the Human Beings P.m.b.u.h) nor has He detested thee,

93:4. Truly indeed the future will always be better for thee than the past.

93:5. Truly indeed, The Eternal Lord and Sustainer of thee will eventually give thee so many good things, surely thou will be well pleased.

93:6. Did The Ever Almighty God not find thee an orphan then He gave thee protection?

93:7. And The Ever Almighty God found thee astray and He correctly guided thee,

93:8. And The Ever Almighty God found thee poor and He made thee rich.

93:9. Surely thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Helper, The Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Ever King of the Entire Universe, The Eternal The and Sustainer of the Eternal Lord Entire Universe of Human each every the to and one Beings P.m.b.u.h must not ever oppress any orphan.

Ο And surely thou Muhammad! 93:10. (The the Trustworthy Honourable and and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Owner of Most Merciful. The All Praise. Ever Owner of All Glory. The Ever The Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and and one of the Human Beings P.m.b.u.h must everv not ever repulse any person who asks for help.

O Muhammad! 93:11. And thou (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever of All Praise, of All Owner The Ever Owner The Ever Most Excellent Helper, Glory, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Sustainer of the Entire Universe Lord and to each every one of the Human Beings P.m.b.u.h and always proclaim the Favours and Blessing must of The Eternal Lord and Sustainer of thee.

94: Sûrah Chapter Al-Inshirah The Expansion M.V. 8

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Have We (The Ever Almighty God, The 94:1. Ever Compassionate, Gracefully Most The Ever Most The True Light of all Merciful. the Heavens and Whole Earth. The All Knowing the Ever of The Everything, Ever Most High, The Ever Most Mighty, Ever Most Equitable, The The Ever Most Friend, The Ever Most Excellent Protecting Excellent The Most Beautiful. The Helper. Ever Ever Most Good-Looking. The Ever Most Glorious, The Ever Supreme Truth. The Ever Owner of Supreme the Ever Greatness. The Owner of the Most Good Eternal Lord and Sustainer Names. The of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Holy, The Ever Supremely All Encompassing Over The Ever Present Witness Over Everything, Everything, Ever Most Forbearing, The Eternal Lord The and Supremely Sustainer of the Ever Honourable Throne. Ever Most Exalted, The Ever Most The High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful. The Eternal King of the Entire Universe, of All Honour, The Ever The Eternal Owner Most Ever Omnipresent to Help, The Good. The Ever Most Powerful. The Eternal Lord and Sustainer of Universe} expanded Entire not the your chest for Honourable **(**The Muhammad! 0 thee and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the Almighty God, The King The Ever Eternal of Entire Universe, The of the Creator The and Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe and every one of Humankind P.m.b.u.h?? each to

94:2. And We (The Ever Almighty God) have removed from thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise. The Ever Owner Glory. of All The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord Creator and The and Sustainer The of the Entire Universe each to and everv one of the Human Beings P.m.b.u.h) your burden.

94:3. Your burden which had weighed so heavily on your back.

94:4. And We (The Ever Almighty God, The Ever Gracefully Compassionate, The Most Ever Most Merciful, The Ever Owner of All Praise, The Ever Glory, The Ever Most Excellent Owner of All The Ever Most Beautiful, The Helper. Ever Most The King Good-Looking, Eternal of the Entire The Eternal Lord Universe. The Creator and and Universe have Sustainer of Entire raised the high for thee the honourable mention of thee.

94:5. Surely indeed along with hardship there is ease.

94:6. Certainly, along with hardship there is ease.

94:7. Surely when thou are at leisure, then thou must strive hard (in worshipping The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate).

94:8. And thou must turn to The Eternal Lord and Sustainer of thee exclusively.

95: Sûrah Chapter At-Teen The Fig M.V. 8

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ever Almighty God, The Ever 95:1. €I The Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Kind, The Ever Most Generous, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Owner of All Praise, Ever Ever The Owner of All Glory, The Ever All Seeing of Everything, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Light True all the Heavens and the Whole Earth. The Ever of Knowing of Everything, The Ever Most All High, The Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The The Ever Excellent Helper, Most Beautiful, Most Most Good-Looking, The Ever Ever The Most Glorious, The Ever Supreme Truth, The Ever Owner Greatness, The the Supreme Ever of Owner of Names. The the Most Good Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, Ever Most Supremely Holy, The Ever The A11 Encompassing Over Everything, The Ever Present Everything, The Ever Most Forbearing, Witness Over Lord Sustainer of and The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever Most The Ever Most Ever Most Grateful, Appreciative, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Owner The Ever Most Good. of All Honour. The Ever Help, The Most Powerful, Omnipresent Ever to Eternal Lord and Sustainer of the The Entire Universe swear) by the fig and the olive.

95:2. And by the Mountain Sinai,95:3. And by this secure city Makkah,

95:4. Indeed, We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise. The Ever Glory, The Owner of All Ever Most Excellent Most Beautiful, Helper, The Ever The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord Entire Universe have and Sustainer of the in created the Human Beings in the best state, fact

Thereafter, We (The Ever Almighty God, 95:5. The Gracefully Compassionate, Most Ever The Eternal of the Entire Universe, The Lord King Eternal Entire Universe return and Sustainer of the the Human Being of the low to the lowest state:

95:6. Except the people who truly believe and do righteous good actions, they will have the good reward that will not ever End come to an Mighty Day of fon the Final Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

95:7. What is it then that makes thee the Human Being unthankfully deny the Judgement and Requitals (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)?

95:8. Is not The Ever Almighty God The Ever Best Equitable Judge of all Judges ever?

96: Sûrah Chapter Al-'Alaq The Embryo M.V. 19

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Thou O Muhammad! {The Honourable 96:1. and the and Truthful Messenger Trustworthy the and Prophet Almighty God, The of Ever Ever The Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Ever Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, Most Most Truthful, The Ever Most Equitable. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner The Ever of Ever Most Excellent All Glory, The Helper, The Beautiful. The Ever Good-Looking, Ever Most Most King of the Entire Universe. The Eternal The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of Universe to each and every the Entire one of Beings P.m.b.u.h) must recite commencing Human the Name of The Eternal Lord in the and Sustainer The One Who of thee. has created Everything.

96:2. He (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty) has created the Human Being from an embryo.

96:3. Thou must recite! Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee is The Ever Most Generous.

96:4. The One Who has taught by the pen.

96:5. He (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate) has taught the Human Being that which the Human Being did not know.

96:6. Certainly not! Certainly, the Human Being indeed unjustly transgresses,96:7. Because he considers himself self-sufficient.

96:8. Certainly, to The Eternal Lord and Sustainer of thee is the final return (of each and every person of the Human Beings on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

96:9. Have thou considered the unthankful disbeliever who prohibits,96:10. The servant of The Ever Almighty God when he performs the Prayer?

thou considered if the 96:11. Have of servant Ever Almighty God follows the The Heavenly Guidance (the Ever Supremely Honourable and the Ever Supremely Glorious and the Ever Supremely Blessed and the Ever Supremely Miraculous and Supremely Wise and the Ever Supremely the Ever the Message Statement Clear Qur'an, and the Ever Distinctive Criterion and the Whole Truth and the Grace and the Mercy and the Wise Reminder and Miraculous Proof and the Clear Light and the the True Insightfulness and the Heavenly Guidance and Miraculous Words and the Miraculous Verses the of and Ever Almighty God to each The everv one of the Human Beings on the whole earth);

96:12. Or the servant of The Ever Almighty God commands people to be devoutly pious?

96:13. Have thou considered if the unthankful disbeliever unthankfully denies and turns away,

96:14. Does he not have the knowledge that The Ever Almighty God is always watching?

Certainly not! Indeed if 96:15. the unthankful We (The Ever disbeliever does not stop this action, God. The Eternal King of the Entire Almighty Universe. Eternal The Creator and The Lord and of Entire Universe} will Sustainer the indeed seize the unthankful disbeliever by the forelock,

96:16. The lying, sinful forelock!

96:17. Surely let him call his companions.

96:18. We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe) will call out the Angels of Hell (those Angels who guard Hell)!

Certainly not! Thou ever 96:19. must not obev disbeliever. Truly thou must always the unthankful prostrate and thou draw **€to** The must near Ever Almighty God, The Gracerfullv Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Throne. The Ever Truthful. Honourable Most The Most Equitable, The Ever Owner of Ever All Praise. Owner of All Glory, The Ever The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever of Owner All The Ever Owner of All Glory, The Eternal Praise. King of the Entire Universe, The Creator and The and Sustainer of the Entire Universe). Eternal Lord

97: Sûrah Chapter The Supremely Blessed Night M.V. 5

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Certainly, We (The Ever Almighty 97:1. God. The Gracefully Compassionate, Ever Most The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Most Forgiving, The Ever The Kind. Creator of Everything, The Ever Owner of All The Praise. Ever Glory, The Ever All Seeing of All Owner of Ever All Self-Sufficient Everything, The Self-Reliant. Most Trustworthy, The Ever Most The Ever Truthful, the Heavens Light of all Whole The True and the of Everything, The Ever All Knowing Earth. The Most High, The Ever Most Mighty, Ever The Ever Equitable, The Ever Most Excellent Most Protecting Ever Most Excellent Helper, Friend. The The Ever Most Good-Looking. Most Beautiful. The Ever The The Ever Supreme Truth, Ever Most Glorious. The of the Greatness, The Supreme Ever Ever Owner The Eternal Good Names, Owner of the Most Lord of the Ever Supremely Sustainer and Honourable Throne, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Encompassing Over Everything, The Ever Present All Everything, The Ever Most Witness Over Forbearing, and The Eternal Lord Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever The Most Ever Most Appreciative, The Ever Grateful, Most The Eternal The Eternal Entire Universe, Owner King of the of Most Good, All Honour. The Ever The Ever Most Powerful, The Eternal Lord and Sustainer of Entire Universe have Miraculously Revealed this the Qur'an during the Supremely Blessed Night. Book

97:2. And what will explain to thee what is Supremely Blessed Night? the Supremely Blessed Night 97:3. The is better than months *worshipping* thousand The Ever a The Creator and The Almighty God, Eternal Lord of and Sustainer the Entire Universe in the Supremely Blessed Night is better than worshipping The Ever Almighty God 83 years and $4 \mod 8$.

97:4. The Angels and the Spirit descend in the Supremely Blessed Night by the Command of The Eternal Lord and Sustainer of them with every Decreed matter

97:5. The Supremely Blessed Night is peaceful and lasting until the emergence of the dawn.

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h) each to "O ye each and say: every one of must Humankind! Certainly, I am Messenger of the The Ever Almighty God to each and every one of ye. to Whom belongs the Eternal God He is The and Kingdom of all the heavens the whole earth. There is no God except Him Alone. He Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly believe in Almighty God The Ever and His Messenger; the Prophet who cannot read nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow the Prophet for the purpose that ye may become people who follow the Heavenly Guidance. the

98: Sûrah Chapter Al-Baiyinah The Supremely Clear Proof The Miraculous Verses 8

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

who unthankfully disbelieve from 98:1. Those among People of the Book and the polytheists the were iniquitous going leave their actions not to until Supremely Clear Proof. there came to them the

Messenger Muhammad (The Honourable 98:2. The and and the Trustworthy Truthful Messenger the and Ever Almighty God, The Ever Most Prophet of The Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful, Most Forgiving, The Ever Most High, The The Ever Wise. The Ever Most Mighty, The Ever Ever All Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, Most Truthful, The Ever The Ever Equitable, Most Most Owner of All Praise, The Ever Owner of The Ever Ever Most Glory, Excellent Helper, All The The Most Beautiful. The Ever Ever Most Good-Looking, of the Entire Universe. King The Eternal The The Eternal of Lord and Creator and Sustainer Universe each and every one the Entire to of Beings P.m.b.u.h from The the Human Ever Almighty God reciting the Completely Pure Scriptures.

Therein there the 98:3. are written Correct Commandments {of The Ever Almighty God, The Merciful, The Ever Owner of Ever Most All of All Glory, The Ever Owner The Praise. Ever The Ever Most Good-Looking, Beautiful, Most The King of the Universe, Eternal Entire The Eternal and Sustainer of the Entire Universe. Lord

Truly the people who were 98:4. given the differed not except Book after there came to Supremely Clear them the Ever Proof.

Truly they were not commanded in 98:5. any way to worship only The Ever Almighty God. except always being sincere to The Ever Almighty God in religion, being devoutly true monotheists, and to equitably perform the Prayer and to give the Mandatory Alms, truly this is the correct religion.

98:6. Certainly, the people who unthankfully disbelieve among the People of Book from the and the polytheists be in the Fire of will Hell. they will therein forever. They reside are the worst of The Ever the creatures (created by Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Equitable, The Ever Living, Most Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

98:7. Certainly, the people who truly believe and actions, they righteous good are the best of do (created by The Ever Almighty God, the creatures The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

good reward with 98:8. Their The Eternal Lord will be the Everlasting Sustainer of and them which They Gardens beneath rivers flow. will reside in the Everlasting Gardens forever. The Ever Almighty God will be well pleased with them and well pleased with they will be Him. This is for and every person from among Humankind each The Eternal Lord and Sustainer of him. who fears

99: Sûrah Chapter Al-Zilzal The Ultimate Earthquake M.V. 8

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

99:1. When the earth will is shaken with her earthquake (°on Mighty ultimate the Final Day of and Judgement Requitals Resurrection and and World. Rewards the Eternal Afterlife in

throw earth will 99:2. And the out its burdens. Beings will 99:3. And the say: "What Human earth?" is the wrong with the

On that Day the earth will report 99:4. its news. 99:5. Solely because The Eternal Lord and of miraculously commanded Sustainer thee has it.

that Day Humankind will 99:6. On proceed in different for the groups purpose that they may every of shown each and be their actions.

Surely each 99:7. any person of Humankind every good action the equal who does to weight any of will every good action an atom see the Mighty Day of Resurrection (*on Final and and Reckoning Judgement and Requitals and Rewards the Eternal and Recompense in Afterlife World.

Truly 99:8. each and every person of Humankind evil action equal the who does to weight any will of evil action see every an atom (on Mighty of Resurrection the Final Day and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement the Eternal Afterlife in World. and Recompense

100: Sûrah Chapter Al-'Adiyat The Charging Steeds M.V. 11

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The 100:1. **{I** The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, Ever The Most Merciful. The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The Praise. All The Ever Owner Ever Owner of of Glory, The Ever All Seeing of Everything, All The Self-Sufficient Self-Reliant, The Ever All Ever Most Trustworthy, The Ever Most The Truthful, Light True the Heavens and the Whole of all Earth, The Ever Knowing of Everything, All The Ever Most High, Mighty, The Ever Most The Ever Most Equitable, Ever Most Excellent Protecting Friend, The The Ever Most Excellent Helper, The Ever Beautiful, Most Good-Looking, The Ever Most The Ever Most The Ever Supreme Truth, The Glorious. Ever Owner Supreme Greatness, The of the Ever of Owner Names. the Most Good The Eternal Lord and Ever Supremely Honourable Throne, Sustainer of the Most Supremely Holy, The Ever The Ever All Over Everything, The Ever Encompassing Present Everything, The Ever Most Witness Over Forbearing. of Sustainer Lord and The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, High-Ranking, The Ever The Most Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Eternal The King of the Entire Universe. Eternal Owner All Honour. The Ever Most Good. The of Ever Help, Ever Omnipresent The Most Powerful, to Lord and Sustainer of Eternal the Entire The swear) by the charging steeds, panting, Universe

100:2. Then striking sparks, with their hooves, 100:3. Then making raids at dawn,

100:4. Then raising thereby clouds of dust, 100:5. Then plunging into the centre collectively,

100:6. Certainly, the Human Being is indeed unthankful to The Eternal Lord and Sustainer of him.

100:7. Truly indeed the Human Being is the witness to this reality,100:8. Truly indeed the Human Being is indeed extremely intense in love for all that is good.

100:9. But does the Human Being not know that when the contents of the grave will be scattered (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)?

that And Everything 100:10. is in each and manifest (on the everv chest will be made Final Mighty Day of Resurrection and Judgement Reckoning and Requitals and Rewards and and Eternal Afterlife World. in the Recompense the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

The Eternal 100:11. Certainly, Lord and Sustainer and every the Human of each one of Beings for Resurrection Day and Judgement that on and Requitals and Rewards and Reckoning and Eternal Afterlife Recompense in World. the whereof measured extent is Fifty Thousand the Years) will be The Ever A11 Aware of every one of the Human Beings. each and

101: Sûrah Chapter Al-Qari'ah The Dreadful Calamity M.V.11

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

101:1. The Dreadful Calamity!

101:2. What is the Dreadful Calamity?

explain what will 101:3. Truly to thee 0 Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy Messenger Prophet and the Truthful and of The Almighty God. The Ever Most Ever Gracerfully The Ever Compassionate, Most Merciful. The Ever Forgiving, The Ever Most High. Most The Ever All The Most Mighty, Wise. Ever The Ever Most Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, The Ever Truthful. The Ever Most Most Equitable, The Ever Praise. The Owner of All Ever Owner of All Ever Excellent Glory, The Most Helper, The Ever The Ever Most Good-Looking, Most Beautiful. The The King of the Entire Universe, Eternal Creator Sustainer of The Eternal Lord and and the Entire Universe each and every of the to one Human Beings P.m.b.u.h what Dreadful the is Calamity?

Day (of Resurrection and It is the Judgement 101:4. Requitals the Eternal Afterlife World } and in Humankind when will be like scattered moths.

mountains will be like 101:5. And the wool. fluffed Final Mighty Day of Resurrection up (°on the Requitals the Eternal Afterlife and World. in

101:6. for each Surely as and every person Humankind whose with righteous of Scales the actions will be good heavy,

101:7. Surely such a person will be in luxury and delight (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

101:8. Truly as for each and every person of Humankind whose Scales with the righteous good actions will be light (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning and Requitals in the Eternal Afterlife World),

101:9. Surely such a person will have his eternal home in Hăwiyah (on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World),

101:10. Truly what will explain to thee what is Hăwiyah (on the Mighty Day of Judgement and Requitals in the Eternal Afterlife World)?

101:11. Hăwiyah is an extremely hot Hellfire!

Truly the weighing of every action on that 7:8. Day (of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals and Rewards and Recompense in the and Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) is The Whole Truth. Surely each and every person of Humankind whose Scales the righteous good heavy. actions will with be truly indeed such people will be the triumphant.

7:9. Truly as for each and every person of Humankind whose Scales with the righteous good actions will be light, surely such people are the ones who will lose themselves solely because they had been committing iniquity to Our Miraculous Verses.

102: Sûrah Chapter Al-Takathur Competing For More M.V. 8

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

102:1. The competing for more gains diverts ve the from following the Ever Supremely Beings Human Honourable and Ever Supremely Glorious the and Supremely Mighty and the Ever the Ever Supremely and the Ever Supremely Miraculous and Blessed the Ever Supremely Wise Qur'an, the Message Statement the Wise Reminder and the Miraculous Proof and True Insightfulness Clear Light and the and the and the Heavenly Guidance from The Ever Almighty God and every one of the Human Beings); each to

102:2. Until ye the Human Beings reach the graves.

102:3. Certainly not! Ye the Human Beings will eventually come to know!

102:4. Thereafter, certainly not! Ye the Human Beings will eventually come to know!

102:5. Certainly not! If ye the Human Beings only knew with the knowledge of certainty,

102:6. Ye will indeed see the Blazing Hell.

102:7. Then indeed ye will definitely see the Blazing Hell with the certainty of your eyes.

Thereafter, indeed ye the Human 102:8. Beings definitely be questioned upon will that Dav and Blessings. the Favours about

103: Sûrah Chapter Al-'Asr The Later Afternoon M.V. 3

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

The Ever Almighty God, The Ever 103:1. *(*I Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner The Ever All of All Glory, Seeing of Everything, Ever Self-Sufficient Self-Reliant. All The Ever The Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Ever The Ever Most Mighty, The Most High, Ever Ever Most Excellent Protecting Equitable. Most The The Ever Most Excellent Helper, Friend. The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious. The Ever Supreme Truth. The Owner of the Supreme Greatness, Ever The Ever Owner of the Most Good Names, The Eternal Lord of the Ever Supremely Honourable and Sustainer Throne, The Ever Most Supremely Holy, The Ever Encompassing Over Everything, The Ever Present All Everything, The Ever Most Witness Over Forbearing. Lord and Sustainer of The Eternal the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Most Exalted, The Ever Most Appreciative, The Ever Most Eternal King of the Grateful. The Entire Universe, and of the The Eternal Lord Sustainer Entire Universe swear by the time of the declining day!

Beings Certainly, the Human 103:2. are indeed in state of mighty loss; a Except those Human Beings who truly 103:3. believe they righteous good actions and instruct and do other to Whole Equity The Truth and each and they instruct each other to steadfastly patient. be

104: Sûrah Chapter Al-Humazah The Slanderer M.V. 9

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

destruction 104:1. There will be to each and slanderer (every backbiter, backbiter, every slanderer who unthankfully disbelieves in The Ever Almighty Mighty Angels Most and God. The Ever His His Messengers His Books the and and and Mighty Day of Resurrection and Judgement Final Requitals in the Eternal Afterlife World, the and extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

104:2. The one who amasses wealth and counts it. 104:3. The backbiter, slanderer thinks that his wealth will make him etrnal!

104:4. Certainly not! Indeed the unthankful disbeliever will definitely be thrown into the Crushing Hellfire Final the Mighty Day of Resurrection (°on and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Truly what will 104:5. explain thee what to the Crushing Hellfire? is is the Kindled Hellfire 104:6. It of The Ever Almighty God, 104:7. That will rage over the hearts.

104:8. Certainly, the Kindled Hellfire of The Ever Almighty God will be closed down upon them.

104:9. In extended columns.

105: Sûrah Chapter Al-Feel The Elephant M.V. 5

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Ο Muhammad! (The 105:1. Have thou Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Wise. The Ever Most Mighty, The Ever Ever All Supremely Holy, The Ever Most Trustworthy, Most Most Truthful, The Ever Equitable. The Ever Most The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The and Sustainer of the Ever Supremely Eternal Lord Honourable Throne, The Eternal King of the Entire and The Eternal Lord Universe, The Creator and Entire Universe of Sustainer the to each and Beings P.m.b.u.h Human of the every one not and Sustainer The Eternal Lord considered how of dealt with the companions of the elephant? thee

105:2. Did The Eternal Lord and Sustainer of thee not make their iniquitous plan go astray?

105:3. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee sent against them flocks of birds,

105:4. Which were striking the companions of the elephant with pellets of hard clay.

105:5. Surely The Eternal Lord and Sustainer of thee made them like chewed up straw.

106: Sûrah Chapter Quraysh The Quraysh M.V. 4

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

of making 106:1. For the Favour Quraish secure. in their security trade 106:2. Their journeys the winter and during the summer.

106:3. Surely they must worship The Eternal Lord and Sustainer of this Sacred House,

(The Lord 106:4. Creator and The Eternal and of Everything Entire Sustainer in the Universe) Who fed them off hunger The One to ward and He has made them safe from fear.

which of the Favours Blessings 55:55. Then and Eternal Lord and Sustainer ye, The of of will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

ye each and every one 2:21. 0 of Humankind! must always worship The Eternal Lord Ye and Sustainer of ye, The God Who has all created all the people who were ye and before of ever all of ye may ye, for the purpose become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

2:22. has made The God Who the earth the vast Humankind sky floor for ye and the the roof, He down rainwater from the sky, and sent and brought forth thereby many fruits He has as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal to The Ever must not ever Almighty God while ye have the knowledge.

107: Sûrah Chapter Al-Ma'un Common Kindnesses M.V. 7

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

0 Muhammad! (The 107:1. Have thou Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High. The Wise, The Ever Most Mighty, The Ever All Ever Truthful, The Ever Most Equitable, The Most Ever The Ever of All Owner Praise. Owner of All The Ever Excellent Helper, Glory. Most The Ever Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Most Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and of the Entire Universe to each and Sustainer everv Human Beings P.m.b.u.h) considered one of the the unthankfully denies person who Judgement the and (on the Final Mighty of Resurrection requitals Day Judgement and Reckoning Requitals and and and Eternal Afterlife Rewards in the World. the Fifty Thousand Years? whereof is measured extent

107:2. Surely that is the person who repulses the orphan, does not encourage 107:3. And to feed the needy person, 107:4. Surely there will be destruction those to who pray, who are The heedless of their Prayer. 107:5. ones only showing 107:6. The who are ones off. they prohibit common kindnesses. 107:7. And

108: Sûrah Chapter Al-Kauthar The Abundance M.V. 3

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Certainly, We (The Ever Almighty God, 108:1. The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever The Most Merciful, The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, Most Truthful, The Ever Most Equitable, The Ever The Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Beautiful. The Ever Most Good-Looking, The Most Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Entire Universe of the have Sustainer given thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The King of the Entire Universe, The Eternal Creator Eternal Lord and Sustainer of and The the Entire to each and every one of the Human Universe Beings P.m.b.u.h good things in abundance.

108:2. Surely thou always pray must only to and Sustainer The Eternal Lord of thee and sacrifice only to Him. thou must

108:3. Certainly, your enemy is the one who will be cut off (from the good things in the life of this present Earthly World and on the Final Mighty and Judgement and Requitals Resurrection of Day Afterlife Rewards the Eternal World. and in the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

109: Sûrah Chapter Al-Kafirûn The Unthankful Disbelievers The Miraculous Verses M.V.6

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad! {The 109:1. Thou O Honourable and Trustworthy Truthful Messenger and the the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most High. The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Ever of All Praise. The Ever Owner of All Owner Glory, The Ever Most Excellent Helper. The Ever Most Beautiful, Ever Good-Looking. The Most The Eternal Lord and Sustainer of the Supremely Ever Throne, Honourable The Eternal King of the Universe, The Eternal Lord Entire and Sustainer of Entire Universe to of the each and every one Human Beings P.m.b.u.h must the say: "O ve every one the unthankful disbelievers! each and

109:2. I do not worship whatever gods ye the unthankful disbelievers worship,

109:3. Truly ye the unthankful disbelievers do not worship The Ever Almighty God Whom I worship,

109:4. Truly I will not ever worship whatever gods ye the unthankful disbelievers worship.

109:5. Truly ye the unthankful disbelievers will not ever worship The Ever Almighty God Whom I worship.

109:6. Each and every one ye the unthankful disbelievers have your religion and I have my religion!"

110: Sûrah Chapter An-Nasr The Help M.V. 3

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

the help of The Ever Almighty God 110:1. When The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The Ever All Wise, Merciful. The Most Ever The Owner of A11 of All Praise. Ever Owner The Ever Most Excellent Protecting Friend, Glory. The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Most Good-Looking, The Ever The Beautiful. Ever Owner of the Most Good Names. The Ever All The Encompassing Over Everything, Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Equitable, King of the The Eternal Entire Universe. The Eternal Lord and The Creator and Sustainer of the Entire Universe) and the victory has arrived,

O Muhammad! (The Honourable Truly thou 110:2. the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Almighty God, The Ever Beautiful. Ever Most The Ever Most Good-Looking, The Eternal The Lord Sustainer of and the Ever Supremely Honourable The Eternal King of the Entire Universe. Throne. Lord and Sustainer of The Eternal the Entire each and every one of the Universe Human to Beings P.m.b.u.h) see Humankind entering the religion by The Ever Almighty God in multitudes. chosen

110:3. Therefore, thou Glorify with must the Eternal Lord and of The Sustainer of praise must pray for forgiveness and thou from thee Certainly, The Ever Almighty God Him. is Ever Accepting of Repentance. The

111: Sûrah Chapter Al-Lahab The Flame M.V. 5

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

111:1. May the two hands of Abû Lahab be ruined and he himself be ruined,

111:2. His wealth and whatever will he earned him (°on the Final Mighty benefit not Dav of Resurrection and Judgement and Reckoning and Eternal Afterlife World. Requitals in the the whereof Thousand Years?! Fifty measured extent is

111:3. He will eventually burn in the Flaming Hellfire!

111:4. And also his wife, the carrier of firewood.

111:5. Around her neck will be a rope of fibre.

ye each and every one 2:21. Ο of Humankind! must always worship The Eternal Lord Ye and of ye, The God Who Sustainer has all created and all the people who were before of ve ever all of ye ve, for the purpose may become the people who fear The Ever Almighty God. righteous

has made 2:22. The God Who the earth the vast for Humankind sky floor ye and the the roof, He down rainwater from the sky, and sent and brought forth thereby many He has fruits as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind ever make anything equal to The Ever must not Almighty God while ye have the knowledge.

112: Sûrah Chapter Al-Ikhlas True Faithfulness M.V. 4

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Muhammad! (The 112:1. Thou 0 Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the the and Prophet of The Almighty God, The Ever Ever and Mighty to every Most each one of the Human Beings P.m.b.u.h) must say: "The True God is The Ever Almighty God, The Ever Only One,

Ever 112:2. Almighty is The God The Ever Completely Independent Self-Sufficient. 112:3. The Ever Almighty God has not ever begotten and He has not begotten, been

112:4. Truly there is nothing whatsoever ever comparable to The Ever Almighty God.

The Almighty God, there Ever 2:255. is no God Him Alone, The Ever Living, The except Eternal Watchful Sustainer. He is not seized ever by sleep. Only to Him belongs drowsiness nor Everything that is in all the and heavens Everything whole that is in the earth. Who is the one who can ever dare to intercede with Him except by His permission? He always knows very well whatever is before and them whatever is them. Truly they do behind not ever encompass anything from His knowledge except whatever He His Throne Encompasses Wills. all the heavens truly earth, the preservation the whole and of of them does not ever tire Him. Truly both He Most High, The Ever Most Mighty. is The Ever

113: Sûrah Chapter Al-Falaq The Day Break M.V. 5

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Thou O Muhammad! (The Honourable 113:1. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The of Ever The Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Wise, The Ever Most Mighty, The Ever Ever All Most Truthful, The Ever Most Equitable, The Ever All Praise. The Ever Owner of of All Owner Glory. The Ever Excellent Helper, Most The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and Sustainer of and The Eternal Lord the Entire Universe to each and every one of the Human say: "I seek Beings P.m.b.u.h must refuge in The Eternal Lord and Sustainer of the Daybreak,

the evil of Everything The 113:2. From Ever Almighty God has created, ever **€**I seek refuge in 113:3. And The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Sustainer of the Entire Universe Lord and from evil of the darkness when it the settles.

(I seek refuge in The Ever Almighty 113:4. And Mighty, Most The Creator The Ever God, and of and Sustainer The Eternal Lord the Entire Universe) from the evil of those who blow in knots, And (I seek refuge in The Ever Almighty 113:5. Eternal King of the Entire Universe } God. The evil of the envier when he envies!" from the

114: Sûrah Chapter An-Năs All Humankind M.V. 6

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Thou O Muhammad! (The Honourable 114:1. and the Truthful Messenger Trustworthy and the and Prophet Almighty God, The of Ever Ever The Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful. Most Forgiving, The Ever Ever Most High, The Wise. All The Ever Most Mighty. The Ever The Ever Truthful, Most Equitable, The Ever Most of All Praise. The The Ever Owner Ever Owner All Glory, The Most of Ever Excellent The Ever Most Beautiful, The Ever Most Helper, Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, Creator and The Eternal The Lord and Sustainer of Entire Universe the to each and Beings P.m.b.u.h every one of the Human must "I seek refuge in The Eternal say: Lord and and every one of Humankind, of each Sustainer

114:2. The True Eternal King of each and every one of Humankind,

114:3. The True Eternal God of each and every one of Humankind,

114:4. From the evil of the retreating whisperer,

114:5. The whisperer who whispers into the chests of each and every one of Humankind,

114:6. (From the evil of each and every whisperer) From among the Jinn-kind and the Humankind!"

The Ever Almighty God, The Ever Most Certainly. Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Most Kind, Ever Most Generous, The The Ever Most Forgiving, The Creator of Everything, The of All Praise, Ever Owner The Ever Owner of Seeing of Everything, All Glory, The Ever All The Self-Sufficient Self-Reliant, Ever All The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The True Light all the Heavens and the Whole Earth, The Ever of Knowing of Everything, The Ever Most All High, Ever Most Mighty, The Ever Most Equitable, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever The The Ever Most Beautiful, Helper, Excellent Most Good-Looking. The The Ever Most Ever Most Glorious. The Ever Supreme Truth, The Ever Owner of the Supreme Greatness, The Ever Owner of the Most Good Names. The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne, The Ever Supremely Holy, The Ever All Encompassing Most Over Everything, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Most Forbearing, The Eternal Lord and Sustainer of the Ever Supremely Honourable Throne. The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking, The Ever Most Appreciative, The Ever Grateful, The Eternal King of Most the Entire Universe. The Eternal Owner of All Honour, The Good, The Ever Omnipresent Ever Most to Help, Most Powerful, The The Ever Creator and The and Sustainer of Entire Eternal Lord the Universe indeed The Ever Most Good The has and Ever mentioned Most Beautiful Names in The Ever Honourable and the Ever Supremely Supremely Supremely Blessed Glorious and the Ever and the Supremely Miraculous and the Ever Supremely Ever Supremely Clear and the Ever Qur'an Wise to every one of the Human Beings. each and

1 = ALLAH = God, The Ever Almighty God, The True God, The Greatest Name of God.

Hafiz Zulfiqar Ali, the I. Son of Muhammad Grandson of Muhammad Ramzan, and the Alim certainty testify with that there is no God Ever Almighty The God. The Ever except Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, Mighty, The Ever Most The Ever Most High. Most Forbearing, The The Eternal Lord Ever Sustainer Ever Supremely Honourable of and the The Throne, The Ever Most Exalted, Ever Most The Ever Most Appreciative, The Ever High-Ranking, Grateful. The Eternal King of Most the Entire Universe, The Eternal Owner of All Honour, The Good, The Ever Omnipresent Most Ever to Help. The Ever Most Powerful. The Creator and The of the and Sustainer Eternal Lord Entire Universe. I testify with certainty that Adam and Noah and Abraham and Ishmael and Isaac and and Jacob and and Aaron Joseph and Lot and Moses and Jonah and David Solomon and Job Hûd and and and Saalih and Elisha and Elias and Ezra and Idrees Zechariah and and Jesus. and John the Son of Muhammad indeed the Mary and are surely Honourable and the Trustworthy and Truthful the The Ever Almighty God, Peace Prophets of and The Ever Almighty God Mercy from His and upon each Blessings and every one be of the and each of Prophets. and every one their every trillionth of a followers second until in the end of the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement on the Final Mighty Day of Resurrection and Reckoning and Requitals Judgement and and the Eternal Afterlife World. Rewards in the extent whereof is Fifty Thousand Years. measured

2 = AR-RAHMAAN = The Ever Most Gracefully Compassionate. The Ever Most Gracious. The God of Mercy. The God of Grace

3 = AR-RAHEEM = The Ever Most Merciful. Bestower of The Mercy, The God of Mercy. Mercy of The Ever Almighty God The Always Encompasses Everythging the Entire Universe. in

The Eternal King, 4 Al-Malik The = \equiv Ever Almighty God, The Ever Most Mighty, The Ever Most Gracefully Compassionate is The Eternal King Entire Universe The Eternal King of the and of and every one Humankind each and Jinn-Kind.

Al-QUDDOOS = The Ever Most 5 = Supremely Absolutely Pure. Certainly, The Holv. The Ever The Ever Most Almighty God, Ever Gracefully not ever Compassionate iniquity does commit the weight of even as much as an atom.

6 = AS-SALAAM = The Ever Provider of Peace, The Ever Most Perfect, The Ever Lasting.

7 = Al-MU'MIN = The Guardian of the True Faith, The One Who Gives Faith and Security.

8 = AL-MUHAYMIN = The Ever Supreme Protector Over Everything, The Preserver, The Overseer.

9 = AL-AZEEZ = The Ever Almighty, The Ever All Strong, The Ever Defeater of all enemies.

10 = AL-JABBAAR = The Ever Supreme Compeller, The Ever Omnipotent, The Ever Most Powerful, The Ever Owner of Abslute Power.

= AL-MUTAKABBIR = 11 The Ever Owner of Supreme Greatness, The Ever Most the Majestic, Powerful, Ever Most The Ever Most Proud. The Supremely Superior Over Everything. The Ever

12 = AL-KHAALIQ = The Creator, The Maker. Creator. The Ever Best The Ever Best Maker. Entire The Creator of the Universe, The Creator of Everything in the Entire Universe.

13 = AL-BAARIH = The Maker, The Evolver. The Ever Best Maker, The Maker of the Entire Universe, The Maker of Everything in the Entire Universe.

14 = AL-MUSAWWIR = The Flawless Inventor of all Forms, The Flawless Fashioner of all Forms, The Flawless Fashioner of Everything.

15 = AL-GHAFFAAR = The Ever Supreme Forgiver, The Ever Supreme Forgiver Who Forgives the sin of his servants time and time again.

16 = AL-QAHHAAR = The Ever All Dominant Over Everything, The Ever All Prevailing Over Everything, The Ever Subduer Over Everything.

17 = AL-WAHHAAB = The Ever Supreme Bestower, The Ever Giver of Gifts. The One Who Gives Gifts.

18 = AR-RAZZAAQ = The Sustainer, The Provider. The Ever Sustainer of Everything Everywhere. The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty is The Ever Best of those who Provide Sustenance.

19 = AL-FATTAAH = The Ever Supreme Ultimate Equitable Judge, The Ever Opener of All Portals.

20 = AL-ALEEM = The Ever All Knowing, The Ever All Knowing of Everything Everywhere.

Ever 21 = AS-SAMEEH = The All Hearing. The Eternal Lord and Certainly, of Sustainer the knows very well Universe always Entire everv spoken throughout the that whole word is ever whole earth. The Ever Almighty heaven and God All Hearing of every prayer ever is The Ever to The Ever Almighty God by his creation. prayed

The Ever All = AL-BASEER Seeing, 22 = The The Ever Most Ever Almighty God, Mighty is Ever All Seeing of Universe The the Entire Everything that the Entire and is in Universe.

23 = AL-LATEEF = The Ever Most Kind, The Ever Most Gentle, The Ever Most Subtle.

AL-KHABEER The 24 = = Ever All Aware, Aware of All The Ever the Entire Universe and Entire Universe Everything that is in the ever.

25 = AL-HALEEM =The Ever Most Forbearing, The Clement. The Ever Most Patient. The Ever Forbearing, The One Who delays the Most punishment for those sinners who deserve it.

26 = AL-'AZEEM = The Ever Most Mighty, The Ever Supremely Magnificent, The Ever Most Great.

27 = AL-GhAFOOR = The Ever Most Forgiving, The Ever All Forgiving, The Ever Greatest Forgiver.

28 = ASH-SHAKOOR = The Ever Most Grateful, The Ever Most Appreciative, The Ever Most Thankful.

Al-'Aliyy = The Most 29 = High, Ever The The Best. Exalted. Ever Most The Ever Most Almighty Gracefullv God. The Ever Most Ever Compassionate is The Ever Most High and The Ever Most Exalted in the Entire Universe.

The Ever 30 = Al-KABEER = Most Great, The Grand, Ever Most Supreme, Ever Most The The the Entire Universe Ever. Most Greatest in Ever

The = Ever All 31 Al-HAFEEZ = Preserver. Guarding One. The Ever The Protector Over The Ever Everything. Certainly, Almighty God. Gracefully Most Compassionate is The Ever The All Preserver of the Entire Universe Ever and Everything that is the Entire Universe in Ever.

32 = AL-MUQEET = The Ever Powerful Controller Everything, Sustainer The Everything, Over of of Everything, Nourisher The The Maintainer of The Ever Almighty Everything. Certainly, God. The Most Gracefully Compassionate Ever The Ever Entire of the Powerful Controller Universe and in the Entire Universe Ever. Everything is that

33 AL-HASSEEB = The Reckoning One, The = of Everything, The Reckoner Taker Over Account The Reckoner Over Every action ever Everything, the Human Beings and Jinn Beings. committed be

34 = AL-KAREEM = The Ever Most Generous, The Ever Most Honourable, The Ever Most Esteemed.

35 AR-RAQEEB The = \equiv Ever All Watcher. All Watcher of the Entire Universe The Ever and Everything that is in the Entire Universe Ever.

36 = AL-QAREEB =The Ever Most Near. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, The Creator Eternal Lord of the The Entire Universe and and Everything that is in the Entire Universe is Supreme Knowledge always nearer indeed by His every Human Being than his jugular vein. to

37 AL-MUJEEB = The Ever Responsive, = Answerers The Who the Prayers of One the Certainly, The Ever Almighty God, Believers. Most Gracefully Compassionate is The The Ever Who Responds the Prayers of the Believers. One

38 AL-WAASIH = The Ever Most = Vast. The Boundless. Certainly, The Ever Almighty God. Most Gracefully Compassionate is The Ever The Always Encompasses Evereything by His Who One Knowledge and by His Mercy. Miraculous

= AL-HAKEEM = The Ever 39 All Wise. The The Ever Certainly, Ever Most Prudent. Almighty Ever Most Gracefully Compassionate God, The is One Who has Wisdom of the Entire Universe The and Everything that is in the Entire Universe Ever.

40 = AL-WADOOD = The Ever Most Loving, The Ever Most Kind, The Ever Most Affectionate, The Ever Most friendly, The Ever Most Nice.

Most 41 AL-MAJEED = The Ever = Glorious, Most Honourable, The Ever The Ever Most High. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living is The Most Glorious. The Most Ever Ever Honourable. The Ever Most High in the Entire Universe Ever.

42 = ASH-SHAHEED = The Ever Present Witness,Observing, The Ever All The Ever Omnipresent. Witness Over Everything in The Ever Present the Entire Universe Ever. Certainly, The Ever Almighty Most Gracefully Compassionate The Ever God. is The Ever Present Witness Over every good and evil action ever committed by each and every every Humankind and each and every Jinn-kind ever.

AL-HAQQ = The Ever 43 = Supreme Truth, The Ever Most Equitable, The One Who Truly Exists. The Ever The Ever Almighty God. Certainly, Most Gracefully Compassionate, The Ever Living is The Ever Most Equitable in the Entire Universe Ever.

44 = AL-WAKEEL =The Eternal Protector, The Trustee. The One Who is always trusted by Eternal the Believing the Believing Men and Women, The Ever Certainly, The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassionate is The Eternal Protector Everything that is in Over the Entire Universe.

45 = AL-OAWIYY = The Ever MostStrong, The Ever Most Powerful. The One with the Supreme Power. Certainly, The Ever Almighty God, Complete The Most Gracefully Compassionate is Ever The Most Powerful in the Entire Universe Ever Ever. = AL-MATEEN = The Ever 46 Most Firm. The Ever Most Powerful in the Entire Unuverse. Ever Steadfast Universe. The Most in the Entire

Protecting Friend, 47 = AL-WALIYY = TheEver Supporter and The Best The Ever Protector. Protecting Friend believing all The Ever of the believing women from among the and the men Human Beings and from among Jinn the Beings.

AL-HAMEED = The Ever Owner 48 = of A11 The Ever Praisworthy, The One Praise. Who is Praised. Certainly, only to The Ever Almighty God belongs Praise in all all the heavens and the whole earth in the past and present and in future.

49 = AL-HAYY = The Ever Living, The Ever Alive, The One Who will not ever die.

50 = AL-QAYYOOM = The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant, The One Who will live forever. The Eternal Watchful Sustainer of Everything.

51 = AL-WAAHID = The Ever Only One, The Ever All Unique, There is none equal to Him. Certainly, there is none equal to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty in the Entire Universe Ever.

52 = AL-AHAD = The Ever Only One, The Ever All Unique, There is none equal to Him. Certainly, there is none equal to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty in the Entire Universe Ever.

53 = AS-SAMAD = The Everlasting Self-Sufficient Protector, The Eternal Supreme Provider, The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty does not ever have any helper because of any weakness.

54 = AL-QADIR = The Ever All Powerful, The Ever All Capable, The Ever Indipendent. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty always has the supremely powerful ability to do Everything He Ever Wills to do in the Entire Universe. 55 = AL-MUQTADIR = The Ever AllPowerful. The Controller, The Subduer, The Omnipotent. Certainly, The Ever Almighty God, Ever Most Gracefullv The Compassionate is indeed The Ever All Powerful Controller the Entire Universe Over and over Everything that is in the Entire Universe Ever.

AL-AWWAL = The First, The 56 =Very First. Certainly. The Almighty Ever God. The Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Most Creator and The Mighty. The Eternal Lord of Entire Universe and Everything that is the the Universe is The First, The Very First. Entire

57 = AL-AAKHIR =The Last. The Infinite Last. Certainly, The Ever Almighty God. The Ever Gracefully Compassionate, Most The Ever Most The Creator and The Eternal Mighty, Lord of the and Everything that Universe is Entire the Entire The Last, The Universe will be Infinite Last.

= AZ-ZAHIR = The Manifest, The Perceptible. 58 Almighty God, The Ever The Certainly, Ever Most Gracefully Compassionate is indeed The Manifest The Perceptible by the Miraculous and Verses the Miraculous Signs and the **Miraculous** and Miraculous Words and the Books and the Miraculous Creation of The Ever Almighty God.

Hidden, The Imperceptible. 59 = AL-BATIN =The Almighty God, Certainly, The Ever The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator of Everything Universe is indeed in the Entire The Hidden and Imperceptible without the Verses The Miraculous and Miraculous Signs and the Miraculous Words the and of The Ever Almighty God. Miraculous Books the

60 = AL-WAALI = The Owner, The Governor.Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty. The Eternal Lord and and The Creator Sustainer Universe is indeed of the Entire The Owner and The Governor of the Entire Universe and Everything that is in the Entire Universe ever.

61 = AL-MUTA'ALI = The Ever Most Exalted.The Ever Most High-Ranking, The Ever Most High. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The and Creator Eternal Lord and Sustainer of The the Entire Universe is indeed The Ever Most Exalted. The Ever Most High-Ranking in the Entire Universe.

62 = AL-BARR = The Ever Most Righteous, The Most Kind, The Ever Most Good, The Source of all Goodness. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Good in the Entire Universe.

AT-TAWWAB = The Ever Accepter 63 = of and Ever Pardoning Forgiving. Repentance, The The One Who turns with Mercy and Forgiveness each and every person who sincerely repents. to

64 = AL-AFUWW = The Ever Pardoner of sins, The Ever Forgiver of sins.

65 = AR-RA'OOF = The Ever Most Compassionate, The Ever Most Kind, The Ever Supremely Merciful. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable is indeed The Ever Most Compassionate to each and every one of Humankind, but most of Humankind do not give thanks to The Ever Almighty God. 66 = AL-JAAMIH = The Gatherer, The Assembler.Certainly, The Ever Almighty God, The Creator and Eternal Lord and Sustainer of the Entire The will indeed Resurrect Universe and Assemble each every one of the Humankind and Jinn-kind on and Final Mighty Day Resurrection the and Judgement Requitals in the Eternal Afterlife World. and

AL-GHANIYY = The 67 Ever = Self-Sufficient, The Ever Most Wealthy, The Ever All Independent. Certainly, only to The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The and Creator Eternal Lord and Sustainer The of the Entire belong the Sun and Universe the Moon and all and the Seven Heavens Stars. and the Seven the and Everything that is between Earths the Seven Heavens and the Seven Earths. and Everything Heavens that is within the Seven and the Seven Certainly, indeed there is no God Earths. except The Ever Almighty God, The Creator and The Lord and Sustainer of the Eternal Entire Universe and Everything that is in the Entire Universe Ever.

68 = AN-NOOR = The Light, The Illuminator.Certainly, The Ever Almighty God, The Eternal Sustainer of the Lord and Entire Universe and Everything that in is the Entire Universe is indeed The Light of all the Heavens and the Earth.

= AL-HAADI = The Provider of the Heavenly 69 Correctly. Guidance. The One Who Guides Certainly, The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Who given Universe is The God has each thing its physical distinctive every form. and Thereafter, He guided each and every thing!"

70 = AL-BADEEH = The Incomparable Originator. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe is indeed The Originator of the Entire Universe and Everything that is in the Entire Universe Ever.

AR-RABB = The Eternal Lord, 71 = The Eternal The Eternal Provider, The Creator. Sustainer. Ever Almighty Surely only to God The belongs The Ever Almighty God is all Praise. The Eternal of all Lord and Sustainer the heavens and Sustainer of the The Eternal Lord and whole earth. The Eternal Lord and Sustainer of all the The Ever Truly Almighty Worlds. only to God belongs Ever Most Supreme the Greatness in all the heavens and the whole earth. trulv The Ever Almighty, The Ever Wise. He is All

72 = AL-MUBEEN = The Manifest, The Perceptible.God, The Certainly, The Ever Almighty Ever Most Gracefully Compassionate is The indeed Manifest by the The Perceptible Miraculous and Verses and Miraculous Signs and the Miraculous Words the and of The Ever Almighty God. the Miraculous Books

73 = AL-QADEER = The Ever All Capable. Certainly, The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything He Wills.

Al-HAFiZ = The 74 Ever All = Preserver, The Ever Guarding One, The Eternal Protector. Ever Almighty God, The Certainly, The Ever Most and The Eternal Mighty, The Creator Lord and of the Entire Universe is Sustainer The Eternal of Everything in the Entir Universe. Protector

75 = AL-KAFEEL = The Guarantor, The Sponsor.

76 = ASH-SHAKIR = The Ever Most Appreciative, The Ever Most Grateful, The Ever Most Thankful.

77 = AL-AKRAM = The Ever Most Generous, The Ever Most Honourable, The Ever Most Beneficent.

78 = AL-KHALLAAQ = The Ever Supreme Creator. Certainly, The Ever Almighty God is The Creator of Everting in the Entire Universe Ever.

Ever Excellent 79 = AL-MAWLA = TheProtecting Ever Protecting Patron. The Friend. 80 = AN-NASEERThe Ever Most =Excellent Helper, The Ever Most Powerful Helper.

= AL-ILAH = The God, The True God. 81 Certainly there is no God except The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, and certainly Adam and Noah and Abraham and Ishmael Jacob and Joseph and Lot Isaac and and and Job and Jonah Moses Aaron and and and David Solomon and Hûd and and Saalih Elisha and and Elias and Ezra and Idrees and Zechariah and John Jesus, the Son of Mary and Muhammad and are surely indeed the Honourable and the Trustworthy Truthful Prophets of The Ever Almighty and the Mercy from The Ever Almighty God. Peace and Blessings be upon each God and His and every Prophets, and the each of and every one one followers in every of their trillionth of a second of the Final Mighty Day until the end of Reckoning Judgement and Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years.

82 = AL-ALLAAM = The Ever All Knower. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe is The Ever All Knowing of Everything in the Entire Universe Ever.

83 = AL-QAHIR = The Ever All Victorious, The Ever All Conquering, The Ever Omnipotent.

84 = AL-GHAFIR = The Ever Forgiver, The One Who Forgives all sins of His servants.

AL-FATIR = The 85 Creator, The Creator = of Everything, The Creator of The Entire Universe. Certainly, The Ever Almighty God is indeed The Eternal Lord and Creator and The The Eternal Sustainer of and every one of the each Angels, every one of the Humankind and and each and each and every one of the Jinn-kind, and the Night and the Day and Sun and the the all the Stars, and Seven Moon and the and Everything Earths Heavens and the Seven Seven Heavens and that is between the the and Everything that is within Seven Earths the Seven Heavens and the Seven Earths. Certainly, is no indeed there God except The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and The Eternal Sustainer of the Entire Universe.

86 = AL-MALEEK = The Eternal King.Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty is indeed The Eternal King of the Entire The always Universe and He has been Eternal King the Entire Universe He always of and The Eternal King of the Entire Universe. will be

87 = AL-HAFIYY = The Ever Most Kind. = AL-MUHEET = The Ever All Encompassing, 88 Surrounding, The Ever All Knowing. The Ever All The Ever Almighty God, The Certainly, Creator The Eternal Lord and Sustainer of the Entire and Universe and Everything that is therein is indeed encompassing the Entire Universe always and the Entire Universe Everything that is in Ever.

89 = AL-MUSTA'AAN = The One Whose Help is Sought, The One Who is asked to help.

90 = AR-RAFEEH = The Eternal Owner of The Most High Ranks and Degrees.

91 = AL-KAFEE = The Ever All Sufficient.

The Ever = AL-GHALIB All 92 = Dominant, Full Control The Ever Owner of Power and Over Everything that the Entire Universe. is

Who AL-MANNAN 93 The == One Awards Who Benefits. The One awards the Mightv and Blessings to His Favours Creation.

94 = AL-HANNAN = The Ever Most Compassionate. The Ever Most Kind, The Ever Most Loving.

95 = AL-JALEEL = The Ever Most Majestic, Most Beautiful the The Ever in Entire Universe Eternal The of The Supremely Owner Ever. Glorious Splendour, The Ever Most Glorious.

96 = AL-MUHYEE = The Giver of Life, Certainly, The Ever Almighty God, is indeed The Giver of Life to Everything Everywhere. 97 = AL-MUMEET = The One Who Causes Death.The 98 = AL-WAARIS = Inheritor, The Heir. Resurrector 99 = AL-BA'IES = The of the Dead. 100 = AL-BAAQI = The Ever Surviving, Who Will Remain Forever The One and Ever. AL-MU'IZZ = 101 The Honourer. = 102 AL-MUZILL The Dishonourer. = = = AL-KHAAFIDH = The Abaser, The Reducer. 103 104 = AR-RAAFIH = The Exalter, The Elevator.105 = AL-QAABID = The Withholder, The Retainer.106 = AL-BAASIT = The Extender, The Enhancer. AL-HAKAM = The Giver of 107 = Equitable Judgements, The Giver of Equitable Commandments. AL-'ADL The Ever Most 108 = =Just in Entire Universe, The Ever Most Equitable. the 109 = AL-MUBDEE= The Originator, The Initiator. Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Mighty, All Wise. The Creator The Ever The and Eternal Sustainer and of the Entire Universe is Lord The Originator of the Universe Entire and indeed that is Entire Universe Everything in the Ever. 110 = AL-MU'EID = The Restorer, The Reinstator.

AD-DHARR = The One 111 Who Brings = Harm and Loss With True Justice. 112 = AN-NAFIH = The One Who Awards Benefits, One Who awards Favours and Blessings. The The Ever Most Steadfastly 113 = AS-SABOOR =Patient, The Ever Most Serene. 114 = AL-MUHSEE = The Keeper of all Counts. 115 = AL-WAAJID = The Perceiver, The Finder.= AL-MAAJID = The Ever Most Magnificent, 116 The Ever Most Glorious, The Ever Most Exalted. 117 = AL-MUQADDIM = ThePromoter. The Expediter, He makes go forward whoever He Wills. 118 = AL-MUAKHKHIR = The Delayer, The Retarder, whoever He Ever Wills. makes stay behind He 119 = AL-MUNTAQIM = The Ever Just Avenger. = AL-MUQSIT = The Ever Most 120 Just. The Most Equitable, The Ever Most Just Requiter. Ever Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate is The Ever Most Just, The Most Equitable in Entire Universe Ever. Ever the The Ever Sovereign 121 MALIK-UL-MULK = = of the Eternal Kingdom of Everything. Owner ZUL-IZZAT The 122 = Eternal Owner =of All in this present Honour Earthly World Eternal Afterlife World. in the and

The Ever Most Beautiful AL-JAMEEL = 123 = Universe Ever. The Ever in the Entire Most Good-Looking in the Entire Universe Ever. Most Handsome in Entire Universe. The Ever the The Ever Most Nice-Looking in the Entire Universe.

Men Certainly, the True Believing the and True Believing Women who love The Ever Almighty God and they wholly most love with the greatest of the Commandments The Ever Almighty all obey Ever God will indeed Almighty see The God. Eternal King of Universe The the Entire with the Final Mighty Day eyes on their own of Judgement and Requitals Resurrection and and Eternal Afterlife World, Rewards in the the whereof is Fifty Thousand Years). extent measure

124 = AL-GHANIYY = The Ever Self-Sufficient, The Ever Most Wealthy, The Ever Self-Reliant.

125 = AL-MUGHNI = The Enricher, The Provider of Needs, The Provider of Everything.

126 = AL-MANIH = The Withholder, The Hinderer.

127 = AS-SAYYID = The Leader, The Master, The Eternal Commander-in-Chief of the Universe.

128 = AT-TAYYIB = The Ever Most Good, The Ever Most Pure in the Entire Universe.

129 = AL-MUHSIN = The Ever Doer of Good, The Ever Most Benevolent, The Ever Most Charitable.

130 = AR-RAFEEQ = The Ever Most Kind, The Ever Best Companion, The Ever Best Friend.

= AL-MAUJOOD = The Ever Available, 131 The Ever Accessible, The Ever Omnipresent to Help. = 132 AL-KASHIF = The Revealer. The Declarer. Remover of Every Harm. The 133 ASH-SHAFEE = The Ever Best Healer. = 134 = AL-MUJEERThe Defender. The Protector. = AS-SUBBOOH = The Ever Most Glorified, = 135 The Ever Most Exalted, Most Ever The Holy. = AR-RUBBULARSHILKAREEM 136 The = Eternal Ete rnal Sustainer of The the Lord and Ever Supremely Honourable Throne. AL-KHAYR = The Ever Most Good. 137 =138 AL-ABQA = The Ever Lasting.= **AR-RASHEED** 139 = The Ever Best Guide, \equiv Teacher, The The Infallible Good Teacher. = KHAYRURRAHIMEEN 140 \equiv Best of who are The Ever all those merciful. KHAYRULGHAFIREEN 141 = =The Ever Best of all those who forgive. The Ever Most Excellent 142 = NIHMALMAWLA = Protecting Friend. The Ever Most Excellent The Ever Most Protecting Patron, Excellent Helper. The 143 NIHMANNASEER = Ever =Most Helper, The Ever Most Powerful Helper. Excellent ZUL-JALAALI-WAL-IKRAAM Eternal 144 = =The of The Supremely Glorious Splendour Owner Supremely Honourable Generosity. and The

Muhammad; the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet The the of Ever and each Almighty God to every of one Humankind is Honourably Mentioned in the Ever Supremely Honourable Qur'an 4 times; Peace and the Mercy of The Ever Almighty God and His be upon him and Blessings upon all his followers. times in every trillionth trillions trillions trillions of End of the Final Mighty Day second until the a Judgement and Reckoning of and Resurrection and Recompense and Requiting in the Hereafter World. Thousand Years. the measure extent whereof is Fifty

1 = 3:144 2 = 33:40 3 = 47:2 4 = 48:29

Muhammad (the Honourable 48:29. the and Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h is the of The Ever Almighty God. Messenger Surely the with the who Messenger true believers are are mighty the unthankful against firmly disbelievers. tenderly among themselves. always merciful but see them bowing and prostrating Thou will in simply seeking the Grace from Praver. The Ever Almighty God and His All Blessed Delight. Their apparent on their faces from the mark is traces is their description in of prostration. This the And their description in the Torah. Gospel; just which produces its offshoots. then like the seed then they grow strong, makes them firm and stem, delighting the sowers, rises on its for the purpose that The Ever Almighty God may infuriate unthankful disbelievers. the by The them Ever God Almighty has promised people the from among them who truly believe do righteous and good actions, forgiveness and the mighty reward.

4:163. Certainly, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) have Miraculously Revealed to thee O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to each and every one the Human Beings P.m.b.u.h) just like We Miraculously Revealed the Prophets who and Noah came after him: to Miraculously Revealed and and We to Abraham Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants. Job Jesus and and Jonah and Aaron and and Solomon. Truly We gave David the Psalms (P.m.b.u.t).

the Messengers about 4:164. And whom We (The Almighty God have indeed narrated Ever to before and the Messengers about thee whom We not narrated to thee; truly The Ever Almighty have spoke directly to Moses (the Honourable God and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h). 4:165. Messengers as of the the Announcers Good True News and as the Constant Warners for the will Humankind that purpose not have any argument against The Ever Almighty God after Messengers. Truly The Ever Almighty the God Ever Almighty, The Ever All Wise. The is

Ever Almighty God Himself bears 4:166. But The witness that whatsoever The Ever Almighty God has Miraculously Revealed to thee, He has Miraculously His Knowledge, Angels Revealed it with and the Truly The Ever Almighty God is also bear witness. The Ever All Sufficient as The Ever Present Witness.

Blessings Then 55:55. which of the Favours and Lord and Sustainer of ye, of The Eternal will and Jinn-kind unthankfully deny? Humankind ye

81:27. This Book Qur'an is not in any way the Wise Reminder for all Worlds. the except 4:170. O ye each and every one of Humankind! has the Messenger there ye Indeed. come to and Muhammad (the Honourable the Trustworthy and and Prophet Truthful Messenger of The Ever the to each and every Almighty God of one Humankind P.m.b.u.h with The Whole Truth from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely all always truly believe; it is of ye must supremely good for ye. disbelieve: Truly if ye unthankfully surely indeed, only to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and earth. Truly The Ever Almighty God is the whole always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The of The Ever Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h) to each "O ye each and every of must say: one Humankind! Certainly, I am Messenger of the The Ever Almighty God to each and every one of ye. to Whom belongs He is The God the Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. God except Him Alone. He There is no Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly The Ever Almighty believe in His God and Messenger; the Prophet who cannot read nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose that ye may become the people who follow the Heavenly Guidance. the

and the Moses: the Honourable Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the The Ever Almighty God, Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most Excellent Protecting The Ever Most Excellent Helper, Friend. The Ever Good-Looking, The Ever Most Most Beautiful. The Universe, the Entire The Eternal King of Eternal of the Lord Sustainer Entire Universe and is Mentioned Honourably the Ever Supremely in Qur'an 136 times; Mercv Honourable Peace and the of The Ever Almighty God and His Blessings be his followers. upon him trillions upon and all trillions times trillionth in of trillions every a until the End of the Final Mighty second Day Resurrection and Judgement and Reckoning of and Recompense and Requiting in the Hereafter World. measure extent whereof is Fifty Thousand Years. the

$ \begin{array}{rcl} 1 & = \\ 5 & = \\ 9 & = \\ \end{array} $	2:60	2 = 2:53 6 = 2:61 10 = 2:108	3 = 2:54 7 = 2:67 11 = 2:136	$\begin{array}{rrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrr$
17 =	2:248 4:164 6:84	$\begin{array}{rrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrr$	$\begin{array}{rrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrr$	$\begin{array}{rrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrrr$
29 =	7:104	26 = 7:115	27 = 7:117	28 = 7:122
	7:127	30 = 7:128	31 = 7:131	32 = 7:134
	7:138	34 = 7:142	35 = 7:142	36 = 7:143
	7:143	38 = 7:144	39 = 7:148	40 = 7:150
	7:154	42 = 7:155	43 = 7:159	44 = 7:160
	10:75	46 = 10:77	47 = 10:80	48 = 10:81
	10:83	50 = 10:84	51 = 10:87	52 = 10:88

Certainly, The Ever Almighty God is 3:51. The Eternal Lord and Sustainer of me and The therefore, Eternal Lord and Sustainer all of ye; always worship only all of ye must The Ever Almighty the Straight Path. This is God.

Then which of the Favours 55:55. Blessings and ye, will and Eternal Lord Sustainer of of The and Humankind Jinn-kind unthankfully denv? ve

26:10. Remember when The Eternal Lord and Sustainer out to of thee called Moses {the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and of The Ever Almighty God P.m.b.u.h. Prophet "Thou must go to the iniquitous wrongdoing people,

26:11. The people of Pharaoh. Will they not fear The Ever Almighty God?"

*€*the Honourable 26:12. Moses and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of and the and Ever Almighty God P.m.b.u.h The said: "Thou Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly. The I fear that they will unthankfully denv me.

And my chest tightens and my tongue 26:13. not express fluently. Therefore, Thou does please Aaron (P.m.b.u.t). for send And they have a charge of 26:14. crime against me, therefore, I fear that they may kill me!"

The Ever Almighty God said: "Certainly not! 26:15. Both of ye go with Our Miraculous must The Ever Almighty Signs. Certainly, We God} will be with all of ye, always hearing.

26:16. Surely both of ye must go to Pharaoh and both of ye must say: "We are the Messengers of The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds,

26:17. That thou Pharaoh must send with us the Children of Israel {P.m.b.u.t}!"

the unjust transgressor 26:18. Pharaoh said: "Did thee among us a child and sustain we not as stayed among us many years life? thou of vour

26:19. And thou committed that action which thou committed, and thou were one of the unthankful!"

26:20. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of God, Ever Almighty The Ever Most Gracefully The P.m.b.u.h said: "I Compassionate did it. then. those who while I one of was are astray.

Surely I fled from ye people when I feared 26:21. The Eternal Lord and Sustainer Thereafter of ve. great wisdom of judgement. awarded me the me and He made me one of the Messengers.

this favour of which 26:22. And thou Phraoh reminding me. but are thou have uniustly Children of Israel {P.m.b.u.t}." enslaved the

26:23. Pharaoh the unjust transgressor said: "And who is The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?"

26:24. Moses the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God, The Ever Most Merciful, The King of the Entire Universe, The Eternal Eternal and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h Lord "The Eternal Lord and Sustainer all the said: of heavens and the whole earth and Everything that is if ye people believe with certitude!" between them,

26:25. Pharaoh the unjust transgressor said to those people around him: "Are all of ye not listening?"

26:26. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of Ever Almighty God, The Ever Most Merciful. The The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the "The Entire Universe P.m.b.u.h said: Eternal Lord Sustainer of all of ye, and The Eternal and Lord and Sustainer of all your previous forefathers!"

26:27. Pharaoh said: "Certainly, your Messenger, the one who has been sent to ye is indeed mad!"

26:28. Moses (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Creator of Everything P.m.b.u.h said: "The Lord and Sustainer of the East and the West and Everything that is between them if all of ye use your intellect to equitable!" be

26:29. Pharaoh said: "Indeed, if thou take any god other than me, indeed I will definitely place thee among those who are imprisoned!"

26:30. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "Even if I bring thee something supremely clear?"

26:31. Pharaoh the unjust transgressor said: "Then thou bring it forth, if thou are speaking the truth!"

26:32. So Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h) threw his Staff, and instantly it became a real large snake.

26:33. Then Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet the of The and Almighty God, The Eternal Lord Ever and Sustainer Entire Universe P.m.b.u.h drew out of the his pure white to was hand. and it the observers.

26:34. Pharaoh the unjust transgressor said to the "Certainly, this Moses around him: chiefs (P.m.b.u.h)supremely knowledgeable magician. is indeed an

26:35. He intends to drive all of ye out from your land by his magic, what is it then ye command?"

26:36. The chiefs around Pharaoh the unjust transgressor said: "Give Moses and his brother (P.m.b.h.t) postponement and send callers to the cities,

26:37. The callers will bring thee Pharaoh every knowledgeable magician!"

26:38. So the magicians were assembled for the appointment of the well-known day.

26:39. And it was said to the people: "Will all of ye assemble together?

26:40. For the purpose that we may follow the magicians if they become the winners!"

the magicians 26:41. Then. when came, thev Pharaoh: "Will certainly said to we have a indeed; if we are the winners?" reward

26:42. unjust Pharaoh the transgressor said: then certainly, "Yes. and all of ve will among those who me!" indeed be near to are

26:43. Moses (the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and the and Prophet of The Almighty God, The Ever Most Ever Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Equitable P.m.b.u.h said to Magicians: the Most "Throw down whatever ye are going to throw!"

26:44. So the magicians threw their ropes and their sticks and they said: "By the honour of Pharaoh; certainly, we will indeed be the winners!"

{the Then Moses Honourable 26:45. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet The Ever Almighty God, The Ever of All Wise P.m.b.u.h threw his Staff. and instantly the staff swallowed up whatever they falsely showed!

26:46. Surely all the magicians fell down in prostration (to The Ever Almighty God).

26:47. The magicians said: "We truly believe in The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds.

The Eternal Lord and Sustainer of Moses 26:48. and Honourable and the Trustworthy €the and Aaron Truthful Messengers and Prophets of The the Ever Almighty God, The Creator of Everything P.m.b.u.t)!"

said: 26:49. Pharaoh the unjust transgressor "Ye the believed in magicians have truly Moses (P.m.b.u.h)ye permission. Certainly, before I gave He is your great chief who indeed has taught ve surely indeed ye will eventually magic, come to Indeed, definitely cut I will off know. your and your feet on opposite sides, and indeed hands I will definitely crucify all of ye together!"

26:50. The magicians who truly believed said: "That will not do us any harm! Certainly, we are returning to The Eternal Lord and Sustainer of us.

26:51. Certainly, we strongly hope that The Eternal Lord and Sustainer of us will forgive us our sins first of the true because we are the believers The Ever Almighty God, The Ever All Wise, ∲in The Ever Most High, The Ever Most Mighty, The Ever Owner of the Most Good Names. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

26:52. Then We (The Ever Almighty God, The Ever Living) Miraculously Revealed to Moses (P.m.b.u.h) saying: "Thou must depart by night with My servants. Certainly, all of ye will be pursued!"

26:53. Then Pharaoh sent callers into the cities. 26:54. "Certainly, these are indeed a small group,

26:55. For sure they have indeed enraged us, 26:56. For sure we are indeed a large army, on the alert!"

26:57. Surely We (The Ever Almighty God) expelled them from the gardens and the water springs, 26:58. And treasures and honourable station,

26:59. In this way! And We (The Ever Almighty God, The Ever All Wise) caused the Children of Israel (P.m.b.u.t) to inherit all of those things.

26:60. Surely Pharaoh and his people pursued the Children of Israel (P.m.b.u.t) at sunrise.

26:61. Surly when the two parties saw each other, the companions of Moses (P.m.b.u.h) said: "Certainly, we are indeed going to be caught!"

26:62. Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) said: "Certainly not! Certainly, The Eternal Lord and Sustainer is with me, He will eventually guide me!"

26:63. Then We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe) Miraculously Revealed to Moses (P.m.b.u.h): "Thou must strike the sea with your Staff!" So the sea parted, and each separate part was just like the mighty mountain.

26:64. Then We (The Ever Almighty God) brought the iniquitous pursuers to that place.

26:65. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Living) saved Moses (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h) and each and every one who was with him, together.

26:66. Thereafter, We (The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable) drowned the persuers.

26:67. Certainly, in this there is indeed the Miraculous Sign; yet most of Humankind are not believers (in the Miraculous Signs of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe).

26:68. For sure The Eternal Lord and Sustainer of thee (The Ever Most Gracefully Compassionate), He is indeed The Ever Almighty, The Ever Most Merciful.

the Honourable and the Trustworthy Abraham: and Messenger and Prophet Truthful The of Ever the Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever Mighty, The Ever Most Excellent Protecting Most Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever The Most Good-Looking. Ever Most Beautiful. The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal and Sustainer of the Entire Universe Lord is Mentioned in the Honourably Ever Supremely the Honourable Our'an 69 times; Peace and Mercv of The Ever Almighty God and His Blessings be his and upon all followers, him trillions upon trillions trillions times in trillionth of every a Mighty Day second until the End of the Final of Resurrection and Judgement and Reckoning and Recompense and Requiting in the Hereafter World. extent whereof is Fifty Thousand Years. the measure

2 = 2:1253 = 2:125 = 2:126 1 = 2:1244 5 = 2:1276 = 2:130 7 = 2:132 8 = 2:133 9 = 2:135 10 =2:136 11 = 2:14012 =2:258 13 = 2:25814 = 2:258 15 = 2:260 16 = 3:33 17 = 3:65 18 = 3:67 19 = 3:68 20 =3:84 3:97 23 = 4:54 21 = 3:9522 = 24 = 4:125 27 = 6:7425 = 4:12526 = 4:163 28 =6:75 29 =6:83 30 =6:161 31 = 9:70 32 = 9:114 33 = 11:69 35 = 11:7436 = 9:114 34 = 11:75 37 = 11:7638 = 12:6 39 = 12:3840 =14:35 41 = 15:51 16:120 43 = 16:12342 = 44 = 19:4145 = 19:4646 = 19:58 47 = 21:5148 = 21:6050 = 51 = 22:26 49 = 21:62 21:69 52 = 22:43

53 = 22:78 54 = $26:69 \quad 55 = 29:16$ 56 = 29:31 58 = 37:83 $59 = 37:104 \quad 60 = 37:109$ 57 = 33:762 = 42:13 61 = 38:4563 = 43:26 64 = 51:2465 = 53:37 66 = 57:2667 = 60:468 = 60:4 69 = 87:19

2:130. Truly who can ever turn away from the Religion of Abraham (P.m.b.u.h) except the person a complete fool of himself? who makes Truly indeed, We (The Ever Almighty God, The Ever All Wiser) had in fact chosen Abraham (P.m.b.u.h) in this present Earthly World; truly indeed, in the Eternal Afterlife World, he will indeed be in the company of the devoutly righteous people.

The 2:131. When Eternal Lord and Sustainer of Abraham (P.m.b.u.h) Commanded "Thou him: must wholly submit!" Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet and the Close Friend of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "I have wholly submitted to The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds!"

2:132. Truly this was commanded by Abraham and Jacob (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Most Gracefully Compassinate, The Ever Ever Most Merciful P.m.b.u.t to their "O Sons: my Sons! Certainly, The Ever Almighty God has chosen for ye this Religion. Therefore, all of ye must not die except while ye are Muslims (those who whollv submit to follow the All Blessed Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?!"

ye Humankind witnesses when death 2:133. Or were approached Jacob (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, Most Gracefully Compassinate P.m.b.u.h?? The Ever When Jacob (P.m.b.u.h) to his Sons: "Who will all of ye worship after my passing away? All of them said: "We will worship your God and The God of your fathers Abraham and Ishmael and Isaac (P.m.b.u.t), The Ever Only One God, truly we are Muslims only to Him (those who wholly submit follow the All Blessed Will and to all the Commandments of The Ever Almighty God, The Ever Merciful, The Ever Most Compassionate, The Most Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds }!"

That was community which has 2:134. a already passed away. They will be requited of whatsoever earned, and ye Humankind actions they will will requited actions ye whatsoever all of have be Truly ye Humankind will earned. not be held accountable for whatsoever actions they used to do.

2:135. The People of Book say: "Ye the true believers must become Jews or Christians then ve correctly guided!" Thou O Muhammad! (The will be Trustworthy and Honourable and the the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Wise Most Merciful. The Ever All to each and Human Beings P.m.b.u.h of every one the must "But in fact, we follow the Religion say: of Abraham (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet and the Close the Ever Almighty God P.m.b.u.h), Friend of The the devoutly true monotheist, truly Abraham (P.m.b.u.h) ever of the polytheist!" not was

2:136. Ye the people who truly believe must say: "We truly believe in The Ever Almighty God and been has Miraculously Revealed whatsoever to 115 whatsoever has been Miraculously Revealed to and Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and whatsoever has been given to Moses and Jesus and whatsoever has been given to all the Prophets from The Eternal Lord and Sustainer of them {P.m.b.u.t}. We the true believers do not any distinction between any of them, make trulv we are Muslims only to The Ever Almighty God!"

2:137. Surely if the People of the Book also truly believe just like ye the true believers have truly believed in The Ever Almighty God, surely indeed they will be correctly guided; truly if they turn away, surely they are only in opposition. Surely The Ever Almighty God is The Ever All Sufficient for thee against them. Truly The Ever Almighty God is The Ever All Hearing, The Ever All Knowing.

2:138. (And ye the people who truly believe must say): "Ours is the religion chosen by The Ever Almighty God, truly who is better than The Ever Almighty God in choosing religion? Truly we worship only The Ever Almighty God!"

2:139. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger P.m.b.u.h must say: "Do ye the people of the Book argue with about The Ever Almighty God, truly The Ever us Almighty God is The Eternal Lord and Sustainer of The Eternal Lord and all of us and Sustainer of of ye? Truly for all of us are our all actions of ye are your actions. Truly we and for all are faithfully truthful only to The Ever Almighty God!"

2:140. Or do ye the People of Book say that and Jacob Abraham and Ishmael and Isaac {the and the Trustworthy and the Honourable Truthful Prophets of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful the Descendants (P.m.b.u.t) were P.m.b.u.t and Jews Christians? 0 Muhammad! (The Honourable Thou or and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassinate, The Ever Most Merciful, The All Wise, The Ever Living, to each Ever and every one of the Human Beings P.m.b.u.h must say: "Do ye the People of Book know best or The Ever Almighty God?" Truly who is more any person conceals iniquitous than who the testimony which he has from The Ever Almighty God? Truly The Ever Almighty God is not ever unaware of whatsoever actions all of ye ever do.

community which has 2:141. That was a already passed away. They will be requited of whatsoever earned, and ye Humankind will they actions will whatsoever actions requited all of have be ve Truly ye Humankind will held earned. be not accountable for whatsoever actions they used to do.

2:142. Eventually, the fools from among Humankind will say: "What has made the believers turn away from their Kiblah to which they used to face?" O Muhammad! The Honourable Thou and the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and the The Ever Almighty God, The Ever All Wise of and every one of Human the to each Beings P.m.b.u.h) must say: "Only to The Ever Almighty God belongs the east and the west. He guides any person He Wills to the Straight Path.

Noah; the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty The Ever Most Gracefully Compassionate, The God. Most Equitable, The Ever Most Mighty, Ever The Ever Most High, The Ever Most Excellent The Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper. Ever Most Beautiful, Most The Ever The Good-Eternal King of the Entire Universe, Looking, The The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Honourably Mentioned in the is Universe Ever Supremely Honourable Qur'an 43 times; Peace and Mercy of The Ever Almighty God and His the Blessings be upon him and upon all his followers, trillions trillions trillions times in every trillionth of until the End of the Final Mighty Day a second of Resurrection and Judgement and Reckoning and Recompense and Requiting in the Hereafter World, the measure extent whereof is Fifty Thousand Years.

1 = 3:33 $2 = 4:163 \quad 3 = 7:59$ 4 = 7:69 5 = 9:70 8 = 11:32 6 = 10:71 7 = 11:25 $9 = 11:36 \quad 10 = 11:42 \quad 11 =$ 11:45 12 = 11:4613 = 11:4814 = 11:8915 = 14:9 16 = 17:317 = 17:17 18 = 19:58 19 =21:76 20 = 22:42 $21 = 23:23 \quad 22 =$ 25:37 23 = 26:105 24 = 26:106 $25 = 26:116 \ 26 = 29:14$ 27 = 33:7 28 =37:75 29 = 37:79 30 = 38:12 31 = 40:5 42:13 32 = 35 = 33 = 50:12 34 = 51:4653:52 36 = 54:9 37 = 57:26 38 = 66:10 39 = 71:1 40 =71:21 41 = 71:26 42 = 6:8443 = 40:31

71: Sûrah Chapter Nûh Noah P.m.b.u.h M.V. 28

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Certainly, We (The Ever Almighty God, 71:1. The Most Gracefully Compassionate, Ever The Ever Most Merciful, The Ever Most Generous, The Ever Most Kind, The Ever Most Forgiving, The Ever Owner of Praise, The Ever of Owner All Glory. All The Ever All Seeing of Everything, Knowing of Everything, The Ever The Ever All Most High, The Most Mighty, The Ever Owner of the Ever Most Good Names, The Ever Most Equitable, The Ever Most Supremely Holy, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe sent Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever All Wise P.m.b.u.h) to his people, "Thou must warn your people before there saying: the painful punishment!" comes to them

71:2. Noah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h) said: "O my people! Certainly, I the Clear Constant Warner to all of ye, am

always Saying all of ye must 71:3. worship The Ever Almighty God, all and of only ye always fear The Ever Almighty God, must and of ye must always wholly obey me, all

71:4. The Ever Almighty God will forgive ye some He will grant sins and of your ve the postponement to the decreed appointed time. Certainly. the decreed appointed time of The whenever Ever God comes, it will not be postponed, if Almighty only all of ye have the Heavenly Knowledge!"

71:5. Noah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I have invited my people by night and by day,

71:6. But my invitation did not increased them in any way except in taking flight.

indeed every time I invited 71:7. Truly them the purpose that Thou for may forgive them. they placed their fingers into their and ears. they covered themselves with their garments and they persisted in evil, truly they were unthankfully extreme arrogance. arrogant with

71:8. Thereafter, certainly I invited them openly,71:9. Thereafter, certainly I announced to them in public, and I also spoke to them in private,

71:10. Surely I said: "Each and every one of ye must pray for forgiveness from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Most Superb Forgiver,

71:11. The Ever Almighty God will send the heaven to all of ye giving rain in abundance.

71:12. And The Ever Almighty God will help ye with wealth and sons and He will provide for ye gardens and He will provide for ye rivers.

71:13. What is the matter with ye people? Why ye people do not attribute to The Ever Almighty God the true mighty grandness.

71:14. While The Ever Almighty God has indeed created each and every one of ye stage by stage?

71:15. Have each and every one of ye not considered how The Ever Almighty God has created the seven heavens, one above the other?

Truly The Ever Almighty God 71:16. has made in the light in the heavens He the and moon burning lamp? the has made the sun supreme

71:17. Truly The Ever Almighty God has originated every one of ye as an origination from the earth,

71:18. Thereafter, The Ever Almighty God will return each and every one of ye into the earth and He will bring all of ye out again, resurrected.

71:19. Truly The Ever Almighty God has made for all of ye the earth spread out.

71:20. For the purpose that all of ye may travel along the spacious paths of the earth!"

Noah (the Honourable and the Trustworthy 71:21. and Messenger and Prophet of The the Truthful Ever The Ever Almighty God, All Wise, The Eternal Entire Universe P.m.b.u.h? Lord and Sustainer of the "Thou The Eternal Lord and Sustainer said: of disobeyed me Certainly, they have me! and they have followed those whose wealth and children will increase him in any way except in loss, not

71:22. And they have plotted the mighty plot, And they have said: "All of ye 71:23. must the gods of all not leave of ve and all Wadd ye must not leave of and Suwâ and Yaghooth and Ya'ooq and Nasr!"

71:24. Truly indeed they have led many people astray. Therefore, Thou please do not increase the iniquitous wrongdoers except in straying!"

Solely because of their sins people 71:25. the of the Honourable and the Trustworthy Noah and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever The Ever All Wise P.m.b.u.hAlmighty God, were drowned. then they to were made enter the Hellfire. Truly they did not find for themselves any helpers other than The Ever Almighty God.

{the Truly Noah Honourable 71:26. and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe of the P.m.b.u.h said: Eternal and "Thou The Lord Sustainer of me! upon earth Thou please do not leave the from among the unthankful disbelievers any resident!

71:27. Certainly, if Thou leave them, they will lead your servants astray and they will not beget except the wicked unthankful disbelievers.

The Eternal Lord and Thou 71:28. Sustainer of me! Thou please forgive me and my parents and every one who enters my home as a true believer. the believing men the all believing and all and Thou please do and not increase women: the iniquitous wrongdoers except in destruction!"

The Messiah Jesus, the Son of Mary P.m.b.u.t; the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Equitable, The Ever Most Mighty, The Ever Most Excellent Protecting Friend, The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe is Honourably Mentioned in the Ever Supremely Honourable Qur'an 25 times; Peace and Mercy of The Ever Almighty God and His the Blessings be upon him and upon all his followers, trillions trillions trillions times in every trillionth of until the End of the Final Mighty Day a second of Resurrection and Judgement and Reckoning and Recompense and Requiting in the Hereafter World, the measure extent whereof is Fifty Thousand Years.

1 = 2:872 = 2:136 3 = 2:253 4 = 3:45 6 = 3:55 5 = 3:52 7 = 3:59 8 = 3:84 10 = 4:163 9 = 4:157 11 = 4:17112 = 5:46 13 = 5:7814 = 5:11015 = 5:1216 = 5:114 17 = 5:116 18 = 6:8519 = 19:3420 = 33:721 = 42:13 22 = 43:6323 = 57:27 24 = 61:625 = 61:14

3:51. Certainly, The Ever Almighty God is The Sustainer of me Eternal Lord and and The Eternal Lord and Sustainer therefore, ye; all of ye must always worship only The all of Ever Almighty God. This is the Straight Path.

5:110. Remember when The Ever Almighty God will "Thou O Mary { the Jesus, the Son of say: and the Trustworthy Truthful Honourable and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God His Word which The Ever Almighty God and directed Mary and the Spirit from The Ever to P.m.b.u.tAlmighty God Thou must remember My and Blessing upon thee Favour and upon your when I assisted thee with Holy mother the Spirit Gabriel (P.m.b.u.h), thou spoke to Humankind in the and in maturity; and when I taught thee cradle the Heavenly Book and the Great Wisdom and the the Gospel; and when thou created from Torah and the clay just like form of a bird by My Command, breathed into it: then thou then a real living bird immediately it became by My Command. and thou completely cured the blind by My Command; and the lepers and when thou brought forth the dead to life My Command; by the Children when I of and restrained Israel {P.m.b.u.t} from thee when thou brought them the Supremely Clear Proofs; surely people the who unthankfully disbelieved from among them said: "Certainly, this is nothing except a clear magic!"

5:111. And Remember when I Miraculously Revealed Disciples, saying: "All of ye must the always to truly believe in Me and in My Messenger { the Mary, Son the Honourable Messiah Jesus. the of the Trustworthy and the Truthful Messenger and and Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.t)!" The "We truly believe, Disciples said: therefore, Thou please bear witness that we are Muslims (those who wholly submit to follow the All Blessed Will and the Commandments of The Ever Almighty all God. The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds?!"

5:112. Remember when the Disciples said: "Thou O Jesus, the Son of Mary (P.m.b.u.t)! Can The Eternal of thee send and Sustainer down Lord to us а food from spread with heaven?" the The table Jesus, the Son of Mary (the Honourable Messiah and the Trustworthy and the Truthful Messenger and The Ever Almighty God and Prophet of His Word Almighty God directed which The Ever to Mary Spirit from The Ever Almighty God and the P.m.b.u.t) said: "Ye must always fear The Ever Almighty God, if ye the true believers!" are

The Disciples said: "We wish to 5:113. eat from spread with food and the table SO that our hearts reassured; and know become we come to with that thou have told us The Whole Truth. certitude And we may become upon it among the witnesses!"

of Mary (the Honourable 5:114. Jesus, the Son and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Equitable P.m.b.u.t said: "Thou The Almighty Ever Lord Sustainer God. The Eternal and of us! Thou please send down to us a table spread with from the heaven to be a day of festival food for for the first of us and the last of us. us. and the Miraculous Sign from Thee. And Thou please provide sustenance for us; truly Thou are The Ever Best of those who Provide Sustenance!"

The Ever Almighty God said: "Certainly, I 5:115. going to send it down to all of ve. but am person who unthankfully disbelieves this after any among ye, surely indeed, I will punish from him the punishment by which I have not punished with anyone among all the Worlds!"

5:116. And remember when The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe say: "Thou O Jesus, the Son of Mary (the will the Trustworthy Honourable and and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God which The Ever Almighty God and His Word directed to Mary and the Spirit from The Ever God P.m.b.u.t^{}!} "Did thou Almighty say to Humankind: 'Take me and my mother as gods two besides The Ever Almighty God?' The Messiah Jesus, of Mary (the Honourable Son and the the Truthful Trustworthy and the Messenger Prophet and The Ever Almighty God and His which of Word The Ever Almighty God directed to Mary and the Spirit from The Ever Almighty God P.m.b.u.t Complete Holiness is say: "All Glory with will to Thee Alone! It is not appropriate for me in any way to say anything I do not have the equitable right to say. If I had said any such thing, surely indeed Thou would have known it very well. always know Everything Thou very well that is within myself, truly I do not know what is within YourSelf. Certainly, only Thou The are Knower of Everything that is Ever All Unseen!"

say to Humankind in 5:117. I did not any way saying: 'All except whatever Thou Commanded me, of ye must always worship only The Ever Almighty God, The Eternal Lord and Sustainer of me and The Eternal Lord and Sustainer of all of ye.' Truly I was the witness over them as long as I was but when Thou took among them: me up, Thou were The Ever All Watcher over all them, truly of Thou are The Ever Present Witness Over Everything.

5:118. If Thou (The Ever Almighty God) punish them, surely indeed they are Your servants; truly if Thou forgive them, surely indeed Thou are The Ever Almighty, The Ever All Wise.

5:119. The Ever Almighty God will say: "This is Resurrection and Day (of Judgement and the Reckoning and Requitals and Reward in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) when the truthful people will benefit their truthfulness!" will have Thev from the Everlasting Gardens beneath which rivers flow. They reside in them forever. Ever Almighty will The well pleased with them, they God is and are well pleased with Him. This is the mighty victory.

5:120. Only Almighty to The Ever God belongs of all the the Eternal Kingdom heavens and earth and Everything the whole that is in them. Truly The Ever Almighty God always has the supremely powerful ability to do Everything.

4:170. O ye each and every of Humankind! one the Indeed. there has to ye come Messenger Muhammad (the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God to each and every of one Humankind P.m.b.u.h) with The Whole Truth from The Eternal Lord and Sustainer of ye. Surely all of ye must always truly believe; it is supremely good for ye. Truly if ye unthankfully disbelieve: only to The Ever Almighty God surely indeed, belongs Everything that is in all the heavens and whole earth. Truly The Ever Almighty God is the always The Ever All Knowing, The Ever All Wise.

4:171. O ye the People of the Book! Ye must commit excess in your religion, and not ever ve not ever say about The Ever Almighty God must except The Whole Truth. Certainly, the Messiah, Son of Mary (P.m.b.u.t) is only the the Jesus. Messenger of The Ever Almighty God and His which He directed to Mary and Spirit Word the of ye must always from Himself. Surely all truly believe in The Ever Almighty God and in His Messengers. And all of ye must not ever say: of ye must "Trinity!" All stop this. will It good for all of supremely be ye. Certainly. Ever Almighty God is The Ever One The God. Glory with Complete Holiness only All is to should ever have Him that He son. Only a to The Ever Almighty God belongs Everything that is in all the heavens and Everything that is in The Ever Almighty earth. Truly the whole God is The Ever All Sufficient as The Protector.

The Messiah (Jesus, the Son of Mary, the 4:172. the Trustworthy Honourable and and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God and His Word which The Ever Almighty God Mary and the Spirit from The Ever directed to Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever Most Equitable, The The Eternal King of the Entire Universe, The Eternal Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.t Lord and ever disdain to be of will not the servant The Almighty God, nor would the Angels who Ever are to The Ever Almighty God. Truly any person near from worshipping The Ever Almighty disdains who unthankfully arrogant, surely eventually God and is Ever Almighty God will gather each The and of them to Himself together. every one

39:62. The Ever Almighty God is The Creator of Everything and He is The Protector Over Everything. Humankind! 2:21. ye each and every one of 0 Ye always worship The Eternal Lord and must The God Who of ye, Sustainer has all created of ve and all the people who were ever before all of ve. for the purpose ye may become the righteous people who fear The Ever Almighty God.

made 2:22. The God Who has the earth the vast Humankind and the skv the floor ve for roof. rainwater from He down and sent the sky. and brought forth thereby many He fruits has as the sustenance for ye Humankind. Therefore, ye Humankind make anything equal not ever to The Ever must Almighty God while ye have the knowledge.

Truly if any one of ye Humankind 2:23. are in about the Ever Supremely Honourable doubt Qur'an which We (The Ever Almighty God, The Ever Most Compassionate, The Ever Most Gracefully Merciful. The Ever Most Ever Most Kind, High, The The All Praise, Ever Most Mighty, The Ever Owner of The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Entire Universe, The Creator and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe have Miraculously Revealed upon Our servant, then ye must Sûrah Chapter just like of this produce one Book and ye may call upon your helpers Our'an. other than The Ever Almighty God, if ye are truthful.

2:24. But if ye Humankind cannot do this, truly ve Humankind will not ever be do this, then able to must protect yourselves against Humankind ve the Hellfire whose fuel is Humankind and stones. which prepared for the unthankful been disbelievers. has

2:25. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Kind, Ever Most High, The Ever Most Mighty to The and every one of the Human Beings P.m.b.u.h each announce the good true news to the people must believe and do righteous good actions: who truly certainly, they will have the Everlasting Gardens with rivers flowing beneath them. Whenever they provided any fruit Everlasting will from the be sustenance, they will say: "This Gardens as the is provided with before!" Truly they what we were given things in resemblance. And they will be will have therein spouses of perfect purity, and they will remain in the Everlasting Gardens forever.

7:158. Thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet Ever Almighty God, The Ever The of Most Gracerfully Compassionate, The Ever Most Merciful and every one of Humankind P.m.b.u.h) to each "O ye each and every of must say: one Humankind! Certainly, I am Messenger of the The Ever Almighty God to each and every one of ye. God to Whom belongs the He is The Eternal Kingdom of all the heavens and the whole earth. There is no God except Him Alone. He Alone gives life and He Alone causes death!" Surely each and every one of ye Humankind must always truly The Ever Almighty believe in His God and Messenger; the Prophet who cannot read nor write. He is the Prophet who truly believes in The Ever Almighty God and in all His Words. Truly each and every one of ye Humankind must always follow Prophet for the purpose that ye may become the people who follow the Heavenly Guidance. the

Mary, the Honourable and the Truthful and the and Devoutly Obedient Trustworthy The Ever to Almighty God the mother of the Messiah Jesus P.m.b.u.t, she always bore witness to all the The Eternal Lord of her and His Books. Words of Truthful Mary. the Honourable and the and the Trustworthy and Devoutly Obedient to The Ever Almighty God the mother of the Messiah Jesus P.m.b.u.t. Honourably Mentioned is in the Ever Supremely Honourable Qur'an 33 times; Peace and of Mercv The Ever Almighty God and His the Blessings be upon her and upon all her followers, trillions trillions trillions times in every trillionth of of the Final Mighty Day a second until the End of Resurrection Judgement Reckoning and and and Recompense and Requiting in the Hereafter World, the measure extent whereof is Fifty Thousand Years.

	2:87 3:37		2:253 3:42	3 = 3:36 6 = 3:43
	3:44 4:156		3:45 4:157	9 = 3:45 12 = 4:171
	4:171 5:46		5:17 5:72	15 = 5:17 18 = 5:75
19 =	5:78	20 =	5:110	21 = 5:112
22 =	5:114	23 =	5:116	24 = 19:16
25 =	19:27	26 =	19:34	27 = 23:50
28 =	33:7	29 =	43:57	30 = 57:27
31 =	61:6	32 =	61:14	33 = 66:12

19: Sûrah Chapter Maryam Mary P.m.b.u.h. M.V. 98

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

Kaaf, Haa, Yaa, Ayn, 19:1. saad. the honourable mention This 19:2. is of the Mercy of (The The Eternal Lord and Sustainer of thee Almighty God, The Most Gracefully Ever Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Generous, The Ever Most Kind. The Most Ever All Wise y upon His Servant Zechariah (P.m.b.u.h).

19:3. Zechariah *€*the When Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Eternal King of the The Eternal Lord and Sustainer Universe, Entire of the Entire Universe P.m.b.u.h) called in Prayer The Eternal Lord and Sustainer of him, a Prayer in secret.

19:4. Zechariah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, my bones have weakened and white hair has spread on my head, truly I have never been unblessed in my Prayer to Thee, Thou The Eternal Lord and Sustainer of me!

19:5. Truly indeed Ι fear the successors after me and my wife has been barren. So Thou please heir from very close to Thee. give me an

inherit Who can inherit from and 19:6. me. also Jacob (P.m.b.u.t). And from Children of Thou the please make him, Thou The Eternal Lord and Sustainer The one with whom Thou of me! are pleased!"

19:7. "Thou O Zechariah (P.m.b.u.h)! We give thee good true news of a Son whose name will the John (the Honourable and the Trustworthy and be Truthful Prophet of The Ever Almighty God, the Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h. The not given this name to anyone before!" We have

19:8. Zechariah (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The The Ever All Wise, The Eternal Most Merciful. King of the Entire Universe, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? said: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! How can I have a Son, when my wife has been barren and indeed I have reached an extreme old age!"

19:9. The Angel said: "It will be so. The Eternal Lord and Sustainer of thee says: "It is easy for Me to do. Truly indeed, I have created thee before, when thou were nothing at all!"

19:10. Zechariah (P.m.b.u.h) said: "Thou The Eternal Lord of me! Thou please appoint for me a Miraculous Sign!" He said: "Your Miraculous Sign is that despite having sound body and health, thou will not be able to speak to Humankind for three nights!"

Zechariah {the 19:11. Then Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) came out to his the Prayer chamber people from and he signalled all of ye must always Glorify (The that to them Ever Almighty God, The Ever Most Gracefullv Compassionate) in the morning and late afternoon.

19:12. "Thou O John (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God P.m.b.u.h)! Thou must hold the Heavenly Book firmly with all your power!" Truly We gave him abundant wisdom while he was a boy,

19:13. And Kind-heartedness from Our Presence and complete purity from sins, truly he was the righteous who feared The Ever Almighty God.

19:14. And he was always kind to his parents, and he was not ever a disobedient tyrant.

peace be upon John $\langle P.m.b.u.h \rangle$. 19:15. Truly the born and the Day he dies and Day he was be up alive. the Day will raised he

19:16. Truly thou O Muhammad! {The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Mary in the Heavenly Book, seperated from her when she family to place a towards the east (Mary the Honourable was and the Trustworthy and the Truthful who was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, truly she always bore witness all the Words and all the Books of The Ever to Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h).

secluded herself 19:17. Surely she from them. Then The Ever Almighty God, The Ever We Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful } Our Holy Spirit (the Mighty Angel sent to her Gabriel P.m.b.u.h, truly Gabriel appeared before her accurate form of a human in the being.

19:18. Mary (the Honourable and the Trustworthy and Truthful who was always devoutly obedient the to Almighty Commandment of The Ever God. every truly she always bore witness to all the Words and all the Books of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) said: Ι seek refuge in "Certainly, The Ever Most Gracefully Compassionate from thee, if thou are the righteous who fears The Ever Almighty God!"

19:19. Gabriel (the Honourable and the Trustworthv the Truthful Messenger of The Ever Almighty and God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Merciful from among Angels Ever Most the P.m.b.u.h said: "I am the only Messenger of The Eternal Lord and Sustainer thee, of for the pure Son!" purpose to award thee the righteous

19:20. She said: "How can I have a Son, when no man has touched me and I am not ever unchaste?"

19:21. Gabriel (P.m.b.u.h) said: "It will be so. The Eternal Lord and Sustainer of thee says: "It is easy for Me. And for the purpose that We (The Ever Almighty God) may make him (the Messiah Jesus, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.t), the Miraculous Sign for Humankind and the Mercy from Us, truly it is a matter already decreed.

Mary Surely (the Honourable 19:22. and the and Truthful always the who Trustworthy was devoutly obedient to every Commandment of The Almighty God P.m.b.u.t) conceived him, Ever and she withdrew with him to a distant place.

19:23. Then the pains of childbirth drove Mary (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful always devoutly obedient who was to everv Commandment of The Ever Almighty God, trulv always bore witness all the Words and she to Ever Almighty God, The all the Books of The Gracefully Compassionate, The Ever Ever Most Most Merciful P.m.b.u.h) to the trunk of a palm said: "Oh, I wish that I She tree. had died were something totally forgotten!" before this and

19:24. Then he called her from below her: "Thou must not grieve; The Eternal Lord and Sustainer of thee has indeed provided a water stream beneath thee.

19:25. And shake the trunk of the date palm towards thee, fresh ripe dates will drop down upon thee.

19:26. So thou may eat and drink and delight your eyes. Truly if thou see any human being, then thou must say: "Certainly, I have vowed a fast to The Ever Most Gracefully Compassionate; therefore, I will not speak to any human being this day!"

Then Mary (the Honourable 19:27. and the and the Truthful who Trustworthy was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, truly she always bore witness and all all to the Words the Books of The Almighty God, The Ever Most Ever Gracefully Compassionate P.m.b.u.h) brought him to her people, carrying him. They said: "Thou O Mary! Indeed thou have in fact committed a terrible thing.

19:28. O Sister of Aaron! Your father was not a bad man and your mother was not unchaste!" 19:29. Then Mary (the Truthful who was always devoutly obedient to every Commandment of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) pointed towards him. They said: "How can we speak to the one who is still a child in the cradle?"

Jesus (the Honourable 19:30. The Messiah and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate P.m.b.u.h said: "Certainly, of The the Servant Ever Almighty I am God. The Ever Almighty God has given me the Heavenly Book and He has made me the Prophet.

19:31. And The Ever Almighty God has made me blessed wherever I may be, and The Ever Almighty God has Commanded me to Pray and give the Mandatory Alms as long as I live.

19:32. And The Ever Almighty God has made me kind to my mother, and The Ever Almighty God has not made me a wretched tyrant.

19:33. Truly peace is upon me on the Day I was born, and the Day I die and the Day I will be raised up alive.

19:34. Such a one is Jesus; the Son of Mary (P.m.b.u.t). The statement of The Whole Truth about which they are in doubt.

19:35. It is not in any way befitting for The Ever Almighty God to take any Son; all Glory with Complete Holiness is only to The Ever Almighty God, whenever He decides anything, He only says to it: "Be!" Surely it is always done.

19:36. Truly indeed Ever Almighty God The is Lord The Eternal and Sustainer of and me Lord and Sustainer all The Eternal of ve: all of ye must always worship therefore. only The Ever Almighty God. This is the Straight Path.

sects differed from 19:37. Then the among them: surely there will destruction be to the people who unthankfully disbelieved from Meeting the of Day (the Final Mighty Day Mighty of the and Judgement and Requitals Resurrection and the Eternal Afterlife World. Rewards in

clearly they will 19:38. How hear and see on they will come Dav Us, the when to but today iniquitous wrongdoers are in the clear straying. the

19:39. Truly thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to every one Humankind P.m.b.u.h must of each warn and of Humankind of the every one Day of Regret. are in when every matter will be judged, but they unthankful heedlessness and they do not believe.

19:40. Certainly, We (The Ever Almighty God) are The Inheritor of the whole earth and each and every one who is upon the whole earth, truly each and every one of Humankind will be returned to Us.

19:41. And thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful the Trustworthy and the Messenger and Prophet of The Ever Almighty God every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Abraham ⟨P.m.b.u.h⟩ in the Heavenly Book. Certainly, He was the Truthful Prophet.

19:42. When Abraham (the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet the Best Friend of The Ever Almighty God, and Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal The Lord and Sustainer of the Entire Universe P.m.b.u.h? said to his father: "Thou my father! Why do thou who cannot hear worship gods and statue they cannot see and they cannot benefit thee at all?

19:43. Thou my father! Certainly, there has come to me of the knowledge that which has not come to thee. Therefore, thou must follow me; I will guide thee to the Right Path.

Thou my father! Thou 19:44. must not ever worship the devil Satan. Certainly, the devil Satan has been unjustly disobedient to The Ever Gracefully Compassionate. Most

19:45. Thou my father! Certainly, I fear that the punishment from The Ever Most Gracefully Compassionate may afflict thee, and that thou may become the friend of the devil Satan!"

19:46. He said: "Have thou turned away from my gods, thou Abraham (P.m.b.u.h)? If thou do not stop this, indeed I will definitely stone thee, therefore, thou must leave me for a long time!"

19:47. Abraham (the Honourable and the Truthful and the Trustworthy Messenger and Prophet and the Best Friend of The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful P.m.b.u.h) said: "Peace be upon thee! I will eventually Pray for forgiveness for thee from The Eternal Lord and Sustainer of me. Certainly, He is The Ever Most Kind to me. 19:48. Truly I will leave all of ye and all those other gods ve call in Prayer other than The Ever Almighty God. And I will call in Prayer only Eternal Lord and Sustainer of and I The me. strongly hope that I will not be unblessed in my Prayer to The Eternal Lord and Sustainer of me!"

So when he had left all of them 19:49. and all those other gods they worshipped other than The Ever Almighty God, We (The Ever Almighty God. Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever The gave Araham, Isaac Merciful? Most and Jacob (P.m.b.u.t), and We made each of them the Prophet.

19:50. And We (The Ever Almighty God) awarded them from Our Mercy, and We made for them the honourable mention on the tongues of the nations.

19:51. And thou O Muhammad! (The Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful to each and every one of Humankind P.m.b.u.h) must make the honourable mention of Moses (P.m.b.u.h) in the Heavenly Book. Certainly, he was devoutly sincere, and he was the Messenger and the Prophet.

19:52. Truly We (The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe. The Creator and Sustainer The Eternal Lord of and the Entire Moses Universe) called out to (the Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living P.m.b.u.h from the right side of At-Tûr, and We made him Us for a direct talk with him. draw near to

19:53. And We gave Moses (P.m.b.u.h) out of Our Mercy his brother Aaron (P.m.b.u.h) as the Prophet.

19:54. And thou O Muhammad! (The Honourable and Truthful Messenger Trustworthy and the and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful to and every one of Humankind P.m.b.u.h) must each the honourable mention of Ishmael (P.m.b.u.h) make the Heavenly Book. Certainly, Ishmael (P.m.b.u.h)in always truthful to whatever he promised, was and the Messenger and the Prophet. he was

*€*the 19:55. And Ishmael Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living P.m.b.u.h? used to command his family to equitably perform the Prayer and give the Alms; truly The Eternal Lord and Sustainer of him was well pleased with him.

19:56. And thou O Muhammad! (The Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate to every one of the Human Beings P.m.b.u.h³ must make the honourable Idrees {the Honourable mention of and the Trustworthy and the Truthful Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Merciful P.m.b.u.h in the Heavenly The Ever Most Book. Certainly, he was the Truthful Prophet.

19:57. Truly We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Living, The Creator and The Eternal Lord of the Entire Universe) raised him to an supremely high station.

19:58. They are the people upon whom The Ever Almighty God (The Ever Most Gracefully Compassionate, Ever Most Merciful, The Ever Most Generous The awarded His Favours and Blessings from among Prophets, from the descendants of Adam the and from those whom We carried with Noah. and descendants Abraham from the of and Israel and among those whom We guided from and chose (P.m.b.u.t). Whenever the Miraculous Verses of The Most Gracefully Compassionate recited Ever were to them, they fell down prostrating and weeping.

19:59. Then there came after them other generations who unthankfully neglected the Prayer and followed iniquitous desires. Therefore, eventually they are going to meet evil (solely because of their evil actions);

19:60. Except each and every person who repents and truly believes and does righteous good actions. Surely such people will enter the Everlasting Garden, truly they will not be treated with any iniquity at all.

19:61. The Everlasting Gardens which The Ever Most Gracefully Compassionate has promised to His servants in the Unseen. Certainly, the Promise of The Ever Almighty God will nindeed come to pass.

will hear in 19:62. They not the Everlasting any evil speech, they Gardens will hear only Peace, they will greetings of and have their sustenance therein morning and evening.

Everlasting Garden which 19:63. Such is the We Ever Almighty God, The Ever Most Merciful } (The the inheritance will award as Our righteous to The Ever Almighty God. servants who feared

19:64. (The Angel Gabriel, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate among the Angels said P.m.b.u.h): "Truly from we do not ever descend except by the Command of and Sustainer of thee. The Eternal Lord Only to Him belongs Everything that is in front of us Everything that is behind us and and Everything them: truly The Eternal Lord is in between that Sustainer of thee does not ever forget. and

19:65. The Eternal Lord and Sustainer of all the heavens and the whole earth and Everything that is between them; surely thou must always worship only Him, and thou must always remain steadfastly patient in worshipping only Him. Do thou know of any one who is equal to Him in the Good Names?

the Human Being (who unthankfully 19:66. Truly The Ever Almighty God disbelieves in and His and His Angels and His Books Messengers and Day of Ressurrection Mighty Final the and Judgement and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years) says: "What? Once I am dead, will I be eventually brought back to life again?"

the Human Being not 19:67. But does remember that We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. Ever Most Generous, The Ever Most The Kind. The Ever Most Forgiving, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King Entire Universe, The Eternal of the Lord Sustainer of the Entire Universe, have created and the first time, while he was nothing at all? him

19:68. by the oath of The Surely Eternal Lord thee, indeed Sustainer of We and (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, King of the Entire Universe, Eternal The The and Sustainer of the Entire Eternal Lord Universe } will all of the Human Beings and gather the together; thereafter, indeed We devils will definitely all of them around the Hell on their knees. bring

19:69. Thereafter, indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The) Ever All Wise) will definitely take out from every sect all those who had been most unjustly defiant against The Ever Most Gracefully Compassionate.

19:70. Thereafter, indeed We (The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The) Ever All Wise) are The Ever Most Knowing of those who are most deserving to burn in the Hell.

Truly there is none of ye each and every 19:71. will Humankind but he to one of come it. The Eternal This is upon Lord and Sustainer of the Decree which must be fulfilled. thee.

Thereafter We (The Ever Almighty God, 19:72. The Gracefully Compassionate, The Most Ever All Ever all Wise will the righteous who save people feared Ever Almighty God, We The and will leave wrongdoers there iniquitous the on their knees.

19:73. Truly when Our Supremely Clear Miraculous Verses are recited to the Human Beings, the people who unthankfully disbelieve say to the people who truly believe: "Which of us two parties is better in position and best in imposing as an army?"

Truly how many of generations 19:74. We (The Ever Almighty God, The Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Equitable, Ever The All Powerful) have destroyed before them who were better in earthly assets and outward glitter?

Muhammad! {The 19:75. Thou 0 Honourable and Trustworthy and the Truthful Messenger the and Prophet of The Almighty Ever God to each and every one of Humankind P.m.b.u.h must say: "Any person path. who follows the straying then Ever Most Gracefully Compassionate The indeed an extension; until, for him when extends they see whatever they have been promised, either the punishment or the Final Time. requital then they eventually come to know who is will worst in position, and weaker in respect of soldiers!"

Truly The Ever Almighty God increases 19:76. in Heavenly Guidance people who the follow the Heavenly Guidance. Truly the good actions of lasting Sight of The are best in the value Lord Eternal and Sustainer of thee in respect of reward and best in terms of turning back (on the Final Mighty Day Resurrection and Judgement and Reckoning of and and Rewards in the Eternal Afterlife World. Requitals the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

thou seen 19:77. So. have the person who disbelieved Miraculous unthankfully in Our Verses said: "Indeed I will definitely be and he given children!" wealth and

he looked into the knowledge 19:78. Has of he taken any promise the Unseen. has or from Ever Most Gracefully Compassionate? The

19:79. Certainly not! We (The Ever Almighty God. Gracefully Compassionate, The Ever Most The Ever The The Ever Most Equitable, All Powerful, Creator Eternal Lord and The Eternal Sustainer and The of Universe will eventually the Entire write down says, and We will make the extension whatever he for the requital punishment him extensively; of

Truly We The Ever Almighty 19:80. God. The Gracefully Compassionate, The Ever Most Creator of Everything } will inherit from him whatever he speaks and will to Us of. he come all alone.

Truly they have taken 19:81. gods other than Almighty God for purpose The Ever the that source of honour be for them. they may a

Eventually their fake 19:82. Certainly not! will gods their worship of them, they will reject and turn (•on Final Mighty against them the Day of and Judgement Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

We (The Have 19:83. thou that Ever not seen Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, All The Ever Wise. Ever Most Equitable } The devils the upon the unthankful have sent disbelievers, them with constant incitement? inciting

Surely thou against 19:84. must not hasten the **(**The unthankful disbelievers: We Ever Almighty Gracefully Compassionate, The Ever Most God. The Most Equitable, The Creator and The Ever Eternal Lord Sustainer of the Entire and Universe } are only counting down against them counting. the

19:85. On the Day We (The Ever Almighty God. The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most High, The Ever All Wise, The Ever Most Mighty, The Eternal King of the Entire Universe, and The Eternal Lord of the The Creator Entire Universe will gather all the righteous people who Ever Almighty God unto feared The The Ever Most Gracefully Compassionate as the honoured guests.

And We (The Ever Almighty God, The Ever 19:86. Gracefully Compassionate, The Most Ever Most The Creator and The Eternal Lord Equitable, and of the Entire Universe will Sustainer drive the iniquitous criminals to Hell like the thirsty herd.

19:87. No one will have the power to intercede except the person who has received a Promise from The Ever Most Gracefully Compassionate.

19:88. And they say: "The Ever Most Gracefully Compassionate has taken a Son!"

19:89. Indeed, ye people have in fact brought forth the terrible evil utterance.

19:90. All the heavens are almost about be to solely because of this terrible evil apart torn and the earth is almost split open utterance. and to pieces. the Mountains almost crumble

19:91. For that they have ascribed a Son to The Ever Most Gracefully Compassionate.

Truly it 19:92. by any befitting is not means Ever Gracefully Compassionate for The Most that He Son. should ever take a

There is 19:93. all no in the one heavens except each and and the earth that every one Gracefullv will The Ever Most of them come to Compassionate servant. as a

19:94. Indeed, The Ever Most Gracefully Compassionate has in fact enumerated them and He has counted them with the full counting.

19:95. Truly each every and one of the Beings will come all alone Human to The Ever Gracefully Compassionate the Most Day of on Judgement. Resurrection and

19:96. Certainly, the people who truly believe and do righteous good actions, The Ever Most Gracefully Compassionate will eventually create love for them.

Surely We The Ever Almighty God, 19:97. The Gracefully Compassionate have Ever Most made Qur'an easy in your own this tongue. Book that thou 0 the purpose for Muhammad! only Honourable and Trustworthy (The the and the Truthful and Prophet of Messenger The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate and every one of Humankind P.m.b.u.h each to the good true by this announce news may all the righteous people Book Qur'an to who fear God, and thou Ever Almighty The may warn by iniquitous. Book Qur'an the people who are this

Truly how many of the generations We (The 19:98. Almighty Ever Most God, The Gracefully Ever Compassionate, The Ever All Wise) have destroyed them! Do thou see any trace of anyone of before or hear even a whisper of them? them. do thou

2:201. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of Thou please award us in this present us! Earthly World all that which is and good Eternal Afterlife the World all that in which good and Thou please is save us the requital punishment of the Hellfire!" from

2:286. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please do not ever hold us accountable if we forget or we make a mistake! Thou The please Eternal Lord and Sustainer of us! Thou do ever place upon us any burden like not the Thou placed upon the people before us. Thou one The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou not ever place upon any burden please do us we do not have the strength to bear. And Thou please pardon us; and Thou please forgive us; and Thou please award us Mercy. Only Thou are The Ever Protecting Friend of us; therefore, Thou please help against the unthankful disbelieving people!"

The 25:65. "Thou Eternal Lord and Sustainer Thou please turn of us! away from us the requital punishment of Hell. Certainly, the requital punishment of Hell is ever continuous; Certainly, Hell is 25:66. an evil residence and an station (on the Final Mighty Day of evil Judgement and Reckoning Resurrection and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years)!"

and 25:74. "Thou The Eternal Lord Sustainer of please Thou award us from us! our spouses our children the comfort of and our eyes Thou please make us the Religious Leaders and of the people who fear The Ever Almighty God.

46:15. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please assist me to be always thankful for your Favours and Blessings which Thou have awarded upon and upon my parents; me and that I may do righteous good actions such as Thou and Thou please make pleased with. righteous are children. Certainly, I have for me turned my to Thee in repentance; and certainly, Ι am one of Muslims (those people who wholly the submit to Blessed follow the All Will and all the Commandments of The Ever Almighty God, The Sustainer of the Entire Universe?!" Eternal Lord and

3:8. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please do not ever cause our hearts to deviate after Thou have correctly guided us, and Thou please award us Mercy from very close to thee. Certainly, Thou are The Ever Most Generous Provider.

and Sustainer of us! 3:9. Thou The Eternal Lord Certainly, Thou will assemble together each and every one of Humankind {of on the Day Judgement Resurrection and and Reckoning and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World about which there is no doubt. Certainly, The Ever Almighty God does not break His Promise!" ever

2:250. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please award upon us steadfast patience and Thou please make our feet firm and Thou please help us against the unthankful disbelieving people!"

23:109. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! We truly believe, therefore, Thou please forgive us and thou please award Mercy upon us, truly Thou are The Ever Best of all those who are the merciful!"

59:10. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please forgive us and our brothers those who preceded us in the True Faith and Thou please do any resentment in allow our hearts not towards Thou have truly believed. The Eternal those who Sustainer of us! Certainly, Lord and Thou are The Ever Most Compassionate, The Ever Most Merciful.

Eternal Lord 23:118. "Thou The and Sustainer of me! Thou please forgive and Thou please truly Thou Mercy, are Ever award The Best who merciful!" those are the of all

20:114. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please increase me in knowledge!"

21:87. "There is no God except Thee Alone! All Glory with Complete Holliness is only to Thee. Certainly, I have been one of the iniquitous wrongdoers!"

23:97. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! I ask for refuge in thee from all the temptations of the devils,

23:98. And I ask for refuge in thee, Thou The Etenal Lord and Sustainer of me! So that the devils are not able to come near me!"

The Eternal Lord 7:126. "Thou and Sustainer of Thou please award upon us steadfast patience us! Thou please help us to die as Muslims (those and who wholly submit to follow the All Blessed Will all the Commandments of The Ever Almighty and God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe?!"

12:101. "Thou The Creator of all the heavens and whole earth! Thou are The Ever Protecting the in this present Earthly Friend of me World in the Eternal Afterlife World, Thou and please die as a Muslim and Thou help me to please join me with the devoutly righteous people!"

28:16. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I have committed iniquity to myself, so Thou please forgive me!"

28:17. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of Because of the Favours me! and Blessings have awarded upon me; surely I Thou will not be a helper to the iniquitous criminals!"

28:24. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly. I am in need for whatever good Thou may send down for me!"

14:40. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please help me to be the one who equitably performs the Prayer, and also from among my Children, Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! And Thou please accept my Prayer.

14:41. Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Thou please forgive me and my parents and all the true believers on the Day when the Reckoning Account will come to pass!"

11:47. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Certainly, I ask for refuge in Thee from asking Thee for anything whereof I do not have the knowledge. Truly if Thou do not forgive me and award Mercy upon me, I will be among the losers!"

37:100. Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! Thou please award me a devoutly righteous Son!

3:38. "Thou The Eternal Lord Sustainer and of Thou please award me from close me! very a good offspring. Certainly, Thee Thou to are Ever All Hearer of the Prayer. The

3:16. "Thou The Eternal Lord and Sustainer of us! Certainly, we sincerely believe; therefore, Thou please forgive us all our sins and Thou please save us from the requital punishment of the Hellfire!"

Honourable {the 20:25. Moses and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The The Ever All Wise P.m.b.u.h? Almighty God, Ever "Thou Eternal Lord said: The and Sustainer of me! Thou please expand my chest for me.

(The Ever Almighty God) please 20:26. Thou And easy for me, task make my Thou (The Ever Almighty God please 20:27. And from untie the knot my tongue, 20:28. So that they may understand my words.

20:29. And Thou (The Ever Almighty God) please appoint for me a minister from my family,
20:30. Aaron (P.m.b.u.h) my brother.
20:31. Thou please increase through him my strength,

20:32. And Thou (The Ever Almighty God) please make Aaron (P.m.b.u.h) to share in my task,

So that we may Glorify Thee very often, 20:33. 20:34. And we may remember Thee very often. 20:35. Certainly, Thou (The Ever Almighty God always The Ever All Seeing!" of us are

55: Sûrah Chapter Ar-Rahmăn The Ever Most Gracefully Compassionate The Miraculous Verses 78

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful (The Creator of the Entire Universe).

55:1. The Ever Most Gracefully Compassionate. 55:2. The Ever Most Gracefully Compassionate has taught the Qur'an.

55:3. The Ever Most Gracefully Compassionate has created each and every of Humankind.

55:4. The Ever Most Gracefully Compassionate has taught each and every on of Humankind to speek.

the 55:5. The and sun moon move by precise (decreed by The Ever Gracefully calculation Most Compassionate, The Ever Most Merciful.

55:6. Truly the stars and the trees prostrate (to The Ever Most Gracefully Compassionate).

the The 55:7. Truly heaven Ever Most Gracefully raised it high. The Compassionate has and Ever Most Gracefully Compassionate has set up the balance.

purpose that each every 55:8. For the and one of transgress Humankind may not in the balance ye (set up by The Ever Most Gracefully Compassionate).

55:9. each every one Truly and of ve Humankind always equitably establish weight with equitable must each and every one ve Humankind and of justice, the balance make deficient. must not ever

Truly The Ever Most Gracefully Compassionate 55:10. the earth for the creatures. spread out has 55:11. In the earth there fruits are and palm trees having sheathes. having husks 55:12. grains And and pleasant plants. scented

55:13. Then which of the Favours and Blessings ve. of Lord and Sustainer of will The Eternal Jinn-kind unthankfully ve Humankind and deny?

55:14. The Ever Most Gracefully Compassionate has created the first Human Being Adam (P.m.b.u.h) from the clay just like of pottery.

Gracefully 55:15. well The Ever Most As as Compassionate has created the Jinn from the of smokeless flame fire.

55:16. Then which of the Favours and Blessings and ye, of The Eternal Lord Sustainer of will Jinn-kind unthankfully deny? Humankind ve and

55:17. The Ever Most Gracefully Compassionate is The Eternal Lord and Sustainer of the two easts and The Eternal Lord and Sustainer of the two wests.

55:18. Then which of the Favours and Blessings ye. Sustainer of The Eternal Lord and of will Jinn-kind unthankfully deny? Humankind and ve

55:19. The Ever Most Gracefully Compassionate has released the two seas meeting together.

55:20. Between both the two seas there is a barrier which neither of them ever transgresses.

which of the 55:21. Then Favours Blessings and and Eternal Lord Sustainer of The of ve, will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

55:22. From both of the seas emerge the pearl and the coral.

which of the 55:23. Then Favours and Blessings and Sustainer ve. of The Eternal Lord of will Humankind and Jinn-kind unthankfully ve deny?

55:24. Truly only to The Ever Most Gracefully Compassionate belong the moving ships that float in the sea just like the mountains.

which of the Favours 55:25. Then and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ve. will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

55:26. Everything that is upon the earth will perish (by the Command of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate).

55:27. Truly The Eternal Lord and Sustainer of thee Himself The Eternal Owner of The Supremely Glorious Splendour and The Supremely Honourable Generosity will remain forever.

the 55:28. Then which of Favours and Blessings and Eternal Lord of The Sustainer of ye, will Humankind and Jinn-kind unthankfully ve deny?

Whoever in 55:29. is all the heavens and help only from earth asks for the whole The Ever Most Gracefully Compassionate, He is Gloriously engaged in some Glorious task every day.

which of the 55:30. Then Favours Blessings and and Sustainer Eternal Lord of will of The ye, Humankind Jinn-kind unthankfully denv? and ve

two mighty (for 55:31. groups 0 ye Jinn-kind Humankind }! We The Ever Most Gracefully and Compassionate will eventually attend to all of ve.

which 55:32. Then of the Favours and Blessings Eternal Lord ve, and Sustainer of will of The Jinn-kind unthankfully denv? and ve Humankind

ye assembly of the 55:33. 0 Jinn-kind and the If ve have Humankind! any to power pass boundaries the beyond the of heavens and the earth, then ye Ye will may pass. not ever pass them except by the all binding authority.

Then which Favours 55:34. of the and Blessings Lord and Sustainer ve. of The Eternal of will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

will 55:35. There be against sent both of ve of fire and smoke, surely ve will flames not be able to defend yourselves.

which of 55:36. Then the Favours and Blessings ye, Lord and Sustainer of The Eternal of will unthankfully Humankind and Jinn-kind ve denv?

heaven 55:37. when the split Surely is open become it will like leather *fon* the and red Day of Judgement Mighty Resurrection and Final Reckoning Requitals and Rewards and and and Recompense the Eternal Afterlife World. the in whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

which of the 55:38. Then Favours Blessings and and Eternal Lord Sustainer of will of The ve. Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

that Day (of 55:39. Then Resurrection on and Judgement and Reckoning and Requitals and Rewards Eternal Afterlife Recompense and in the World. whereof Fifty the measured extent is Thousand any one of Humankind nor Years) neither any one will be questioned about of Jinn-kind his sin.

which the 55:40. Then of Favours and Blessings and of Sustainer ve. of The Eternal Lord will and Jinn-kind unthankfully Humankind denv? ve

55:41. The iniquitous criminals will be recognised by their marks (on the Final Mighty Day Resurrection and Reckoning and Requitals Judgement in and Afterlife World, the Eternal the measured extent whereof is Fifty Thousand Years), surely they will seized by the forelocks and the feet. be

which of 55:42. Then the Favours Blessings and ye, of Eternal Lord and Sustainer of The will Humankind and Jinn-kind unthankfully ve deny?

55:43. (It will be announced on the Day of Judgement and Requitals): "This is Hell, which the iniquitous criminals used to unthankfully deny.

The iniquitous criminals will 55:44. going keep between Hell and between scalding round water Mighty Day Resurrection fon the Final of and and Reckoning and Requitals and Rewards Judgement and Recompense in the Eternal Afterlife World, the extent whereof is Fifty Thousand Years). measured

which of the 55:45. Then Favours Blessings and and Eternal Lord Sustainer will of The of ve. Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

Truly for each and every 55:46. person who Supreme Position fears Mighty of The Eternal The Sustainer of him, Lord and there will be Final Mighty Day Everlasting Gardens fon the two Resurrection Judgement and Reckoning of and Eternal World, Requitals in the Afterlife and the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

Then 55:47. which of Favours the and Blessings Eternal Lord and of The Sustainer of ve. will Humankind Jinn-kind unthankfully denv? and ve

55:48. Both Everlasting Gardens will have spreading branches (in the Eternal Afterlife World).

which Favours 55:49. Then of the and Blessings Eternal Lord and Sustainer ye, of The of will unthankfully Humankind and Jinn-kind denv? ve

55:50. In both Everlasting Gardens there will be two water springs flowing (in the Afterlife World).

which 55:51. Then of the Favours and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ye, will unthankfully Jinn-kind Humankind and denv? ve

55:52. In both Everlasting Gardens there will be every fruit of two kinds (in the Afterlife World).

Then which 55:53. of the Favours and Blessings Eternal Lord and Sustainer of ve, of The will Jinn-kind unthankfully Humankind and denv? ye

55:54. They will be reclining on couches whose linings are of heavy silk, and the fruits of the two Everlasting Gardens will be hanging low.

which of Favours 55:55. Then the and Blessings of The Eternal Lord and Sustainer of ve. will deny? ye Humankind and Jinn-kind unthankfully

both Everlasting Gardens 55:56. In there will be of purity restraining their glances, women those purity have not been of before women touched them by any Human Being nor by any Jinn.

which 55:57. Then of the Favours and Blessings Eternal Lord and Sustainer of will of The ve. ye Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

55:58. Those women of purity will be as if they were the rubies and the corals.

55:59. Then which of the Favours and Blessings Eternal Lord and Sustainer ye, The of will of ve Humankind and Jinn-kind unthankfully deny?

good actions there 55:60. For is requital no in any way except good reward. reward which of the Favours and Blessings 55:61. Then of of The Eternal Lord and Sustainer ye, will Humankind and Jinn-kind unthankfully deny? ve

Truly besides these two Everlasting Gardens 55:62. there will be two other Everlasting Gardens (on the Day of Resurrection Mighty and Judgement Final Requitals Reckoning and Rewards and and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years). measured extent

55:63. Then which of the Favours Blessings and and Eternal Lord Sustainer of will of The ve, Humankind Jinn-kind unthankfully deny? and ve

Everlasting Gardens 55:64. will Both be dark colour fon the Final Mighty Dav in of green Judgement Reckoning Resurrection and and and Requitals and Rewards in the Eternal Afterlife World).

Favours 55:65. Then which of the and Blessings ye, Eternal and Sustainer of will of The Lord Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

Everlasting 55:66. In both Gardens there will be water springs gushing (°on forth the Final two Day of Resurrection and Judgement Mighty and Reckoning and Requitals and Rewards and Recompense the Eternal Afterlife in World.

which 55:67. Then of the Favours and Blessings Lord and ve, of The Eternal Sustainer of will unthankfully and Jinn-kind Humankind denv? ve

55.68. In both Everlasting Gardens there will be fruits and dates and pomegranates.

55:69. Then which of the Blessings Favours and of Lord and Sustainer The Eternal of ye, will Jinn-kind Humankind and unthankfully denv? ve

Everlasting both Gardens 55:70. In there will supremely beautiful supremely good and of women Mighty Day of purity (on the Final Resurrection Reckoning Judgement and Requitals and and and Rewards in the Eternal Afterlife World. the measured Fifty Thousand Years). whereof is extent

which of the 55:71. Then Favours Blessings and and Eternal Lord Sustainer of will of The ve. Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

houris be 55:72. There will of women purity sheltered in the pavilion (on the Final Mighty Dav Judgement Resurrection and Reckoning of and and and in the Eternal Afterlife Requitals World. the measured extent whereof is Fifty Thousand Years).

Favours Then which of Blessings 55:73. the and Eternal Lord and of The Sustainer of will ve. Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

55:74. purity Those houris of have women not touched before them by any Human Being been nor by any Jinn.

which Favours 55:75. Then of the and Blessings Eternal Lord and The ve. of Sustainer of will Humankind and Jinn-kind unthankfully denv? ve

They will reclining 55:76. be on green cushions and supremely beautiful fine carpets fon the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and Requitals Eternal Afterlife World. in the the whereof Fifty Thousand Years). is measured extent

the Favours 55:77. Then which of and Blessings Sustainer Eternal Lord and of will of The ye, Jinn-kind Humankind and unthankfully ve deny?

Supremely Blessed 55:78. is Name Most the of Lord Sustainer The Eternal and of thee. The Owner of The Supremely Glorious Eternal Splendour and The Supremely Honourable Generosity.

The Life Story of the Translator.

Zulfiqar the I. Hafiz Ali, Son of Muhammad Grandson the of Muhammad and Alim Ramzan. was born in in Pakistan. I 1959 came to United Kingdom 19-07-1972. When Ι was eighteen on I bought old. first the translated copy of vears Supremely Honourable Ever Qur'an. By the the Blesings and Favours and Merciess and Graces of Almighty God, I was able The Ever to read Supremely Honourable Qur'an Arabic the Ever in and the translation of the Ever Supremely Language Qur'an to English Language and Urdu Honourable After reading and studying the Language. translation of the Ever Supremely Honourable Our'an bv truly believed myself without any teacher. I with certainty and believe with certainty and still Ι that certainly the Ever Supremely Honourable bear Qur'an is the Last and Final Message of The Ever God to Almighty each every person of the Beings whole earth. Human on the And Ι trulv witness believe with certainty and I bear that Supremely Honourable certainly the Ever and the Ever Supremely Glorious and the Supremely Ever Supremely Miraculous and the Ever Blessed and Ever Supremely Wise and the Ever Supremely the indeed the Miraculous Book Clear Qur'an is of The Ever Almighty God to of each every person Beings earth. the Human on the whole And Ι with certainty and I bear believe truly witness that Supremely Honourable certainly the Ever Qur'an is Message Statement the and the Ever Distinctive Criterion and the Whole Truth and the Grace and Wise Reminder Mercy the and the and the Miraculous Proof and the Clear Light and the True and the Heavenly Guidance Insightfulness and the-Miraculous Words and the Miraculous Verses and Speech of The Ever Almighty God the Miraculous every one of the Human Beings to each and on whole earth. And I truly believe with certainty the witness that there is no True God and I bear The Ever in the Entire Universe except Almightv God, Ever Most Gracefully Compassionate, The The Ever Most Gracious, The God of Mercy, The God Grace, The Ever Most Merciful, The Bestower of Mercy, The God of Mercies, The Eternal King of each and every one of the Human Beings of on whole earth, The Eternal King of the the Entire Universe, The Ever Most Supremely Holy, The Ever from iniquity, The Ever Absolutely Pure Provider Peace. The Ever Most Perfect. of The Ever Lasting, of the The Guardian True Faith. The One Who Gives Faith and Security. The Ever Supreme Protector Over Everything, The Preserver Everything, The Ever Almighty, Over The Ever All The Ever Defeater of all enemies. Strong, The Supreme Compeller, The Ever Omnipotent, Ever The Most Powerful. The Owner the Ever Ever of Ever Most Supreme Greatness, The Majestic, The Most Proud. The Ever Supremely Superior Ever Everything, The Creator of Everything in Over the Entire Universe, The Maker of Everything in Universe, Entire The Ever the Best Creator. The Maker, The the Ever Best Creator of Entire Creator of Everything Universe. The that is Universe Entire The of in the Ever. Evolver Everything, of The Flawless Inventor all Forms. The Flawless Fashioner of all Forms. The Fashioner of Everything, The Ever Supreme Flawless Ever Most Forgiving, Forgiver, The The Who One sin of his Forgives the time and servants time again, The Ever All Dominant Over Everything,-

Ever All Prevailing Over Everything, The -The Subduer Over Everything, The Ever Supreme Ever The Ever Giver of Gifts. The Bestower. One Sustainer of Who Gives Gifts, The Ever Everything Supreme Ultimate Equitable Everywhere, The Ever Opener of All Portals. The Judge, The Ever Ever Knowing of Everything Everywhere, All The Ever word that is ever Hearing of every All spoken throughout the whole heaven whole and earth. of All Hearing every prayer The Ever ever Everything prayed to Him, The Ever All Seeing of Entire Universe, the that is in The Ever Most The Gentle, Kind. The Ever Most Ever Most Subtle, The Ever All of the Entire Aware Universe Everything that is the Entire Universe and in The Ever Most Forbearing, The Clement, Ever. The Ever Most Patient. The One Who delays the punishment for sinners who deserve it, The those Most Mighty, The Ever Supremely Magnificent, Ever The Ever Most Forgiving, The Ever All Forgiving, Greatest Forgiver, The Ever Most Grateful, The Ever Ever Most Appreciative, The The Ever Most The Ever Most High and The Ever Thankful. Most Universe, Exalted in the Entire The Ever Most Great. The Grand, The Ever Most Ever Most Supreme, The Ever Most Greatest the Entire in Over Everything, The Ever The Protector Universe, Preserver of the Entire Universe and Everything All Entire Universe, The that is in the Ever Most Controller Over Everything, The Sustainer Powerful Maintainer Everything, The Everything, of of The Nourisher of Everything, The Account Taker of Everything, The Reckoner Everything, Over The Reckoner Over Every action ever committed be the Human Beings and the Jinn Beings, The Ever Most Generous, The Ever Most Honourable in the-

The Ever Most Esteemed -Entire Universe. in the All The Ever Watcher of Entire Universe, the and Everything in Entire Universe that is the Universe, The Ever Most by Entire Near His Supreme Knowledge, The Ever Responsive, The One Who Answerers the Prayers of the Believers. The Boundless. Most The Ever Vast. The One Who Evereything by His Always Encompasses Miraculous His Mercy, Knowledge and by The Ever A11 Ever Most Prudent, Wise. The The One Who has Entire Universe and Everything Wisdom of the in the Entire Universe Ever. that is The Ever The Ever Most Affectionate, The Most Loving, Ever The Ever Most Nice. friendly. The Most Ever Glorious in the Entire Universe Ever. The Most Ever All Observing, The Ever Omnipresent, The Ever Present Witness Over Everything, The Ever Present every evil every good and Witness Over action every of Humankind committed by each and ever and every one of Jinn-kind Ever, each and The Truth, The Ever Most Equitable, Supreme Ever The Who Truly Exists, The Eternal Protector, The One Trustee, The Eternal Protector Over Eternal Everything the Entire Universe, The Ever is Most that in Strong in Entire Universe, The Most the Ever Powerful in the Entire Universe, The One with the Supreme Complete Power in the Entire Universe The Ever Most Firm in the Entire Ever. Universe. Most Steadfast The Ever in the Entire Universe. Ever Best Protecting Friend, The Ever The Best Protector, The The Protecting Supporter Ever and Friend of all the believing men and the believing among the Human Beings from and from women Beings, Jinn the The Ever Owner of All among Praisworthy, The Ever The One Who is Praise. all heavens and the Praised in the whole earth.-

Living God, The Ever Alive -The Ever God. The die, Who will ever The All One not Ever Self-Sufficient Self-Reliant. The One Who will The Eternal Watchful Sustainer live forever. of Everything, The Ever Only One, The Ever Most The Unique, True God who does not have anv Entire Universe The equal in the Ever, Everlasting Self-Sufficient Protector, The Eternal Supreme Provider, Who does have any The God not ever helper any weakness, The All Ever because of Capable Ever Most Indipendent Entire Universe, The in the Universe, The True God Who in Entire the always the supremely powerful ability to do Everything has Wills do in Universe. He ever to the Entire Ever All Powerful Controller Over the The Entire is and Over Everything in Universe that the Ever. The First. Entire Universe The Verv First. Infinite Last. The Manifest, The Last. The The Perceptible, The Hidden, The Imperceptible, The The Eternal Governor Eternal Owner and of the and Everything Universe Entire that is in the Ever. The Ever Most Entire Universe Exalted and High-Ranking in the The Ever Most Entire The Righteous, The Kind, The Ever Universe, Most Good, The Source of all Goodness in the Entire The Accepter Repentance, The Universe. Ever of Pardoning and Forgiving, The One Who Ever turns Mercy and Forgiveness with to each and every among the Human Beings person from and the who Him, Beings sincerely repents Jinn to The sins, Ever Pardoner The Ever of Most Compassionate, The Ever Most Supremely Merciful, Compassionate The Most Humankind, all Ever to Assembler Gatherer. The of each and The every of the Human Beings and the Jinn Beings on one Final Mighty Day Resurrection Judgementand the

Requitals and Rewards Reckoning -and and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the Thousand Years, whereof Fifty measured extent is Ever Wealthy, The All Independent, The Ever The Light, Illuminator, The Light of The all the Provider Heavens and all the Earths. The of the Heavenly Guidance, The One Who Guides Correctly, has God given each The True Who and every physical distinctive form. The One Who thing its guided Everything, The Incomparable Originator, has Originator of the Entire Universe and Everything The in the Entire Universe Ever. is The Eternal that The The Eternal Sustainer, Lord. Eternal Provider. Eternal Lord Sustainer of all The and the heavens Eternal The Lord and Sustainer of the and whole The Eternal Lord of and Sustainer all earth. the The Worlds. The Ever All Capable, Ever A11 The Ever Guarding One, The Preserver. Creator and and Sustainer of The Eternal Lord the Entire Everything and that Universe is in the Entir Guarantor, The The Sponsor, The Universe. Ever Appreciative, The Ever Most Grateful, The Ever Most Thankful. The Ever Most Generous. The Most Ever Honourable. The Ever Most Beneficent, Most The Supreme Creator, The Ever Excellent Ever Protecting The Ever Protecting Friend, The Ever Patron. Most Powerful The Ever Most Excellent Helper, Helper. All Knower, The Ever All Knowing The Ever of the Entire Universe, Everything in The Ever All Ever All Conquering, The The Victorious. Ever Forgiver of sins, The One Who Forgives all sins servants, The of the of His Eternal King Entire The Ever All Encompassing, The Ever Universe. All Ever Encompassing Surrounding, All The the Entire Everything that Entire Universe and is in the Sought by-Universe Ever, The One Whose Help is

Creation, The One Who is asked to help -His bv His Creation, The Eternal Owner of The Most High Universe, The and Degrees in the Entire Ranks Ever to help His creation, All Sufficient all The One Benefits, The Who Awards One Who awards the Favours and Blessings, The Ever Most Mighty Majestic, The Eternal Owner of The Supremely Glorious Splendour in the Universe Entire Ever. Most Beautiful in The Universe Ever the Entire Most Good-Looking in the The Ever Ever. Entire Giver of Life, One Universe Ever. The The Who gives life to each and every one of the Human of Beings each and and every one to the Beings every Jinn and to each and one of the Beings, Giver of Life Angel The Everything to that lives in the Entire Universe, that The One The Who Causes Death. One Who Causes each of the one Human Beings and every and Beings of the Jinn each and every one to time of death prescribed for die at the them. Who will The bring back One life to each of the Human Beings and every one and each of the Beings every one Jinn on the Final and Mighty Day of Resurrection and Judgement and Reckoning Requitals and Rewards and and Recompense the Eternal Afterlife World. in the whereof is Fifty Thousand Years, measured extent The Heir, The Resurrector The Inheritor, of the Who Dead, The One will resurrect each and the Human of Beings one and each every and every one of the Jinn Beings on the Final Mighty Day of Judgement Resurrection and and Reckoning Requitals and Rewards and and Recompense in the Eternal Afterlife World, the whereof is Fifty measured extent Thousand Years. Surviving, The Who Will The Ever One Remain-Forever and Ever, The Honourer, The One Who gives honour whoever by His He Wills to and by His Mighty Help, The Dishonourer, Mercy Who gives dishonour to whoever The One He by His most equitable judgement, Wills The The Reducer. The Exalter. The Elevator. Abaser. Withholder, The Retainer, The Extender. The The of Equitable Judgements, Giver Enhancer, The The Giver of Equitable Commandments, The Ever Most The the Universe, Just Entire Ever Most in Equitable the Entire Universe, in The Originator. Originator of the Initiator. The Entire The Universe Entire Universe Everything that is in the and The Restorer. The The Reinstator. Ever. One Who Brings Loss With Justice. Harm and True The One Who Awards Benefits, The One Who awards Favours and Blessings, The Ever Most Steadfastly The the Entire Universe, Patient in Ever Most Entire Universe, The Keeper of Serene in the all The Finder, The Ever Most Counts, The Perceiver, Magnificent, The Promoter, The Expediter, The One forward whoever He Wills. go Who makes The Delayer, The Retarder, The One Who makes stav behind whoever He Wills. The Ever Just Avenger, Just in the Entire Universe, The Ever Most The Ever Most Equitable in the Entire Universe, Most Just Requiter The Ever in the Entire The Ever Sovereign Owner of the Universe. Eternal of Everything in the Entire Kingdom Universe. of Owner All Honour The Eternal in this Earthly World and in the Eternal Afterlife present Ever Most World. The Beautiful in the Entire Ever, Most Good-Looking Universe The Ever in Entire Universe Ever, The Ever Most Handsome the Entire Universe, The Ever Most Nice-Looking in the the Entire Universe, The Ever Self-Sufficient, Thein

Most Wealthy in the Entire Universe, -Ever The Self-Reliant, The Enricher. The Provider Ever of Provider of Everything, The The Withholder. Needs. Hinderer, The Leader, The Master, The Eternal The Commander-in-Chief of the Universe, The Ever Most the Entire Universe, The Ever Good in Most Pure iniquity in the Entire Universe, from all The Ever of Good, The Ever Most Benevolent, The Ever Doer Most Charitable, The Ever Best Companion, The Ever Best Friend, The Ever Available to Help, The Ever The Ever Omnipresent to Help, to Help, Accessible Revealer, The Declarer, The Ever Best Healer, The Who Heals all The One wounds and all The Defender, The Most Glorified, sicknesses. Ever Eternal Lord and The Eternal Sustainer The of Supremely Honourable Throne, The the Ever Ever Best Guide. The Ever Infallible Teacher in the The Ever Most Good Entire Universe. Teacher in The Ever Entire Universe, the Best of all those merciful, The of all Ever Best who are those forgive, Ever Most Excellent Protecting The who Ever Most Excellent Protecting Friend. The Patron. Most Excellent Helper, The The Ever Ever Most of Helper, The Eternal Owner Powerful The Supremely Glorious Splendour and The Supremely Honourable Generosity, The One in Whose Mighty Hand the whole earth will grasped on be the of Resurrection Judgement Day and and Reckoning Requitals Rewards Recompense and and and in World. and all Eternal Afterlife the the heavens up in His Right Hand, rolled will be and I truly certainty and I with bear witness that believe and Noah and Abraham and Ishmael Adam certainly and Joseph Isaac and Jacob and Lot and and Aaron Jonah and Job and David Moses and and and Elisha andand Solomon and Hûd and Saalih

-Elias and Ezra and Idrees and Zechariah and John Son of Mary and Muhammad Jesus. the and are Honourable and the surely indeed the Trustworthy Truthful Prophets of The Ever Almighty and the and Mercy from The Ever Almighty God. Peace Blessings be upon each God and His and everv Prophets The Ever Almighty, of the of and one of their and every one followers each in every trillionth of a second until the end of the Final Mighty Day of Resurrection Judgement and and in Requitals Eternal Reckoning the Afterlife and Surely indeed each and every one World. of us whole earth Human Beings on and each the the the every and each and one of Jinn Beings. always believe with must truly certitude in The Almighty God, The Ever Most Ever Gracefully The Ever Most Compassionate, Mighty and His His Books and His Messengers Angels and and Final Mighty Day of Resurrection and Judgement the and Rewards Requitals Reckoning and and and Eternal World. Recompense the in Afterlife the Fifty whereof Years; measured is Thousand extent submit ourselves to follow the and we must A11 Blessed Will and each and every Commandment of The Ever Almighty God, and we must always truly greatly love and worship The Ever Almighty most His uncountable Favours God because of and His Gifts and His Blessings Graces His and and His Mighty Favours Mercies and with all our mind soul in all heart and and circumstances as live, and we must always truly long as we most greatly love The Ever Almighty God greatly more and ourselves and our mothers fathers than and forefathers foremothers and and our our sons and daughters brothers and our and sisters and our spouses and all our relatives, and all our wealth-which we have gained, and our successful commerce dwellings and everything else we and our love. always most greatly love And we must and most greatly honour and worship and greatly fear Ever Almighty God, and we The must always strive hard to protect ourselves and our families every kind of requital punishment of from The Ever Almighty God in the life of this present earthly world and the requital punishment in the World. Certainly, the people who Eternal Afterlife unthankfully disbelieve and they die while thev are unthankful disbelievers, such are the people upon be of Ever The whom there will the curse and Almighty the Angels the God and Humankind, of together. Such unthankful disbelievers all them will under the curse forever, the requital remain punishment will not be lightened for the unthankful disbelievers nor will not be reprieved on the Final Mighty Day of Resurrection and Judgement and and Rewards the Eternal Requitals in Afterlife World. Certainly, the people who truly believe and people who are the Jews and the Christians the the Sabeans, each and every one who and truly believes in The Ever Almighty God and the Final Day and does righteous good actions, surely each of them will good and every one have their reward with The Eternal Lord and Sustainer of them; truly no fear will come upon any of them, nor will they grieve. Surely the people who trulv believe and do righteous good actions, such people the residents of the Everlasting Garden; will be will reside in the Everlasting Garden forever they Day of Resurrection Final Mighty the on and and Reckoning and Requitals and Judgement Rewards and Recompense in the Eternal Afterlife World, the measured extent whereof is Fifty Thousand Years.

Commencing in the Name of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Creator of the Entire Universe.

Actions Hadith 1 --are Based on Intentions all "Certainly actions based are on their intentions. Truly each and every person will only according to what he intends. get Truly if person migrates towards The Ever Almighty any and Messenger P.m.b.u.h, truly His God his migration is towards The Ever Almighty God and His Messenger P.m.b.u.h, and if any person migrates with the present worldly intention or to marry a woman, he will get accordingly. Truly his migration is to whatsoever he migrated towards." (Accoding to Bukhari)

Hadith 2 --- Abu Hurairah may The Ever Almighty God be pleased with him said according to Sahih Muslim; I heard The Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h saying: "The first person be judged on the of Humankind to Day of Resurrection and Judgement will be a man who had died has a martyr. He will be brought forward. The Ever Almighty God will remind him of the and Blessings He had awarded Favours him. and man will acknowledge them. Then The Ever the question him: "What did thou Almighty will do give thanks for them?" The reply: to man will ۴I martyred?" fought for Your Sake till I was The Ever Almighty God will say: "Thou have lied. Thou fought for the purpose that Humankind may hero; truly they have thee. so." call done Thereafter the Command will be given about him, he will be dragged on his face till he and is the Hellfire. Next a man who thrown into had-

-acquired knowledge and taught it and he recited the Ever Supremely Honourable Qur'an will be brought forward. The Ever Almighty God will of the Favours and Blessings He remind him had awarded him and the man will acknowledge The Ever Almighty will them. Then question him: "What did thou do to give thanks for them?" The man will reply: "I acquired knowledge and taught it, and I recited The Ever Supremely Honourable Qur'an for Your Sake." The Ever Almighty God will say: "Thou have lied. Thou acquired knowledge for the purpose that Humankind may call thee, a religious scholer, and thou read Supremely Honourable Qur'an for Ever the the purpose that Humankind may call thee a reciter. truly they have done so." Thereafter the Command will be given about him, and he will be dragged on his face till he is thrown into the Hellfire. Next a man whom The Ever Almighty good things had awarded many God and God had given plenty Almighty The Ever of wealth, He will be brought forward. The Ever will remind him Almighty God of the Favours and Blessings He had awarded him. and the man will acknowledge them. Then The Ever Almighty will question him: "What did thou to give thanks for them?" The man will do reply: "I did not neglect any of the ways spent generously for Thou liked wealth to be Ever Almighty God will Sake." The Your say: lied. Thou did it for the purpose "Thou have that Humankind may call thee, generous. Truly so." Thereafter the Command will they have done given about him, and dragged he will be be his face till he is thrown into the Hellfire. on (According to Muslim)

Hadith 3 --- Umar son of Al-Khattab said: "We with The Messenger of The Ever Almighty were P.m.b.u.h one day a man God appeared with and very black hair. There very white clothes no Signs of travel on him and we did were He recognize him. sat in front of the not Prophet P.m.b.u.h rested his knees he bv his placed his hands knees and on his thighs. said: "Thou Muhammad P.m.b.u.h inform The man about Islam." The Messenger of The Ever me Almighty God P.m.b.u.h said: "Islam is to truthfully testify, there is no God except The Ever Almighty God and that Muhammad is the Messenger of The Ever Almighty God P.m.b. u.h to equitably perform the Prayer and and to give the Mandatory Alms and to fast the whole month of Ramadan and to perform pilgrimage of The Ever Almighty God the House to a way to it is possible." The man if said: "Thou have spoken truthfully." We were surprised that the man asked him and he said he was said: "Thou Muhammad P.m.b.u.h truthful. The man about the True Faith." The Messenger inform me Ever Almighty God P.m.b.u.h of The said: "The True Faith is to truly believe in The God and His Angels Ever Almighty and His Messengers and the Final Books and His Day, and to truly believe in providence, in its good said: "Thou harm." The man and in its have spoken truthfully." The man said: "Thou Muhammad P.m.b.u.h, inform me about good excellence." The The Ever Almighty God P.m.b.u.h Messenger of said: "Good excellence is to worship The Ever if truly if Almighty thou Him, God as see unable to see The Ever Almighty God, thou are surely indeed The Ever Almighty God always-

-sees thee." The man said: "Thou Muhammad Final P.m.b.u.h inform me about the Time." Messenger of The Ever Almighty God The said: "The one who has been P.m.b.u.h asked not know more than the asking." does one said: "Thou Muhammad P.m.b.u.h The inform man Time." the signs of about the Final me Messenger of The Ever Almighty The God P.m.b.u.h said: "The slave girl will give birth her mistress and thou will to see barefoot. naked, and dependent shepherds compete in the construction of tall buildings." Thereafter the man away and I remained. The Messenger of went The Ever Almighty God P.m.b.u.h said to me: "Thou Umar, do thou know who was." he I said: "The Ever Almighty God Knows Best." The Messenger of and His The Ever Almighty God P.m.b.u.h said: "Truly indeed he was Gabriel P.m.b.u.h who came to all of ye to teach all ye your religion." (According to Muslim)

Hadith 4 --- Virtue of Saying Tasbeeh

"There are two which are light phrases on both phrases are tongue, heavy very the on phrases both loved the scale. The Ever are Most Gracefully Compassionate:

SubhanAllahi wa bihamdihee, SubhanAllahi Al-Azeem. All Glory with Complete Holiness belongs only The Ever Almighty God, and all praise belongs only to The Ever Almighty God.

All Glory with Complete Holiness belongs only The Ever Almighty God, The Ever Most Mighty." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 5 --- Being Good to the Parents the Messenger of came to The Ever Α man Almighty said! "Thou God (P.m.b.u.h) and The of Messenger The Ever Almighty God! Who among Humankind has the most right from to manners?" The Messenger my good of The Ever said: mother." (P.m.b.u.h)"Your Almighty God thereafter who?" The The man said Messenger Ever Almighty God (P.m.b.u.h)said: of The mother." The man said thereafter who?" "Your Messenger of The Almighty Ever The God The (P.b.m.u.h)"Your mother." said: man said who?" The Messenger thereafter of The Ever Almighty God (P.m.b.u.h) said: "Your father." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 6 --- Avoiding too much Speculation

"Surely all of ye must always avoid too much speculation. truly indeed the some of speculation type of speech." most untruthful is the (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 7 --- Guarding the Utterance of an Evil Word "Certainly, the servant of The Ever Almighty God evil word without giving it may utter an much which thought by he slips into the Hellfire a further than that between distance east and west."

Hadith 8 --- Avoiding Whatsoever is Prohibited

Ever Almighty God "The becomes offended. Ever Almighty God offended truly The becomes believer does something The the true Ever when Almighty has Prohibited."

(According to Bukhari and Muslim)

Hadith 9 --- Virtue of the Month of Ramadan

"Whoever stands for Prayer in Ramadan with the hoping for the and will Faith reward True of his past sins." be f orgiven all (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 10 --- Virtue of Umrah and Hajj

the next Umrah is "The Umrah to an expiation sins committed whatsoever for between them. for the Accepted Hajj there is no truly reward person except the Eternal for Garden." the (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 11 --- Suppressing Yawning "Yawning is from the devil Satan, so whenever any one of ye yawns, surely he should suppress it as much as n possible." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 12 --- Looking after the Widow or the Poor

"The person who looks after the widow or the poor people is just like the person who strongly strives in the Straight Path of The Ever Almighty God." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 13 --- Virtue of Being a Muslim

any illness nor any worry nor fatigue "No nor grief distress, any harm any nor nor any prick the of afflicts even a thorn or muslim except that The Ever Almighty any of them." expiates some his sins by God (According to Bukhari Muslim) and

Hadith 14 --- A Muslim Has Six Rights "For every Muslim there are six rights over Muslim in righteousness; to greet him another with peace whenever he meets him accept his invitation whenever he is and to invited him whenever Pray for and to he sneezes visit him whenever he is sick and to and to Prayer when he dies follow his funeral and for him whatever he loves for himself." to love (According to Muslim 2736)

Hadith 15 --- The Reward of Attending Funerals

"Whoever attends a funeral and remains until he prays over it, then he will have one qiraat, and whoever remains there until the person is buried will have two qiraat." It was said to the Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h: "What are two qiraat"? The Messenger P.m.b.u.h said: "They are just like two mighty mountains." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 16 --- Regarding the Hell and the Garden "The Hellfire is hidden behind evil desires and the Eternal Garden is hidden behind difficulties." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 17 --- Using Siwaak Before Every Prayer "If I did not fear difficulty for my followers, then I would have commanded them to use the siwaak before every Prayer." (According to Bukhari and Muslim)

Hadith 18 --- Acquiring Knowledge is Mandatory "Acquiring knowledge is Mandatory on each and every Muslim." (According to Bayhaqi) Hadith 19 --- Three Signs of the Hypocrite

Signs of the hypocrite The are three: he talks always he lies. and whenever he makes any propmise always wehenever he is breaks it. and whenever he entrusted with he is always untrustworthy." anything

(According to Bukhari and Muslim)

Hadith 20 --- Who is the Pure Hypocrite

"Whoever has four characteristics within him, that makes such a person is a pure hypocrite, and within him one characteristic whoever has from four characteristics, than has characteristic he one of hypocrisy until he abandons it; whenever he entrusted with anything he is always untrustworthy, whenever he talks always lies. he and and wehenever he makes any proprise he always breaks and whenever he argues he is always wicked." it. (According to Bukhari 34)

Hadith 21 --- The Ever Almighty God will accept Repentance before the Sun Rises from the West

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The the and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever The Knowing, Eternal King of Entire All the one of to and every Universe each the Human whole earth P.m.b.u.h Beings the has on said: "Each who and every person repents before West. rises from the The Ever the sun Almighty God will eccept his repentance. (According to Muslim)

Hadith 22 --- What to Say to the Dying "All of ye the true believers should instruct the dying ones from among ye to say: "There is no God Except The Ever Almighty God." (According to Muslim)

Hadith 23 --- Lying About the Messenger of The Ever Almighty God, The Ever Living P.m.b.u.h

"Each and every person who intentionally lies about me, surely he should take his seat in the Hellfire." (According to Muslim)

Hadith 24 --- Those Who Call Others to the Correct Guidance or to Misguidance

"Each and every person who calls others to the Heavenly Guidance, then such a person will receive a reward similar to each and every person who follows him without it decreasing from their reward even the least. each and every person who calls And others to the then straying path, such a person will receive a sin similar to each and every person who follows him without it decreasing from their sin even the least." (According to Muslim)

Hadith 25 --- Sending Blessings upon the Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h

The Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h said: "Each and every person who sends one blessing upon me, The Ever Almighty God will send ten blessings upon such a person." (According to Muslim) Hadith 26 --- Regarding Association in Actions

Ever Almighty God, The Ever Most Exalted. The Blessed has Ever Most said: ۴T The am need of partners in regarding at all not "Each and association. every person who for Me performed any action and associated with Me in any partner it as well. then I leave him and whatever he associated with Me." (According to Muslim)

Hadith 27 --- Sacredness of Each and Every Muslim's Blood and his Wealth and his Honour

"The blood of each and every Muslim and his wealth and his honour are prohibited for other Muslims to violate." (According to Muslim)

Hadith 28 --- Regarding Charity and Pardoning and Humbleness for the Sake The Ever Almighty God

"Charity does ever decrease from not wealth. truly The Ever Almighty God increases the honour of the servant who pardens Humankind, and each every person who humbles himself and for the Sake The Ever Almighty God, such person of а be elevated by The Ever Almighty God." will (According to Muslim)

--- Regarding Actions after Hadith 29 Death Human Being dies, then "When the all his end come to an except from three: actions charity that continues and the knowledge "The that continues to benefit left behind and the righteous child who prays for him." (According to Muslim)

Hadith 30 --- Regarding Backbiting and Slander

of The Ever Messenger Almighty The God ye people know said: "Do what is P.m.b.u.h backbiting?" They said: "The Ever Almighty God and His Messenger P.m.b.u.h knows best." The The Almighty Messenger of Ever God P.m.b.u.h "When one of ye mention said: "When in a any your way that he dislikes it." It was brother said: "What if that which I mention truly exists of brother?" The Messenger The Ever my in Almighty God P.m.b.u.h said: "If what thou mention truly exists in him, truly indeed thou backbiting against him. Truly if committed what mention does not exist him, then thou in committed truly thou have slander against him." a (According to Muslim)

Hadith 31 --- Remembering The Ever Almighty God

Messenger of The Ever Almighty "The God said: "The Al-Mufarridoon have preceded!" P.m.b.u.h They asked: "Truly who are the Al-Mufarridoon?" The Messenger of The Ever Almighty God "The said: who heedfully P.m.b.u.h men The Ever Almighty God verv often remember women who heedfully remember." the and (According to Muslim)

Hadith 32 --- Regarding Hearts and Actions

Almighty God does "Certainly, The Ever not ye faces Humankind, of look the at but of ye He looks at the hearts Humankind the actions of ye Humankind." and (According to Muslim)

Hadith 33 --- Being Good to the Neighbour "The person whose neighbour is not safe from his evil actions will not enter the Eternal Garden." (According to Muslim)

Hadith 34 --- Praying During Prostration "Truly when the servant prostrates, he is most near to his Eternal Sustaining Lord. Therefore increase your Prayer during prostration." (According to Muslim)

Hadith 34 --- Regarding Seeking Knowledge "Each and every person who takes the path to seek knowledge, The Ever Almighty God will make easy for such a person the path to the Eternal Garden." (According to Muslim)

Hadith 35 --- Loving For the Sake of The Ever Almighty God, The Ever Most Merciful Certainly, The Ever Almighty God will say on the Day of Resurrection and Judgement: "Where are those people who used to love one another for the Sake of My Glory? Today I will cover them in My shade, today there is no shade except My shade." (According to Muslim)

Hadith 36 --- Regarding the Mandatory Prayer "When the iqamah for the Mandatory Prayer is called, then there is no other Prayer except the Mandatory Prayer." (According to Muslim)

Hadith 37 --- The Earthly World is a Prison "The Earthly World is a prison for the true believer and a paradise for the unthankful disbeliever." (According to Muslim)

Hadith 38 --- Asking for Martyrdom and every person who asks "Each The Ever Almighty God for martyrdom with truthfulness. Ever Almighty God will elevate The such a the stations of the if person to martyrs even his bed." (According to Muslim) he dies on

Hadith 39 --- The Ever Supremely Honourable Qur'an

Supremely Honourable Qur'an "The Ever is in favour of argument thee the an Human Being against thee the Human Being." or (According to Muslim)

40 --- Repenting from Sins Hadith every person who truly "Each and repents committing a sin is just like the after person did commit any sin." who not (According to Ibn Majah)

The Intelligent Person Hadith 41 ----"The intelligent person is each every one who prevents himself from following iniquitous desires does good actions for righteous and he the death; and the Eternal Life after unintelligent who who follows iniquitous person is the one while having fake good hopes desires on The Ever Almighty God." (According to Tirmidhi)

Hadith 42 --- Regarding Giving Good Instructions "The Religion of Islam is giving Good Instructions." (According to Bukhari)

Hadith 43 --- The Brain of Worship "The Prayer is the Brain of Worship." (According to Tirmidhi)

Hadith 44 --- Regarding Modest Shyness "Modest shyness is part of the True Faith." (According to Bukhari)

Hadith 45 --- Regarding Backbiting "Backbiting is worse than adultery and fornication." (According to Bayhaqi)

Hadith 46 --- Regarding Goodness and Sin

"Goodness is having good character and the sin is that which knocks in your chest and that which thou would not like others to find out." (According to Muslim)

Hadith 47 --- The Entire Creation is The Family of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully The Ever Most Merciful, Compassionate, The Ever Praise, The Ever Owner of All Owner of All Glory, The Ever All Self-Sufficient Self-Reliant. The Ever Most Trustworthy, The Ever Most Truthful, Ever Most Mighty, The Ever Most High, The The Most Equitable, Ever The Ever Most Excellent Helper, The Ever Most Beautiful, The Ever Most Good-Looking, The Ever Most Glorious, The Ever The Ever of the Supreme Greatness, Owner Encompassing Over Everything, The Ever All Present Witness Over Everything, The Ever Living, The Eternal King of the Entire Universe. The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe

"The Entire Creation is The Family of The Ever Almighty God, truly the most beloved in the Sight of is The Ever Almighty God the person who is kindly good to His creation." (According to Bayhaqi)

Ahâdith 48 --- The True Muslim "The True Muslim is the person from whose tongue and his hands all the Muslims are always safe." (According to Bukhari)

Hadith 49 --- The True Believer "The True Believer is the person from whom Humankind always feel safe regarding their lives and their wealth." (According to Tirmidhi)

Hadith 50 --- The True Holy Warrior "The True Holy Warrior is the person who fights his own self to achieve the obedience of The Ever Almighty God." (According to Ibn Majah)

Hadith 51 --- The True Imigrant "Surely the true imigrant is the person who leaves all wrong actions and all sins." (According to Mishkat)

52 ---The Hadith True Believer Believer is "The of True the mirror another Believer and the True Believer is brother True True Believer, the True of another Believer prevents harm from reaching his brother and also protects his brother in his absence." he (According to Abu Dawud)

Hadith 53 --- Love for the Presnt Earthly World Muhammad, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Eternal King of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h has said: "The Love for the Present Earthly World is the root of each and every sin." (According to Bayhaqi) Hadith 54 --- The Best from among Humankind "The best from among ye Humankind is the person who learns the Ever Supremely Honourable Qur'an and teaches the Ever Supremely Honourable." (According to Bukhari)

Hadith 55 --- All the True Believers "All the True Believers are just like the body of one man; if his eye is painful the whole body feels the pain and if his head is painful the whole body feels the pain." (According to Muslim)

Hadith 56 --- The Most Beloved Actions "The most beloved righteous good actions in the Sight of The Ever Almighty God are those that are always consistently performed, even though those righteous good actions may be small." (According to Bukhari)

Hadith 57 --- The Superior Charity the Honourable Muhammad, and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet of The and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire to each and every one of the Universe Human the whole earth P.m.b.u.h has said: Beings on "The superior charity is to fill the empty stomach of the living being." (According to Bayhaqi)

Hadith 58 --- Following the Straight Path of The Ever Almighty God One Morning or One Evening "Following the Straight Path of The Ever Almighty God one morning or one evening is better than the present Earthly World and everything in it." (According to Bukhari) Hadith 59 --- The Heavenly Wisdom "One person who possess Heavenly Wisdom has greater power against the devil Satan than one thousand worshippers." (According to Tirmidhi)

Hadith 60 --- Praying for Forgiveness "There is good true news for each and every person in whose book of actions there is plentiful praying for Forgiveness for the Sins." (According to Ibn Majah)

Hadith 61 --- The Delight of The Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds

"The Delight of The Eternal Lord and Sustainer is in the Delight of the father, and the discontentment of The Eternal Lord and Sustainer in the discontentment of the father." (According to Tirmidhi)

Hadith 62 --- The Incorrect Actions "Each and every one of the Children of Adam P.m.b.u.h commit incorrect actions, truly the best from among those who commit incorrect actions are the ones who truly repent." (According to Tirmidhi)

Hadith 63 --- Each and every one is a custodian Muhammad, the Honourable and the Trustworthv Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God to each and every one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h has said: "Listen attentively; each and every one of ve Humankind is a custodian, truly each and every one of ye Humankind will be questioned his subordinates." (According to Bukhari) about

Hadith 64 --- Being Alone "Being alone is better then being in the company of the evil people." (According to Bayhaqi)

Hadith 65 --- Being in the company of others "Being in the company of the devoutly righteous people is better then being alone." (According to Bayhaqi)

Hadith 66 --- Saying Good Words "Truly saying good words is better than being silence, and being silence is better than saying bad words." (According to Bayhaqi)

Hadith67 ---TheDeathoftheTrueBeliever"ThedeathisthegoodgiftfortheTrueBeliever."(AccordingtoBayhaqi)

Hadith 68 --- The Speech of the Human Beings the Honourable and the Muhammad. Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to each and every one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h has said: every speech of every "Each child and of will be held against him, Adam P.m.b.u.h nothing will benefit him except commanding people do righteousness or prohibiting people from to evil or remembering The Ever Almighty God." (According to Tirmidhi)

Hadith 69 --- The Best Dhikr Remembrance

"The best Dhikr Remembrance is 'There is no God except The Ever Almighty God', and the best duaa supplication is 'All the Praise belongs only to The Ever Almighty God'. (According to Tirmidhi) Hadith 70 --- The Heavenly Knowledge "The Heavenly Knowledge out of which there is no benefit is just like a treasure out of which nothing is spent in the Straighty Path of The Ever Almighty God." (According to Dharmi)

71 --- Islam is Built Upon Hadith Five five, upon this "Islam is built upon that only Ever Almighty God must The be always worshipped, and to always disbelieve in each and every god that worshipped other than The Ever Almighty God, and to equitably perform Prayer, and to give the Mandatory Alms, the and the Mandatory Pilgrimage to the House, perform to to Fast during the month of Ramadan." and (According to Bukhari)

Hadith 72 --- Innovating in the Command the Honourable the Trustworthy Muhammad. and Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe one of the each and to every Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h has said: "Whoever innovates into this command of ours that not belong command, certainly, which does to our rejected." (According to Bukhari) it will be

Hadith 73 --- Performing Actions without the Command "Whoever performs any action that is not in accordance with our command, certainly, it will be rejected." (According to Muslim)

> Hadith 74 --- No Monasticism in Islam "There is no Monasticism in Islam." (According to Bayhaqi)

Hadith 75 --- The Lawful and the Prohibited

"Certainly, the Lawful is very clear and the Prohibited is very clear, and between the Lawful the Prohibited there are doubtful matters and which many from about among Humankind do have the knowledge. Truly each and not every person who saves himself from doubtful matters clears himself in regard to his Religion his Honour, and each and every person and falls into doubtful can fall matters into who Prohibited as the shepherd who pastures the sanctum. Listen attentively; truly indeed the Prohibited near every king has sanctum; Listen attentively: a truly the Sanctum of The Ever Almighty God upon His earth is His Prohibitions. Listen attentively; truly indeed in the body there a piece of flesh, whenever it is righteous, is the entire body is righteous, and whenever it corrupt the entire body is corrupt. Listen is attentively; that piece of flesh is the heart." (According to Bukhari)

Hadith 76 --- If The Ever Almighty God Intends to do Good to Someone from among Humankind

"If The Ever Almighty God Intends to do good to someone from among Humankind, He give such a person understanding of the Religion." (According to Bukhari)

Hadith 77 --- The Best in Islam

"The best from among all of ye in Islam are the ones with the best character, if they have Religious understanding." (According to Ahmad) Hadith 78 ---The Superiority of the Religious Scholar over the Worshipper 1 superiority of the Religious Scholar over "The the superiority worshipper is just like my over of ye Humankind. Certainly, The Ever the least Almighty God and His Angels and all the inhabitants of all the heavens and all the earths. hole and ant even every in their even every send Blessings upon each and every Religious fish teaches Humankind all that is good." Scholar who (According to Tirmidhi)

Superiority of the Religious The 79 ----Hadith the Worshipper 2 Scholar over Angels indeed the lower their "Certainly, wings for the seeker of the Heavenly Knowledge. Certainly, indeed whoever is in all the heavens and all the earth, and even whoever is in every fish depths of the water, indeed all in the of them pray for the Religious Scholar. "Certainly, indeed the superiority of the Religious Scholar the over worshipper is just like the superiority in the night "Certainly, the stars. of full moon over all indeed the Religious Scholars of inheritors all are the Prophets P.b.m.u.t. "Certainly, indeed all the Prophets P.m.b.u.t gold do not leave behind but rather coins, silver they leave behind and Heavenly Knowledge. Certainly, each and every hold taken of person who has the Heavenly Knowledge has taken hold of an abundant treasure." (According to Abu Dawud)

Hadith 80 --- Actions depend on their Endings

"Certainly, Actions depend on their endings." (According to Bukhari) Hadith 81 --- The Heavenly Knowledge

person who "Each every travels and in the Heavenly Knowledge, God will make easy of The Ever search Almighty for such the path to the Eternal a person Garden." (According to Muslim)

Hadith 82 --- If The Ever Almighty God Intends to do Good to Someone from among Humankind

"If The Ever Almighty God Intends to do good to someone from among Humankind, He give such a person understanding of the Religion." (According to Bukhari)

Hadith 83 --- The Heavenly Knowledge

"O each and every one of ve Humankind! Heavenly Knowledge is only possessed The by and understanding is only possessed learning by seeking understanding. If The Ever Almighty God do good to someone from among Intends to Humankind, He give such a person understanding Religion. Truly only those people of the fear The Ever Almighty God from among His serants, the people who have the Heavenly Knowledge." (According to Al-Mu'jam Al-Kabeer)

Hadith 84 --- The Best in Islam

from among all of "The ye in Islam best character, the best the ones with if are Religious understanding." have they (According to Ahmad)

Hadith 85 --- There is no Envy Except in Two

"There is no envy except in two cases; and and every man The Ever Almighty God given him wealth and he always spends each has the wealth rightly, and each and every man Ever Almighty God has given The him the Great Wisdom and he judges with the Great Wisdom and he teaches the Great Wisdom." (According to Bukhari)

Hadith 86 --- If The Ever Almighty God Guides

"I swear by The Ever Almighty God, if The Ever Almighty guides one man through thee, that is better for thee than a herd of expensive red camels." (According to Bukhari)

Hadith 87 --- Tradition Hadith

"May The Ever Almighty God brighten the face of the person who hears the tradition Hadith from us, then he memorizes it until he can convey the tradition Hadith to other people. Perhaps he will convey it to the person who understands better than him, and perhaps the person who conveys the heavenly knowledge does not understand it himself." (According to Abu Dawud)

Hadith 88 --- When the Human Being Dies

"When the Human Being dies all his actions come an end from him except for three: the exception is the ongoing charity or the Heavenly Knowledge by which benefit is received or the righteous child who prays for him." (According to Muslim) Hadith 89 --- Calling to the Heavely Guidance

"Each and every person who calls to the Heavely Guidance will have the reward just like each and every the reward to who person him without decreasing from their follows rewards least. And each and the even every person to the straying path will who calls have the upom him just like the sin sin to each every person who follows him. and without decreasing from their sins even the least. (According to Muslim)

Hadith 90 --- Reviving a tradition from the Sunnah

and every one of ye Humankind must "Each always know that, whoever revives one Sunnah Sunnah which indeed from my died out after will have me, certainly indeed such a person reward just like the reward the to each every person who follows the Sunnah without and decreasing from their rewards even the least. whoever innovates any straying innovation Trulv pleasing The Ever Almighty God and His not Messenger P.m.b.u.h, such a person will have sins just like the sins to each and every person who follows the straying innovation without decreasing from the burden of Humankind even the least." decreasing (According to Tirmidhi)

Hadith 91 --- Seeking Knowledge every person who "Each and goes away for to seek Heavenly Knowledge purpose the the the Straight Path always of The Ever is in Almighty God until such a person returs." (According to Tirmidhi)

Hadith 92 --- Hearing all that is Good

"The true believer is never satisfied from hearing all that is good until he arrives in the Eternal Garden." (According to Tirmidhi)

Hadith 93 --- The Present Earthly World is Damned

attentively! Certainly, the Present Earthly "Listen everything is damned and World is that in of it is damned. except the Remembering The Ever Almighty God with obedience and whatever facilitates the Remembering of The Ever Almighty God with obedience, and the Religious Scholar or Student." (According to the Religious Tirmidhi)

Hadith 94 --- The Seekers of two Concerns

"The seekers of two concerns are never satisfied; the seeker of the Heavenly Knowledge and the seeker of the Present Earthly World." (According to Al-Mu'jam Al-Kabeer)

Hadith 95 --- Who are the Most Knowledgeable

"Moses. the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, Most Merciful. The Creator The Ever of the Entire Universe P.m.b.u.h said: "Then who are the Most Knowledgeable from servants." among your Ever Almighty God said: "The Religeous The not satisfied with Heavenly Scholar who is his Heavenly Knowledge Knowledge and adds the of Heavenly Knowledge." Humankind to his own (According to Ibn Hibban)

Hadith 96 --- Seeking the Heavenly Knowledge going away "No from his person leaves seeking Heavenly Knowledge in the house except Angels lower their wings delight the in that the action such a person doing." because of is (According to Ibn Majah)

Hadith 97 --- Seeking the Heavenly Knowledge to Impress

who seeks every person "Each and the Heavenly Knowledge to impress Religeous the Scholars or the Heavenly Knowledge by with the to argue people by Heavenly foolish or to attract the attention Humankind Knowledge the of towards him. Almighty The Ever God will make such a the Hellfire." (According to Tirmidhi) enter person

Hadith 98 --- Learning the Heavenly Knowledge

"Whoever learns the Heavenly Knowledge that should always be sought for the Love of The Ever Almighty God, The Ever Most Powerful, The Ever Glorious. Heavenly Most but he only learns the purpose to gain Knowledge for the benefit some present earthly world, of the such a person the fragrance will never know even of the Eternal the Day of Resurrection and Garden on Judgement." (According to Abu Dawud)

Hadith 99 --- Asking for the Heavenly Knowledge

Knowledge is asked for the "Whoever Heavenly thereafter conceals it. that he knows, he The Almighty God Ever will clothe such a person Day with the bridle of Hellfire the of on Judgement." (According to Tirmidhi) Resurrection and

Hadith 100 --- The Knowledge that gives Benefit

"Each every of ye Humankind and one must Almighty always The Ever God ask for the knowledge that gives benefit, and each each and one of ye Humankind must always everv protection of The Almighty ask for Ever God Knowledge that does not give Benefit." from the (According to Ibn Majah)

Hadith 101 --- The Heavenly Knowledge will Disappear

the Honourable and "Muhammad, the Trustworthy Truthful Messenger Prophet and the and of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully of Compassionate to each and every one the the Human Beings on whole earth P.m.b.u.h said: "There will time when Heavenly be a the disappear." Ziyad "Thou will said: Knowledge Messenger of The Ever Almighty God how the Heavenly Knowledge will disappear when the we always the Ever Supremely Honourable will read will always the Our'an we Ever and teach Supremely Honourable Qur'an to children until our Day of the Ressurection Judgement." the and "Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet the and of and Ever Almighty God The to each and every the Human Beings one of on the whole earth P.m.b.u.h said: "May your mother be bereft of thee. Indeed I thought thou Ziyad! that were one of the wisest Medina. man in Do not these Christians Torah Jews and read the and the but they do not do Gospel, according the actions what in the Torah and the Gospel?" is to (According to Ibn Majah)

Hadith 102 --- Whoever speaks regarding the Ever Supremely Honourable Qur'an without Heavenly Knowledge

"Whoever speaks regarding the Ever Supremely Honourable Qur'an without the Heavenly Knowledge, truly such a person should take his seat in the Hellfire. (According to Tirmidhi)

Hadith 103 --- The Person who Deceives Us "The person who deceives us, truly such a person is not from among us. (According to Muslim)

Very Good Prayer prayed Hadith 104 --bv the Trustworthy Honourable Muhammad, the and Truthful Messenger Prophet and the and of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully every one of the Compassionate to each and Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h

"Thou The Ever Almighty God I ask for protection the Knowledge that does Thee from not give in that does not the benefit and heart submit and that is not full with the soul contentment and calling that is not answered positively." from the (According to Muslim)

Hadith 105 --- I Have Been Commanded to Fight

"I have been commanded to fight Humankind until they say is no God except there The Ever Truly when Humankind Almighty God. say there is no God except The Ever Almighty God. then be granted protection from they will me for and their property except by right of their lives justice, and their Reckoning Account is upon The Ever Almighty God." (According to Muslim)

Hadith 106 --- The Cure for Ignorance "Truly the only cure for ignorance is to ask questions." (According to Abu Dawud)

Hadith 107 --- Whatever I Have Prohibited

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and and the Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Knowing to each and every one of the on the whole earth Human Beings P.m.b.u.h has said: "From everything I have prohibited each and every one of ye Humankind, truly all of always avoid all of it. And everything ve must I have commanded each and every of one ve truly all of Humankind. ye must always do all as much as ye have the capability, of it truly the people before ye Humankind were destroyed only due to their excessive questioning and their disputing agaist their Prophets P.m.b.u.t. (According to Bukhari)

Hadith 108 --- Leave Whatever Makes Thee Doubt

"Each and every one of ye Humankind must always leave whatever makes thee doubt for whatever does not make thee doubt, truly indeed the truth brings peaceful contentment and truly untruth sows doubt." (According to Tirmidhi)

Hadith 109 --- From the Perfection of Islam

"Certainly, from the perfection of Islam the person leaves whatever does not concern him." (According to Tirmidhi) Hadith 110 --- A Condition for Having True Faith

of ye Humankind will have "None True Faith loves brother for his whatever until he he himself." (According to for Bukhari) loves

Hadith 111 --- It is Not Ever Permitted

Muhammad, Honourable and the Trustworthy the Truthful Messenger and Prophet the of The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Knowing, The Eternal King All of the Entire one of the every Universe to each and Human Beings whole earth P.m.b.u.h has said: on the not ever permitted to "It is shed the blood testifies that of anv Muslim man who there is God except The Ever Almighty God that no and Messenger of The Ever Almighty God am the Ι except in of P.m.b.u.h. any one three cases: married man who commits adultery the or a life life the person who or for abandons а and secedes from the community." his Religion true (According to Bukhari)

Hadith 112 --- Whoever Truly Believes

"Whoever truly believes in The Ever Almighty and the Final Day, truly such person must not God neighbor. And whoever truly believes harm his ever Ever Almighty God and the Final Day, The in truly such person should always honour guest. his whoever truly believes in The Almighty And Ever the Final Day, truly such person should God and always speak only that is good or remain silent." (According to Bukhari)

Hadith 113 --- Thou Must Always Fear The Ever Almighty God Wherever Thou Are

and every one of ye Humankind must "Each Ever Almighty God wherever always fear The thou are and thou must always follow each evil action with and every a good action, the evil good action will erase action. the thou must always behave with good and manners avery one of Humankind." each towards (According to Tirmidhi)

Hadith114---ThouMustAlwaysbeConsciousofTheEverAlmightyGod

certainly, I will teach young man, "Thou thee always be conscious words. Thou must some Almighty God, truly The of The Ever Ever Almighty God will always protect thee. always be conscious of The Thou must Ever Almighty God truly thou will always find Him very close to thee. Whenever ask, truly thou thou must always ask from The Ever Almighty God. And whenever thou ask for help, thou must always ask for help from The Ever Almighty God. And thou must always know with certitude that if the nations gathered together for the all purpose benefit thee in anything, they will to not be benefit thee except whatever The able to Ever indeed written Almighty God has for thee. And if all the nations gathered together for the purpose to harm thee in anything, they will not thee except whatever The Ever be able to harm has indeed written against thee. Almighty God The pens have been lifted and the pages have dried." (According to Tirmidhi)

Hadith 115 --- I Have Prohibited Iniquity

"The Ever Almighty God has said: "Ye each and every one of My servants; certainly, I have prohibited iniquity upon Myself and I have made iniquity amongst all of ye prohibited; therefore all of ye must not ever commit iniquity." "Ye each and every one of My servants; each and every one of ye are naked except each and every person I have clothed, therefore all of ye must pray for clothes from Me, truly I will clothe all of ye." "Ye each and every one of My servants; certainly, each and every one of ye commit by night and day; truly I forgive sins all sins, therefore each and every one must always ask for forgiveness from M of ye Me and I will forgive all of ye."

each and every one of My servants; "Ye of ye will not ever be all able to bring Me any harm and all of ve will not ever be able to bring Me any benefit." each and every one of My servants; "Ye all of ye and truly if the first of the of all of ye and all of ye the Human last Beings and all of ye the Jinn Beings were to be as devoutly pious as the most devoutly pious heart of any one of all of ye, all all that would not increase My Kingdom at all." "Ye each and every one of My servants; truly if the first of all of ye last of all of ye and all of ye and the the ye Human Beings and all of ye the Jinn Beings were to be as wicked as the most wicked heart of any one of all of ye, all that would not decrease My Kingdom all." at

"Ye each and every one of My servants; truly if the first of all ye and of the last of ye all of ye of all and the Human Beings all of ye the Jinn Beings were to stand in and place and each and every one of ye make one and if I give requests from Me. each and requested, whatever he that would everv person diminish from whatever I have not with Me would diminish more than a needle the any the needle is put into it." sea whenever

"Ye each every one and of My servants; the I it is only your actions keep account for each and every of ye, thereafter each of and of ye will be requited only every one according actions. Truly each and every person your to finds that is who all good, truly such a always praise The Ever Almighty God, person must every person who finds each and something that is good, truly such all other than a person anyone except himself." ever must not blame (According to Muslim 2577)

Hadith 116 --- Request the Ruling From Your Heart

"Thou must always request the ruling from your must always request the ruling spirit. thou from righteousness is everything vour heart, towards the peacefully content spirit is and towards the sinful is peacefully content, and heart action is everything that quivers in your spirit and puts your chest, even if all Humankind tension in approve the judgements to thee again and again." (According to Al-Darimi 2533)

Hadith 117 --- Charity is Mandatory Upon Every Joint

"Charity is mandatory upon each and every each and every one of Humankind ioint of for every day the and sun rises. Muhammad, each the Honourable and the Trustworthy and the Truthful and Prophet of The Ever Almighty Messenger God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Kind, The Most High, The Ever All Wise, The Ever The Creator Eternal King of the Entire Universe, and The Eternal Lord and Sustainer of the Entire Universe to each and every one of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h said: "Justly charity. Helping reconciling two people there is man with his animal and lifting his luggage a charity. He said, truly in each there and is every good word there is charity. And in and every step that thou take each towards the Prayer there is charity, and removing harmful things from any path there is charity." (According to Bukhari 2989)

Hadith 118 --- Many Ways to Give Charity

and every Glorification of "Certainly, in each Ever Almighty God there is charity, and The each and every Declaration of the in Greatness The Ever Almighty God there is charity, of and and every Praise of The Ever in each Almighty there is charity, and in each every God and Declaration that there is no God except The Ever Almighty God there is charity, and in commanding people to do righteousness there is charity, and charity." in prohibiting people from evil there is (According to Muslim 1006)

Hadith 119 --- Righteousness is Good Manners "Righteousness is good manners, and sinful action is everything that quivers in the chest of thee. and thou hate for Humankind to find out about it." (According to Muslim 2553)

Hadith 120 --- Every Innovation is Straying

Muhammad. Honourable the and the Trustworthy Messenger and Truthful Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Knowing, The Eternal King Entire All of the Universe to each and every one of the Human whole earth P.m.b.u.h Beings the has said: on "I every one of command each and Humankind always fear The Ever Almighty God. and to always obey, always listen and to even if to put abyssinian in charge slave is of all an whoever lives ve. Truly indeed of after me many disputes. Truly all of will see ve must and the always follow my Sunnah Sunnah of the righteous, guided successors. All of must hold firmly biting every Sunnah if to as with your teeth. And always beware of newly invented molar indeed every new truly invented matters. matter every innovation is innovation and straying." is an to Abu Dawud (According 4607)

Hadith 121 --- The Gates of All that is Good

"Shall I not tell thee the Human Being the gates of all that is good? Fasting is a shield and charity extinguishes every sin just like water extinguishes fire and the Prayer of a man in the late night." (According to Tirmidhi)

Hadith 122 --- Duties Made Mandatory "Certainly, The Ever Almighty God has made duties Mandatory, therefore all of ve Humankind ever neglect them. Truly The not Ever must Almighty God has set limits, therefore all of ve Humankind must not ever transgress them. Truly The Ever Almighty God has remained silent as a Mercy for upon some matters all of ve Humankind, of forgetfulness, therefore all of not out ever search ve Humankind must them out." not (According to Al-Daraqutni 4396)

123 --- Practice Asceticism Hadith the Human Being must practice "Thou asceticism in Present Earthly World and The Ever Almighty the will love thee. And thou God the Human Being must practice asceticism in whatever the Humankind and the Humankind will possess love thee." (According to Ibn Majah 4102)

Hadith 124 --- Whoever Sees Any Evil

Muhammad. the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger of The and Prophet and the Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Knowing, The Eternal King of All the Entire one of Universe to each and every the Human the whole earth Beings on P.m.b.u.h has said: among ye the true "Whoever believers from sees should transform it evil he with his any not have the capability to hand. If he does If tongue. so, then with does do his he not do so, capability to the then with his have heart, truly this is the weakest level of faith." (According to Muslim 49)

Hadith 125 --- The Servants of The Ever Almighty God

the true believers must "All of ye always beware of speculation, truly indeed speculation is most fake of narratives. And all of ye must seek faults in each other and all of not ever other not spy on each and all ye must ever of ve must not ever compete in opposition of ye must other and with each all not of ye must envy each other and all ever not of ye must hate each other and all ever not away from each other and all of ever turn ve believers must always be the the true servants of Ever Almighty God as The true brothers." (According to Bukhari 2989)

Hadith 126 --- Good Actions And Bad Actions

"Certainly, The Ever Almighty God writes all good all evil actions thereafter He makes actions and clear. Truly any person who intends them very to perform any good action then he does not Ever Almighty God perform it. The writes with Him as one complete good action. And if he intends to perform any good action then he performs it, The Ever Almighty God, The Ever Most Powerful, The Ever Most Glorious writes with ten good actions, or upto Him one good action as seven hundred times or increase it to a mighty increasing. And if any person intends to perform evil action then he does not performs any it. The Ever Almighty God writes with Him one complete good action. And if he intends to perform he performs it, any evil action then Ever The Almighty God writes with Him as one evil action." (According to Bukhari 6491)

Hadith 127 --- Whoever Relieves the Hardship of the True Believer in this Present Earthly World

the hardship of "Whoever relieves the True Believer in this present Earthly World, The Ever Almighty God will relieve his hardship the on Day of Resurrection and Judgement. Truly whoever any person ease for in hardship, makes it Ever Almighty God will make The it easy easy for him in this Present Earthly World and whoever conceals Trulv Hereafter World. the the of the True Muslim, evil actions The Ever his Almighty God will conceal evil actions in World present Earthly this and the Hereafter The Ever Almighty God always helps World. the as he long helps his Servant brother. as Whoever travels any path in search of the Knowledge, because The Heavenly of it Ever God will make easy for him Almighty the to the Eternal Garden. Truly there is Path no gathering of any people in any House from among The Ever Almighty God, reciting the Houses the Book of The Ever Almighty God and studying it collectively, but that peaceful serenity will descend upon them, and the Mercy will cover them, and Angels will surround them, and The Ever the Almighty God will mention them in the assembly of are near to The Ever Almighty God." those who (According to Muslim 2699)

Hadith 128 --- The Unintentional Mistakes

"Certainly, The Ever Almighty God has excused for my followers their unintentional mistakes and forgetfulness and whatever they are forced into doing." (According to Ibn Majah 2043) Hadith 129 --- The Friends of The Ever Almighty God

"Certainly, The Ever Almighty God said: has any friend "Whoever is hostile to of Mine. indeed I have declared war truly upon him. Truly My sevant does not grow closer Me to grades with anything more beloved Me in to from whatever duties I have made mandatory upon and My servant continues to grow closer to him, Me in grades with extra optional righteous good actions until I love him. Truly when I love him, always his hearing with which he hears Ι am and his eyesight with which he his sees and which he strikes and with hand with his foot which he walks. Truly if he asks something from Me, indeed I would grant it to him. Truly indeed if he asks Me for protection, indeed I will protect anything as I do not ever hesitate to do him. to take the Spirit of the true hesitate believer, Ι for he hates death and I hate to displease him." (According to Bukhari 6502)

Hadith 130 --- Discouragement of Excessive Eating Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet and and the of The Almighty God to each and every Ever one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h has said: "The son of Adam P.m.b.u.h cannot fill any than his stomach, vessel worse as it is for Adam P.m.b.u.h of enough the son to bites straighten his take few back. to if he do it, then Truly cannot he may third his fill his stomach with of food a third drink with of his and leave and a third himself breath." for to a (According to Tirmidhi 2380)

Hadith 131 --- Asking for Forgiveness for Sins

Ever Almighty God, The "The Ever Most Blessed, Exalted has "Thou Most said: The Ever each of Adam P.m.b.u.h; certainly, and every son thou ever call Me Prayer while placing if in I will forgiveness hope Me. award your in is within whatever to thee against thee and I Thou ever hesitate. will each not and everv of Adam P.m.b.u.h; if thou have sins son piling up to the heaven, thereafter thou Pray for Forgiveness from Me, I will award forgiveness I will thee and hesitate. to not ever "Thou every son of P.m.b.u.h; each and Adam come with certainly, if thou to Me SO many sins the whole earth thereafter to cover without associating anything thou Me as a meet indeed I will with Me. come to thee partner enough Forgiveness to cover the whole earth." with (According to Tirmidhi 3540)

Hadith 132 --- Be In This Present Earthly World

Human Being must always Thou the be in Present Earthly World if thou this as are a path." traveler along a a stranger or (According to Bukhari)

Hadith 133 --- Each and Every Person from among Humankind who cheats the True Muslims

"Each and every person who carries weapons against us, truly such a person is not from among us, surely each and every person who cheats us, truly such a person is not from among us." (According to Muslim)

1472

Hadith 134 --- Obeying the Messenger P.m.b.u.h

and every person from my followers "Each will enter the Eternal Garden except the person who refuses." They asked: "Thou the Messenger of The Ever Almighty God P.m.b.u.h, trulv who refuse?" The Messenger of The Ever Almighty will "Each and every person God P.m.b.u.h said: who obeys me, such a person will enter the Eternal Garden. Truly each and every person who disobeys a person has surely indeed such refused." me. (According to Bukhari)

Hadith 135 --- Remembering The Ever Almighty God

"Thou the Human Being must always keep your tongue moist with the Remembrance of The Ever Almighty God." (According to Tirmidhi 3375)

Hadith 136 --- Understanding of the Religion

"Each and every person to whom The Ever Almighty God intends all that is good, He awards such a person understanding of the Religion." (According to Bukhari 71)

Hadith 137 --- Conveying the Hadith Tradition

"May The Ever Almighty God brighten the face of every person who hears Hadith a tradition thereafter he memorizes it until he from us So perhaps convey it to others. he will can the person who understands convey it to better perhaps the person who conveys him, and than knowledge does not understand it himself." the (According to Abu Dawud 3660)

Hadith 138 --- The Works and the Righteous Good actions that will join the True Believer

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Ever Almighty God to each everv one and of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h has said: "Certainly, the works and the righteous good actions that will join the True Believer after his death the Heavenly Knowledge which he taught are: and spread and the righteous child he leaves behind and the copy of the Ever Supremely Honourable Qur'an he leaves for inheritance or the Mosque he or the house he has built for travelers has built river he has completed or a the charity or he distributed from his wealth during his health and will join him after death." his life. These actions (According to Ibn Majah 242)

139 ---Hadith Striving in Jihad "Whoever enters this our Mosque for the purpose good, or to learn that is all teach to it he is just like the person himself. striving hard in the Straight Path of The Ever Almighty And whoever God. it for any enters he is just like the other reason. person observing something that does not belong to him." (According to Musnad Ahmad 8396)

Hadith 140 --- The Outsider Who Leaves his House

outsider who leaves his house "There is no the Heavenly Knowledge in search of except Angels always lower their wings that the in delight of whatever work he is doing." (According to Ibn Majah 226)

Hadith 141 --- The Seekers of Two Concerns

"The seekers of two concerns are not ever satisfied; the seeker of the Heavenly Knowledge and the seeker of the Present Earthly World." (According to Al-Mujam Al-Kabir 10239)

Hadith 142 --- Concealing the Heavenly Knowledge

"Whoever is asked for the Heavenly Knowledge thereafter he conceals the Heavenly Knowledge while possessing it, The Ever Almighty God will cloth such a person with a bridle of Hellfire on the Day of Resurrection and Judgement." (According to Tirmidhi 2649)

Hadith 143 --- Asking for the Knowledge

"All of ye Humankind must always ask for Knowledge that gives benefit, and all of ye Humankind must always ask for protection from The Ever Almighty God from the Knowledge that does not give benefit."

(According to Ibn Majah 3843)

Hadith 144 --- Whoever Speaks on The Ever Supremely Honourable Qur'an without knowledge

"Whoever Speaks on the Ever Supremely Honourable Qur'an without knowledge, then let him take his seat in the Hellfire." (According to Tirmidhi 2950)

Hadith 145 --- The Only Cure For Lack of Knowledge

"The only cure for lack of Knowledge is to ask questions." (According to Abu Dawud 336)

Hadith 146 --- Prayer Regarding the Heavenly Knowledge

"Thou The Ever Almighty God, Thou please give whatever Heavenly Knowledge benefit from me taught, and Thou please teach Thou have me whatever Heavenly Knowledge will give benefit. me please increase knowledge." And Thou me in (According to Tirmidhi 3599)

Hadith 147 --- The Example of the Religious Scholar

"The example of the Religious Scholar who teaches that is good while he Humankind all forgets just like the example himself, is of the sun giving light to Humankind while it burns itself." (According to Al-Mujam Al-Kabir)

Hadith 148 --- The United Community

"Certainly, The Ever Almighty God will not ever all my followers to agree upon the gather straying Truly The Mighty Hand of The path. Ever Almighty God is over the united community." (According to Tirmidhi 2167)

Hadith 149 --- The Feet of the Servant will not move on the Day of Resurrection and Judgement

"The Feet of the Servant will not move on the Day of Resurrection and Judgement until he is regarding his whole lifetime asked and how he and regarding his Heavenly Knowledge used it. and upon it, and regarding his wealth how acted he where he acquired it and how he spent it, from regarding his body how he and exhausted it." (According to Tirmidhi 2417)

Hadith 150 --- Every Word of Great Wisdom "Every word of the Great Wisdom is the lost treasure of the True Believer. Therefore wherever he finds it, truly he has the justified right to have it." (According to Tirmidhi 2687)

Hadith 151 --- Richness and Poverty is in the Heart

is in the heart "Richness and poverty is in the heart. Whoever is rich his heart, he will in not be harmed no matter what meets him from the present earthly world. Truly whoever is poor in his heart then he will not be contented no matter how the present earthly world. Truly much he has in he will only be harmed by the greed of himself." (According to Al-Mujam Al-Kabir 1643)

Hadith 152 --- Reaching the Reality of the True Faith

will "The servant not ever reach the reality of the Faith until love each True he for and Humankind of whatever every one he loves all for himself from that is good." (According to Ibn Hibbân 235)

Hadith 153 --- Not to Have any Evil in the Heart

"Thou young man, if thou have the capability and every evening every morning not to have evil in your heart towards any any person, Thou always do then thou must it. young truly from my Truly this is Sunnah. man. my Sunnah, truly revives whoever indeed he Truly loved whoever will has me. loves me with in the Eternal Garden." be me (According to Tirmidhi 2678)

Hadith 154 --- How to Soften the Heart

"If thou the Human Being intend to soften your heart, then thou should feed the poor person and thou should caress the head of the orphan." (According to Masnad Ahmad 7576)

Hadith 155 --- The person who strives hard in Jihad

"The person who strives hard in jihad is the person who strives hard in jihad against himself." (According to Tirmidhi 1621)

Hadith 156 --- Prayer for Devout Righteousness

"Thou The Ever Almighty God, thou please award my spirit its devout righteousness and thou please sanctify it, thou are The Ever Best to sanctify it." (According to Muslim 2722)

Hadith 157 --- The Two Beloved Actions

"Thou the Human Being it is mandatory upon thee to have good manners and observing long period of silence. Truly I swear by The One in Whose is the Spirit of Muhammad P.m.b.u.h, no one can perform actions more beloved to The Ever Almighty God than these two actions." (According to Shu'ab Al-Imân 4591)

Hadith 158 --- The Hearts between The Fingers

"Yes; certainly, all the hearts are between the Two Fingers of the Fingers of The Ever Almighty God, He Alone turns the hearts whatever way He Wills." (According to Tirmidhi 2140)

1478

Hadith 159 --- Regarding Arrogance in the Heart

"No Human Being will enter the Eternal Garden in whose heart there is from arrogance as much as the very weight of the mustard seed." (According to Masnad Ahmad 7015)

Hadith 160 --- Truly Forgiveness is Awarded

"The the Eternal Garden Gates of opened are every Monday and every Thursday. Truly on forgiveness is awarded to each and every servant anything as a partner not associate who did The Ever Almighty God, except with the man has enmity between himself and between who brother. Truly it is said: "Delay his these two until they reconcile, delay these two until they delay these two until reconcile. they reconcile." (According to Tirmidhi 2565)

161 ---Asking The Ever Almighty God, Hadith The Ever Most Merciful to do all good the evil actions and to abandon all the actions

"Thou The Ever Almighty God, I ask Thee to help the good actions and to do all abandon to me the evil actions and to love all the all poor people and that Thou always forgive me and Thou always award me Mercy. Truly if thou ever intend to put people to trial test, then thou please aways from this present earthly world take me without being put to trial test. I ask Thee for love and the love of each every Your and one and the love of each who loves Thee and every action that brings me closer to Your love." (According to Tirmidhi 3235)

Hadith 162 --- Submitting is Mandatory

Honourable the and the Muhammad. Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of the The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever The Ever Most Compassionate, Merciful. The Ever Knowing, The Eternal King All of the Entire each of and every one Universe to the Human earth P.m.b.u.h the whole has said: Beings on The One "I Whose Mighty Hand by swear in Spirit, ye people mv will enter is not the Garden until all of ye Eternal submit to God, truly ye will The Ever Almighty not until ve love one another. Truly submit all of spread peace then ye will love must ve one Truly all of ye must always onother. beware hatred, truly indeed hatred is the razor. I of do all of ye that to the razor shaves not say but rather it shaves away the Religion. hair. (According to Al-Adab Al-Mufrad 260)

Hadith 163 --- A Man Asked the Messenger of The Ever Almighty God, What is Islam

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefullv Ever Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Knowing, The Eternal King A11 of the Entire each the Human every of Universe to and one the whole earth Beings P.m.b.u.h has said: on "That thou the man submit your heart to Ever Almighty God, The Ever Most The Powerful. Ever Most Glorious, and that The all the Mulims always safe from your tongue and your hand." are (According to Masnad Ahmad 1727)

Hadith 164 --- One of the Best Prayers

Honourable the and the Trustworthy Muhammad, Truthful Messenger and Prophet the of The and Almighty God, The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful. The Ever Knowing, The King All Eternal of the Entire of and every one Universe to each the Human whole earth P.m.b.u.h Beings on the has said: Ever Almighty God, Thou please "Thou The create love between bond our and the of hearts Thou make righteous everything between please and us please guide us Paths of peace the Thou and please thou rescues us from the darknesses into clear light Thou please the and keep us away from immoralities, whatever of them apparent are whatever concealed and Thou please and are greatly bless for in hearing and us our our eyesight and and and our hearts our spouses children. And Thou please our turn to us with Mercy; certainly, Thou The indeed are Ever Accepting of Repentance, The Ever Most Merciful. thankful for please make And Thou us your and Blessings, uncountable Favours Praising always and always accepting your uncountable thee only Blessings and thou please complete Favours and and Blessings Favours upon us." Your (According to Abu Dâwûd 968)

Hadith 165 --- The person who does not have anything from The Ever Supremely Honourable Qur'an

"Certainly, any person who does not have anything Supremely Honourable The Qur'an Ever from his is just like house." in chest a ruined (According to Tirmidhi 2913)

1481

Hadith 166 --- The True Faith and Envy

Faith "The True and envy cannot ever form interior together in the the of who servant is the True Believer." (According to Al-Nasā'i 3109)

Hadith 167 --- The True Faith and Stinginess "The True Faith and stinginess cannot ever form together in the heart of the servant." (According to Al-Nasā'i 3111)

Hadith 168 --- Miserliness and bad Manners

qualities cannot ever form together "Two in True Believer: miserliness and bad manners." the (According to Tirmidhi 1962)

Hadith 168 --- The Sin Completely Cover the Heart

the Honourable and the Trustworthy Muhammad, Truthful Messenger and Prophet of The the and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate to each and every one of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h has said: "Certainly, whenever any servant commits any sin, a black dot appears upon his heart. Thereafter if the abandons the and Prays for Forgiveness sin sevant his heart will be purified. repents, then and Truly if he returns the black dots commit sin. to increased until black dots be completely will the his heart. Truly that is the covering cover Almighty God mentioned: The Ever has which in fact the stains of Certainly not! But sins iniquitous transgressors which the sinful have have completely covered their hearts." (83-14) earned (According to Tirmidhi 3334)

Hadith 169 --- The Best Wealth

"The best wealth is the tongue that remembers Almighty the God and The Ever heart always thankful to The Ever Almighty that is wife God and the believing who helps his Faith." in True the True Believer Tirmidhi (According to 3094)

Hadith 170 --- Desiring the Present Earthly World

and every person who desires the Present "Each The Ever Almighty God will World, Earthly disperse his affairs He will make and poverty appear before his eyes, and he will get not anything from the Present Earthly World except whatever has been written for him. Trulv each every person who desires the Hereafter and Almighty God Ever will settle World, The his will make him and He content in affairs the Present Earthly World and will heart. come it." although he is reluctant regarding him to (According to Ibn Mājah 4105)

Hadith 171 --- Praying for Forgiveness from The Ever Almighty God one Hundred Times Every Day

the Honourable and the Muhammad, Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of and the The Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate to each and every one of the Human whole earth P.m.b.u.h has Beings on the said: "Truly indeed, at times there is fog upon my truly I Pray for Forgiveness from The heart, Ever Almighty God one hundred times every dav." (According to Muslim 2702)

Hadith 172 --- Praying for The Clear Light

"Thou The Ever Almighty God, Thou please make clear light in my heart and clear light in my tongue. And Thou please make clear light my hearing and Thou please make in clear light Thou clear my eyesight. And please in make behind me and clear light light in front of Thou please make clear light me. And above light below me. clear Thou The Ever me and Almighty God, Thou please award light." me clear (According to Bukhāri 6316)

Hadith 173 --- The One Who Conquers Himself

strong person is "The the not one who Humankind, conquers but rather the strong one who is the himself." person conquers (According to Mushkil Al-Athār 1645)

Hadith 174 --- The Triumphant Person

"Indeed whoever has submitted himself to The Ever Almighty God is the triumphant person and whoever is has been provide sufficient sustenance and The Ever Almighty God has made him content with whatever good things He has given him." (According to Muslim 1054)

Hadith 175 --- The True Believers in the True Faith

most complete of "Certainly, the the True the True Faith Believers in the are ones with best character and the the ones who kind to their families." most are (According to Tirmidhi 2612)

Hadith 176 --- A Man Asked What is Islam the Honourable the Muhammad. and Trustworthy Truthful Messenger of the and Prophet The and Almighty God, The Ever Most Ever Gracefullv Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Knowing, A11 The Eternal King of Entire the Universe each and one of the to every Human whole earth Beings on the P.m.b.u.h has said: The submit your "That to thou heart Ever Almighty God and that all the Muslims are always safe from your tongue and your hand." (According to Masnad Ahmad 17027)

Hadith 177 --- How to Treat All Humankind

"Whoever loves to saved from be the Hellfire made to the Everlasting Garden. and enter should surely he meet his end while he is Ever Almighty a true believer in The God and should always the Final Day, and he treat all just like he would love be Humankind treated." Muslim 1844) (According to

Hadith 178 --- The Merciful People

Muhammad, the Honourable the and Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Ever Almighty God to each every one and of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h "The merciful said: people has are the who ones awarded Mercy by will The be Ever Most Compassionate. Ye each and Gracefully every one Humankind always be merciful of must to is the earth and The One whoever in Who in heaven will Merciful is the be ve." to (According Tirmidhi to 1924)

Hadith 179 --- Some of The Commandment

"Thou the Human Being must always be truly and thou will be the most pious devout of Humankind. And thou the Human Being must be the always content and thou will be most thankful of Humankind. And thou Human the always love for all Being must Humankind love for yourself and whatever thou thou will be the True Believer. And the thou Human Being must always be act righteously with neighbors whoever is your neighbor the and be the will True Muslim. And thou thou always laugh less, Human Being must the truly too much laughter kills the heart." indeed 4217) (According to Ibn Mājah

Hadith 180 --- The Mercy for All the Worlds

"Certainly, I have not been sent to invoke curses, but rather I have only been sent as the Mercy." (According to Muslim 2599)

Hadith 181 --- The True Believer

"The True Believer does not insult others does not curse others and he and he is dangerous and he is not shameless." not (According to Tirmidhi 1977)

Hadith 182 --- A Man Asked, Which Islam is Best?

people and to greet with То feed peace people thou the Human recognize Being those thou the Human Being do not recognize." and (According to Bukhāri 28)

1486

183 --- Whoever Has Three Values Hadith values, "Whoever has three truly indeed has completed the True such person a from yourself to everything fairness Faith. and offering peace to the whole world and spending in charity in poverty." while to Ibn Abi (According Shaybah 30440)

Hadith 184 --- Superiority By Devout Piety

Honourable the Trustworthy Muhammad. and the Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate to each and every one of the Human Beings the whole earth P.m.b.u.h has on said: every each and of Humankind! 0 ye one Listen attentively; certainly, The Eternal Lord of of ye Humankind all Sustainer is and Ever Only One. And certainly, the father The of all of ye Humankind is Adam P.m.b.u.h attentively; there one. Listen is only no superiority for any Arab over ny foreigner, nor any foreigner over any Arab, and for nor for person with white skin over any person with any nor for any person with black skin. and black person with white skin, except skin any bv over devout piety. Have I not delivered the Message." (According to Masnad Ahmad 23489)

Hadith 185 --- Definition of Arrogance

"Certainly, The Ever Almighty God is The Beautiful Most and He loves Ever beauty. arrogance is rejecting of the Definition Whole looking down on Humankind." Truth and (According to Muslim 91)

Hadith 186 --- Always Be Humble Honourable the the and Muhammad. Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The the and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most The Merciful, Ever All Knowing. The Eternal King of the Entire every Universe to each and of one the on the whole earth Human Beings P.m.b.u.h has Almighty "Certainly, The Ever God said: has Miraculously Revealed that of to me all ve always be humble Humankind must SO that no against transgresses any person ever person person boasts against any person." nor any (According to Muslim 2865)

Hadith 187 --- The Equitable People

"Certainly, the equitable people will be in the Presence Almighty God of The Ever upon pulpits of clear The light, near Right Hand Gracefully of Most Compassionate, The Ever Ever Glorious. The The Most Exalted, Ever Most of His And near both sides will be the ones justice in who practiced judgements true their their families and whatever they did." and (According to Muslim 4493)

Hadith 188 --- The Ever Almighty God Looks at the Hearts and at the Actions of Humankind

"Certainly, The Ever Almighty God does not look invented forms of ye Humankind the at or of ye Humankind, the wealth but rather The at Almighty God looks at the hearts of Ever ve Humankind and at the actions of ye Humankind." (According to Muslim 2564)

Hadith 189 --- Following The Straight Path

Faith will follow Straight "The True not the Heart follows the the Straight Path. Path until Truly the Heart will not follow the Straight Path Straight Path. until the tongue follows the Trulv will not enter the Eternal Garden man if his a neighbor is secure from his not peacefully evil." (According to Masnad Ahmad 13047)

Hadith 190 --- Awards For Kindness

"Certainly, The Ever Almighty God is The Ever Kind Companion and He Most loves kindness. The Ever Almighty God awards for kindness He does not award for harshness, what anything else and He does not award like it." Muslim 2593) (According to

Hadith 191 --- Reconciliation Between Humankind

"Shall I not tell ye Humankind something superior grade than Fasting and and Prayer Charity? in companions said; "Of course!" The Mess The Ever Almighty God P.m.b.u.h Messenger The of said: "Reconciliation between Humankind. Truly indeed. between Humankind is the razor." relations evil (According to Tirmidhi 2509)

Hadith 192 --- Giving in Charity

O ye each and every one of Humankind! Ye must protect yourselves from always the Hellfire, truly half of date in charity. with a Truly even cannot find it, than with a good word." whoever (According to Bukhāri 6540)

Hadith 193 --- Three Good Values

"Giving charity does not ever decrease from wealth, truly The Ever Almighty God does not increase any servant who pardons except in honour, and no one humbles himself for the sake of The Ever Almighty God except that The Ever Almighty God raises him in grades." (According to Muslim 2588)

Hadith 194 --- Every Righteous Good Action

"Every righteous good action is a charity. Truly indeed, it is a righteous good action to meet your brother with a cheerful face." (According to Tirmidhi 1970)

Hadith 195 --- The Upper Hand is Better

"The upper hand is better than the lower hand. Truly the upper hand is one that spends and the lower hand is one that begs." (According to Bukhāri 1429)

Hadith 196 --- The Steadfast Patience

"No person has been given any gift better and more enriching than the steadfast patience." (According to Bukhāri 6470)

Hadith 197 --- Thankful to The Ever Almighty God

"The servant will not be thankful to The Ever Almighty God, whoever is not thankful to Humankind." (According to Abu Dāwud 4811)

1490

Hadith 198 --- Modesty Shyness "Modesty shyness does not bring anything except all that is good." (According to Bukhāri 37)

Hadith 199 --- Modesty Shyness "Modesty Shyness is everything that is good." (According to Muslim 37)

Hadith 200 ---The True Believer Trustworthy Muhammad. the Honourable and the Truthful Messenger and Prophet and the of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever All Knowing, The Eternal King of the Entire Universe and every one of the Human to each Beings whole earth P.m.b.u.h has said: the on I not tell ye Humankind "Shall about the True The Believer True Believer? is the one who is trusted by Humankind with their and their lives. Truly the True Muslim wealth is the one from whose tongue and his hand Humankind are peacefully safe. Truly the one striving the straight path of in Jihad in The Ever hard the one who strives hard Almighty God is in Jihad against himself in obedience to The Ever Almighty God. Truly the emigrant is the one who emigrates away from incorrect actions and sins." (According to Masnad Ahmad 23958)

Hadith 201 --- The Strong Person

"The strong person is not the one who fighter. Truly, the strong best is the persons powerful who has is the one control over himself whenever he is angry." (According to Bukhāri 6114)

Hadith 202 --- Every One is the Guardian the Honourable the Muhammad. and Trustworthy Truthful Messenger the and Prophet of The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe to each and every one of the Human the whole earth P.m.b.u.h Beings has on said: and of attentively; each every one "Listen ve is the guardian, truly each Humankind and of ye Humankind will be questioned every one ones under his guardianship. Truly about the the one who is the guardian leader. the Imam Humankind, truly he will be questioned over ones under his guardianship. Truly about the guardian over people is the the the man his house, truly he will be questioned of under his guardianship. Truly the about the ones guardian over woman is the the people of the house of her husband and his children. will be questioned about truly she the ones under her guardianship. And the servant of the guardian over the the property his man is of master, truly he will be questioned his about property. Listen attentively; truly, each and every ye Humankind is the guardian, one of truly ye Humankind will each and every one of be questioned about the ones under his guardianship." (According to Bukhāri 7138)

203 --- Concealing The Incorrect Actions Hadith "The servant does conceal the not incorrect of another in actions servant the Present Earthly The World except Almighty Ever that God will conceal his incorrect actions on the of Resurrection and Judgement." Dav (According to Bukhāri 6307)

204 --- The Most Beloved Humankind Hadith "The beloved Humankind The most to Ever God the who Almighty are ones are most Humankind. beneficial to The most beloved The Ever Almighty is actions God to to make the Muslim happy from him or remove trouble or end from him debt to any or him Truly indeed to remove from hunger. that brother regarding I with a is walk a need that I isolate beloved to than more me myself Mosque for this whole month. in Medina the anger, then Truly whoever stops his The Ever will his Almighty God conceal faults. Truly wrath, even though whoever controls his he could his wrath if he willed. then The fulfill Ever Almighty God, The Ever Most Exalted, The Ever Most Glorious will make his Heart peacefully the Day of Resurrection Judgement. on and secure Truly whoever walks with his brother regarding a fulfills it for him, need until he then The Ever Almighty God, The The Ever Most Exalted. Ever Glorious make his firm will footing Most across the footings will the bridge when be shaken." (According to Al-Mujam Al-Awsat 6026)

Hadith 205 I Prav for Forgiveness ---Honourable and the Muhammad. the Trustworthy and the Truthful Messenger Prophet of and Almighty God, The King The Ever Eternal of Universe each the Entire to and everv one of the whole earth P.m.b.u.h Humankind on has said: Ϋ́ by The Ever Almighty God; swear truly Pray Forgiveness indeed. Ι for from The Ever God and Almighty Ι turn Him to in repentance every day more than seventy times." (According to Bukhāri 6307)

Hadith 206 --- The Example of the True Believers

"The the True Believers example of in their affection and their Mercy and their Love of for each other is that body, whenever part of body aches, the whole body any with sleeplessness fever." and reacts (According to Bukhāri 6011)

(According to Bukilan 0011)

Hadith 207 --- Ye Must Always Be Truthful

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of The and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe to and every each one of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h has said: "All of ye Humankind must always be truthful. Truly indeed, the truth leads to righteousness certainly righteousness leads the Eternal to and Truly a man continues to be Garden. truthful and he encourages truthfulness until he is written down with The Ever Almighty God as the truthful. all of ye Humankind must always And beware Truly indeed, the untruth leads untruth. of to and certainly wickedness wickedness leads to the Hellfire. Truly a man continues to be untruthful and he encourages untruthfulness until he is written down Ever Almighty God with The the untruthful." as (According to Muslim 2607)

Hadith 208 --- Calmness And Hastefulness

"Calmness is from The Ever Almighty God and hastefulness is from the Devil Satan." (According to Al-Sunan Al-Kubra 20270)

Hadith 209 --- Who From Among Humankind is Destitute

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Messenger Truthful Prophet the and and of Almighty God, The Eternal King of The Ever Universe the Entire to each and every one earth Humankind of on the whole P.m.b.u.h said: "Do who ye is all of know destitute? companions said: "The one without money The goods is destitute." Muhammad, the Honourable or Trustworthy and the Truthful Messenger and the of Prophet The Ever Almighty God. and of Entire Universe King The Eternal the to of Humankind each and everv one on the earth P.m.b.u.h said: "Certainly. whole from followers destitute is the the my one among of Resurrection will come on the Day who Judgement with the Prayers and and the and Mandatory Alms, fastings the but indeed with unjust will insults he also come and consuming unjust slander and unjustly of wealth unjustly shedding blood of and others others beating others. Truly unjustly every unjustly and harmed person will be given from his righteous actions. Truly if his righteous good good depleted before whatever is justly actions due are then the incorrect unjustly actions of from him. will upon people be him, harmed cast he will thereafter be thrown into the Hellfire." (According to Muslim 2581)

Hadith 210 --- The True Richness

"The true richness is not having many possessions, but rather, true richness is the richness of the Spirit." (According to Bukhāri 6446) Hadith 211 --- The Seven Who Will Have Shade

whom The Ever Almighty "There are seven to will award Shade in His Shade the God on Day when when there will be no Shade except Shade. Just Imam leader His They are the young the person who in and grew up the worship of The Ever Almighty God man who heart is attached to the and the Mosques who love each other men and the two because of The Ever Almighty God, of both meet because of The Ever Almighty God them they depart because of The Ever Almighty and who is invited by a beautiful God and the man commit fornication, of high status to woman but says I fear The Ever Almighty God and the he spends in charity and conceals it who man such a way that his right hand does in not know what his left hand has the spent and The Ever Almighty who remembered God man unseen and his had tears." in private eyes (According to Bukhāri 660)

Hadith 212 --- Muslims are Just Like a Single Man

"All the Muslims are just like a single man. eye is afflicted, then the who afflicted, truly if his had is If his whole body afflicted, becomes body becomes whole afflicted." then the (According to Muslim 2586)

Hadith 213 --- Praying for the Brother servant Prays for Muslim his "No brother back except the Angel always behind his thee says: "And for just like it." (According to Muslim 2732)

Hadith 214 --- One of the Best Prayers

the Honourable and the Muhammad, Trustworthy Truthful Messenger and Prophet the of and Almighty God, The Ever Eternal King of The Universe to the Entire each and every one Humankind the whole earth P.m.b.u.h said: of on "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me! please help me to be the Thou who one always thankful to always remembering thee, is always being fearful of thee, always thee. thee, always being being obedient to humble always being kind-hearted and always thee, to turning to thee in repentance. Thou The Eternal Lord Sustainer of me! Thou please accept and my repentance and thou please wash away my sins and Thou please accept my Prayers and proof my make firm Thou please and and Thou please direct my tongue Thou please always guide please remove the r heart and my Thou my chest." from rancor (According Tirmidhi 3551) to

Hadith 215 --- What is the Purification of the Spirit

"A asked: "What is the Purification of man Spirit? Muhammad, the Honourable the and the the Truthful Messenger and Prophet Trustworthy and The Ever Almighty God, The Eternal King of Universe Entire to each and every of the one Humankind the whole said: earth P.m.b.u.h of on "That the Human Being always has the Knowledge that The Ever Heavenly Almighty Ever Most Exalted, The God. The Ever Most Glorious is always with him wherever he is." Al-Mujam Al-Saghir 555) (According to

Hadith 216 --- Questions in the Eternal Afterlife World

"Certainly, The Ever Almighty God, The Ever Most Exalted, The Ever Most Glorious will say on the Judgement: "Thou the Day Resurrection and son of Adam P.m.b.u.h! I was sick but thou did not of Adam P.m.b.u.h visit Me. The son will say: Sustainer The "Thou Eternal Lord and of me, how can I visit Thee, truly Thou are The Eternal and Sustainer of all the Worlds? Lord The Ever Almighty God will say: "Did thou not know that My sick but servant thou did of was one visit him, did thou not know that if thou not him, thou had visited would have found Me with him." "Thou the of Adam son P.m.b.u.h! I asked thee for food but thou did not feed The son of P.m.b.u.h Me. Adam will say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me. how can I feed Thee, truly Thou are The Eternal all the Worlds? The and Sustainer of Ever Lord Almighty God will say: "Did thou not know that of My servant asked thee for food one but did not feed him, thou did thou not know if thou had fed him, thou would have found that Me." "Thou the son of Adam P.m.b.u.h! with that asked thee for drink but thou did not provide Ι of Adam P.m.b.u.h will drink for Me. The son say: "Thou The Eternal Lord and Sustainer of me. can I provide drink for Thee, truly Thou how are Eternal Lord and Sustainer of all the Worlds? The Ever Almighty God will say: "Did The thou not one of My servant asked know that thee for did not provide drink thou drink for him. but thou not know that if thou had provided did drink for him. thou would have found that with Me." (According to Muslim 2569)

Hadith 217 --- The True Faith Will wear Out

"Certainly, the True Faith of one ye the true believers will wear out in the chest, just like a shirt becomes worn out, therefore all of ye must always ask The Ever Almighty God to renew the True Faith in your Hearts." (According to Al-Mustadrak 'ala' Al-sahihayn 5)

Hadith 218 --- Thou Must Spend In Charity

The Ever Almighty God has said: "Thou the son of Adam P.m.b.u.h; thou must spend in charity, and I will spend on thee." (According to Bukhāri 5352)

Hadith219---The EverAlmightyGod isAlwaysSpendingbyNightandbyDay

"The Right Mighty Hand of The Ever Almighty God is always full and it is not ever decreased by continuous spending by night and by day. Have ye Humankind observed that The Ever Almighty God has been spending since the creation of the Heaven and the earth, truly indeed it has not decreased whatever is in The Right Mighty Hand of The Ever Almighty God." (According to Bukhāri 7411)

Hadith 220 --- My Mercy is Always Victorious

"When The Ever Almighty God completed the creation, He Wrote in His Book, truly that Book is with Him upon the Throne; certainly, My Mercy is always victorious over My Anger." (According to Bukhāri 3194) Hadith 221 --- The Ever Almighty God has said: "I have prepared for My devoutly righteous servants

"The Ever Almighty God has said: "I have prepared for My devoutly righteous servants what eye has ever seen and no no ear has has ever heard and heart perceived." no ever (According to Bukhāri 3244)

Hadith 222 --- As My Servant Believably Thinks

"The Ever Almighty God, The Ever Most Exalted has said: "I am as My servant believably thinks of Me and I am always with him whenever he Me. If he remembers Me in remembers himself. I also remember him in myself. If he remembers Me in a gathering, I also remember him in greater gathering. Truly if he draws near Me a span of his hand, I draw by the near him by the length of a cubit. Truly if he draws near Me by the length of a cubit, I draw near by the length of a fathom. Truly if him he comes to Me walking, I come to him running." (According to Bukhāri 7405)

Hadith 223 --- A man said that The Ever Almighty God will not forgive that person

"Certainly, a man said: "I swear by The Ever The Ever Almighty God Almighty God, that person." Truly indeed, not forgive that will Ever Almighty God is the said: "Who The swore by Me that I will not forgive who one that person? Truly indeed, I have forgiven that person and I have made your action worthless." (According to Muslim 2621)

Hadith 224 --- Asking For Forgiveness

Honourable the and the Trustworthy Muhammad, and Truthful Messenger Prophet of the The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever The King Compassionate, Eternal of the Entire Universe each and one of to every the Human whole earth P.m.b.u.h Beings on the has said: "A servant committed a sin thereafter he said: The Ever Almighty God, Thou please "Thou forgive my sin." So The Ever Almighty God. for me Ever Most Blessed, The Ever Most Exalted The said: "My servant has committed a sin and he certainly he has The Eternal knows that Lord forgives who Sustainer the sin and holds and the sin." accountable for Thereafter the servant returned and again committed a sin. Thereafter he "Thou The Ever Almighty God, Thou said: please my sin." So The Ever Almighty forgive for me Ever Most Blessed, The Ever God. The Most said: "My servant has committed Exalted а sin that certainly he has The Eternal knows and he Sustainer who forgives the Lord and sin and accountable for the Thereafter the sin." holds and again committed servant sin. returned а Thereafter the servant returned and again committed said: "Thou Thereafter he sin. The Ever a Almighty God, Thou please forgive for me my sin." Ever Almighty God, The So The Ever Most Most Exalted Blessed. said: "My The Ever committed sin has and he knows servant а Eternal certainly he has The Lord that and Sustainer who forgives the sin holds accountable and Thou do whatever for sin. may thou the do, truly indeed I have will forgiven thee." to (According to Bukhāri 7507)

Hadith 225 --- The True Believer Ever Almighty God, The Ever Most Exalted, "The Ever Most Glorious has said: The Certainly, Believer is always in a good The True status True Believer praises Me with Me. The even spirit from within Ι remove his himself." as Musnad Ahmad (According to 8492)

Hadith 226 --- Being Lenient With Humankind

from among the people before "A man ve Humankind was called to give the Reckoning Account. But nothing of good at all was except that he was him found with lenient dealings Humankind, in with truly used his he command his servant to overlook the debt to every person in hardship. The Ever Almighty of God, The Ever Most Exalted, The Ever Most "We Glorious said: are truly more worthy of than him, therefore overlook his sins." such action (According to Muslim 1561)

Hadith 227 --- Worshipping The Ever Almighty God

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of Almighty God to every one of The Ever the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h said: The Ever Almighty God, "Certainly, The Ever "Thou of Exalted has said: Most son Adam your time to worship Me, truly P.m.b.u.h, use fill your chest with richness Ι will and your poverty, truly if alleviate Ι will thou so, then I will put your do not do hands and I will never alleviate your poverty." work to to Tirmidhi 2466) (According

Hadith 228 --- Loving Each other for the Sake of The Ever Almighty God, The Ever Most Exalted

"The Ever Almighty God, The Ever Most Exalted, Ever Most Glorious has said: "My The love is guaranteed for the people who love each for My Sake and the people other who sit together for My Sake and the people who for My Sake and the people each other visit spend on each other for My Sake." who (According to Musnad Ahmad 22030)

Hadith 229 --- Regarding Health in the Body Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet The and the of Ever Almighty God to each and every one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h said: of Certainly, the first thing the servant will be asked about on the Day of Resurrection and Judgement will be about the Favours and Blessings. Truly it will be said him: to did We not give to thee health in your body and nourished thee with cold water? (According to Tirmidhi 3358)

Hadith 230 --- Praying For Forgiveness

Certainly, the Devil Satan said: "I swear by your Honour, Thou The Eternal Lord and Sustainer, not stop misleading your I will servants as their Spirits are in their bodies. long as The Eternal Lord and Sustainer said: "I swear My Honour and My Supremely Glorious bv Splendour, I will not stop forgiveness for them as as they pray for forgiveness from Me." long (According to Musnad Ahmad 11367)

Hadith 231 --- Looking at The Ever Almighty God

"When the People of the Eternal Garden will enter the Eternal Garden, Muhammad, the Honourable Trustworthy and the Truthful Messenger the and The Ever Almighty Prophet of God to and every one of the the Beings Human on whole earth P.m.b.u.h said: "The Ever Almighty God, The Ever Most Blessed, The Ever Most Glorious say: "Do ye people intend to will have anything more? Truly the People Eternal of the say: Garden will "Have thou not made our faces radiantly white? Have Thou not made us to Eternal Garden and Thou have the enter saved Hellfire? Muhammad, the from the us Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God to every one of the Human Beings on the whole earth P.m.b.u.h said: "Then The Ever Almighty will remove the veil, truly nothing the God People of the Garden had been Eternal given them more beloved to looking will be than Eternal Lord and Sustainer The of them. at Most Exalted, The Ever Most Glorious." The Ever (According to Muslim 181)

Hadith 232 --- Who is in the Straight Path the Honourable and the Trustworthy Muhammad, Truthful Messenger and Prophet The and the of Ever Almighty God to each and every one of the whole Humankind on earth P.m.b.u.h said: person who "Each for and every fights purpose to raise the Word of The Ever the Almighty God, truly such a person is in Straight Path of The Ever Almighty God." the (According to Bukhāri 123)

Hadith 233 --- About The Six Characteristics Moses, the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The Ever the God, The Ever Gracefully Most Almighty King Compassionate, The Eternal of the Entire Universe P.m.b.u.h asked The Eternal Lord and about characteristics Sustainer of him the six he believably thought that they were for him purely and the seventh Moses P.m.b.u.h did not like. P.m.b.u.h said: The Thou Eternal Lord Moses Sustainer: who the devoutly pious and is most person of your servants? The Ever Almighty God said: "The servant who always remembers and does not ever forget. Moses P.m.b.u.h said: "Who is the guided person of your servants? The Ever best Almighty God said: "The servant who always follows the Heavenly Guidance." Moses P.m.b.u.h said: "Who the best in judgement of your servants? is The Ever Almighty God said: "The servant who will always judge for Humankind just like he would judge for himself." Moses P.m.b.u.h said: "Who is knowing of your servants? the most The Ever Almighty God said: "The Religious Scholar who unsatisfied with his knowledge and is adds the knowledge of Humankind to his knowledge." own P.m.b.u.h said: "Who is Moses most honoured of your servants? The Ever Almighty God said: "The who forgives when he has power to the servant punish." Moses P.m.b.u.h "Who is said: the most of your servants? The Almighty richest Ever God servant who is pleased with whatever said: "The given." Moses P.m.b.u.h said: "Who he has been poorest of your is the servant? The most Ever said: "The servant who always has Almighty God desire to have more than whatever is appropriate." (According to Ibn Hibbān 6217)

234 --- What is The Best Action Hadith the Honourable the Muhammad. and Trustworthy Truthful Messenger of the and Prophet The and Ever Almighty God, The Ever Gracefully Most The Eternal Compassionate. King of the Entire Universe to each and of the every one Human P.m.b.u.h Beings the whole earth was asked: on action?" "What Messenger is the best The said: "The Ever Almighty God True Faith The in Messenger." Thereafter His he asked: and was what?" The Messenger said: "Striving "Then hard straight Path of The Ever Almighty God." the in 1519) (According to Bukhāri

Hadith235---TheExampleofthePersonWhoStrivesHardintheStraightPath

the Honourable the Muhammad, and Trustworthy Truthful Messenger and Prophet and the of The Almighty God, The Ever Gracefully Ever Most The Compassionate, Eternal King of the Entire each Universe and every of the to one Human the whole earth P.m.b.u.h Beings has said: on example of the "The strives who hard person Straight Path of The Ever Almighty in the God, The Ever Almighty God always knows truly the person who strives hard in His best Straight just like the of the example Path. is person who fasts and stands in Prayer and he puts Ever Almighty The his trust in God. Truly the for the who strives person hard reward in His Straight Path, if the person passes away, The Ever him Almighty God will make enter the Eternal Ever Almighty The God will Garden. or make him return home safely with reward spoils." or (According to Bukhāri 2787)

236 ----Asking For Forgiveness Hadith says: "I for ask Forgiveness "Whoever from The Ever Most Mighty, Almighty God. The Ever One besides The whom there is God no except Him Alone, The Ever Living, The Eternal Watchful Sustainer. and I in return repentance forgiven for Him. All sins will be him. to from even he fled holy battle." the truly (According Tirmidhi 3577) to

237 --- The Merit to Fulfill the Hadith Propmise Faith for the "There is True who no person have the merit be trusted. does not to And for the Religion there is no True who person the merit fulfill the propmise." does not have to (According to Masnad Ahmad 12383)

Hadith 238 --- Things Prohibited and Lawful

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy and Truthful Messenger and Prophet of The the Ever Almighty God and every one to each the of the whole earth P.m.b.u.h Human Beings on said: attentively! Truly indeed, I swear Listen by The Almighty God, that I have admonishingly Ever ve and I instructed have commanded ve and I have prohibited ye things, certainly they from the Ever indeed just like in Supremely are Qur'an Honourable or even more. Truly indeed. Almighty God, The Ever Most The Ever Exalted. Most Glorious has not made it lawful The Ever the houses of the People for ve to enter of their permission nor striking their without Book eating from their fruits people if the women nor Book give ye what is due upon them." of the (According Abu to Dāwud 3050)

Hadith 239 --- Asking For Martyrdom

Trustworthy the Honourable and the Muhammad, Truthful Messenger and Prophet the of The and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire each Universe and every one of the Human to P.m.b.u.h whole earth Beings on the has said: "Whoever Almighty asks The Ever God for martyrdom with truthfulness, The Ever Almighty grant grades will person the God such a of truly even martyrdom, dies his bed." in he Muslim (According 1909) to

Hadith 240 --- The Desire of the Martyr

Muhammad. the Honourable and the Trustworthy Messenger and the Truthful and Prophet of The Almighty Ever Most Gracefully Ever God, The The Eternal Compassionate, King of the Entire of and every Universe each one the Human to whole earth P.m.b.u.h Beings has said: on the "No who enters the Eternal Garden will person desire to the Present Earthly World, to return ever even if there is for him everything that is in the for the Martyr. He will the earth. have except Present Earthly desire the World and to return to killed times due to whatever he be more ten Generous Blessings." will see of the Favours and 2817) (According to Bukhāri

Hadith 240 --- For The Martyr

"For the Martyr forgiven every sin is by Almighty God except debt." The Ever (According Muslim to 1886)

Hadith The Martyrs Five 241 ---are Kinds Martyrs are five kinds; The person who "The of plague dies and the who dies of person infection the person and who dies stomach bv and the person who dies under drowning the and the person who is killed in rubble the The Almighty Straight Path of Ever God." (According Bukhāri 2829) to

Hadith 242 --- Seven Testimonies of Martyrdom

seven testimonies of Martyrdom "There are besides Straight who is killed the in the Path person Almighty God; of The Ever the person who plague is the Martyr dies of and the person dies by drowning is the Martyr who and the person who dies of chest pain is the Martyr and who dies of stomach infection is the the person who dies by burning is Martyr and the person Martyr and the person who dies under the the Martyr and the rubble is the pregnant woman who dies in process of childbirth is the Martyr." (According to Abu Dāwud 3111)

Hadith 243 --- Who will Enter the Eternal Garden

the Honourable and Muhammad. the Trustworthy Messenger Prophet of Truthful and The and the Almighty God. The Ever Ever Most Gracefully The Eternal King Compassionate, of the Entire Universe and each every of the to one Human whole earth P.m.b.u.h has the said: Beings on of Al-Kattab, "Thou thou the son must and go Humankind that certainly no person will announce to the Eternal Garden except the True Believers." enter (According to Muslim 114)

Hadith 244 --- Submitting to The Ever Almighty God

Honourable and the the Trustworthy Muhammad, the Truthful Messenger and Prophet of The and Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Ever Most Merciful, The Ever Most Mighty, High, The Ever The Most Ever Owner of All Praise, The Ever Owner of All Glory, The Eternal King of the Universe, Entire The Creator and The Eternal Lord and Sustainer Entire Universe to each of the and every one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h has said: "Certainly, no person will the enter Eternal Garden except the person who submits The Ever Almighty God; himself to yet certainly, God will indeed Ever Almighty The also this Religion Islam by some assist wicked man." (According to Bukhāri 3062)

Hadith 245 --- Dying in the Straight Path is killed or dies in "Whoever Straight the The Ever Almighty God, truly of Path such person will the Eternal Garden." be in a (According to Masnad Ahmad 285)

Hadith 246 --- Islam is Built Upon Five

"Islam is built upon five; upon that the person must worship only The Ever Almightv disbelieve in everything God and that to is worshipped besides Almighty Ever The God and to equitably perform the Prayer and to the Mandatory Alms and to give equitably Pilgrimage to the the Hajj House perform fast during the month of Ramadan." and to (According to Bukhāri 8)

Hadith 247 --- Perform the Mandatory Prayer Human Being always "Thou the must worship Ever Almighty God. The thou only must not anything whatsoever with associate Him ever always equitably perform and thou must the Prayer and thou must always Mandatory give Mandatory Alms and thou always the must during the fast month of Ramadan." (According Bukhāri to 1397)

248 ----The Pilgrimage Hadith Umrah "Certainly, the Umrah Pilgrimage during the month Hajj equal to the is Pilgrimage." of Ramadan (According to Bukhāri 1782)

Hadith 249 --- The Miraculous Revealations

Honourable the Muhammad, the and Trustworthy Messenger and Prophet the Truthful of The and Almighty God, The Gracefully Ever Ever Most Compassionate, The Merciful, Ever Most The Ever Mighty, The Most High, Ever The Most Ever All Praise, The Ever Owner of Owner of A11 Eternal King of Glory, The the Universe, Entire The Eternal Lord The Creator and and Sustainer of Universe each the Entire to and everv one of Humankind on the whole earth P.m.b.u.h said: of Abraham P.m.b.u.h "The Scriptures be Peace were Miraculously Revealed on him the first upon Torah night of Ramadan and the was Miraculously nights of Ramadan Revealed after six had passed the Gospel was Miraculously Revealed and after Ramadan had passed and nights of thirteen the Miraculously Qur'an Criterion Revealed after was twenty-four nights of Ramadan had passed." (According Masnad Ahmad 16984) to

Hadith 250 --- Avoiding Untrue Statement "Whoever does not avoid untrue statement and evil actions while fasting, then The Ever Almighty God does not need such a person to avoid his food and his drink." (According to Bukhāri 1903)

Hadith 251 --- Avoiding Obscene Words

"Whenever one of ye the True Believers in the morning for fasting, wakes up then he ever use obscene words nor behave must not Truly if anyone abuses him or fights ignorantly. with him, truly he must say: "Certainly, fasting, certainly, I am fasting." I am (According to Muslim 1151)

Hadith 252 --- Prayer About Pardoning

"Thou The Ever Almighty God! Certainly, Thou The Ever All Pardoning, Thou love to pardon, so Thou please pardon me." (According to Tirmidhi 3513)

Hadith 253 --- Praying for the brother in Religion

"No Muslim servant prays for his brother in Religion behind his back, except that the Angel always says: "And for thee be just like it." (According to Muslim 2732)

Hadith 254 --- The True Faith "None of ye people will have the True Faith until the person loves for his brother in Religion everything he loves for himself." (According to Bukhāri 13)

255 ----Hadith The True Faith ye people will have of "None the True loves until the person for neighbor Faith his he loves himself." everything for (According to Muslim 45)

--- The Reality of the True Faith Hadith 256 not reach the reality "The servant does of for each True Faith until he loves and the everything of Humankind he loves every one himself from good." that for is all (According Ibn Hibbān to 238)

Hadith 257 --- How to Treat Humankind

"Whoever loves that he is saved from the made to enter Hellfire and is the Everlasting he Garden, then must die while he truly The Ever Almighty God believes in and the Final Day and he must always treat each and of Humankind the way he loves every one to be treated by each and every one of Humankind." (According to Muslim 1844)

Hadith 258 --- Rights of Every Neighbor

the Honourable and Muhammad. the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of and the and The Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever The Compassionate, Eternal King of the Entire Universe and one of every each the to Human the whole earth P.m.b.u.h has Beings on said: "The Holy Spirit Gabriel P.m.b.u.h continued to treat every neighbor to well until intruct me I believably thought that he would him my heir." (According to Muslim 2624)

Hadith 259 --- Rights of Every Neighbor

Honourable Muhammad, the and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of the The and Almighty God, The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe each of to and every one the Human the whole earth Beings on P.m.b.u.h said by three times: "I The Ever Almighty swear not truly believe, I God: he does swear Ever Almighty God; by he The does not believe, I swear by The Ever Almighty truly truly believe." The Messenger God: he does not "Who is it, thou the Messenger asked: was of The Ever Almighty God?" the Messenger of The Ever Almighty God said: "The person whose neighbor is not safe from evil his actions." (According to 5670) Bukhāri

Hadith 260 --- Rights of Every Neighbor

"The person whose neighbour is not safe from his evil actions will not enter the Eternal Garden." (According to Muslim 46)

Hadith 261 --- Rights of Every Neighbor

the Honourable and Muhammad, the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of The and the and Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe to and every one of each the Human earth P.m.b.u.h the whole has said: Beings on True Believer whose stomach "He is not а is filled while his neighbor to his side is hungry." (According to Al-Sunan Al-Kubra 19049)

Hadith 262 --- The Prayer

"The Prayer is the brain of worship." (According to Tirmidhi)

Hadith 263 --- Modest Shyness

"Modest shyness is a branch of the True Faith." (According to Bukhāri)

Hadith 264 --- The True Believer "The True Believer is innocent and honourable." (According to Tirmidhi)

Hadith 265 --- The Wicked Person "The Wicked Person is deceitful and lowly." (According to Tirmidhi)

Iniquity will Hadith 266 --be Darknesses will Darknesses "Iniquity be on the Day of Resurrection and Judgement." (According to Bukhāri)

Hadith 267 --- Women Are the Traps "Women are the traps of the Devil Satan." (According to Al-Manzari)

Hadith 268 --- The One Who Eats And Gives Thanks gives who eats and "The Person thanks to Ever Almighty God is just like The the person who fasting and is steadfastly patient." is (According to Al-Darimi)

Hadith 269 --- The First to Greet with Salam "The person who is first to greet with salam is free from arrogance." (According to Bayhaqi) Hadith 270 --- Backbiting is Worse than Adultery

Honourable Muhammad. the and the Trustworthy Truthful Messenger and Prophet of the The and Almighty God, The Ever Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe each and one to every of the Human whole earth P.m.b.u.h Beings on the has said: is "Backbiting worse than adultery and fornication." (According to Bayhaqi)

The Earthly World is Hadith 271 ---Prison a "The Earthly World is prison for the a true believer and a paradise for the unthankful disbeliever." (According Muslim) to

Miswaak is Means of Cleanliness Hadith 272 --means of cleanliness "Miswaak is for the mouth pleasing The Eternal Lord and Sustainer." to and (According to Al-Nasā'i)

Hadith 273 --- Regarding Cleanliness "Cleanliness is half of the True Faith." (According to Muslim)

Hadith 274 --- That Wealth Which is Little which little. "That wealth is but it is is everything sufficient better than that is person makes the neglectful." abundant but (According Ibn Hibbān) to

Hadith 275 ----Speaks The Truth best striving hard in the Straight Path of "The The Almighty God by the person Ever is done who speaks the truth in front of a cruel powerful tyrant." (According to Abu Dāwud)

276 --- The Person Who Remembers Hadith example of the person who "The remembers Eternal Lord Sustainer and his and the person does not remember is just like the who person and the person who who is alive is dead." (According to Bukhāri)

Hadith 277 --- Calling Towards the Eternal Garden "The first who will be called towards the Day of Resurrection Garden the Eternal on and Judgement will be the people who praise The Ever Almighty God in prosperity and hardship." (According to Bayhaqi)

Hadith 278 --- There is no Harm in Being Wealthy is in being wealthy for "There no harm person who fears The Ever Almightv God. the The Ever Most Exalted, The Ever Glorious." Most (According to Imam Ahmad)

Hadith 279 --- Showing off is Shirk "Certainly, even a little bit of showing off is shirk." (According to Ibn Majah)

Hadith 280 --- The Truth And The Untruth "Certainly, the truth is serenity; and certainly, the untruth is convincing doubt." (According to Tirmidhi)

Hadith281---TheEverAlmightyGod,TheEverMostGracefullyCompassionate,TheEverMostMercifulisTheEverMostBeautiful

"The Ever Almighty God, The Ever Most Exalted is The Ever Most Beautiful and He Loves Beauty." (According to Tirmidhi)

1517

Hadith 282 --- The Sustenance Indeed Follows "Certainly, the sustenance indeed follows every servant just like his death follows him." (According to Abu Naeem)

Hadith 283 --- The Devil Satan Runs "Certainly, the Devil Satan runs inside the Human Being like the flow of blood." (According to Bukhāri)

Hadith 284 --- The Trial Test of My Ummah "Certainly, for every ummah there is a trial test, truly the trial test of my ummah is wealth." (According to Tirmidhi)

Hadith 285 --- Very Quickly Accepted Prayer "Certainly, the Prayer which is very quickly accepted is the Prayer of the unseen person for the person who is not present." (According to Abu Dāwud)

Hadith 286 --- Deprivation of Sustenance "Certainly, the man is deprived of the sustenance because of the sin he commits." (According to Ibn Majah)

Hadith 287 --- Regarding Finishing Sustenance "Certainly, no person can ever die until he finishes his sustenance." (According to Bayhaqi)

Hadith 288 --- Certainly, Cherity Indeed Cools Down the Anger of The Eternal Lord and Sustainer

"Certainly, cherity indeed cools down the Anger of The Eternal Lord and Sustainer and prevents a bad death." (According to Tirmidhi)

1518

Hadith 289 --- How to Become Better Person "Certainly, thou the Human Being are not better than the white person or the red person except that thou become better than him in devout piety." (According to Imam Ahmad)

Hadith 290 --- The First to Greet With Salaam "Certainly, the person who is first to greet with salaam is closer to The Ever Almighty God." (According to Abu Dāwud)

Hadith 291 --- Anger Indeed Ruins the True Faith "Certainly, anger indeed ruins the True Faith just like aloe ruins honey." (According to Bayhaqi)

Hadith 292 --- The Truth is Piety а "Certainly, the Truth is a piety; and certainly, the piety guides the Eternal to certainly, the untruth is wickedness; Garden: and and certainly, wickedness guides to the Hellfire." (According to Muslim)

293 --- Prohibitions and Restrictions Hadith Muhammad, the Honourable and the Trustworthy Truthful Messenger Prophet of The and and the Almighty God, The Ever Most Gracefully Ever Compassionate, The Eternal King of the Entire one of and every Universe each the Human to Beings on the whole earth P.m.b.u.h has said: The Ever Almighty God has prohibited Certainly. upon all of ye Humankind; ungratefulness to the burying of alive daughters mothers and the and restricted stinginess and He He has disliked has ye Humankind useless chatter for all of and asking too many questions and wasting of wealth." (According to Bukhāri)

Hadith 294 --- The Most Beloved Actions

"Certainly, the most beloved actions in the Sight of The Ever Almighty God is loving only for the Sake of The Ever Almighty God and hating only for the Sake of The Ever Almighty God." (According to Abu Dāwud)

Hadith 295 --- The Cure For Not Knowing "Truly the cure for not knowing is asking questions." (According to Abu Dāwud)

Hadith 296 --- Actions Depend on their Endings "Truly, all actions depend on their endings." (According to Bukhāri)

Hadith 297 --- The Gardens of Paradise "Truly, the grave is a garden from among the Gardens of Paradise or a pit from among the pits of the Hellfire." (According to Tirmidhi)

Hadith 298 --- To Be Called Untruthful "It is enough for a person to be called untruthful because he tells everything he hears." (According to Muslim)

Hadith 299 --- The Slave of Deenar is Condemned "The slave of deenar is condemned and the slave of dirham is condemned." (According to Tirmidhi)

Hadith 300 --- The Very Big Betrayal

"It is a very big betrayal that thou tell your brother something while he assumes that thou are truthful, but in actuality, thou are untruthful." (According to Abu Dāwud)

1520

Hadith 301 --- The True Faith

Muhammad, the Honourable and the Trustworthy and the Truthful Messenger and Prophet of The Ever Almighty God, The Ever Most Gracefully Compassionate, The Eternal King of the Entire Universe one of each and every the Human to the whole earth P.m.b.u.h has Beings on said: ye Humankind can of "None have True the until I more beloved to Faith am him than all Humankind." and his his father children and (According to Bukhāri)

Hadith 302 --- It is Not Ever Lawfully Permitted "It is not ever lawfully permitted for any Muslim to scare another Muslim." (According to Abu Dāwud)

Hadith 303 --- Cutting off Relations ever lawfully permitted for any "It is not Muslim to cut off relations with his Muslim three days. Truly whoever brother more than off relations with his Muslim brother cuts more days, thereafter he three than dies in this such a person will condition, Hellfire." enter (According to Abu Dāwud)

Hadith 304 --- The Wealth of Another Person "Listen attentively! It is not ever lawfully permitted for any person to take the wealth of another person except with his permission and happiness." (According to Bayhaqi)

Hadith 305 --- Convey From Me "All of ye Humankind must always convey from me even if it is only one Miraculous Verse." (According to Bukhāri)

